१

"हिन्दी और उर्दूको मैंने एकसाथ जाना है। हिन्दुस्तानी शब्दका इस्तेमाल भी खुलकर किया है। सन् १९१८ में इन्दौरके हिन्दी साहित्य सम्मेलनमे मैंने जो कुछ कहा* था, वही आज भी कह रहा हूँ। हिन्दुस्तानीका मतलव उर्दू नही; बल्कि हिन्दी और उर्दूकी वह खूबसूरत मिलावट है, जिसे उत्तरी हिन्दुस्तानके लोग समझ सकें, और जो नागरी या उर्दू लिपिमे लिखी जाती हो। यह पूरी राष्ट्रभाषा है, बाकी अधूरी।"

महाबलेश्वर, १–५–'४५ **मोहनदास करमचंद गांधी**

* "हिन्दी भाषा वह भाषा है, जिसको उत्तरमें हिन्दू व मुसलमान बोलते हैं, और जो नागरी अथवा फ़ारसी लिपिमें लिखी जाती है। यह हिन्दी एकदम संस्कृतमयी नहीं है, न वह एकदम फ़ारसी शब्दोंसे लदी हुई है . . .।"

२

[भारतके संविधानसे]

यूनियनकी दफतरी भाषा देवनागरी लिखावटमें हिन्दी होगी।

यूनियनके दफतरी मतलबोंके लिए हिन्दसोंका जो रूप काममे लाया जायगा वह हिन्दुस्तानी हिन्दसोंका अन्तर-कौमी रूप होगा। [३४३- (१)]

यूनियनका फरज होगा कि, हिन्दी भाषाके फैलावको वढाए, और इसका इस तरह विकास करे कि वह भारतकी मिलीजुली कल्चरके सब अंगोको ज़ाहिर करनेका साधन बन सके, और उसकी आत्माको छेडे विना, जो जो रूप, जो शैली और मुहावरे हिन्दुस्तानीमे और आठवी पट्टीमे दर्ज भारतकी दूसरी भाषाओंमे* काम आते है उनको उसमे रचा पचाकर, और, जहाँ कहीं ज़रूरी या चाहनी हो, उसकी शब्दावलीके लिए पहले संस्कृतसे और फिर दूसरी भाषाओंसे शब्द लेकर, उसे मालामाल करे। [३५१]

* दर्ज की गई भारतकी दूसरी भाषाएँ ये चौदह हैं:—

१. आसामी २. बंगला, ३. गुजराती, ४. हिंदी, ५. कन्नड, ६. कश्मीरी, ७. मलयालम्, ८. मराठी, ९. उड़िया, १०. पंजाबी, ११. संस्कृत, १२. तामिल, १३. तेलुगु, १४. उर्दू।

हिंदी - गुजराती कोश

सपादक

मगनभाई प्रभुदास देसाई

गूजरात विद्यापीठ

अमदावाद–१४

देशना अप्रतिम राष्ट्रभाषाप्रचारक

पूज्यश्री गांधीजीने

अनुक्रमणिका

त्रीजी आवृत्तिनुं निवेदन

दस वरसे आ त्रीजी सुधारेली वधारेली नवी आवृत्ति बहार पडे छे, तेथी सतोष थाय छे. आम जोता, बीजी आवृत्ति लगभग पाच-छ वरसमा खपी गई हती. एटले नवी आवृत्ति आथी वहेली बहार पडवी जोईती हती. तेम न थई शकवाथी हिंदीना अभ्यासीओने सोसवु पड्यु छे, ते माटे क्षमा चाहु छु.

आ दस वरसमा आपणी दुनिया बहु फरी गई छे; आपणे स्वतत्र थया अने आपणा देशने माटे कई भाषा राजभाषा बने ते आपणी राष्ट्रीय बधारण सभाए नक्की कर्युं ए भाषानु स्वरूप केवु हशे तेनी चोकस व्याख्या आपवामा आवी; अने तेनी लिपि एक नागरी हशे अने आकडा तेमना अंग्रेजी रूपमा रहेशे, एम ठराव्यु ए भाषा हिंदनी बधी भाषाओ वच्चे कडीरूप आतरभाषा हशे. अने ते तरीके तेने, आवतां १५ वरसमा, आपणा राष्ट्रीय राजवहीवटमा दाखल करवी, एम पण आकवामा आव्यु

आ निर्णय आपणी राष्ट्रीय आगेकूचनी एक भारे मजल कापनारो छे तेनी असर भारे दूरगामी हशे, ए उघाडु छे.

एनी रूए, बे लिपिनो प्रश्न ऊकली गयो गणाय तेथी उर्दू लिपिमा पण शब्दो लखीने गई आवृत्ति बहार पाडेली, ते आ आवृत्तिमा चालु राखवानी जरूर न रही. ए आवृत्तिना प्रारभे गाधीजीए लखेला 'बे बोल' आ प्रस्तावनामा सघर्या छे तेमा आ कोषना उपयोग अने तेने वधारे सारो बनाववामा मदद करवा विषे जे उल्लेख छे ते भणी वाचकोनु ध्यान खेंचु छु.

गई आवृत्तिओमा जणावेलु के, गुजराती अने हिंदीमा समान शब्दो सघर्या नथी; एवा शब्दोनी सख्या पदर हजार करताय वधारे हशे. तेमा सुधारो करीने एवा शब्दो आ नवी आवृत्तिमा उमेरी लेवामा आव्या छे. ते उपरात पण वधु हिंदी शब्दो लीधा छे तेने सारु केटलुक साहित्य पण जोईने शब्दो वीणीने सघर्या छे आ काममा विद्यापीठना विद्यार्थीओए ठीक ठीक मदद करी छे. ते जे साहित्य भणता, तेमाथी तेमणे शब्दो काढी आप्या हता. आम करता

शब्दभडोळ लगभग ३३००० जेटलु थयु छे परिणामे कोशनु कद अने किंमत ते मुजब वध्या छे. हिंदी भाषानो अभ्यास हवे आपणी बधी शाळाओ तथा कॉलेजोमा चालशे. आ कोश तेमा सौने मददरूप थशे एवी आशा छे

शब्दो पसन्द करवामा जे नीति पहेली आवृत्तिथी लीधेली छे ते ज कायम छे आपणी आतरभाषानु स्वरूप आपणी विपूल राष्ट्रीयताने अनुरूप अने तेवु ज वैविध्यपूर्ण अने व्यापक हशे तेमा शब्दो अपनाववानी अनोखी शक्ति रहेली छे. ते तेनो भारे गुण छे बधारणे जणाव्यु छे के, आपणी भाषानी प्रकृति मुजब, शब्दो गमे त्यांथी लेवा घटे ते लेवा जोईशे आ भाषा हवे खूब शक्ति-शाळी बनवी जोईए हिंदनी बधी भाषाओनी साथे ते पण विकसवी जोईए. हिंदीभाषी प्रदेश माटे आथी एक खास जवाबदारी आवे छे तेओ पोतानी भाषा परत्वे अतिअभिमान न धरावे ते तेमनी प्रदेशभाषा के स्वभाषा छे; तेवी ज तेमना देशबांधवोनी पण स्वभाषा छे बे वच्चे सरसाई न होय; विरोध न होय एमनी भाषानी मूळ प्रकृतिना काठाने वफादार रहीने आपणी आतरभाषा हिन्दी बनशे अने चालशे आ वस्तु लक्षमा राखीने जो ते भाषानो विकास करवामा आवे, तो ते भाषा दुनियानी एक मातबर प्रजानी भाषा बने अने तेवु मान पण तेने जगतना दरबारमा मळे एम करवु होय तो दरेक राष्ट्रप्रेमी हिंदीए ए भाषाने शीखीने तेने खीलववामा भाग लेवो जोईए. आ कोश गुजराती बोलता हिंदीओने एमा मदद करशे एवी आशा छे. अने तेमने विनती के, आ कोशने वधु उपयोगी बनाववामा तेओ बनती मदद करे.

२-१०-१९५६ म० प्र० देसाई

अगाउनी आवृत्तिनां निवेदनोमांथी

१

राष्ट्रभाषाने शिक्षणमां स्थान होवु जोईए एम गांधीजी दक्षिण आफ्रिकाथी हिंद आव्या त्यारथी सतत कहेता आव्या छे. एटले, राष्ट्रीय शिक्षणनी शरूआतथी तेमा तेने अनिवार्य स्थान आपवामा आव्यु छे, अने ते मुजब, विद्यापीठनी स्थापनाथी राष्ट्रभाषाना शिक्षणने तेमा स्थान रह्यु छे. बल्के, विद्यापीठना ध्येयोमा ज ए विषे एक कलम छे के, "विद्यापीठमा राष्ट्रभाषा हिंदी-हिंदुस्तानीने आवश्यक स्थान हशे." अने तेनी ज साथे ए भाषानी व्याख्यानी स्पष्टता करवा नोंध मूकवामा आवी छे के, "हिंदी-हिंदुस्तानी ए भाषा के जे उत्तरना सामान्य हिंदु मुसलमान बोले छे अने देवनागरी अथवा फारसी लिपिमां लखाय छे."

१९३० थी '३४ना युद्धना दिवसो बाद, ई. स. १९३५ मा विद्यापीठे नवेसर पोतानु काम शरू कर्यु त्यारे राष्ट्रभाषाने अंगे एक वधु काप पण तेणे उपाड्यु; अने ते पोताने स्थानेथी बने तेटली राष्ट्रभाषाप्रचारने मदद करवानु. आने अंगे १९३६मा विद्यापीठ मडळे एक कार्यदिशा पण आकी हती, अने तेमा गुजरातनी प्रजाने उपयोगी थाय एवो नानकडो राष्ट्रभाषानो कोश करवो, एवु एक कार्य हतु. आ कोश ते अनुसार करवामा आव्यो छे.

गुजरातमा राष्ट्रभाषाप्रचारनुं काम एक रीते जोईए तो साव सहेलु छे. अ-हिंदीभाषी प्रान्तोनी भाषाओमा गुजराती भाषा कदाच हिंदुस्तानीनी साथे घणी ज मळती आवे छे. बेना शब्दभडोळमा तद्भव अने तत्सम शब्दो ठीक ठीक प्रमाणमा सरखा छे, अथवा फेरफार छे तो एवो जूजजाज के भणेलो गुजराती वाचक सामान्य हिंदी शब्दोनो अर्थ कल्पी शके. एटलु ज नहि, गुजरातमांथी हिंदी लेखको पण पाक्या छे. वळी, व्रजभाषा साथेनो तेनो सांस्कृतिक सबध सैकाथी एकसरखो चालतो आवेलो छे. राष्ट्रभाषाना स्वयसिद्ध प्रचारक समा साधुसन्यासीओ गुजरातना गामडामा हमेश फरता रह्या छे अने तेथीए हिंदी साथेनो तेनो सपर्क सतत चालु राखेलो छे. अने तेथी गुजरातमा गिरिधर करताय कदाच तुलसी-रामायण वधारे वचाय छे. कबीर अने दादुना भजनो तेमना पथ मारफते हजी जीवता रहेला छे. आ उपरात गुजराती वेपारी पण करोडोनी भाषाने कामचलाउ जाण्या वगर ओछो ज रहे एवो छे? गुजरातना मुसलमान राजाओना काळमा फारसी अरबीनी असर पण तळपदी भाषामा ओछी ऊतरी नथी. एटले, गुजरातने माटे राष्ट्रभाषाप्रचारकार्य सहेलु छे एमा प्रश्न नथी.

पण तेथी ज कदाच ए विषे उपेक्षा थवानो पण भारे भय रहे छे. मात्र वेपार के मुसाफरीनी सवड पूरतो ज परिचय जरूरी छे एम जो मनाय, तो तेटला परिचयथी आपणे एक बोली जरूर शीखी लई शकीए. परन्तु राष्ट्रभाषा एवी बोली मात्र नथी. तेणे तो हिंदनी एकतानु अने आपणी हिंदी सस्कृतिनु वाहन बनवानु छे. प्रजाना राजकारणनी भाषा तो आज आपणी नजर सामे ते बनी रही छे. अनेक प्रांतीय साहित्य-प्रवाहो ए ज मोटी राष्ट्रगगामा मळवाना छे. आज आपणा प्रांतीय साहित्यो सहेजे बनी जतो परस्पर सबध कदाच साधे छे.

पण तेनी कोई नीतिरीति के नियमबद्ध पद्धति आपणे हजी नथी विकसावी. ए काम पण आगळ जता राष्ट्रभाषाने ज माथे आवशे एमा कोईने शका छे ?

राष्ट्रभाषानु आवु स्वरूप होवाथी तेने आपणे मात्र एक बोली रूपे जाणीने निरांत वाळीए, तो सास्कृतिक प्रगतिमां गुजरात पाछळ ज पडे एमा शका नथी. एटले भाषा तरीके तेनु अध्ययन थवु जोईए, वधवुं जोईए, अने विकसवु जोईए. तेने माटे बे दिशाओ देखाय छे:—(१) प्रौढ वर्ग हिंदी प्रचारनी परीक्षाओ आपवाने निमित्ते भाषानो शास्त्रीय अभ्यास शरू करे; (२) शाळाना विद्यार्थीओना अभ्यासक्रममा राष्ट्रभाषाने स्थान मळवु जोईए,—जे सुधारो, में शरूमां कह्यु ए प्रमाणे, गाधीजी आफ्रिकेथी देशमा आव्या त्यारथी कहेता आव्या छे. प्रौढ वर्गोनी शरूआत गुजरातमा थई छे ए सौने खबर छे. तेनी गति दिवसे दिवसे वधशे एमां शका नथी. अने सुखनी वात ए छे के, केळवणीना महासभावादी प्रधानोए शाळामा हिंदुस्तानी शिक्षणनी बीजी बाबतने पोताना कार्यमा स्थान आप्यु छे.

आ उपरांत एक त्रीजो वर्ग पण जरूरनो छे, अने ते उपरना बे वर्गोने मददरूप एवा राष्ट्रभाषाना प्रचारको अने तेना शिक्षकोनो. आ वर्गनी उत्पत्ति पण आजे गुजरातमां प्रारंभिक दशामा ज छे. जेम जेम आपणी राष्ट्रीय अस्मिता वधती जशे अने तेथी करीने राष्ट्रभाषानी किंमत वधारे ने वधारे जोता जईशु, तेम तेम आ शिक्षक-प्रचारक-वर्ग वधवु ज जोईशे—ते वधशे ज. अने ए वर्ग उपरना बे वर्गोने पछी पहोंची वळशे.

राष्ट्रभाषानो आ गुजराती कोश आ त्रणे वर्गोने लक्षमा राखीने करवामा आव्यो छे. शाळानो विद्यार्थीवर्ग कदाच आ कोशने एकदम न पण अपनावी शके, परतु राष्ट्रभाषाप्रेमी प्रौढ लोक अने ते भाषाना शिक्षकवर्गने आ कोशथी पूरती मदद मळशे एम मानु छु. हिंदीमां अर्थो आपता कोशो आज घणा छे. परतु ते कोशो आपणे माटे बे रीते ऊणपवाळा छे: एक तो, शीखवानो प्रारभ करनारने हिंदीमा ज आपेला अर्थो बरोबर न फावे; ते अर्थो जो गुजरातीमा आपवामा आवे तो सरलता पडे. बीजु, प्रचलित हिंदी कोशोमा राष्ट्रभाषानी दृष्टि राखीने अने जरूर विचारीने शब्दो सघरायेला नथी होता. तेमां हिंदी साहित्यनी जरूर ध्यानमा राखेली होय छे,—अने ते योग्य ज छे. तेथी करीने ते कदमा मोटा अने अन्यभाषाभाषीने माटे बिनजरूरी विस्तारवाळा थई पडे छे. आथी ते कोशो प्रारभना अभ्यासमा काम दई शकता नथी.

आ कोशथी आ ऊणपो आपोआप टळे छे. तेमा शब्दोनी पसदगी राष्ट्रभाषाना स्वरूपने बरोबर ख्यालमा राखीने करवामा आवी छे. फारसी अरबी शब्दो जे सामान्य रीते उत्तरना हिंदु-मुसलमानोमा बोलाय छे तेमने पण आ कोशमां स्थान आपवामा आव्यु छे. आ कामने अगे विद्यापीठना सेवक भाई गिरिराजजी तथा प० सुरेशचंद्रजीनी मदद लीधी छे भाई गिरिराज दिल्ही प्रांतना छे अने उर्दू सारी पेठे जाणे छे, ए आ कामने माटेनी तेमनी योग्यता बताववा पूरतु छे. प० सुरेशचंद्रजी युक्त प्रातना वतनी छे अने वृंदावन अयोध्या वगेरे विभागोनी हिंदीथी परिचित छे. आ बेउ भाईओए मळीने, हिंदी-हिंदुस्तानीनी व्यापक्यानी दृष्टिए शब्द-पसंदगी करवामां कीमती मदद करी छे. तेथी ज आ कोशनु काम सतोषप्रद ने सहेलु तथा झट बनी शक्यु छे.

कोशनो विस्तार नाहक वधे नहि तेटला माटे, शब्दो लेवामा ए धोरण राख्यु छे के, जे शब्दो समान रूपे ने समान अर्थमा गुजरातीमा पण चालता होय, तेमने आ कोशमा आपवा जरूर नथी. ए नियमथी, मोटा भागना सस्कृत शब्दो, 'पूछना, मीचना, आदमी, खरीदना, खबरदारी,' वगेरे जेवा शब्दो आ कोशमा नथी सघर्या, —सघरवा जरूरना पण नथी. परतु, जे शब्दोनी जोडणीमा के अर्थमा लिंगमा फरक होय तेवा लीधा छे. जेम के 'आत्मा, असर'मा गुजराती हिंदुस्तानीमा लिंगफेर छे; 'पहोंचवु, पहुँचना' 'महसूल, महेसूल'मा जोडणीफेर छे; 'सगीर' 'सकीर्ण' वगेरे जेवा अनेक शब्दोमा अर्थभेद छे. लिंगफेरने अगे एक वस्तु नोंधवी जोईए. हिंदीमां नपुसक लिंग नथी एटले जे शब्दो गुजरातीमा नपुसक लिंगना छे अने हिंदुस्तानीमा पुलिंग छे तेमने छोडी दीधा छे. ए लिंगफेरवाळा शब्दो लीधा नथी.

शब्दोना अर्थोनो विस्तार करवामा पण, गुजरातने केवा कोशनी आजे जरूर छे ते ख्यालमां राखीने चालवाथी, आपोआप केटलुक लाघव साधी शकायु छे.

तुलसी, कबीर, सुरदास जेवा भक्त-कविओ जे आपणे त्या लोकप्रिय छे तेमना शब्दोने जो घटतु स्थान आपवामा आवे तो कोशनी उपयोगिता सहेजे वधी जाय. ए ख्यालथी ते कविओना शब्दोने स्थान आपवामा आव्यु छे. पण तेनो अर्थ एम नथी के, तेमना अभ्यासीने ते कविओना लखाणोना बधा ज शब्दो आ कोशमाथी मळशे. उपर जणाव्यु एम, आ शब्दसग्रहनी पसदगी करवामा गुजरातनी तात्कालिक जरूरने मुख्यत्वे नजर सामे राखवामां आवी छे. अने तेथी ज ते सग्रह आवडो नानो ने माफक किमतनो करी शकायो छे.

राष्ट्रभाषाप्रचारने माटे लेवाती परीक्षाओमा तथा गुजरात विनय मदिरनी सात श्रेणीओमां चालता पाठ्यपुस्तकोना शब्दो आ कोशमा आवी जाय ते हेतुथी ते पुस्तको जोई जवामां आव्यां छे. ते उपरात पण केटलुक सामान्य वंचातु साहित्य जोवामा आव्यु छे. बाकी, शब्दपसदगी माटे, मुख्यत्वे, उपलब्ध कोशोमाथी सीधी विणामणी करवामा आवी छे. अने तेम करवाने माटे 'हिंदी शब्दसागर'नी नानी, मोटी ने मध्यम ए त्रण आवृत्तिओ, काशी विद्यापीठनो 'हिंदीशब्दसग्रह', रेवरड बेट कृत हिंदीभाषानो (अग्रेजी) शब्दकोश, श्री. रामचद्र वर्मा कृत 'उर्दू-हिंदी शब्दकोश', इडियन प्रेसनी 'Hindustani English Dictionary', प. रामनरेश त्रिपाठी कृत 'हिंदुस्तानी कोश' तथा बीजा केटलाक कोशोनो उपयोग करवामां आव्यो छे. ते सर्व ग्रंथोना विद्वान सपादकोनो आ स्थळे हु आभार मानु छुं.

हिंदी शब्दोना गुजराती अर्थो आपवामा एक ए ख्याल पण राख्यो छे के, मूळ हिंदी शब्दने मळतो जो गुजराती शब्द होय, अने ते अर्थमा, तो तेने नोंधवो. आथी करीने तुलनात्मक भाषाभ्यासीओने थोडी घणी सामग्री आ कोशमाथी मळशे एम मानु छु. केटलाक तद्भव शब्दो जे बेउ भाषामा समान रूपे ने समान अर्थमा छे ने जे, हु उपर कही आव्यो एम, आ कोशमा नथी सघर्या, ते अलग वीणी काढ्या होय तो सारु, एम एक संमान्य मुरब्बीनी सूचना हती. ए रसिक काम तो हवे आथी अलग रूपे कयारेक करवा उपर छोडवु जोईए. अत्यारे तो, कोशनो उपयोग करनारने तेना विना कशी अडचण नथी पडवानी एटलु समाधान छे.

उपरनी मर्यादामा रहीने काम करता, लक्षावधि जेवडा हिंदी शब्दसागरमांथी १५३२० शब्दो आ कोशमा समाया छे. ते उपरांत, बेउ भाषामा तत्सम एवा संस्कृत तथा अन्य शब्दो जे आ कोशमा छोडी दीधा छे, ते उमेरो तो एटला ज बीजा थाय, एमा शंका नथी. एटले के, कुछ ३० हजार उपर शब्दो जेटलु काम आ कोशथी सरशे एम गणाय. कोशमा नोंधेला शब्दो साथे व्याकरण अने केटलीक व्युत्पत्ति आपवामा आवी छे. तथा शब्दोनी साथे तेमना रूढ शब्दप्रयोगो पण नोंध्या छे. तेमा पण जे रूढिप्रयोगो गुजरातीमा पण ते ज रूपे चाले छे — अने तेवा घणा छे — तेमने नथी आप्या, केम के गुजराती वाचकने ते परिचित ज छे.

ता. ३०–४–'३९ म० प्र० देसाई

२

ई. स. १९३९ ना मे मासमा 'राष्ट्रभाषानो गुजराती कोश' नामथी प्रसिद्ध करेला हिंदुस्तानी-गुजराती शब्दकोशनी नवे नामे ने सुधारेलीवधारेली आ बीजी आवृत्ति छे. पहेली आवृत्ति लगभग त्रणेक वर्षमा ज पूरी थई गई हती. पण वच्चे १९४२–४नो गाळो आववाथी तेनी नवी आवृत्ति आटली मोडी बहार पाडवी पडी छे.

आ वर्षोमा राष्ट्रना जीवनना अनेक क्षेत्रो जेम राष्ट्रभाषा–प्रचार विषे पण भारे फेरफार थयो छे. देशनु आ काम एक पगलु आगळ वध्यु छे. ई. स. १९४२ सुधी आ रचनाकार्य हिंदी साहित्य संमेलननी वर्धा समिति मारफत चालतु हतु. ते सालमा छेवटे ए संस्थाए स्पष्ट कर्यु के, ते तो नागरी लिपि अने हिंदी शैलीनो ज अनुक्रमे राष्ट्रलिपि अने राष्ट्रभाषा तरीके प्रचार करशे; आ तेनी मर्यादा छे तेणे राष्ट्रभाषानु राष्ट्र-मान्य 'हिंदुस्तानी' नाम पण अपनाववा तैयारी न बतावी बेउ लिपि द्वारा लखाती उत्तर हिंदनी जे आम लोकभाषा ते राष्ट्रभाषा छे, एवी व्याख्यामा आम तेणे फेरफार कर्यो. आथी पूर्ण राष्ट्रभाषानु ए काम करवा माटे राष्ट्रना आ रचनाकार्यना नेताओए 'हिंदुस्तानी प्रचार सभा'नी स्थापना करी, अने तेनुं काम आपणे त्यां शरू थयु.

आ स्थितिमा कोशे पोतानु शब्दभंडोळ वधारवा उपरांत बेउ लिपिनो पण समावेश करवो जोईए. तो उपरना कार्यमा कोशे पोतानो फाळो आप्यो एम कहेवाय. आ दृष्टिए आ नवी आवृत्तिमा शब्दने बेउ लिपिमा आप्या छे. एटले के, नागरी जोडे उर्दू लिपिमा पण ते छाप्या छे. आ करी शकायु तेथी संतोष थाय छे.

शब्दभंडोळ वधीने कुल १६००० थयु छे. शब्दो उमेर्या छे ते चालु वचातु केटलुक हिंदुस्तानी साहित्य जोईने. केटलाक मित्रोए पण लेवा जेवा शब्दोनी नानी मोटी यादी मोकली छे. ए बधाना नाम गणाव्या वगर ते सौनो आभार मानु छु.

शब्दो सवरवा अंगे आंकेली मर्यादा, आ आवृत्तिमाय चालु रहे छे. एक एवी सलाह मळी के, गुजराती तथा हिंदुस्तानी बेउना एकसरखा शब्दो, के जे आ कोशमा नथी सघर्या, तेय लेवा. आ शब्दो लगभग १५००० थाय छे.

आ शब्दोनी यादी भाषाशास्त्रनी दृष्टिए करवा जेवी खरी. पण आ कोशमा ते उमेरवाथी कद वधे ने किंमत वधे, जे तेना प्रचारमा बाधा आणे. ए ज वहेवारु ख्याल थ'. आ

शब्दो आ वेळाय नथी लीधा. आजनी मोंघवारीथी आमेय किंमत तो सारी पेठे वधी ज छे, जेने माटे तो कशो उपाय नथी.

गई आवृत्तिमां 'राष्ट्रभाषानु स्वरूप' ए मथाळे पू. गांधीजीना विचारोने आमुख तरीके आपेला. आ वेळा तेमणे खास 'बे बोल'* लखी आप्या होवाथी ते भाग जतो कर्यो छे. गांधीजीना विचारो जाणवा माटे हवे तेमनु 'राष्ट्रभाषा विषे विचार' ए नामनु स्वतंत्र पुस्तक प्रसिद्ध थयु छे, ते वाचक जुए.

छेवटमां एक वात : हिंदुस्तानी भाषाना प्रचारने अंगे एक गेरसमज थती जोवामा आवे छे, ते ए के, तेमा फारसी अरबी ने संस्कृत शब्दोनो अदलोबदलो के आघापाछी करवानी होय छे. पण, भाग्ये ज कोई एम माने छे. आ तो एक अवळी दलील ज छे. आ कोशनी पाछळ एवी कोई दृष्टि न मानवा विनती छे. आजनी स्थितिमा हिंदी + उर्दू बेउ शब्दोनु भंडोळ चालवानु. लेखक पोताना रुचि अने शिक्षण प्रमाणे सहेजे अहींथी के तहींथी शब्दो लखशे. जे शब्दो ने जे शैली सामान्य जनताने वधु समजाशे ने गमशे, ते वधु चालशे. आ मोटी कसोटीने जो लेखको अनुसरे, तो आपोआप तेओ सरळ लोकभाषा तरफ वळशे. ते हिंदी हशे तो सरळ हिंदी बनशे ने उर्दू हशे तो सरळ उर्दू बनशे. अने ए दिशामा [illegible] शैलीओ एक प्रचलित लोकभाषा, जेने हिंदुस्तानी नामथी कहेवामा आवे छे, तेनी [illegible] नजीक, आपोआप पहोंचशे. आ काम कोशनु नथी. कोशे तो चालु स्थितिमा काम [illegible] शब्दसंग्रह आपवानो छे. एथी ज एम केटलाक कहे छे के, आजे तो उर्दू [illegible] शब्दकोश = पूरो हिंदुस्तानी शब्दसागर गणाय.

एक आथी ऊलटी विचार-दिशा पण प्रवर्ते छे. अने ते ए के, [illegible] एक रूप संशोधवु अने तेने माटे जरूरी एवु नानु पायारूप [illegible] पण एक बे जाणमा छे. राष्ट्रभाषाना खेडाण अने वृद्धिने अर्थे [illegible] थवा जोईए, प्रांतीय भाषाओ अने हिंदुस्तानीमा एकसरखा [illegible] वधु खूब उपयोगी काम छे. ने तेमा अभ्यासीओ लागशे [illegible] महान कामने सारु वैज्ञानिक मदद पण मळी शकशे.

आ कोश तैयार करवा माटे शब्द-पसंदगी [illegible] राखी छे. एने पायानी के संपूर्ण हिंदुस्तानीनो कोश [illegible] नेम एटली ज छे के, आजे आपणे त्या हिंदुस्तानी [illegible] वळवा मथवु. ते अर्थ जेटलो सरे तेटलो एनो [illegible] आगळ उपर सुधारवावधारवा सक्रिय मदद [illegible]

१२–३–'४६

=

* आ 'बे बोल' [illegible]

बे बोल

हिंदुस्तानी-गुजराती कोषनी आ बीजी आवृत्ति छे। एवो कोष आपणी भाषामा बीजो मे नथी जोयो। नागरी ने उर्दू लिपिमा साथे शब्दो आपवावाळो कोष ए नवु साहस लागे छे। जो नागरी अने उर्दू लिपि साथे जाणवा ने हिन्दी अने उर्दू रूपमां साथे बोलवानी आवश्यकतानो स्वीकार थाय, तो आवा कोषोनी जरूरियात बहु छे।

आ कोष वापरवानी रीत सामान्य कोष वपराय छे तेम नथी। आ कोषने हिन्दुस्तानीनो अभ्यासी वारवार जुए तो तेमाथी बन्ने लिपिनु ने बन्ने बोलीना शब्दोनु तेनु ज्ञान सहेजे वधे। आ कोषना सदुपयोगनी बीजी रीत ए छे के, तेमा भूल रही गई होय तो तेनी नोध करी लेवी ने जे शब्दो न मळे ते लखी लेवा, ने एनी नोंध वखतोवखत सपादकने मोकल्या करवी। सपादक पोते सूचनानो घटतो उपयोग नवी आवृत्तिने सारु करी शके अथवा वधारा तरीके जेनी पासे कोष होय ते नजीवे दामे नवी आवृत्तिनु काम लई शके। वळी मूळ कोष खरीदनारने ते पुरवणी तरीके मोकली शकाय।

मारी उमेद छे के आ साहसने गुजराती जनता वधावी लेशे।

मद्रास जतां ट्रेनमा,
२१–१–'४६

मो० क० गाधी

कोश वापरनारने सूचनाओ

१ कोशमा वपरायेली संज्ञाओनी समजूती आ प्रमाणे छे.

पु० पुल्लिग (नाम)	(प) एटले के मुख्यत्वे पद्यमा वपराय छे
स्त्री० स्त्रीलिंग (नाम)	ब० व० बहुवचन
वि० विशेषण	ए० व० एकवचन
अ० अव्यय	अ अरबी
स० सर्वनाम	फा फारसी
अ० क्रि० अकर्मक क्रियापद	स संस्कृत
स०क्रि० सकर्मक क्रियापद	तु तुर्की
	इ, अ इंग्रेजी

२ शब्दनो क्रम गोठववामा अनुनासिक के अनुस्वारवाळो अक्षर ते वगरना अक्षरनी अगाउ मूकवामा आव्यो छे एटले, दा०त० कंस, कद वगेरे 'कई'नी पहेला आवे. ते सिवाय बाकीनी गोठवणी कक्कावारीना सामान्य रखाता क्रममा छे

३ शब्दना पेटामा तेना रूढिप्रयोग तथा तद्भव ने झट समजाय एवा शब्दो मूक्या छे. जेम के,

(१) '**कँचेरा**'नु स्त्रीलिंग '**कँचेरिन**' ते शब्द जोडे (स्त्री० **–रिन**) एम करीने बताव्यु छे

(२) '**कफन**' शब्दमा '**– को कोड़ी न होना**' एटले के '**कफनको कोड़ी न होना**' रूढिप्रयोग आप्यो छे

(३) वि० साथे तेनु स्त्रीलिंग रूप कौसमा स्त्री० करीने टांक्यु छे जेम के, **काहिल** वि० [स्त्री० **–ली**] मूळ शब्द परथी बनतु नाम आप्यु छे त्या कौसमा [नाम,] करीने आप्यु छे जेम के, **गिड़गिड़ाना** [नाम, **–हट**] एटले के, **गिड़गिड़ाहट. गिलकार** [नाम, **–री**] **लँगड़ा** वि० [अ० क्रि० **–ना**] एटले के '**लँगड़ाना**' वगेरे तेम ज क्रियापद, विशेषणनु पण समजवु

४ मूळ शब्दना विकल्प होय तो तेमने आखा लखवाने बदले, शक्य होय त्या, नीचे प्रमाणे टूकावीने मूक्या छे जेम के,

तिकोना(–निया) = तिकोना, तिकोनिया
तिरछ(–छा)ई = तिरछई, तिरछाई
रिझा(०व)ना = रिझाना, रिझावना

एटले के, आ – सज्ञा तेनी पूर्वेना अक्षरने बदले लेता थता शब्दनो अने आ ० सज्ञा तेमा उमेरीने बनता शब्दनो विकल्प सूचवे छे

अ

अंक पु० (स) अक, सख्यानो आकडो (२) आक, निशान (३) नाटकनो अक (४) खोळो. **—देना, —भरना, —लगाना**=भेटवु, जुओ 'अँकवार देना' [आकडानु गणित
अंकगणित पुं० (स.) सख्यानुं—
अँकड़ी स्त्री० जुओ 'अँकुडी'
अंकन पु० (स) आकवु ते, आकणी
अंकपाली स्त्री० (स.) धाव, आया
अंकमाल पु० गळे वाझीने भेटवु ते **—देना**=भेटवु [धान
अँकरा पु० घउ भेगु ऊगतु एक हलकुं
अँकवार स्त्री० गोद, छाती. **—देना, —भरना**=भेटवु, छाती सरसु लगाववु
अँकाई स्त्री० आकवु ते, जुओ 'अँकाव'
अँकाना स०क्रि० ('आँकना'नु प्रेरक) अकाववु, अदाज कढाववो (२) परखाववु; परीक्षा कराववी [अटकळ
अँकाव पु०आकवानु काम (२) अदाज,
अंकित वि० (स) आकेलु के अकायेलु
अँकुड़ा पु० आकडो
अँकुड़ी स्त्री० नानो आकडो
अँकुड़ीदार वि० आकडावाळु
अंकुर पु० (स) अकुर, नवो फूटेलो फणगो **—आना, उगना, निकलना, फूटना, फेंकना**=अकुर फूटवो [अकुरवाळु
अंकुरित वि० (स) अकुर फूटेलु,
अंकुश पु० (स) हाथीनो अकुश (२) प्रतिबध; काबू, दाब (**—देना, रखना**)
अंकुशग्रह पु० (स) महावत
अँकुस पु० अंकुश
अँकुसी स्त्री० आकडी; हूक
अँकोर पु० अंक, खोळो (२) भेट; नजराणु (३) लाच (४) खेडूतनु भाथु के भात [भेटवु ते
अँकोरी स्त्री० अक; खोळो (२)
अँखड़ी स्त्री० आख [मिचौली'
अँख-मीचनी स्त्री० जुओ 'आँख-
अँखिया स्त्री० आख
अँखुआ पु० (स. अकुर) बीजमाथी फूटतो अकुर के कूपळ. **—आना, उगना, निकलना, फूटना, फेंकना, लेना**=अकुर फूटवो [ऊगवु
अँखुआना अ० क्रि० अकुर फूटवो;
अंगड़-खंगड़ वि० वध्युघट्यु, तूट्यु-फूट्यु (२) पुं० भगार
अंग पु० (स.) अग; शरीर (२) भाग; टुकडो. **—करना**=अगीकार करवु **—देना**=वामकुक्षी करवी. **—मोड़ना**=लज्जाथी शरीर सकोचवु. (२) आळस खावी. **—लगना**=पचवु; लोही लई पुष्ट थवुं (२) कोईना खपमा आववु **—लगाना**=भेटवुं (२) स्वीकारवु; अपनाववु (३) लग्न कराववु
अंगज वि० (स) अगमाथी जन्मेलु (२) पु० पुत्र, परसेवो, वाळ, काम, क्रोध इ०. **अंगजा** स्त्री० पुत्री

अँगड़ाई स्त्री० शरीर फाटवु ते (जेम के ताव आवता पहेला) (२) आळसथी के शरीर जकडाईने अक्कड थयु होय तेथी शरीरना अगो ताणता फेलाववा ते **—तोड़ना**=आळसु बेठा रहेवु; काम न करवु
अँगड़ाना अ०क्रि० शरीर फाटवु (२) आळस काढवा के अगो अकडावाथी शरीर ताणवु–खेंचवु
अंगण पु० आगणु
अंगत्राण पु० (स.) अगरखु (२) [वखतर, कवच
अंगदान पु० (स.) पीठ देखाडवी; युद्धमा पाछु पडवु ते
अँगना पु० (प.) आगणु
अंगना स्त्री० (स.) सुन्दर स्त्री
अंगभंग पु० (स.) अगनी खोड; अपगता (२) वि० खोडीलु
अंगभंगी स्त्री० (स.) भगी, नखरा; शरीरना कामुक चाळा
अंगभाव पु० (सं) अगनी चेष्टाथी वतावातो मनोभाव
अंगभूत पु० (स.) जुओ 'अंगज', पुत्र (२) वि० अतर्गत; अगनु
अंगमर्द पु० (स) अग फाटवु के कळवु ते (२) अंग दाबनार – चपी करनार
अँगरखा पु० अगरखु; 'अगा'
अँगरा पु० अगारो
अँगराना अ० क्रि० जुओ 'अँगडाना'
अँगरेज़ पुं० अंग्रेज
अँगरेज़ी स्त्री० अग्रेजी भाषा
अंगलेट पु०; स्त्री० शरीरनु काठु–बाधो
अँगवना स० क्रि० (प) सहवुं; खमवु, वेठवु [कामदेव
अंगहीन वि० (स.) अपंग (२) पुं०
अंगा पु० अगरखु
अंगाकड़ी स्त्री० अगार उपर शेकीने करेली रोटी, बाटी
अंगार पु० (स) अगारो **—उगलना** =अगारा जेवा बोल काढवा, आग वर्षाववी. **—पर पैर रखना**=जाणी जोईने नुकसान के मुश्केलीमा ऊतरवु. **लाल अंगारा**=वि० लालचोळ; खूब गुस्से थयेलु
अंगारक पु० (स.) अगारो (२) मगळ ग्रह [झाड
अंगारपुष्प पु० (सं) इगोरी; इगुदीनु
अंगारमणि पु० (स) माणेक [वेल
अंगारवल्ली स्त्री० (स.) चणोठीनी
अंगारा पु० अगारो
अंगारिणी स्त्री० (स.) सगडी (२) सूर्यास्तनी दिशा – पश्चिम
अंगारी स्त्री० नानो अगारो, तणखो (२) चिनगारी (३) सगडी
अँगारी स्त्री० शेरडीना साठा परना पान (२) गडेरी, शेरडीना वडवा
अँगिया स्त्री० (स अगिका, प्रा० अगिया) चोळी, स्त्रीनु कापडु
अंगी पु० (स) देहधारी
अंगीकार पु० (स) स्वीकार
अंगीकृत वि० (स) स्वीकृत, मजूर; अपनावेलु
अँगीठा पु० (स अग्नि+स्था) मोटी सगडी **अँगीठी** स्त्री० सगडी
अंगुर पु० अगुल, आगळ
अंगुरी स्त्री० अगुली; आगळी
अंगुल पु० (सं) आगळ
अंगुली स्त्री० (स) आगळी (२) हाथीनी सूढनु टेरवु

अंगुल्यादेश पु०(सं.) इशारो, आगळीथी निशानी करवी ते [ते; वदनामी
अंगुल्यानिर्देश पु० (स) आगळी चीधवी
अंगुश्त पु० (फा.) आगळी
अंगुश्तनुमाई स्त्री० (फा) आगळी–देखामणु; बदनामी, कलंक, लाछन
अंगुश्तरी स्त्री० (फा.) 'अँगूठी', वीटी
अंगुश्ताना पुं० (फा) सीवती वखते दरजी आगळी पर पहेरे छे ते अगूठी
अंगुष्ठ पु० (सं.) अगूठो
अँगुसी स्त्री० जुओ 'अँकुसी' (२) सोनीनी फूकणी; 'बकनाल'
अँगूठा पुं० (सं. अगुष्ठ) अगूठो **–चूमना**=खुशामत करवी (२) तावे–अधीन थवु **–दिखाना**=टिक्को बतावबो; काई करवा के देवा ना कहेवी. **अँगूठे पर मारना**=तुच्छ-कारवु, परवा न करवी
अँगूठी स्त्री० 'अगुश्तरी', वीटी
अंगूर पु० (फा.) अगूर–लीली द्राक्ष
अंगूरी वि० अगूरनु वनेलु के तेना रगनु (२) पु० आछो लीलो रग
अँगेठी स्त्री० जुओ 'अँगीठी'
अँगोछना अ० क्रि० अगूछाथी शरीर लोहवु [टुवाल
अँगोछा पु० अगूछो; अग लोहवानो
अँगोछी स्त्री० नानो अगूछो के टुवाल (२) पंचियु, नानी पोतडी
अँगोरा पुं० मच्छर
अंग्रेज,–जी जुओ 'अँगरेज,–जी'
अंघस पुं० पाप ['आखा'
अँघिया स्त्री० झीणा लोटनी चाळणी,
अंघ्रि पु० (सं.) पग
अंघ्रिप पु० (सं.) झाड
अँचरा पु० अचल; साडीनो छाती पर आवतो भाग, पालव
अंचल पु० (स.) पालव (२) छेवाडा-नो भाग (३) किनारो
अँचला पु० साधुओ धोतियाने वदले वीटे छे ते कपडानो टुकडो
अँचवना स०क्रि० जुओ 'अचवना'
अंछर पु० जादुमतर. **–मारना**=जादु करवो के मत्र मारवो
अंज पु० कमळ
अंजन पु० (स.) आजवु के अजावुं ते(२) काजळ, सुरमो (३) शाही (४) एक जातनु वगलुं (५) माया
अंजनशलाका स्त्री० (स) सुरमो आजवानी सळी [आजेलु
अंजनसार वि० अजनवाळु, सुरमो
अंजनहारी स्त्री० जुओ 'अजनी'(२) माटीनु घर करती एक जातनी भमरी
अंजना,–नी स्त्री० आखनी आजणी
अंजबार पु० (फा) एक औषधि
अंजर-पंजर पुं० (स पजर) पासळी के तेनो माळो (२) अ० आसपास, नजीक. **–ढीला होना**=शरीरना साधा ढीला थवा, सुस्त के शिथिल थवु [अन्नजल
अंजल,–ला पु० जुओ अजलि (२)
अंजलि,–ली स्त्री० (स..) अजलि; वे हाथनी पोश, खोबो के तेमा माय तेटलु के ते
अंजलि(–ली)पुट पु० (सं.) अजलि
अँजवाना स०क्रि० 'आँजना'नुं प्रेरक; अजाववु (अजन, सुरमो इ०)
अंजही स्त्री० दाणापीठ
अँजाना स० क्रि० जुओ '

अंजाम पु० (फा) आखर, अत (२) परिणाम. **– करना, – देना, – पर पहुँचना** = पूरु करवु, निपटाववु
अंजाम–कार अ० आखरे; छेवटे
अंजित वि० (सं.) अजायेलु के आजेलु
अंजीर पु० अंजीर के तेनु झाड
अंजुमन स्त्री० (फा) सभा; मडळ; सस्था
अँजुरी (–ली) स्त्री० अजलि, खोबो
अँजोर,–रा पु० अजवाळु; प्रकाश [(दीवो)
अँजोरना स० क्रि० चेतावबु, प्रगटाववु
अँजोरा पु० जुओ अँजोर (२) वि० अजवाळावाळु. **अँजोरा पाख** = अजवाळियु [अजवाळियु
अँजोरी स्त्री० अजवाळु (२) चादनी,
अझा पु० (स अनध्याय) अणोजो, छूट्टी
अँटना अ० क्रि० समावु, बरोबर आवी रहेवु, पूरतु होवु ['अडबड'
अंटसंट अ० पाया वगर; अप्रस्तुत,
अंटा पु० गोळो (२) मोटी कोडी – कोडो (३) 'बिलियर्ड'नी रमत
अंटा गुड़गुड़ वि० नशामा चकचूर; बेहोश [जगा
अंटाघर पु० 'अटा'–बिलियर्ड रमवानी
अंटाचित अ० चत्तापाट – लाबुछट पडेलु **– करना** = चित करवु; पछाडवु. **– होना** = बेहोश थईने पडवु (२) नकामु के बरबाद थवु
अँटिया स्त्री० पूळी; पुळेटी
अँटियाना स० क्रि० आटी के गूचळी करवी (२) आगळीओ वडे छुपाववु
अंटी स्त्री० बे आगळीओ वच्चेनी जगा के गाळो (२) ओटी (३) (दोरानी) आटी के ते उतारवानु अटेरण (४) आटी; . विरोधभाव. **– करना** = छेतरी लेवु (२) अटेरवु. **– रखना** = छुपाववु, दबावी राखवु
अँटौतल पु० घाणीना बळदनी आखनु ढाकण
अंड पु० (स) 'अंडा', ईंडु (२) पेळ; गोळी, अडकोश (३) ब्रह्माड (४) (देहना) पच कोश
अंडकोश पु० (स) अंड के अडनी कोथळी (२) ब्रह्माड (३) फळनु छोतरु
अंडज पु० (स) ईंडामाथी थतो जीव (सर्प, पक्षी, माछली इ०)
अंडबड स्त्री० अडसट–उटपटाग वात; बकवाद (२) वि० उटपटाग, नकामु, ढगधडा वगरनु
अंडवृद्धि स्त्री० (स) गुह्यागनी गोळी वधवानो रोग
अंडस स्त्री० कठिनता, मुश्केली, संकट
अंडा पु० अड, ईंडु **– ढीला होना** = साधा गगडी जवा, खूब श्रम पडवो, थाकी जवु. **– फूट जाना** = भ्रम के भेद खूली जवो **– सरकना** = पागोठा हलाववा; मथवु **– सेना** = घरकुकडी बनी बेठा रहेवु (२) बाळबच्चाने गोदमा लईने सूवु
अंडाकार वि० (स) ईंडाना आकारनु; लबगोळ [लंबगोळ
अंडाकृति स्त्री० (स) ईंडानो आकार;
अंडी स्त्री० दिवेली के दिवेलो, एरडी के एरडो (२) एक रेशमी कापड
अँडुआ पु० साढ, खसी न करेलु पशु; 'आँडू'; 'वधिया'. **– बैल** = साढ (२) (ला) मुस्त माणस
अँडुआना स० क्रि० खसी करवु
अंडैल वि० (पेटमा) ईंडावाळु

अंत पु० (स.) अत, आखर (२) परिणाम, फळ (३) मोत, मरण (४) जुओ 'आँत' (५) अ० अते (६) (प) अन्यत्र; बीजे, अलग. **–करना** =हद करवी (२) खतम करवु **–पाना** =भेद के मर्म पामवो **–बनना** =सारु परिणाम आववु; सफळ थवुं **–बिगड़ना** =बूरु फळ आववु (२) अवगति थवी. **–होना** =नाश थवो

अंतक पु० (स) यमराजा (२) सनिपात, मूझारो (३) शिव [घडी

अंतकाल पु० (स) आखरनी–मोतनी

अंतक्रिया स्त्री० (स) मर्या बादनु कारज; अत्येष्टि [गत, निपुण

अंतग पु० (स) अंतरयामी (२) पार-

अंतगति स्त्री० (स)- मरण

अँतड़ी स्त्री० आतरडु **अंतड़ियोंका बल खोलना** =बहु दिवसो बाद खावानु मळे त्यारे खूब पेट भरीने खावु. **–गलेमें पड़ना** =कशी आपत्तिमा फसावु **–जलना** =खूब भूख लागवी

अंतपाल पु० (स.) द्वारपाळ (२) सरहदनो रक्षक

अंतरग वि० (स.) अदरनु (२) नजीकनु; आत्मीय ('बहिरग' थी ऊलटु) (३) पु० दोस्त

अंतर पु० (स) अतर, वच्चेनो गाळो के तेनु माप (२) मन, अत:करण (३) अतरपट, पडदो (४) अलगता (५) (प) अदर

अंतरजामी पु० अतर्यामी, परमेश्वर

अंतरदिशा स्त्री० (स) बे दिशा वच्चेनी दिशा, खूणो ['कपडमिट्टी'

अंतरपट पु० (स) आड, पडदो (२) जुओ

अँतरा पु० आतरो, गाळो (२) एकातरो ताव (३) खूणो (४) वि० एक छोडीने बीजु

अंतरा अ० वच्चे; मध्यमा (२) पासे; नजीक (३) विना, सिवाय (४) पु० सगीतनो अतरो (५) सवार साज वच्चेनो समय –दिवस [अत करण

अंतरात्मा स्त्री० (स) जीवात्मा (२)

अंतराय पु० (स) विघ्न, बाधा, हरकत

अंतराल पु० (स) अतरियाळ; वचगाळो (२) घेरो के घेरायेली जगा

अंतरि(–री)क्ष, –ख पु० (स) आकाश (२) वि० अतर्धान; अलोप

अंतरित्त वि० (स.) अदर करेलु, राखेलु के समायेलु (२) छूपु, अतर्धान (३) ढाकेलु [भूशिर

अंतरीप पु० (स) टापु; द्वीप (२)

अंतरीय वि० (स.) अदरनु (२) पु० धोतियु [–अस्तर जेवु कपडु

अँतरौटा पु० झीणी साडी नीचे पहेरातु

अंतर्गत वि० (स) अदरनु, अदर आवेलु (२) छूपु, गुप्त [भावना

अंतर्गति स्त्री० (स) मननो भाव के वृत्ति;

अंतर्द्धान पु० अतर्धान; अलोप

अंतर्नाद पु० (स.) अतरनो अवाज

अंतर्बोध पु० (स.) आत्मज्ञान

अंतर्भाव पु० (स) अदर लपावु के समावु ते (२) अतरनो भाव – मतलब, आशय

अंतर्भूत वि० (स) अदर समायेलु (२) पु० जीव, प्राण

अंतर्मुख वि० (स) अदरनी बाजु मुखवाळु (२) 'बहिर्मुख' थी ऊलटु

अंतर्यामी वि० (२) पु० (स) अतरजामी; भगवान

अंतर्वर्ती वि० स्त्री० सगर्भा (२) अदरनी

अंतर्वाणी पु० विद्वान, पडित
अंतर्विकार पु० (स.) भूख, तरस, इ० शरीरधर्म [ब्रह्मावर्त
अंतर्वेद पु० (स) दोआब (२) (स)
अंतर्वेशिक पु० (स.) जनानखानानो रक्षक, खोजो [थयेलु
अंतर्शय्या स्त्री० मरणनो चोको (२) स्मशान (३) मृत्यु
अंतर्हित वि० (स.) गुप्त, अतर्धान
अंतस पु० अंत करण
अतसद पु० चेलो, अतेवासी
अंतस्थ वि० (स)अदरनु (२) अतरियाळ (३) पु० य, र, ल, व चार अर्धस्वर
अंतस्सलिल वि० (स) जमीननी अदर जेनो प्रवाह होय एवु [फल्गु नदी
अंतस्सलिला स्त्री० (स.) सरस्वती के
अंतःकरण पु० (स) मन, चित्त
अंतःपुर पु० (स) जनानखानु
अंतावरी स्त्री० आतरडा
अंतिम वि० (स) आखरी, सौथी छेडेनु (२) सौथी श्रेष्ठ [अत्यज
अंतेवासी पु० (स) शिष्य (२) चाडाल,
अंत्य वि० (स.) अतिम; आखरी
अंत्यकर्म पु० (स) अंत्येष्टि क्रिया, कारज [मनायेलो ते
अंत्यज पु० (स) वर्णोमा छेल्लो
अंत्याक्षरी स्त्री० अतकडीनी रमत
अंत्येष्टि पु० (म) उत्तरक्रिया; कारज
अंत्र पु० (स) आतरडु [रोग
अंत्रवृद्धि स्त्री० (स) आतरडानो एक
अंदर अ० (फा.) अदर; मही
अंदरसा पु० एक मीठाई, अनारसु
अंदरी(–रुनी) वि० (फा)अदरनु;भीतरनु
अंदाज पु० अन्दाज; अटसट्टो; अटकळ, अनुमान (२) ढब; ढग; रीत (३) भाव; चेष्टा –उड़ाना = चाळा पाडवा. –करना, –लगाना = अन्दाज काढवो.
अंदाजन् अ० (फा) अडसट्टे; अदाजथी
अंदाजपट्टी स्त्री० जुओ 'कनकूत'
अंदाजा पु० (फा) अदाज; अटकळ
अंदेशा पु० (फा) चिंता, फिकर (२) अदेशो, सशय (३) डर; आशका (४) दुविधा, डामाडोळपणु
अंदोख्ता वि० (फा)बचत; जमा; सघरेलु
अंदोर पु० (प) शोरबकोर [फिकर
अंदोह पु० (फा) शोक; दु ख (२) चिंता;
अंध वि० (स) आधळु (२) अज्ञान, असावध (३) पु० आधळो (४) घुवड (५) चामाचीडियु (६) अंधकार
अंधक पु० (स) आधळो
अंधकार पु० (स) अधारु [नरक
अंधकूप पु० (स)अधारो कूवो (२) एक
अंधखोपड़ी स्त्री० मूर्ख, अक्कल वगरनु माणस
अंधड़ पु० आधी, तोफान
अंधधुंध पु० जुओ 'अधाधुध'
अंधपरंपरा पु० (स) गाडरियो प्रवाह
अंधवाई स्त्री० आधी, वावंटोळ
अँधरा पु० आधळो (२) वि० अध
अंधा वि० (२) पु० आधळो **–दीया** = मद बळतो दीवो **–बनना** = जाणी जोईने ध्यान पर न लेवु; आख आडा कान करवा **अंधेकी लकड़ी या लाठी** = एकमात्र आधार (२) एकनो एक छोकरो
अंधाधुंध स्त्री० अधाधूघी, अधेर
अँधियार,–रा वि० (२) पु० जुओ 'अँधेरा'
अँधियारी स्त्री० पशुओने आख पर बधाती पट्टी के ढाकण; 'अँधेरी'
अंधेर पु० अधेर, अन्याय, गरबडगोटो
अधेर-खाता पु० अधेरखातु

अँधेरना स० क्रि० अधारु करवु
अँधेरा पु० (२) वि० अधारु **–गुप** या **घुप**=अधारु घोर, गाढ अधकार. **अँधेरे मुंह, मुंह अँधेरे**=भरभाखळे; मळसके [वद पक्ष
अँधेरिया स्त्री० अधारु (२) अधारियु;
अँधेरी पु० अधकार (२) अधारी रात (३) 'अधड'; आधी (४) वळद, घोडानी आख पर बधातो पडदो **–कोठरी**=पेट; गर्भ; कूख(२)गुप्त भेद. **–डालना** या **देना**=आखमा धूळ नाखवी; दगो देवो; छेतरीने खाडामा नाखवु [ढाकण, 'अँधियारी'
अँधौटी स्त्री० वळद के घोडानी आखनु
अंब स्त्री० अबा, माता (२) पु० आबो
अंबक पु० (स.) आख
अंबर पु० (अ) एक सुगधी चीज जे वहेल माछलीमाथी मळे छे (२) एक अत्तर [छटा
अंबर-डबर पु० सूर्यास्त वेळाना रगनी
अंबर-बेलि स्त्री० अमरवेल, अतरवेल
अँबराई स्त्री०, **–व** पु० (स आम्र+राजी) अमराई, आबावाडियु
अंबा स्त्री० (२) पु० (स) जुओ 'अब'
अंबार पु० ढगलो, 'ढेर'
अंबारी स्त्री० 'अमारी', हाथीनी अवाडी
अँबिया स्त्री० नानी काची केरी, मरवो
अंबिया पु० (अ 'नवी'नु व० व०) नबी अने पेगम्बरो
अँबिरथा अ० (प) वृथा, व्यर्थ
अंबु पु० (स) पाणी
अंबुज पु० (स) कमळ
अंबुधर पु० (स) वादळ
अंबुधि, –निधि पु० (स) समुद्र
अंबुप, –पति पु० (स) समुद्र (२) वरुण देव
अंबुशायी पु० (स) विष्णु
अंबोह पु० (फा) टोळु, भीड
अंभ पु० पाणी
अंभोज पु० (स) कमळ
अंश पु० (स) भाग (२) अपूर्णांकनो अश (३) खूणाना मापनो अश
अंशपत्र पु० (स.) भागीदारीनु खतपत्र
अंशी वि० (स) अश–भागवाळु (२) अवतारी (३) पु० भागियो
अंशु पु० (स) किरण (२) बहु थोडो–अशमात्र भाग (३) सूतरनो तागडो (४) सूर्य
अंशुमान्, –ली पु० (स) सूर्य
अंस पु० अश, भाग, खड
अंसर पु० (अ) जुओ 'अन्सर'
अँसुआ, –वा पु० (प) आसवु, आसु
अँसुवाना अ० क्रि० (प) आसु भरावा
अंह, अंहस पु० (स अहस्) पाप
अउ, अउर अ० (प) जुओ 'और'
अऊत वि० (प) अपुत्र, वाझियु
अएरना स० क्रि० (प) ग्रहण करवु; स्वीकारवु
अकंटक वि० (स) निष्कटक, निर्विघ्न; शत्रु वगरनु [व्यभिचारी
अकच्छ वि० नागु (२) काछडीछूटु,
अकड़ स्त्री० अकडाट; अकडावु ते (२) अकडाई, एट, जीद (३) घमण्ड, शेखी (४) धीटपणु, धृष्टता
अकड़ना अ० क्रि० अकडावु (जुओ 'अकड') (२) मिजाज करवो (३) शेखी मारवी (४) हठ करवी
अकड़बाई स्त्री० शरीरनो अकडाट; तेथी थती पीडा के दुखावो

अकड़बाज़ वि० शेखीखोर, अहकारी
अकड़बाज़ी स्त्री० अकडाई, शेखी
अकड़ाव पु० अकडावु ते
अकड़(-ड़ैत) वि० 'अकड'वाळो (जुओ 'अकड'), अभिमानी, घमडी
अकथ, अकथनीय, अकथ्य वि० (स) न कही शकाय के न कहेवा जेवु
अक़्द पु० (अ) प्रतिज्ञा, वायदो
अकदस वि० (अ.) पाक, पवित्र
अकनना स० क्रि० (प.) साभळवु
अकना अ० क्रि० गभरावु
अकबक स्त्री० वकबकाट; नकामो लवारो (२) गभराट; धडक (३) वि० निस्तब्ध; अवाक [चकित थवु
अकबकाना अ० क्रि० गभरावु (२)
अकबर वि० (अ) सौथी मोटु, महानमा महान
अकबरी स्त्री० एक प्रकारनी मीठाई (२) लाकडा परनु एक प्रकारनु नकसीकाम
अक़बाल पु० जुओ 'इकबाल'
अकर वि० करवामा कठण (२) कर के महेसूलमा माफ (३) कर-हाथ विनानु
अकरकरा पु० (स आकरकरभ) अक्कलगरो
अकरण पु० (स) कर्मनो अभाव (२) ईश्वर (३) वि० अकरणीय
अकरणीय वि० (स) न करवा लायक
अकरास स्त्री० अकडावु ते; जुओ 'अँगडाई' (२) आळस
अकरासू वि० स्त्री० गर्भवती
अकरी स्त्री० वावणियो [करनार
अकर्मण्य वि० (स.) आळसु, काम न
अकर्मी पु० (स) पापी, दुष्कर्मी
अकलंक,-कित वि० (स.) निर्दोष [बेचेन
अकल्ल वि० (स) अकळ (प्रभु) (२) आकुळ;

अकल स्त्री० (अ.) अक्कल
अकलखुरा वि० आपमतलबी, एकलपेटु
अक़्लन् अ० (अ.) अक्कलमा; समजमा
अकलियत स्त्री० लघुमती
अक़्लीम स्त्री० (अ) देश, प्रात
अकवन पु० 'आक', आकडो
अकस पु० (अ.) वेर, खार
अकसना स० क्रि० वेर, द्वेष, खार राखवो
अकसर अ० जुओ 'अक्सर'
अकसरियत स्त्री० जुओ 'अक्सरियत'
अक़्साम पु० (अ. 'किस्म'नु ब० व०) प्रकार (२) कसम, शपथ
अकसीर स्त्री० (अ.) रसायण (२) रोग मटाडवानो कीमियो (३) वि० रामबाण [(२) दैवयोगे
अकस्मात् अ० (स) अचानक, ओचितु
अकह,-हुवा वि० (प) जुओ 'अकथ'
अकांड वि० (स.) शाखारहित (२) अकस्मात्, अकारण
अकाउंट पु० (इ) हिसाब; नामु [नीस
अकाउंटेंट पु० (इ) नामु लखनार; हिसाब-
अकाज पु० नुकसान, अकार्य (२) खोटु बूरु काम (३) अ० अकाज, व्यर्थ, नकामु
अकाजना अ० क्रि० नुकसान जवु (२) मरवु (३) स० क्रि० हानि करवी
अकाट्य वि० कापी न शकाय एवु; मजबूत [नकामु
अकाम वि० (स.) निष्काम (२) अ०
अकाय वि० (स) अशरीरी, निराकार
अक़ायद पु० (अ) 'अकीदा'नु ब० व०
अकारत,-थ अ० व्यर्थ; निष्फळ; निरर्थक
अकाल पु० (स) दुकाळ (२) कवखत
अकालमूर्ति स्त्री० (स) नित्य अविनाशी पुरुष [नानकपंथी
अकाली पु० काळो फेंटो बांधतो एक

अकास पु० (प) आकाश
अकासबानी स्त्री० आकाशवाणी
अकासबेल स्त्री० अतरवेल
अकिंचन वि० (स) गरीब
अकिल स्त्री० अक्कल
अकिलदाढ़ स्त्री० डहापणनो दात
अक़ीक़ पु० (अ) अकीक पथ्थर
अक़ीदत स्त्री० (अ.) धार्मिक श्रद्धा (२) कोई धर्मनी मूळ मान्यता जे वगर कोई ए धर्मनो न गणाय [मजहब
अक़ीदा पु०(अ.) दृढ विश्वास (२) धर्म;
अकीर्ति स्त्री० (स) अपकीर्ति; अपजश
अक़ील पु० (अ) (स्त्री० –ला) अक्कलमन्द, बुद्धिमान
अकुंठ वि० (सं.) अकुंठित, तीक्ष्ण
अकुल, –लीन वि० (स.) हलका कुळनु (२) पु० हलकु, ऊतरतु कुळ
अकुलाना अ० क्रि० (स० आकुल) जलदी करवु, उतावळा थवु (२) गभरावु, अकळावु
अकूत वि० बेशुमार, अपरिमित
अक़ूबत स्त्री० (अ.) दड; सजा
अकृत वि० (स) स्वयभू (२) नकामु; खराब
अकेला वि० (स्त्री० –ली) एकलु (२) अपरिणीत (३) पु० एकान्त, निर्जन स्थान. –**दम**=एक ज प्राणी –**दुकेला**=एकलदोकल
अकेले अ० एकलु, एकाकी (२)मात्र, फक्त –**दुकेले**=अ० साव एकलु
अक्का स्त्री० (स.)माता (२)मोटी बहेन
अक्खड़ वि० मनस्वी, उद्धत (२) झघडाखोर (३) असभ्य (४) नीडर (५) आखाबोलु

अक्खर पु०(प.) अक्षर [थेलो, गूण
अक्खा पु० पशु पर अनाज लादवानो
अक्टोबर, अक्तूबर पु० ऑक्टोबर मास
अक़्द पु० (अ) सबध (२) सगाई, (३)शादी (४) एकरार [व्यवस्थित
अक्रम वि० (स.) क्रम विनानु, अ-
अक्रिय वि० (स)कर्म न करनारु (२) जड; निश्चेष्ट
अक़्ल स्त्री०(अ) अक्कल; बुद्धि; समज –**का चरने जाना**=बुद्धि–समज न होवी. –**का दुश्मन, –का पूरा**= बेवकूफ, मूर्ख –**खर्च करना** = विचारवु; बुद्धि लगाववी
अक़्लमन्द वि० (फा) अकलमन्द, समजदार, बुद्धिमान
अक़्लमन्दी स्त्री० समजदारी; बुद्धिमत्ता
अक्ष पु० (स.) रमवानो पासो के तेनी रमत (२) पृथ्वीनी धरी (३) त्राजवानी दाडी (४) आख, अक्षि
अक्षत वि० (स) अखड, आखु (२) पु० अक्षत – चोखा, डागर इ०
अक्षम वि० (स) क्षमा वगरनु (२) अशक्त [अजर ,अमर
अक्षय,–य्य वि० (स) अविनाशी,
अक्षर वि० (२) पु० (स) अक्षर
अक्षरौटी स्त्री० कक्को; वर्णमाळा
अक्षुण्ण वि० (स) अतूट, आखु
अक्षोट पु० (स) अखरोट
अक्षौनी स्त्री०(प) अक्षोणी; अक्षौहिणी
अक्षोभ वि० (स) गभीर, शात (२) नीडर; क्षोभरहित (३) पु० शाति
अक्स पु० (अ.) छाया, प्रतिबिंब (२) चित्र; छबी; तसवीर [घणु; अधिक
अक्सर अ० (अ)अकसर;प्राय. (२)वि०

अक्सरियत स्त्री० बहुमती [सतत
अखंड वि० (स) आखु; अतूट, पूरु;
अख़ज़ पु० 'अख़्ज़'; ग्रहण करवु ते
अखड़ैत पु० अखाडियो; मल्ल
अखती, ०ज स्त्री० अखात्रीज
अखनी स्त्री० मासनो सेरवो
अख़बार पु० (अ. 'ख़बर'नु ब०व०) अखबार, छापु
अखरना स० क्रि० खटकवु; कठवु (२) दु खदायी के बूरु लागवु [नकली
अखरा वि० खरु नहि ते; बनावटी;
अखरावट,-टी स्त्री० जुओ 'अक्षरौटी'
अखरोट पु० अखरोट के तेनु झाड
अख़लाक पु० (अ) आदत (२) स्वभाव (३) नीति के सदाचार
अखाड़ा पु० अखाडो(कुस्तीनो, साधुनो) (२) सभा, दरबार, रगभूमि (३) तमासगीरोनी के गानार-वगाडनारनी मंडळी
अखियाँ स्त्री० (प.) आख
अखिल वि० (स) आखु, बधु, पूरु
अख़ीर पु० (अ)'आख़िर', आखर, अन्त, समाप्ति
अखूट वि० अखूट, अक्षय
अखै वि० (प) अक्षय, अखूट
अखोह पु० खाडाटेकरावाळी जमीन
अखोट, -टा पु० घटीनो खीलडो
अख़्ख़ाह अ० अहा; आश्चर्यमूचक शब्द
अख़्ज़ पु० (अ) लेवु ते; ग्रहण; 'अखज'
अख़्तियार पु० 'इख़्तियार'; अखत्यार
अगड पु०(स) अवयव; हाथपग वगरनु धड
अग वि० (स) न चालनारु (२) पु० पर्वत (३) झाड
अगड़धत्ता वि० ऊचु ताड जेवु
अगड़बगड़ वि० (२) पु० अगडबगड, ढगधडा वगरनु; नकामु ('अगड-वगड' पण लखाय छे) [असत्य
अगणनीय, अगणित, अगण्य वि०(स)
अगति स्त्री० (स) दुर्गति, खराब दशा
अगती वि० पापी, दुराचारी (२) अ० अगाउथी
अगन,-नी स्त्री० अग्नि [कोण
अगनू स्त्री०, **-नेउ,-नेत** पु०(प) अग्नि-
अगम,-म्य वि०(स) अगम्य; अकल (२) अत्यत, अथाक
अगमानी पु०(२)स्त्री० जुओ 'अगवानी'
अगमासी स्त्री० जुओ 'अगवाँसी'
अगर पु० (स. अगरु) अगर, चदन
अगर अ० (फा.) जो; यदि. **-मगर करना**=विवाद करवो, तर्क दोडाववो (२) गरबडगोटाळामा नाखवु
अगरई वि० अगरना रगनु
अगरचे अ० (फा) जोके
अगरबत्ती स्त्री० अगरबत्ती, धूपसळी
अग़राज़ स्त्री०(अ. 'ग़रज़' नु ब०व०) मतलब, हेतु (२) जरूरियातो
अगरी स्त्री० आगळी; उलाळी
अगरु पु० (स) चदननु लाकडु
अग़लब अ०(अ) घणु करीने, प्राय, घणो संभव छे के [तेम, बे बाजुए
अग़ल-बग़ल अ० (फा) आसपास; आम
अगला वि० (स. अग्र) आगलु; आगळनु (२) पूर्वनु; पहेलानु (३) प्राचीन, पुराणु (४) आगळ पर आवनारु; आगामी (५) पु० (स्त्री० **-ली**) पूर्वज (६) आगेवान [तैयार थवु
अगवना अ० क्रि० 'आगे'-आगळ वधवु;
अगवाँसी स्त्री० हळनु तुगु

अगवाई स्त्री० सामे–आगळ जईने सत्कार करवो ते, 'अगवानी'-(२) पु० आगेवान, अग्रेसर ['अगवानी')
अगवान पु० 'अगवानी' करनार (जुओ
अगवानी स्त्री० सामे जईने सत्कार करवो ते (२) विवाहमा जानने सामे लेवा जवानो विधि (३) पु० आगेवान
अगस्त पु० ऑगस्ट मास(२)अगस्त्य ऋषि
अगहन पु० अग्रहायण; मागशर मास
अगहनिया वि० मागशरमा थनारु(धान)
अगहनी स्त्री० मागशरमा लेवाती फसल
अगहुड़ अ० (प) आगळ
अगाऊ वि० अगाउथी; 'पेशगी'. उदा० 'उसको अगाऊ कुछ दाम दे दो' (२) अ० (प) आगळ; अगाडीथी
अगाड़ी अ० अगाडी, आगळ (२) पु० वस्तुनो अगाडीनो भाग (३) घोडानी अगाडी
अगाड़ अ० अगाडी
अगाध वि० (स) अगाध, घणु ऊडु (२) अपार (३) अगम, गहन (४) पु० खाडो [अग्नि
अगिन वि० अगणित (२) स्त्री० अगन;
अगिनबोट पु० आगबोट
अगिया स्त्री० एक वनस्पति(२)आगियो
अगियाना अ० क्रि० आग ऊठवी
अगिया बैताल पु० आग जेवो क्रोधी माणस [नाखवानी क्रिया
अगियारी स्त्री० आगमा धूप इ०
अगियासन पु० आगियो
अगीतपछीत अ० आगळ पाछळ (२) पु० आगळ ने पाछळनो भाग
अगुआ पु०आगेवान, मुखी, नेता (२) पचात वगेरे करीने विवाह गोठवनार
अगुआई स्त्री० आगेवानी, सरदारी
अगुआना स० क्रि० आगेवान बनाववो के ठराववो (२) अ० क्रि० आगळ वधवु
अगुण वि० (स) गुणरहित (२) मूरख (३) पु० अवगुण
अगुरु वि० (स.) हलकु; भारे नहि एवु (२) गुरु वगरनु (३) पु० चदन (४) शीशम
अगुवा पु० जुओ 'अगुआ'
अगुवानी स्त्री० जुओ 'अगवानी'
अगूता अ० आगळ, सामे [व्यक्त
अगोचर वि० (स) इद्रियातीत, अ-
अगोट पु० आड, रोकाण
अगोटना स० क्रि० रोकवु (२) केद करवु (३) घेरवु (४) अ० क्रि० रोकावु, आड आववी
अगोरना स० क्रि० राह जोवी (२) रखवाळी करवी
अगोरिया पु० रखेवाळ [टोचडु
अगौरा पु० शेरडीनो छेडानो भाग–
अग्नि स्त्री० (स) आग, देवता (२) जठराग्नि
अग्निकर्म पु० (स) हवन (२) अग्निदाह
अग्निक्रिया स्त्री० (स) अग्निदाह
अग्निदाह पु० (स) मडदु बाळवु ते; अग्निसस्कार [थवी ते
अग्निमांद्य पु० (स) मदाग्नि, भूख मंद
अग्निसंस्कार पु० (स) अग्निदाह
अग्निसेवन पु० (स) तापवु ते
अग्य वि० (प.) अज्ञ, अजाण
अग्यारी स्त्री० जुओ 'अगियारी'
अग्र पु० (स) आगळनो भाग (२) वि० आगळनु; पहेलु, उत्तम (३) अ० आगळ, अग्रे

अग्रगण्य वि० (स) आगळ गणातु
अग्रज,–जन्मा पु० (स) मोटो भाई (२) ब्राह्मण
अग्रणी,–सर पु० (स) आगेवान
अग्रहायण पु० (स) जुओ 'अगहन'
अग्राह्य वि० (स) त्याज्य, ग्रहण करवा माटे अयोग्य
अग्रिम वि० (स) आगामी (२) मुख्य
अघ पु० (स) पाप (२) दु:ख
अघट वि० अघटित; अयोग्य (२) दुर्घट; दुष्कर (३) अक्षय; घटे नहि एवु (४) एकरस, स्थिर [अयोग्य
अघटित वि० असभव; अशक्य (२)
अघवाना स० क्रि० 'अघाना'नु प्रेरक
अघाई स्त्री० सतोष, तृप्ति, धरावु ते
अघाट पु० कायमी भोगवटानी–वेची न शकाय एवी मालकीनी जमीन
अघात वि० अगाध; घणु, मनमान्यु
अघाना अ० क्रि० धराईने खावु (२) सतोष पामवुं (३) प्रसन्न–खुशी थवु
अघी पु० (स) पापी; कुकर्मी
अघोर वि० (स) शोभीतु, सौम्य (२) अतिघोर; भयकर (३) पु० (स) महादेव
अघोरपंथ पु० अघोरी बावाओनो पथ
अघोरी पु० एक भयकर अने मेली साधना करनार (२) वि० अति मेलु ने घृणा उपजावे एवु
अचंभा पु० अचबो; आश्चर्य
अचक वि० खूब, वहु (२) पु० अचबो
अचकन पु० एक जातनो लाबो कोट
अचर वि० (स) स्थिर, जड
अचरज पु० आश्चर्य
अचल वि० (स.) अचळ (२) पु० पर्वत
अचवन पु० आचमन (२) जमीने हाथ मों धोई कोगळा करवा ते
अचवना स० क्रि० 'अचवन' करवु (जुओ 'अचवन')
अचांचक,अचानक अ० अचानक; ओचितु
अचार पु० 'आचार'; अथाणु
अचिंत वि० (स.) निश्चित, बेफिकर
अचिंत्य वि० (स) अचिंतनीय; अज्ञेय (२) बेहद, धार्याथी खूब (३) आकस्मिक, अणधार्युं
अचिर वि० (स.) जलदी, तरत
अचीता वि० (स्त्री० –ती) अणधार्युं; आकस्मिक (२) अचिंत्य; बेशुमार
अचूक वि० निश्चित; अमोघ (२) अ० अवश्य, जरूर (३) होशियारीथी
अचेत वि० (स) बेहोश, बेभान (२) आकुल व्याकुल (३) अजाण (४) अणसमजु, मूढ
अचैन पुं० बेचेनी; व्याकुलता
अच्छ वि० (स) स्वच्छ; निर्मळ
अच्छत पु० अक्षत; चोखा
अच्छरा,–री स्त्री० (प) अप्सरा
अच्छा वि० (स्त्री० –च्छी) उत्तम, उमदा (२) तन्दुरस्त, नीरोगी (३) अ० सारु, 'हा, ठीक' अर्थसूचक उद्गार **अच्छे आना**=बरोबर अवसर पर आववु
अच्छाई स्त्री०, **–पन** पु० उत्तमता; 'अच्छा' होवु ते [(२) नीरोग
अच्छा विच्छा वि० सारु सारु, चूंटेलु
अच्युत वि० (स) अचळ, अटळ, नित्य (२) पुं० विष्णु [पस्तावु
अछताना पछताना अ० क्रि० खूब
अछरा,–री स्त्री० (प) अप्सरा

अछरौटी स्त्री० जुओ 'अक्षरौटी'
अछूत वि० अस्पृश्य(२)नवु; ताजु; पवित्र (३)हरिजन(आ अर्थ आधुनिक छे)
अछूता वि० जुओ 'अछूत' १,२ अर्थ
अछोह पु० अक्षोभ; शांति(२)निष्ठुरता, निर्दयता ['अज-तरफ' = तरफथी
अज (फा) 'थी' अर्थनो प्रत्यय उदा०
अज पु० (स) स्वयभू, प्रभु (२) कामदेव (३) बकरो के घेटो
अजगंधा स्त्री० (स.) अजमो
अजगर पु० (स) अजगर, साप
अजगरी स्त्री० अजगरवृत्ति, श्रम वगरनी आजीविका (२) वि० अजगरनी वृत्तिवाळु
अजजा पु० (अ. 'जुज'नु ब० व०) टुकडा, अश, भागो
अजदहा पु० (फा.) अजगर
अजदहाम पु० भीड, गरदी
अजदाद पु०(अ)पूर्वज;वडवा;बापदादा
अजनबी वि० (अ) अज्ञात; अपरिचित (२) अजाण्यु (३) परदेशी
अजनास पु० (अ.) वस्तुभाव, जणस (२) घरवखरी, सरसामान
अजन्म, —न्मा वि० (स)अनादि, नित्य
अजपा वि० न जपातु; न बोलातु
अजब वि० (अ) अजब, 'अजीब'
अज-बर अ० (फा) याददास्त परथी
अज-बस अ०(फा)खूब; बहु [चमत्कार
अजमत स्त्री० प्रताप, महत्ता (२)
अजमाइश स्त्री० अजमायश, 'आज-माइश' [माववु
अजमाना स० क्रि० 'आजमाना', अज-
अजमूदा (ह०) वि० 'आजमूदा'; अज-मावायेलु, प्रयोगमा आवेलु
अजमोद पु० अजमो
अजय पु० (स) हार (२) वि० अजेय
अजय्य वि० (स.) अजेय
अजर वि०(स)जरा के घडपण रहित (२) न पचे एवु
अजल स्त्री० (अ) मोत
अजल स्त्री० (अ) अनत अनादि होवु ते (२) आराम (३) मूळ; ऊगम. **रोजे-अजल** = (सृष्टिनी) उत्पत्तिनो दिन
अजल-गिरिफ्ता, अजल-रसीदा वि० जेनु मोत आव्यु होय ते
अजली वि० (अ) शाश्वत
अजवाइ(—य)न स्त्री० अजमो
अजस पु० (प) अयश, अपयश
अजसी वि० बदनाम; अपजशवाळु
अजस्र अ० (स) सदा, हमेश
अजहद अ० (फा) हद उपरात, बहु
अजहूं(—हू) अ० (प) हजी पण, हमणा पण, आज पण
अजाचक, अजाची पु० न मागनारो
अजाती वि० नात बहार
अजान वि० अज्ञान, अणसमजु (२) पु० अज्ञानता, अजाण
अजान पु० (अ) बाग, अझान
अजाब पु०(अ)दुःख(२)सकट(३)पाप
अजायब पु० (अ)अजब-विचित्र वस्तु ('अजीब'नु ब० व०) [झियम
अजायब-खाना, अजायब-घर पु० म्यु-
अजित वि० (स) नहि जितायेलु (२) पु० (स) विष्णु, शिव के बुद्ध
अजिन पु० (स) मृगचर्म
अजिर पु० (स) आगणु (२) हवा
अजी अ०(स अयि) बोलाववा माटेनो 'हे' 'ए' भावनो उद्गार

अज़ीज़ वि० (२) पु० (अ) अजीज; प्यारु (२) सगुसवधो
अजीब वि०(अ)अजब; विचित्र; विलक्षण
अज़ीम पु० (अ) वृद्ध अने पूज्य (२) वि० विशाळ, बहु मोटु
अज़ीम-उश्शान वि० (अ.) बहु शानदार
अज़ीयत स्त्री०(अ)अत्याचार; परपीडन
अजीरन, अजीर्ण पु० अजीरण, अपचो
अजुगत पु० (प) अजुगती के असगत वात (२) वि० आश्चर्यजनक
अजूबा वि० (अ) अजायब; अद्‌भुत
अजेय वि० (स) न जीती शकाय एवु
अज़ो पु० (अ अज़्व) भाग; हिस्सो
अजोग वि० (प) अयोग्य
अजोता पु० (अ+जोतना) चैत्री पूर्णिमा (आ दिवसे वळद जोडाता नथी)
अज्ञ वि० (स.) अज्ञान; अणसमजु
अज्ञात वि० (स) अजाण, अपरिचित
अज्ञान पु० (स) अज्ञान; अजाणपणु (२) वि० अज्ञान, नादान, मूर्ख
अज्ञानी वि०(स)नादान; मूर्ख [अगम्य
अज्ञेय वि० (स) न जाणी शकाय एवु;
अज़्म पु० (अ) निश्चय
अज़्म-बिल-जज़्म पु० (अ) दृढ निश्चय
अज्र पु० (अ.) बदलो; महेनताणु (२)खर्च
अज़्व पु० जुओ 'अज़ो'
अटंबर पु० 'ढेर', ढगलो [संकोच
अटक स्त्री० अटक;अडचण; रुकावट (२)
अटकना अ० क्रि० अटकवु; रोकावु (२) लाग्या रहेवु; वळगवु (३) विवाद करवो, झघडवु
अटकर स्त्री०, **अटकरना** स० क्रि० जुओ 'अटकल', 'अटकलना' [अदाज
अटकल स्त्री० अटकळ; अनुमान (२)
अटकलना स०क्रि० अटकळवु; अनुमानवु
अटकल-पच्चू पु० कपोळ-कल्पना (२) वि० उटपटाग, ख्याली (३) अ० अध्धर, अदाजथी [के घन
अटका पु० जगन्नाथजीने चडावातो भात
अटकाना स० क्रि० अटकाववु, रोकवु
अटकाव पु० रोकाण; विघ्न, अडचण
अटना अ० क्रि० अटवु, भमवु, रखडवु
अटपट वि० (स्त्री० अटपटी) अटपटु, अघरु, कठण, गूढ (२) उटपटाग, ठेकाणा वगरनु [गूचावु; गभरावु
अटपटाना अ० क्रि० अटकवु; लथडावु;
अटरनी पु० (इ. एटर्नी) एक वती काम करवा बीजाने कायदेसर नीमेलो प्रतिनिधि
अटल वि० अटळ; ध्रुव; पाकु [चोपडी
अटलस पु० एटलास; भूगोळना नकशानी
अटवी स्त्री० (स) जगल
अटा स्त्री० अटारी
अटाटूट वि० बेशुमार, खूब
अटाला पु० (स अट्टाल) ढगलो (२) सरसामान (३) कसाईवाडो [खूब
अटूट वि० अतूट; मजबूत (२) लगातार;
अटेरन पु० अटेरण (२) घोडाने चक्कर फेरववानी रीत(३)कुस्तीनो एक दाव
अटेरना स० क्रि० अटेरणथी सूतर उतारवु; अटेरवु (२) खूब दारू पीवो
अट्टसट्ट पु० अडसट्टे — गमे तेम कराती वात, बकवाद
अट्टहास पु० (स) जोरथी हसवु ते
अट्टालिका स्त्री० (स) अटारी
अट्टी स्त्री० आटी (सूतर के दोरानी)
अट्ठा पु० गजीफानो अठ्ठो
अट्ठाईस वि० अठ्ठावीस, २८

अट्ठानवे वि० अठ्ठाणु, ९८
अट्ठावन वि० अठ्ठावन, ५८
अट्ठासी वि० अठ्ठयासी, ८८
अठ वि० (प) आठ (प्रायः समासमां)
अठई स्त्री० आठम
अठखेली स्त्री० विनोद, खेल (२) चपळता (३) मस्तानी चाल
अठत्तर वि० 'अठहत्तर'; इठ्ठोतेर; ७८
अठन्नी स्त्री० आठ आनी, अडधो
अठबन्ना पु० वणवानो ताणो जेनी पर लपेटी रखाय छे ते वांस के लाकडी ('अठवाडु' सरखावो)
अठमासा पु० अषाढथी महा सुधी खेडाती रहेती शेरडीनी जमीन के खेतर [गीनी
अठमासी स्त्री० आठ मासानो सोनैयो;
अठवांसा पु० जुओ 'अठमासा' (२) वि० आठ मासे जन्मेलु
अठवारा पु० अठवाडियु
अठहत्तर वि० 'अठत्तर'; इठ्ठोतेर; ७८
अठारह वि० अढार; १८
अठासी वि० इठ्यासी, 'अट्ठासी', ८८
अठोत्तरी स्त्री० १०८ दाणानी जपमाळा
अड़ंगा पु० रुकावट; विघ्न. **–डालना, –लगाना** = अडचण करवी, वचमां आववु (२) अडगो, कुस्तीनो एक दाव (३) स्त्री० जथाबंध माल थाय के वेचाय ते धाम
अड़ पु० हठ, जीद
अडग वि० अडग, अटळ
अड़गोड़ा पु० ढोरना कोटनो डेरो
अड़चन, –ल स्त्री० अडचण, मुश्केली
अड़तालीस वि० अडताळीस, ४८
अड़तीस वि० आडत्रीस; ३८
अड़दार वि० अडियल (२) मस्त
अड़ना अ० क्रि० अडवु, रोकावु (२) हठ करवी; मंडया रहेवु
अड़बग वि० पु० ऊंचुनीचु; असमान(२) विकट; दुर्गम (३) विलक्षण; अनोख
अड़सठ वि० अडसठ, ६८
अड़ाड़ पु० ढोरनी कोढ; अडाळु;
अड़ान स्त्री० थोभवानी जगा, पडाव
अड़ाना स० क्रि० लटकाववु; रोकवु (२) वचमां वस्तु नाखी रोकवु, ठासवु; सीडवु (३) पु० एक राग; अडाणो
अड़ार पु० 'ढेर', ढगलो (२) बाळवाना लाकडां के तेनी दुकान
अडिग वि० जुओ 'अडग'
अड़ियल वि० अडियल (२) सुस्त, जड
अड़ी स्त्री० हठ, जक (२) अडी-ओपटी
अड़ूसा पु० (स. अटरूष) अरडूसो
अडोल वि० अडग; स्थिर [पास
अड़ोसपड़ोस पु० आडोशपाडोश; आस-
अड़ोसीपड़ोसी पु० आडोशीपाडोशी, आडोशपाडोशमां पासे रहेनार
अड्डा पु० (स अट्टा) थोभवानी जगा (२) अड्डो (३) केन्द्र, धाम (४) पखीने बेसवा पांजरामां होय छे एवी आडी (५) नाडु वणवा के भरतकाम जेवामां वपरातु लाकडानु चोकठु
अड्रेस स्त्री० (इ) सरनामु, ठेकाणु
अढ़तिया पु० आडतियो, दलाल
अढ़वना स० क्रि० (प) काम वळगाडवु; काम कहेवु
अढ़ाई वि० अढी
अढुक पु० ठोकर
अढुकना अ० क्रि० ठोकर खावी (२) अढेलवु

अढ़ैया पु० अढी शेरनु तोल या माप (२) अढियानो गडियो
अणि, –णी स्त्री० अणी, भोकाय एवो छेडो (२) छेडानो भाग
अणिमा स्त्री० (स)योगनी आठ सिद्धिमानी एक — अणु जेम सूक्ष्म थवु ते
अणु पु० (स.) नानामा नानो कण (२) जरासरखु माप (३) वि० अति सूक्ष्म के झीणु
अणुवीक्षण पु० (स) सूक्ष्मदर्शक यत्र (२) झीणु कातवु के दूधमाथी पोरा काढवा ते [व्याकुल, बेचेन
अतंद्रिक वि० (स) अतद्रित (२)
अतः, अतएव अ०(स) तेथी; तेटला माटे
अतनु वि० (स) शरीररहित (२) पु० कामदेव
अतर पु० (अ. इत्र) अत्तर
अतरदान पु० (फा इत्रदान) अत्तरदानी
अतरसो अ० (स. इतर + श्व) परम दिवसथी पहेलानो के ते पछी आववानो दिवस, त्रीजे दिवसे
अतर्कित वि० (स)अणधार्यु; ओचितुं
अतर्क्य वि० (स) अचिंत्य; तर्कथी पर
अतलस स्त्री० (अ) अतलस कपडु
अतलस्पर्शी वि० (स.) खूब ऊडु
अतवार पु० (अ. 'तौर'नु व० व०) रहेणीकरणी, चालचलगत
अतसी स्त्री० (स.) अळसी
अता पु० (अ.) दान, भेट. – करना = आपवु – लेना = अपावु; मळवु
अताई वि० (अ. अता) दक्ष, प्रवीण (२) पक्कुं; चालाक (३) जाते कुदरती बक्षिसथी शीखी ले एवु
अताव पु० जुओ 'इताब'
अतालीक़ पु० (तु) उस्ताद, शिक्षक
अति वि०(स)घणु(२)स्त्री० अतिशयता
अतिक्रम पु० (स.) उल्लघन; भग (२) अवळो वर्ताव [(३) अग्नि
अतिथि पु० (स)महेमान (२)सन्यासी
अतिया पु० (अ) भेट-दाननी चीज
अतिरंजन पु० (स)अत्युक्ति, वधारीने कहेवु ते
अतिरंजित वि० (स)अतिशयोक्तिवाळु
अतिरथी पु० (सं.) एकलो अनेक जोडे लडे एवो योद्धो
अतिरिक्त अ० (स) सिवाय; बाद करता (२) वि० अतिरिक्त; वधारेनु
अतिशय वि० (स) खूब; वहु
अतीत वि० (स)गत, थई गयेलु (२) जुदु, अलग (३) पु० यति, अतिथि
अतीव वि० (स) घणु
अतीस पु० (स)एक वनस्पति–औषधि
अतुराई स्त्री० आतुरता, जल्दी (२) चचळता, चपळता [थवु
अतुराना अ० क्रि० आतुर के उतावळा
अतुल वि० अपार; खूब (२) अनुपम; अजोड (३) पु० तलनो छोड
अतोल, अतौल वि० जुओ 'अतुल'
अत्तवार पु० आतवार, रविवार; 'ईतवार' [गाधी, दवाओ वेचनार
अत्तार पु०(अ)अत्तारी; अत्तरियो (२)
अत्यत वि० (स) खूब; घणु
अत्याचार पु० (स) अन्याय, जुलम (२) दुराचार (३) दभ, ढोग
अत्र अ० (स) अहीं [अविश्रात
अथक वि० अथाक; न थाके एवु,
अथ च अ० (स) अने, वळी
अथमना, अथवना अ० क्रि० आथमवु

अथरा पु० (स्त्री०, **–री**) माटीनु कूडु
अथवा अ० [स.] के, 'या, किंवा
अथाई स्त्री० मडळीने बेसवानो चोतरो; ओटलो (२) मडळी
अथान (**–ना**) पु० अथाणु
अथाह वि० अथाग, अपार (२) अगाध; अति ऊडु (३) पु० ऊडो खाबरो (४) समुद्र
अथिर वि० (प) अस्थिर, चचळ
अथोर वि० (प.) थोडु नही, बहु
अदंड वि० [स.] दड के सजाने अपात्र (२) कर-माफीवाळु; इनामी; महेसूल-माफ (जमीन) (३) उद्दड; स्वेच्छाचारी
अद(–दा)ग वि० डाघा वगरनु; निष्कलक
अदद स्त्री० [अ] सख्या के तेना अक
अदन पु० [अ] आदमने बनावीने जे बागमा खुदाए राखेलो मनाय छे ते बाग
अदना वि० [अ] मामूली, सामान्य (२) क्षुद्र, नम्र, अदनु **–व आला** = नाना मोटा बधा
अदब पु० [अ] अदब; विवेक; आदर (२) साहित्य; वाङ्मय **–करना**=आदरथी वर्तवु, मान आपवु **–देना**= विवेक शीखववो (२) शिक्षा करवी, दडवु
अदबदाकर अ० अवश्य, जरूर, टेकथी
अदम पु० [अ] अभाव, न होवु ते (समासमा) उदा० **अदम-पैरवी** = केसमा जरूरी पेरवी न करवी ते. **अदम सबूत** = प्रमाणनो अभाव
अदय वि० [स.] निर्दय
अदरक पु० आदु
अदरा पु० आर्द्रा नक्षत्र
अदल पु० [अ.] न्याय; इन्साफ
अदल-बदल पु० अदलाबदली; फेरफार
अदवान स्त्री० खाटलाना वाणने तग करवानी दोरी (पागतनी) [व०
अदविया (०त) स्त्री० [अ] 'दवा'नु ब०
अदहन पु० [स आदहन] आधण
अदाँत वि० दात न आव्या होय एवु (पशु)
अदांत वि० [स] इद्रियदमन वगरनु (२) उद्दड [हावभाव, नखरा (३) ढग
अदा वि० [अ] चूकतु, चूकवेलु (२) स्त्री०
अदाग वि० 'अदग', निष्कलक, पवित्र
अदायगी स्त्री० [अ] अदा–चूकते थवु ते
अदालत स्त्री० [अ] अदालत, कचेरी (२) न्यायाधीश. **– खलीफी** = नाना कामोनी अदालत **–दीवानी**=दीवानी अदालत. **–माल** = महेसूली अदालत
अदालती वि० अदालतने लगतु (२) अदालतमा लडनार
अदावत स्त्री० [अ] अदावत; वेर
अदावती वि० वेरी; अदावत राखनार
अदिन पु० [स] नठारो दिवस, दुर्भाग्य
अदीठ वि० [स अदृष्ट] न दीठेलु (२) गुप्त, छूपु [शिक्षक
अदीब पु० [अ] विद्वान; पडित (२)
अदीम वि० [अ] नष्ट (२) अप्राप्य
अदू पु० [अ] शत्रु; वेरी
अदूर अ० [स] पासे [अणसमजु
अदूरदर्शी वि० [स.] टूकी दृष्टिवाळु;
अदृश्य वि० [स.] न देखाय एवु (२) अगोचर (३) अलोप [नसीब
अदृष्ट वि० न जोयेलु (२) अलोप (३) न०
अदेखी वि० अदेखु; देखी न शके एवु
अदेस पु० आज्ञा (२) (साधुओमा) प्रणाम
अदेह वि० [स] अदेही (२) पु० कामदेव
अद्धा पु० अरधु ते **–द्धी** स्त्री० अर्धी दमडी
अद्भुत वि० [स] विचित्र; आश्चर्यजनक

अद्य अ० [स.] हमणा, आज
अद्यापि अ० [स] हजी पण
अद्रि पु० [स] पर्वत [पु० ब्रह्म
अद्वैत वि० [स.] एकलु (२) अजोड (३)
अधंग पु० अर्धांग, पक्षाघात
अधंगी वि० अर्धांगनु रोगी
अधः अ० [स] नीचे [(२) विनाश
अधःपतन, अधःपात ु० [स.] अधोगति
अध वि० [स अर्द्ध] (समासमां) अर्धुं. उदा० 'अधकचरा' (२) (प.) अ० अध.
अधकचरा वि० अधकचरु, अधूरु (२) काचु; शिखाउ
अधकपारी (–ली) स्त्री० आदाशीशी
अधकहा वि० अस्पष्ट के अर्धुं कहेलु
अधन्ना पु०, **–न्नी** स्त्री० ढवु; अर्ध आनो
अधपई स्त्री० [हिं० आधा+पाव] अर्ध पाशेर (वगाली) जेटलु माप के तोल, पाशेरी के पाशेरो
अधबीच अ० अधवच; वच्चोवच [दुष्ट
अधम वि० [स] नीच; हलकु (२) पापी;
अधमरा, अधमुआ वि० अधमूउ
अधमर्ण वि० [स.] ऋणी, देवादार
अधर पु० [स] नीचलो होठ (२) अध्धर स्थान, अतरीक्ष (३) वि० बूरु, नीच
अधर्म पु० [स] कुकर्म, दुराचार
अधवा स्त्री० [स] विधवा
अधसेरा पु० अच्छेरो
अधाधुन्ध अ० अधाधूधी होय तेम
अधार पु० (प) आधार
अधारी स्त्री० आधार (२) साधुओ टेका माटे लाकडानी एक बनावट राखे छे ते (३) मुसाफरीनो झोयणो, थेलो
अधावट वि० अर्धुं उकाळेलु (दूध)
अधिक वि० [स] खूब; वधारेनु; फालतु
अधिकांग वि० [स.] वधारेना अवयववाळु
अधिकांश पु० [स] मोटो भाग (२) वि० अधिक (३) अ० मोटे भागे, घणु करीने [वडाई, महिमा
अधिकाई स्त्री० (प) अधिकता (२)
अधिकाना अ० क्रि० (प) अधिक थवु; वधवु [(२) योग्यता; लायकात
अधिकार पु० [स] हक, सत्ता, कबजो
अधित्यका स्त्री० [स] पहाडी उच्च प्रदेश, 'टेबललॅण्ड'
अधिमास पु० [स] अधिक मास
अधिया स्त्री० अर्धो भाग (२) अर्धनी भागीदारी (३) पु० अर्धो भागीदार
अधियाना स० क्रि० अर्धुं करवु, अर्धुं अर्धुं वहेचवु
अधियार पु० जुओ 'अधिया'
अधियारिन स्त्री० 'अधियार' नु स्त्री०
अधियारी स्त्री० अर्धी भागीदारी
अधिरथ पु० [स] सारथि
अधिवेशन ु० [स] अधिवेशन, बेठक
अधिष्ठाता पु० [स] अध्यक्ष, वडो
अधिष्ठान पु० [स] निवास (२) नगर (३) पडाव (४) आधार, टेको (५) अधिकार, सत्ता
अधीन वि० [स] आधीन; आश्रित; तावानु (२) पु० दास
अधीर वि० [स] गभरायेलु; (२) चचळ, उतावळियु (३) असतोषी
अधुना अ० [स] अत्यारे, हवे
अधूत वि० [स] नीडर, अडग
अधूरा वि० अधूरु, अपूर्ण **–कर देना**=कमजोर करी देवु. **–जाना**=गर्भपात थवो. **–होना**=अणसमजु होवु
अधेड़ वि० आधेड

अधेला पु० अधेलो, अरधोजी
अधेली स्त्री० आठ आनी, अर्धो
अधोगति स्त्री०[स]पतन;अवनति;दुर्दशा
अधोतर पु० एक जातनु जाडु कपडु
अध्यक्ष पु०[स]स्वामी, मालिक(२) नायक, वडो (३) अधिकारी
अध्ययन पु० [स] अभ्यास; भणवु ते
अध्यवसाय पु०[स]सतत उद्योग;खंत ने महेनत (२) निश्चय [वंधो
अध्यापकी स्त्री० अध्यापकनु काम के
अध्वर पु० [स] यज्ञ
अनंग पु०[स.]कामदेव [(३)शेषनाग
अनंत वि० [स.]अपार(२) पु० विष्णु
अनंतर अ० [स] पछी (२) निरतर
अन नकारवाचक उपसर्ग (हिन्दी शब्दोमा, गुजराती 'अण' पेठे वपराय छे. उदा० अनगढ़)
अन-अहिवात पु० विधवापणु, रडापो
अनइस वि० बूरु; खराब, 'अनैस'
अनक़रीब अ० [अ] नजीक, पासे
अनख पु० [स अन्+अक्ष] क्रोध (२) ईर्षा, द्वेष (३) नजर न लागे ते माटे करातु काजळनु टपकु
अनखाना अ० क्रि० गुस्से थवु, चिडावु
अनखाहट पुं० क्रोध, नाराजगी
अनगढ़ वि० (स्त्री०,–ढ़ी) घडया वगरनु (२) स्वयभू (३) वेडोळ, अणघड
अनगना वि० अगणित (२) पु० गर्भनो आठमो मास ['अनगना'
अनगिन(०त, –ना) वि० अगणित;
अनजान वि०अजाण; नादान(२)अज्ञात; अपरिचित [असावधानीमा
अनजाने अ० अजाण्ये, वगर समज्ये;
अनत अ० (प) अन्यत्र, बीजे स्थाने (२) [स.] वि० न नमेलु [स्त्री०अहकार
अनति वि० [स] अति नहि, थोडु (२)
अनदेखा वि० न देखेलु, 'अदीठ'
अनध्याय पु० [स.] रजानो दिवस, अणोजो
अनन्नास पु० अनेनास फळ
अनपच पु० अजीर्ण, बदहजमी
अनपढ़ वि० अभण, निरक्षर, मूर्ख
अनबन स्त्री० अणबनाव [अविद्ध
अनबि(–बे)धा वि० वेध्या वगरनु;
अनबोल (०ना,–ला) वि० मूगु(प्राय 'पशु माटे) [कुवारु
अनब्याहा वि०(स्त्री०,–ही)अविवाहित;
अनभल पु० भलु नहि ते, अहित. **–ताकना**=बूरु ताकवु
अनमन (–ना) वि० (स्त्री०, –नी) अन्यमनस्क, उदास; खिन्न [असबद्ध
अनमिल वि० (स्त्री०,–ली)मेळ वगरनु;
अनमेल वि० मेळ वगरनु, 'अनमिल' (२) सेळभेळ वगरनु, विशुद्ध
अनमोल वि० अमूल्य, उत्तम
अनरस पु० रसहीनता(२)अरुचि(३) अणबनाव **–पड़ना**=अणबनाव थवो
अनर्थ पु० [स]खोटो के ऊलटो अर्थ (२) खराबी, नुकसान (३) अधर्मनो पैसो
अनर्थक वि० [स.] अनर्थ करे एवु(२) व्यर्थ, नकामु
अनल पु० [स.] अग्नि
अनवट पु० अणवट; स्त्रीनु अगूठियु
अनवद्य वि० [स] निर्दोष; अनिंद्य
अनवरत वि० [स] सतत; निरतर
अनवासना स० क्रि० नवु वासण पहेलप्रथम वापरवु

अनशन पु० [स] उपवास
अन-सखरी स्त्री० जुओ 'निखरी'
अनसुना वि० (स्त्री०,-नी) न साभळेलु
अनसुनी करना=साभळचु ना साभळचु करवु, ध्यान न देवु [नही ते
अनसूया स्त्री० [स] असूया के ईर्षा
अनहोता वि० गरीब (२)असभव(३) आश्चर्यजनक [असभव-विलक्षण वात
अनहोनी वि० स्त्री० असभव(२)स्त्री०
अनाकानी स्त्री०आख आडा कान करवा ते (२) आनाकानी
अनागत वि० [स.] नहि आवेलु, गेर-हाजर (२) अजाण्यु (३) अजन्मा, अनादि (४) अ० (प) अचानक
अनाचार पु० [स] दुराचार, कुरीति
अनाज पु० अन्न, धान्य
अनाड़ी वि०अनाडी, नादान, अणसमजु
अनात्म वि० [स] जड(२) पु०आत्माथी ऊलटो – जड पदार्थ
अनाथ वि० [स.] असहाय, दीन, दुःखी
अनादर पु० [स] अवज्ञा, अपमान
अनादि वि० [स] आदिरहित; अजन्मा
अनाप-शनाप पु० नकामो बकवाट
अनाम वि०[स.]नाम विनानु(२)अप्रसिद्ध
अनामय वि० [स] नीरोगी (२) निर्दोष (३) पु० तदुरस्ती [जुओ 'अनाम'
अनामा स्त्री०अनामिका(२)वि०स्त्री०
अनायत स्त्री० [अ] कृपा; महेरबानी
अनायास अ० [स] विना महेनते(२) अचानक [दारूखानानी कोठी
अनार पु० [फा] दाडम (२)नेना घाटनी
अनारदाना पु० [फा] एक जातना खाटा अनारना मूकवेला दाणा
अनारी वि०जुओ 'अनाडी' (२)अनार–दाडमना रगनु, लाल

अनार्य पु० [स] आर्य नही ते(२) अश्रेष्ठ
अनावश्यक वि०[स]बिनजरूरी [मुकवणु
अनावृष्टि स्त्री०[स]वरसादनो अभाव;
अनाह पु० [स] पेट चडवानो एक रोग
अनिंद(-द्य) वि०[स] निर्दोष, उत्तम
अनिच्छा स्त्री० [स] इच्छा न होवी ते
अनित्य वि० [स] नश्वर, अस्थायी (२) क्षणभगुर (३) असत्य
अनिद्र वि० [स] ऊघ जेने न आवे ते (२) पु० तेनो रोग
अनिमि(-मे)ष अ०[सं]एकीटसे;निरतर
अनियमित वि० [स] नियमरहित; अव्यवस्थित (२) अनियत
अनियारा वि०(प)अणियाळु; अणीदार
अनिर्वचनीय वि० [स] अवर्णनीय
अनिल पु० [स] पवन; वायु
अनिवार्य वि० [स] जरूरी (२) जरूर थनारु, टाळी न शकाय एवु
अनिष्ट वि० [स] न इच्छेलु (२) पु० अहित; बूराई
अनी स्त्री० [स अणि] अणी (२) वस्तुनो आगळनो भाग(३)समूह; झुण्ड(४)सेना (५) [हिं आन=मर्यादा] ग्लानि, खेद
अनीक पु० [स] युद्ध (२) सेना (३) वि० [अ + हिं नीक = अच्छु] बूरु; खराब
अनीठ वि० [स. अनिष्ट] (प) अनिष्ट; अप्रिय (२) खराब
अनीति स्त्री० [स] अन्याय (२) अधेर
अनीश वि० [स] अनाथ (२)पु० विष्णु (३) जीव के माया
अनीस पु० [अ] दोस्त (२) प्रेम के सहानुभूति राखनार (३) वि०(प) जुओ 'अनीश'

अनुकंपा स्त्री० [स] दया
अनुकरण पु० [स.] देखादेखी करवु ते
अनुकूल वि० [स] माफक (२) तरफ के मददमा रहेनार (३) प्रसन्न, राजी
अनुकूलना स० क्रि० (प) अनुकूल थवु
अनुकृति स्त्री० [स] नकल, अनुकरण
अनुक्रम पु० [स] क्रम, क्रमवार होय ते
अनुक्रमणिका स्त्री० [स] क्रम (२) सूची, साकळियु [नोकर
अनुग, ०त वि० [स] अनुगामी (२) पु०
अनुगति स्त्री० [स] पाछळ जवु ते (२) अनुकरण (३) मरण [थवु ते
अनुगमन पु० [स] अनुसरण (२) सती
अनुगामी वि० [स] पाछळ पाछळ जनार; अनुयायी (२) आज्ञांकित
अनुगृहीत वि० [स] ऋणी, आभारी
अनुग्रह पु० [स] दया, उपकार, महेरबानी (२) अनिष्ट-निवारण
अनुग्राहक वि० [स] अनुग्रह करनार
अनुचर पु० [सं] नोकर, दास
अनुचित वि० [स] अयोग्य, खोटु
अनुज पु० [सं] नानो भाई
अनुज्ञा स्त्री० [स] आज्ञा; हुकम [पस्तावो
अनुताप पु० [स] दाह (२) दुख (३)
अनुदिन अ० [स] रोज
अनुनय पु० [स] विनती, प्रार्थना (२) मनाववु ते [(वर्ण)
अनुनासिक वि० [स] नाकमायी बोलातो
अनुपम, –मेय वि० [स] उत्तम, अजोड
अनुपयुक्त वि० [स] अयोग्य
अनुपयोगी वि० [स] नकामु
अनुपस्थित वि० [स] गेरहाजर
अनुपस्थिति स्त्री० [स] गेरहाजरी
अनुपात पु० [स] त्रिराशि
अनुपातक पु० [स] महापाप
अनुपान पु० [स] दवानु अनुपान
अनुप्रास पु० [स] अनुप्रास; एक वर्णालंकार
अनुभव पु० [स] अनुभव (२) लागवु, प्रतीत थवु ते –करना=खबर पडवी; मालूम थवु, लागवु
अनुभवना स० क्रि० अनुभववु
अनुभवी वि० [स] अनुभववाळु; जाणकार
अनुभाव पु० [स] महिमा, मोटाई
अनुभूति स्त्री० [स] अनुभव; साक्षात्कार
अनुमति स्त्री० [स] हुकम, आज्ञा (२) रजा, बहाली [धारणा
अनुमान पु० [स] अटकळ; अंदाज; क्यास;
अनुमोदन पु० [स] खुशी थवी ते (२) समर्थन, टेको [नोकर, दास
अनुयायी वि० [स] अनुसरनार (२) पु०
अनुरक्त वि० [स] आसक्त (२) लीन
अनुराग पु० [स] प्रेम, प्रीति
अनुराध पु० [स] विनती; प्रार्थना [योग्य
अनुरूप वि० [स] समान (२) अनुकूळ;
अनुरोध पु० [सं] बाधा, रोकवु ते (२) प्रेरवु ते (३) आग्रह, दबाण
अनुलोम पु० [स] ऊंचेथी नीचे जतो क्रम (२) सगीतमा अवरोह [भाषांतर
अनुवाद पु० [स] फरी कहेवु ते (२)
अनुशासन पु० [स] आज्ञा (२) उपदेश
अनुष्टुप् पु० [स] अनुष्टुभ छंद
अनुष्ठान पु० [स] कामनो आरंभ, मंडाण (२) देवनु पुरश्चरण
अनुसंधान पु० [स] शोधखोळ, तपास
अनुसंधानना स० क्रि० (प) खोळवु (२) विचारवु [करवु ते
अनुसरण पु० [स] अनुसरवु के अनुकरण

अनुसार अ० [स] मुजब, प्रमाणे
अनुसाल पु० (प) पीडा, दुख
अनुस्वार पु० [स]स्वर पछी उच्चारमा आवतो एक अनुनासिक वर्ण के तेनु चिह्न–अनुस्वार
अनूठा वि० [प अनुत्थ](स्त्री०, –ठी) अनूठु, अद्भुत (२) अद्वितीय, उत्तम
अनूढ़ा स्त्री० [स] अविवाहित स्त्री (पण प्रेम राखती) [करायेलु
अनूदित वि० [स] अनुवादित, भाषांतर
अनूप वि० अनुपम
अनृत पु० [स] असत्य, जूठ
अनेक वि० [स] घणु (संख्यामा)
अनेग वि० (प) अनेक
अनेरा वि० [प अनृत] (स्त्री०,–री) नकामु, निष्प्रयोजन; व्यर्थ
अनैक्य पु० [स] मतभेद, फूट
अनैस, –सा वि० 'अनइस', बूरु
अनोखा वि० अनोखु, निराळु (२) नवु (३) सुन्दर
अन्दलीव स्त्री० [अ] बुलबुल
अन्न पु० [स] अन्न, अनाज (२) भात (३) (प) वि० अन्य
अन्नकूट पु० [स] अणकोट
अन्नछेत्र पु० अन्नक्षेत्र [आजीविका
अन्नजल पु० [स] दाणोपाणी (२)
अन्नदाता पु० [स]मालिक; स्वामी; शेठ
अन्नसत्र पु० [सं] अन्नक्षेत्र
अन्ना स्त्री० [तु] माता (२) धाव
अन्य वि० [स] बीजु (२) परायु
अन्यत्र अ० [स] बीजे ठेकाणे
अन्यथा वि० [स] विपरीत; ऊलटु (२) असत्य (३) अ० नहि तो, नो पछी
अन्य पुरुष पु० [स] त्रीजो पुरुष (व्याकरणमा) [(३) जुलम
अन्याय पु० [स] गेरइनसाफ(२)अंधेर
अन्योन्य स० परस्पर; अन्योअन्य
अन्वय पु० [स] संबंध, मेळ (२) कवितानो अन्वय (३) वंश, खानदान
अन्वाअ स्त्री० ब० व० [अ] 'नौ'– रीत, प्रकार–नु ब० व०
अन्वान पु० जुओ 'उन्वान'
अन्वित वि० [स] युक्त, –वाळु
अन्वीक्षण पु०, **अन्वीक्षा** स्त्री० [स] ध्यानथी जोवु ते (२) खोज; तपास
अन्वेषण पु० [स] खोज, तपास, शोध
अन्सर पु० [अ] मूळ तत्त्व
अपंग वि० अपंग, लूलु (२) अशक्त
अपकर्म पु० [स] खराब काम
अपकाजी वि० स्वार्थी; मतलबी
अपकार पु० [स] अनुपकार, हानि(२) अपमान, अनादर
अपकारक, अपकारी वि०[स] अपकार करनारु (२) विरोधी
अपकीर्ति स्त्री० [स] बदनामी
अपक्व वि० [स.] काचु
अपघात पु० [स] आपघात (२) हत्या हिंसा (३) विश्वासघात
अपच पु० अजीर्ण; अपचो
अपछरा स्त्री० (प) अप्सरा
अपजस पु० अपयश, बेआबरु [मूर्ख
अपठ, अपढ वि०'अनपढ', अभण (२
अपत्य पु० [स] संतान
अपथ पु० [स] विकट के खराब मार्ग
अपथ्य वि० (२)पु०[स] पथ्य नहि एवो (आहार)
अपन सर्व० (प.) आपणे

अपनपो पु० (प) जुओ 'अपनापन'
अपनयन पु० [सं] दूर करवु ते
अपना सर्व०[स. आत्मन] (स्त्री०,–नी) पोतानु (त्रणे पुरुषमा वपराय) (२) पु० स्वजन **अपनी अपनी पड़ना**=पोत-पोतानी पडी होवी. **अपने तक रखना**=कोईने न कहेवु. **–सा मुँह लेकर रह जाना**=शरमिंदु थईने रही जवु; पाछा पडवु; वनवु
अपनाना स० क्रि० अपनाववु, पोताने अनुकूळ के वश करवु, पोतानु करवु
अपनापन पु०, **अपनायत** स्त्री०अपनाववु ते (जुओ 'अपनाना'), आत्मीयता
अपने आप अ० आपोआप, पोतानी मेळे
अपभ्रंश पु० [स] पतन (२) विकृति, वगाड (३) वि० विकृत; वगडेलु
अपमान पु०[स.]अनादर, अवगणना
अपमानना स० क्रि० अपमान करवु
अपमानी वि० अपमान करनारु
अपमृत्यु स्त्री० [सं.] कमोत
अपयश पु० [स] अपकीर्ति; वदनामी
अपरंच अ० [स] वळी; उपरात (२) तोपण
अपर वि० [स] पहेलु (२)पछीनु(३)बीजु
अपरस वि० अस्पृश्य
अपराध पु० [स] गुनो (२) कसूर; भूल
अपराधी वि० [स] गुनेगार .
अपराह्ण पु० [स.] पाछलो पहोर
अपरिग्रह पु० [स] (दान) न लेवु ते (२) अपरिग्रह, त्याग
अपरिचित वि० [स] अजाण्यु; अज्ञात
अपरूप वि०अपूर्व, अद्‌भुत (२) [स] वेडोळ, कदरूपु
अपलक्षण पु० [स] खोटु चिह्न, दोष
अपवश वि०(प) 'परवश' थी ऊलटु, स्वाधीन
अपवाद पु० [स] विरोध, खडन (२) बदनामी, निंदा (३) दोष, कलक (४) सामान्य नियमनाथी विरोधी ते (५) आज्ञा, आदेश
अपवादक, अपवादी वि० [स] निंदाखोर (२) विरोधी, वाधक [उडाउपणु
अपव्यय पु० [स] खोटु खरचवु ते;
अपशकुन पु० [स] खराव शुकन
अपशब्द पु० [स] खोटो के अर्थ विनानो शब्द (२) गाळ (३) वाछूटनो अवाज
अपसना अ० क्रि० (प) खसवु, सरकवु
अपसोस पु० (प) अफसोस
अपसोसना अ०क्रि०(प) अफसोस करवो
अपांग पु० आखनो खूणो (२) वि० अपग
अपात्र वि० [स] अयोग्य
अपान पु० (प) आत्मज्ञान (२)अभिमान (३) [सं] अपान वायु
अपार वि० [स] अपार; वेहद; असख्य
अपाह(–हि)ज वि० लूलुलगडु; अपग; काम न करी शके एवु (२) आळसु
अपि अ० [स] वळी, पण (२) जरूर
अपितु अ० [स] परन्तु (२) बल्के
अपील स्त्री०[इ] उपली कोर्टमा अपील (२) निवेदन
अपुत्र वि० [स.] पुत्ररहित
अपूर्ण वि० [स] अधूरु
अपूर्व वि० [स] अनोखु, उत्तम
अपेक्षा स्त्री० [स] इच्छा (२) जरूरियात (३) तुलना; सरखामणी (४) आशा; भरोसो
अप्रतिम वि० [स] अद्वितीय, अनुपम
अप्रसिद्ध वि० [स] अजाण्यु (२) गुप्त

अप्रस्तुत वि० [स] प्रसंग के स्थान वहारनु, असवद्ध
अप्राप्त वि० [स]नहि मळेलु के मेळवेलु (२) परोक्ष, अप्रस्तुत
अप्रामाणिक वि०[स]प्रमाण विनानु; उटपटाग (२) विश्वासपात्र नहि तेवु
अप्रासंगिक वि० [स] प्रसग विरुद्ध; अप्रस्तुत
अप्रिय वि० [स] अणगमतु(२)अरुचिकर
अप्रैल पु० एप्रिल मास [करणी
अफ़आल पु०[अ 'फेल 'नु व०व०]कृत्यो;
अफ़ई पु० [अ] काळो नाग
अफ़ग़ान [अ] अफवान, काबुली
अफ़ज़ल वि० [अ] उमदा, सर्वोत्तम
अफ़ज़ाइश स्त्री०[फा] वृद्धि, वधारो
अफ़तारी स्त्री०उपवासनु–रोजानु पारणु
अफ़यून स्त्री० [फा.] अफीण
अफरना अ०क्रि०पेट भरीने खावु;धरावु (२)अफरावु(३) 'ऊवना'; अरुचि थवी
अफरा पु० आफरो
अफ़लातून पु० [अ] प्लेटो (२) बहु अभिमानी माणस –का साला=घमडी माणस [खवर (–उड़ाना, फैलाना)
अफ़वाह स्त्री० [अ.] अफवा, ऊडती
अफशा वि० जुओ 'इफशा'
अफसर पु० ऑफिसर –माल=महेसूल खातानो अमलदार
अफसाना पु० [फा०] कहाणी, कथा
अफसुरदा वि० [फा] दु खित, मूझायेलु (नाम,–दगी स्त्री०) [पस्तावो
अफसोस पु० [फा] अफसोस, शोक;
अफ़ीम स्त्री०अफीण [नो व्यसनी
अफीमची, अफीमी पु०अफीणियो;अफीण-
अफू पु० [अ. अफ्व] क्षमा, माफी

अफ़ूनत स्त्री० [अ] बदबो, दुर्गंध
अब अ० आ वखते, हमणा, हवे –तब होना या लगना=मरणघडी आववी –तब करना=आजकाल करवी, वहानु काढी ढील करवी
अबख़रा पु० [अ] वाफ, वराळ
अबतर वि० [फा] बूरु; खराव (२) वगडेलु, भ्रष्ट [वगाड
अबतरी स्त्री० खराबी (२) अवनति,
अबद स्त्री० [अ] अनतता, असीमता
अबदी वि० [अ] अनत, अमर
अबरक पु०[स अभ्रक] अवरख [कपडु
अबरा पु०[फा]'अस्तर' नु ऊलटु; उपलु
अबरी स्त्री०[फा.]एक जातनो चीकणो कागळ (२) एक पीळो पथ्थर
अबरू स्त्री० आखनी भमर, 'अब्रू'
अबल वि० [स] निर्बळ; कमजोर
अबलक(–ख) वि० [अ] कावरचीतरु, सफेद अने काळा के लाल रगनु
अबला स्त्री० [स] अबळा, स्त्री
अबवाब पु० [अ] ('बाब'नु ब० व०) अध्याय (२) एक मुसलमानी कर
अबस अ० [अ] व्यर्थ; नाहक
अबा पु० [अ] डगला नीचे पहेरवानु ढोलु कपडु
अबादान, अबादानी जुओ 'अवादान', 'अवादानी' [(२) अपार
अबाध वि०[स]बाधा के अडचण रहित
अबाधित वि० [स] अबाध (२) स्वतत्र
अबाध्य वि० [स] न रोकाय एवु, अनिवार्य [एक पक्षी
अबाबील स्त्री० [फा] काळा रगनु
अबार स्त्री० (प) विलब, वार, ढील
अबास पु० (प) आवास, निवास

अबीर पु० [अ] अबील [पु० तेवो रग
अबीरी वि० [अ] अबीलना रंगनु (२)
अबुहाना अ० क्रि० धूणवु; 'अभुआना'
अबूझ वि० अबोध, अणसमजु
अबे अ० (नाना के ऊतरता माणस माटे सबोधन) ए, अल्या **–तबे करना** = निरादरसूचक बोलवु
अबेर स्त्री०(प) [स अवेला] विलम्ब
अबोध वि० [स] जुओ 'अबूझ'
अबोला पु० रिसाईने न बोलवु ते; अबोला
अब्ज पु० [स] कमळ (२) अबज सख्या
अब्द पु० [स] वरस (२) वादळ
अब्धि पु० [स] समुद्र
अब्बा पु० [फा] बाप
अब्बास पु० [अ] एक फूलझाड
अब्बासी स्त्री० इजिप्तनो एक जातनो कपास (२) एक जातनो लाल रग
अब्र पु० [फा] अभ्र, वादळ
अब्रह्मण्य पु० [स] ब्राह्मणने उचित नहि एवु — कुकर्म, पाप
अब्रू स्त्री० [फा] जुओ 'अबरू'
अब्रे-बारां पु० [फा] वरसादनु वादळ
अभंग वि० [स] अखड, अविनाशी
अभक्ष्य वि० [स] न खाई शकाय तेवु — निषिद्ध
अभय वि० [स] नीडर (२) पु० नीडरता
अभागा,–गी वि० अभागी
अभाग्य पु० [स] दुर्भाग्य, कमनसीब
अभाव पु० [स] न होवु ते(२)कमी; खोट
अभिक्रमण पु० [स] चडाई, हुमलो
अभिगमन पु०[स] पासे जवु ते(२)सभोग
अभिचार पु० [सं] मत्रथी जारण-मारण करवु ते
अभिजात वि० [स] कुलीन; खानदान (२) योग्य; मान्य (३) सुन्दर
अभिजित वि० [स.] विजयी(२) पु० एक नक्षत्र
अभिज्ञ वि० [स] जाणकार (२) निपुण
अभिज्ञान पु० [स] स्मृति, ओळख (२) ओळखनी निशानी
अभिधान पु० [स] नाम (२) शब्दकोष
अभिनन्दन पु० [स] आनद (२) सतोष (३) प्रशसा (४) नम्र विनती
अभिनय पु० [स] चाळा, नकल (२) नाटकनो वेश भजववो ते
अभिनव वि० [स] नवु (२) ताजु
अभिनिवेश पु० [स] अदर पेसवु ते (२) एकाग्रता (३) दृढ सकल्प
अभिनेता पु० [स] अभिनय करनार; नट
अभिप्राय पु० [स] मतलब, आशय
अभिभावक वि० [स] वश करनार, हरावनार
अभिभूत वि० [स] वश, पराजित
अभिमत वि० [स] इष्ट, वाछित (२) समत (३) पु० मत, अभिप्राय (४) मननी वात
अभिमान पु० [स] गर्व, अहकार
अभिमानी वि० [स] गर्विष्ठ, अहकारी
अभिमुख अ० [स] सामे, सन्मुख
अभियुक्त वि० [स] आरोपी; प्रतिवादी
अभियोक्ता पु० [स] वादी, फरियादी
अभियोग पु० [स] आरोप, फरियाद (२) चडाई, हल्लो
अभियोगी पु० [स] जुओ 'अभियोक्ता'
अभिरुचि स्त्री० [स] रुचि; चाह; पसदगी
अभिलाष पु०, **–षा** स्त्री० [स.] इच्छा, कामना, आकाक्षा
अभिवादन पु० [स] नमस्कार(२) स्तुति
अभिशाप पु० [स] शाप (२) मिथ्या आरोप

अभिषेक पु० [स] जळ छाटवु ते (जेम के राजानो) (२) शिवलिंग पर जळाधारी
अभिसरना अ० क्रि० (प) जवु (२) इष्ट जगाए के प्रियने मळवा जवु
अभिसार पु० [स] प्रियजनने नक्की जगाए मळवा जवु ते
अभी अ० [हिं अब+ही] हमणा ज; अबघडी
अभीक वि० [स] नीडर
अभीष्ट वि० [स] इष्ट, मनवांछित
अभुआना अ० क्रि० [स आह्वान] भूत आव्यु होय एम धूणवु ने हाथ पग हलाववा [अपूर्व, अनोखु
अभूत वि० [स] पूर्वे नहि बनेलु;
अभेद पु० [स] एकसमानता (२) वि० एकसमान
अभ्यग पु० [स] तेलनी मालिस
अभ्यतर पु० [स] अतर (२) मध्य; वच (३) अ० अदर [सत्कार
अभ्यर्थना स्त्री० [स] विनती (२) स्वागत,
अभ्यस्त वि० [स] महावरावाळु, कुशळ
अभ्यागत पु० [स] अतिथि
अभ्यास पु० [स] फरी फरी काई करवु ते (२) टेव, आदत
अभ्युत्थान पु० [स] उत्थान; उदय; उन्नति
अभ्युदय पु० [स] उदय; उत्पत्ति; उन्नति
अभ्र पु० [स] वादळ (२) आकाश (३) 'अभ्रक', अबरक
अभ्रक पु० [स] अबरख
अमका पु० [स अमुक] अमुक, फलाणो
अमचूर पु० आमचूर
अमन पु० [अ] शाति, चेन (२) रक्षण; बचाव
अमन-अमान, अमन-चैन पु० सुख-शाति; सुखचेन
अमर वि० [स] न मरे एवु (२) पु० देव
अमरख पु० (प) अमर्ष, क्रोध
अमरबेल, अमरवल्ली स्त्री० अतरवेल
अमरसी वि० केरीना रसना रगनु; सोनेरी [आवावाडियु
अमराई स्त्री०, **अमराव** पु० अमराई;
अमराज़ पु० [अ 'मर्ज़' नु ब०व०] रोग
अमरू पु० एक जातनु रेशमी कपडु
अमरूत (-द) पु० [फा. ?] जामफळ
अमरैया पु० (प) अमराई, आवावाडियु
अमर्ष पु० [स] क्रोध, रीस
अमल पु० [अ] अमल, सत्ता, नशो इ०
अमलतास पु० गरमाळानी सीग
अमल-दर-आमद पु० [फा] अमल थवो ते
अमलदारी स्त्री० अधिकार (२) एक प्रकारनी विघोटी
अमला पु० [अ] कचेरीमा काम करनार; अमलदार (२) स्त्री० [स] लक्ष्मी
अमली वि० [अ] अमलमा आवनारु; व्यावहारिक (२) अमल करनारु (३) नशेबाज, केफी [मोतो
अमवात स्त्री० ब० व० [अ] मरणो;
अमहर पु० काची छोलेली केरीनी सूकी चीर, चीरियु
अमात्य पु० [स] प्रधान, वजीर
अमान वि० [स] अमाप, बहु (२) मान के गर्व रहित, नम्र (३) तुच्छ, अपमानित [तेम राखेली वस्तु
अमानत स्त्री० [अ] अनामत राखवु ते के
अमानतदार पु० अनामत राखनार, जेने त्यां अनामत रखाय ते

अमाना अ० क्रि० समावु; पूरु मावु (२) फुलावु, गर्व करवो
अमानी स्त्री० [अ.] मजूर पासे रोजी के पगार पर जाते काम करावबु ते (२) वि० [स] मान वगरनु; निरभिमानी; नम्र
अमानुष,-षी वि० [स] मनुष्यनी शक्ति बहारनु (२) पाशवी, राक्षसी
अमाप वि० बेहद, खूब
अमामा पु० [अ] जुओ 'अम्मामा'
अमारी स्त्री० [अ] अवाडी
अमाल पु० [अ] हाकेम, अमल करनार
अमावट स्त्री० केरीना रसने सूकवीने करेलो पापड (२) एक जातनी माछली
अमावस, अमावस्या [सं.] स्त्री० अमास
अमिट वि० (स्त्री०,-टा) मटी न शके एवु, स्थायी (२) अटल, अवश्यभावी
अमित वि० [स] अमाप, बहु
अमिताभ पु० [स] बुद्धदेव
अमिय पु० [स अमृत] अमी
अमिल वि० दुर्मेळ, दुर्लभ (२) ऊचुनीचु; अ-सपाट (३) मेळ वगरनु
अमिली स्त्री० 'इमली', आमली (२) मेळ न होवो ते, अणबनाव
अमी पु० (प) अमी, अमृत
अमीन पु० [अ] अदालतनो एक अमलदार (२) थापण राखवा माटे विश्वासु माणस
अमीर पु० [अ] सरदार, उमराव (२) श्रीमत, धनी
अमीराना वि० [अ] अमीरना जेवु; अमीरी [अमीर जेवु
अमीरी स्त्री० अमीरपणु (२) वि०
अमीरो-कबीर वि० [अ] 'अमीर-व-कबीर', खूब धनवान
अमुक वि० [स] फलाणु [मिथ्या
अमूलक वि० [स] मूळ वगरनु (२) असत्य;
अमूल्य वि० [स] खूब कीमती
अमृत पु० [स] अमृत, सुधा (२) पाणी (३) दूध, घी (४) खूब स्वादिष्ट वस्तु
अमृतवान पु० माटीनु रोगान करेलु वासण (घी, अथाणु इ० राखवानु)
अमेय वि० [स] अपरिमित; अमाप; बेहद
अमोघ वि० [स] अचूक, अटल
अमोल, ०क वि० (प) अमूल्य
अमोला पु० आबानो नवो छोड
अमौआ पु० केरीना सूका रस जेवो रग के तेवा रगनु कपडु
अम्दन् अ० [अ] जाणी जोईने; इरादाथी
अम्माँ (-म्मी) स्त्री० अम्मा, मा
अम्मामा पु० [अ] एक प्रकारनो मोटो (मुसलमानी) फेटो
अम्मारी स्त्री० हाथीनी अबाडी
अम्र पु० [अ] बात; अर्थ; मुद्दो; कहेवानी मतलब; विषय (२) आज्ञा; विधि (३) (व्या०) आज्ञार्थ **-व निही**=विधिनिषेध
अम्ल वि० [स] खाटु (२) पु० खटाश (३) तेजाब
अम्हौरी स्त्री० अळाई
अयन पु० [स] गति (जेम के सूर्यनी) (२) घर; आश्रम (३) ढोरनु थान
अयाँ वि० [अ] साफ, स्पष्ट
अयान वि० (स्त्री० -नी) अजाण; अज्ञान (२) [सं] वाहन वगरनु, पगपाळु
अयानत स्त्री० [अ] सहायता
अयानी वि० (प) अज्ञानी
अयाल पु० [फा] घोडा के सिंहनी केशवाळी, याळ (२) [अ] परिवार; बालबच्चा

अयुत पु० [स] दश हजारनी सख्या
अयोग्य वि० [स] अघटित, नालायक
अय्याका वि० [अ] विलासी, विषयी
अय्यार पु० [अ] खधो, चालाक माणस
अरंड पु० एरडो
अरंड-ककड़ी स्त्री० एरणकाकडी, पपैयु
अरई स्त्री० हाकवानी परोणी
अरक पु० [अ] अर्क, कस (२) परसेवो. –उतारना, –खींचना, –निकालना = अर्क काढवो अरक–अरक़ होना = पसीनाथी भीजाई जवु; परसेवो परसेवो थई जवु [करनार
अरकाटी पु० गिरमीटियाओनी भरती
अरकान पु० [अ.?] मुख्य प्रधान; सरदार
अरग, ०जा पु० [स अगरु] अरगजो
अरगजी वि० अरगजाना जेवा रग के सुगधवाळु
अर(–ल)गनी स्त्री० वळगणी, कपडा इ० सूकववानी दोरी [घेरु लाल
अरग़वानी पु० [फा] लाल रग (२) वि०
अरगाना अ० क्रि०(प) चूप रहेवु (२) जुओ 'अलगाना'
अरघा पु०[स अर्घ] अर्घ्य आपवानु एक पात्र (२) शिवलिंग जेमा स्थपाय छे ते
अरज स्त्री० जुओ 'अर्ज़'
अरजी स्त्री० अरजी; विनती (२) वि० अरज करनार [(२) सूर्य
अरणि, –णी स्त्री० [स.] अरणीनु झाड
अरण्य पु० [स] जगल; वन
अरण्यरोदन पु० अरण्यरुदन
अरथ पु० (प.) अर्थ
अरथाना स०क्रि० (प) अर्थ समजाववो
अरथी स्त्री० ठाठडी [मर्दन करवु
अरदना स० क्रि० [स अर्द] कचडवु,
अरदली पु० [अ ऑर्डरली] चपरासी; पटावाळो
अरदास स्त्री० [फा. अर्जदाश्त] विनती; प्रार्थना, अरजी (२) भेट
अरना पु० (स्त्री०,–नी) जगली पाडो (२) सुकाई गयेलु छाण, जे बाळवामा वपराय छे (३) अ०क्रि० जुओ 'अडना'
अरनी स्त्री० [स. अरणी] अरणीनु झाड
अरब पु० अबज सख्या (२) घोडो (३) [अ] अरबस्तान देश
अरबा वि०[अ] चार; ४ (२) पु० त्रिराशि
अरबाब पु० ब० व० [अ] मालिक
अरबी वि० [फा] अरब देशनु (२) स्त्री० अरबी भाषा(३)पु०अरबी ऊट के घोडो
अरमान पु० [फा] इच्छा; चाह; होंश
अरराना अ० क्रि० अरर एवो शब्द काढवो, अरेराटी छूटवी
अरवा पु० ताको, गोख
अरवाह स्त्री० ब० व० [अ.] अरवा; आत्मा (२) फिरस्ता, देवदूतो
अरविंद पु० [स] कमळ
अरवी स्त्री० एक कन्द; अळवी
अरस पु० आळस (२) वि० नीरस; फीकु (३) असभ्य, गमार
अरसट्टा पु० अडसट्टो; अदाज
अरसना-परसना स० क्रि० स्पर्शवु; भेटवु
अरस-परस पु० 'डाहीनो घोडो' जेवी एक रमत
अरसा पु० [अ.] अरसो; समय; मुदत
अरहट पु० [स अरघट्ट] रहेट
अरहन पु० [प रधन] (शाक, कढीमा नखातो) चणानो लोट
अरहर स्त्री० तुवेर [त्यानो घोडो
अराक़ पु० [अ इराक] इराक देश के

अराज वि० राजा विनानु; अंधेर (२) पु० अराजकता, अव्यवस्था
अराजक वि० [स] राजा विनानु
अराजकता स्त्री० [स] जुओ 'अराज'
अराज़ी स्त्री० [अ] जमीन (२) खेतर
अराति पु० [स] शत्रु (२) काम क्रोधादि षड्रिपु
अराधन पु० आराधन
अराधना [स] आराधवु, पूजवु
अरारू(-रो)ट पु० [इ एरोरूट] एक कंद
अराल वि० [स] कुटिल, वांकु (२) पु० मद गळतो हाथी
अरि पु० [स] शत्रु, दुश्मन
अरिष्ट पु० [स.] दुःख, पीडा (२) आफत, अपशुकन
अरी अ० स्त्री माटेनु संबोधन, 'हे'
अरीज़ा वि० [अ] निवेदित; अरज करायेलु (२) पु० अरजी
अरु अ० (प) अने, 'और'
अरुचि स्त्री० [स] अनिच्छा (२) मंदाग्नि (३) घृणा ['उलझना'
अरुझना अ० क्रि० फसावु, गूंचवावु,
अरुझाना स० क्रि० जुओ 'उलझाना'
अरुण वि० [स] लाल (२) पु० सूर्य (३) सिंदूर
अरोगना स० क्रि० (प) 'आरोगना'; खावु
अर्क़ पु० [अ] जुओ 'अरक'
अर्क़रेज़ी स्त्री० [अ+फा.] खूब महेनत
अर्गल पु० [स] आगळो; भूगळ
अर्घ पु० [स] पूजानो एक विधि (२) पूजापो (३) किंमत
अर्घ्य वि० [स] पूज्य (२) कीमती
अर्चन पु० [स] पूजन (२) आदर-सत्कार
अर्ज़ स्त्री० [अ.] विनती; अरज; प्रार्थना (२) पु० पनो, चोडाई (३) जमीन
अर्ज़दाश्त स्त्री० [फा०] अरजी; विनतीपत्र
अर्जन पु० [स] कमावु–पेदा करवु ते
अर्ज़मन्द वि० [फा] आबरूदार, लायक
अर्ज़ाँ वि० [फा.] सस्तु
अर्ज़ानी स्त्री० [फा] सस्तापणु
अर्ज़ी स्त्री० [अ] अरजी, 'अर्ज़दाश्त'
अर्ज़ी-दावा पु० [फा] दावा-अरजी
अर्थ पु० [स] अर्थ; मायनो (२) हेतु (३) लाभ (४) संपत्ति
अर्थकर वि० [स.] लाभकारक
अर्थमंत्री पु० [स.] नाणाप्रधान
अर्थवेद पु० [सं] शिल्पशास्त्र
अर्थशास्त्र पु० [स] सम्पत्तिशास्त्र
अर्थ-सचिव पु० [स] जुओ 'अर्थमंत्री'
अर्थात् अ० [सं] यानी, एटले के
अर्थी स्त्री० जुओ 'अरथी'
अर्दन पु० [स] पीडवु ते, हिंसा
अर्दली पु० जुओ 'अरदली'
अर्द्ध वि० अर्ध, 'आधा'
अर्द्धांग पु० [स] लकवो, पक्षाघात
अर्द्धांगिनी स्त्री० [स] स्त्री, पत्नी
अर्द्धांगी वि० लकवो थयेलु (२) पु० शिव
अर्पण पु० [स] आपवु ते (२) भेट
अर्पना स० क्रि० अर्पवु; आपवु
अर्बुद पु० [स.] दस करोडनी संख्या [नानु
अर्भक पु० [स] बालक (२) वि० नादान;
अर्वाचीन वि० [स] आधुनिक, नवु
अर्श पु० [अ] मुसलमानो माने छे ते सौथी ऊंचु – खुदानु धाम (२) (स) हरस रोग. **–पर चढ़ाना**=खूब तारीफ करवी **–पर दिमाग होना**=बहु अभिमान होवु

अर्हंत,–न्त पु० परमज्ञानी; बुद्ध; तीर्थंकर
अलंकार पु० [स] आभूषण, घरेणु
अलंग पु० बाजू, तरफ
अलकतरा पु० [अ] डामर
अलख वि० अलख, अगोचर –जगाना =पोकारीने प्रभुस्मरण करवु, अलख जगाववी
अलखधारी, अलखनामी पु० 'अलख' 'अलख' पोकारी भिक्षा मागनार एक जातनो साधु
अलग वि० जुदु; भिन्न (२) सुरक्षित; बचेलु
अलगनी स्त्री० जुओ 'अरगनी'
अलगरजी वि० [अ] बेपरवा
अलगाई स्त्री०, –व पु० अलगपणु
अलगाना अ० क्रि० अलग थवु; छूटु पडवु (२) स० क्रि० अलग करवु; हठाववु
अलगोजा पु० [अ.] अलगोजा – एक जातनी वासळी
अलपाका पु० आलपाको; 'आलपाका'
अलफा पु० विना बायनु लांबु कुरतु
अलफ़ाज़ पु० [अ 'लफ्ज़' नु ब० व०] शब्दो (२) पारिभाषिक शब्द
अलबत्ता अ० [अ] अलबत्त; बेशक
अलबम पु० [फा] 'आल्बम', चित्रो सघरवानी पोथी [कठण उर्दू
अलबी-तलबी स्त्री० अरबी, फारसी के
अलबेला वि० (स्त्री०,–ली) [म अलभ्य +हिं प्रत्यय ला] अलबेलु; फाकडु (२) सुन्दर; अनोखु
अलभ्य वि० [स] दुर्लभ (२) अमूल्य
अलम पु० [अ] दुःख (२) झंडो
अलमस्त वि० [फा] अलमस्त; मदमत्त; चकचूर (२) मस्तानी, बेफिकर
अलमारी स्त्री० अलमारी, कबाट
अलमास पु० [फा] हीरो [वगरनु
अलल-टप्पू वि० अलेलटप्पु, ठेकाणा
अलल-बछेड़ा पु० (हिं अल्हल+बछेडा) घोडानो बछेरो (२) अल्लड आदमी
अललाना अ० क्रि० चीस पाडवी; गळु फाडीने बोलवु
अलवांती वि० स्त्री० [स बालवती] प्रसूता
अलवाई वि० स्त्री० एकबे मासनी वियायेली (गाय, भेंस); 'बाखडी' थी ऊलटु
अलवान पु० [फा] ऊननी चादर
अलस वि० [स] आळसु
अलसान, अलसानि (प) स्त्री० आळस; सुस्ती (२) शिथिलता
अलसाना अ० क्रि० आळसमां पडवु; सुस्त थवु
अलसी स्त्री० [स अतसी] अळसी
अलसेट स्त्री० (प) ढील (२) अडचण (३) झघडो
अलसेटिया वि० 'अलसेट' करनारु
अलसौंहा वि० (स्त्री०,–ही) आळसयुक्त; सुस्त [पंरोढिये
अलस्सुबाह अ० [अ.] वहेली सवारे;
अलहदगी स्त्री० [अ.] इलायदापणु; जुदाई
अलहदा वि० [अ] इलायदु; अलग
अलहदी वि० आळसु, 'अहदी'
अलान पु० [स आलान] हाथीनु अलान
अलानिया अ० [अ] खुल्लखुल्ला, स्पष्ट
अलाप पु० आलाप
अलापना अ० क्रि० बोलवु, वातचीत करवी (२) गावु
अलामत पु० [अ] निशानी; चिह्न
अलार पु० जुओ 'अलाव' (२) [स] कमाड
अलाल वि० आळसु (२) नवरु, नकामु

अलालत स्त्री० [अ] बीमारी, 'अलील' परथी नाम [ढेर, तापणी
अलाव पु० [स अलात]अलाव, आगनो
अलावा अ० [अ.] सिवाय
अलिंजर पु०[स.]माटीनो पाणीनो घडो
अलिंद पु० [स अलीन्द्र] भमरो(२) [स] घरना द्वार आगळनो ओटलो के छजु
अली पु० [स अलि] भमरो (२) [स. आली] सखी (३) पक्ति
अलीक वि० [स] जूठु, असत्य (२) अप्रतिष्ठित
अलील वि० [अ] बीमार
अलुमीनम पु० एल्युमिनियम धातु
अलेख वि० अज्ञेय (२) अगणित
अलोक वि० [स] अदृश्य (२) निर्जन, एकात (३)पु० परलोक (४) निंदा; अपयश [अस्वाद
अलोना वि० [स अलवण] अलूणु;फीकुं;
अलोप वि० अदृश्य, 'लोप'
अलौकिक वि० [स] अद्‌भुत, अपूर्व
अल्कत वि० [अ] रद के समाप्त करेलु
अल्काब पु० [अ.] इलकाब
अल्काबो-आदाब 'अलकाब-व-आदाब'; जुओ 'आदाब-व-अल्काब'
अल्-क़िस्सा अ० [अ] टूकमा
अल्-ग़रज़, अल्-ग़र्ज़ अ० [अ] मतलब के; टूकमा तात्पर्य के
अल्प वि० [सं] थोडु (२) नानु
अल्ल पु० [अ. आल] अटक, उपनाम
अल्लम गल्लम पु० नकामो बकवाद; अगडबगड
अल्लाना अ० क्रि० जुओ अललाना
अल्लामा स्त्री० कर्कशा, वढकणी स्त्री
अल्लाह ु० [अ.] अल्ला, ईश्वर
अल्लाहताला पु० खुदाताला
अल्लाह-बेली श०प्र०[अ] ईश्वर सहाय छे (विदाय वेळानो बोल) [शुक्रवार
अल्-विदा पु० [अ] रमजाननो छेल्लो
अल्हइत पु० 'आल्हा' छदनु गीत गानार
अल्-हक़ अ० [अ] खरेखर(२) हा, ठीक
अल्हजा पु० गप, डिंग **–मारना**=गप मारवी
अल्हड़ वि० अल्लड, नादान, बेवकूफ (२) पु० नहि पलोटायेलो वाछडो
अव अ० (प) 'और', अने (२) [स] एक उपसर्ग
अवकाश पु० [स] खाली जगा; आकाश (२) समय (३) नवराश (४) फासलो; अतर
अवगत वि० [स] जाणेलु(२)नीचे गयेलु
अवगतना स०क्रि०[सं अवगत]समजवु; विचारवु [दुर्गति, पतन
अवगति स्त्री० [स.] समज, बुद्धि (२)
अवगाह वि० (प) अथाह, बहु ऊडु (२) पु० ऊडु के संकटनु स्थान (३) [स] पाणीमा पडी नाहवु ते
अवगाहना अ० क्रि० नाहवु (२)डूबकु मारवु (३) स० क्रि० ऊंडा ऊतरी विचारवु, तपासवु
अवगुंठन पु० [स] ढाकवु के सताडवु ते (२) घूमटो; बुरखो
अवगुण पु० [स.] दुर्गुण, दोष, अपराध
अवग्रह पु०[स]बाधा, अडचण (२) शाप
अवघट वि० विकट; दुर्गम, कठण
अवचट अ० 'औचट', अचानक (२)पु० मुश्केली; सकडामण
अवज्ञा स्त्री० [स] अपमान, अवगणना
अवटना स० क्रि० 'औटना', उकाळवु

अवडेर पु० झझट; बखेडो; गरवड (२) फेर; चक्कर [नाखवु, फसाववु

अवडेरना स० क्रि० फेर – चक्करमा

अवडेरा वि० चक्करमा नाखे एवु; झझटवाळु, गरवडियु

अवतंस पु० [स] भूषण (२) हार; माळा (३) वाळी (४) श्रेष्ठ व्यक्ति; शिरोमणि

अवतरण पु० [स] पार ऊतरवु ते (२) जन्मवु ते (३) नकल (४) सीडी, घाट के तेनी सीडी [भूमिका

अवतरणिका स्त्री० [स] प्रस्तावना,

अवतार पु० [स] अवतरवु ते, जन्म (२) ईश्वरनो अवतार

अवदात वि० [स] निर्मळ, शुद्ध (२) श्वेत, गोरु (३) पीळु

अवद्य वि० [स] अधम, हीन

अवध पु० अयोध्या (२) स्त्री० अवधि

अवधान पु० [स] ध्यान, एकाग्रता

अवधारण पु० [स] निश्चय, निरधार

अवधि स्त्री० [स] सीमा, हद (२) अ० पर्यंत; सुधी

अवधी स्त्री० अवध–अयोध्यानी बोली (२) वि० अयोध्या सबधी

अवधूत पु० बावो, सन्यासी

अवन पु० [स] रक्षण (२) (प.) अवनि

अवनति स्त्री० [स] पडती (२) नीचे नमवु ते

अवनि स्त्री० [स] पृथ्वी

अवम पु० [स] अधिक मास

अवमतिथि स्त्री० [स] क्षय थती तिथि

अवमान पु० [स] अपमान [अंग

अवयव पु० [स] अग, भाग (२) शरीरनु

अवयवी वि० [स] अनेक अवयववाळु (२) कुल, सपूर्ण (३) पु० देह

अवर वि० (प) अन्य; बीजु (२) हलकु; नीचु (३) निर्बळ

अवरेखना स० क्रि० लखवु, चीतरवु (२) अनुमानवु, कल्पवु, मानवु

अवरेब पु० 'औरेब', वक्र गति (२) कपडानो वाको काप (३) कठिनाई (४) झघडो, खेंचताण [लेवु ते

अवरोध पु० [स] अडचण (२) घेरी

अवरोह पु० [स] ऊतरवु ते, 'अवनति'

अवर्ण वि० [स] वर्णरहित (२) खराब रगनु

अवर्ण्य वि० [स] अवर्णनीय

अवलंघना स० क्रि० लाघवु

अवलंबन पु० [स] आधार, टेको

अवलेप पु० [स] लेप (२) घमड

अवलेपन पु० [स] चोपडवु ते (२) जुओ 'अवलेप'

अवलेह पु० [स] चाटवानु औषध

अवलोकन पु० [सं] जोवु ते (२) तपास

अवश वि० [स] परतत्र; लाचार

अवशिष्ट वि० [स] बचेलु, बाकी

अवशेष पु० [स] शेष; बाकी (२) समाप्ति (३) वि० बाकी (४) समाप्त

अवश्य अ० [स] जरूर (२) वि० वश न थाय तेवु

अवसर पु० [स] मोको, लाग (२) फुरसद (३) थाक

अवसाद पु० [स] विषाद; खेद (२) नाश

अवसान पु० [स.] मरण (२) अत; समाप्ति (३) साज

अवसि अ० (प) अवश्य

अवसेर स्त्री० [स. अवसर] विलब; ढील (२) चिंता; फिकर (३) हेरानगत.

अवसेरना स० क्रि० पजववु, दुःख देवु

अवस्था स्त्री० [स] दशा; हालत (२) उमर [(२) नक्की
अवस्थित वि० [सं] हयात, विद्यमान
अवस्थिति स्त्री० [स] हयाती
अवहेलना स्त्री० [स] अनादर (२) स०क्रि० अनादर करवो [भठ्ठी
अवाँ(–वा) पु० 'आवाँ'; कुभारनी
अवांतर वि० [स] अतर्गत (२) पु० मध्य, वच
अवाई स्त्री० (हिं० आना) आववु ते
अवाक वि० [स] चूप (२) चकित
अवाङ्मुख वि० [स] अधोमुख, ऊलटु (२) शरमायेलु
अवाची स्त्री० [स] दक्षिण दिशा
अवाच्य पु० [स] गाळ (२) वि० न बोलवा-कहेवा जेवु (३) नीच
अवाम पु० [अ] आमजनता
अवाम-उन्नास पु० जुओ 'अवाम'
अवायल वि० [अ] प्राथमिक, शरूनु ('अव्वल'नु व०व०)
अवार पु० [न] नदीनो आ-किनारो, 'पारथी' ऊलटु [नो चोपडो
अवारजा पु० [फा अवारिज] हिसाब-
अविच्छिन्न, अविच्छेद वि० [स] अतूट; लगातार, अखड [माया
अविद्या स्त्री० [स] अज्ञान; मोह (२)
अविधि वि० [स.] विधि–नियमथी विरुद्ध, नियम बहारनु
अविरथा अ० (प) वृथा, नाहक
अविरोध पु० [स.] विरोधनो अभाव (२) मेळ, समानता [(२) अन्याय
अविवेक पु० [स] अविचार, अणसमज
अविश्वास पु० अणभरोसो (२) अनिश्चय
अवेज पु० [अ एवज] (प) बदलो, अवेज

अवेर स्त्री० ढील, मोडु थवु ते, वार
अवैतनिक वि० [स.] वेतन वगरनु, मानद
अव्यक्त वि० [स.] अगोचर (२) अज्ञात (३) पु० प्रकृति (४) जीव (५) अव्यक्त राशि
अव्यक्त-गणित पु० [स] बीजगणित
अव्यय वि० [स.] नित्य, निर्विकार (२) पु० व्याकरणनो अव्यय शब्द
अव्यवस्था स्त्री० [स] व्यवस्था के नियमनो अभाव, गरबड
अव्युत्पन्न वि० [स] अजाण, अणसमजु
अव्वल वि० [अ] अवल, पहेलु (२) उत्तम, श्रेष्ठ (३) पु० शरूआत, आदि उदा० 'अव्वलसे आखिर तक'
अशंक वि० [स] नीडर, निःशक
अशअश करना=खूब खुश के सतुष्ट थवु
अशआर पु० [अ] ('शेर' नु व०व०) काव्यनी टूको
अशकुन पु० अपशुकन
अशक्त वि० [स] नबळु, शक्ति वगरनु
अशक्ति स्त्री० [स.] नबळाई; कमजोरी
अशक्य वि० [स] असभव; शक्तिबहारनु
अशखास [अ. 'शख्स' नु व०व०] घणा माणसोनु टोळु, जनसमूह
अशजार पु [अ] झाडो; वृक्षसमूह
अशन पु० [स] खावु ते (२) खोराक
अशरफ़ पु० भलो माणस, मोटेरो
अशरफ़ी स्त्री० [फा] सोनानो एक सिक्को (२) एक पीळु फूल
अशराफ़ वि० शरीफ; भलु (माणस)
अशिया स्त्री० [अ.] चीजो, वस्तुओ
अशिष्ट वि० [स] असभ्य, असस्कारी
अशुद्ध वि० [स] मेलु; अपवित्र (२) भूलभरेलु

अशुन पु० (प) अश्विन। नक्षत्र
अशुभ वि० [स] बूरु, भूडु, अमगल (२) पु० अहित (३) पाप
अशेष वि० [स] पूरु, बधु (२) खतम; समाप्त (३) अनेक; बहु
अशौच पु० [स] अपवित्रता, अशुद्धि (२) सूतक
अश्क पु० [फा] आसु [वादळ
अश्म पु० [स] पथ्थर (२) पर्वत (३)
अश्मरी स्त्री० [स.] पथरीनो मूत्ररोग
अश्रु पु० [स] आसु
अश्लील वि० [स] बीभत्स, गदु
अश्व पु० [स.] घोडो [नक्षत्र
अश्विनी स्त्री० [स] घोडी (२) एक
अषाढ़ पु० अषाढ मास
अष्ट वि० [स] आठ **०म** वि० [स] आठमु **०मी** स्त्री० आठम
असंक्राति मास पु० [स] अधिक मास
असंख्य वि० [स] अगणित
असंगत वि० [स] अजुगतु, अनुचित
असंतोष पु० [स] अतृप्ति (२) अप्रसन्नता
असंभव वि० [स] अशक्य, 'नामुमकिन'
असंभावना स्त्री० [स] असभव
अस वि० (प) आवु, आ प्रकारनु (२) समान, तुल्य
असकताना अ०क्रि० आळस करवु; आळसी जवु
असकन्ना पु० तलवारनु म्यान अदरथी साफ करवानु लोढानु एक ओजार
असगध पु० एक औषधि, अश्वगधा
असगुन पु० अपशुकन
असत् वि० [स] बूरु, खराब (२) जूठु (३) असाधु
असत्य वि० [स] मिथ्या, जूठु
असबर्ग पु० [फा] रेशम रगवामा आवतु एक खुरासानी घास
असबाब पु० [अ] चीज, वस्तु; सामान
असमंजस स्त्री० [स] दुविधा (२) अडचण
असमय पु० (स) दुखनो–खराब समय (२) अ० कवखते
असर पु० [अ.] असर, प्रभाव
असरार अ० (प) लगातार, सतत (२) पु० ब०व० [अ] भेद, गुप्त वातो
असल वि० [अ] खरु, साचु (२) उच्च, श्रेष्ठ (३) शुद्ध, भेळसेळ वगरनु (४) अकृत्रिम (५) पु० जड, मूळ, पायो
असलह पु० [अ] शस्त्र; हथियार
असला अ० [अ] जरा पण (२) कदापि; हरगिज
असलियत स्त्री० [अ] साच, तथ्य (२) मूळतत्त्व, सार (३) जड, मूळ
असली वि० असल; खरु (२) मूळ, मुख्य (३) शुद्ध, निर्भेळ
असवार पु० सवार. **–री** स्त्री० सवारी
असह वि० असह्य
असहयोग पु० असहकार
असही वि० अदेखु, ईर्षाळु
असाँच वि० असत्य, मिथ्या
असा पु० [अ] सोटो, दडो
असाढ पु० [स आषाढ] अषाढ मास
असाढ़ी वि० अषाढनु (२) स्त्री० अषाढी पाक (३) अषाढी पूनम
असाध्य वि० [स] न थई शके एवु, कठण (२) न मटी शके एवो (रोग)
असामी पु० [अ आसामी] आसामी, व्यक्ति (२) देणदार (३) साथियो

(४)अपराधी (५) स्त्री० वेश्या; रखात (६) नोकरी, जगा
असार वि० [स] सार वगरनु (२) खालो (३) तुच्छ
असालत स्त्री० [अ] कुलीनता(२)सत्य
असालतन् अ०[अ] स्वय, खुद
असावधानी स्त्री० सावधान न होवु ते, गाफेली
असावरी स्त्री० आशावरी राग
असास पु० [अ] जड, पायो, मूळ
असासा पु०[अ]असबाब; माल; सपत्ति
असि स्त्री० [स] तलवार
असित वि० [स] काळु (२) खराब, बूरु (३) वाकु
असिस्टंट वि० [इ] मददनीश, सहायक
असी स्त्री० [स] एक नदी जे काशी पासे गगाने मळे छे
असीम वि० [सं] अपार, बेहद
असीर पु० [फा] केदी
असील वि० [अ] खानदान (२)सुशील
असीस स्त्री० (प.) आशिष
असीसना स०क्रि० आशिष देवी
असु पु० (प.) अश्व (२) अ० आशु, शीघ्र (३) [स] प्राण
असुबि(-वि)धा स्त्री० अगवड
असुर पु० [स] राक्षस
असूझ वि० अन्धकारमय (२) अपार (३) विकट, कठण
असूया स्त्री० [स] ईर्षा, दाझ
असूल पु० जुओ 'उसूल' तथा 'वसूल'
असेसर पु० [इ] एसेसर
असोज पु० [स अश्वयुज] आसो मास
अस्त वि० [स] आथमेलु (२) पु० लोप; अदृश्य थवु ते
अस्तबल पु० [अ] तबेलो, घोडाशाल
अस्तर पु० [फा] नीचेनु पड के थर (२) कपडानु अस्तर
अस्तरकारी स्त्री० [फा] चूनाथी धोळवु के प्लास्टर करवु ते
अस्तव्यस्त वि० रफेदफे, आडाअवळी
अस्ति स्त्री०,०त्व पु० हस्ती, हयाती
अस्तु अ० [स] ठीक, भले [बूराई
अस्तुती स्त्री० स्तुति (२) [स] निंदा;
अस्तुरा पु० [फा] अस्तरो
अस्तेय पु० [स] चोरी न करवी ते, पाचमानो एक यम
अस्त्र पु०[स]फेकवानु शस्त्र (२) बदूक के ढाल जेवु हथियार (३) नस्तर
अस्त्रचिकित्सा स्त्री० [स] वाढकापनु वैदक
अस्त्रवेद पु० [स] धनुषविद्या
अस्त्री पु० अस्त्रधारी, सशस्त्र माणस
अस्थि स्त्री० [स] हाडकु
अस्थिर वि० [स] डगमगतु, चचळ; अनिश्चित (२) (प.)स्थिर
अस्ना पु०(अ) वचगाळानो समय; दरमियान
अस्नान पु० (प.) स्नान
अस्प पु० [फा] अश्व
अस्पताल पु० इस्पिताल, दवाखानु
अस्फंज पु० [इ स्पज] वादळी
अस्मत स्त्री० [अ] पापभीरुता (२) स्त्रीनु पातिव्रत्य, शियळ
अस्मिता स्त्री० [स] अहकार, हुपणु
अस्वस्थ वि० [स] बेचेन (२) बीमार
अस्सी वि० ८०, एंसी [कार, गर्व
अहं, ०कार पु०, **०ता** स्त्री० [स] अहं-
अहंवाद पु० [स] शेखी, पतराजी

अह अ० आह! (२) पु० दिवस
अहक स्त्री० (प.) इच्छा
अहकना अ० क्रि० प्रवल इच्छा करवी
अहकर वि० [अ] अति तुच्छ
अहकाम पु० [अ. 'हुक्म'नु व० व०] आज्ञाओ, हुकमो
अहतमाल पु० [अ] भय; आशंका
अहद पु० [अ.] वायदो, करार (२) मुलेह (३) (राज्यनो) समय
अहदनामा पु० [फा] करारनामु (२) सुलेहनामु
अहदी वि० [अ] आळसु (२) नवरु; नकामु (३) पु० अकवरना समयनो एक सिपाही जेने बोलावे त्यारे ज कामे आवे, वाकी वेठो रहेतो ते
अहना अ० क्रि० [स. अस्] होवु (आनां 'अहे,' 'अहा' ए ज रूपो मळे छे)
अहनिसि अ० (प.) अहोरात; रातदिवस
अहम वि० [अ.] खास महत्त्वनु; वहु जरूरी
अहमक वि० [अ.] वेवकूफ, मूर्ख
अहमियत स्त्री० [अ] महत्त्व
अहमेव पु० अहकार, घमड
अहरन स्त्री० [स आघरण] एरण
अहरा पु० [स आहरण] जेरणानो ढग के तेनी आग (२) पाणीनो मोटो जमाव ज्याथी खेतरोमा पाणी लेवाय
अहरी स्त्री० परव (२) होज के पाणीनी कूडी
अहल पु० [अ.] व्यक्ति; जण (२) मालिक (३) लोक (४) वि० लायक, योग्य, शक्तिवाळु
अहलकार पु० [फा] काम करनार, गुमास्तो, नोकर
अहलमद पु० [फा] अदालतनो एक अमलदार
अहवाल पु० व० व० [अ.] हेवाल; समाचार (२) दशा, हालत ('हाल' नु व० व०) [उपकार
अहसान पु० [अ] अहेसान, आभार;
अहसानमन्द वि० [फा] आभारी
अहाता पु० [अ] वाडो (२) चारे तरफनी वाड के दीवाल
अहार पु० (प) आहार, खोराक
अहारना स० क्रि० (प) आहार करवो (२) चोटाडवु (३) कपडामा आर नाखवो
अहाली-मवाली पु० व० व० साथीओ तथा नोकर-चाकर लोक
अहाहा अ० हर्षनो उद्गार
अहिंसा स्त्री० [स.] कोओ जीवने न मारवु के पीडवु ते
अहिंस्र वि० [स] अहिंसक [धूर्त
अहि पु० [स] साप (२) रा (३) खल,
अहित पु० [स.] हानि, नुकसान (२) वि० शत्रु, वेरी (३) हानिकारक
अहिनी स्त्री० [स अहि] सापण
अहिफेन पु० [स.] अफीण (२) सापनी लाळ
अहिवात स्त्री० हेवातण; स्त्रीनु सौभाग्य
अहिवाती वि० स्त्री० सौभाग्यवती, सधवा
अहीर पु० [स.] (स्त्री० —रिन) आहीर; गोवाळ
अहुटना अ० क्रि० (प.) हठवु, दूर खसवु [भगाववु
अहुटाना स० क्रि० (प) हठाववु;
अहेतु, ०क वि० [स.] विना कारण (२) व्यर्थ

अहेर पु० [स आखेट] शिकार के तेनो भोग थनार प्राणी

अहेरी पु० शिकारी (ते जातनो के शिकार करनारो माणस)

अहोर-बहोर अ० फरी फरी; वारवार

अहोरा-बहोरा पु० विवाहनी एक रीत (जेमा कन्या सासरे जई ते ज दहाडे पाछी पियर आवे छे) (२) अ० (प.)वारवार

आ

आँक पु० अंक (२) चिह्न (३). अश, भाग

आँकड़ा पु०आँकडो, सख्या

आँकना स०क्रि० आकवु; परीक्षा करवी

आँकर वि० [सं. आकर] ऊडु (२) घणु (३) [स अक्रय्य] मोघु

आँकुस पु० अकुश

आँकू पु० आकनारो

आँख स्त्री० आख (२) दृष्टि; नजर, ध्यान (३) विचार, विवेक (४) परख, पिछान (५) कृपादृष्टि (६) सतान, बालक. **–आना** या **उठना**=आख आववी. **–उठाना**=जोवु;ताकवु(२)बूरु ताकवु. **–उलट जाना**=(मरती वखते) आखनी पूतळीओ ऊचे चडी जवी **–खुलना**=आख ऊघडवी (२) भ्रम टळवो, समजवु. **–गड़ना**= आख दुखवी (२) टक टक ताकवु (३) इच्छाथी आख चोटवी **आँखें चार करना, चार आँखें करना** = आख सामे आववु **–आँखें चुराना** या **छिपाना**=आख आडी करवी; सामे न जोवु. **आँखें डबडबाना**= अ० क्रि० आखमा आसु आववा (२)आखमा आसु लाववा.**–निकालना** =आख काढवी **– बचाना** = सामे न आववु, कतरावु **आँखें बिछाना**=प्रेमथी स्वागत करवु (२) वाट जोवी.**–भर देखना**= बरोबर जोवु **–मारना** =आखो मारवी, इशारो करवो . **–में चरबी छाना**=गर्वथी छकी जवु. **आँखोंमें फिरना**=ध्यान पर चडवु, याद रहेवु. **आँखोंमें रात काटना**=कष्ट के चिंताथी रात जागवु. **–लगना**=ऊघथी आँख मळवी (किसीसे) **आँख लगना**=प्रेम थवो **–लड़ना**=प्रेम थवो. **–सेंकना**= नेत्रसुख लेवु. **–होना** =परख होवी; समज के विवेक होवो.

आँखड़ी स्त्री० आँख

आँखफोड टिड्डा पु० एक लीलु जीवडु (२) कृतघ्न

आँखमिचौली, आँखमीचली स्त्री० सता-कूकडीनी रमत

आँगन पु० आगणु, घरनो चोक

आँगी स्त्री० जुओ 'अगिया'

आँघी स्त्री० वारीक कपडे मढेली चाळणी

आँच स्त्री० [स अर्चिस्] आच; गरमी (२) आग (३) तेज (४) आघात

चोट (५) हानि; अनिष्ट (६) विपत; सकट (७) प्रेम; महोबत
आँचल पुं० अचल; छेडो; पालव; 'अचरा' (२) जुओ 'अँचला'
आँजना स०क्रि० आजवु, अजन लगाववु
आँट स्त्री० अगूठा ने तर्जनी वच्चेनो हथेळीनो भाग (२) वेर (३) ओटी; गाठ (४) गड्डो, पूळो (५) दाव; जोग
आँटना अ० क्रि० जुओ 'अँटना'
आँट-साँट स्त्री० दावपेच; प्रपच
आँटी स्त्री० आटी (२) ओटी (३) सूतरनी आटी (४) गिल्ली
आँठी [स अष्टि, प्रा अट्ठि] दही, कफ इ० नो लोचो (२) गाठ (३) गोटली
आँत स्त्री० आतरडु **–उतरना**=आतरडु ढीलु पडी नीचे ऊतरवाथी एक रोग थवो. **आँतोंका बल खुलना**=धरावु. **आँते कुलकुलाना या सूखना**=भूखनी पीडा थवी **आँतें गलेमें आना**=खूब श्रम पडवो; आतरडा ऊचा चडी जवा
आँदू पु० [स अदू] बेडी; बधन
आंदोलन पु० [स] हिलचाल
आँधरा वि० आवळु
आँधी स्त्री० आधी; जोरथी हवा वाई धूळ धूळ थई जवी ते; सखत वावाझोडु (२) वि० आधी जेवु तेज
आँब पु० आबो के केरी [हळदर
आँबाहलदी स्त्री० 'आमाहलदी'; आबा-
आँयबाँय स्त्री० 'अडबड', नकामी वात
आँव पु० आम; काचो मळ
आँवठ पु० धार; किनार
आँवड़ा वि० (प) ऊडु
आँवल पु० गर्भनी ओर
आँवल-नाल स्त्री० जन्मेला बाळकनो नाळ
आँवला पु० [स. आमलक] आमळु
आँवलोहू पु० आमनो रोग; मरडो
आँवाँ पु० जुओ 'अवाँ'
आंशिक वि० [स] अशवाळु; काईक (पूरु नहि) [छे
आँसी स्त्री० मीठाई, जे मित्रोमा वहेचाय
आँसू पु० आसु **–गिराना, ढालना**=रडवु. **–पीकर रह जाना**=मनमा ने मनमा ज दुःख शमावी लेवु
आँहड़ पु० वासण
आँहाँ अ० आहा, 'ना' देखाडतो उद्गार
आइ स्त्री० (प) आयु, उमर
आइंदा वि० [फा] आवनारु, आगतुक (२) पु० भविष्य (३) अ० आगळ; भविष्यमा, हवे पछी
आई स्त्री० [हिं आना] मृत्यु (२) 'आना' नु भूतकाळ स्त्री० रूप (३) जुओ 'आइ'
आईन पु० [फा] नियम; कायदो
आईना पु० [फा] आयनो; आरसी **–होना**=स्पष्ट होवु **आईनेमें मुँह देखना**=पोतानी लायकात विचारवी-जोवी
आईनी वि० [फा] कानूनी; कायदाने लगतु
आक, आकड़ा पुं० आकडो
आकन पु० खेडेला खेतरमाथी बहार फेंकेल घास झाखरा इ०
आकबत स्त्री० [अ] सापराय, मरण पछीनी अवस्था, परलोक
आकर पु० [स] भडार (२) खाण
आकरिक पु० [स] खाणियो; खाणनु काम करनार
आकरी स्त्री० खाणनु काम
आकर्षण पु० [स] खेंचाण
आकलन पु० [स] सग्रह (२) गणतरी (३) ग्रहण करवु के तपासवु ते

आकला वि० (स्त्री० **–ली**) आकळु
आकली स्त्री० आकुळता; व्यग्रता; बेचेनी
आकस्मिक वि० ओचितु; अणधार्युं
आकांक्षा स्त्री० [स] इच्छा
आकांक्षी वि० [स] इच्छुक
आका पु० [स. आकाय] भठ्ठी, चूलो
आका पु० [अ.] मालिक; धनवान, शेठ
आकार पु० [स] घाट; स्वरूप (२) बनावट (३) निशानी [अवरख
आकाश पु० [स] गगन, आसमान (२)
आकाशबेल स्त्री० अतरवेल [मडप
आकाशी स्त्री० छायो करवा बाधेलो
आक़िल वि० [अ] बुद्धिमान, अकलमन्द
आकीर्ण वि० [स] व्यापेलु, भरेलु
आकुंचन पु० [स] सकडावु ते
आकुंठन पु० [स] शरम; लज्जा
आकुल, –लित वि० [स] व्याकुळ, गभरायेलु (२) व्यापेलु [तेनो भाव
आकृति स्त्री० [स] आकार (२) मो के
आक्रमण पुं० [स] हल्लो; चडाई (२) आक्षेप; निंदा
आक्षेप पु० [स] आरोप, आळ (२) व्यग
आखत पु० अक्षत–चोखा
आख़ता वि० [फा.] खसी करेलो (अडकोश काढी नाखेलो) घोडो
आखर पु० (प) अक्षर
आखा पु० जुओ 'आंधी' (२) वि० [सं अक्षय] आखु, पूरु
आखातीज स्त्री० अखात्रीज
आख़िर वि० [फा] अतिम (२) पु० आखर, अत (३) अ० अते; आखरे
आख़िरकार अ० [फा] आखरे, अते
आख़िरत स्त्री० [अ] मरणदिन (२) कयामत (३) परलोक
'आख़िरी वि० [फा.] आखरी; अंतिम
आखु पु० [स.] उदर
आखेट पु० [स.] शिकार
आखेटक पु० शिकार (२) वि० शिकारी
आखेटी पु० शिकारी
आखोट पु० [स. अक्षोट] अखरोट
आख़ोर पु० [फा] ओगाट (२) नकामी रद्दी वस्तु (३) वि० नकामु; रद्दी
आख़्ता वि० जुओ 'आख़ता'
आख्या स्त्री० [स] ख्याति (२) व्याख्या
आख्यात वि० [स.] कहेलु (२) विख्यात
आख्यान पु० [स.] वर्णन (२) कथा
आख्यायिका स्त्री० [स] कथा, वार्ता
आग स्त्री० आग; ताप **–होना, –बबूला (बगूला) होना या बनना**= क्रोधमा आवी जवु
आगत-स्वागत पु० आगता-स्वागता
आगम पु० [स.] आगमन (२) भविष्यकाळ (३) बननारी वात (४) वेद, शास्त्र (५) वि० आगामी **–करना**=उपाय करवो **–बाँधना**=आवनारी वात नक्की करवी
आगमजा (–ज्ञा) नी वि० भविष्यवेत्ता
आगमना पु० [स आगमन] आगळ जनारी सेना (२) पूर्व दिशा (३) वि० (स्त्री० **–नी**) आगमनार–आगळ झूकनार, साहसिक
आगमवाणी स्त्री० भविष्यवाणी
आगम-सोच (–ची) वि० अगमचेतीवाळु; आगळनु विचारनार, दूरदर्शी
आगमी पु० जोषी; भविष्य जोनार
आगर पु० [स आकर] खाण (२) ढग; ढेर (३) निधि (४) मीठानो अगर (५) [स. आगार] घर (६) छाज, छापरु (७) वि० [स. अग्र] श्रेष्ठ (८) दक्ष; चतुर
आगरी पु० अगरियो

आगल पु० [स. अर्गल] आगळो (२) वि० आगलु (३) अ० आगळ; अगाउ
आग़ा पु० [तुर्की] शेठ; आका; मालिक
आगा पु० कोई वस्तुनो आगलो भाग (२) छाती (३) मोढु (४) कपाळ; माथु (५) अगरखानो आगळनो भाग
आग़ाज़ पु० [फा] प्रारम्भ; शरूआत
आगापीछा पु० दुविधा, आनाकानी (२) परिणाम
आगार पु० घर (२) खजानो; भडार
आगाह वि० [फा] वाकेफ
आगाही स्त्री० [फा] जाण; खबर
आगिल (-ला) वि० (प.) आगळनु; आगलु (२) भविष्यनु
आगे अ० 'आगळ' जेवा बधा अर्थमा प्रयोग थाय छे
आग़ोश स्त्री० [फा] गोद; खोळो
आग्नेय वि० [स] अग्नि सबधी (२) पु० सोनु
आग्रह पु० [स] जोर करीने के खूब कहेवु ते; अनुरोध (२) हठ के भारपूर्वक काई करवु ते [आक्रमण
आघात पु० [स] धक्को (२) प्रहार;
आचरण पु० [स] वर्ताव, आचरवु ते (२) लक्षण, चिह्न (३) रथ
आचरना स० क्रि० आचरवु; वर्तवु
आचार पु० [फा] जुओ 'अचार' (२) [स] आचरण, चालचलगत
आचारजी स्त्री० गोरपदु
आचारी वि० आचारवान (२) पु० रामानुजी वैष्णव
आज अ० आजे (२) हगणा
आजकल अ० आजकाल; आ दिवसोमा. —लगना=मरण पासे आववु
आज़मंद वि० [फा.] लालचु; लोभी
आज़म वि० [अ. अअज़म] बहु मोटु; महान, मुख्य
आज़मा वि० [फा.] अजमावी जोनार; परीक्षक [कसोटी
आज़माइश स्त्री० [फा] अजमायश;
आज़माना स० क्रि० अजमाववु, पारखवु
आज़मूदा वि० [फा] अजमावेलु
आजा पु० [स आर्य] (स्त्री० -जी) बापना बाप; दादा
आज़ाद वि० [फा] आझाद; स्वतन्त्र (२) बेफिकर (३) नीडर (४) स्पष्टवक्ता (५) उद्धत
आज़ादगी, आज़ादी स्त्री० आझादी
आज़ार पु० [फा] आजार; रोग (२) दुःख; तकलीफ
आजिज़ वि० [अ] दीन, नम्र (२) सपडायेलु; सपटामणमा आवेलु
आजिज़ी स्त्री० [अ] दीनता
आजीविका स्त्री० [स] निर्वाह; वृत्ति
आज़ुर्दगी स्त्री० [फा] दुःख; खेद
आज़ुर्दा वि० [फा] खिन्न; दुःखी
आज्ञा स्त्री० [स] आज्ञा; हुकम (२) मजूरी; अनुमति
आज्ञापन पु० [स] जाहेर करवु ते; सूचन
आटना स० क्रि० दबाववु; ढाकी नाखवु
आटा पु० आटो; लोट (२) भूको आटे दालका भाव मालूम होना=ससार-व्यवहारनी गम होवी
आठ वि० आठ, ८ आठ-आठ आँसू रोना=खूब रोवु आठो गाँठ कुम्मैत= सर्व वाते सपूर्ण (२) चतुर (३) धूर्त
आडंबर पु० [स] मोटो आवाज (२) ढोग, दभ; देखाव, उपरनी टापटीप (३) तबु (४) एक मोटु ढोल

आडंबरी वि० ढोंगी, दंभी

आड़ स्त्री० आड; पडदो (२) रक्षण, आशरो (३) रोकाण; प्रतिबंध (४) पियळ; आडु तिलक (५) पु० वीछीनो डंख

आड़न स्त्री० ढाल

आड़ना स० क्रि० रोकवु (२) मना करवी (३) आडमा मूकवु; गीरववु

आड़ा वि० आडु; वांकु; वच्चे आवतु. आड़े आना=आडा आववु; रोकवु; वच्चे पडवु आड़े हाथो लेना=व्यंगोक्तिथी कोईने शरमाववु

आड़ी स्त्री० तबला मृदंग वगाडवानी एक ढब (२) करवती; आरी (३) पु० ओथ देनार; रक्षक

आड़ू पु० एक खटमधुरु फळ; 'पीच'

आढ़ पु० स्त्री० आड; ओथ (२) अंतर; आंतरो: —आढ करना=आजकाल करवु, ढील करवी; टाळवु

आढ़क पु० चार शेरनु माप के मापियु

आढत स्त्री० आडत के तेनो माल रहेतो होय ए स्थान

आढ़तिया पु० आडतियो, 'अढतिया'

आढ्य वि० [सं] संयुक्त; —वाळु

आतंक पु० [सं] भय (२) रोग.

आतंकवाद पु० [सं] त्रासवाद

आततायी पु० [सं] अत्याचारी; पापी

आतप पु० [सं] ताप; गरमी (२) ताव

आतपी पु० [सं] सूर्य

आतमा स्त्री० आत्मा

आत(–ति)श स्त्री० [फा] आतस; अग्नि

आतशक पु० [फा] चादी; गरमी, उपदंश रोग

आतशकी वि० चादीनु रोगी

आतश-खाना पु० पारसीनु [illegible]

आतश-दान पु० [फा] सगडी [पारसी

आतश-परस्त पु० [फा] अग्निपूजक,

आतशी वि० आतस—अग्नि संबंधी (२) तापथी न फूटे एवु (काच)

आतिथ्य पु० [सं] परोणागत; महेमानगीरी

आतिश स्त्री० आतस; आग (२) गुस्सो

आतिशबाजी स्त्री० आग साथे खेलवु ते (२) आतसबाजी, दारूखानु

आतुर वि० [सं] अधीरु; व्यग्र, बेचेन; गभरायेलु (२) दुःखी (३) रोगी (४) अ० जलदी [(२) उतावळ

आतुरता, आतुरी स्त्री० अधीराई; गभराट

आत्मघात पु० [सं] आपघात

आत्मज पु० [सं] पुत्र (२) कामदेव

आत्मज्ञान पु० [सं] आत्मानो साक्षात्कार

आत्मत्याग पु० [सं] स्वार्थनो [illegible]

आत्मनिवेदन पु० [सं] [illegible] करवु ते (२) नवधाभक्तिनो [illegible]

आत्मसात् अ० [सं] [illegible] जेवु होय एम

आत्मा स्त्री० [सं] [illegible]

आत्मिक वि० [सं] [illegible]

आत्मीय वि० [सं] [illegible] (२) पु० सगुंसंबंधी

आत्यंतिक वि० [सं] [illegible]

आयन [illegible]

[illegible]

आदान-प्रदान पु०[स]आपले; लेवु देव ते
आदाब पु० [अ.'अदब' नु व०व०] नियम (२) अदव; मर्यादा (३)नमस्कार; सलाम **–अर्ज करना**=प्रणाम करवा. **–व-अल्काब** = अदब अने विवेकना विशेषणोनी भाषा, जेवी के पत्रमा वपराय छे
आदि पु० [स] प्रारभ (२) परमेश्वर (३) वि० प्रथम; शरूनु (४) अ० वगेरे
आदित्य पु० [स] सूर्य
आदिम वि० [स] आदि, पहेलु
आदिल वि० [फा] अदल; न्यायी
आदी वि० [अ] आदतवाळु, टेव पडेलु
आदेश पु० [स] आज्ञा (२) उपदेश (३) (साधुओमा) नमस्कार
आद्य वि० [स.] पहेलु
आद्यन्त, आद्योपान्त वि० [स] आदिथी अत सुधीनु, पूरेपूरु
आद्रा स्त्री० आर्द्रा नक्षत्र
आध वि० अर्धुं (वहुधा समासमा)
आधा वि० [स्त्री० **–धी**] अर्ध. **–तीतर आधा बटेर**=दोदश, रफेदफे **–होना** =अर्धुं थई जवु, दूवळु थवु **आधी बात**=जरा पण घसाती, अपमानकारी वात **आधोआध**=अर्धोअर्ध
आधान पु० [स] स्थापवु ते (२) गर्भ
आधार पु० [स] आशरो, टेको; आलवन (२) पायो
आधारी वि० आधारवाळु (२) स्त्री० (?) साधुओ टेका माटे अमुक लाकडी राखी वेसे छे ते
आधासीसी स्त्री० आधाशीशी
आधि स्त्री० [स]चिता; फिकर(२)गीरो
आधुनिक वि० [स] वर्तमान, हालनु
आध्यात्मिक वि० [स] आत्मा सवधी

आनंद-बधाई स्त्री० मगळ उत्सव के प्रसग
आनंद-बन पु० काशी नगरी
आन स्त्री० [स. आणि=सीमा] मर्यादा (२) सोगन (३) आण (४) ढग; रीत; क्षण; जरा वार (५) प्रतिज्ञा; टेक (६) अदब, मर्यादा **–की आनमें**=झटपट
आनक पु० [स] नगारु, दुदुभी (२) गरजतु वादळ
आनन-फानन अ० [अ] झटपट
आनना स० क्रि० आणवु; लाववु
आन-बान स्त्री० ठाठमाठ
आनयन पु० [स] लाववु ते (२)जनोई; उपनयन [अवैतनिक
आनरेरी वि०[इ] 'ऑनररी'; मानद;
आना पु० आनो (२) अ० क्रि० आववु (३) आवडवु **आ धमकना,निकलना** =अचानक आवी पहोचवु. **आया गया** = अतिथि. **आये दिन**=प्रतिदिन **आ रहना**=पडी जवु **आ लगना**=पहोचवु (२) आरम्भ थवो, बेसवु **आ लेना**= पकडी लेवु (२) आक्रमण करवु
आनाकानी स्त्री० ध्यान पर न लेवु ते (२)वात टाळवी ते (३) कानफूसिया करवां ते (४) आनाकानी
आप सर्व० स्वय; खुद (त्रणे पुरुषमा)(२) 'तमे' के 'ते' ने स्थाने आदर-वाचक उपयोग थाय छे
आपत्ति स्त्री० [स.] दुःख, पीडा (२) वाधो; अडचण (३) दोपारोपण
आपद,–दा स्त्री० [स] आफत, पीडा
आपस स्त्री० सवध; भाईचारो (छट्ठी सातमी विभक्तिमा प्राय. वपराय छे)
आपसदारी स्त्री० परस्पर व्यवहार; भाईचारो

आपसमें अ० परस्पर, अदरेअदर
आपा पु० पोतानु अस्तित्व (२) अस्मिता; अहकार (३) सुधबुध; भान (४) स्त्री० मोटी बहेन (मुसलमानोमा)
आपात पु० [स] पतन (२) अचानक थवु ते (३) आरभ (४) अत
आपाततः अ० [स] अचानक, अकस्मात् (२) आखरे
आपाधापी स्त्री० पोतपोतानी चिंता के कामनु ध्यान (२) खेंचताण
आपापंथी वि० मनस्वी; कुपथी
आपुस पु० जुओ 'आपस'
आप्त वि० [स] प्राप्त (२) कुशळ (३) विश्वासपात्र, प्रमाण गणाय एवु
आफत स्त्री० [अ.] आपत्ति, कष्ट; मुसीबत **–उठाना**=दु ख सहवु. **–का परकाला**=होशियार (२) आकाश पाताळ एक करनार, भारे उद्योगी (३) उधमातियु, उपद्रवी **–ढाना** =उधमात, दगो मचाववो (२) तकलीफ–दु ख देवु **–मचाना**=उधमात मचाववो (२) उतावळ करवी. **–लाना** =पीडा के झझट ऊभी करवी
आफताब पु० [फा] सूरज
आफताबा पु० [फा] (पाणी गरम करवानु) एक प्रकारनु वासण
आफताबी स्त्री० [फा.] मोटु छत्र (२) दारूखानानी एक जात (३) घर सामेनी नानी ओसरी (४) वि० गोळ (५) सूर्यने लगतु
आफरीन अ० [फा] शावाश, वाह
आफाक पु० [अ] दुनिया, ससार
आफियत स्त्री० [अ.] क्षेमकुशळ
आफिस पु० [इ] ऑफिस, कार्यालय
आफू स्त्री० अफीण
आब स्त्री० [फा] चमक; काति (२) शोभा (३) पु० पाणी
आबकारी स्त्री० [फा] शराब गाळवानी के वेचवानी जगा (२) मादक पदार्थो बाबतनु सरकारी खातु
आबख़ोरा पु० [फा] प्यालो; कटोरो
आबख़ोरे भरना=मानता मानवी
आबगीना पु० [फा] आयनो (२) हीरो
आबगीर पु० [फा] तळाव (२) वणकरनो कूचडो
आबजोश पु० [फा] मुनक्का जेवी एक द्राक्ष (२) सूप, सेरवो (३) पाणी ऊकळवु ते [(२) शोभा
आब-ताब स्त्री० [फा] चमक; रोनक
आबदस्त पु० [फा] जाजरूमा लई जवानु पाणी के ते वापरवु ते. **–लेना**=शौच जईने धोवु
आबदाना पु० [फा] अन्नजल, निर्वाह. **–उठना**=अन्नजळ ऊठवु
आबदार वि० [फा] चमकदार; पाणीदार
आबदारी स्त्री० [फा] चमक, काति
आबदीदा वि० [फा] अश्रुपूर्ण
आबनाए स्त्री० [फा] सामुद्रधुनी
आबनूस पु० [फा] अबनूस; सीसम जेवु एक काळु लाकडु; 'एबनी' **–का कुन्दा** =सीसमनो ककडो, अति काळु माणस
आबनूसी वि० अबनूस जेवु के तेनु बनेलु
आबपाशी स्त्री० [फा] (खेतरमा) पाणी पावु ते; पाण
आबरवाँ स्त्री० [फा] एक जातनु बारीक मलमलनु कपडु (२) पु० वहेतु पाणी
आबरू स्त्री० [फा] आबरू; इज्जत
आबला पु० [फा] छालु; फोल्लो. **–पड़ना**=फोल्लो पडवो

आबशार पु० [फा.] झरणु (२) धोध
आबहवा स्त्री०[फा.]आबोहवा;हवापाणी
आबा पु० ब०व० [अ.]बापदादा; वडवा. –व-इजदाद = बापदादाओ
आबाद वि०[फा.]वसेलु;वस्ती वाडी वगेरे वाळु; समृद्ध [के जमीनदार
आबादकार पु० एक प्रकारनो खातेदार
आबादान वि० 'आबाद' जुओ
आबादानी स्त्री० 'आबादी' जुओ
आबादी स्त्री० [फा] वस्ती, जनसख्या (२) वसवाटनी जगा
आबिद पु०[अ] इबादत करनार, भक्त
आबी वि० [फा] पाणीनु (२) फीकु; आछा रगनु (३) पु० दरियानु मीठु
आबेरवाँ पु० [फा] जुओ 'आबरवाँ'
आबेबका, आबेह्यात पु० [फा] अमृत
आब्दिक वि० [स] वार्षिक
आभ स्त्री० आभा; शोभा (२) पु० आब, पाणी (३) अभ्र, आकाश
आभरण(–न) पु० [स] आभूषण (२) भरण-पोषण [प्रतिबिंब
आभा स्त्री० [स] काति, तेज (२)
आभार पु०[स] बोजो; भार (२) गृहस्थ-जीवननो भार (३) आभार; उपकार
आभारी वि० [स] आभार के उपकार माननारु, आभार तळे आवेलु
आभीर पु० [स] आहीर, गोवाळ (२) एक छद के राग
आभूषण पु० [स] घरेणु [भीतरनु
आभ्यन्तर, –रिक वि० [स] अदरनु;
आमंत्रण पु० [स] नोतरु
आमंत्रित वि० [स] नोतरेलु
आम पु० [स आम्र] आबो के केरी (२) आम, जळस (३) वि० [अ] सामान्य; मामूली (४) जाणीतु, प्रसिद्ध (वस्तुनी साथे वपराय छे)
आमखास पु० राजानी खास बेठक; दीवानेआम
आमद स्त्री०[फा] आववु ते (२) आवक
आमदनी स्त्री० [फा] आमदानी, आवक (२) आयात; परदेशथी आवतो माल
आमन स्त्री० शियाळु पाक (२) एक ज पाक देती जमीन
आमनस्य पु० [स.] वैमनस्य
आमना-सामना पु० सामासामी आवी जवु ते; बाझबाझा
आमने-सामने अ० आमन-सामन; एक-बीजानी सामे; माहोमाहे
आम-फहम वि०[अ.+फा.] आमजनताने समजाय एवु, सरळ
आमय पु० [स] रोग; बीमारी
आमरख पु०जुओ 'अमरख'; अमर्ष,क्रोध
आमलक, आमला पु०'ऑवला', आमळु
आमादगी स्त्री० [फा] तैयारी
आमादा वि० [फा.] तैयार; तत्पर
आमाल पु० [अ] करणी; कर्म
आमाल-नामा पु० [अ] नोकरनी 'सर्विस-बुक', तेनी लायकात, काम इ०नु रजिस्टर
आमास पु० [फा] सोजो
आमाहलदी स्त्री० जुओ 'ऑवाहलदी'
आमिख पु० जुओ 'आमिष'
आमिल पु० [अ] नोकर; गुमास्तो (२) सिद्ध पुरुष
आमिष पु० [स] मास (२) प्रिय; भोग्य वस्तु (३) लोभ, लालच
आमी स्त्री० नानी केरी, मरवो

आमीन अ० [अ] तथास्तु
आमुख पु० [स] प्रस्तावना
आमूदा वि० [फा] सजेलु, ठीकठाक करी गोठवेलु
आमेज़ वि० [फा] मिश्रित (प्राय. समासमा. उदा० दर्द-आमेज़)
आमेज़िश स्त्री० [फा] मिलावट; मिश्रण; भेळ
आमोख़्ता पु० [फा] तैयार करेलो पाठ के लेसन. –करना या पढ़ना= जूनो पाठ फरी करी जवो
आमोद पु० [स] आनन्द; मनोरजन
आमोद-प्रमोद पु० [स] मजा, मनोरजन
आमोदी वि० आनदी
आम्र पु० [स] आंबो के केरी
आयँ-बायँ पु० जुओ 'आँयबाँय'
आय स्त्री०[स]आय,आवरो; आमदानी
आयत स्त्री० [अ.]निशानी (२)कुराननी आयात (३) वि० [स.] चोडु; विशाळ
आयद वि० [अ] आरोपित
आय-व्यय पु० [स] आवक अने खर्च
आयस पु० [सं] लोढु (२) बखतर
आयसी वि० लोखडी (२) पु० बखतर
आयसु स्त्री० (प) आदेश, आज्ञा
आया स्त्री० आया (२) अ० [फा] प्रश्नार्थक 'शु'
आयात पु०[स] परदेशथी थती आयात
आयास पु० [स] प्रयास; प्रयत्न
आयु स्त्री० उमर; आयुष
आयुध पु० [स] हथियार
आयुर्वेद पु० [स] वैदक
आयुष्मान वि० [स] दीर्घायु, चिरजीवी
आयुष्य पु० [स.] आयु, उमर
आयोजन पु० [स] प्रबध, तैयारी (२) साधनसामग्री
आरंभ पु० [स] शरूआत
आरंभना अ०क्रि० शरू थवु (२)स०क्रि० शरू करवु
आर पु० [स] काचु लोढु (२) पित्तळ (३) किनारो (४) पैडानो आरो (५) स्त्री० [स अल] परोणानी आर (६) वीछी के माखीनो डख (७) [स आरा] मोचीनी आरी (८) [अ] तिरस्कार (९)वेर (१०) लाज, शरम
आरक्त वि० [सं] लाल
आरज वि० [स आर्य्य] (प) आर्य
आरजा पु० [अ] बीमारी, रोग
आरज़ी वि० [अ] अवास्तविक (२) कामचलाउ
आरज़ू स्त्री० [फा] इच्छा (२) विनति
आरण्य, ०क वि० [स.] अरण्यनु के ते सबधी; जगली
आरत वि० आर्त, दुखी; व्याकुल
आरति स्त्री० दुख; आर्ति (२) [स] वैराग्य; निवृत्ति [गीत
आरती स्त्री० देवनी आरती के तेनु
आरन पु० (प) वन; अरण्य
आर-पार पु० बेउ किनारा (२) अ० आरपार; सोसरु
आरब्ध वि० [सं] आरभायेलु
आरस पु० आळस (२) स्त्री० आरसी
आरसी स्त्री० आरसी; दर्पण (२) स्त्रीओनु हाथनु एक घरेणु
आरा पु०[स] करवत (२) मोचीनी आर
आराइश स्त्री० [फा] सजावट (२) लग्नमा कागळनी फूलवाडी करे छे ते
आराज़ी स्त्री० [अ] जमीन; खेतर

आराति पु० [स] शत्रु; वेरी
आराधना स्त्री० [स] पूजा; उपासना (२) स० क्रि० आराधवु; पूजवु
आराम पु० [स] वाग (२) [फा.] चेन; सुख (३) थाक खावो ते. **आरामसे** = निराते; फुरसदे; धीरे धीरे
आराम-कुरसी स्त्री०[फा +अ] आराम खुरसी [(२) आळसु
आराम-तलब वि० [फा] आरामप्रिय
आरास्ता वि० [फा] सजेलु
आरिफ वि०[अ] सतोषी (२) पु० साधु
आरियत स्त्री० [अ] उछीनु मागी आणवु ते
आरिया स्त्री०[सं आरू] आरियु;चीभडु
आरी स्त्री० आरी, नानी करवत (२) परोणानी आर (३) मोचीनी आरी (४) [स आर] वाजू; तरफ (५) कोर
आरी वि० [अ] थाकेलु; कटाळेलु. —**आना** = कटाळवु, थाकवु
आरूढ़ वि० [स] सवार थयेलु; चडेलु (२) दृढ, मक्कम (३) तैयार, तत्पर
आरोग,–ग्य वि० नीरोगी, तदुरस्त
आरोगना स० क्रि० आरोगवु, खावु
आरोग्यता स्त्री० तदुरस्ती; स्वास्थ्य
आरोप पु० [स.] आक्षेप, तहोमत (२) खोटी कल्पना के आरोपण
आरोपना स०क्रि० (प) आरोपवु (२) लगाववु; रोपवु
आरोह पु० [स] उपर चडवु ते (२) चडाई (३) ऊगवु ते
आरोही वि०[स]चडनारु(२)पु० सवार
आर्जव पु० [स] ऋजुता; सरळता
आर्टिकिल स्त्री० [इ] लेख
आर्त्त वि०[स] 'आरत'; दुःखी; व्याकुळ
आर्त्ति स्त्री० [स] पीडा; दुःख
आर्थिक वि० [स] अर्थ सबधी
आर्द्र वि० [स] भीनु
आर्द्रा स्त्री० [स] एक नक्षत्र (२) आदु
आर्य,–र्य्य वि० [सं] उत्तम; श्रेष्ठ (२) पु० श्रेष्ठ पुरुष
आर्ष वि०[स]ऋषि सबधी(२)वेदने लगतु
आलंब,०न पु० [स] आलवन; टेको; आधार
आल पु० हरिताल (२) झझट, पचात (३) [स. आर्द्र] भीनाश (४) स्त्री० [अ] दीकरीनी सतति (५) वश
आल-औलाद स्त्री० [अ] बाळबच्चा; परिवार
आलकस पु० आळस (–**सी** वि० आळसु –**सना** अ०क्रि० आळसवु)
आल-जंजाल स्त्री० झझट, जजाळ
आलथी-पालथी स्त्री० बने पग जाघ पर चडावीने बेसवानु आसन
आलपीन स्त्री० [पो आलफिनेट] टाकणी; पिन
आलबाल पु० आलवाल, क्यारो
आलम पु०[अ] दुनिया (२) दशा (३) भीड, समूह
आलमारी स्त्री० जुओ 'अलमारी'
आलय पु० [स] जगा (२) घर
आलवाल पु० [स] क्यारो
आलस वि० आळसु (२) पु० आळस
आलसी वि० आळसु
आलस्य पु० [स] आळस
आला पु० [स. आलय] ताको, गोख (२) [स. आर्द्र] भीनु (३) वि० [अ.] उत्तम, श्रेष्ठ (४) पु० [अ] ओजार
आलाइश स्त्री० [फा] गदकी, मळ

आलात पु० [स] बळतु लाकडु (२) [अ]ओजारो;साधनसामग्री; 'उपकरण' **–काश्तकारी** = खेतीना हळलाकडा
आलान पु०[स] हाथी बांधवानो खीलो के दोर या साकळ [आलाप
आलाप पु०[स] वातचीत (२)सगीतनो
आलापचारी स्त्री०खूब आलापथी गावु ते
आलापना स० क्रि० गावु; सूर काढवो
आलापाला पु० झाडनो आलोपालो
आलापी वि०[स] बोलनार (२) गावामां आलाप लेनार
आलिंगन पु० [स] भेटवु ते
आलिंगना स०क्रि०(प)आलिंगवु–भेटवु
आलि स्त्री० [स] सखी (२) वीछी (३) भमरी (४) हार, पक्ति
आलिम वि० [अ] पडित, विद्वान
आली स्त्री०[स]सखी (२) वि० स्त्री० (हिं आला) भीनी (३) वि० [अ] उच्च; उत्तम
आलीजाह वि० [अ] ऊचा दरज्जानु
आलीशान वि० [अ] आलेशान, भव्य; विशाळ; भभकदार
आलू पु० [स] बटाटो
आलूचा पु०[फा] आलु जेवु झाड के फळ
आलूदा वि० [फा] खरडायेलु
आलूबुखारा पु० [फा] आलुबुखार
आलेख पु० [स] लखाण
आलेख्य पु०[स]चित्र(२)वि०लखवा जेवु
आलोक पु० [स] प्रकाश, रोशनी (२) चमक [तपास
आलोचन पु०[स] विवेचन, गुणदोषनी
आल्हा पु० एक छन्द (२) एक वीर पुरुषनु नाम
आव-आदर पु० आदर-सत्कार
आवज(–झ) पु० [स. आवाद्य, प्रा. आवज्ज] एक जातनु पुराणु वाद्य
आवन पु० (प) आववु ते, आगमन
आव-भगत स्त्री० जुओ 'आव-आदर'
आवरण पु०[स]ढाकण;पडदो(२)अज्ञान
आवर्दा वि०[फा]आणेलु (२) कृपापात्र
आवली स्त्री० [स] पक्ति, हार
आवश्यक,–कीय वि० [स] जरूरी
आवाँ पु० कुभारनो निभाडो
आवागम(–व)न पु० आवागमन;आववु जवु, जन्ममरण
आवाज़ स्त्री० [फा] ध्वनि; अवाज (२) बोल **–उठाना** = विरोध करवो. **–देना, मारना, लगाना** = जोरथी पोकारवु, बूमभारवी **–पड़ना**=अवाज बेसवो (२) अवाज दई बोलाववु **–में आवाज़ मिलाना**=स्वर मेळववो (२) हामा हा भणवी
आवाज़ा पु० [फा] कटाक्ष, टोणो. **–कसना,–फेंकना,–मारना, –सुनाना**= टोणो मारवो
आवाजाही स्त्री०आववु जवु; आवागमन
आवारगी स्त्री०[फा] बदमासी; कुमार्ग (२) रखडेलपणु; 'आवारा'-पणु
आवारजा पु० [फा] 'अवारजा', जमा-उधारनो चोपडो
आवारा वि० [फा] नकामु; रखडेल (२) वठी गयेलु (३) बदमास; कुमार्गी
आवारागर्द वि० [फा] रखडेल; नकामु
आवास पु० [स] रहेठाण (२) घर
आवाहन पु०[स]मत्रथी देवने बोलाववा ते
आविष्कार पु० [स.] प्रगट थवु ते (२) शोध, 'ईजाद' [घेरायेलु
आवृत्त वि० [स.] छूपु; ढकायेलु (२)

आवृत्ति स्त्री० [स] वारवार करवु के पढवु ते, अभ्यास
आवेग पु० [स] जोश, जोर
आवेज़ा पु० [फा] लटकतु आभूषण, एरिंग
आवेदक वि० [स] अरजी के निवेदन करनार
आवेदन पु० [स] निवेदन (२) अरजी
आवेदनपत्र पु० [स] अरजीपत्र
आवेश पु० [स] जोश, आवेश (२) वायुनो रोग
आशंका स्त्री० [स] शका, डर; सदेह
आशकार वि०[फा.] प्रकट; जाहेर; खुल्लु
आशना वि० [फा] परिचित (२) प्रेमी (३) प्रेमपात्र, यार
आशनाई स्त्री० जाणपिछाण (२) प्रेम (३) अनुचित सबध, यारी
आशय पु०[स] हेतु; इरादो (२) इच्छा; वासना (३) स्थान–जेम के जलाशय
आशर पु० [स] राक्षस
आशा स्त्री० [स] इच्छा, उमेद (२) भरोसो (३) दिशा
आशिक पु० [अ] आशक, आसक्त
आशियाँ, आशियाना पु० [फा] पक्षीनो माळो (२) झूपडु
आशिष, स्त्री०, **आशीर्वाद** पु०[स] दुवा
आशु अ० [स] झट; जलदी
आशुग वि० [स] जलदी जनारु (२) पु० वायु (३) बाण
आशुफ़्तगी स्त्री० [फा] हालहवाल; वेहाली, परेशानी
आशुफ़्ता वि० [फा] वेहाल; परेशान; गभरायेलु
आशोब पु० [फा] आखनी पीडा
आश्चर्य,–र्य्य पु०[स] अचबो, नवाई; ताजुबी. **–करना, –मानना, –होना**= आश्चर्य पामवु
आश्चर्यि(–र्य्यि)त वि० ताजुब; चकित
आश्रम पु० [स] विश्रामनी जगा (२) ऋषिनो आश्रम (३) जीवननी चार अवस्था – ब्रह्मचर्य, गृहस्थ वगेरे
आश्रमी वि० [स] आश्रम सबधी (२) आश्रममा रहेनार
आश्रय पु० [स] आशरो; आधार (२) शरण (३) घर
आश्रयी वि० [स] आश्रय लेनार
आश्रित वि० [स] आशरे रहेलु के आवेलु (२) आधीन
आश्लेषा स्त्री० [स] एक नक्षत्र
आश्वास,०न पु०[स.] दिलासो; सात्वन
आश्विन पु० [स] आसो मास
आषाढ़ पु० [स] अषाढ मास
आषाढ़ा स्त्री० [स.] एक नक्षत्र
आषाढ़ी स्त्री० [स] अषाढी पूनम
आस स्त्री० आशा (२) लालच; कामना (३) आधार; भरोसो (४) [फा] दळवानी घटी
आसकत स्त्री० (वि०–ती; क्रि०–ताना) सुस्ती, आळस
आसक्त वि०[स] राग के वासनावाळु, मोहित
आसक्ति स्त्री०[स] राग; चाहना; मोह
आसते अ० आस्ते; धीमे
आसन पु० [स] बेसवानी रीत; वेठक (२) ठेकाणु; जगा (साधुनी)
आसना अ० क्रि० [स अस्] होवु
आसनी स्त्री० नानु आसन
आसन्न वि० [स] पासेनु, नजीकनु
आसपास अ० पासे; आजुवाजु; चारे तरफ

आसमान पु० [फा] आभ; आकाश. **–के तारे तोड़ना, –टूट पड़ना**= अचानक विपत्ति पडवी. **दिमाग़ आसमान पर होना**=बहु अभिमान थवुं **–पर चढना**=मगरूरी करवी. **–में छेद करना**=कठण के अशक्य काम करवु **–सिर पर उठाना**=उपद्रव मचाववो
आसमानी वि० आकाशने लगतु (२) भूरु (३) दैवी (४) स्त्री० ताडी
आसरना स०क्रि० (प) आशरो लेवो; आशरवु [प्रतीक्षा (३) आशा
आसरा पु० आश्रय; आशरो (२) राह;
आसव पु० [स] अर्क (२) दारू (३) औषधिनी एक रीत
आसवी वि० दारू पीनार
आसा स्त्री० (प) आशा (२) [अ असा] राजाओनी आगळ रखाती छडी
आसाइश स्त्री० [फा] आसाएश, आराम
आसान वि० [फा.] सहेलु; सरल
आसानी स्त्री०[फा] सरळता; सुगमता
आसामी वि० आसाम देशनु के तेने लगतु (२) स्त्री० आसामी भाषा (३) पु० व्यक्ति; जण
आसार पु० [अ] चिह्न, लक्षण (२) चोडाई; पहोळाई (३) स्त्री० [स] मुसळधार वृष्टि
आसावरी स्त्री० एक राग; आशावरी (२) पु० एक जातनु कबूतर के सुतराउ कपडु
आसिन पु० आश्विन–आसो मास
आसीन वि० [स] बेठेलु; विराजेलु
आसीस स्त्री० आशिष (२) पु० उशीकु
आसु अ० (प) आशु, शीघ्र (२) स० आनु; 'इसका'
आसुन पु० (प.) आश्विन मास
आसुर वि०[स] असुर–राक्षसने लगतु (२) पु० असुर [स्त्री
आसुरी वि० राक्षसी (२) स्त्री० असुर
आसूदगी स्त्री०[फा] जुओ 'आसूदा' मा
आसूदा वि० [फा] सतुष्ट (२) संपन्न; खातुपीतु (नाम, **–दगी** स्त्री०)
आसेब पु० [फा] भूतप्रेत वळगवु ते (२) दु:ख, पीडा; बला
आसोज पु० [स. अश्वयुज्] आसो मास
आसौं अ० ओण, आ साल
आस्तिक वि० [स] आस्थावाळु, ईश्वर, वेद इ० मा माननारु
आस्तीन स्त्री० [फा] कपडानी बाय. **–का सांप**=मित्र थईने शत्रुता करनार; 'मारे आस्तीन'
आस्था स्त्री०[स] श्रद्धा; पूज्यभाव (२) बेठक, सभा (३) भरोसो; आशा
आस्पद पु० [स] स्थान (२) पद; प्रतिष्ठा (३) वश; खानदान
आस्वाद पु०[स] स्वाद, मजा; लहेजत
आह अ० पीडा, शोक, खेद इत्यादि सूचक उद्गार (२) स्त्री० दु:ख के क्लेशसूचक शब्द, हाय. **–पड़ना**= कोईनी हायनो शाप लागवो. **–भरना** =निसासो नाखवो **–लेना**=कोईनी हाय लेवी, सतावबु [खटकारो
आहट स्त्री० पगनो अणसारो; आववानो
आहत वि० [स] घायल; जखमी (२) जर्जरित; जूनु (३) कपित
आहन पु० [फा] लोढु (वि० **–नी**)
आहन-गर पु० [फा] लुहार
आहन-गरी स्त्री० लुहारकाम [कठोर
आहनी वि०[फा] 'आहन'-लोढानु (२)

आहर पु० [स अह] समय (२) [स आहव] युद्ध (३) [स आहाव] नानु तळाव; तळावडी
आहरी स्त्री० नानी तळावडी
आहव पु० [स] युद्ध (२) यज्ञ
आहवन पु० [सं] हवन करवु ते
आहाँ स्त्री० हाक (२) पोकार
आहा अ० अहा! अहो!
आहार पु० [स] खोराक
आहित वि० [स] मूकेलु; स्थापेलु (२) गीरो मूकेलु
आहिस्तगी स्त्री० [फा] मंदता; धीमापणु (२) कोमळता
आहिस्ता अ० [फा] आस्ते; धीमे; 'आसते' (२) वि० धीमु (३) कोमळ
आहुक पु०[स] एक राजा; कृष्णनो वडवो
आहुत पुं० [स] आदर, सत्कार; आतिथ्य (२) भूतयज्ञ
आहुति स्त्री०[स] हवन के तेनी सामग्री
आहू पु० [फा.] मृग (२) खोड; ऊणप
आहूत वि०[स] आह्वान करेलु; बोलावेलु
आहैं अ०क्रि० (प.) 'है'; छे
आहो-ज़ारी स्त्री० 'आह-व-ज़ारी'; रोककळ; हायहोय
आह्निक वि०[स] दैनिक (२) पु० रोजी
आह्लाद पु० [स] आनद; खुशी
आह्वय पु० [स.] नाम; सज्ञा
आह्वान पु० [स] बोलाववु ते (२) यज्ञमा देवनु आह्वान (३) अदालतनो 'समन्स'

इ

इंक स्त्री० [इ] शाही
इंग पु० [स] इशारो; चिह्न (२) हालवुं चालवु ते (३) हाथीदात
इंगला स्त्री० इडा नाडी (योग)
इंगलिश वि० [इ] अग्रेजी (२) स्त्री० अग्रेजी भाषा
इंगलिस्तान पु० इग्लन्ड देश
इंगित पु० [स] चाळो; इशारो
इंगुदी स्त्री० [स] इगोरी; 'हिंगोट'
इंगुर पु० जुओ 'ईंगुर'
इंगुरौटी स्त्री० सिंदूरनी डवी
इंच स्त्री० [इ] इच माप
इंचना अ०क्रि० एचवु, खेचवु, 'ऐचना'
इंजन पु० एन्जिन, इजिन
इंजीनियर पु० इजनेर
इंजील स्त्री० यहूदीनु धर्मपुस्तक; जूनो करार
इंडुरी स्त्री०, इंडुवा पु० ऊढण; उढा
इंतक़ाम पु० [अ. इतिकाम] बदल प्रतिशोध; सामु वेर लेवु ते
इंतकाल पु० [अ] अन्तकाल; मोत (
एकथी बीजी जगाए जवु ते
इंत(-ति)खाब पु०[अ] चूंटणी; पसद
इंतजाम पु० [अ.] प्रवन्ध; बन्दोबस
इंतज़ार पु० [अ] इन्तेजारी, राह वाट
इंत(-ति)हा पु० [अ.] अत; हद
इँदारा पु० कूवो, 'इनारा'
इंदु पु० [स] चद्र (२) कपूर
इंदुर पु० [स. इन्दूर] उदर

इंद्र वि० [स] विभूतिमान (२) श्रेष्ठ; मोटु (३) पु० इन्द्रदेव
इंद्रगोप पु०[स] चोमासानु एक जीवडु
इंद्रजाल पु० [स.] जादु, माया
इंद्रजाली पु० [स] जादुगर
इंद्रधनुष पु० [स] मेघधनुष
इंद्राणी स्त्री० [स] इद्रनी स्त्री; शचि (२) मोटी इलायची
इंद्रिय स्त्री०[स.] ज्ञान के कर्मना साधन रूपी शरीरनो कोई अवयव
इंद्री स्त्री० इन्द्रिय
इंद्री-जुलाब पु० पेशाब वधारे एवी दवा
इंसाफ पु० [अ] इन्साफ, न्याय (२) फेंसलो. —पसंद=न्याय मागनारो
इक वि० एक
इकइस वि० 'इक्कीस', एकवीस; २१
इकट्ठा वि० [स एकस्थ] (स्त्री०–ट्ठी) एकत्र; एकठु; जमा
इकतरा पु० एकातरो ताव
इकता,०ई स्त्री० (प) एकता
इकतान वि० एकतान; एकाग्र
इकतार वि० एकतार, बरोबर (२) अ० लगातार [कपडु
इकतारा पु० एकतारो (२) एक जातनु
इकतीस वि० एकत्रीस, ३१
इक़दाम पु० [अ.] अपराध करवानी तैयारी (२) इरादो
इकबारगी अ० सहसा; एकदम; 'एकबारगी'
इकबाल पु० [अ] 'एकबाल'; भाग्य (२) एश्वर्य [आदर
इकराम पु० [अ] दान; इनाम (२)
इकरार पु० [अ.] एकरार; वायदो
इकला वि० एकलु, 'अकेला'
इकलाई स्त्री० एकलापणु (२) साफाना जेवु एक झीणु वस्त्र (रेशमी प्राय)
इकलौता पु० एकनो एक छोकरो
इकल्ला वि० एकवडु (२) एकलु
इकसठ वि० एकसठ, ६१
इकसाम पु० जुओ 'अकसाम'
इकहरा वि० 'एकहरा'; एकवडु
इकाई स्त्री० जुओ 'एकाई'
इकांत वि० (प) एकात, एकलु
इकावन वि० ५१, 'इक्यावन'
इकासी वि० 'इक्यासी', ८१
इक्का वि० [स एक] एकाकी; एकलु (२) अद्वितीय (३) पु० गजीफानो एक्को (४) एक्को-गाडी (५) एकलवीर; एक्को
इक्का-दुक्का वि० एकलदोकल
इक्कीस वि० एकवीस; 'इकइस'; २१
इक्तफ़ा पु०[अ] धरपत; सतोष; तृप्ति
इक्यावन वि० ५१; एकावन
इक्यासी वि० ८१; एकाशी
इक्षु पु० [स] शेरडी, 'ईख'
इख़राज पु० [अ] निकास (२) खर्च
इख़राजात पु० [अ. 'खर्च' नु [illegible]] खर्च; व्यय
इख़लाक़ पु० जुओ '[illegible]'
इख़लास पु०[अ] [illegible]; मैत्री; प्रेम
इख़्तराअ पु०[अ] [illegible] (२) [illegible]
इख़्तसार पु० [अ] [illegible]
इख़्तियार पु० [अ] [illegible]; [illegible]कार; [illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]
[illegible]

इजतराब पु० [अ इज़तिराब] गभराट (२) बेचेनी
इजतिनाब पु० [अ] परहेजी (२) सयम
इजमाल पु० [अ] समस्त; समष्टि (२) सहियारी मालकी [अमल
इजरा पु०[अ]जारी करवु(२)व्यवहार;
इजराय पु०[अ] अमल; उपयोग (२) चालु करवु ते; प्रचार
इजलास पु० [अ] बेठक (२) कचेरी
इज़हार पु० [अ] जाहेरात; प्रकाशन (२) साक्षी, जुबानी
इजाज़त स्त्री० [अ] आज्ञा; हुकम (२) परवानगी, हुकम
इज़ाफ़ा पु०[अ] चडती; वृद्धि (२) बचत
इजाबत स्त्री० [अ] मजूरी; स्वीकार (२) मलत्याग
इज़ाया पु० [अ.] एक यहूदी पेगबर
इज़ार स्त्री० [फा] इजार; पायजामो
इज़ारबंद पु० [फा.] इजारबन्द; नाडु. **–का ढीला**=छूटी काछडीनो; कामी
इजार(–रे)दार वि० [फा] इजारदार; ठेकेदार
इजारा पु०[अ] इजारो (२) अधिकार
इज्ज़त स्त्री० [अ] आबरू **–उतारना**= आबरू खोवी के खराब करवी. **–करना**=मान आपवु **–देना**=आबरू खोवी–दई देवी (२) जुओ '–करना'. **–होना**=आदरमान थवु–करावु
इठलाना अ० क्रि० वेडगी मारवी (२) नखरा करवा (३) जाणी जोईने मोडु करवु (नाम, **इठलाहट** स्त्री०)
इत अ० [म इत] आ बाजू; अही
इतना(–नो) वि० (स्त्री०–**नी**) आटलु
इतनेमें अ० एटलामा
इतमाम पु० [अ] समाप्त करवु, पूरु करवु ते
इतमीनान पु० [अ.] विश्वास (वि०–**नी**)
इतर वि० [स] बीजु (२) फालतु; साधारण (३) ऊतरतु; हलकु (४) पु० 'इत्र'; अत्तर [अणबनाव
इतराजी स्त्री० नापसदगी; विरोध;
इतराना अ० क्रि० घमड करवो (२) 'इठलाना' (नाम, **इतराहट** स्त्री०)
इतरेतर अ० [स] परस्पर; अदर अदर
इतलाक पु० [अ.] 'इजराय', अमल-बजावणी के तेनी नोध
इतवार पु० आतवार; रविवार
इताअत स्त्री०[अ]आज्ञापालन;ताबेदारी
इताति स्त्री० (प) जुओ 'इताअत'
इताब पु०[अ.]कोप; खफगी [अत
इति अ०[स.] पूरु (२) स्त्री० समाप्ति;
इतेक वि० 'इतना'; आटलु
इतो,–त्तो वि० (प) 'इतना'; आटलु
इत्तफ़ाक पु० [अ] इत्तिफाक, मेळ, एकता (२) सजोग, अवसर **–पड़ना**= सयोग आववो; मेळ खावो
इत्तफाक़न् [अ.], **इत्तफ़ाक़से** अ० सजोगवशात्; अकस्मात्
इत्तफाकिया वि० [अ] आकस्मिक
इत्त(–त्ति)ला स्त्री०[अ.]खबर; सूचना
इत्तसाल पु० [अ] मेळाप (२) सबध
इत्तहाद पु० [अ] एकता (२) दोस्ती
इत्तिला स्त्री० जुओ 'इत्तला'
इत्तिहाम पु०[अ.] दोष; आक्षेप;तहोमत. **–देना**=दोष देवो; आक्षेप मूकवो
इत्तो वि० (प) जुओ 'इतो'
इत्थम् अ० [स] आम; आ मुजब
इत्यादि अ० [स] वगेरे

इत्र पु० [अ.] अत्तर
इत्रफ़(-फ़ि)रोश पु०[अ]अत्तर वेचनार
इधर अ० आ बाजु; अही **–उधर** अ० =अही तही (२) आसपास **–उधर करना**=ऊलटसूलट करवु; रफेदफे करवु; फेदी नाखवु. **–उधरकी बात** =साभळेली वात; अफवा (२) ठेकाणा वगरनी वात. **–उधरमें रहना**=व्यर्थ समय खोवो.**–उधर होना**=आघापाछा थवु (२) बगडवु; भेलाई जवु **–की उधर करना या लगाना**=अहीनी वात त्या करवी; सलाडा करवा. **–की दुनिया उधर होना**=असभव वात बनवी
इन स० 'इस'नु ब० व०
इनसान पु० [अ] इन्सान, मनुष्य
इनसानियत स्त्री० [फा.] माणसाई
इनान स्त्री० [अ] लगाम
इनाम पु० [अ] इनाम, बक्षिस
इनाम-इकराम पु० इनाम अकरामं; बक्षिस अने आदरमान
इनायत स्त्री०[अ] कृपा; अनुग्रह (२) अहेसान; आभार, अनुग्रह (३) भेट; एनायत **–करना**=भेट आपवु
इनारा पु० 'इँदारा'; कूवो
इनेगिने वि० गणतर, थोडुक; चुनदा
इन्क(-कि)शाफ पु० [अ] जाहेर के खुल्लु थवु के पकडावु ते
इन्क़िलाब पुं० [अ] क्रान्ति; पलटो
इन्किसार पु० [अ] नम्रता
इन्त(-न्ति)हा स्त्री० जुओ 'इतहा'
इन्शा स्त्री० [अ] लेखनशैली **–की किताब**=पत्रलेखननी चोपडी
इन्सान पु० [अ] मनुष्य; आदमी
इन्सानियत स्त्री० [फा] आदमियत; मानवता
इन्सिदाद पु० [अ] काबूमा लेवु के रोकवु ते
इन्ह स० (प) 'इन'; आ
इफरात स्त्री० [अ] अधिकता
इफलास पु० [अ] गरीबी; दरिद्रता
इफशा वि० [अ.] जाहेर, खुल्लु
इफ़्तार पु० [अ.] रोजो तोडवो–नास्तो करवो ते
इबरत स्त्री० [अ] समज, बोध
इबरानी वि० [अ] यहूदी (२) स्त्री० हिब्रू
इबलीस पु० [अ] सेतान
इबादत स्त्री० [अ] प्रार्थना, 'भक्ति'
इबारत स्त्री० [अ] शैली
इब्तदा, इब्तिदाद स्त्री० [अ.] आरभ; जन्म (२) मूळ, ऊगम
इब्तदाई वि० [फा] शरूनु, प्रारभिक
इब्न पु० [अ] पुत्र
इब्नत स्त्री० [अ] पुत्री
इमकान पु० [अ] शक्ति
इमदाद स्त्री० [अ] मदद
इमदादी वि० मदद जेने मळती होय तेवु
इमरती स्त्री० [स अमृत] एक मीठाई
इमराज़ पु० 'मरज़' नु ब० व०, रोगो
इमरोज़ अ० [फा] आज
इमला पु० [अ] श्रुतलेखन
इमली स्त्री० आमली
इमशब अ० [अ] आज राते
इमसाल अ० [फा] आ साल
इमाद पु० [अ] थाभलो (२) आधार, विश्वास
इमाम पु० [अ] नेता, आगेवान (२) मुसलमान धर्मगुरु
इमामदस्ता पु० खाडणी–पराई

इमामबाड़ा पु० ताजिया डुबाडे के तेनो उत्सव ज्या करे ते स्थान
इमारत स्त्री० [अ] इमारत; मोटु मकान (२) अमीरी
इमि अ० (प) आम
इम्त(-म्ति)ना पु० [अ] मनाई, निषेध
इम्तियाज़ पु० [अ] विवेकबुद्धि, पारख
इम्तिहान पु० [अ] परीक्षा
इम्दाद स्त्री० [अ] जुओ 'इमदाद'
इम्साक पु० [अ] थभाववु; रोकवु ते (२) तोटो; कमी, ताण
इयत्ता स्त्री० [स] सीमा; हद, मर्यादा
इरशाद पु० [अ] आज्ञा; हुकम
इरसाल पु० [अ] (पत्र) मोकलवो ते (२) भरणु (महेसूली)
इराकी वि० इराक देशनु (२) पु० एक जातनो घोडो [इरादापूर्वक
इरादतन् अ० [अ.] विचारपूर्वक;
इरादा पु० [अ] ख्याल, विचार, सकल्प
इर्तकाब पु० [अ] कोई अपराध करवो ते (२) कोई काम माथे लेवु ते
इर्द-गिर्द अ० आसपास; चोतरफ; 'गिर्द'
इर्शाद पु० जुओ 'इरशाद'
इलज़ाम पु० जुओ 'इल्ज़ाम'
इलहाक पु० [अ] सबध; मेळाप
इलहाम पु० [अ] ईश्वरी अवाज; अन्तरनाद
इलाका पु० [अ] सबध; क्षेत्र; लागतु वळगतु होवु ते (२) जमीनदारी (३) राज्य, इलाको
इलाकेदार पु० [फा] जमीनदार
इलाज पु० [अ] दवा; चिकित्सा (२) उपाय, युक्ति
इलाम पु० 'ऐलान', आज्ञा; सूचना
इलायची स्त्री० इलायची; एक तेजानो
इलावा अ० जुओ 'अलावा'
इलाही पु० [अ] अल्ला, ईश्वर (२) वि० ईश्वरी. **—खर्च**=नकामु के वधारे खर्च. **—गज**=अकबरे चलावेलो गज (३३ इचनो)
इल्ज़ाम पु० [अ] आरोप; आळ; आक्षेप. **—देना, लगाना**=आरोप मूकवो
इल्तिजा स्त्री० [अ] प्रार्थना, निवेदन
इल्तिमास पु० [अ] प्रार्थना, 'इल्तिजा'
इल्म पु० [अ] विद्या, ज्ञान; आवडत
इल्लत स्त्री० [अ] बीमारी (२) झझट; पचात (३) दोष; अपराध (४) कुटेव
इल्लिलाह श०प्र० [अ] हे ईश्वर ! सहाय कर
इव अ० [स.] पेठे, जेवु
इशरत स्त्री० [अ] आनद, खुशी (२) चेन; सुख; भोगविलास [प्रकाशन
इशाअत स्त्री० [अ] प्रसिद्ध करवु ते (२)
इशारत स्त्री० [अ.] इशारो; सकेत; सान
इशारतन् अ० [अ] इशारा के सकेतथी
इशारा पु० [अ.] इशारो (२) वारीक के थोडीक मदद, आधार
इश्क़ पु० [अ] महोबत; प्रेम; अनुराग
इश्क़पेचाँ पु० [अ] लाल फूलनी एक वेल
इश्त(-श्ति)हार पु० [अ.] नोटिस; जाहेरात; जाहेरखबर
इश्तिआल(-क) स्त्री० [अ] उत्तेजना; उश्केरणी. **—देना**=उश्केरवु
इश्तियाक़ पु० [अ] इच्छा; आतुरता
इश्तिहार पु० जुओ 'इश्तहार'
इष्ट वि० [स] इच्छेलु, वाछित (२) पु० इष्टदेव (३) मित्र (४) ईंट
इष्टका स्त्री० [स] ईंट

इष्टि स्त्री० [स.] इच्छा (२) यज्ञ
इस स० आ ('यह'नु विभक्तिरूप)
इसपंज पु० [इ स्पज] वादळी; 'इस्पज'
इसपात पु० पोलाद, एक जातनु मजबूत लोढु
इसबग़ोल पु० [फा] जुओ 'इस्पगोल'
इसराफ पु०[अ.] खर्चाळपणु; उडाउपणु
इसरार पु०[अ] हठ (२) आग्रह;अनुरोध
इसलाम पु० [अ] इस्लाम [(२)हजामत
इसलाह स्त्री०[अ] सुधारणा; सशोधन
इसहाल पु० [अ] झाडा थई जवा ते
इसारत स्त्री० इशारत; निशानी
इसे स० 'इस' नु चोथी तथा बीजीनु रूप
इस्कात पु० [अ] पतन; पडवु ते
इस्तग़ासा पु० [अ] दावो; फरियाद (अदालतमा)
इस्तदुआ स्त्री० [अ.] विनती, निवेदन
इस्तमरारी वि० [अ] कायमी, नित्य
इस्तहकाम पु० [अ] मजबूती; दृढता
ईस्तिजा पु०[अ] पेशाव करीने ढेफाथी इन्द्रीने मुसलमान शुद्ध करे छे ते
इस्तिकबाल पु०[अ] स्वागत करवु ते
इस्तिकलाल पु० [अ] धैर्य, दृढता
इस्तिरी स्त्री० धोबीनी अस्तरी
इस्तिलाह स्त्री० [अ.] कोई शब्दनो खास पारिभाषिक उपयोग
इस्तिलाही वि० [अ] पारिभाषिक
इस्तिस्ना स्त्री० [अ] 'अपवाद (२) न मानवु ते
इस्तीफा पु० [अ. इस्ति-अफा]राजीनामुं
इस्तेमाल पु० [अ] उपयोग, वापर
इस्पंज स्त्री० जुओ 'इसपज'
इस्पगोल पु०[फा]इसपगोळ;ऊटियु जीरु
इस्म पु० [अ] नाम, सज्ञा
इस्लाह स्त्री० [अ.] जुओ 'इसलाह'
इह अ० [स] अही; आ लोकमा
इहतिमाम स्त्री० [अ.] कोशिश, प्रयत्न (२) प्रबघ; व्यवस्था (३) निरीक्षण
इहतियात स्त्री० [अ.] सावधानी; जुओ 'एहतियात' **—न्** अ० सावधानीथी
इहसान पु० [अ] अहेसान; आभार; कृतज्ञता **—मंद** वि० आभारी
इहाँ अ० 'यहाँ'; अही
इहाता पु० [अ] जुओ 'अहाता'

ई

ईंगुर पु०[स. हिंगुल, प्रा. इगुल] हिंगळोक
ईंचना स०क्रि० खेंचवु; एचवु
ईं जानिब श० प्र० अमे (मोटा लोक नानानी जोडे वातमा पोताने माटे आ वापरे छे)
ईंट स्त्री० [स इष्टका] ईंट. **—चुनना=** दीवाल बनाववा ईंटो चणवी. **डेढ़ या ढाई ईंटकी मसजिद अलग बनाना=** वधार्थी ऊलटु कहेवु के करवुं. **—पत्थर=**काई नही. **—से ईंट बजना=** कोई घर के नगर नाश पामवु
ईंटा पु० ईंट
ईंडरी स्त्री० ऊढण; 'इडुरी'
ईंधन पु० ईंधण, वळतण [आख
ईक्षण पु०[स] जोवु के तपासवु ते (२)
ईख स्त्री० [स इक्षु] शेरडी, 'ऊख'

ईखना स०क्रि० [स. ईक्ष्] (प) जोवु
ईछना स०क्रि० (प.) इच्छवु, 'इच्छना'
ईछा स्त्री० (प.) इच्छा
ईजा स्त्री० [अ] ईजा **–देना,पहुँचाना**= ईजा पहोंचाडवी–करवी. **–पहुँचना**= ईजा पहोंचवी–थवी
ईजाद स्त्री० [अ] शोध, नवु काई शोधवु के बनाववु ते
ईठ पु०[स. इष्ट](प) मित्र[स्त्री० **ईठी**]
ईठि स्त्री० (प) दोस्ती
ईठी स्त्री०भालो; बरछी(२) 'ईठ'नु स्त्री०
ईढ़ स्त्री० (प) जिद्द; हठ
ईति स्त्री० [स] खेती बगाडनार उपद्रव, विघ्न वगेरे (२) पीडा; दुःख
ईद स्त्री० [अ] मुसलमानोनी ईद **–का चाँद देखना**=प्रियदर्शन करवु. **–के पीछे टर**=वखत चूक्या पछी शो लाभ!
ईदगाह स्त्री० ईदनी नमाजनी जगा
ईदृश वि० [स] आवु
ईप्सा स्त्री० [स] इच्छा; अभिलाषा
ईप्सित वि० [स] इच्छित
ईमान पु० [अ]आस्था; आस्तिकता(२) सद्‌वृत्ति, नेक नैयत (३) सत्य; सच्चाई **–काँपना** = अतरमा डर लागवो **–देना** = ईमान छोडवु–जतु करवु **०दार** वि० ईमानवाळु
ईरान पु० [फा] ईरान देश
ईर्षा, –र्ष्या स्त्री० [स] अदेखाई; झेर
ईर्षा(–र्ष्या)लु वि० झेरीलु, अदेखु
ईश पु० [स] ईश्वर (२) स्वामी, राजा (३) अगियार सख्या
ईशान पु० [सं] जुओ 'ईश' (२) ईशान खूणो [महादेव
ईश्वर पु० [स] भगवान; प्रभु (२)
ईषत्,–द् अ० [स] जरा; थोडु
ईस पु० ईश, ईश्वर
ईसवी वि० [फा] ईस्वी, ईशु सबधी
ईसा, ईसामसीह पु० [अ] ईशु ख्रिस्त
ईसाई वि० [फा] ख्रिस्ती, विश्वासी
ईहा स्त्री०[स] इच्छा (२) लोभ; लालच

उ

उंगल स्त्री० जुओ 'अगुल'
उँगली स्त्री० जुओ 'अगुली' (किसीकी ओर) **–उठाना** = आगळी चीधवी; –नो दोप काढवो (२) आगळी अडकाडवी, जराय हानि पहोचाडवी **–करना** = सतावयु **–पकड़ते पहुँचा पकडना** = आगळी आपता पोचो पकडवो **उँगलियो पर नचाना**=पोताने फावे तेम कराववु–चलाववु **पाँचो उँगलियाँ घीमें होना** = बधी रीते लाभ ज थवो
उँघाई स्त्री० जुओ 'औंघाई'
उँघाना अ० क्रि० ऊघ आववी
उंचन स्त्री० खाटलाना वाणने तग करवानी पागतनी दोरी
उंचना स० क्रि० 'उचन' खेचवु
उँचाई स्त्री०, **उँचान(-व, -स)** पु० ऊँचाई

उंचास वि० ४९, ओगणपचास; 'उनपचास'
उंछ,०वृत्ति स्त्री० खळु थया पछी खेतरमा पडेला दाणा निर्वाहने माटे वीणी लेवा ते
उँजेरा,–ला पु० जुओ 'उजाला'
उँडेलना स० क्रि० जुओ 'उडेलना'
उंदुर पु० [स] उदर
उँह अ० 'ना' सूचवतो उद्गार (२) दु खनो उद्गार
उऋण वि० [स उन्+ऋण] ऋणमुक्त
उकटना स०क्रि० वारवार कहेवु
उकटा वि० (स्त्री० –टी) वारवार (अपराध के उपकार) कही वतावनार
उकटा पुरान पु० गईगुजरी के दवाई रहेली वातोनु विस्तारथी कहेवु ते
उकठना अ० क्रि० सुकावु, सुकाईने लाकडा जेवु थवु
उकठा वि० सूकु
उकड़ूँ पु० [स उत्कृतोरु] एडी पर अढूगडु के उभडक वेसवु ते
उकताना अ०क्रि० अधीरु थवु; गभरावु (२) 'ऊवना'; कटाळी जवु
उक़बा पु० [अ] प्रलय (२) परलोक
उकलना अ०क्रि० छूटु – अलग पडवु; गूचायेलु के चोडेलु ऊखडवु-ऊकलवु
उकलाई स्त्री० ऊलटी, वमन
उकलाना अ०क्रि० ऊलटी करवी; ओकवु
उकसना अ०क्रि० ऊभरावु; उपर आववु (२) अकुर नीकळवा
उकसाना स० क्रि० ('उकसना'नु प्रेरक) उपर करवु (२) उश्केरवु (३) दीवानी वत्ती वधारवी [फूटतु; खीलतु
उकसौंहा वि० ऊभरातु; उपर ऊठतु (२)
उकाब पु० [अ] गरुड पक्षी के गीध
उका(-के)लना स०क्रि० (छोडु के पड) खोलवु; उखाडवु (२) चोटेलु उखाडवु
उकासना स०क्रि० (प) उपर करवु (२) उश्केरवु
उकेलना स० क्रि० जुओ 'उकालना'
उकौना पु० गर्भवतीनो दोहद
उक्त वि०[स]कहेलु; बोलेलु [कहेवत
उक्ति स्त्री० [स] कथन; वचन (२)
उक़दा पु०[अ] गाठ (२) कोयडो; समस्या
उखडना अ०क्रि० ऊखडवु (२) घोडानी चालमा भग पडवो (३) सगीतमा ताल के सूर वगडवो (४) हठवु, अलग थवु (५) तूटी जवु **उखड़ी उखड़ी बातें करना**=विरक्तिथी वातो करवी. **पैर या पाँव उखड़ना**=एक जगाए ठरी–ठाम न थवु
उखम पु० (प) उष्मा; गरमी
उखल पु०, **उखली** स्त्री० [स उत्खल] खाडणियो [एक दाव
उखाड़ पु० उखाडवु ते (२) कुस्तीनो
उखाड़ना स०क्रि०उखाडवु('उखडना'नु प्रेरक) **गडे मुर्दे उखाड़ना**=गईगुजरी पाछी काढवी **पैर उखाड़ देना**=पग काढवो; हठाववु
उखारी स्त्री० शेरडीनु खेतर
उगटना स०क्रि० जुओ 'उकटना'
उगना अ०क्रि० ऊगवु
उगलना स०क्रि० [प्रा उग्गिलन] ओकवु (२) थूकी काढवु **उगल पड़ना**=वहार नीकळी आववु. **ज़हर उगलना**=झेर जेवु लागे एव वोलवु
उगलवाना, उगलाना स०क्रि० 'उगलना' नु प्रेरक

उगवना, उगाना स० क्रि० 'उगना'नु प्रेरक; ऊगववु
उगार(-ल) पु० थूक; गळफो के कफ
उगालदान पु० थूंकदानी
उगाहना स० क्रि० उघराववु; एकठु करवु
उगाही स्त्री० उघराववु ते (२) उघराणु (३) व्याजवटु; धीरधार
उगिलना स०क्रि० जुओ 'उगलना'
उग्र वि० [स] प्रचंड; प्रबळ; तेज (२) पु० महादेव
उघटना स०क्रि० ताल आपवो (२) गईगुजरी वारवार काढवी (३) भलुबूरु कोईने कहेवु (जुओ 'उकटना')
उघटा वि० जुओ 'उकटा'
उघड़(-र)ना अ०क्रि० ऊघडवु (प्रेरक **उघाड़(-र) ना**)
उचकन पु० कशाने एक बाजु ऊंचु करवा नीचे मुकातु टेकण
उचकना अ०क्रि० ऊंचु थवु (२) कूदवु (३) स०क्रि० ऊछळीने लेवु (प्रेरक **उचकाना**)
उचका अ० अेकदम; अचानक
उचक्का पु० (स्त्री०-**क्की**) ऊचकी जनारो – चोर; ठग; बदमाश
उचटना अ०क्रि०अलग थवु, हठवु (२) ऊखडवु (३) भडकवु(४) विरक्त थवु
उचड़(-र)ना अ० क्रि० ऊखडवु (२) हठवु; अलग थवु
उचना अ०क्रि० (प) ऊंचु थवुं; 'उचकना' (२) स०क्रि० ऊंचु करवु
उचरंग पु० पतगियु
उचरना अ०क्रि० ओचरवु, बोलवु (२) जुओ 'उचटना'
उचाट पु०, **उचाटी** स्त्री० [स उच्चाट] उदासीनता; मन न लागवु ते
उचाटना स०क्रि० 'उचटना'नु प्रेरक(२) जीव हठाववो – काढी लेवो
उचाड़(-र)ना स०क्रि० 'उचडना'नु प्रेरक
उचाना स० क्रि० ऊंचु करवु
उचारना स० क्रि० (प) उच्चारवु, बोलवु (२) जुओ 'उचाडना'
उचित वि०[स] योग्य; घटतु; वाजवी
उचेलना स० क्रि० जुओ 'उकेलना'
उच्च वि० [स] ऊंचु (२) श्रेष्ठ
उच्च(-च्चा)रण पु०[स] उच्चारवु ते
उच्च(-च्चा)रना स० क्रि० ऊचरवु; उच्चारवु; बोलवु
उच्चार, ०ण पु० [स] बोलवु ते
उच्छव पु० (प.) ओच्छव
उच्छाव पु० (प.) उत्साह
उच्छाह पु० (प.) जुओ 'उछाह'
उच्छिष्ट वि०[स] एठु (२) पु० एठवाड (३) मध [उछाछळु
उच्छृंखल वि० [स] उद्दंड, निरकुश;
उच्छेद पु० [स] खडन; नाश
उच्छ्वास पु० [स] श्वास [भेटवु
उछंग पु० (प) खोळो; गोद.–**लेना**=
उछकना अ०क्रि० (प) छाक के नशो ऊतरवो; भानमा आववु
उछर(-ल)ना अ०क्रि० ऊछळवु, कूदवु (२) खूब राजी थवु (३) ऊपसवु (प्रेरक **उछार(-ल)ना**)
उछल-कूद स्त्री० खेलवु कूदवु ते (२) अधीराई, अजपो
उछलना अ० क्रि० जुओ 'उछरना'
उछाँटना स०क्रि० मन ऊंचु कराववु(२) (प) 'छाँटना', वीणवु

उछार(-ल) स्त्री० ऊछळवु – कूदको मारवो ते (२) छलग (३) ऊलटी
उछार(-ल)ना स०क्रि० 'उछरना'नु प्रेरक
उछाला पु० उछाळो; जोश (२) ऊलटी
उछाह पु० [स उत्साह] (वि० -ही) उत्साह, उमग (२) उत्सव (३) उत्कठा; इच्छा
उजड़(-र)ना अ०क्रि० उज्जड, वेरान, अस्तव्यस्त थवु; नाश पामवुं
उजड्ड वि० [स. उद्दड] गमार; असभ्य; मूर्ख (२) उद्दड; निरकुश
उजबुक पु०[तु] एक जातनो तातार (२) वि० बेवकूफ; मूर्ख
उजर पु० उजर; जुओ 'उज्र'
उजरत स्त्री० [अ] मजूरी (२) भाडु
उजरा वि० (प) जुओ 'उजला'
उजलत स्त्री० [अ] उतावळ, जलदी
उजलवाना स० क्रि० (घरेणा, शस्त्र इ०) धोवडाववु, साफ कराववु
उजला वि० (स्त्री०–ली) उज्ज्वळ; ऊजळु; धोळु (२) स्वच्छ
उजागर वि० (स्त्री०–री) झगझगतु (२) प्रसिद्ध
उजागरा पु० उजागरो
उजाड़(-र) पु० उज्जड स्थान (२) जगल (३) वि० उज्जड; वेरान
उजाड(-र)ना स० क्रि० उजाडवु
उजान अ०सामे प्रवाह ('भाठा'थी ऊलटु)
उजारा(-ला) पु० अजवाळु; प्रकाश (२) वि० उज्ज्वळ
उजारी(-ली) स्त्री० चादनी
उजालना स० क्रि० (घरेणु, शस्त्र इ०) धोवु, साफ करवु; अजवाळवु (२) जाळवु, वाळवु
उजास पु० उजास, अजवाळु
उजियार पु० (२) वि० (प.) जुओ 'उजारा (–ला)' ['उजालना'
उजियारना स० क्रि० (प.) जुओ
उजियारा(-ला) पु० जुओ 'उजारा'
उजियारी स्त्री०(प) चादनी(२)प्रकाश
उजीर पु० (प) वजीर, प्रधान
उज्जल अ० जुओ 'उजान' (२) वि० (प.) उज्ज्वळ
उज्ज्वल वि०[स] चळकतु; ऊजळु (२) धोळु, निर्मळ
उज्यारा पु० (प) जुओ 'उजारा'
उज्यास पु० (प) उजास
उजेर,–रा,–ला पु० (२) वि० जुओ 'उजारा'
उज्र पु०[अ] उजर; वहानु (२) वाधो; हरकत, आपत्ति (३) माफी, क्षमा
उज्र-ख्वाही स्त्री० मरण प्रसगे दिलासो देवा–बेसवा जवु ते
उज्रदारी स्त्री० [फा] अदालतमा कोई मागणीनी सामे पोतानो वाधो रजू करवो ते.
उज्र-माज्रित स्त्री०[अ] माफी; क्षमा
उझकना अ० क्रि० ऊछळवु (२) जोवा माटे ऊचु थवु (३) चोकवु
उझरना अ०क्रि० ऊछळवु; उपर आववु
उझ(-झि)लना स०क्रि० [स उज्झरण] प्रवाहीने उपरथी रेडवु; ढोळवु (२) अ० क्रि० (नदीमा) रेल आववी
उटंग वि० मापमा नानु (कपडु)
उटंगन पु० एक छोड (पाननी शाक-भाजी थाय छे) [करवु
उटकना स० क्रि० अटकळवु, अनुमान
उटज पु० [स.] झूपडी

उठँगन पु० अठींगण; टेको

उठँगना अ० क्रि० उठगवु, अठिंगवु (२) सूवु, पड्या रहेवु [बध करवु

उठंगाना स० क्रि० (कमाड) वासवु;

उठना अ० क्रि० [स. उत्थान] ऊठवु. **उठ जाना**=मरी जवु **उठती जवानी**= ऊगती जुवानी

उठबैठ स्त्री० ऊठबेस, ऊठवु बेसवु ते, अजपो (२) ऊठबेस कसरत

उठल्लू वि० रखडेल, अस्थिर

उठाईगीर(-रा) वि० उठावगीर (२) बदमाश

उठाऊ-चूल्हा वि० 'उठल्लू', अस्थिर

उठान स्त्री०, **उठाव** पु० [स उत्थान] ऊठवु ते; उठाव (२) आरम्भ (३) उठाव, उपाड

उठाना स० क्रि० उठाववु. **उठा देना**= खर्ची नाखवु, उडावी देवु **उठा रखना**=बाकी राखवु

उठौआ(-वा) वि० उठावीने आघुपाछु लई जवाय एवु

उठौनी स्त्री० उठाववु• ते (२) उठाववानी मजूरी (३) उठमणा जेवी एक रीति (४) खेडूतोने फसल पर अगाउथी धिराता नाणा

उडंकू वि० ऊडी शके एवु

उड़खाना अ० क्रि० अप्रिय लागवु

उड़चक पु० चोर, 'उचक्का'

उड़(-र)द पु० जुओ 'उरद'. **-पर सफेदी**=धूळ पर लीपण

उडन स्त्री० ऊडवु ते

उड़नखटोला पु० विमान

उडनछू वि०छू करी जनारु;गोटलीमार. **-होना**=छू थई जवु

उड़ना अ० क्रि० ऊडवु (२) स० क्रि० कूदीने पार करवु. **उड़ चलना** अ०क्रि० झपाटामा चालवु (२) कुमार्गे जवु (३) रोफमा चालवु (४) रसोई स्वादिष्ट बनवी

उड़व पु० ओडव जातनो राग

उड़सना अ० क्रि० पथारी के बिस्तरो लपेटवो (२) नष्ट थवु

उड़ाऊ वि० ऊडनारु, 'उडाका' (२) उडाउ, खरचाळ

उड़ाका(-कू) वि० ऊडनारु; ऊडी शकनारु [कूदको; छलग

उड़ान पु० 'उड़न', ऊडवु ते (२)

उड़ाना स० क्रि० उडाववु, 'उडना'नु प्रेरक

उड़ासना स० क्रि० बिस्तरो उठाववो-समेटवो

उड़िया वि० ओरिसा देशनु वासी

उड़ीसा पु उत्कल, ओरिसा

उडुंबर पु० [स] उमरडो

उडु स्त्री० [स] तारा (२) पक्षी (३) नाविक (४) पाणी

उडुप पु० [स] चन्द्र (२) होडी

उड़ूस पु० माकण

उड़लना स० क्रि० रेडवु, ढोळवु

उड़ैनी स्त्री० (प) आगियो

उड्डयन पु० [स] ऊडवु ते

उढकना अ० क्रि० ठोकर खावी (२) रोकावु, थोभवु (३) टेको लेवो, अढेलवु (प्रेरक-उढ़काना)

उढरना अ० क्रि० नातरे जवु

उढ़री स्त्री० रखात (२) नातरे काढी लीधेली स्त्री

उढ़ाना स० क्रि० ओढाडवु, ढाकवु

उढ़ावनी, उढ़ौनी स्त्री० ओढणी
उतंग वि० (प) उत्तुग; ऊंचु
उत, ०न अ० (प) ते तरफ, त्या
उतना वि० (स्त्री० –नी) एटलु
उतरन पु० ऊतरेलु कोई पण वस्त्र
उतरना अ० क्रि० ऊतरवु
उतराई स्त्री० नीचे ऊतरवानी क्रिया (२) नदी पार ऊतरवानु खर्च (३) उतार, ढाळवाळी जमीन
उतराना अ०क्रि० [स उत्तरण] पाणीनी उपर आववु (२) ऊकळवु; ऊभरावु (३) प्रगट थवु (४) स०क्रि० उतरावबु
उतरायल वि० ऊतरेलु, पुराणु
उतलाना अ० क्रि० उतावळ करवी
उतान वि० [स उत्तान] चीत, चत्तु
उतायल अ० (प) जुओ 'उतावल'
उतायली स्त्री० (प.) जुओ 'उतावली'
उतार पु० ऊतरवु ते (२) नदीनो उतार (३) झेर, केफ इ० नो उतार
उतारन स्त्री० उतारेलु – जीर्ण वस्त्र; 'उतरन' (२) माथा पर दाणा इ० उतारीने वाळवा ते, 'उतारा'
उतारना स० क्रि० उतारवु
उतारा पु० उतारो,ऊतरवानी जगा(२) नदी पार करवी ते (३) भूत इ० माटे दाणा वगेरे उतारवा ते के तेनी वस्तु
उतारू वि० तैयार, तत्पर
उताल अ०, –ली स्त्री० (प) जुओ अनुक्रमे 'उतावल, –ली'
उतावल अ० जलदी(२)स्त्री० उतावळ
उतावला वि० (स्त्री० –ली) उतावळु
उतावली स्त्री० उतावळ
उतृण वि० ऋणमुक्त
उतै अ० 'उत', त्या, ते तरफ

उत्कंठा स्त्री० [स.] तीव्र इच्छा
उत्कट वि० [स] तीव्र; उग्र
उत्कर्ष पु०[स] श्रेष्ठता, मोटाई (२) चडती; उन्नति
उत्कुण पु० [स] माकण
उत्कृष्ट वि० [स] उत्तम; श्रेष्ठ
उत्कोच पु०[सं]लाच [पहेलो पुरुष
उत्तम वि०[स] श्रेष्ठ. –पुरुष=(व्या०)
उत्तमर्ण पु०[स] लेणु धीरनार; महाजन
उत्तर पु० [स] उत्तर दिशा (२) जवाब (३) वि० पछीनु (४) चडियातु (५) अ० पछी
उत्तर-क्रिया स्त्री० [स] कारज
उत्तरदाता पु० [स] जवाबदार माणस
उत्तरदायित्व पु० [स] जवाबदारी
उत्तरदायी वि० [स] जवाबदार
उत्तराधिकार पु० [स] वारसो –री पु० वारस
उत्तरायण पु० [स] उतराण
उत्तरीय पु० [स] उपरणु (२) वि० उत्तरनु (३) उपरनु
उत्तरोत्तर अ० [स] एक पछी एक; क्रमश (२) लगातार
उत्ता वि० 'उतना', एटलु
उत्ताप पु० [स] गरमी (२) दुःख; पीडा (३) शोक [थयेलु
उत्तीर्ण वि० [स] पारगत (२) पास
उत्तुंग वि० [स] ऊंचु; श्रेष्ठ
उत्तू पु०[फा] कपडा पर भात पाडवानु एक ओजार, जे गरम करीने वपराय छे,या ते द्वारा थतु काम(२)वि०नशामा चकचूर. -करना=खूब मारवु पीटवु
उत्तूकश, उत्तूगर पु० [फा] 'उत्तू' नु काम करनार (जुओ 'उत्तू')

उत्तेजन पु०, –ना स्त्री० [स] उत्तेजवु ते, प्रोत्साहन [उन्नति, चडती
उत्थान पु० [स] ऊठवु ते (२)
उत्थापन पु० [स] उठाडवु–जाग्रत करवु ते (२) हलाववु–डगाववु ते
उत्पत्ति स्त्री० [स] उद्भव, पेदाश; जन्म (२) आरभ
उत्पन्न वि० [स] पेदा थयेलु; जन्मेलु
उत्पल पु० [सं] कमळ
उत्पाटन पु० [स] उखाडवु ते; निकदन
उत्पात पु० [स] उपद्रव, आफत (२) उधमात, खळभळाट
उत्पादन पु० [स] पेदा करवु ते; उत्पन्न
उत्सर्ग पु०[स] छोडवु ते; त्याग (२)दान
उत्सव पु० [स] तहेवार, मंगळ पर्व (२) आनद
उत्साह पु०[स]उमग; आनदनो उछाळो
उत्सुक वि० [स] आतुर (२) तत्पर
उथपना स०क्रि० (प) उखाडवु; उथापवु, उजाडवु
उथलना अ० क्रि० [स उत्+स्थल] ऊथलवु, गवडवु (२) डामाडोळ थवु (३)पाणी ओछु थवु (जुओ 'उथला'). –पुथलना=ऊथलपाथल थवु
उथल-पुथल स्त्री० (२) वि० ऊथल-पाथल, ऊलटपूलट
उथला वि० छछरु, ऊडु नहि एवु
उदंत वि० दात वगरनु (पशु माटे) (२) पु० [स] खबर
उदंतक पु० [स] उदंत, समाचार
उदक पु० [स] पाणी
उदय पु० (प) [स उद्गीथ] सूर्य
उदधि पु० [स.] समुद्र
उदवस वि० (प) वेरान; सूनु
उदय पु० [स.] ऊगवु के प्रगटवु ते (२) उन्नति; चडती [भाग
उदर पु०[स.] पेट (२) पेटु, अदरनो
उदरना अ० क्रि० फाटवु; चिरावु (२) छिन्नभिन्न, नष्ट थवु
उदाई स्त्री० ऊदापणु; भूरो रग
उदात्त वि० [स] दयाळु (२) उदार (३) श्रेष्ठ (४) ऊचा सूरनु
उदार वि० [स] दानशील (२) विशाळ के सरळ दिलनु
उदारना स० क्रि०[स उदारण] फाडवु; चीरवु, तोडवु [खिन्न; दुखी
उदास वि० विरक्त (२) तटस्थ (३)
उदासी पु० सन्यासी, त्यागी (२) स्त्री० उदासीनता
उदासीन वि० जुओ 'उदास'
उदाहरण पु० [स] दाखलो; दृष्टात
उदीची स्त्री० [स] उत्तर दिशा
उदीच्य वि० [स] उत्तरनु रहीश (२) उत्तरनु [(३) नपुसक
उदुंबर पु० [स.] उमरडो (२) ऊमरो
उदू पु०[अ]दुश्मन, शत्रु [थवु ते
उदूल पु० [अ] अवज्ञा (२) विमुख
उदूलहुक्मी स्त्री० [फा.] अवज्ञा करवी ते, आज्ञा न मानवी ते
उद्गम पु० [स] ऊगम
उद्गार पु० [स] ऊभरो (२) ऊलटी (३) ओडकार (४) थूक, कफ (५) मननी वात कही नाखवी ते
उद्घाटन पु० [स] उघाडवु ते
उद्घात पु० [स] आघात; धक्को (२) आरम्भ [आरम्भक
उद्घातक वि० [स.] आघातक (२)
उद्दंड वि० [स] उद्धत, नीडर; उद्दाम

उद्दाम वि० [स] उद्दाम; निरकुश (२) स्वतत्र (३) महान, गभीर (४) पु० वरुण (५) एक वृत्त

उद्दिष्ट वि० [स.] बतावेलु (२) अभिप्रेत, उद्देशेलु

उद्दीपन पु० [स] उत्तेजित करवु ते के तेम करे तेवो पदार्थ

उद्देश पु० [स.] इच्छा (२) हेतु; कारण **–श्य** वि० (२) पु० लक्ष्य

उद्धत वि० [स.] उग्र, न गाठे एवु (२) मोटु, ऊचु

उद्धरना स० क्रि० उद्धार करवो (२) अ० क्रि० ऊगरवु, ऊधरवु

उद्धार पु० [स] मुक्ति, छुटकारो (२) उन्नति (३) उधार; वगरव्याजु देवु

उद्धृत वि० [स] उगारेलु; उतारेलु

उद्ध्वस्त वि० [स] भाग्यु तूटयु

उद्बोध, ०न पु० [स] ज्ञान, जागृति

उद्भट वि० [स] प्रबळ, श्रेष्ठ

उद्भव पु० [स] उत्पत्ति (२) उन्नति

उद्भास पु० [स] प्रकाश (२) प्रतीति

उद्भिज(-ज्ज,-द) पु० [स] उद्भिद; वनस्पति

उद्यत वि० [स] तैयार; तत्पर

उद्यम पु० [स] महेनत (२) उद्योग; कामधधो **–मी** वि०

उद्यान पु० [स] बाग

उद्यापन पु० [स] कोई व्रत नियमनी पूर्णाहुतिनी उजवणी

उद्योग पु०[स] जुओ 'उद्यम' **–गी** वि०

उद्रेक पु०[स] अतिशयता; खूब वृद्धि

उद्वह पु० [स] (स्त्री०-हा) पुत्र

उद्वहन पु० [स] उपर खेचवु ते (२) उद्वाह, विवाह

उद्वासन पु० [स] स्थान छोडाववु, भगाववु ते (२) मारवु ते, वध

उद्वाह पु० [स] विवाह

उद्विग्न वि०[स] उद्वेगवाळु [आवेश

उद्वेग पु० [सं] व्याकुळता (२) मननो

उधड़ना अ० क्रि० ऊखडवु, (चोटेलु) अलग थवु, उधेडावु

उधर अ० ए तरफ, बीजी बाजु

उधरना अ०क्रि० (प) उद्धरवु; छूटवु (२) जुओ 'उधडना' (३) स० क्रि० उद्धारवु

उधराना अ० क्रि० विखेराई जवु; हवाथी ऊडी जवु (२) उधमात करवो

उधार पु० [स उद्धार] करज; ऋण; देवु (२) उधार के उछीनु लेवु ते (३) उद्धार. **–खाए बैठना**=कशी के कोईनी आशा के आधार पर बेठा रहेवु

उधारना स० क्रि० (प) उद्धारवु

उधेड़ना स०क्रि० उधेडवु (२) सीवण उकेलवु (३) विखेरवु

उधेड़बुन स्त्री० [हि. उधेडना, बुनना] बाधछोड, विचारणा (२) पचात

उन स० 'उस'नु ब० व० (२) [स.] अकमा 'एक कम' ए अर्थमा वपराय छे. उदा० 'उनतीस'

उनइस वि० 'उन्नीस'; १९

उनचालीस, उनतालीस वि० ओगणचालीस; ३९

उनचास वि० 'उचास', ४९

उनतीस वि० ओगणत्रीस, २९

उनमना वि० जुओ 'अनमना'

उनमान पु० (प) अनुमान; अदाज (२) माप (३) वि० समान

उनमानना स०क्रि० अनुमानवु;अदाजवु

उनमुना वि० (प.) मौनी, चूप
उनसठ वि० ओगणसाठ, ५९
उनहत्तर वि० अगणोतेर, ६९
उनींदा वि० [स. उन्निद्र] (स्त्री०—दी) ऊघतु, ऊघ भरायेलुं
उन्का पु० [अ] एक कल्पित पक्षी (२) वि० अप्राप्य (३) दुर्लभ
उन्नत वि० [स] ऊचु (२) उत्तम
उन्नति स्त्री० [स] ऊचाई (२) चडती; 'तरक्की'
उन्नाब पु० [अ] एक जातनु बोर (हकीमो दवामा वापरे छे)
उन्नाबी वि० 'उन्नाव' ना रगनु, घेरु लाल (२) पु० तेवो रग
उन्नासी वि० ओगण्याएशी, ७९
उन्निद्र वि० [स] निद्रा रहित (२) विकसित, खीलेलु
उन्नीस वि० ओगणीस, १९. **—बिस्वे**= अ० मोटे भागे, घणु करीने. **—बीस होना** =(बे वच्चे) भेद होवो, एकथी बीजु चडवु **—होना**= गुण के मात्रामा थोडु घटवु [बेभान
उन्मत्त वि० [स.] मदाघ (२) पागल;
उन्मन, ०स्क वि० [स] उदास; व्यग्र
उन्माद पु० [स] पागलपणु; चित्तभ्रम
उन्मार्ग पु०[स] खोटो मार्ग; दुराचार
उन्मीलन पु० [स] खूलवु के खीलवु ते
उन्मुख वि० [स] उत्सुक (२) उद्यत
उन्मूलन पु०[स] जडमूळथी उखेडवु ते
उन्मेष पु०[स.] पलकारो (२)झबकारो; थोडो प्रकाश (३) खीलवु ते
उन्वान पु० [अ] (पुस्तक इ०नु)नाम; शीर्षक (२) ढग, रीत
उन्स पु० [अ] महोवत, प्यार
उन्हें स० तेमने ('उन'नी बीजी ने चोथी विभक्तिनु रूप)
उपंग पु० एक वाद्य
उपकरण पु० [स] साधन सामग्री (२) छत्र, चमर इ० राजचिह्न
उपकार पु०[स]भलाई(२)लाभ;फायदो
उपकारक, उपकारी वि०[स] उपकार करनार
उपकार्या स्त्री० तबू [कृतज्ञ
उपकृत वि०[स] उपकार तळे आवेलु;
उपक्रम पु० [सं] आरभ (२) भूमिका
उपक्रमणिका स्त्री०[स] अनुक्रमणिका, साकळियु
उपखान पु०(प)उपाख्यान; पुराणी कथा
उपग्रह पु० [स] केद, बघन (२) नाना के मोटा ग्रहनो ग्रह
उपचार पु० [स] इलाज; दवा (२) सेवा, पूजन (३) लाच
उपज स्त्री० ऊपज, पेदाश (२) नवी सूझ, शोध; कल्पना (३) कपोलकल्पित
उपजना अ० क्रि० ऊपजवु
उपजाऊ वि० उपजाउ, फळद्रूप (भूमि)
उपजाना स०क्रि० उपजाववु;पेदा करवु
उपजीवन पु० [स.] निर्वाहमा पराव-लंबन [निशान, चिह्न
उपटन पु० 'उबटन', उपटण (२)
उपटना अ० क्रि० निशान पडवु, जेम के शाही फूटवानु के भारथी लखवानु (२) ऊखडवु (प्रेरक **—उपटाना**)
उपड़ना अ० क्रि० ऊखडवु, ऊपडवु (२) 'उपटना', निशान पडवु
उपत्यका स्त्री० [स] तळेटी
उपदंश पु० [स.] चादी के गरमीनो रोग (२) गजक

उपदिशा स्त्री० [सं.] खूणो
उपदेश,-स पु० बोध; शिखामण
उपदेशक पुं० [सं.] उपदेश आपनार
उपदेश(-स)ना 'स० क्रि० उपदेशवुं
उपद्रव पु०. [स] उत्पात; खळभळाट (२) उधमात; दगोफिसाद, बखेडो
उपद्रवी वि० [सं.] उधमातियुं, बखेडो करनारुं [शरणमा लेवु
उपधरना स० क्रि० (प.) अपनाववु;
उपधा स्त्री० [सं] छळ, कपट (२) उपाधि; पंचात [तकियो
उपधान पु० [स.] टेको, आधार (२)
उपनना अ० क्रि० (प.) ऊपनवु; ऊपजवु (प्रेरक उपनाना)
उपनय,०न पु० [स] जनोई के उपवीत संस्कार [तखल्लुस
उपनाम पु० [स] बीजु नाम (२)
उपनिवेश स्त्री०[स]वसाहत; 'कॉलोनी'
उपन्यास पु० [स] नवलकथा
उपपत्ति स्त्री० [स] साबिती; प्रतिपादन करवु ते (२) हेतु
उपभोग पु० [स] माणवु, भोगववु ते
उपमा स्त्री० [स] तुलना (२) एक अलकार [स्त्री० घाव
उपमाता पु० [स] उपमा देनार (२)
उपमान पु० [स] जेनी उपमा अपाय ते
उपमाना स० क्रि० (प.) उपमा देवी; सरखाववु
उपमेय पु०[स] जेने उपमा आपवानी ते
उपयुक्त वि० [स.] योग्य; वाजवी
उपयोग पु०[सं] खप (२) योग्यता (३) फायदो; लाभ (४) प्रयोजन; जरूर
उपयोगी वि० [स] खपनु (२) लाभदायी (३) माफक; अनुकूळ
उपरत वि० [सं.] विरक्त (२) मरेलु
उपरति स्त्री० [सं.] वैराग्य (२) मरण
उपरना पु० उपरणुं (२) अ० क्रि० जुओ 'उपड़ना'; ऊखडवु
उपरफट(-ट्टू) वि० फालतु; छूटक (२) ठेकाणा वगरनु; नकामु [अर्थमां)
उपरांत अ० ते पछी (समयवाचक
उपराचढ़ी स्त्री० चडसा-चडसी; स्पर्धा
उपराना अ० क्रि० उपर आववु (२) प्रगट थवुं (३) स० क्रि० उपर करवु, उठाववु [आराम
उपराम पु० [स.] उपरति; वैराग (२)
उपराला पु० उपराळु; पक्ष लेवो ते. -करना=उपराळु लेवु
उपरावटा वि० माथु ऊचु राखनारुं; गर्विष्ठ; अक्कड
उपरि अ० [सं] उपर
उपरी-उपरा पु० चडसा-चडसी; अहमहमिका; पडापडी; स्पर्धा
उपरैना पु० उपरणु
उपरैनी स्त्री० उपरणी; ओढणी
उपरोक्त वि० उपर के पहेलु कहेलु
उपरौंछा पु० अंगूछो; टुवाल (२) अ० उपरनु [(स्त्री० -ठी)
उपरौठा वि० उपरनु; उपर आवेलु
उपर्युक्त वि० [स.] उपरोक्त
उपल पु० [स.] पथ्थर (२) 'ओला'; करा (३) रत्न (४) वादळ
उपलक्ष,-क्ष्य पु०[स] चिह्न (२) उद्देश. -में=(अमुक) दृष्टि के विचारथी
उपलब्ध वि० [स] मळेलु (२) जाणेलुं
उपलब्धि स्त्री०[स] प्राप्ति (२) ज्ञान
उपला पु० [स. उत्पल] छाण; जेरणुं
उपली स्त्री० नानु जेरणु

उपल्ला पु० कोई वस्तुनो उपलो भाग
उपवन पु० [स] बाग [-सी वि०
उपवास पु० [स.] न खावु ते, लाघो
उपवीत पु० [स] जनोई
उपशिष्य पु० [स] शिष्यनो शिष्य
उपसंहार पु०[स] समाप्ति (२) साराश
उपस स्त्री० दुर्गंध, बदबो
उपसना अ०क्रि० गधावु; सडवु; वासी थवु (प्रेरक **उपसाना**)
उपसर्ग पु० [स] अपशुकन (२) दैवी उत्पात (२) व्याकरणमा उपसर्ग– अनु, अव इ० [भाग; खाडी
उपसागर पु०[स] नानो समुद्र; समुद्रनो
उपस्थ पु० [स] गुह्य इद्रिय (२) पेढु (३) गोद (४) वि० पासे बेठेलु
उपस्थित वि० [स] हाजर (२) याद
उपस्थिति स्त्री० [स] हाजरी
उपहार पु० [स] भेट, नजराणु
उपहास पु० [स], **-सी** स्त्री० (प) हासी (२) निंदा
उपही पु० (प.) अजाण्यु माणस,परदेशी
उपांग पु०[स] अगनु अग; अगनो भाग; अश (२) तिलक
उपांत्य वि० [स] छेल्लानी पहेलु
उपाइ,-उ,-व पु० (प.) उपाय
उपाख्यान पु [स] पुराणी कथा (२) वृत्तात
उपाट(-ड)ना स०क्रि० (प) उखेडवु
उपादान पु० [स] प्राप्ति; (२) जाण; बोध (३) मूळ पदार्थ जेमाथी बीजु कार्ड बने ते; कारण
उपाधि स्त्री० [सं] उपाधि (पीडा; इल्काब, चिह्न वगेरे अर्थो) (२) छळ, कपट; 'उपधा'
उपाधी वि० [स. उपाधिन्] उपद्रवी; उपाधि के उत्पात करनारु
उपाध्याय पु० [स] शिक्षक; गुरु. **-या** स्त्री० शिक्षिका **-यानी** स्त्री० गुरुपत्नी **-यी** स्त्री० गुरुपत्नी(२)शिक्षिका
उपानत(-ह) पु० [स] उपान, जोडो; पगरखु [करवु; रचवु
उपाना स०क्रि० (प.) पेदा करवु (२)
उपाय पु० [स] युक्ति, इलाज (२) पासे जवु ते
उपायन पु० [सं] उपहार, भेट
उपारना स०क्रि० (प) जुओ उपाटना
उपार्जन पु० [स] कमावु ते; कमाणी
उपार्जित वि० [सं] कमायेलु; मेळवेलु
उपालंभ पु० [स] ठपको; 'उलाहना'
उपाव पु० (प) उपाय
उपास पु० उपवास
उपासक पु०[स.]उपासना करनार,भक्त
उपासना स्त्री०-[स] प्रार्थना, भक्ति; पूजा (२) स०क्रि०(प)सेवापूजा करवी (३) अ० क्रि० उपवास करवो
उपासी वि० (प.) उपासक(२)उपवासी (३) स्त्री० उपासना
उपास्य वि० [स] पूज्य, आराध्य
उपेक्षा स्त्री०[स] उदासीनता;बेपरवाई (२) अवगणना
उपेक्षित वि० [सं] उपेक्षा करायेलु
उपेक्ष्य वि० [स] उपेक्षा करवा जेवु
उपैना वि० (प) उघाडु, नागु
उपोद्घात पु०[सं] प्रस्तावना; भूमिका
उपोषण, उपोसथ पु० उपवास
उफ़ अ० [अ] शोक पीडा के दुखनो उद्गार – ऊह
उफ़(-फु)क़ पु० [अ.] क्षितिज

उफड़ना अ० क्रि०(प.) जुओ 'उफनना'
उफ़तादगी स्त्री० [फा] नम्रता
उफ़तादा वि० [फा] पडतर (खेतर)
उफनना, उफनाना अ० क्रि० [स. उत्+फेन] उभरावु; उछाळो मारवो
उफान पुं० ऊभरो, उछाळो
उफ़ुक पु० जुओ 'उफक'
उबकना अ०क्रि० ऊबको आववो;ओकवु
उबकाई स्त्री० ऊबको, ऊलटी
उबटन पु० [स. उद्वर्तन] उपटण, 'उपटन', मालिस माटेनी एक सुगंधी बनावट
उबटना अ० क्रि० उपटण मालिस करवु
उबरना अ० क्रि० [स उद्दारण] ऊगरवु (छूटवु के बचत थवी)
उबरा वि० (स्त्री० -री) ऊगरेलु
उबलना अ० क्रि० [स. उद्+वलन] ऊकळवु, खळखळ करतु ऊछळवु (२) ऊभरावु
उबहना स० क्रि० (प) हथियार खेंचवु-म्यानमाथी काढवु (२) उलेचवु (३) जुओ 'जोतना' (४) वि० उघाड-पगु
उबार पु० [स उद्वारण] उगारो; [छुटकारो
उबारना स० क्रि० 'उबरना' नु प्रेरक
उबारा पु० कूवानो हवाडो
उबाल पु० ऊभरो, ऊछाळो, 'उफान'
उबालना स० क्रि० 'उबलना'नु प्रेरक
उबासी स्त्री० [सं. उश्वास] बगासु
उबाहना स० क्रि० जुओ 'उबहना'
उबि(-बी)ठना स० क्रि० अरुचि थवी; मनमाथी ऊतरी जवु (२) अ०क्रि० गभरावु, जीव गभरावो
उबेना वि० (प.) जुओ 'उबहना'

उबेरना स० क्रि० (प) उद्धारवु; बचाववु
उभड़(-र)ना अ० क्रि० ऊचु थवु, ऊठी आववु, फूलवु (२) ऊपजवु (३) खूलवु (४) वधवु
उभय वि० [स] बने
उभा स्त्री० ओभा; चिन्ता
उभाड़ पु० ऊचाई (२) वृद्धि
उभाड़ना स० क्रि० 'उभडना' नु प्रेरक (२) उश्केरवु, बहेकाववु
उभै वि०(प)उभय [अधिकता
उमं(-म)ग स्त्री० उमग (२) जोश,
उमँ(-म)गना अ०क्रि०ऊमगवु;ऊमडवु; ऊभरावु (२) उमगमा आववु
उमड़ स्त्री० भरती, भरावो, वृद्धि
उमड़(-ड़ा)ना अ० क्रि० ऊभडवु; ऊभरावु (२) ऊमटवु (जेम के वादळ) (३) आवेशमा-जोशमा आववु
उमदा वि० जुओ 'उम्दा'
उमर स्त्री० जुओ 'उम्र'
उमर-क़ैद स्त्री० जनमटीप -दी पु०
उमरा, ०व पु० ('अमीर'नु ब०व०) उमराव लोक, अमीरो
उमस स्त्री० [स उष्म] बफारो; कठारो
उमाह पु० (प.) उत्साह, उमग
उमूम वि० [अ] साधारण; आम
उमेठ(-ड़)ना स० क्रि० [स उद्वेष्टन] 'ऐँठना', आमळवु
उम्दगी स्त्री०[फा] उमदापणु; उत्तमता
उम्दा वि०[अ] उमदा;अच्छु;भलु;सारु
उम्मत स्त्री०[अ] जमात; फिरको (२) एक सप्रदायनी मडळी (३) ओलाद; परिवार

उम्मी पु०[अ] नानपणमा बाप वगरनो थयेलो जेथी मा के दाईए उछेरेलो ते (२) अभण (३) महमद पेगबर (४) कोई 'उम्मत' नो माणस
उम्मी(-म्मे)द [फा] उमेद
उम्मेदवार पु० [फा] इच्छुक (२) उमेदवार **-री** स्त्री०
उम्र स्त्री० [अ] उमर, आयु
उर पु० छाती (२) हैयु, दिल
उरग पु० [स] साप
उरझना अ०क्रि० (प) जुओ 'उलझना'
उरण पु०[स] घेटु; मेढु (२) युरेनस ग्रह
उरद पु० अडद; 'उर्द'
उरदी स्त्री० नाना दाणाना अडद
उरबसी स्त्री० उर्वशी
उरबी स्त्री० (प) उर्वी; पृथ्वी
उरमाल पु० (प) रूमाल
उरला वि० पछीनु, पाछलु (२) विरलु
उरस वि० फीकु, नीरस (२) पु० उर, छाती (३) हृदय
उरसना स०क्रि० ऊचु नीचु करवु
उरसिज पु० [स] स्तन
उराहना पु० जुओ 'उलाहना'
उरिण(-न) वि० उऋण; ऋणमुक्त
उरु वि०[स.] विशाळ; लाबुपहोळु (२) पु० (प) ऊरु, जाघ
उरुवा पु० घुवड जेवु एक पक्षी, 'रुरुआ'
उरूज पु० [अ] वृद्धि, चडती
उरूस स्त्री० [अ] वधू
उरे अ० आगळ (२) दूर
उरेह पु० चित्र के ते दोरवु ते
उरेहना स०क्रि० चित्र दोरवु
उरोज पु० [स] स्तन
उर्द पु० 'उरद'; अडद
उर्दू स्त्री०[तु] अधिक अरबी फारसी शब्दोवाळी हिंदी भाषा जे फारसी लिपिमा लखाय छे (२) पु० छावणी. **-ए मुल्ला** स्त्री० ऊची उर्दू. **०बाजार** पु० लश्करनु बजार
उर्फ़ पु० [अ] उपनाम; उरफे बोलातु बीजु नाम
उर्मि स्त्री० (प.) ऊर्मि
उर्वरा स्त्री०[स] उपजाउ जमीन (२) पृथ्वी (३) वि० स्त्री० उपजाउ; फळद्रुप (जमीन)
उर्वी स्त्री० [स] पृथ्वी
उर्स पु० [अ] ओरस, पीर वगेरेनी मरणतिथि
उलंग वि० [स उन्नग्न] नागु
उलंघना स०क्रि० उल्लघवु (ओळगवु के न मानवु - लोपवु)
उलका स्त्री० उल्का; खरतो तारो
उलच(-छ)ना स०क्रि०जुओ 'उलीचना'
उलझन स्त्री० फास; गूच (२) कोयडो; समस्या (३) चिंता
उलझना अ०क्रि० (ऊलटु 'सुलझना') फसावु; जकडावु (२) लपटावु (३) काममा लीन थवु (४) मुश्केलीमा फसावु (५) झघडवु; तकरार करवी (६) वाकु थवु; आमळ चडवो
उलझना-पुलझना अ० क्रि० वरोवर फसावु - लपटावु
उलझाना स० क्रि० 'उलझना'नु प्रेरक
उलझा-पुलझा वि० वाकु के सीधु (२) भलु के वूरु
उलझाव, उलझेड़ा पु० फसावु ते (२) झघडो; वखेडो (३) चक्कर; फेर
उलझौंहाँ वि०फसावनार के लोभावनार

उलटना अ० क्रि० [स. उल्लोठन] ऊलटवु (२) स० क्रि० ऊलटु के ऊधु करवु (३) अस्तव्यस्त करवु (४) ऊलटी करवी [गोटाळो
उलट-प(-पु)लट स्त्री० ऊलटपूलट,;
उलट-फेर पु० फेरफार; पलटो, परिवर्तन
उलटा वि० (स्त्री०–टी) ऊलटु –**हाथ**= पु० डावो हाथ. **उलटी खोपड़ीका**= जड, मूर्ख. **उलटी गंगा बहना**=न बनवानु बनवु **उलटी माला फेरना**= वूरु ताकवु **उलटी साँस चलना**= मरवा वखतनो सास चालवो **उलटी सीधी सुनाना**=झाटकवु, धमकाववु. **उलटे छुरेसे मूँड़ना**=बेवकूफ बनावीने काम काढवु **उलटे पाँव फिरना**= तरत पाछु फरवु. **उलटे मुँह गिरना**= बीजानु अनिष्ट करवा जता पोतानु थवु
उलटा-प(-पु)लटा वि० ऊलटपूलट
उलटा-पलटी स्त्री० फेरफार, अदला-बदली
उलटाव पु० पलटो, फेरफार
उलटी स्त्री० ऊलटी (२) गोटमडु
उलटे अ० ऊलटु, अवळी रीते. –**पाँव फिरना**=तरत ऊभे पगे पाछु फरवु
उलथना स० क्रि० ऊथलपाथल के ऊलटपुलट करवु, उथलाववु (२) अ० क्रि० (प.) ऊथलावु
उलथा पु० ताल प्रमाणे ठेकवु ते (२) पासु फेरववु ते (३) ऊथलो; गुलाट (४) जुओ 'उल्था'
उलद स्त्री० (प.) वरसादनी झडी
उलदना अ० क्रि० खूब वरसवु (२) स० क्रि० (प.) वरसाववु
उलफत स्त्री० [अ] प्रेम; 'उल्फत'
उलरना अ० क्रि० (प.) ऊछळवु, कूदवु
उललना अ० क्रि० (प) ऊछळवु
उलहना अ० क्रि० खीलवु (२) उल्लासवु (३) जुओ 'उलाहना'
उलाँक पु० 'डाक'; टपाल
उलाँक-पत्र पु० पत्तु; पोस्टकार्ड
उलाँकी पु० टपाली.
उलार वि० उलाळवाळु (गाडु)
उलारना स० क्रि० उछाळवु (२) उलाळवु
उलाहना पु० ओळभो; ठपको के राव फरियाद (२) स० क्रि० दोष देवो; निंदवु
उलीचना स० क्रि० उलेचवु
उलूक पु० [स] घुवड
उलूखल पु० [स] खाडणियो (२) गूगळ
उलेड़ना स० क्रि० (प) जुओ 'उडेलना'
उलेल स्त्री० (प) उमंग; जोश; उछाळो (२) वि० अलेल, नादान, बेपरवा
उल्का स्त्री० [स] खरतो तारो (२) प्रकाश (३) मशाल
उल्कापात पु० [स] तारो खरवो ते (२) उत्पात, दगो, खळभळाट
उल्था पु० भाषांतर; तरजुमो
उल्लंघन पु० [स] लाघवु ते (२) उल्लघन, अवगणना
उल्लंघना स० क्रि० उल्लघवु; 'उलघना'
उल्लास पु० [स] प्रकाश; झळक (२) हर्ष; आनद (३) ग्रथनो भाग के खड
उल्लासी वि० आनदी
उल्लू पु० [स उलूक] घुवड (२) उल्लु; मूरख –**करना, बनाना**=उल्लु बनाववु –**का पट्ठा**=मूर्ख –**फँसाना**= बराबर चुगलमा लेवु. –**बनना, होना** =उल्लु बनवु –**सीधा करना**=काम बनाववु–साधी लेवु. [लखवु ते
उल्लेख पु० [स] वर्णन; 'जिकर' (२)

उल्व पु०[स] उल्व; ओर(२) गर्भाशय
उशीर पु० [स] खस, वीरण
उषा स्त्री० [स] अरुणोदय के तेनी लालिमा
उष्ट्र पु० [स] ऊट [(३) डुगळी
उष्ण वि०[स] गरम (२) पु० उनाळो
उष्णता स्त्री०,**–त्व** पु०[स]गरमी;ताप
उष्णीव पु०[स]पाघडी; साफो(२)मुगट
उष्म पु०, **–ष्मा** स्त्री० [स] गरमी
उस सर्व० विभक्तिओमा थतु 'वह' नु रूप जेम के 'उसने, उसको'
उसकन पु० वासण माजवानो कूचो
उसनना स०क्रि० उकाळवु(२) पकाववु
उसनाना स० क्रि० 'उसनना'नु प्रेरक
उसाँस, उसास स्त्री० लाबो श्वास
उसासी स्त्री० अवकाश, छूटी
उसी स० 'उस ही'; ए ज
उसीसा पु० अठीगण (२) ओशीकु
उसूल पु० [अ.] सिद्धान्त
उसूलन् अ०[अ]सिद्धातथी;सिद्धातपूर्वक
उस्त(–स्तु)रा पु० अस्तरो; 'उस्तुरा'
उस्त(–स्तु)वार वि०, **–री** स्त्री० जुओ 'उस्तुवार'
उस्ताद पु० [फा] शिक्षक, गुरु (२) वि० उस्ताद, चालाक (३) निपुण (नाम **-दी** स्त्री०)
उस्तानी स्त्री० [फा] गुरुपत्नी (२) शिक्षिका (३) चालाक, ठगारी स्त्री
उस्तुरा पु० [फा] अस्तरो
उस्तुवार वि०[फा]मजबूत(२) सपाट (३)सीधु, सरळ(नाम, **-री** स्त्री०)
उहदा पु० [अ] होद्दो, 'ओहदा'
उहवाँ, उहाँ अ० 'वहाँ', त्या
उही, उहै स० 'वही', ते ज

ऊ

ऊँग, ऊँघ, ऊँघन स्त्री० जरा ऊघनु झोकु आववु ते, ढणको
ऊँगा पु० अपामार्ग, अघेडो–एक छोड
ऊँघना अ० क्रि० ऊघनु झोकु खावु, जरा ऊघ आवी जवी
ऊँच वि० ऊचु
ऊँचनीच वि० ऊचुनीचु (२) नानुमोटु (३) भलुबूरु, सारुनरसु, लाभालाभ
ऊँचा वि० ऊचु **–नीचा सुनाना**= सारु माठु कहेवु, वढवु **–बोल**= गर्वनी वाणी.**–सुनना**=ओछु साभळवु
ऊँचाई स्त्री० ऊचाई (२) मोटाई; श्रेष्ठता
ऊँचे अ० ऊचे, उपर (२) ऊचेथी; जोरथी (बोलवु) (पैर) **ऊँचेनीचे पडना** = खराब टेवमा के बूरा काममा फसावु
ऊँछना अ० क्रि० ओळवु
ऊँट पु० ऊट. **०वान** पु० ऊटवाळो
ऊँडा वि० ऊडु (२) पु० चरु (३) भोयरु
ऊँदर पु० उदर
ऊँहूँ अ० ना, नही बतावतो उद्गार
ऊ अ०(प)'भी', पण(२)स०ते; 'वह'
ऊआबाई वि०नकामु; व्यर्थ;(२)ढगधडा विनानु (३) स्त्री० खोटो गभराट

ऊक पु० (प) लू (२) ताप; आच (३) भूल; चूक
ऊकना अ० क्रि० चूकवु, लक्ष्य छूटवु (२) स० क्रि० भूलवु (३) जाळवु; वाळवु
ऊख पु० [स.] 'ईख', शेरडी
ऊखल पु० [स ऊलूखल] ऊखळ; खाड-[णियो
ऊगना अ० क्रि० ऊगवु, 'उठना'
ऊज पु० (प) उपद्रव, उधमात
ऊजड,–र वि० उज्जड, वेरान
ऊजर,–रा वि० (प) ऊजळु
ऊटक-नाटक पु० नकामु के ढगधडा वगरनु काम
ऊटना अ० क्रि० (प) ऊलटमा आवी जवु (२) तर्कवितर्क करवा; 'ऊढना'
ऊटपटाँग वि० उटग, ठेकाणा वगरनु (२) वाहियात, व्यर्थ
ऊडी स्त्री० डूबकी, 'गोता'
ऊढ़ वि० [स.] परणेलु
ऊढ़ना अ० क्रि० (प) परणवु (२) अनुमानवु, तर्कवितर्क करवा
ऊत वि० अपुत्र (२) मूर्ख
ऊतला वि० (प) उतावळु; वेगवाळु
ऊद पु० [अ] अगरु, चदन (२) जुओ 'ऊदविलाव'
ऊदवत्ती स्त्री० अगरवत्ती
ऊदबिलाव पु० जळबिलाडी, 'ऑटर'
ऊदा वि० [अ ऊद, फा कवूद] ऊदु
ऊघम पु० उत्पात; उधमात
ऊधमी वि० उदमातियु
ऊधो पु० उद्धव, ओधवजी
ऊन पु० घेटा वकरानु ऊन (२) वि० [स] कम, बाकी (३) तुच्छ (४) पु० खेद, दुख
ऊना वि० ऊणु, कम, अधूरु
ऊनी वि० ऊननु (२) कम; थोडु (३) स्त्री० उदासीपणु, खेद
ऊपर अ० उपर ऊपर ऊपर अ० चूपकीथी, कोई न जाणे एम -की आमदनी=लाच के तेवी अयोग्य आवक -तले=उपर नीचे (२) एक पछी एक क्रममा -तलेके=एक पछी एक ए क्रमनु (भाई वहेनो माटे). -लेना=हाथ पर जवावदारी लेवी
ऊपरी वि० उपरनु, वहारनु (२) देखाव पूरतु
ऊब स्त्री० कटाळो (२) 'ऊभ'; उमग, उत्साह
ऊबट पु० [स उद्+वर्त्य] कठण अटपटो रस्तो (२) वि० जुओ 'ऊवडखावड' [अटपटु
ऊबड़खाबड़ वि० ऊचु नीचु, असमान;
ऊबना अ० क्रि० कटाळवु, गभरावु
ऊभ वि० (प.) ऊभु (२) स्त्री० कटाळो (३) होश, उमग (४) गरमी
ऊभना अ० क्रि० (प) ऊभवु, ऊठवु
ऊमर पु० उमरडो
ऊमी स्त्री० उवी, घउ, जव वगेरेनु डूडु
ऊरु पु० [स] जाघ [शक्ति
ऊर्ज वि० [स] वळवान (२) पु० वळ;
ऊर्ण पु० [स] ऊन
ऊर्ध्व वि० [स] ऊचु, उपरनी तरफनु, ऊभु
ऊर्मि,-र्मी स्त्री० [स] लहेर; तरंग (२) पीडा; दुख (३) छनी सख्या
ऊल-जलूल वि० असवद्ध; कढगु (२) अनाडी (३) अशिष्ट
ऊषा स्त्री० [स] उषा, वहेली सवार
ऊष्म वि० [स] गरम (२) पु० उष्मा

ऊष्मा स्त्री० [स.] गरमी; ताप (२) उनाळो (३) वाफ, वराळ
ऊसर पु०[स ऊषर]ऊखर–खारी जमीन
ऊह अ०[स] ओह! (२) पु० अनुमान (३) तर्क, दलील (४) अफवा
ऊहापोह पु० तर्कवितर्क; शोच विचार

ऋ

ऋक् स्त्री० [स] वेदनी ऋचा (२) पु० ऋग्वेद
ऋक्ष [स], **-च्छ** पु० रीछ (२) तारो; [नक्षत्र
ऋग्वेद पु० [स] एक वेद
ऋचा स्त्री० [स] वेदनो मत्र
ऋच्छ पु० जुओ 'ऋक्ष'
ऋजु वि०[स] सरळ; सीधु (२) अनुकूळ
ऋर्ण पु०[स] देवु. **–उतरना, –चढ़ना**= देवु ऊतरवु, चडवु. **–पटाना**=देवु पतववु–चूकते करवु
ऋणी वि० देवादार (२) आभारी
ऋतु स्त्री० [सं] मोसम (२) स्त्रीनो मासिक धर्म – रंजोदर्शन
ऋतुम(-व)ती वि०स्त्री०[स] रजस्वला
ऋतुराज पु० [स] वसत ऋतु
ऋत्विज पु०[स.] यज्ञ करावनार ब्राह्मण
ऋद्ध वि० [स.] समृद्ध; सपन्न
ऋद्धि स्त्री० [स] समृद्धि, आवादी
ऋद्धि-सिद्धि स्त्री० [स] रिद्धिसिद्धि
ऋन पु० ऋण **–निया, –नी** वि० ऋणी
ऋषभ पु० [स] पोठियो (२) एक विशेष नाम [तत्त्वज्ञानी
ऋषि पु० [स.] वेदना मत्रोनो द्रष्टा;

ए

ऐंच-पेंच पु० दावपेच; युक्ति
एजिन पु० इजिन
ऐंडा-बेंड़ा वि० सीधु वाकु; आडुअवळु
ऐंड़ी स्त्री० एक जातनो रेशमनो कीडो के तेनु रेशम (२) जुओ 'एडी'
ऐंड़ुआ पु० ऊढण
एकंग वि० एकलु
एकंगा वि० एकागी, एक तरफनु
एक वि०[न] एक. **–आंख न भाना**= जरा पण ठीक न लागवु. **–आंख से देखना**=सौ साथे समान भाव राखवो. **–न चलना**=जरा पण न फाववु; एक पण युक्ति न चालवी
एक-आध वि० एकाद
एक-क़लम अ० एक-झपट; एकीसाथे
एकज,०न्मा पु० [स] शूद्र (२) राजा
एकटक अ० एकीटसे, अनिमेष
एकड़ पु० एकर (जमीन)
एकतरफा वि० [फा] एकतरफी; पक्षपातवाळु, एक वाजुनु [समानता
एकता स्त्री० [स] ऐक्य; मेळ (२)
एकताक वि० (प.) वरावर सरखु

एकतान वि० तल्लीन, एकाग्र
एकतारा पु० एकतारो (तबूरो)
एकतालीस वि० ४१; एकताळीस
एकतीस वि० ३१, एकत्रीस [जगाए
एकत्र अ० [स.] एकठु; भेगु (२) एक
एकत्रित वि० एकठु थयेलु के करेलु
एकदम अ० तरत; झट (२) एकसाथे
एकन्नी स्त्री० एक आनो
एकबारगी अ० [फा] 'इकबारगी'; अचानक(२)एक ज साथे;एक ज वारमा
एक़बाल पु० [अ] जुओ 'इकबाल'
एकमत वि०[स] समत; समान मतनु
एकरदन पु० [स] गणेश
एक़रार पु० जुओ 'इकरार' . [तेवु ज
एकरूप वि० [स] समान (२) जेवु ने
एकल वि० (प) एकलु (२) अजोड
एकला वि० एकलु
एकलौता वि० जुओ 'इकलौता'
एकवांज स्त्री० एक ज सतानवाळी-कांकवध्या
एकवेणी वि० सादो अबोडो बाधनारी (स्त्री) (२) वियोगिनी के विधवा
एकसठ वि० ६१, एकसठ [बधु ज
एकसर वि० एकलु (२) [फा.] तमाम;
एकसाँ वि० [फा] समान, एकसरखु
एकसा वि० (स्त्री०,-सी) समान
एकहत्तर वि० ७१, इकोतेर
एकहत्था वि० एकहथ्थु
एकहरा वि० 'इकहरा', एकवडु -वदन =एकवडो कोठो [एक अकवाळु
एकांकी पु०[स]एक अकनु नाटक(२)वि०
एकांगी वि०[स]एकतरफी (२)हठीलु
एकांत पु० [स] निर्जन जगा (२) वि० तद्दन अलग (३) निर्जन; सूनु
एकांतिक वि० [स] एकने ज लागु पडतु; खास, एकदेशीय
एका पु० एकता, मेळ
एकाई स्त्री० एकम स्थान के तेनी सख्या (२) कोई वस्तुनो घटक-एकम; 'युनिट' (३) एकता
एकाएक(-की) अ० एकाएक, ओचितु
एकाकार वि० [स] एकसमान
एकाकी वि० [स] एकलु
एकाक्ष वि० [स] काणु, एक आखवाळु
एकाग्र वि० [स] एकध्यान, तल्लीन
एकादश वि० [स] अगियार
एकादशाह पु० [स] अगियारमु
एकादशी स्त्री० [स] अगियारश
एकीकरण पु० [स] एक करवु ते
एकेन्द्रिय वि० [स] एक ज इद्रियवाळु (प्राणी) (२) तल्लीन, एकाग्र
एकोतरसो वि० १०१; एकसो एक
एकौझा वि० एकलु
एक्का वि० एकलु (२) पु० टोळाथी अलग फरतु पशु पक्षी (३) एकागाडी (४) गजीफानो एक्को
एक्कावान पु० एकावाळो
एक्की स्त्री० एक बळदनी गाडी;एको (२) गजीफानो एक्को
एक्यानबे वि० ९१, एकाणु
एक्यावन वि० एकावन; ५१; 'इक्यावन'
एक्यासी वि० 'इक्यासी'; एकाशी
एख़नी स्त्री० [फा] मासनो शेरवो
एगानगी स्त्री० [फा] एकता, मेळ (२) मैत्री
एजेन्ट पु० [इ.] एजन्ट; आडतियो
एजेन्सी स्त्री० [इ.] आडत (२) एजन्टनी जगा

एड(-ड़ी) स्त्री० एडी [सपादनकार्य
एडिटर पु० [स] सपादक. -री स्त्री०
एड़ी स्त्री० जुओ 'एड'
एड़ीकाँग पु० [इ] सेनापति इ० नी तहेनातमा हाजर रहेनार कर्मचारी
एतक़ाद पु० [फा] विश्वास
एतदाल पु० [अ] बराबरी, समानता
एतना वि० (प) 'इतना', आटलु
एतबार पु० [अ] इतबार; भरोसो. -उठना=विश्वास जतो रहेवो. -करना, मानना=विश्वास करवो -खोना=विश्वास खोवो-गुमाववो
एतमाद पु० [अ] विश्वास; भरोसो
एतराज पु० [अ] वाघो; विरोध
एतवार पु० 'इतवार', आतवार
एता वि० (प) 'इतना', आटलु
एतिक वि० स्त्री० (प) आटली
एरंड पु० [स] एरडो ०ककड़ी स्त्री०, ०खरबूज़ा.पु० एरणकाकडी, पपैयु
एराक पु० [अ] इराक देश
एलची पु०[तु] राजदूत; एलची ०गीरी स्त्री० एलचीनु काम
एला स्त्री० [स.] इलायची
एवं अ० [स.] एम (२) अने
एवज़ पु० [अ] अवेज, वदलो
एवज़-मुआवज़ा पु०[फा] अदलोबदलो
एवज़ी स्त्री० ,अवेजी माणस
एह स० (प) 'यह', आ
एहतमाम पुं० [अ.] जुओ 'इहतिमाम'
एहतमाल पु०[अ.] सहन करवु ते (२) आशका; सदेह
एहतियाज पु०[अ] जरूरियात; हाजत
एहतियात स्त्री०[अ.] सावधानी; खबरदारी, सभाळ (२) परेज
एहसान पु० [अ.] 'अहसान'; उपकार; कृतज्ञता, आभार
एहसानफ़रामोश पु० [अ] कृतघ्न; अहेसान भूली जनार
एहसानमन्द वि० [अ.] कृतज्ञ
एहो अ० हे; ए

ऐ

ऐं अ० 'एं' एवो, न साभळयु होय त्यारे फरी पूछवाना उद्गार
ऐंचना स०क्रि० एचवु; खेचवु (२) वीजानु करज पोते ओढवु
ऐंचाताना वि० ऐंचाताणु; वाडु
ऐंचातानी स्त्री० खेंचताण; पोतपोताना पक्षनु ताणवु ते [ओळवु (माथु)
ऐंछना स० क्रि० (प.) 'ऊँछना';
ऐंठ स्त्री० एट; ठसको; अकडाई (२) गर्व (३) विरोध; द्वेष
ऐंठन स्त्री० लपेट, वळ; आमळ
ऐंठना स०क्रि० मरोडवु; आमळवु (२) छळथी के डरावीने वसूल करवु (३) अ०क्रि० वळ चडवो; अमळावु (४) अकडावु; अक्कड थई जवु. (पेट ऐंठना=पेट दुखवु) (५) पतराजी-घमड करवो (६) सीधी वात न करवी; वाकु वोलवु
ऐंठा पु० दोरडाने वळ देवाने लाकडानी एक बनावट-ओजार

एँठू वि० मिजाजी;अभिमानी;'एँठ'वाळुं
एँड़ पुं० 'एँठ'; ठसकी; गर्व (२) पाणीनो भमरो (३) वि० नकामु
एँड़दार वि० घमंडी
एँड़ना अ०क्रि० 'एँठना' अ०क्रि० जुओ (२) स०क्रि० आमळवुं (३) 'अँगडाना'; आळस काढवी (४)आळसु पड्या रहेवुं
ऐंड़बैंड वि० (प.) वाकुचूकु; 'एँड़ाबैंडा'
ऐंड़ा वि० (स्त्री०-ड़ी) वांकु
एँड़ाना अ० क्रि० आळस खावी (२) एट देखाडवी
एँड़ा-बैंडा वि० वांकुंचूकुं
ऐ अ० ए; हे; अयि
ऐक्य पु० [स] एकता
ऐगुन पु० (प.) अवगुण
ऐच्छिक वि०[स]इच्छानुसार;मरजियात
ऐजन वि० [अ.] एजन; एनु ए ज; उपर मुजब
ऐज़ाज़ पु० [अ.इअज़ाज़] आदर;सन्मान
ऐतिहासिक वि० [सं] इतिहास सबंधी के तेमा मळतु (२) इतिहास जाणनार
ऐ़दाद स्त्री० [अ. अअदाद] 'अदद'नु व०व०; सख्या; गणना
ऐन पु० अयन; घर (२) [अ.] आख (३) वि० [अ.] योग्य, ठीक (४) बरोबर, पूरेपूरु
ऐनक स्त्री० [अ. ऐ=आँख] चश्मा
ऐपन पु० चोखा ने हळदर भेगा वाटीने करातु एक पीठी जेवु लेपन (पूजामा वपराय छे)
ऐब पु० [अ.] 'एब; दोष, कलक. -निकालना=कशामा दोष बताववो. -लगाना=कलक लगाडवु
ऐबक पु० [फा.] दास; गुलाम
ऐब-गो वि० [फा.] निंदक; एब कहेनारु
ऐब-गोई स्त्री० [अ.+फा.] निंदा
ऐब-जो वि० [अ.+फा] दोषदृष्टिवाळु; एब-दोष जोया करनारु; छिद्रान्वेषी
ऐब-जोई स्त्री० [अ.+फा.] दोषदृष्टि; छिद्र जोवा ते
ऐब-पोश स्त्री० [अ.+फा]एब ढाकनारु
ऐबी वि० [अ] एबवाळु (२) काणु के बीजी रीते खोडवाळु
ऐमाल पु० [अ] काम, करणी
ऐया स्त्री० डोसी के दादीमा
ऐयाम पु० [अ] समय; वखत. -से होना=स्त्रीने अटकाव आववो
ऐयार पु० [अ.] चालाक; उस्ताद
ऐयारी स्त्री० चालाकी; पक्काई; उस्तादी
ऐयाश वि० [अ] आरामी; विलासी (२) विषयी, कामी
ऐयाशी स्त्री० भोगविलास; एशआराम
ऐरा-ग़ैरा वि० [अ.] अजाण्यु (२) तुच्छ; हीन
ऐराब पु० [अ.] झेर, झबर, पेश इ०सज्ञा
ऐरावत पु० [स] ऐरावत हाथी (२) वीजळी के तेथी चमकतु वादळ (३) इद्रधनुष [करवु ते
ऐलान पु० [अ इ-अलोन] घोषणा; प्रगट
ऐवान पु० [फा.] महेल (२) मोटो ओरडो-हॉल
ऐश,०आराम पु० [अ.] एशआराम; चेन
ऐश्वर्य पु० [स]वैभव; सपत्ति (२)प्रभुत्व
ऐसा वि० (स्त्री०,-सी) आवु, आवी जातनु. -तैसा, वैसा=सामान्य; मामूली ऐसी तैसी करना=खराब के बेआबरू करवु
ऐसे अ० आम; आ रीते [सगारनु
ऐहिक वि० [स.] आ लोकनु; दुन्यवी;

ओ

ओ अ० हा, आ (२) ओम्, ॐ
ओकार पु० ओम् मंत्र
ओगना स० क्रि० (गाडीनु पैंडु) ऊजव
ओठ पु० होठ, 'होंठ.' –चबाना=क्रोध अने दुःख प्रगट करवु
ओंड़ा वि० (प.) ऊंडु (२) पु० खाडो
ओक स्त्री० ऊलटी, ओकवु ते (२) पु० खोबो, अंजलि (३) [सं] घर
ओकना अ० क्रि० ओकवु (२) आरडवु
ओकाई स्त्री० ओकवु ते
ओखली स्त्री० [सं उलूखल] खाडणियो. –में सिर देना=कष्ट सहवा तैयार थवु
ओखा वि० रूखु, सूकु (२) कठण; अटपटु (३) खोटु; भळतु (४) आछु (५) पुं० (प) बहानु
ओघ पु० [सं.] समूह; ढगलो
ओछा वि० (स्त्री०–छी) तुच्छ; क्षुद्र; नीच (२) छछ , ऊंडु नहि (३) हल्कुं; नानु (४) कम, ओछु
ओछाई स्त्री० 'ओछापन' ('ओछा' जुओ)
ओज पु० ओजस, तेज
ओजस्वी वि० [सं] तेजस्वी, प्रभावशाळी –स्विता स्त्री०
ओझ, ओझर पु० ओझरी; पेट
ओझल पु०; स्त्री० ओझल; एकांत (२) आड (३) पडदो. –करना=संताडवु. –होना=संतावु; पडदा पाछळ थवु
ओझा पु० [सं. उपाध्याय] (स्त्री० ओझाइन) एक जातनो ब्राह्मण (२) भूत काढनार, भुवो
ओझाई स्त्री० भूवानो कामधंधो
ओट स्त्री० आड, ओथ
ओटना स० क्रि० लोढवु (२) एकनी एक वात कूटवी
ओटनी, ओटी स्त्री० लोढवानो चरखो
ओठँगना अ० क्रि० अठीगवु; टेकवु
ओठँगाना स० क्रि० टेकववु (२) बारणु वासवु
ओड़न पु० ढाल
ओड़ना स० क्रि० ओडवु; रोकवु; वारण करवु (२) हाथ ओडवो; धरवु; पसारवु
ओड़ा पु० मोटो टोपलो (२) खोट; कमी; तोटो
ओढ़ना स० क्रि० ओढवुं (२) पोता पर जवाबदारी लेवी (३) पु० ओढवानु वस्त्र
ओढ़नी स्त्री० ओढणी
ओढ़र पु० बहानु
ओढ़ाना स० क्रि० ओढाडवु
ओत स्त्री० आराम (२) लाभ; बचत (३) आळस (४) वि० [सं] वणेलु
ओतप्रोत वि० [सं.] एकमेकमा मळी गयेलु (२) पु० ताणोवाणो (३) साटु (लग्ननु)
ओता,–तो,–त्ता वि० (प.) 'उतना', एटलु
ओद(–दा) वि० भीनु
ओदन पु० [सं] भात; रांधेला चोखा
ओदा वि० जुओ 'ओद'
ओदारना स० क्रि० चीरवु; फाडवु, [विदारवु
ओनचन स्त्री० खाटलानी पागथनी खेंचवानी दोरी

ओनचना स० क्रि 'ओनचन' खेंचवी
ओना पुं० तळावनुं पाणी नीकळवानो मार्ग – गरनाळु **–लगना** = तळाव एटलु भरावु के 'ओना' थी पाणी नीकळवा लागे
ओनामासी स्त्री० [ॐ नम सिद्धम्] भणतरनो आरभ (२) प्रारभ; मंगळाचरण
ओप स्त्री० ओप (चमक; शोभा; ढोळ)
ओपची पु० बखतरवाळो योद्धो; रक्षक
ओपचीखाना पु० चोकी
ओपना स० क्रि० (२) अ० क्रि० ओपवु
ओफ अ० जुओ 'उफ'
ओबरी स्त्री० नानु घर; कोटडी
ओरंगोटंग पु० (मलाया. ओरग=मनुष्य+ ऊटन=वन) उरागउटाग
ओर स्त्री० [स. अवार] बाजु; तरफ (२) पक्ष (ज्यारे आनी पूर्वे सख्यावाचक वि० आवे छ त्यारे पु० मा उपयोग थाय छे उदा० घरके चारो ओर) (३) अत, आरो. **–निभाना या निबाहना** =अन्त सुधी पोतानु कर्तव्य पूरु करवु
ओरहा पु० 'होरहा', चणानो छोड के पोपटो
ओरा पु० (प.) 'ओला;' करा
ओराना अ० क्रि० पूरु थवु
ओराहना पु० जुओ 'उलाहना'
ओरी स्त्री० 'ओलती'; नेवु
ओलंदेज (-जी) वि० होलॅन्डनु; फिरंगी; वलदानु
ओलंबा,-भा पु० उपालंभ; महेणु
ओल वि० [स.] भीनु (२) पु० सूरण (३) स्त्री० गोद (४) आड (५) ओथ; शरण (६) बहानु
ओलती स्त्री० छापरानु नेवु
ओला पु० 'ओरा'; करा (२) एक मीठाई (३) वि० खूब ठडु
ओलाहना पु० जुओ 'उलाहना'
ओलियाना अ० क्रि० गोदमा भरवु (२) स० क्रि० घुसाडवु; ठासवु; हुलावी देवु
ओली स्त्री० 'ओल'; गोद (२) पालव (३) झोळी
ओषधि, –धी स्त्री० [स] औषध, दवा
ओष्ठ पु० [स] होठ
ओस स्त्री० झाकळ **–पड़ना या पड़ जाना**= चीमळावु (२) उमग जतो रहेवो (३) शरमिंदा पडवु [भेंस
ओसर (–रिया) स्त्री० जोटडु, जुवान
ओसरा पु०, **–री** स्त्री० वारी; अवसर
ओसाई स्त्री० फटकथी अनाज ऊपणवु ते के तेनी मजूरी [ऊपणवु
ओसाना स० क्रि० फटकथी अनाज
ओसार पु० फेलावो; विस्तार; पहोळाई
ओसारा पु० ओसारो, मोटी ओसरी
ओसारी स्त्री० ओसरी
ओसीसा पु० 'उसीसा'; ओसीकु
ओह अ० आश्चर्य, दुख इ० नो उद्गार; ओह ! अरे !
ओहदा पु० [अ] होद्दो
ओहदेदार पु० [फ] होद्देदार [–पडदो
ओहार पु० रथ पालखी वगेरेनो ओढो
ओहो अ० आश्चर्य के आनदनो उद्गार

औ

औंगना स० क्रि० (गाडी) ऊंजवी, 'ओगना'
औंगा वि० [स. अवाक्] मूगु, मूक
औंगी स्त्री० मूगापणु, चूपकी
औंघ(-घा)ना अ० क्रि० 'ऊँघना'; ऊघमा झोकु खावु.
औंघाई स्त्री० ऊघनु झोकु
औंजना अ० क्रि० 'ऊबना', अकळावु
औंठ स्त्री० किनार; काठो
औंड़ा वि० (स्त्री० -ड़ी) ऊडु
औंधना अ० क्रि० ऊधु थवु, ऊलटावु (२) स० क्रि० उलटाववु
औंधा वि० (स्त्री० -धी) ऊधु **औंधी खोपड़ीका**=मूर्ख; जड. **औंधे मुँह गिरना**=वरोवर फसावु (२) भूल करवी
औंधाना स० क्रि० 'औंधना' नु प्रेरक
औकात पु० [अ. 'वक्त'नु व०व०] समय; वखत (२) स्त्री० शक्ति; गजु. -**वसर करना**=जीवननिर्वाह करवो
औगी स्त्री० दोरीनो कोरडो (२) वळदनो परोणो (३) जानवरने फसाववा माटे करातो खाडो
औगुन पु० (प.) अवगुण
औघड़ पु० [सं. अघोर] (स्त्री -ड़िन) अघोरी पयनो माणस (२) मनस्वी; मोजी माणस (३) वि० ओघड; अवघड; विचित्र [अनोखुं
औघर वि० अवघड; विचित्र (२)
औचक अ० अचानक; एकाएक
औचट अ० 'औचक'; अचानक (२) अजाणमा; भूलमा (३) स्त्री० उचाट; साकड; मुश्केली
औचित वि० (प.) निश्चित; वेफिकर
औचित्य पु० [स] उचितता, योग्यता
औज पु० [अ०] ऊचाई (२) प्रताप; तेज; ओजस
औजड़ वि० (प.) अनाडी
औजार पु० [अ] ओजार
औझड़(-र) अ० लगातार; निरतर
औटना स० क्रि० उकाळवु (२) अ० क्रि० ऊकळवु
औटाना स० क्रि० उकाळवु
औढर वि० गमे तेम ढळी जाय एवु; ढोचका जेवु
औथरा वि० (प) छछरुं; 'उथला'
औदार्य पु० [स] उदारता
औद्योगिक वि० [स.] उद्योग सवधी
औध पु० (प.) अवध; अयोध्या
औध,-धि स्त्री० (प.) अवधि; सीमा
औना पौना वि० अर्धुपोणु; थोडु घणु (२) अ० ओछुवत्तु करीने. **औने पौने करना**=जेटलु मळे तेटलामा वेची देवु; फटकारी मारवु
औपचारिक वि० [सं] उपचार सवधी (२) केवळ उपचार पूरतु
औपनिवेशिक वि० [स] उपनिवेश-सस्थान विषेनु
औपन्यासिक वि० [स.] उपन्यास-नवलकथा विषेनु (२) अद्भुत (३) पु० नवलकथाकार

औम स्त्री० [स. अवम] क्षयतिथि
और अ० अने (२) वि० बीजु (३) अधिक. **–का और**=काईनु काई. **–क्या**=हा, बरोबर ए अर्थनो उद्गार
औरत स्त्री० [अ] ओरत; स्त्री
औरेब पु० वक्र गति (२) कपडानो वाको, काप (३) पेच; छळ; युक्ति
औलाद स्त्री० [अ.] ओलाद; वंश
औला मौला वि० मोजी; धूनी; मनस्वी
औलिया पु० [अ. 'अली' नु ब० व०] ओलियो; सिद्ध, पीर [सर्वश्रेष्ठ
औवल वि० [अ.] अवल; प्रथम; मुख्य;
औषध,–धि स्त्री० दवा; ओसड
औसत पु० [अ.] सरासरी (२) वि० मध्यम, साधारण
औसतन् अ० [अ] सरेराशे
औसना अ० क्रि० गरमी पडवी (२) सडवु; वासी थई बगडवु
औसर पु० (प.) अवसर
औसान पु० (प) अवसान, अन्त (२) परिणाम (३) [फा.] सूधबूध; होश
औसाफ पु० [अ.] सद्‌गुण के खास गुण
औसेर स्त्री० (प) जुओ 'अवसेर'
औहाती वि०स्त्री०(प)जुओ 'अहिवाती'

क

कं पु० [स] पाणी (२) सुख (३) अग्नि (४) काम
कंक पु० [स.] एक पक्षी
कंकड़(–र) पु० [स. कर्कर] काकरो; ककर (२) गागडो
कंकडी स्त्री० काकरी (२) गागडी
कँकडी(-री)ला वि०कांकराळु,काकरावाळु
कंकण(–न) पु० हाथनु ककण
कंकरीट स्त्री० [इ. कॉन्क्रीट] कांकरेट
कँकरीला वि० जुओ 'कँकडीला'
कंकाल पु० [स.] हाडपिंजर
कंकाली पु० एक नीच जाति (२) वि० कर्कशा (स्त्री)
कँखवारी स्त्री० बगलमा थतो फोल्लो.
कँखौरी स्त्री० 'कांख'; बगल (२) जुओ 'कँखवारी'
कंगन पुं० कंकण. **–को आरसी क्या?** =प्रत्यक्ष वातनो पुरावो शा माटे?
कँगना पु० ककण (२) ककण बाधता के छोडता गवातु गीत
कँगनी स्त्री० नानु ककण (२) कागरी (३) दातो के दातावाळु गोळ चक्कर; 'कॉग-व्हील' (४) स्त्री० काग अनाज; चीणो
कंगला, कंगाल वि० कगाळ; गरीब
कंगाली स्त्री० कगालियत
कँगूरा पुं० कागरो; शिखर; टोच (२) किल्लानो बुरज
कंघा पु० कासको (२) फणी; 'कघी'. **–करना**=वाळ ओळवा
कंघी स्त्री० नानी कासकी (बे बाजु दातवाळी) (२) फणी. **–चोटी करना** =माथु ओळी करी सजवु
कँघेरा पुं० [स्त्री० –रिन] 'कघा' बनावनार
कंचन पु० कचन; सोनु (२) एक जिप्सी जेवी जात जेमनी स्त्रीओ प्रायः

गुणकानु काम करे छे. –का कौर खिलाना=खूब मथी राखवु –बरसना =खूब धन मळवु . [विश्या
कंचनी स्त्री० कचन जातनी स्त्री (२)
कंचुक पु० [स.] जामो (२) वस्त्र (३) वखतर (४) सापनी काचळी
कंचुकी स्त्री० [स] चोळी (२) पु० अत पुरनो रक्षक (३) साप
कँचुरि,–ली स्त्री०(प.) सापनी काचळी
कँचेरा पु० [स्त्री० –रिन] काचकाम करनारो
कंज पु० [स.] कमळ (२) ब्रह्मा
कंजई वि० राखोडी रगनु
कंजड़(–र) पु० एक रानीपरज(दोरडा भागवा वगेरे काम करे छे)
कंजा पु० [स. करज] एक जातनी काटाळी झाडी (२) वि० राखोडिया रगनु (३) ते रगनी आखवाळु; भूखरी आखवाळु [कजूसाई
कंजूस वि० कृपण; पाजी. –सी स्त्री०
कंटक पु० [स.] काटो (२) विघ्न (३) रोमाच
कंटकित वि० [सं] काटावाळु (२) पुलकित; रोमाचित
कंटर पु० [इ डिकेन्टर] सुदर (दारू वगेरेनो) शीशो
कटाइन स्त्री० भूतडी; डाकण (२) वढकणी स्त्री; कर्कशा
कँटिया स्त्री० खीली (२) माछली पकडवानो आकडो (३) कूवामा नाखवानी त्रिकाडी (४) मायानु एक घरेणु
कँटीला वि० काटावाळु
कंटूनमेन्ट स्त्री० [इ] छावणी, कॅम्प
कंटोप पु० कानटोपी
कंट्रैक्ट पु० कट्राक्ट; ठेको
कंठ पु० [स] गळु (२) अवाज (३) काठो; तट. –करना=मोढे करवु. –खुलना=गळु खूलवु; अवाज बरोबर नीकळवो. –फूटना=गळु खूलवु (२) हैडियो फूटवो. –बैठना=गळु के अवाज बेसवो
कंठमाला स्त्री० [स.] कठमाळनो रोग
कंठा पु० काठलो (२) कपडानो कॉलर (३) कठो; मोटी कठी
कंठाग्र वि० कठस्थ; मोढे
कंठी स्त्री० कं ी. –देना या बाँधना= कठी बाधवी; चेलो करवो –लेना= वैष्णव थवु; मद्य-मास छोडवु
कंडरा पु० एक शाक (२) स्त्री० [स.] धोरी नस
कंडा पु० छाणु –होना=सुकावु; दूबळु पडवु (२) मरी जवु
कंडाल पु० एक वाद्य; तूरी (२) [स. कडोल] धातुनु पाणीनु एक वासण
कंडी स्त्री० नानु छाणु
कंडील स्त्री० [अ. कदील] दीवो (२) (दिवाळीमा) शोभानो करातो कागळनो दीवो
कंडीलिया स्त्री० दीवादाडी
कंत(–थ) पु० (प) कथ; स्वामी
कंथा स्त्री० [स] गोदडी
कंथी पु० कथावाळो; साधु
कंद पु० [स] कदमूळ (२) [फा] साकर
कंदरा स्त्री० [स] गुफा
कंदर्प पु० [स] कामदेव
कंदला पु० सोनाचादीनी चीप के तार
कंदा पु० कद (शकरियु के अळवी)
कंदील स्त्री० [अ.] 'कडील'; दीवो

कंदुक पु० [सं] दडो (२) उशीकु (३) सोपारी (४) एक वर्णबध
कँदैला वि० मलिन; गद्दु ['करधनी'
कँदोरा पु०, कंधनी स्त्री० कदोरो;
कंध पु० (प) डाळी (२) 'कधा'; खभो
कंधा पु० स्कध; खभो. –डाल देना, –डालना = बळदे झूसरु उतारवु (२) नाहिमत थवु के थाकवु –देना = ठाठडी ऊचकवी (२) मदद करवी. कंधेसे कंधा छिलना = खूब भीड होवी
कंधार पु० कदहार नगर
कंधावर स्त्री० झूसरी (२) खेस
कँधेला पु० साडीनो खभा परनो छेडो
कंप पु० कॅम्प (२) [स] कप; कापवु ते
कँपकँपी स्त्री० कपारी, कमकमी
कंपन पु० [स.] कापवु ते, कप
कँपना अ० क्रि० कपवु (२) डरवु
कंपनी स्त्री० [इ] वेपारी मडळी; कपनी. –कागद = चलणी नोट
कंपा पु० पक्षी पकडवानी वासनी एक वनावट
कँपाना स० क्रि० कपाववु (२) डराववु
कंपास पु० [इ] होकायत्र (२) वर्तुल दोरवानो कपास [ते
कंपू पु० कॅम्प; छावणी; कपु
कंपोज पु० [इ] छापवाने बीबा गोठववा
कंपोजिटर पु० [इं.] बीबा गोठववानु काम करनार
कंपौंडर पु० [इ] दवा वनावी आपनार कपाउन्डर
कंवल पु० [स.] कामळो, धावळो
कँवल पु० कमळ
कँवल-गट्टा पु० कमळकाकडीनु बी
कंस पु० [स] कासु के तेनु वासण (२) प्यालो (३) मजीरा (४) कस मामो

कई वि० कई; केटलुक
ककड़ी(–री) स्त्री० काकडी. –के चोरको कटारीसे मारना = कीडी पर कटक आणवु, जरा दोषनी भारे शिक्षा करवी
ककनी स्त्री० जुओ 'कँगनी' (२) एक मीठाई [वर्णमाळा
ककहरा पु० कक्को; क थी ह सुधीनी
ककोड़ा,–रा पु० ककोडु, 'खेखसा'
कखोरना स० क्रि० कोरवु, खोतरवु
कक्कड़ पु० सूको (चलममा पीवानो)
कक्का पु० प्राचीन केकय देश (२) नगारु (३) काको
कक्ष पु० [स] काख, वगल (२) कक्षा; दरज्जो (३) कदोरो
कक्षा स्त्री० [स] कक्षा, श्रेणी, दरज्जो (२) सरखामणी (३) काख, वगल (४) काछडो
कखौरी स्त्री० जुओ 'कँखोरी'
कगर पु० ऊचो किनारो (२) कागरी (३) कोर, किनार (४) अ० किनारा पर (५) पासे
कगार पु० 'कगर'; (नदीनो) ऊचो किनारो (२) टेकरो
कच पु० [स] वाळ (२) कुस्तीनो एक दाव (३) 'कच' एवो कापवा के भोकवानो रव; कच, भच (४) वि० 'कच्चा'नु समासमा आवतु रूप उदा० 'कचपेंदिया'
कचक स्त्री० कचडावाथी वागवु ते
कचकच पु० कचकच; वकवाद
कचकचाना अ० क्रि० कचकचवु (२) दांत कचकचाववा – पीसवा
कच(–ज)कोल पु० भिक्षापात्र

कचदिला वि० पोचा दिलनु; न जीरवी शके एवु [कचपच; कचकच
कचपच पु० गीचोगीच होवु ते; भीड(२)
कचपची(-चिया) स्त्री० कृत्तिका नक्षत्र
कचपेंदिया वि० काचा तळियानु (२) अस्थिर मननु [परिवार
कचबच पु० 'कच्चेबच्चे'; बच्चाकच्चा;
कचर कचर पु० कचर कचर चाववानो अवाज (२) कचकच
कचरकूट पु० खूब कूटवु–मारवु ते (२) खूब पेट भरीने भोजन
कचरना स०क्रि० [सं. कच्चरण] पगथी कचडवु; दबाववु [(३) कचरो
कचरा पु० काकडी (२) काचु खडबूचु
कचरी स्त्री० एक वेल जेना फळ खावामा आवे छे
कचलोंदा पु० कणकनो लूओ
कचलोहू पु० दूझता घामांथी झरतु पाणी
कचवाँसी स्त्री० जमीननु एक माप
कचवाट स्त्री० कचवाट; खेद; अणगमो
कचहरी स्त्री० कचेरी.–चढ़ना=अदालते मामलो लई जवो –लगना=दरबार भरावो; ठठ जामवी [कचाश
कचाई स्त्री० काचापणु(२)कम अनुभव;
कचारना स०क्रि० कपडाने (कचरी धीबीने) धोवा
कचालू पु० एक कद (२) एक जातनी तेनी वानी. –करना, –बनाना = खूब पीटवु
कचिया पु० दातरडु
कचियाना अ०क्रि० हिंमत हारवु; पाछु पडवु (२) शरमावु
कचूमर पु० कचुंबर –करना, निकालना = खूब कूटवु, पाटवु (२) नाश करवु
कचोना स०क्रि० घच दईने खोसवु, भोकवु
कचोरा पु० कटोरो; प्यालो
कचौड़ी(-री) स्त्री० अडदनो दाळ वगेरेना पूरणनी एक प्रकारनी पूरी
कच्चा वि० काचु (२) पु० काचो खरडो (३) जडबु; दाढ –करना= जूठु साबित करवु (२) शरमाववु –पड़ना=जूठु रवु **कच्चे जीका होना**=गभरावु
कच्चा-चिट्ठा पु० खरेखरी वात; रहस्य, गुप्त भेद [वगरनो हाथ
कच्चा हाथ पु० काचो–आवडत
कच्ची वि० स्त्री० काची (२) स्त्री० काची रसोई **–गोली खेलना**=नादान होवु [खाड
कच्ची चीनी स्त्री० ओछी साफ करेली
कच्ची पक्की स्त्री० गाळ
कच्ची बही स्त्री० काचो चोपडो [वात
कच्ची बात स्त्री० अश्लील-लज्जाजनक
कच्ची रसोई स्त्री० दाळभात जेवी पाणीनी–बोटाय एवी रसोई
कच्चे पक्के दिन पु० चार पाच मासनो गर्भकाळ (२) बे ऋतु वच्चेनो गाळो
कच्चे बच्चे पु० कच्चाबच्चा;छोकराछैया
कच्छ पु० [स.] कछोटो (२) काचवे (३) कच्छ प्रदेश [काचवी
कच्छप पु० [स.] काचवो (स्त्री०–पी
कछनी स्त्री० काछडो –काछना –बाधना, –मारना=काछडो मारवं
कछान(-ना) पु० काछडो
कछार पु० [स. कच्छ] समुद्र के नदी किनारानी कापवाळी जमीन
कछु(०क) वि० (प) 'कुछ'; कांई

कछुआ, –वा पु० काचबो
कछुई स्त्री० काचबी
कछोटा, कछौटा पु० 'कछनी'; काछडो; कछोटो [दोष; खोड
कज पु० [फा.] वक्रता, वाकापणु (२)
कजरा पु० काजळ (२) वि० काळी आखवाळो (बळद)
कजरारा वि० काजळवाळु (२) काळु
कंजलाना अ०क्रि० [हिं. काजल] काळु पडवु (२) (देवता) कजळावो; बुझावु (३) स०क्रि० मेश आजवी
कजली स्त्री० मेश (२) गधक ने पारानी कजली (३) एक प्रकारनु (वर्षानु) गीत
कजलौटा पु० काजळनी डबी
क़ज़ा स्त्री० [अ] मरण (२) नसीब (३) नमाज के रोजानो समय चूकवो ते –करना = मरवु
कज़ा(-ज्ज़ा)क़ पु० [तुर्की] लूटारु; कजाक –की स्त्री० लूट (२) दगो; छळकपट
कजावह [फा.], कजावा पु० ऊटनो काठडो
कज़िया पु० [फा.] कजियो; झघडो (२) कोर्टनो झघडो –पाक होना = कजियो पतवो [दोष; खोड
कजी स्त्री० [फा] 'कज'; वक्रता (२)
कज्जल पु० [स] काजळ; मेश
कज्ज़ाक पु०, –क़ी स्त्री० जुओ 'कज़ाक'
कटक पु० [स] फोज; सेना (२) कडु; ककण (३) चटाई; सादडी
कटकई स्त्री० (प) फोज; कटक
कटकट स्त्री० दातोनो कटकट अवाज (२) कचकच, झघडो
कटकटाना अ०क्रि० दात कटकटाववा
कटखना वि० करडे एवु (२) पु० युक्ति
कटघरा पु० लाकडानु (जवु के, –कठेरा-वाळु साक्षी माटे कोर्टमा होय छे) पाजरु
कटड़ा पु० भेसनु पाडु
कटती स्त्री० वेचाण; खपत
कटना अ०क्रि० कपावु (२) वीतवु (३) शरमावु; झखवाणु पडवु ('जाना' नी साथे) कटती कहना = कोईनु कापतु –तेने घसातु कहेवु
कटनी स्त्री० कापवानु ओजार के कापणी. –काटना = आमतेम नाशभाग करवी –मारना = वैशाख जेठमा घास झाखरा खोदी काढवा (खेडवा पहेला)
कटरा पु० नानु वजार (२) पाडु
कटवाँ वि० कपातु के कपायेलु –ब्याज पु० कापतु व्याज
कटवाना स० क्रि० कपाववु
कटसरैया स्त्री० काटासरियो
कटहरा पु० जुओ 'कटघरा'
कटहल पु० [स. कटकि फल] फणस
कटहा वि० [स्त्री० –ही] 'कटखना'; करडे एवु [के मजूरी
कटाई स्त्री० कापवानु – कापणीनु काम
कटाकट पु० कटकट अवाज (२) लडाई; कटाकट
कटाकटी स्त्री० मार-काट; कापाकापी
कटाक्ष पु० [सं] वक्र दृष्टि (२) कटाक्ष; व्यग्य
कटान स्त्री० काटवु ते (२) कापणी
कटाना स० क्रि० कटाववु; कपाववु
कटार, –री स्त्री० कटार हथियार
कटाव पु० कापवु के कापेलु ते (२) कापी करीने बनावेल वेलवुट्टा
कटि स्त्री० [स] केड; कमर [कटिवध
कटिबध पु० कमरपटो (२) पृथ्वीनो

कटीला वि० [स्त्री० –ली] काटाळु (२) अणीदार (३) तीक्ष्ण (४) प्रभाव पाडे एवु; तेजस्वी
कटु [स], ०क वि० कडवु [के वेण
कटूक्ति स्त्री [स] कडवी – अप्रिय वाणी
कटोरदान पु० सोई ढाकी राखवानु एक वासण; गरमु [वाडको
कटोरा पु० (–री स्त्री०) कटोरो;
कटौती स्त्री० कोई रकममाथी अमुक भाग धर्मादा काढवो ते, धर्मादा लागो (२) दलाली (३) अदाजपत्रमा मुकातो काप – 'कट'
कट्टर वि० करडे एवु (२) कट्टर; चुस्त; दृढ (३) हठीलु (४) अधश्रद्धाळु
कट्टहा पु० मरणने अगेनु दान लेनार ब्राह्मण; 'महाब्राह्मण'
कट्टा वि० हृष्टपुष्ट; 'हट्टा-कट्टा' (२) बळवान (३) पु० जडबु; 'कच्चा'
कट्ठा पु० पाच हाथ चार आगळ जेटलु जमीननु एक माप (२)काठा घउ
कठ पु० समासमा आवता (१) काठी, लाकडु के (२) जगली, हलकु ए अर्थ बतावे छे, उदा० 'कठपुतळी; कठकेला' (३) [स.] कठ ऋषि के एक उपनिषद्
कठकेला पु० खासडियु केळु
कठकोला पु० लक्कडफोडो; 'कठफोडवा'
कठड़ा(–रा) पु० जुओ 'कटरा' (२) जुओ 'कठौता'
कठताल पु० करताल
कठपुतली स्त्री० काष्ठनी पूतळी (२) जेम नचावे एम नाचे एवो व्यक्ति
कठफोड़वा पु० जुओ 'कठकोला'
कठबाप पु० बीजो-सावका बाप
कठमलिया पु०कठो पहेरनार-वैष्णव(२) बग-भगत; जूठो साधु
कठमस्त(-स्ता) वि० पाडा जेवु अलमस्त; हृष्टपुष्ट (२) व्यभिचारी (–स्ती स्त्री०)
कठरा पु० जुओ 'कठडा'
कठला पु० मादळियु के तेवी बच्चाने पहेरावाती माळा
कठवत स्त्री०,–ता पु० जुओ 'कठौला'
कठिन वि० [स] कठण
कठिनता, कठिनाई स्त्री० कठणाई
कठिनी स्त्री० लखवानो चाक; खडी
कठिया वि० कठण (२) कठण कोटलावाळु. उदा० 'कठिया बदाम, गेहू'
कठियाना अ० क्रि० सुकाईने लाकडा जेवु थई जवु
कठौला, कठौता पु० लाकडानु एक पहोळु मोटु वासण; कथरोट
कठोर वि०[स.] कठण(२)निर्दय;निष्ठुर
कठौता पु० जुओ 'कठौला'. –ती स्त्री० नानी कथरोट
कड़क स्त्री० कडाको; गर्जना (२) चपळता; तडपवु ते (३) दर्दनो चसको (४) रोकाईने बळतरा साथे पेशाब थवानो रोग
कडकड़ पु० कडकड अवाज
कड़कडाता वि० कडकड अवाज करतु (२) तेज; प्रचड
कड़कड़ाना अ०क्रि० कडकड अवाज थवो (२) (घी इ०) ककडवु (३) स०क्रि० कडकड अवाज साथे तोडवु (४) (घी इ०) ककडाववु
कड़कडाहट स्त्री० ककडाट; कडकड अवाज

कडकना अ०क्रि० कडकड अवाज करवो (२) जोरथी तडूकीने अवाज करवो (३) कडाका साथे फाटवु के तूटवु
कडखा पु० [हिं. कडक] लडाईमा गावानु युद्धगीत, कडखो
कड़खैत पु० कडखद–कडखो गानार
कडवड़ा वि० काळा ने धोळा वाळवाळु
कडबी स्त्री० जारनी कडब; 'कडवी'
कडवा वि० कडवु; 'कडआ'
कड़वी स्त्री० जुओ 'कडबी'
कड़ा पु० कडु (२) वि० [स. कडु] [स्त्री० –डी] कठण (३) लूखु (४) उग्र; सखत; दृढ (५) तेज;प्रचड (६) मुश्केल; दुष्कर (७) असह्य (८) कर्कश
कड़ाई स्त्री० 'कडा'-पणु
कड़ाका पु० कडाको [लाघो(२)अवाज]
कड़ाकेका वि० जोरदार; तेज; खूब
कड़ाबीन स्त्री० [तु कराबीन] नानी के नानी नाळनी बदूक
कडाहा पु० [स.कटाह, प्रा कडाह] कढैयुं
कड़ाही स्त्री० कडाई
कड़ी स्त्री० [हिं कडा] साकळनी एक कडी (२) कडी लटकाववानो आकडो (३) गीतनी कडी (४) लगाम (५) मुश्केली; मुसीबत
कडआ वि० [स्त्री० कडुई] कडवु (२) क्रोधी (३) अप्रिय; कटु (४) कठण; 'कडा'.–करना=धन वगाडवु –घूंट= कडवो घूटडो, कठण काम. –मुंह=कटु वोलनार मोढु. –होना=गुस्से थवु
कडआ तेल पु० सरसियु
कडआना अ०क्रि० कडवु लागवु (२) गुस्से थवु (२) आखमा कळतर थवु
कडआपन पु०,**कड़आहट** स्त्री०कडवापणु
कड़ुए कसैले दिन पु० व० व० खराब– दुःख, पीडा के चिंताना दहाडा
कढ़ना अ०क्रि० [स कर्षण] नीकळवु; बहार आववु; उदय थवो (२) नातरे जवु (३) (दूध) घाटु थवु – कढवु
कढ़ाई स्त्री० कडाई; 'कडाह' (२) 'कढना' परथी नाम
कढ़वाना, कढ़ाना स० क्रि० कढाववु ('काढना' नु प्रेरक)
कढ़ाव पु० वेलबुट्टा काढवा ते
कढ़ी स्त्री० खावानी कढी –का सा उबाल=क्षणिक जोशनो ऊभरो –में कोयला=दाळमा काळु
कढ़ोरना स०क्रि० (प.) खेंचवु; घसडीने बहार काढवु
कण पु० [स] कण; दाणो –णिका स्त्री० नानो कण
क़त पु० [अ] कत; कलमनो काप
कत अ० (प) केम? शा माटे?
कतई अ०[अ] विलकुल,एकदम;नितात
कतना अ०क्रि० कतावु;'कातना'नु कर्मणि
कतन्नी स्त्री० 'कतरनी'; कातर
कतब पु० जुओ 'कत्वा'
कतरन स्त्री०कातरवामाथी पडता रद्दी कापला–कापलीओ
कतरना स०क्रि० [स कर्त्तन] कातरवु
कतरनी स्त्री० कातर, 'कैंची'
कतरब्योंत स्त्री० कापकूप; आम तेम करवु ते (२) जोवु विचारवु ते; गडभाग
कतरवाना स०क्रि०कतरावयु;'कतराना'
कतरा पु०[अ]टुकडो;खड (२) बुद;बिंदु
कतराई स्त्री० कातरवानु काम के तेनी मजूरी

कतराना स०क्रि०कतरावबु (२)अ०क्रि० कतराता जवु; वाका फटावु
कतल पु० [अ. कत्ल] कतल; हत्या
कतलबाज़ पु० शिकारी; जल्लाद
कतला पु० [अ कतरा] खाद्यनो टुकडो; फाक (२) एक माछली
कतलाम पु० [अ कत्लेआम] सर्वसहार; कतलेआम
कतली स्त्री० नानो टुकडो (मीठाई वगेरेनो)
कतवाना स० क्रि० कतावबु
कतवार पु० कूडोकचरो; रद्दी घास [वगेरे
कतहुँ (–हूँ) अ० क्याय; कोई जगाए
कता स्त्री०[अ. कतअ] वनावट; आकार (२) ढग (३) कपडानु वेतरण; 'कट'
कताई स्त्री० कातवु ते के तेनी मजूरी
क़ता-कलाम पु० [अ] वातमा वच्चे कहेवा लागवु–पडवु ते
कताना स० क्रि० 'कतवाना'
क़तार स्त्री० [अ] पक्ति; हार (२) समूह; जूथ
कतारा पु० लाल मोटी शेरडी
कति(०क,-तेक) वि० केटलु; केवडु
कतिपय वि० [स] केटलुक
कतेक वि० जुओ 'कतिक'
कतौनी स्त्री० जुओ 'कताई'
कत्ता पु० छरो; वास फाडवानु ओजार
कत्तिनस्त्री० (मजूरी पर)कातनारी स्त्री
कत्ती स्त्री० छरी, कटार
कत्थई वि० कथ्थाई (रगनु)
कत्थक पु० गावा वजावा ने नाचवानु काम करती एक जात [झाड
कत्था पु० [ग ववाय] काथो के तेनु
कत्बा पु० [अ] (मकान मसीद वगेरे पर लखातो के कोतरातो) लेख

कत्ल, कत्लेआम पु० [अ.] जुओ अनुक्रमे 'कतल', 'कतलाम'
कथंचित् अ० [सं] कदाच
कथक पु० [स] कथाकार (२) पुराणी (३) जुओ 'कत्थक'
कथकीकर पु० काथानु झाड
कथक्कड़ पु० कथा कहेनार
कथना स०क्रि० कहेवु [बकवाद
कथनी स्त्री० (प्र) कथनी; वात (२)
कथरी स्त्री० गोदडी; कथा
कथा स्त्री० [स] कथा; वार्ता (२) धर्मनी कथा (३) खबर; हाल (४) वादविवाद; बोलाबोली
कथानक पु० [स.] कथा (२) नानी कथा
कथावस्तु स्त्री० [स.] वार्तानु वस्तु
कथित वि० [सं कहेलु; कहेवायेलु
कथोपकथन पु० [स] वातचीत (२) वादविवाद
कदंब पु० एक झाड; 'कदम' (२) ढगलो
कद स्त्री० [अ. कद्द] द्वेष (२) हठ (३) अ० [स कदा] क्यारे
कद पु० [अ.] कद; ऊंचाई
क़द-आवर वि० [अ +फा] कदावर; ऊचु
कदम पु० कदबनु झाड
क़दम पु० [अ] कदम; पगलु **–उठाना** =पग उपाडवा, जलदी चालवु. **–निकालना** =(घोडाने) पलोटवो, केळववो. **–फरमाना, रजा करना**= पधारवु; आववानी के जवानी तस्दी लेवी. **–बढाना**=पग उपाडवो (२) आगळ वधवु **-भरना**=चालवु; पगलु माडवु **–मारना**=दोडधाम करवी; (चालवामा) खूब झपाटो मारवो. **-लेना**=चरणस्पर्श करवो

क़दमचा पु० [फा.] पग मूकवानी जगा, जेवी के जाजरूमा
कदमबोसी स्त्री० [अ.] मोटाने पगे लागवु ते; तेमनी शुश्रूषा
कदर स्त्री० [अ.] कदर; किंमत
कदरज वि० कदरज; कजूस (२) पु० एक पापीनु नाम
कदरदाँ(-दान) वि०गुणग्राही;कदरदान
कदराई स्त्री० कायरता; भीरुता
कदर्य वि० [स] कदरज; कजूस
कदली स्त्री० [स] केळ
क़दह पु० [अ] कटोरो; वाडको
कदा अ० [स] क्यारे ?
कदाच(-चि) अ० (प) कदाच; रखेने
कदाचित् अ० [स] कदाच (२) क्यारेक
कदापि अ० [स] क्यारे पण (प्राय. नकार जोडे)
कदामत स्त्री० [अ] कदीमपणु -पसंद वि० जुनवाणी; 'कॉन्झर्वेटीव'
कदीम(-मी) वि० [अ] जूनु, पुराणुं
कद्द पु० [फा] जुओ 'कद'
कदूरत स्त्री० [अ.] मेल; गंदापणु (२) वैमनस्य; अणबनाव
क़द्दावर वि० [फा] कदावर
कद्दू पु० दूधी (तूमडा घाटनी) (२) कोळु; 'कुम्हडा'
कद्दूकश पु० [फा] छीणी
कद्दूदाना पु०[फा] झाडामा नीकळता धोळा नाना अमुक कीडा
कद्दे-आदम वि०[अ]कदमा माणस जेटलु
कधी अ० कदी. -कधार=कदी कदी
कन पु० कण (२) प्रसाद (३) भिक्षान्न (४) शरीरशक्ति (५) समासमा 'कान' बदले आवे छे. उदा० 'कनपटी'
कनक पु० घउनी एक जात (२) घउनो लोट (३) [स] सोनु (४) धतूरो
कनकटा पु० कानकट्टो (२) कान कापी लेनारो [एक रोग
कनकटी स्त्री० कानना पाछला भागनो
कनकना वि० जरामा तूटी जाय एवु; बरड (२) जरामा चिडाय एवु; चीडियु (३) खजवाळ लागे एवु (४) अरुचिकर. (नाम ०हट स्त्री०)
कनकनाना अ०क्रि० खजवाळ लागवी (२) न रुचवु
कनकी स्त्री० कणकी [आनावारी
कनकूत पु० खडो पाक आकवो ते;
कनकौवा पु० कनकवो; पतग
कनखजूरा पु० कानखजूरो
कनखियाना स०क्रि० त्रासी नजरे जोवु के आंखथी इशारो करवो
कनखी स्त्री० त्रासी नजरे जोवु ते (२) आखनो इशारो -मारना=आखथी इशारो करवो के ना कहेवु
कनखोदनी स्त्री०कानखोतरणु-तेनी सळी
कनगुरिया स्त्री०(कानमा नखाती) सौथी नानी आगळी
कनछेदन पु० कान वीधवा ते
कनटोप पु० कानटोपी
कनपटी स्त्री० कान ने आख वच्चेनी जगा; लमणो
कनफटा पु० कानफटो; गोरखपंथी साधु
कनफुँका वि० [स्त्री० -की] कानमा मंत्र फूकनार (गुरु)
कनफुसका वि०[स्त्री०-की] कानफूसियु
कनफुसली स्त्री० कानफोसणी
कनरस पु० सगीत के वातो साभळवानो रस (वि० -सिया)

कपिल वि०[स] भूरु (२) धोळु (३) पु० एक ऋषि [गाय
कपिला स्त्री०[स]कपिल रगनी(सीधी)
कपिश,-स वि० माटी रगनु
कपूत पु० कुपुत्र; खराब छोकरो
कपूर पु० कपूर पदार्थ
कपूरी वि० कपूरनु बनेलु के तेना रगनु (२) पु० तेवो रग (३) कपूरी पान
कपोत पु० [स] कबूतर (२) पक्षी
कपोती स्त्री० कबूतरी (२) वि० कबूतरना रगनु
कपोल पु० [स]गाल [बनावटी वात
कपोलकल्पना स्त्री० [स] गप; जूठ;
कपोलकल्पित वि०[स] बनावटी; जूठु
कप्तान पु०कॅप्टन(वहाण या सेना इ०नो)
कफ पु० शरीरनो कफ (२) [फा] हथेळी के पगनु तळियु (३) फेण (४) [इ] खमीसनो कफ. कफे अफसोस मलना=पस्तावामा हाथ घसवा
कफगीर पु० [फा.] कडछी
कफन पु० [अ.] शबनु कफन. –को कौड़ी न रखना=कमावु एटलु वापरी नाखवु –को कौड़ी न होना या रहना=अत्यत गरीब होवु. –फाड़कर बोलना=एकदम जोरथी बोलवु –लपेटना, सिरसे बाँधना=जान जोखममा नाखवो; मरणिया थवु.
कफन-खसोट वि० (नाम, –टी) कजूस; अत्यत लोभी
कफनाना स०क्रि०कफनमां मडदु लपेटवु
कफनी स्त्री० फकीरनो चोळो; कफनी
कफस पु० [अ] पाजरु (२) पक्षीनी चबूतरी (३)केदखानु (४)हवा उजास वगरनी साकडी जगा (५) शरीर

कफा(–फ़्फा)रा पु० [अ] पापोनु प्रायश्चित्त
कब अ०क्यारे? –का, के, से=क्यारनु
कबड्डी स्त्री० हुतुतुतु
कबर स्त्री० जुओ 'कब्र'. ०स्तान पु० जुओ 'कब्रिस्तान'
कबरा, –री वि० [स कर्बर, प्रा कब्बर] (स्त्री०–री) काबरु; काबरचीतरु
कबरिस्तान पु० [अ] कबरस्तान
क़बल अ० [अ.] पहेला, पूर्वे (२) वि० पूर्वनु; पुराणु
क़बस पु० [अ] पेटनु एक दरद
क़बा पु० [अ] एक जातनो लाबो ने खूलतो झब्बो [के काम
कबाड(–र) पु० रद्दी नकामी वस्तु
कबाड़ा पु० नकामी वात; झझट
कबाड़िया, कबाड़ी पु० भाग्या तूटचा के रद्दी मालनो वेपारी (२) नकामु के तुच्छ काम करनारो(३)झघडाखोर
कबाब पु० [अ] मासनी एक वानी
कबाबी वि० कबाब वेचनार (२) मासाहारी
क़बाय पु० 'कबा'; एक जातनो झब्बो
कबार पु० रोजगार; वेपार (२)'कबाड'
कबाला पु० [अ] कबालो; वेचाणखत; सोदानो दस्तावेज
क़बाहत स्त्री० [अ] बूराई; दुष्टता (२) मुश्केली; अडचण [सत कबीर
कबीर वि० [अ] श्रेष्ठ; महान (२)पु०
कबीला स्त्री० [अ] स्त्री; जोरु (२) कबीलो; परिवार
कबुलवाना,कबुलाना स०क्रि० कबुलावबु
कबूतर पुं० [फा] कबूतर; कपोत
कबूतरबाज़ वि० [फा] कबूतर पाळनार

कबूद वि० [फा] आसमानी; नील
क़बूल पु० [अ] स्वीकार; कबूलत
क़बूलना स० क्रि० कबूलवु; स्वीकारवु
क़बूलियत स्त्री० [अ] कबूल-मजूरीनो दस्तावेज; कबूलतनामु
क़बूली स्त्री० [फा] चणानी दाळनी खीचडी [कबजियात
क़ब्ज़ पु० [अ] ग्रहण; पकड (२)
क़ब्ज़ा पु० [अ] (तलवारनी) मूठ; दस्तो (२) कब्जो; अधिकार (३) नरमादा; बरडवा
क़ब्ज़ादार पु० [फा] कब्जो धरावनार आसामी (२) वि० कबजावाळु
क़ब्ज़ियत स्त्री० [अ.] कबजियात
क़ब्र स्त्री० [अ] क़बर. **–में पाँव** या **पैर लटकाना**=मरण पासे होवु (२) बहु घरडा थवु
कब्र(–ब्रि)स्तान पु० [फा] कब्रस्तान
कभी अ० कोई पण वखते; क्यारे पण. **–कभी, –कभार**=अवारनवार; क्यारे क्यारे **–का** अ० क्यारनु; घणा वखतथी **–न कभी**=कोई ने कोई वखते
कभू अ० (प) जुओ 'कभी'
कमंगर पु० [फा कमानगर] कमान बनावनार (२) हाडवैद (३) चितारो (४) वि० दक्ष; निपुण
कमंगरी स्त्री० 'कमंगर'नो धधो के काम
कमंचा पु० गारडी फेरववानु कामठा जेवु ओजार
कमंडल पु० कमडळ (साधुनु)
कमंडली वि० कमडलु राखनार; साधु (२) पाखडी (३) पु० ब्रह्मा
कमंडलु पु० [स.] (साधुनु) कमडळ
कमंद पु० कबन्ध (प.) (२) [फा] जगली पशुने बाधवानो पाश
कम वि० [फा] थोडु; ओछु (२) खराब (प्राय. समासमा) जेम के कमनसीब
कमअसल वि० [फा + अ.] वर्णसकर
कमख़ाब पु० [फा.] किनखाब
कमची स्त्री० [तु] पातळी सोटी; चाबुक
कमच्छा स्त्री० कामाक्षी देवी
कमज़ोर वि० [फा] कमजोर; अशक्त (नाम –री स्त्री०)
कमठ पु० [स.] काचबो (२) कमठाळु; वास (३) साधुनी तूमडी
कमठा पु० [सं. कमठ] कामठु; धनुष्य
कमठी स्त्री० कमठाडु (२) [स] काचबी
कमतर वि० [फा] बहु ओछु
कमती स्त्री० (२) वि० कमी; ओछु
कमनीय वि० [स.] सुदर; मनोहर
कमनैत पु० बाणावळी; तीरदाज
कमबख़्त वि० [फा] कमनसीब; दुर्भागी (नाम, **–ख़्ती** स्त्री०)
कमयाब वि० [फा] दुर्लभ
कमर स्त्री० [फा] केड; कमर **–टूटना**= निरुत्साह, निराश थवु
कमर पु० [फा.] चद्रमा
कमरकोट,–टा पु० किल्लानी उपरनी (कागरा इ०वाळी) वडी के दीवाल
कमरख स्त्री० कमरखी के कमरख फळ
कमरखी वि० कमरखना आकारनु
कमरबंद पु० [फा] कमरबध (पटो, नाडु इ०) (२) वि० तत्पर
कमरा पु० कोटडी; ओरडी (२) कॅमेरा (३) कामळो
कमरिया पु० एक प्रकारनो हाथी

कमल पु०[स.]कमळनु फूल के वेलो (२) कमळो रोग [वीज
कमलगट्टा पु० कमळकाकडी; कमळनु
कमलवाई स्त्री० कमळानो रोग
कमला स्त्री०[स.] लक्ष्मी (२) कातरा जेवु एक जीवडु (३) अनाजमा पडतु एक जतु; 'टोला' [(स) ब्रह्मा
कमली स्त्री० नानी कामळी (२) पु०
कमवाना स०क्रि० 'कमाना' नु प्रेरक
कमसिन वि० [फा.] कम उमरनु
कमसिनी स्त्री० [फा.] बाळपण
कमसे कम अ० ओछामा ओछु (२) काई नहि तो
कमाई स्त्री०कमाणी के तेनु काम के धधो
कमाऊ वि० कमाउ; कमानारु
कमान स्त्री० [फा] धनुष (२) कमान (घरनी) (३) तोप के बदूक
कमान स्त्री० [इ कमान्ड] लश्करी आज्ञा के नोकरी
कमाना स०क्रि० कमावु (२) कमाववु; केळववु; कसीने दृढ करवु (३) नानु मोटु (सेवानु) काम करवु(४)कम करवु
कमानिया पु० जुओ 'कमनैत'
कमानी स्त्री० स्प्रिंग; कमान
कमाल पु०[अ] सपूर्णता (२) कुशळता (३) अद्भुत काम (४) वि० कमाल
कमालियत स्त्री० [अ] कमालपणु
कमासुत वि० कमाउ (२) उद्यमी
कमिटी स्त्री० [इ] कमिटी; समिति
कमिश्नर पु० [इ] कमिशनर
कमिश्नरी स्त्री० कमिशनरनी कचेरी के तेनु काम के तेनी हकूमतनो प्रदेश
कमी स्त्री० [फा] कमी; ऊणप (२) हानि; नुकसान

क़मीज़ (-स) स्त्री० [अ.] खमीस
कमीन पु० वसवायु
कमीना वि० [फा] कमी; ओछु; क्षुद्र. [नाम -नगी,-नी (स्त्री०),०पन पु०]
कमीशन पु० [इ] कमिशन; दलाली (२) खास काम माटे नीमेलु मडळ-कमिशन
क़मीस स्त्री० जुओ 'कमीज़'
कमून पु० [अ] जी
कमूनी वि० [फा.] जीरावाळु के जीरा सबधी (२) स्त्री० (जीरानी) एक दवा
कमेटी स्त्री० कमिटी; समिति
कमेरा पु० काम करनारो; मजूर; नोकर
कमेला पु०पशु मारवानी जगा;कतलखानु
कमोरा पु० माटीनु एक वासण (जेवु के घडो; माटलु)
कमोरी स्त्री० माटली; नानो 'कमोरा'
कम्बख़्त वि० [फा.] कमवख्त; कमनसीव
कम्मा पु० ताडपत्र पर लखेलो लेख
कम्युनिज़्म पु० [इ] साम्यवाद
कम्युनिस्ट पु० [इ] साम्यवादी
क़यापा पु० [अ] चहेरो; सिकल; सूरत ०शिनास वि० [फा] चहेरो जोई मननो भाव समझनार
क़याम पु० [अ] रोकावु ते के तेनी जगा, विश्राम (२) स्थिरता; निश्चय
कयामत स्त्री० [अ] कयामत (२) प्रलय (३) ऊथलपाथल; खळभळाट
क़यास पु० [अ] क्यास; ख्याल, अनुमान. -दौड़ाना, -लगाना, -लड़ाना = क्यास वाघवो; ख्याल दोडाववो -में आना = समजावु, ख्यालमा आववु
क़यासी वि० कल्पित; ख्याली
करंक पु० [म.] हाडपिंजर

कबूद वि० [फा] आसमानी; नील

क़बूल पु० [अ] स्वीकार; कबूलत

कबूलना स० क्रि० कबूलवु; स्वीकारवु

क़बूलियत स्त्री० [अ.] कबूल-मजूरीनो दस्तावेज; कबूलतनामु

क़बूली स्त्री० [फा] चणानी दाळनी खीचडी [कबजियात

क़ब्ज़ पु० [अ] ग्रहण; पकड (२)

क़ब्ज़ा पु० [अ] (तलवारनी) मूठ; दस्तो (२) कब्जो; अधिकार (३) नरमादा; बरडवा

क़ब्ज़ादार पु० [फा] कब्जो धरावनार आसामी (२) वि० कबजावाळु

कब्जियत स्त्री० [अ.] कबजियात

क़ब्र स्त्री० [अ] क़बर. **—में पाँव** या **पैर लटकाना**=मरण पासे होवु (२) वहु घरडा थवु

कब्र(—ब्रि)स्तान पु० [फा] कब्रस्तान

कभी अ० कोई पण वखते; क्यारे पण. **—कभी, —कभार**=अवारनवार; क्यारे क्यारे. **—का** अ० क्यारनु; घणा वखतथी. **—न कभी**=कोई ने कोई वखते

कभू अ० (प) जुओ 'कभी'

कमंगर पु० [फा कमानगर] कमान वनावनार (२) हाडवैद (३) चितारो (४) वि० दक्ष; निपुण

कमंगरी स्त्री० 'कमगर'नो धधो के काम

कमंचा पु० सारडी फेरववानु कामठा जेवु ओजार

कमंडल पु० कमडळ (साधुनु)

कमंडली वि० कमडलु राखनार; साधु (२) पाखडी (३) पु० ब्रह्मा

कमंडलु पु० [स] (साधुनु) कमडळ

कमंद पु० कवन्ध (प.) (२) [फा] जगली पशुने वाधवानो पाश

कम वि० [फा] थोडु; ओछु (२) खराव (प्रायः समासमा) जेम के कमनसीब

कमअसल वि० [फा+अ] वर्णसकर

कमख़ाब पु० [फा.] किनखाव

कमची स्त्री० [तु] पातळी सोटी; चाबुक

कमच्छा स्त्री० कामाक्षी देवी

कमज़ोर वि० [फा.] कमजोर; अशक्त (नाम **—री** स्त्री०)

कमठ पु० [स] काचबो (२) कमठाळु; वास (३) साधुनी तूमडी

कमठा पु० [सं. कमठ] कामठु; धनुष्य

कमठी स्त्री० कमठाडु (२) [स.] काचवी

कमतर वि० [फा] वहु ओछु

कमती स्त्री० (२) वि० कमी; ओछु

कमनीय वि० [स] सुदर; मनोहर

कमनैत पु० वाणावळी; तीरदाज

कमबख़्त वि० [फा] कमनसीव; दुर्भागी (नाम, **—ख़्ती** स्त्री०)

कमयाब वि० [फा.] दुर्लभ

कमर स्त्री० [फा] केड; कमर **—टूटना**=निरुत्साह, निराश थवु

कमर पु० [फा.] चद्रमा

कमरकोट,—टा पु० किल्लानी उपरनी (कागरा इ०वाळी) वडी के दीवाल

कमरख स्त्री० कमरखी के कमरख फळ

कमरखी वि० कमरखना आकारनु

कमरबंद पु० [फा] कमरवध (पटो, नाडु इ०) (२) वि० तत्पर

कमरा पु० कोटडी; ओरडी (२) कॅमेरा (३) कामळो

कमरिया पु० एक प्रकारनो हाथी

करवरना अ० क्रि० कलरव करवो
करवला पु० [अ] तावूत डुबाडवानी जगा (२) निर्जळ प्रदेश (३) कब्रस्तान (४) (स) हजरत हुसेनने ज्या मार्या ते स्थान [(२) कमर; केड
करभ पु० [स] हाथी के ऊटनु वच्चु
करम पु० कर्म; काम (२) करम; नसीव (३) [अ.] महेरवानी; कृपा (४) उदारता
करमकल्ला पु० करमकल्लो; कोवी
करमठ, करमी वि०, कर्मठ; कर्मकाडी
कर(-ल)मुँहा वि० जुओ 'कलमुँहाँ'
करवट स्त्री० [स करवर्त] पासाभेर सूवु ते; पासु -खाना, -होना=फरी जवु -न लेना=कोई कार्य विषे ध्यान न राखवु -बदलना, -लेना=पासु वदलवु (२) पलटवु करवटें बदलना= पथारीमा वेचेन पासा घस्या करवा
करवट, करवत पु० [स करपत्र] करवत; आडियु -लेना =(काशीए) करवत मेलाववु
करवर स्त्री० विपत्ति; सकट; मुसीवत
करवा पु० करवडो; धातु माटीनो नाळवाळो लोटो. ०चौथ स्त्री० कारतक वद चोथ (स्त्रीओ 'करवा'थी गौरी-पूजा करे छे)
करवाना स० क्रि० करावनु; 'कराना'
करवार(-ल) पु० [स करवाल]तलवार
करवाली स्त्री० नानी तलवार; कटार; 'करौली'
करवीर पु० [स] करेण (२) तलवार
करवैया वि० करनार; करवैयो
करश्मा पु० [फा.] चमत्कार; अद्भुत करामत

करष(-षा) पु० [स कर्ष] वेर; अणवनाव
करष(-स)ना स० क्रि० (प) आकर्षवु; खेचवु (२) सूकववु (३) समेटवु; एकठु करवु
करसान पु० किसान; खेडूत
करसायर(-ल) पु० काळो मृग
करसी स्त्री० छाणाना टुकडा
करह पु० ऊंट (२) फूलनी कळी
करांत पु० करवत
करांती पु० वेरणियो [साप
कराइत पु० 'करैत'; एक झेरी काळो
कराई स्त्री० काळप; शामळापणु (२) करवानी के करावववानी हिंमत (३) दाळनु भूसु
कराना. स० क्रि० करावनु [सगाई
क़राबत स्त्री० [अ] समीपता (२) सवध;
क़राबा पु० [अ] मोटो काचनो शीशो
क़राबीन स्त्री० [तु] जुओ 'कडावीन'
करामात स्त्री० व० व० चमत्कार; 'करश्मा'
करामाती वि० सिद्ध; चमत्कारी
क़रार पु० [अ] स्थिरता (२) धीरज; सतोष (३) आराम; चेन (४) करार; वायदो, ठराव (५) [स कराल?] कराड; भेखड; 'करारा' -आना=आराम थवो; चेन पडवु. -देना=नक्की करवु; ठराव करवो. -पाना=ठरवु; नक्की थवु
क़रार-दाद पु० [अ.+फा] लेणदेणने अगेनो करार
करारा पु० कराड; भेखड (२) वि० कराल; तीक्ष्ण; तेज; कठोर
कराल वि० [स] विकराळ; भयानक
कराव(-वा) पु० नातरु; कोईने त्या ठाम वेसवु ते
कराह पु० पीडाथी आह करवु ते

करंज,–जा पु० [स] जुओ 'कजा'
करंड पु० [स] मधपूडो (२) करडियो के टोपली
करंतीना पु० [इ. क्वोरेंटाइन] चेपी रोगना स्थानमाथी आवनारने अमुक वखत एक स्थाने रोकी लेवामा आवे छे ते जगा
कर पु० [स] हाथ (२) किरण (३) करवेरो (४) हाथीनी सूढ (५) (प) 'का'–'नु' सवधक प्रत्ययना अर्थमा
करई स्त्री० एक माटीनु वासण (२) अनाजनो भडार
करक स्त्री० जुओ 'कडक' (२) [स.] करवडो; कमडलु (३) दाडम
करकट पु० 'कतवार'; कचरो
करकना अ०क्रि० जुओ 'कड़कना'
करकरा वि० [स कर्कर] ककरु
करकराहट स्त्री० ककरापणु(२)आखमा काकरी पडवानी पीडा
करकस वि० (प.) कर्कश
करखा पु० जुओ 'कड़खा'(२)उश्केरणी (३) मेश; 'करिखा'
करगह, करघा [फा. कारगाह] पु० साळ के तेनी पावडीनो खाडो
कर(–ल)छा पु० कडछो
कर(–ल)छी स्त्री० कडछी
करछुला पु० मोटो कडछो (भाडभूजानो)
करज पु० [स] नख (२) आगळी
करण पु० [सं] ओजार; साधन (२) इद्रिय (३) देह; शरीर (४) (व्या) त्रीजी विभक्तिथी सूचवातो अर्थ
करणीय वि० [स] करवा योग्य
करतब पु० कर्तव्य; काम (२) हुन्नर; कळा (३) करामत; जादु
करतबी वि० पुरुषार्थी (२) निपुण; 'करतब'वाळु (जुओ 'करतब')
करतल पु० [स.], –ली स्त्री० हथेळी
करता पु० कर्ता (२) बदूकनी गोळी जाय तेटलु अतर
करतार पु० परमेश्वर; जगकर्ता
करताल पु०, –ली स्त्री० [सं.] हाथनी ताळी (२) वगाडवानी करताल (३) मजीरा [कळा; हुन्नर
करतूत(–ति) स्त्री० करतूक; काम(२)
करद वि०[स] कर आपनार; आधीन (२) स्त्री० [फा कारद] छरी
करदा पु० खरीदेला मालमा कचरो इत्यादि होय ते खाध के ते पेटेनु बारदान कपाय ते (२) नवा माल पेटे जूनो आपी बदलो करता उपर आपवानु रहेतु बाकी वळतर
करदोरा पु० कदोरो
करधनी स्त्री० कदोरो
करधर पु० वादळ; मेघ
करनफूल पु० काननी फूलवाळी
क़रनबीक़ पु०[अ.] अर्क काढवानु एक नानु वासण [स०क्रि० करवु
करना पु० एक जातनु मोटु लीबु (२)
करनाई स्त्री० [अ करनाय] शरणाई
करनाटक पु० कर्णाटक प्रात –की पु० कर्णाटकी (२) जादुगर के खेलाडी
करनाल पु० [अ. करनाय] 'करनाई' (२) मोटु ढोल (३) एक जातनी तोप
करनी स्त्री० करणी (२) मरणक्रिया (३) कडियानु लेलु [अमलदार
करनैल पु०[इ कर्नल] एक ऊचो लश्करी
करपर वि० कृपण; कजूस (२) स्त्री० (प) कर्पर; खोपरी

क़र्न पु० [अ] लावो समय
कर्पूर पु० [स] कपूर
कर्बुर पु०[स.] सोनु (२) वि० कावरु
कर्म पु०[स.] कर्म; काम (२) करम; नसीव (३) क्रियाकर्म
कर्मक(–का)र पु० लुहार के सोनी(२) नोकर (३) वळद (४) वेठियो
कर्मचारी पु०[स]कार्यकर्ता(२)अमलदार
कर्मठ वि०[स.] कार्यकुशळ (२) सध्या-पूजा इ० नियमित करनार
कर्मण्य वि०[स] उद्योगी; प्रयत्नशील
कर्ममास पु० [स] श्रावण मास
कर्मयुग पु० [स] कलियुग
कर्र पु०[अ] विजय (२) वैभव; प्रभाव. –व फर्र=वैभव अने शोभा
कर्रा वि० 'कडा'; कठण; मुश्केल
कर्राना अ०क्रि० 'कर्रा' थवु
कलक पु० [स] डाघ (२) एव
कलँगी स्त्री० कलगी
क़लंदर पु०[अ] एक जातनो मुसलमान विरागी साधु (२) मदारी
कल पु० [स] मधुर ध्वनि (२) वि० सुदर (३) स्त्री० [स कल्य, प्रा. कल्ल] आरोग्य (४) आराम; सुख; कळ; सतोष (५) अ० काले (६) स्त्री०कळा; युक्ति (७) कळ, यत्र –पाना=कळ वळवी; शाति के सतोप थवो –से अ० आरामथी (२) धीरे धीरे
क़लई स्त्री०[अ] कलाई (२) वहारनो ओप (३) चूनाथी धोळवु ते. –उड़ना, उतरना=कलाई ऊतरवी. –करना, पोतना=धोळवु –करना, होना= कलाई करवी के थवी. –खुलना=उघाडु पडवु –न लगना=युक्ति ना चालवी
क़लईगर पु०कलाई करनारो;कलाईवाळो
कलईदार वि०[फा.]क़लाई करेलु [खेद
क़लक पु० [अ] वेचेनी (२) दुःख; चिंता;
कलकल पु० [स] खळखळ झरणु वहे ते अवाज (२) कोलाहल (३)स्त्री० झघडो
कलका वि० थोडा दिवसनु; कालनु
कलकानि स्त्री० हेरानगत; मुश्केली
कलक्टर पु० कलेक्टर
कलगी स्त्री० [तु] पक्षी के मुगट इ० नी कलगी (२) मकाननो उपरनो भाग
कलछा, कलछी जुओ 'करछा, करछी'
कलछुला पु० जुओ 'करछुला'
कलत्र स्त्री० [स] स्त्री; पत्नी
कलदार वि० कळ–चावी के चापवाळु (२) पु० कलदार रूपियो
कलधूत पु०[स.] चादी [मधुर ध्वनि
कलधौत पु० [स] सोनु (२) चादी (३)
कलप पु० [स कल्प] वाळनो कलप (२) जुओ 'कलफ'
कलपना अ० क्रि० कल्पात करवु; कलपवु (२) स० क्रि० कापवु
कलफ़ पु० कपडानी अस्तरी करवामा नखातो आर(२)चहेरा परनु काळु चाठु
कलबल पु०'उपाय; युक्ति (२) कलवल; गरवड
कलबूत पु० [फा. कालबूद] कालबूत(२) (पाघडी टोपी इ० नो) फरमो
कलम पु०, स्त्री० कलम (लखवानी के रोपवानी) (२) चित्रकारनी पीछी के शिल्पीनु टाकणु (३) धरु करी ववातु धान(४)कान पासे हजामतमाथी वाकी रखाता नाना वाळ –खींचना, फेरना, वा मारना=लखेलु रद करवु; चेकी नाखवु –तोड़ना=लखवामां हद करवी

कराहना अ० क्रि० पीडाथी आह आह करवु ['कडाही'
कराहा, कराही जुओ अनुक्रमे 'कडाहा',
कराहियत स्त्री० [अ] अप्रसन्नता; अणगमो (२) अयोग्य के निंद्य काम (३) घृणा; 'नफरत'
करिखई स्त्री० 'कराई'; काळप
करिखा पु० 'करखा'; मेंश
करिणी [स], –नी स्त्री० हाथणी
करिया वि० काळु (२) पु० खलासी (३) हलेसु
करिहाँ(०व) स्त्री० कमर; कटि
करी पु० [सं.] हाथी
क़रीन वि० [अ] निकट; सगत; जोडेनु
करीना पु०[अ]रीत; ढग [लगभग
क़रीब अ० [अ] पासे; नजदीक (२)
करीम वि० [अ] दयाळु (२) पु० ईश्वर
करीर [स.], –ल पु० वासनो फणगो (२) काटाळु एक झाड; केरडो
करीह वि० [अ] चीतरी चडे एवु; घृणाजनक
करुआ वि० (प.) कडवु; 'कड़ुआ'
करुआई स्त्री० (प) कडवापणु; कटुता
करुण वि० [स] दयाळु (२) पु० करुण रस; दया
करुणा स्त्री० [स.] दया (२) शोक
करे(–ले)जा पु० 'कलेजा'; कलेजुं
करेब स्त्री० [इ. क्रेप] करेप; एक वारीक रेशमी कपडु
करेमू पु० एक भाजी
करेर वि० कठोर
करे(–रैं)ला पु० कारेली के कारेलु
करैत पु० जुओ 'कराइत' [माटी
करैल, –ली मिट्टी स्त्री०काप जेवी काळी
करैला पु० जुओ 'करेला'
करोड़ वि० करोड संख्या
करोडी पु० खजानची
करोदना, करोना स० क्रि० खणवु; खोतरवु, खोदवु
करौंदा पु० [सं. करमर्द] करमदी
करौत.पु० 'करॉत'; करवत (२) स्त्री० रखात–दासी
करौता पु० करवत (२) जुओ 'करावा'
करौती स्त्री० आरी (२) नानो 'करावा' (३) काचनी भठ्ठी
करौली स्त्री० जुओ 'करवाली'
कर्कट पु० जुओ 'करकट'
कर्कर पु०[स] करकर (२) वि० ककरु
कर्कश वि० [सं] कठोर (२) पु० तलवार (३) शेरडी
कर्चूर पु० [स] सोनु
क़र्ज़ (–र्ज़ा) पु०[अ]करज;देवु –उठाना, –खाना,–लेना=देवु करवु(२)सपाटामा आववु. –उतारना, –पाक करना=देवु चूकते करवु
क़र्ज़ख़ाह पु० लेणदार
क़र्ज़दार पु० देवादार
क़र्ज़ा पु० जुओ 'कर्ज़'
कर्ण पु० [स] कान (२) सुकान (३) काटखूण त्रिकोणनी कर्णलीटी (४) (स.) कर्ण [सुकान
कर्णधार पु०[स.] नाविक; सुकानी (२)
कर्त्तन पु०[स.] कापवु ते (२) कातवु ते
कर्त्तव्य पु० [स.] फरज (२) वि० करवा योग्य
कर्त्ता पु० [स.] कर्ता
कर्त्तार पु० करतार; प्रभु
कर्दम पु०[सं] कादव (२) मास (३) पाप

कलुषाई स्त्री० चित्तनी कलुषता
कलुषित वि० [स.] पापी; मलिन; दोषित
कलूटा वि० [स्त्री० –टी] काळु
कलेऊ पु० 'कलेवा'; नास्तो
कलेजा पु० कलेजु; काळजु (२) छाती. –उलटना=ऊलटी करता जीव गभरावो. –ठडा करना=सतोषवु –निकलना=जीव जवा जेवु लागवु. –निकाल कर रखना=सर्वस्व दई देवु –पक जाना=सहन करी करीने थाकी जवु –मुँहको या मुँह तक आना=आकुळव्याकुळ के बेचेन थवु; गभरावु. कलेजें पर साँप लोटना= काई साभरी आवता शोक थवो
कलेजी स्त्री० पशुना काळजानु मास
कलेवर पु०[स] शरीर (२)खोखु; 'ढाचा'
कलेवा पु० नास्तो, (२)भाथु (३)कलवा जेवी विवाहनी एक रीत. –करना= खाई जवु (२) मारी नाखवु
कलैया स्त्री० गुलाट; गोटमडु .
कलोर स्त्री० वाछडी
कलोल पु० कल्लोल
कलोलना अ० क्रि० कल्लोलवु; आनदवु
कलौंजी स्त्री० एक जातनु शाक
कलौटा वि० जुओ 'कलूटा'
कल्कि पु० [स] कल्कि अवतार
कल्प पु० [स] (ब्रह्माना दिवस जेटलो) लाबो काळ(२)वेदनु (छमानु) एक अग
कल्प-तरु, –द्रुम पु० [सं] कल्पवृक्ष
कल्पना स्त्री० [सं] रचना; बनावट (२) मननी कल्पनाशक्ति (३) कल्पी काढेली वात; मान्यता
कल्पवास पु० [स] माह महिनामा गगातट पर सयमपूर्वक वास –एक व्रत
कल्पान्त पु० [स] प्रलय
कल्पित वि० [स] कल्पेलु
क़ल्ब पु० [अ] हृदय (२) बुद्धि (३) मध्य भाग (४) खोटी चादी के सोनु
कल्मष पु० [स.] पाप; मेल
कल्माष वि० [स] कावरचीतरु(२)काळु
कल्य पु० [स] सवार.(२) शराव
कल्याण पु० [स] कल्याण; भलु (२) सोनु (३) एक राग (४) वि० भलु; सारु
कल्लर पु० 'कल्हर'; खारी माटी; ऊस (२) ऊखर जमीन
कल्लाँच वि० जुओ 'कल्लाश' (२) शठ; वदमास; गुडो
कल्ला पु० अवाज (२) अकुर (३) दीवानु मोढियु (४) [फा. कल्ला] जडबु (५) गळु; बकरी इ०नु माथु –मारना=डिंग मारवी; छाटवु
कल्लातोड़ वि० जडबातोड; जबरदस्त
कल्लादराज़ वि० [फा] बहु बोलनार; बकवादी. [नाम –ज़ी स्त्री०]
कल्लाना अ० क्रि० वागवाथी के कशाथी चामडी बळवी; बळतरा थवी (२) असह्य थवु
क़ल्लाश वि० [तु] गरीब; कगाळ (२) नफट; निर्लज्ज (३) दारुडियो
कल्लोल पु० [सं] तरग; मोजु(२)क्रीडा; गमत; आनद
कल्लोलिनी स्त्री० [स] नदी
कल्ह अ० 'कल'; काले
कल्हर पु० जुओ 'कल्लर'
कल्हारना स० क्रि० तळवु (२)अ०क्रि० 'कराहना'; दु खनो उद्गार काढवो
कवच पु० [स.] बखतर (२) ढांकण (३) मोटु ढोल; डंको

कलम-कसाई पु० [अ.] भणेलो छता लोकने हानि करनारो
क़लमतराश पु० [फा] चाकु
कलमदान पु०[फा] कलमदानी; कलम-खडियो राखवानो डब्बो के तेवु साधन
कलमबन्द वि० लखेलु (२)ठीक; बरोबर
क़लम-रौ स्त्री० [फा] राज्य; सल्तनत
कलमा पु०[अ] वाक्य; वात (२) कलमो –पढ़ना=मुसलमान थवु (२) कशामा खूब श्रद्धा राखवी
कलमी वि०[अ.] लखेलु;'कलमबन्द'(२) कलमी (आबो इ०) [(३) अभागी
कलमुँहाँ वि० काळा मोनु (२) कलंकित
कलवरिया स्त्री० दारूनु पीठु
कलवार पु० कलाल
कलश(–स) पु०[स] कळश; घडो (२) मदिर इ० नु शिखर
कलसा पु० कलश; कळशियो (२) मदिरनु शिखर
कलसी स्त्री० नानो 'कलसा'
कलह पु० [स] झघडो; लडाई
कलहनी, कलहारी वि०स्त्री० लडकणी; झघडाळु (स्त्री)
कलही वि० कलहप्रिय; लडकणु
कलाँ वि० [फा] मोटु, वडु
कला स्त्री०[स] कळा (२) युक्ति; छळ
कलाई स्त्री० हाथनु काडु (२) 'कलावा' नु अल्पतावाचक रूप [–वरफी
कलाकंद पु०[फा.] मावानी एक मीठाई
कलाधर पु० [स] चंद्र (२) शकर
कलाप पु०[स.] झुड; गुच्छ (२) मोरनु पूछ (३) चद्र (४) वाणनु भाथु
कलापी पु० [स] मोर (२) कोयल
कलाबत्तू पु०[तुर्की–कलावतून]कलावूत; सोना चादीना तारवाळो रेशमी दोरो के तेनु मोळियु [उस्ताद
कलाबाज़ वि० खेलकूद के नटक्रियामा
क़लाबाज़ी स्त्री० गुलाट; गोटमडु –करना, खाना=गोटमडु खावु
कलाम पु०[अ] वाक्य (२) वातचीत (३) प्रतिज्ञा (४) वाधो; खचको
कलार(–ल) पु० 'कलवार'; कलाल
कलावा पु० सूतरनु कोकडु; लाल नाडाछडीनु कोकडु
कलिंग पु०[स] कलिगडु, तडबूच (२) कालिंगडो राग (३) एक प्राचीन देश
कलिंदी स्त्री०[स]कालिंदी; जमना नदी
कलि पु० [स] झघडो (२) पाप (३) कलियुग (४) वि० काळु
कलिका स्त्री० [स] कळी
कलिमल पु० [स] पाप
क़लिया पु०[अ] रसादार पकावेलु मास
कलियान पु०[फा] एक जातनो हूको
कलियाना अ०क्रि० कळीओ वेसवी (२) पक्षीने पाख आववी
कलियुग पु० [स.] कळियुग
कलींदा पु० कलिंगड; तडबूच
कली स्त्री० फूलनी के पहेरणनी कळी (२) पक्षीनी नवी आवेली पाख (३) हूकानो नीचेनो भाग (४)[अ कलई] पथ्थर वगेरेना टुकडा जेनो चूनो वने छे –लेना=झाडने कळी वेसवी
कलील वि० [अ] अल्प; थोडु
कलीसा पु०[फा] यहूदी के ख्रिस्ती देवळ
कलीसिया पु०यहूदी के ख्रिस्ती धर्ममडळ
कलुख, –प [स] पु० पाप; मेल (२) वि० पापी; मलीन

क़सम स्त्री० [अ] कसम; सोगन. –उतारना=नामनु काम करवु –दिलाना, देना, रखना=कसम खवडाववा. –लेना=कसम खावा
कसमसाना अ०क्रि० सळवळवु;खळभळवु (२) गभरावु; आघुपाछु थवु [नाम कसमसाहट स्त्री०]
कसर स्त्री० [अ] कसर; ऊणप (२) द्वेश; वेर (३) दोष; विकार –काढ़ना, निकालना= जनी वाकीनी भरपाई करवी; कसर काढवी (२) वेर लेवुं
कसरत स्त्री० [अ.] कसरत; व्यायाम (२) अधिकता; वैपुल्य
कसरत-राय स्त्री० [अ.] बहुमती
कसरती वि० कसरत करनारु (२) दृढ ने मजबूत (शरीर)
कसवाना स०क्रि० (कसीने) बधाववु
कसाई पु० (स्त्री०–इन) कसाई (२) वि० निर्दय
कसाना अ०क्रि० कसाणु थवु (२) कटावु (३) स०क्रि० 'कसना'नु प्रेरक;'कसवाना'
कसाफत स्त्री० [अ] गदकी (२) स्थूळता
क़साव पु० 'कस्साव'; कसाई
कसार पु० [स कृसर] कसार
कसाला पु० कष्ट (२) महेनत
कसाव [स. कषाय] कसाणापणु; काट
क़सीदा पु०[अ] स्तुति के निंदा करता काव्यनो एक प्रकार
कसीदा पु० जुओ 'कशीदा' [जाडु
कसीफ वि० [अ] गदु; मेलु (२) स्थूळ;
कसीर वि० [अ] घणु; बहु
कसीस पुं० हीराकशी
कसूंभा वि० [सं. कुसुभ] कसुबी
क़सूर पु० [अ.] कसूर; गुनो; अपराध
क़सूरमद, कसूरवार वि०[फा] गुनेगार; अपराधी
कसे वि० [फा] कोई (व्यक्ति)
कसेरा पु० [स्त्री०–रिन] कसारो
कसैला वि० [स्त्री० –ली] कसाणु; कषाय स्वादनु
कसैली स्त्री० सोपारी [वाडको
कसोरा पु० वाडको; कटोरो(२)माटीनो
कसौटी स्त्री०[स. कषपट्टी, प्रा. कसवट्टी] कसोटी [(वि०, –रिया)
कस्तूर (–रा,–रिया)पु० कस्तूरी मृग
कस्तूरी,–रिका स्त्री० [स.] कस्तूरी
क़स्द पु० [अ.] इरादो
क़स्दन् अ०[अ]इरादापूर्वक;जाणी जोईने
कस्ब पु० [अ.] कसब; धधो; हुन्नर-कळा (२) पेदाश (३) वेश्यावृत्ति
क़स्बा पु० [अ.] क़सबो
कस्बात पु० ब० व० 'कसबा' नु
कस्बाती वि० कसबामा रहेनारु
कस्बी वि०[अ] कसबी; कसबवाळु (२) स्त्री० वेश्या
कस्मिया अ०[अ.]कसम खाईने;सोगनथी
कस्र पु० [अ.] महेल [(गणित)
कस्र स्त्री० [अ] अंश (२) अपूर्णांक
क़स्र–आशारिया पु० दशाश अपूर्णांक
कस्साव पु० [अ.] कसाई; 'क़साव'. ०खाना पु० कतलखानु
कहँ अ० (प) 'कहाँ'; क्या (२) बीजी तथा चोथीना प्रत्यय तरीके वपराय छे
कह-कशाँ स्त्री० [फा] आकाशगगा
कह-कहा पु०[फा.] अट्टहास्य. –लगाना= खडखड हसवु
कहगिल स्त्री० भीत लीपवानी गार
क़हत पु०[अ] खूब अछत (२) दुकाळ

कवन स० (प.) 'कौन'; कोण
कवर पु० [इ] कवर; पूठु के परबीडियु (२) [स] वाळनो गुच्छो (३) मीठु(४) [स. कवल] कोळियो
कवरी स्त्री० [स.] वेणी
कवल पु० [स] कोळियो
कवलित वि० [स.] कोळियो कराई गयेलु; भक्षित
क़वाम पु० [अ.] 'किमाम'; चासणी; उकाळीने मध जेवो करेलो रस
क़वायद पु० [अ. 'कायदा' नु ब०व०] नियम; शिस्त (२) स्त्री० कवायत (३) व्यवस्था; शिस्त (४) व्याकरण
कवि पु० [स] कवि; काव्य रचनार (२) [स] शुक्राचार्य
कविता स्त्री०[स] पद्यरचना; काव्य
कवित्त पु० कवित्व; कविता
क़वी वि०[अ.] जबरु, बळवान; मजबूत
कवीठ पु० 'कैथा'; कोठु
क़वी-हैकल वि० [अ] कदावर; मोटु
कवेला पु० कागडानु बच्चु
कवेलू पु० नळियु ['क़ौवाल'
क़व्वाल पु० [अ.] कवाली गानार;
क़व्वाली स्त्री०[अ] कवाली; 'कौवाली'
कश पु० [स] चाबुक (२) [फा] खेंच; आकर्षण (३) हूका के चलमनो दम
कशक़ा पु० [फा] टीलु; तिलक
कश-मकश स्त्री० [फा] खेचताण (२) भीड; धक्काधक्की (३) विचारमा पडवु ते
कशा स्त्री० [स] दोरी (२) चाबुक
कशिश स्त्री०[फा] खेच; आकर्षण (२) अणबनाव. -शे-सिक़्ल स्त्री० [फा.] गुरुत्वाकर्षण
कशीदगी स्त्री०[फा]वैमनस्य;अणबनाव
कशीदा पु० [फा.] कशीदो; जरीनु भरतकाम (२) वि० खेंचेलु
कश्ती स्त्री०[फा] कस्ती, होडी (२) धातुनो टाट (३) शेतरजनु एक महोरु – हाथी
कश्नीज़ पु० [फा] धाणा
कश्मीर पु० काश्मीर प्रदेश
कश्मीरी वि० काश्मीरनु, तेने लगतु (२) स्त्री० काश्मीरी भाषा (३) पु० काश्मीरनो वतनी के त्यानो घोडो
कषाय वि० [स.] तूरु (२) गेरु रगनु (३) पु० मनना विकार (जैन)
कष्ट पु० [स.] दुःख; पीडा (२) सकट
कस पु० परीक्षा; कसणी (२) काबू; वश (३) कस; सार (४) [फा.] व्यक्ति; माणस (५) स्त्री० बाधवानी कस (६) (प) केम ? केवी रीते ? –का = काबूमा होय ते; आधीन
कसक स्त्री० सणको; सळक (२) जूनु वेर (३) इच्छा; होश (४) सहानुभूति. –निकालना = जूनु वेर वाळवु
कसकना अ० क्रि० चसको के लपको मारवो; सळकवु
कसकुट पु० कासु – मिश्र धातु
कसना स० क्रि० कसवु (खेचवु; तग करवु; पारखवु; पीडवु इ०)(२)ठासीने भरवु (३) अ०क्रि० तग थवु; जकडावु (४) ठासाईने भरावु
कसनी स्त्री० बाधवानी रसी (२)कसणी (३) परीक्षा
कसब पु० जुओ 'कस्ब'
क़सबा पु० जुओ 'कस्बा'
कसबी वि० जुओ 'कस्बी'

कांता स्त्री० [स] पत्नी; प्रिय स्त्री
कांतार पु०[स] गाढु वन [सौंदर्य
कांति स्त्री०[सं] चमक; तेज(२)शोभा;
कांती स्त्री० (प.) वीछीनो डख (२) कातु; छरी
कांदना अ०क्रि० [स क्रदन] रोवु
कांदव पु० कादव; 'कॉदो'
कांदा पु० कादो; डुगळी (२) कादव
कांदो पु० कादव
कांध पु० (प) काध; खभो. –देना= मदद करवी –मारना=दगो देवो
कांप स्त्री० काने पहेरवानो काप– एक घरेणु (२) पतगनी कमान
कांपना अ०क्रि० कापवु; ध्रूजवु
कांय कांय, कांव कांव कागडानी काका (२) शोरबकोर
कांवर(–रि) स्त्री० कावड
कांवरिया पु० कावडवाळो; कावडियो
कांस पु० एक जातनु घास
कांसा पु० कासु (२) जुओ 'कासा'
कांसागर, कांसार पु० कासानु काम करनार–कसारो
का छठ्ठी विभक्तिनो प्रत्यय (स्त्री० –की)(२)व्रजभाषामा 'किस', 'कौन'ना विभक्तिरूपनो आदेश जेम के 'काको,' 'कामो'
काई स्त्री० लील (२) मेल (३) काट. –छुडाना=मेल के दु खदारिद्र दूर करवुं
काऊ अ० (प) कदी (२) सर्व कोई (३) कशु; काई
काक पु० [स] कागडो
काकदंत पु० (ला) असंभव वात
काकरेज, काकरेजी पु० [फा] काळो– कावरेज, घेरो लाल जावली रग

काका पु० काको
काकाकौआ, काकातूआ पु० काकाकौवो
काकी स्त्री० काकी (२) [स] कागडी
काकु पु० [स] व्यगमा बोलवु ते
काकुल पु० [फा] कान पर लटकती लट
काख पु० [फा] मोटु आलेशान मकान; महेल
काग पु० कागडो
कागज़ पु० [अ] कागळ (२) दस्तावेज (३) छापु (४) सरकारी नोट –का रुपया=चलणी नोट –की नाव= नाशवत के नकामी वस्तु –पत्र= कागळपत्र (२) दस्तावेज
कागज़ात पु० व० व० [अ.] कागळपत्र
कागज़ी वि० कागळनु के कागळ जेवु पातळु (जेम के कागज़ी नीबू) (२) लखेलु (३) पु० कागदी
कागद पु० कागळ; 'कागज'
काग़र पु० (प) कागळ (२) पीछु
कागारोल पु० कागारोळ; शोरबकोर
काच पु० [स] काच; 'कॉच'
काचा वि० (प) 'कच्चा'; काचु
काछ पुं० [स कक्ष] पेढु ने जांघ वच्चेनो भाग (२) काछडी
काछना स० क्रि० काछडी घाल्वी (२) हथेळी के चमचीथी उपर उपरथी लेवु
काछनी स्त्री० 'कछनी'; काछडी
काछा पु० काछडो
काछी पु० काछियो
काछे अ० (प) पासे, नजीक
काज पु० काज; काम (२) प्रयोजन (३) धधोरोजगार (४) बटनतो गाज
काजर(–ल) पु० काजळ

क़हतज़दा पु० दुकाळियो; खूब भूख्यो
क़हतसाली स्त्री०[अ.] दुकाळनो समय
कहता पु० कहेनार
कहन स्त्री० कथन (२) वचन; वात (३) कहेवत (४) कवन; कविता
कहना स०क्रि० कहेवु –बदना=नक्की करवु कहबदकर=प्रतिज्ञापूर्वक; दृढ सकल्पथी. कहनेकी बात=कहेवा मात्र –खरेखर नहि एवी वात
कहनावत, कहनूत स्त्री० कहेवत
कहनी स्त्री० कथनी; 'कहानी'
क़हर पु० [अ] केर; जुलम (२) क्रोध (३) आफत (४) वि० भयकर. –टूटना =आफत आववी.–ढाना=केर वर्तावविो
क़हरन् अ० [अ]वळजोरीथी
कहल पु० कठारो; बफारो
कहलना अ० क्रि० तापथी बफावु;कठवु
कहलवाना, कहला(–वा)ना स० क्रि० कहेवडाववु
कहवाँ अ० (प) क्या ?
क़हवा पु० [अ] कावो; वुद; कॉफी
कहाँ अ० क्या ?
कहा पु० कहेण; आज्ञा (२) स० शु ? (व्रजभाषा) (३) अ० (प) केवी रीते
कहाकही स्त्री० वोलावोली; 'कहा-सुनी'
कहाना स० क्रि० कहाववु
कहानी स्त्री० कहाणी; कथा (२) जूठी –कहेवानी वात
कहार पु० पालखी इ० ऊचकनार–भोई
कहावत स्त्री०कहेवत(२)मरणनी चिठ्ठी
कहा-सुना पु० भूलचूक (कहेलु साभळेलु)
कहा-सुनी स्त्री० तकरार; वोलावोली
कहीं अ० कोई जगाए, कही; क्या
कहुँ(–हूँ) अ० (प.) जुओ 'कही'

काँइयाँ वि० चालाक; पाकु; पहोचेल
काँकर पु० (प) काकरो –री स्त्री० काकरी –चुनना=दु खमा दिवस काढवा
काँख स्त्री० काख; बगल
काँखना अ० क्रि० कराजवु (२) श्रम के पीडाथी ऊह् करवु
काँखासोती स्त्री० जनोई पेठे खेस पहेरवानी रीत
कांखी वि० (प) काक्षी; इच्छतु'
काँगडी स्त्री० काश्मीरमा गळे पहेराती नानी शगडी
कांग्रेस स्त्री ०कॉन्ग्रेस; महासभा –सी वि० कॉन्ग्रेसने लगतु(२)पु० कॉन्ग्रेसमॅन
काँच स्त्री० काछडी (२) काच
कांचन पु० [स] सोनु (२) धतूरो
काँचरी(–ली) स्त्री० सापनी काचळी
काँजी स्त्री०आथो चडवा दईने वनावातो एक खाटो प्रवाही पदार्थ (२) फाटेला दूधनु के दहीनु पाणी [ढोरनो डवो
काँजी-हाउस स्त्री० [इ काइन-हाउस]
काँटा पु० काटो (२) कूवामा नाखवानी विलाडी (३) हिसावनो ताळो (४) आकडो (रास्तेमें)काँटा बिछाना=वच्चे विघ्न नाखवु –बोना=बूराई करवी. –होना=वहु दूवळु थवु काँटेकी तोल = बरोवर तोल. काँटोमें घसीटना =अति प्रशंसा करवी
काँटी स्त्री० नानो कांटो (२) खीली
काँठा पु० कठ (२) काठलो (३) काठो
काँडना स०क्रि० कचरवु; कूटवु
काँड़ी स्त्री० जमीनमा दाटेली खाडणी (२) वास के लाकडानो नानो टुकडो
काँड़ी-क़फन पु० ठाठडीनो सामान
कांत पु० [स] पति

कानीन वि०[स.] कन्याथी पेदा थयेल
कानीहाउस पु० जुओ 'काँजी-हाउस'
क़ानून पु० [फा.] कायदो. –छाँटना, बघारना, लड़ाना=कानूनी चर्चा–कायदाबाजी करवी;तर्कबाजी लडाववी
कानूनगो पु० [फा.] तलाटीओनो एक उपरी-अमलदार
कानूनदाँ पु० [फा.] कानून जाणनार
कानूनदानी स्त्री० [फा] कायदानु ज्ञान
कानूनन् अ० [अ] कायदेसर
कानूनिया वि० कानून जाणनार (२) तकरारखोर
कानूनी वि० कायदा कानूनने लगतु, ते सबधी
कानोकान अ० कानोकान; एकथी बीजे काने
कान्फरेन्स स्त्री० [इ] परिषद
कान्स्टिटयुशन पु० [इ] राज्यबधारण
कान्स्टेबिल पु० [इ] पोलीसनो सिपाई
कान्ह, ०र पु० कहान; श्रीकृष्ण
कान्हडा पु० कानडो राग
कापालिक पु० [स] कपाली बावो–शिवभक्त
कापाली पु० [स] शकर; महादेव
कापी स्त्री० [इ] कॉपी; नकल के नोट
कापुरुष पु० [स] कायर, बायलो माणस
काफ पु० [अ] अरबी-फारसी वर्णमाळानो एक अक्षर (२) एक कल्पित पर्वत. –से काफ तक=आखा विश्वमा
काफिया पु०[अ]काफियो; अत्य अनुप्रास –तग करना=पजववु
काफिर वि० [अ] एक जातिनु (अफघानिस्तानना सरहद परनी) (२) काफर; गेरमुस्लिम (३) नास्तिक (४) निर्दय (५) दुष्ट
काफ़िरिस्तान पु० [अ.]अफघानिस्तानना 'काफिर' जातनो प्रदेश
काफिरी स्त्री०'काफिरिस्तान' नी भाषा
काफ़िला पु० [अ] काफलो
काफी वि० [अ]काफी; पूरतु (२)स्त्री० एक राग (३) कॉफी पीणु
काफूर पु०[फा] कपूर –होना=छू थई जवु
काफूरी वि० कपूरनु के तेना रगनु
क़ाब स्त्री० [तु] मोटी तासक; थाळ
काब(–बु)क पु० [फा] कबूतरखानु
काबर वि० 'कावरचीतरु
क़ाबलियत स्त्री० जओ 'काबिलीयत'
काबा पु० [अ] मक्कानु काबा स्थान
काबिज़ वि० [अ] अधिकारवाळु (२) दस्त रोकनारु; कबजियात करनारु
काबिल वि० [अ] योग्य; लायक (२) विद्वान ०(–ले)तारीफ वि० प्रशसनीय; वखाणवा लायक ०दीद वि० जोवा लायक
काबिलीयत स्त्री० [अ] योग्यता; लायकात (२) पाडित्य; विद्वत्ता
काबुक स्त्री० [फा] कबूतर राखवानी पेटी; कबूतरखानु
काबुल पु० [फा] काबुल प्रदेश. –में क्या गधे नहीं होते ?=सारा साथे नठारु नथी होतु ? गाम होय त्या ढेडवाडो होय
काबुली पु० [फा.] काबुली (२) वि० काबुलनु के तेने लगतु
काबू पु० [तु] काबू; कबजो; सत्ता; हकूमत
काम पु० काम; इच्छा; वासना (२) कर्म; काम. –आना=काममा आववु (२) लडाईमा मरवु. –का=कामनु; उपयोगी. –तमाम करना=काम पूरु करवु

क़ाज़ी पु०[अ.]काजी; (इस्लाम प्रमाणे) न्यायाधीश

काजू पु० काजु के तेनु झाड

काजू-भोजू वि० काचुपोचु; तकलादी

काट स्त्री० कापवु ते (२) घा; जखम (३) चालबाजी; दगोकपट

काटछाँट स्त्री० मारामारी; लडाई (२) ओछावत्तापणु, कापकूप

काटना स०क्रि० कापवु (२) कापी लेवु; कमी करवु (३) समय विताडवो (४) करडवु; डसवु. **काटो तो खून नहीं**=बिलकुल स्तब्ध थई जवु

काटू वि० कापनारु (२) डरामणु

काठ पु० काष्ठ; लाकडु. **–कबाड़**= भाग्योतूटचो सामान. **–का उल्लू**= जड; पाको मूर्ख. **–की हाँडी**=दगो दे एवी ना-टकाउ चीज. **–होना**= काष्ठवत् –स्तब्ध के अक्कड थवु

काठडा पु० लाकडानी कथरोट

काठी स्त्री० शरीरनु काठु (२) ऊंटनो काठडो, घोडाना जिननु काठु

काड-लिवर-आयल पु० [इ] कॉड माछलीनु तेल

काढ़ना स०क्रि० काढवु (२) कढाईमा तळीने काढवु; पकाववु (३) (चित्र) काढवु; आलेखवु

काढा पु० काढो; क्वाथ

कातना स०क्रि० कातवु

कातर वि०[स]दुःखी;बेचेन(२)बेबाकळु; अधीर (३)गभरायेलु; बीनेलु [छरी

काता पु० कातेलु सूतर; दोरो(२)कातु;

कातिक पु० कारतक मास

कातिब पु० [अ] लहियो; लखनार

क़ातिल वि०[अ]कतल करनार; घातक

क़ाती स्त्री० कातर (२) चाकु (३) कटार [गोदडी; कथा

काथ पु० (प) खावानो काथो (२)

कादंबरी स्त्री०[स] कोयल; मेना (२) वाणी; सरस्वती (३) एक जातनो दारू

कादर वि० कातर; डरपोक

क़ादिर वि० [अ.] सशक्त; समर्थ

कान पु० कर्ण; कान (२) काननु एक घरेणु (३) स्त्री० जुओ 'कानि' (४) [फा.] खाण. **–उठाना**=साभळवा तैयार थवु **–कतरना, –काटना**=मात करवु; चडियाता थवु; माथे चपटी भभराववी (२) धोको देवो; छेतरवु. **–करना, देना, धरना** = ध्यान देवु; कान देवा **–पर जूं न रेंगना**=कशी परवा न करवी. **–फूंकना, भरना** =कानभभेरणी करवी. **–भर जाना**= साभळी साभळीने कटाळवु **कानमें तेल या रूई डालना** = कान बंध करवा – न साभळवु के ध्यान पर न लेवु **–होना**=सतेज थवु; भान आववु **कानोकान खबर न होना**=जराय खबर न होवी

कानन पु० [स] वन (२) घर

कानफरेन्स स्त्री० [इ] परिषद

काना वि० [स्त्री०–नी] काणु (२)डखेलु (फळ) (३) तीरछु; वांकु (४) पु० लखवानो कानो (ा)

कानाकानी, कानाफूसी, कानाबाती स्त्री० कानमा वात कहेवी ते [संकोच

कानि स्त्री० लोकलाज; मर्यादा (२)

कानी वि०स्त्री० सौथी नानी (–ऊँगली) (२) काणी **–कौड़ी** स्त्री० काणी कोडी; फूटी बदाम

कार वि० [स] (समासमा अते आवे त्या) करनार, जेम के, कुभकार (२) पु० [फा.] कामकाज (३) स्त्री० [इ.] मोटर
कार–आमद वि० [फा.] काममा आवे एवु; उपयोगी [एवु; अनुभवी
कार–करदा वि० [फा] काम करेलु होय
कारकुन पु० [फा] कामकाज करनार; कारकुन; गुमास्तो
कारखाना पु० [फा] कारखानु (२) कारभार; व्यवसाय (३) घटना; मामलो. –नेदार पु० कारखानदार
कार–खास पु० [फा] खास काम
कारखैर पु० [फा] पुण्य काम
कारगर वि० [फा.] असरकारक (२) उपयोगी; काममा आवे एवु
कार-गुजार वि० [फा.] कर्तव्यपरायण
कारगुजारी स्त्री० [फा] कर्तव्यपालन (२) होशियारी, आवडत
कार-चोब पु० [फा] भरतकाम माटे कपडु तग राखवानु चोकठु (२) भरत करनारो
कार-चोबी वि० [फा] भरतकामने लगतु (२) स्त्री० भरतकाम; कोतरकाम
कारटून पु० [इं] 'कार्टून'; व्यगचित्र
कारट्रिज, [इ], कारतूस पु० [पो.] बदूक पिस्तोलनो कारतूस [सवब (२) साधन
कारण पु० [सं.] कारण; हेतु; प्रयोजन;
कारन पु० कारण
कारनामा पु० [फा] कोईना कार्योनो हेवाल
कारनिस स्त्री० [इ] दीवाल परनी कागरी; 'कार्निस'
कारनी वि० प्रेरक (२) पु० बुद्धिभेदक
कार-परदाज वि० [फा] काम करनार; कामदार; मुनीम
कार-परदाजी स्त्री० [फा.] मुनीमी; कामदारपणु
कारबंद वि० [फा.] आज्ञाकारी
कारबन पु० [इ.] 'कार्बन'; एक रसायणी मूळतत्त्व
कारबार पु० [फा.] कारभार; धधो
कारबारी वि० [फा.] कामकाजवाळु (२) पु० कारभारी [लगतु; 'कार्बोनिक'
कारबोनिक वि० [इ] कार्बननु के तेने
कारखाई स्त्री० [फा] काम (२) कार्यवाही (३) कारस्तान; गुप्त प्रयत्न [काफलो
कारवाँ पु० [फा] यात्रीओनी टोळी;
कारवाँ-सराय स्त्री० [फा] धर्मशाळा
कारसाज वि० [फा] काम पार उतारनार; कार्यकुशल [गुप्त चालबाजी
कारसाजी स्त्री० [फा] कार्यकौशल्य (२)
कारस्तानी स्त्री० [फा] चालबाजी, कारस्तान होवा ते
कारा स्त्री० [स] केद; बधन (२) पीडा
कारागार, कारागृह पु० [स] केदखानु; जेल
कारावास पु० [स] केद
कारिंदा पु० [फा.] मुनीम; कारकुन
क़ारिक पु० [अ.] 'कुर्की'–जपती करनार
कारिका स्त्री० [स] छदमा करेलु विवरण (२) नटी (३) व्याज
कारिख स्त्री० जुओ 'कालिख'
कारी वि० [फा] काम ठीक करी बतावे एवु; होशियार (२) कारी; घातक (३) पु० (कुरान) पढनार (४) [म] (समासने अते)–ते करनारु जेम के कल्याणकारी
कारीगर पु० [फा] कारीगर; अमुक कार्यमा कुशळ माणस. –री स्त्री० कारीगरनु काम के कुशळता
कारुण्य पु० [म] करुणा; दया

(२) मारी नाखवु. **–निकलना, बनना**=काम सफळ थवु **–रखना**=संबध के लेवादेवा होवी के राखवी (२) कठण के मुश्केल पडवु. **–से काम रखना**=पोते पोताना काममा ध्यान राखवु. **–होना**=काम थवु (२) मरवु (३) खूब तकलीफ पडवी

कामकाज पु० कामकाज; कामधधो

कामकाजी वि० कामकाजवाळु; उपयोगी

कामगार वि०[फा.] सफळ; कामियाब (२) पु० कामदार

कामचलाऊ वि० कामचलाउ; जेनाथी काम चाली जाय एवु [आळसु

कामचोर वि० काममा जीव चोरनार;

क़ामत स्त्री० [अ.] कद; आकार

कामदानी स्त्री० भरतकाम के ते करेलु एक कपडु

कामदार वि० कसबी भरतवाळु (२) पु० काम करनार; प्रबन्धकर्ता

कामधाम पु० कामकाज

कामधेनु स्त्री० [स] कामधेनु गाय

कामना स्त्री० [स] इच्छा [विवश थईने

काम-ना-काम अ० [फा.] लाचारीथी;

कामयाब वि० [फा] सफळ; कृतार्थ

कामयाबी स्त्री० [फा] सफळता

कामरी,–रिया स्त्री० कामळी

कामरू,०प पु० .[स] कामरूप देश

कामरेड पु०[इ] साथी (साम्यवादी); 'काम्रेड' [कमळानो रोगी

कामल [स], **–ला** पु० कमळो. **–ली** पु०

कामा पु० [इ] 'कॉमा'; अल्पविराम

कामिनी स्त्री०[स] (सुदर के कामयुक्त) स्त्री (२) दारू

कामिल वि०[अ] पूरु; कुल (२) योग्य

कामी वि० कामगरु; 'कामकाजी' (२) [स] कामी, विषयी

कामुक वि०[स]इच्छुक; कामी [नाटक

कामेडी स्त्री०[इ] 'कॉमेडी'; सुखातक

काम्रेड पु० [इ] जुओ 'कामरेड'

काय स्त्री० [स] काया; देह

कायथ पु० कायस्थ जातिनो माणस

कायथी स्त्री० कैथी लिपि

क़ायदा पु०[अ] कायदो (२) सिद्धात; नियम(३)वर्तननो ढग(४)व्यवस्था; क्रम (५) बाळपोथी **–बाँधना**=नियम करवो

क़ायदादाँ वि०[फा.] विवेक सभ्यताना नियम जाणनार; सभ्य

क़ायदे-आज़म पु०[अ] सौथी मोटो नेता

कायफर,–ल पु० कायफळ झाड के फळ

क़ायम वि०[अ.] कायम,स्थिर,स्थापित; निश्चित; मुकरर

कायम-मिज़ाज वि० शात मिजाजनु

क़ायम-मुक़ाम वि० [अ.] अवेजी

कायमा पु० [अ] काटखूणो

कायर वि० डरपोक; बीकण **०ता** स्त्री०

क़ायल वि० [अ] माननारु; कबूल करनारु. **–करना, –माकूल करना**=समजाववु; मनाववु **–होना**=समजवु; मानवु; स्वीकारवु

कायस्थ पु०एक हिंदु जाति के तेनो माणस

काया स्त्री० काया, देह, शरीर

कायाकल्प पु० वृद्धने तरुण करवानो एक औषधोपचार [फेरफार

कायापलट स्त्री० कायापलटो; भारे

कायिक वि० [स] देह सबधी; शारीरिक

कायिका स्त्री० [स] व्याज [पक्षी

कारंड, ०व पु०[स] हसनी जातनु एक

कारंधमी पु० [स.] रसायनशास्त्री

कारूँ पु० [अ] मूसानो धनवान पण कृपण भाई (२) कजूस **–का खज़ाना** =अपार धन
कारूरा पु० [अ] पेशाब (२) मूत्रपरीक्षा माटे मूत्र राखवानी शीशी
कारो वि० (२) पु० जुओ 'काला'
कारोबार पु० जुओ 'कारबार'; कामकाज
कार्ड पु० [इ] पोस्टकार्ड; पत्तु
कार्तिक पु० [स] कारतक महिनो
कार्निस स्त्री० [इ] जुओ 'कारनिस'
कार्पण्य पु० [स.] कृपणता; कजूसी; दया
कार्बन पु० [इ] जुओ 'कारबन'
कार्बोनिक वि० [इ] जुओ 'कारबोनिक'
कार्य पु० [स] 'काम
कार्यकर वि० [स] कार्यसाधक
कार्यकर्ता पु० [स] काम करनार [करनार
कार्यार्थी वि० [स] उमेदवार (२) दावो
कार्यालय पु० [स] दफतर; कचेरी; ऑफिस
कार्रवाई स्त्री० जुओ 'काररवाई'
काल पु० [स] काळ; समय (२) मृत्यु (३) दुकाळ (४) काळो रग (५) वि० काळु (६) (प) अ० 'कल'; काले **–काटना** = वखत गाळवो –गुजारवो
कालकूट पु० [स] एक भयकर झेर–औषधि [(२) जेलनी अधारी
कालकोठड़ी (–री) स्त्री० काळी कोटडी
कालचक्र पु० [स] समयनु चक्र (२) जीवननी सारी माठी दशा
कालधर्म पु० [स] मरण (२) समय के ऋतुनो धर्म [(२) दिवाळीनी रात
कालनिशा स्त्री० [स] घोर अधारी रात
कालपुरुष पु० [स] काळ; यमराजा (२) भगवाननु विराट रूप
कालवजर पु० पडतर जमीन
कालबुद [फा], **कालबूत** पु० जुओ 'कलबूत'; कालबूत
कालभैरव पु० [स] शिव
कालरात्रि,–त्री (–त,–ति) स्त्री० [स] जुओ 'कालनिशा'
कालांतर पु० [स] बीजो समय
काला वि० काळु (२) (ला) भारे, बहु मोटु (३) खराब (४) पु० काळो साप
कालाकलूटा वि० काळुभमर; काळुमेश
कालाचोर पु० काळो चोर; भारे भूडो के चोर माणस
काला नमक पु० सचळ [बोजो
काला पहाड़ पु० भारे (दु खनो) के असह्य
काला पानी पु० काळु पाणी; देशनिकाल (२) दारू
कालिंग वि० [स] कलिंग देशनु (२) पु० कलिंगनो वतनी के त्यानो साप (३) हाथी
कालिंदी स्त्री० [स.] यमुना नदी
कालिका स्त्री० [स.] काळका, काली (२) काळापणु (३) मेश (४) वादळ (५) शराब
कालिख स्त्री० [स कालिका] मेश; काजळ
कालिज पु० कॉलेज [(टोपीनो)
क़ालिब पु० [अ] शरीर; देह (२) कालबूत
कालिमा स्त्री० [स] काळाश (२) अधारु (३) जुओ 'कालिख'
कालिय पु० [स] काळी नाग (यमुनानो)
काली स्त्री० [स] कालिका; काळी माता; (२) काळी स्त्री (३) काळो रग, शाही, वादळ, पक्षी इ० (४) कोयल (५) एक दारू
कालीदह पु० यमुनानो धरो जेमा काळो नाग रहेतो हतो

क़ारूँ पु० [अ] मूसानो धनवान पण कृपण भाई (२) कजूस. **–का ख़जाना** =अपार धन

क़ारूरा पु० [अ] पेशाब (२) मूत्रपरीक्षा माटे मूत्र राखवानी शीशी

कारो वि० (२) पु० जुओ 'काला'

कारोबार पु० जुओ 'कारबार'; कामकाज

कार्ड पु० [इ] पोस्टकार्ड; पत्तु

कार्तिक पु० [स] कारतक महिनो

कार्निस स्त्री० [इ] जुओ 'कारनिस'

कार्पण्य पु० [स.] कृपणता; कजूसी; दया

कार्बन पु० [इ] जुओ 'कारबन'

कार्बोनिक वि० [इ] जुओ 'कारबोनिक'

कार्य पु० [स] काम

कार्यकर वि० [स] कार्यसाधक

कार्यकर्ता पु० [स] काम करनार [करनार

कार्यार्थी वि० [स] उमेदवार (२) दावो

कार्यालय पु० [स] दफतर; कचेरी, ऑफिस

कार्रवाई स्त्री० जुओ 'काररवाई'

काल पु० [स] काळ; समय (२) मृत्यु (३) दुकाळ (४) काळो रग (५) वि० काळु (६) (प) अ० 'कल'; काले. **–काटना**=वखत गाळवो–गुजारवो

कालकूट पु० [स] एक भयकर झेर–औपधि [(२) जेलनी अधारी

कालकोठड़ी (–री) स्त्री० काळी कोटडी

कालचक्र पु० [स] समयनु चक्र (२) जीवननी सारी माठी दशा

कालधर्म पु० [स] मरण (२) समय के ऋतुनो धर्म [(२) दिवाळीनी रात

कालनिशा स्त्री० [स] घोर अधारी रात

कालपुरुष पु० [स] काळ; यमराजा (२) भगवाननु विराट रूप

कालबंजर पु० पडतर जमीन

कालबुद [फा], **कालबूत** पु० जुओ 'कलबूत'; कालबूत

कालभैरव पु० [स] शिव

कालरात्रि, –त्री (–त, –ति) स्त्री० [स] जुओ 'कालनिशा'

कालांतर पु० [स] बीजो समय

काला वि० काळु (२) (ला) भारे; बहु मोटु (३) खराब (४) पु० काळो साप

कालाकलूटा वि० काळुभमर; काळुमेश

कालाचोर पु० काळो चोर; भारे भूडो के चोर माणस

काला नमक पु० सचळ [बीजो

काला पहाड़ पु० भारे (दु खनो) के असह्य

काला पानी पु० काळु पाणी; देशनिकाल (२) दारू

कालिंग वि० [स] कलिंग देशनु (२) पु० कलिंगनो वतनी के त्यानो साप (३) हाथी

कालिंदी स्त्री० [स.] यमुना नदी

कालिका स्त्री० [स.] काळका; काली (२) काळापणु (३) मेश (४) वादळ (५) शराब

कालिख स्त्री० [स कालिका] मेश; काजळ

कालिज पु० कॉलेज [(टोपीनो)

क़ालिब पु० [अ] शरीर; देह (२) कालबूत

कालिमा स्त्री० [स] काळाश (२) अधारु (३) जुओ 'कालिख'

कालिय पु० [स] काळी नाग (यमुनानो)

काली स्त्री० [स] कालिका; काळी माता; (२) काळी स्त्री (३) काळो रग, शाही, वादळ, पक्षी इ० (४) कोयल (५) एक दारू

कालीदह पु० यमुनानो धरो जेमा काळो नाग रहेतो हतो

क़ारूँ पु० [अ] मूसानो धनवान पण कृपण भाई (२) कजूस. **–का खज़ाना** =अपार धन
क़ारूरा पु० [अ] पेशाव (२) मूत्रपरीक्षा माटे मूत्र राखवानी शीशी
कारो वि० (२) पु० जुओ 'काला'
कारोवार पु० जुओ 'कारवार',कामकाज
कार्ड पु० [इ] पोस्टकार्ड; पत्तु
कार्तिक पु० [स] कारतक महिनो
कार्निस स्त्री० [इ] जुओ 'कारनिस'
कार्पण्य पु० [स.] कृपणता; कजूसी; दया
कार्बन पु० [इ] जुओ 'कारवन'
कार्बोनिक वि० [इ] जुओ 'कारवोनिक'
कार्य पु० [स] 'काम
कार्यकर वि० [स] कार्यसाधक
कार्यकर्ता पु० [स] काम करनार [करनार
कार्यार्थी वि० [स] उमेदवार (२) दावो
कार्यालय पु० [स] दफतर; कचेरी; ऑफिस
कार्रवाई स्त्री० जुओ 'काररवाई'
काल पु० [स] काळ; समय (२) मृत्यु (३) दुकाळ (४) काळो रग (५) वि० काळु (६) (प) अ० 'कल'; काले **–काटना** = वखत गाळवो–गुजारवो
कालकूट पु० [स] एक भयकर झेर–औषधि [(२) जेलनी अधारी
कालकोठडी (–री) स्त्री० काळी कोटडी
कालचक्र पु० [स] समयनु चक्र (२) जीवननी सारी माठी दशा
कालधर्म पु० [स] मरण (२) समय के ऋतुनो धर्म [(२) दिवाळीनी रात
कालनिशा स्त्री० [स] घोर अधारी रात
कालपुरुष पु० [स] काळ; यमराजा (२) भगवाननु विराट रूप
कालबजर पु० पडतर जमीन
कालबुद [फा], **कालबूत** पु० जुओ 'कलबूत'; कालबूत
कालभैरव पु० [स] शिव
कालरात्रि,–त्री (–त,–ति) स्त्री० [स] जुओ 'कालनिशा'
कालांतर पु० [स] बीजो समय
काला वि० काळु (२) (ला) भारे; बहु मोटु (३) खराब (४) पु० काळो साप
कालाकलूटा वि० काळुभमर; काळुमेश
कालाचोर पु० काळो चोर; भारे भूडो के चोर माणस
काला नमक पु० सचळ [बीजो
काला पहाड़ पु० भारे (दु खनो) के असह्य
काला पानी पु० काळु पाणी; देशनिकाल (२) दारू
कालिंग वि० [स] कलिंग देशनु (२) पु० कलिंगनो वतनी के त्यानो साप (३) हाथी
कालिंदी स्त्री० [स.] यमुना नदी
कालिका स्त्री० [स.] काळका; काली (२) काळापणु (३) मेश (४) वादळ (५) शराव
कालिख स्त्री० [स कालिका] मेश; काजळ
कालिज पु० कॉलेज [(टोपीनो)
कालिब पु० [अ] शरीर; देह (२) कालवूत
कालिमा स्त्री० [स] काळाश (२) अधारु (३) जुओ 'कालिख'
कालिय पु० [स] काळी नाग (यमुनानो)
काली स्त्री० [स] कालिका; काळी माता; (२) काळी स्त्री (३) काळो रग, शाही, वादळ, पक्षी इ० (४) कोयल (५) एक दारू
कालीदह पु० यमुनानो धरो जेमा काळो नाग रहेतो हतो

क़ारूँ पु० [अ] मूसानो धनवान पण कृपण भाई (२) कजूस **–का खज़ाना** =अपार धन

कारूरा पु० [अ.] पेशाब (२) मूत्रपरीक्षा माटे मूत्र राखवानी शीशी

कारो वि० (२) पु० जुओ 'काला'

कारोबार पु० जुओ 'कारवार';कामकाज

कार्ड पु० [इ] पोस्टकार्ड; पत्तु

कार्तिक पु० [स] कारतक महिनो

कार्निस स्त्री० [इ] जुओ 'कारनिस'

कार्पण्य पु० [स.] कृपणता; कजूसी; दया

कार्बन पु० [इ] जुओ 'कारबन'

कार्बोनिक वि० [इ] जुओ 'कारबोनिक'

कार्य पु० [स] काम

कार्यकर वि० [स] कार्यसाधक

कार्यकर्ता पु०[स]काम करनार [करनार

कार्यार्थी वि० [स] उमेदवार (२) दावो

कार्यालय पु०[स]दफतर;कचेरी;ऑफिस

कार्रवाई स्त्री० जुओ 'काररवाई'

काल पु० [स] काळ; समय (२) मृत्यु (३) दुकाळ (४) काळो रग (५) वि० काळु (६) (प) अ० 'कल'; काले **–काटना** = वखत गाळवो–गुजारवो

कालकूट पु० [स] एक भयकर झेर– औषधि [(२) जेलनी अधारी

कालकोठड़ी (–री) स्त्री० काळी कोटडी

कालचक्र पु० [स] समयनु चक्र (२) जीवननी सारी माठी दशा

कालधर्म पु० [स] मरण (२) समय के ऋतुनो धर्म [(२)दिवाळीनी रात

कालनिशा स्त्री० [स] घोर अधारी रात

कालपुरुष पु० [स] काळ; यमराजा (२) भगवाननु विराट रूप

कालवंजर पु० पडतर जमीन

कालबुद [फा], **कालबूत** पु० जुओ 'कलबूत'; कालबूत

कालभैरव पु० [स] शिव

कालरात्रि,–त्री (–त,–ति) स्त्री० [स.] जुओ 'कालनिशा'

कालांतर पु० [स] बीजो समय

काला वि० काळु (२) (ला) भारे; बहु मोटु (३) खराब (४) पु० काळो साप

कालाकलूटा वि० काळुभमर; काळुमेश

कालाचोर पु० काळो चोर; भारे भूडो के चोर माणस

काला नमक पु० सचळ [बोजो

काला पहाड़ पु० भारे(दु खनो)के असह्य

काला पानी पु० काळु पाणी; देशनिकाल (२) दारू

कालिंग वि० [स] कलिंग देशनु (२) पु० कलिंगनो वतनी के त्यानो साप (३) हाथी

कालिंदी स्त्री० [स.] यमुना नदी

कालिका स्त्री० [स.] काळका; काली (२) काळापणु (३) मेश (४) वादळ (५) शराब

कालिख स्त्री०[स कालिका]मेश,काजळ

कालिज पु० कॉलेज [(टोपीनो)

क़ालिब पु० [अ] शरीर; देह(२)कालबूत

कालिमा स्त्री० [स] काळाश (२)अधारु (३) जुओ 'कालिख'

कालिय पु० [स] काळी नाग(यमुनानो)

काली स्त्री० [स] कालिका; काळी माता; (२) काळी स्त्री (३) काळो रग, शाही, वादळ, पक्षी इ० (४) कोयल (५) एक दारू

कालीदह पु० यमुनानो धरो जेमा काळो नाग रहेतो हतो

क़ारूँ पु० [अ] मूसानो धनवान पण कृपण भाई (२) कजूस —का खजाना =अपार धन
क़ारूरा पु० [अ] पेशाव (२) मूत्रपरीक्षा माटे मूत्र राखवानी शीशी
कारो वि० (२) पु० जुओ 'काला'
कारोबार पु० जुओ 'कारवार';कामकाज
कार्ड पु० [इ] पोस्टकार्ड; पत्तु
कार्तिक, पु० [स] कारतक महिनो
कार्निस स्त्री० [इ] जुओ 'कारनिस'
कार्पण्य पु० [स.] कृपणता; कजूसी; दया
कार्बन पु० [इ] जुओ 'कारबन'
कार्बोनिक वि० [इ] जुओ 'कारबोनिक'
कार्य पु० [स] 'काम
कार्यकर वि० [स] कार्यसाधक
कार्यकर्ता पु०[स]काम करनार [करनार
कार्यार्थी वि० [स] उमेदवार (२) दावो
कार्यालय पु०[स]दफतर;कचेरी;ऑफिस
कार्रवाई स्त्री० जुओ 'काररवाई'
काल पु० [स] काळ; समय (२) मृत्यु (३) दुकाळ (४) काळो रग (५) वि० काळु (६) (प) अ० 'कल'; काले —काटना =वखत गाळवो—गुजारवो
कालकूट पु० [स] एक भयकर झेर—औषधि [(२) जेलनी अधारी
कालकोठडी (—री) स्त्री० काळी कोटडी
कालचक्र पु० [स] समयनु चक्र (२) जीवननी सारी माठी दशा
कालधर्म पु० [स] मरण (२) समय के ऋतुनो धर्म [(२)दिवाळीनी रात
कालनिशा स्त्री० [स] घोर अधारी रात
कालपुरुष पु० [स] काळ; यमराजा (२) भगवाननु विराट रूप
कालवजर पु० पडतर जमीन
कालबुद [फा], कालबूत पु० जुओ 'कलबूत'; कालबूत
कालभैरव पु० [स] शिव
कालरात्रि,—त्री (—त,—ति) स्त्री० [स] जुओ 'कालनिशा'
कालांतर पु० [स] बीजो समय
काला वि० काळु (२) (ला) भारे, बहु मोटु (३) खराब (४) पु० काळो साप
कालाकलूटा वि० काळुभमर; काळुमेश
कालाचोर पु० काळो चोर; भारे भूडो के चोर माणस
काला नमक पु० सचळ [बीजो
काला पहाड़ पु० भारे(दुःखनो)के असह्य
काला पानी पु० काळु पाणी; देशनिकाल (२) दारू
कालिंग वि० [स] कलिंग देशनु (२) पु० कलिंगनो वतनी के त्यानो साप (३) हाथी
कालिंदी स्त्री० [स.] यमुना नदी
कालिका स्त्री० [स.] काळका, काली (२) काळापणु (३) मेश (४) वादळ (५) शराब
कालिख स्त्री०[स कालिका]मेश;काजळ
कालिज पु० कॉलेज [(टोपीनो)
कालिब पु० [अ] शरीर; देह(२)कालबूत
कालिमा स्त्री० [स] काळाश (२)अधारु (३) जुओ 'कालिख'
कालिय पु० [स] काळो नाग(यमुनानो)
काली स्त्री० [स.] कालिका; काळी माता; (२) काळी स्त्री (३) काळो रग, शाही, वादळ, पक्षी इ० (४) कोयल (५) एक दारू
कालीदह पु० यमुनानो धरो जेमा काळो नाग रहेतो हतो

कालीन वि० [स.] (समासमा) काळनु के ते सबंधी
कालीन पु० [अ.] गालीचो
काली मिर्च स्त्री० मरी
कालू स्त्री० कालु माछली
कालोनी स्त्री० [इ. कॉलोनी] वसाहत
कालौंछ स्त्री० काळापणु (२)'कालिख'
काल्पनिक वि० [स] कल्पेलु; कल्पित
काल्ह, -ल्हि अ० (प) काले
कावा पु० [फा] घोडाने गोळ गोळ फेरववो ते [शुक्राचार्य
काव्य पु० [स] कविता (२) (स.)
काश अ० [फा] 'ईश्वर करे आम थाय' एवो उद्गार [फाक; टुकडो
काश स्त्री० [तु] फळ इ० नी चीरी;
काशाना पु० [फा.] झूपडी; नानु घर
काशि,०का,-शी स्त्री०[स.] काशी नगरी
काशी-करवट पु० काशीनु करवत के ते मुकाववानु काशीनु तीर्थस्थान.-लेना= काशीनु करवत मुकावर्वु
काशीफल पु० कोळु
काश्त स्त्री० [फा.] खेती (२) गणोत
काश्तकार पु० [फा.] खेडूत(२)गणोतियो
काश्तकारी स्त्री० [फा.] खेती
काश्मीरा पु० एक जातनु गरम कापड
काश्मीरी वि० काश्मीरनु (२) पु० काश्मीर निवासी (३) त्यानु झाड (४) स्त्री० काश्मीर प्रदेशनी भाषा
काश्मीर्य पु०[स] केसर [भगवु वस्त्र
काषाय वि०[स] भगवा रंगनु (२) पु०
काष्ठ पु० [स] लाकडु (२) ईंधण
कास पु०[स.] खासी (२)काश-दर्भ घास
कासनी स्त्री०[फा]एक वनस्पति-औषधि
कासा पु० [अ.] कटोरो; भिक्षापात्र

कासार पु० [स] तळाव
क़ासिद पु० [अ] कासद
कासिर वि०[अ] कसरवाळु(२)असमर्थ
कास्टिंग वोट पु० [इ] सरखा मत पडता अपातो निर्णायक मत
कास्टिक पु० [इ] कॉस्टिक सोडा
काह अ० (प) शु; शी वात?
काह स्त्री० [फा] सूकु घास
काहकशाँ पु० [फा] जुओ 'कहकशाँ'
काहिल वि० [अ] आळसु; सुस्त
काहिली स्त्री० [अ] आळस; सुस्ती
काही वि० [फा] घासना रगनु; घेरु लीलु
काहु(-हू) स०(प) कोई पण; 'किसी'
काहू पु० [अ.] एक छोड, जेना बी दवामा वपराय छे
काहे,काहेको अ०(प) शा माटे? केम?
कि अ० जुओ 'किम्'
किंकर पु० [सं] दास; चाकर
किंकिणी स्त्री०[स.] कदोरो (२) एक जातनी खाटी द्राक्ष
किंकिनी स्त्री० 'किंकिणी'; कदोरो
किंगरी स्त्री० रावणहथ्था जेवी सारगी
किंतु अ० [स.] पण; परतु
किंपुरुष पु० [स] किन्नर (२) हलको वर्णसकर माणस
किंवदंती स्त्री०[स]अफवा; ऊडती वात
किंवा अ० [स.] अथवा; के
कि अ०(प) केवी रीते? (२)[फा] के
किकियाना अ०क्रि० किकियारी पाडवी (२) रोवु; रोककळ करवी
किचकिच स्त्री० कचकच (२) तकरार
किचकिचाना अ०क्रि० दात कचकचाववा के पीसवा के वेसाडवा

किचकिचाहट, किचकिची स्त्री० दात पीसवा ते [पडवो
किचड़ाना अ० क्रि० (आखमा) कचरो
किचपिच, किचरपिचर स्त्री० जुओ 'कचपच'; भीड (२) वि० अस्पष्ट
किछु वि० (प) 'कुछ'
किटकिट पु० कटकट; कजियो
किटकिटाना अ०क्रि० 'किटकिट' अवाज करवो (२) क्रोधथी दात पीसवा (३) दातमा काकरी आववा जेवु लागवु –कचर कचर थवु
किटकिना पु० चाल; चालाकी (२) मोटा कन्ट्राक्टनो पेटा-कन्ट्राक्ट अपाय ते
किटकिना(–ने)दार पु० 'किटकिना'–पेटा-कन्ट्राक्ट लेनार
किट्ट पु० [स] मेल; काटरडो
कित अ० (प.) क्या (२) कई तरफ
कितक वि० (प) केटलु; केवु
कितना वि० (२) अ० [स्त्री०–नी] केटलु
कितने(०ए)क वि० केटलाक
क़िता पु० [अ] सिलाईनो काप (२) ढग (३) सख्या (४) विभाग; टुकडो
किता वि० (स्त्री० –ती) 'कितना'
किताब स्त्री० [अ] किताब; ग्रथ (२) वही (३) धर्मग्रथ–कुरान के बाइबल
किताबख़ाना पु० [अ +फा] पुस्तकालय
किताबत स्त्री० [अ] लखवु ते
किताबी वि० [अ] किताबना आकारनु, ने लगतु (२) पु० किताबना धर्मनो – यहूदी, ख्रिस्ती के इस्लामी [केटलु
कितिक वि० (प) 'कितक'; 'कितना';
कितेक वि०(प) केटलुक (२) केटलाएक
कितेब स्त्री० (प) किताब
कितै अ० (प) क्या ?
कितो वि० (२) अ० (प) जुओ 'कितना'
किधर अ० क्या; कई बाजू
किधौं अ० (प) या; अथवा
किन स० 'किस' नु ब०व० (२) अ०(प) 'क्यो न'; भलेने (३) पु० चिह्न; डाघ
किनका पु० अन्ननो टुकडो (२) कणकी
किनकी स्त्री० 'किनका' नु अल्पत्ववाचक
किनार स्त्री० [फा] पास; बाजू (२) भेटवु ते (३) पु० जुओ 'किनारा'. **दर किनार**=बाजूए रह्यु; क्या वात!
किनारदार वि० किनारीवाळु
किनारा पु० किनार; कोर (२) [फा.] किनारो. **–करना, खींचना**=दूर थवु; हठी जवु **किनारे लगना**=किनारे पहोचवु; समाप्त थवु **किनारे होना**= अलग के दूर थवु
किन्नर पु० [स] कुबेरना गणोनी एक देवयोनि. (स्त्री० –री)
किफ़ायत स्त्री० [अ] काफी – पूरतु होवु ते (२) किफायत; बचत (३) सस्तापणु; कम किंमत
किफायती वि० सभाळीने–कम खरच करनारु; करकसरवाळु
किबला पु० [अ] नमाज पढवानी–कावानी पश्चिम दिशा (२) मक्का (३) बाप (४) पूज्य वडील [बादशाह
किबला-ए-आलम पु० [अ.] ईश्वर (२)
किबलानुमा पु० [फा] पश्चिम दिशा बतावनारु अरबी खलासीनु एक यत्र
किबला-रू वि० काबा तरफ मोवाळु
किम् स० [स] कयु ? शु ?
किमपि अ० [स.] काई पण; कशुय
किमरिक(–ख) पुं० [इ. कॅम्ब्रिक] एक जातनुं कापड

किमाछ पु० 'केवाँच'; कौच
किमाम पु० जुओ 'कवाम'
किमार पु० [अ.] द्यूत; जूगटु ०खाना पु० [फा] जुगारखानु
किमारबाज वि० [फा] जुगारखोर
किमाश पु० [अ] जात; प्रकार; ढंग
किमि अ०(प)केवी रीते; केम [किमत
किम्मत स्त्री० चालाकी; होशियारी (२)
कियत वि० [स] 'कितना'; केटलु
किया=कर्युं. 'करना' नु भूत० रूप
कियारी स्त्री० क्यारी (२) मीठानो अगर
किरंटा पु० किरानी; युरेशियन (तुच्छकारमा)
किरका पु० नानो काकरो
किरकिरा वि० करकरवाळु. –हो जाना, होना=रगमा भग पडवो
किरकिराना अ०क्रि० करकर लागवी (२) करकरथी पीडा थवी [नाम –हट स्त्री०]
किरकिरी स्त्री०-करकर (२) अपमान
किरच स्त्री० कीरच; करच (जेम के काचनी) (२) अणीदार सगीन
किरण (-न) स्त्री० [स] किरण. –फूटना =सूर्य ऊगवो
किरपा स्त्री० (प) कृपा
किरपान स्त्री० किरपाण; तलवार
किरम पु० करम; कीडो, कृमि
किरमिच पु० कॅन्वास कपडु [रंग
किरमिज पु० एक लाल – किरमजनो
किरमिजी वि० किरमजी रगनु
किरयात पु० करियातु; 'चिरायता'
किरराना अ०क्रि० दात पीसवा–कचकचावंवा [डव्वो
किरांची स्त्री० गाडु (२) भारखानानो
किरात पु०[स] एक प्राचीन जाति (२) 'किरयात'; करियातु, (३) साईस
किरान अ० (प) पासे, नजीक
किराना पु० 'केराना'; करियाणु
किरानी पु० जुओ 'केरानी'
किराया पु० [अ] किरायु; भाडु
किरायेदार पु० भाडे राखनार
किरासन, किरासिन पु० केरोसीन
किरिच स्त्री० जुओ 'किरच'
किरिमदाना पु० किरमज कीडो, जेमाथी ते नामनो रग वने छे
किरिया स्त्री० (प) सोगन (२) कर्तव्य (३) मृतकर्म; क्रिया
किरियाकरम पु० क्रियाकर्म; मृतक्रिया
किरीट पु० [स] मुगट
किर्म पु० [फा] 'किरम'; करम –पीला=रेशमनो कीडो –शवताब पु० आगियो कोडो
किर्मिज पु० जुओ 'किरमिज'
किलक (–कार,–कारी) स्त्री० किलकारी; हर्षध्वनि (२) जुओ 'किलिक'
किलकन स्त्री० किलकारवु ते
किलक (–कार) ना अ०क्रि० किलकारी मारवी; किलकारवु
किलकार;–री स्त्री० किलकारी
किलकारना अ०क्रि० जुओ 'किलकना'
किलकिल स्त्री० कचकच; झघडो (२) [स] खुशीनो किलकिलाट
किलकिला स्त्री० खुशीनो किलकिलाट (२) एक पक्षी (३) गर्जतो समुद्र
किलकिलाना अ०क्रि० किलकारवु [नाम –हट स्त्री०]
किलकी स्त्री० सुतारनु एक ओजार; गरमी
किलना अ०क्रि० 'कीलना' नु कर्मणि

किलनी स्त्री० जूवो; कथीरी (कूतरा इ० पशुने चोंटे छे ते)
किलबिलाना अ०क्रि० जुओ 'कुलबुलाना'
किलवाना स०क्रि० 'कीलना' नु प्रेरक रूप
किला पु०[अ.] किल्लो. –फ़तह करना, सर करना=मोटो गढ जीतवो; भारे मोटु काई काम करवु
क़िलाबंदी स्त्री० किल्लेबदी
किलिक, किल्क स्त्री०[फा] कलमनु बरु
किलेदार पु० [फा.] किल्लेदार; गढवी
किल्लत स्त्री०[अ.] ऊणप; कमी(२)तंगी
किल्ला पु० खीलो; खूटो
किल्ली स्त्री० मेख; खूटी (२) कूची. –ऐंठना या घुमाना=चावी फेरववी; युक्ति करवी
किवाड़(-र) पु० [स्त्री०–ड़ी] कमाड. –देना, लगाना=कमाड वध करवुं
किशमिश स्त्री० [फा.] किसमिस; द्राक्ष
किशमिशी वि० किसमिसवाळु के तेना रगनु
किश(–स)लय पु० [स] कूपळ
किशोर पु० [स] ११ थी १५ वरसनी उमरनो छोकरो. (स्त्री० –री)
किश्त स्त्री० [अ] शेतरजमा राजाने शेह पडवी ते (२) पाकनु खेतर
किश्तवार पु० [फा] तलाटीनो खाताना नवरोनो चोपडो
किश्ती स्त्री० [फा] जुओ 'कश्ती'
किश्वर पु० [फा] देश; मुलक
किस स० 'कौन' नु विभक्तिमा थतु रूप
किसब पु० कसब; ववो
किसवत स्त्री० [अ] हजामनी थेली
क़िसमत स्त्री० जुओ 'किस्मत'
किसलय पुं० जुओ 'किशलय'
किसान पु० [स. कृषाण, प्रा. किसान] खेडूत –नी स्त्री० खेती
किसी स० 'कोई' नु विभक्तिमा थतु रूप जेम के, 'किसीने', 'किसीको' इ किसी न किसी=कोईनु कोई; कोई एक
किस्त स्त्री० [अ] हपतो (महेसूल के देवानो); कीस
क़िस्तबन्दी स्त्री० [फा] किस्तवधी; हपता चूकववानु नक्की करवु ते
किस्त-ब-किस्त, किस्तवार अ०हपते हपते
किस्बत स्त्री० [अ] जुओ 'किसवत'
किस्म स्त्री०[अ]किसम;जात;रीत;प्रकार
क़िस्मत स्त्री० [अ.] नसीब (२) अमुक जिल्लाओनो थतो प्रात
क़िस्मतवर वि० [फा] नसीबदार
क़िस्सा पु० [अ] किस्सो; कथा (२) वृत्तात (३) झघडो [नकामी वात
किस्सा-कहानी स्त्री० काल्पनिक के
किस्सा-कोताह,–मुख्तसर अ० [फा.] टकमा के; तात्पर्य-के
की 'का' प्रत्ययनु स्त्री० (२) स०क्रि० करी; 'किया' नु स्त्री०
कीक स्त्री० 'चीख'; चीस [–देना,मारना]
कीकना अ०क्रि० चीस पाडवी; 'चीखना'
कीकर पु० बावळियो
कीकरी स्त्री० बावळनी एक जात (२) एक जातनी सिलाई
कीच पु० कीचड [पीयो
कीचड़(–र) पु० कीचड (२) आखनो
कीट पु० [स] कीडो (२) कीटु; मेल
कीड़ा पु० [स कीट, प्रा. कीड] कीडो (२) मकोडो (३) जू, माकण इ० (४) साप [(२) कीडी
कीड़ी स्त्री० 'कीडा' नु अल्पतावाचक

कीनखाव पु०जुओ 'कमखाव'; किनखाव
कीना पु० [फा.] कीनो; वेर ०वर वि० कीनाखोर
कीप, कीफ [फा] स्त्री० नाळचु
कीमत स्त्री० [अ] किंमत (वि० -ती)
क़ीमा पु० [अ] मासनो खीमो
कीमिया पु० [फा.] रसायणी क्रिया (२)कीमियो [करी जाणनार
कीमियागर पु० [फा] रसायणी क्रिया
कीमुख़्त पु० [फा.] गधेडा के घोडानु चामडु (लीलु दाणादार होय छे ते)
कीर पु० [स] कीर; पोपट (२)काश्मीर (३) व्याध; शिकारी [कीर्तनकार
कीर्तन पु०[स]गुणगान;भजन -निया पु०
कीर्ति स्त्री० [स.] यश; ख्याति
कील स्त्री० [स] खीली के कांटो (२) कुभारना चाकडानी के घंटीनी वचली खीली-खीलडो
कीलक पु० [स] खूटी (२) खीलो (ढोर बाधवानो)(३)मत्रनो मुख्य भाग
कीलना स०क्रि० खीली मारवी (२) वश करवु (३) मत्रनु मारण करवु
कीला पु० खीलो; खूटो [खीली
कीली स्त्री० धरी (२)कीली; कूची(३)
कीश पु० [स] वानर
कीसा पु० [फा] थेली (२) खिस्सु
कुँअर(-रेटा) पु०[स्त्री० -री]'कुँवर'; पुत्र (२) राजपुत्र
कुँआ(-वा)रा वि० कुवारु (स्त्री०-री)
कुईं स्त्री० कुमुदिनी; 'कुईं'
कुंकुम पु० [स.] कंकु (२) केसर
कुंकुमा पु० होळीमा गुलाल भरी नंखातो लाखनो गोळो [(वाळ)
कुंचित वि० [स.] वाकु (२) वाकडिया
कुंची(-जी) स्त्री० कूची
कुंज पु०[स] कुंज; लतामडप (२) [फा. =खूणो] शालना खूणा परनु भरतकाम
कुँजड़ा पु०[स्त्री०-ड़िन,-ड़ी] शाकभाजी वावनार वेचनार जातनो आदमी; कुजडो ते वर्गमा श्रेष्ठ
कुंजर पु०[स] हाथी (२)(समासने अते)
कुंजा पु० कूजो; 'कूजा'
कुंजी स्त्री० कूची; चावी (२) टीकानी चोपडी
कुंठ वि० [स] वुठ्ठु; मूरख
कुंठित वि० [स.] 'कुठ'; मूरख (२) रूधायेलुं; रोकायेलु
कुंड पु०[स] पाणीनो कुड; होज (२) (अग्निनो) कुड
कुँड़रा पु० कूडाळु (२) ऊढण
कुडरा पु० कूडु (२) माटलु
कुंडल पु० [स] कुडळ (काननु)
कुंडलिया पु० कुडळियो छद
कुंडली स्त्री० जन्मकुडली (२) जलेबी (३) पु० [स] साप (४) मोर
कुडा पु० कूडु (२) कमाडनी साकळनो नचूको
कुडी स्त्री० पथ्थर के माटीनु कूडी जेवु वासण (२) कमाडनी साकळ (३) साकळनो आकडो
कुंत पु० [स] भालो (२) जू
कुंतल पु० [स] वाळ
कुंद पु०[स] कुद फूलझाड के फूल (२) नवनी सख्या (३) वि० [फा] कुठित; वुठ्ठु (४) मंद
कुंदज़ेहन वि० मदवुद्धि
कुंदन पु० [स] चोख्खु सोनु
कुँदरू पु० घिलोडु-शाक

कुंदा पु० लाकडानु नहि चीरेलु मोटु ठूणगु–डीमचु (२) बदूकनो कुदो–लाकडानो मूठनो भाग (३) दस्तो; मूठनो भाग (४) कुन्दी करवानी मोगरी (५) कुस्तीनो एक दाव

कुंदी स्त्री० कपडाने मोगरीथी टीपी सफाईदार करवु ते. –करना=टीपवु; मारवु; धीववु

कुंदीगर पु० कपडाने कुन्दी करनारो

कुँदेरना स०क्रि० खरादवु

कुँदेरा पु० खरादी

कुंभ पु०[स] घडो (२) हाथीनु कुभ-स्थळ (३) एक राशि

कुंभकार, कुंभार पु० [स] कुभार

कुँभिलाना अ०क्रि० चीमळावु

कुंभी पु० [स] हाथी (२) मगर (३) स्त्री० नानो कुभ–घडो

कुंभीर पु० [स] मगर ['कुँआरा'

कुंत्रर(–रेटा), कुँवारा जुओ 'कुँअर',

कुँहकुँह पु० कुकुम; ककु

कु उपसर्ग=खराव, नीच, नानु, अल्प इ० भाव वतावे

कुआँ पु०, [स कूप प्रा कूव] कूवो –खोदना=कूवो खोदवो; बीजानुं बूरु ताकवु (२) रोटलो कमावा मथवु. कुएँमें वाँस डालना=खूव खोळवु कुएँमें वाँस पड़ना=खूव खोळ थवी कुएँमें भांग पड़ना=वधानी वुद्धि मारी जवी

कुआर पु०(वि० –रा, –री)आसो मास

कुइयां स्त्री० कूई; नानो कूवो

कुईं स्त्री०कूई(२)[स कुव]कुमुदिनी;'कुँई'

कुकटी स्त्री० कोकटी रू [सकोचावु

कुकडना अ०क्रि० कोकडु वळी जवु;

कुकड़ा पु० कूकडो

कुकड़ी,–री स्त्री० 'खुखडी', सूतरनी कोकडी (२) ककडी; मरघी (३) मकाईदोडो

कुकडूँकूँ अ० कूकडेकूक

कुकरना अ०क्रि० जुओ 'कुकडना'

कुकरी स्त्री०जुओ 'कुकडी' [(स्त्री०-टी)

कुकुर पु० कुक्कुर; कूतरु

कुकुर-खाँसी, कुकुर-ढाँसी स्त्री० सूकी उधरस; ठासो

कुकुर-माछी, कुकुरौंछी स्त्री० वगाई

कुकुर-मुत्ता पु० कूतरानो कान, विलाडीनो टोप

कुक्कुट पु० [स.] कूकडो (२)चिनगारी

कुक्कुर पु० [स] कूतरु

कुक्ष पु०, –क्षि स्त्री० [स] कूख; पेट

कुच पु० [स] स्तन

कुचकुचाना स०क्रि० लगातार कोचवु (जेम के, मुरब्बानु आमळु) (२) थोडु कचरवु

कुचना अ०क्रि० संकोचावु; सकडावु

कुचलना स०क्रि० कचडवु; मसळवु; पगथी दाववु

कुचला पु० झेरकचोलु

कुचाली वि० कुचालवाळु; दुराचारी

कुचाह स्त्री०. (प) अशुभ वात

कुचील(–ला), कुचैला वि०[स कुचैल] (स्त्री०–ली) मेला कपडावाळु (२) गदु; मेलु

कुछ वि० थोडु; केटलुक; काईक –एक वि० थोडुक –ऐसा वि० एवु काईक –विलक्षण. –का कुछ=शुनु शु; काईनु काई;ऊलटु.–कुछ=काई काई; थोडु. –हो = चाहे ते हो

[ु० [अ] लाखनो रग के ते
[ग्रोडो
पु० [स कुष्माड] कोळु. कुम्हड़
) वतिया = नवळो पोचो माणस
[ानु काचु कोळु
[ा अ० क्रि० चीमळावु
पु० (स्त्री० –रिन) कुंभार
[त्री० (प.) पाणी पर फेलाती
[ल
[ु० [स] हरण (२) खराव रग
[क्षण (३) वि० खराव रगनु.
[० –गिन = हरणी)
[ु० [अ.] रमवानो पासो (२) वात
[करवा नखाती चिठ्ठी वगेरे
स्त्री० जुओ 'कुर्की'
पु० कडकड थतो अवाज (जेम

कुराह स्त्री० कुमार्ग; खोटो राह
कुराही स्त्री० जुओ 'कुराह' (२) वि० दुराचारी
कुरिया स्त्री० झूपडी (२) नानु गामडु
कुरियाल स्त्री० पक्षी मोजमा आवी पाखो फफडावे ते. –में आना = मोजमा आववु. –में गुलाल लगना = रगमा भग पडवो
कुरी स्त्री० (प.) वश; खानदान (२) टुकडो
कुरुई स्त्री० वास के मुजनी नानी टोपली
कुरुख वि० [कु+रुख] नाराज
कुरुम पु० (प.) कूर्म; काचवो ['करोदना'
कुरेद (–ल) ना स० क्रि० खणवु; खोदवु;
कुरै (–रौ) ना स० क्रि० (प.) (जुओ 'कूरा') ढगलो करवो
कुर्क वि० [तु] जप्त करेलु. –अमीन =

क़ुत्ब पु० [अ] ध्रुव तारो (२) धरी (३) नेता
क़ुत्बनुमा पु० [अ+फा.] होकायंत्र
क़ुत्ब-शुमाली पु० उत्तर ध्रुव प्रदेश
कुत्सा स्त्री० [स] निंदा –त्सित वि० निंद्य; नीच
कुदकना अ०क्रि० कूदवु
कुदक्का पु० कूदको
क़ुदरत स्त्री० [अ] प्रकृति; माया (२) महिमा; शक्ति [प्राकृतिक(२)दैवी
क़ुदरती वि० स्वाभाविक; असली;
कुदान स्त्री० कूदवु ते; कूदको; छलग. –भरना=कूदवु (२) पु० [स] खोटु अपात्रे दान
कुदाना स० क्रि० कुदाववु; 'कुदवाना'
कुदार,-ल,-री,-ली स्त्री० [स. कुद्दाल] कोदाळी [द्वेप
कुदूरत स्त्री० [अ] हृदयनो मेल; कीनो;
कुदृष्टि स्त्री० [स] खराब नजर; पापदृष्टि [एक दाव
कुद्रव पु० [स.] कोदरा (२) तलवारनो
कुधर पु० [स कुध्र] पर्वत (२) शेपनाग
कुधातु स्त्री० [स] लोखड
कुनकुना वि० कोकरवायु
कुनना स० क्रि० खरादवु
कुनबा पु० [स कुटुंब, प्रा. कुडुंब] कुटुंब
कुनबी पु० कणबी
कुनवा पु० खरादी
कुनह स्त्री० [फा.] तत्त्व; तथ्य (२) बारीकी (३) [फा. कीना] द्वेप; वेर
कुनाई स्त्री० खरादीकाम के तेनी मजूरी (२) खरादतां पडतो भूको, वहेर
कुनैन स्त्री० क्विनीन [रस्तो
कुपं(–प)थ पु० [सं.] खराब के खोटो
कुपढ़ वि० अभण; मूर्ख
कुपथ पु० [स] जुओ 'कुपथ'
कुपथ्य पु० [स] शरीरने ना माफक ते
कुपना अ०क्रि० (प.) कोपवु; गुस्से थवु
कुपाठ पु० [स.] खोटो पाठ के सलाह शिखामण
कुपात्र वि०[स]अयोग्य;नालायक;अपात्र
कुपार पु० (प.) अकूपार; समुद्र
कुपित वि० [स.] गुस्से थयेलु
कुप्पा पु० (स्त्री० –प्पी) चामडानो कुप्पो. –होना=फूलवु के हृष्टपुष्ट थवु
कुफ़ुर, कुफ़्र [अ.] पु० काफरपणु; इस्लाममा नास्तिकता
क़ुफ़्ल पु० [अ] ताळु
कुबड़ा पु० [स. कुब्ज] (स्त्री० –ड़ी) खूधो (२) वि० खूंधु; कूबडु
कुब्ज वि० [स] कूबडु; खूधु
कुमक स्त्री० [तु.] कुमक; मदद (२) पक्षपात (वि० –की). –पर होना= पक्ष लेवो
कुमकुम पु० केसर (२) जुओ 'कुकुमा'
क़ुमक़ुमा पु० [तु] काचनो रगबेरगी नानो गोळो (छतमा टगाय छे ते)(२) जुओ 'कुंकुमा'
कुमरिया पु० एक जातनो हाथी
कुमरी स्त्री० [अ.] कबूतर जेवु एक पक्षी
क़ुमाच पु० [अ. कुमाश] एक जातनु रेशमी कापड [(३) वि० कुवारु
कुमार पु० [स] छोकरो (२) राजकुमार
क़ुमारबाज़ वि० [अ. किमार+बाज] जुगारी [छोकरी–कन्या
कुमारी, –रिका स्त्री० [स] कुवारी
कुमार्ग पु० [स.] खोटो–पापी रस्तो
कुमुद पु० [स.] कमळ

कुम्मैत पु० [अ] लाखनो रग के ते रगनो घोडो
कुम्हड़ा पु० [स कुष्माड] कोळु. कुम्हड़ (०की) वतिया=नवळो पोचो माणस (२) नानु काचु कोळु
कुम्हलाना अ० क्रि० चीमळावु
कुम्हार पु० (स्त्री० –रिन) कुभार
कुम्ही स्त्री० (प.) पाणी पर फेलाती एक वेल
कुरग पु० [स] हरण (२) खराव रग के लक्षण (३) वि० खराव रगनु. (स्त्री० –गिन=हरणी)
कुरआ पु० [अ.] रमवानो पासो (२) वात नक्की करवा नखाती चिठ्ठी वगेरे
कुरकी स्त्री० जुओ 'कुर्की'
कुरकुर पु० कडकड थतो अवाज (जेम के पापडनो) [एवु; कडक
कुरकुरा वि० 'कुरकुर' अवाज साथे भागे
कुरता पु० [तु.] कुरतु; पहेरण
कुरती स्त्री० सदरा जेवु स्त्रीनु कुरतु
कुरना अ० क्रि० (प) 'कूरा'–ढग थवो
कुरवत स्त्री० [अ] नजदीक; समीपता
कुरवान पु० [अ.]वलि; वलिदान कराय ते. –जाना, –होना=वारी जवु; न्योछावर थवु
कुरवानी स्त्री० वलिदान [(स्त्री०,–री)
कुरर [स.], –रा पु० टिटोडी; क्रौंच पक्षी
कुरसी स्त्री० [अ] खुरसी (२)मकाननी वेसणी (३) पेढी. –देना=मान आपवु
कुरसीनामा पु० [अ+फा.] वशावळी
कुराई(–य) स्त्री० (प.) कुराह; कुमार्ग (२) आडाटेकरावाळो मार्ग
कुरान पु० [अ] कुरान धर्मग्रथ
कुरानी वि० मुसलमान; कुरानने लगतु
कुराह स्त्री० कुमार्ग; खोटो राह
कुराही स्त्री० जुओ 'कुराह' (२) वि० दुराचारी
कुरिया स्त्री० झूपडी (२) नानु गामडु
कुरियाल स्त्री० पक्षी मोजमा आवी पाखो फफडावे ते. –में आना= मोजमां आववु. –में गुलाल लगना= रगमा भग पडवो
कुरी स्त्री० (प.)वश;खानदान(२)टुकडो
कुरुई स्त्री०वांस के मुजनी नानी टोपली
कुरुख वि० [कु+रुख] नाराज
कुरुम पु०(प.)कूर्म; काचवो ['करोदना'
कुरेद(–ल)ना स० क्रि० खणवु;खोदवु;
कुरैं(–रौं)ना स० क्रि० (प) (जुओ 'कूरा') ढगलो करवो
कुर्क वि० [तु] जप्त करेलु. –अमीन= जप्ती-अमलदार
कुर्की स्त्री० जप्ती; 'कुरकी'
कुर्ता पु० [तु.] जुओ 'कुरता'. –ती जुओ 'कुरती'
कुर्व पु०, ०त स्त्री० [अ] 'कुरवत'; समीपता [के प्रदेश
कुर्ब-व-जवार पु० [अ] आसपासनी जगा
कुर्मी पु० कणवी [पृथ्वी
कुर्र-ए-अर्ज पु० [अ] पृथ्वीनो गोळो;
कुर्स पु० [अ] सूर्यविव (२) गोळी
कुर्सी स्त्री० जुओ 'कुरसी'. ०नामा जुओ 'कुरसीनामा' [मरघो
कुलंग पु० [फा.]एक जातनु सारस (२)
कुल पु० [स] कुळ; ओलाद (२) वि० [अ.] वधु; तमाम [कि रोटी
कुलचा पु० [फा] एक जातनी मीठाई
कुलच्छन पु० (२) वि० कुलक्षण –नी पु०(२)स्त्री०कुलक्षणवाळो के –वाळी

क़ुत्ब पु० [अ] ध्रुव तारो (२) धरी (३) नेता
क़ुत्बनुमा पु० [अ +फा] होकायंत्र
क़ुत्ब-शुमाली पु० उत्तर ध्रुव प्रदेश
कुत्सा स्त्री० [स] निंदा –त्सित वि० निंद्य; नीच
कुदकना अ०क्रि० कूदवु
कुदक्का पु० कूदको
कुदरत स्त्री० [अ] प्रकृति; माया (२) महिमा; शक्ति [प्राकृतिक(२)दैवी
क़ुदरती वि० स्वाभाविक; असली,
कुदान स्त्री० कूदवु ते; कूदको; छलग. –भरना=कूदवु (२) पु० [स] खोटु अपात्रे दान
कुदाना स० क्रि० कुदाववु; 'कुदवाना'
कुदार,-ल,-री,-ली स्त्री० [सं. कुद्दाल] कोदाळी [द्वेष
कुदूरत स्त्री० [अ] हृदयनो मेल; कीनो;
कुदृष्टि स्त्री० [स] खराब नजर; पापदृष्टि [एक दाव
कुद्रव पु० [स.] कोदरा (२) तलवारनो
कुधर पु० [स कुध्र] पर्वत (२) शेषनाग
कुधातु स्त्री० [स] लोखंड
कुनकुना वि० कोकरवायु
कुनना स० क्रि० खरादवु
कुनबा पु० [स कुटुंब, प्रा. कुडुंब] कुटुंब
कुनबी पु० कणबी
कुनवा पु० खरादी
कुनह स्त्री० [फा] तत्त्व; तथ्य (२) बारीकी (३) [फा. कीना] द्वेष; वेर
कुनाई स्त्री० खरादीकाम के तेनी मजूरी (२) खरादता पडतो भूको; वहेर
कुनैन स्त्री० क्विनीन [रस्तो
कुपं(–प)थ पु० [सं.] खराब के खोटो
कुपढ़ वि० अभण; मूर्ख
कुपथ पु० [स] जुओ 'कुपथ'
कुपथ्य पु० [स.] शरीरने ना माफक ते
कुपना अ०क्रि० (प.) कोपवु; गुस्से थवु
कुपाठ पु० [स.] खोटो पाठ के सलाह शिखामण
कुपात्र वि०[स.]अयोग्य;नालायक;अपात्र
कुपार पु० (प.) अकूपार; समुद्र
कुपित वि० [स] गुस्से थयेलु
कुप्पा पु० (स्त्री० –प्पी) चामडानो कुप्पो. –होना=फूलवु के हृष्टपुष्ट थवु
कुफ़ुर, कुफ़्र [अ.] पु० काफरपणु; इस्लाममा नास्तिकता
क़ुफ़्ल पु० [अ] ताळु
कुबड़ा पु० [सं. कुब्ज] (स्त्री० –डी) खूधो (२) वि० खूधु; कूबडु
कुब्ज वि० [स] कूबडु; खूधु
कुमक स्त्री० [तु.] कुमक; मदद (२) पक्षपात (वि० –की). –पर होना= पक्ष लेवो
कुमकुम पु० केसर (२) जुओ 'कुकुमा'
कुमक़ुमा पु० [तु.] काचनो रगबेरगी नानो गोळो (छतमा टगाय छे ते)(२) जुओ 'कुकुमा'
कुमरिया पु० एक जातनो हाथी
कुमरी स्त्री० [अ.] कबूतर जेवु एक पक्षी
कुमाच पु० [अ. कुमाश] एक जातनु रेशमी कापड [(३) वि० कुवारु
कुमार पु० [स] छोकरो (२) राजकुमार
क़ुमारबाज़ वि० [अ. किमार+बाज] जुगारी [छोकरी–कन्या
कुमारी, –रिका स्त्री० [स] कुवारी
कुमार्ग पु० [स.] खोटो–पापी रस्तो
कुमुद पु० [स.] कमळ

कुसुंभ पु० [स.] कसुबानु फूल
कुसुभा पु० कुसुवो (रग के अफीणनो)
कुसुंभी वि० कसुवी; कुसुवी
कुसुम पु० [स] फूल (२) एक नेत्ररोग
कुसूर स्त्री० [अ.] कसूर; भूल. ०मंद, ०वार वि० अपराधी; भूलवाळु
कुह(-हु)कना अ० क्रि० [सं. कुहक] पक्षीए कुहूकुहू-मधुर बोलवु; टहुकवु
कुहन वि० [फा] जूनु; पुराणु
कुहनी स्त्री० [स. कफोणि] कोणी
कुहरा पु० धूमस
कुहराम पु० [अ. कहर-आम] रोककळ
कुहाना अ० क्रि० रूठवु; रिसावु
कुहासा पु० 'कुहरा'; धूमस
कुहुकना अ० क्रि० जुओ 'कुहकना'
कुहू स्त्री०[सं.]अमास(२)कुहू कुहू अवाज
कूंच पु० वणकरनो कूचडो (२) रती
कूंचा पु० झाडु; सावरणो
कूंची स्त्री० सावरणी(२)पीछी के कूचडो
कूंज पु० क्रौंच पक्षी
कूंजना अ० क्रि० कूजवु
कूंड स्त्री० लोढानो टोप (माथा माटे) (२) हळनो चास (३) एक वासण
कूंडा पु० कूंडु. -डी स्त्री० जुओ 'कुंडी'
कू पु० [फा.] गली
कूई स्त्री० कुमुदिनी
कूक स्त्री० मोर, कोयल इ० नो टहुको (२) घडियाळ, वाजा इ०नी चावी. -देना=चावी आपवी
कूकर पु० कूतरु. ०कौर पु० एठुजूठु; तुच्छ वस्तु
कूका पु० एक शीख सम्प्रदाय
कूच पु० [स] स्तन (२) [तुर्की] कूच; प्रस्थान. -कर जाना=मरी जवु. (किसीके) देवता कूच कर जाना= होशकोश ऊडी जवा.-बोलना=ऊपडवु
कूचा पु० [फा.] गली. ०गर्दी स्त्री० नकामी रखडपट्टी. ०वंद पु० एक तरफ रस्तावाळी-वध गली
कूज, ०न स्त्री० [सं.] ध्वनि; अवाज (२) पक्षीनु कूजवु ते
कूजना अ० क्रि० जुओ 'कूंजना'
कूज़ा पु० [फा.] कूजो; माटीनु पाणी माटेनु वासण (२) माटीना वासणमा जमावातो साकरनो अर्धगोळ गागडो
कूट पु० [स] शिखर (२) कूडकपट (३) ढगलो (४) वि० अचळ; स्थिर (५) कूडु; कपटी (६) बनावटी; जूठु
कूटना स० क्रि० कूटवु; खाडवु (२) मारवु; ठोकवु (३) (घटी इ०) टाकवी
कूटू पु० एक छोड के तेनु बी, जेनो लोट फराळमा चाले छे
कूड़ा [स. कुट, प्रा कूड =ढेर] 'कतवार'; कचरोपूजो(२)नकामी चीज ०कचरा, ०करकट पु० कूडो कचरो; कचरापट्टी. ०खाना पु० कचरापेटी
कूढ़ वि० नासमज; बेवकूफ
कूढमग्ज वि० मदबुद्धि
कूत स्त्री० अनुमान; अदाज; अडसट्टो
कूतना स० क्रि० अनुमानवु, अदाजवु
कूद स्त्री० [क्रि० कूदना=कूदवु] कूदवु ते
कूद-फांद स्त्री० कूदवु के ऊछळवु ते
कून स्त्री० [फा.] गुदा
कूप पु० [स] कूओ
कूब, कूबड पु० [स. कूबर] गूध (२) कोई चीजनु वाकापणु
कूर वि० क्रूर (२) दुष्ट; बूरु (३) नकामु (४) जड; मूर्ख

कुल-जमा अ० [अ] बधु मळीने (२) केवळ; मात्र
कुलज़म पुं० [अ] लाल समुद्र
कुलट पु० व्यभिचारी. -टा स्त्री० खराब स्त्री [कळथी-एक धान
कुलथ पु०, -थी स्त्री० [स. कुलत्थिका]
कुलफ पु० 'कुफल'; ताळु
कुलफत स्त्री० [अ.] चिंता; फिकर
कुलफा पु० [अ] एक जातनु शाक
कुलफ़ी स्त्री० कुलफी नळी जेमा मलाई इ० ठारवामा आवे छे
कुलबुल पु० कलवल
कुलबुलाना अ० क्रि० कलबल करवी (२) खदबदवु (३) सळवळवु
कुल-मुख़तार पु० [फा.] कुल-मुखत्यार
कुलह(-हा) स्त्री० 'कुलाह'; टोपी(२) शिकारी पक्षीनी आख परनु ढाकण
कुलही स्त्री० कानटोपी
कुलाँच, -ट स्त्री० छलग; कूदको
कुलाबा पु० [अ.] मिजागरु (२) मोरी (३) माछलीनो काटो
कुलाल पु० कुभार(२)घुवड. -ली स्त्री०
कुलाह पु० [फा] एक जातनी टोपी
कुलिश,-स पु० [स] वज्र (२) हीरो
कुली पु० [तु] गुलाम (२) रेलवेनो कुली-मजूर. ०कबारी पु० हलका पछात लोक
कुलीन वि० [सं] कुलवान; खानदान
कुलुफ पु० ताळु; 'कुफल' [(हिमालयनी)
कुलू,०त [स] पु० एक पहाडी जाति
कुलेल स्त्री० कल्लोल; क्रीडा
कुल्फी स्त्री० जुओ 'कुलफी'
कुल्य पु० [स] कुलीन पुरुष [(३) नदी
कुल्या स्त्री० [स] कुलीन स्त्री (२) नहेर
कुल्ला पु०, कुल्ली स्त्री० कोगळो
कुल्लियात पु० कुल कृतिओनो सग्रहग्रथ
कुल्ली वि० [अ] कुल; बधु
कुल्हड़ पु० [स कुल्हर] कुलडी; चडवो
कुल्हाड़ा पु० कुहाडो
कुल्हाड़ी स्त्री० कुहाडी
कुल्हिया स्त्री० कुलडी (नानी). -में गुड़ फोड़ना = कुलडीमा गोळ भागवो; गुप्त रीते काम करवु
कुवलय पु० [स] भृग कमळ
कुवाँ पु० कूवो [-री वि०
कुवाँर, कुवार पु० 'कुआर'; आसो मास.
कुवेर पु० [स] कुबेर
क़ुव्वत स्त्री० जुओ 'कूवत'
कुश पु० [स] कुश घास
कुशल वि० [स] कुशळ; चतुर (१) स्त्री० कुशळता; खुशी ०क्षेम पु० क्षेमकुशळ. -लाई, -लात स्त्री० (प.) कुशळता; खुशी
कुशाग्र वि० [स] तीक्ष्ण; तेज
कुशादगी स्त्री० [फा] विस्तार; मोकळाश
कुशादा वि० [फा] खुल्लु; मोकळु (२) विस्तृत; विशाळ [गायक; नट
कुशीलव पु० [स] कवि; भाटचारण (२)
कुश्ता पु० [फा] धातुनी भस्म
कुश्ती स्त्री० [फा] कुस्ती -खाना = कुस्तीमा हारवु -मारना = कुस्तीमा हरावव-पछाडवु
कुश्तोखून पु० [फा] मारकाट; खूनरेजी
कुष्ठ पु० [स] कोढ. -ष्ठी वि० कोढियु
कुष्माड पु० [स] कोळु [०लाई(-त)'
कुस,०ल,०लाई(-त) जुओ 'कुश,०ल,
कुसवारी पु० रेशमनो कीडो
कुसीद पु० [स] व्याज; 'सूद'

कुसुंभ पु० [स] कसुबानु फूल
कुसुंभा पु० कुसुवो (रग के अफीणनो)
कुसुंभी वि० कसुबी; कुसुवी
कुसुम पु० [स] फूल (२) एक नेत्ररोग
क़ुसूर स्त्री० [अ.] कसूर; भूल. ०मंद, ०वार वि० अपराधी; भूलवाळु
कुह(-हु)कना अ० क्रि० [सं. कुहक] पक्षीए कुहूकुहू–मधुर बोलवु; टहुकवु
कुहन वि० [फा.] जूनु; पुराणु
कुहनी स्त्री० [स कफोणि] कोणी
कुहरा पु० धूमस
कुहराम पु० [अ. कहर–आम] रोककळ
कुहाना अ० क्रि० रूठवु; रिसावु
कुहासा पु० 'कुहरा'; धूमस
कुहुकना अ० क्रि० जुओ 'कुहकना'
कुहू स्त्री०[स.]अमास(२)कुहू कुहू अवाज
कूंच पु० वणकरनो कूचडो (२) रती
कूंचा पु० झाडु; सावरणो
कूंची स्त्री० सावरणी(२)पींछी के कूचडो
कूंज पु० क्रौंच पक्षी
कूंजना अ० क्रि० कूजवु
कूंड स्त्री० लोढानो टोप (माथा माटे) (२) हळनो चास (३) एक वासण
कूंडा पु० कूडु. –डी स्त्री० जुओ 'कुडी'
कू पु० [फा.] गली
कूई स्त्री० कुमुदिनी
कूक स्त्री० मोर, कोयल इ० नो टहुको (२) घडियाळ, वाजा इ०नी चावी. –देना=चावी आपवी
कूकर पु० कूतरु. ०कौर पु० एठुजूठु; तुच्छ वस्तु
कूका पु० एक शीख सप्रदाय
कूच पुं० [स] स्तन (२) [तुर्की] कूच; प्रस्थान. –कर जाना=मरी जवु. (किसीके) देवता कूच कर जाना= होशकोश ऊडी जवा.–बोलना=ऊपडवु
कूचा पु० [फा.] गली. ०गर्दी स्त्री० नकामी रखडपट्टी. ०बंद पु० एक तरफ रस्तावाळी–बध गली
कूज, ०न स्त्री० [स] ध्वनि; अवाज (२) पक्षीनु कूजवु ते
कूजना अ० क्रि० जुओ 'कूंजना'
कूज़ा पु० [फा.] कूजो; माटीनु पाणी माटेनु वासण (२) माटीना वासणमा जमावातो साकरनो अर्धगोळ गागडो
कूट पु० [स] शिखर (२) कूडकपट (३) ढगलो (४) वि० अचळ; स्थिर (५) कूडु; कपटी (६) बनावटी; जूठु
कूटना स० क्रि० कूटवु; खाडवु (२) मारवु; ठोकवु (३) (घटी इ०) टाकवी
कूटू पु० एक छोड के तेनु बी, जेनो लोट फराळमा चाले छे
कूड़ा [स. कुट, प्रा. कूड =ढेर] 'कतवार'; कचरोपूजो(२)नकामी चीज ०कचरा, ०करकट पु० कूडो कचरो; कचरापट्टी. ०खाना पु० कचरापेटी
कूढ़ वि० नासमज; बेवकूफ
कूढमग्ज़ वि० मदबुद्धि
कूत स्त्री० अनुमान; अदाज; अडसट्टो
कूतना स० क्रि० अनुमानवु, अदाजवु
कूद स्त्री० [क्रि० कूदना=कूदवु] कूदवु ते
कूद–फांद स्त्री० कूदवु के ऊछळवु ते
कून स्त्री० [फा.] गुदा
कूप पु० [सं] कूओ
कूब, कूबड पु० [स कूबर] खूंध (२) कोई चीजनु वाकापणु
कूर वि० क्रूर (२) दुष्ट; बूरु (३) नकामु (४) जड; मूर्ख

कूरा पु० [स. कूट, प्रा. कूड] (स्त्री० –री = ढगली) ढगलो (२) भाग; अश
कूर्म पु० [स] काचबो
कूल पु० [स] किनारो (२) तळाव
कूला, कूल्हा पु० कूलो
कूवत स्त्री० [अ.] कौवत; शक्ति
कृच्छ्र पु० [स] कष्ट; दुख (२) वि० कठण; कष्टमय [सतयुग
कृत वि० [स] करेलु (२) पु० कार्य (२)
कृतकृत्य वि० [स] कृतार्थ; सफळ; धन्य
कृतघ्न वि० [स] निमकहराम; उपकार न माननार [कदर करनार
कृतज्ञ वि० [स] निमकहलाल; उपकारनी
कृतांत पु० [स] यम (२) शनिवार (३) सिद्धात
कृतार्थ वि० [स] कृतकृत्य
कृति स्त्री० [स] कार्य, रचना (२) जादु (३) एक छद (४) कातर के छरी
कृती वि० [स] कृतार्थ; नसीबदार (२) कुशळ; होशियार (३) भलु; पवित्र (४) कह्यागरु [(३) कृत्तिकानक्षत्र
कृत्ति स्त्री० [स] मृगचर्म (२) चामडु
कृत्तिका स्त्री० [स] एक नक्षत्र
कृत्य पु० [स] कार्य (२) वि० करवा योग्य
कृत्रिम वि० [स] बनावटी; नकली
कृत्स्न वि० [स] आखु; बधु; समग्र
कृपण वि० [स] कजूस (२) दीन; क्षु
कृपा स्त्री० [स] महेरबानी; दया
कृपाण (–न) पु० [स] किरपाण, तलवार
कृपाल, –लु [स] वि० कृपाळु; कृपा के महेरबानीवाळु
कृमि पु० [स] करम; जतु; कीडो
कृश, –शित वि० [स] दूबळु; पातळु (२) नानु, क्षुद्र

कृषक पुं० [स] किसान; खेडूत
कृषि स्त्री० [स] खेती
कृष्ण वि० [स] काळु (२) पु० श्रीकृष्ण
कृष्णाष्टमी स्त्री० [स] गोकळआठम
कें के स्त्री० चें चें अवाज
केचली स्त्री० सापनी काचळी
केचुआ (–वा) पु० अळसियु; सरसियु (२) झाडामा नीकळतो सफेद लाबो करम
केचुरि (–ल, –ली) स्त्री० जुओ 'कंचली'
केद्र पु० [स] केन्द्र; मध्यबिंदु [एकत्रित
केद्रित, केद्री वि० [स] मध्यमा आवेलु;
केद्रीय वि० [स] केद्रित (२) मुख्य
के स० (प.) कोण?
केउ स० (प) कोई
केकड़ा पु० करचलो [पु० मोर
केका स्त्री० [स.] मोरनो टहुको –की
केड़ा पु० नवो अकुर; कूपळ (२) नवजुवान
केत पु० केतन; घर (२) केतकी [घणु
केतक पु० [स] केवडो (२) (प) केटलु (३)
केतकी स्त्री० [स] केवडो [निशान
केतन पु० [स] घर; स्थान (२) धजा;
केतली स्त्री० कीटली; चादानी
केता वि० [स्त्री० –ती] केटलु, 'कितना'
केतिक वि० केवु (२) केटलु
केतु पु० [स] धजा (२) एक ग्रह
केतो वि० (प) जुओ 'केता' 'केतक'
केदली स्त्री० कदली; केळ
केदार पु० [स] वावेलु खेतर (२) क्यारडो (३) झाडनो क्यारो
केन्द्र, –न्द्री इ० जुओ 'केद्र'
केयूर पु० [स] बाजुबध
केर [स कृत] (स्त्री० –री) (प.) 'केर'; त अर्थनो एक प्रत्यय
केराना पु० 'किराना'; करियाणु

केरानी पु० 'किरानी'; युरेशियन (२) कारकुन
केराव पु० वटाणा
केरी स्त्री० काची नानी केरी; 'अँबिया'
केरोसिन पु० [इ] ग्यासतेल
केला पु० केळ के केळु [रति-क्रीडा
केलि (-ली) स्त्री० [स] हासी खेल (२)
केवका पु० प्रसूतिमा अपातो एक मसालो
केवट पु० [स कैवर्त] एक वर्णसकर जात; माछी के नाविक
केवटी (दाल) स्त्री० अनेक प्रकारनी भेगी दाळ
केवड़ई वि० केवडाना रगनु
केवडा,-रा पु० केवडो, तेनु फूल के अत्तर
केवल वि० [स] केवळ; फक्त (२) शुद्ध; पवित्र, उत्तम -ली पु० केवळ ज्ञानवाळो
केवांच स्त्री० कौंवच; 'कौंच'
केवा पु० [स कुव] कमळ
केवाड पु० 'किवाड'; कमाड
केश (-स) पु० [स] वाळ
केशरजन, केशराज पु० [सं] भमरो
केश (-स) र पु० [स] केसर
केश (-स) री पु० [स] केसरी; सिंह के घोडो [(२) केश; वाळ
केस पु० [इ] केस; किस्सो; मामलो
केसर पु० [स] केसर (२) केशवाळी; वाळ
केसरिया वि० (२) पु० केसरी के ते रग
केसरी पु० जुओ 'केशरी'
केसारी स्त्री० एक हलकु धान
केहा पु० केका; मोर
केहि स० (प.) 'किस'; 'किसको'; कोने
केहूँ, -हू स० (प.) कोई (२) केवी के कोई रीते [वाड़
कैंचा पु० मोटी कातर (२) वि० 'भेंगा';
क़ैंची स्त्री० [तु] कातर (२) साणसो. -करना=कापवु. -काटना=फरी जवु; नामुकर जवु (२) छूपीथी सरकी जवु. -बाँधना=बे जाघो वच्चे दबाववु. -लगाना=कापवु; कातर चलाववी
कैंडा पु० चाल; रीत; ढग (२) चालाकी; चालबाजी (३) माप; अदाज. -करना =अदाज काढवो
कैंप पु० [इ] कॅम्प; पडाव; छावणी
कै वि० 'कितना' (२) अ० या, अथवा
कै स्त्री० [अ.] वमन
कैतव पु० [स.] छळकपट; ठगाई (२) जूगटु (३) वि० ठगारु के जुगारी
कैतून स्त्री० [अ] (सोनेरी के रूपेरी) एक जातनी कपडा पर लगाडाती फीत
कैथ,-था पु० कोठीनु झाड
कैथिन स्त्री० कायस्थ स्त्री
कैथी स्त्री० शिरोरेखा वगरनी नागरीने मळती एक लिपि
कैद स्त्री० [अ] केद; बधन (२) केदखानु (३) प्रतिबन्ध; रोकावट (४) शरत; मर्यादा. -काटना, भरना=केदनो वखत पूरो करवो-गुजारवो -लगना=प्रतिबध मुकावो; शरत के मर्यादा होवी
कैदक स्त्री० [अ] 'पोर्टफोलियो'; कागळो राखवानी फाईल
क़ैदखाना पु० [फा] केदखानु
कैद-तनहाई स्त्री० अधारी कोटडीनी केद
कैद-महज स्त्री० [अ.] सादी केद
क़ैदी पु० [अ] केदी
कैधौं अ० (प.) या; अथवा
कैप पुं० [इ.] कॅप; टोपी
कैफ पु० [अ] केफ; नशो

कैफ़ियत स्त्री० [अ.] समाचार (२) वर्णन; विवरण (३) आश्चर्यनी के हर्षनी घटना. –तलब करना=केफियत मागवी; कारण पूछवु
कैफ़ी वि० [अ.] केफी; नशाबाज
कैबिनेट पु० [इ] राज्यनु प्रधानमडळ (२) खानावाळु एक कबाट
कैमेरा पु० [इ] कॅमेरा, 'कमरा'
कैरा वि० भूखरो रग (२) सफेद बळद
कैलंडर पु० कॅलेडर; ई० स० नु पचाग
कैवल्य पु० [स] मुक्ति; एकता
कैवा अ० (प) कई वार
कैश पु० [इ] रोकड नाणु
कैशियर पु० [इ] रोकड खजानची
कैसर पु० [अ.] सम्राट; बादशाह
कैसा वि० (स्त्री०–सी) केवु; कोना जेवु
कैसे अ० केवी रीते (२) केम; शा माटे
कैसो वि० (प) जुओ 'कैसा'
कोंचना स०क्रि० कोचवु; घोचवु; भोकवु
कोंछ पु० साल्लानो एक छेडो जेनाथी खोळो कराय छे. –भरना=(स्त्रीनो) खोळो भरवो
कोंछना, कोंछियाना स० क्रि० काई छेडामा भरीने ते केडे खोसवो (२) साडीनी पाटली करी ते खोसवी
कोंढा पु० कडी के आकडो (२) वि० कडी के आकडामा परोवेलु
कोंप स्त्री० जुओ 'कोंपल'. ०ना अ०क्रि० कूपळ नीकळवी
कोंपर पु० केरीनी साख
कोंपल स्त्री० कूपळ; नवा कोमळ पान
कोंवर,–रा वि० (प) कोमळ
कोंहड़ा पु० कोळु; 'कुम्हडा' [प्रत्यय
को स० को; कोण (२) चोथी ने बीजीनो
कोआ पु० जुओ 'कोया' (२) रेशमनो कोशेटो
कोइरी पु० 'काछी' जात
कोइल, –लिया स्त्री० कोयल पक्षी
कोइली स्त्री० काळा डाघवाळी एक जातनी केरी
कोई स० (२) वि० कोई (३) अ० लगभग. उदा० कोई दस आदमी [कोईक
कोउ, –ऊ स० (प) कोई. ०क स० (प)
कोका पु० [अ.] दूध-भाई; एक धावने धावेल [विल
कोकाबेरी(–ली) स्त्री० भरा कमळनी
कोकिल पु० [स.] कोयल (२) अगारो
कोकिला स्त्री० [स] कोयल
कोको(–के)न स्त्री० [इ] कोकेन–एक केफी औषधि
कोको स्त्री० कागडो (बाळभाषामा)
कोख स्त्री० कूख. –उजड़ जाना,उजडना =सतान मरी जवु (२) गर्भपात थवो. –खुलना=बाळक थवु –बंद होना, –मारी जाना=वध्या थवु
कोच पु० [इ] बगी (२) बेसवानो कोच
कोचक वि० [फा.] नानु
कोचना स० क्रि० 'कोंचना'; कोचवु; भोकवु. कोचा करेला=बळियाना डाघवाळो चहेरो
कोचवान पु० कोचमॅन; बगीवाळो
कोजागर पु०[स]कोजागरी; शरद पूनम
कोट पु० [स] किल्लो (२) [इ] कोट; डगलो (३) [स. कोटि] समूह; करोड
कोटर पु० [स] झाडनी बखोल
कोटि स्त्री० [स] धनुष्यनो छेडो (२) वर्ग; कक्षा (३) करोड सख्या (४)समूह
कोटिक वि० करोडो; अगणित
कोटी स्त्री० जुओ 'कोटि'

कोठ वि० खटायेलु (दात माटे)
कोठडी(-री) स्त्री० कोटडी; नानी ओरडी
कोठा पु० मोटी कोटडी (२) अटारी; उपरनो ओरडो (३) कोठो-खानु के पेट इ० [-री पु०
कोठार पु० भंडार; कोठार; वखार.
कोठिला पु० कोठलो; 'कुठला'
कोठी स्त्री० मोटु भव्य मकान (२) कोई कामकाज माटेनी पेढीनु के कचेरीनु मोटु मकान (३) गर्भाशय (४) खाळकूवामा उतारवानी कोठी [साहुकार
कोठीवाल पु० महाजन; मोटो वेपारी;
कोठेवाली स्त्री० वेश्या
कोड़ना स० क्रि० गोडवु; खोदवु
कोड़ा पु० कोयडो
कोड़ी स्त्री० वीसनी कोडी; वीसी
कोढ़ पु०पत-कोढनो रोग. -की खाज, -में खाज=दुख पर दुख आववु. -चूना, टपकना=कोढ गळवो
कोढ़ी वि० कोढियु (स्त्री० -ढ़िन)
कोण पु० [स] खूणो [दिशा
कोत स्त्री० (प) कौवत; वळ (२) कोण;
कोतल पु० [फा] कोतल; सवार वगरनो सजेलो के सवारीनो खास घोडो
कोतवाल पु० कोटवाळ; फोजदार
कोतवाली स्त्री० पोलीसथाणु के कोटवाळनु काम के पद [-ती)
कोता(०ह) [फा]वि० नानु;कम (स्त्री०
कोताही स्त्री० [फा.] कमी; वाकी; कसर
कोथला पु० कोथळो (२) पेट -ली स्त्री० कोथळी; थेली
कोदंड पु० [स] धनुष्य
कोद स्त्री० (प) 'कोत'; दिशा
कोदई, कोदरा, कोदव, कोदो, कोद्रव [स] पु० कोदरा. कोदो देकर पढ़ना या सीखना=अधूरी ढग वगरनी केळवणी लेवी छाती पर कोदो दलना=सामो जाणे तेम एवु काम करवु जेथी तेने वूरु लागे [खूणे भरावु
कोना पु० खूणो; कोण. -झाँकना=
कोना-खँतरा पु० खूणोखाचरो
कोनिया स्त्री० खूणामा मुकाती अभराई
कोप पु०[स] क्रोध; गुस्सो. ०ना अ०क्रि० कोपवु. -पी वि० क्रोधी
कोफ़्त स्त्री० [फा] पीडा; दुख (२) लोढा पर सोना चादीनु जडित काम
कोफ़्ता पु०[फा] एक जातनो कबाव-मासनी वानी
कोबा पु० [फा.] मोगरी; कूबो
कोबी स्त्री० कोबी, करमकल्लो,'गोबी'
कोमल वि० [स] कोमळ; मृदु
कोय स० 'कोई'
कोयल स्त्री० कोयल पक्षी
कोयला पु० कोलसो; कोयलो
कोया पु० आखनो डोळो के खूणो (२) फणसनु चापु (३) रेशमना कीडानो कोशेटो
कोर स्त्री० कोर (किनार; धार) (२) द्वेष; वेर (३) दोष; खामी (४) पक्ति; हार (५) वि० [फा] अध -दबना= लागमा आववु [वत्ताओछापणु
कोर-कसर स्त्री० दोष ने खामी (२)
कोरट पु०[इ] कोर्ट ऑफ वॉर्ड्झ;वालीनु काम करती कोर्ट
कोरनिश [फा.] स्त्री० कुरनिस; झूकीने करेली सलाम
कोरमा पु० [तु.] खूब घीमा तळेलु मास

कोरा वि० (स्त्री०–री) कोरु (२) पु० सादु रेशमी कापड (३) गोद; खोळो
कोरि वि० (प) कोटि; करोड
कोरी,–ली पु० (हिंदु) वणकर
कोल पु० [स], कोली स्त्री० गोद; खोळो
कोलाहल पु०[स] कळाहोळ; शोरबकोर
कोलिया स्त्री० साकडी गली (२) पटी जेवु खेतर
कोली स्त्री० जुओ 'कोल'(२) पु० जुओ 'कोरी'
कोल्हू पु० कोलु के घाणी. –काटकर मुंगरी बनाना=थोडा लाभ माटे मोटी हानि वहोरवी –का बैल=घाचीना वळद जेवो
कोविद वि० [स] कुशळ; प्रवीण
कोश(–ष) पु० [स] खजानो (२) सघरेलु धन (३) शब्दकोश (४) ढाकणु; आवरण
कोशिश स्त्री० [फा ।प्रयत्न; महेनत
कोष पु० [स] जुओ 'कोश'
कोष्ठ पु० [स] कोठो; पेट (२) भडार
कोष्ठक पु० कोष्टक
कोष्ठी स्त्री० जन्मोतरी
कोस पु० गाउ; क्रोश
कोसना स० क्रि० महेणु मारवु; भाडवु; शापवु –काटना = शाप अने गाळो देवा. पानी पी पीकर कोसना = खूब 'कोसना.'
कोसा-काटी स्त्री० शाप; निंदा
कोह पु० क्रोध (२) [फा] पहाड
कोहकनी स्त्री० [फा.] भगीरथ काम
कोहन,–ना वि० [फा कुहन] पुराणु
कोहनी स्त्री० 'कुहनी'; कोणी
कोहनूर पु० [फा] कोहिनूर
कोहबर पु० [स. कोष्ठवर] विवाह इ०मा पूजवाना कुलदेवतानु स्थान
कोहराम पु० [फा] जुओ 'कुहराम'
कोहसार पु० [फा. कुहसार] पहाड के पहाडी प्रदेश
कोहान पु० [फा] ऊटनी खूध
कोहाना अ० क्रि० रोषावु; गुस्से थवु; रूसणु लेवु
कोहाब(–व) पु० (प.) रूसणु
कोहिस्तान पु० [फा.] पहाडी देश
कोही वि० क्रोधी (२) पहाडी
कौंच(–छ) स्त्री० कौवच
कौंध(–धा) स्त्री०वीजळीनो चमकारो (अ०क्रि० कौंधना = वीजळी चमकवी)
कौंसल पु० [इ] वकील; बारिस्टर
कौंसिल स्त्री०[इ]काउन्सिल,धारासभा. ०र पु० तेनो सभ्य [कागारोळ; शोर
कौआ पु० कागडो ०र, ०रोर पु०
कौटिल्य पु० [स] कुटिलता; फरेब
कौटुंबिक वि० [स] कुटुब सबधी (२) पु० घरनो वडील
कौड़ा पु० मोटी कोडी; कोडो(२)तापणी
कौड़ियाला वि० कोडीना रगनु (२) पु० एक झेरी साप (३) कजूस धनिक
कौड़ी स्त्री० कोडी (२) धनसपत्ति. –फिरना=दावमा सारी कोडी पडवी
कौतुक पु० [स] कुतूहल (२) अचबो (३) हासीखेल (४) विवाहनु ककण
कौतुकी,–किया पु० कौतुक करनार (२) विवाहनो पुरोहित
कौतूहल पु० [स] कुतूहल
कौथ स्त्री० [कौन+तिथि] कई तिथि के तारीख? (२) शो सबध?
कौथा वि० केटलामु? -

कौन स० कोण. –सा=कोण –होना=शो अधिकार छे (२) शो संबंध के सगाई छे?
कौपीन पु०[सं.] लंगोटी (२) पाप; गुनो
कौम, कौमियत स्त्री०[अ.] कोम; जाति (२)राष्ट्र(ब०व० अक़वाम;वि० कौमी)
कौमार पु० [सं.] कुमारावस्था
कौनियत स्त्री० जुओ 'कौम' मा
कौमी वि० [अ] राष्ट्रीय
कौमुदी स्त्री० [स] चांदनी (२) आसो या कारतक पूर्णिमा
कौर पु० [स कवल] कोळियो (२) घंटीमा एक वार ओराय एटलु–चपटी
कौरना स०क्रि० शेकवु
कौरा पु० कमाड पाछळनो भाग. कौरे लगना=कमाड पाछळ संतावु
कौरी स्त्री० बाथ भरवी ते
कौल पु० [स] वाममार्गी (२) खानदान (३) [कवल] जुओ 'कौर'
कौल पु०[अ.] कोल; प्रतिज्ञा (२) कथन; वाक्य. –(व) करार=कोलकरार; परस्पर प्रतिज्ञा –का पूरा, पक्का या धनी=सत्यवादी
कौवा पु० (स्त्री०–वी) कागडो; कौवो (२) धूर्त. –गुहार, –रोर=शोरबकोर. कौवे उड़ाना=नवरु होवु
कौवाल,कौवाली [अ] जुओ 'कव्वाल,–ली'
कौशल,–ल्य पु०[सं] कुशळता (२) मंगळ
कौस स्त्री० [अ] धनुष; कमान. –ए कुज़ह; कौस-कुज़ा=इन्द्रधनुष
कौस्तुभ पु० [सं] एक मणि
क्या स० शु? –कुछ, –क्या=बधु. –खूब!=वाह! धन्य!
क्यारी,–ली स्त्री० क्यारो
क्यो अ० केम? शा माटे? (२) (प.) 'कैसे'. –कर अ० 'कैसे'; केवी रीते. –कि अ० एटला माटे के. –नहीं अ० जरूर; बेशक
क्रंदन पु० [स] रुदन(२)युद्ध माटे पडकार
क्रतु पु० [सं] यज्ञ
क्रम पु० [सं] एक पछी एक आवे ते व्यवस्था (२) पगलु (३) (प) कर्म
क्रमिक वि० [सं] क्रममा आवतु; क्रमबद्ध
क्रमेल,०क पु० [सं] ऊंट
क्रय पु० [स] खरीद
क्रयविक्रय पु० [स] वेपार
क्रांति स्त्री०[स]मोटो पलटो(२)सूर्यमार्ग
क्रिकेट पु० [इ] क्रिकेट रमत
क्रिया स्त्री० [स] करवु ते; कर्म (२) कोई धार्मिक क्रिया
क्रियाकर्म पु० [सं] अंत्येष्टि क्रिया
क्रिस्तान पु० (वि० –नी) ख्रिस्ती
क्रीड़ा स्त्री० [स] खेल; रमत
क्रीत(०क) पु० [स.] बार प्रकारना पुत्रमानो एक (२) वि० खरीदेलु
क्रूर वि० [स] घातकी; निर्दय (२) पु० भात; रांधेला चोखा (३) बाज पक्षी
क्रूस पु० ख्रिस्ती धर्मचिह्न; क्रास
क्रोड़ पु०[स] गोद,खोळो (२)बाथ; छाती
क्रोडपत्र पु० [स] (पुस्तक के छापान्) परिशिष्ट; पुरवणी; वधारो
क्रोध पु०[स] गुस्सो. –धी वि० क्रोध करनारु (२) पु० एक संवत्सर
क्रोश पु०[स] कोस, अंतर (२) रोवु ते
क्रोष्टु,०क पु० [स] शियाळ; कोलु
क्रौंच पु०[स.] एक पक्षी. –ची स्त्री० तेनी मादा
क्लब पु० [इ] क्लब; कोई मंडळीनी बेठक

क्लर्क पु०[इ] क्लार्क; कारकुन -र्की स्त्री० कारकुनी
क्लांत वि० [स.] थाकेलु -ति स्त्री० [थाक
क्लाक पु० [इ. क्लॉक] मोटु घडियाळ
क्लास पु० [इ] वर्ग; दरज्जो; श्रेणी
क्लिप स्त्री० [इ] चाप (कागळो इ० राखवानी)
क्लिष्ट वि० [स] क्लेश पडे के पाडे वुं; समजवामा कठण-अस्पष्ट [डरपोक
क्लीव,-ब पु० [स] नपुसक (२) वि०
क्लेद पु० [स] भेज (२) पसीनो
क्लेश पु० [स] ककास; दुख; रागद्वेषादिनी पीडा
क्लोरोफार्म पु० क्लॉरोफॉर्म; शस्त्रक्रियामा सूंघाडाती दवा
क्वचित् अ० [स] कोक ज वार
क्वथ, क्वाथ पु० [स.] काढो; क्वाथ
क्वाँरा, क्वारा वि० (स्त्री०-री) कुंवारु
क्वारंटाइन पुं० [इ] क्वॉरॅन्टीन
क्वार पु० आसो मास [लग्न थवु
क्वारपन पु० कुवारापणु. -उतरना =
क्विनाइन स्त्री० [इ] 'कुनैन' दवा
क्षंतव्य वि०[स] माफ करवा जेवु; क्षम्य
क्षण पु० [स] 'छन'; क्षण-पळ
क्षणभंगु (प), ०र वि० [स] क्षणमा नाश पामे तेवु
क्षणिक वि० [स] क्षण जेटलु; अनित्य
क्षत वि० [स] घायल (२) पु० घा; जखम
क्षति स्त्री० [न] हानि; नाश; नुकसान
क्षत्र पु० [स] क्षत्रिय (२) बळ (३) राज्य
क्षत्राणी स्त्री० क्षत्रियाणी
क्षत्रिय, क्षत्री पु०[स] क्षत्रिय जातिनो माणस -याणी स्त्री०
क्षपणक पु० [सं.] (बौद्ध के जैन) सन्यासी
क्षपा स्त्री० [स.] रात (२) हळदळ. ०कर पु० चद्र
क्षम वि० [स.] (समासमा) -ने योग्य. ०ता स्त्री० शक्ति; बळ (२) योग्यता
क्षमना स० क्रि० (प) क्षमा करवी
क्षमा स्त्री० [स] माफी; दरगुजर करवु ते (२) धरती
क्षमी वि० [स.] क्षमावान (२) समर्थ
क्षम्य वि० [सं] क्षतव्य; माफीने लायक
क्षय पु० [सं] क्षीण थवु ते; ह्रास; नाश (२) क्षय रोग (३) घर; मकान
क्षर वि० [स.] चल; नाशवत; अनित्य
क्षात्र वि० [स.] क्षत्रिय सबधी (२) पु० क्षत्रिय के तेनु कर्म [(३) थोडु
क्षाम वि० [स] क्षीण; पातळु (२) दुर्बळ
क्षामा स्त्री० [स] पृथ्वी [(४) वि० खारु
क्षार पु० [स.] खार (२) मीठु (३) भस्म
क्षिति स्त्री० [स] पृथ्वी (२) स्थान, जगा. ०ज पु० दृष्टिमर्यादा (२) झाड
क्षिप्र वि० [स] तरत; जलदी (२) तेज; वेगीलु . [गयेलु; पूरु थयेलु
क्षीण वि० [स] दूबळु; कमजोर (२) घटी
क्षीर पु०[स] दूध (२) जळ [(३) कजूस
क्षुद्र वि०[स] नानु; अल्प (२) तुच्छ; नीच
क्षुधा स्त्री० [स] भूख. ०तुर, ०र्त वि० भूख्यु ०लु वि० खाउधरु; भुखाळवु. -धित वि० भूख्यु [अशात; चचळ
क्षुब्ध, क्षुभित वि० [सं] खळभळेलु;
क्षुर पु०[स.] छरो; अस्तरो (२) पशुनी खरी
क्षुरी स्त्री० [स] छरी (२) पु० वाळद (३) खरीवाळु पशु
क्षेत्र पु० [स] खेतर; जमीन (२) कार्यक्षेत्र (३) तीर्थस्थान (४) देह
क्षेम पु० [स.] खेमकुशळ

क्षोणि,-णी स्त्री०[स]धरती; पृथ्वी. ०प पु० राजा
क्षोभ पु० [स] खळभळाट; व्याकुळता (२) क्रोध; रोष
क्षोम पु० [स.] शणियु (२) वस्त्र
क्षौर पु० [स.] हजामत
क्ष्मा स्त्री० [स] पृथ्वी
क्ष्वेलिका स्त्री० [स.] मश्करी; गमत

ख

खंख,०र वि० खाली (२) उज्जड; वेरान
खँखार पु० जुओ 'खखार'
खँखारना अ०क्रि० खोखारवु; खासवु
खग पु० खड्ग; तरवार
खंगहा वि० दातवु (२) पु० गेंडो
खँगारना, खँगालना स०क्रि० खखाळवु; धोवु (२) खाली करवु; खखेरी लेवु
खँचना अ० क्रि० निशान पडवु; अकावु
खँचाना स० क्रि० आकवु; निशान पाडवु (२) जलदी जलदी लखवु
खँजड़ी,-री स्त्री० वजाववानी खजरी
खजर पु० [अ.] खजर; कटार
खँजरी स्त्री० जुओ 'खँजडी'
खंड पु० [स.] भाग (२) खाड
खंडन पु० [स.] भागवु; तोडवु ते
खँडनी स्त्री० साथ; कर
खँडर पु० जुओ 'खँडहर'
खँड़वानी स्त्री० खाडनु पाणी (२) जानैयाओने नास्तो पाणी शरबत इ० मोकलवु ते
खँडरा पु० चणाना लोटनु एक पकवान
खँड़सार,-ल स्त्री० देशी खाडनु कारखानु
खँड़सारी स्त्री० एक जातनी देशी खाड
खँडहर, खँडर पु० [खड+घर] खडेर
खंडित वि० [स] भागेलु; तूटेलु; अपूर्ण
खँडिया स्त्री० नानो खड – टुकडो
खँडौरा पु० जुओ 'ओला'; एक मीठाई
खँतरा पु० खाडो; तराड; बखोल
खता पु० (अल्प०–ती स्त्री०) कोदाळो; पावडो [(२) खाधरो
खंदक स्त्री० [अ] किल्लानी खाई
खंदा पु० (प) खोदनारो [हस; खु
खंदा पु०[फा.]हास्य. ०रू, ०पेशानी वि०
खदी स्त्री० कुलटा
खँधवाना स० क्रि० खाली करावनु
खंधार पु० (प.) छावणी; डेरो; तबू
खभ (–भा) पु० (स्त्री० –भिया) खभो; थाभलो [डर (३) शोक
खँभार पु० (प.) गभराट; चिता; (२)
खई स्त्री० खई; क्षय (२) लडाई (३) झघडो [अनुभवी माणस
खक्खा पु० जुओ 'क़हकहा' (२)
खखरा पु० देगडो (२) वासनो टोपलो
खखार पु० गलफो, कफ इ० जे खाखारीने कढाय छे
खखारना अ० क्रि० खोखारवु; 'खँखारना'
खग पु० [स] पक्षी (२) तीर (३) वादळ (४) चद्र सूर्य के तारा (५) हवा
खगना अ० क्रि० (प.) खची जवु; अदर पेसी जवु – भोकावु (२) मनमा चोटी जवु; असर थवी

खगोल पु० [स] गगन (२) खगोळविद्या
खग्रास पु० पूर्ण ग्रहण (सूर्य के चंद्रनु)
खचना अ० क्रि० (प.) खची जवु; अदर जडाई जवु
खचरा वि० वर्णसकर (२) दुष्ट
खचाखच अ० खचोखच; ठसोठस
खचित वि० [स] जडेलु; अकित
खच्चर पु० खच्चर; 'खचरा'
खज वि० (प) खाद्य
खजला पु० खाजु—एक पकवान
खजानची पु०[फा]खचानची;कोशाध्यक्ष
खजाना, खजीना (प.) [अ] खजानो; धनभडार (२) राजभडार
खजुआ,-वा पु० 'खजला'; खाजु
खजुली, -लाना जुओ 'खुजली, -लाना'
खजूर पु०स्त्री० खजूर के तेनु झाड (२) एक मीठाई (वि०-री)
खट पु० खट अवाज. **-से** = तरत
खटक स्त्री० खटको; डर; चिंता (२) खटकवु ते
खट(-ड़)कना अ०क्रि० खटकवु; खट-खट थवु; मनमा लागवु (२) डरवु (३) मनमा चिंता थवी (४) रही रहीने पीडा थवी (५) आखडवु; झघडवु
खटका पु० खटको (२) भय (३) चिंता
खटकिन स्त्री० काछियण. (पु० खटिक)
खटकीड़ा(-रा) पु० माकण; 'खटमल'
खटखट स्त्री० खटखट (अवाज के पचात)(२) झघडो [खखडाववु
खटखटाना स० क्रि० खटखटाववु;
खटना स०क्रि० कमावु; खाटवु (२) अ०क्रि० कामधधे लागवु
खटपट स्त्री० खटखट अवाज (२) अणबनाव; झघडो
खटपाटी स्त्री० खाटलानी पाटी **-लेना** = (स्त्रीए) रूसणु लेवु
खटबुना पु० खाटलो भरनारो
खटमल पु० [खाट+मल=मैल] माकण
खटमिट्ठा, खटमीठा वि० खटमधुरु
खटराग पु० खटखट; झझट; बखेडो(२) नकामी चीजोनो समूह
खटवाट स्त्री० जुओ 'खटपाटी'
खटाई स्त्री० खटाश के खाटी वस्तु **-में डालना** = एमनु एम अनिश्चित पडयु राखवु. **-में पड़ना** = एमनु एम अनिश्चित रहेवु [तरत
खटाखट पु० खटखट अवाज (२) अ०
खटाना अ०क्रि० खटावु; खाटु थवु (२) नभवु; टकवु [अणबनाव
खटापट,-टी स्त्री० खटपट; झघडो;
खटाव पु० निभाव; गुजारो
खटास स्त्री० खटाश
खटिक पु० काछियो (२)खाटकी(स्त्री० खटकिन)
खटिया स्त्री० खाटली; नानो खाटलो
खटोलना, खटोला पु० 'खटिया'
खट्टा वि० खाटु. **जी खट्टा होना**=दिल ऊतरी जवु; रुचि ना रहेवी
खट्टाचूक वि० खाटुचरड; खूब खाटु
खट्टा-मीठा वि० जुओ 'खटमिट्ठा' **जी खट्टामीठा होना** = मोमा पाणी आववु; ललचावु
खट्टी स्त्री० खाटु लीवु [कमानार
खट्टू वि० खाटनार; लाभी जनार;
खट्वा स्त्री० [स] खाटलो [छे ते
खड़ंजा पु० फरस करवा ऊभी ईंटो चणे
खड़ पु० खड; घास
खड़(-र)कना जुओ 'खटकना'

खड़खड़ाना अ० क्रि० खखडवु (२) स०क्रि० खखडाववु
खड़खड़िया स्त्री० पालखी
खडग पु० (प) तलवार –गी वि० तलवारवाळो [(२) ऊलटासूलटी
खड़बड़,–ड़ाहट,–ड़ी स्त्री० खळभळाट
खडबड़ाना अ० क्रि० खळभळवु (२) स० क्रि० ऊलटसूलट करवु (३) खळभळाववु
खड़बिडा वि० खडबचडु; असमान
खड़ा वि० खड़ु; ऊभु (२) तत्पर (३) चालु; जारी. खड़ा जवाब = साफ ना खड़े खड़े=तरत; झटपट
खड़ाऊँ स्त्री० खडाउ; पावडी
खड़िया, खड़ी स्त्री० खडी; खडी माटी
खड़ी-बोली स्त्री० पश्चिमी हिंदीनो-(दिल्लीनी आसपासनो) एक भेद
खड्ग पु० [स] तलवार. –गी वि० तलवारवाळो
खड्ड पु० बे पहाडो वच्चेनो ऊडो मोटो

खावी; दगामा फसावु –होना= भूली जवु (२) भूल थवी
खतावार वि० [फा] गुनेगार; अपराधी
खतियाना स० क्रि० खतववु
खतियौनी स्त्री० खातावही (२) खतववु ते (३) गामनी जमीन महेसूल वगेरेनु तलाटीनु पत्रक [विषुववृत्त
खते-इस्तिवा पु० [अ] भूमध्य रेखा;
खते-जद्दी पु० [अ.] मकरवृत्त
खते-मुस्तक़ीम पु० [अ.] सरळ रेखा
खतौनी स्त्री० जुओ 'खतियौनी'
खत्ता पु० खाडो (२) अन्न संघरवानी जगा (स्त्री०–त्ती)
खत्म वि० [अ.] 'खतम'; पूरु
खदंग पु. [फा], –गी स्त्री० तीर
खदबदाना अ० क्रि० खदबदवु
खदरा वि० नकामु; रद्दी (२) पु० खाधरो
खदशा पु० [अ.] डर; भय
खदान स्त्री० खाण [(३) चंद्रमा
खदिर पु० [स] खेरनु झाड (२) [illegible]

खनि,–नी स्त्री० खाण (२) गुफा ०ज वि० खाणमायी नीकळतु

खपची,-च्ची स्त्री० खपाटियानो नानो टुकडो

खपड़ा,–रा पु० [स खर्पर] नळियु

खपड़ी स्त्री० कूडा जेवु एक माटीनु वासण (२) खोपरी

खपड़ैल स्त्री० नळियानु छापरु के घर

खपत, –ती स्त्री० खपत; माग (२) समावेश

खपना अ०क्रि० खपवु (२) हेरान थवु

खपरा पु० जुओ 'खपडा'

खपरिया स्त्री० खापरियु (२) नानु नळियु–'खपरा'

खपरैल स्त्री० जुओ 'खपडैल'

ख़पाच,–ची स्त्री० 'खपची'; खपाटियु

खपाना स० क्रि० 'खपना' नु प्रेरक

खप्पर पु० खोपरी (२) भिक्षापात्र. –भरना = खप्परना दारू वगेरे देवीने चडाववा (२) सतोषवु; माग पूरी करवी

[illegible] पु० [अ] (वि०–नी) गाडपण

[illegible]फ़गी स्त्री० [फा] खोफ; कोप; नाराजी

ख़फ़ा वि० [अ] नाराज (२) क्रोध–गुस्सामा आवेलु [illegible] ख़फ़गी स्त्री०)

ख़फ़ी वि० [अ] झीणु; [illegible] (अक्षर माटे) (२) छूपु; गुप्त

ख़फ़ीफ़ वि० [अ] थोडु (२) तुच्छ (३) सामान्य (४) लज्जित

ख़बर स्त्री० [अ] खबर; समाचार (२) होश; भान (३) जाण –उड़ना = अफवा फेलावी. –लेना = मदद करवी (२) खबर लई नाखवी; सजा करवी

ख़बरगीर [अ + फा] जासूस (२) सरक्षक; पालक

ख़बरदार वि० [फा] होशियार; सावधान (स्त्री० –री)

ख़बररसाँ पु० [अ + फा] खेपियो; दूत

ख़बीस पु० [अ] खवीस; भूत, राक्षस

ख़ब्त पु० [अ] (वि० –ब्ती) गाडपण; धून; रगीलापणु [भेळववु; मिश्र करवु

खभरना स० क्रि० खभळे एम करवु (२)

ख़म पु० [अ] वाकापणु; झुकाव. –खाना = झूकवु (२) हारवु –ठोककर = दृढतापूर्वक; जोरथी –ठोकना = कुस्तीमा जाय ठोकी तैयार थवु

ख़म-दम पु० साहस; पुरुषार्थ

ख़मदार वि० [फा] वांकु; झूकेलु

ख़मियाज़ा पु० [फा] आळसथी अग मरोडवु के बगासु खावु ते (२) कर्मनु फळ भोगववु ते

ख़मीदा वि० [फा] वळेलु; झूकेलु, नमेलु

ख़मीर पु० [अ] आथो चडावे ते–खमीर (२) तमाकुनो शीरो; काकब (३) स्वभाव

ख़मीरा पु० [अ.] एक जातनी पीवा माटेनी तमाकुनी बनावट (२) वि० पु० मीठाईमा बनावेली (औषधि)

ख़मीरी वि० खमीरवाळु (२) स्त्री० खमीरवाळी एक जातनी रोटी

ख़मोश, ख़मोशी जुओ 'खामोश,–शी'

[illegible]च स्त्री० खमाच रागिणी

[illegible] (प.) क्षय [विश्वासघात

खया[illegible] [अ] बेईमानी; दगो;

खयाल [illegible] ख्याल (विचार; ध्यान; स्मरण) [illegible] ख्याल – गानपद्धति

ख़यालात पु० [अ] 'खयाल' नु ब०व०

खयाली वि० [अ] ख्याली; कल्पित (२) ख्यालने लगतु [illegible]

खर पुं०[स] गधेडो (२) खच्चर (३) खड; घास (४) वि० कठण; सखत (५) तेज; तीक्ष्ण (६) नुकसानकारक
खरक पु० [म. खडक] ढोरनो वाडो के चरो (२) खपाटियानु बारणु (३) स्त्री० जुओ 'खटक'
खरकना अ० क्रि० जुओ 'खटकना'
खरका पु० दातखोतरणु —करना = तेनाथी दात साफ करवा [अवाज
खरखर अ० ऊघमा नाक बोलवानो
खरखशा पु० [फा.] झघडो
खरगोश पु० [फा] 'खरहा'; ससलु
खरच,-चा पु० खरचो; खर्च
खरचना स० क्रि० खरचवु; वापरवु; उपयोगमा आणवु
खरचीला वि० जुओ 'खर्चीला'
खरदरा वि० खरबचडु [बुद्धिनु
खर-दिमाग वि०[फा.] मूर्ख; गधेडानी
खरनफ्स वि० [फा] लपट
खरब पु० खर्व सख्या
खरबूजा पु० [फा] खडबूचु
खरभर पु० खळभळ; शोर; गरबड
खरभर(-रा)ना अ० क्रि० खळभळवु (२) शोर मचाववो
खरमस्ती स्त्री० [फा] दुष्टता
खरमा(-वाँ)स पु० मगळ कार्य न करवाना—पोष अने चैत्र—मास
खरल पु० वाटवानो खल. —करना = खलमा वाटवु
खरवांस पु० जुओ 'खरमास'
खरसा पु० एक पकवान (२) उनाळो (३) खराडियु (४) खूजली; लूखस —सला वि० खूजलीवाळु (पशु)
खरसान स्त्री० धार काढवानो पथ्थर

खरहरा पु० 'खरेरा'; खरेरो (२) सावरणी [मेवो; खारेक?
खरहरी स्त्री० नानो 'खरहरा' (२) एक
खरहा पु० ससलु
खरा वि० तेज; तीक्ष्ण (२) खरु (साचु; साफ; घणु शेकाई गयेलु इ०) (३) स्पष्टवक्ता
खराई स्त्री० खारापणु (२) सवारना खावाना समयमा मोडु थवाथी, टेवने लीधे शरीरमा थती विक्रिया. —मारना =नास्तो करवो
खराऊँ स्त्री० जुओ 'खडाऊँ'
खराद पु० [फा खर्राद]खराद; सघाडो (२) स्त्री० खरादवानु काम
खरादना स० क्रि० खरादवु
खरादी पु० खरादवानु काम करनार
खराब वि० [अ] खराब; बूरु; नठारु (२) बेहाल; दुर्दशामा पडेलु (नाम, —बी स्त्री०) [तद्दन पायमाल
खराब न खस्ता वि०[फा]खराबखास्ता;
खराबा पु० [फा.] बरबादी; खराबी
खराबात स्त्री० [अ] उज्जड जमीन; खराबो (२)वेश्यावाडो (३)दारूनु पीठु
खराबी स्त्री० जुओ 'खराब'ना
खराश स्त्री० [फा] 'खरोच'; खमरको; उझरडो; छोलावु ते
खरास स्त्री० [फा खरीस] घटी
खरिया स्त्री० दोरीथी वणेली झोळा जेवी जाळी (२) छाणानी राख (३) जुओ 'खडिया'
खरियाना स० क्रि० 'खरिया'मा भरवु (२) कबजे करवु
खरिहान पु० जुओ 'खलियान'
खरी स्त्री०जुओ 'खडी'(२)नेळ;'खली'

खरीता पु० [अ.] (स्त्री० –ती) थेली (२) खीसु (३) खरीतो

खरीद स्त्री० [फा.] खरीदवुं ते के खरीदेली चीज

खरीदना स० क्रि० खरीदवु; वेचातु लेवु

खरीद-फरोख्त स्त्री० [फा.] क्रय-विक्रय (२) खरीदेली चीज

खरीदार पुं० [फा.] खरीदनार; घराक

खरीदारी स्त्री० [फा] घराकी; खपत

खरीफ स्त्री० [अ.] खरीफ–चोमासु पाक

खरोच(–ट) स्त्री० छोलावानु चिह्न; 'खराश' (२) एक पकवान

खरोच(–ट)ना स० क्रि० छोलवु

खरोट, ०ना जुओ 'खरोच, खरोचना'

खरोश पु० [फा.] शोर-बकोर

खरोष्ट्री,–ष्ठी स्त्री० खरोष्ठी लिपि

खर्च,-र्चा पु० [अ खर्ज] खरच

खर्चना स० क्रि० जुओ 'खरचना'

खर्चीला वि० खरचाळ; उडाउ

खर्जूर पु० [स.] खजूर के तेनु झाड

खर्पर पु० [स] खप्पर (२) खोपरी

खर्ब,–र्व पु० सो अबज; खर्व सख्या (२) वि० नानु (३) ठीगणु

खर्रा पु० खरडो (२) लाबो हिसाब के दस्तावेजनो कागळ

खर्राच वि० [फा.] खरचाळ; उडाउ

खर्राटा पु० ऊघमां नाक बोलवानो अवाज. –भरना, मारना, लेना = घसघसाट ऊघवु

खर्व पु० जुओ 'खर्ब'

खल वि० [स.] धर्त; दगाबाज (२) दुष्ट; नीच (३) निर्दय; क्रूर (४) निर्लज्ज (५) पु० वाटवानो खल. ०ई (प.) स्त्री० दुष्टता; खलता

खलक पु० खलक; जुओ 'खल्क'

खलक-खुदा पु०, खलकत स्त्री० ईश्वरनी सृष्टि

खलखलाना अ० क्रि० खळखळवु

खलड़ा पु० खाल; काचु चामडु

खलड़ी स्त्री० खालडी; खाल

खलना अ० क्रि० बूरु, माठु लागवु

खलफ पु० [अ.] पुत्र (२) वारस

खलब(–भ)ल,–ली स्त्री० खळभळ; 'खरभर' [(२) खळखळवु

खलब(–भ)लाना अ० क्रि० खळभळवु

खलल पु० [अ] खलेल; हरकत

खलल-अंदाज वि० खलेल पाडनार

खलवत स्त्री० [अ] एकांत

खलवत-खाना पु० खानगी वात माटेनी बेठक; खलबत (२) जनानो

खला पु० [अ] खला; खाली जगा (२) आकाश (३) जाजरू [खोतरणु

खलाल वि० [अ.] (धातुनु) दात

खलास वि० [अ] पूरु; खलास (२) मुक्त (३) च्युत; भ्रष्ट

खलासी पु० खलासी (२) स्त्री० मुक्ति; छुटकारो

खलित वि० (प) स्खलित; खरेलु

खलिया(–हा)न पु० खळु (२) 'ढेर'

खलियाना स० क्रि० खाल उतारवी (२) खाली करवु

खलिश स्त्री० [अ.] पीडा (२) चिंता (३) डखवु ते

खलिहान पु० जुओ 'खलियान'

खली स्त्री० खोळ [मिलनसार

खलीक़ वि० [अ.] सुशील; सज्जन;

खलीज स्त्री० [अ.] अखात; खाडी

खलीता पु० [फा.] जुओ 'खरीता'

खलीफा पु० [अ.] अध्यक्ष (२) बुजरग (३) खलीफ (४) हजाम (५) दरजी (६) बवरची
खलील पु० [अ.] साचो मित्र
खलु अ० [स] खरेखर; नक्की; अवश्य
खल्क स्त्री० [अ] खलक; सृष्टि (२) मनुष्यमात्र
खल्लड़ पु० 'खलडी'; खालडी (२) मशक के चामडानो थेलो (३) खल (वाटवानो) [रोग (२) तालियो
खलवाट पु० [स] ताल पडी जवानो
खवा पु० खभो [कूवास्तभनो खाडो
खवाई स्त्री० खावु ते (२) वहाणना
खवाना स० क्रि० 'खाना' नु प्रेरक
खवा(-व्वा)स पु० [अ] खवास; दास
खवासिन स्त्री० दासी; खवासण
खवासी स्त्री० खवासनु काम; चाकरी
खवैया पु० खानार
खशखाश स्त्री० [फा.] खसखस
खस स्त्री०[फा] वीरणनो वाळो-खस
खसकना अ० क्रि० खसवु; सरकवु (धीमेथी, चूपचाप)
खसख(-खा)स स्त्री० जुओ 'खशखाश'
खसखसा वि० भभरु; छूटु (२) वारीक; खसखस जेवु [घर के ओरडो
खसखाना पु०[फा]खसनी टट्टीओ वाळेलु
खसखास स्त्री० जुओ 'खशखाश'
खसना अ०क्रि० (प) खसवु; 'खसकना'
खसम पु०[अ.] खसम; पति (२) मालिक (३) 'खस्म;' शत्रु
खसरा पु० [अ.] तलाटीनु खेतरोने अगेनु पत्रक (२) काचो रोजमेळ (३) 'खारिश'; खूजली (४) ओरी-माता नीकळे ते
खसलत स्त्री०[अ] स्वभाव; प्रकृति (२) आदत; टेव [पाडवु
खसाना स०क्रि० नीचे खसेडवु; नीचे
खसासत स्त्री० [अ.] 'खसीस'-पणु
खसिया, खसी पु० बकरो (२) खसी करेल पशु (३) नपुसक
खसीस वि० [अ.] कजूस
खसोट,-टी स्त्री० ('खसोटना' परथी नाम)
खसोटना स० क्रि० जोरथी उखाडवु, खेंचवु (२) छीनवु
खस्ता वि० [फा] छूटु; भभरु (२) दुःखी (३) भागेलु (४) घायल (नाम, -स्तगी स्त्री०)
खस्सी पु० [अ] जुओ 'खसी'
खाँ पु० जुओ 'खान'
खाँखर वि० पोलु (२) काणाकाणावाळु
खाँग पु० काटो (२) गेंडा के सूवरनो आगळनो दात के शिगडु (३) स्त्री० कमी; ऊणप
खाँगना अ०क्रि० कमी थवु (२) लगडावु
खाँगी स्त्री० कमी; 'खाँग'
खाँचा पु० (स्त्री० -ची) टोपलो; 'झावा'
खाँड़ स्त्री० साफ कर्या वगरनी खाड (२) (प) खाडो
खाँड़ना स० क्रि० खडवु; तोडवु (२) चाववु (३) खाडवु
खाँड़ा पु० खाडु (२) खड; भाग
खाँभ पु० 'खंभा'; थाभलो (२) परबीडियु; 'खाम' [करवु
खाँभना स० क्रि० परबीडियामा बंध
खाँवाँ पु० पहोळी खाई
खाँसना अ० क्रि० [स कासन] खासवु
खाँसी स्त्री० उधरस
खाई स्त्री० (कोट इ०नी) खाई

खाऊ वि० खाउवरु; खूब खानार
खाक स्त्री० [फा] खाख; धूळ. –उडना =नाश थई जवु; धूळ ऊडवी –उड़ाना या छानना=मार्या मार्या फरवु –छानना=खूब तपास करवी
खाकसार वि० [फा] अल्प; तुच्छ
खाक-स्या(–सिया)ह वि०[फा] धूळ-धाणी–बळीने खाख थयेलु
खाका पु० [फा] कशानी योजनानु स्वरूप (२) अदाजपत्र (३) खरडो. –उड़ाना=मश्करी करवी
खाकी वि० [फा] माटीना रगनु (२) वगर पायेलु खेतर (३) पु० राख चोळनार एक वैष्णव साधु (४) खाकीशाहनो अनुयायी [भोकावु
खागना अ० क्रि० जुओ 'खाँगना' (२)
खाज स्त्री० खूजली
खाजा पु० खाद्य (२) खाजु
खाट स्त्री० खाटलो; पलंगडी
खाट-खटोला पु० खाटलापाटला इ० घरवखरी; बिस्त्रो–पोटला
खाडी स्त्री० दरियानी खाडी
खाल पु० [म] खोदेलु ते–तळाव, कूवो के खाडो
खातमा पु०[फा.] खातमो (मृत्यु के अत)
खाता पु० वखार (२) खातु
खातिग पु० [अ] खतम करनार
ख़ातिर स्त्री० [अ] खातर; वरदास; सन्मान (२) अ० खातर; माटे –में आना=ध्यानमा आववु (२) लेखावु; वखणावु
ख़ातिर-ख़्वाह अ० इच्छा मुजब
ख़ातिर-जमा स्त्री०[अ] विश्वास; खातरी
ख़ातिर-तवाज़ा स्त्री०[अ] आदरसत्कार
ख़ातिरदारी स्त्री० [फा] खातरदारी; वरदास; आदर [खातरी
ख़ातिरी स्त्री० खातर; आदर (२)
खाती स्त्री० सुतार (२) खोदेली जमीन
ख़ातून स्त्री०[तु.] मोटा घरनी खान-दान स्त्री [खातर नाखवु
खाद स्त्री० खातर –डालना, देना=
खादर पु० नीची क्यारीनी जमीन
ख़ादिम पु० [अ] खिदमतगार; नोकर
खाद्य वि० [स] खावा जेवु (२) पु० खोराकनी चीज [तिनी रीत के सामग्री
खान स्त्री० खाण (२) [स] खावु ते के
ख़ान पु० [तु] खा; खान; सरदार
ख़ानए-ख़ुदा पु० [फा] मस्जिद
खानक पु० खाणियो; खाण खोदनार (२) कडियो
ख़ानकाह स्त्री०[अ] फकीरोनो तकियो
ख़ानख़ानाँ पु० [फा] खान-खानान; खानोनो खान [स्त्री० वेश्या
ख़ानगी वि०[फा] खानगी; अगत (२)
ख़ानदान पु०[अ] वश; कुल. –नियत स्त्री० खानदानी; कुलीनता. –नी वि० खानदानवाळु; कुलीन [रीत
खानपान पु० [स] खावुपीवु ते के तेनी
ख़ानम स्त्री० खाननी स्त्री; बेगम; कुलीन स्त्री [रसोइयो
ख़ानसामाँ,–मा पु०[फा] अग्रेजी ढबनो
खाना स० क्रि० खावु (२) करडवु; डसवु मुंहकी खाना=खूब नीचु जोवु (२) हारवु [कि, डाकख़ाना)
ख़ाना पु० [फा] घर; जगा, खानु(जेम
ख़ाना-ख़राब वि० खराबखास्ता; पाय-माल (२)लफगु; 'आवारा'(नाम –बी)
ख़ाना-ख़ुदा पु० [फा] मसीद

खाना-जंगी स्त्री० घरनी लडाई (२) आंतर-युद्ध; यादवी
खानाजाद पु० [फा.] दास; गुलाम
खाना-तलाशी स्त्री०[फा.]झडती;तपास
खाना-दामाद पु० घरजमाई
खानादार पु० [फा] गृहस्थ -री स्त्री० [फा] गृहस्थीनु कामकाज
खाना-नशीन वि० [फा] (नाम -नी) कामकाज छोडी घर पकडीने बेठेलु
खाना-पुरी स्त्री० [फा.] कोठाना खाना भरवा ते (२) वखत विताडवो ते
खाना-बदोश वि० [फा] घरबार वगरनु (नाम, -शी स्त्री०) [घरोनी गणतरी
खाना-शुमारी स्त्री० [फा] (गामनी)
खाना-साज वि० [फा] घेर बनेलु
खानि स्त्री० [स] खाण ०क स्त्री० (प) खाण
खाब पु० (प) ख्वाब; स्वप्न
खाम वि० [फा.] (नाम, -मी) कमी; अधूरु; काचु; खामीवाळु -करना= छाकवु, वध करवु
खाम पु० 'खाँभ'; परबीडियु (२)साधो (३) खभ; थाभलो
खाम-खयाल वि० [फा] गेरसमजु; बेवकूफ [भूलभरेलो ख्याल
खाम-खयाली स्त्री० [फा.] खोटो-
खामखाह(-ही) अ० खामखा
खामना स० क्रि० 'खाँभना' (२) माटी के लोटथी कशानु मों बध करवु
खामोश वि० [फा.] चूप; शात; मौन (नाम, -शी स्त्री०)
खायफ वि० [अ] कायर; डरपोक
खाया पु० [फा] मरघीनु ईडु (२) अडकोश

खार पु० क्षार(२)खारी माटी (३) धूळ
खार पु०[फा] काटो (२) खार; द्वेष -खाना=दाझे वळवु; द्वेष राखवो
खारवा पु० खारवो; खलासी (२) लाल जाडु एक जातनु कपडु; 'खारुवा'
खारा वि० खारु (२) पु० एक चोखडो टोपलो (३) [फा] एक जातनु लीटी-दार कपडु
खारिक पु० खारेक [अलग; भिन्न
खारिज वि०[अ] बहिष्कृत; बातल (२)
खारिश(-श्त) स्त्री० [फा] खूजली
खारी वि० खारु, 'खारा'
खारुआँ(-वा) पु० एक जातनो लाल रग के ते रगवाळु कपडु
खाल स्त्री० खाल; चामडी (२) नीची जमीन (३) खाडी (४) खाली जगा
खाल पु० [अ] शरीर परनो तल
खाल-खाल वि० कोई कोई, थोडुक; एकलदोकल
खाल(-लि)सा वि० (२) पु० जुओ 'खालिसा' -करना, खालसे लगाना= जप्त करवु (२) खतम करवु
खाला वि० नीचु -ऊँचा=ऊचुनीचु; असमान (२) साथनरस
खाला स्त्री०[अ] मासी -जीका घर= सहेलु काम
खालिक पु० [अ.] सरजनहार; ईश्वर
खालिस वि० [अ] शुद्ध; निर्भेळ
खालिसा वि०[अ] खालसा-केवळ एक ज मालकीनी के सरकारी (जमीन) (२) पु० शीख पथ
खाली वि० खाली; ठालु; रहित; नकामु (२) अ० फक्त; केवळ -जाना= खाली, नकामु जवु (नेम के निशान)

खाऊ वि० खाउधरु; खूब खानार
ख़ाक स्त्री० [फा] खाख; धूळ –उडना =नाश थई जवु; धूळ ऊडवी –उड़ाना या छानना=मार्या मार्या फरवु –छानना=खूब तपास करवी
ख़ाकसार वि० [फा] अल्प; तुच्छ
ख़ाक-स्या(–सिया)ह वि०[फा] धूळ-धाणी–वळीने खाख थयेलु
ख़ाका पु० [फा] कशानी योजनानु स्वरूप (२) अदाजपत्र (३) खरडो. –उड़ाना=मश्करी करवी
ख़ाकी वि० [फा] माटीना रगनु (२) वगर पायेलु खेतर (३) पु० राख चोळनार एक वैष्णव साधु (४) खाकीशाहनो अनुयायी [भोकावु
खागना अ० क्रि० जुओ 'खाँगना' (२)
खाज स्त्री० खूजली
खाजा पु० खाद्य (२) खाजु
खाट स्त्री० खाटलो; पलगडी
खाट-खटोला पु० खाटलापाटला इ० घरवखरी; विस्त्रो–पोटला
खाड़ी स्त्री० दरियानी खाडी
खात पु० [स] खोदेलु ते–तळाव, कूवो के खाडो
ख़ातमा पु०[फा] खातमो (मृत्यु के अत)
खाता पु० वखार (२) खातु
ख़ातिम पु० [अ] खतम करनार
ख़ातिर स्त्री० [अ] खातर; वरदास; सन्मान (२) अ० खातर; माटे –में आना=ध्यानमा आववु (२) लेखावु; वखणावु
ख़ातिर-ख़्वाह अ० इच्छा मुजब
ख़ातिर-जमा स्त्री०[अ] विश्वास; खातरी
ख़ातिर-तवाज़ा स्त्री०[अ] आदरसत्कार
ख़ातिरदारी स्त्री० [फा] खातरदारी; बरदास; आदर [ख़ातरी
ख़ातिरी स्त्री० खातर; आदर (२)
खाती स्त्री० सुतार (२) खोदेली जमीन
ख़ातून स्त्री०[तु] मोटा घरनी खान-दान स्त्री [खातर नाखवु
खाद स्त्री० खातर –डालना, देना=
खादर पु० नीची क्यारीनी जमीन
ख़ादिम पु० [अ] खिदमतगार; नोकर
खाद्य वि० [स] खावा जेवु (२) पु० खोराकनी चीज [तिनी रीत के सामग्री
खान स्त्री० खाण (२) [स] खावु ते के
ख़ान पु० [तु.] खा; खान; सरदार
ख़ानए-ख़ुदा पु० [फा] मस्जिद
खानक पु० खाणियो; खाण खोदनार (२) कडियो
ख़ानकाह स्त्री०[अ] फकीरोनो तकियो
ख़ानख़ानाँ पु० [फा] खान-खानान; खानोनो खान [स्त्री० वेश्या
ख़ानगी वि०[फा] खानगी; अगत (२)
ख़ानदान पु०[अ.] वश; कुल –नियत स्त्री० खानदानी; कुलीनता. –नी वि० खानदानवाळु; कुलीन [रीत
खानपान पु० [स] खावुपीवु ते के तेनी
ख़ानम स्त्री० खाननी स्त्री; बेगम; कुलीन स्त्री [रसोइयो
ख़ानसामाँ,–मा पु०[फा] अग्रेजी ढबनो
खाना स० क्रि० खावु (२) करडवु; डसवु मुँहकी खाना=खूब नीचु जोवु (२) हारवु [के, डाकख़ाना)
ख़ाना पु० [फा] घर; जगा, खानु(जेम
ख़ाना-ख़राब वि० खराबखास्ता; पाय-माल (२) लफगु; 'आवारा'(नाम –बी)
ख़ाना-ख़ुदा पु० [फा] मसीद

खाना-जगी स्त्री० घरनी लडाई (२) आतर-युद्ध; यादवी
खानाजाद पु० [फा] दास; गुलाम
खाना-तलाशी स्त्री०[फा.]झडती;तपास
खाना-दामाद पु० घरजमाई
खानादार पु० [फा] गृहस्थ. -री स्त्री० [फा] गृहस्थीनु कामकाज
खाना-नशीन वि० [फा] (नाम -नी) कामकाज छोडी घर पकडीने बेठेलु
खाना-पुरी स्त्री० [फा.] कोठाना खाना भरवा ते (२) वखत विताडवो ते
खाना-बदोश वि० [फा] घरबार वगरनु (नाम, -शी स्त्री०) [घरोनी गणतरी
खाना-शुमारी स्त्री० [फा] (गामनी)
खाना-साज वि० [फा] घेर बनेलु
खानि स्त्री० [स] खाण ०क स्त्री० (प) खाण
खाप पु० (प.) ख्वाव, स्वप्न
खाम वि० [फा] (नाम, -मी) कमी; अधूरु, काचु; खामीवाळु -करना= ढाकवु, वध करवु
खाम पु० 'खाँभ'; परबीडियु (२)साधो (३) खभ; थाभलो
खाम-खयाल वि० [फा] गेरसमजु; बेवकूफ [भूलभरेलो ख्याल
खाम-खयाली स्त्री० [फा] खोटो-
खामखाह(-ही) अ० खामुखा
खामना स० क्रि० 'खाँभना' (२) माटी के लोटथी कशानु मो बध करवु
खामोश वि० [फा] चूप; शात; मौन (नाम, -शी स्त्री०)
खायफ वि० [अ] कायर; डरपोक
खाया पु० [फा.] मरघीनु ईंडु (२) अडकोश

खार पु० क्षार(२)खारी माटी (३) धूळ
खार पु०[फा] काटो (२) खार; द्वेष -खाना=दाझे बळवु; द्वेप राखवो
खारवा पु० खारवो, खलासी (२) लाल जाडु एक जातनु कपडु; 'खारुवा'
खारा वि० खारु (२) पु० एक चोखडो टोपलो (३) [फा] एक जातनु लीटी-दार कपडु
खारिक पु० खारेक [अलग; भिन्न
खारिज वि०[अ]बहिष्कृत, बातल (२)
खारिश(-श्त) स्त्री० [फा] खूजली
खारी वि० खारु, 'खारा'
खारुआ(-वा) पु० एक जातनो लाल रग के ते रगवाळु कपडु
खाल स्त्री० खाल; चामडी (२) नीची जमीन (३) खाडी (४) खाली जगा
खाल पु० [अ] शरीर परनो तल
खाल-खाल वि० कोई कोई, थोडुक; एकलदोकल
खाल(-लि)सा वि० (२) पु० जुओ 'खालिसा' -करना, खालसे लगाना= जप्त करवु (२) खतम करवु
खाला वि० नीचु -ऊँचा=ऊचुनीचु; असमान (२) सारुनरसु
खाला स्त्री०[अ] मासी. -जीका घर= सहेलु काम
खालिक पु० [अ] सरजनहार; ईश्वर
खालिस वि० [अ] शुद्ध; निर्भेळ
खालिसा वि०[अ] खालसा-केवळ एक ज मालकीनी के सरकारी (जमीन) (२) पु० शीख पथ
खाली वि० खाली; ठालु; रहित; नकामु (२) अ० फक्त; केवळ -जाना= खाली, नकामु जवु (जेम के निशान)

खाऊ वि० खाउधरु; खूब खानार
ख़ाक स्त्री० [फा] खाख; धूळ. –उडना =नाश थई जवु; धूळ ऊडवी –उड़ाना या छानना=मार्या मार्या फरवु –छानना=खूब तपास करवी
ख़ाकसार वि० [फा] अल्प; तुच्छ
ख़ाक-स्या(–सिया)ह वि०[फा] धूळ-धाणी–वळीने खाख थयेलु
ख़ाका पु० [फा] कशानी योजनानु स्वरूप (२) अदाजपत्र (३) खरडो –उड़ाना=मश्करी करवी
ख़ाकी वि० [फा] माटीना रगनु (२) वगर पायेलु खेतर (३) पु० राख चोळनार एक वैष्णव साधु (४) खाकीशाहनो अनुयायी [भोकावु
खागना अ० क्रि० जुओ 'खाँगना' (२)
खाज स्त्री० खूजली
खाजा पु० खाद्य (२) खाजु
खाट स्त्री० खाटलो; पलगडी
खाट-खटोला पु० खाटलापाटला इ० घरवखरी; बिस्त्रो–पोटलां
खाडी स्त्री० दरियानी खाडी
खात पु० [स] खोदेलु ते–तळाव, कूवो के खाडो
ख़ातमा पु०[फा] खातमो (मृत्यु के अत)
खाता पु० वखार (२) खातु
ख़ातिम पु० [अ] खतम करनार
ख़ातिर स्त्री० [अ] खातर; बरदास; सन्मान (२) अ० खातर; माटे –में आना=ध्यानमा आववु (२) लेखावु; वखणावु
ख़ातिर-ख्वाह अ० इच्छा मुजब
ख़ातिर-जमा स्त्री०[अ]विश्वास;खातरी
ख़ातिर-तवाज़ा स्त्री०[अ] आदरसत्कार
ख़ातिरदारी स्त्री० [फा.] खातरदारी; बरदास; आदर [खातरी
ख़ातिरी स्त्री० खातर; आदर (२)
खाती स्त्री० सुतार (२) खोदेली जमीन
ख़ातून स्त्री०[तु.] मोटा घरनी खान-दान स्त्री [खातर नाखवु
खाद स्त्री० खातर –डालना, देना=
खादर पु० नीची क्यारीनी जमीन
ख़ादिम पु० [अ] खिदमतगार; नोकर
खाद्य वि० [स] खावा जेवु (२) पु० खोराकनी चीज [तिनी रीत के सामग्री
खान स्त्री० खाण (२) [स] खावु ते के
ख़ान पु० [तु] खा; खान; सरदार
ख़ानए-ख़ुदा पु० [फा] मस्जिद
खानक पु० खाणियो; खाण खोदनार (२) कडियो
ख़ानकाह स्त्री०[अ] फकीरोनो तकियो
ख़ानख़ानाँ पु० [फा] खान-खानान; खानोनो खान [स्त्री० वेश्या
ख़ानगी वि०[फा] खानगी, अगत (२)
ख़ानदान पु०[अ.] वश; कुल. –नियत स्त्री० खानदानी; कुलीनता. –नी वि० खानदानवाळु; कुलीन [रीत
खानपान पु० [स] खावुपीवु ते के तेनी
ख़ानम स्त्री० खाननी स्त्री; बेगम; कुलीन स्त्री [रसोइयो
ख़ानसामाँ,–मा पु०[फा] अग्रेजी ढबनो
खाना स० क्रि० खावु (२) करडवु; डसवु मुंहकी खाना=खूब नीचु जोवु (२) हारवु [कि, डाकखाना)
ख़ाना पु० [फा] घर; जगा, खानु(जेम
ख़ाना-ख़राब वि० खराबखास्ता; पाय-माल (२)लफगु; 'आवारा'(नाम –बी)
ख़ाना-ख़ुदा पु० [फा] मसीद

खिरामाँ वि० [फा] मस्तानी चाले चालनारु –खिरामाँ=धीरे धीरे; मस्त चाले (चालवु)
खिलंदरा(–ड़ा) वि० खेलतु कूदतु
ख़िलअत स्त्री० [अ.] खिल्लत; राजा तरफथी माननो पोशाक
ख़िलक़त स्त्री० [अ] सृष्टि (२) भीड
खिलकोरी स्त्री० खेल; गमत
खिलखिलाना अ० क्रि० खीखी के खडखड हसवु
ख़िलत(–ति) स्त्री० जुओ 'खिलअत'
खिलना अ० क्रि० खीलवु (२) शोभवु (३) वच्चेथी फाटवु (४) अलग अलग थवु; छूटु पडवु
ख़िलवत स्त्री० [अ.] 'ख़लवत'; एकांत जगा –ख़ाना='खलवत-ख़ाना'
खिलवाड़ (–र) पु० जुओ 'खेलवाड़'
खिलाई स्त्री० खावु के खवडाववु ते (२) आया; बच्चाने राखनार स्त्री
ख़िलाऊ वि० उदार
खिलाड(–ड़ी)पु०(स्त्री०–ड़िन)खेलाडी (२) जादूगर
खिलाना स० क्रि० 'खेलना', 'खाना', 'खिलना' नु प्रेरक
ख़िलाफ वि० [अ] सामेनु; विरुद्ध
ख़िलाफ-कानून वि० [फा.] गेरकायदे; कायदा विरुद्ध
ख़िलाफ-गोई स्त्री० [फा] जूठु बोलवु ते
ख़िलाफत स्त्री०[अ]इस्लामना खलीफनु पद
[[फा.] रूढि विरुद्ध
ख़िलाफ-दस्तूर, ख़िलाफ-मामूल वि०
ख़िलाफ़-मरज़ी वि०[फा.] मरजी विरुद्ध
ख़िलाफ-वर्ज़ी स्त्री० [अ.+फा.] अवज्ञा (२) अयोग्य वर्तन

ख़िलाल स्त्री० [अ] रमत के बाजीमां हार (२) जुओ 'ख़लाल' (३) अतर
खिलौना पु० खिलोणु; रमकडु
ख़िल्त पु० [अ] शरीरनी कफ धातु
खिल्त-मिल्त वि० मिश्रित; भेगु
खिल्ली स्त्री० खेल; हासी; मजाक (२) पाननु मोटु बीडु (३) खीली
ख़िश्त स्त्री० [अ] ईंट (वि०–श्ती)
खिसकना अ०क्रि० जुओ 'खसकना'
खिसाना अ०क्रि० जुओ 'खिसियाना'
ख़िसारा पु० [अ] घट; खोट; हानि
खिसियाना अ०क्रि० खिसियाणु पडवु; शरमावु (२) रिसावु
खिसी स्त्री० शरम (२) धृष्टता
खींच स्त्री० खेंच [खेंचताण
खींचतान,खींचाखींची,खींचातानी स्त्री०
खींचना स० क्रि० खेंचवु
खीज,–झ स्त्री० खीज [खिजावु
खीज(–झ)ना अ०क्रि०'खिजना';खीजवु;
खीन वि० क्षीण [नाम,०ता,०ताई]
ख़ीमा पु० [अ] 'खेमा'; तवु
खीर स्त्री० दूधपाक [प्राशन कराववु
खीर चटाना=बाळकने पहेलवहेलु अन्न-
खीरा पु० [स क्षीरक] काकडी जेवु एक फळ [जुओ 'खिरनी'
खीरी स्त्री० ढोरनु बावलु; 'बाख' (२)
खील स्त्री० धाणी (२) कील; खीली
खीला पु० खीलो
खीली स्त्री० 'खिल्ली'; पाननो बीडो
खीवन,–नि स्त्री० मदनी मस्ती
खीस स्त्री० खीज; क्रोध (२) लज्जा; शरम (३) दातरापणु (४) करेटु (५) वि० नष्ट; पायमाल
खीसा पु० [फा.कीसा] खीसु (२) थेली

खालू पु० [अ] मासो
'खाविंद पु० [फा.]खसम;पति(२)मालिक
खास वि० [अ.] खास; विशेष; 'आम'थी ऊलटु (२) पोतानु; खुद. –कर= खास करीने; प्रधानत
खास-कलम पु० [अ] खानगी मत्री
खासगी पु० [अ०] राजा के उमरावनो साथी (२) स्त्री० रखात
खासदान पु० [अ+फा] पानदानी
खास-बरदार पु० [फा] राजा के मोटा सरदार आगळ चालतो सिपाही
खासा पु० [अ] राजभोग; मोटा लोकनु खाणु (२)एक जातनु मलमल (३) वि० खासु; रूडु (४) स्वस्थ; नीरोगी (५) सुदर (६) पूरु
खासियत स्त्री० [अ] खास गुण; लक्षण; स्वभाव; विशेषता
खासी वि० स्त्री० 'खासा' नु स्त्री० (२) स्त्री० राजानी खास तलवार के बदूक इ०
खास्सा पु० [अ] खास गुण; खासियत
खाह-मखाह अ० खामुखा
खिचना अ० क्रि० खेचवु (२) अनुराग कम थवो (३) भाव तेज थवो. (प्रेरक – खिचाना, खिचवाना)
खिचाई अ० क्रि० खेचवानी क्रिया के तेनी मजूरी
खिचड़वार पु० मकरसक्राति
खिचड़ी स्त्री० [स कृसर] खीचडी (२) 'खिचडवार' –पकाना=गुप्त काई सलाह थवी ढाई चावलकी खिचड़ी अलग पकाना=सौनी संमति विरुद्ध के अलग कार्द करवु [ति; खेच; ताण
खिचाव पु०, ०ट, –हट स्त्री० खेचवु
खिज(–झ)ना अ० क्रि० खिजावु
खिजलाना अ० क्रि० खिजावु (२) स० क्रि० खीजववु
खिज़ाँ स्त्री०[फा] हेमन्त; पानखर ऋतु
खिजा(०व)ना स० क्रि० खीजववु
खिज़ाब पु० [अ.] वाळनो कलप
खिजालत स्त्री० [अ] शरम; लज्जा
खिझना अ० क्रि० जुओ 'खीजना'
खिझा(०व)ना स०क्रि० जुओ 'खिजाना'
खिड़की स्त्री० बारी
खिताब पु० खिताव; इलकाब
खित्ता पु० [अ.] देश; प्रदेश
खिदमत स्त्री०[अ]सेवा; वरदासचाकरी
खिदमत –गार, –गुज़ार वि० [फा] (नाम,–री) स्वामीभक्त सेवक
खिदमती वि० खिदमतगार; सेवा करनार (२) खिदमत सवधी
खिन पु० (प) क्षण –खिन=प्रतिक्षण
खिनखिनाना अ०क्रि० नाकमाथी गणगणता रोवु
खिन्न वि० [स] उदास; शोकातुर
खिपना अ० क्रि० (प) खपवु (२) –मा मग्न थवु, खूपवु
खियानत स्त्री० जुओ 'खयानत'
खियाना अ० क्रि० घसाई जवु (२) 'खिलाना' [हासी; खेल
खियाल पु० ख्याल; विचार (२)
खिरद स्त्री० [फा] अक्कल
खिरद-मद वि०[फा]अक्लमद;बुद्धिशाळी
खिरनी स्त्री० रायण के रायणु
खिरमन पु० [फा.] जुओ 'खलियान'
खिराज पु० [अ] कर; मालगुजारी; साथ (२) खडणी
खिराम स्त्री०[फा]चाल(२)मस्त चाल

ख़िरामाँ वि० [फा.] मस्तानी चाले चालनारु. –ख़िरामाँ=धीरे धीरे; मस्त चाले (चालवु)
खिलंदरा(–ड़ा) वि० खेलतु कूदतु
ख़िलअत स्त्री० [अ.] खिल्लत; राजा तरफथी माननो पोशाक
ख़िलकत स्त्री० [अ.] सृष्टि (२) भीड
खिलकोरी स्त्री० खेल; गमत
खिलखिलाना अ० क्रि० खीखी के खडखड हसवु
खिलत(–ति) स्त्री० जुओ 'खिलअत'
खिलना अ० क्रि० खीलवु (२) शोभवु (३) वच्चेथी फाटवु (४) अलग अलग थवु; छूटु पडवु
ख़िलवत स्त्री० [अ] 'ख़लवत'; एकात जगा. –ख़ाना='ख़लवत-ख़ाना'
खिलवाड़ (–र) पु० जुओ 'खेलवाड'
खिलाई स्त्री० खावु के खवडाववु ते (२) आया; वच्चाने राखनार स्त्री
खिलाऊ वि० उदार
खिलाड(–डी)पु०(स्त्री०–ड़िन)खेलाडी (२) जादूगर
खिलाना स० क्रि० 'खेलना', 'खाना', 'खिलना' नु प्रेरक
ख़िलाफ वि० [अ] सामेनु; विरुद्ध
ख़िलाफ-कानून वि० [फा.] गेरकायदे; कायदा विरुद्ध
ख़िलाफ-गोई स्त्री० [फा] जूठु बोलवु ते
ख़िलाफत स्त्री०[अ]इस्लामना खलीफनु पद [[फा.] रूढि विरुद्ध
ख़िलाफ-दस्तूर, ख़िलाफ़-मामूल वि०
ख़िलाफ-मरज़ी वि०[फा.] मरजी विरुद्ध
ख़िलाफ-वर्ज़ी स्त्री० [अ.+फा.] अवज्ञा (२) अयोग्य वर्तन
ख़िलाल स्त्री० [अ.] रमत के बाजीमां हार (२) जुओ 'ख़लाल' (३) अतर
खिलौना पु० खिलोणु; रमकडु
ख़िल्त पु० [अ] शरीरनी कफ धातु
खिल्त-मिल्त वि० मिश्रित; भेगु
खिल्ली स्त्री० खेल; हासी; मजाक (२) पाननु मोटु बीडु (३) खीली
ख़िश्त स्त्री० [अ] ईंट (वि० –श्ती)
खिसकना अ०क्रि० जुओ 'खसकना'
खिसाना अ०क्रि० जुओ 'खिसियाना'
ख़िसारा पु० [अ.] घट; खोट; हानि
खिसियाना अ०क्रि० खिसियाणु पडवु; शरमावु (२) रिसावु
खिसी स्त्री० शरम (२) धृष्टता
खींच स्त्री० खेच [खेंचताण
खींचतान,खींचाखींची,खींचातानी स्त्री०
खींचना स० क्रि० खेचवु
खीज,–झ स्त्री० खीज [खिजावु
खीज(-झ)ना अ०क्रि० 'खिजना';खीजवु;
खीन वि० क्षीण [नाम,०ता,०ताई]
ख़ीमा पु० [अ.] 'खेमा', तवु
खीर स्त्री० दूधपाक [प्राशन कराववु
खीर चटाना=बाळकने पहेलवहेलु अन्न-
खीरा पु० [स क्षीरक] काकडी जेवु एक फळ [जुओ 'खिरनी'
खीरी स्त्री० ढोरनु बावलु; 'बाख' (२)
खील स्त्री० धाणी (२) कील; खीली
खीला पु० खीलो
खीली स्त्री० 'खिल्ली'; पानमो बीडो
खीवन,–नि स्त्री० मदनी मस्ती
खीस स्त्री० खीज; क्रोध (२) लज्जा; शरम (३) दातरापणु (४) करेटु (५) वि० नष्ट; पायमाल
खीसा पु० [फा.कीसा] खीसु (२) थेली

खुआर वि० खुवार; 'ख्वार' (नाम–री)
खुख्ख वि० शुष्क; खाली; निर्धन [शस्त्र
खुखड़ी स्त्री० (दोरानु) कोकडु (२) कूकरी
ख़ुगीर पु० [फा खोगीर] खोगीर; घोडानु जीन; नमदो –की भरती = नकामी वस्तुओ के लोकोनो जथो
खुचर, खुचुर स्त्री० खणखोद; दोषदृष्टि
खुजलाना स० क्रि० खजवाळवु (२) अ० क्रि० खजवाळ आववी
खुजलाहट स्त्री० खजवाळ; खूजली
खुजली स्त्री० खूजली
खुजाना स० क्रि० (२) अ० क्रि० जुओ 'खुजलाना' [आशका
खुटक स्त्री०, –का पु० 'खटक'; खटको;
खुटकना स० क्रि० खूटवु; उपरथी टूपवु
खुटका पु० जुओ 'खुटक'; खटको
खुटचाल स्त्री० खोटी–बदचाल (वि०-ली)
खुटना अ० क्रि० खूटवु; पूरु थवु
खुटपन (–ना) पु०; खुटाई स्त्री० खोटापणु; दोष
खुटाना अ० क्रि० जुओ 'खुटना'
खुट्टी स्त्री० रेवडी
खुट्ठी स्त्री० जुओ 'खुरड' [पगनी वेठक
खुड्डी (-ड्ढी) स्त्री० जाजरूनो खाडो के
ख़ुतबा पु० [अ] तारीफ; स्तुति (२) प्रवचन (जेम के, जुमानी नमाज बाद, पेगबर वगेरेनी प्रशसा करीने अपातु)
खुत्थी, –थी स्त्री० खूपरो; जडियु (२) अनामत (३) पैसा राखवानी वासळी (४) सपत्ति [आपोआप
ख़ुद अ० [फा] स्वय, जाते –ब ख़ुद =
ख़ुदक (-कु) शी स्त्री० [फा.] आत्महत्या
ख़ुद-काम, –ग़रज वि० [फा] स्वार्थी; आपमतलबी
ख़ुदकुशी स्त्री० जुओ 'ख़ुदकशी'
ख़ुद-ग़रज़ वि० [फा] आपमतलबी; स्वार्थी. (नाम –ज़ी स्त्री०)
ख़ुददार वि० स्वमानी –री स्त्री० स्वमान
खुदना अ० क्रि० खोदावु
ख़ुद-नुमा वि० [फा] (नाम, –माई स्त्री०) अभिमानी; आप-वडाई करनार
ख़ुद-परस्त वि० [फा] स्वार्थी; मतलबी (२) मगरूर [स्वत
ख़ुद-ब-ख़ुद अ० [फा.] पोतानी मेळे;
ख़ुद-बीनी स्त्री० [फा] गर्व; घमड
ख़ुद-मतलब वि०, –बी स्त्री० जुओ 'ख़ुदगरज़, –ज़ी'
ख़ुद-मुख़तार वि० [फा] स्वतन्त्र; आझाद (नाम –री स्त्री०)
खुदरा पु० फुटकळ चीज
ख़ुदराई स्त्री० [फा] स्वेच्छाचार
ख़ुदराय वि० [फा] स्वेच्छाचारी
ख़ुदरौ वि० [फा] आपोआप ऊगनारु; जगली (झाड के छोड)
खुदवाई स्त्री० खोदवानु काम के मजूरी
खुदवाना स० क्रि० खोदाववु
ख़ुद-सिताई स्त्री० [फा] आत्मश्लाघा
ख़ुदा पु० खुदा; परमेश्वर ख़ुदा करके = बहु महेनत-मुश्केलीथी –का कारखाना पु० दुनिया –का घर पु० मसीद (२) स्वर्ग –की मार स्त्री० ईश्वरी कोप – शाप –को दरमियान देना = ईश्वरने साक्षी राखवो
खुदाई स्त्री० जुओ 'खुदवाई'
ख़ुदाई स्त्री० [फा] ऐश्वर्य (२) सृष्टि
ख़ुदा-तर्स वि० [फा] ईश्वरथी डरनार (२) दयाळु
ख़ुदा-दाद वि० [फा] ईश्वरदत्त

खुदानख़्वास्ता = खुदा न करे, न करे नारायण
खुदा-परस्त वि० [फा] ईश्वरभक्त
खुदाया अ०[फा.] या खुदा! हे राम!
खुदावद पु०[फा] मालिक; स्वामी (२) मोटा लोक माटे सबोधन – खुदावत
खुदा-हाफिज़ श० प्र० [फा.] खुदा-हाफेज; 'ईश्वर तमारु रक्षण करो' एवो विदाय-बोल
खुदो पु० [फा] अभिमान; शेखी
खुद्दी स्त्री० चोखादाळ वगेरेनु कोरमु
खुनक वि० [फा] ठडु; शीत
खुनकी स्त्री० [फा] ठडक; शरदी
खुनखुना पु० बच्चानु रमकडु–घूघरो
खुनस स्त्री० (वि०,–सी) खुन्नस; क्रोध
खुनसाना अ० क्रि० क्रोधे भरावु
खुफिया वि० [अ] गुप्त; छूपु
खुफिया-पुलिस स्त्री० छूपी पोलीस
खुभना अ०क्रि० 'चुभना';खूपवु;भोकावु
खुभी,–भिया स्त्री० काननु लविगियु (२) हाथीना दात पर घलाती खोळी
खुम पु०[फा] दारूनु वासण ०कदा, ०खाना पु० दारूनी दुकान
ख़ुमरा पु० (स्त्री०–री) एक मुसलमान फकीर
खुमार [अ] पु०, –री स्त्री० खुमारी; मद (२) नशो ऊतर्ये जणाती थकावट (३) जागरणनी असर
खुमी स्त्री० दातमा जडावाती सोनानी खीली (२)हाथीना दात पर चडाडाती खोळी (३) बिलाडीना टोप जेवी वनस्पति
खुर पु० [स] चोपगानी खरी
खुरखुरा वि० खरबचडु; 'खरदरा'
खुरचन स्त्री० खुरचन; उखाडी उझरडी एकठु करेलु ते
खुरचना [स क्षुरण] उखाडवु; उझरडवु
ख़ुरजी स्त्री०[फा] खुरजी(२)मोटो थेलो
खुरदरा वि० जुओ 'खरदरा'
खुरदा पु० जुओ 'ख़ुर्दा'. –करना= परचूरण करावव‍ु, वटाववु
खुरपका पु० ढोरनो (मो के खरीनो) एक रोग
खुरपा पु० [स क्षुरप्र] मोटी खूरपी
खुरपी स्त्री० खूरपी [नाळ जडवी ते
खुर-बदी स्त्री० घोडा इ० नी खरीए
खुरमा पु० [अ] खुरमु–एक मीठाई (२) खारेक
खुरशेद पु० [फा] खुरशेद; सूरज
ख़ुराक स्त्री० [फा] खोराक (२) दवानो डोझ [वधारे खानारु
ख़ुराकी स्त्री० [फा] खोराकी (२) वि०
खुराफात स्त्री० [अ] बेहूदी नकामी वात (२) गाळ (३) वखेडो
ख़ुरिश स्त्री० [फा] खावापीवानी सामग्री; सीधुसामान
खुरी स्त्री० खरीनु चिह्न
खुर्द वि० [फा] नानु; छोटु; सूक्ष्म
खुर्दबीन स्त्री० [फा] सूक्ष्मदर्शक यत्र
खुर्दबुर्द अ० [फा] नष्ट-भ्रष्ट; खेदान-मेदान
खुर्दरा वि० जुओ 'खुरदरा'
खुर्द-साल वि० [फा] उमरमा नानु. –ली स्त्री० नानपण
ख़ुर्दा पु०[फा] परचूरण; खुरदो (२) नानी मोटी चीज –फरोश पु० फुट-कळ चीजोनो वेपारी
खुर्दी स्त्री० [फा] नानपण

खुर्रम वि० [फा.] प्रसन्न; खुश (नाम –मी स्त्री०)
खुर्राट वि० वृद्ध अनुभवी (२) लुच्चु; चालाक [खुलासाथी; बरोबर
खुलना अ० क्रि० खूलवु **खुलकर** =
खुला वि० खुल्लु
खुलासा वि० [अ] खुल्लु (२) पु० सारांश (३) खुलासो [श्रद्धा
खुलूस पु०[अ] सरळता; पवित्रता (२)
खुले आम, –खजाने, –बंदों, –बाजार, –मैदान, खुल्लमखुल्ला अ० जाहेरमा; खुल्लखुल्ला
खुल्क पु० [अ] सुशीलता; सज्जनता
खुश वि०[फा.] खुशी; राजी (२) सारुं
खुश आमदेद [फा] भले पधार्या
खुश-किस्मत वि० (नाम, –ती स्त्री०) नसीबवान; भाग्यशाळी
खुशकी स्त्री० जुओ 'खुश्की'
खुश-खत वि०[फा.] सुदर अक्षरवाळु (२) पु० सुदर लखाण
खुशखबरी स्त्री० [फा] खुश खबर; शुभ समाचार
खुश-खुराक वि०[फा.] खावामा शोखीन
खुश-खुल्क वि०[फा] उत्तम स्वभावनु; सज्जन
खुश-गवार वि० [फा] प्रिय; मनोहर
खुशगुलू वि० [फा] मधुर स्वरवाळु
खुश-जायका वि० [फा] स्वादिष्ट
खुश-दामन स्त्री० [फा] सासु
खुश-दिल वि० [फा] आनदी; प्रसन्न; हसमुखु. (नाम –ली स्त्री०)
खुश-नसीब वि० [फा] नसीबदार (नाम –बी स्त्री०) [स्त्री०)
खुशनुमा वि० [फा] सुदर (नाम ०ई
खुश-वक्त वि० [फा] सुखी
खुश-बू स्त्री० [फा] खुशबो; सुगन्ध. **०दार** वि० सुगन्धी
खुश-मिजाज वि० [फा.] प्रसन्न; खुश
खुशहाल वि० [फा.] खुशाल, सुखी (नाम –ली स्त्री०)
खुशामद स्त्री० [फा] खुशामत
खुशामदी वि० [फा.] खुशामतियु. **०टट्टू** पु० खुशामतियो [इच्छा; मरजी
खुशी स्त्री० [फा] आनद; राजीपो (२)
खुश्क वि० [फा] शुष्क; सूकु (२) नीरस **०साली** स्त्री० सूकु वर्ष
खुश्की स्त्री० [फा.] शुष्कता (२)खुशकी; जमीनमार्ग (३) अकाळ; सूकु वर्ष
खुसर पु० [फा] ससरो
खुसरवाना वि० [फा] शाही, राजवी
खुसरू पु० [फा] बादशाह
खुसिया पु० [अ] अडकोश
खुसुरफुसुर स्त्री० जुओ 'कानाफूसी'; गुसपुस (२) अ० धीमे; गुचपुच
खुसूफ पु० [अ] चद्रग्रहण
खुसूमत स्त्री० [अ] दुश्मनी
खुसूस अ० खसूस; खास **०न्** अ० [अ] खास करीने; खसूस [विशेषता
खुसूसियत स्त्री० [अ] खासियत;
खूंखार वि० [फा] लोही पीनार (२) खूनखार; क्रूर; भयकर
खूंट पु० खूणो (२) तरफ; बाजु (३) खड (४) स्त्री० कानको मेल (५) पूछपरछ; टोकवु ते [खूटवु; कम थवु
खूंटना स०क्रि० पूछवु गाछवु; टोकवु(२)
खूंटा पु० ढोरनो खीलो; खूटो
खूंटी स्त्री० खूंटी; खीली (जेम के सतार इ०नी) (२) छोडनु ठूठियु खेतरमा रही जाय ते (३) सीमा; हद

खूंदना अ० क्रि० खूदवु; गूदवु (२) ऊछळीने गदडवु
खूंरेज़ वि० [फा] लोही रेडनारु
खूंरेज़ी स्त्री० [फा] खूनरेजी
ख़ू स्त्री० [फा] आदत; खो
खूटना अ० क्रि० खूटवु–कम थवु के पूरु थवु (२) वध थवु
खूद, खूदड़ (–र) पु० वस्तुने साफ कर्ये नकामो रहेतो कचरो; कचरापटी
ख़ून पु० [फा] खून (लोही; हत्या) –खुश्क होना या सूखना=खूब भयभीत थवु –सफेद होना=स्नेह सुजनता जता रहेवा
ख़ून-ख़राबा पु० मारकाट; मारामारी
ख़ून-ख़ार,–ख़्वार वि० जुओ 'खूंख़ार'
ख़ूनरेज़,–ज़ी जुओ 'खूंरेज़,–ज़ी'
ख़ूनी वि० खून करनार (२) घातकी. ०ख़वामीर स्त्री० दूझता हरस
ख़ूब वि०[फा] अच्छु; उमदा (२) अ० अच्छी रीते
ख़ूब-कलां स्त्री०[फा] एक घासना बीज
ख़ूबसूरत वि० [फा] सुदर; रूपाळु (नाम –ती स्त्री०)
ख़ूबानी स्त्री० [फा] जरदालु
ख़ूबी स्त्री०[फा] भलाई; उमदापणु (२) विशेषता; खूबी [शुष्क; अरसिक
खूसट,–र पु० उल्लु; घुवड (२) वि०
खेकसा, खेखसा पु० ककोडु
खेचर पु०[स] पक्षी (२) विमान (३) तारा, ग्रह, वायु (४) वादळ
खेटकी पु० [स] शिकारी
खेड़ा पु० [स खेट] नानु गाम; खेडु
खेत पु० खेतर (२) रणक्षेत्र –आना= लडाईमा मरवु –कमाना=खेडखातर करी सारी खेती करवी (२) पाक उत्पन्न करवो –करना=लडवु, युद्ध करवु –रहना=जुओ 'खेत आना'
खेतिहर पु० खेडूत [खेतीवाडी
खेती, खेतीबाड़ी(–री) स्त्री० खेती;
खेद पु०[स]खेद; दुःख; ग्लानि(२)थाक
खेदना स० क्रि० खदेडवु (२) पीछो पकडवो
खेदा पु० शिकार [समय काढवो
खेना स०क्रि० हलेसवु; नाव हाकवी (२)
खेप स्त्री० आटो; फेरो (२) एक आटामा लदाईने अणाय तेटलु –भरना =खेपनो भार लादवो
खेपना स० क्रि० [स क्षेपण] विताडवु; गुजारवु
खेमटा पु० एक प्रकारनु गायन के नाच
ख़ेमा पु० [अ] तबू ०गाह पु० ज्या घणा तबू लाग्या होय ते जगा
खेल पु० रमतगमत (२) मामलो (३) तमासो
खेलकूद स्त्री० रमतगमत
खेलना अ० क्रि० खेलवु; रमवु –खाना =खेलवु कूदवु;रमतमा जीवन गुजारवु
खेलवाड़ पु० खेल; क्रीडा; तमासो (२) गमत; मजाक [मजाकी; विनोदी
खेलवाड़ी वि० भारे रमनार (२)
खेला-खाया वि०दुनिया जोयेलु;अनुभवी
खेलाड़ी वि० जुओ 'खेलवाडी' (२) पु० खेलाडी (३) तमासो करनार
खेलाना स० क्रि० खेलाववु; रमाडवु
खेलार पु० जुओ 'खेलाडी'
खेवट, –टिया पु० खेवट; सुकानी (२) तलाटीनो एक चोपडो
खेवना स० क्रि० 'खेना'; नाव चलाववी

खेवा पु० नावमा नदी पार करवी ते के तेनु भाडु (२) वार; समय
खेवाई स्त्री० नाव चलाववी ते के तेनी मजूरी [पु० सगु
खेश वि० [फा ख्वेश] पोतानु (२)
खेस पु० ओढवा पाथरवा माटेनी एक जातनी जाडी चादर
खेसारी स्त्री० एक हलकु अन्न–दाळ
खेह(०र) स्त्री० खेर; खेरटो; धूळ
खैंचना स० क्रि० जुओ 'खीचना'
खैर पु० खेर वृक्ष (२) काथो
ख़ैर स्त्री० [फा] क्षेमकुशळ (२) अ० खेर; भले
खैरअंदेश वि०[फा.] शुभचितक,खेरखाह
खैर-आफ़ियत [फा] क्षेमकुशळ
ख़ैर-खा(-ख्वा)ह वि० [फा] खेरखा; शुभेच्छक. (नाम –ही स्त्री०)
ख़ैर-बाद पु० [फा] 'कुशळ हो' एवो बोल
ख़ैर-मकदम पु०[अ]स्वागत;भले पधारो
खैरसार पु० खेरसार; काथो
खैरा वि० कथ्थाई; काथाना रगनु
खैरात स्त्री० [अ] खेरात; पुण्यदान (वि० –ती)
ख़ैरियत स्त्री०[फा]खेरियत;राजीखुशी
खोंच स्त्री० खूच; 'खरोच' (जेम के, कपडामा काटो भरावाथी) (२) पु० मूठीमा आवे तेटलु (अन्न इ०)
खोंटना स०क्रि० खूटवु; टूपवु; चूटवु
खोडर पु० जुओ 'खोडरा'
खोडा,–ड्हा वि० खाडु; अपग (२) आगला दात विनानु
खोता,–तल पु० माळो (पक्षीनो),'खोता'
खोप स्त्री० वखियो (लावो) (–भरना, मारना)
खोपना स०क्रि० भोकवु; खूपे एम करवु
खोसना स०क्रि० खोसवु
खोआ,–या,–वा पु० जुओ 'खोया'
खोई स्त्री० धाणी (२) शेरडीनो कूचो (३) वरसादमा माथे ओढातो कामळो
खोखला वि० पोलु
ख़ोगीर पु० [फा] घोडानु जीन; नमदो
खोज स्त्री० खोळ; तपास (२) निशान; चिह्न (पगलु, चीलो इ०) –खबर लेना =खबर अतर पूछवी –मारना, मिटाना =नामनिशान न रहेवा देवु
खोजना स०क्रि० खोळवु;ढूढवु;तपासवु
खोजा पु० खोजो–जनानानो (नपुसक) सेवक (२) सरदार [जासूस
खोजी (–जिया) पु० खोळ करनार;
खोट स्त्री० [स] दोष; बूराई (२) हलकी वस्तुनु मिश्रण
खोटा वि० खोटु; बूरु (नाम –ई स्त्री०)
खोड़ स्त्री० देवनो कोप
खोड़रा पु० कोटर; झाडनी वखोल
खोता पु० पक्षीनो माळो
ख़ोद पु० [फा] बख्तरनो टोप
खोद पु० खणखोद; पडपूछ
खोदना स० क्रि० खोदवु (२) कोतरवु (३) भोकवु; खोसवु; खोरवु
खोद-पूछ स्त्री०, खोद-विनोद पु० पूछपरछ; खणखोद; तपास
खोदाई स्त्री० 'खुदाई'
खोना स० क्रि० खोवु (२) वगाडवु (३) अ० क्रि० खोवावु
खोन्चा पु० [फा. ख्वान्चा] खूमचो
खोपड़ा, –रा पु० खोपरी (२) मायु (३) कोपरु के नारियेळ
खोपड़ी, –री स्त्री० खोपरी के मायु

खोपा पु० छापरा के मकाननो रस्ता पर पडतो खूणो; करो (२) अबोडो
ख़ोय स्त्री० [फा खू] खो; आदत
खोया, –वा पु० दूधनो मावो
ख़ोर स्त्री० साकडी गली (२) स्नान (३) ढोरनी गमाण (४) जुओ 'खोड़'
खोर वि० [फा] खानार (समासमा. उदा० नशाखोर)
खोरना अ० क्रि० नाहवु
खोरा पु० कटोरो (२) पाणीनु पात्र (३) वि० खोडु; अपग; 'खोडा' [–की'
खोराक पु०, –की वि० जुओ 'खुराक,
खोल पु० खोळ; गलेफ (२) उपरनी चामडी (जे प्राणी उतारे छे); काचळी (३) मोटो ओछाड
खोलना स० क्रि० खोलवु; उघाडवु
खोली स्त्री० खोळ; गलेफ
खोवा पु० 'खोया'; मावो [लूम
खोशा पु० [फा] अनाजनु डूडु के फळनी
खोह स्त्री० गुफा; खो
खौ स्त्री० खाडो (२) अन्न राखवानु भोयरु
खौज पु० [अ] गहन विचार
खौफ पु० [अ] खोफ; डर (वि०–नाक)
खौर स्त्री० तिलक; 'टीका' (२) स्त्रीओनु मायानु एक घरेणु
खौरना स० क्रि० तिलक करवु (२) 'खौर' घरेणु पहेरवु
खौरा पु० (कूतरा बिलाडाने थती) लूखस (२) वि० तेनु रोगी
खौलना अ० क्रि० ऊकळवु
खौलाना स० क्रि० प्रवाही गरम करवु
ख्यात वि० [स] जाणीतु; प्रसिद्ध (नाम –ति स्त्री०)
ख़याल पु० जुओ 'ख़याल' (२) खेल; क्रीडा
ख़याली वि० कल्पित (२) खेल करनार –पुलाव पकाना=शेखचल्लीना तरग करवा
ख्रिष्ट पु० ईशु ख्रिस्त
ख्रिष्टान पु० 'क्रिस्तान'; ख्रिस्ती
ख्रिष्टीय वि० ख्रिस्ती
ख़्वाँ वि० [फा] (समासने अते) कहेनार, गानार, पढनार एवा अर्थमा
ख़्वाँदा वि० [फा] भणेल; शिक्षित
ख़्वाजा पु० [फा] मालिक; सरदार (२) सद्‌गृहस्थ (३) व्यडळ; खोजो
ख़्वाजा-सरा पु० [फा] खोजो; रणवासमा राखवा नपुसक बनावेलो ते
ख़्वान् पु० [फा] थाळ; मोटी थाळी
ख़्वान्चा पु० [फा] 'खोन्चा', खूमचो (२) नानी थाळी
ख़्वाब पु० [फा] निद्रा (२) स्वप्न. ०गाह पु० सूवानो ओरडो
ख़्वार वि० [फा] खुवार; पायमाल (२) तिरस्कृत [नाम –री स्त्री०]
ख़्वास्तगार वि० [फा] इच्छुक [नाम –री स्त्री०]
ख़्वाह अ० [फा] अथवा (२) स्त्री० इच्छा
ख़्वाह-मख़्वाह अ० [फा] जरूर; अवश्य; खामुखा; इच्छाए के अनिच्छाए
ख़्वाहिर स्त्री० [फा] बहेन
ख़्वाहिश स्त्री० [फा] खाएश; इच्छा

ग

गंग स्त्री० गगा नदी(२)पु०एक कवि
गंग-बरार पु० [गगा+फा वरार] गगानो के कोई नदीनो काप ठरी नीकळी आवेली जमीन; 'डेल्टा'
गंग-शिकस्त पु० [गगा+फा. शिकस्त] नदीथी तणाई के धोवाई गयेली जमीन
गंगा स्त्री० [स] गंगा नदी. **–उठाना**= गगाना सम खावा. **–पार करना**= देशनिकाल करवु **–पीना**=जूठा सम खावा [काळुघोळु
गंगा-जमुनी वि० मिश्र; बेभथ्थु (२)
गंगाजल पु० [स] गगाजळ (२) एक रेशमी कापड **–ली** स्त्री० गगाजळ लाववानु पात्र **–उठाना**=गगाना सम खावा [एक मोटु वासण
गंगाल पु० 'कडाल'; धातुनु पाणीनु
गंगालाभ पु० [स] मृत्यु
गंगासागर पु० गगानो समुद्र-संगम (२) एक जातनी मोटी झारी
गंगोत्तरी स्त्री० गगोत्री
गंगोदक पु० [स] गगाजळ
गंज पु० माथानी ताल (२) खजानो (३) ढेर; गज [(२) नाश
गंजन पु० [सं.] अवज्ञा; तिरस्कार
गंजना स० क्रि० अनादर करवो (२) नाश करवु [माथानी ताल
गंजा वि० माथे तालवाळु (२) पु०
गंजिया स्त्री० जाळीदार गूथेली थेली
गंजी स्त्री० गजीफराक (२)गजी; ढग
गंजो, गजेड़ी वि० गजेरी
गंजीफ़ा पु० [फा] पानानो गजीफो
गँठकटा पु० जुओ 'गिरहकट'
गँठजोड़ा, गँठबंधन पु० वरकन्याना वस्त्र गाठवानी क्रिया [भाग
गंड,०स्थल पु०[स]कपाळ के लमणानो
गँडा पु० गाठ (२) मतरेलो दोरो; तावीज के मादळियु (३) पक्षीना गळानो काठलो (४) आडी लीटीओनी हार; चटापटा (जेम के साप पर) (५) चार कोडी जेटला दाम
गँड़ासा पु० (स्त्री० **–सी**) घासचारो कापवानु ओजार–धारवाळु फळु
गँड़ेरी स्त्री० शेरडीनो वडवो; गडेरी
गंदगी स्त्री० [फा] गदकी
गँदला, गंदा [फा] वि० गदु
गंदुम पु० [फा., स गोधूम] घउ
गदुमी वि० घउवर्णुं
गंध पु० [स] महेक; वास; सोड
गंधक पु० [स] गधक खनिज [प्रवीण
गंधर्व पु० [स] एक देव-जाति(२)सगीत-
गंधाना अ० क्रि० गंधावु; वास मारवी
गंधी पु० तेल अत्तर वेचनार (२) वरसादमां थतु मांकणियु जीवडु
गंधीला वि० (प) गदु; गवातु
गंभीर वि० [स] ऊडु; अगाध; गहन (२) शात; सौम्य
गँव स्त्री० अवसर; मोको (२)मतलब; प्रयोजन; (३) उपाय; युक्ति
गँवई स्त्री० (वि० **–इयाँ**) गामनी वस्ती
गँवरदल वि० गमार; गामडियु

गठवाना, गठाना स०क्रि० गठाववु (२) सिवडाववु (३) टाका के वखिया भराववा

गठित वि० गाठेलु; रचेलु

गठिया स्त्री० थेलो; खुरजी(२)साधाना दरदनो एक रोग

गठियाना स० क्रि० गाठ मारवी

गठी वखिया पु०ओटीने मारेलो वखियो

गठीला वि० (स्त्री० –ली) गाठाळु (२) मजबूत

गठौत, –ती स्त्री० गोठवु ते, मित्रता

गड़ पु० [स] आड (२) ओथ (३) वाड (४) गढ

गड़गड़ा पु० एक जातनो हूको

गड़गड़ाना अ० क्रि० गडगडवु; (वादळ) गर्जवु (२) हूको गगडाववो

गड़गड़ाहट स्त्री० गगडाट

गड़दार पु० हाथी जोडे भालो लई चालनार माणस

गड़ना अ० क्रि० गडवु, पेसी जवु (२) शरीरमा भोकावा जेवु दर्द थवु (३) गडावु; दटावु; दफन थवु (४) स्थिर थवु; जामवु **गड़े मुर्दे उखाड़ना**= गईगुजरी पाछी काढवी

गड़पना स० क्रि० 'गटकना'; हडपवु

गड़प्पा पु० खाडो (२) कळण

गडबड़ वि० ऊचुनीचु (२) अव्यवस्थित (३) पु० अव्यवस्था; गरबड (४) गोटाळो; उपद्रव [माल; गोटाळो

गड़बड़झाला, गडबड़ाध्याय पु० गोल-

गडबड़ाना अ० क्रि० गरबडमा पडवु (२)वगडवु;गोटाळो थवो (३) स०क्रि० गरबडमा नाखवु (४) वगाडवु (५) चकरावा के भुलावामा पाडवु

गड़बड़िया वि० गडबडियु; गडबडवाळु

गड़बड़ी स्त्री० जुओ 'गडबड'

गड़मड़ वि० सेळभेळ; भेगु; एकठु

गड़(–ड़े)रिया पु० गडेरियो; भरवाड

गड़हा पु० 'गड्ढा'; खाडो

गड़ा पु० 'गड्डु'; ढेर; ढगलो

गड़ाना स० क्रि० भोकवु; 'गडना'नु प्रेरक (२) दटाववु; गडाववु

गड़ारी स्त्री० गोळाकृति (२) घेरावो; घेर (३) गरगडी के तेनो खाडावाळो घेराव(४)'गडा';आडी लीटीओनी हार

गड़ुआ, –वा पु० जुओ 'गड़ुवा'

गड़ुई स्त्री०, नानो 'गडवा'; झारी

गड़ुर, –ल वि० [स] कूबडु; खूधु

गड़ु(–ड़ो)लना पु० वावागाडी

गड़ुवा पु० नाळचावाळो लोटो–गडवो

गड़ेरिया पु० जुओ 'गडरिया'

गड़ोलना पु० जुओ 'गडुलना'

गड्ड पु० (स्त्री० –ड्डी) गज; थोकडी; खरकलो; गडी (२) खाडो

गड्डब(–म)ड्ड वि० अस्तव्यस्त; आडु-अवळु (२) पु० गरबडगोटो

गड्डा पु० गाडु

गड्ढा पु० खाडो

गढ़ंत वि० बनावटी; कल्पित (वात)

गढ़ पु० गढ; किल्लो (२) खाई [आकृति

गढ़त, –न स्त्री० 'गठन'; घडवु ते (२)

गढना स० क्रि० घडवु; बनाववु (२) घडी काढवु(३)घडी नाखवु; मारवु

गढ़वाल पु० किल्लेदार

गढ़ा पु० 'गड्ढा'; 'गडहा'; खाडो

गढ़ाई स्त्री० घडवानु काम के मजूरी

गढ़ाना अ० क्रि० मुश्केली पडवी के मुश्केल थवु (२) 'गढना'नु प्रेरक

गढ़ि(-ढ़)या पु० घडनारो
गण पु० [स] गण; समूह (२) शिवनो गण (३) छदनो गण (४) जाति; वर्ग
गणक पु० [स] जोशी
गणतंत्र पु०प्रजाशाही राज्य के तेनु तत्र
गणना स्त्री० [स] गणतरी; लेखु; हिसाव; अदाज
गणराज्य पु० [स] 'गणतत्र'; प्रजातत्र
गणिका स्त्री० [स] गुणका; वेश्या
गणित पु० [स] हिसाव के तेनी विद्या
गण्य वि० [स] गणनापात्र (२) प्रतिष्ठित; मान्य
गण्य-मान्य वि० [स] प्रतिष्ठित
गत स्त्री० गति; दशा (२) वि० [स] गयेलु;वीतेलु –बनाना=दुर्दशा करवी; टीपवु [लाकडी
गतका पु० ढाललकडी के ते खेलवानी
गति स्त्री० [स] जवु ते (२) चाल (३) झडप; वेग (४) दशा (५) मरण वादनी स्थिति
गत्ता पु० कागळनी थोकडी
गत्तालखाता पु० माडी वाळवानी रकमनु खातु
गद पु० [स] रोग (२) विष
गदका पु० जुओ 'गतका'
गदगद वि० गद्गद
गदना स० क्रि० (प) कहेवु
गदर पु० उपद्रव; खळभळाट (२)बळवो
गदरा(०ना) वि० पाकवा आवेलु; नरम (फळ इ०)
गदराना अ० क्रि० (फळ) पाकवा पर आववु; नरम थवु(२)जुवानीयी शरीर भरावा लागवु (३) आख आववी (४) गदु थवु (५) वि० जुओ 'गदरा'

गदला वि० 'गँदला'; गदु
गदहपचीसी स्त्री० गध्धापचीसी
गदहपन पु० गध्धापणु; मूर्खता
गदहा पु० [स्त्री० –ही] 'गधा'; गधेडु (२) [स] वैद्य
गदा पु० [फा] भिखारी; फकीर (२) स्त्री० [स] गदा हथियार
गदाई वि० तुच्छ; क्षुद्र (२) रद्दी; नकामु (३) स्त्री० भीख-वृत्ति
गदी वि० [स] रोगी (२) गदाधारी
गदेला पु० गदेलु (२) नानो छोकरो
गदोरी स्त्री० हथेळी
गद्गद वि० [स] हर्ष इ०थी लागणीवश बनेलु(जेथी वाणी पर असर थाय)
गद्द पु० नरम जगामा धब दईने पडवु ते (२) भारे खाधानो पेटमा भार
गद्दर वि०काचुपाकु (२)पु० मोटु गदेलुं
गद्दा पु० गोदडु; गादी [भारे बेवफा
गद्दार वि० [अ] भारे वळवाखोर (२)
गद्दी स्त्री० नानु गोदडु (२) गादी (३) हथेळी के पगनु तळियु
गद्दी-नशीन वि०गादीए बेठेल(२)वारस
गद्य पु० [स] गद्य लखाण
गधा पु० 'गदहा'; गधेडु
गनगनाना अ० क्रि० कपवु; ध्रूजवु
गनगौर स्त्री०चैत्र सुद त्रीज; स्त्रीओनी गौरीपूजा [भारे स्वतत्र
ग़नी वि० [अ] भारे धनवान (२)
ग़नीम पु० [अ]शत्रु (२) डाकु; लुटारो
ग़नीमत स्त्री० [अ] लूटनो के मफतियो माल(२)गनीमत; सतोषनी सारी वात
ग़नूदगी स्त्री० [फा] ऊघ आववी ते
गन्ना पु० शेरडी
गप स्त्री० जुओ 'ग़प'

ग़प स्त्री० [फा] गप; डिंग (२) पु० गफ्फो लईने खावु ते [खाई जवु

गपकना स० क्रि० गपकाववु; गब गब

गपड़चौथ स्त्री० नकामी गप; गपाटो

गपना स० क्रि० (प) गप मारवी

गपशप स्त्री० गपसप; नकामी–नवरा पहोरनी वात; बकवाद

गपागप अ० गपगप (जलदी खावु)

गपिया,–हा (प) वि० गप्पी

गपोड़ा पु० गपोडो; गप

गप्प स्त्री० गप **–प्पी** वि० गप मारनारु

गप्फा पु० गफ्फो; गफ दईने मरातो बूको (२) लाभ; फायदो

गफ वि० [फा] ठस; गाढु; घट्ट

ग़फलत स्त्री० [अ] सावधानी, परवा या खबर होवानो अभाव (२) भूल

ग़फूर वि० [अ] क्षमावान (ईश्वर)

ग़फ़्फ़ार वि० [अ] भारे दयाळु (ईश्वर)

ग़बन स्त्री० [अ] सुपरत विषे बेईमानी करवी–हडप करी जवु ते

गबरू वि० [फा. ख़ूबरू] गभरु; नवजुवान (२) भोळु (३) पु० पति

गबरून पु० एक जातनु जाडु कपडु

ग़बी वि० [अ.] गबो; मूरख

गब्बर वि० गर्विष्ठ (२) मद; सुस्त (३) गव्वर; कीमती; धनवान

गब्र पु० [फा] अग्निपूजक–पारसी

गभस्ति पु० [स] सूर्य (२) किरण

गभीर वि० [स] गभीर

गभुआ(–वा)र वि० जन्मथी राखेला (वाळ) (२) तेवा वाळवाळु, नानु (बाळक)

गम स्त्री० गम; पहोच; सूझ

ग़म पु० [अ] गम; दु:ख (२) चिंता

गमक स्त्री० सुगध (२) सगीतनी गमक

ग़मकदा पु० [फा. ससार

गमकना अ० क्रि० महेकवु

ग़मख़ोर, गमख़्वार वि० [फा.] गमखार; गम खाय एवु; सहिष्णु

ग़म-ग़लत पु० [अ] दु:ख हलकु करे ते (२) खेल; तमासो (३) दारू

ग़मगी, –गीन वि० [फा] गमगीन; उदास

ग़म-गुसार वि० [फा.] दु:खभजन

गमछा पु० टुवाल; अगूछो [हावभाव

गमज़ा पु० [अ] (प्रियाना) नखरा के

गमन पु० [स] जवु ते (२) स्त्रीसग

गमनना, गमना अ० क्रि० (प) जवु

गमनाक वि० [फा.] दु:खद

गमला पु० फूलझाडनु के जाजरूनु कूडु

गमाना स० क्रि० 'गँवाना'; गुमाववु

गमार वि० 'गँवार'; गामडियु

ग़मी स्त्री० [अ] गमी; शोक (२) मरण बादनो शोक (३) मरण

गम्य वि० [स] जवाय, पहोचाय एवु (२) साध्य (३) समजाय एवु

गय पु० [स] घर (२) आकाश (३) [प्रा गय] गज; हाथी

गया-गुज़रा, गया-बीता वि० ऊतरी गयेलु; नकामु; खराब

गयावाल पु० गयावाळ; गयानो पडो

गर पु० (प) गळु, गरदन (२) [स] झेर; विष (३) रोग (४) [फा] 'करनार' अर्थनो प्रत्यय जेम के सोदागर

ग़रक़ वि० [अ] लीन; डूबेलु

गरकाब वि० [अ] गरकाव; निमग्न (२) पु० डुवाय एटलु पाणी

ग़रक़ी स्त्री० [फा] डूबवु ते (२) अतिवृष्टि; रेल (३) नीचाणवाळी जमीन

गरगरा पु० 'गराडी'; गरगडी

गर-चे अ० [फा.] 'अगरचे'; जोके
गरज स्त्री० वादळ के सिंहनी गर्जना
गरजना अ० क्रि० गर्जवु
ग़रज़ स्त्री० [अ.] गरज; जरूर (२) आशय; मतलब (३) चाह; इच्छा (४) अ० निदान; आखरे (५) साराश के; मतलब के
ग़रज़-मंद, ग़रज़ी (-ज़ू) वि०गरजवाळुं
गरदन स्त्री० [फा.] गळु; डोकु. **-उठाना** =विरोध करवो; सामे थवु. **-में हाथ देना या डालना**=गरदन पकडी बहार काढवु
गरदनियाँ स्त्री० गरदन पकडी बहार काढवु ते
गरदनी स्त्री० घोडानो ओढो (२) कुस्तीनो एक दाव
गरदा पु० 'गर्द'; गरदा; धूळ
गरदान स्त्री० [फा] [व्या.] क्रियापदनु रूपाख्यान (२) पु० पाळेलु कबूतर
गरदानना स० क्रि० वारवार कहेवु (२) गणवु; लेखवु; मानवु
गरदूं पु० [फा] आकाश (२) गाडी
गरना अ० क्रि० निचोववु (२) (प) गळवु; 'गलना'
ग़रब पु० [अ] पश्चिम दिशा
गरब पु० गर्व; घमड **-गहेला** वि० गर्विष्ठ
गरब(-बा)ना अ० क्रि० गर्व करवो; फुलावु
गरवा पु० गरबो
ग़रबी वि० [फा] पश्चिमनु
गरबीला वि० गर्विष्ठ; अभिमानी
गरम वि० [फा] ऊनु (२) क्रोधी (३) तीक्ष्ण; उग्र
गरमाना अ० क्रि० गरम थवु (२) उमग के आवेश या क्रोधमा आववु (३) स० क्रि० तपाववु; उकाळवु
गरमाहट स्त्री० गरमी; गरमावो
गरमी स्त्री० गरमी; ताप (२)आवेश; क्रोध (३) उमग; जुस्सो (४) उनाळो (५) गरमीनो रोग **-निकालना**= गर्व हणवो;तोरी उतारवी **गरमियोंमें** =उनाळाना दिवसोमा
गरल पु० [स] झेर
गराँ वि०[फा]भारे(वजन के किमतमा)
गराँव पु० ढोरना गळानु बेवडु दोरडु -गाळियु
गरा पु० 'गला'; गळु
गराड़ी स्त्री० गरगडी (२) घसारानो कापो
गरानी स्त्री०[फा]मोघापणु(२)भारेपणु
गरारा वि० गर्ववाळु (२) प्रबळ
ग़रारा पु० [अ] कोगळो
गरिमा स्त्री० [स] गुरुता; भारेपणु; गौरव (२) एक सिद्धि
गरियार वि० मद; गळियु (ढोर)
गरिष्ठ वि० [स] भारे (पचवामा) (२) खूब भारे
गरी स्त्री० नारियेळनो गोटो
ग़रीज़ पु० [अ] स्वभाव; प्रकृति
ग़रीज़ी वि० [अ] स्वाभाविक; सहज; कुदरती
ग़रीब वि० [अ.] निर्धन;रक (२) कगाळ; दीन (३) नम्र (४) परदेशी; परायु. (नाम **-बी** स्त्री०)
ग़रीब-उल्-वतन वि०[अ.] विदेश खेडतु
ग़रीब-ख़ाना पु० [अ +फा]'मारु मकान' ए अर्थनो नम्रतानो शब्द

ग़रीब-गुरबा पु० गरीबगरबां; दीन गरीब लोक
ग़रीब-नवाज़, -परवर वि० [फा.] गरीबने पाळनार; तेनो बेली
ग़रीबाना वि० [फा] गरीबने योग्य; गरीब ढगनु ['गरीब']
ग़रीबी स्त्री० [फा] गरीबाई (जुओ
गरु, ०अ, ०आ, -रू वि० (प.) गुरु; भारे; मोटु [मगरूरी; गर्व
ग़रूर पु०, -री स्त्री० [अ. ग़ुरूर]
गरेबाँ,-बान पु०[फा] कपडानो कॉलर. -फाड़ना = खूब दुःखथी रोककळ करवी गरेबानमें मूँ डालना = शरमावु; मो सताडवु
गरेरी स्त्री० गरेडी; गरगडी
गरोह पु० [फा] जथो; झुड; दळ
ग़र्क़ वि० [अ] गरक; लीन; मग्न
गर्ज़ स्त्री० जुओ 'गरज़'; गरज
गर्जन पु०, -ना स्त्री० [स.] गर्जवु ते के तेनो अवाज
गर्त्त पु० [स.] खाडो (२) कबर
गर्द स्त्री० [फा] गरद; धूळ (किसीकी) गर्दको न पाना = सामे काई न चालवु
गर्दख़ार, गर्दख़ोर(-रा) वि० [फा.] धूळखाउ (२) पु० पगलुछणियु
गर्द-गुबार पु० धूळ
गर्दभ पु० [स] गधेडु
गर्दाबाद वि० धूळथी भरेलु; उज्जड; वेरान
गर्दिश स्त्री० [फा] चक्कर; फेरो (२) आपत्ति, तकलीफ; मुश्केली
ग़र्ब [अ] 'गरब'; पश्चिम [गर्भाशय
गर्भ पु० [स] गर्भ; हमेल (२) कूख;
गर्भपात पु० [स] गर्भ पडी जवो ते
गर्भवती स्त्री० [स] सगर्भा; बेजीवी
गर्भाशय पु०[स]गर्भ रहेवानु अग; कूख
गर्भिणी वि० स्त्री० [स] सगर्भा
गर्भित वि० [स]मर्मयुक्त(२)पूर्ण;भरेलु
गर्म वि०[अ]'गरम'. (नाम -र्मी स्त्री०)
गर्व पु० [स] अभिमान; घमड [करवो
गर्वाना अ० क्रि० (प.) 'गरबाना'; गर्व
गर्वी, ०ला वि० गर्ववाळु; घमडी
गर्हण पु०, गर्हा स्त्री०[स]निंदा; बूराई
गर्हित वि० [स] निंदित; बूरु; खराब
गर्ह्य वि० [स] निंदापात्र
गल पु० [स] गळु
गलका पु० आगळी पर थतो एक फोल्लो
गलगंज पु० घोघाट; शोर (अ० क्रि० ०ना)
गलगल स्त्री० एक जातनु मोटु खाटु लीबु (२) एक पक्षी
गलगुथना वि० हृष्टपुष्ट; गोळमटोळ
ग़लत वि० [अ] खोटु; भूलभरेलु (२) असत्य (नाम -ती स्त्री०)
गल-तकिया पु० गालमशूरियु
ग़लत-नामा पु० [अ.+फा.] शुद्धिपत्रक
ग़लत-फ़हमी स्त्री० [अ.] भ्रम; गेरसमज
ग़लता पु० [अ.] एक कारनु रेशमी कपडु (गजियाणी ?)
ग़लती स्त्री० जुओ 'गलत'मा. (-खाना, करना)
गलथना पु० गलस्तन (बकरीनो)
गलना अ० क्रि० ओगळवु (२) ठडीथी ठरवु (३) निष्फळ थवु.
गलफड़ा पु० पाणीमा श्वास लेवानु जळचरनु अवयव (२) जडबु
गलफाँसी स्त्री० फासो(२)झझट;जजाळ
गलबाँही स्त्री० गळे वळगवु ते
ग़लबा पु० [अ] प्रभावनी अधिकता (२) आक्रमण; हल्लो

गला पु० गळु **–काटना**=बहु हानि पहोचाडवी(२)गळामा खजूरी लागवी. **–घुटना**=श्वास रोकावो. **–घोंटना**= गळु दबाववु (२) जबरदस्ती करवी. **गले मढ़ना, लगाना**=माथे मारवु; गळे वळगाडवु
गलाऊ वि० ओगळे एवु (जेम के दाळ)
गलाना स० क्रि० ओगाळवु; नरम करवु (२) खरचवु
गलियारा पु०; **–री** स्त्री० नानी गली
गली स्त्री० गली; शेरी
ग़लीचा पु० जुओ 'गालीचा'
ग़लीज़ वि० [अ] गलीच (२) अपवित्र (३) घट्ट; घाडु (४)पु० गदकी (५) मळ
गलेफ पु० 'गिलेफ'; गलेफ; खोळ
गलेबाज़ वि० सारु गानार
गल्प स्त्री० गप; डिंग (२) लघु कथा
ग़ल्लई वि० गल्लाने लगतु (२) पु० पाक के अनाजमा लेवातु महेसूल के साथ [टोळु; घोरी
गल्ला पु० 'गुल'; शोर (२) [फा] ढोरनु
ग़ल्ला पु० [अ] फसलनी ऊपज (२) अनाज (३) गल्लो, वकरो
ग़ल्लेबान पु० [फा.] गडेरियो
गवँ स्त्री० लाग; दाव; मोको
गवँसे अ० लाग जोईने (२) धीरेथी
गवन पु० गमन (२) 'गौना'; पहेलु आणु वळाववु ते
गवनचार, गवना पु०'गौना'; पहेलु आणु
गवर्नमेंट, गवर्मेंट स्त्री० [इ] सरकार
गवर्नर पु० [इ] प्रदेशनो हाकेम. **–री** स्त्री० तेनु काम के तेनो प्रदेश
गवाक्ष [स] (–ख, –छ) पु० झरूखो; अटारी
गवारा वि०[फा]गवारा;फावतु;मनपसद (२) स्वीकार्य; मजूर
गवास पु० कसाई [–ही स्त्री०)
गवाह पु० [फा] साक्षी पूरनार (नाम
गवेल, गवैंहा वि० गामडानु; देहाती
गवेषणा स्त्री०[स]खोज;तपास;सशोधन
गवैया पु० गवैयो; गायक
गव्य पु० [स] गायमाथी मळतु (छाण, दूध इ०) (२) गायनु धण
ग़श पु०, **–शी** स्त्री० [अ] मूर्च्छा; बेहोशी, तम्मर. **–खाना**=तम्मर आववी, बेहोश थवु
गश्त पु० [फा.] गस्त; पहेरो (२) भ्रमण
गश्ती वि०[फा] गश्त मारनार, घूमनार (२) स्त्री० कुलटा
गसना अ० क्रि० ग्रसवु;पकडवु; जकडवु
गसीला वि० (स्त्री० –ली) खूब गीच; जकडेलु; घट्ट (जेम के, वणाट)
गस्सा पु० ग्रास; कोळियो
गह स्त्री० पकड (२) मूठ; हाथो
गहगहा वि० प्रफुल्लित(२) धामधूमवाळु
गहगहाना अ० क्रि० खूब प्रसन्न थवु (२) (झाड के पाक) लसलसवु
गहगहे अ० धामधूम के खुशीथी
गहडोरना स० क्रि० (पाणी) डहोळवु; हलावी गदु करवु
गहन वि० [स] कठण; दुर्गम (२) गाढ; ऊडु (३) गभीर (४) पु० (प) ग्रहण (५) हठ; जिद
गहना पु० घरेणु (२) स० क्रि० ग्रहवु
गहबर वि० (प) गह्वर; दुर्गम(२) व्याकुल; गभरायेलु
गह्र स्त्री० (प) विलव; वार (२) वि० घेरु; दुर्गम

गहरना अ० क्रि० (प) ढील के वार करवी (२) कढवु; चिडावु
गहरा वि० घेरु; (२) ऊंडु (३)गभीर (४) घाटु -हाथ=बरोबर सपाटो. गहरे लोग=ऊडा-भारे उस्ताद
गहराना अ० क्रि० घेरु थवु(२)स०क्रि० घेरु करवु (३)अ० क्रि० 'गहरना'; वार करवी [('गहना'नु प्रेरक)
गहवाना, गहाना स० क्रि० पकडाववु
गहिरा वि० जुओ 'गहरा'
गहेजुआ पु० छछुदर [गांडु
गहेला वि० हठीलु (२) घमडी (३) घेलु;
गह्वर पु० [स] गुफा, बखोल (२) गुप्त जगा (३) झाडी; जगल
गाँछना स० क्रि० गूथवु
गॉज पु० गज; ढेर
गाँजना स० क्रि० गज करवो
गाँजा पु० गाजो
गाँठ स्त्री० गाठ (२) गठडी (३) शरीरनो साधो (४) (शेरडी, सडियानी) गाठ
गाँठगोभी स्त्री० नोलकोल
गाँठना स० क्रि० गाठ मारवी (२) साथे जोडवु (३) फाटयुतूटयु ठीक करवु; समारवु मतलब गाँठना=मतलब साधवी; काम काढवु
गॉडर स्त्री० एक जातनु घास; खस
गाँडा पु० गडेरी; वडवो
गाँथना स० क्रि० गूथवु
गाँधी स्त्री० [स] चोमासामा थतु माकणियु जतु (२) हिंग (३) गांधी
गाँवँ, गाँव पु० गाम -मारना=गाम भागवु; धाड पाडवी
गाँस स्त्री० बधन (२) वेरभाव (३) रहस्य; भेद (४) अधिकार (५) गाठ

गाँसना स० क्रि० वीधवु; भोकवु (२) गूथवु (३) पकडमा राखवु (४) ठासवु
गाँसी स्त्री० तीर बरछी इ० नु फळु (२) कपट; मननो मेल
गाइड पु० [इ] पुस्तकनी गाइड (२) रस्तो इ० बतावनार; भोमियो
गाउघप्प वि० पारकु हडप करनार
गाउन पु० [इ] झब्बो (वकील, ग्रॅज्युएट इ० पहेरे छे ते)
गागर (-री) स्त्री० गागर; नानो घडो
गाच स्त्री० [इ गॉझ] गाझ
गाछ पु० झाड (२) छोड
गाज स्त्री० गर्जना (२) वीजळी (३) पु० फीण [राजी थवु
गाजना अ० क्रि० गाजवु (२) राचवु;
गाजर स्त्री० गाजर कद [पाउडर
ग़ाज़ा पु० [फा] मो पर घसवानो एक
ग़ाज़ी पु० [अ] गाझी; धर्म माटे लडनार वीर (मुसलमान) (२) वीर पुरुष
गाड़ स्त्री० खाडो [ठोकवु(३)सताडवु
गाड़ना स० क्रि० गाडवु; दाटवु(२)अदर
गाडर स्त्री० गाडर; घेटु; मेंढु
गाड़ा पु० (प) गाडु; वेलगाडी (२) खाडो (फसाववाने माटेनो)
गाड़ी स्त्री० गाडी. -छूटना=स्टेशनेथी गाडी ऊपडवी
गाड़ीवान पु० गाडीवाळो-हाकेडु
गाढ़ वि० गाढु; घट्ट (२) मजबूत; दृढ (३) पु० सकट; मुश्केली
गाढ़ा वि० घाटु; घट्ट (२) गूढ; घेरु (३) घोर; विकट (४) पु० गजियु; खादी (५) मस्त हाथी गाढ़ेका साथी या संगी = सकटनो मित्र-सहायक. गाढ़ेकी कमाई=महेनतनी कमाणी.

गाढ़े दिन=मुश्केलीना दहाडा
गाढ़े अ० (प.) सारी पेठे; बरोबर (२) जोरथी; दृढपणे
गात पु० गात्र; शरीर; अग (२) गुप्त अग (३) स्तन (४) गर्भ **—से होना**=गर्भ रहेवो
गाता पु० [स] गवैयो
गाती स्त्री० गातडी वाळी पहेरातु वस्त्र
गात्र पु० [स] शरीरनु गात्र – अंग
गाथा स्त्री० [स] कथा (२) स्तुति (३) एक छंद
गाद स्त्री० प्रवाहीमा नीचे ठरतो कचरो
गादड़, —र वि० कायर; डरपोक (२) सुस्त; मद (३) पु० गळियो बळद
गाध वि० [स] छछरु (२) थोडु (३) पु० जगा (४) तळियु (पाणीनु) (५) लोभ
गान पु० [स] गावु ते; गायन; गीत
गाना स० क्रि० गावु (२) वर्णववु (३) वखाण के स्तुति करवी **—बजाना**= मोजमजा – आनद करवो
गाफिल वि० [अ] गाफेल; असावध
गाभ, गाभा पु० कूपळ (२) गोदडा रजाई अदरनो गाभो (३) कशानो अदरनो भाग – गाभो
गाभिन, —नी वि० स्त्री० गाभणी
गाय स्त्री० गाय; घेनु
गायक पु० [स] गानार; गवैयो
गाय-गोठ स्त्री० गोशाळा
गायत वि० अत्यत (२) असाधारण (३) स्त्री० छेल्ली हद
गायताल वि० 'गैताल'; नकामु, रद्दी (२) पु० नकामु ढोर
गायत्री स्त्री० [स] गायत्री मत्र के छद
गायन पु० [स] गवैयो (२) गान; गायु ते
गायब वि० [अ] गेब; अलोप (२) (व्या) त्रीजो (पुरुष)
गार पु० (अ) खाडो (२) गुफा (३) [फा] 'करनार' अर्थनो प्रत्यय
गारत वि० [अ] नष्ट; पायमाल
गारद स्त्री० [इ गार्ड] चोकीदार टुकडी (२) पहेरो. **—में करना, देना, रखना**= पहेरामा राखवु
गारना स० क्रि० निचोववु (२) पाणी साथे घसवुं
गारा पु० (माटी चूनानो) चणवा माटेनो गारो
गारी स्त्री० (प) गाळ; 'गाली' **—आना, पड़ना, लगना**=कलक लागवु **—लाना** =कलक लगाडवु
गारुड़ी पु० [स] सापनो मत्र जाणनार
गार्जियन पु० [इ] वाली, सरक्षक
गार्ड पु० [इ] (गाडीनो) गार्ड
गार्डेन पु० [इ] बाग
गाल पु० [स गल्ल] गाल (२) बकबक करवानी आदत (३) मध्य भाग; वच (४) ग्रास; फाको. **—करना**=बकबक करवु **—पर गाल चढ़ना**=हृष्टपुष्ट थवु. **—फुलाना**=रिसावु **—बजाना या मारना**=डिंग मारवी
गालगूल पु० (प) बकवाद; नकामी वात
गालमसूरी स्त्री० एक मीठाई
गाला पु० पूणी
गालिब वि० [अ] बळवान (२) विजयी (३) सभवित
गालिबन् अ० [अ] सभवतः
गाली स्त्री० गालि; गाळ [गाळागाळी
गाली-गलौज स्त्री०, **गाली-गुफ़्ता** पु०
गालीचा पु० [फा] गालीचो
गालू वि० गप्पी; तडाकी
गाव पु० [फा] गावडी; गाय

गाव-कुशी स्त्री० [फा] गोवध
गाव-जबान स्त्री० [फा] एक बुट्टी
गाव-तकिया पु० [फा] मोटो तकियो
गावदी वि० मूर्ख; अणसमजु [जतु
गाव-दुम वि० [फा] उपरथी पातळु थतु
गाह पु० ग्राह; पकड (२) मगर (३) ग्राहक
गाह स्त्री० [फा] जगा; स्थान (उदा० इबादत-गाह) (२) वखत
गाहक पु० ग्राहक; घराक [सोदो थवो
गाहकी स्त्री० घराकी; वेचाण. –पटना=
गाह-गाह, गाह-ब-गाह, गाहे-गाहे अ० कदी कदी; क्यारे क्यारे [करवु
गाहना स० क्रि० डूबकी मारवी (२) खळु
गाहा स्त्री० गाथा; कथा [मान
गाही स्त्री० फळ गणवानु पाचनु एक
गिजना अ० क्रि० चोळाईने मेलु के खराब थवु; 'गीजना'नु कर्मणि
गिआन पु० (प) ज्ञान
गिउ पु० (प) गळु; गरदन
गिचपिच, गिचिरपिचिर वि० अस्पष्ट; गमे तेमना क्रममा; गुचपुच
गिजगिजा वि० पाणीपोचु; लचपच
गिज़ा स्त्री० [अ] भोजन; खोराक
गिटपिट स्त्री० गोटपीट
गिट्टक स्त्री०, गिट्टा पु० चलमनो तवो
गिट्टी स्त्री० मरड के ठीकरु (२) 'गिट्टा'
गिड़गिड़ाना अ० क्रि० नम्रताथी विनती करवी (नाम, –हट स्त्री०)
गिद्ध पु० गीध पक्षी
गिनती स्त्री० गणतरी (२) संख्या (३) हाजरी (४) १ थी १०० सुधी आंक. –के=गणतर; थोडाक
गिनना स० क्रि० गणवु; लेखवु [प्रेरक
गिनवाना, गिनाना स० क्रि० 'गिनना'नु
गिनी, गिन्नी स्त्री० गीनी सिक्को
गिने-गिनाये, –चुने=थोडाक; गणतर
गिरगिट पु० काचडो; 'गिरदान'
गिरजा (०घर) पु० ख्रिस्ती देवळ
गिरदान पु० जुओ 'गिरगिट'
गिरदाब पु० [फा] पाणीनो भमरो
गिरदावर पु० जुओ 'गिर्दावर'
गिरना अ० क्रि० गरवु; पडवु –पड़ना =पडवु आखडवु
गिरफ़्त स्त्री० [फा.] पकडवु – गिरफ़्तार
गिरफ़्ता, –फ़्तार वि० [फा] गिरफ्तार; केद पकडेलु
गिरमिट पु० गिरमीट; 'ॲग्रीमेन्ट'
गिरवाना स० क्रि० जुओ 'गिराना'
गिरवी वि० [फा] गीरवेलु; गीरवी
गिरवी-गॉठा पु० गीरो
गिरवीदा वि० [फा.] मोहित; आसक्त
गिरवीदार पु० [फा] गीरो राखनार
गिरवीनामा, गिरवीपत्र पु० गीरो-खत
गिरह स्त्री० [फा.] गाठ (२) खीसु (३) वारनो १६ मो भाग (४) गुलाट
गिरहकट वि० खीसाकातरु
गिरहबाज पु० [फा] गिरेबाज; गुलाट खातु ऊडनारु एक पक्षी
गिरॉ वि० जुओ 'गराँ' (२) अप्रिय
गिरा स्त्री० [स] वाणी; वाचा (२) भाषा (३) जीभ (४) सरस्वती
गिराना स० क्रि० 'गिरना'नु प्रेरक; पाडवु
गिरानी स्त्री० जुओ 'गरानी'
गिरामी वि० [फा पूज्य; वयोवृद्ध
गिरावट स्त्री० पडवानी क्रिया के रीत
गिरि पु० [स] पर्वत ०जा स्त्री० पार्वती
गिरिफ़्त स्त्री०, –फ़्ता (०र) वि० जुओ 'गिरफ़्त, –फ़्ता (०र)'

गिरी स्त्री० 'गूदा'; गर; अंदरनो मावो
गिरेवान पुं० जुओ 'गरेवान'
गिरैयाँ स्त्री० नानुं गाळियु (२) वि० पडनारुं; पडतुं
गिरो वि० [फा] गीरो; गीरवी
गिर्जा, गिर्जाघर पु० जुओ 'गिरजा'
गिर्द अ० [फा] आसपास; चोतरफ
गिर्दाब पु० पाणीनो भमर–वमळ
गिर्दावर पु० [फा] (सर्कल-इन्स्पेक्टर जेम) फरीने काम करनारो
गिल स्त्री० [फा] माटी (२) गारो
गिलकार पु० [फा] (नाम,–री स्त्री०) प्लास्टर करनार
गिलट पु० गिलेट; ढोळ
गिलटी स्त्री० गाठ (गोड घालवाथी थती के साधा परनी)
गिलन पु० गॅलन माप
गिलना स०क्रि० [स. गिरण] 'निगलना'; गळवु (२) मनमा दावी राखवु
गिलबिलाना अ० क्रि० अस्पष्ट–गरबड सरवड बोलवु
गिलम स्त्री० नरम ऊननो गलीचो के पाथरणु (२) वि० नरम; मुलायम
गिलमिल पु० एक सारी जातनु कापड
गिलहरी स्त्री० खिसकोली
गिला पु० [फा] फरियाद (२) ठपको
ग़िलाज़त स्त्री० [अ.] गदकी (२) विष्टा
ग़िला(-ले)फ पु०[अ.] गलेफ; खोळ (२) मोटी रजाई (३) म्यान [गारो
गिलाव,–वा पु० कीचड (२) चणवा माटे
गिलास पु० ग्लास; प्यालो
गिली वि० [फा] माटीनु
गिलेफ़ पु० जुओ 'गिलाफ'
गिलोय स्त्री०[फा.]एक वेल;'गुरुच';गळो
गिलौरी स्त्री० पाननो बीडो
गिलौरीदान पुं० पानदानी
गींजना स० क्रि० (कपडा इ०)मसळवु; रोळवु; चोळी नाखी बगाडवु
गीव स्त्री० गीवा; गरदन
गीत पु० [स.] गायन
गीति स्त्री० [स] गान (२) एक छद
गीती स्त्री० [फा.] दुनिया
गीदड़ पु० शियाळ (२) वि० डरपोक
गीदी वि० [फा] कायर; डरपोक (२) बेवकूफ; मूरख
गीध पु० जुओ 'गिद्ध'
गीधना अ० क्रि० चसको लागवो; लालचूडा थवु [गेरहाजरी
गीबत स्त्री० [अ.] चाडीचुगली (२)
गीला वि० भीनु; पलळेलु
गुंग [फा], –गा वि० मूगु
गुगी स्त्री० आधळी चाकळ
गुचा पु० [अ] कळी (२) नाचरग
गुंज स्त्री० [स] गुजारव (२) गळानु एक घरेणु
गुंजन पु० [स.] गुजारव
गुजना अ० क्रि० गुजवु; गणगणवु
गुंजा स्त्री० [स] चनोठी के तेनु झाड के तेटलु–रतीभार वजन (२) गुजन
गुजाइश स्त्री० [फा.] समावानी जगा; अवकाश (२) 'सुभीता'; सवड
गुंजान वि० [फा] घन; घाडु
गुंजार पु० गुजारव
गुँडली स्त्री० ऊढण
गुंडा पु० गुडो; दाड; वदमाश
गुँथना अ० क्रि० गूथवु [गूथवु
गुंधना अ० क्रि० 'गूंधना'; गूदवु (२)
गुंधाई स्त्री० गूदवु के गूथवु ते

गुंफ पु० [स] गूथण (२) झघडो; पचात (३) 'गलमुच्छा'; थोभियो [पचात
गुंफन पु० [स] (२) गूथण (२) झघडो;
गुंबज़(-द) [फा.] पु० गुबज; घुमट
गुंबा पु० ढीमणु; 'गुलमा'
गुआ पु० चीकणी सोपारी
गुआर, -री स्त्री० गवार; 'ग्वार'
गुइयाँ पु०; स्त्री० साथी; भेरु; सखी
गुग्गुर(-ल,-लु) पु०गूगळ;एक औषधि
गुच्ची स्त्री० गबी (गीलीदडा इ० खेलवानी)
गुच्छ, -च्छा पु० [स] गुच्छो; गोटो
गुज़र पु० [फा] गुजर; गति; पहोच; प्रवेश(२)समय वीतवो ते (३) निभाव; निर्वाह; गुजारो [पार करवानो घाट
गुज़रगाह स्त्री० [फा] रस्तो (२) नदी
गुज़रना अ० क्रि० गुजरवु(समय वीतवो के वीतवु) (२) कोई स्थाने थईने जवु के आववु (३) बनवु; नभवु **गुज़र जाना**=गुजरी जवु
गुज़र-वसर पु० [फा] गुजरान; निभाव
गुज़रान पुं० गुजरान; गुजारो
गुज़श्ता वि० [फा] गत; भूत (काळ)
गुज़ारना स० क्रि० विताडवु; समय काढवो (२) पहोचाडवु
गुज़ारा पु० [फा] गुजारो (२) होडी उतारे ते स्थान (३) टोलनी जगा
गुज़ारिश स्त्री० [फा] निवेदन; विनती
गुझिया स्त्री० एक मीठाई–घूघरो
गुटकना स० क्रि० गटक दईने गळवु(२) अ० क्रि० कबूतरनु बोलवु [पुस्तक
गुटका पु० गुटिका; गोळी (२) गुटको
गुटरगूँ स्त्री० कबूतरनो अवाज
गुटिका, गुटी स्त्री० गोळी

गुट्ट पु० दल; जूथ; झुड. **-करना**= मळीने मसलत करवी **-बाँधना**=टोळी जमाववी; दळ एकठु करवु
गुट्टबंदी स्त्री० पोतानु जूथ जमाववु ते
गुट्ठल वि० गोटलीवाळु (फळ) (२) जड; मूर्ख (३) पु० गठ्ठो (४) गाठ; ढीमणु
गुठली स्त्री० गोटली; ठळियो; गोटलो
गुड़ंबा पु०काची केरी बाफीने चासणीमा आथे ते, गोळकेरी जेवु एक अथाणु
गुड़ पु० [स] खावानो गोळ
गुड़गुड़ाना अ० क्रि० गुडगुड अवाज करवो; (हूको) गगडाववो
गुड़गुड़ी स्त्री० हुक्को [लाडु
गुड़धनिया, गुड़धानी स्त्री०एक प्रकारनो
गुड़हर(-ल) पु० एक झाड के तेनु फूल
गुड़ाकू पु० गडाकु; तमाकु
गुड़िया स्त्री० ढीगली. **-का खेल**= रमतनु काम
गुड़ी स्त्री० पतग; 'गुड्डी' ['गिलोय'
गुडूची स्त्री० [स] गळो; अतरवेल;
गुड्डा पु० ढीगलो (२) मोटो पतग
गुड्डी स्त्री० पतग (२) एक नानो हूको
गुण पु० [स] लक्षण; धर्म (२)स्वभाव; शक्ति; प्रभाव; तासीर (३) सारी तारीफ; सद्गुण
गुणना स० क्रि० गुणवु
गुणा पु० गुणाकार
गुत्थमगुत्था पु० परस्पर लपटाई-फसाई जवु ते (२) वथ्थवथ्था
गुत्थी स्त्री० गाठ; गूच
गुथना अ० क्रि० [स गुत्सन] फूल, मणका इ० गूथावु (२) खराब सिवावु (३)(लडवा) बाझवु (प्रेरक **गुथवाना**)
गुथवाँ वि० गूथेलु

गुदकील पु० जुओ 'गुदाकुर'
गुदगुदा वि० मासल (२) मुलायम
गुदगुदाना अ० क्रि० गलीपची थवी के करवी (२) विनोद करवो (३) उत्कंठा उत्पन्न करवी
गुदगुदाहट, गुदगुदी स्त्री० गलीपची (२) विनोद; उमग (३) उत्कंठा
गुदड़ी स्त्री०गोदडी **–बाजार**=गुजरी; जूनी वस्तुओनु बजार. **–में लाल**= तुच्छ जगामा कीमती चीज
गुदना अ० क्रि० भोकावु; गोदो वागवो (२) पु० छूदणु
गुदरना अ० क्रि० (प.) गुजरवु, स०क्रि० (२) निवेदन करवु; कहेवु
गुदाकुर पु० [स.] हरस
गुदा स्त्री० [स] मळद्वार [कोमळ
गुदाज़ वि० [फा] मासल; दळदार (२)
गुदाना स० क्रि० गोदावबु; भोकावबु
गुदारा पु० नदी पार ऊतरवु ते के तेनी जगा; 'गुज़ारा'
गुद्दा पु० झाडनु मोटु डाळ
गुद्दी स्त्री० अदरनो गर (२) बोची **आँखें गुद्दीमें होना या चली जाना**= ना देखाव्रु के समजावु
गुन पु० (प) गण
गुनगुना वि० गूगणु (२)जुओ 'कुनकुना'
गुनगुनाना अ० क्रि० गूगणु बोलवु
गुनना स० क्रि० गुणवु (२) गणवु (३) गोखवु (४) विचारवु
गुनहगार वि० [फा] गुनेगार
गुना प्रत्यय सख्याने लागता 'तेटला गणु' अर्थ थाय दा० त० दसगुना (स्त्री० **–नी**) [गुनेगार
गुनाह पु० [फा] गुनो ०**गार, –ही** पु०

गुनिया पु० जुओ 'गोनिया'
गुन्ना पु० [अ] अनुस्वार
गुपचुप अ० चुपचाप; छानुमानु (२) स्त्री० एक मीठाई [छानु; गूढ
गुप्त वि० [स] छूपु; सतायेलु (२)
गुप्तचर पु० [स] जासूस
गुप्तमार स्त्री० मूढ मार
गुप्ती स्त्री० गुप्ती हथियार
गुफा स्त्री० [स] पहाडनी गुफा–गुहा
गुफ़्तगू, गुफ़्तार स्त्री० [फा] वातचीत
गुपफा पु० फूलनो गुच्छो (२) टोपीनु फूमतु [क्रोध, द्वेष दु ख वगेरे
गुबार पु०[अ]धूळ (२) मनमा दबावेलो
गुबा(–ब्बा)रा पु० गुवारो; वलून
गुम वि० [फा] गुम (२)अप्रसिद्ध(३)गुप्त
गुमटा पु० (माथानु) ढीमणु
गुमटी स्त्री० गुबज; घूमट
गुमनाम वि० [फा] अजाण्यु; अप्रसिद्ध (२) नाम वगरनु
गुमर पु० गुमान (२) 'गुबार'; मनमा दबायेलो क्रोध इ० (३) घुसपुस वात
गुमराह वि० [फा] राह भूलेलु (२) नीतिभ्रष्ट; कुमार्गे वळेलु
गुमसुम वि० चूप; स्तब्ध; सूमसाम
गुमान पु० [फा] अनुमान; कयास; ख्याल (२) गुमान; गर्व
गुमाना स० क्रि० गुमावबु; खोवु
गुमानी वि० घमडी; अभिमानी
गुमाश्ता पु० [फा] गुमास्तो; मुनीम. ०**गिरी** स्त्री० गुमास्तागीरी
गुम्मट पु० घूमट
गुम्मा पु० मोटी ईंट (२) वि० चूप
गुर पु० गुरुमन्त्र; युक्ति; चावी
गुरगा पु० चेलो(२)नोकर (स्त्री० **–गी**)

गुरगाबी पु० [फा.] एक जातना जोडा
गुरदा पु० [फा गुर्द ; स गोर्द] मुत्रपिंड; 'किडनी' (२) साहस; हिंमत
गुरबत स्त्री० [अ] परदेश-निवास (२) मुसाफरी (३) नम्रता
गुरिया पु० माळानो मणको; दाणो (२) नानो टुकडो [मोटु; भारे
गुरु पु० [स] गुरु; शिक्षक (२) वि०
गुरुआनी स्त्री० गुरुनी स्त्री के स्त्री-गुरु; गोराणी [धारण करवु ते
गुरुडम पु० गुरु बनी बेसवु–गुरुपणुं
गुरुद्वारा पु० शीख मदिर
गुरुमुख वि० गुरुमत्र लीधेलु; दीक्षित
गुरुमुखी स्त्री० (शीख धर्मग्रथनी) एक लिपि [माणस
गुरू-घंटाल पु० बडो चालाक–घट
गुरूब पु० [अ] तारा के सूर्यनो अस्त
गुरूर पु० [अ.] जुओ 'गरूर'
गुरेज़ स्त्री० [फा] कशाथी नासवुं, दूर रहेवु के बचवु ते (२) विषयान्तर
गुरेरना स० क्रि० आख फाडीने जोवु
गुर्ज़ पु० [फा] गदा जेवु एक शस्त्र
गुर्दा पु० जुओ 'गुरदा'
गुर्रा पु० [अ] श्रेष्ठ वस्तु (२) बीज; मोहरमनो बीजनो चाद –**बताना** =काई आप्या वगर टाळवु;उडावी देवु
गुर्राना अ० क्रि० घूरकवु(२)(बिल्लीनो) घरघर अवाज थवो
गुर्वी, –र्विणी स्त्री० [स] गर्भवती(स्त्री)
गुल पु० [फा.] गुल (फूल; गुलाब; बत्तीनो मोगरो) (२) हसता गाल पर पडतो खाडो (३)तमाकुनो गल(४)डाम (५) गुलशोर (६) लमणो (चिराग) **गुल करना** = बुझावबु. –**कतरना** =काई विचित्र बनवु –**खाना**=डाम खावो; डभावु –**खिलना**=विचित्र बनाव बनवो (२) बखेडो थवो
गल-अब्बास पु० [फा] एक फूलझाड
गुलकारी स्त्री० [फा.] फूलनु भरतकाम
गुलगपाड़ा पु० शोर; गुल
गुलगश्त पु० [फा] बागमा फरवु ते
गुलगीर पु०[फा]वत्ती कापवानी कातर
गुलगुल वि० जुओ 'गुलगुला'
गुलगुला पु० एक मीठाई (२) वि० नरम; 'गुलगुल'; मुलायम [पावडर
गुलगूना पु० [फा] मुख पर लगाववानो
गुलचीं पु० [फा] माळी
गुलछर्रा पु० अनुचित स्वच्छद के भोगविलास **गुलछर्रे उड़ाना**=मोज-मजा करवी [भर्युंभादर्यु;सुदर
गुलजार पु० [फा] बाग (२) वि०
गुलझटी स्त्री० गाठ [भात
गुलत्थी स्त्री० लोचो थाय एम रघायेलो
गुलथी स्त्री० (पाणीमा जेम के लोट नाखता पडी जाय छे एवी) गागडी
गुलदस्ता पु०[फा]गुलदस्त;फूलनो गोटो
गुलदान पु० [फा] फूलदानी
गुल-दुम पु० [फा] बुलबुल
गुलनार पु० [फा] दाडमनु फूल के तेना जेवो लाल रग
गुलमा पु० गुल्म; ढीमणु
गुलमेख स्त्री०[फा]गोळ माथानी मेख
गुलशन पु० [फा] बाग [हजारी
गुलहजारा पु० [फा] एक फूलझाड;
गुलाब पु० [फा] गुलाबनु फूल के छोड (२) गुलाबजळ
गुलाब-जामुन पु० गुलाबजावु मीठाई (२) एक फळझाड

गुलाब-पाश पु० [फा] गुलाबदानी
गुलाबी वि० [फा] गुलाबी रगनु; गुलाब अगेनु (२) पु० गुलाबी रग (३) स्त्री० शरावनी प्याली (४) एक मीठाई
गुलाम पु० [अ] गुलाम (२) सामान्य नोकर **–मी** स्त्री०
गुलाल पु० लाल रगनो ककु जेवो-भूको–गुलाल
गुलाला पु० 'गुललाला'–एक फूल; गुल्लाला
गुलिस्ताँ पु० 'गुलशन'; बाग
गुलू पु० [फा.] गळु (२) स्वर
गुलूबंद पु० [फा] गलपटो; गलूबद
गुलेल स्त्री० गलोलो फेंकवानी कामठी; गलोल
गुलेलची पु० गलोलो फेंकी जाणनार
गुलेला पु० [फा गुलूल] गलोलो (२) गलोल
गुल्फ पु० [स] घूटी; 'टखना'
गुल्म पु० [स] पेटनो गोळानो रोग
गुल्ला पु० [फा] गलोलो (२) शोर; गुल
गुल्लाला पु० एक लाल फूल
गुल्ली स्त्री० ठळियो (२) गिल्ली; मोई
गुवार पु० जुओ 'ग्वाल'; गोवाळ
गुवारपाठा पु० जुओ 'ग्वारपाठा'
गुसल पु० जुओ 'गुस्ल'
गुसांई पु० गोसाई; गोस्वामी (२) प्रभु
गुस्ताख़ वि० [फा] (नाम, **–ख़ी** स्त्री०) बेअदब; अविवेकी; अशिष्ट
गुस्ल पु० [अ] गुसल; स्नान
गुस्लख़ाना पु० [फा] गुसलखानु; नाहवानी ओरडी
गुस्ले-सेहत पु० [अ] बीमारीमांथी नीकळ्ये करातु स्नान
गुस्सा पु० [फा] गुस्सो; क्रोध **–के मारे भूत होना**=खूब क्रोध करवो–तेथी कपवु **–नाक पर रहना**=जरामा गुस्से थवु **–पीना, –पी जाना, –मारना**=गुस्सो रोकी लेवो–दबाववो–जीतवो **–फूक देना**= गुस्सो दूर करवो; दरगुजर करवु
गुस्साबाज़, गुस्सावर [फा], **गुस्सैल** वि० क्रोधी; चीडियु
गुहना स०क्रि०गूथवु(२)बखियो मारवो
गुहराना अ० क्रि० जुओ 'गोहराना'
गुहा स्त्री० [स.] गुफा
गुहाना स० क्रि० 'गुहना' नु प्रेरक; 'गुहवाना'
गुहार,–रि स्त्री० रक्षा माटे बूम; 'गोहार'
गुह्य वि० [स] गुप्त; छूपु; छानु (२) गूढ (२) पु० छूपो भेद; रहस्य
गूँगा वि० जुओ 'गुग'–मूगु
गूँच स्त्री० जुओ 'गुजा'; चणोठी
गूँज स्त्री० गुजन (२) पडघो (३) भमरडानी आर
गूँजना अ०क्रि० गुजवु(२)पडघो पडवो
गूँथना स० क्रि० गूथवु; 'गूथना'
गूँदा पु० 'गोदा'; गूदो; माटीनो लोदो
गूँधना स० क्रि० गूदवु; मसळवु
गू(०ह) पु० गू; विष्टा
गूग(–गु)ल पु० गूगळ; 'गुग्गुल'
गूजर पु० गोवाळनी एक जात
गूजरी स्त्री० 'गूजर' स्त्री (२) पगनुं एक घरेणु ['गुझिया'
गूझा वि० गुह्य; गुप्त (२) पु० जुओ
गूढ़ वि० [स] गुह्य; गुप्त (२) अकळ
गूथना स० क्रि० गूथवु (२) साधवु
गूदड़(–र) पु० चीथरु; वागो

गूदा पु० गर; फळ के कोई चीजनो अदरनो मावो; मगज [एक घास

गून स्त्री० रसी; दोरडु (नावनु) (२)

गूना पु० [फा] वर्ण; रग (२) प्रकार

गूनागूँ, –गून वि० [फा] विधविध; भात भातनु (२) रगबेरगी

गूमा पु० एक छोड–औषधि

गूलर पु० उमरडो. **–का कीड़ा**=कूप-मडुक **–का फूल**=दुर्लभ वस्तु

गृध्र पु० [स] गीध

गृह पु० [स] घर [घरककास

गृह-कलह, गृहयुद्ध पु० घरनो झघडो;

गृहस्थ पु० [स] घर-ससारी (२)खेडूत

गृहस्थी स्त्री० गृहस्थनु कर्तव्य (२) गृहव्यवस्था (३) कुटुब के घरनो सरसामान (४) खेतीवाडीनो रोजगार

गृहिणी स्त्री० [स] स्त्री; घरवाळी

गृही पु० [स] गृहस्थ [स्वीकृत

गृहीत वि० [स] ग्रहण करेलु; मानेलु;

गेंगटा पु० जुओ 'केकडा'

गेंड़ना स० क्रि० घेरवु; खेतरनी चारे कोर हदनो पाळो वाववो

गेंड़ली स्त्री० गूचळु; कुडाळु (जेम के, सापनु) **–बाँधना, –मारना**=गूचळु वळवु

गेंड़ा पु० शेरडीना उपलां पान (२) शेरडी (३) 'गैंडा', गेंडो

गेंडुआ, –वा पु० तकियो (२) मोटी गेंद; दडो [उढाणी

गेंडुरी, –ली स्त्री० जुओ 'गेंडली'(२)

गेंद पु० दडो. **०घर** पु० क्रिकेट, टेनिस, बिलियर्ड इ० रमवानु स्थान. **०तड़ी** स्त्री० मारदडीनी रमत

गेंद-बल्ला पु० गेडीदडो (२) क्रिकेट

गेंदा पु० एक फूलझाड; हजारी

गेंदुआ, –वा पु०(गोळ)तकियो,ओशीकु

गेगला वि० मूरख; बाघु

गेटिस पु० [इ. गार्टर] मोजा वाववानी पट्टी–गार्टर

गेती स्त्री० [फा.] ससार

गेय वि० [स.] गवाय एवु

गेरना स० क्रि० गेरववु; पाडवु; 'गिराना' (२) घेरवु

गेरवाँ, गेराँव पु० जुओ 'गराँव';गाळियु

गेरुआ वि० गेरु रगनु; भगवु (२) पु० घउनो गेरवो रोग

गेरू स्त्री० गेरु माटी

गेसू पु० [फा] वाळनी लट; जुल्फु

गेह पु० [स] घर

गेहनी स्त्री० (प) गृहिणी; घरवाळी

गेहुँअन पु० घउवर्णो एक झेरी साप

गेहुँआ वि० घउवर्णु

गेहूँ पु० घउ

गैंडा पु० गेंडो

गैंती स्त्री० तीकम के कोदाळी

ग़ैब पु० [अ] गेब; अदृष्ट; परोक्ष विषय

ग़ैबत स्त्री० [अ] चुगली; गीबत; निंदा

ग़ैबी वि०[अ]परोक्ष; गुप्त; अज्ञात; गूढ

गैयर पु० (प) गयवर; मोटो हाथी

गैया स्त्री० गाय

ग़ैर स्त्री० (प) अघेर; अन्यायनी अवाधूधी (२) निंदा

ग़ैर वि० [अ] अन्य; बीजु (२) परायु; अजाण्यु; परजन (३) अभाव सूचवतो 'गेर' पूर्वग

ग़ैर-आबाद वि० [अ] उज्जड; वेरान; पडतर (जमीन) [अनावश्यक

ग़ैर-जरूरी वि० [अ] विनजरूरी;

ग़ैर-ज़िम्मेदार वि० [अ.] विनजवाबदार; अविश्वासपात्र
ग़ैरत स्त्री० [अ.] लाज; शरम
ग़ैरतदार, गैरतमंद वि० लज्जाळु; शरमाळ
ग़ैरमनकूला वि० [अ] अचल; स्थिर
ग़ैरमनकूहा वि० स्त्री०[अ]अविवाहिता (२) रखात
ग़ैरमामूल, -ली वि० [अ.] असाधारण
ग़ैरमुनासिब वि० [अ] गेरमुनासिब; अयोग्य, गेरवाजबी
ग़ैरमुमकिन वि० [अ.] असभव; अशक्य
ग़ैरवाजिब वि० [अ] गेरवाजबी;अयोग्य
ग़ैर-सरकारी वि० सरकारी नहि एवुं
ग़ैरहाज़िर वि० [अ.] गेरहाजर (नाम, -री स्त्री०)
गैरिक पु० [स] गेरु (२) सोनु
ग़ैरीयत स्त्री०[अ]परायापणु;परजनता
गैल स्त्री० गली; रस्तो [एक माप
गैलन स्त्री० [इ] गॅलन-प्रवाहीनु
गैलरी स्त्री० [इ.] गॅलरी
गैस स्त्री० [इ] गॅस; वायु
गोंठ स्त्री० कमर परनी धोतियानी गाठ-ओटी [गोड
गोंड पु० एक आदिवासी पहाडी परज;
गोंड़ा पु० वाडो (ढोरनो) (२) महोल्लो; पाडो (३) आगणु
गोंद पु० गुदर ०दानी स्त्री० गुदरियु
गोंदनी स्त्री० गूदीनु झाड
गो अ० [फा] जोके (२) प्रत्यय-'कहेनार' अर्थमा उदा० वदगो= बूराई करनार (३) स्त्री० [स] गाय (४) इद्रिय
गोइँठा पु० सूकु छाण; अडायु
गोइन्दा पु० [फा] बोलनार(२)गुप्तचर
गोइयाँ पु०; स्त्री० जुओ 'गुईयाँ'-साथी, दोस्त
गोई स्त्री० [फा] कथन कहेवु ते (समासमा उदा०बदगोई)(२)'गोइयाँ'; सखी; साहेली [कि तेनो छोड
गोक्षुर [स], **गोखरू** पु० गोखरु काटो
गोखा पु० गोख; झरूखो
गो-घातक, -घाती, -घ्न वि० [स] गोहत्या करनार
गोचर पु० [स] गोचर; चरो
गोज़ पु० [फा] वा सरवो ते; वाछूट
गोजई स्त्री०जव अने घउ(भेगा वावे ते)
गोजर पु० कानखजूरो
गोजरा पु० जुओ 'गोजई'
गोजी स्त्री० लाकडी (२) डाग
गोझा पु० गूजु; खिस्सु (२) एक पकवान (३) एक काटाळु घास
गोट स्त्री० गोट; किनारीनी पट्टी; मुगजी (२) मडळी (३) शेतरजनु महोरु (४) मिजबानी; जमण
गोटा पु० सोनेरी रूपेरी फीत-किनार
गोटी स्त्री० कूटी (२) शेतरजनु महोरु
गोठ स्त्री० गोशाळा; गोठो (२)गोठ (मजा, सहेल के गोष्ठी)
गोड़ पु०पग (स्त्री० **-ड़िया**=नाना पग)
गोड़इत पु० गामनो चोकीदार
गोड़ना स० क्रि० गोडवु, खोदवु जेथी माटी तळे उपर थई पोचु थाय
गोड़ा पु० खाटला वगेरेनो पायो (२) घोडी (३) खामणु; आलवाल
गोड़ाई स्त्री० गोडवु ते के तेनी मजूरी
गोड़ारी स्त्री० खाटलानी पागत (२) जूतियु [युक्तिबाज
गोड़िया स्त्री० जुओ 'गोड़' मा (२)पु०

गोड़ी स्त्री० लाभ; फायदो(२)'गोड';पग
गोत पु० गोत्र; खानदान(२)(प)समूह
गोता पु० [अ] डूबकी —खाना=गोथु खाई जवु;फरेबमा सपडावु —मारना =डूबकी खावी (२) वच्चे डूबकी मारी जवु—जता रहेवु
गोता-खोर, —मार पु० डूबकी मारनार
गोत्र पु० [स] गोत्र; कुल(२)समूह;दळ
गोद स्त्री० गोद; खोळो. —पसारकर =खोळो पाथरीने; साव वश थईने. —बैठना = दत्तक जवु —भरना= खोळो भरवो
गोदनहरा पु० बळिया टाकनार
गोदना स० क्रि० गोडवु; खोसवु (२) गोदाववु (३) पु० छूदणु (४) बळिया टाकवानी सोय —गोदना=छूदणु छूदवु
गोदनी स्त्री० बळिया टाकवानी सोय
गोदा स्त्री० गोदावरी नदी (२) पु० नवी फूटली डाळी (३) वड पीपळ इ० नो पाको टटो
गोदान पु० [स] गायनु दान करवु ते
गोदाम पु० मालनु 'गोडाउन'—वखार
गोदी स्त्री० गोद; खोळो (२) आगबोट इ० नी गोदी [गायोनु धण
गोधन पु० [स] गायो रूपी धन (२)
गोधूम पु० [स] घउ [सध्यानो समय
गोधूलि, —ली स्त्री० [स.] गोरज—
गोन, —नी स्त्री० [स गोणी] गूण; छालकु (२) टाट ['गोवना'
गोना स० क्रि० (प.) गोपवु; छुपाववु;
गोनिया स्त्री० कडियानो ओळंबो (२) पु० गूणो ऊचकनार
गोनी स्त्री० जुओ 'गोन' [गोवाळियो
गोप, —पाल पु० [स.] गायोनो रखवाळ;
गोपाष्टमी स्त्री० [स] कारतक सुद आठम [(२) गोवाळण
गोपी, —पिका स्त्री० [स] व्रजनी गोपी
गोपुर पु० [स] मदिर के नगरनु द्वार —दरवाजो
गोफन, —ना पु० गोफण
गोफा पु० कूपळ; नवो फणगो (२) स्त्री० गुफा
गोबर पु० गोमय; छाण (गायनु)
गोबरगणे(—ने)श वि० कदरूपु; बेडोळ (२) मूर्ख; बेवकूफ
गोबरी स्त्री० लीपण (२) छाणु
गोबरैला पु० छाणनो कीडो
गोभी स्त्री० एक शाक; 'फ्लावर' (२) एक घास (३) छोडनो एक रोग; 'गोभ' पण कहे छे
गोमय पु० [स] 'गोबर'; छाण (गायनु)
गोमाय, —यु पु० शियाळ
गोमुख पु० [स] गायनु मुख (२) माळा जपवानी गोमुखी —नाहर, —व्याघ्र =देखवामा सीधो पण अति वाको माणस
गोमेध पु०[स]गायना बलिथी थतो यज्ञ
गोयंदा पु० जुओ 'गोइन्दा'
गोय पु० (प) दडो; 'गेद'
गोया अ० [फा] के जाणे; जाणे के
गोर स्त्री० [फा] घोर; कबर (२) वि० गौर; गोरु. —व कफ़न=अत्येष्टि क्रिया
गोर-कन पु० [फा] घोर खोदनार
गोरखधंधा पु० झघडो; पचात
गोरखा पु० गुरखो
गोरस पु० [स] दूध, दही वगेरे
गोर(—रि)स्तान पु० [फा.] कब्रस्तान

गोरा वि० गोरु (२) पु० गोरो–विलायती माणस (नाम ०ई स्त्री०, वि० स्त्री० –री)
गोरिल्ला पु० गोरीलो वादरो
गोरिस्तान पु० जुओ 'गोरस्तान'
गोरू पु० ढोर; घोरी
गोलंदाज पु० तोपची
गोलंबर पु० घूमट (२) गोळाई
गोल वि० (२) पु० [स] गोळ; वर्तुळ (२) [इ] फूटवॉल इ० नो गोल
गोल पु० [फा] गोळ; मडळी; झुड
गोलक पु० [स.] माटीनु मोटु कूडु (२) वकरो; 'गल्ला' (३) फड (४) गोलक (गोळो इ०)
गोल-गप्पा पु० एक नानी पूरी
गोल-मिर्च स्त्री० मरी
गोला पु० गोळो (२) नारियेळनो गोटो (३) मोटु दाणा-वजार (४) वळो
गोलाई स्त्री० गोळाई; गोळपणु
गोला-बारूद स्त्री० दारुगोळो इ० युद्धसामग्री
गोली स्त्री० गोळी
गोलोक पुं० [सं.] स्वर्ग (२) व्रज
गोवना स० क्रि० (प.) जुओ 'गोना'
गोश पुं० [फा.] कान
गोश-गुजार वि० [फा.] (नाम –री स्त्री०) सांभळेलुं. –करना=निवेदन करवु; कहेवु [लटकतो मोतीनो तोरो
गोशमायल पुं० [फा.] पावडीमांयी
गोश-माली स्त्री० [फा.] कान आमळवा ते (२) चेतवणी
गोश-वारा पुं० [फा.] कानना वाळी के कुडळ (२) पावडीनो तळो (३) तारो; कलगी (४) वाताबार तारण

गोशा पु० [फा] खूणो (२) एकात (३) तरफ; वाजू [(२) ससारत्यागी
गोशानशीन वि० [फा] एकातवासी
गोशाला स्त्री० [स] गोशाळा
गोश्त पु० [फा.] गोस; मास
गोष्ठ पु० [स] पशुनी गमाण के गोशाळा (२) गोष्ठी; वातचीत (३) मडळी
गोष्ठी स्त्री० [स] वातचीत; मत्रणा (२) सभा; मडळी
गोसाईं पु० गोसाई; 'गुसाईं'
गोस्तना, –नी स्त्री० [स] द्राक्ष
गोस्पंद, गोस्फ़द स्त्री० [फा] घेटु; वकरु
गोह स्त्री० घो ['गुहार' (२) शोर
गोहरा पु० छाणु **गोहरा,–री** स्त्री० जुओ
गोहराना अ० क्रि० 'गुहराना'; मोटेथी वोलवु; पोकारवु
गोहार (–रि, –री) स्त्री० रक्षण माटे वूम पाडवी ते; पोकार (२) शोरबकोर
गौं स्त्री० [स.] लाग; दाव (२) मतलव; गरज. –का यार=मतलबी
गौंवात पु० वरोवर लाग
गौ स्त्री० [स.] गाय [[illegible]
गौख स्त्री० [स. गवाक्ष] गोख; [illegible];
गौखा पु० 'गौख' (२) [illegible]
गौग़ा पु० [अ.] ([illegible]) [illegible]; कोलाहल; शोर (२) [illegible] [[illegible]
गौण वि० [सं.] [illegible]
गौन पुं० (प.) [illegible] [[illegible] स्त्री
गौनहाई वि० [illegible]
गौनहार स्त्री० 'गौनहाई' [[illegible]
गौनहार (–रि, –री) स्त्री० [illegible]
गौना पुं० [illegible]
गौर पुं० [illegible]
गौर-तलब वि० [अ.] [illegible]

गौरव पु० [स] मोटाई (२) भार; वजन (३) आदरमान
गौरी स्त्री० [स] गोरी स्त्री (२) पार्वती
गौरैया स्त्री० एक जळपक्षी
गौहर पु० [फा] मोती
ग्यान पु० (प.) ज्ञान
ग्यारस स्त्री० अगियारश
ग्यारह वि० अगियार; ११
ग्रंथ पु० [स] ग्रथ; पुस्तक. ०**कर्ता**, ०**कार** पु० ग्रथलेखक
ग्रंथसाहब पु० शीखोनु धर्मपुस्तक
ग्रंथि स्त्री० [स] गाठ (२) बधन
ग्रसना स० क्रि० ग्रसवु; पकडवु
ग्रस्त वि० [स] पकडायेलु; फसायेलु
ग्रह पु० [स] ग्रह तारो (२) ग्रहण
ग्रहण पु० [स.] ग्रहवु–पकडवु के लेवु ते (२) सूर्यचद्रनु ग्रहण
ग्रांडील वि० [इ ग्रॅन्जर] ऊचु ने मोटु
ग्राम पु० [स] गाम
ग्रामीण, ग्राम्य वि० [स] गामडानु (२) गामडियु; गमार
ग्रास पु० [स] कोळियो (२) ग्रसवु ते
ग्राह पु० [स] ग्रहण (२) मगर
ग्राहक पु० घराक (२) ग्रहण करनार
ग्राही वि० [स] कबजियात करे एवु
ग्राह्य वि० [स] ग्रहण करवा योग्य
ग्रीष्म स्त्री० [स] ग्रीष्म ऋतु; उनाळो
ग्रीवा स्त्री० [स] गरदन
ग्रेज्युएट पु० [इ] ग्रॅज्युएट, स्नातक
ग्रेन पु० [इ] ग्रेन वजन
ग्लानि स्त्री० [स] अरुचि; अभाव; [खिन्नता
ग्लास पु० [इ] काच (२) 'गिलास'–प्यालो
ग्वार स्त्री० गवार
ग्वारपाठा पु० कुवारपाठु
ग्वारफली, ग्वारी स्त्री० गवारफळी
ग्वाल, –ला पु० (स्त्री० **–लिन**) गोवाळ
ग्वेंडा पु० गाम पासेनी जगा
ग्वेंडे अ० पासे

घ

घँघरा पु० 'घघरा'; घाघरो
घँघरी स्त्री० घाघरी
घँघोर(–ल)ना स० क्रि० प्रवाही हलावीने तेमा घोळवु (२) डखोळवु
घंटा पु० [स] घट (२) कलाक (३) मोटु (भीतनु) घडियाळ
घंटाघर पु० टावर
घंटी स्त्री० नानो घट (२) घूघरी (३) गळानो घोघरो (४) गळा वच्चे लटकती पडजीभ [घेरु; ऊडु
घई स्त्री० (प) भमरो; वमळ (२) वि०
घघरा पु०, **–री** स्त्री० जुओ 'घाघरा,-री'
घट पु० घडो [स.] (२) शरीर (३) स्त्री० घट; कमी (४) वि० घटतु; थोडु
घटक पु० [स] मध्यस्थ; पच (२) दलाल (३) घडो (४) एकम; अवयव
घटका पु० छेवटनो श्वास; घोघरो वोलवो ते [(३) अप्रतिष्ठा
घटती स्त्री० घट; कमी (२) पडती
घटना अ० क्रि० घटवु; बनवु; थवु (२) घटवु; बधवेसवु; लागु पडवु (३) ओछु थवु (४) स्त्री० घटना; बनाव

घटबढ़ स्त्री० वधघट
घटवार पु० नदीघाटनु महेसूल लेनार (२) होडीवाळो (३) घाट पर दान लेनार ब्राह्मण
घटवारि(-लि)या पु० घाट के तीर्थनो ब्राह्मण-पडो [झाड इ० नी)
घटा स्त्री० [स] घटा; जमावट (वादळ,
घटाना स० क्रि० घटाववु; कम करवु
घटाव पु० घटाडो (२) नदीमा ओट
घटित वि० [स] थयेलु; बनेलु [ऊलटु
घटिया वि० हलकु; सस्तु; 'बढिया'नु
घटिहा वि० गठियु; लुच्चु (२) बदमाश
घटी स्त्री० कमी (२) 'घाटा'; नुकसान (३) [स] घडी
घट्टा पु० घाटो; कमी (२) चीरो; फाट. **-खुलना**=फाटवु; चीरो पडवो
घट्ठा पु० (शरीर पर पडतु) आटण
घड़घड़ाना अ०क्रि० गगडवु (नाम -हट स्त्री०) [मो ऊतरी जवु; शरमावु
घड़ा पु० घडो **घड़ो पानी पड़ जाना**=
घड़िया स्त्री० धातु गाळवानी अगीठी
घड़ियाल पु० घट; घडियाळु (२)मगर
घडियाली पु० घट वगाडनार
घड़ी स्त्री० घडी; समय(२)घडियाळ **घड़ी घड़ीकी खैर माँगना**=चालु चितामा रहेवु **-में तोला, घड़ीमें मासा**=झट बदलाया करतु
घड़ीसाज पु०घडियाळी(नाम,**-जी** स्त्री०)
घड़ोंची स्त्री० पाणीनु वासण राखवानी घोडी
घतिया पु० घातक (२) दगो देनार
घन पु०[स] घण; हथोडो (२) घन; वादळ (३) वि० घाटु; घेरु (४) घन मापनु; नक्कर
घनघनाना अ०क्रि० गडगड अवाज थवो; गर्जवु. (नाम, **-हट** स्त्री०)
घनघोर वि० बहु घेरु (२) पु० खूब गडगडाट, गर्जना
घनचक्कर पु० मूर्ख माणस (२) एक दारूखानु-जलेबी (३) चक्कर; फेरो. **-में आना या पड़ना**=चक्करमा पडवु; मूझावु; सपडावु
घनसार पु० [स] कपूर
घना वि० (स्त्री० **-नी**) घन, घाडु; गीच (२) नजीकनु (३) खूब; घणु
घनिष्ठ वि० [स] अति गाढ के घेरु
घने, घनेरा वि० घणु; बहु, अनेक
घन्नई स्त्री० माटीना हाल्ला ने मोटा लाकडानो बनावेलो तरापो
घपची स्त्री० बाथ; बे हाथथी पकडवु ते. **-बाँधना**=बाथ भीडवी; बाथमा लेवु
घपला पु० गरबड; गोलमाल
घबड़ा(-रा)ना अ०क्रि० गभरावु (२) रघवाट थवो (३) मूझावु (४) स०क्रि० गभराववु
घबड़ा(-रा)हट स्त्री० गभराट
घमंड पु० गर्व; अभिमान; शेखी **-पर आना, होना**=घमडमां आववु; गर्व करवो
घमंडी वि० अभिमानी; घमडवाळु
घमका पु० घमघम अवाज (२) घुम्मो; ठासो (३) 'घमसा'; गरमी; घाम
घमस स्त्री०, **-सा** पु० घाम, उकळाट (२) अधिकता [युद्ध
घम(-मा)सान पु० घमसाण; भयकर
घर पु० घर; मकान (२) कुळ (३) कोठो; खानु; स्थान. **-का उजाला या चिराग**=पुत्र; सतान **-की मुर्गी**

दाल बराबर=निकटनी–घरनी वात वस्तुनी कदर न थवी **घर घरका होना–हो जाना**=मार्या मार्या फरवु **–में भूँजी भाँग न होना**=वहु गरीव होवु. **–सिर पर उठा लेना**=होहा करवु; उधमात मचाववो [अवाज थवो

घरघराना अ० क्रि० घर घरवु; घरर

घर-घाट पु० रगढग; अवस्था [स्त्री

घरनी स्त्री०[प्रा घरणी] गृहिणी; घरणी;

घरफोरी स्त्री० कुटुबक्लेश करावनारी

घरबसा पु० यार; उपपति (स्त्री०–सी)

घरबार पु० घरवार; ठाम ठेकाणु; माल-मिलकत (२) घरससार; कुटुबकबीलो

घरवारी पु० गृहस्थ; घरससारी

घरवाला पु० घरवाळो; पति; घर-मालिक (स्त्री० –ली)

घराऊ वि० घर सम्वन्धी (२) निजी; घरनु

घराती पु० कन्यापक्षना लोक

घराना पु० घर; खानदान; कुळ

घरू वि० जुओ 'घराऊ'

घरेलू वि० पाळेलु (२) 'घरू'; घरनुं; खानगी (३) घेर बनेलु

घरौंदा, –धा पु० घर घर रमवा माटे बाळक वनावे छे ते घर

घर्म पु० [स] घाम; ताप

घर्रा(०टा) पु० कफ घररर वोले ते

घलना अ० क्रि० छूटी जवु; फेकावु (२) मारामारी थवी

घलाघल, –ली स्त्री० मारामारी

घलुआ पुं० खरीदनारने उपरथी छूटनु वधारे आपवु ते

घसिटना अ० क्रि० घसडावु

घसियारा पु० घास वेचनारो

घसीट स्त्री० घसरडवु ते

घसीटना स० क्रि० घसरडवु; ढसरडवु

घस्सा पु० 'घिस्सा'; घिस्सो

घहर(–रा)ना अ० क्रि० गर्जना जेवो अवाज काढवो

घाँघरा पु० 'घाघरा'

घाँटी स्त्री० गळु के अदरनी पडजीभ

घाईं स्त्री० बाजु; तरफ (२) वार; 'दफा' (३) पाणीनो वमळ, भमरो

घाऊघप वि० जुओ 'गाऊघप्प'

घाग, घाघ पु० भारे चतुर माणस

घाघरा पु० घाघरो

घाट पु० [स] जळाशयनो घाट; ओवारो (२) पहाड के पहाडी रस्तो (३) घाट; ढग; लाग

घाटवाल पु० जुओ 'घाटिया'

घाटा पु० घट; खोट; हानि [ब्राह्मण

घाटिया पु० 'घटवार'; घाट के तीर्थनो

घाटी स्त्री० खीण; पर्वतो वच्चेनो पहाडी साकडो रस्तो

घात पु० [स] घा; प्रहार (२) घात; वध (३) स्त्री० लाग; दाव; सुयोग (४) खराब करवानो लाग ताकवो ते. **–चलाना**=जतरमतरवु **–पर चढना, –में आना**=लागमा आववु **–में फिरना**=लागमा फरवु; तक साधवी (खराव करवा). **–लगना**=लाग खावो; मोको मळवो

घातक वि० [स] मारनार (२) हिंसक (३) पुं० हत्यारो (४) शत्रु

घातकी, घाती वि० घातक; हत्यारु

घान पु०, **घानी** स्त्री० [स घन] घाण; राववा दळवा खाडवा इ०मा एकसाथे लेवातो समूह (२) प्रहार [पीलवु

घानी स्त्री० घाण (२) समूह **–करना**=

घाम पु० सूर्यनो ताप; गरमी [मूर्ख
घामड़ वि० घामथी पीडातु (पशु) (२)
घाय पु० घा; चोट; जखम
घायल वि० जखमी; घवायेलु
घाल,-ला पु० जुओ 'घलुआ'. **-न गिनना**=तुच्छ समजवु
घालना स० क्रि० मारी नाखवु (२) घालवु; खोसवु (३) वगाडवु
घालमेल पु० घालमेल, गरबडसरबड (२) मेळ, मिलन; सयोग
घाव पु० 'घाय'; घा **-देना**=दुख देवु; आघात पहोचाडवो. **-पूजना, भरना**=घा मटवो
घास स्त्री० घास; तृण; चार **-काटना, खोदना**=घास कापवु; नकामु के व्यर्थ काम के महेनत करवी **-खाना**= पशु जेवु - बावरु बनवु [पूजो
घास-पात,-फूस पु० घास-पादडु; कचरो
घिग्घी स्त्री० डूसकु के भयथी खमचाता बोलवु के न बोलवु ते **-बँधना**=डरथी मो बध थवु [प्रार्थना करवी
घिघियाना अ० क्रि० करुण अवाजे
घिचपिच स्त्री०सकडाश; जगानी तगी (२) वि० जुओ 'गिचपिच'
घिन स्त्री० घृणा; अरुचि; ऊबको; सूग
घिनाना अ० क्रि० 'घिन' ऊपजवी
घिनावना, घिनौना वि० 'घिन'- घृणाजनक; खराब
घिन्नी स्त्री०गरेडी;'घिरनी'(२)चक्कर
घिया स्त्री० दूधी; 'कद्दू'
घियाकश पु० 'कद्दूकश'; छीणी
घिया-तरोई, -तोरई, -तोरी स्त्री० एक शाक; गलकु (?)
घिरना अ० क्रि० घेराई जवु; घेरावु
घिरनी स्त्री० गरेडी (२) दोरडाने वळ देवानी फीरकी
घिराई स्त्री० घेरवु ते (२) ढोरने चारवा लई जवु ते के तेनु महेनताणु
घिराव पु० घेरावु ते (२) घेरो
घिसना स०क्रि० घसवु (२) अ० क्रि० घसावु
घिसघि(-पि)स स्त्री० घालमेलथी थतो विलब; ढील; दीर्घसूत्रीपणु
घिसाई स्त्री० घसवु ते के तेथी पडतो कचरो के तेनी मजूरी
घिसाना,घिसवाना स०क्रि० घसाववु
घिस्सा पु० घिस्सो; घसरको (२) धक्को
घी पु० घी; घृत **-का कुप्पा लुढ़ना, -के कुप्पे लुढ़कना**=भारे नुकसान थवु **-का डोरा (देना)**=घीनो दोरो देवो; (भात इ०मा) ऊनु घी नाखवु. **-के दीए जलाना या भरना**=खूब माणवु; सुखचेनमा रहेवु **-खिचड़ी होना**=भारे प्रेम के दोस्ती या बनाव होवा
घी-कुवाँर पु० कुवारनु पाठु
घुँइँयाँ स्त्री० अळवी कद
घुँघची स्त्री० चनोठी; रती
घुँघनी स्त्री० कोई अन्न पलाळी ते तळीने थतु खाद्य; घूघरी जेवु
घुँघरारे,-ले वि० वाकडिया (वाळ) (स्त्री० -री, -ली)
घुँघरू पु० घूघरी (२) घूघरीवाळु पगनु घरेणु (३) जुओ 'घटका' [त्रोरियु
घुँडी स्त्री० कपडानु गोळ गागडी जेवु
घुग्घी स्त्री० कामळाने त्रिकोण वाळी बनावातु माथानु ओढण
घुग्घू, घुघुआ पु० घुवड

घुघुआना अ० क्रि० घुवड पेठे घुघु बोलवु (२) विलाडीनु घूरकवु
घुटकना स०क्रि० गटगटावी जवु; पीवु
घुटकी स्त्री० गळानी अन्ननळी
घुटना पु० घूटण –टेकना=घूटणे पडवु; ताबे थवु घुटनोंमें सिर देना=चिंता के शरमथी माथु नीचु करवु; पस्तावु
घुटना अ० क्रि० श्वास घूटावो (२) घूटावु (३) घसावु जेथी सुवाळु थाय के चळके घुट घुटकर मरना=खूब पीडाईने मरवु घुटा हुआ=बहु चालाक
घुटन्ना पु० जाघियो
घुटाई स्त्री० घूटवु के घसवु ते
घुट्टी स्त्री० बाळकने पाचन माटे पिवाडाती दवा –में पड़ना=गळथूथीमा पडवु; स्वभावमा होवु
घुड़(–र)कना स० क्रि० घूरकवु; क्रोधथी घाटो काढीने कहेवु
घुड़की स्त्री० घूरकवु के वढवु ते
घुड़चढ़ा पु० घोडेसवार
घुड़दौड़ स्त्री० घोडदोड
घुड़नाल स्त्री० घोडा पर चडती एक [तोप
घुड़बहल स्त्री०घोडवहेल; घोडानी वहेल
घुड़सवार पु० घोडेसवार
घुड़सार(–ल) स्त्री० घोडार; तबेलो
घुन पु० अनाज वगेरेमा पडतो एक जीव –लगना=ए जीव पडवो (२) सडवु; खवावु
घुनघुना पु० घूघरो (रमवानो)
घुनना अ० क्रि० 'घून'थी खवावु
घुन्ना वि० (स्त्री० –न्नी) क्रोध, द्वेष इ० मनमा दाबी राखनार
घुप वि० घाडु, घोर (अधारु)
घुमक्कड़ वि० सहेलाणी; खूब घूमनार
घुमटा पु० माथु घूमे–चक्कर आवे ते
घुमड़ स्त्री० वादळा घेरावा ते
घुमड़ना अ० क्रि० वादळ घेरावा (२) एकठु थवु; छवावु
घुमड़ी स्त्री० घुमरी; चकरी (२) जुओ ['घुमनी'
घुमना वि० (स्त्री०–नी) जुओ 'घुमक्कड'
घुमनी स्त्री० गोळ गोळ फरी गबडी पडे एवो पशुरोग [(३) जुओ 'घुमनी'
घुमरी स्त्री० चकरी (२) पाणीनो वमळ
घुमाना स० क्रि० घुमाववु; फेरववु (२) कशामा लगाडवु
घुमाव पु० घूमवु के घुमाववु ते (२) फेर; चक्कर (३) रस्तानो वळाक [अवाज)
घुमुर अ० घम्मर घम्मर (चक्कीनो
घुरकना स० क्रि० जुओ 'घुडकना'
घुरघुराना अ०क्रि० गळामाथी घुर घुर अवाज नीकळवो
घुरना अ० क्रि० घोर अवाज थवो
घुलना अ० क्रि० ओगळवु (२) मळी जवु (३) क्षीण थवु (४) समय वीतवो (प्रेरक घुलवाना, घुलाना) घुल जाना =बहु कमजोर थवु घुल-मिलकर= खूब हळी मळीने घुला हुआ=वृद्ध
घुसना अ० क्रि० घूसवु
घुसपैठ स्त्री० प्रवेश; गति
घुसाना, घुसेड़ना स० क्रि० घुसाडवु
घूंघट पु० घूमट; घूमटो. –उठाना, –उलटना=घूमटो दूर करवो; मो देखाडवु –करना,-काढ़ना,-निकालना, –मारना=घूमटो ताणवो;लाज काढवी
घूंघर पु० वाळनु वाकडियु जुलफु
घूंघरवारे(–ले) वि० जुओ 'घूंघराले'
घूंट पु० घूटडो. –भरना, –लेना= घूटडो भरवो; घूंटडे घूटडे पीवु

घूंटना स० क्रि० घूटडो उतारवो; पीवु
घूंटी स्त्री० जुओ 'घुट्टी'
घूंसा पु० ठूसो; मुक्को
घूक [स], **घूघू** पु० घुवड; 'घुग्घू'
घूटना स०क्रि० जुओ 'घूंटना'(२)दबाववु
घूटवु (गळु)
घूम स्त्री० जुओ 'घुमाव'
घूमना अ०क्रि० फरवु; टहेलवु(२)घूमवु; भमवु
घूर(–रा) पु० कचरोपूजो के ते नाखवानी जगा – उकरडो
घूरना अ० क्रि० गुस्साथी एकीटसे जोया करवु (२) कुदृष्टि करवी
घूस स्त्री० लाच (२) छछूंदर (?)
घूसखोर वि० लाचखोर; लाचियु
घृणा स्त्री० [स.] अणगमो; तिरस्कार; नफरत
घृणित वि० [स] घृणापात्र
घृत पु० [स] घी
घृतकुमारी स्त्री० [स] कुवारपाठु
घेंटा पु० डुक्करनु बच्चु
घेघा पु० गळानी नळी (२) गळाना सोजानो एक रोग
घेर पु० घेर; घेरावो; परिघ
घेरना स०क्रि० घेरवु(२)खुशामत करवी
घेरा पु० घेर; घेरावो (२) घेरो (३) वाडा के घेरनी हद ['घिराई'
घेराई स्त्री०, **–व** पु० घेर; घेरावो;
घेवर पु० घेवर; एक पकवान
घोघा पु० घोघा; पाणीनो एक जीव (२) वि० नि.सत्त्व (३) मूर्ख
घोंटना स०क्रि० घूटडे घूटडे पीवु (२) जुओ 'घोटना'
घोंसला, घोसुआ पु० पक्षीनो माळो
घोखना स० क्रि० गोखवु
घोटना स० क्रि० सुवाळु के चमकतुं करवा खूब घसवु (२) घूटवु (३) गोखवु (४) वढवु (५) गळु रूधवु
घोटाला पु० गोटाळो
घोड़बच स्त्री० घोडावछ औषधि
घोड़सार,–ल स्त्री० घोडासार; तबेलो
घोड़ा पु० घोडो (२) खूटी (कपडा माटे) **–उठाना, –डालना, –फेंकना**= घोडो तेज करवो **–खोलना** = घोडो छोडवो; साज वगेरे दूर करवु (२) घोडो चोरवो **–फेरना**=घोडो पलोटवा गोळ गोळ फेरववो **–मारना**=घोडो मारी मूकवो
घोड़ा-नस स्त्री०एडी आगळनी धोरी नस
घोड़िया स्त्री० नानी घोडी (२) भीतनी खूटी
घोड़ी स्त्री० घोडी (२) लाकडानी घोडी (३) वरपक्षनु लग्नगीत **–चढ़ना** =घोडे चढवु; परणवा जवू
घोर वि० [स] भयकर; विकराळ (२) गीच; दुर्गम (३) घेरु; ऊडु (४) अति खराब; पापी (५) अतीव; खूब (६) स्त्री० घोर अवाज; गर्जना
घोल पु० घोळी ओगाळीने करेलु ते
घोलना स० क्रि० घोळवु
घोष पु० [स] मोटो अवाज (२) गोवाळ के तेमनो वास [जाहेरात
घोषणा स्त्री० [स] गर्जना (२) ढंढेरो;
घोसी पु० घाची; दूध वेचनार (मुसलमान)
घौद पु० फळोनी लूम; (केळानु) गोड
घ्राण पु०, स्त्री० [स.] सूघवु ते (२) नाक (३) वास; बू

च

चंक्रमण पु० [स.] आम तेम फरवु, आटा मारवा ते

चंग स्त्री० [फा.] चग वाजु (२) पतग (३) पु० गजीफानी चग रमत (४) वि० [स] सरस; सुदर; चंगु. **–उमहना, –चढ़ना**=चगवु; खूब जोर थवु. **–पर चढ़ाना**=वातचीत करीने–चगावीने मेळवी लेवु

चंगा वि० (स्त्री० **–गी**) चग; चगु

चंगुल पु० चगूल; पशु-पक्षीनो पजो (२) चुगल **–में फँसना**=चुगलमा फसावु

चँगेर (-री, -ली) स्त्री० वासनी छाबडी के टोपली (२) मशक; पखाल (३) बाळकनु खोयु

चंचरी स्त्री० भमरी (२) एक छद

चंचरीक पु० [स] भमरो

चंचल वि० [स] चचळ; अस्थिर (२) चपळ **०ता, ०ताई** (प), **-लाई** स्त्री०

चंचला स्त्री० [स] वीजळी (२) लक्ष्मी (३) एक छद

चंचु, (**०का, –चू**) स्त्री० [स] चाच

चंट वि० चालाक; पहोचेल; पाकु

चंड वि० [स] उग्र; तीव्र (२) भयकर (३) क्रोधी (४) पु० ताप

चडाशु पु० [स] सूरज

चंडाल पु० [स] चडाळ (२) नीच माणस

चंडावल पु० सेनानो पाछलो भाग; 'हरावल'थी ऊलटो (२) पहेरेगीर

चंडिका, चडी स्त्री० [स.] दुर्गा के काली देवी (२) लढकणी के कर्कशा स्त्री

चंडू पु० चडूल; अफीणनी एक मादक वस्तु **०खाना** पु० चडूल पीवानो अड्डो

चंडूल पु० चडोळ पक्षी

चंडोल पु० एक जातनी पालखी; मेना

चंद पु० [स] चद्र (२) वि० [फा] थोडुक (सख्यावाचक)

चंदक पु० [स] चद्र (२) चादनी (३) एक घरेणु (४) एक माछली

चंदन पु० [स] सुखड के तेनु झाड

चंदनी स्त्री० (प) चादनी [अस्थायी

चंद-रोजा वि० [फा] थोडा दिवसनु;

चँदला वि० 'गजा'; माथे तालवाळु

चँदवा पु० चन्दरवो

चंदाँ अ० [फा] आटलु (२) आटली वार

चंदा पु० चन्दा; चन्द्र (२) [फा] फंड; फाळो (३) लवाजम

चँदिया स्त्री० खोपरी; तालकु (२) चानकी; नानो (छेवटे वधेला लोटनो) रोटलो

चंद्र पु० [स] चादो **०कला** स्त्री० चद्रनी कळा. **०मा** पु० चादो **०मौलि, ०शेखर** पु० शकर

चंद्रिका स्त्री० [स] चादनी [दवा

चंद्रोदय पु० [स] चद्रनो उदय (२) एक

चंपई वि० चपाना रगनु; पीळु

चंपक पु० [स] चपो [पकडवी

चंपत बनना, होना=छू थई जवु; चलती

चँपना अ०क्रि० दवावु; चापवु (२) स०क्रि० दवाववु

चंपा पु० चपो फूलझाड

चंपू पु० [स] काव्यनो एक प्रकार
चंवर पु० चामर (२) घोडा हाथीना माथानी कलगी. **–ढलना** = चामर ढोळावो. **०ढार** पु० चामर ढोळनार
चउ वि० 'चौ'; समासमा 'चार' अर्थमा आवे छे उदा० चउदस, चउपाई इ०
चक पु० चक्र; पैडु (२) 'चकई' रमकडु (३) चकवो पक्षी (४) जमीननो मोटो टुकडो (५) गामडु (६) अधिकार (७) वि० भरपूर (८) चकित
चकई स्त्री० चकवी; 'चका'नु स्त्री० (२) गोळ फेरववानु एक रमकडु
चकचकाना अ० क्रि० झमवु; झरवु; चकतकवु
चकचून वि० चूरेचूरा थयेलु; चकचूर
चकचौंध स्त्री० जुओ 'चकाचौंध'
चकचौंधना अ० क्रि० तेजथी अजावु
चकती स्त्री० चकती (२) ढीगली. **बादलमें चकती लगाना** = असभव वात करवा मथवु
चकत्ता पु० चकामु (२) दांत बेठानुं चिह्न (घा नहि) [चकित थवु
चक(–का)ना अ०क्रि० (प.) चोकवु;
चकनाचूर वि० जुओ 'चकचून' (२) वहु थाकेलु
चकफेरी स्त्री० चकरडी; परिक्रमा
चकबदी स्त्री० जमीनना भाग – पटा नक्की करवा ते
चकमक पु० [तु] चकमक पथ्थर
चकमा पु० थाप; फरेब (२) हानि
चकमाक पु० चकमक
चकमाकी वि० चकमकनु के चकमक-वाळु (२) स्त्री० बदूक

चकर पु० (प) चक्कर (२) चकवो पक्षी
चकरबा पु० चक्कर; गूचवाडो (२) बखेडो
चकरा वि० (स्त्री० **–री**) चोडु; पहोळु
चकराना अ० क्रि० (माथु) घूमवु; चक्कर आववा (२) चकित थवु (३) स० क्रि० चकित करवु
चकला पु० रोटली वणवानी आडणी; चकलो (२) वेश्यावाडो (३) चकलु; विभाग; इलाको (४) घटी (५) वि० जुओ 'चकरा'
चकली स्त्री० गरेडी (२) ओरसडी (३) वि० स्त्री० 'चकला' [मित्रोनो हासीखेल
चकल्लस स्त्री० कचकच; झघडो (२)
चकवा पु० चक्रवाक – चकवो पक्षी (स्त्री० **–वी**) [पक्षी; चकवो
चका पु० चक्कर; पैडु (२) चक्रवाक
चकाचक वि० (रव०) खूब; लचपच; तरबोळ (२) स्त्री० तलवार इ०नो उपराउपरी अवाज के तेनी झडी
चकाचौंध स्त्री० तेज आगळ आख अजावी ते; 'चकचौंध'
चकाना अ० क्रि० (प) जुओ 'चकना'
चकाबू(०ह) पु० चक्रव्यूह; चक्कर
चकित वि० [स] चोकेलु; विस्मित; गभरायेलु
चकुला पु० (प) चकलो पक्षी
चकोटना स० क्रि० चूटी खणवी
चकोतरा पु० चकोतरुं; पपनस
चकोर पु० [स] एक पक्षी (स्त्री० **–री**)
चक्कर पु० चक्र (२) फेरो; घेर (३) गूच-वाडो **–काटना, मारना** = फेरो मारवो
चक्का पु० पैडुं; चक्र
चक्की स्त्री० घंटी (२) घूंटणनी ढांकणी (३) वीजळी. **–पीसना** = दळवुं

चक्र पु० [स] चक्र; पैडु (२) पाणीनु वमळ (३) कुंभारनो चाक
चक्रधर, चक्रपाणि पु० [स] विष्णु
चक्रवाक पु० [स.] चकवो पक्षी
चक्षु पु० [स] आख
चक्षुष्य वि० [स] आखने प्रिय के हितकर (२) पु० अजन
चख पु० चक्षु (२) [फा.]झघडो; तकरार
चखचख पु० तकरार; बोलाबोली
चखना स०क्रि० चाखवु(प्रेरक **चखाना**)
चखाचखी स्त्री० 'चख'; तकरार; लडाई
चगड़ वि० चालाक; होशियार
चचा पु०(स्त्री० **–ची**) काका; 'चाचा'. **–बनाना**=वेर वाळवु
चचिया वि० काका वरोबरनु. **–ससुर**= काकाजी **–सास**=काकीसासु
चचेरा वि० (स्त्री० **–री**) काकानु **–भाई**=काकानो दीकरो
चचोड़(–र)ना स०क्रि० चूसवु(दातथी दावीने)
चट अ० चट; झट **–कर जाना**= वधुं खाई जवु(२)बीजानु उठावी जवु
चटक स्त्री० चमक (२) जलदी (३) अ० चट; झट (४) वि० चमकतु(५) चपळ (६) मजेदार
चटकदार वि० लहेजतदार; स्वादु (२) मनोहर; आकर्षक; चमकतु
चटकन पु० 'चटकना'; तमाचो
चटक(–ख)ना पु० तमाचो(२)अ०क्रि० चट अवाज करवो (३) चीरा पडवा; ततडवु; तरडावु (४) खीलवु (फ़ल) (५) चटी जवु; अणवनाव थवो
चटक(–ख)नी स्त्री० वारी वारणानी आकडी; 'सिटकनी'
चटक-मटक स्त्री०हावभाव; नाच नखरा
चटका(–खा)ना स० क्रि० तोडवु; चीरवु(२)आगळीना टचाका वोलाववा (३) चट चट अवाज नीकळे एम करवु(४)चीडववु; गुस्से करवु **जूतियां चटकाना** = जूता घसडता–मार्या मार्या फरवु ['चटकहार'
चटकारा(–रेका),चटकीला वि० जुओ
चटनी स्त्री० चटणी
चटपट अ० झटपट; चटचट
चटपटा वि० लहेजतदार; मसालेदार
चटपटी स्त्री० तालावेली, अधीराई(२) अकळामण
चटाई स्त्री० सादडी (२) चाटवु ते
चटाक (–ख) पु० आगळीनो टचाको
चटाका(–खा) पु० कडाको; टचाको; कांई कठण तूटवानो अवाज. **चटाकेका** =बहु तेज; उग्र [(३) लाच आपवी
चटाना स० क्रि०चटाडवु(२)खवडाववु
चटापटी स्त्री० उतावळ (२) चेपी रोगथी टपोटप मरवु ते
चटावन पु०वाळकनो अन्नप्राशन सस्कार
चटियल वि० झाडपान वगरनु चोख्खु- चट (मेदान)
चटोरा वि० चटूडु; सवादियु (२)लोलुप
चट्टान स्त्री० मोटो पहोळो खडकनो पथ्थर; मोटी पहोळी शिला
चट्टा-बट्टा पु० रमकडानो समूह **एक ही थैलीके चट्टे-बट्टे**=एक ज–मळेला माणस. **चट्टे-बट्टे लडाना**=आपसमा लडावी मारवु
चट्टी स्त्री० पडाव (२) स्लीपर जोडा (३) खोट; नुकसान (४)दड. **–धरना** =दड लगाववो **–भरना**=नुकसान भरी आपवु

चट्टू वि० 'चटोरा'; सवादियु
चढत स्त्री० देवने चडावाती भेट
चढ़ना अ० क्रि० चडवु **चढ़ बढ़कर होना**=चढियातु होवु **चढ बनना**= फाववु, लाग खावो
चढ़ाई स्त्री० चडवु ते (२) चडाई (३) चडाव (४) पूजापो के नैवेद्य वगेरे
चढा-उतरी स्त्री० चडऊतर
चढ़ा-ऊपरी, चढ़ाचढ़ी स्त्री० चडसा-चडसी; स्पर्धा; होड
चढ़ान स० क्रि० चडाववु (२) पी जवु
चढ़ाव पु० चडवु ते (२) चडाव (जेम के पहाडनो, नदीनो) (३) जुओ 'चढावा'
चढ़ावा पु० लग्न वेळा वर वधूने आपे छे ते घरेणु (२) पूजापो (३) उत्साह; हिंमत **-देना**=उत्साह देवो; उत्तेजवु
चतुरंग वि० [स] चार अंगवाळु (सेना इ०) (२) पु० शेतरज [प्रवीण
चतुर वि० [स] चालाक; होशियार (२)
चतुर्थ वि० [स] चोथु [विभक्ति
चतुर्थी स्त्री० [स] चोथ (२) चोथी
चतुर्दशी स्त्री० [स] चौदश
चतुर्दिक्(-श्) पु० [स] चारे दिशा (२) अ० चोतरफ [आकृति (२) विष्णु
चतुर्भुज पु० [स] चार बाजुवाळी
चतुर्वर्ग पु० [स] चार पुरुषार्थ—धर्म, अर्थ, काम ने मोक्ष
चतुर्वर्ण पु० [स] चार वर्णो—ब्राह्मण, क्षत्रिय, वैश्य अने शूद्र ['चौकोना'
चतुष्कोण पु० [स] चार खूणिया आकृति;
चतुष्टय पु० [स] चारनो समूह
चतुष्पद वि० (२) पु० [स] चोपगु
चदरिया स्त्री० (प) चादर
चद्दर स्त्री० चादर (२) धातुनु पतरु
चनक(-ख)ना अ० क्रि० गुस्से थवु; चटी जवु; 'चटकना'
चना पु० चणा **चनेका मारा मरना**= बहु नबळु पडी जवु [अ० डाबु-जमणु
चप वि० [फा.] डाबु **-व रास्त** वि० (२)
चपकन स्त्री० एक जातनु अंगरखु (२) ट्रंक वगेरेनी बेसाडीने वासवानी कळ
चपक(-ट) ना अ० क्रि० जुओ 'चिपकना'
चपटा वि० जुओ 'चिपटा'; चपटु
चपड़ा पु० साफ—चपडालाख (२) वदो
चपड़ा(-रा)स स्त्री० चपरासी—पटावाळाना पटानी तखती
चपड़ा(-रा)सी पु० चपरासी; पटावाळो
चपत स्त्री० चपेट; तमाचो
चपती स्त्री० पट्टी; फूटपट्टी
चपना अ० क्रि० दबावु (२) शरमावु
चपनी स्त्री० चपणु (२) हाल्ली के घूंटणनी ढांकणी
चपरना स० क्रि० (प) चोपडवु; 'चिपडना'
चपरास, -सी जुओ 'चपडास,—सी'
चपल वि० [स] चपळ; चचळ (२) पु० पारो
चपला स्त्री० [स] 'चचला'; वीजळी (२) लक्ष्मी (३) जीभ (४) वि० स्त्री० चपळ (स्त्री०)
चपाट पु० सपाट; खासडी
चपाती स्त्री० चपाटी; रोटली
चपाना स० क्रि० 'चपना' नु प्रेरक
चपेट स्त्री० [स], **-टा** पु० चपेट; थप्पड (२) आफत (३) आघात; धक्को
चपेटना स० क्रि० दबाववु (२) धमकाववु
चपेटा पु० जुओ 'चपेट'
चप्पल पु० चपल

चप्पा पु० चोथो भाग (२) थोडो भाग के जगा (३) चार आगळ जगा
चप्पी स्त्री० चपी
चप्पू पु० हलेसु; चाटवो
चबाना स० क्रि० चाववु
चबूतरा पु० चबूतरो; चोतरो (२) मोटु पोलीस-थाणु [नास्तो
चबेना पु० चवाणु **–नी** स्त्री० हाजरी;
चभोरना स० क्रि० झबोळवु
चमक स्त्री० चमक; काति; झळक(२) चसक. **–देना, –मारना**=चमकवु. **–पड़ना**=चसक आववी
चमक-चाँदनी स्त्री० बनी ठनी रहेनारी नखरेबाज स्त्री
चमक-दमक स्त्री० चमक (२) ठाठमाठ
चमकदार वि० चमकतु
चमकना अ० क्रि० चमकवु (२) चसक आववी के मारवी
चमकाना स०क्रि० चमकाववु; चमकतु करवु (२) चोकाववु (३) चीडववु (४) चगाववु
चमकारा पु० चमकारो
चमकीला वि० चमकतु (२) शानदार
चमकौवल स्त्री० चमकाववु ते
चमगादड़ पु० चामाचीडियु
चमचमाना अ० क्रि० चमकवु (२) स० क्रि० चमकाववु
चमचा पु० [फा] चमचो (२) चीपियो. **–ची** स्त्री० नानो चमचो के चीपियो
चमजु(–जो)ई स्त्री० चामजू (२) जू पेठे वळगे ते [=चामडु कमाववु
चमड़ा पु० चामडु (२) छाल **–सिझाना**
चमड़ी स्त्री० चामडी [आश्चर्य
चमत्कार पु० [स] अद्‌भुत घटना (२)
चमत्कृति स्त्री० [स] चमत्कार
चमन पु० [फा] बगीचो
चमर पु० [स] चमरी गाय (२)चम्मर
चमरख स्त्री० चमरखु (२) वि० चमरखा जेवी सुकलकडी (स्त्री)
चमला पु० भिखारीनु चपणु
चमार पु० चामडियो. **–रिन** स्त्री० चमारण
चमारी स्त्री०चमारकाम(२)चमार स्त्री
चमू स्त्री० [स] सेना; फोज
चमेली स्त्री० चपेली फूलवेल
चमोटा पु०, **–टी** स्त्री० हजामतो चामडानो टुकडो [(३)जुओ 'चमोटा'
चमोटी स्त्री० चाबुक (२) पातळी सोटी
चमौवा पु० रद्दी खासडु
चम्मच पु० चमचो के चमची
चय पु० [स] गलो; समूह; सग्रह
चयन पु० [स] सग्रह (२) चूटणी करवी ते
चर पु० [स.] दूत; जासूस (२) वि० अस्थिर; फरतु
चरई स्त्री०ढोरने चारो पाणी नीरवानु होज के कूडी जेवु स्थान; गमाण
चरक पु० [स] चर; दूत (२) जासूस (३) मुसाफर (४) चरक वैद
चरकटा पु० चारो कापी लावनार
चरका पु० [फा] उझरडो के जराक जखम (२) डाम (३) छळ; दगो
चरख पु० [फा चर्ख] चक्र (२)रेंटियो (३) कुभारनो चाक (४) तोपनी गाडी (५) गोफण (६) खराद; सग्राडो
चरखा(–खा) पु० चक्र (२) रेंटियो (३) रेंट (४) खराद (५) गरगडी (६) माथाकूटियु काम

चरखी(–खी) स्त्री० फरकडी, गरगडी इ० जेवी फरनार वस्तु (२) लोढवानो चरखो (३) एक जातनु दारूखानु
चरचना स० क्रि० चन्दन आदि चरचवु –अर्चा करवी (२) पूजा करवी
चरचराना अ०क्रि० चचरवु(२)ताडानी पीडा थवी (३) जुओ 'चर्चना'
चरण(–न) पु० [स] पग (२) काव्यनु चरण (३) चोथो भाग [करनार
चरती पु० व्रतने दिवसे उपवास न
चरना अ० क्रि० (ढोरनु) चरवु (२) (५) चालवु; विचरवु [(३) चारो
चरनी स्त्री० चरो; चराण (२) गमाण
चरपरा वि० तीखु (स्त्री० **–री**)
चरब वि० जुओ 'चर्ब'; तेज; तीखु (२) चरबी–चीकटवाळु
चरबांक,चरबाक वि०चालाक(२)नीडर
चरबी स्त्री० [फा] चरबी; वसा; मेद
चरम वि० [स] छेवटनु; अतिम
चरमराना अ० क्रि० चरड चरड शब्द करवो (जेम के, जोडा, खाटलो)
चरवाई,–ही स्त्री०ढोर चारवानु काम के तेनी मजूरी; चराई
चरवाहा पु० ढोर चारनार
चरस पु० पाणी काढवानो कोस (२) गाजानो चडस (३) जमीननु एक माप–२१०० हाथ
चरसा पु० भेंस बळदनु चामडु(२)कोस
चरसी पु० कोसियो (२) चडस पीनार
चराई स्त्री० जुओ 'चरवाई' (२) चरवा अगे कर
चरागाह, चरान पु० चरो; गोचर
चराचर वि० [स] चर अचर; स्थावर जगम (२) पु० आखी सृष्टि
चराना स० क्रि० (ढोर) चराववु (२) मूर्ख बनाववु
चरिंदा पु० [फा] पशु; चरे ते
चरित, –त्र पु० [स] चरित्र; कथा
चरितार्थ पु० [स] कृतार्थ; सफळ
चरित्तर पु० चरीतर; नटखटपणु
चरी स्त्री० चराण जमीन (२) चारा माटेनी लीली जुवार (३) [स.] जासूस स्त्री [तिनु वासण
चरु पु० [स] यज्ञनु–आहुतिनु अन्न के
चर्ख पु० [फा] आकाश (२) चक्र(३) रेंटियो (४) कुभारनो चाक (५) चरख पशु
चर्खा पु० रेंटियो
चर्खी स्त्री० [फा] गरगडी; 'चरखी'
चर्च पु० [इ] गिरजाघर; देवळ
चर्चक पु० [स] चर्चा करनार
चर्चा स्त्री० [स] चर्चा (२) वातचीत (३) अफवा [(२) अर्चा थयेलु
चर्चित वि० [स] चर्चायेलु; विचारायेलु
चर्पट पु० [स] थपाट; धोल
चर्ब वि० [फा] सुवाळु; लीसु; चीकणु (२) स्थूल (३) तेज; चपळ
चर्ब-ज़बान वि० [फा.] खुशामतियु
चर्बी स्त्री० [फा.] चरबी
चर्म पु० [स] चामडु **०कार** पु० चमार
चर्या, –र्य्या स्त्री० [स] आचरण (२) कामकाज; चालचलगत
चर्राना अ० क्रि० चररर अवाज थवो (२) ततडवु (३) चळ आववी; जोरथी इच्छा थवी
चर्वण पु० [स.] चाववु ते (२) चवाणु
चर्वित वि० [स] चवाई गयेलु
चल वि०[स]चळ; चचळ(२) पु०पारो

चलकना अ० क्रि० चळकवु; चमकवु
चलचलाव पु० जुओ 'चलाचली'
चलचाल वि० चचळ, अस्थिर
चलचित्र पु० [स] सिनेमा
चलता वि० चालु (२) चालाक (३) स्त्री० [स] चचळता **०पुरजा** वि० होशियार; पहोचेल **–बनना**=चालतु थवु; जवु
चलती स्त्री० चलण; जोर; प्रभाव
चलन पु० [स] चाल (२) चलण (३) रिवाज **०सार** वि० चलणी
चलना अ० क्रि० चालवु (२) नभवु; टकवु(३) पु० चाळणो **चल निकलना** =चालवा लागवु; चाली जवु **चल बसना**=मरवु
चलनी स्त्री० चाळणी
चलाऊ वि० चाले एवु; टकाउ
चलाक वि०चालाक (नाम **–की** स्त्री०)
चलाका स्त्री० वीजळी
चलाचली स्त्री० चालती के नीकळती वेळानी तैयारी के तेनी धमाल(२)मोत
चलान स्त्री० मोकलवानी के चालवा चलाववानी क्रिया (२) भरतियु; मोकल्या मालनी यादी(३) अपराधीने अदालतमा रजू करवो ते
चलाना स०क्रि० चलाववु [चळायमान
चलायमान वि० [स] चळ; अस्थिर;
चलावा पु० चाल; रीत; रिवाज (२) चालचलगत (३) आणु
चलित वि० [स] चळेलु; अस्थिर
चवन्नी स्त्री० चार-आनी
चवाई पु० निंदक (२) चुगलीखोर
चवाव पु० चोतरफ फेलानारी चर्चा; अफवा (२) बदनामी; निंदा
चशम, चशमा जुओ 'चश्म, चश्मा'
चश्म स्त्री० [फा.] आख
चश्मक स्त्री० [फा] आखनो इशारो (२) चकमक; बोलाचाली; झघडो
चश्मदीद वि० [फा] साक्षात् जोयेलु
चश्म-नुमाई स्त्री०[फा] आखो काढवी ते; धमकी [उपेक्षा
चश्मपोशी स्त्री० [फा] चसमपोशी;
चश्म(–श्मे)बद स्त्री० बूरी,खराब नजर
चश्मा पु० [फा] चसमा (२) झरो
चसक स्त्री० चसक आवे ते
चसकना अ०क्रि० चसक मारवी (२) चसको लागवो [=आदत पडवी
चसका पु० चसको; तलब; लत **–पडना**
चसना अ०क्रि० चोटवु; लागवु; वाझवु
चसपाँ वि० जुओ 'चस्पाँ'
चसम,–मा जुओ 'चश्म, चश्मा'
चस्पाँ वि० [फा] चोटाडेलु
चह पु० नदीनो डक्को (२) स्त्री० [फा चाह] खाडो
चहक,–कार स्त्री० कलरव
चहकना, चहकारना अ०क्रि० कलरव करवो (२) उमगथी खूब बोलवु
चहचहा पु० कलरव (२) ठिठियारी (३) वि० आनद करावनारु
चहचहाना अ० क्रि० जुओ 'चहकना'
चहना स० क्रि० (प) चाहवु; इच्छवु (२) देखवु
चहबच्चा पु० पाणी भरी राखवानो खाडो के होज; चहेबचो (२) धन सताडवानु जमीन अदरनु भडकियु
चहर, ०पहर स्त्री०जुओ 'चहल,०पहल'
चहल स्त्री० आनदोत्सव (२) कीचड (३) वि० [फा] 'चेहल'; ४०
चहलकदमी स्त्री० जुओ 'चेहलकदमी'

चहल-पहल स्त्री० धामधूम
चहला पु० 'चहल'; कीचड
चहार वि० [फा] चार
चहारदीवारी स्त्री० कोट; वडो; घेरो
चहारशबा पु० [फा] बुधवार
चहारुम वि० [फा] चतुर्थांश (२) चोथु
चहुँ,-हूँ वि० (प.) चार; चारेय
चहूँटना अ० क्रि० चोटवु
चहेटना स० क्रि० निचोड काढवो
चहेता वि० प्रिय; वहालु (स्त्री०**-ती**)
चहोरना अ०क्रि० छोडने एक जगाएथी बीजी जगाए चोडवो (२) सभाळ राखवी
चाँई वि० धूर्त; चालाक (२) तालवाळु
चाँकना स० क्रि० आकवु, हद बाधवी (२) ओळखवा निशानी करवी
चाँगला वि० चग, स्वस्थ (२) चतुर
चांचु पु० (प) चाच
चाँटा पु० थप्पड (२) (प) मकोडो
चाँटी स्त्री० तबलानी चाट के तेनो अवाज (२) (प) कीडी मकोडी
चाँड वि० चड; उग्र; प्रबळ (२) स्त्री० भारे अगत्य; गरज (३) टेको; थाभलो
चांडाल पु० [स] चडाळ (२) क्रूर नीच कर्म करनार
चाँद पु० चादो (२) स्त्री० तालकु. **-का टुकड़ा**=बहु रूपवान माणस **-पर थूकना**=कोई सज्जनने एब लगाडवा जता पोताने ज लागवी
चाँदना पु० अजवाळु (२) चादनी
चाँदनी स्त्री० चादनी (२) बिछाववानी सफेद चादर (३) सफेद चदरवो
चाँदमारी स्त्री० बदूकथी निशान ताकवानु शीखवु ते
चाँदी स्त्री० चादी (२) तालकु; 'चाँद' (३) सारो आर्थिक लाभ **-का जूता**=लाच **-काटना**=खूब कमावु
चांद्र वि० [स] चद्रनु, -ने लगतु (२) पु० चद्रकात मणि (३) आदु (४) चाद्रायण व्रत
चाद्रायण पु० [स] महिनामा पूरु थतु [एक कठण व्रत
चाँप स्त्री० चापवु - दबाववु ते (२) धक्को (३) प्रेरणा (४) बदूकनी चाप
चाँपना स० क्रि० चापवु; दबाववु
चाँयँ चाँयँ, चाँवँ चाँवँ स्त्री० चवचव; बकवाद
चासलर पु०[इ] युनिवर्सिटीनो चान्सेलर; कुलपति
चाक पु० चाक; चक्र; गरेडी इ० (२) [फा] चीरो (३) वि० चिरायेलु; फाटेलु
चाक़ वि० [तु] दृढ; मजबूत (२) चपळ; फूर्तीलु
चाकचक वि० सुरक्षित; मजबूत
चाकचक्य पु० [स] चकचकाट;चळकाट
चाक-चौबंध वि० हृष्टपुष्ट - दृ भरावदार (शरीर)
चाकना स० क्रि० जुओ 'चाँकना'
चाकर पु० [फा] नोकर; दास; सेवक
चाकर(-रा)नी स्त्री०चाकरडी; दासी
चाकरी स्त्री० [फा] नोकरी; सेवा
चाकी स्त्री० चक्की; घटी
चाकू पु० [तु] चप्पु; चाकु
चाक्षुष वि० [स] चक्षु - आख विषे (२) प्रत्यक्ष
चाखना स० क्रि० चाखवु
चाचा पु० (स्त्री० **-ची**) 'चचा'; काका
चाट स्त्री० तीखु खावानो चटको; शोख (३) आदत; टेव (४) चटपटी; चळ (५) तीखी चीज के फरसाण
चाटना स० क्रि० चाटवु (२) चट करी जवु

चाटु पु० [स] प्रिय वात (२)खुशामद
चाटुकार पु० [स] खुशामत करनार
चाड़ी स्त्री० पीठ पाछळ निंदा;चूगली
चाढ़ा वि० (प) प्यारु (२)प्रेमी;आसक्त
चातक पु०[स]चातक पक्षी [चतुरता
चातुरी स्त्री०, -र्य पु० [स] चतुराई;
चादर स्त्री० चादर (२) दुपट्टो (३) पतरु (४) पाणीनो सपाट वहेतो प्रवाह -उतारना=बेआवरू करवु. -ओढ़ाना, -डालना=विधवाविवाह करवो -तानकर सोना=सोडो ताणीने-निराते सूवु. -देखकर पाँव फैलाना=मर्यादा समजी चालवु; गजामा रहीने खर्चवु -रहना=लाज आवरू रहेवी [पु० [स] धनुष
चाप स्त्री० चाल; पगलानो अवाज (२)
चापट,-ड़ स्त्री० 'चोकर'; भूसु; घउना लोटनु चळामण (२) वि० चपटु (३) सपाट
चापना स०क्रि०चापवु;दबाववु;'चाँपना'
चापल, -ल्य पु० [स.] चपळता; चचळता; चालाकी (२) उतावळ
चापलूस वि० [फा] खुशामतियु
चापलूसी स्त्री० [फा] खुशामत
चाब स्त्री० दाढ
चाबना स० क्रि० चाववु
चाबी, -भी स्त्री० चावी (ताळा, घडियाळ, यंत्र वगेरेनी)
चाबुक पु० [फा] चाबुक; सोटो (२) वि० स्फूर्तीलु; तेज
चाबुक-सवार पु०[फा]घोडो पलोटनार; घोडो केळवनार. (नाम, -री स्त्री०)
चाय स्त्री० चा ०दानी स्त्री० चादानी; कीटली. ०पानी=चापाणी; नास्तो

चाय स्त्री० (प) जुओ 'चाव' ०क वि० (प.) चाहक
चाय-दानी, -पानी स्त्री०जुओ 'चाय'मा
चार वि० चार (२) थोडुक (२) पु० [स] चाल; गति -आँखें होना= नजर मळवी. चारो फूटना=अध थवु; अन्तर बाह्य चारे आख जवी
चारखाना पु० [फा.] एक जातनु कपडु
चारजामा पु० [फा.] घोडानु जीन-पलाण
चारण, -न पु० बदीजन; भाटचारण
चारदीवारी स्त्री० जुओ 'चहारदीवारी'
चारना स० क्रि० (प) चराववु; चारवु
चार-नाचार अ०[फा]निरुपाय-लाचार थईने, ना छूटके
चारपाई स्त्री० खाटलो -धरना, -पकड़ना, -पर पड़ना, -लेना= बीमारीथी पथारीवश थवु (२) सुवु -से लगना=बीमारीथी पथारीमाथी न उठावु [रूमाल के चादर
चारबाग़ पु० चोखडो बाग (२) चतुरगी
चारयारी स्त्री० एक सुन्नी सप्रदाय
चारशंबा पु० जुओ 'चहारशबा'
चारा पु० चारो; घास (२) [फा] चारो; रस्तो; उपाय
चारित्र,-त्र्य पु०[स]चरित;चालचलगत
चारु वि० [स] सुदर; प्रिय; मनोहर
चार्ज पु० [इ] कामनो भार; सुपरत (२) किंमत; भाव (३) आरोप
चार्टर पु० [इ.] सनद; परवानो; अधिकारपत्र [(३) दगो; छळ
चाल स्त्री० चाल; गति (२) ढग; रीत
चालचलन पु०, चालढाल स्त्री० चाल-चलगत; रीतभात

चालना स०क्रि० चाळवु (२) चलाववु; हलाववु (३) अ०क्रि० पहेले आणे जवु
चालबाज वि०कपटी; चालाक; दगाबाज
चाला पु० रवानगी (२) वधूने पहेली वार सासरेथी के पियरथी वळाववी ते (३) जवानु महुरत
चालाक वि०[फ़ा] चतुर; होशियार (२) पहोंचेल; पक्कु –की स्त्री०
चालान पु० जुओ 'चलान'
चालिया, चाली वि० जुओ 'चालबाज'
चालीस वि० ४०; चाळीस ०वाँ वि० चाळीसमु (२) पु० मरण पछीनु चाळीस दिवसे थतु कार्य के विधि (मुसलमानोमा); 'चेहलुम'
चाव पु० चाह; प्रेम (२) प्रबळ इच्छा; आतुरता (३) आनद; उमग
चावल पु० चोखा (२) भात (३) चोखाभार तोल [लहेजत
चाशनी स्त्री०[फा.] त्रासणी (२) चसको;
चास स्त्री० खेती
चासना अ० क्रि० खेडतु
चासा पु० खेडूत
चाह पु० [फ़ा] कूवो
चाह स्त्री० चाहना; प्रेम (२) इच्छा (३) माग; जरूर (४) (प) खबर
चाहक पु० (प) चाहनार; प्रेमी
चाहत स्त्री० (प) चाह; प्रेम
चाहना स०क्रि० चाहवु (२) मागवु; इच्छा करवी (३) स्त्री० जरूर
चाहि अ० (प) -ना करता (चडियातु)
चाहिए,–ये क्रि० उचित छे; घटे छे; जोईए [(जमीन)
चाही वि० [फ़ा] कूवावाळी; कुवेतर
चाहे अ० गमे तेम; इच्छा मुजब

चिआँ पु० आमलीनो कचूको
चिउँटा पु० 'चींटा'; मकोडो
चिउँटी स्त्री० 'चींटी'; कीडी –के पर निकलना = मरणतोल थवु
चिगना पु० पक्षीनु–खास करीने मरघीनु बच्चु
चिंघाड़ स्त्री० चीस
चिंघाड़ना अ० क्रि० चीस पाडवी
चिंतक वि०[स]चिंतन करनार; विचारक
चिंतन पु०[स] विचारवु ते; मनन; ध्यान
चिंता स्त्री० [स] चिंतन (२) फिकर; विमासण
चिंतित वि० [स] चिंतामा पडेलु
चिंदी स्त्री० चीदरडी; टुकडो (कागळ के कपडानो)
चिउड़ा, –रा पु० पौंआ; 'चिड़वा'
चिक स्त्री०[तु] चक (२) पु० कसाई (३) स्त्री० चसक; झटको
चिकट वि० चीकटथी मेलु; मेल जामेलु (२) चीकटु
चिकटना अ० क्रि० मेलु–चीकटु थवु
चिकन स्त्री० [फ़ा] एक झीणु कापड
चिकना वि० [स. चिक्कण] चीकणु (२) लपसणु (३) साफ; सुवाळु; सुंदर (४) माखणियु; खुशामतियु (५) प्रेमी (६) पुं० चीकट. –घड़ा = निर्लज्ज. चिकनी चुपड़ी बातें = मीठी मीठी कृत्रिम बात [पणु
चिकनाई,–हट स्त्री० चीकाश; चीकणा-
चिकनाना स०क्रि० 'चिकना' करवु (२) अ०क्रि० 'चिकना' थवु, जुओ 'चिकना'
चिकनिया वि० छेलवटाउ–शोखीन
चिका(–क्का)र पु० चीत्कार; चीस
चिकारना अ० क्रि० चीस पाडवी

चिकारा पु० सारगी जेवु एक वाद्य; चिकारी (२) चिकारडु–एक जगली जानवर
चिकित्सक पु० [स] वैद, दाक्तर
चिकित्सा स्त्री० [स]रोगनो इलाज;वैंदु
चिकित्सालय पु० [स.] इस्पिताल; दवाखानु
चिकुटी, चिकोटी स्त्री० चपटी (२) चूंटी
चिकुर पु० [स] केश; वाळ
चिक्कण वि० [स] चीकणु
चिक्कार पु० जुओ 'चिकार'
चिक्कारा पु० 'चिकारा'; चिकारडु
चिखुरी स्त्री० 'गिलहरी'; खिसकोली
चिचड़ा पु०,**–ड़ी** स्त्री० जुओ 'किलनी'
चिचियाना अ०क्रि० शोरबकोर करवो; 'चिल्लाना'
चिजारा पु० कडियो
चिट स्त्री० चिठ्ठी; रुक्को
चिटकना अ० क्रि० तडकवु; ततडवु; तरडावु (२) गुस्से थवु
चिटनवीस पु० चिटनीस [वि० सफेद
चिट्टा पु० खोटो उत्साह के हिंमत (२)
चिट्ठा पु० रोजमेळ; चोपडो (२) वार्षिक सरवैयु (३) यादी (४) पगार के मजूरीनी रकम (५) विल. **कच्चा-चिट्ठा**=पूरेपूरो हेवाल [पत्र
चिट्ठी स्त्री० चिठ्ठी; 'चिट' (२) कागळ;
चिट्ठी-पत्री स्त्री० चिठ्ठी-पत्री; कागळ-पत्र (२) पत्रव्यवहार
चिट्ठीरसाँ पु० टपाली
चिड़चिड़ा वि० चीडियु; झट चिडानारु
चिड़चिड़ाना अ० क्रि० चिडावु (२) ततडी जवु (३) वळता तड तड थवु
चिड़वा पु० [स चिपिट] पौंआ
चिड़ा पु० चकलो; चकलीनो नर
चिड़ि(–रि)या स्त्री० पक्षी (२) पत्तानी एक भात. **–का दूध**=अप्राप्य वस्तु; गगनकुसुम [पक्षीनु सग्रहस्थान
चिड़ियाखाना, चिड़ियाघर पु० पशु-
चिड़िहार पु०(प) पारधी [पु० पारधी
चिड़ी स्त्री० पक्षी (२) चकली. **०मार**
चिढ़ स्त्री० चीड; गुस्सो; नफरत
चिढ़ना अ० क्रि० चिडावु
चिढ़ाना स० क्रि० चीडववु
चित पु० [स] चित्त; मन (२) वि० एकठु करेलु (३) चीत; चत्तु
चितकबरा, चितला वि० काबरचीतरु
चितचोर वि० (२) पु० मनोहर; चित्त हरी ले एवु
चितरना स०क्रि०(प)चीतरवु; नकशी वगेरे काढवु
चितवन, चितौन स्त्री० नजर; दृष्टि. **–चढ़ाना**=गुस्सानी दृष्टि करवी
चिता स्त्री० [स] चिता; चेह
चिताना स० क्रि० चेतववु
चितारी पु० 'चितेरा'; चितारो
चितावनी, चितौनी स्त्री० चेतवणी; 'चेतावनी'
चितेरा पु० चितारो
चित्त पु० [स] मन; अतकरण
चित्ती स्त्री० डाघो; टपकु (२) नानी कोडी (३) चीतळ साप
चितौन स्त्री० जुओ 'चितवन'
चितौनी स्त्री० जुओ 'चितावनी'
चित्र पु०[स] चित्र; छबी; आकृति (२) चाल्लो के तिलक (३) वि० विचित्र; अद्भुत,रगबेरगी **–उतारना,–खींचना**=चित्र काढवु के वर्णनादिथी खडु करवु

चित्रकार पु०[स.] चितारो. **–री** स्त्री० चित्रविद्या
चित्रण पु० [प] चीतरवु ते
चित्रपट पु० [स] जेना पर चीतर्युं होय ते (२) सिनेमा
चित्रविचित्र वि० [सं] रगबेरगी (२) नकसीदार [रगबेरगी
चित्रित वि० [स.] चीतरेलु (२) चित्र;
चिथड़ा पु० चीथरु [अपमानवु
चिथाड़ना स०क्रि० चीरवु; फाडवु (२)
चिदात्मा, चिदानंद पु०[स] चैतन्य; ब्रह्म
चिद्विलास पु० [स] माया; लीला
चिनक स्त्री० बळतरा(जेम के पेशाबमा)
चिनगारी, चिनगी स्त्री० तणखो; चिणगारी
चिनिया वि० चिनाई; चीननु (२) चीनी माटी जेवु; सफेद **–केला**=नानी जातनु केळु **–बदाम**=चिनाईसीग; मगफळी
चिन्हार वि० परिचित(नाम,**–री** स्त्री०)
चिपक(–ट)ना अ०क्रि० चोटवु;वळगवु
चिपकाना स०क्रि० चोटाडवु; लगाडवु
चिपचिपा वि० चीकणु, चोटे एवु
चिपचिपाना अ०क्रि० चीकणु लागवु
चिपटा वि० चपटु
चिपडी,–री स्त्री० छाणु. **–पाथना** = छाणु थापवु [(२) पोपडी
चिप्पड़ पु० नानो चपटो ककडो; चापडो
चिप्पी स्त्री० नानो 'चिप्पड'
चिवुक पु०[स] 'ठोडी'; हडपची; दाढी
चिमटना अ०क्रि० चोटवु (२) वळगवु (प्रेरक–**चिमटाना**)
चिमटा पु० चमठो; चीमटो; चीपियो
चिमटी स्त्री० नानो चीपियो
चिमड़ा वि० जुओ 'चीमड'
चिरजीव वि०[स] चिरजीवी (२) पु० पुत्र (३) 'घणु जीवो' एवो आशीर्वाद
चिरंतन वि० [स] पुरातन; प्राचीन
चिर वि० (२) अ० लावा वखतनु; जूनु
चिरकना अ० क्रि० चरकवु; जराक अघवु; जरा जरा घणी वार अघवु
चिरकीन वि० [फा] मेलु; गदु
चिरकुट पु० फाटेलु वस्त्र; चीथरु
चिरना अ०क्रि० ('चीरना' नु कर्मणि) फाटवु; चिरावु
चिरमि(०टी) स्त्री० चनोठी
चिरवाई स्त्री० चिरामण;चिराववु ते(२) पहेला वरसाद पछीनी खेड [चिराववु
चिरवाना स०क्रि० 'चीरना' नु प्रेरक;
चिरॉदा स्त्री० वाळ चामडु इ० बळवानी गध (२) बदनामी (३) वि० चीडियु; 'चिडचिडा'
चिरा अ० [फा.] केम ? शा माटे ? **चूं व चिरा करना** = चेचू करवु
चिराई स्त्री० जुओ 'चिरवाई'
चिराग़ पु० [फा] दीवो **–जले**=दीवा-वखते ०**दान** पु० दीवी **–बत्तीका वक्त** =दीवा-वखत; सध्या
चिराना स०क्रि० चिराववु (२) वि० प्राचीन; पुराणु [=बदनामी फेलावी
चिरायँध स्त्री०जुओ 'चिरॉदा' **–फैलना**
चिरायता पु० करियातु
चिरायु वि० [स] चिरजीव, दीर्घायु
चिरिया पु० जुओ 'चिडिया'
चिरौंजी स्त्री० चारोळी
चिलक स्त्री० चळक (२) सणको
चिलकना अ०क्रि० चमक चमक थवु; चळकवु (२) सणको नाखवो (प्रेरक **चिलकाना**)

चिलगोजा पु० [फा] एक मेवो
चिलचिल स्त्री० अबरख [चीस पाडवी
चिलचिलाना अ०क्रि० चमकवु (२)
चिलड़ा पु० एक पकवान [वचळ
चिलबिला(-ल्ला) वि० 'चुलबुला';
चिलम स्त्री० [फा] चलम
चिलमची स्त्री० [तु] अदर हाथ-मो धोवानु एक वासण (२) चलम पीनार
चिलमन स्त्री० [फा] 'चिक', चक
चिल्लड़ पु० जुओ 'चीलर'
चिल्लपो स्त्री० शोरबकोर
चिल्लवाना स०क्रि० 'चिल्लाना'नु प्रेरक
चिल्ला पु०[फा] चाळीस दिवस के तेनु व्रत के पुण्यपर्व (२) प्रसवना चाळीस दिवस (३) धनुपनी दोरी. **–खींचना** =चाळीस दिवस एकातमा ईश्वरोपासनामा गाळवा. **–बाँधना**=चाळीस दिवसनु व्रत करवु **चिल्लेका जाड़ा**= खूब ठडी
चिल्लाना अ०क्रि० शोर करवो;बुमराण करवु ['चिल्लपो'
चिल्लाहट स्त्री० शोर करवो ते,
चिहुंकना अ० क्रि० (प) चोकवु; चमकवु [(२) चोटवु
चिहुँटना स०क्रि० (प) चूटी खणवी
चिहूँटी स्त्री० चूटी; चीमटी (२) चपटी
चिह्न पु० [स] निशानी **–ह्नित** वि० चिह्नवाळु; अंकित
चीं स्त्री० [फा] चहेरा पर पडती करचोळी **–ब-जबी होना**=गुस्से थवु
चीं-चपड़ स्त्री० सामे जवाब आपवो ते
चींटा पु० जुओ 'चिउँटा' (स्त्री० **–टी**)
चीक स्त्री० 'चीख', चीस (२) पु० कसाई (३) कीचड़
चीकट वि० बहु मेलु (२) पु० तेलनो मेल (३) एक रेशमी वस्त्र
चीख स्त्री० चीस
चीखना अ०क्रि० चीस पाडवी
चीखना स० क्रि० 'चखना'; चाखवु
चीज स्त्री०[फा.] चीज; वस्तु (२) जणस (३) गायन के राग (४) विलक्षण के महत्त्वनी वस्तु [सरसामान
चीज-वस्तु स्त्री० जणस-भाव (२)
चीठी स्त्री० चिठ्ठी
चीड़(–ढ़) पु० चीडनु झाड
चीतना स०क्रि० चितवु, विचारवु (२) याद करवु (३) चीतरवु [साप
चीतल पु० एक जातनु हरण (२) चीतळो
चीता पु० चित्तो (२) चित्त
चीत्कार पु० [स] चीस; बुमराण
चीथड़ा(-रा) पु० चीथरु
चीथना स०क्रि०(कपडु) फाडवु [उत्तम
चीदा वि० [फा] पसद करेलु, चूटेलु (२)
चीन पु० [स] धजा (२) सीसु (३) दोरो (४) एक रेशमी वस्त्र (५) चीन देश
चीनना स०क्रि० जुओ 'चीन्हना'
चीना पु० चीनो; चीननो वतनी (२) वि० चीननु
चीनी स्त्री० खाड
चीन्हना स०क्रि० चीनवु; ओळखवु
चीपड़ पु० चीपडु
चीफ़ वि० [इ] मुख्य (२) पु० राजा; सरदार ०**कमिश्नर,** ०**जस्टिस,** ०**जज** इ० मा
चीमड़ वि० चवड; चामडा जेवु
चीर पु० [स] वस्त्र (२) चीथ (३) स्त्री० चीरवु ते
चीरना स०क्रि० चीरवु; फाडवु

चीरफाड़ स्त्री० वाढकाप (२) चीरवु फाडवु ते
चील स्त्री० [सं चिल्ल] समडी पक्षी. **–का मूत**=शशविषाण; असभव वस्तु.
चील-झपट्टा पु० चीलझपट; झडपी लेवु ते (२) एक वाळरमत [जतु
चीलर पु० गदा वस्त्रमा पडतु जू जेवु एक
चील्ह स्त्री० चील; समडी
चीवर पु० [स] सन्यासीनो चोळो, कथा (२) बौद्ध भिख्खुनु वस्त्र
चुंगल पु० [फा.] पजो (२) पकड (३) 'चगुल', चागळु [टोल; दाण
चुंगी स्त्री० चपटी जेटली वस्तु (२)
चुंगी-घर पु० टोलनु नाकु
चुंदी स्त्री० चोटली
चुंधलाना अ०क्रि० जुओ 'चौधियाना'
चुंधा वि० चूधळु; चूखडु
चुंधियाना अ० क्रि० जुओ 'चौधियाना'
चुंबक पु० [स] लोहचुवक (२) घडानो फासो के गाळो (३) वि० कामी
चुंबन पु० [स] चूमवु ते, बच्ची
चुंबना स०क्रि० (प) 'चूमना'; चूमवु
चुअना अ०क्रि० 'चूना', चूवु
चुआन स्त्री०खाई, नहेर [(२)चोपडवु
चुआना स०क्रि० चुवडाववु, टपकाववु
चुकदर पु० [फा] गाजर जेवु एक शाक
चुकना अ०क्रि० ('चूकना' नु कर्मणि) चूकवावु, चूकतु थवु, वाकी न रहेवु; पतवु (२) पूरु थवु; (३) (प) चूकवु; 'चूकना'
चुकरंड पु० चाकळण साप
चुकाई स्त्री० चूकते थवु ते
चुकाना अ०क्रि० चुकाववु [चुकादो
चुकौता पु० देवु चूकते थवु ते, देवानो
चुक्कड़ पु० कुलडी
चुग़द पु० [फा] घुवड; (२) उल्लु; मूर्ख
चुगना स०क्रि० (पक्षीनु) चूगवु [निंदा
चुगल पु०, **–ली** स्त्री० चाडी; चुगली;
चुगलख़ोर पु० [फा] चुगली करनारो (नाम **–री** स्त्री०)
चुग़ली स्त्री० जुओ 'चुगल' **–करना, खाना, लगाना**=चुगली करवी
चुग़ा पु० जुओ 'चोगा'
चुगाई स्त्री० चूगवु ते
चुगाना स०क्रि० पक्षीने दाणा नाखवा; चुगाववु
चुचकारना स०क्रि० (रव०) चूमवानो अवाज करी बोलवु, वहाल करवु
चुचकारी स्त्री० (चूमवानो) वचकारो
चुचाना अ० क्रि० चूवु; टपकवु
चुटकना अ०क्रि० चाबुक मारवी (२) 'चुटकी'–चपटीथी तोडवु
चुटकी स्त्री० चपटी (२) चूटी **–भरना** =चूटी खणवी. **–लेना**= मश्करी करवी (२) टोणो मारवो; कटाक्ष करवो
चुटकुला पु० मजेदार वात (२) दवानो सारो नुसखो **– छोड़ना** = कोई मजानी वात छेडवी
चुटिया स्त्री० चोटली
चुटीला वि० चोट लागी के घा थयो होय एवु (२) सौथी उपरनु; उत्तम
चुटैल वि० 'चुटीला'; घायल
चुड़िहारा पु० (स्त्री० **–रिन**) चूडगर
चुड़ैल स्त्री० चुडेल
चुनचुना वि० चचणे एवु (२) पु० झाडामा नीकळतो करमियो
चुनचुनाना अ०क्रि० चणचणवु
चुनट(–न) स्त्री० करचली; गडी

चुनना स०क्रि० चूटवु; पसद करवु (२) वीणवु (३) सजवु; ठीकठाक करवु (४) (दीवाल इ०) चणवु (५) चूटवु (जेम के फूल) (६) कपडानी कल्ली करवी
चुनरी स्त्री० चूदडी [प्रेरक
चुनवाना, चुनाना स०क्रि० 'चुनना' नुं
चुनांचे अ० [फा चुनाचिह्] दाखला तरीके (२) एटले; अत
चुनाई स्त्री०, **चुनाव** पु० चूटणी
चुनिंदा वि० चुनदा; उत्तम; श्रेष्ठ
चुनी स्त्री० 'चुन्नी'; चूनी
चुनौटी स्त्री० चूनानी डबी; चूनादानी
चुनौती स्त्री० उश्केरणी (२) आह्वान; पडकार
चुन्नी स्त्री० 'चुनी'; चूनी (२) वहेर (३) अनाजनी कणकी
चुप वि० चूप; शात; मूक (२) स्त्री० मौन **–चाप, –चुप, –चुपाते**=चूपचाप; गुपचूप
चुपका वि० चूपकी राखनार; मौनी. **–करना**=चूपकी राखवी; चूप थवु
चुपकेसे अ० चूपकीभेर; चूपचाप
चुपड़ना स०क्रि० चोपडवु; 'पोतना'
चुप्पा वि० (स्त्री०,**–प्पी**) जुओ 'चुपका'
चुप्पी स्त्री० चूपकी; मौन
चुब(–भ)लाना स०क्रि० ममळाववु
चुभकना अ०क्रि० डूबकी खावी
चुभकी स्त्री० डूबकी [चुभोना, प्रेरक)
चुभना अ० क्रि० भोकावु (**चुभाना,**
चुभलाना स०क्रि० जुओ 'चुबलाना'
चुमकार पु० वचकारो
चुमकारना स०क्रि० प्रेमथी चूमवाना जेवो अवाज करवो; वचकारवु
चुम्मा पु० चूमी; 'चूमा'

चुरकी स्त्री० चोटली
चुरना अ०क्रि० चडवु; सीझवु (२) खानगी मसलत करवी (३) पु० करमियो; 'चुनचुना'
चुरमुर पु० (रव०) दबावाथी थतो अवाज, जेम के चणानो, सूका पाननो
चुरमुरा वि० 'चुरमुर' अवाज करे एवु (जेम के, पापड)
चुरमुराना अ० क्रि० 'चुरमुर' अवाज करी तूटवु (२) स०क्रि० तेवा अवाजथी तोडवु
चुराई स्त्री० चोरवु ते
चुराना स०क्रि० चोरवु (२) छुपाववु (३) उचित मनाय ते न करता तेमा कसर राखवी
चुरुट पु० [इ] चिरूट; एक विलायती वीडी
चुल (०**चुली**) स्त्री० खजवाळ
चुलचुलाना अ०क्रि० खजवाळ आववी
चुलबुला वि० चचळ (२) नटखट
चुलबुलाना अ०क्रि० 'चुलबुला' थवु. (नाम, **–हट** स्त्री०)
चुलुक पु० [स] चागळु (२) खूब कीचड
चुल्लू पु० अजलि; चागळु **–भर पानीमें डूब मरना**=ढाकणीमा पाणी घालीने डूबी मरवु; खूब शरमावु. **–में उल्लू बनना**=जरा भाग के दारू पीने गांडु के बेभान थवु. **चुल्लुओ रोना**=खूब रडवु
चुसकी स्त्री० चूसवु ते (२) घूटडो
चुसना अ०क्रि० ('चूसना' नु कर्मणि) चुसावु (२) शोषावु; सार जतो रहेवो (३) खाली थवु
चुसनी स्त्री० बाळकनी धावणी के दूधनी शीशी

चुसाना स० क्रि० 'चूसना'नु प्रेरक (नाम, -ई स्त्री०)
चुस्त वि०[फा] तंग; कसेलु (२) चुस्त; दृढ; मजबूत (३) फूर्तिलु; तत्पर -(व) चालाक=चतुर;तेज (नाम,-स्ती स्त्री०)
चुहँ(-ह)टी स्त्री० चूटी के चपटी; 'चुटकी'
चुहचुहा(०ता) वि० चूतु; रसयुक्त
चुहचुहाना अ०क्रि० रस टपकवो (२) पक्षीनु बोलवु; कलरव करवो
चुहटी स्त्री० जुओ 'चुहँटी'
चुहल स्त्री० मजाक; हासी; ठठ्ठो
चुहलबाज वि० मश्करु; टीखळखोर
चुहिया स्त्री० उंदरडी
चूँ पु० चकलीनु चू चू (२) धीमो अवाज **-चाँ**=चूचा
चूँकि अ०[फा] 'क्योंकि'; एटला माटे के
चूँचरा पु०[फा] सामे चूचा के आनाकानी करवी ते (२) बहानु
चूँचूँ अ० चकलीनो अवाज
चूँदरी स्त्री० चूदडी, 'चूनरी'
चूक स्त्री०, भूल; चूकवु ते (२) पु० 'चूका'; खाटियु शाक (३) वि० बहु खाटु; खाटु चैड [खोवु;
चूकना अ०क्रि० चूकवु; भूल करवी (२)
चूका पु० 'चूक'; एक शाक-खाटियु
चूची स्त्री०; **चूचुक** पु० [स] स्तन
चूजा पु० [फा] मरघीनु बच्चु
चूड़ा स्त्री० माथु (२) चोटली; कलगी (३) पु० चूडो. **०करण, ०कर्म** पु० वाळ उतारवानो एक संस्कार
चूडी स्त्री० पहेरवानी के ग्रामोफोननी चूडी **चूड़ियाँ ठंडी करना या तोड़ना** =विधवा थवु; चूडो भागवो. **चूड़ियाँ पहनाना**=विधवाविवाह करवो. **चूड़ियाँ बढ़ाना**=हाथथी चूडी काढवी. (**-उतारना** कहेवु अशुभ गणाय छे)
चूड़ीदार वि० चूडी जेवा वलयवाळु (२) पु० तेवो पायजामो
चूतड़(-र) पु० धगडो; कूलो **-दिखाना** =पीठ बतावयी; नासवु. **-पीटना, -बजाना**=खूब खुश थवु
चून पु० चूर्ण; आटो
चूनर,-री स्त्री० 'चुनरी'; चूदडी
चूना पु० चूनो (२) अ० क्रि० चूवु (३) नीचे पडवु; गरवु [चूनानी डब्बी
चूना(-ने)दानी स्त्री० 'चुनौटी';
चूनी स्त्री० 'चुन्नी'; चूनी (२) कणकी. **-भूसी** स्त्री० कूसका कणकी इ०; 'चोकर'
चूमना स०क्रि० चूमवु; चुंबन करवु
चूमा पु० चूमी; चुंबन [चकचूर
चूर पु० चूरो (२) वि० तल्लीन (३)
चूरण,-न पु० चूरण; भूकी
चूरमा पु० चूरमु-एक पकवान
चूरा पु० चूरो; भूको
चूर्ण पु०[स] चूरण (२) अबील (३) धूळ (४) चूनो (५) कोडी (६) वि० चूरो करायेलु
चूल स्त्री० सालमा बेसाडवा तैयार करेलो लाकडाना साधानो भाग (२) चणियारामा फरतो बारणानो छेडो (३) पु० [स] चोटली **चूलें ढीली होना**=साधा ढीला थई जवा; खूब थाकवु
चूल्हा पु० [स चुल्लि] चूलो
चूसना स०क्रि० चूसवु (२) शोषण करवु
चूहड़ा(-रा) पु०, (स्त्री०-ड़ी) भंगी

चूहा पु० उदर
चूहादान पु० उंदरियु
चें स्त्री० चें अवाज. **०चें, ०पें** स्त्री० चेंचेपेंपें; बकवाद [जजनी चेंबर
चेंबर पु० [इ] सभागृह; ओरडो (२)
चें अ० [फा] शु ?
चेअर स्त्री०[इ] खुरशी **०मेन, ०मैन** पु० प्रमुख; सभापति
चेक पु० [इ] नाणानो चेक. **–काटना** =चेक फाडवो के लखवो [बळिया
चेचक स्त्री०[फा]शीतळामातानो रोग;
चेचक-रू वि०[फा] मो पर बळियाना चाठावाळु
चेटक पु०[स] दास; सेवक (२) जादु के तेनो खेल (३) तमासो; भवाई (४) उतावळ; जलदी
चेटका स्त्री० स्मशान (२) चिता
चेटकी पु० जादुगर; बाजीगर
चेटुवा पु० चकलीनु बच्चु
चेटिका(–की),चेटी स्त्री०[स] दासी
चेत पु० चेतना; होश; भान (२) चित्त
चेतन वि०[स] चेतनावाळु; जीवतु (२) पु० चैतन्य; प्रभु; आत्मा
चेतना स्त्री० [स] होश; भान (२) चेतनपणु (३) बुद्धि (४) अ०क्रि० चेतवु; सावध थवु (५) स०क्रि० चिंतवु; विचारवु ['चितावनी'
चेतवनि, चेतावनी स्त्री० चेतवणी;
चेना पु० चीणो
चेप पु० कोई चीकणो रस; चीकाश
चेर(–रा) पु० (प) चेलो ( ) नोकर (स्त्री० **चेरि(-री)**; नाम **चेराई** स्त्री०)
चेल पु० [स] वस्त्र [–ली)
चेला पु० चेलो; शिष्य (स्त्री० –लिन,
चेष्टा स्त्री० [स] चेष्टा; चाळा (२) प्रयत्न; कोशिश (३) काम (४) इच्छा
चेस पु० [इ] शेतरज (२) छापवाना बीबा गोठवेलु चोकठु
चेहरा पु० [फा] चहेरो (२) आगलो भाग (३) ओळखवानी चहेरा वगेरेनी निशानी. **चेहरा(–रे) पर हवाइयाँ उड़ना**=डर के गभराटथी चहेरानो रग ऊडी जवो **–विगाड़ना**=खूब मारवु. **–लिखना, –होना** = फोजमा नाम लखाववु – भरती थवु
चेहरा-कुशा पु०[फा] चित्रकार (नाम ०ई स्त्री०)
चेहराबंदी स्त्री० [फा] चहेरा सिकल इ०नी विगत–ओळखवानी निशानीओ
चेहरा-मुहरा पु० सूरत; सिकल; चहेरो
चेहल वि० [फा] 'चहल'; चाळीस
चेहल-क़दमी स्त्री० जुओ 'चहलकदमी'
चेहलुम वि० (२) पु० [फा] जुओ 'चालीसवाँ'
चैत पु० चैत्र [ज्ञान (३) आत्मा
चैतन्य पु०[स] चेतन तत्त्व (२) चेतना;
चैती स्त्री० रवीपाक (२) वि० चैत्र सबधी
चैत्य पु०[स] घर (२) मदिर (३) चिता (४) बौद्ध विहार (५) गामनी भागोळना झाडोनो समूह (६) बुद्ध के तेमनी मूर्ति या भिख्खु
चैत्र पु० [स] चैत्र मास (२) चैत्य
चैन पु० चेन. **–उड़ाना**=मोज करवी
चैल पु० [स] कपडु
चैला पु० फाचरो
चैली स्त्री० भूकरी; छोल; वहेर
चैलेन्ज पु० [इ] पडकार; आह्वान; 'चुनौती'

चोंगा पु० वासनी भूगळी, जेवी के कलमदानीनी (२) मूर्ख
चोंगी स्त्री० धमणनी हवानी नळी
चोच स्त्री० चाच. **दो दो चोचें होना**=बोलाबोली थवी **-बंद करना**=चूप थवु
चोंडा पु० वेडवो; वीरडो (२) माथु (३) चोटलो
चोंथ पु० पोदळो [उखाडवु
चोंथना स०क्रि० फाडवु के तोडवु या
चोंधर(-रा) वि० चूंखळ; झीणी आख-वाळु (२) मूर्ख [पिठे बनावाय छे
चोआ पु० एक सुगधी पदार्थ जे चूवा
चोकर पु० आटानु चळामण-भूसु इ०
चोक्ष वि०[स] चोख्खु (२) पवित्र (३) तीक्ष्ण; तेज (४) प्रशस्य (५) दक्ष
चोख(-खा) वि० जुओ 'चोक्ष'
चोग़ा पु० [तु चूगा] चोगो; झभ्भो
चोचला पु० हावभाव; नखरा
चोज पु० मजाकनो बोल
चोट स्त्री० चोट; घा के आघात (२) टोणो (३) दगो; 'धोखा' (४) वार; 'दफा' **-खाना**=चोट लागवी. **-बचाना** =घा चुकाववो, तेमाथी वचवु
चोट-चपेट स्त्री० चोट; घा
चोटा पु० (तमाकुनो) शीरो; काकव
चोटी स्त्री० चोटली के चोटलो (२) शिखर **-करना**=माथु ओळवु. **-का** =उतम. **-दबना**=लाचार थवु
चोटीवाला पु० भूतप्रेत इ०
चोट्टा पु० चोट्टो; चोर [जुओ 'चोब'
चोप पु० (प) रुचि (२) उमग (३)
चोप(-व)दार पु० जुओ 'चोवदार'
चोब स्त्री० [फा] छडी (२) दडूको; दाढियो (३) जुओ 'चोवा'
चोबचीनी स्त्री० [फा] चोपचीनी-एक औषधि
चोबदार पु० [फा] छडीदार
चोबा पु० तबूनो वचलो दड के वास
चोर पु० [स] चोर; ठुगो **-पड़ना**= चोरी थवी; चोर आववा. **-पर मोर पड़ना**=शेरने माथे सवा शेर थवु **-(मनमें) बैठना**=दिलमा शका के चोरी होवी
चोरखाना पु० नानु के छूपु खानु; सच
चोर-चकार पु० चोरचखार; चोर; उठावगीर
चोरटा वि० चोरट्; चोट्टु; चोर
चोरथन वि० दूध चोरतु-पूरु न देतु (ढोर) [फूटतो दात
चोर-दंत पु० वधारेनो-पीडा करीने
चोर-दरवाज़ा,-द्वार पु० छूपु द्वार
चोरना स०क्रि० चोरवु; 'चुराना'
चोर-बाज़ार पु० काळु बजार
चोरमहल पु० रखातनो महेल-मकान
चोरमूँग पु० गागडु मग
चोराचोरी अ० चोरीछूपीथी; चूपकीथी
चोरी स्त्री० चोरवु ते. **-लगना**= चोरीनो आक्षेप आववो. **-लगाना**= चोरीनु आळ मूकवु
चोरी-चोरी अ० जुओ 'चोराचोरी'
चोरी-छिनाला पु०, **चोरी-यारी** स्त्री० चोरी ने छिनाळु; खराब काम
चोलना पु० 'चोला'; फकीरनो जामो
चोला पु० फकीरनो चोळो-लाबु मोटु जामा जेवु पहेरण (२) शरीर
चोली स्त्री० चोळी. **-दामनका साथ** =खूब घनिष्ठ सबध
चौंआलीस वि० 'चौवालिस'; चूवाळीस

चौंक स्त्री० चोक; चोकवु ते
चौंकना अ० क्रि० चोकवु
चौंतिस, चौंतीस वि० चोत्रीस; ३४
चौंध स्त्री०आख अंजावी ते;' चकाचौंध'
चौंधियाना अ०क्रि० आख अजावी (२) न देखावु
चौंर पु० चमर; 'चँवर'
चौंर-गाय स्त्री० चमरीगाय [दोरो
चौंरी स्त्री० चमरीगाय (२) चोटलानो
चौंसठ वि० चोसठ; ६४
चौ वि० चार (समासमा)
चौआ(-वा) पु० जुओ 'चौवा'
चौक पु० [स चतुष्क, प्रा चउक्क] चोक
चौकड़ा पु० कानमा पहेरवानु चोकडु
चौकड़ी स्त्री० फाळ; फलग (हरणनी) (२) चार जणनी चोकडी (३) चार घोडानी गाडी
चौकन्ना वि० सावधान (२) चोकेलु
चौकस वि० चोकस; सावधान;होशियार (नाम, -साई, -सी स्त्री०)
चौका पु० चोको (२) चोखडो टुकडो (३) रोटलीनी आडणी (४) चोक्को (५) चार सरखी चीजोनो समूह. -देना, फेरना, लगाना=चोको करवो; लीपवु. -लगाना=सत्यानाश करवु
चौकी स्त्री० बाजठ के खुरशी (२) चोकी (३) नानी आडणी (४) पडाव; उतारो. ०दार पु०चोकीदार;चोकियात
चौकोन (-ना, -र) वि० चोखडु; चतुष्कोण [ऊमरो
चौखट स्त्री० बारणानु चोकठु (२)
चौखटा पु० चोकठु; 'फ्रेम'
चौखानि स्त्री० चार प्रकारना (अडज, पिंडज, स्वेदज, उद्भिज्जे) जीव
चौखूंट पु० चारे दिशा (२) आखु भूमडल (३) अ० चोपास; चोखूट
चौखूंटा वि० चोखडु; 'चौकोना'
चौगान पु० [फा] गेडीदडा के पोलो या ते रमवानु मेदान-चोगान (२) नगारानो दाडियो
चौगिर्द अ० चोगरदम
चौगुना वि० चोगणु
चौगोशिया वि०[फा] चोखडु;चतुष्कोण
चौघड़ पु० 'चौभड'; दाढ
चौघड़ा पु० चार खानावाळु पात्र-जेवु के पाननो डब्बो, मसालानु पात्र इ०
चौचंद पु० बदनामी; निंदा. -पारना= निंदा करवी
चौड़ा वि० चोडु; पहोळु
चौड़ाई(-न) स्त्री० चोडाई; पहोळाई
चौतरफा अ० चोतरफ
चौतरा पु० चोतरो; चबूतरो
चौताल पु० सगीतनो चोताल (२) होळीनु एक गीत [चोथो भाग
चौथ स्त्री० चोथ तिथि (२) चोथाई-
चौथ(-था)पन पु० चोथी-वृद्ध अवस्था; बुढापो; घडपण
चौथा वि० चोथु (स्त्री० -थी)
चौथाई स्त्री० चोथाई-चोथो भाग
चौथिया पु० चोथियो ताव (२) चोथा भागनो हकदार [एक विधि
चौथी स्त्री० लग्नने चोथे दिवसे थती
चौदस स्त्री० चौदश तिथि
चौदह वि० चौद; १४
चौधराई,-त स्त्री०,-ना पु० चोधरीनु काम के पुरस्कार
चौधरानी स्त्री० चोधरीनी स्त्री
चौधरी पु० चोधरी; मुखी; आगेवान
चौप(-पा)ई स्त्री० चोपाई छद

चौपट वि० चारे वाजु खुल्लु; अरक्षित (२) बरबाद; नष्ट; सत्यानाश; खतम
चौपटा वि० सत्यानाश करनारु
चौपड स्त्री० सोकठाबाजी; 'चौसर'
चौपाई स्त्री० जुओ 'चोपाई'
चौपाया पु० चोपगु
चौपाल पु० चारे बाजूथी खुल्ली एवी बेठक (२) गामलोकने बेसवानो चोतरो –चोरो (३) एक जातनी पालखी
चौफेर अ० चोफेर; चोतरफ
चौबा(–बे) पु० जुओ 'चौबे'
चौबाइन स्त्री० चोबानी स्त्री
चौबारा पु० उपला माळनी चारे बाजू खुल्ली मेडी (२) खुल्ली बेठक (३) अ० चोथी वार
चौबीस वि० चोवीस; २४
चौबे पु० एक ब्राह्मणनी जात; चोबो
चौभड स्त्री० 'चौघड'; दाढ [(मकान)
चौमंजिला वि० चार मजला के खडोवाळु
चौमासा पु० चोमासु
चौमासिया वि० चोमासामां थनारुं (२) पु० चोमासा पूरतो राखेलो नोकर
चौमुहानी स्त्री०, **चौरस्ता, चौराहा** पु० चार-रस्ता
चौर पु० [स] चोर
चौरस वि० सपाट; सरखु (२) चोरस
चौरसाना स०क्रि० बराबर सरखु के –चोरस करवु
चौरा पु० चोरो (चोतरो; बेठक; देव- 'देवीके सतनु स्थानक) (स्त्री०–**री**)
चौराई स्त्री० जुओ 'चौलाई'
चौरानवे वि० चोराणु; ९४
चौरासी वि० चोराशी; ८४ (२) पु० ८४ लाख योनि; लखचोराशी (३) पगमां बांधवाना घूघरा
चौराहा पु० चार-रस्ता
चौलाई स्त्री० चोळाई शाक
चौवन वि० चोपन; ५४
चौवा पु० हाथनी चार आगळी (२) चार आगळ माप (३) चोक्को (४) चोपगु
चौवालीस वि० चूवाळीस; ४४
चौसर पु० चोसर-सोगटाबाजी [रस्ता
चौहट्ट,–ट्टा पु० चौटु; 'चौक' (२) चार
चौहत्तर वि० चुमोतेर; ७४
चौहद्दी स्त्री० चोपासनी सीमा [चोगणु
चौहरा वि० चोहरु–चार बेवडु (२)
चौहान पु० चोहाण क्षत्रिय
च्युत वि० [स] पडेलु; भ्रष्ट. –**ति** स्त्री० पडती; भ्रष्टता (२) भूल; चूक

छ

छंग पु० (प) उछंग; गोद
छँटना अ०क्रि० छटावु; दिगाई जवु (२) कपाईने अलग थवु (३) अलग, छूटु पडवु
छँटनी स्त्री० (काममाथी) दूर करवु ते
छँड़ना स०क्रि० (प) छाडवु; छोडवु (२) छडवु (३) अ०क्रि० ओकवु
छंद पु० [स] इच्छा (२) काव्यनो छंद (३) छळ; कपट (४) हाथनु एक घरेणु
छ, छः वि० छ; ६
छकड़ा पु० शकट; गाडु
छकना अ०क्रि० धरावु (२) नशाथी चकचूर बनवु; छकवु (३) छक थवु

छकाछक वि० खूब तृप्त (२) छलोछल भरेलु (२) नशामां चकचूर
छकीला वि० छकेलु; मदमस्त
छक्का पु० छक्को (२) छकडु (३) होशकोश; सूधबूध. **छक्के छूटना**= सूधबूध जती रहेवी (२) हिंमत हारवी
छक्कापंजा पु० दावपेच; कूडकपट
छगड़ा पु० (स्त्री०,-ड़ी) छग; बकरो
छगन पु० नानु बाळक (प्यारनो शब्द). ०**मगन** पु० हसता खेलता प्यारा बाळको
छगुनी स्त्री० टचली आंगळी
छछिआ(-या) स्त्री० छाश (२) छाश देवानु मापियु के वासण
छछूंदर पु० छछूंदर(२)एक दारूखानानी चीज. **-छोड़ना**=झघडो ऊभो करवो
छजना अ० क्रि० छाजवु (२) शोभवुं
छज्जा पु० छजु [छूटवु
छटकना अ०क्रि० छटकवु; छूटीने भागवु;
छटपटाना अ०क्रि० बेचेन थवु; तरफडवु (२) आकुलव्याकुल थवु [आतुरता
छटपटी स्त्री० चटपटी; बेचेनी (२)
छटांक स्त्री० नवटाक; (पाका) शेरनो १६मो भाग [(३) लट; सेर
छटा स्त्री० [स] शोभा; खूबी(२)वीजळी
छठ स्त्री० छठ तिथि
छठवाँ, छठाँ,-ठा वि०छठ्ठु. **छठे(-ठें) -छमासे**=कोई वार; घणे दिवसे
छठी स्त्री० छठ्ठी; जन्म पछीनो छठ्ठो दिवस. **-का दूध निकालना**=दम के ठूस काढवी. **-का दूध याद आना**=एवु हेरान थवु के बाळपणनु सुख याद आवे
छड़ स्त्री० धातु के लाकडानो दडूको
छड़ा पु० पगनो छडो (२) वि० छडु; एकाकी
छड़िया पु० दरवान; छडीदार
छड़ी स्त्री० लाकडी (२) धजा
छत स्त्री० मकाननी के ओरडानी छत (२)छतनो चदरवो(३)पु०(प)क्षत;घा
छतगीर(-री) स्त्री० चदरवो
छतरी स्त्री० छत्री (२) मडप (३) समाधिना स्थान परनो मडप
छतनार वि० फेलायेलु घटादार(झाड)
छतियाना स०क्रि० छाती पासे लेवु (२) बदूक फोडवा छाती पासे लगाववी
छतीसा वि० चतुर (२) धूर्त
छत्ता पु० छत्री (२) मधपूडो
छत्तीस वि० छत्रीस; ३६ ['छतीसा'
छत्तीसा पु० हजाम (२) वि० जुओ
छत्तीसी स्त्री० भारे बदमास स्त्री;छिनाळ
छत्र पु०[स] छत्री (२) (राजानु) छत्र
छत्रपति पु० [स] राजा
छत्री पु० क्षत्री (२) वि० छत्रधारी
छद पु०[स] ढाकण (२) छाल (३) पाख
छदाम पु० पैसानो चोथो भाग
छद्म पु० [स] छळ; कपट (२) छूपो वेश; छपाववु ते (३) बहानु
छन(०क) पु० क्षण; 'छिन'
छनकना अ०क्रि० छमकारो थवो (२) चमकवु; भडकवु (३) छमकवु; छम छम थवु
छनना अ० क्रि० चळावु (२) गळावु (३) छणावु (४) तळावु (५) पु० गळणु
छप स्त्री० छब एवो पाणीनो अवाज
छपछपना अ० क्रि० छबछबवु (२) स० क्रि० छबछबाववु
छपना अ०क्रि० छाप पडवी (२) छपावु
छपरख(-खा)ट स्त्री० छप्परखाट
छपरी,-रिया स्त्री० छापरी; झूपडी

छपाई स्त्री० छाप; छापकाम(२)छपामण
छपाका पु० छबाको
छप्पन वि० ५६ संख्या
छप्पय पु० छप्पो
छप्पर पु० छापरु. –पर रखना=आघु के अलग राखवु; छोडवु. –फाडकर देना=घेर बेठे मळवु–पहोचवु. –रखना=दोष देवो
छबड़ा पु० छावडु; टोपलु
छबि स्त्री० शोभा; सुंदरता
छबीला वि० छबीलु; रुपाळु
छब्बीस वि० छब्बीस; २६
छमना स०क्रि० (प) क्षमा करवी
छमा(०ई) स्त्री० (प) क्षमा
छमाही वि० छ मासिक
छय पु० खय; क्षय; नाश [घा पर मीठु)
छरछराना अ०क्रि० चचरवु (जेम के
छरना अ० क्रि० झरवु; टपकवु (२) छळवु; छीवु [(२) तेज; फूर्तिलु
छरहरा वि०(स्त्री०,–री)पातळु;हलकु
छरोरा पु० उझरडो
छर्दन पु०, छर्दि स्त्री० [सं] ऊलटी
छर्रा पु० बदूकनो छरो (२) झाझरनी घूघरी
छल पु०[सं] छळ; कपट (२) ठगवु ते
छलक(०न) स्त्री० छालक;छलकावु ते
छलकना अ०क्रि० छलकावु
छलकाना स०क्रि० छलकाववु
छलछद्म, छलछात, छलछिद्र पु०, छल-छाया स्त्री० कपट; चालबाजी
छलछलाना स०क्रि० छल छल अवाज थवो (२) छलकावु (पाणी इ०)
छलना स०क्रि० छेतरवु (२)स्त्री० छळ
छलनी स्त्री० चाळणी. –में डाल छाजमें उड़ाना=रज ू गज करवु; वातनु वतेसर करवु
छलाँग स्त्री० छलग
छलाई स्त्री० (प) कपट; छेतरपिंडी
छलाना स०क्रि० 'छलना' नु प्रेरक
छलावा पु० (भूतप्रेत) देखा दई अलोप थवु ते
छलित वि० [सं] छेतरायेलु
छलिया, छली वि० कपटी; छळ करनार
छलोरी स्त्री० नहियु पाकवु ते; नखमा छाला पडवा के ते पाके ए रोग
छल्ला पु० छल्लो; वीटी
छवना पु० (स्त्री०,–नी) जुओ 'छौना'
छवाई स्त्री० छावु ते के तेनी मजूरी
छवाना स०क्रि० 'छाना'नु प्रेरक [छबी
छवि स्त्री०[सं] शोभा(२) तेज; प्रभा(३)
छवैया पु० छापरु छानारो
छहरना अ०क्रि० जुओ 'छहराना'
छहराना अ०क्रि०(प) वीखरावु; फेलावु (२) स०क्रि० फेलाववु
छहियाँ स्त्री० 'छाह'; छाया
छाँगना स०क्रि० (डाळी) तोडवी-कापवी
छाँगुर पु० छ आगळिओ
छाँछ स्त्री० छाश
छाँट स्त्री० ऊलटी (२) काटवु के अलग करवु ते के तेम करेली वस्तु
छाँटना स०क्रि० कापीने जुदु करवु (२) अलग करवु; जुदु पाडवु (३) साफ करवु
छाँड़ना स०क्रि० छोडवु
छाँद स्त्री० ढोरना पग बांधवानी रसी
छाँदना स०क्रि० जकडवु; बाधवु
छाँवँ, छाँह स्त्री० छाया. छाँह न छूने देना=पासे न आववा देवु. छाँह बचाना =पासे न जवु

छिनार,–ल स्त्री० छिनाळ –ला पु० छिनाळ; व्यभिचार
छिन्न वि० [स] छेदायेलु; भागेलु
छिन्नभिन्न वि०[स.]नष्टभ्रष्ट;अस्तव्यस्त
छिपकली स्त्री० घरोळी [होवु
छिपना अ०क्रि० छीपवु;छुपावु;ढकायेलु
छिपा-छिपी अ० छूपी रीते; चूपकीथी; चूपचूप
छिपाना स०क्रि० छुपाववु (२) ढाकवु
छिपा रुस्तम वि०पु० असाधारण शक्तिवाळु पण अजाण्यु के छूपु माणस (२) उपरथी सारु पण अदरथी खराब (माणस)
छिपाव पु० छुपाववु ते
छिपे छिपे अ० छूपु छूपु
छिवड़ा पु० छावडु –ड़ी स्त्री० छावडी
छिमा स्त्री० (प) क्षमा
छिया स्त्री०छी;मळ(२)घृणित चीज(३) वि० गदु. –छरद करना = छी छी करवु
छिलका पु० फळनु छोडु–छाल; छीलटु
छिलना अ०क्रि० छिलावु; छोडु कढावु (२) छोलावु; उझरडो भरावो
छींक स्त्री० छीकवु ते के छीक.–आना, मारना, लेना=छीक खावी. –होना= अपशुकन थवा
छींकना अ०क्रि० छीकवु. छींकते या छींकने पर नाक कटना=नाना गुना माटे भारे सजा थवी; कोडी पर कटक थवु
छींट स्त्री० छाट; सीकर(२)छीट कपडु
छींटना स०क्रि० जुओ 'छितराना'
छींटा पु० छाटो (२) छाटा–थोडो वरसाद (३) आक्षेप;टोणो –छोड़ना, देना=टोणो मारवो [(बाळभाषा)
छी अ० जुओ 'छि' (२) स्त्री० छी; मळ
छीका पु० [स शिक्य] शीकु; 'सीका'
छीछड़ा पु० मासनो रद्दी टुकडो
छीछा-लेदर स्त्री० दुर्दशा; बेहाल
छीजना अ०क्रि० क्षीण थवु; घटवु
छीटा पु० वासनो टोपलो–छाबडु
छीतना स०क्रि० डखवु (२) मारवु
छीदा वि० 'छिदरा'; छिद्राळु (२) आछु; छूटु छूटु; पाखु
छीन वि० (प) क्षीण
छीन-झपट स्त्री० जुओ 'छीनाझपटी'
छीनना स०क्रि० छीनवु; झूटवु (२) छूटु करवु (३) (घटी) टाकवी
छीना-खसोटी, छीनाछीनी, छीनाझपटी स्त्री० (जोर झपटथी) छीनवी लेवु ते
छीप स्त्री० छीप; सीप (२) छाप; डाघ; चिह्न (३) डाघ पडी जाय एवो एक त्वचारोग (४) माछली पकडवानी लाकडी
छीपी पु० छीपो
छीमी स्त्री० फळी; सीग [(प) क्षीर
छीर स्त्री० कोर; किनार; 'छोर' (२)पु०
छीलना स०क्रि० छीलवु; छोलवु
छीलर पु० (पाणीनो) छछरो खाडो
छुआछूत स्त्री० स्पर्शास्पर्शनो ख्याल (२) अछूतने अडवु ते
छुआना स०क्रि० 'छूना'नु प्रेरक;'छुलाना'
छुईमुई स्त्री० लजामणीनो छोड
छुच्छा वि० जुओ 'छूंछा' [घरेणु
छुच्छी स्त्री० नानी नळी (२) नाकनु एक
छुट वि० 'छोटा'नु समासमा आवतु रूप (२) अ० (प) सिवाय; विना; छोडीने
छुटकारा पु० छुटकारो; मुक्ति
छुटपन पु० नानपण; बाल्यावस्था
छुटपुटा पु० समीसाज; सध्या

छाक स्त्री० तृप्ति (२) छाक; नशो
छाग पु० [स] बकरो
छाछ स्त्री० छाश; 'छाँछ'
छाज पु० सूपडु (२) छाज (३) छजु. **–सी दाढ़ी**=मोटी दाढी. **छाजों मेह बरसना**=मुसळधार वरसाद थवो
छाजन स्त्री० कपडु; वस्त्र (२) छाज; छापरु (३) एक रोग
छाजना अ०क्रि० (प) छाजवु, घटवु
छाता पु० छत्री (२) बिलाडीनो टोप
छाती स्त्री० छाती (२) दिल (३) हिंमत
छात्र पु० [स] विद्यार्थी; शिष्य
छात्रवृत्ति स्त्री० [स] शिष्यवृत्ति
छात्रालय, छात्रावास पु०[स] छात्रालय; होस्टेल [तेनु साधन
छादन पु० [स] छावु, ढाकवु ते के
छान स्त्री० छापरु (२) जुओ 'छाँद'
छानना स० क्रि० चाळवु (२) अलग करवु; छूटु पाडवु (३) तपासवु
छानबीन स्त्री० बरोबर तपास के विचार
छानवे वि० छन्नु; ९६
छाना स०क्रि० छावु (२) बिछाववु (३) अ०क्रि० प्रसरवु [छाप; असर
छाप स्त्री० छाप; चिह्न; मारको (२)
छापना स०क्रि० छापवु
छापा पु० छाप (२) छापु; बीबु (३) हाथनो थापो (४) छापो
छापाखाना पु० छापखानु; 'मतवा'
छायल पु० स्त्रीनु एक वस्त्र; छायल
छाया स्त्री०[स] छायो (२) पडछायो; प्रतिबिंब
छार पु० खार (२) छार; राख के धूळ **–खार करना**=खतम नष्टभ्रष्ट करवु
छाल स्त्री० झाडनी छाल(२)एक मीठाई
छालना स० क्रि० 'छानना'; चाळवु; साफ करवु
छाला पु० छाल (२) फोल्लो
छालिया पु० कासानु छालु;छालियु(२) जुओ 'छाली'
छाली स्त्री० सोपारी
छावनी स्त्री० छाज (२) छावणी
छावा पु०,[स. शावक] बच्चु (२) पुत्र
छि,छिः अ० छी एवो तिरस्कारनोउद्गार
छिकनी स्त्री० छीक लावे एवी एक वनस्पति
छिगुनी स्त्री० टचली आंगळी
छिछला वि० छीछरु [छिछोर(–रा)पन]
छिछोरा वि० छीछरु; पामर; क्षुद्र, [नाम
छिटकना अ०क्रि० चोतरफ वीखरवु (प्रेरक **छिटकाना**) [वाना प्रेरक)
छिड़कना स०क्रि० छाटवु (छिड़क-
छिड़काई स्त्री० छाटवु ते के तेनी मजूरी
छिड़काव पु० छटकाव
छिड़ना अ०क्रि० शरू थवु; छेडावु
छितराना अ०क्रि० वीखरवु; वेरावु(२) स०क्रि० वेरवु; विखेरवु
छिदना अ०क्रि०छेदावु;भोकावु(छिदाना प्रेरक) [जर्जर (३) छिद्राळु
छिदरा वि० वीखरायेलु; छूटु (२)
छिद्र पु० [स.] काणु (२) दोष
छिन पु० (प) क्षण; 'छन'
छिनक अ० (प) क्षण वार; जरा वार
छिनकना स०क्रि० नाक नसीकवु (२) भडकवु; छळवु
छिनना अ०क्रि० छिनावु; हरण थवु
छिनरा वि० पु० छिनाळवो; व्यभिचारी (स्त्री०, –री) ['छीनना'नु प्रेरक
छिनवाना, छिनाना स०क्रि० छिनवाववु;

छोटामोटा वि० सामान्य; साधारण
छोटी हाज़िरी स्त्री० सवारनो नास्तो
छोड़-चिट्ठी, छोड़-छुट्टी स्त्री० फारगती
छोड़ना स० क्रि० छोडवु **छोड़-छाड़कर** =छोडी करीने
छोड़वाना, छोड़ाना स० क्रि० छोडाववु
छोप पु० जाडो लेप के तेनो थर (२) बचाव; छुपाववु ते [छादी लेवु
छोपना स०क्रि० लेप करवो (२) लीपवु;
छोभ पु० (प.) क्षोभ (अ०क्रि० **–ना**)
छोर पु० सीमा; हद (२)धार; किनारो
छोरना स० क्रि० छोडवु (२) हरी लेवु
छोरा पु० छोरो; छोकरो (स्त्री० **–री**)
छोराछोरी स्त्री० खेंचाखेच
छोलदारी स्त्री० नानो तबू
छोलना स० क्रि०(प) छोलवु;'छीलना'
छोह पु० ममता; प्रेम (२) दया
छोहरा पु० 'छोरा'; छोरो; छोकरो (स्त्री० **–रिया, –री**)
छोही वि० स्नेही(२)स्त्री०साठानो कूचो
छौंक स्त्री० वघार. **–ना** स० क्रि० वघारवु
छौना पु० पशुनु बच्चु
छौलदारी स्त्री० जुओ 'छोलदारी'

ज

जंकशन पु० [इ] बे रेलवे मळतु स्टेशन
जंग स्त्री० [फा] जंग; युद्ध (२) पु० जुओ 'जंग'; काट
जंग पु० [फा] लोढानो काट
जंग-आवर वि० [फा] जुओ 'जंगजू'
जंगजू वि० [फा] लडायक; वीर
जंगम वि० [स] जंगम; चल
जंगल पु० वन; वेरान रण [रानी
जंगली वि० जंगलनु के त्या मळतु के थतु;
जंगला पु० [पो जेंगिला] जाळी
जंगार पु० [फा] जंगाल; तांबानो काट
जंगारी वि० जंगाली; जंगालना रंगनु
जंगी वि० फोजी; जंग – लडाईनु के तेने लगतु(२)मोटु ०**लाट** पु० सरसेनापति
जंगी पु० [फा] जंगबारनो वतनी; हबसी
जंघा स्त्री० [स] जांघ
जंचना अ० क्रि० 'जाचना'नु कर्मणि (२) ठीक लागवु; गमवु (३) मालूम पडवु; लागवु
जंचा वि० बरोबर तपासेलु (२) अचूक
जंजाल पु० जंजाळ;झंझट(२)जंजार तोप
जंजाली, – लिया वि० जंजाळी (२) झघडाळु
जंजीर स्त्री० [फा] जंजीर; साकळ के बेडी(२)कमाडनी साकळ ०**खाना** पु० केदखानु
जंट, ०मजिस्ट्रेट पु० [इ जॉइन्ट] जॉइंट मॅजिस्ट्रेट **–टी** स्त्री० ते पद
जंतर पु० यंत्र; ओजार (२) तावीज; मादळियु (३) वेधशाळा (४) वीणा
जंतर-मंतर पु० जादुमंत्र (२)वेधशाळा
जंतरी स्त्री० पंचांग(२)जुओ 'जंता'(३) पु० जादुगर [–यंत्र
जंता पु० जंतरडु; तार खेंचवानु ओजार
जंती स्त्री० नानु जंतरडु
जंतु पु० [स] जंतु; जीव; जीवडु
जंत्र पु० यंत्र (२) तावीज (३) ताळु
जंत्री पु०वीणा(२)स्त्री०पंचांग;'जंतरी'

जंद, ०अवेस्ता पु० इराननी प्राचीन भाषा के तेमा लखायेलो पारसी धर्मग्रंथ
जंदरा पु०'जाँता'; मोटी घटी (२) यत्र
जंबु(-बू) पु० [स] जांबु फळ के झाड
जंबुक पु० [स.] मोटु पारस जांबु (२) शियाळ
जंबूर पु० [फा] जंबूरो; एक नानी तोप (२) तोपनी गाडी
जंभ पु० [स] दाढ (२) जडबु (३) बगासु
जँभाई स्त्री० बगासु **-लेना='जँभाना'** अ० क्रि० बगासु खावु
जई स्त्री० जव जेवु एक अन्न (२) 'जवारा'
ज़ईफ़ वि० [अ] जईफ; वृद्ध (३) दुर्बळ **-उल्-बयान, ज़ईफुल बयान**=बयान करवामा दुर्बळ (वि० स्त्री० **-फ़ा**) (नाम, **-फ़ी** स्त्री०) [पराभव
ज़क स्त्री० [फा] हार (२) हानि (३)
जक स्त्री० जक; हठ (२) धून; लगनी (३) पु० यक्ष (४) कजूस
जकड़ स्त्री० जकड; पकड; सकजो
जकड़ना स० क्रि० जकडवु, बांधवु (२) अ० क्रि० अग अकडावु; जकडावु
ज़कात स्त्री० [अ] जकात; कर (२) आयातवेरो (३) दान; खेरात
ज़काती पु० जुओ 'जगाती' [पवि
ज़कावत स्त्री० [अ] बुद्धिमत्ता; ने
ज़की वि० [अ] बुद्धिमान; नेक; प[illegible]
ज़ख़म, ज़[illegible] [illegible]] पु० जखम; घ[illegible]
ज़ख़्म, -ख़्मी जुओ 'ज़ख़म, -मी'
जग पु० जगत; दुनिया
जगजगा वि० झगझगतु (**०ना** अ०क्रि०)
जगत स्त्री० कूवानो चोतरफनो परथाळ (२) पु० जगत; दुनिया
जगतसेठ पु० बहु धनवान माणस
जगती स्त्री० [स] पृथ्वी; दुनिया
जगदीश पु० [स] परमेश्वर
जगना अ० क्रि० जागवु (२) झगवु
जगमग, -गा वि० झगमगतु
जगमगना अ० क्रि० जगमगवु
जगमगाहट स्त्री० झगमगाट
जगह स्त्री० जगा (२) मोको; अवसर
जगात पु० जकात
जगाती पु० जकातदार के तेनु काम
जगाना अ० क्रि० जगाडवु
जघन पु० [स] पेढु (२) थापो; कूलो
जघन्य वि० [स] छेल्लु (२) नीच; हलकु (३) निंद्य
ज़चगी स्त्री० [फा] प्रसूति; सुवावड
जचना अ० क्रि० जुओ 'जँचना'
ज़च्चा स्त्री० [फा] प्रसूता स्त्री
ज़च्चाख़ाना पु० [फा.] प्रसूतिगृह
[illegible] पु० [इ] [illegible] धीश
[illegible] पु० [illegible] [परिणाम
[illegible] स्त्री० [[illegible] (२) फळ;
[illegible] पु० [अ[illegible] -वेरो
[illegible] ० [illegible] या

जटना स० क्रि० ठगी लेवु
जटल स्त्री० गप; वकवाद
जटा स्त्री० [स.] वाळनी जटा
जटित वि० [स] जडित, जडेलु
जटिल वि० [स] जटावाळु (२) गूचायेलु; अटपटु [वृद्ध (३) कठण
जठर पु० [स] पेट; होजरी (२) वि०
जठराग्नि स्त्री० [स] जठरनो अग्नि
जड़ वि० [स] निर्जीव; अचेतन (२) मूर्ख (३) मूगु के वहेरु
जड़ स्त्री० मूळ; मूळियु (२) पायो **–जमना,–पकड़ना**='जमना'; दृढ थवु
जडना स०क्रि० जडवु; बेसाडवु (२) मारवु; ठोकवु (३) चाडी खावी; कही देवु
जड़हन पु० डागर
जड़ावर पु० [हिं जाडा] गरम कपडा
जड़िया पु० जडवानु काम करनार
जड़ी, ०बूटी स्त्री० जडीबूटी; वनस्पति औषधि
जत अ० (प) जेटलु
जतन पु० यत्न; प्रयत्न **–नी** वि० जतन करनारु (२) चतुर
जतलाना, जताना स० क्रि० जणाववु (२) अगाउथी सूचववु .
जति, –ती पु० यति; सन्यासी
जत्था पु० जथो, समूह (२) मडळी; जूथ
जत्था(–त्थे)दार पु० जथानो नायक
जत्थाबदी स्त्री०दलवधी; जूथ बाधवु ते
जथा अ० (प) यथा; जेम (२) स्त्री० धन; पूजी (३) पु० जथो; 'जत्था'
जद अ० (प) यदि; जो (२) ज्यारे;यदा
जदपि अ० यद्यपि, जोके [चोटनु लक्ष्य
ज़द स्त्री० [फा.] चोट;मार(२) हानि(३)
जदल पु० [अ] जग; युद्ध [भाग बनेलु
ज़दा वि० [फा] 'ज़द'–हानि के चोटनु
जदीद वि० [अ] नवु; नवीन
जदुनाथ, जदुपति, जदुराई पुं० श्रीकृष्ण
जद्द स्त्री० [अ] प्रयत्न; कोशिश (२) पु० दादा (३) वि० ज्यादा; वधु (प.)
जद्दपि अ० (प) यद्यपि; जोके
जद्दबद्द पु०खराब–न कहेवा जेवी वात
जद्दी वि० [अ] बापदादानु
जद्दोजेहद स्त्री० [अ] दोडधाम; प्रयत्न
जन पु० [स] माणस (२)लोक(३)सेवक
जनक पु०[स]पिता(२)वि०पेदा करनार
ज़न स्त्री० [फा] स्त्री (२) पत्नी. **०मुरीद** वि० पत्नीवश
ज़नखा वि० [फा] नपुसक
जनता स्त्री० [स] जनसमाज; लोक
जनन पु० [स] उत्पत्ति
जनना स० क्रि० जणवु (२) पेदा करवु
जननी स्त्री० [स] माता
जनम पु० जन्म (२) जिंदगी
जनमना अ० क्रि० जनमवु; पेदा थवु
जनमघूंटी स्त्री० गळथूथी
ज़न-मुरीद वि० [फा] पत्नीवश
जनरल पु० [इ] सेनापति (२) वि० आम; साधारण
जनरव पु० [स] जनवाद; अफवा (२) लोकनिंदा; लोकापवाद
जनवरी स्त्री० जान्युआरी मास
जनवाई स्त्री० जुओ 'जनाई'
जनवाना स० क्रि० 'जनना' (जणवु) नु, 'जानना' (जाणवु)नु प्रेरक
जनवास(–सा) पु० जानीवासो
जनश्रुति स्त्री०[स]अफवा; लोकवायका
जनसख्या स्त्री० [स] वस्ती

जब्रन् अ० [अ] जुओ 'जबरन्'
जब्र व मुक़ाबला पु० [अ.] बीजगणित
जमघट पु० जमाव; भीड [कूवो
ज़मज़म पु० [अ.] कावा पासेनो पवित्र
ज़मज़मी स्त्री०[अ] 'ज़मज़म' कूवाना पवित्र जळनु पात्र [थवु
जमना अ०क्रि० जामवु; ठरवु; एकत्र
जमवट स्त्री० कूवानु चक्कर
जमहूर पु० [अ] जनसमूह;प्रजा(२)राष्ट्र
जमहूरियत स्त्री० [अ.] लोकशाही
जमहूरी वि० [अ.] प्रजाकीय; राष्ट्रीय. **–सल्तनत**=प्रजातन्त्र
जमा वि०[अ] जमा; एकठु, जमा करेलु (२) स्त्री० पूजी; धन (३) महेसूल (४) सरवाळो (५) (व्या.) बहुवचन (६) समूहवाचक नाम
जमा-खर्च पु० आवक ने खर्च
जमाअत स्त्री० [अ] जुओ 'जमात'. **–ती** वि० सामुदायिक
जमाई पु० जमाई; 'दामाद' (२) स्त्री० जमाववु ते के तेनी मजूरी
जमा(०अ)त स्त्री० जमात, झुड; समूह (२) श्रेणी; दरज्जो
जमाद पु०[अ.जिमाद]पथ्थर जेवा पदार्थ (२) वरसाद वगरनो देश (३) कजूस
जमादात स्त्री० [अ.] पथ्थर माटी वगेरे पदार्थ
जमादार पु०[फा] जमादार; सिपाईनी टुकडीनो वडो; नायक
ज़मानत स्त्री०[अ.] जमानो;जामिनगीरी
ज़मानतन् अ० [अ] जामिनरूपे
ज़माना पु० [अ.] समय (२) लाबो समय; जमानो
जमाना स० क्रि० जमाववु
ज़मानासाज़ वि० [अ+फा] जमानो जोई वर्तनार; कार्यदक्ष
जमाबंदी स्त्री० [फा] जमाबदी के ते अगेनु तलाटीनु पत्रक
जमामार वि० बीजानु धन दबावी पाडनार के लई लेनार
जमाल पु० [अ] सुन्दरता (वि०**–ली**)
जमालगोटा पु० नेपाळो
जमाव, ०ड़ा पु०, **०ट** स्त्री० जमाव;भीड
ज़मीकंद पु० सूरण [**–री** स्त्री०)
ज़मींदार पु० [फा.] जमीनदार (नाम,
ज़मींदोज़ वि० [फा.] जमीनदोस्त
ज़मीन स्त्री० [फा.] जमीन; भूमि (२) पृथ्वी (वि०**–नी**) **–आसमानके कुलावे मिलाना**=खूब शेखी मारवी **–का पैबंद होना**=माटीमा मळवु; मरी जवु **–चूमने लगना**=गबडीने जमीन पर पडी जवु;नीचु पडवु **–देखना**=पडवु; गबडी जवु **–पकड़ना**=(कुस्तीमा)जमीन साथे वळगी रहेवु (२)निराते बेसवु **–बांधना** =भूमिका तैयार करवी **–से पीठ न लगना**=चेन न पडवु
ज़मीमा पु०[अ.]परिशिष्ट;जुओ'क्रोडपत्र'
ज़मीर पु०[अ]मन(२)विवेक(३)सर्वनाम
जमील वि० [अ] सुदर; 'जमाली' (वि०स्त्री० **–ला**)
ज़मुर्रद पु० [फा] 'पन्ना'–हीरो; पन्नु. **–दी, –दीन** वि० (२) पु० पन्नानो रग के ते रगनु, लीलु
जमुहाना अ०क्रि०बगासु खावु; 'जँभाना'
जमैयत स्त्री०[अ.] जमात; समूह (२) साप, शाति (३) फोज
जमैयतुल उलेमा स्त्री० [अ] उलेमा–मौलवीओनु मडळ

जनाई स्त्री० दाई के तेनी मजूरी
जनाज़ा पु० [अ] शव (२) जनाजो; (मुसलमान)मडदु लई जवानी खाटली
ज़नानख़ाना पु० [फा] जनानो; अत पुर
जनाना स० क्रि० जुओ 'जनवाना'
ज़नाना वि० [फा.] स्त्रीओनु (२) नपुसक (३) निर्बळ (४) पु० बायलो; हीजडो (५) जनानो; जनानखानु
जनाब पु० [अ] श्रीयुत; महेरबान; महाशय (आदरसूचक पूर्वग) ०आली पु० [अ] जनाबे आली -बा स्त्री० श्रीमती
जनाबे मन=मान्य महोदय; जनाबे आली
जनाव पु० जणाववु ते; सूचना
जनि अ० (प) ना; नही; मत
जनु अ०(प)यथा; जेम (२)जाणो;मानो
जनून पु० [अ]झनून; उन्माद -नी वि०
जनूब स्त्री०[फा]दक्षिण दिशा -बी वि०
जनेऊ(-व) पु० जनोई
जनेत स्त्री० (प) जान; 'बरात'
जनेव पु० जुओ 'जनेऊ'
ज़न्न पु० [अ] ख्याल; विचार; (२) भ्रम
जन्नत स्त्री० [अ.] स्वर्ग -(-ते) अदन पु० स्वर्गनो बाग जेमा मनुष्य प्रथम हतो मनाय छे. -ती वि० स्वर्गवासी (२) ओलियु, भोळु; भलु
जन्म पु० [स] जनम (२) जनमारो. ०कुडली स्त्री० जन्माक्षर
जन्मना अ० क्रि० जनमवु
जन्मांतर पु० [स] बीजो जन्म; पुनर्जन्म
जन्माष्टमी स्त्री० [स] गोकळआठम
जन्य वि० [स] जन सबधी (२) देश के जाति सबधी (३) पेदा थयेलु
जप पु० [स] जप; मत्रनु रटण. ०तप पु० पूजापाठ; व्रत उपवासादि
जपना स० क्रि० जपवु (२) यज्ञ करवो
जपनी स्त्री० माळा (२) गोमुखी
ज़फ़र पु० [अ] जीत (२) लाभ
जफ़ा स्त्री० [फा] सखताई(२)जुलम(३) कष्ट. ०कश वि० सहनशील [अवाज
ज़फ़ीर(-ल) स्त्री० [अ] सीटी के तेनो
जब अ० ज्यारे. -कभी=चाहे त्यारे. -कि=ज्यारे. -तब=क्यारेक क्यारेक
जबड़ा पु०जडबु ०तोड़ वि०जडबातोड
ज़बर वि० [अ] 'जबरा'; जबरु (२) मजबूत (नाम -ई स्त्री०) [बळवान
ज़बरदस्त वि०[फा.] जबरजस्त;मजबूत;
ज़बरदस्ती स्त्री० [फा] जोरजुलम; अत्याचार; बलात्कार (२) अ० बळजोरीथी
जबरन् अ० [फा] बळपूर्वक
जबरा वि० जबरु (२) पु० जिन्ना पशु
जबल पु० [अ] पहाड
ज़बह पु० [अ] झबे; कतल; वध
जबहा पु० साहस; हिंमत
ज़बान स्त्री० [फा] जीभ (२) भाषा
ज़बान-ज़द वि० [फा] सौनी जीभे होय तेवु; प्रसिद्ध
ज़बान-दराज़ वि०[फा.] लाबी जीभनु गमे तेम - अनुचित बकनार
ज़बान-दाँ वि० [फा] भाषानो पडित. -दानी स्त्री० [साक्षी
ज़बानबदी स्त्री०[फा.] मौन (२) लखेली
ज़बानी वि०[फा] मौखिक(२)मोढामोढ
ज़बून वि० [फा] बूरु; खराब, अपशुकनियाळ [ज़ब्ती स्त्री०)
ज़ब्त पु०[अ] जप्त करेलु ते. (नाम
जब्बार वि० [फा] 'जब्र' करनार
जब्र पु०[अ] जबरदस्ती; सखती; जुलम

जब्रन् अ० [अ] जुओ 'जबरन्'
जब्र व मुक़ाबला पु० [अ.] बीजगणित
जमघट पु० जमाव; भीड   [कूवो
जमज़म पु० [अ.] काबा पासेनो पवित्र
ज़मज़मी स्त्री०[अ.] 'ज़मज़म' कूवाना पवित्र जळनु पात्र   [थवु
जमना अ०क्रि० जामवु; ठरवु; एकत्र
जमवट स्त्री० कूवानु चक्कर
जमहूर पु० [अ] जनसमूह;प्रजा(२)राष्ट्र
जमहूरियत स्त्री० [अ.] लोकशाही
जमहूरी वि० [अ.] प्रजाकीय; राष्ट्रीय **–सल्तनत**=प्रजातन्त्र
जमा वि०[अ] जमा; एकठु, जमा करेलु (२) स्त्री० पूजी; धन (३) महेसूल (४) सरवाळो (५) (व्या.) बहुवचन (६) समूहवाचक नाम
जमा-ख़र्च पु० आवक ने खर्च
जमाअत स्त्री० [अ] जुओ 'जमात'. **–ती** वि० सामुदायिक
जमाई पु० जमाई; 'दामाद' (२) स्त्री० जमाववु ते के तेनी मजूरी
जमा(०अ)त स्त्री० जमात; झुड; समूह (२) श्रेणी; दरज्जो
जमाद पु०[अ.जिमाद]पथ्थर जेवा पदार्थ (२) वरसाद वगरनो देश (३) कजूस
जमादात स्त्री० [अ.] पथ्थर माटी वगेरे पदार्थ
जमादार पु०[फा] जमादार; सिपाईनी टुकडीनो वडो; नायक
ज़मानत स्त्री०[अ.] जमानो;जामिनगीरी
ज़मानतन् अ० [अ.] जामिनरूपे
ज़माना पु० [अ.] समय (२) लांबो समय; जमानो
जमाना स० क्रि० जमाववु
ज़मानासाज़ वि० [अ+फा] जमानो जोई वर्तनार; कार्यदक्ष
जमाबंदी स्त्री० [फा] जमाबदी के ते अगेनु तलाटीनु पत्रक
जमामार वि० बीजानु धन दबावी पाडनार के लई लेनार
जमाल पु० [अ] सुन्दरता (वि०–ली)
जमालगोटा पु० नेपाळो
जमाव, **०ड़ा** पु०, **०ट** स्त्री० जमाव;भीड
ज़मींकंद पु० सूरण   [–री स्त्री०)
ज़मींदार पु० [फा.] जमीनदार (नाम,
ज़मींदोज़ वि० [फा] जमीनदोस्त
ज़मीन स्त्री० [फा] जमीन; भूमि (२) पृथ्वी (वि०–नी) **–आसमानके कुलावे मिलाना**=खूब शेखी मारवी **–का पैबंद होना**=माटीमा मळवु; मरी जवु. **–चूमने लगना**=गबडीने जमीन पर पडी जवु;नीचु पडवु **–देखना**=पडवु; गबडी जवु **–पकड़ना**=(कुस्तीमा)जमीन साथे वळगी रहेवु (२)निराते बेसवु **–बांधना** =भूमिका तैयार करवी **–से पीठ न लगना**=चेन न पडवु
ज़मीमा पु०[अ.]परिशिष्ट;जुओ'क्रोडपत्र'
ज़मीर पु०[अ]मन(२)विवेक(३)सर्वनाम
जमील वि० [अ] सुदर; 'जमाली' (वि०स्त्री०–ला)
ज़मुर्रद पु० [फा] 'पन्ना'–हीरो; पन्नु. **–दी,** **–दीन** वि० (२) पु० पन्नानो रग के ते रगनु; लीलु
जमुहाना अ०क्रि०बगासु खावु; 'जँभाना'
जमैयत स्त्री०[अ.] जमात, समूह (२) संपत; शांति (३) फोज
जमैयतुल उलेमा स्त्री० [अ.] उलेमा–मौलवीओनु मडळ

जमोगना स०क्रि० हिसाब तपासवा (२) समर्थनमा बीजाने साक्षी आपवो (३) देवाना जामिन आपवा
जम्म वि० [अ] खूब (२) बधु
जम्हाई स्त्री० बगासु
जम्हाना अ०क्रि० जुओ 'जमुहाना'
जयंती स्त्री० (महापुरुषनी) जन्मतिथि (२) धजा
जय स्त्री० [स.] जीत, फतेह
जर पु० जरा; घडपण (२) विनाश (३) (प) जळ; पाणी (४) ज्वर; ताव (५) स्त्री० 'जड'; मूळ
ज़र पु० [फा] जर; पैसो (२) सोनु
ज़रकस(-सी) वि० सोनाना तारकसबवाळु; कसबी
ज़र-ख़रीद वि० [फा] (पैसा आपीने) [खरीदेलु
ज़रख़ेज वि० [फा] फळद्रुप; जरखोज. (नाम –ज़ी स्त्री०)
ज़रगर पु० [फा] सोनी
जरगा पु० [तु जर्ग] जिर्गा; 'जिरगा'
जरठ वि०[स] वृद्ध; घरडु (२) कठोर; कर्कश
ज़रतार पु० सोना चादीना तार; कसव [(२) वि० कसबी
ज़रतु(–दु)श्त पु० जरथुष्ट्र (वि०–ती)
ज़रद वि० जुओ 'ज़र्द' [पीळो घोडो
ज़रदा पु० [फा] खावानी तमाकु (२)
ज़रदार वि० [फा] पैसादार; धनिक
ज़रदालू पु०[फा]जरदाळु;एक सूको मेवो
ज़रदी स्त्री० जुओ 'ज़र्दी' (२) ईंडा अदरनो पीळो रस
ज़रदुश्त पु० जुओ 'ज़रतुश्त'
जरन(–नी) स्त्री० (प) 'जलन'; दाह
जरना अ०क्रि० जळवु; बळवु
ज़रपरस्त वि० [फा] लोभी; कजूस
ज़रब स्त्री० [अ] आघात; चोट (२) गुणाकार (३) तबला पर थाप
ज़रबख़ाना पु० [फा.] टंकशाळ
ज़रबफ़्त पु०[फा] कसबी रेशमी कपडु
ज़रबाफ़ पु० जरदोज; तारकसबवाळो
ज़रबीला वि० भभकदार; सुदर
ज़रबुल-मसल स्त्री० [अ] कहेवत
जरमन सिलवर पु० जर्मन सिल्वर धातु
ज़रर पु० [अ] हानि (२) आघात
जरस पु० [अ] घट
ज़रा वि०[अ] जरा; थोडु –सा=जराक
जरा स्त्री० [स] घडपण
ज़राअत स्त्री०[अ] खेती के तेनी पेदाश
ज़राफत स्त्री०[अ]मजाक(२)बुद्धिमत्ता
ज़राफ़तन् अ० [अ] मजाकमा
ज़राफ़ा पु० [अ.] जिराफ; 'ज़िराफा'
जरायम पु० [अ.'जुर्म'नु ब०व०] अनेकविध गुना
जरायु पु० [स] गर्भनी ओर. ०ज वि० ओर साथे जन्मतु (प्राणी)
ज़रिया पु० [अ] कारण; सबब (२) सबध; लाग (३) उपाय; मदद
ज़री स्त्री० जरी–कसब (२) वि० जरीन; कसबी [माणस
ज़रीफ़ [अ]जरीफ–मजाकी के समजदार
जरीब स्त्री० [फा] जमीन मापवानी साकळ
ज़रूर वि०[अ जुरूर] जरूरी; आवश्यक (२) अ० जरूर (नाम, ०त स्त्री०)
ज़रूरी वि० जरूरनु, आवश्यक
ज़र्क वर्क़ वि० [फा] झलकदार
जर्जर,–रित वि० [स] जरी गयेल; जीर्ण
ज़र्द वि० [फा] 'जरद'; पीळु ०चोब स्त्री० हळदर. (–र्दी स्त्री०)

ज़र्दालू पु० जुओ 'ज़रदालू'
ज़र्फ़ पु० [अ.] वासण (२) पात्रता; बुद्धिमत्ता; समज (३) काल ने स्थान वाचक क्रियाविशेषण
ज़र्फ़ीयत स्त्री०[फा] पात्रता; योग्यता
ज़र्ब स्त्री० जुओ 'ज़रब'
ज़र्ब-उल्-मसल स्त्री०[अ] कहेवत (२) वि० जाणीतु; सर्वविदित
ज़र्रा पु० [अ.] अणु; कण
जर्रार वि०[अ.] बहादुर (२) विशाळ सेना (नाम –री स्त्री०)
जर्राह पु० [अ] सरजन; शस्त्रवैद
जर्राही स्त्री० [अ] शस्त्रवैदु
जलंधर पु० जळधर रोग
जल पु० [स] पाणी
ज़लक स्त्री० [अ ज़ल्क] हस्तमैथुन
जल-खावा पु० 'जलपान'; नास्तो
जलचर पु०[स] जळचर प्राणी. –री स्त्री० माछली [मोती, शख, छीप इ०
जलज पु०[स] कमळ (२) माछली (३)
ज़लज़ला पु० [फा] धरतीकप
जलडमरूमध्य पु० [स] सामुद्रधुनी
जलद, जलधर पु० [स] वादळ; मेघ
जलधि पु० [स] समुद्र
जलन स्त्री० दाह;ज्वलन(२)ईर्षा;दाझ
जलना अ०क्रि०जळवु; बळवु.जला-बला, जला-भुना=बहु गुस्सामा आवेलु. जले पांवकी बिल्ली=अही तही फर्या करती –अस्थिर स्त्री. जले फफोले फोड़ना =दाझ काढवा वळी वधारे सतावबु
जलपान पु० [स] नास्तो
जलप्रपा पु० [स] परव; 'प्याऊ'
जलप्रपात पु० [स] धोध
जलयान पु० [स] वहाण; जहाज
जलवा पु० जुओ 'जल्वा'
जलसा पु० [अ] (गायन वादननो) जलसो (२) अधिवेशन; बेठक; समारभ
जलहरी स्त्री०जळाधारीके लिंगनी बेठक
जलाना स०क्रि० जाळवु; बाळवु
जलापा पु० बळापो; दाझ (ईर्षानी)
जलाल पु०[अ.] तेज (२) प्रभाव. –ली वि० तेजस्वी (२) पु० एक फकीर सप्रदाय
जलालुका स्त्री० [स] जळो
जलाव पु० खमीर;आथो के ते चडवो ते
जलावतन वि०[अ] निर्वासित; देशपार थयेलु (नाम, –नी स्त्री०)
जलावन पु० बळतण; ईंधण [वगेरे
जलाशय पु० [स.] जळाशय–नदी, तळाव
जलाहल वि० जळमय; जळबबाकार
जली वि०[अ] चोख्खा मोटा (अक्षर)
जली-कटी, जली-भुनी (बात)=द्वेष के क्रोधादिथी कहेली वात
ज़लील वि०[अ] तुच्छ (२) अपमानित
जलूस पु० जुओ 'जुलूस'
जलेबी स्त्री० जलेबी मीठाई
जलोदर पु० [स] जळधर रोग
जलौका स्त्री० [स] जलालुका; 'जळो'
जल्द अ० [अ] (नाम, -ल्दी स्त्री०) जलदी; झटपट ०बाज़ वि० [फा] काममा जलदी करनार
जल्प,०न पु०[स] लवारो; बकवाद; डिंग
जल्पना स०क्रि०लवारो, बकवाद करवो
जल्लाद पु०[अ] फासियो; घातक (२) क्रूर घातकी माणस
जल्वा पु०[अ.] शोभा; वैभव; 'जलवा'
जव पु० जव; 'जौ' (२) [स] गति; वेग
जवनिका स्त्री० पडदो

जवाँमर्द वि० [फा] बहादुर; जवरु; मरद. (नाम, -र्दी स्त्री०)
जवान वि०[फा.] जुवान (२) बहादुर (३) पु० युवक (४) योद्धो; सिपाई. (नाम, -नी स्त्री०)
जवाब पु०[अ] जवाव; उत्तर; सामेथी प्रतिक्रिया (२) जोड; मुकाबलानी वस्तु (३) नोकरी छूटवानी आज्ञा **-तलब करना** = वातनु कारण पूछवु; जवाब मागवो
जवाब-तलब वि० [फा.] जेनो जवाब लेवानो होय ते (नाम, -बी स्त्री०)
जवाब-दावा पु० [अ] प्रतिवादीनी केफियत [जवाबदार
जवाब-देह वि०[फा](नाम,-ही स्त्री०)
जवाबी वि०[फा] जवाव सबधी (जेम के, कार्ड, तार इ०)
जवार पु०[अ.]आसपासनी जगा; पडोस (२) स्त्री० जुवार (३) झझट; जजाळ
जवारा पु० (जवना) जवारा
ज़वाल पु० [अ] अवनति (२) आफत
जवास,-सा पु० जवासो-एक औपधि
जवाह(-हि)र पु०[अ.] झवेर; रत्न
जवाहरात पु० [अ] झवेरात
जशन, जश्न पु०[फा] उत्सव; जलसो (२) हर्ष
जस पु० जश; कीर्ति (२) अ० (प) 'जैसा'; जेवु [जाडाई
जसामत स्त्री०[अ] शरीरनी स्थूलता,
जसीम वि० [अ] जाडु; स्थूल
जस्त स्त्री० [फा] कूदको; छलग
जस्ता पु० जसत. -स्तई वि० जसतना रगनु [त्या; अनेक जगाए
जहँ अ० 'जहाँ'; ज्या (प) -तहँ=ज्यां
जहँड़(-ड़ा)ना अ०क्रि० खोटमा पडवु (२) फसावु; छेतरावु
जहद स्त्री० [अ] कोशिश [(२) थाकवु
जहदना अ०क्रि० 'जहदा'-कीचड थवो
जहदा पु० खूब कादवकीचड
जहन पु० जुओ 'ज़िहन'
जहन्न(-न्नु)म पु०[अ]जहन्नम;नरक. **०रसीद** वि० नरके गयेलु -मी वि० नरके जनारु
ज़हमत स्त्री० [अ] जहेमत; मुसीवत
जहर स्त्री० [फा.] झेर (वि० ०दार, -री,-रीला)
जहल पु० [अ.] अज्ञान; नादान
जहाँ अ० ज्या (२) पु० [फा] 'जहान'नु समासनु रूप. -तहाँ=ज्या त्या; अनेक जगाए -का तहाँ=ज्यानु त्या;तेने स्थाने
जहाँ-दीदा पु०[फा]भारे अनुभवी माणस
जहाँपनाह पु०[फा] बादशाह; सम्राट
जहाज़ पु०[अ] जहाज; वहाण. **-का कौआ**=जुओ 'जहाज़ी कौआ'
जहाज़ी वि० वहाण अगेनु (२) पु० खलासी **-कौआ**=एक ज जगाए-ठेरनो ठेर रहेतो माणस (२) भारे पाको पहोचेल माणस -डाकू=चाचियो
जहान पु० [फा] ससार; जगत
ज़हानत स्त्री० वुद्धिमत्ता; समजशक्ति
जहालत स्त्री०[अ] अज्ञानता; नादानी
जहिआ,-या अ० (प.) ज्यारे; 'जब'
जहीं अ० (प) ज्या; जही
ज़हीन वि० [अ.] वुद्धिमान
ज़हीर वि०[अ] सहायक (२) कमजोर
ज़हूर पु० [अ] जाहेरात; प्रकाश
जहेज़ पु०[अ.] वरने विवाहमा अपातु धन ०; देज

जह्ल पु० [फा.] 'जहर'; झेर –(-ह्ले) कातिल=हळाहळ विष [खूब यातना
जाँ-कनी स्त्री०[फा] मरणकाळनी पीडा;
जाँग,–घ स्त्री० जाघ; साथळ
जाँगडा,–रा पु० भाट; चारण
जाँगर पु० शरीर (२) हाथपगनु जोर. ०चोर=आळसु; हाडकानु हराम
जाँगरा पु० जुओ 'जाँगडा'
जाँगलू वि० जगली; गमार
जाँघ स्त्री० जुओ 'जाँग'
जाँघिया पु० पहेरवानो जाघियो (२) मलखमनी एक कसरत
जाँच स्त्री० तपास
जाँचना स०क्रि० तपासवु (२) जाचवु
जाँत(–ता) पु० दळवानो मोटो घटो
जाँब पु० (प) जाबु फळ
जाबव पु० [स] जाबु (२) सोनु
जाँ-फिशानी स्त्री० [फा] खूब महेनत
जा वि० [फा] वाजबी; उचित (२) स्त्री० जगा
जा स० (प.) जे; 'यह'
जाई स्त्री० दीकरी (२) जाई वेल
जाकड़ पु० जागड दीवेलो माल
जाकि(–के)ट स्त्री० [इ] जाकीट
जाग पु०[फा] कागडो [(३)जगा;स्थान
जाग पु०याग;यज्ञ(२)स्त्री०(प)जागवु ते
जागना अ०क्रि० जागवु; ऊठवु (२) सावध थवु; चेतवु [उजागरो
जागरण पु० जागवु ते; जागृति (२)
जागरित वि०[स] जाग्रत (२) जागरण
जागरूक वि० [स.] जागतु; सचेत
जागीर स्त्री०[फा] बक्षिस के इनाममां मळेली जमीन ०दार पु०जागीरवाळो ०दारी, जागीरी स्त्री० अमीरी

जागृति स्त्री० [स] जागवु त
जाग्रत् वि०[स] जागतु (२) सावधान
जाचक पु० याचक; मागनार(२)मागण
जाचना स०क्रि० याचवु; मागवु
जाज(–जिन) स्त्री०[तु.]जाजम–बिछानु
जाजरूर पु० [फा.] जाजरू
जाज़िब पु० [अ.] शाहीचूस (२) वि० आकर्षक
जाजिम स्त्री० जुओ 'जाजम'
जाज्वल्य,०मान वि० [स] प्रकाशतु; तेजस्वी [तळावनो वच्चेनो स्तभ
जाठ पु० कोलुनो वचलो लठ्ठो (२)
जाड़ा पु० शियाळो (२) ठडी
जाड्य पु० [स] जडता (२) मूर्खता
जात स्त्री० जाति; नात (२) वि० [स] जन्मेलु
ज़ात स्त्री० [अ] जात; देह
जातपाँत स्त्री० नातजात; ज्ञाति; वर्ग
जाति स्त्री०[स] जात; कुल; वश (२) वर्ण;नात (३) राष्ट्र (४) जात,प्रकार. ०पाँति स्त्री० 'जातपाँत'; नातजात ०वैर पु० सहज वेर
ज़ाती वि० वैयक्तिक (२) पोतानु
जात्रा स्त्री० यात्रा –त्री पु० यात्री
ज़ाद-राह पु० [अ] रस्तानो खर्च
जादू पु० [फा] जादु; चमत्कार (२) जतरमतर (३) नजरबदी (४) मोहिनी; आकर्षण –डालना,मारना=जादु करवो
जादूगर पु०[फा] जादु करनार (नाम, –री स्त्री०)
जान स्त्री० जाण; खबर(२)[फा]प्राण; जान (३) बळ(४)सार.–आना=जीवमा जीव आववो –के लाले पड़ना=आवी बनवु –पड़ना=शक्ति आववी(२)खबर

पडवी **–पर खेलना**=जाननी परवा न करवी. **–से गुजर जाना, –से जाना**= मरवु

जानकार वि० जाणकार (२) तज्ज्ञ

जानकारी स्त्री० जाण (२) निपुणता

जान-जोखिम, जान-जोखों स्त्री० जाननु जोखम [जानकीजीवन

जानकी-जान (–नि) पु० रामचद्र;

ज़ान-जाँ, जाने-जाँ वि०अति प्रिय; जान जेवु वहालु

जानदार वि० जानवाळु; जीवत (२) हिंमतवाळु (३) पु० जीव; प्राणी

जानना स० क्रि० जाणवु **–बूझना**= जाणवु; समजवु

जान-निसार वि० [फा.] जान दे एवु; वफादार. **–री** स्त्री०

जान-पहचान स्त्री०जानपिछान;परिचय

जान-फिशानी स्त्री०[फा] तनतोड श्रम

जानबख्शी स्त्री०[फा] प्राणदान; क्षमा

जान-बाज़ वि० [फा] बहादुर; वीर. **–ज़ी** स्त्री० वीरता; साहस

जान-बीमा पु० जिंदगीनो वीमो

जान(-ने)मन वि० जुओ 'जानजाँ'

जा-नमाज़ स्त्री०[फा] नमाजनु आसन; मुसल्लो

जान-लेवा वि०जान ले एवु; जानी दुश्मन

जानवर पु०[फा] प्राणी; पशु (२) मूर्ख

जा-नशीन वि० [फा] वारस [जणवु

जाना अ०क्रि० जवु (२) स०क्रि० (प.)

जानिव स्त्री०[अ] तरफ; वाजु; दिशा. ०दार वि०[फा] पक्षपाती; तरफदार. ०दारी स्त्री० [फा] पक्षपात

जानी वि०[फा] जान जोडे सबधवाळु (२) प्राणप्रिय

जानु पु० [स] घूटण (२) जाघ

ज़ानू पु० [फा.] जुओ 'जानु'

जाने-अनजाने = जाण्ये अजाण्ये

जाने-जाँ, जाने-मन वि० जुओ 'जानजाँ', 'जानमन'

जापा पु० जुओ 'सौरी'

जाफ पु० थाक (२) मूर्छा; वेहोशी

जाफत स्त्री० जाफत; मिजबानी; 'ज़ियाफत'

ज़ाफ़रान पु० स्त्री० [अ] केसर

जा-ब-जा अ० [फा] ठेर ठेर

जाबिर वि०[फा] अत्याचारी; जालिम

जा-बेजा अ० [फा] टाणेकटाणे

ज़ाब्ता पु० [अ] कायदो; नियम (२) जाप्तो; बदोबस्त **–दीवानी** पु० दीवानी कायदो **–फौजदारी** पु० फोजदारी कायदो ['जामुन' (३)[फा] प्यालो

जाम पु० याम; पहोर (२) जाबु;

जामगी(–गिरी) पु०; स्त्री० [फा.] जामगरी

जामदानी स्त्री०[फा.] जामा–कपडानी (चामडानी) पेटी (२) एक जातनु वारीक कापड [जुओ 'जामुन'

जामन पु० दही माटेनु मेळवण (२)

जामा पु०[फा.] जामो (२) वि०[अ] कुल; सव. **जामेसे बाहर होना**=खूब गुस्से थवु

जामा-मसजिद स्त्री० जुमामस्जिद

जामाता,–तु (प) पु० [स] जमाई

ज़ामिन,०दार पु०[अ] जामीन; बीजानी जोखमदारी पोता उपर कबूलनार; जवावदार. (नाम, **–नी** स्त्री० जामिनगीरी)

जामुन पु० जाबु के जावुडो

जामुनी वि० जाबुडिया रगनु
जामे-जम, जामे-जमशेद पु० [फा.] ईरानेना बादशाह जमशेदनो जादुई प्यालो ['जा'; जगा
जाय अ० वृथा (२) स्त्री० [फा]
जायक़ा पु०[अ] जायको; खावापीवानो स्वाद के लहेजत (वि०,–**केदार**)
जायचा पु० [फा] जन्मोत्री
जायज़ वि० [अ] उचित
जाय-ज़रूर पु०[फा.] 'जा-ज़रूर';जाजरू
जायज़ा पु० [अ] तपास (२) इनाम
जायद वि०[अ] वधारेपडतु; नकामु; फालतु
जायदाद स्त्री० [फा] माल-मिलकत. ०**आबाई** स्त्री० पितृकी जायदाद ०**ग़ैरमनक़ूला** स्त्री० स्थावर मिलकत. ०**मकफूला** स्त्री० गीरो मूकेली मिलकत. ०**मनकूला** स्त्री० जगम मिलकत
जाय-नमाज़ स्त्री० [फा] मुसल्लो; नमाजनी चटाई
जायफल पु० जायफळ – एक औषधि
जायज वि० [फा] पडती थतु; नाश पामतु; पायमाल
जाया स्त्री० [स.] पत्नी, स्त्री
जाया वि० [फा] बरबाद; नष्ट
जार पु० [स.] यार; व्यभिचारी
ज़ार पु० [इ] रशियानो झार (२) [फा] 'जा';जगा;स्थान (३) वि० रोतु; दुखी (४) अ० खूब. –**व कतार**=सतत
जारी स्त्री० जारकर्म; यारी (२) वि० [अ] चालु; वहेतु
ज़ारी स्त्री० [फा] रोवु ते; रोककळ
जारूब पु० [फा] झाडु [दगो; युक्ति
जाल पु०[अ जअल]जाळ;खोटी बनावट;
जाल पु०[स.] जाळ; जाळा (२) जाळु
जालदार वि० जाळीदार; जाळीवाळु
जालसाज़ वि०[फा] दगाबाज; कपटी. –**ज़ी** स्त्री० दगो
जाला पु० करोळियानु जाळु (२) आख पर बाझतु जाळु–एक रोग (३) पाणीनु एक मोटु माटीनु वासण [जुलमी
जालिम वि०[अ.]जालिम,जुलम करनार;
जालिया वि० 'जाल'–दगो करनार; 'जालसाज' (२) पु० माछीमार
जाली स्त्री० जाळी (२) वि० [फा.] बनावटी;कपटी ०**दार** वि० जाळीवाळु ०**ले(–लो)ट** पु० एक जातनु जाळीदार कपडु
जावन पु० जुओ 'जामन'
जावित्री स्त्री० जावत्री
ज़ाविया पु० खूणो
जावेद वि० [फा] स्थायी; दीर्घजीवी
जासु स० (प) 'जिसको'; जेने
जासूस पु० [अ] छूपो बातमीदार; गुप्तचर –**सी** स्त्री० तेनु काम
जाह पु०[अ] उच्च पद (२) प्रतिष्ठा; गौरव ०**व जलाल** पु० जाहोजलाली; वैभव [त्यागी माणस
ज़ाहिद पु० [अ.] जाहेद; धर्मनिष्ठा;
ज़ाहिर,०**ज़हूर** वि०[अ] जाहेर; प्रगट; खुल्लु [करनारु
ज़ाहिरदार वि० [फा] मात्र देखाडो
ज़ाहिरदारी स्त्री० [फा] मात्र देखाव के ते अर्थेनु काम के वात
ज़ाहिर-बी वि०[फा.] उपरनु ज जोनार, तेने ज महत्त्व आपनार. (नाम, –**बीनी** स्त्री०) [अने बहार
ज़ाहिर व बातिन अ० [फा] अदर

जाहिरा अ० [अ] जाहरमा, प्रत्यक्ष; देखवामा
जाहिरी वि० बाह्य; उपरनु; प्रत्यक्ष
जाहिल वि० [अ.] मूर्ख (२) अभण
जाहिली,-लियत स्त्री० [अ] अज्ञान; मूर्खता, अभणत।
जिंक पु० [इ] जसतनो खार
जिंद पु० [अ.] जीन; झड; भूत
जिंदगी,-गानी स्त्री० [फा] जिंदगी; जीवन; आयु
जिंदा वि० [फा.] जीवतु (२) प्रफुल्ल; खीलेलु (३) सळगती (आग)
जिंदा-दिल वि०[फा.] खुश-मिजाज (२) हसमुखु (३) रसिक; विनोदी. (नाम, **-ली** स्त्री०)
जिंदाबाद श० प्र० [फा.] जीवतु रहो
जिंस स्त्री०[फा.] प्रकार (२) जणस; चीज (३) सामग्री (४) अनाज
जिंसवार पु० [फा.] तलाटीनु फसल इ०नु एक पत्रक (२) वि० वर्ग प्रमाणे **-री** स्त्री० वर्गीकरण
जिआना स० क्रि० (प) जिवाडवु; 'जिलाना' [वातचीत
ज़िक्र पु०[अ] जिकर; चर्चा; उल्लेख;
ज़िक्र-मज़कूर पु०[अ.] चर्चा; वातचीत
जिगर पु०[फा] जीव (२) कलेजु (३) हिंमत (४) सत्त्व; सार
जिगरा पु० जिगर; छाती; हिंमत
जिगरी वि०[फा]जिगरनु(२)दिलोजान
ज़िच,-च्च स्त्री०[फ]लाचारी;विवशता
जिज़िया पु० जुओ 'जज़िया'
जिज्ञासा स्त्री०[स] जाणवानी इच्छा **-सु** वि० [वि० [स] जितायेलु
जित अ० (प) जे बाजु; 'जिधर' (२)
जितना वि० जेटलु [प्रेरक
जिताना स०क्रि० जिताडवु;'जीतना'नु
जितेन्द्रिय वि०[स] इद्रियोने जीतनार
ज़िद,-द्द स्त्री०[अ] ऊलटी के विरुद्ध वात(२)जिद;हठ **-चढ़ना,-पकड़ना, -पर आना**=जिद्दे चडवु **-द्दन्** अ० हठपूर्वक **-द्दी** वि० हठीलु
जिधर अ० ज्या; जे बाजु
जिन पु० [अ.] भूतप्रेत (२) [स] जैन तीर्थंकर (३) स० 'जिस' नु ब०व०
ज़िना पु० [अ] व्यभिचार
ज़िनाकार वि०[फा] व्यभिचारी. **-री** स्त्री० [बळात्कार करनार
ज़िना-बिल्-जब्र पु० [अ०] स्त्री पर
जिनि अ० मत; नहि
जिनिस,०वार जुओ 'जिंस,०वार'
ज़िबह पु० जुओ 'ज़बह'
ज़िमन पु०[अ] सबंध; अनुसधान (२) 'दफा'; कायदानी कलम
जिमनास्टिक पु०[इ] कसरत (साधनो द्वारा कराती)
जिमनेशियम पु० [इ.] व्यायामशाळा
जिमाना स०क्रि० जमाडवु; 'जीमना'नु प्रेरक
जिमि अ० (प) जेम; जेवी रीते
ज़िम्मा पु०[अ.]जुम्मो; जवाबदारी(२) देखरेख; रक्षण
ज़िम्मादा(-वा)र [फा], **ज़िम्मेवार** वि० जुम्मेदार (नाम, **-री** स्त्री०)
जिय पु० (प) मन; चित्त; जीव
जियरा पु० जीव; जीवडो
ज़ियाँ,-यान पु०[फा] घट; तोटो; खोट
ज़िया स्त्री० [अ] प्रकाश; तेज; कांति
ज़ियादती स्त्री० [फा] 'ज़्यादती'

जियादा वि०[अ] वधारे; बहु; ज्यादा
ज़ियान पु० जुअ। 'ज़ियाँ'
जियाना स०क्रि० जिवाडवु (२) पोषवु
ज़ियाफत स्त्री०[अ.] जाफत; मिजबान।
ज़ियारत स्त्री०[अ.] दर्शन(२)तीर्थयात्रा
ज़ियारती वि०[फा] दर्शनार्थी (२) यात्री
जियारी स्त्री० जिंदगी (२) आजीविका (३) साहस; हिंमत
जिरगा पु० [फा] जुओ 'जरगा'
जिरह स्त्री० [अ. जुरह] चर्चा; वाद-विवाद (२) ऊलट-तपास
ज़िरह स्त्री० [फा] कवच; बखतर
ज़िराअ(-य)त स्त्री०[अ]जुओ'ज़राअत'
ज़िराफ़ा पु० जुओ 'ज़राफा'
जिर्म पु० [अ] जतु; 'जर्म' (इं)
जिला स्त्री०[अ] चमक; प्रकाश (२) माजी के रगी-करीने चमकाववु ते; पालीस -करना, -देना=पालीस करवी; ढोळ चडाववो; चमक आपवी
ज़िला पु० [अ.] जिल्लो ०दार पु० जुओ 'ज़िलेदार'
जिलाकार,जिलासाज़पु०'जिला'करनार
जिलाना स०क्रि० जिवाडवु (२) पाळवु-पोषवु
ज़िलेदार पु० [फा.] (जमीनदारनु) महेसूल उघरावनार अमलदार (२) नहेरखाताना एक नोकर
जिल्द स्त्री०[अ] खाल; चामडी (२) पुस्तकनी बांधणी (३) पुस्तक; ग्रंथ
जिल्दबंद, जिल्दसाज़ पु० [फा] बुक-बाइन्डर (नाम, -दी, -ज़ी स्त्री०)
ज़िल्लत स्त्री०[अ] अपमान; बेआबरू (२) दुर्दशा -उठाना या पाना=अप-मानित थवु
जिस स० 'जो' नु विभक्ति माटेनु रूप
जिस्म पु० [फा] जिसम; देह
जिस्मानी वि० [अ.] शारीरिक
ज़िहन पु०[अ.] समज; बुद्धि (२) याद-दास्त -खुलना=बुद्धि खीलवी -लड़ाना =खूब विचारवु; मगज दोडाववु
जिहाद पु०[अ]जेहाद;धर्मयुद्ध -दी वि०
जिहालत स्त्री० जुओ 'जहालत'
जिह्वा स्त्री० [स] जीभ
जी पु० जीव (२) अ० जी. -करना= हिंमत करवी (२) जीव घालवो; इच्छवु -का बुखार निकलना=जीवनो कढापो वळापो इ० नीकळी जीव ठरवो, -खट्टा या फीका होना=मन फरी जवु; घृणा थवी, चिंता थवी. -जानसे=पूरा दिलथी; पूरी शक्तिथी -टंगा रहना या होना=चिंता थवी. -डूबना=चित्त व्याकुल थवु -पर आ बनना=आवी बनवु -पर खेलना=जीव जोखममा नाखवो -पानी होना,-पिघलना=दिल पीगळवु; दया आववी -बढ़ना=हिंमत उत्साह वधवो; खुश थवु -बिखरना, -मतलाना=विह्वळ के बेहोश थवु -बिगड़ना=गभरामण थवी; जीव चूथावो -बुरा होना= ऊलटी थवी (२) घृणा के अभाव थवो -भर आना=दिल भराई आववु; दुःख-दया ऊपजवा -भरना=धरावु; संतोष थवो -भरभरा उठना=आवेगथी मन उत्तेजित थवु -मालिश करना=जीव गभरावो (२) ऊलटीनी हाजत थया करवी -से उतर जाना=मनथी ऊतरी जवु -से जाना=मरी जवु -होना= मरजी होवी

जीग़ा पु०[फा] कलगी; तोरो; शिरपेच
जीजा पु० मोटी बहेननो वर
जीजी स्त्री० मोटी बहेन
जीत स्त्री० जीत; फतेह (२) लाभ; सफळता
जीतना स०क्रि० जीतवु; फतेह पामवु
जीता वि० जीवतु **जीती मक्खी निगरना**=जाणीबूजीने अयोग्य के अन्यायी काम करवु **जीते जी**=जीवता; हयातीमा. **जीते मरते**=कोई रीते; खूब मुश्केलीथी
जीता-जागता वि० जीवतु जागतु; सतेज
जीता लोहा पु० लोहचुबक
जीन पु० [फा] घोडानु जीन (२) एक जाडु जीननु कपडु
जीनत स्त्री० [फा] शोभा; शणगार
जीनपोश पु० [फा] जीन परनु कपडु
जीनहार अ० [फा] 'हरगिज़'; कदापि
जीना अ०क्रि० जीववु; जीवतु रहेवु; जीवन गाळवु
जीना पु० [फा] जीनो; सीडी
जीभ स्त्री० जीभ (२) कलमनु अणियु. **–भी** स्त्री० ऊलियु (२) अणियु
जीभा, जीभीचाभा पु० ढोरनो एक रोग
जीमना स०क्रि० [स जिम्] जमवु
जीमूत पु०[स] वादळ; मेघ (२) पहाड
जीय पु० जीव; 'जी'
जीर [स], **–रा** [फा] पु० जीरु
जीर्ण वि० [स] जूनु; जरजरी गयेलु
जीर्णोद्धार पु० [स] जूना पुराणानु समारकाम [वायु
जील स्त्री० धीमो अवाज (२) तवलानु
जीवंत वि०[स.] 'जीता'; जीवतु जागतु
जीव पु०[स] जीव; प्राण (२) प्राणी
जीवजंतु पु० [स.] जीवडा; जिवात; कीडीमकोडी इ०
जीवट पु० हिंमत; बहादुरी; छाती
जीवन पु०[स.] जीवन; जिंदगी. **–भरना**=जीवन गुजारवु
जीवनमूरि स्त्री० जीवनमूळी
जीवनी स्त्री० जीवनचरित
जीवरा पु० (प) जीवडो; जीव
जीवसू स्त्री०[स] जेनी संतति जीवती होय एवी स्त्री
जीवाजून पु० जीवजंतु; प्राणीमात्र
जीवाणु पु० [स.] सूक्ष्म जीवजंतु
जीवात्मा पु० [स] जीव; देही
जीविका स्त्री०[स] आजीविका; रोजी
जीवित वि०[स] जीवतु (२)पु० जीवन
जीवन्मुक्त वि० [स] जीवतो छता मुक्त; ज्ञानी
जीस्त स्त्री० [फा.] जिंदगी; जीवन
जीह(–हा,–ही) स्त्री० (प) जीभ
जुंबिश स्त्री० [फा.] चाल; गति (२) झुंबेश; हिलचाल
जुआँ स्त्री० 'जूँ'; जू
जुआ पु० झूसरी (२) घटीनो हाथो (३) जुवा; जूगटु **०खाना, ०घर** पु० जुगारनो अड्डो
जुआचोर पु० ठग, धुतारो
जुआड़ी(–री) पु० जुओ 'जुआरी'
जुआर स्त्री० जुओ 'ज्वार' (२) पु० जुओ 'जुआरी'
जुआर भाटा पु० जुओ 'ज्वार भाटा'
जुआरी पु० जुगारी
जुई स्त्री० नानी जू (२) एक कीडो
जुकाम पु०[अ.]सळेखम; शरदी **मेंढ़कीको जुकाम होना**=न थई शके एवु थवु

जुग पु० युग (२) जोड़; युगल (३) जूथ; दळ. —जुग=सदाकाळ
जुगजुगाना अ०क्रि० झबको मारवो; झबूकवु (२) दशा सुधरवी [दक्षता
जुगत स्त्री० युक्ति; उपाय (२) व्यवहार-
जुगनी स्त्री०; **जुगनू** पु० आगियो (२) गळानु रामपगला जेवु घरेणु
जुग़राफ़िया पु० [अ] भूगोळ
जुगल वि० युगल; जोड़
जुगवना, जुगाना स०क्रि० साचवीने सभाळीने राखवु; जोगववु
जुगालना अ०क्रि० वागोळवु
जुगाली स्त्री० वागोळवु ते
जुज़ पु०[फा] भाग; हिस्सो (२) ८ के १६ पानानी थोकडी; फॉर्म [कपडु
जुज़दान पु० [अ+फा] पुस्तक बाधवानु
जुज़बंदी स्त्री०[फा] जुसबाधणी; अनेक फॉर्म सीवीने पुस्तक बाधवानी रीत
जुज़वी वि० [फा] जूज; थोडु
जुझाऊ वि० युद्ध सबधी
जुझाना स०क्रि० झूझे एम करवु
जुझार वि० झूझे एवु; लडवीर; बहादुर
जुट स्त्री० जोडी (२) जथो; टोळी
जुटना अ०क्रि० जोडावु, मळवु; एकत्र थवु; सगठित थवु
जुटाना स०क्रि० 'जुटना' नु प्रेरक
जुट्टी स्त्री० कलगी; पडो; झूडी (२) गठ्ठो (३) थप्पी
जुठारना स०क्रि० जूठु छाडवु; छाडवु
जुठिहारा पु० एठु खानार
जुड़ना अ०क्रि० जोडावु; 'जुटना'
जुड़पित्ती स्त्री० शीळस—एक त्वचारोग
जुड़वाँ वि० जोडियु (२) पु० जोडियु जन्मेलु बाळक
जुड़वाना स०क्रि० जुओ 'जुडाना' (२) जुओ 'जोडवाना'
जुड़ाई स्त्री० जुओ 'जोडाई'
जुड़ाना अ० क्रि० ठडु के शात थवु (२) तृप्त थवु (३) स० क्रि० ठडु पाडवु (४) तृप्त करवु
जुतना अ०क्रि०हळे के गाडीए जोतरावु; जोतावु; जोडावु—लागी जवु
जुताई स्त्री० जुओ 'जोताई'
जुतियाना स०क्रि० जोडाटवु (२) भारे अपमान करवु
जुदा वि०[फा] जुदु; अलग (२) छूटु; फारेग
जुदाई स्त्री०[फा] वियोग; छूटु थवु ते
जुनून [फा] झनून; पागलपणु —नी वि०
जुन्नार पु० [अ] कस्ती के जनोई
जुन्हाई स्त्री० चादनी; ज्योत्स्ना
जुफ़्त वि०[फा] बेकी (२) पु० जोडी; युग्म
जुब्बा पु० [अ] फकीरनो झभ्भो
जुमरा पु०[अ] जथो; भीड (२) फोज
जुमला पु०[अ] पूरु वाक्य (२) जुमलो; कुल सरवाळो (३) वि० कुल; बधु
जुमहूर,—रियत,—री [अ] जुओ 'जमहूर, —रियत,—री'
जुमा पु० [अ] शुक्रवार —**जुमा आठ दिन**=थोडा दिवस; 'बद रोज'
जुमा-मस्जिद स्त्री० शुक्रवारनी नमाज पढवानी—मोटी मस्जिद [गुरुवार
जुमा(-मे)रात स्त्री० [अ जुमअरात]
जुरअत स्त्री०[अ] जुरत; हिंमत; साहस
जुर पु०(प)ज्वर ०**झुरी** स्त्री० धीकडी (२) तावनो टाढ
जुरना स०क्रि० (प) जुओ 'जुडना'
जुरमाना पु० जुओ 'जुर्माना'
जुराफ़ा पु० [अ जुर्राफ] जिराफ पशु

ज़ुरूफ पु० [अ.'ज़र्फ' नु व०व०] वासण-कूसण
ज़ुरूर, ज़ुरूरी [अ] जुओ 'ज़रूर,-री'
जुर्म पु० [अ] गुनो; अपराध
जुर्माना पु० [फा] दंड
जुर्रा पु० [फा] बाज पक्षी (नर)
जुर्राब स्त्री० [तु.] पगनो मोजो
जुल पु० छळ; कपट. **०बाज़** वि० धूर्त; कपटी। **०बाज़ी** स्त्री० कपट; दगो
जुलाई स्त्री० [इ.] जुलाई मास
जुलाब पु० जुओ 'जुल्लाब'
जुलाल वि० [अ] स्वच्छ (पाणी)
जुलाहा पु० [फा. जौलाह] वणकर (स्त्री०, -हिन)
जुलूस पु० [अ] राजगादी पर आववु ते (२) सरघस के उत्सवनी धामधूम
जुल्फ स्त्री० [फा] वाळनी लट-जुलफु
जुल्म पु० [अ] जुलम; अत्याचार; अन्याय **-टूटना**=आफत आववी **-ढाना**=जुलम करवो (२) भारे करवी
जुल्मत स्त्री० [अ.] अंधारु
जुल्मात स्त्री० [अ] अंधारी जगा
जुल्मी वि० [फा] जुलमी; अत्याचारी
जुल्लाब पु० [अ.] जुलाब; दस्त; रेच
जुवा पु० जुवा; जूगटु (२) जुओ 'जुआ'
जुवारी पु० जुओ 'जुआडी'
जुस्तजू स्त्री० [फा] जुस्तेजू; तपास; शोध
जुहार स्त्री० जुहार; प्रणाम
जुहारना स०क्रि० जहार करवो; प्रणाम करवा (२) मदद मागवी
जुही स्त्री० [स यूथी] जूई; 'जूही'
जूँ स्त्री० जू **कानों पर जूँ रेंगना**= स्थितिनु भान थवु; चेतवु. **-की चाल** = बहु धीमी चाल
जूआ पु० जुओ 'जुआ'
जूजू पु० बाळकने डराववानो हाउ
जूझना अ०क्रि० झूझवु; लडवु (२) लडता प्राण आपवा [(४) [इ] शण
जूट पु० [स] झूडो (२) जटा (३) अंबोडो
जूठ वि० जुओ 'जूठा'
जूठन स्त्री० एठु खावानु; जूठण
जूठा वि० [स जुष्ट] (स्त्री०-ठी) एठु; छांडेलु
जूड़ा पु० जूट; वाळनो अंबोडो
जूड़ी स्त्री० टाढियो ताव
जूता पुं० जूतु; जोडो
जूताखोर वि० निर्लज्ज; शरम वगरनु
जूती स्त्री० (स्त्रीनो) जोडो; जूतु
जूतीकारी, जूती पैज़ार स्त्री० जोडाथी मारपीट
जून पु० समय (२) तृण; घास (३) [इ] जून मास (४) वि० (प.) जूनु, जीर्ण
जूरर पु० [इ] जूरीनो सभ्य
जूरी पु० [इ] फोजदारी केसनु पंच; जूरी (२) जुओ 'जुट्टी'
जूस पु० [स जूष] दाळनु ओसामण के सूप (२) [फा जुफ्त, स० युक्त] बेकी सख्या
जूस-ताक पु० एकी बेकी रमवानु एक द्यूत
जूह पु० जूथ; समूह (२) झूमरु
जूही स्त्री० [स. यूथी] जुओ 'जुही'
जृंभ,०ण पु०, **-भा** स्त्री० [स] बगासु (२) आळस
जेंवन पु० भोजन; जमण ['जेवना'
जेंवना स०क्रि० [स. जेमन] जमवु;
जे स० 'जो'नु व०व०; जेओ
जेइ, जेउ (ऊ) स० 'जो'; जे
जेठ वि० ज्येष्ठ; मोटु (२) पु० स्त्रीनो जेठ (३) जेठ मास

जोगी पु० योगी (२) एक भिक्षुक जात
जोगीड़ा पु० एक प्रकारनु गायन के राग के ते गानार वृंद
जोटा पु० जोटो; 'जोडा'
जोटी स्त्री० जोडी(२)जोडीदार; साथी
जोड़ पु० सरवाळो के ते करवानी क्रिया (२)जोडाणनी जगा;साधो(३)जोडेली वस्तु (४) समानता; बराबरी
जोड़-तोड़ पु० दावपेच; युक्ति
जोड़न स्त्री० मेळवण; 'जावन'
जोड़ना स०क्रि० जोडवु; सांधवु (२) एकठु करवु; सरवाळो करवो (३) जोतरवु (४) सळगाववु
जोड़वाँ वि० जोडवु (बाळक)
जोड़ा पु० (स्त्री० –ड़ी) जोडी; जोटो (२) जोडा (३) पूरो पहेरवेश
जोड़ाई स्त्री० जोडवु ते के तेनी मजूरी (२) चणतर [(३) बेल के घोडा-गाडी
जोड़ी स्त्री० जोडी (२) मगदळ-जोडी
जोत स्त्री० ज्योत (२)श्राजवानु दामणु (३) खेड के ते पूरती जमीन
जोतना स०क्रि० जोतरवु (२) खेडवु
जोताई स्त्री० 'जोतना'–ए काम के तेनी मजूरी [आगळनो)
जोति स्त्री० जोत; घीनो दीवो (देव
जोती स्त्री० जुओ 'जोति' (२) लगाम (३) श्राजवानी 'जोत'–दामणु
जोफ़ पु० [अ जअफ] बुढापो; घडपण (२) निर्बळता
जोबन पु० जोवन; युवानी (२) मुदरता (३) रोनक (४) स्तन; छाती
जोम पु०[अ] उमग; उत्साह (२)जोम; शक्ति (३) अभिमान; गुमान
जोया वि० [फा.] ढूढनार; खोळनार
जोर पु०[फा] जोर; शक्ति; बळ; वेग; तेजी (२) महेनत; श्रम (३) काबू; अधिकार. (वि० ०दार, –रावर) **जोरों पर, जोरोंसे** = जोरथी; खूब वेगथी **जोरो पर होना**=जोर पर आववु के होवु [जोरी
जोर-जुल्म पु०[फा] जोर-जुलम; बळ-
जोर-शोर पु०[फा] खूब जोर के वेग
जोराजोरी स्त्री० जबरदस्ती (२) अ० जोरथी; बळजबरीथी
जोरावर वि० [फा] जोरावर; बळवान (नाम –री स्त्री०) [जोर
जोरी स्त्री०(प)जोडी(२)'जोरावरी';
जोरू स्त्री० जोरु; पत्नी
जोलाहा पु० जुओ 'जुलाहा'
जोश पु० [फा] जोस; आवेग; जुस्सो (२) ऊभरो **–खाना**=ऊभरो आववो; ऊकळवु **–देना**=पाणी साथे उकाळवु **–व-खरोश**=खूब जोरशोर; धामधूम
जोशन पु० [फा. जोशन] हाथनु एक घरेणु (२) कवच
जोशाँदा पु० [फा.] क्वाथ; काढो
जोशीला वि० जोशीलु; जोश भरेलु
जोह,०न स्त्री० खोळ; तपास (२) राह; वाट (३) कृपादृष्टि; महेरबानी
जोहना स०क्रि० जोवु (२) राह जोवी (३) खोळवु
जोहरा पु०[अ जुहर] गुरु–बृहस्पति ग्रह
जोहार पु० 'जुहार'; प्रणाम
जौं अ० जो (२) जुओ 'ज्यों'
जौ पु० जव (२)अ० (प)जो (३)ज्यारे
जौक़ पु० [अ] भीड; गरदी
जौक पु० [अ] आनद **–से**=सुखपूर्वक
जौक़ शौक़ पु० [अ.] मोजशोख

जौजा स्त्री० [अ] जोरु; पत्नी
जौन स० (प.) जे (२) पु० यवन
जौपै अ० (प) 'जौ'; जो; यदि
जौर पु० [अ] जुलम; अत्याचार
जौहर पु० [अ] रत्न (२) सार (३) विशे ता; खूबी
जौहर पु० [जीव+हर] जौहर; जमोर के तेनी चिता
जौहरी पु० [फा] झवेरी
ज्ञात वि०[स] जाणेलु ०व्य वि० जाणवा योग्य –ता पु० जाणनार
ज्ञाति स्त्री० [स] नात
ज्ञान पु० [स] जाण; बोध; समज; साक्षात्कार –नी वि० ज्ञानवान. –नेन्द्रिय स्त्री० ज्ञान माटेनी इंद्रिय. –छाँटना = पोतानु ज्ञान बतावबा लावीपहोळी वातो ठोकवी
ज्ञापन पु० [सं] जणाववु ते; निवेदन
ज्ञेय वि० [स] ज्ञातव्य; जाणवा जेवु; जाणी शकाय एवु
ज्या स्त्री०[स] धनुषनी पणछ (२) पृथ्वी
ज्यादती स्त्री० [फा] अधिकता (२) अत्याचार; बळात्कार
ज्यादा वि० जुओ 'जियादा'; वधारे
ज्यान पु० (प) जुओ 'जियान'
ज्याफत स्त्री० जुओ 'जियाफत'
ज्यामिति स्त्री० [स] भूमिति
ज्यूं, ज्यो अ० जेम; जेवी रीते (२) 'जैसे हीं'; जेवु; जे क्षणे; ज्या
ज्येष्ठ वि० [स] मोटु; वडु (२) पु० जे मास
ज्यों अ० जुओ 'ज्यूं'. –का त्यों=जेम होय तेम. –ज्यो=जेम जेम; जे क्रमे. –त्यों=ज्या त्या–जेम तेम करीने –ही =जेवु; जे क्षणे
ज्योति स्त्री० [स] प्रकाश (२) जोत
ज्योतिक पु० (प) जोषी [जोष
ज्योतिर्विद्या स्त्री०[स] ज्योतिष विद्या;
ज्योतिष पु०[स] जो ; ज्योतिष विद्या. –षी पु० जोषी
ज्योतिष्पथ पु० [स] आकाश
ज्योतिष्मान् वि० [स] प्रकाशवाळु
ज्योत्स्ना स्त्री०[स] चादनी के तेनी रात
ज्यो(–ज्यौ)नार स्त्री० रसोई (२) जाफत
ज्योहत,–र पु० जौहर
ज्यौं अ० (प) जो; यदि
ज्यौनार स्त्री० जुओ 'ज्योनार'
ज्वर पु० [स] ताव [(२) स्पष्ट
ज्वलंत वि० [स] काशमान; जळहळतु
ज्वलन पु० [स] दाह; बळवु ते (२) आग (३) ज्वाळा
ज्वार स्त्री० जुवार (२) जुआळ; भरती
ज्वारभाटा पु० भरतीओट
ज्वारी पु० जुओ 'जुआरी'
ज्वाल पु०, –ला स्त्री० [स] झोळ; ज्वाळा (२) आच; ताप
ज्वालामुखी पु० ज्वाळामुखी पर्वत (२) स्त्री० एक देवी

झ

झंक(-ख)ना अ०क्रि० जुओ 'झींखना'; झखवु
झंकार स्त्री०[प] झणकार; 'झनकार'
झंकारना स०क्रि०(२)अ०क्रि० झणझण अवाज करवो के थवो
झंखाड़ पु० घीच काटावाळी झाडी के वृक्ष; झाखरु (२) रद्दी झाडझाखरानो समूह
झंझट स्त्री० 'झाँझट'; झझट
झंझन पु० [स] झणकार; 'झकार'
झंझनाना स०क्रि० (२) अ०क्रि० जुओ 'झकारना'
झंझर स्त्री० 'झण्झर'; पाणी ठडु करवानु एक जातनु माटीनु वासण
झँझरा वि० काणा काणावाळु;जाळीदार
झँझरी स्त्री० जाळी; जाळीवाळी बारी
झंझा,०निल,०वात पु०[स] वटोळियो; आधी
झंझी स्त्री० फूटी कोडी
झँझोड़ना स०क्रि० झझेडवु; झटकाथी हलाववु (जेम के झाडने)
झंडा पु० झडो; ध्वज **झंडे पर चढ़ना**= फजेत के बदनाम थवु
झंडा-बरदार पु० झडो लईने चालनार
झंडी स्त्री० नानो झडो
झँडूला पु० (वाळनी) बाधा उतार्या वगरनु बाळक (२) घटादार झाड
झंप ु० [स] उछाळो; छलग
झँपना अ०क्रि० छुपावु; ढकावु; (२) ऊछळवु; कूदवु (३) घसवु; 'लपकना' (४) जुओ 'झेंपना'
झँपरी,-रिया स्त्री० (प.) (पालखीनो) ओढो; ढाकण
झंपान ु० (पहाड चडवानी) डोळी
झँपोला पु० नानु छाबडु; 'झाबा'
झँवराना अ०क्रि० काळु पडवु; झखवावु (२) चीमळावु; करमावु
झँवा पु० 'झाँवाँ'; झामरो; खूब पकवेलो ईंट के ठीकरानो टुकडो जे हाथपग घसवा वपराय छे
झँवाना अ०क्रि० जुओ 'झँवराना' (२) स०क्रि० 'झँवा'-झामराथी घसवु
झँसना स०क्रि० गवु; छेतरी लेवु
झइँ(-ईं) स्त्री०'झाँईं';गडछायो;अधारु
झक स्त्री० जक; धून (२) वि० साफ; चोख्खु
झकझक स्त्री० रकझक; नकामी तकरार
झकझका वि० झगझगतु; चळकतु ०ट स्त्री० झगझगाट; चळकाट
झकझोर ु० झटको; धक्को (२) वि० झगझगतु [(२) ढढोळवु
झकझोरना स०क्रि० खखेरवु; झाटकवु
झकझोरा पु० झटको; धक्को
झकना अ०क्रि० जक करवी (२)गुस्सामा अणघटतु बोलवु [चळकतु
झकाझक वि० खूब साफ; चोख्खु चट (२)
झकोर(-रा) पु० हवानो झपाटो के लहरी (२) झटको
झकोरना अ०क्रि०हवानी लहरी चालवी
झक्कड वि० जक्की; 'झक्की' (२) पु० भारे आधी

झक्की वि० जक्की; हठीलु
झख स्त्री० खिजावु ते (२) दुःख रडवु ते (३) पु० माछली —मारना=जख मारवी
झखना अ०क्रि० (प) जुओ 'झखना' (२) खिजावु (३) दुःख रडवु
झगड़(–र)ना अ०क्रि० झघडवु; लडवु
झगडा(–रा) पु० झघडो; टटो ०फसाद, ०बखेड़ा पु० टटोफिसाद; बखेडो —मोल लेना=नाहक झघडो वहोरवो
झगडालू वि० झघडाखोर
झगा पु० बाळकनो गगा के ढीलु कुरतु
झज्झर स्त्री० जुओ 'झझर'
झज्झी स्त्री० जुओ 'झझी' [चमक
झझक,०न स्त्री० खमचावु ते (२) भडक;
झझकना अ०क्रि० खमचावु (२) चमकवु (३) खिजावु (प्रेरक झझकाना)
झझकारना स०क्रि० वढवु (२) तुच्छकारवु; धुतकारवु
झट,०पट अ० झट; तरत; ताबडतोब
झटकना, झटकारना स०क्रि० झाटकवु; झाटको मारवो
झटका पु० झटको (२) झपाटो; 'झोका' (३) रोग शोक इ०नो सपाटो
झटिति अ० [स] झट
झड़ स्त्री० झडी (२) पु० बे के वधारे कळनु एक जातनु ताळु
झडना अ०क्रि० झरवु; गरवु (२) साफ थवु
झड़प स्त्री० झपाझपी (२) क्रोध, आवेश (३) आगनी झपट – झोळ
झड़पना अ०क्रि० जोरथी हल्लो करवो (२) लडवु (३) झडपी लेवु
झडपाझड़पी स्त्री० झपाझपी; बाथबाथा
झड़(–र)बेरी स्त्री० रानी बोर
झडाझड़ अ० लगातार (२) झटपट

झड़ी स्त्री० वरसादनी झडी (२) झपाटो; रमझट
झनक,–कार स्त्री० जुओ 'झकार'
झनकना अ०क्रि० झणझणवु
झनकार स्त्री० जुओ 'झनक'
झनकारना स०क्रि० (२) अ०क्रि जुओ 'झकारना' [झझणाववु
झनझनाना अ०क्रि० झझणवु (२) स०क्रि०
झनझनी स्त्री० 'झिनझिनी', झणझणी
झप अ० झप; झट
झपक स्त्री० पलक वार (२) ऊघनु झोकुं
झपकना अ०क्रि० झोकु खावु–ऊघवु (२) जुओ 'झँपना'
झपकी स्त्री० पलकारो (२) झोकु
झपट स्त्री० हल्लो; हुमलो; झपाटो
झपटना अ० क्रि० हल्लो करवो; तूटी पडवु (२) स० क्रि० झपाटामा लेवु
झपट्टा पु० जुओ 'झपट'
झपना अ०क्रि० जुओ 'झपकना', 'झँपना'
झपाझपी स्त्री० पडापडी; उतावळ; जलदी
झपेट स्त्री० जुओ 'झपट'
झपेटना स०क्रि० झडपी लेवु; दबाववु
झपेटा पु० झपाटो; हल्लो (२) भूतनो झपट
झप्पान पु० जुओ 'झपान'
झप्पानी पु० झपान ऊचकनारो
झबरा, झबुआ वि० लावा लावा वाळवाळु; जाफरियु (पशु)
झबा(–ब्बा) पु० घरेणा के कपडाने छेडे लटकतु रखातु शोभानु फूमतु के गुच्छ
झमक स्त्री० चमक (२) झमकार; ठणको
झमकना अ०क्रि० झमकवु (२) झमकथी चालवु; नाचवु
झमझम अ० खूब वर्षानो अवाज (२) छम छम अवाज (३) झमक झमक (चळकवु)

झमर झमर अ० झरमर झरमर
झमाका पु० झणको; ठणको
झमाझम अ० 'झमझम' वर्षानो अवाज
झमूरा पु० (रीछ इ०) जाफरियु पशु; वाजीगरनो जबूरो
झमेला पु० वखेडो; झघडो (२) भीड. **–लिया** वि० झघडाखोर
झर स्त्री०[स] झरणु (२) वरसादनी झडी (३) समूह; झुड (४) आच; झोळ
झरना पु० झरणु (२) अ०क्रि० झरवू
झराझर अ० सतत; लगातार; जोरथी
झरी स्त्री० झरणु (२) कर; लागो
झरोखा पु० झरूखो [क्रोध
झल पु० दाह; आच (२) तीव्र च्छा (३)
झलक स्त्री० झळक; चमक (२) छाया; आभास **०दार** वि०
झलकना अ०क्रि० झळकवु; चळकवु (२) आभास-थवो; देखावु
झलका पु० फोल्लो [झळझळ; झगमग
झलझल स्त्री० चमक; झळमळ (२) अ०
झलझ(–म)लाना अ०क्रि० झगमगवु; जळहळवु (२) स०क्रि० झळकाववु (नाम **–हट** स्त्री०)
झलना स०क्रि०(हवा नाखवा) हलाववु; वीझवु (२) अ०क्रि० आम तेम हालवु (३) 'झालना' नु कर्मणि
झलमल पु० जुओ 'झलझल'
झलमला वि० झगझगतु; चमकतु **०ना** अ०क्रि० जुओ 'झलझलाना'
झलार पु० झाडी; गाढ़ वन
झल्ला पु० टोपलो (२) वि० पातळु; गाढु नहि एवु [चीडववु
झल्लाना अ०क्रि० चिडावु(२)स०क्रि०
झष पु० [स] माछळी (२) मगर
झाँई स्त्री० पडछायो (२) दगो (३) चहेरा पर पडी जतु काळु चकामु. **–बताना**=दगो देवो
झाँक स्त्री० छूपु डोकियु करवु ते ('ताकझाँक'मां वपराय छे)
झाँकना अ०क्रि० आडमा के छूपु जोवु (२) डोकाववु
झाँका पु० झरूखो [ृश्य (३) झरूखो
झाँकी स्त्री० 'झाँक'; जोवु ते; झाखी(२)
झाँगला वि० ढील; रमतु (वस्त्र ०)
झाँझ स्त्री० झाझ; छबलीका (२) झाझर (३) क्रोध; दाझ (४) दुष्टता; 'शरारत'
झाँझट स्त्री० झझट; झघडो
झाँझन(–र) स्त्री० झाझर–पगनु घरेणु
झाँझर वि० (प) भागेलु; जीर्ण; तूटचु-फूटचु
झाँझरी स्त्री० झाझ; छबलीका (२) झाझर
झाँट स्त्री० झाटु
झाँप स्त्री० ऊघ (२) पडदो; चक (३) कोई जातनु ढाकण
झाँपना स०क्रि० ढाकवु (२) शरमाववु
झाँवना स०क्रि० 'झाँवाँ'थी – झामराथी घसीने (हाथ पग इ०) धोवु [सुस्त
झाँवर(–रा) वि० काळु (२) मेलु (३)
झाँवली स्त्री० आखनो इशारो–नखरु
झाँवाँ पु० जुओ 'झँवा'
झाँसना स०क्रि० ठगवु; दगो देवो; छेतरवु
झाँसा(०पट्टी) पु० छेतरपिंडी; धोखा-बाजी; दगो **–देना**=द ो देवो; छेतरवु
झाँसू पु० दगावाज
झाग पु० 'गाज'; ीण
झाड़ पु० छोड (धुगा जेवो) (२) झाड (३) झुमर (४) स्त्री० झाडवु ते
झाड़खंड पु० वन

झाड़-झखाड़ पु० झाड-झाखरा; जुओ 'झखाड'
झाड़न स्त्री० कचरोपूजो (२) कचरो झापटवानु कपडु–झापटियु
झाडना स०क्रि० दूर करवु (२) वातो फेंकवी (३) झाडवु
झाड़-फानूस पु० झुमर, हांडी, काचना प्याला इ० (रोशनी माटे)
झाड़-फूंक स्त्री०मंत्रथी झाडवु के फूंकवु ते
झाड़-बुहार स्त्री० वाळझूड; सफाई
झाड़ा पु० जुओ 'झाडफूंक' (२) झाडो; तपास (३) विष्टा या दस्त (४) जाजरू. –जाना=झाडे–जाजरू जवु –फिरना =झाडे फरवु
झाडी स्त्री० नानु झाडवु; छोड (२) झाडी
झाडू पु० झाडु; सावरणी (२) पूछडियो तारो ०कश, ०बरदार, ०वाला पुं० झाडुवाळो; भंगी –देना=सावरणी फेरववी; वाळवु –फिरना=झाडु फरी जवु; बधु साफ खतम थवु –फेरना= खतम करी देवु –मारना=झाडु मारवु; अनादर करवो; अवगणी का वु
झापड़ पु० झापट; थप्पड
झाबर पु० कळण भूमि (२) 'झाबा'
झाबा पु० टोपलो
झाम पु० क मोटी कोदाळी
झामक पु० [स.] जुओ 'झँवा'
झायँझायँ स्त्री० झणकार (२) नीरव जगामा काने पडतो शून्यकारनो शब्द
झार स्त्री० झाळ; आंच (२) दाह (३) बळतरा; ईर्षा (४) पु० समूह (५) वि० एकमात्र (६) कुल; समस्त
झारना स० क्रि० ओळवु (२) जुओ 'झाडना'
झाल पु० झांझ; छवलीका (२) स्त्री० तीखाट (३) लहेर; मोज (४) वर्षानी झडी के हेली (५) झाळवु ते
झालना स०क्रि० झाळवु; रेण करवु
झालर स्त्री० झूल (२) झांझ; छवलीकां
झावँझावँ स्त्री० बकवाद (२) जक; कजियो
झिझक स्त्री० चोकवु के पाछा पडवु ते
झिझकना अ०क्रि० जुओ 'झझकना'
झिझकारना स०क्रि० जुओ 'झझकारना' (२) 'झटकना'
झिड़कना स०क्रि० झाटकवु; वढवु
झिड़की स्त्री० झाटकणी; ठपको (२) झटको
झिड़झिड़ाना अ०क्रि० कढवु; ्स्सो करवो
झिनझिनी स्त्री० 'झनझनी', झझणी
झिपना अ०क्रि० शरमावु; 'झेंपना' (प्रेरक झिपाना)
झिरझिरा वि० झीणु; बारीक (कपडु)
झिलँगा पु० झोला जेवो खाटलो
झिलमिल स्त्री० झबूकतो प्रकाश (२) वि० झबूका मारतु
झिलमिला वि० पाखु; आछु; जाळीदार (२) चमकतु (३) अस्पष्ट
झिलमिलाना अ०क्रि० चमक चमक थवु; झबूकवु (२) स०क्रि० झ ुकाववु के तेम थाय एम हलाववुं [चक
झिलमिली स्त्री० बारीनु खडखडियु (२)
झिल्ली स्त्री० पातळु पारदर्शक पड (२) [स] झिल्ली; तमरु [ओरणु
झींक (–का) पु० घंटीनु एक वारनु
झींखना अ०क्रि० (२) पु० जुओ 'झीखना'
झींगा पु० एक जातनी माछली के जीवडु
झींगुर पु० झिल्ली; तमरु
झींसी स्त्री० फरफर (वर्षा)

झीखना अ०क्रि० खिजावु; ढत्रु(२)दुःख रडवु (३) पु० ते क्रिया (४) आपवीती
झीना वि० झीणु (२) काणा काणा-वाळु (३) दुर्बल
झील स्त्री० सरोवर (कुदरती)
झीलर पु० नानु सरोवर
झीवर पु० धीवर; ढीमर; माछी
झुंझलाना अ०क्रि० धूधवावु; चिडावु. –हट स्त्री० धूधवाट; खीज; चीड
झुंड पु० झुड; समूह; टोळु
झुकना अ०क्रि० झूकवु; लटकवु; नीचु थवु (प्रेरक **झुकाना**)
झुकनी स्त्री० पोडा; दुःख
झुकाव पु० झूकवु ते (२) ढाळ (३) झोक
झुटपुटा पु० (साज सवारनो) सध्यानो वखत
झुटुंग वि० जाफरा के जटावाळु
झुठलाना स०क्रि० जूठु ठरावनु–पाडवु (२) जूठु कही छेतरवु
झुठाई स्त्री० जूठापणु; असत्य
झुठाना, झुठालना स०क्रि० 'झुठलाना'
झुनक स्त्री०झणकार (अ०क्रि०**झुनकना**)
झुनझुना पु० बाळकनो घूघरो
झुनझुनी स्त्री० झणझणी; खाली
झुपरी स्त्री० (प) झूपडी
झुमका पु० झूमखु (२)झूमणु–एक घरेणु
झुर(–रा)ना अ०क्रि० झूरवु; चितायी दुःखी थवु (२) सुकावु
झुरमुट झोलु; टोळु (२) गुटपुट शरीरने ढाकी लेवु ते (३) झाड पादडायी ढकायेली जगा; घीच झाडी
झुराना अ०क्रि० सुकावु (२) 'झुरना'; झूरवु; दुःख के भययी गभरावु (३) दूबळा पडवु (४) स०क्रि० सूकववु
झुर्री स्त्री० चामडीनी करचली
झुलना पु० झूलो; हीचको (२) स्त्रीनो एक ढीलो कवजो–'झूला'
झुलसना अ०क्रि० उपर उपरथी दाझवु जेथी काळु पडी जाय (२) स०क्रि० तेवी रीते शेकवु, दझाडवु
झुलाना स०क्रि० झुलाववु (२) धक्का खवडाववा; ढील करवी
झूँझल स्त्री० 'झुंझलाहट'; चीड; क्रोध
झूझना अ०क्रि० 'जूझना'; झूझवु
झूठ पु० जूठ; असत्य –सच कहना या लगाना=साचुजूठु कही फसाववु (२) साचाजूठा करवा के कहेवा
झूठमूठ अ० अध्धर; फोकट
झूठा वि० जूठु (२) नकली (३) ठु;'जूठा'
झूम स्त्री० झोकु; ऊघ
झूमका पु० जुओ 'झुमका'
झूमड़-झामड़ पु० खोटो प्रपच–जजाळ
झूमना अ०क्रि० झोका खावा; झूलता डोलवु (२) (वादळ) झझूमवु
झूमर पु० माथानु एक घरेणु (२) काननु झूमणु; 'झुमका' (३) गरबा जेवु फरीने गावानु एक गीत के तेवो नाच
झूर वि० शुष्क; सूकु (२) खाली; नकामु (३) एठु (४) स्त्री० झूरवु ते
झूलन प० हीडोळानो उत्सव
झूलना अ०क्रि० झूलवु (२) कोई काममा वधु पडया रहेवु – लटक्या करवु (३) वि० झूलतु (४) पु० झूलणा छद
झूला पु० झोलो; हीडोळो (२) झूलतो पुल (३) बे बाजु बाधी सूवा माटे करातो झोलो (४) गामडानी स्त्रीओनो एक झूलतो ढोलो कवजो
झेंपना, झेपना अ०क्रि० शरमावु; लाजवु

झेर स्त्री० (प.) वार; विलब (२) झघडो
झेल स्त्री० तरवामा हाथपग हलाववा ते (२) हिलोळो (३) वार; विलब
झेलना स०क्रि० खमवु; सहन करवु (२) तरवामा हाथपगथी पाणी कापवु (३) ढकेलवु
झोक स्त्री० झोक; 'झुकाव' (२) जोरनो धक्को (३) पाणीनो हिलोळो
झोंकना स०क्रि० झोकवु; पटकवु (२) धकेलवु; ठेलवु (३) हीचको
झोका पु० धक्को; झपाटो (२) झोकु
झोकी स्त्री० जवाबदारी; बोजो; जोखम
झोझ पु० पक्षीनो माळो (२) अमुक पक्षीना गळानी लवडती थेली
झोझल स्त्री० जुओ 'झूंझल'
झोटा पु० लाबा वाळनु झुड (२) हीचका नाखवा माटे देवातो धक्को
झोपड़ा पु० (स्त्री०–ड़ी) झूपडु
झोपा पु० झूमखु; गुच्छ
झोझ ु० जुओ 'झोझ'
झोझा पु० पेट; होजरी
झोरना स०क्रि० धक्को दई हलाववु; ढढोळवु; झझेडवु (२) झाटकवु
झोरी(–ली) स्त्री० झोळी
झोल पु० शेरवा के सूप जेवी वानी (२) धातुनो गिलेट (३) कपडा के कशामा पडती झूल; झोलो (४) भूल (५) राख; भस्म (६) गर्भ (७) वि० ढीलु; तग नहि वु (८) नकामु; खराब
झोला पु० झोळो (२) साधुनो झब्बो (३) झटको
झोली स्त्री० जुओ 'झोरी'
झौंसना अ०क्रि० जुओ 'झुलसना'
झौड़(–र) पु० झघडो; रकझक (२) वढवु ते
झौरे अ० पासे; नजीक (२) साथे
झौवा पु० टोपलो (तुवेरनी साठीनी)
झौहाना अ०क्रि० घूरकवु; जोरथी वढवु

ट

टक पु० टाकभार (२) टाकणु (३) कोदाळो (४) कुहाडी (५) सिक्को
टक पु० [इ टॅन्क] तळाव (२) बखतर-गाडी
टंकण,–न पु० [स.] टंकणखार (२) रेणवु ते
टंकना अ०क्रि० टकावु ('टांकना' नु कर्मणि)
टंकाई स्त्री० टाकवानी क्रिया के तेनी [मजूरी
टंका(–को)र पु० धनुषनो टकार
टंका(–को)रना स०क्रि० (धनु) टंकारवु
टकी स्त्री० टाकी
टकोर,०ना जुओ 'टकार,०ना'
टंको(–कौ)री स्त्री० सोना चादीनो नानो काटो
टॅगड़ी स्त्री० टगडी; टांगो; पग –पर उड़ाना=तगडो मारवी
टॅगना अ०क्रि० टगावु; लटकवु (२) ु० वळगणी के ते कामनी दोरी
टॅगारी स्त्री० कुहाडी [तैयार
टंच वि० नीच, कठोर (२) कजूस (३)
टंट-घंट पु० पूजापाठ इ० नो आडंबर-ढोंग
टंटा पु० टटो, झघडो (२) माथाकूट; पचात
टंडर पु० [इ टेन्डर] भावताल नु टेन्डर

ं़ड(—डै)ल पु० मजूरोनो जमादार; मुकादम (२) नाखुदो; टडेल

टक स्त्री० टस; टक टक नजर. **—बाँधना** = एकटसे ताकवु

टकटकाना स०क्रि० एकटसे ताकवु (२) टक टक अवाज करवो

टकटकी स्त्री० टस; एक नजर **—बाँधना** = एकटसे ताकवु

टकटो(०र,०ल)ना स०क्रि० जुओ 'टटोरना'

टकराना अ०क्रि० टक्कर खावी;जोरथी अफळावु (२) स०क्रि० अफाळवु

टकसार(—ल) स्त्री० टकशाळ **—बाहर** =न चालतो (सिक्को) (२) अशिष्ट (शब्द या प्रयोग)

टकसाली वि० टकशाळनु (२) खरुं (३)शिष्ट; सर्वसमत (४) पु० टकशाळी —टकशाळनो उपरी

टका पु० जूनो सिक्को; रूपियो (२) टको; ढबु (३) धन **—सा जवाब देना** =कोरु परखाववु;साफ ना कहेवी **—सा मुँह लेकर रह जाना**=झाझा पडवु; शरमावु **टका(—के)सी जान, टकासा दम**=एकलो माणस

टकासी स्त्री० रूपिये बु व्याज

टकी स्त्री० 'टकटकी'; टस

टकुआ पु० त्राक

टके(—कै)त वि० टकावाळु; धनी

टकोर स्त्री० टकोर (२) डका के नगारा पर ठपकार (३) टकार (४) शेक

टकोरना स०क्रि० 'टकोर' करवी ते

टकोरा पु० टकोरो—डका नगारानो ठपकार

टकौरी स्त्री० जुओ 'टकौरी'

टक्कर स्त्री० टक्कर; अथडामण (२) ठोकर. **—का** वि० बरोबरियु; समान

टखना पु० घूटी; गुल्फ

टगर पु० [स]टकणखार(२)खेल; क्रीडा (३)तगरनु झाड(४)वि० 'टगरा'; बाडु

टगरा वि० बाडु

टटका वि० तात्कालिक; ताजु; नवु

टटड़ी स्त्री० खोपरी [थई गयेलु

टटपूँजिया वि० अत्यत गरीब; निर्धन

टटुआ पु० टटवु; टट्टु

टटोर(—ल)ना स०क्रि० स्पर्श करीने तपासवु के ढूढवु (२) पारखवु (नाम, **टटोल** स्त्री०)

टट्टर, टट्टा पु० वास इ०नु टाटु

टट्टी स्त्री० टट्टी; टाटु (२) चक (३) पातळी दीवाल (४) पायखानु **—की आड़ (या ओट)से शिकार खेलना**= कोई विरुद्ध छूपी चाल चालवी के बूरु काम करवु. **धोखेकी टट्टी**=जेथी लोक फसाय एवी वात के वस्तु **—में छेद करना**=शरम छोडीने वर्तवु;लोकलाज छोडवी **—लगाना**=आड करवी; वच्चे आववु (२) भीड करवी

टट्टू पु० टट्टु **—पार होना**=बेडो पार थवो; टट्टु चाली जवु **भाड़ेका टट्टू** =खाधियो

टन,०टन स्त्री० टन टन अवाज

टनकना अ०क्रि० टन टन वागवु के खखडवु (२) रही रहीने (माथामा) दर्द नाखवु

टनटन स्त्री० टन टन अवाज

टनटनाना स०क्रि० (२) अ०क्रि० टन टन करवु के थवु

टनमन(—ना) वि० स्वस्थ; तदुरस्त; चगु

टनाका पु० टन टन अवाज (२) वि० सखत (ताप) [वि० ताजु; पुष्ट
टनाटन स्त्री० टन टन; टनटनियु (२)
टनेल पु० [इ] टनल; बोगदु
टप पु० गाडीनी छ ी जे पाडी के चडावी शकाय (२) पाणीनु टब (३) स्त्री० टप टप टपकवानो अवाज (४) सळक जेवु दर्द —से=टप दईने; झट
टपक स्त्री० टपकवु ते (२) टप टप पडवानो अवाज (३) सळक जेवु दर्द
टपकना अ०क्रि० टपकवु (२) गरवु (जेम के, पाकु फळ)(२) टप दईने—ओचितु आवी पडवु के गरवु
टपका पु० टपकवु ते के टपकेलो वस्तु (२) पाकीने खरेलु फळ (केरी) (३) सळक जेवु दर्द [पडवु ते
टपकाटपकी स्त्री० टपोटप टपकवु के
टपना अ०क्रि० 'टापना'; खाधा पीधा विना तप्या करवु—वेठा रहेवु,हेरान थवु
टपाटप अ० टपोटप; चपाचप; झटपट
टपाना स०क्रि० 'टपना' नु प्रेरक
टप्पा पु० उछाळो; फरुग (२) टप्पो; वच्चेनो फासलो (३) टक्कर; जेम के बॉल वच्चे टक्कर खातो जाय छे ते (४) टप्पो गायन
टब पु० [इ] 'टप'; पाणीनु टब
टब्बर पु० कुटुंब; खानदान
टमटम स्त्री० एक प्रकारनी घोडागाडी
टमाटर पु० टमेटु; 'टॉमेटो'
टर स्त्री० कडवु के कर्कश बोलवु ते (२) देडकानु बोलवु (३) हठ
टरकना अ०क्रि० टळवु; खसवु; हठवु (प्रेरक **टरकाना**)
टरटराना अ०क्रि० टें टें—बक बक करवु
टरटरी स्त्री० बकवाट
टर(-ल)ना अ०क्रि० टळवु (२) हठवु
टर्रा वि० अविनीत ने कठोर बोलनार; उद्धत
टर्राना अ०क्रि० उद्धत जवाब देवो
टर्रू पु० 'टर्रा'—माणस (२) देडको
टल्ला पु० टल्लो;'टिल्ला';ठोकर;धक्को
टल्लेनवीसी स्त्री० टल्ले चडाववानी होशियारी; बहानु
टस स्त्री० भारे चीज खसवानो अवाज. **—से मस न होना**=जरा पण न चसकवु
टसक स्त्री० चसक (अ०क्रि० **टसकना**)
टसर पु० टसर रेशम
टसुआ पु० आसु; 'टिसुआ'
टहना पु० (स्त्री० **–नी**) डाळु; शाखा
टहल स्त्री० सेवाचाकरी (२) कामधंधो **—बजाना**=सेवाचाकरी करवी
टहलना अ०क्रि० टहेलवु; फरवु **टहल जाना**=खसी जवु
टहलनी स्त्री० दासी; नोकरडी
टहलुआ, टहलू पु० सेवक; दास
टहलुई स्त्री० 'टहलनी'; दासी
टहोका पु० धब्बो के लात; झटको; धक्को
टाँक स्त्री० टाक वजन (२) टाक;अणियु (३) किमतनो अडसट्टो; अदाज (४) सीवणनो टाको [माणस
टाँकर पु० बदमाश, लुच्चो लफंगो
टाँकना स०क्रि० टांको मारवो; सीववु (२) टांकी—लखी लेवु; टपकाववु (३) साथे जोडवु (४) टागवु; लटकाववु (५) (घटी) टाकवी
टाँका पु० पथ्थरनु टाकणु (२) पाणीनु टांकु (३) (सीवणनो के घानो) टाको (४) थीगडु

टाँकी स्त्री० नानु टाकणु (२) फळ चाखवा कपाती डगळी (३) पाणीनी टाकी

टाँग स्त्री० टांग; पग **–अड़ाना**=नकामी डखल करवी; माथु मारवु **–तले से (या नीचे से) निकलना**=हारवु. **–पसार कर सोना**=पोड ताणीने–निराते सूवु

टाँग(–घ)न पु० टागण; पहाडो टट्टु

टाँगना स०क्रि० टागवु; टिंगाडवु

टाँगा पु० कुहाडो (२) टांगो; गाडी

टाँगी स्त्री० कुहाडी

टाँघन पु० जुओ 'टाँगन'

टाँच स्त्री० जुओ 'टाँका' ३, ४ अर्थ (२) काममा फांस मारवी ते (३) वि० तकलीफ देनारु; ऊंधी मतिनु

टाँचड़ा वि० जुओ 'टाँच'

टाँचना स०क्रि० जुओ 'टाँकना'

टाँट पु० खोपरी

टाँठ(–ठा) वि० कठोर (२) दृढ; मजबूत

टाँड स्त्री० खेडूतनो माळो के तेना जेवी कोई रचना (२) मोईनो टोल्लो (३) सामान मूकवानी अभराई; 'परछत्ती'

टाँडा पु० वणजारानी पोठ के माल; टाडु

टाँय टाँय स्त्री० टें टे, नकामो बकवाद **–फिस**=धामधूम खूब पण फळ काई नहि; खाली डफास [मथाळु

टाइटिल स्त्री० [इ] उपाधि; इलकाब (२)

टाइप पु० [इ] गोत्रु **०राइटर** पु० टाइपराइटर यंत्र **–पिस्ट** पु० टाइप करनार

टाइफायड पु० [इ] टाइफॉईड; मुदतियो ताव

टाइम पु० [इ] समय; वखत **०टेबुल** पु० टाइमटेबल **०पीस** पु० [इ] घडियाळनो डबो

टाई स्त्री० [इ] नेकटाई; गलपटो

टाउन हाल पु० [इ] टाउन हॉल

टाट पु० टाट; गूणपाट (२) साहुकारनी बेठक (३) नात; जमात; 'बिरादरी' **–उलटना**=देवाळु काढवु **–में पाटका बखिया**=मेळ वगरनो साज

टाटक वि० जुओ 'टटका'

टाटबाफ़ी स्त्री० भरतकाम

टाटर पु० टाटु (२) 'टाँट'; खोपरी

टाटी स्त्री० टाटु

टान स्त्री० ताण; 'तनाव'; खेंच

टानना स०क्रि० ताणवु

टाप स्त्री० घोडानी खरी के तेनो अवाज

टापना अ०क्रि० घोडाए पग पछाडवो (२) आम तेम फाफा मारवा के राह जोता तपवु; 'टपना'

टापा पु० मेदान (२) छलग; कूदको (३) ढाकवा माटेनो टोपलो

टापू पु० टापु; बेट

टामन पु० टूमण; धतरमतरनो टुचको

टार(–ल)ना स०क्रि० जुओ 'टालना'

टारपीडो पु० [इ] टॉर्पीडो बोट

टाल स्त्री० मोटो ढग (२) टाळवु ते (३) लाकडा भूसा इ०नी दुकान

टालटूल स्त्री० टाळवानी युक्ति; बहानु

टालना स०क्रि० टाळवु

टालमटूल स्त्री० जुओ 'टालटूल'

टाली स्त्री० ढोरना गळानी घटडी

टावर पु० [इ.] टावर; 'घटाघर'

टिंडा पु० एक शाक

टिकट पु० टिकिट

टिकटिक अ० घडियाळनी टकटक

टिकठी स्त्री० टिपाई (२) फटका मारवा माटे गुनेगारने बाधवानी घोडी के फासीनो माचडो (३) ठाठडी

टिकड़ा पु० (स्त्री० –ड़ी) गोळ चपटो टुकडो (२) बाटी
टिकना अ०क्रि० टकवु
टिकली स्त्री० टीकडी (२) टीलडी
टिकस पु० टॅक्स; कर
टिकाऊ वि० टकाउ
टिकान स्त्री० टकवानु ठेकाणु के टकवु ते
टिकाना स०क्रि० टकाववु
टिकाव पु० टकाव [(३) टीलडी
टिकिया स्त्री० टीकडी (२) एक पकवान
टिकैत पु० टिकायत–गादीनो कुवर (२) नायक; सरदार
टिकोरा पु० आंबानो मरवो [रोटली
टिक्कड पु० मोटी टीकडी (२) टिक्कड
टिक्का पु० 'टीका'; तिलक
टिक्की स्त्री०टीकडी –जमना,–बैठना, –लगना=टीकडी लागवी; फाववु
टिघलना अ०क्रि० जुओ 'टघरना'
टिचन वि०[इ एटेन्शन]तैयार [झाकवु
टिटकारना स०क्रि० (पशुने) डचकारवु;
टिटिह,–हा पु० नर-टिटोडी पक्षी –हरी स्त्री० टिटोडी [(२) रोककळ
टिटिहा-रोर पु० टिटियारो; कळाहोळ
टिट्टिभ पु० [स] टिटोडी
टिड्डा पु० तीतीघोडो
टिड्डी स्त्री० तीड ०दल पु० मोटु झुड
टिप टिप स्त्री० टपक टपक टपकवु ते
टिपका पु० टपकु; बुंद
टिपवाना स०क्रि० 'टीपना'नु प्रेरक
टिपारा पु० कलगीवाळो मुगट
टिप्पणी,–नी स्त्री० टीपणी; टीका
टिप्पन पु० टीपणी (२) जन्माक्षर.–नी स्त्री० जुओ 'टिप्पणी'
टिफ(-फि)न स्त्री०[इ.]बपोरनो नास्तो
टिमटिमाना अ०क्रि० दीवा झाखो बळवो के बुझाता पहेल। टमटमवो
टिरफिस स्त्री०टडपड;डफांसभेर विरोध
टिर्राना अ०क्रि० जुओ 'टर्राना'
टिलिया स्त्री० नानी मरघी के बच्चु
टिल्ला पु० टल्लो; धक्को –ल्लेनवीसी स्त्री० जुओ 'टल्लेनवीसी'
टिसुआ पु० 'टसुआ'; आसु
टिहुनी स्त्री० घूटण (२) कोणी
टींटीं अ० पोपटनो अवाज
टीकना स०क्रि० 'टीका'–तिलक करवु (२) टीक–निशानी करवी
टीकरा पु० टेकरो (–री स्त्री०)
टीका पु० तिलक; चाल्लो (२) सगाई कर्यानो के राज्याभिषेकनो चाल्लो (३) डाघो; चिह्न (४) रसी मुकाववी ते; 'इन्जेक्षन' (५) [स] टीका
टीड़ी स्त्री० 'टिड्डी'; तीड [गा डब्बो
टीन पु० [इ] कलाई–टिन के तेनु पतरु
टीप स्त्री० टीपवु ते (२) टीप; नोंध (३) गावामा ऊंचो सूर (४) जन्मपत्री
टीपटाप स्त्री० टापटीप
टीपन पु० 'टिप्पन'; जन्माक्षर
टीपना स०क्रि० टीपवु (२) दबाववु; चापवु (३) टीप करवी (४) स्त्री० 'टीपन'; जन्माक्षर
टीबा पु० टीबो; टेकरो
टीमटाम स्त्री० टापटीप
टील स्त्री० नानी मरघी; 'टिलिया'
टीला पु० 'टीबा'; टेकरो; टींबो (२) डुगरो
टीस स्त्री० चसक; 'टसक'. –उठना, –मारना=चसका मारवा के नाखवा
टीसना अ०क्रि० चसका नाखवा

टुंटा(-डा) वि० टूटु; ठूठु
टुइल स्त्री० 'ट्विल' कपडु
टुक अ० थोडु; जरा [भिखारी
ुकड़गदा पु० टुकडा मागी खानार;
टुकड़तोड़ पु० आश्रित; परोपजीवी
टुकड़ा पु० टुकडो -तोड़ना=बीजा पर निर्वाह करवो -सा जवाब देना=साफ ना पाडवी [मडळी
ुकड़ी स्त्री० नानो टुकडो (२) टुकडी;
टुच्चा वि० तुच्छ; क्षुद्र; हीन
टुटका पु० टुचको; मंत्रनो प्रयोग
टुटपुंजिया वि० थोडी पूजीवाळु; तूटेलु
ुटरूँ पु० होलो
टुटरूँ टूँ स्त्री० होलानी बोली (२) वि० एकलु (३) दुर्बल ने पातळु (माणस)
टुनगा पु०, (टुनगी स्त्री०) डाळीनो आगळनो-कूपळवाळो भाग
टुनहाया पु० जुओ 'टोनहाया'
टूँगना स०क्रि० करडी के करपी खावु (जेम के कूपळ) (२) धीरे धीरे करपीने खावु [पर होय छे ते
टूँड़ पु० मच्छर वगेरेने बे मूछो जेवु मों
टूँड़ी स्त्री० डूटी (२) डूटो; फणगो
टूक, टूकर पु० टुक; टुकडो
टूका पु० टुकडो (२) भोख
टूट स्त्री० तूटी अलग पडेलो टुकडो (२) तूटवु ते (३) लखाणमा रही गयेलो भाग जे पछी उमेराय छे (४) पु० तोटो; घट
टूटना अ०क्रि० तूटवु (२) तूटी पडवु; हल्लो करवो. ूट टूट कर बरसना= मुसळधार वरसवु
टूटा वि० तूटलु (२)कमजोर(३)निर्धन
टूटाफूटा वि० तूटचुफूटचु

टूठना अ०क्रि० (प) तूठवु, प्रसन्न थवु
टूठनि स्त्री० (प) सतोष; प्रसन्नता
टूम स्त्री० घरेणु (२) महेणु; 'ताना'
टसी स्त्री० फूलनी कळी [बकवाद;टेंटें
टें स्त्री० पोपटनी बोली -टें=खाली
ेंगना(-रा) स्त्री०एक जातनी माछली
टेंट स्त्री० ओटी (२) कपासनु जीडवु
टेंटी स्त्री०'करील'-केरडो के तेनु केरडु
टेंटुवा पु० टोटो; गळानो हैडियो
टेंटें स्त्री० जुओ 'टें'मा; टेटे [घोडी
टेउकी स्त्री०,-कन पु० टेकण; टेकानी
टेक स्त्री० टेक; टेको (२) हठ (३)आदत
टेक(-का)न ु०, टेकनी स्त्री० टेको; टेकण
टेकना स०क्रि० टेकवु; टेको आपवो के लेवो माथा ेकना=प्रणाम करवा
टेकर(-रा) पु० टेकरो [-तेनो चोतरो
टेकान पु० टेकण; थाभलो (२) विसामो
टेकी वि० टेकीलु; टेकवाळु (२) जिद्दी
टेकुआ पु० त्राक (२) टेकानु लाकडु
टेकुरी स्त्री० दोरडु भागवानी फरकडी के तकली
टेघरना अ०क्रि० पीगळवु; ओगळवु
टेढ़बिढ़ंगा वि० वाकुचूकु
टेढ़ा वि० वाकु (२) कठण; मुश्केल (३) उद्धत. -पड़ना या होना=गरम थवु; 'टर्राना' टेढ़ी खीर=अघरु काम. टेढ़ी सीधी सुनाना=सारु-माठु सभळाववु. (नाम टेढ़ाई स्त्री०)
ेढ़ामेढ़ा वि० वाकुचूकुं
टेढ़े अ० सीधु नहि; वाकमा; फेरमा. टेढ़े जाना=गर्वथी वर्तवु
टेना स०क्रि० धार काढवा पथ्थर पर घसवु (२) मूछ मरडवी

टेनिस स्त्री० [इ] टेनिस रमत
टेबुल पु० टेबल; मेज
टेम स्त्री० दीवानी दश (२) टाइम;समय
टेर स्त्री० ऊंचो अवाज (२) पोकार;हाक
टेरना स०क्रि० ऊंचे अवाजे गावु के बोलवु; हाक मारवी
टेरा वि० वाडु (२) पु० पडदो
टेलिग्राम पु० [इ] तार
टेलीफोन पु० (इ) टेलिफोन के तेनु यंत्र
टेव स्त्री० टेव; आदत; लत
टेवना स०क्रि० जुओ 'टेना'
टेवा स्त्री० जनमोत्री
टेवैया पु० धार काढनारो
टेसू पु० केसूडो के तेनु फूल (२) वाळकोनो (दशेरानो) एक उत्सव
टैक्स पु० [इ] कर; वेरो
टैक्सी स्त्री० [इ] टॅक्सी मोटर
टैनरी स्त्री० [इ] टॅनरी; चर्मालय
टोंट स्त्री० चांच
टोंटी स्त्री० नाळचु(जेम के झारीनु)(२) नळी। चकली। के टोटी
टोक,०टाक स्त्री० टोकणी; खणखोद
टोकना पु० टोपलो (२) मोटो हाडो-देगडो (३) स०क्रि० टोकवु. -नी स्त्री० टोपली (२) नानो हांडो
टोकरा पु० टोपलो; छाबडु
टोकरी स्त्री०टोपली;छाबडी(२)बटलोई
टोटका पु० टुचको; जादुमतर; 'टुटका'. -करने आना=आवीने तरत जता रहेवु
टोटल पु०[इ] कुल सरवाळो -मिलाना =सरवाळो करवो

टोटा पु० कारतूस (२) घट; तोटो
टोनहा (०या) पु०टुचको करनारो-भूवो
टोना पु० टुचको; जादु (२) विवाहनु एक जातनु गीत (३) स०क्रि० हाथथी स्पर्शी जोवु; 'टटोलना'
टोप पु० टोपो; मोटी टोपी (२) टोप; लोढानी लश्करी टोपी
टोपा पु० टोपो (२) टोपलो (३) मोटो टांको; टेभो
टोपी स्त्री० टोपी (२) बंदूक फोडवानी टीकडी; 'कॅप' ०वाला पु० टोपीवाळो -गोरो [टांको
टोब (-बा,-भा) पु० 'टोपा'; टेभो;
टोल स्त्री० टोळी (२) पाठशाळा (३) पु० [इ] रस्तानो कर, टोल
टोला पु० लत्तो; वगो; महोल्लो (२) रोडु; पथरा के ईंटनो ककडो
टोली स्त्री० नानो महोल्लो (२) टोळी
टोवना स०क्रि० जुओ 'टोना'
टोह स्त्री०खोळ,तपास(२)खबर;सभाळ
टोहना स०क्रि० खोळवु (२) जुओ 'टटोलना'
टोहाटाई स्त्री० जुओ 'टोह'
टोही,-हिया वि० 'टोह' करनार के राखनार
ट्रंक पु० [इ] ट्रंक; पेटी
ट्रस्ट पु० [इ] ट्रस्ट; न्यास; सुपरत. -स्टी पु० [रस्ती
ट्राम,०वे स्त्री०[इ] ट्राम गाडी के तेनो
ट्रेन स्त्री० [इ.] रेलगाडी. -छूटना स्टेशनथी गाडी ऊपडवी

ठ

ठंठ वि० ठूठु (झाड)
ठंठार वि० खाली; पोलु
ठंड(–ढ) स्त्री० ठंडी; टाढ
ठंड(–ढ)क स्त्री० ठंडी; टाढ (२) शांति; तृप्ति
ठंडा(–ढा) वि० ठंडु; शीतळ; टाढु (२) प्रसन्न; खुश (३) शांत; निरांतवाळु. **–मुलम्मा** पु० वना तपाव्ये कराते गिलेट **–होना** = ठंडु पडवु; मरी जवु **ठंडी आग**=हिम (२) बरफ **ठंडी मार**=मूढ–छूपो मार. **ठंडी साँस** = दुःखी श्वास; आह **ठंडे ठंडे**= खुशी-आनंदमां (२) टाढे पहोर (३) चूपचाप
ठंढ, ०क, –ा जुओ अनुक्रमे 'ठंड, ०क, –डा'
ठंढाई स्त्री० शरीरनी गरमी शमावे एवी दवा के मसालानु पीणु (२) रगडेली भांग
ठंढी वि०स्त्री० ठंडी (वस्तु) (२) स्त्री० वळिया. **–ढलना**=वळिया नरम पडवा. **–निकलना**=वळिया नीकळवा
ठक स्त्री० ठोकवानो अवाज (२) (प) हठ (३) वि० चकित; स्तब्ध
ठकठक स्त्री०ठकठक अवाज(२)खटखट
ठकठकाना स० क्रि० ठक ठक करवु; खटखटाववु
ठकुरसुहाती स्त्री० खुशामत
ठकुराइन स्त्री० ठकराणी(२)क्षत्रियाणी (३) वाळंदण
ठकुराई स्त्री० ठकराई; ठकरात
ठकुरानी स्त्री० ठकराणी (२) शेठाणी
ठकुरायत स्त्री० ठकरात
ठग पु० ठग; धुतारो. **–लगना**=ठगनो उपद्रव होवो ['ठगी'
ठग(–गा)ई स्त्री० ठगाई; ठगबाजी;
ठगना स०क्रि० ठगवु (२) अ०क्रि० ठगावु (३) चकित थवु **ठगासा**= आश्चर्यचकित
ठगनी, ठगिन(–नी) स्त्री० ठगणी के ठगनी स्त्री
ठगाई,–ही स्त्री० जुओ 'ठगई'
ठगाना अ०क्रि० ठगावु; छेतरावु
ठगिन,–नी स्त्री० जुओ 'ठगनी'
ठगी स्त्री० ठगनु काम के ठगविद्या
ठगोरी स्त्री० ठगविद्या जेवी करामत के मोहिनी; जादु
ठट(–ठ) पु० ठठ; भीड (२) हार; पंक्ति (३) ठाठ; सजावट **–लगना**= ठठ जामवी
ठटना स०क्रि० ठराववु (२) सजवु (३) अ०क्रि० ठेरवु; थोभवु (४) सजावु
ठट(–ठ)री, ठट्टी स्त्री० हाडपिंजर(२) कोई वस्तुनु खोखु; फरमो (३) ठाठडी
ठट्ट पु० जुओ 'ठट'
ठट्टी स्त्री० जुओ 'ठटरी'
ठट्ठा पु० ठठ्ठो; मश्करी
ठठ पु० ठठ; भीड
ठठकना अ०क्रि० जुओ 'ठिठकना'
ठठरी स्त्री० जुओ 'ठटरी'

ठठाना स०क्रि० ठोकवु; ठाठा भागवा (२) अ०क्रि० जोरथी हसवु
ठठेरा पु० कंसारो **ठठेरे ठठेरे बदलाई** =जेवो माणस तेवो वहेवार **ठठेरेकी बिल्ली**=विकट दा थी न गभरानार
ठठेरी स्त्री० कसारण (२) कसाराकाम
ठठोल पु० मश्करो (२) मश्करी
ठठोली स्त्री० मश्करी
ठडा,–ढ़ा वि० खडु; ऊभु **–ढ़िया** पु० ऊभो मोटो खांडणियो
ठनक,–कार स्त्री० ठणकारो
ठनकना अ०क्रि० ठणकवु; ठण ठण–खणण अवाज करवो; ठणठणवु; खणखणवु (२) चसका नाखवा
ठनगन स्त्री० मगळ प्रसगे दापु लेनार वधारे लेवा करे छे ते हठ
ठनठन-गोपाल पु० ठणठण-गोपाळ; नकामी वस्तु के निर्धन खाली माणस
ठनठनाना स०क्रि० ठ णावबु, ठोकवु; वगाडवु (२) अ०क्रि० 'ठनकना'
ठनना अ०क्रि० प्रारभ थवो (२) ठराव थवो; ठरवु (३) तयार थवु
ठनाका पु० ठणकारो
ठपका पु० ठेस; धक्को; आघात
ठप्पा पु० कोई पण बीबु के तेनी छाप (२) नकसीदार फूलगोटो; थप्पो
ठमक स्त्री० ठमकती चाल; मको (२) खमचावु ते [चालवु (२) खमचावु
ठमकना अ०क्रि० ठमकवु; मकाथी
ठरना स०क्रि० दृढताथी शरू करवु के करवा लागवु (२) ठरावबु (३) अ०क्रि० स्थिर थवु; जुओ 'ठनना'
ठरना अ०क्रि० ठरवु; ठडीथी अकडावु (२) खूब ठडो पडवी

ठर्रा पु० जाडु सूतर (२) महुडी-दारू
ठवनी स्त्री० बेसवा के ऊठवानी रीत
ठस वि० ठस; मज्जड (२) 'ठोस'; सगीन (३) आळसु (४) बरोबर न खखडतो (रूपियो) (५) कजूस [नखरु
ठसक स्त्री० ठसको; रोफ (२) ठमको;
ठसका पु० सूकी उधरस; ठासो (२) ठोकर, ठेस
ठसाठस अ० ठसोठस; बरोबर ठांसीने
ठस्सा पु० ठस्सो; सको; ठसक
ठहरना अ०क्रि० ठेरवु; थोभवु (२) रवु; नक्की थवु; बनवु
ठहराव पु० ठराव; निश्चय (२) स्थिरता
ठहरौनी स्त्री० विवाहमा लेवडदेवडनो ठराव [हसवु
ठहाका पु० अट्टहास **–लगाना**=खडखड
ठाँ, ०ई स्त्री०, **०उँ** पु० ठाम; जगा (२) अ० पासे
ठाँठ वि० नीरस (२) वसूकेल
ठाँयँ पु०,स्त्री० ठाम; स्थान (२) समीप (३) स्त्री० बदूकनो 'ठां' अवाज
ठाँव पु० ठाम; स्थान
ठाँसना स०क्रि० ठांसवु (२) रोकवु (३) अ०क्रि० ठासवु; खासवु
ठाकुर पु० ठाकोरजी (२) ठाकोर; जमीनदार (३) स्वामी; धणी
ठाकुरद्वारा पु०,**ठाकुरबाडी** स्त्री० मदिर
ठाट(–ठ) पु० ठाठ (२) टाटु (३) अधिकता (४) साधनसामग्री; साज. **–बदलना** = नवा रूपरग धारण करवा (२) नवो पेंतरो रचवो. **–मारना**=मोज करवी
ठाट-बाट पु० ठाठमाठ (२) आडबर
ठाटर पु० ठाठमाठ (२) टाटियु; 'ठाट'

ठाढ़ा वि० तद्दन सीधु ऊधु-ऊभु; खडु; टटार (२) लठ्ठ; हृष्टपुष्ट
ठान स्त्री० कार्यनो आरंभ; स्थान (२) ठराव; दृढ निश्चय
ठानना, ठाना स० क्रि० तत्पर थई आरंभवु (२) ठरावव; नक्की करवु
ठाम पु० ठाम; ठेकाणु; जगा
ठार पु० ठार; खूब ठंडी के हिम
ठाला पु० बेकारी (२) कमाणीनो अभाव (३) वि० ठालु; बेकार
ठाली वि० ठालु; बेकार; खाली
ठिगना वि० ठींगणु, गट्टु
ठिकाना पु० ठेकाणु (२) स० क्रि० ठरावव
ठिठकना अ० क्रि० खमचावु; खचकावु
ठिठरना, ठिठुरना अ० क्रि० टाढे ठठरवु
ठिनकना अ० क्रि० डूसका खाई रोवु
ठिर,०न स्त्री० 'ठार'; खूब ठंडी
ठिरना अ० क्रि० जुओ 'ठरना'
ठिलना अ० क्रि० ठेलावु(२) धसवु [घडो
ठिलिया स्त्री०, ठिल्ला पु० गागर; नानो
ठिलुआ वि० ठालु, बेकार; 'निठल्ला'
ठिलरा पु० जुओ 'ठिलिया'
ठीक वि० साचु; यथार्थ (२) योग्य (३) अच्छु (४) स्थिर; पाकु; नक्की (५) अ० ठीक; वारु (६) पु० निश्चय; ठराव —देना = मनमां नक्की करवु
ठीकठाक पु० नक्की, ठीकठाक करेलु ते; बंदोबस्त (२) ठराव (३) वि० बरोबर
ठीकरा पु० ठीकरु (सिर पर) —फोड़ना = दोष माथे नाखवो —होना = खूब खर्च थवु
ठीकरी स्त्री० ठीकरी (२) चलमनो तवो
ठीका पु० ठेको; करार (२) पटो; इजारो
ठीकेदार पु० ठेकादार
ठीहा पु० गादी (२) ठाम; स्थान (३) हद (४) जमीनमां दाटेलु डीमचु, जे उपर वस्तु मूकी सुतार वगेरे काम करे छे
ठुंठ पु० झाडनु ठूठु (२) ठूठो
ठुकना अ० क्रि० ठोकावु (२) मार खावो (प्रेरक, ठुकवाना)
ठुकराना स० क्रि० ठोकर मारवी ['ठुर्री'
ठुड्डी स्त्री० चिबुक; दाढी; 'ठोडी' (२) जुओ
ठुमक, ०ठुमक वि० ठमक ठमक, ठमकतु
ठुमकना अ० क्रि० ठमकवु
ठुमकी स्त्री० पतंगनी ठुमकी
ठुमरी स्त्री० ठुमरी गायननी चाल (२) गप; अफवा [नहि
ठुर्री स्त्री० गागडु दाणो जे शेक्ये फूले
ठुसना अ० क्रि० ठांसावु
ठुसाना स० क्रि० ठांसावव
ठूँठ पु० जुओ 'ठुंठ'
ठूँठा वि० ठूठु (झाड के माणस)
ठूँसना, ठूसना स० क्रि० ठांसवु
ठेंगना वि० ठींगणु
ठेंगा पु० अंगूठो (२) सोटो, डंडो —दिखाना = साफ ना कहेवी; डिंगो करवो
ठेंठी (—पी) स्त्री० काननो मेल (२) (काननो) दाटो
ठेकना स० क्रि० टेकवु (२) टकवु, ठेरवु
ठेका पु० टेको (२) तबलानो ठेको (३) ठेकर (४) ठेरवानु ठेकाणु (५) जुओ 'ठीका' [रटो ठेकवी ते
ठेकाई स्त्री० कपडाने छापवामां काळो
ठेकी स्त्री० टेको; आशरो (२) विसामो करवो ते
ठेकेदार पु० जुओ 'ठीकेदार'
ठेठ वि० शुद्ध (२) बिलकुल; पूरु (३) स्त्री० बोली —से = ठेठथी; शरूथी

ठेलना स० क्रि० ठलवु; धकेलवु
ठेला पु० ठेलो (२) ठेलण-गाडी (३) धक्कधक्का
ठेस स्त्री० ठेस; ठोकर
ठैयाँ स्त्री० 'ठाँयँ'; ठाम; ठेकाणु
ठोक स्त्री० ठोक; ठोकवु ते
ठोकना, ठोकना स० क्रि० ठोकवु **–बजाना** =तपासवु; परखवु
ठोकर स्त्री० ठेस; ठोकर (२) जोडानो आगळनो भाग **–उठाना**=खोट के दुख सहवु **–खाना, लेना**=ठोकर खावी
ठोड़ी, –ढ़ी स्त्री० चिबुक; हडपची; दाढी
ठोर पु० ठोर पकवान (२) चाच
ठोस वि० सगोन; पोलु नहि (२) दृढ (३) पु० ईर्षा; दाझ
ठोसा पु० 'ठेंगा'; अंगूठो के डंडो
ठौर पु० ठार; ठाम (२) अवसर ०ठिकाना पु० ठामठेकाणु **–न आना**=पासे न आववु **–रखना**=ठार करवु **–रहना** =ठार थवु; मरी जवु
ठौर कुठौर अ० कठेकाणे (२) अवसर वगर; कवखते

ड

डक पु० डख (२) कलमनी टाक
डंका पु० [स ढक्का] डंको. **डंकेकी चोट कहना**=दांडी पीटीने कहेवु
डंगर पु० 'डाँगर'; ढोर [के डाखळी
डंठल पु०, डंठी स्त्री० नाना छोडनु थड
डंड पु० दंडो (२) दंडनी कसरत (३) दंड. **–डालना**=दंड करवो **–पड़ना**= दंड थवं; नुकसान थवु **–पेलना**= दंड पीलवा [माणस
डंडपेल पु० पहेलवान (२) बळवान
डंडवारा पु०, **–री** स्त्री० फरती दीवाल के कोटनो वंडो [चोतरफनी दीवाल
डंडा पु० दंडो, सोटो; लाठी (२) वंडो;
डंडिया पु० दंड–कर वसूल करनार (२) स्त्री० एक जातनी साडी
डंडियाना स० क्रि० डांडियु करवा सीववु
डंडी पु० दंडी; साधु (२) स्त्री० डांडी; नानो दंडो (३) दांड़ (४) हाथो; दस्तो. **–मारना**=तोलवामा हाथचालाकीथी दांडी नमावी देवी
डँडोरना स० क्रि० (प) ढूढवु; खूब खोळवु
डंडौत अ० (प) दंडवत्
डंबर पु० [स] आडंबर (२) विस्तार
डंबेल पु० [इ] कसरतनो मगदळ
डँवाँडोल वि० जुओ 'डाँवाँडोल'
डंस पु० डास (२) दशनी जगा
डँसना स० क्रि० 'डसना'; डसवु
डकार पु० ओडकार (२) वाघ-सिंहनी गर्जना **–न लेना**=परायु धन चुपचाप हजम करी जवु [गर्जवु
डकारना अ० क्रि० ओडकार खावो (२)
डकैत पु० डाकु; लूटारो
डकैती स्त्री० डकाटी; लूटफाट
डग पु० डगलु; पगलु **–देना, भरना**= डगलु भरवु; आगळ चालवु **–मारना** =पग उपाडवा; जलदी चालवु
डगड(–म)गाना, डगडोलना अ० क्रि० डगमगवु; लथडवु
डगडौर वि० डामाडोळ; डगुमगु
डगना अ० क्रि० जुओ 'डिगना'

डगमगाना अ०क्रि० डगमगवु
डगर स्त्री० रस्तो; मार्ग
डगरा पु० 'डगर' (२) छावडु
डटना अ०क्रि० लागवु; मंडवु; जारी रहेवु **डटकर खाना**=खूब पेट भरीने खावु **डटा रहना**=लाग्या रहेवु;न हटवु
डट्टा पु० हूकानो मेर (२) डट्टो
डढ़ार(-रा) वि० दाढ के दाढीवाळु
डढ़ियल वि० लांबी दाढीवाळु
डपट स्त्री० वढवु ते (२) घोडानी रपेट –जोरदार चाल [काढवो
डपटना स०क्रि० वढवु; ऊंचो अवाज
डपोरसंख पु० डिंग मारनार (२) डफोळ
डफ(०ला) पु० डफ (२) चग; एक वाजु
डफली स्त्री० खजरी
डफाली पु० डफ वजावनार (२) डबगर
डब पु० थेलो; खीसु
डबडबाना अ०क्रि० डबडब आंसु आववा
डबरा पु० पाणीनु खाबडु के होज या कुंड
डबल वि०[इं] बमणु (२) जाडु; स्थूल (३) पु० पैसो
डबी,-बिया स्त्री० डबी
डबोना स०क्रि० 'डुबाना'; डबोववु
डब्बा पु० डब्बो (२) गाडीनो डब्बो
डब्बू पु० पीरसवानो डूचो
डमरू पु० डमरु; डाकलु
डमरूमध्य पु० संयोगीभूमि
डर पु० डर; भय [(प्रेरक डराना)
डर(०प)ना अ० क्रि० डरवु; बीवु
डरपोक वि० बीकण; डरकण
डरावना वि०डरामणु;भयानक;बिहामणु
डरावा पु० डराववा कहेलो वात (२) (खेतरनो) चाडियो
डल पु० 'डला'; टुकडो; गागडो
डलना अ०क्रि० पडवु; नखावु [प्रेरक
डलवाना स०क्रि० नंखाववु; 'डालना'नु
डला पु० गागडो (२) करंडियो के छाबड
डलिया पु० 'डला'; छाबडु
डली स्त्री० गागडी (२) सोपारी
डसना स०क्रि० डसवु; करडवु (डसाना, डसवाना प्रेरक)
डहकना स०क्रि० ठगवु; छेतरवु (२) अ०क्रि० विलाप करवो (३) दुःखथी डसका भरवा; डसकवु
डहकाना स०क्रि० खोवु; गुमाववु (२) अ०क्रि० ठगावु (३) स०क्रि० ठगी लेवु; छेतरवु [आनंदी
डहडहा वि० ताजु; लीलु (२) प्रसन्न;
डहडहाना अ०क्रि० (वनस्पतिनु) लील ताजु होवु (२) प्रसन्न होवु
डहना अ०क्रि० बळवु (२) दाझे बळवु (३) स०क्रि० बाळवु (४) दुःखी करव
डहर स्त्री० 'डगर'; रस्तो
डाँक स्त्री० डाक; नग नीचे जडातु त्रांबा सोनानु पातळु पतरु (२) ऊलटी; ओक
डाँकना स०क्रि० ओळगवु; कूदीने पार करवु (२) अ०क्रि० ओकवु
डाँग पु० जंगल (२) डांग; लाठी
डाँगर पु० 'डगर'; चोपगु (२) तेनी लाश (३) वि० सूकलु; दूबळु (४) गमार; मूर्ख
डाँट स्त्री० काबू; वश (२) धमकी
डाँटना स०क्रि० वढवु; धमकाववु
डाँड़ पु० दंडो (२) हलेसु (३) सीमा; हद (४) दंड; 'जुरमाना'
डाँड़ना अ०क्रि० दंड करवो
डाँडा पुं० जुओ 'डाँड' १ थी ३
डाँड़ा-मेंड़ा पु०, –ड़ी स्त्री० बे मालकी वच्चेनी हद (२) झघडो; अणबनाव

डांड़ी स्त्री० दाडी
डांवरा पु० (स्त्री० -री) छोकरो; पुत्र
डांवा(-वाँ)डोल वि०डामाडोळ;अस्थिर
डाइ(-कि)न स्त्री० डाकण
डाक स्त्री० टप्पो; टपाल (२) 'डाँक'; ऊलटी ०खाना,०घरपु०टपाल-ऑफिस ०गाड़ी स्त्री० मेलगाडी. ०बंगला पु० मुसाफरी-बंगलो ०महसूल पु० टपाल-खर्च. ०मुंशी पु० पोस्टमास्तर ०व्यय पु० टपालखर्च ['डाँकना'
डाकना स०क्रि० (२) अ०क्रि० जुओ
डाका पु० डाको; धाड
डाकाजनी स्त्री० धाड पाडवी ते;डकाटी
डाकिन,-नी स्त्री० डाकण
डाकिया पु० टपाली
डाकी स्त्री० ऊलटी (२) वि० खाउधरु
डाकू पु० लूटारो(२)वि०'डाकी',खाउधरु
डाक्टर पु० [इ] दाक्तर -री स्त्री० तेनी विद्या के काम
डाट स्त्री० टेको (२) दाटो (३) 'डाँट'
डाटना स०क्रि० दाटो मारवो (२) 'डाँटना' (३) 'डटकर खाना'; खूब खावु (४) जोर करीने धकेलवु
डाढ स्त्री० दाढ, दात (२) वडवाई -गरम होना=बरोबर के सारु खावानु मळवु (२) लाच मळवी
डाढ़ना स०क्रि० (प) दहवु; वाळवु
डाढ़ा स्त्री० दावानळ (२) ताप
डाढ़ी स्त्री० दाढी -छोड़ना, -रखना= दाढी राखवी-वधारवी -पेटमें होना =नानी उमरमा मोटानी समज होवी -फटकारना=दाढी पर हाथ फेरवी संतोष के उत्साहनो भाव बतावबो
डाबर पु० नीची जमीन (२) तळावडु (३) हाथ धोवानु वासण; 'चिलमची' (४) मेलु पाणी [(३) लीलु नारियेळ
डाभ पु० दर्भ; डाभ (२) आंबानो मोर
डामर पु० [स] धामधूम (२) ठाठमा (३) चमत्कार (४) डामर [सजा
डामल स्त्री० जनमकेद; काळापाणीनी
डामाडोल वि० डामाडोळ; अस्थिर
डायन स्त्री० डाकण [डाइनेमो
डायन(-ना)मो पु० [इ] वीजळीनो
डायरी स्त्री० [इ] डायरी; रोजनीशी
डार(-ल) स्त्री० डाळ (२) 'डलिया'; छाबडु
डालना स०क्रि० नाखवु
डालर पु० [इ] डॉलर सिक्को के नाणु
डाली स्त्री० डाळी (२) जुओ 'डलिया'
डावरा पु० जुओ 'डाँवर'
डासन पु० (प) बिछानु; पाथरणु
डासना स०क्रि० बिछाववु
डासनी स्त्री० खाटलो; पलग
डाह स्त्री० दाह (२) ईर्षा
डाहना स०क्रि० बाळवु (२) सताववु
डिंगर पु० ढोरनो डेरो
डिंगल वि० नीच (२) स्त्री० रजपूतानानी चारणी भाषा [शोरबकोर
डिंब पु० [स] ईंडु (२) दगोफिसाद (३)
डिंभ पु० दंभ; घमंड (२) [स.] बच्चु के बाळक (३) मूर्ख
डिगना अ०क्रि० डगवु (प्रेरक डिगाना)
डिगरी स्त्री० डिग्री; पदवी (२) हुकमनामु; 'डिक्री'. ०दार पु० जेना पक्षमा हुकमनामु थाय ते
डिठार, डिठियारा वि० देखनार; देखतु
डिठौना पु० नजर न लागे माटे करातु काळु टपकु

डिपटी पु० डेप्युटी – नायब अमलदार
डिपाजिट पु०[इ] अनामत; डिपॉझिट
डिपार्टमेन्ट पु० [इ] विभाग; खातु
डिपो पु०;स्त्री० [इ] गोदाम; भंडार
डिप्टी पु० जुओ 'डिपटी'
डिबिया स्त्री० डबी
डिब्बा पु० डबो (२) एक बाळरोग
डिभगना स०क्रि० (प.) मोहित करवु; 'डहकना'
डिमडिमी स्त्री० डुगडुगी; डिंडिम
डिम(–मु)रेज पु० [इ] डामरेज – तेना पैसा (**–लगना**)
डिमाई स्त्री० [इ] कागळनु डेमी कद
डिलिवरी स्त्री०[इ] टपालनी वहेंचणी
डिविडेंड पु०[इ] शेरनु व्याज; डिविडंड
डिसमिस वि० [इ] रद, बरतरफ
डिस्ट्रिक्ट पु० [इ] जिल्लो
डिस्पेंसरी स्त्री० [इ] दवाखानु
डींग स्त्री० डिंग; शेखी **–हाँकना** = डिंग मारवी; शेखी बकवी
डीठ स्त्री० दृष्टि; नजर (२) समज
डीठना अ०क्रि० देखावु (२) स०क्रि० देखवु के देखाडवु [जादूगर
डीठबंध पु० नजरबंधी के ते करनार
डीमडाम स्त्री० ठाठमाठ; धामधूम
डील पु० कद (२) डिल; शरीर
डीलडौल पु० शरीरनु कद; काठु
डीह पु० वस्ती; गाम (२) ऊजड गामनी जगा (३) ग्रामदेवता
डुक,–क्का पु० घुम्मो
डुगडुगी, डुग्गी स्त्री० डुगडुगी; ढोलकी
डुबकी स्त्री० डूबकी; 'गोता' (२) कढीमां नखाती चणाना लोटनी वडी (**–खाना, –देना, –मारना, –लगाना, –लेना**)
डुबाना स०क्रि० डुबाडवु ('डूबना'नु प्रेरक)
डुबाव पु० डुबाय एटलु ऊंडाण
डुबोना स०क्रि० जुओ 'डुबाना'
डुब्बी स्त्री० डूबकी [चलाववु
डुलाना स०क्रि० डोलाववु; हलाववु;
डूंगर पु० डुंगर (२) टेकरो
डूंगा पु० डूंघो; एक जातनो चमचो
डूबना अ०क्रि० डूबवु; बूडवु
डेंड़सी स्त्री० काकडी जेवु एक शाक
डेग पु० देग; देगडो **०ची** स्त्री० नानो देग
डेडहा पु० डेंडवु; साप
डेढ़ वि० दोढ **–ईंटकी मसजिद बनाना** =मळीने काम न करवु; अतडु रहेवु **–चावलकी खिचड़ी पकाना**=जमालभाईनो जुदो चोको करवो; वधाथी जुदा पडवु
डेढ़ा वि० दोढ (२) पु० दोढाना आंक
डेपुटेशन पु०[इ] डेप्युटेशन; प्रतिनिधि-मंडळ लई जवु ते
डेरा पु० डेरो; पडाव (२) तंबू इ० पडाव नाखवानो सामान (३) घर **–पड़ना** = डेरो नखावो
डेल(–ला) पु० रोडु
डेल्टा पु० [इ] नदीनो डेल्टा
डेला पु० आंखनो सफेद डोळो (२) रोडु (३) ढोरनो डेरो
डेलिगेट पु० [इ] प्रतिनिधि
डेवढ़ा वि० 'डेढा'; दोढ (२) पु० दोढाना आंक [दरवाजो
डेवढ़ी स्त्री० डेली; दोढी (२) फाटक;
डेसिमल पु० [इ] दशांश
डेस्क पु० [इ] ढाळियु मेज

डेना पु० पाख
डोंगर पु० डुंगर
डोंगा पु० होडी (स्त्री० –गी)
डोई(–ही) स्त्री० डोयो; डूघो
डोकरा पु० डोसो, डोकरो (स्त्री०–री)
डोज़ पु०;स्त्री० [इ] दवानो डोझ
डोडा पु० मोटु जीडवु
डोडी स्त्री० जीडवु
डोब(–वा) पु० डूबकी
डोम(०ड़ा) पु० एक अस्पृश्य जात
डोम-काग,–कौआ पु० मोटो कागडो
डोमनी, डोमिन स्त्री० डोम स्त्री
डोर स्त्री० [सं] दोर; दोरो. –पर लगाना=रस्ता पर आणवु
डोरा पु० दोरो (२) लीटी –डालना= (रजाई इ० ना) दोरा नाखवा (२) प्रेममा फसाववु–आकर्षवु
डोरिया पु० दोरियु वस्त्र
डोरी स्त्री० दोरी (२) पाश; बंधन
डोल पु० डोल; वालटी (२) हीडोळो (३) डोळी (४) वि० चंचल
डोलची स्त्री० डोलवु; नानी डोल
डोलडाल पु० हरवु फरवु ते (२) दिशाए जवु ते
डोलना अ०क्रि० हालवु, डोलवु (२) फरवु
डोला पु० मेनो (२) हीचकानो हेल्लो –देना=कन्या आपवी. –निकालना =कन्याने वळाववी
डोली स्त्री० डोळी
डोही स्त्री० जुओ 'डोई'
डौंड़ी स्त्री० दाडी पिटाववी ते –देना, बजाना=दाडी पिटाववी
डौआ पु० लाकडानी कडछी
डौल पु० ढग; ढब; रीत (२) रूपरेखा; 'ढाँचा' (३) युक्ति; उपाय –डालना =रूपरेखा के खोखु तैयार करवुं. –बाँधना, –लगाना=उपाय के तजवीज करवी –पर लाना=ढगमा आणवु; ठीक स्वरूप घडवु
डौलदार वि० सुदर; घाटीलु
ड्योढ़ा वि० दोढ (२) पु० दोढा; 'डेवढा'
ड्योढ़ी स्त्री० जुओ 'डेवढी' ०दार, ०वान पु० दरवान
ड्राइंग स्त्री० [इ] ड्रॉइंग; चित्रकाम
ड्राइवर पु० [इ] गाडी हाकनार (जेम के रेलनो, मोटरनो)
ड्राम पु० [इ] प्रवाहीनु एक माप
ड्रिल स्त्री० [इ] ड्रिल; कवायत

ढ

ढंकन पु० 'ढकना', ढाकण
ढंग पु० ढग (२) उपाय; युक्ति (३) ढोंग; बहानु –का=ढगवाळु; चतुर
ढंगी वि० चतुर; चालाक; पाकु
ढंढोर पु० झोळ; आच (२) वादळ
ढंढोरची पु० ढढेरो पीटनार
ढंढोरना स०क्रि० ढूढवु; खोळवु
ढँढोरा पु० ढढेरो
ढँपना, ढकना अ०क्रि० ढकावु; छपा (२) स०क्रि० ढाकवु; छुपाववु (३) पु० ढाकणु
ढई स्त्री० धरणु; त्रागु –देना=धरणु धरीने बेसवु
ढकनिया, ढकनी स्त्री० ढाकणु; ढाकणी

ढका पु० डक्का; फुरजो (२) मोटु ढोल (३) (प) धक्का
ढकेलना स०क्रि० धकेलवु [-पीवु
ढकोसना स०क्रि० एकसाथे खूब ढीचवु
कोसला पु० ढोंग; पाखड
ढक्कन पु० ढाकण
ढक्का पु० मोटु ढोल; नगारु
चर पु० साहित्यसामग्री (२) बखेडो (३) ढोग; आडबर
ड्ढा वि० बेडोळ ने मोटु (२) पु० खोखु; रूपरेखा (३) जूठो 'ठाठ'
ढपना अ०क्रि० (२) पु० जुओ 'ढँपना'
ढब पु० ढब; ढग; रीत (२) आदत; प्रकृति (३) युक्ति
ढयना अ०क्रि०(दीवाल इ०)धसी आववु -पडवु (२) ध्वस्त-जमीनदोस्त थवु
ढरकना अ०क्रि० ढळवु; ढोळावु
ढरका पु० ढोरने काई पावानी नाळ
रकी स्त्री० वणवानो काठलो
ढर्रा पु० रस्तो; मार्ग (२) युक्ति; उपाय (३) ढग; चाल; टेव
ढलकना अ०क्रि० ढळवु; ढोळावु (२) गवडवु (प्रेरक **ढलकाना**)
ढलका पु० आखनो एक रोग
ढलना अ०क्रि० ढळवु; ढोळावु (२) गवडवु (३) बीबामा ढळावु (४) चमर ढोळावो
ढलवाँ वि० भरतर; ढाळेलु [प्रेरक
ढलवाना, लाना स०क्रि० 'ढालना' नु
ढलाई स्त्री० ढाळवानु काम के मजूरी
ढहना अ०क्रि० 'ढयना'; धसवु (ढहवाना, ढहाना प्रेरक)
ढाँक(-प)ना स०क्रि० ढाकवु [खरडो
ढाँचा पु० बीबु; फरमो (२) योजना;
ढाँपना स०क्रि० ढाकवु
ढाँस पु० ठासो; सूकी खासी [खावो
ँसना अ०क्रि० ठासवु; सूकी खासी
ढाई वि० अढी **-घड़ीकी आना**=मोत आववु **-घड़ीकी बादशाहत करना**=चार घडीनु चादरणु होवु (२) वर-राजा थवु
ढाक पु० पलाशनु झाड; खाखरो (२) मोटु एक ढोल **-के तीन पात**=सदाय सरखु (निर्धन)
ढाटा पु० बुकानी
ढाड़(-ढ़) स्त्री० राड; चीस; गर्जना. **-मारना**=पोक मूकीने रडवु
ढाढ़(-र)स पु० धैर्य; दिलासो; धीरज (२) हिंमत; दृढता **-बँधाना**=धैर्य के हिंमत आपवी
ढाढ़ी पु० एक गवैया जात(स्त्री०-ढिन)
ढाना स०क्रि० धसावी पाडवु; गबडावी नाखवु; 'ढाहना'
ढाबर वि० मेलु; गदु (पाणी)
ढारना स०क्रि० जुओ 'ढालना'
ढाल स्त्री० ढाल (२) पु०,स्त्री० ढाळ; उतार (३) ढग; रीत; ढाळो
ढालना स०क्रि०ढाळवु (आसु के आकार) (२) ढोळवु; रेडवु (३) दारू ढीचवो
ढालवाँ, ढालू वि० ढळतु; ढोळवाळु
ढासना पु० अठीगण; तकियो
ढाहना स०क्रि० जुओ 'ढाना'
ढिंढोरा पु० ढढेरो के ते पीटवानु ढोल (-पीटना, -बजाना) [तट; किनारो
ढिग अ० पासे (२) स्त्री० किनार (३)
ढिठाई स्त्री० धृष्टता; निर्लज्जता; अघटित साहस [(२) लोखंडनी चाकी
ढिबरी स्त्री० दीवानो खडियो के कोडियु
ढिमका स० (स्त्री०-की) फलाणु; अमुक

ढिलढिला वि० ढीलुपाचु (२) पाणी जेवु पातळु [ढीलु करवु ते
ढिलाई स्त्री० ढीलाश (२) सुस्ती (३)
ढिलाना स०क्रि० 'ढीलना' नु प्रेरक
ढिल्लड़ वि० ढील करनारु; मद; ढीलु
ढींचूंढींचूं अ० गधेडानो अवाज – होंची होंची
ढीठ(–ठा) वि० धीट; धृष्ट (२) साहसिक
ढीम पु० ढीमचु (पथ्थर के माटीनु)
ढीमर पु० ढेकवो (कूवामाथी पाणी खेंचवानो)
ढील स्त्री० जुओ 'ढिलाई'. –देना=ढीलु मूकवु; जाप्तो के पकड ढीला करवा
ढीलना स०क्रि० ढीलु करवु (२) छोडवु
ढीला वि० ढीलु
ढुंढवाना स०क्रि० 'ढूंढना' नु प्रेरक
ढुंढी स्त्री० हाथ (२) बाय
ढुकना अ०क्रि० घूसवु (२) आडमा संतावु
ढुरहुरी, ढुर्री स्त्री० पगदडी; पगथी
ढुलकना अ० क्रि० गबडवु (प्रेरक ढुलकाना)
ढुलना अ०क्रि० ढळवु (२) रेडावु, ढोळावु (३) तरफ झूकवु; अनुकूळ थवु (४) आम तेम डोलवु
ढुला(–लवा)ई स्त्री० भार वही जवो –'ढोना'–ते काम के तेनी मजूरी
ढुला(–लवा)ना स० क्रि० 'ढोना' नु प्रेरक [पताई रहेवु ते (–लगना)
ढूंका पु० काई जोवा जाणवा छूपा
ढूंढ़ स्त्री० तपास; ढूढवु ते
ढूंढना स०क्रि० ढूढवु; खोळवु
ढूका पु० जुओ 'ढूंका'
ढूढिया पु० ढूढियो जैन
ढूह(–हा) पु० ढगलो (२) टेकरो
ढेक पु० जळनु एक पक्षी
ढेकली स्त्री० ढेकवो (२) पाणीना ढेकवा जेवी युक्तिनो खाडणियो (३) गोटमडु
ढेंकी स्त्री० 'ढेकली'; एक जातनो खाडणियो
ढेंड़, ढेढ़ पु० कागडो (२) एक हलकी जाति (३) मूर्ख (४) कपासनु जीडवु
ढेंप(–पी), ढेप(–पी) स्त्री० ढपु; 'ढेला'
ढेबुआ(–वा) पु० पैसो
ढेर पु० ढेर; ढग (२) वि० खूब –करना =मारी नाखवु; ठार करवु –हो रहना या जाना=मरी जवु (२) थाकीने लोथ थई जवु
ढेरी स्त्री० ढगली
ढेलवांस स्त्री० गोफण
ढेला पु० ढेफु; ढेखलो; दगडु –चौथ= दगडाचोथ; भादरवा सुद ४
ढैया स्त्री० अढीशेरियो (२) अढिया
ढोंग पु० ढोंग; दभ; पाखड ०बाज, –गी वि० ढोंगी ०बाजी स्त्री० ढोंग
ढोढ़ पु० कपास इ०नो दोडो
ढोढ़ी स्त्री० नाभि; डूटी [(२) छोकरो
ढोटा(–टौना) पु० (स्त्री० –टी) पुत्र
ढोना स०क्रि० भार वहवो (२) उठावीने लई जवु
ढोर पु० ढोर; चोपगु
ढोरना स०क्रि० (प) ढोळवु
ढोरी स्त्री० ढोळवु के ढळवु ते (२) धून; लगनी
ढोल पु० ढोल; नगारु (२) काननो पडदो
ढोलक,–की स्त्री० ढोलकी; नानु ढोल
ढोलकिया पु० ढोलकावाळो
ढोलना पु० ढोलना आकारनु नादळियु
ढोलनी स्त्री० पाळणु; खोयु

ढका पु० डक्का; फुरजा (२) मोटु ढाल (३) (प) धक्का
ढकेलना स०क्रि० धकेलवुं [-पीवु
ढकोसना स०क्रि० एकसाथे खूब ढीचवु
कोसला पु० ढोंग; पाखड
ढक्कन पु० ढाकण
ढक्का पु० मोटु ढोल; नगारु
चर पु० साहित्यसामग्री (२) बखेडो (३) ढोग; आडबर
ड्ढा वि० बेडोळ ने मोटु (२) पु० खोखु; रूपरेखा (३) जूठो 'ठाठ'
ढपना अ०क्रि० (२) पु० जुओ 'ढँपना'
ढब पु० ढब; ढग; रीत (२) आदत; प्रकृति (३) युक्ति
ढयना अ०क्रि०(दीवाल इ०)धसी आववु -पडवु (२) ध्वस्त-जमीनदोस्त थवु
ढरकना अ०क्रि० ढळवु; ढोळावु
ढरका पु० ढोरने काई पावानी नाळ
रकी स्त्री० वणवानो काठलो
ढर्रा पु० रस्तो; मार्ग (२) युक्ति; उपाय (३) ढग; चाल; टेव
ढलकना अ०क्रि० ढळवु; ढोळावु (२) गवडवु (प्रेरक **ढलकाना**)
ढलका पु० आखनो एक रोग
ढलना अ०क्रि० ढळवु; ढोळावु(२)गबडवु (३) बीबामा ढळावु (४)चमर ढोळावो
ढलवाँ वि० भरतर; ढाळेलु [प्रेरक
ढलवाना, लाना स०क्रि० 'ढालना'नु
ढलाई स्त्री० ढाळवानु काम के मजूरी
ढहना अ०क्रि० 'ढयना'; बसवु (**ढहवाना, ढहाना** प्रेरक)
ढाँक(-प)ना स०क्रि० ढांकवु [खरडो
ढाँचा पु० बीबु; फरमो (२) योजना;
ढाँपना स०क्रि० ढाकवु
ढाँस पु० ठासो; सूकी खासी [बावो
ँसना अ०क्रि० ठासवु; सूकी खासी
ढाई वि० अढी **-घड़ीकी आना**=मोत आववु **-घड़ीकी बादशाहत करना**= चार घडीनु चादरणु होवु (२) वर-राजा थवु
ढाक पु० पलाशनु झाड; खाखरो (२) मोटु एक ढोल **-के तीन पात**=सदाय सरखु (निर्धन)
ढाटा पु० बुकानी
ढाड़(-ढ़) स्त्री० राड; चीस; गर्जना. **-मारना**=पोक मूकीने रडवु
ढाढ़(-र)स पु० धैर्य; दिलासो; धीरज (२) हिंमत; दृढता **-बँधाना**=धैर्य के हिंमत आपवी
ढाढ़ी पु० एक गवैया जात(स्त्री०-ढिन)
ढाना स०क्रि० धसावी पाडवु; गबडावी नाखवु; 'ढाहना'
ढाबर वि० मेलु; गदु (पाणी)
ढारना स०क्रि० जुओ 'ढालना'
ढाल स्त्री० ढाल (२) पु०;स्त्री० ळ; उतार (३) ढग; रीत; ढाळो
ढालना स०क्रि०ढाळवु (आसु के आकार) (२) ढोळवु; रेडवु (३) दारू ढीचवो
ढालवाँ, ढालू वि० ढळतु; ढोळवाळु
ढासना पु० अठीगण; तकियो
ढाहना स०क्रि० जुओ ' ना'
ढिंढोरा पु० ढढेरो के ते पीटवानु ढोल (**-पीटना, -बजाना**) [तट; किनारो
ढिग अ० पासे (२) स्त्री० किनार (३)
ढिठाई स्त्री० धृष्टता; निर्लज्जता; अघटित साहस [(२)लो नी चाकी
ढिबरी स्त्री० दीवानो खडियो के कोडियु
ढिमका स० (स्त्री०-की) फलाणु; अमुक

तइनात वि० [अ०] जुओ 'तैनात'
तई स्त्री० जलेबीनां वढाई
तउ अ० (प) तोपण; तथापि
तक अ० सुधी; पर्यंत
तकइमा पु०[अ तक्दिमा]अंदाज;'बजेट'
तकदीर स्त्री० [अ] तकदीर; नसीब
०वर वि० भाग्यवान
तकना अ०क्रि० ताकवु; जोवु (२) शरण लेवु
तकबीर स्त्री० [अ] आदर के प्रशंसा करवी ते (२) ईश्वरस्तुति (३) 'अल्लाहो अकबर' के एवा सूत्र वारवार बोलवु ते
तकब्बुर पु० [अ] अभिमान; घमंड
तकमील स्त्री० [अ] पूर्णता
तकरार स्त्री०[अ] झघडो (२) विवाद
–री वि० तकरार करनार
तकरीब स्त्री०[अ] समीपता (२) शुभ अवसर
तकरीबन् अ० [अ] प्राय; लगभग
तकरीर स्त्री०[अ] वातचीत(२)भाषण
तकरीरन् अ० [अ] मोढे; मौखिक
तकर्रर पु० [अ], –री स्त्री० निमणूक
तकला पु० त्राक (स्त्री० –ली)
तकलीद स्त्री० [अ] अनुकरण; नकल
तकलीदी वि० [अ] नकली, बनावटी
तकलीफ स्त्री०[अ]तकलीफ;कष्ट;पीडा
तकल्लुफ पु०[अ] शिष्टाचार (२) ठाठ; डोळ; देखाव
तकवा पु० [अ] सदाचार
तकवियत स्त्री०[अ] ताकात देवी ते; पुष्टि; समर्थन
तकसीम स्त्री० [अ] वहेचणी (२) भागाकार
तकसीर स्त्री० [अ] तकसीर; भूल
तकाजा पु० [अ] तकादो (२) वचन प्रमाणे करवा कहेवु ते (३) प्रेरणा
तकान स्त्री० थकावट; 'थकान'
तकावी स्त्री० [अ] तगावी
तकिया पु०[फा] ओशीकु (२) तकियो (३) फकीरनो तकियो (४) आशरो; भरोसो
तकिया-कलाम पु० बोलवामा केटलाक अमुक शब्द के शब्दो वारवार कहे छे ते उदा० छते, समज्याने
तकियादार पु०[फा] कबर के तकिया-वाळो फकीर
तकुआ पु० त्राक
तक्र पु० [सं] छाश
तखमीनन् अ०[अ] अदाजथी; लगभग
तखमीना पु० [अ] अदाज, अनुमान
तखलिया पु० [अ] एकात स्थान
तखलीफ स्त्री० [अ] कमी; न्यूनता
तखल्लुस पु० [अ] लेखक के कविनु उपनाम
तखसीर पु० [अ] विजय
तखसीस स्त्री०[अ] विशेषता; खासियत
तख्त पु०[फा] राजानु सिंहासन (२) पाट
तख्त-ताऊस पु० [फा] तख्तेताऊस; मयूरासन [बेठेल
तख्त-नशीन वि० [फा] राजगादी पर
तख्ता पु०[फा]पाटियु(२)पाट(३)ना;एक कागळ (४) ठाठडी –उलटना=तैयार काम कथळवु –हो जाना=अकडावुं
तख्ती स्त्री० तकती (२) नानो पाटियानो टुकडो (३) स्लेट तरीके वपरातु पाटियु
तगड़ा वि० तगडु; जाडु; हृष्टपुष्ट
तगदमा पु० जुओ 'तकदमा'
तगमा पु० जुओ 'तमगा'

ढोला पु० सडेली वस्तुमां पडेलो धोळो कीडो-इयळ(२)गामनी सीमनु निशान (३) देह; शरीर (४) मूर्ख-जड माणस (५) पति (६) एक पंजाबी गीत-प्रकार

ढोलिया पु० 'ढोलकिया'; ढोलवाळो

ढोली स्त्री० २०० पाननी थोकडा (२) मश्करी

ढोव पु० नजराणु; भेट

ढौंचा पु० साडा चारना आंक

ढौरी स्त्री० धून; रटण

त

तंग वि० [फा] तंग -आना, होना= थाकी जवु; कायर, हेरान थई जवु -करना=सतावनु हाथ तंग होना= हाथ भीडमा होवो [वाळ

तंग-खयाल वि०[फा] संकुचित विचार-

तंगदस्त वि०[फा] (नाम,-स्ती स्त्री०) कंजूस (२) गरीब [कंजूस

तंग-दिल वि०[फा] सांकडा मननु (२)

तंगहाल वि०[फा] गरीब(२)संकटग्रस्त

तंगी स्त्री० [फा] ताण; टांच (२) गरीबी (३) दुःख

तंज पु० [अ] टोणो; व्यंग [मलमल

तंजेब स्त्री०[फा] एक जातनु झीणु सरस

तंड,०व पु० (प) तांडव; नाच

तंडु(-डु)ल पु० तांदुल; चोखा

तंतमंत पु० जंतरमंतर

तंतु पु०[सं]तांतणो;दोरो(२)वंशवेलो (३) करोळियानु जाळु

तंतुवाय पु० [सं] वणकर; 'तांती'

तंत्र पु० तंत्रशास्त्र (२) प्रबंध; व्यवस्था; बंदोबस्त; काबू (३) तंतु; दोरो (४) वस्त्र के ते वणवानी सामग्री के वणकर (५) सेना (६) समूह

तंत्री स्त्री० वीणा, सितार इ० तंतुवाद्य के तेनो तार(२) रसो;दोरडु(३)नाडी (४) पु० तंतुवाद्य वगाडनार

तंदुरुस्त वि० [फा] तंदुरस्त; नीरोगी. (नाम -ती स्त्री०)

तंदुल पु० 'तंडुल'; तांदुल; चोखा

तंदूर पु० [फा तनूर] एक प्रकारनी गोळ भठ्ठी, जेमां रोटली शेकाय छे (वि० -री) [प्रयत्न; खंत

तंदेही स्त्री० [फा तनदिह] महेनत;

तंद्रा स्त्री० [प] सुस्ती; घेन ०लु वि०

तंबाकू पु० तमाकु ०गर पु० तमाकुवाळो

तंबीह स्त्री० [अ] चेतवणी; नसियत

तंबू पु० तंबु; डेरो [ते दगाडनारो

तंबूर पु०[फा]एक जातनु ढोल ०ची पु०

तंबूरा पु० तंबूरो

तंबूल पु० खावानु पान; तांबूल

तंबोली पु० तंबोळी; पानवाळो

तअज्जुब पु० [अ] ताजुबी; आश्चर्य

तअन पु० [अ] तानो; महेणु

तअल्लुक़ पु०[अ] संबंध (२) आधार

तअल्लुक.(-का) पु०[अ.]अनेक गामनी जमीनदारी (२)तालुको ०(-क़े)दार पु० तालुकदार

तअस्सुब पु० [अ] तासुबी; धर्मांधता

तआरुफ़ पु० [अ] परिचय; पिछान

तआला वि० [अ] सर्वश्रेष्ठ (उदा० खुदाताला) [माटे

तइँ (प्रत्यय) प्रति; तरफ(२)अ० वास्ते;

तइनात वि० [अ०] जुओ 'तैनात'
तई स्त्री० जलेबीना वढाई
तउ अ० (प) तोपण; तथापि
तक अ० सुधी; पर्यंत
तक़इमा पु०[अ तक्दिमा]अदाज;'वजेट'
तकदीर स्त्री० [अ] तकदीर; नसीव
०वर वि० भाग्यवान [लेवु
तकना अ०क्रि० ताकवु; जोवु (२) शरण
तकबीर स्त्री० [अ] आदर के प्रशसा
करवी ते (२) ईश्वरस्तुति (३) 'अल्लाहो
अकवर' के एवा सूत्रनु वारवार
वोलवु ते
तकब्बुर पु० [अ] अभिमान; घमड
तकमील स्त्री० [अ] पूर्णता
तकरार स्त्री०[अ] झघडो (२) विवाद
-री वि० तकरार करनार
तकरीव स्त्री०[अ] समीपता (२) शुभ
अवसर
तकरीवन् अ० [अ] प्राय; लगभग
तकरीर स्त्री०[अ] वातचीत(२)भाषण
तकरीरन् अ० [अ] मोढे; मौखिक
तकर्रुर पु० [अ] ,-री स्त्री० निमणूक
तकला पु० त्राक (स्त्री० -ली)
तक़लीद स्त्री० [अ] अनुकरण; नकल
तकलीदी वि० [अ] नकली; वनावटी
तक़लीफ स्त्री०[अ]तकलीफ;कष्ट;पीडा
तकल्लुफ पु०[अ] शिष्टाचार (२) ठाठ;
डोळ; देखाव
तकवा पु० [अ] सदाचार
तकवियत स्त्री०[अ] ताकात देवी ते;
पुष्टि; समर्थन
तकसीम स्त्री० [अ] वहेचणी (२)
भागाकार
तकसीर स्त्री० [अ] तकसीर; भूल
तकाज़ा पु० [अ] तकादो (२) वचन
प्रमाणे करवा कहेवु ते (३) प्रेरणा
तकान स्त्री० थकावट; 'थकान'
तकावी स्त्री० [अ] तगावी
तकिया पु०[फा] ओशीकु (२) तकियो
(३) फकीरनो तकियो (४) आशरो;
भरोसो
तकिया-कलाम पु० वोलवामा केटलाक
अमुक शब्द के शब्दो वारवार कहे
छे ते उदा० छते, समज्याने
तकियादार पु०[फा] कवर के तकिया-
वाळो फकीर
तकुआ पु० त्राक
तक्र पु० [स] छाश
तखमीनन् अ०[अ] अदाजथी; लगभग
तखमीना पु० [अ] अदाज; अनुमान
तखलिया पु० [अ.] एकात स्थान
तखलीफ स्त्री० [अ] कमी; न्यूनता
तखल्लुस पु० [अ] लेखक के कविनु
उपनाम
तखमीर पु० [अ] विजय
तखसीस स्त्री०[अ] विशेषता; खासियत
तख्त पु०[फा] राजानु सिंहासन (२) पाट
तख्त-ताऊस पु० [फा] तख्तेताऊस;
मयूरासन [वेठेल
तख्त-नशीन वि० [फा] राजगादी पर
तख्ता पु०[फा]पाटियु(२)पाट(३)ना;एक
कागळ (४) ठाठडी -उलटना=तैयार
काम कथळवु -हो जाना=अकडावु
तख्ती स्त्री० तकती (२) नानो पाटियानो
टुकडो (३) स्लेट तरीके वपरातु पाटियु
तगडा वि० तगडु; जाडु; हृष्टपुष्ट
तगदमा पु० जुओ 'तकदमा'
तगमा पु० जुओ 'तमगा'

ढोला पुं० सडेली वस्तुमां पडेलो धोळो कीडो–इयळ(२)गामनी सीमनु निशान (३) देह; शरीर (४) मूर्ख–जड माणस (५) पति (६) एक पंजाबी गीत–प्रकार

ढोलिया पुं० 'ढोलकिया'; ढोलवाळो

ढोली स्त्री० २०० पाननी थोकडी (२) मश्करी

ढोव पुं० नजराणु; भेट

ढौंचा पुं० साडा चारना आंक

ढौरी स्त्री० धून; रटण

त

तंग वि० [फा] तंग –आना, होना = थाकी जवु; कायर, हेरान थई जवु –करना = सतावनु हाथ तंग होना = हाथ भीडमां होवो [वाळ

तंग-ख़याल वि०[फा] संकुचित विचार-

तंगदस्त वि०[फा] (नाम,–स्ती स्त्री०) कंजूस (२) गरीब [कंजूस

तंग-दिल वि०[फा] सांकडा मननु (२)

तंगहाल वि०[फा] गरीब(२)संकटग्रस्त

तंगी स्त्री० [फा] ताण; टांच (२) गरीबी (३) दुःख

तंज पुं० [अ] टोणो; व्यंग [मलमल

तंजेब स्त्री०[फा] एक जातनु झीणु सरस

तंड,०व पुं० (प) तांडव; नाच

तंडु(–डु)ल पुं० तांदुल; चोखा

ततमंत पुं० जंतरमंतर

ततु पुं०[सं]तातणो; दोरो (२) वंशवेलो (३) करोळियानु जाळु

ततुवाय पुं० [सं] वणकर; 'ताँती'

तंत्र पुं० तंत्रशास्त्र (२) प्रबंध; व्यवस्था; वंदोबस्त; काबू (३) तंतु; दोरो (४) वस्त्र के ते वणवानी सामग्री के वणकर (५) सेना (६) समूह

तंत्री स्त्री० वीणा, सितार इ० ततुवाद्य के तेनो तार(२) रसी; दोरडु(३) नाडी (४) पुं० ततुवाद्य वगाडनार

तंदुरुस्त वि० [फा] तंदुरस्त; नीरोगी. (नाम –ती स्त्री०)

तंदुल पुं० 'तंडुल'; तांदुल; चोखा

तंदूर पुं० [फा तनूर] एक प्रकारनी गोळ भठ्ठी, जेमां रोटली शेकाय छे. (वि० –री) [प्रयत्न; खंत

तंदेही स्त्री० [फा तनदिह] महेनत;

तंद्रा स्त्री० [सं] सुस्ती; घेन ०लु वि०

तंबाकू पुं० तमाकु ०गर पुं० तमाकुवाळो

तंबीह स्त्री० [अ.] चेतवणी; नसियत

तंबू पुं० तंबु; डेरो [ते दगाडनारो

तंबूर पुं०[फा]एक जातनु ढोल ०ची पुं०

तंबूरा पुं० तबूरो

तंबूल पुं० खावानु पान; तांबूल

तंबोली पुं० तंबोळी; पानवाळो

तअज्जुब पुं० [अ] ताजुबी; आश्चर्य

तअन पुं० [अ] तानो; महेणु

तअल्लुक पुं०[अ] संबंध (२) आधार

तअल्लुक:(–का) पुं०[अ.]अनेक गामनी जमीनदारी (२) तालुको ०(–के)दार पुं० तालुकदार

तअस्सुब पुं० [अ] तासुबी; धर्मांधता

तआरुफ़ पुं० [अ] परिचय; पिछान

तआला वि० [अ] सर्वश्रेष्ठ (उदा० खुदाताला) [माटे

तई (प्रत्यय) प्रति; तरफ(२)अ० वास्ते;

तइनात वि० [अ०] जुओ 'तैनात'
तई स्त्री० जलेबीनां वढाई
तउ अ० (प) तोपण; तथापि
तक अ० सुधी; पर्यंत
तक़इमा पु०[अ तक्दिमा]अंदाज;'बजेट'
तकदीर स्त्री० [अ] तकदीर; नसीब
०वर वि० भाग्यवान [लेवु
तकना अ०क्रि० ताकवु; जोवु (२) शरण
तकबीर स्त्री० [अ] आदर के प्रशंसा करवी ते (२) ईश्वरस्तुति (३) 'अल्लाहो अकबर' के एवां सूत्रनुं वारवार बोलवु ते
तकब्बुर पु० [अ.] अभिमान; घमंड
तकमील स्त्री० [अ] पूर्णता
तकरार स्त्री०[अ] झघडो (२) विवाद
–री वि० तकरार करनार
तकरीब स्त्री०[अ] समीपता (२) शुभ अवसर
तक़रीबन् अ० [अ] प्राय, लगभग
तक़रीर स्त्री०[अ] वातचीत (२) भाषण
तकरीरन् अ० [अ] मोढे; मौखिक
तकर्रुर पु० [अ] ,–री स्त्री० निमणूक
तकला पु० त्राक (स्त्री० –ली)
तकलीद स्त्री० [अ] अनुकरण; नकल
तकलीदी वि० [अ] नकली; बनावटी
तक़लीफ स्त्री०[अ] तकलीफ;कष्ट;पीडा
तकल्लुफ पु०[अ] शिष्टाचार (२) ठाठ; डोळ; देखाव
तकवा पु० [अ] सदाचार
तकवियत स्त्री०[अ] ताकात देवी ते; पुष्टि; समर्थन
तकसीम स्त्री० [अ] वहेंचणी (२) भागाकार
तकसीर स्त्री० [अ] तकसीर; भूल
तकाज़ा पु० [अ] तकादो (२) वचन प्रमाणे करवा कहेवुं ते (३) प्रेरणा
तकान स्त्री० थकावट; 'थकान'
तक़ावी स्त्री० [अ] तगावी
तकिया पु०[फा] ओशीकुं (२) तकियो (३) फकीरनो तकियो (४) आशरो; भरोसो
तकिया-कलाम पु० बोलवामां केटलाक अमुक शब्द के शब्दो वारवार कहे छे ते उदा० छने, समज्याने
तकियादार पु०[फा] कबर के तकिया-वाळो फकीर
तकुआ पु० त्राक
तक्र पु० [स] छाश
तखमीनन् अ०[अ] अंदाजथी; लगभग
तखमीना पु० [अ] अंदाज; अनुमान
तखलिया पु० [अ.] एकांत स्थान
तखलीफ स्त्री० [अ.] कमी; न्यूनता
तखल्लुस पु० [अ] लेखक के कविनुं उपनाम
तखसीर पु० [अ] विजय
तखसीस स्त्री०[अ] विशेषता; खासियत
तख्त पु०[फा] राजानुं सिंहासन (२) पाट
तख्त-ताऊस पु० [फा] तख्तेताऊस; मयूरासन [बेठेल
तख्त-नशीन वि० [फा] राजगादी पर
तख्ता पु०[फा]पाटियुं (२) पाट (३) ना;एक कागळ (४) ठाठडी. –उलटना=तैयार काम कथळवु –हो जाना=अकडावुं
तख्ती स्त्री० तकती (२) नानी पाटियानो टुकडो (३) स्लेट तरीके वपरातुं पाटियुं
तगड़ा वि० तगडुं; जाडुं; हृष्टपुष्ट
तगदमा पु० जुओ 'तक़दमा'
तगमा पु० जुओ 'तमगा'

ढोला पु० सडेली वस्तुमां पडेलो धोळो कीडो–इयळ (२) गामनी सीमनुं निशान (३) देह; शरीर (४) मूर्ख–जड माणस (५) प्रति (६) एक पंजाबी गीत–प्रकार
ढोलिया पु० 'ढोलकिया'; ढोलवाळो
ढोली स्त्री० २०० पाननी थोकडी (२) मश्करी
ढोव पु० नजराणुं; भेट
ढौंचा पु० साडा चारनो आंक
ढौरी स्त्री० धून; रटण

त

तंग वि० [फा] तंग –आना, होना = थाकी जवुं; कायर, हेरान थई जवुं –करना = सतावबुं हाथ तंग होना = हाथ भीडमां होवो [वाळु
तंग-खयाल वि० [फा] संकुचित विचार-
तंगदस्त वि० [फा] (नाम, –स्ती स्त्री०) कंजूस (२) गरीब [कंजूस
तंग-दिल वि० [फा] सांकडा मननुं (२)
तंगहाल वि० [फा] गरीब (२) संकटग्रस्त
तंगी स्त्री० [फा] ताण; टांच (२) गरीबी (३) दुःख
तंज पु० [अ] टोणो; व्यंग [मलमल
तंजेब स्त्री० [फा] एक जातनुं झीणुं सरस
तंड, ०व पु० (प) तांडव; नाच
तंडु(–दु)ल पु० तांदुल; चोखा
तंतमंत पु० जंतरमंतर
तंतु पु० [सं] तांतणो; दोरो (२) वंशवेलो (३) करोळियानुं जाळुं
तंतुवाय पु० [सं] वणकर; 'ताँती'
तंत्र पु० तंत्रशास्त्र (२) प्रबंध; व्यवस्था; बंदोबस्त; काबू (३) तंतु; दोरो (४) वस्त्र के ते वणवानी सामग्री के वणकर (५) सेना (६) समूह
तंत्री स्त्री० वीणा, सितार इ० तंतुवाद्य के तेनो तार (२) रसो; दोरडुं (३) नाडी (४) पु० तंतुवाद्य वगाडनार
तंदुरुस्त वि० [फा] तंदुरस्त; नीरोगी. (नाम –स्ती स्त्री०)
तंदुल पु० 'तंडुल'; तांदुल; चोखा
तंदूर पु० [फा तनूर] एक प्रकारनी गोळ भठ्ठी, जेमां रोटली शेकाय छे (वि० –री) [प्रयत्न; खंत
तंदेही स्त्री० [फा. तनदिह] महेनत;
तंद्रा स्त्री० [सं] सुस्ती; घेन. ०लु वि०
तंबाकू पु० तमाकु ०गर पुं० तमाकुवाळो
तंबीह स्त्री० [अ.] चेतवणी; नसियत
तंबू पु० तंबु; डेरो [ते दगाडनारो
तंबूर पु० [फा] एक जातनुं ढोल ०ची पु०
तंबूरा पु० तंबूरो
तंबूल पु० खावानुं पान; तांबूल
तंबोली पु० तंबोळी; पानवाळो
तअज्जुब पु० [अ] ताजुबी; आश्चर्य
तअन पु० [अ] तानो; महेणुं
तअल्लुक़ पु० [अ] संबंध (२) आधार
तअल्लुक़: (–क़ा) पु० [अ] अनेक गामनी जमीनदारी (२) तालुको ०(–क़े)दार पु० तालुकदार
तअस्सुब पु० [अ] तासुबी; धर्मांधता
तआरुफ़ पु० [अ] परिचय; पिछान
तआला वि० [अ] सर्वश्रेष्ठ (उदा० खुदाताला) [माटे
तइँ (प्रत्यय) प्रति; तरफ (२) अ० वास्ते;

तइनात वि० [अ०] जुओ 'तैनात'
तई स्त्री० जलेबीनी कढाई
तउ अ० (प) तोपण; तथापि
तक अ० सुधी; पर्यंत
तकद्दमा पु०[अ तक्दिमा] अंदाज;'बजेट'
तकदीर स्त्री० [अ] तकदीर; नसीब
०वर वि० भाग्यवान [लेवु
तकना अ०क्रि० ताकवु; जोवु (२) शरण
तकबीर स्त्री० [अ.] आदर के प्रशंसा करवी ते (२) ईश्वरस्तुति (३) 'अल्लाहो अकबर' के एवा सूत्रनु वारवार बोलवु ते
तकब्बुर पु० [अ] अभिमान; घमंड
तकमील स्त्री० [अ] पूर्णता
तकरार स्त्री०[अ] झगडो (२) विवाद. –री वि० तकरार करनार
तकरीब स्त्री०[अ] समीपता (२) शुभ अवसर
तकरीबन् अ० [अ.] प्राय; लगभग
तकरीर स्त्री०[अ] वातचीत(२)भाषण
तकरीरन् अ० [अ] मोढे; मौखिक
तकर्रुर पु० [अ] ,–री स्त्री० निमणूक
तकला पु० त्राक (स्त्री० –ली)
तकलीद स्त्री० [अ] अनुकरण; नकल
तकलीदी वि० [अ] नकली; बनावटी
तकलीफ स्त्री०[अ]तकलीफ;कष्ट;पीडा
तकल्लुफ पु०[अ] शिष्टाचार (२) ठाठ; डोळ; देखाव
तक़वा पु० [अ] सदाचार
तकवियत स्त्री०[अ] ताकात देवी ते; पुष्टि; समर्थन
तकसीम स्त्री० [अ] वहेचणी (२) भागाकार
तक़सीर स्त्री० [अ] तकसीर; भूल
तक़ाज़ा पु० [अ] तकादो (२) वचन प्रमाणे करवा कहेवु ते (३) प्रेरणा
तकान स्त्री० थकावट; 'थकान'
तक़ावी स्त्री० [अ] तगावी
तकिया पु०[फा] ओशीकु (२) तकियो (३) फकीरनो तकियो (४) आशरो; भरोसो
तकिया-कलाम पु० बोलवामा केटलाक अमुक शब्द के शब्दो वारवार कहे छे ते उदा० छते, समज्याने
तकियादार पु०[फा] कबर के तकिया-वाळो फकीर
तकुआ पु० त्राक
तक्र पु० [स] छाश
तख़मीनन् अ०[अ] अंदाजथी; लगभग
तख़मीना पु० [अ] अंदाज; अनुमान
तख़लिया पु० [अ.] एकांत स्थान
तख़लीफ स्त्री० [अ.] कमी; न्यूनता
तख़ल्लुस पु० [अ] लेखक के कविनु उपनाम
तख़सीर पु० [अ] विजय
तख़सीस स्त्री०[अ] विशेषता; खासियत
तख़्त पु०[फा] राजानु सिंहासन (२) पाट
तख़्त-ताऊस पु० [फा] तख्तेताऊस; मयूरासन [बेठेल
तख्त-नशीन वि० [फा] राजगादी पर
तख़्ता पु०[फा]पाटियु(२)पाट(३)ना;एक कागळ (४) ठाठडी –उलटना=तैयार काम कथळवु –हो जाना=अकडावु
तख़्ती स्त्री० तकती (२) नानो पाटियानो टुकडो (३) स्लेट तरीके वपरातु पाटियु
तगड़ा वि० तगडु; जाडु; हृष्टपुष्ट
तगदमा पु० जुओ 'तकदमा'
तगमा पु० जुओ 'तमगा'

तग़य्युर पु०[अ] मोटो भारे फेरफार
तगादा पु० तगादा; 'तकाज़ा'
तग़ाफ़ल पु० [अ] उपेक्षा; बेदरकारी
तगार पु० [अ], तग़ारी स्त्री० चणवा माटे चूनो के गारो तैयार करवानी जगा (२) तगारु
तचना अ०क्रि० तपवु; गरम थवु
तज पु० तज के तेनु झाड
तज़किरा पु० [अ] चर्चा
तजना स०क्रि० तजवु; छोडवु
तजम्मुल पु०[अ] शणगार (२) शोभा
तजर(-रु)बा पु० [अ.] अनुभव (२) अजमाइश; प्रयोग ०कार पु० अनुभवी माणस ०कारी स्त्री० अनुभव
तजल्ली स्त्री०[अ] प्रकाश (२) ईश्वरी नूर, जेवु मूसाने पर्वत पर मळेलु
तजवीज़ स्त्री०[अ] मत (२) फेसलो; निर्णय (३) बदोबस्त; तजवीज
तजावुज़ पु० [अ] मर्यादानु उल्लघन; हद पार करवी ते
तजुर्बा पु० जुओ 'तजरबा'
तज्जार पु०[अ] 'ताजिर'नु ब०व०
तज्ञ वि० तज्ज्ञ; तत्त्वज्ञ; ज्ञानी
तट पु०[प] काठो; किनारो (२) अ० पासे; नजीक
तटनी स्त्री० (प) तटिनी; नदी
तटस्थ वि० [स] पासे रहेनार (२) निष्पक्ष; निरपेक्ष [तड पडवा ते
तड़ पु० नातनु तड; विभाग ०बंदी स्त्री०
तड़कना अ०क्रि० तडकवु; फाटवु (२) तडूकवु; गुस्से थवु (३) 'तडका'-वघार देवो
तड़का पु० सवार (२) वघार (३) तडको
तड़प स्त्री० तलप; कूदको (२) तडपवु -दु.खो थवु ते; पीडा (३) वीजळीनो चमकारो
तड़प(-फ)ना अ०क्रि० दु खथी तडफवु
तड़फड़ाना अ०क्रि० तडफडवु; बेचेन थवु (२) स०क्रि० पजववु; सतावव
तड़फना अ०क्रि० 'तडपना'; तडफवु
तड़बंदी स्त्री० तड बधाई जवा ते
तड़ाक(०फड़ाक) अ० तडाकभडाक; तुरन्त; तडाक दईने [तरत
तड़ाका पु० तडाको (२) अ० तडाक;
तड़ाग पु० [स] तळाव
तड़ातड़ अ० तडफड; उपरांउपरी
तड़ावा पु० उपरनो रोफ के मगरूरी
तड़ित,-ता स्त्री० वीजळी
तर्डी स्त्री० धोल; तमाचो (२) बहानु
ततारना स०क्रि० गरम पाणीथी झारवु
ततैया स्त्री० 'भिड'; भमरी
तत्काल अ० [प] तरत; त्यारे-ते ज वखते. -लीन वि० त्यारनु
तत्त पु० (प) तत्त्व
तत्ता वि० (प) तप्त; गरम
तत्ताथेई स्त्री० ताताथेई ए नाचनो बोल
तत्तोथंबो पु० वच्चे पडी शात पाडवु ते
तत्पर वि० [स] तत्पर; तैयार (२) चतुर; निपुण
तत्त्व पु०[प]तत्त्व; रहस्य ०ज्ञ, ०ज्ञानी, ०दर्शी पु० फिलसूफ; तत्त्वने जाणनार
तत्त्वावधान पु० [स] देखरेख; नजर
तत्र अ० [स] त्या
तथा अ०[स] अने (२) ते प्रमाणे; तेम
तथापि अ० [स] तोपण; छता
तथैव अ० [स] तेम ज
तथ्य पु० [स] सत्य; साचु; खरु
तद(-दनं)तर अ० ते पछी; ते उपरात

तदनुरूप वि० [स] तेने मळतु; तेवु
तदनुसार अ० [स.] तेम; ते प्रमाणे
तदपि अ० [स] तोपण; तथापि
तदबीर स्त्री०[अ] उपाय; युक्ति (२) यत्न; प्रयास ०ए सल्तनत स्त्री० राज्यप्रबंध; राजवहीवट
तदरीज स्त्री० [अ] क्रमिकता
तदरीस स्त्री० [अ] भणाववु ते
तदर्थ अ० [स] ते माटे (२) खास; 'अॅड हॉक
तदा अ० [स] त्यारे
तदाकार वि०[स] तेवु ज; तद्रूप; तल्लीन
तदाबीर स्त्री०[अ] 'तदबीर'नु ब०व०
तदारुक पु० [अ] बदोबस्त (२) दंड; सजा (३) शोध; तपास
तदुपरांत अ०[स.] ते उपरांत; वळी
तद्भव वि०[स] मूळमांथी बनेल (शब्द)
तद्रूप वि० [स] तेवु ज; तदाकार [तेवु
तद्वत् अ०[स] तेम ज; तेनी जेम (२) वि०
तन पु०[फा] तन; देह (२) अ० (प.) तरफ –को लगना=असर पडवी (२) (खोराक) शरीरने फाववो. –देना= ध्यान देवु; तन देवु
तनकीह स्त्री०[अ] तपास(२)मुकद्दमानो तपासवा जेवो मुद्दो; 'इश्यु'
तनख्वा(–ख्वा)ह स्त्री० [फा] तनखो; पगार ०दार पु० पगारदार
तनजर अ०[अ.] कटाक्षमां; महेणा रूपे
तनजीम स्त्री० तंझीम; संगठन
तनजेब स्त्री०[फा.] एक जातनु मलमल कपडु [पडती
तनज्जुल पु०[अ], –ली स्त्री० अवनति;
तनतनहा अ० [फा.] साव एकलु
तनतना पु० [अ] रोफ (२) क्रोध
तनतनाना अ०क्रि० रोफ के क्रोध देखाडवो
तनदिह वि०[फा]तन दईने काम करनार
तनदिही स्त्री० जुओ 'तदेही'
तनना अ०क्रि० तणावु (२) अक्कड के टटार थवु (३) गर्व के क्रोधथी रीसमां के अक्कड रहेवु
तनय पु०[प] छोकरो; पुत्र –या स्त्री० पुत्री ['तनाना'
तनवाना स०क्रि० 'तानना'नु प्रेरक;
तनसीख स्त्री०[अ] रदबातल करवु ते
तनसीफ स्त्री०[अ] दुभागवु–अधवारवु ते (२) भाग पाडवा ते
तनसुख पु० एक जातनु कापड
तनहा वि०[फा] तन्हा; एकलु; एकाकी
तनहाई स्त्री०[फा.]एकाकीपणु(२)एकांत
तना पु०[फा] झाडनु थड (२) अ० तरफ; 'तन' [वेर; शत्रुता
तनाजा पु०[अ] झघडो (२) अदावत;
तनाना स०क्रि० 'तनवाना'; तणाववु
तनाब स्त्री०[अ] तंबू बांधवानी रसी
तनाव पु०तणावु ते;ताण(२)दोरी, रस्सी
तनावर वि० [फा] मोटु (२) जबरु
तनावुल पु०[अ] ग्रहण करवु ते (२) खावु ते [के बीजु शरीर लेवु ते
तनासुख पु०[अ.] विनाश (२) रूपांतर
तनासुल पु० [अ] प्रजोत्पत्ति
तनि(०क) वि० थोडु; जरा
तनिया स्त्री० लंगोटी (२) काछडो (३) चोळी ['तनिया' (३)अ० 'तनिक'
तनी स्त्री० कपडानी कस (२) जुओ
तनु पु०;स्त्री० [स] शरीर; वदन (२) वि० पातळु; कृश (३) कोमळ; नाजुक (४) थोडु

तनुज पु०[प] पुत्र. –जा स्त्री० पुत्री
तनर ु० [अ] जुओ 'तदूर'
तनै पु० (प) तनय; पुत्र
तनैया स्त्री० (प) तनया; पुत्री
तन्ज़ीम स्त्री० [अ] जुओ 'तनजीम'
तन्ना पु० ताणो
तन्नाना अ०क्रि० तणावु (२) अक्कड थवु
तन्नी स्त्री० त्राजवाना दामणा
तन्मय वि०[प] तद्रूप; तल्लीन; एकाग्र
तप पु० [प] तप (२) ताव
तपन पु०[स] तपवु ते; गरमी (२) सूर्य (३) स्त्री० गरमी; दाह; ताप
तपना अ०क्रि० तपवु; गरम थवु (२)तप करवु [ते; तपस्या
तपश्चर्या, तपस्या स्त्री० [प] तप करवु
तपस्वी ु०[प] तप करनार (२) दीन; बिचारुं; गरीबडु (माणस)
तपाक पु०[फा] आवेश; जोश (२) वेग
तपाना स०क्रि० तपाववु; 'तपना'नु प्रेरक
तपिश स्त्री० [फा०] गरमी
तपी पु० तपस्वी; तप करनार
तपे-दिक पु०[फा] क्षयरोग [मलेरिया
तपे-लरज़ा पु० [फा.] टाढियो ताव;
तपोधन वि० [प] तपस्वी
तपोवल पु० [प] तपनु वळ
तपोवन पु० [प] तप करवानु वन; तपस्वीनो आश्रम [(३) क्रोधे भरायेलु
तप्त वि०[सं] तपेलु; गरम (२) दुःखी
तफ़ज़ील स्त्री० [अ.] श्रेष्ठता; मोटाई
तफ़तीश स्त्री० [अ.] तपास
तफ़रक़ा पु०[अ तफरिक़] अतर; फरक (२) फासला (३) वियोग
तफ़रीक स्त्री०[अ.] वहेचणी (२) वर्गी-करण (३) फरक (४) बादबाकी
तफ़रीह स्त्री०[अ.] खुशी; प्रसन्नता (२) हासी (३) सहेल. ०न् अ० हासीखेलमा
तफसील स्त्री०[अ] तफसील; विगतवार वर्णन (२) टीका; 'तशरीह'
तफावत पु० [अ.] फरक; अतर (२) दूर पडवु ते; फासलो
तब अ० ते वखते; त्यारे (२) तेथी
तबअ स्त्री० [अ] प्रकृति (२) छाप; महोर (३) ग्रथनी आवृत्ति
तबई वि० [अ] प्राकृतिक
तबक पु० [अ] पृथ्वीनी उपर नीचे कल्पातो लोक (२) तबक; तासक (३) (सोनाचादीनो) वरख ०गर पु० वरख बनावनार
तबक़ा पु०[अ] तबक्को; कक्षा; दरज्जो; (२) तह; थर (३) लोकसमूह (४) मकाननो माळ [पु० धर्मान्तर
तबदील वि०[अ] बदलायेलु ०मजहब
तबदीली स्त्री०[फा] फेरफार(२)बदली
तबद्द(–द्दु)ल पु०[अ] जुओ 'तबदीली'
तबर पु० [फा] कुहाडी (२) फरसी
तबर्रा पु०[अ] घृणा; धिक्कार [तबरूक
तबर्रुक पु०[अ] आशीर्वाद (२) परसाद;
तबल पु०[फा] मोटु ढोल (२) नगारुं
तबलची, तबलिया पु० तबलची
तबला पु०[अ]तबलु –लिया पु०तबलची
तबलीग पु० [अ] तबलीघ; धर्मान्तर करावबु ते
तबस्सुम पु० [अ] मद हास्य
तबाक पु०[अ] एक मोटी थाळी; तबट
तबादला पु०[प] 'तबदीली'; परिवर्तन
तबाशीर स्त्री०[अ] वासलोचन औषधि
तबाह वि०[फा] बरबाद; नष्ट (नाम, –ही स्त्री०)

तबीअत स्त्री०[अ] तबियत; मन; प्रकृति (२) समज (किसी पर) तबीअत आना = चाहवु -फड़क उठना = खूब उत्साही के प्रसन्न थवु -लगना=चाह पेदा थवी (२) ध्यान चोटवु
तबीअतदार वि०[फा] समजदार (२) भावुक; रसज्ञ
तबीब पु० [अ] हकीम
तबेला पु० तबेलो; घोडासर
तब्दील,-ली जुओ 'तबदील',-'ली'
तभी अ०ए ज वखते; त्यारे ज(२)तेथी ज
तमंचा पु० [तु] तमंचो; पिस्तोल
तम पु०[स] तमस; अंधारु(२)तमोगुण
तमअ स्त्री०[अ]इच्छा(२)लालच;लोभ
तमक पु० जोस; तीव्रता (२) क्रोध (३) [स] दम रोगनो एक प्रकार
तमकना अ०क्रि० आवेश के क्रोधमा आववु; 'तड़कना'
तमगा पु०[तु] चांद; चंद्रक (२) महोर
तमचु(-चो)र पु०(स) कूकडो; मरघो
तमतमाना अ०क्रि० ताप के क्रोधथी चहेरो लाल थवो
तमद्दुन पु० [अ]नागरिकता(२)संस्कृति
तमन्ना स्त्री० [अ] इच्छा; आतुरता
तमलेट पु० जुओ 'तामलेट'
तमसील स्त्री० [अ]उदाहरण(२)उपमा
तमस्खुर पु० [अ] हांसी
तमस्सुक पु० [अ] दस्तावेज
तमहीद स्त्री० [अ] भूमिका; प्रस्तावना
तमां(-मा)चा पु० [फा] तमाचो -जड़ना=तमाचो मारवो [इच्छा
तमा स्त्री०[अ. तमअ]लालच; लोभ(२)
तमाकू पु० तमाकु -चढ़ाना, -भरना =चलम के हूका भरवो
तमाचा पु० जुओ 'तमांचा'
तमादी स्त्री० [अ] लेणदेण के दावानी मुदत जवी ते
तमाम वि० [अ] तमाम; बधु; कुल (२) पूरु; संपूर्ण -करना = पूरु करवु (२) मारी नाखवु -होना = पूरु थवु (२) मरी जवु
तमाल पु० [स] एक झाड
तमाशगीर, तमाशबीन पु०[फा]तमासो जोनार (२) रंडीबाज; व्यभिचारी
तमाशा पु० [फा] तमासो; खेल (२) कौतुक; आश्चर्य
तमाशाई पु० [अ] तमासो जोनार
तमिल स्त्री० तामिल भाषा
तमी स्त्री० [स] रात (२) हळदर
तमीज स्त्री० [अ] सारासार विवेक (२) पारख; पिछान (३)ज्ञान(४)अदब
तमोगुण पु० [स] प्रकृतिना त्रणमानो एक गुण; तामस -णी वि०
तमोर, -ल पु० (स) तांबुल; पान
तमोली पु० तबोळी (स्त्री० -लिन)
तय वि० [अ] समाप्त(२)निश्चित(३) निर्णीत; फेसलो करेलु
तरंग स्त्री० [स] पाणीनी लहरी, मोजु (२) उमंग; लहेर (३) विचारनो तरंग
तरंगिणी स्त्री० [स] नदी
तरंगित वि०[स] लहेरो खातु, डोलतु; ऊछळतु [मनस्वी
तरंगी वि०[स] तरंगवाळु (२) लहेरी;
तर वि०[फा] भीनु (२) चीकटवाळु; मालदार (३) स्त्री० काकडी
तरकश,-स पु० [फा] तरकस; भाथो
तरका पु० [अ] वारसो
तरकारी स्त्री० [फा] शाक (२) (हिंदु लोकमां) मांस

तरकीब स्त्री० [अ] मेळ (२) रचना (३) युक्ति
तरक़्क़ी स्त्री० [अ] आबादी; उन्नति
तरखान पु० सुतार [ति (३) आकर्षण
तरग़ीब स्त्री० [अ] उत्तेजन (२) उश्केरवु
तरजना अ०क्रि० वढवु (२) गुस्साथी कहेवु
तरजीह स्त्री० [अ] महत्त्व देवु ते
तरजुमा पु० [अ] तरजुमो; भाषांतर
तरजुमान पु०[अ] तरजुमो करनार (२) वक्ता
तरणि पु०[स] सूर्य (२) स्त्री० नाव; होडी
तरतीब स्त्री० [अ] क्रम; व्यवस्था
तरतीबवार अ० क्रमवार [पापी
तर-दामन वि० [फा+अ] अपराधी (२)
तरदीद स्त्री०[अ] खंडन (२) रदियो
तरद्दुद पु०[अ] चिंता; फिकर; अंदेशो
तरना अ०क्रि० तरवु (२) स०क्रि० तळवु
तरपर अ० उपर नीचे (२) एक पछी एक
तरफ स्त्री०[अ] बाजु (२) पक्ष ०दार वि० पक्षपाती ०दारी स्त्री० तरफेण; पक्षपात
तरफ़ैन पु०[अ 'तरफ'नु व०व०] बेउ पक्ष
तरब स्त्री० [अ] प्रसन्नता; खुशी
तर-बतर वि०[फा] भीजायेलु; भीनु; तर
तरबियत स्त्री०[अ.] तालीम; केळवणी (२) पालनपोषण; उछेर
तरबूज़ पु० 'तर्बूज़'; तरबूच
तरमीम स्त्री०[अ.] सुधारो; 'संशोधन'
तरल वि० [स] चपळ, चंचळ (२) प्रवाही (३) पोलु
तरवर पु० (प) तरुवर; मोटु झाड
तरवरिया,–हा पु० तलवार चलावनार
तरवा पु० जुओ 'तलवा'
तरवार स्त्री० तरवार; समशेर
तरस पु० दया. –खाना=(कोई पर) दया खावी
तरसना अ०क्रि० तरसवु; तलसवु; झंखवु
तरह स्त्री०[अ] तरेह; भात; प्रकार (२) जड; पायो (३) रीत; ढंग (४) युक्ति; उपाय (५) हाल; दशा (६) पादपूर्ति माटे आपेलु पाद –देना=जवा देवु; टाळवु; ध्यान न आपवु
तरहटी स्त्री० तळेटी (२) नीची जमीन
तरहदार वि०[फा] सुंदर बनावटनु (२) शोखीन [खीण
तराई स्त्री० तळेटीनो प्रदेश (२) पहाडनी
तराज़ू पु० [फा] त्राजवु
तराबोर वि० तरबोळ
तरारा पु० छलंग; कूदको
तरावट,–त [अ तरावत] स्त्री० भीनाश (२) तर भोजन [प्रकार (३) ढंग
तराश स्त्री०[फा] काप (२) रचनानो
तराशना स०क्रि० कापवु
तरियाना स०क्रि० नीचे–तळे करवु के बेसाडवु (२) ढांकवु; छुपावयु (३) अ०क्रि० नीचे ठरवु
तरी स्त्री० भीनाश (२) ठंडक (३) भीनाशभूमि (४) 'तराई'; तळेटी (५) [प] होडी
तरीक़ा पु०[अ.] रीत; ढंग (२) प्रणाली (३) उपाय; तरीको
तरु पु० [स] झाड
तरुण वि०[स] जुवान (२) नवु. –णाई स्त्री० तरुणपणु. –णी स्त्री० युवती
तरुन वि० (प.) तरुण. –नाई स्त्री० –नापन, –नापा पु० युवावस्था
तरे अ० तळे; नीचे
तरेटी स्त्री० तळेटी; 'तराई'

तल्ख़ वि०[फा.] कडवु (२) बेस्वाद (३) अप्रिय
तल्ला पु० अस्तर (२) सखतळी (३) [माळ; मजलो
तल्ली स्त्री० सखतळी; 'तला'
तवक़्क़ा स्त्री० [अ तवक़्क़ुअ] आशा
तवक़्क़ुफ़ पु० [अ.] विलंब; वार
तवक्कुल पु० [अ] ईश्वरश्रद्धा (२) परमार्थ दृष्टि
तवज्जह स्त्री०[अ.] ध्यान (२) कृपादृष्टि
तवना अ०क्रि०, तवावु; तपवु [जनमवु
तवल्लुद वि० [अ.] जन्मेलु. **–होना**=
तवा पु० तवो. **–सा मुँह होना**=काळु मोढु थवु. **तवेकीबूँद**=क्षणवार टकनारु (२) जेनाथी जराय तृप्ति न वळे एवुं
तवाज़ा स्त्री०[अ.] आदर (२) आतिथ्य
तवाना वि० [फा.] बळवान (नाम,**–नाई**)
तवायफ़ स्त्री० [अ. 'ताइफ:'नु ब. व.] वेश्या (२) तायफो (गानार बजावनारनी टोळी)
तवारा पु० (प) ताप; ताव
तवारीख़ स्त्री० [अ] इतिहास. **–ख़ी** वि० [अ] ऐतिहासिक
तवालत स्त्री० [अ] लंबाई(२)अधिकता (३) झझट; आपत्ति
तवील वि० [अ] लाबु
तवेला पुं० [अ. तवेल] तबेलो
तशख़ीस स्त्री०[अ.] ठराव (२) रोगनु निदान
तशदीद स्त्री०[अ] कठोरता; सखताई; अत्याचार (२) लेखनमा अक्षरनु द्वित्व सूचववा फारसी लिपिमा वपरातु चिह्न
तशद्दुद पु० [अ.] 'तशदीद'; कठोरता
तशफ़्फ़ी स्त्री० [अ.] सात्वन (२) संतोष
तशबीह स्त्री०[अ] उपमा (२) उदाहरण
तशरीफ़ स्त्री० [अ.] मोटाई; महत्ता. **–लाना**=पधारवु. **–रखना**=विराजवु
तशरीह स्त्री०[अ.] टीका; टिप्पण (२) शरीरशास्त्र
तशवीश स्त्री० [अ] फिकर; चिंता
तश्त पु० [फा.] थाळी; टाट (२) जाजरूनु तस्तानु
तश्तरी स्त्री० [फा] रकाबी
तस वि० (२)अ० (प.) तेवु; 'तैसा'
तसकीन स्त्री०[अ.] तसल्ली; दिलासो
तसदीअ (०ह) स्त्री० [अ] माथु दुखवु ते (२) तस्दी [समर्थन (३) साक्षी
तसदीक़ स्त्री०[अ.]सत्यता (२)प्रामाण्य;
तसद्दुक पु० [अ] दान (२) बलिदान
तसनीफ स्त्री० [अ]ग्रथ-रचना; पुस्तक-लेखन [दिखाडो; दभ
तसन्ना पु० [अ तसन्नुअ] आडबर;
तसफ़िया पु० जुओ 'तस्फिया'
तसबीह स्त्री० [अ] तसवी; माळा
तसमा पु०[फा]चामडानो पटो.**–खींचना**=गळु दबावी देवु; गळे फासो नाखी मारवु.**–लगा न रखना**=गळु उडावी देवु
तसर्रुफ पु० [अ]खर्च (२)उपयोग (३) चमत्कार
तसला पु० तासळु (स्त्री० **–ली**)
तसलीम स्त्री०[अ] सलाम; प्रणाम (२) स्वीकृति
तसल्ली स्त्री०[अ]तसल्ली, दिलासो(२) धीरज **–दिलाना**=दिलासो आपवो
तसवीर स्त्री० [अ.] छवी; चित्र. **–उतारना, –खींचना, –निकालना**= छवी के चित्र पाडवु. **–बन जाना**= साव बनी जवु
तसव्वुफ पु० [अ.] जुओ 'तसौवुफ'

तसव्वुर पु०[अ] ख्याल; कल्पना (२) सूझ (३) ध्यान [साथे तपासवु ते
तसहीह स्त्री०[अ] शुद्ध करवु ते(२) मूळ
तसू(–स्सू) पु० तसु
तसौवुफ पु०'तसव्वुफ'; गूढवाद; सूफीवाद (२) ईश्वरपरायणता [स्त्री
तस्कर पु० [स] चोर. –री स्त्री० चोर
तस्दीअ स्त्री० जुओ 'तसदीअ'
तस्फिया पु० [अ.] साफ के स्वच्छ करवु ते (२) झघडानो निपटारो
तहँ(०वाँ,–हाँ) अ० तही; त्या
तह स्त्री०[अ] थर (२) पातळु पड (३) तळियु (४)गडी. –करना=गडी करवी; वाळवु. –का सच्चा=साचा दिलनु (माणस). –की बात=गुप्त वात–रहस्य. –तक पहुँचना=मर्म पामवो. –तोड़ना=झघडो पतावववो. –देना (किसी चीज़की)=थर लगाववो; उपर चोपडवु
तहकीक(–कात) स्त्री०[अ] शोधखोळ
तहकीर स्त्री० अपमान; बेआबरू
तहख़ाना पु० [फा] भोयरु
तहज़ीब स्त्री० [अ] शिष्टाचार (२) सभ्यता; संस्कृति [सभ्य
तहज़ीब-याफ़्ता वि० [अ+फा.] शिष्ट;
तहत पु० [अ] अखत्यार (२) अधीनता
तहत-उस्सरा स्त्री० [अ] पाताळ
तह-दर्ज वि० [फा] बिलकुल नवु
तहपेच पु० [फा.] पोतानु
तहफ़्फुज़ पु०[अ] बचाव,रक्षण;सलामती
तहबद पु०[फा.],तहमत(–द) स्त्री०लुगी
तहरीक स्त्री० [अ.] आंदोलन (२) उश्केरणी (३) प्रस्ताव; ठराव
तहरीर स्त्री०[अ] लेखन-शैली के लेख
तहरीरी वि०[फा] लेखित(जेम के पुरावो)
तहलका पु० [अ] मोत (२) बरबादी (३) हिलचाल; खळभळाट
तहलील स्त्री० [अ] पीगळवु ते (२) पचवु ते [(३) खजानो
तहवील स्त्री० [अ] सुपरत (२)अनामत
तहस-नहस वि० बरबाद; खेदानमेदान
तहसीन स्त्री० [अ] तारीफ; प्रशंसा; शाबाशी
तहसील स्त्री०[अ] महेसूल उघराववु ते (२) तहसील, तालुको के महेसूल (३) महेसूलनी कचेरी. ०दार पु० [फा] मामलतदार; महालकारी
तहसीलना स० क्रि० वसूल करवु; उघराववु
तहाँ अ० त्या; तही
तहाना स० क्रि० लपेटवु [दरकार
तहाशा पु० [अ] डर; बीक (२) परवा;
तहिया,–याँ अ० (प) त्यारे; ते वखते
तहीं अ० त्या ज; तही ज; 'वहीं'
तही वि० [फा.] रहित; वगरनु. जेम के, तही-दस्त=खाली हाथनु; निर्धन. तही-मग्ज़=मूर्ख
तहोबाला वि०[फा] ऊधुचत्तु(२)बरबाद
ताँईं अ० जुओ 'ताईं'
ताँगा पु० 'टाँगा'; टागो; घोडागाडी
तांडव पु० [स] तांडव नृत्य; पुरुषनु नृत्य
ताँत,०ड़ी स्त्री० तात (२) ततु; दोरी (३) पणछ (४) साळनु राच. –सा=बहु दूबळु पातळु
ताँता पु० पंक्ति; हार –बाँधना=हार करवी; हारमा ऊभा रहेवु
ताँती स्त्री० पंक्ति (२) ओलाद; पेढी (३) पु० वणकर

तांत्रिक वि०[स]तंत्र संबंधी (२) पु० तंत्रविद्या–यंत्रमंत्र जाणनार
ताँबा पु० तांबु धातु [पु० तंबोळी
तांबूल पु० [स] पान; पानबीडी. **–ली**
ता अ० [फा]'तक'; सुधी (२)[स.]वि० उपरथी भाववाचक नाम बनावतो प्रत्यय [उपासना
ताअत स्त्री० [अ] सेवाचाकरी (२)
ताईं अ० प्रति; पासे; तरफ
ताई स्त्री० मोटी काकी (२) तावली (३) टाढियो ताव [टेको
ताईद स्त्री० [अ] तरफदारी; समर्थन;
ताऊ पु० मोटा काका
ताऊन पु० [अ] प्लेग; मरकी
ताऊस पु०[अ] मोर (२) ताऊस वाद्य. **–सी** वि० मोर जेवु के तेना रगनु
ताक़ पु० [अ.] ताकु (२) वि० एकी (३) अद्वितीय; अजोड. **–पर धरना** या **रखना**=पडचु रहेवा देवु; काममा न लेवु. **–भरना**=(पीर के देव इ०नी) मानता पूरी करवी
ताक स्त्री० ताकवु ते (२) स्थिर दृष्टि (३) ताक; तक; लाग (४) तलाश **–में रहना**=लाग जोता रहेवु **–रखना, लगाना**=लाग ताकवो
ताक-जुफ़्त पु०[फा] हाथमा कोडी इ० राखी रमाती एकीबेकीनी रमत
ताक-झाँक स्त्री०वारवार के छूपु जोवु ते
ताकत स्त्री०[अ.] ताकात; शक्ति; बळ
ताक़तवर वि० [फा.] ताकातवाळु; बळवान
ताकना स०क्रि० ताकवुं; एकीटसे जोवु (२) ध्यानथी जोवु; विचारवु (३) पहेलेथी जोई राखवु (४) जोता रहेवु; नजर राखवी; संभाळवु

ताक़ा पु० [अ] ताको, कपडानु 'थान'
ताकि अ० [फा] जेथी करीने
ताकीद स्त्री० [अ] ताकीद; चेतवणी. **–करना**=ताकीद आपवी
ताकीदन् अ० ताकीदथी, आग्रहपूर्वक
ताकीदी वि० [अ.] ताकीदनु; जरूरी
ताख़ीर स्त्री० [अ.] वार; विलब
ताग(–गा) पु० तागडो; दोरो
तागड़ी स्त्री० कदोरो (२) केडनो दोरो
तागना स०क्रि० (गोदडा इ०मा) दोरा नाखवा [पहेरावाय छे)
तागपाट पु०गळानु एक घरेणु(विवाहमा
तागा पु० 'ताग'; दोरो
ताज पु० [अ] बादशाहनो मुगट (२) कलगी (मोर,मरघा इ०नी)(३)आग्रा-नो ताजमहाल **०दार** पु० बादशाह
ताज़गी स्त्री०[फा.] ताजगी; ताजापणु
ताजन,–ना पु० चाबुक; कोरडो
ताज़ा वि० [फा.] ताजु; तरत थयेलु; नवु; लीलु (२) थाक वगरनु; प्रफुल्ल (३) वासी नहि; तरतनु; सोजु
ताज़ा-दम वि० [फा.] तत्पर; तैयार
ताज़ियत स्त्री० [फा.] मरणनो दिलासो देवा जवु ते; उठमणु
ताज़िया पु० [अ] ताजियो; ताबूत
ताज़ियाना पु० चाबुक; साटको के तेना फटकानी सजा
ताजिर पु० [अ.] वेपारी
ताजी पु० [फा] अरबी घोडो (२) स्त्री०अरबी भाषा [सभ्यता; विवेक
ताज़ीम स्त्री० [अ] ताजीम; अदब;
ताज़ीमी सरदार पु० प्रतिष्ठावान–मोटो सरदार [वि० फोजदारी
ताज़ीर स्त्री० [अ] दंड; सजा. **–री**

ताज़ीरात स्त्री०[अ]फोजदारी कायदानो सग्रह –हिंद=हिंदनो फोजदारी कायदो

ताज्जुब पु० [अ] 'तअज्जुब'; ताजुबी

ताड़ पु० ताडनु झाड

ताड़ना स०क्रि० मारवु; पीटवु; मारी ठोकी हठाववु (२) समजी जवु; कळी जवु; पामी जवु (३) स्त्री० मार-पीट; धाकधमकी

[झाड

ताड़ी स्त्री० ताडी (२) एक नानुं ताडनु

तात पु०[स] तात; पिता (२) वहालनु सबोधन–बेटा जेवु

ताता वि० तातु; तपेलु; गरम

तातार्थेई स्त्री० नृत्यनो बोल–तातार्थेई; तातार्थैया

तातील स्त्री० [अ] रजा; छुट्टी

तात्कालिक वि० [स] तात्काळिक; ते वखतनु

तात्त्विक वि०[सं] तत्त्व के तत्त्वज्ञान सबधी (२) यथार्थ; वास्तविक

तात्पर्य पु०[म] अर्थ; आशय; मतलब; भावार्थ (२) तत्परता

तार्थेई स्त्री० तातार्थेई

तादात्म्य पु०[सं] अभेद; एकरूपता

तादाद स्त्री० [अ] सख्या; गणतरी

तादृश वि० [स] तेवु; तेना जेवु

ताधा स्त्री० तातार्थेई

तान स्त्री० ताणवु ते; खेंच (२)संगीतनी तान, आलाप

तान पु० [अ] ठपको; ताणो; महेणु; निंदा. (किसी पर) तान तोड़ना= (कोईनु) वूरु बोलवु

[नाखवु

तानना स०क्रि० ताणवु,खेंचवु(२)केदमा

तानपूरा पु० तानपूरो; तबूरो

तान-बान पु० (प.) जुओ 'ताना-बाना'

ताना पु० ताणो (२) स०क्रि० तावबु; तपाववु (३) पु० [अ] ताणो; महेणु

ताना-बाना पु० ताणो-वाणो –करना= नकामा अहींतहीं भटकवु के फेरा खावा

तानारीरी स्त्री० साधारण गावु ते

तानाशाही स्त्री० आपखुदी; सर-मुखत्यारी

तानी स्त्री० ताणी; ताणानु सूतर

ताप पु० [स] ताप; गरमी (२) ताव (३) कष्ट; पीडा

तापतिल्ली स्त्री० प्लीहानो रोग

तापना अ०क्रि० तापवु (२) स०क्रि० फूकी मारवु; नाश करवु

तापमान पु०[स] ताप के तावनु माप, तेनी डिग्री

तापयत्र पु० [स] थरमॉमीटर

तापस पु० [स] तपस्वी (२) बगलो. –सी स्त्री० तपस्वी स्त्री

तापस्वेद पु० [स] कोई रीते गरमी आपी निपजावेलो परसेवो

ताफ़्ता पु० [फा.] ताफतो; टाफेटो

ताब स्त्री०[फा.] ताप (२) चमक (३) शक्ति (४) धैर्य

ताबड़तोड़ अ० लगातार; एक पछी एक; (२) झट झट; ताबडतोब

ताबदान पु० [फा] [illegible] के प्रकाश माटेनी जाळी

ताबा,–बे वि० [अ. [illegible]] [illegible] रहेतुं; आधीन; [illegible]

ताबीर [illegible] फळ

ताबूत [illegible]; [illegible] (२) [illegible]

ताबेदार [illegible] रहेनार (२) [illegible] –री स्त्री० नोकरी

ताम पु० तामस; क्रोध (२) तमस; अधारु (३) वि० भीषण (४) पु० [स] दोष; विकार (५) दुख (६) [अ] भोजन; खावु ते

तामजान, तामझाम, तामदान पु० एक प्रकारनी खुल्ली पालखी–खुरशी-घाटनी डोळी

तामड़ा वि० ताबाना रगनु [टमलर

तामले(–लो)ट पु० [इ टब्लर] टिननु

तामस वि०[स]तमोगुणी (२) पु० तमोगुण; क्रोध (३) अधकार; अज्ञान; मोह

तामसी स्त्री० अधारी रात (२) महाकाळी (३) वि० स्त्री० तमोगुणी

तामिल स्त्री० तामिल भाषा; 'तमिल' (२) ते बोलनार लोक

तामीर स्त्री०[अ] बाधकाम (मकाननु)

तामीरी वि० [फा] रचनात्मक

तामील स्त्री० [अ] (आज्ञा) पालन; अमल करवो ते [आनाकानी

ताम्मुल पु० [अ] सदेह; दुविधा;

ताम्र पु० [स]ताबु ०**पत्र** पु०ताबालेख

तायफा पु० स्त्री० [फा] वेश्या (२) गानारनी के वेश्यानी मडळी (३) फिरको; जथो

तायर पु० [अ] ऊडनार (२) पक्षी

ताया पु०(स्त्री०ताई) 'ताऊ';मोटाकाका

तार पु० धातुनो, वाद्य इ०नो तार(२) वीजळीनो तार के ते द्वारा मोकलातो सदेशो (३) ततु; ताग (४) वि० तार (स्वरनु) **–जमना, बैठना** या **बँधना**= वेंत वेसवो; बरोबर गोठवावु

तारक पु०[स]तारो(२)तारनार;उद्धारक

तारकश पु० तारकस; तार खेंचनारो **–शी** स्त्री० तेनु काम के धधो

तारघर पुं० तार-ऑफिस

तारण पु० [स] तारवु ते; उद्धारण

तारतम्य पु० [स] ओछावत्तापणा मुजबनो क्रम

तारना स० क्रि० तारवु; उद्धारवु

तारपीन पु० टर्पेन्टाईन [तार

तार-बर्की पु० वीजळीथी खबर देनारो

तारा पु०[स]तारो.**–गिनना**=ऊंघ वगर रात काढवी **–टूटना**=तारो खरवो. **तारे तोड़ लाना**=भारे के चालाकीनु काम करवु. ०**पथ** पु० आकाश

ताराज पु० [फा.] लूटफाट (२) ताराज थवु ते; नाश; खुवारी

तारिक वि० [अ] त्यागी [(२) काळु

तारीक़ वि०[फा] (नाम, **–क़ी**) अधारु

तारीख़ स्त्री० [फा.] महिनानी तारीख (ईस्वी के इस्लामी पचागनी) **–डालना** =तारीख नाखवी–नक्की करवी (कोई काम माटे) **–पड़ना**=तारीख पडवी–नक्की थवी

तारीफ स्त्री०[अ] लक्षण (२) विशेषता; गुण (३) वर्णन (४) तारीफ; प्रशंसा

तारुण्य पु० [स] जुवानी

तार्किक पु०[स]तर्कशास्त्री(२)तत्त्ववेत्ता

ताल पु० सगीतनो ताल (२) ताळी (३) हथेळी (४) मंजीरा (५) ताळु (६) तळाव (७) ताडवृक्ष **–ठोंकना** =लडवाने आह्वान देवु

तालअ पु० [अ] नसीव; भाग्य [वगर

ताल-बेताल अ० टाणे-कटाणे; ठेकाणा

तालमेल पु० ताल–सूर मेळववो ते (२) योग्य अवसर (३) बरोबर योजना; तालमेल **–खाना**=ताल के मेळ खावो; सयोग लागवो

ताला पु० ताळु. ०कुंजी स्त्री० ताळा-कूची (२) एक बाळरमत

तालाब पु० तळाव

तालाबेली स्त्री० 'तलवेली'; तालावेली

तालिका स्त्री० कूची (२) सूची; अनुक्रमणिका (३) यादी [मागनार

तालिब पु०[अ.] शोधनार (२) पूछनार;

तालिब-इल्म पु० [अ.] विद्यार्थी

ताली स्त्री०[स.] कूची (२) ताडी (३) ताळी (४) नानु 'ताल'-तळावडी. **-पीटना, बजाना**=हसी काढवु. **-बज जाना**=हसवामा जवु

तालीफ स्त्री०[अ] सग्रह-ग्रथ रचवो ते (२) बे वच्चे मेळ के एकता करवी ते

तालीम स्त्री० [अ.] शिक्षण; केळवणी

तालु(-लू) पु० ताळवु. **-में दाँत जमना**=खराब दहाडा आववा. **-से जीभ न लगना**=बोल्या करवु; जीभ झाली न रहेवी

तालुका पु० तालुको [पैसादार

तालेवर वि० [फा.]तालेवान;नसीवदार;

ताल्लुक पु० जुओ 'तअल्लुक'

ताव पु० ताप; गरमी (२) अधिकार के सत्तानो गर्व (३) गुस्सो (४) ताव (कागळ); ता. **-आना**=जोईए तेवु तपवु (२) गुस्से थवु. **-खाना**=गरम थवु. **-देना**=गरम करवु. **मूँछो पर ताव देना**=मूछ पर ताल देवो. **-चढ़ना**=प्रवल इच्छा थवी

ताव-भाव पु० लाग; मोको

तावर,-री स्त्री० ताप; गरमी (२)ताव

तावान पु०[फा] नुकसानीनी भरपाई; दड

तावीज पु० [अ.तअवीज] तावीज

ताश(-स) पु० [अ]एक प्रकारनु कसवी कपडु (२) गजीफो

ताशा(-सा) पु० [अ तास]ताछु;तासु

तासीर स्त्री० [अ.] असर; प्रभाव; फळ; परिणाम; गुण

तासु स० (प) तेनु ['उससे'

तासूँ(-सो) स० (प) ते वडे के प्रत्ये;

तास्सुब पु० जुओ 'तअस्सुब'

ताहम अ० [फा] तोपण

ताह(-हि)री स्त्री०[अ] एक प्रकारनी खीचडी

तितिड़ी स्त्री० [स] आमली

तिकड़म पु० तिकडम; युक्ति; चालाकी. **०बाज,-मी** वि० तिकडम करनार

तिकोन(-निया) वि० त्रिकोण

तिक्की स्त्री० पत्तानी तीरी-तरियो

तिक्त वि० [स] तीखु (२) कडवु

तिखाई स्त्री० तीखाश; तीखापणु

तिगुना वि० तगणु

तिजरा पु० जुओ 'तिजारी'

तिजारत स्त्री०[अ]वेपार;वंधोरोजगार

तिजार पु०, तिजारी स्त्री० त्रीजे दिवसे आवतो ताव

तिजोरी स्त्री० लोढानी तिजोरी

तिड़ी-विड़ी वि० छिन्नभिन्न; अस्त-व्यस्त; वेरणछेरण

तित अ० (प.) त्या (२) ते वाजु

तितर-वितर वि० वेरणछेरण; आमतेम; अस्तव्यस्त

तितली स्त्री० पतगियु

तित-लौकी स्त्री० कडवी तूमडी के दूधी

तितारा पु० त्रण तारनु वाद्य

तितिक्षा स्त्री० [स] सहनशीलता (२) क्षमा. **-क्षु** वि० ते गुणवाळु

तितिम्मा पु० [अ] बचत; परिशिष्ट
तिते वि० (प) 'उतने'; एटलु
तितेक वि० (प) 'उतना'; एटलु
तितै अ० (प) त्या
तितैया पु० भमरी
तितो वि० (प.) 'उतना'; एटलु
तित्तर-बित्तर वि० जुओ 'तितर-बितर'
तिथि स्त्री०[स] मिति; देशी तारीख. **०पत्र** पु० पचाग
तिदरी स्त्री० त्रण बारणावाळो ओरडो
तिधर अ० त्या; 'उधर' [थोर
तिधारा पु० [स. त्रिधार] एक जातनो
तिन स० [प] 'तिस' नु ब० व०
तिनक(-ग)ना अ० क्रि० चिडावु
तिनका पु० तृण (२)तणखलु **-तोड़ना** =सबध तोडवो (२)नजर न लागे एम करवु के इच्छवु (स्त्री बाळकने करे छे ते). **तिनकेको पहाड़ करना** = रजनु गज करवु [टेबल; त्रिपाई
तिपाई स्त्री० त्रण पायानी घोडी के
तिफ़्ल पु० [अ] वच्चु; बाळक
तिबाबत स्त्री० [अ] तबीबी; वैदु
तिबारा अ० त्रीजी वार
तिब्ब स्त्री० [अ] हकीमी. **-ब्बिया, -ब्बी** वि० हकीमी सबंधी
तिमि अ० (प) तेम; तेवी रीते
तिमिर पु० [स] अधारु
तिमुहानी स्त्री० त्रण मो-मार्ग के फाटकवाळु स्थान
तिय(-या) स्त्री० त्रिया; स्त्री
तिरकुटा पु० त्रिकटु; सूठ मरी ने पीपर
तिरछ(-छा)ई स्त्री० तीरछापणु
तिरछा वि० तीरछु; वाकु; कतरातु
तिरछाना अ०क्रि० तीरछ थवु; कतरावुं
तिरछौहाँ वि० जरा तीरछु
तिरछौहें अ० वाकथी; वक्रतापूर्वक
तिरना अ० क्रि० तरवु
तिरनी स्त्री० घाघरानु नाडु
तिरपट वि० तीरछु (२) कठण; मुश्केल
तिरपन वि० त्रेपन; ५३
तिरपाई स्त्री० त्रिपाई
तिरपाल पु० छापराना छाजना साठी वगेरे (२) शणनी ताडपत्री
तिरमिरा पु० आखे अधारा आववा के खूब प्रकाशमा अंजावु ते (२) पाणी उपर चीकटनु वुद
तिरमिराना अ०क्रि० आखो अजावी
तिरयाक(-क) पु० [अ]सापनो महोरो (२) सर्व रोगनी रामबाण दवा
तिरस्कार पु० [स] अपमान; अनादर (२) धिक्कार [तरछोडायेलु
तिरस्कृत वि० [स] अपमानित;
तिरानवे वि० त्राणु; ९३
तिराना स०क्रि० तरावबु (२) तारवु
तिरासी वि० त्र्यासी; ८३
तिराहा पु० त्रिभेटो
तिरिया स्त्री० (प) स्त्री
तिरेन्दा पु० समुद्रमा तरतु रखातु नीचेना पहाड के विघ्ननु निशान; 'वॉय' (२) जाळमा माछली फसाई एम बतावनार तरतु रखातु चिह्न
तिरोधान, तिरोभाव पु० [स] अदृश्य थई जवु ते [(२) ढकायेलु
तिरोभूत, तिरोहित वि० [स.] अदृश्य
तिर्यक् वि० [स] तीरछु; वाकु (२) पु० पशुपक्षी
तिलंगा पु० अंग्रेजी फोजनो देशी सिपाई
तिलंगाना पु० तैलगण देश

तिल पु० [स] तल
तिलक पु० [स] तिलक; टीलु
तिलकुट पु० तलनी एक मीठी वानी
तिलदानी स्त्री० दरजीनी थेली जेमा सोयदोरा इ० राखे ते
तिलपट्टी,तिलपपड़ी स्त्री० तलसाकळी
तिलमिल स्त्री० जुओ 'तिरमिरा'
तिलमिलाना अ०क्रि०जुओ'तिरमिराना' (२) दु ख पीडाथी गभरावु, तडफडवु
तिलवा पु० तलनो लाडु
तिलशकरी स्त्री० तलसाकळी [जादुई
तिलस्म पु०जादु; चमत्कार **–स्मी** वि०
तिलहन पु० तेली बियाना छोड
तिलांजलि स्त्री०[स] मृतात्माने अपाती तलनी अंजलि; तिलोदक
तिला पु० [अ.] सोनु (वि०–लाई)
तिलाक पु० जुओ 'तलाक' [पटो–तलो
तिल्ला पु० खेस पाघडी वगेरेनो कसवी
तिल्ली स्त्री० प्लीहा (२) तल
तिशना पु० [अ] तानो; महेणु
तिश्ना वि० [फा] तरस्यु; अभिलाषी
तिस स० (प.) 'उस' 'ता' नु विभक्ति पूर्वेनु रूप [छता
तिस पर ते उपरात; वळी (२) तोपण;
तिसरायत स्त्री०त्रीजु – त्राहित होवु ते; तटस्थता
तिसरैत पु० त्रीजो – तटस्थ माणस
तिहत्तर वि० तोतेर; ७३
तिहरा वि० 'तेहरा'; त्रेवडु (२) त्रीजी वारकु. **०ना** स०क्रि० 'तिहरा' करवु
तिहवार पु० [स. तिथिवार] तहेवार
तिहाई स्त्री० त्रीजो भाग (२) फसल
तिहाउ,–व पु० (प) क्रोध
तिहारा,–रो स० (प) तमारु
तिहि स० (प) 'तेहि';तेने [एक थाप
तिहैया पु० त्रीजो भाग (२) तबलानी
तीक्ष्ण वि० [स] तीणु; वारीक धार के अणीवाळु (२)तीखु; तीव्र; आकरु (३) कुशाग्र; चकोर
तीखा वि० तीखु (२) तीक्ष्ण
तीज स्त्री० तीज; तृतीया (तिथि)
तीजा वि० त्रीजु (२) पु० मरणनो त्रीजो दिवस
तीतर पु० तेतर पक्षी
तीता वि० तीखु (२) तिक्त; कडवु
तीन वि० त्रण **–तेरह करना**=वेर-विखेर–अस्तव्यस्त करवु **–पाँच करना** =झघडा के पचातनी वात करवी
तीनत स्त्री० [अ] प्रकृति; स्वभाव
तीमार पु०[फा] बरदासचाकरी; सेवा
तीमारदार वि० [फा] सहानुभूतिवाळु (२) रोगीनी बरदास करनार
तीमारदारी स्त्री० (रोगीनी) बरदास; मावजत
तीय(–या) स्त्री० स्त्री; ओरत
तीरंदाज पु० [फा] बाणावळी. **–जी** स्त्री० धनुषविद्या
तीर पु० [स] काठो; किनारो (२) [फा] बाण. **०गर** पु० तीर बनावनार
तीरथ, तीर्थ पु० तीर्थ; यात्रानी जगा
तीली स्त्री०सळी के तार(२)पगनी पिंडी
तीव्र वि० [स] अतिशय (२) उग्र; आकरु; तेज (३) तीखु
तीस वि०त्रीस. **–दिन, तीसों दिन**=हमेश
तीसरा वि० त्रीजु
तीसी स्त्री० अळसी (२) फळ गणवानु (१५०नु) एक मान [पु० पर्वत
तुंग वि० [स] ऊचु (२)उग्र; प्रचड (३)

तुंड पु०[स] मुख; मो (२) चाच (३) सूढ
तुंद वि० [फा.] तुड; चडाउ; उग्र (२) विकट; घोर (३) पु० [स.] पेट; फाद
तुंदिल, तुंदैल(–ला) वि० [स.] मोटा पेट–फादवाळु
तुंबा पु० कडवु तूमडु (२) तुबीपात्र –बी स्त्री० तूमडी
तुक स्त्री० टूक; तूक. –जोड़ना= जोडकणा जेवी रद्दी कविता करवी
तुकबंदी स्त्री० जोडकणु; काव्यना गुण विनानी हलकी कविता
तुकमा पु०[फा.]'घुडी'–बोरियानु नाकु
तुकार स्त्री० तुकारो
तुकारना स०क्रि० तुकारवु [जाणनार
तुक्कड़ पु० जोडकणा–'तुकबंदी' रची
तुक्कल स्त्री० तुक्कल–मोटी पतग
तुक्का पु० [फा.] तुक्को; बूठु बाण
तुख़्म पु० [अ] तुखम; बीज
तुगयानी स्त्री०[अ.] (नदीनु) पूर [अल्प
तुच्छ वि० [स] हलकु; शूद्र (२) नजीवु;
तुज़ुक पु० [तु] शोभा (२) कानून (३) आत्मकथा (प्राय: बादशाहनी)
तुझ स० 'तू'नु विभक्ति पूर्वेनु रूप
तुझे स० 'तू'नु ४ थी तथा बीजीनु रूप
तुड़वाना, तुड़ाना स०क्रि० तोडाववु (२) मोटा सिक्कानु परचूरण कराववु
तुड़ाई स्त्री० तोडवानु काम के तेनी मजूरी
तुतरा वि० (प.) तोतडु
तुतरा(–ला)ना अ०क्रि० तोतडावु
तुनक वि० [फा] नाजुक (२) कमजोर
तुनक-मिज़ाज वि०[फा]जरामा छ्छेडाई जाय एवा स्वभावनु
तुफंग स्त्री० [फा] हवाई बंदूक
तुफ़ैल पु० [अ] सावन. –से=द्वारा; वडे; –ने लईने
तुम स० तमे [तूमडु
तुमड़ी स्त्री० तूमडी पात्र(२)वगाडवानु
तुमुल वि० [स] घोर; भीषण; भारे(२) पु० घोघाट
तुम्हारा स० तमारुं
तुम्हें स० तमने; 'तुमको'
तुरंग,०म पु० [सं] घोडो
तुरंत अ० तरत; जलदी
तुरंज पु० बिजोरु (२) शाल, अगरखा वगेरे पर करातु भरतकाम
तुर पु० वणातु जतु कपडु लपेटवानो साळनो भाग–तोर
तुरई स्त्री० तूरियु के तेनो वेलो
तुरग पु० [स] तुरग; घोडो
तुरत अ० तुरत; तरत [सीववु ते
तुरपई(–न) स्त्री० दोरो भरी ओटीने
तुरपना स० क्रि० दोरो भरी ओटीने सीववु (प्रेरक तुरपवाना, तुरपाना)
तुरबत स्त्री० [अ.] कबर
तुरही स्त्री० तुराई वाजु
तुराई स्त्री० तळाई; गादलु (२) अ० तरत; जलदी
तुरीय, तुर्य वि० [स] चोथु; चतुर्थ
तुर्की-ब-तुर्की जवाब देना=रोकडो–बरोबर उत्तर देवो
तुर्रा पु० [अ] तोरो (२) कलगी (३) वि० [फा.] अद्‌भुत [कठोर
तुर्श वि० [फा.] (नाम,–र्शी) खाटु (२)
तुर्शाना अ०क्रि० खटावु
तुलना स्त्री० तुलना; सरखामणी (२) अ० क्रि० तोळावु (३) गाडीना पैंडा आजवा (४) तैयार थवु

तुलबा पु० ब० व० [अ] विद्यार्थीगण
तुलवाई स्त्री० तोळवानी मजूरी (२) पैंडा आजवानी मजूरी
तुलवाना स० क्रि० तोलाववु
तुलसी स्त्री० [स.] तुळसी
तुला स्त्री० [स] त्राजवु; काटो (२) तुलना (३) एक राशि
तुलाई स्त्री० रजाई (२) तोळवानी मजूरी के क्रिया
तुलूअ पु० [अ] (सूर्यादिनो) उदय
तुल्य वि० [सं] बरोबर; समान
तुवर पु० तुवेर; 'तूर'
तुष,-स पु० [स] अनाजनु भूसु; फोतरु (खास चोखानु)
तुषार पु० [स] बरफ (२) झाकळ (३) वि०वरफ जेवु ठडु [स्त्री० सतोष
तुष्ट वि० [सं.] तृप्त; सतुष्ट. **-ष्टि**
तुस पुं०, **-सी** स्त्री० जुओ 'तुप'
तुहमत,-ती जुओ 'तोहमत,-ती'
तुहफा पु० जुओ 'तोहफा'
तुहिन पु [स] जुओ 'तुषार'
तूं स० जुओ 'तू' [नानु तूमडु
तूंबा,-वड़ा पु० तूमडुं. **-बी** स्त्री०
तू स० तु. **तू तड़ाक, तू तुकार, या तू तू मैं मैं करना**=सामसामे तुता करीने बोलावोली करवी
तूण,-णीर पु० [स] बाणनो भाथो
तूत पु० [फा] एक फळझाड; 'शहतूत'
तूती स्त्री० [फा] एक पक्षी (२) ततूडी (किसीकी) **-बोलना**=कोईनु चालवु- गज खावो. **नक्कारखानेमें तूतीकी आवाज**=कदर न पामती नानी वात
तूदा पु [फा] ढगलो (२) हदनी निशानी; पाळी (३) बाब

तूफ़ान पु०[अ.] तोफान (२) तहोमत (३) आफत (४) भारे मोटु पूर; रेल (वि० **-नी**)
तूमड़ी स्त्री० तुवडी; तुवडो
तूम-तड़ाक स्त्री०[फा] ठाठमाठ; सजावट
तूमना स०क्रि० पींखवु; विखेरवु (२) भेद खुल्लो करवो
तूमार पु०[अ] वातनो व्यर्थ विस्तार; लावु पुराण (**-बाँधना** श० प्र०)
तूर पु० नगारु (२) तुराई वाजु (३) स्त्री० तुवेर
तूल पु० [अ] लबाई; विस्तार (२) [स] रू; कपास **-देना**=लंबाववु. **-खींचना**=ढील थवी
तूलतवील वि० लाबुपहोळु; विस्तृत
तूस पु० जुओ 'तुस' (२) [अ] उत्तम पशमीनो के कामळी
तृण पु० [स] घास **-गहना, पकड़ना**=दीनता देखाडवा मोंमा तणखलु लेवु. **-टूटना**=नजर लागे एवु सुदर होवु. **-तोड़ना**=सबध छोडवो (२) नजर न लागवा माटे उपाय करवा
तृतीय वि० [सं.] त्रीजु **-या** स्त्री० त्रीज (२) त्रीजी विभक्ति
तृप्त वि० [स.] धरायेलु; सतुष्ट. **-प्ति** स्त्री० सतोप; धरपत
तृषा स्त्री० [स] तरस (२) लालच; लोभ. **-षित** वि० तरस्यु [तरस
तृष्णा स्त्री० [स] लालच; कामना (२)
तें (प्रत्यय) द्वारा; थी (२)-ना करता (३)-माथी
तेंतालि(-ली)स वि० तेंताळीस; ४३
तेंती(-ति)स वि० तेत्रीस; ३३
तेंदुआ पुं० चित्ता जेवु एक हिंसक प्राणी

ते (प्रत्यय) जुओ 'तें' (२) सं०[स] तेओ
तेइ(-ई)स वि० तेवीस; २३
तेग़ स्त्री० [अ] तलवार
तेग़ा पु० खाडु; कटार
तेज़ वि०[फा.]तेज,तीक्ष्ण; उग्र;(२) मोंघु
तेज पु०[स] तेज; प्रकाश **०स्वी** वि० तेजवाळु (२) प्रभावशाळी
तेज़ाब पु०[फा] तेजाब; ॲसिड. **-बी** वि० तेजाब सबधी
तेज़ी स्त्री०[फा] तेजी; उग्रता; उतावळ (२) भावनी तेजी
तेजोमय वि०[सं] तेजस्वी; प्रकाशवान
तेतालीस वि० 'तेंतालीस'; ४३
तेरस स्त्री० तेरश तिथि
तेरह वि० तेर; १३ **-हीं** स्त्री० तेरमु
तेरा स० तारुं. **तेरी सी**=तारा लाभ मतलवनी वात (प)
तेरे अ०(प) 'से'; ने; प्रति-एवा अर्थमां
तेल पु० तेल (२) लग्ननी एक विधि-पीठी चोळवानी. **-उठना, -चढ़ना**= पीठीनी विधि थवी
तेलहन पु० तेली बी
तेलिन स्त्री० तेलीनी स्त्री; घांचण
तेलिया वि० तेलियु (२) पु० तेल जेवो एक रंग
तेली पु० तेली; घाची
तेवन पु० वाग (२) खेल; क्रीडा
तेवर पु० गुस्सानी नजर (२) आखनी भमर **-चढ़ना**=क्रोधनी आख थवी. **-बदलना या बिगड़ना**=मिजाज जवो
तेवहार पु० तहेवार; 'त्योहार'
तेशा पु० [फा.] वासलो
तेहरा वि०, **तेहराना** स०क्रि० जुओ 'तिहरा, तिहराना'
तेहवार पु०तहेवार; 'तिहवार'; त्योहार'
तेहा पु० गुस्सो (२) शेखी; घमंड
तेहि स० (प.) एने; तेने
तेही वि० 'तेहा'-गुस्सा के घमंडवाळु
तैंतालीस वि० 'तेंतालीस'; ४३
तैंतीस वि० तेत्रीस; ३३
तै अ० एटलु (२) पु० [अ] फेंसलो (३) समाप्ति (४) वि० जुओ 'तय'
तैनात वि० [अ तअय्युनात] नियत; मुकरर (नाम, **-ती** स्त्री०)
तैयार वि०[अ] तैयार (२) हृष्टपुष्ट. (नाम, **-री** स्त्री०)
तैरना अ०क्रि० तरवु (प्रेरक **तैराना**)
तैराक वि० तरवामा कुशळ; तारो
तैल पु० [स] तेल
तैश पु० [अ.] क्रोध; गुस्सो
तैसा वि० तेवु. **तैसे** अ० तेम
तों अ० [प] 'त्यों'; तेम के त्यारे
तोंद स्त्री० फूलेलु पेट; दुद; फाद
तोंदल वि० दुदाळु; फादवाळु
तोंदी स्त्री० नाभि; दूटी
तो अ० तो (२) स० (प) तारुं
तोड़ पु० तोडवु ते (२) नदीनु जोरथी वहेतु वहेण (३) दहीनु पाणी (४) तोड; निकाल करवानो उपाय
तोड़ना स०क्रि० तोडवु; भागवु (प्रेरक **तोड़वाना**)
तोड़ा पु० पगनो तोडो (२) १००० रू. राखवानी थेली (३) नदीनो काठो (४) पलीतो (५) चकमकथी आग करवानो लोढानो ककडो
तोतई वि० तोताना रगनु; पोपटियुं
तोतरा(-ला) वि० तोतडु
तोतरा(ला)ना अ०क्रि० तोतडावु

तोता पु० [फा.] तोतो; पोपट (२) बदूकनो घोडो. **–पालना**=कोई व्यसन के व्याधि होवो. **हाथोके तोते उड़ जाना**=बहु गभराई जवु **तोतेकी तरह आँखें फेरना या बदलना** = ('बेमुरव्वत होना') बेशरम बनवु

तोताचश्म पु०[फा]बेशरम(नाम,–श्मी)

तोती स्त्री० मेना (२) रखात

तोदा पु० जुओ 'तूदा'

तोप स्त्री० [तु] तोप. **०खाना** पु० तोपखानु **०ची** पु० तोप चलावी जाणनार

तोफा वि० 'तोहफा'; सुदर; उमदा. **–फगी** स्त्री० खूबी; सुदरता

तोवड़ा पु० तोबरो. **–चढ़ाना**=तोबरो चडाववो, ना बोलवु

तोबा स्त्री०[अ तौबह्]पश्चात्ताप; फरी न करवानी प्रतिज्ञा **–करना**=तोबा पोकारवी; फरी नहि करु एम कहेवु. **–तिल्ला करना या मचाना**=रडता के नम्र बनीने तोबा पोकारवी. **–तोबा**=कोई खराब काम विषे घृणा के न थाओ एवो भाव बताववा 'राम राम' जेवा अर्थनो उद्‌गार. **–बुलवाना**=तोबा पोकराववी

तोय पु० [स] पाणी

तोर पु० 'तूर'; तुवेर (२) स० (प.)तारु

तोरई स्त्री० जुओ 'तुरई'; तूरियु

तोरण पु० मकाननो मुख्य दरवाजो (२) तोरण

तोरी स्त्री० जुओ 'तोरई'; तूरियुं

तोलना स०क्रि० तोळवु; जोखवु (२) तोलन करवु; विचारवु(३)पेडु आजवु

तोला पु० तोलो वजन

तोलिया पु० जुओ 'तौलिया'

तोशक स्त्री० [तु] रूनी गादी

तोशदान पु०[फा] भाथानी थेली के बचकी; कारतूसनी सिपाहीनी थेली

तोशा पु० [फा] बटेशरी; भाथु

तोशाख़ाना पु० [तु + फा.] वस्त्रादिनो अमीर वगेरेनो भडार; तोशाखानु

तोष पु० [स] सतोष. **–षित** वि० सतोषायेलु

तोहफगी स्त्री० [फा] उत्तमता

तोहफा वि० [अ. तुहफ] उमदा; तोफा; उत्तम (२) पु० भेट; उपहार

तोहमत स्त्री० [अ.] तहोमत

तोहमती वि० तहोमत मूकनार

तोहि स० (प.) तने

तौंस स्त्री० तापथी लागती सखत तरस

तौंसना अ०क्रि० 'तौंस'–तरस लागवी

तौंसा पु० सखत गरमी

तौ अ० (प) तो (२) अ०क्रि० हतुं

तौक पु० [अ] गळानु एक घरेणु (२) काठलो (३) चपरास

तौकीर स्त्री० [अ.] आदर, सन्मान

तौफ़ीक़ स्त्री० [अ] ईश्वरकृपा (२) श्रद्धा (३) शक्ति; ताकात

तौबा स्त्री० [अ] जुओ 'तोबा'

तौर पु०[अ] ढग; रीत; चाल; प्रकार (२) दशा; हालत

तौर-तरीक(–का)पु०[अ.] चालचलगत; वर्तणूक; रहेणीकरणी

तौरा(–री,–रे)त पु० तोरत; यहूदीओनो धर्मग्रन्थ जे मूसाने प्रगट थयेलो; जनो करार

तौल पु० [स] त्राजवु (२) स्त्री० तोल; वजन (३) तोळवु ते; 'तौलाई'

तौलना स०क्रि० जुओ 'तोलना'
तौला पु० तोलाट (२) महुडी; दारू (३) माटलु
तौलाई स्त्री० तोळवु ते के तेनी मजूरी
तौलिया स्त्री०; पु० टुवाल
तौसीअ स्त्री० [अ] विस्तार; लबाण
तौसीफ़ स्त्री० [अ] प्रशसा; स्तुति
तौहीद स्त्री० [अ] एकेश्वरवाद; ईश्वर एक छे एवी मान्यता
तौहीन(–नी) स्त्री० [अ.] अपमान; अनादर; बेआबरू
त्यक्त वि० [सं] तजायेलु
त्याग पु०[सं] छोडवु ते; त्याग; बलिदान
त्यागना स०क्रि० तजवु; छोडवु
त्यागी वि०[स] छोडनार (२) वैरागी
त्याज्य वि० [स] छोडवा जेवु
त्यागपत्र पु० [स] राजीनामु
त्यों अ० तेवी रीते; तेम (२) तत्काल
त्योरुस पु० बे वर्ष पूर्वेनु के वे वर्ष पछी आवनारु वर्ष
त्योर पु०,**त्योरी** स्त्री०जुओ 'तेवर';तोरी
त्योहार पु० तहेवार. **–मनाना**=तहेवार पाळवो के ऊजववो
त्योहारी स्त्री० तहेवारने दहाडे बाळको, नोकर वगेरेने मीठाई इ० अपाय ते बोणी के भेट
त्यौनार पु० ढग; रीत; 'तौर'
त्यौर पु०, **–री** स्त्री० जुओ 'त्योरी'
त्रपा स्त्री० [स] लज्जा; शरम [समूह
त्रय वि०[स] त्रण **–यी** स्त्री० त्रणनो
त्रयोदशी स्त्री० [स] तेरश
त्रस रेणु पु० [स] झीणी रजोटी
त्रसित, त्रस्त वि०[स] भयभीत; डरेलुं (२) पीडित
त्राण पु० [स] रक्षण; बचाव
त्राता(०र) पु० [स] रक्षक
त्रास पु० [स.] डर (२) पीडा
त्राहि क्रि० [स] बचावो; रक्षण करो
त्रि वि० [स] त्रण. **०काल** पु० त्रणे काळ. **०कोण** पु० त्रिकोण आकृति. **०गुण** पु० प्रकृतिना त्रण गुणो
त्रिज्या स्त्री० [स] वर्तुलनी त्रिज्या
त्रिदोष पु० [स] सनेपात; मूझारो
त्रिधा अ० [स] त्रण रीते
त्रिपथ पु०[स] त्रण मार्ग–कर्म, ज्ञान ने भक्ति (२) त्रिभेटो. **०गा** स्त्री० गगा
त्रिपिटक पु०[स] त्रण प्रकारना बौद्ध धर्मग्रथोनु साहित्य
त्रिपिताना अ०क्रि० (प) धरावु; तृप्त थवु (२) स०क्रि० तृप्त करवु
त्रिपुंड,–ड्र पु० [स] त्रिपुड; तिलक
त्रिफला स्त्री० [स.] त्रिफळा चूर्ण
त्रिपुटी स्त्री०[स] त्रणनो समूह (२) नानी इलायची
त्रिभुज पु० [स] त्रिकोण
त्रिमूर्ति पु०[स.] ब्रह्मा, विष्णु ने शिव ए त्रण
त्रिय,–या स्त्री० (प.) स्त्री
त्रियामा स्त्री० [स] रात्रि
त्रिविध वि० [स] त्रण प्रकारनु
त्रिवेणी स्त्री०[स.] त्रण नदीनो सगम; प्रयाग
त्रुटि,–टी स्त्री० ऊणप; खामी; भूल
त्वचा स्त्री० [स.] चामडी
त्वरा स्त्री०[स] झडप; उतावळ **–रित** वि० झडपी; वेगवान

थ

थंब (–भ) पु० थंभ; थाभलो (२) टेको (स्त्री० –बी)
थंभन पु० स्तभन; थभवु ते
थंभना अ० क्रि० थंभवु; 'थमना'
थकना अ० क्रि० थाकवु(२) धीमु पडवु; रोकावु (३) घडपणथी अशक्त थवु (४) मुग्ध थवु
थकान स्त्री० थकावट; थाक
थका-माँदा वि० थाकेलुं
थकाव(–ह)ट स्त्री० जुओ 'थकान'
थकित वि० थाकेलु (२) मुग्ध [दहीनी
थक्का पु० जामेलो थर, पोपडी, जेम के
थगित वि० स्थगित (२) शिथिल
थन पु० थान (चोपगानु); आचळ
थनी स्त्री० अजागलस्तन
थनैत पु० गामनो मुखी के तलाटी
थपकना स० क्रि० थाबडवु
थपकी स्त्री० थाबडी
थपड़ा पु० टपलो
थपड़ी स्त्री० ताळी (२) टपली
थपथपाना स० क्रि० थाबडवु
थपुआ पु० नळियु (छतु गोठववानु जरा चपटु होय छे ते) [धक्को मारवो
थपेड़ना स० क्रि० थपाटवु; थप्पड के
थपेड़ा पु० थप्पड (२) धक्को; आघात
थमना अ० क्रि० थभवु; थोभवु
थर स्त्री० थर; पड
थरथराना अ० क्रि० थरथरवु
थरथराहट,थरथरी स्त्री०थथरवु ते; कप
थरमामीटर पुं० [इ.] थरमॉमीटर
थर्मस पु० [इ.] थरमॉस
थर्मामीटर पु० [इ.] थरमॉमीटर
थर्राना अ०क्रि० जुओ 'थरथराना'
थल पु० थळ; स्थळ (२)(कठण) जमीन (३) रण (४) वाघ-सिंहनी बोड
थलकना अ० क्रि० लथडी-लची पडी झूलवु (२) जाडु शरीर लथडपथड थवुं
थलचर पु० स्थळचर जीव
थलथल वि० लथडपथड झूलतु(क्रि०–ना)
थलबेड़ा पु० नाव थोभवानी जगा–घाट
थवई पु० कडियो (२) स्थपति
थहर(–रा)ना अ०क्रि० थरथरवु; डरथी कापवु [अदाज काढवो
थहाना स०क्रि० ऊडाण मापवु (२)
थाँग स्त्री० चोर डाकुनु गुप्त स्थान(२) तपास; खोज. –लगाना=तपास करवी
थाँवला पु० खामणु (झाडनु); थाणु
था अ० क्रि० हतु (स्त्री० –थी)
थाती स्त्री० थापण; सघरो(२) अनामत
थान पु० थान; स्थान (२) देवदेवीनुं थानक (३) गमाण के तबेलो (४) थान; ताको (५) सख्या
थाना पु० थाणु
थानेदार पु० थाण(–णे)दार
थानैत पु० थानकनी देवता; ग्रामदेवता
थाप स्त्री० तबलानी थाप (२) थप्पड (३) प्रतिष्ठा (४) सोगन
थापा पु० थापो; पजानी छाप (२) छापनु बीबु के फरमो
थापी स्त्री० थापडी (कडियानी)

थाम पु० थाभलो (२) वहाणनो मस्तूल
थामना स०क्रि० थभाववु; रोकवु (२) पकडवु (३) मदद करवी
थाल पु० थाळ; मोटी थाळी
थाला पु० थाणु; खामणु
थाली स्त्री० थाळी **–का बैंगन**=आम के तेम, लाभ जोई गबडनार
थाह स्त्री० ऊंडाईनु तळियु (२) हद
थाहना स०क्रि० जुओ 'थहाना'
थिगली स्त्री० थीगडु
थिति स्त्री० स्थिति
थिर वि० स्थिर; स्थायी
थिरकना अ०क्रि० थनथन नाचवु; ठमकवु
थिरना अ०क्रि० (प्रवाही) हालतु स्थिर थवु (२) कचरो नीचे ठरवो के तेथी प्रवाही नीतरवु
थुक्का-फजीहत स्त्री० निंदा ने तिरस्कार
थुड़ी स्त्री० थू थू करवु ते; धिक्कार. **–थुड़ी करना**=धिक्कारवु
थूक पु० थूक **थूकों सत्तू सानना**=थोडी ज सामग्रीथी मोटु काम उपाडवु
थूकना अ०क्रि० थूकवु (२) स०क्रि० निंदा करवी
थूथन पु०,**–नी** स्त्री० (ऊंट घोडा इ०नु) लाबु मोढु
थून स्त्री० जुओ 'थूथन' (२) 'थूनी'
थूनी स्त्री० थाभलो (२) टेको
थूवा पु० माटीनो लोदो के मोटो टेकरो
थूहर पु० थूवर; थुवेर
थेई थेई स्त्री० थेई थेई नाचवानो बोल के ताल
थेगली स्त्री० जुओ 'थिगली'
थैला पु० थेलो **–करना**=मारीने ढीलो करी देवो ['रोकडिया'; कॅशियर
थैली स्त्री० थेली; कोथळी **०दार** पु०
थोक पु० थोक; ढगलो; जथो. **०दार** पु० जथाबध वेपारी
थोड़ा (–र, –रा) वि० थोडु **–बहुत**= थोडुक. **–सा**=थोडु; जरा
थोथ स्त्री० पोलापणु; नि सारता
थोथरा, थोथा वि० (स्त्री० **–थी**) खाली; पोलु (२) नकामु; नि सार
थोपड़ी स्त्री० धोल
थोपना स०क्रि० थापवु (२) जुओ 'छोपना'
थोबड़ा पु० जुओ 'थूथन'
थोर वि० थोडु (२) पु० थोरियो

द

दंग वि० [फा.] दिग; चकित; स्तब्ध. **–रह जाना, –होना**=चकित थवु
दंगई वि० दगो करनार; झगडाळु (२) प्रचड
दंगल पु० [फा] कुस्ती (२) अखाडो (३) समूह; दळ (४) मोटु भारे गादलु के गादी
दंगा पु० दगो; तोफान
दंड पु० [सं] लाकडी (२) शिक्षा; सजा (३) दड कसरत. **–देना**=दडवु
दंडना स०क्रि० दडवु; सजा करवी
दंडप्रणाम पु०, **दंडवत्** स्त्री०; पु० दडवत् प्रणाम
दंडी पु० [स] यमराजा (२) सन्यासी (३) राजा (४) द्वारपाळ

दंत पुं० [सं] दात ०कथा स्त्री० किंवदती; लोकवायका
दंतिया स्त्री० दतूडी; नानो दात
दंतुला वि० (स्त्री०-ली) दताळुं, दांतवु
दंद स्त्री० वाफ; गरमी (२ पु० द्वद्व; लडाई
ददाना पु०[फा] दातो(जेवो के आरीनो)
दंदारू पु० फोल्लो, छालु
दपती पु० [स] पतिपत्नीनु जोडु
दंभ पु० [स] पाखड; डोळ; ढोग (२) खोटु अभिमान, घमड -भी वि०
दभोली पु० [स] वज्र
दंवरी स्त्री० पगर, वळद फेरवी खळु करवु ते; 'दाँयँ'
दश पु० [सं.] डख; दातनो घा (२) आक्षेप; व्यग्य
दष्ट्रा स्त्री० [स] मोटो दात
दई पु० दई; दैव; ईश्वर. -का घाला, दई-मारा वि० कमनसीव
दक्रियानूस पु० [अ.] एक अत्याचारी अरबी बादशाह. -सी वि० प्राचीन (२) घणु घरडु (३) जुनवाणी
दकीक वि० [अ.] बारीक; पातळु (२) नाजुक (३) कठण
दकीका पु०[अ.] बारीकाई (२) कठिनता. कोई दकीका बाकी न रखना=वधा उपाय करी चूकवु
दक्खिन पु०दक्षिण,दक्खण (वि० -नी)
दक्ष वि० [स] चतुर; प्रवीण; कुशळ
दक्षिण वि०[स] जमणु (२) दक्षिणमां आवेलु (३)अनुकूळ(४)पु०दक्षिण दिशा
दक्षिणा स्त्री० [स.] दक्षिण दिशा (२) दखणा - दान
दक्षिणायन पु०[स.] सूर्यनी दक्षिण गति
हि-१७
दक्षिणापथ पु० [स.] विंध्य के नर्मदानी दक्षिणनो प्रदेश; दक्षिण हिंद
दखल पु० अ] अधिकार; कवजो (२) दखल; दरमियानगीरी, गोद(३ पहोच; प्रवेश -देना=दखल करवी. -रखना= पहोच के गति होवी
दख़ल-दिहानी स्त्री० [फा] कवजो-अधिकार अपाववो ते
दखलनामा पु० फा] अधिकार के कवजाहक दर्शावतु सरकारी आज्ञापत्र
दखिन पु० दक्षिण दिशा
दखिनहा वि०दक्षिणनु, दखणातुं; दखणी
दखील वि०[अ.] अधिकारी. कवजेदार
दख़ीलकार पु०[फा]जमीन पर ओछामां ओछा १२ वर्षनो कवजो धरावनार
दगड़ पु० (युद्धनु) मोटु नगारुं
दग़दग़ा पु० [अ.]डर, भय (२) दगदगो; वसवसो (३) एक जातनुं फानस
दगना अ०क्रि०(वन्दूक इ०) फूटवु (२) दहवु; वळवु
दगर(-रा) पु० विलव; ढील
दग़ल पु० [अ.] दगो (२) वहानु
दगल(-ला) पु०, -ली स्त्री० जाडो मोटो डगलो
दगलफसल पु० [अ] दगो फटको
दगहा वि० डाघवाळु (२) पु० डाघु
दगा स्त्री० [अ] दगो; कपट [कपटी
दग़ादार, दग़ाबाज़ वि०[फा.] दगाखोर;
दगैल वि० डाघवाळु (२)पु० दगाबाज
दग्ध वि० [स.] वळेलु; दाझेलु
दचक स्त्री० धक्को; हडसेलो; हेलो
दचकना अ० क्रि० धक्को के हडसेलो लागवो; तेथी दवावु
दचका पु० 'दचक'; हडसेलो; हेलो

दच्छिन वि० दक्षिण
दढ़ियल वि० दाढीवाळु
दतवन स्त्री० दातण; 'दतुअ(-व)न'
दतिया स्त्री० जुओ 'दँतिया'
दतुअ(-व)न, दतौन स्त्री० दातण
दत्त वि०[स] आपेलु (२) पु० दत्तक पुत्र
दत्तक पु० [स.] दत्तक पुत्र
ददा पु० दादा (२) स्त्री० दाया; घाव
ददिया(-हा)ल पु० दादानु कुळ के घर
ददिया-ससुर पु०, (-सास स्त्री०) दादा-ससरा
ददौड़ा(-रा) पु० ढीमणुं (जेवु के मच्छर करडवाथी थाय)
दद्रु पु० [स] दराज; दादर
दधि पु० [स] दही (२) (प.) समुद्र
दनदनाना अ० क्रि० 'दनदन' अवाज करवो (२) आनन्द करवो
दनादन अ० धणण अवाज साथे (तोपखानु छूटवु)
दनुज वि० [स] दानव; राक्षस
दपट स्त्री० ठपको; वढवु ते
दपटना स०क्रि० वढवु; ठपको आपवो
दफ स्त्री० [फा] डफ; नगारी
दफ़अतन् अ०[अ] अचानक; एकाएक
दफतर,-री,-रीख़ाना जुओ 'दफ़्तर, -री,-रीख़ाना'
दफ्ती स्त्री० [अ.दफ़्तीन] पूठु; पत्तु
दफन पु० [अ] दाटवु ते (मडदु)
दफनाना स०क्रि० दफनाववु; दाटवु
दफ़ा स्त्री० [अ.दफअ] वार(२)कायदानी कलम (३) वि० दूर करेलु
दफादार पु० एक फोजी अमलदार; टुकडीनो नायक
दफ़ीना पुं० [अ.] दाटेलो खजानो
दफ़्तर पु० [फा] दफतर (कार्यालय; कागळिया) (२) सविस्तर वृत्तात
दफ़्तरी पु०[फा] दफतरी (२) चोपडी बाधनार, बुक बाइन्डर. ०ख़ाना पु० चोपडी बाधवानु स्थान (२) दफतर - कार्यालय [अडबग
दबंग वि० प्रभावशाळी; दाबवाळु (२)
दबक स्त्री० दबावु, छुपावु के सकोच पामवु ते (२) घा ने टीपीने तार करवानी क्रिया
दबकगर पु० धातुना तार बनावनार
दबकना अ० क्रि० डरथी छुपावु (२) स०क्रि० धातुने चपटी करवा पीटवु
दबका पु० धातुनो टीपीने करेलो तार
दबगर पु० डबगर
दबना अ०क्रि० दबावु (प्रेरक दबवाना)
दबदबा पु० दबदबो, दमाम; भपको
दबाना स० क्रि० दबाववु
दबाव पु० दबाण. -डालना=दबाववु
दबीस्ताँ पु० [फा.] निशाळ
दबीज़ वि० [फा] जाडु, मोटु; घाटु
दबीर पु० [फा.] कारकुन; मुनशी
दबैल वि० दबायेलु; कोईना दाव के डर तळे होय एवु
दबोचना स० क्रि० एकदम पकडीने दबाववु (२) सताडवु
दम पु०[फा] श्वास; दम (२) पळ (३) फोसलामणी -के दम=क्षणभर -पानीमत होना=जीवतो नर भद्रा पामे. -घुटना=श्वास घूटावो. -घोटकर मारना=गळु दबावी मारवु (२) खूब दु ख देवु -तोड़ना=छेल्लो श्वास लेवो.-देना=दगो देवो,छेतरवु -नाकमें आना=खूब हेरान थवु -फूलना=श्वास

खूब के भारे चालवो. –भरना=दम भरावववो; अभिमान ने विश्वासथी कहेवु. –मारना=थाक खावो (२) बोलवु –मारना, लगाना=(चलम इ० नो)दम खेंचवो –सूखना=प्राण सुकावा

दमक स्त्री० चमक

दमकना स०क्रि० चमकवु; दमकवु

दमकल स्त्री०, –ला पु० पप; डकी; ववो (२) गुलावदानी

दमखम पु० [फा.] दृढता (२) प्राण

दमचूल्हा पु० लोढानी सगडी

दमझांसा पु० छळकपट [वहु सस्तु

दमड़ी स्त्री० दमडी; पैसो –के तीन=

दमदमा पु० [फा.] मोरचो; रेतीना थेलानु कामचलाउ रक्षण

दमदार वि०[फा] दमवाळु(२) मजवूत (३) तेज [जूठी आशा

दम-दिलासा पु०,–पट्टी स्त्री० पटामणी;

दमन पु०[स]दमवु ते; दवाण (२)कावू

दम-बदम अ० वारवार; हरघडी

दमवाज़ वि०[स]फोसलावनारु; वहाना वतावनारु

दमसाज़ पु० [फा.] दिलोजान दोस्त

दमा पु० [फा.] दमनो रोग

दमाद पु० जमाई; 'दामाद'

दमादम अ० लगातार; लागलागट

दमामा पु० [फा.] ढोल; नगारु

दमो वि० दमियल (२) गाजानो दम खेचनार

दयनीय वि० [स] दयापात्र

दया स्त्री० [स.] दया; कृपा; करुणा

दयानत स्त्री०[अ] साची दानत; ईमान

दयानतदार वि०दानतवाळु; ईमानदार. (नाम, –री स्त्री०)

दयार पु० [अ.] प्रदेश (२) देव-दारु

दयामय, दयार्द्र, दयालु वि० [सं.] दयाळु

दयावना वि० दयामणु; दयापात्र

दर पु० [स] दर; काणु; गुफा (२) डर (३) शख (४) स्त्री० दर; भाव (५) किमत; कदर (६) पु० [फा.] द्वार (७) अ० अदर; महीं

दरअसल अ० [फा.+अ] खरु जोता; वस्तुत. [आयात

दर-आमद स्त्री० [फा] आगमन (२)

दरकना अ०क्रि० चिरावु,फाटवु;तरडावु

दरका पु० फाट; चीरो (२) चीरी नाखे एवो फटको ['दरकना'

दरकाना स०क्रि० चीरवु (२) अ०क्रि०

दरकार वि०[फा]जरूरी(२)स्त्री०जरूर

दरकिनार अ० [फा.] दूर; अलग

दरकूच अ० [फा.] सतत कूच करता

दरखत, दरख़्त पु० [फा.] झाड

दरखा(–ख़्वा)स्त स्त्री० [फा] अरजी; विनती (२) दरखास्त; प्रस्ताव

दरगाह स्त्री० [फा.] दरवार; कचेरी; डेली (२) दरघा; मकवरो

दरगुज़र वि० [फा] दरगुजर; माफ (२) अलग [एवा अर्थमा

दर-गोर श०प्र० 'जा जहानममा मर'

दरज वि० जुओ 'दर्ज'

दरज़ स्त्री० जुओ 'दर्ज़'

दरजन पु० 'दर्जन'; डझन

दरजा पु० [अ.] 'दर्जा'; दरज्जो (२) कक्षा; वर्ग (३) हालत; स्थिति (४) मकाननो माळ

दरज़ी पु० [फा.] दरजी; 'दर्ज़ी'

दरद पु० 'दर्द'; दरद; पीडा (२) दया; करुणा

दच्छिन वि० दक्षिण
दढ़ियल वि० दाढीवाळु
दतवन स्त्री० दातण; 'दतुअ(-व)न'
दतिया स्त्री० जुओ 'दँतिया'
दतुअ(-व)न, दतौन स्त्री० दातण
दत्त वि०[स] आपेलु (२) पु० दत्तक पुत्र
दत्तक पु० [स.] दत्तक पुत्र
ददा पु० दादा (२) स्त्री० दाया; धाव
ददिया(-हा)ल पु० दादानु कुळ के घर
ददिया-ससुर पु०, (-सास स्त्री०) दादा-ससरा
ददौड़ा(-रा) पु० ढीमणुं (जेवु के मच्छर करडवाथी थाय)
दद्रु पु० [स] दराज; दादर
दधि पुं० [स] दही (२) (प.) समुद्र
दनदनाना अ० क्रि० 'दनदन' अवाज करवो (२) आनन्द करवो
दनादन अ० धणण अवाज साथे (तोपखानु छूटवु)
दनुज वि० [स] दानव; राक्षस
दपट स्त्री० ठपको; वढवु ते
दपटना स०क्रि० वढवु; ठपको आपवो
दफ़ स्त्री० [फा.] डफ; नगारी
दफ़अतन् अ०[अ] अचानक; एकाएक
दफतर,-री,-रीखाना जुओ 'दप्तर, -री,-रीखाना'
दफती स्त्री० [अ.दफ़्तीन] पूठु; पत्तु
दफन पु० [अ] दाटवु ते (मडदु)
दफ़नाना स०क्रि० दफनाववु; दाटवु
दफ़ा स्त्री० [अ दफअ] वार(२)कायदानी कलम (३) वि० दूर करेलु
दफादार पु० एक फोजी अमलदार; टुकडीनो नायक
दफीना पु० [अ.] दाटेलो खजानो
दफ़्तर पु० [फा.] दफ्तर (कार्यालय; कागळियां) (२) सविस्तर वृत्तांत
दफ़्तरी पु०[फा] दफ्तरी (२) चोपडी बाधनार, बुक बाइन्डर. ०खाना पु० चोपडी बाधवानु स्थान (२) दफ्तर -कार्यालय [अडबग
दबग वि० प्रभावशाळी; दाबवाळु (२)
दबक स्त्री० दबावु, छुपावु के संकोच पामवु ते (२) धातुने टीपीने तार करवानी क्रिया
दबकगर पु० धातुना तार बनावनार
दबकना अ० क्रि० डरथी छुपावु (२) स०क्रि० धातुने चपटी करवा पीटवु
दबका पु० धातुनो टीपीने करेलो तार
दबगर पु० डबगर
दबना अ०क्रि० दबावु (प्रेरक दबवाना)
दबदबा पु० दबदबो, दमाम; भपको
दबाना स० क्रि० दबाववु
दबाव पु० दबाण. -डालना=दबाववु
दबीस्ताँ पु० [फा.] निशाळ
दबीज़ वि० [फा] जाडु, मोटु; घाटु
दबीर पु० [फा.] कारकुन; मुनशी
दबैल वि० दबायेलु; कोईना दाब के डर तळे होय एवु
दबोचना स० क्रि० एकदम पकडीने दबाववु (२) संताडवु
दम पु०[फा] श्वास; दम (२) पळ (३) फोसलामणी -के दम=क्षणभर -ग़नीमत होना=जीवतो नर भद्रा पामे. -घुटना=श्वास घूटावो. -घोटकर मारना=गळु दबावी मारवु (२) खूब दुःख देवु -तोड़ना=छेल्लो श्वास लेवो.-देना=दगो देवो;छेतरवु -नाकमें आना=खूब हेरान थवु. -फूलना=श्वास

खूब के भारे चालवो. –भरना=दम भरावबो; अभिमान ने विश्वासथी कहेवु. –मारना=थाक खावो (२) बोलवु –मारना, लगाना=(चलम इ० नो)दम खेंचवो. –सूखना=प्राण सुकावा

दमक स्त्री० चमक

दमकना स०क्रि० चमकवु; दमकवु

दमकल स्त्री०, –ला पु० पप; डकी; बंबो (२) गुलाबदानी

दमखम पु० [फा] दृढता (२) प्राण

दमचूल्हा पु० लोढानी सगडी

दमझांसा पु० छळकपट [बहु सस्तु

दमड़ी स्त्री० दमडी; पैसो. –के तीन=

दमदमा पु० [फा] मोरचो; रेतीना थेलानु कामचलाउ रक्षण

दमदार वि०[फा.] दमवाळु(२) मजबूत (३) तेज [जूठी आशा

दम-दिलासा पु०,–पट्टी स्त्री० पटामणी;

दमन पु० [स]दमवु ते; दबाण (२) काबू

दम-बदम अ० वारवार; हरघडी

दमबाज वि०[स]फोसलावनारु; बहाना बतावनारु

दमसाज पु० [फा.] दिलोजान दोस्त

दमा पु० [फा.] दमनो रोग

दमाद पु० जमाई; 'दामाद'

दमादम अ० लगातार; लागलागट

दमामा पु० [फा.] ढोल; नगारु

दमी वि० दमियल (२) गाजानो दम खेंचनार

दयनीय वि० [स] दयापात्र

दया स्त्री० [सं] दया; कृपा; करुणा

दयानत स्त्री०[अ.] साची दानत; ईमान

दयानतदार वि०दानतवाळु; ईमानदार. (नाम, –री स्त्री०)

दयार पु० [अ.] प्रदेश (२) देव-दारु

दयामय, दयार्द्र, दयालु वि० [सं] दयाळु

दयावना वि० दयामणु; दयापात्र

दर पु० [स] दर; काणु; गुफा (२) डर (३) शख (४) स्त्री० दर; भाव (५) किमत; कदर (६) पु० [फा.] द्वार (७) अ० अदर; महीं

दरअसल अ० [फा.+अ] खरु जोतां; वस्तुतः [आयात

दर-आमद स्त्री० [फा] आगमन (२)

दरकना अ०क्रि० चिरावु,फाटवु,तरडावु

दरका पु० फाट, चीरो (२) चीरी नाखे एवो फटको ['दरकना'

दरकाना स०क्रि० चीरवु (२) अ०क्रि०

दरकार वि०[फा]जरूरी(२)स्त्री०जरूर

दरकिनार अ० [फा.] दूर; अलग

दरकूच अ० [फा.] सतत कूच करता

दरखत, दरख्त पु० [फा.] झाड

दरखा(–ख्वा)स्त स्त्री० [फा.] अरजी; विनती (२) दरखास्त; प्रस्ताव

दरगाह स्त्री० [फा.] दरबार; कचेरी; डेली (२) दरघा; मकबरो

दरगुजर वि० [फा] दरगुजर; माफ (२) अलग [एवा अर्थमा

दर-गोर श०प्र० 'जा जहानममा मर'

दरज वि० जुओ 'दर्ज'

दरज स्त्री० जुओ 'दर्ज'

दरजन पु० 'दर्जन'; डझन

दरजा पु० [अ.] 'दर्जा'; दरज्जो (२) कक्षा; वर्ग (३) हालत; स्थिति (४) मकाननो माळ

दरजी पु० [फा.] दरजी; 'दर्जी'

दरद पु० 'दर्द'; दरद; पीडा (२) दया; करुणा

दरदर, दरबदर अ०[फा] जगा जगाए
दरदरा वि० रवादार; झीणु नहि एवुं
दरदराना स०क्रि० भरडा जेवु थाय एम पीसवु के कूटवु
दरपन पु० दर्पण; अरीसो. -नी स्त्री० नानो अरीसो
दर-परदा अ०[फा] गुप्त रीते; पडदामा
दर-पेश अ० [फा] सामे; आगळ
दर-पै अ० [फा.] (कोईनी) पूठे
दरब पु० द्रव्य; धन
दरबदर अ० [फा] जुओ 'दरदर'
दरबा पु० पक्षी राखवानु खानादार खोखु; कबूतरखानु
दरबान पु० [फा] दरवान; द्वारपाळ. -नी स्त्री० दरवाननु काम
दरबार पु०[फा] राजसभा (२) राजा
दरमन पु० [फा] दवा; इलाज
दरमा पु० वासनु टाटियु
दरमाहा पु० [फा] दरमायो
दरमियान पु० [फा.] मध्य; वच (२) अ० दरमियान [मध्यस्थ; पच
दरमियानी वि०[फा.] मध्यनु (२) पु०
दरवाजा पु० [फा.] दरवाजो
दरवेश पु०[फा] फकीर; साधु [जेवु
दरवेशाना वि०[फा] दरवेश-फकीरना
दरवेशी स्त्री० [फा.] फकीरी
दरसना अ०क्रि० देखावु (२) स०क्रि० देखवु [हकीकतरूपे
दर-हकीकत अ० [फा.+अ] खरु जोता;
दरहम वि० [फा.] अव्यवस्थित
दरहम-बरहम वि० वेरण-छेरण (२) गुस्से थयेलुं [अ० खूब
दराज़ वि०[फा] लांबु; विस्तृत (२)
दराज स्त्री० चीरो (२) मेजनु खानु
दरार स्त्री० चीरो; फाट
दरारा पु० जुओ 'दरेरा'
दरिंदा पुं० [फा.] हिंसक पशु
दरिद्र वि० [स] गरीब; कगाळ
दरिया पु०[फा] नदी (२) दरियो. ०ई वि० दरिया के नदी सबंधी
दरियाए-शोर पु० [फा.] समुद्र (२) काळापाणी
दरियादिल वि०[फा] उदार -ली स्त्री०
दरियाफ़्त वि० [फा] मालूम; ज्ञात
दरिया-बरामद, दरिया-बरार पु०[फा.] नदीनुं भाठु
दरियाव पु० नदी [के खीण
दरी स्त्री० शेतरजी (२) [स] गुफा
दरीखाना पु०[फा] घणा द्वारवाळु घर के महेल; दरीखान (२) शाही दरबार
दरीचा पु०[फा] (स्त्री० -ची) बारी (२) झरूखो
दरीदा वि० [फा.] फाटेलु
दरीबा पु० पाननु बजार
दरूद स्त्री०जुओ 'दुरूद' [(३)पश्चात्ताप
दरेग़ पु०[फा] दुःख (२) कमी; कसर
दरेरना स०क्रि० रगडवु; पीसवु
दरेरा पु० धक्को; धप्पो (२) पाणीना प्रवाहनु जोर
दरोग़ पु० [अ] असत्य
दरोग़-हलफी स्त्री०[अ] साचु बोलवाना सोगन खाईनेय जूठु बोलवु ते
दरोग़ो वि० जूठु बोलनार
दर्ज वि० [अ.] लखेलु
दर्ज़ स्त्री० [फा.] चीरो; फाट
दर्जन पु० 'दरजन'; डझन
दर्जा पु० [अ] दरज्जो
दर्ज़ी पु०[फा.](स्त्री०-ज़िन) दरजी;सई

दर्द पु०[फा] दरद, पीडा (२) दया; सहानुभूति [दर्द करे एवु; करुणाजनक
दर्द-अगेज, -आमेज, -नाक वि० [फा]
दर्द खाना=दया करवी-खावी
दर्द-मंद, दर्दी वि०[फा] दरदी; दुःखी (२) दयावान
दर्दुर पु० [स] देडको
दर्द-सरी स्त्री०[फा] माथाकूट; महेनत
दर्प पु० [स] गर्व, अहकार
दर्पण पु० [स] आरसो
दर्भ पु०[स] दरभ; एक वनस्पति
दर्मियान पु० जुओ 'दरमियान'
दर्रा पु०[फा.] खीणनो मार्ग; घाटी
दर्शक पु० [स] प्रेक्षक [तत्त्वज्ञान
दर्शन पु०[स] जोवु ते (२) फिलसूफी;
दर्शनीय वि०[स.] जोवा जेवु; सुन्दर
दर्शाना स०क्रि० दर्शाववु
दर्शित वि० [स] दर्शावेलु
दर्स पु० अभ्यास; भणवु ते
दल पु० [स] दल, पादडु (२) दळ; घनता; कद (३) दळ; सेना (४) पक्ष (५) (दाळना दाणानी) फाड
दलकना अ०क्रि० चिरावु (२) कंपवु (३) स०क्रि० डराववु
दलदल स्त्री० कळण-भूमि (२)कादव-कीचड -में फँसना=आफतमा फसावु; मुश्केलीमा आववु
दलदला वि० कळणवाळु
दलवार वि० दळदार; जाडु
दलन पु० [स] नाश; सहार
दलना स०क्रि० दळवु (२) नाश करवो
दलबंदी स्त्री०पक्ष के टोळी बाधवी ते
दलमलना स०क्रि० मसळी नाखवु; कचरी नाखवु; नाश करवो

दलहन पु० द्विदळ
दलाल पु०दलाल; मारफतियो; मध्यस्थ. -ली स्त्री० दलालीनु काम के मळतर
दलित वि० [स] दळायेलु; कचडायेलु; दबायेलु
दलिया पु० थूलीना दळेला ककडा
दलील स्त्री० [अ] तर्क; चर्चा
दलेल स्त्री० सजारूपे सिपाहीने करावाती कवायत -बोलना=तेवी सजा फरमाववी
दव पु० [स.] दावानळ; दव
दवनी स्त्री० पगर; 'दँवरी'
दवा,०ई स्त्री०[फा.] दवा; औषध; ओसड
दवाखाना पु० [फा] दवाखानु
दवागि(०न) स्त्री० (प) दावाग्नि; दव
दवात स्त्री० [अ] दोत; खडियो
दवा-दरपन पु०, दवादारू स्त्री० दवादारू; इलाज [अ० हमेश
दवाम पु०[अ.] सदा स्थायी रहेवु ते (२)
दवामी वि० [अ.] कायमी, स्थायी. -बंदोबस्त=कायमी महेसूलपद्धति
दश(-स) वि० दस; १०
दशन पु० [स] दात
दशम वि०[स] दसमु ०लव पु० दशाश
दशहरा पु० दशेरा; विजयादशमी
दशा स्त्री० [सं] दशा; हालत; स्थिति
दश्त पु० [फा.] जगल
दस वि० जुओ 'दश'
दसना अ०क्रि० बिछावु; पथरावु (२) स०क्रि० पाथरवु (३) डसवु
दसी स्त्री० कपडानी दशी
दस्तंदाज वि० [फा.] दखल देनार
दस्तंदाजी स्त्री० [फा] हस्तक्षेप; दखल
दस्त पु० [फा.] दस्त; जुलाब (२) हाथ

दस्तक स्त्री० [फा.] बोलाववा दरवाजो खखडाववो ते (२) महेसूल (३) महेसूल के कर वसूल करवानु हुकमनामु
दस्तकार पु० [फा.] हाथकारीगर
दस्तकारी स्त्री० [फा.] हाथकारीगरी
दस्तखत पु० [फा] दसकत; हस्ताक्षर
दस्तगीर वि० [फा] मददगार; सहायक
दस्त-निगर वि० [फा] कोईना दान तरफ ताकनारु; गरीब
दस्त-पनाह पु० [फा] चीपियो
दस्त-पाक पु० [फा] टुवाल; रूमाल
दस्त-ब-दस्त अ० [फा] हाथोहाथ
दस्तबरदार वि० [फा] कशा परथी पोतानो अधिकार उठावी लेनार
दस्तबस्ता अ० [फा] हाथ जोडीने
दस्तमाल पु० [फा] हाथरूमाल
दस्तयाब वि० [फा] हस्तगत, प्राप्त
दस्तरख़ा (–ख़्वा) न पु० जमवाना भाणा नीचे पथराती चादर के कपडु
दस्तरस स्त्री० [फा] शक्ति (२) पहोच
दस्ता पु० [फा.] दस्तो (हाथो के कागळनो घा) (२) फूल-गोटो (३) मूठीभर वस्तु
दस्ताना पु० [फा] हाथनु मोजु
दस्तार स्त्री० [फा] पाघडी
दस्तावर वि० [फा] रेचक
दस्तावेज़ स्त्री० [फा.] दस्तावेज
दस्ती वि० [फा] हाथनु (२) स्त्री० मशाल (३) नानो दस्तो
दस्तूर पु० [फा.] धारो; रिवाज (२) पारसी दस्तूर
दस्तूरी स्त्री० दलाली; कमिशन
दस्यु पु० [स] चोर; डाकु (२) एक अनार्य जाति
[[फा] दम; १०
दह पु० ह्लद; धरो (२) कुंड (३) वि०
दहक स्त्री० दाह (२) ज्वाळा
दहकना अ० क्रि० तपवु; बळवुं
दहकान पु० [अ.] गामडियो
दहन पु० [फा] मो (२) [स.] दहन; दाह
दहना अ० क्रि० बळवु (२) स० क्रि० बाळवु
दहर पु० [स. ह्लद] जुओ 'दह' (२) [फा.] जमानो; युग (३) [स] भाई (४) छछूदर; ऊदरडी
दहरिया पु० [अ] नास्तिक
दहल स्त्री० भयनो कप – ध्रुजारी
दहलना अ० क्रि० भयथी कपवु
दहला पु० पत्तानो दस्सो – दहेलो
दहलीज़ स्त्री० [फा.] ऊमरो. –झांकना =कोई कामने माटे ऊमरो घसवा जवुं
दहशत स्त्री० [फा] दहेशत; डर
दहा पु० [फा. दह] मोहरमनो महिनो के तेना प्रथम १० दिवस (२) ताजिया
दहाई स्त्री० दशक
दहाड़ स्त्री० गर्जना (२) चीस
दहाड़ना अ० क्रि० गर्जवु (२) चीस पाडवी
दहान पु० [फा] मो (२) काणु
दहाना पु० [फा] मोढु; द्वार (२) नदीनो सगम – मुख (३) मोरी; गटर
दहिना वि० (स्त्री० –नी) जमणु; 'दाहिना'
दहिने अ० जमणी तरफ. –होना = अनुकूल के प्रसन्न थवु
दही पु० दही; दधि
दहुँ अ० अथवा (२) कदाच
दहेड़ी स्त्री० (दहीनी) दोणी
दहेज़ पु० [अ जहेज़] देज
दहोतरसो वि० एकसो दस; ११०
दाँ [फा] 'जाणनार' ए अर्थनो प्रत्यय उदा० कद्र–दाँ=कदरदान (२) वार; दफा जेम के 'एकदाँ'

दांक स्त्री०, ०ना अ०क्रि० जुओ 'दहाड़', '०ना'
दांत पुं० दांत (२) दातो. –काटी रोटी=भारे मैत्री. –किरकिरे होना=हारी जवुं; पाछुं पडवुं.–खट्टे करना, –तोड़ना =खूब पजववु के बरोबर हराववुं. –तले उंगली दबाना=आश्चर्यचकित थवु. –दिखाना=दांत काढवा; हसवु (२) डराववु. –पर मैल न होना=खूब गरीब होवु –बजना=खूब ठंडी लागवी. –बैठना = दात सिडाई जवा (मूर्छा इ०मा). –रखना या लगाना=खूब इच्छा राखवी (२) वेर लेवानो विचार राखवो दांतों पसीना आना =खूब श्रम पडवो. दांतोंमें जीभ-सा होना=हरवखत शत्रुओ वच्चे रहेवु
दांता पु० दांतो
दांताकिटकिट, दांताकिलकिल स्त्री० झघडो; बोलाबोली (२) गाळागाळी
दांती स्त्री० दातरडु (२) बत्रीस दातनो समूह; बत्रीशी [पगर करवु
दांना स०क्रि०खळु करवा बळद फेरववा;
दांपत्य पु० [सं] दंपतीधर्म; पतिपत्नी-संबंध
दांयें स्त्री० जुओ 'दंवरी'
दांवें पु० दाव; 'दावँ'.०पेच पु० दावपेच
दांवनी स्त्री० माथानी दामणी–घरेणु
दांवरी स्त्री० दोरी
दाई वि०स्त्री० 'दाहिनी'; जमणी
दाई स्त्री० दाई; धाव. –से पेट छिपाना =जाणकारथी काई छुपाववु
दाऊ पु० मोटाभाई [(निवासी)
दाक्षिणात्य वि० (२)पु० [सं] दक्षिणनु
दाक्षिण्य पु० [सं.] नम्रता; विवेक
दाख स्त्री० द्राक्ष [आवेलुं
दाख़िल वि० [अ.]दाखल; सामेल; अंदर
दाख़िल-ख़ारिज पु० [फा.] दफतरमां हकदारनुं नाम बदलवु ते
दाख़िल-दफ़्तर वि० [फा.] विचार पर न लेता दफ्तरमा नाखेलु
दाख़िला पु०[अ.]प्रवेश(२)दाखलो;रसीद
दाग पु० दाह.–देना=दाह देवो(मडदाने)
दाग़ पु०[फा] (वि०.–ग़ी) डाघ (२) चिह्न (३) बाग्यानु सोळ के जखम (४) दु ख; शोक. (५) कलक; एब. ०दार वि० डाघावाळु
दागना स०क्रि० दागवु; सळगाववु (२) डाम देवो(३)डाघ के निशानी पाडवी
दागबेल स्त्री० जमीन पर कोदाळी के कशाथी करातु निशान (सडक, पायो इ० करवामा)
दागी वि० डाघवाळुं (२) कलकित
दाज(–झ)न स्त्री० (प.) दाझवु ते
दाज(–झ)ना अ०क्रि० (प.) दाझवु
दाड़िम पु० दाडम; अनार
दाढ़ स्त्री० दाढ ['दहाड़ना'
दाढ़ स्त्री०, ०ना अ० क्रि० जुओ
दाढी स्त्री० दाढी के तेना वाळ
दाता,०र पु० [सं.] दान देनार
दातु(–तौ)न स्त्री० दातण
दाद स्त्री० दादर; दराज (२) [फा.] दाद; न्याय. ०ख़्वाह वि० फरियादी. –चाहना=दाद मागवी –देना=न्याय करवो (२) वखाणवु
दादनी स्त्री०[फा.] देवु (२) उपाड अपाती रकम; 'एडवान्स'; बिगाडी
दादफ़रियाद स्त्री० [फा.] न्यायनी मागणी; फरियाद

दादा पु० दादो; पितामह (२) मोटाभाई
दादी स्त्री० दादी मा (२) पु० दाद मागनार, फरियादी
दादुर पु० (प) देडको [वस्तु (२) दाण
दान पु० [स। दान देवु ते के तेनी
दानव पु०[स.]राक्षस –वी वि० राक्षसी
दाना पु० [फा] दाणो (२) अनाज –दुनका=थोडु अन्न [बुद्धिमत्ता
दाना वि० [फा.] बुद्धिमान ०ई स्त्री०
दानापानी पु० दाणोपाणी; अन्नजळ
दानिश स्त्री० [फा] बुद्धि, समज
दानिस्त स्त्री० [फा] जाण; खबर
दानिस्ता अ० [फा.] जाणी जोईने
दानी वि०[स.] दानी; सखी; उदार
दानेदार वि० [फा.] दाणादार; रवादार
दाप पु० [स. दर्प, प्रा. दप्प] अहकार (२) जोर (३) दाव (४) क्रोध
दाव स्त्री० दाव; काबू के दबाव (२) पु० [अ.] रोफ दवदवो
दावना स०क्रि० दाववु; दबाववु
दाभ पु० दाभ; दर्भ
दाम पु०[फा] जाळ, फासो (२) दाम; पैसो (३) [स] रसी; दोरी; दामणु
दामन पु०[फा.]दामन; कपडानो नीचलो भाग–कोर के पालव(२)पहाड नीचेनी जमीन; तळेटी [(२) दावो करनार
दामन-गीर पु०[फा.] पीछो पकडनार
दामनी,–री (प) स्त्री० रसी; दामणुं
दामिनी स्त्री०[स] वीजळी(२) दामणी; वधी
दामाद पु० [फा.] जमाई
दामी वि० कीमती (२) स्त्री० कर
दायज(–जा) पु० जुओ 'दहेज'
दायभाग पु०[स.]वडीलोपार्जित वारसो
दायम अ० [स.] सदा [जन्मटीप
दायम-उल्-हब्स, दायमुल्हब्स पु० [अ.]
दायर वि०[अ.] जारी; चालु. –करना =(दावो कोरटमा) दाखल करवो
दायरा पु० [अ] गोळ; वर्तुळ (२) मडळी; टोळी; डायरो
दायाँ वि० जुओ 'दाहिने'
दायें अ० जुओ 'दाहिने'
दार स्त्री०[फा] शूळी के फासी (२) पु० [अ] जगा (३) घर (४) वि० [फा.] 'वाळु' अर्थनो प्रत्यय
दारक पु० [स] पुत्र; वेटो [तज
दार(–ल)चीनी स्त्री०[फा] दालचीनी;
दार-मदार, दार-व-मदार पु० [फा.] मदार; आश्रय (२) अवलवन
दारिद्र (प.) –द्र [स] पु० गरीवाई
दारु पु० [स] लाकडु (२) देवदार (३) सुथार [कठोर; तीव्र
दारुण वि० [सं] भयकर; घोर (२)
दारुल्खिलाफत पु०[अ.] खलीफनु घर (२) राजधानी
दारुल्शफा पु० [अ] इस्पिताल
दारू स्त्री०[फा] दवा (२) दारू; शराब
दारू-दरमन पु०[फा.]उपाय;इलाज;दवा
दारोग़ा पु० [फा.] तपास राखनारो अमलदार. ०ई स्त्री० तेनु काम के होद्दो
दाल स्त्री० दाळ –गलना=दाळ गळी थवी; कार्यमा फाववु
दालचीनी स्त्री० जुओ 'दारचीनी'
दालमोठ स्त्री० दाळनु एक चवाणुं
दालान पुं० [फा.] वरडो; ओसारो
दालिम पु० दाडम
दावँ पु० दाव; वारी (२) लाग; मोको
दावँना स० क्रि० जुओ 'दाँना'
दावँरी स्त्री० जुओ 'दाँवरी'

दिल पुं०[फा.] दिल; हृदय (२) मन. –के फफोले फोड़ना=दिल ठालवी जीव हळवो करवो. –थोड़ा करना=मनमां ओछुं आववु–लागवु; रंज थवो. –देना =दिल देवु; प्रेम करवो. –बुझना= दिलमां उत्साह के उमंग न रहेवो. –भरके=मन मान्युं [मनोहर
दिलकश, दिलकुशा वि०[फा] आकर्षक;
दिलगीर वि० [फा.] नाखुश; उदास; खिन्न. –री स्त्री० [बहादुर
दिलचला वि० छातीचलुं; साहसिक (२)
दिलचस्प वि०[फा] (नाम,–स्पी) मन लागे एवु; आकर्षक
दिल-ख़दा वि० [फा.] दुखी; खिन्न
दिल-जमई स्त्री०[फा] तसल्ली; दिलासो
दिल-जला वि० दुखी
दिल-जोई स्त्री०[फा] जुओ 'दिल-जमई'
दिल-दादा वि० [फा] प्रेमी; आशक
दिलदार वि०[फा] उदार (२) प्रेमपात्र; प्रिय. –री स्त्री०
दिलवर वि०[फा] प्रिय; दिल हरनारु
दिलवस्तगी स्त्री० [फा] दिल लागवु ते; प्रेम (२) मनोरजन
दिलवस्ता वि० [फा.] आसक्त; प्रेमी
दिलरुबा वि० [फा] प्रेमपात्र; प्यारु
दिलवाना स० क्रि० अपाववु
दिलवाला वि०उदार (२) दिलेर; बहादुर
दिलशाद वि० [फा.] प्रसन्न; आनदी
दिलसोज वि० [फा] दिलसोजी– हमदर्दीवाळु. –जी स्त्री० हमदर्दी
दिला पु० [फा] हे दिल!
दिलाना स० क्रि० देवडाववु
दिलारा वि० [फा.] प्रिय; माशूक
दिलावर वि०[फा.] बहादुर (२) उदार
दिलावेज़ वि०[फा.] सुदर; मनने गमे तेवुं (नाम, –ज़ी स्त्री०) [आश्वासन
दिलासा पु० [फा.] दिलासो; धीरज;
दिली वि० [फा] दिलनु; हार्दिक
दिलेर वि०[फा.] 'दिलचला' (नाम,–री)
दिल्लगी स्त्री० मश्करी. ०बाज पु० मश्करो
दिवस पु० [स.] दहाडो [पु० सूर्य
दिवा पु०[सं] दिवस (२) दीवो. ०कर
दिवाला पु० देवाळु. –निकालना, –मारना=देवाळु काढवु
दिवालिया पु० देवाळियो
दिवाली स्त्री० दिवाळी
दिव्य वि०[स.] दैवी; अद्‌भुत (२) दीपतु
दिश,–शा स्त्री० [स.] दिशा
दिष्ट पु०, –ष्टि स्त्री०[स.] भाग्य; नसीब
दिसंवर पु० डिसेबर मास
दिसावर पु० देशावर [वहारनु (माल)
दिसावरी वि० देशावरथी आवतु,
दिहंदा वि० [फा] दाता; दानी
दिहाड़ा पु० बूरी हालत (२) दहाडो
दिहात पु० 'देहात'; गामडु
दीक्षा स्त्री०[स.] गुरुमत्र लेवो ते (२) यज्ञ
दीखना अ० क्रि० देखावु
दीगर वि० [फा.] जुओ 'दिगर'
दीठ स्त्री० दृष्टि; नजर (२) नजर लागे ते (३) कृपादृष्टि –उतारना या झाड़ना=नजर उतारवी. –जलाना =नजर उतारवा राईमरचा बाळवां
दीठवंद पु०, –दी स्त्री० नजरबधी; जादू
दीद स्त्री० [फा.] दर्शन
दीदा पु०[फा] आख (२) दृष्टि (३) धृष्टता –लगना=ध्यान लागवु दीदेका पानी ढल जाना=निर्लज्ज बनी जवुं. दीदे निकालना=आखो काढवी

दीदार पु०[फा.] देदार; दर्शन; देखाव
दीदा-रेजी स्त्री०[फा.] (झीणा काममां) आंखो ताणवी के फोडवी ते
दीदी स्त्री० मोटी बहेन
दीन वि० [स] गरीब; नरम
दीन पु०[अ.] धर्म; मजहब. ०दार वि० धर्म पर आस्थावाळु; धार्मिक
दीन-दुनिया स्त्री० आलोक ने परलोक
दीनानाथ पु० गरीबनो बेली; ईश्वर
दीनार पुं० [स] एक प्राचीन सोनैयो – सिक्को (२) एक घरेणु
दीप पु० [सं.] दीवो
दीपक पु०[स] दीवो (२) वि० उत्तेजक (३)प्रकाश करे एवु (४)भूख उघाडे एवु
दीप्त वि० [स] प्रकाशित; प्रज्वलित; तेजस्वी. –प्ति स्त्री० प्रकाश; तेज
दीबाचा पु०[फा] दीबाचो; प्रस्तावना
दीमक स्त्री० [फा] ऊधई
दीयट पु० जुओ 'दीवट' [राणो करवो
दीया पु० दीवो. –ठंडा करना=दीवो
दीयासलाई स्त्री० दीवासळी
दीर्घ वि०[स.] लाबु (२) मोटु. ०दर्शी वि० दीर्घ दृष्टिवाळु. ०दृष्टि स्त्री० लाबी नजर. ०सूत्र(-त्री) वि० कोई काममा बहु झीणु कातनार
दीर्घायु वि० [स.] दीर्घ आयुषवाळुं
दीर्घिका स्त्री०[स] नानु जळाशय-तळाव
दीवट स्त्री० दीवी
दीवा पु० दीवो
दीवान पु० [अ.] दीवान (२) काव्य-संग्रह (३) राजसभा; मोटो ओरडो
दीवान-आम पु० [अ.] दीवानेआम; राजदरबार [बेठक
दीवानखाना पु० [फा] दीवानखानु;
दीवान-खास पु० [अ.] दीवानेखास; खास राजदरबार [स्त्री० गांडपण
दीवाना वि०[अ] दीवानु; गाडु. –नगी
दीवानी स्त्री० दीवानी कचेरी (२) दीवानगीरी (३) वि० स्त्री० गाडी
दीवार(-ल) स्त्री० [फा] दीवाल
दीवार-गीर पु०[फा.] दीवालनी अंदरनी चाडा जेवी बनावट
दीवाली स्त्री० 'दिवाली'; दिवाळी
दीसना अ०क्रि० (प) दीसवु; देखावु
दुंद पु० (प) द्वंद्वयुद्ध (२) उधमात; धमाल (३) बेनु द्वद्व–जोडी (४) नगारुं
दुंदुभि,–भी स्त्री० [म] नगारुं; डको
दुंबा पु० [फा.] घेटो
दुःख पु०[स] क्लेश; कष्ट; पीडा. ०द, ०दायी, ०प्रद वि० दुख दे एवु –खित, –खी वि० दु खी; दुखमा पडेलु
दु.सह वि०[स] कठण; सहेवु मुश्केल
दु.साध्य वि०[स.] करवु के मटवु मुश्केल
दु वि० 'दो' नु समासमा आवतु रूप. उदा० 'दुविधा', 'दुअन्नी'
दुआ स्त्री० [अ] दुवा; आशिष (२) विनती. –करना=विनती करवी. –कहना=आशिष आपवी. –लगना =आशिष फळवी
दुआबा पु० [फा दोआब] दोआब
दुई स्त्री० द्वैतभाव. –का परदा=अज्ञान के मायानो पडदो
दुकड़ा पुं० जोटो (२) दोकडो
दुकान स्त्री०[फा.] दुकान. –बढाना= दुकान वधाववी, बध करवी –लगाना =दुकान माडवी [–री स्त्री० वेपार
दुकानदार पु०[फा] दुकानवाळो,वेपारी.
दुकाल पु० दुकाळ

दुकेला वि० (स्त्री० –ली) बेकलु
दुकेले अ० बेकल; साथे कोईने लईने
दुक्कड़ पुं० तबला जेवु एक वाजु
दुक्का वि० बेकलु (२) जोडकुं
दुक्की स्त्री० दूरी (गंजीफानी); दूओ
दुख पु० दुःख
दुखड़ा पु० दुखडु (२) आपवीती
दुखना अ० क्रि० दुखवु; पीडा थवी
दुखाना स०क्रि० दुखाडवु; पीडा करवी
दुखानी वि०[अ.] आगना जोरथी चालतुं
दुखारा,–री वि०(प) दुखी; दुखियारुं
दुखी,–खिया,–खियारा वि० दुखी; पीडित
दुख़्तर स्त्री० [फा] दीकरी; पुत्री
दुगई स्त्री० ओसरी; वरंडो
दुगदुगी स्त्री० गळानो खाडो (२) गळानु एक घरेणु [‘दूना’
दुगना, दुगुण(–न) (प.), वि० बमणुं;
दुग्ध पु० [स] दूध
दुचंद वि० जुओ ‘दुगना’
दुचित(–त्ता) वि० अस्थिर चित्तनुं (२) सदेहमा पडेलु [रता (२) सदेह
दुचिताई, दुचित्ती स्त्री० चित्तनी अस्थि-
दुज़्द पु०[फा.]चोर.(स्त्री०–ज़्दी=चोरी)
दुज़्दीदा वि०[फा.] चोरीनु. –निगाहे =कोई न देखे तेम जोनारी आखो
दुटूक वि० खडित; तूटक. –बात= साफ रोकडी के खरी वात
दुत् अ० धुत; तुच्छकारनो उद्गार
दुतकार पु० धुत्कार
दुतकारना स० क्रि० धुत्कारवुं
दुतर्फा वि० (स्त्री० –र्फी) बे तरफनु
दुति स्त्री० (प.) द्युति; तेज
दुति(–ती)या स्त्री०(प.) बीज; द्वितीया
दुदामी स्त्री० एक जातनु सुतराउ कपडु
दुध-मुख,–मुँहाँ वि० जुओ ‘दूधमुँहा’
दुध-हँड़ी, दुधाँड़ी स्त्री० दूधनी हांल्ली
दुधार, दुधैल वि० दुधाळ; दूझणुं (२) दूधवाळु
दुधिया वि० दूधवाळु के दूध जेवु धोळु
दुनाली वि० स्त्री० बेनाळी (बदूक)
दुनियवी, दुनियाई वि० दुन्यवी; संसारी
दुनियाँ,-या स्त्री० [अ. दुन्या] दुनिया. –के परदे पर=आखी दुनियामा
दुनियादार वि० ससारी (२) व्यवहार-चतुर (३) पु० गृहस्थ. –री स्त्री०
दुनियासाज़ वि०[फा.] मतलबी; स्वार्थी
दुन्या स्त्री० [अ] जुओ ‘दुनियाँ’
दुपट्टा पु० बे फाळनी ओढवानी चादर (२) दुपट्टो; खेस. –तानकर सोना= निराते सूवु; निश्चित होवु [‘दोपहर’
दुपहर(-रिया,–री) स्त्री० बपोर;
दुफसली वि० रवी अने खरीफ बनेमा पाकतु (२) सदिग्ध [(२) चिंता
दुबधा स्त्री० दुविधा; सशय; अस्थिरता
दुबला,०पतला वि० दूबळु; कमजोर
दुबारा अ० बीजी वार; ‘दोबारा’
दुबाला वि० बमणु; ‘दोबाला’
दुभाषिया पु० दुभाषियो [(मकान)
दुमंज़िला वि० बे खड के मजलानु
दुम स्त्री० [फा.] पूछडी. –के पीछे फिरना=केडे केडे फरवु –दबा जाना =डरीने भागवु. –में घुसना=गेब थई जवु; हठी जवु. –में घुसा रहना= खुशामत करता रहेवु. –हिलाना= पूछडी पटपटाववी [पूछडानो पटो
दुमची स्त्री० [फा.] घोडाना साजनो
दुमदार वि० पूछडियु; पूछडीवाळुं

दुमाता स्त्री० खराब के सावकी मा
दुमुंहा वि० बे मोवाळु (२) कपटी
दुरंत वि० [स] अपार (२) दुर्गम (३) बहु मोटु; प्रचंड
दुरदुराना स०क्रि० दूर दूर करवु; अपमानपूर्वक हठाववु-हांकवु (कूतरा माटे)
दुरमुस पु० कूबा जेवु ठोकवानु ओजार
दुराग्रह पु० [स] खोटो आग्रह; हठ
दुराचरण, दुराचार पु० [स.] खराब आचार – चालचलगत
दुरात्मा पु० [स] दुर्जन
दुरादुरी स्त्री० छुपाववु ते
दुराना अ० क्रि० दूर थवु (२) छुपावुं (३) स०क्रि० दूर करवु (४) छोडवु (५) छुपाववु
दुराव पु० दूरतानो भाव (२) कपट
दुराशय पु०[स] दुष्ट – खोटो आशय के इरादो
दुराशा स्त्री०[स] खोटी के व्यर्थ आशा
दुरित पु०[स] पाप (२) वि० पापी
दुरुपयोग पु०[स] खोटो, अयोग्य उपयोग
दुरुस्त वि० [फा.] दुरस्त (२) योग्य; उचित
दुरुस्ती स्त्री० [फा] दुरस्ती; सुधारो
दुरूद स्त्री० [फा.] दुआ; आशीर्वाद
दुरूह वि० [स.] कठण; दुर्गम
दुर्गंध स्त्री० [सं] खराब वास (२) पु० सचळ (३) डुगळी
दुर्ग पु० [स] किल्लो
दुर्गति स्त्री०[स.] नठारी गति; दुर्दशा
दुर्गम वि०[सं.] जवामा के समजवामा कठण के मुश्केलीवाळु
दुर्गुण पु० [स] खराब गुण; एब
दुर्घट वि० दु.साध्य; बनवु कठण
दुर्घटना स्त्री० [सं] आफत; दु खद बनाव के अकस्मात
दुर्जन पु० [स] खराब – दुष्ट माणस
दुर्दशा स्त्री०[स]खराब दशा;बूरी हालत
दुर्दैव पु० [स] दुर्भाग्य; कमनसीब
दुर्बल त्रि० [स] दूबळु; कमजोर
दुर्बोध त्रि० [सं] समजवामा कठण
दुर्भाग्य पु० [स] दुर्दैव; कमनसीब
दुर्भिक्ष पु० [सं] दुकाळ
दुर्मति स्त्री०[स] कुमति; दुर्बुद्धि (२) वि० कुमतिवाळुं
दुर्रा पु० [फा] कोयडो; चाबुक
दुर्लक्ष्य पु०[स] खोटो बूरो उद्देश (२) वि० न जोई शकाय एवु; जोवु मुश्केल
दुर्लभ वि० [स] मळवु मुश्केल (२) अनोखु; विरल
दुर्वचन पु० [स] गाळ
दुर्वह वि०[स] असह्य; वहन करवामा [कठण
दुर्व्यवस्था स्त्री० [स] गेरव्यवस्था
दुर्व्यवहार पु० [स] गेरवर्तणूक
दुलकी स्त्री० घोडानी रवाल
दुलत्ती स्त्री० चोपगानी पाछला बे पगनी लात
दुलदुल पु०[अ] पेगबरने भेट मळेलु [एक सच्चर
दुलराना स०क्रि० बाळकने लाड करवु (२) अ०क्रि० बाळकनी जेम प्रेममा खेल करवा
दुलह,-हिन स्त्री० नववधू; नवी वहु
दुलहा पु० वर; 'दूल्हा'. –हिन स्त्री०
दुलाई स्त्री० थोडा रूवाळी रजाई
दुलार पु० लाड; प्रेम
दुलारना स०क्रि० लाड करवु; प्रेमथी [गेल करवु
दुलारा वि० (स्त्री०, –री) लाडकुं
दुली(-लै)चा पु० (प.) गलीचो

दुशवार,-री जुओ 'दुश्वार,-री'
दुशाला पु० दुशालो; कीमती शाल
दुश्चरित वि० [स] दुराचारी (२) पु० दुराचार
दुश्नाम स्त्री० [फा.] गाळ
दुश्मन पु० [फा] शत्रु; वेरी
दुश्मनी स्त्री० शत्रुता; वेर
दुश्वार वि०[फा] (नाम,-री) कठण; मुश्केल (२) दु.सह
दुष्कर वि०[स] करवु कठण; अघरु
दुष्कर्म पु० [स] बूरु काम; पाप
दुष्काल पु० [स] दुकाळ
दुष्ट वि० [स] खराब; पापी; अधम
दुसह वि० (प.) दु सह; असह्य
दुसार(-ल) अ०(प.) आरपार; सोसरु
दुसूती स्त्री० मोद जेवु चोतारुं एक विछानु
दुस्तर वि०[स.] तरी जवु-पार करवु [मुश्केल
दुस्सह वि० [स] असह्य
दुहता पु० दौहित्र; पुत्रीनो पुत्र; 'दोहता'
दुहना स० क्रि० दोहवु
दुहनी स्त्री० [स. दोहनी] दोणी
दुहरा पुं० दोहरो
दुहराना स० क्रि० जुओ 'दोहराना'
दुहाई स्त्री० दोहवु ते के तेनी मजूरी (२) दुहाई; आण (३) घोपणा.-देना =आण देवी. -फिरना=आण वर्तवी (२) ढढेरो पिटावो
दुहाग पु० दुर्भाग्य (२) रडापो
दुहागिन स्त्री० विधवा
दुहागी वि० दुर्भागी
दुहिता स्त्री० [स.] दीकरी; पुत्री
दुहेला वि० दोह्यलु; मुश्केल; कठण
दूई स्त्री० [स] जुदाई; द्वैत

दूकान स्त्री० जुओ 'दुकान.' ०दार पु० दुकानवाळो
दूज स्त्री० 'दुतिया'; बीज (तिथि)
दूजा वि० बीजु
दूत पु०[स] सदेशो लई जनार; खेपियो (२) जासूस; चर. -तिका,-ती स्त्री० दूत स्त्री; प्रेमीओ वच्चे सदेशा इ० करनारी
दूध पु० दूध. -उतरना=छातीमा दूध भरावु -का दूध और पानीका पानी करना=चोखो न्याय तोळवो. -की मक्खीकी तरह निकालना, निकालकर फेंक देना=तुच्छ समझी दूर करवु
दूध-पिलाई स्त्री० धाव (२) लग्ननी एक विधि
दूध-पूत पु० धन अने सतति
दूध-मुँहा, -मुख वि० धावणु
दून स्त्री०बमणापणु(२)पु०खीणनो भाग. -की लेना या हाँकना=गप हाकवी
दूना वि० बमणु; बे गणु
दूब स्त्री० दरो घास
दू-बदू अ० [फा.] सामसामे
दूभर वि० कठण; अघरु
दूरंदेश वि०[फा.] दूरदर्शी; अगमचेती-वाळु. -शी स्त्री० अगमचेती
दूर अ० [स] आघे; वेगळे (समय के स्थळमा). -की कहना=भारे सूझ के समजनी वात कहेवी. -की सोचना= दीर्घदृष्टियी विचारवु
दूरकी वात स्त्री० बारीक, कठण के भविष्यनी वात
दूर-दराज़ वि०[फा.] दूर दूर; बहु दूर
दूर-दर्शक, दूर-दर्शी वि० [स.] दूरदेश; दीर्घदृष्टिवाळु

दूरबीन स्त्री० [फा.] दूरदर्शक यंत्र
दूरी स्त्री० दूरत्व; अन्तर
दूर्वा स्त्री० [सं] दरो घास
दूलह्, दूल्हा पु० वर (२) पति
दूषण पु० [स] दोष; खोड; एब
दूषित वि० [स] दोषवाळु; बूरु; खराब
दूसरा वि० बीजु
दृक्(-ग) पु० [स] आख; दृष्टि
दृढ़ वि०[स]स्थिर;मक्कम;मजबूत;पाकु
दृढाना अ०क्रि० दृढ थवु (२) स०क्रि० दृढ करवु
दृश्य पु०[स]देखाव (२) वि०जोवा जेवु
दृष्ट वि०[स] प्रत्यक्ष; जोयेलु; जाणेलु
दृष्टांत पु० [स] दाखलो; उदाहरण
दृष्टि स्त्री०[स] नजर; जोवुं ते (२) ख्याल; अनुमान (३) मत; समज
दृष्टिकोण पु० [स] दृष्टिबिंदु
दृष्टिपथ पु०[स]दृष्टिमर्यादा; जोवामा आवतु क्षेत्र [जोवामा आववु ते
दृष्टिपात पु० [स] नजर पडवी ते;
देउ(-व)र पु० देवर; दियेर
देखना स० क्रि० देखवु; जोवु (२) तपासवु (३) पारखवु (४) समजवुं-विचारवु (५) वाचवुं. -भालना=जोवु; तपासवु. -सुनना=जाणवु करवु; खबर मेळववी. देखते देखते=आखो सामे (२) जोतजोतामा. देखते रह जाना=जोता ज रही जवु; छक थवु
देखभाल, देखरेख स्त्री० देखरेख; संभाळ
देखाऊ वि० खाली देखाडावाळु; कृत्रिम
देखादेखी स्त्री० दर्शन; देखावु ते (२) अ० देखादेखी; बीजानु जोईने
देखाव पु०, ०ट स्त्री० देखाव; ठाठमाठ
देग पु०[फा.]देगडो(रसोईमा वपराय ते)
देगचा पु० [फा] नानो देग-देगडो
देगची स्त्री० देगडी
देन स्त्री० दान; देवुं ते
देनदार पु० देणदार; देवादार [देवुं
देना स०क्रि० देवु; आपवु (२)पु० देणु;
देय वि० [स] आपवा योग्य [समय
देर(-री) स्त्री०[फा] ढील; वार (२)
देरपा वि० [फा.] टकाऊ; मजबूत
देरीना वि० [फा.] प्राचीन; जूनुं
देव पु० [स] देव; सुर (२) पूज्य व्यक्ति माटे आदरसूचक शब्द (३) [फा] राक्षस
देवठान पु० देवऊठी एकादशी
देवता पु० [स] देव; सुर
देवदार पु० देवदारनु झाड के लाकडु
देवधुनि, देवनदी स्त्री० [स] गंगा नदी
देवनागरी स्त्री० नागरी के बाळबोध लिपि
देवपथ पु० [स.] आकाश
देवभाषा स्त्री० [स] संस्कृत भाषा
देवभूमि स्त्री० [स] स्वर्ग
देवमंदिर पु०[स.] देवळ; मंदिर; देवालय
देवर पु० [स] दियेर
देवरानी स्त्री० देराणी (२) इन्द्राणी
देवर्षि पु०[स]देवोमां ऋषि-नारद इ०
देवल पु० देवळ; मंदिर (२) [स]पूजारी
देववाणी स्त्री०[स.] संस्कृत भाषा (२) आकाशवाणी
देवस्थान पु० [स.] देवळ; मंदिर
देवांगना स्त्री०[सं] देवनी स्त्री (२) अप्सरा
देवा वि० (समासने अंते) देनार, जेम के पानीदेवा (२) देवादार; ऋणी
देवान पु०दीवान; वजीर(२)राजदरबार

देवानांप्रिय पु०[स.] बकरो (२) मूर्ख
देवालय पु० [स.] देवळ; मदिर
देवी स्त्री० [स.] देवी (२) सन्नारी
देश(-स) पु०[स] देश; मुल्क (२) स्थान; जगा
देशनिकाला पु० देशनिकालनी सजा
देशभाषा स्त्री० [स] अमुक देश के प्रदेशनी भाषा
देशांतर पु०[स] देशावर; बीजो देश
देशी(०य) वि०[स] देशनु के तेने लगतुं
देस पु० देश; मुल्क. -सी वि० देशी
देसवाल वि० देशनु; स्वदेशी
देसावर पु०[फा] 'दिसावर'; देशावर
देह स्त्री० [सं] देह, शरीर (२) पु० [फा दिह] देहात; गाम (३) वि० देनार (समासमा) जेम के, जवाबदेह
देहक़ा। ग़ [फा] गामडियो; ग्रामवासी (२) खेडूत. -नियत स्त्री० गामडिया-पणु. -नी वि० गामडानु; गामडियु; ग्रामीण
देहरा पु० देरु,देवालय(२)मनुष्य-शरीर
देहरी,-ली स्त्री० [स.] ऊमरो
देहांत पु०[स] मरण [गाम
देहात पु०[फा. 'दिह'नुं ब०व०]'दिहात';
देहाती वि० [फा] देह नु; 'देहकान'
देही पु० [स] आत्मा; देहधारी
दैत्य पु०[स] दानव; असुर (२) अति मोटो बळवान माणस
दैनदिन अ०[स] प्रतिदिन; रोज (२) वि० रोजनु. -नी स्त्री० डायरी; रोजनीशी
दैन पु० दैन्य, दीनता (२) स्त्री० 'देन'; देवु ते; भेट (३) वि० देनारु, जेम के सुखदैन (४) दिन-दिवस सबधी
दैन पु० [अ.] देण; देवु
दैनदार पु० [फा.] देणदार; देवादार
दैनिक वि० [स.] रोजिंदु; रोजनु
दैन्य पु० [स] दीनता
दैव वि० [स] देवने लगतु (२) पु० नसीब (३) ईश्वर (४) आकाश
दैवज्ञ पु० [स] जोशी
दैवयोग पु० [स] नसीबनो सयोग
दैवात् अ० [स.] दैववशात्
दैविक वि० [स]देवताई(२)आधिदैविक
दैवी वि०[सं] 'दैविक' (२) आकस्मिक
दैहिक वि०[स] देह सबधी; शारीरिक
दो वि०[फा.] बे. (आ अर्थमा समासमां 'दु' जेम पण आवे छे) [प्रदेश
दोआब,-बा पु०[फा] बे नदी वच्चेनो
दोउ,-ऊ वि० (प) बन्ने; बेउ [मनुष्य
दोगला पु०[फा] जारज के वर्णसकर
दोचंद वि० [फा] 'दुचन्द'; बेगणु
दो-चार स्त्री०[फा.] केटलाक; बे चार
दोचित्ता वि०, दोचित्ती स्त्री० जुओ 'दुचित्ता,-त्ती'
दोज़ख़ पु० [फा.] दोजख; नरक
दोज़ानू अ० [फा.] घूटणिये (बेसवु)
दोतरफा अ० [फा] जुओ 'दुतर्फा'
दोतला,-ल्ला वि० बे खड के माळनुं (मकान)
दोतारा पु० बेतारुं वाद्य
दोन पु० दोआब (२) खीण (३) नदीओनो सगम
दोना पु० (स्त्री०,-नी) द्रोण; दडियो
दोनो वि० बन्ने [बपोर
दोपहर पु०; -रिया स्त्री० 'दुपहर';
दोफसली वि० जेमा बे फसल लेवाय तेवु
दोबारा अ० [फा.] जुओ 'दुबारा'

दोवाला अ० [फा] 'दुबारा'; 'दूना'
दोभाषिया पु० दुभाषियो ['दोतल्ला'
दोमज़िला अ०[फा] जुओ 'दुमज़िला',
दोयम वि०[फा.] दुय्यम; दूयम; बीजु
दोरंगा त्रि० दोरंगी; बने तरफनु. –गी स्त्री० दोरंगीपणु (२) छळ
दोरसा पु० एक जातनी पीवानी तमाकु (२) वि० बे रस के स्वादवाळु. **दोरसे दिन**=स्त्रीना महिना
दोराहा पु० बे रस्ता ज्याथी फटाय ते
दोरुखा वि० जेनी बेउ बाजु सरखो रग के वेलबुट्टा होय तेवु (२) एक बाजु एक ने बीजी बाजु बीजा रगवाळु
दोल(–ला) पु०[स] हीडोळो; हीचको (२) डोळी
दोशंबा पु० [फा.] सोमवार
दोश पु० [फा] खभो [–जगी)
दोशीज़ा स्त्री०[फा.] कुवारिका (नाम
दोष पु० [सं.] भूल; चूक (२) खोड; खामी (३) वाक (४) एब; लाछन (५) शरीरना त्रण दोष ते दरेक
दोषारोपण पु० [स.] दोष देवो ते; आळ; आक्षेप [स्त्री० दोस्ती
दोस पु० (प.) दोष (२) दोस्त. ०दारी
दोसूती वि० चोतारु (२) स्त्री० 'दुसूती'
दोस्त पु० [फा.] दोस्त; मित्र [दोस्ती
दोस्ताना वि०[फा] दोस्तीनु (२) पुं०
दोस्ती स्त्री० [फा] दोस्ती; मैत्री
दोहगा स्त्री० रखात; उपपत्नी
दोहता पु० 'दुहता'; दौहित्र
दोहद स्त्री०[स] गर्भवतीनी इच्छा–दोहद (२) गर्भनु चिह्न के गर्भावस्था
दोहन पु०[स], –नी स्त्री० दोहवु ते (२) दूधनो दोणो
दोहरना अ०क्रि० बेवडावु (२) स०क्रि० जुओ 'दोहराना'
दोहरा वि० बेवडु (२) पु० दोहरो
दोहराना स०क्रि० बेवडवु (२) बीजी वार करवु के कहेवु
दोहा पु० दोहरो; दुहो
दोहाई स्त्री० जुओ 'दुहाई'
दौंरी स्त्री० जुओ 'दँवरी'
दौड़ स्त्री० दोड; दोडवु ते (२) प्रयत्न (३) क्रिकेटनो 'रन'
दौड़धूप स्त्री० दोडधाम; खूब परिश्रम
दौड़ना अ० क्रि० दोडवु [उतावळ
दौड़ादौड़ी स्त्री० दोडादोड; त्वरा;
दौड़ान स्त्री० दोट (२)वेग(३)फेरो;वारी
दौना पु० एक छोड (डमरो?) (२) जुओ 'दोना'
दौर पु०[अ.] दोर (सत्ता; भभको) (२) भ्रमण; फेरो (३) वार; 'दफा' (४) काळचक्र; जमानो
दौरदौरा पु० प्रबळता; सत्ता
दौरा पु० भ्रमण करवु ते; प्रवास (२) फेरो; आंटो. –सुपुर्द करना=केसने जज पासे मोकलवुं
दौरान पुं० [फा.] भ्रमण; फेरो (२) वारो (३) जमानो
दौरी स्त्री० टोपली; छाबडी
दौर्बल्य पुं० [सं.] दुर्बलता; नबळाई
दौर्भाग्य पुं० [सं.] दुर्भाग्य
दौर्मनस्य पुं० [सं.] मननी खराब दशा (२) शोक; खिन्नता
दौलत स्त्री० [अ.] दोलत; धन
दौलतखाना पुं० [फा.] घर; [illegible] (निवास [illegible] छे)
दौलतमंद वि० [फा.] धनवान; दोलतमंद

दौहित्र पु०[स] दोहित्र; 'नाती'.(स्त्री० –त्री) [शोभा
द्युति (०मा) स्त्री०[स] तेज; काति (२)
द्यूत पु० [स] जूगटु [प्रकाशनारु
द्योतक वि० [स] दर्शावनारु (२)
द्रव पु०[स] द्रववु–ओगळवु ते (२) प्रवाही के पीगळेलु ते (३) वि० प्रवाही; पीगळेलु [(२) वहेवु
द्रवना अ०क्रि० (प) द्रववु; पीगळवु
द्रव्य पु०[स] पैसो; नाणु (२) वस्तु; पदार्थ
द्रष्टा वि०[स] देखनार (२) पु० आत्मा
द्राक्षा स्त्री० [स] द्राक्ष; अगूर
द्रावक वि० [स] पिगळावनारु
द्राविड़ वि०[स] द्राविड देशनु, द्राविडी
द्रुत वि० [स] उतावळु, झडपी (२) पीगळेलु –ति स्त्री०
द्रुम पु०[स] झाड (२) पारिजातक वृक्ष
द्रोण पु०[स] दडियो (२) होडी (३) कागडो (४) द्रोणाचार्य. –णि, –णी स्त्री० नानो द्रोण [द्रोह करनारु
द्रोह पु०[स] दगो; वेरभाव. –ही वि०

द्वंद, द्वंद्व [स] पु० युग्म; जोडु (२) बे वच्चे युद्ध (३) झघडो (४) दुविधा; शका
द्वय वि०[स] बे (२) पु० युग्म; द्वैक
द्वादशाह पु० [स] बारमु
द्वादशी स्त्री० बारश तिथि
द्वार पु०[स] बारणु, दरवाजो (२) उपाय; साधन
द्वारपाल पु० [स] द्वारपाळ; दरवान
द्विज पु०[स] ब्राह्मण (२) अडज प्राणी
द्वितीय वि०[स] बीजु. –या स्त्री० बीज
द्विदल पु०[स.] कठोळ; दाळ (२) वि० बे दळ के फाडवाळु
द्विधा अ०[स] बे प्रकारे (२) बे भागमा
द्विरद पु० [स] हाथी
द्विरेफ पु० [स] भमरो
द्वीप पु०[स] बेट, टापु [(३) चीड; गुस्सो
द्वेष पु०[स] ईर्षा, झेर (२) वेर; शत्रुता
द्वै वि० (प.) बे; बेउ
द्वैत पु० [स] बेपणु, भेद; जुदाई
द्वैध पु० [स] विरोध (२) बेभव्यु राज्यपद्धति; 'डायर्की'

ध

धंगर पु० भरवाड; आहीर
धंध, ०क, ०र पु० (प.) पचात; झझट (२) कामधधानो आडबर [रहेनार
धंधकधोरी पु० खूब कामनी धमालमां
धंधला पु० ढोग (२) बहानु; छळकपट
धंधा पु० धधो; कामकाज; उद्यम
धँसना अ०क्रि० अदर खची–पेसी जवु
धँसान स्त्री०, धँसाव पु० अदर पेसी जवु ते (२) कळण जमीन

धक स्त्री० हृदयनी धडक (२) अ० अचानक; एकाएक [धगधगवु (आगनु)
धकधकाना अ० क्रि० धडकवु (२)
धकधकी स्त्री० जुओ 'धुकधुकी'
धकपकाना अ०क्रि० हृदय धडकवु; डरवु
धकपेल, धकाधकी स्त्री० धक्काधक्की
धकियाना, धकेलना स०क्रि० धकेलवु; धक्को देवो
धकेलना स०क्रि० धकेलवु; हडसेलवु

धकेलू, धकैल वि० धक्को देनार; धकेलनार
धक्कमधक्का पु० धक्काधक्की; खूब भीड
धक्का पु० धक्को; हडसेलो (२) आघात; हानि (३) सकट; विपत्ति
धक्कामुक्की स्त्री० धक्कामुक्की; मारपीट
धगड़,-ड़ा पु० यार; उपपति; व्यभिचारी. -ड़ी स्त्री० कुलटा स्त्री
धज स्त्री० सुदर रचना के ढंग ['धज'
धजा स्त्री० धजा; वावटो (२) जुओ
धजीला वि० सुदर
धज्जी स्त्री० चीदरडी के लांबी पट्टी. धज्जियाँ उड़ाना=चीरा के टुकडा करी नाखवा (२) कशु बेहाल करी नाखवु
धड़ पु० शरीरनु धड (२) झाडनु थड (३) धड अवाज
धड़क स्त्री० दिलनी धडक (२) भय
धड़कन स्त्री० धडक धडक थवु ते
धड़कना अ०क्रि० धडकवु (२) धड अवाज थवो [इ०नो चाडियो
धड़का पु० जुओ 'धडक' (२) खेतर
धड़टूटा वि० कमरमाथी वळेलु (२) कूवडु; खूधु
धड़ल्ला पु० धडाको. धड़ल्लेसे,-के साथ =कशी रुकावट विना (२) वेधडक
धड़ा पुं० श्राजवानो धडो (२) पक्ष. -बांधना=धडो करवो (३) कलक लगाडवु [धडाकाबध; झटपट
धड़ाका पु० धडाको, धड़ाकेसे अ०
धड़ाधड़ अ० (रव०) तूटवा के पडवानो अवाज (२) लगातार; जलदी
धड़ाम पु० धब—धबाकानो अवाज
धड़ी (-री) स्त्री० चार के पान पाका शेरनो एक तोल (२) पानथी के रंगथी होठ पर तेनी पडती रेखा
धत् अ० धत्; धुत्
धत स्त्री० लत; बूरी आदत
धतकारना स०क्रि० धुत्कारवु
धता वि० धत् करायेलु; धुत्कारेलु. -करना या बताना=भगाडवु; धत् करी काढवु [गाडा जेवु फरवु
धतूर,-रा पु० धतूरो. -खाए फिरना=
धधक स्त्री० आगनी झोळ; आच; भभूकवु ते [धग लागवु-बळवुं
धधकना अ०क्रि० (अग्नि) भडके बळ
धन पु० धन (२) गायोनु धण
धनक पु० जुओ 'धनुक' (२) सोनेरी रूपेरी नानी पटीनी फीत के किनार
धनकटी स्त्री० लणणीनो समय (२) एक कापड
धनकुबेर पु० खूब धनवान माणस
धनतेरस स्त्री० आसो वद तेरस-धनतेरश
धनधान्य पु० [स] धन अने धान्य-सपत्ति
धनधाम पु० धनदोलत अने घरबार
धनवंत, धनवान, धनाढ्य, धनिक वि० [स] पैसादार; तवगर
धनिया पु० धाणा [स्वामी
धनी वि० [स] धनवान (२) पु० धणी;
धनुआ पु० धनुष (२) पीजण
धनुई स्त्री० नानो 'धनुआ'
धनुक पु० धनुष (२) इंद्रधनुष
धनुकबाई स्त्री० धनुर्वा
धनुर्विद्या स्त्री० [स] धनुषनी विद्या
धनुष,-स पु० [स] बाणनु धनुष्य
धन्ना पु० धरणु; ग्रागु
धन्नासेठ पु० मोटो धनी आदमी
धन्य वि० [स.] कृतार्थ; भाग्यशाळी (२) अ० शाबाश; वाहवाह

धन्यवाद पु०[स] शाबाशी; प्रशंसा के तेनो बोल
धप स्त्री० धब अवाज (२) धप्पो
धप्पा पु० धप्पो (२) नुकसान
धब्बा पु० धाबु; डाघ
धमक स्त्री० धम दईने पडवानो अवाज; धमकारो (२) आघात
धमकना अ०क्रि० धम अवाज करवो (२) (माथुं) दुखवु. आ धमकना= आवी पहोचवु
धमकाना स०क्रि० धमकाववुं; डराववुं
धमकी स्त्री० धमकी; डर
धमधूसर वि० जाडु बेडोळ (माणस)
धमना स०क्रि० धमवुं; पवन फूकवो
धमनी स्त्री० [स] लोहीनी नाडी
धमाका पु० धबाको; 'धमक'
धमाचौकड़ी स्त्री० धमाचकडी
धमाधम अ० लगातार धम धम (२) स्त्री० धमाधम (३) मारामारी
धमार स्त्री० धमाल (२) धमार ताल के होळीनु एक गीत
धरणि,-णी स्त्री० [स] पृथ्वी
धरता पु० धारण करनार (२) देणदार
धरती स्त्री० धरती; पृथ्वी
धरन स्त्री० धारण करवुं ते (२) धारण; पाटडो (३) धरणु
धरना स० क्रि० धरवु; पकडवु (२) रखात राखवी (३) गीरो मूकवु (४) पुं० धरणु; त्रागु
धरहरा पु० मिनारो
धरा स्त्री० [स] धरती; पृथ्वी
धराऊ वि० कीमती; खास अवसर माटे साचवी रखातु
धराहर पुं० जुओ 'धरहरा'
धरित्री स्त्री० [स.] धरती; पृथ्वी
धरी स्त्री० जुओ 'धड़ी'
धरोहर स्त्री० अनामत राखेलु ते
धर्म पु०[स] धर्म; संप्रदाय (२) फरज; कर्तव्य (३) गुण; लक्षण
धर्मधक्का पु० धरमधक्को
धर्मपत्नी स्त्री० [स.] विवाहित स्त्री
धर्मशाला स्त्री० [स] धरमशाळा; मुसाफरखानु [जेम के स्मृति
धर्मशास्त्र पु० [स] धर्म बतावतो ग्रंथ,
धर्मात्मा वि०(२)पु० [स] धर्मिष्ठ पुरुष
धर्मासन पु०[स] न्यायासन; न्यायाधीशनी बेठक
धर्मिष्ठ वि० [स] धर्मवान; धार्मिक
धर्षण पु०[स] अनादर (२) आक्रमण
धव पु० [स] पति (२) पुरुष [गाय
धवल वि०[सं] धोळु -ली स्त्री० धोळी
धवाना स०क्रि० दोडाववु
धसकना अ०क्रि० धसी पडवु; नीचे बेसी पडवु (जमीन इ०नु)
धांघल स्त्री० धाधळ (२) दगो; फरेब
धांस स्त्री० तमाकु मरचा इ०नी तेज गध
धांसना अ०क्रि० (पशुओनु) खोखारवु
धाइ, धाई स्त्री० धाव; दाई
धाक स्त्री० धाक; भय; डर. -बांधना =धाक पाडवी के जमाववी
धागा पु० दोरो; 'तागा'
धाड स्त्री० धाड; हल्लो (२) धाडु; टोळु
धाड़स पु० जुओ 'ढाढस'
धात स्त्री० धातु (२) वीर्य [पालक
धाता पु०[स.] ब्रह्मा (२) वि० धारक;
धातु स्त्री० [स] खनिज; धातु (२) शरीरनी धातु (३) क्रियापदनो धातु

धातुवाद पु० [सं] रसायण; तावानु सोनु वनाववानो कीमियो
धात्री स्त्री० [स] धाव (२) माता
धान पु० डागर
धानी वि० 'धान'–डागरना आछा लीला रगनु (२) स्त्री० शेकेला जव के घउ (३) आछो लीलो रग
धान्य पु० [स] अनाज, धान
धाप स्त्री० मेदान (२) लवाईनु एक माप (एक वे माईल जेवडु) (३) तृप्ति
धापना अ०क्रि० धरावु, तृप्त थवु (२) दोडवु; धावु (३) स०क्रि० धरववु
धावा पु०मकाननु धावु के तेमानी ओरडी
धा–भाई पु० दूधभाई
धाम पु०[स] धाम,स्थान(२)तीर्थस्थान
धामिन स्त्री० धामण साप
धाय स्त्री० धात्री; धाव
धार पु० उधार; देवु (२) वोधमार वरसाद(३)स्त्री० धारा(४)शस्त्रादिनी धार (५) किनारो; छेडो [देवादार
धारक वि०[स] धारण करनार (२)
धारण पु०[स]धरवु, पहेरवु के अगीकार करवु ते (२) उधार करवु ते
धारणा स्त्री०[सं] निश्चय (२) समज, वुद्धि (३) याददास्त; स्मृति
धारा स्त्री०[स] धार; शेड (२) झरणु; प्रवाह (३) धारो; कायदो
धारासभा स्त्री०[स]धारा घडनारी सभा
धारी स्त्री० लीटी; रेखा (२) समूह
धारीदार वि० लीटीदार; लीटीओवाळु
धारोष्ण वि०[स] तरत दोहेलु (दूध)
धार्मिक वि० [स] धर्मने लगतु (२) धर्मवान [धोवी
धावक पु० [स] हलकारो; खेपियो (२)
धावा पु० आक्रमण; हल्लो (२) दोट. –वोलना=हल्लो करवा कहेवु.–मारना =दोडवु; उतावळ करवी
धिंग(–गाई) स्त्री० धींगामस्ती
धिंगा पु० जुओ 'धींग'
धिंगाई स्त्री० (प.) जुओ 'धिंग'
धिआन पु०(प) ध्यान. –ना स०क्रि० ध्यान करवु
धिकना अ०क्रि० (प) धीकवु; तपवुं
धिक्कार पु०[स] फिटकार; तिरस्कार
धिक्कारना स० क्रि० धिक्कारवु; तुच्छकारवु
धिय,–या स्त्री० कन्या; पुत्री
धिराना अ०क्रि० धीरज राखवी (२) धीरु के धीमु थवु (३) स० क्रि० धमकाववु; डराववु
धींग पु० लठ्ठ माणस (२) वि० विगुं; लठ्ठ (३) दुष्ट; पाजी
धींगड़ा(–रा) पु० 'धींग' (२) वदमास; गुडो; दुष्ट माणस
धींगा वि० जुओ 'धींग'
धींगाधींगी, धींगामुश्ती स्त्री० वदमासी (२) धींगामस्ती; तोफान
धींवर पु० धीवर; ढीमर; माछी
धी स्त्री०[स] वुद्धि (२) जुओ 'धीदा'
धीजना स०क्रि०(प) स्वीकारवुं; मानवुं (२) अ०क्रि० धीरज धरवी (३) संतोषावु; राजी थवु
धीदा,–य,–या स्त्री० कन्या; पुत्री
धीम(–व)र पु० ढीमर; माछी
धीमा वि० धीमुं
धीय,–या स्त्री० जुओ 'धीदा'
धीर वि०[स]धैर्यवान (२)पु०(प)धैर्य
धीरज पु० (प) धैर्य; धीरज

घीरे क्रि०वि० धीरेथी; धीमेथी
घीवर पु० [स] ढीमर; माछी
घुँआँ(-वाँ) पु० जुओ 'धुआँ'
घुंगार स्त्री० वघार
घुंगारना स०क्रि० वघारवु
घुंद(-ध) स्त्री० धूध; दृष्टिनी झाख (२) धूळ ऊडीने थतो अधकार
घुँधका पु० धुमाडो नीकळवानु बाकु; धुमाडियु
घुँधकार पु० अधकार (२) गडगडाट; गर्जना ['धुंधला' थवु
घुंधरा(-ला)ना अ० क्रि० धूधळावु;
घुंधला वि० काळाश पडतु (२) धूळना रंगनु; धूधळवु (३) अस्पष्ट
धुँधली स्त्री० जुओ 'धुंध'
घुंवां पु० जुओ 'धुआँ'
धुआं पु० धुमाडो **धुएँका धौरहर**=जरामा नाश थनार वस्तु **धुएँके बादल उड़ाना**=भारे गप हाकवी. **-निकालना या काढ़ना**=शेखी मारवी. **-सा मुंह होना**=मोढु पडी जवु; शरमावु
धुआंकश पु० आगबोट (२) धुमाडियु
धुआंधार वि० धुमाडाथी भरपूर (२) काळु (३) घोर [वगडवो
धुआंना अ०क्रि० धुमाडो पेसी स्वाद
धुआंरा पु० 'धुआँकश'; धुमाडियु
धुआंस स्त्री० मरचानी धूणी करवी ते (२) जुओ 'धुवांस' [पाछु थवु ते
धुकड़ पुकड़ पु० गभराट के तेथी आघु-
धुकधुकी स्त्री० हृदय के तेनी धडक (२) डर; काळजानो फफडाट (३) हैडियो
धुज पु०, **-जा** स्त्री०(प) ध्वज; धजा
धुतकार स्त्री० 'दुतकार'; धुत्कार
धुतकारना स०क्रि० जुओ 'दुतकारना'
धुन स्त्री० धून. **-का पक्का**=आरभेलु न छोडे एवो
धुनकना स०क्रि० जुओ 'धुनना'
धुनकी स्त्री० पीजण
धुनना स०क्रि० पीजवु (२) मारवु पीटवु (३) वार वार कहेवु (४) कोई काम कर्ये ज जवु
धुनि स्त्री० (प) ध्वनि; अवाज
धुनियां पु० पीजनार; पीजारो
धुपेली स्त्री० 'अँभौरी'; अळाई
धुर पु० धुरा (२) भार (३) धर; शरूआत (४) अ० बरोबर; बिलकुल. **-सिरसे**=तद्दन शरूथी; धरमूळथी
धुरवा पु० मेघ; वादळ
धुरा पु० धरी (स्त्री० -री)
धुरीण वि० धुरधर; अग्रेसर
धुरें(-लें)डी स्त्री० धुळेटी
धुरेटना स०क्रि०(प) धूळथी रगदोळवु
धुर्रा पु० रज; धूळ; कण. **धुर्रे उड़ाना**=धूळ काढवी; खूब मारवु (२) छिन्न-भिन्न करवु
धुलना अ०क्रि० धोवावुं
धुलवाना, धुलाना स०क्रि० धोवडाववुं
धुलाई स्त्री० धोवु ते के तेनी मजूरी
धुलेंडी स्त्री० धुळेटी
धुवन पु० [स] अग्नि
धुवां पु० जुओ 'धुआँ'
धुवांस स्त्री० अडदनो लोट
धुस्स पु० माटीनो ढेर (२) नदीनो बध
धुस्सा पु० धूसो; जाडो कामळो
धूंध स्त्री० जुओ 'धुंध'
धूआं पु० धुमाडो; 'धुआँ'
धूत वि० (प.) धूर्त; धुतारु
धूतना स०क्रि० (प.) धूतवु; ठगवु

धूधू अ०(रव) देवता जोरथी बळवानो–धग धग अवाज
धूना पु० लोबान के तेनु झाड
धूनी स्त्री० साधुनी धूणी (२) धूप
धूप पु० [स] धूप (२) स्त्री० ताप. –चढ़ना या निकलना = ताप थवो; दहाडो चडवो –दिखाना = तडके नाखवु. –में बाल या चूंड़ा सफेद करना=विना काई कर्ये जीवन वीतवु
धूपघडी स्त्री० छायायत्र
धूपछाँह स्त्री० धूपछाँव; तडकोछायडो (२) एक जातनु कपडु
धूपदान पु०,–नी स्त्री० धूपदानी;धूपियु
धूपवत्ती स्त्री० धूपसळी; अगरवत्ती
धूम पु० धुमाडो [स] (२) स्त्री० धूम; धमाल
धूमकेतु पु० [स] पूछडियो तारो
धूम-धड़क्का पु०, धूमधाम स्त्री० धामधूम; ठाठमाठ [धूधळु
धूमल [स], –ला वि० जुओ 'धुंधला';
धूम्र पु०[स] धुमाडो (२) धूप–लोबान (३) वि० धुमाडीना रगनु
धूर,–रि स्त्री० (प.) धूळ
धूरधान पु० धूळनो ढग
धूरधानी स्त्री० धूळधाणी(२)'धूरधान'
धूर्जटि पु० [स] शकर
धूर्त वि० [स] लुच्चु; पाकु (२) धुतारु
धूल,–लि [स] स्त्री० धूळ. ०धानी स्त्री० धूळधाणी; विनाश
धूवां पु० 'धुवां' [तेमा रगदोळायेलु
धूसर,–रा,–रित वि० धूळना रंगनुं के
धृति स्त्री०[स.] धीरज; धैर्य(२)स्थिरता
धृष्ट वि० [स] उद्धत; उद्दंड
धेनु स्त्री० [स] गाय
धेला,–लचा पु० अधेलो; अर्धो पैसो
धेली स्त्री० अधेली; आठ आनी
धैना स्त्री० टेव; आदत (२)कामधधो
धैर्य पु० [स] धीरज; दृढता
धोघा पु० [स] (माटीनो) लोदो [दाळ
धोई स्त्री० छोडा विनानी अडद मगनी
धोकड़,–ड़ा वि० जाडु धोकडु
धोका(–खा) पु० धोको; दगो (२) भ्रम; भूल –उठाना=भ्रममा पडी हानि उठाववी. –खाना=ठगावु (२) भ्रममा पडवु –देना = छळवु (२) भ्रममा नाखवु धोखेमें, धोखेसे = भूलथी; अजाणमा
धोखेबाज़ वि० धूर्त, कपटी [क्रिया
धोती स्त्री० धोतियु के साडी(२)धोतीनी
धोना स०क्रि० धोवु. धो बहाना= धोई काढवु; न रहेवा देवु
धोव पु० धो; धोवावु ते
धोबिन स्त्री० धोबण धोबी पु० धोबी
धोरी पु० बळद (२) मुख्य; धुरधर
धोरे अ० (प.) पासे. –धोरे=आसपास
धोवन स्त्री०धोवण,धोता नीकळेलु पाणी
धौंक स्त्री० धमणनी फूक (२) ताप; लू
धौंकना स०क्रि० फूकवु(धमणथी);धमवु
धौंकनी स्त्री० फूकणी के धमण
धौंताल वि० धूनवाळु (२) चालाक(३) साहसिक (४) हृष्टपुष्ट; मजबूत
धौंस स्त्री० धमकी (२) धाक (३) 'धोका'; छळ ०पट्टी स्त्री० छळकपट
धौंसना स०क्रि० धमकाववु (२)मारवु (३) धाक देवी
धौंसा पु० रामढोल (२) बळ; शक्ति
धौरा वि० धोळु
धौराहर पु० मिनारो; बुरज

धौल स्त्री० धोल (२) नुकसान
धौलधक्का, -क्कड़, धौल-धप्पड़ पु० धोलधपाट; धोलधक्को, मारपीट
धौला वि० धोळु (नाम, -लाई स्त्री०)
ध्यान पु०[स] एकाग्र चिंतन; एकाग्रता
ध्याना स०क्रि०(प) ध्यावु; ध्यान करवुं
ध्यानी वि० [स] ध्यान करनारु; ध्यानशील
ध्येय वि०[स] ध्यानने योग्य (२) पु० लक्ष्य
ध्रुव वि०[स] स्थिर; अडग; निश्चित (२) पु० ध्रुव तारो के पृथ्वीनो धरीनो ध्रुव
ध्वंस पु०[स] नाश; बरबादी
ध्वज पु०[स.], **-जा** स्त्री० ध्वज; झंडो; धजा; निशान
ध्वन्य पु० [स] व्यंग्यार्थ

न

नंग पु० नग्नता (२) गुह्येंद्रिय (३) [फा] प्रतिष्ठा (४) लज्जा; शरम
नंग-धड़ंग, -मुनंगा वि० साव नागु
नंगा वि० नागु [पण -तपास
नंगा-झोली स्त्री० पूरेपूरी-नागु करीने
नंगा-बुंगा वि० साव नागु
नंगा-बुच्चा, नंगा-बूचा वि० गरीब; निर्धन
नंगा-लुच्चा वि० नागुटाट; बदमास
नंगियाना स०क्रि० नागु नवस्त्रु करवु (२) साव लूटी लेवु
नंदन पु०[स] पुत्र (२) वि० आनंददायक
नंदिनी स्त्री०[स] पुत्री (२) नणद (३) पत्नी (४) कामधेनु
नंदी पु० [स] शिवनो पोठियो
नंदेऊ, नंदोई पु० नणदोई
नंदोला पु० नानी 'नाँद'-कूंडी जुओ 'नाँद'
नंबर पु० [इ] अंक, संख्या (२) लोखंडनो वार -गज
नंबरदार पु० गामनु महेसूल उघरावनार
नंबरी वि० नंबर लागेलु (२) प्रसिद्ध. -गज=३६ इंचनो मापवानो गज. -सेर = बंगाळी पाको शेर
न अ० [स] ना; नहीं (२) प्रश्नार्थ वाक्यमा 'ने, ना' एवा अर्थमा. दा. त तुम जाओगे न ?
नई वि० स्त्री० 'नया' नु स्त्री०; नवी
नककटा, नकटा वि० (स्त्री० -टी) नकटु; बेशरम
नकघिसनी स्त्री० नाकलीटी
नकचढ़ा वि० खराब मिजाजनु; चीडियु
नक़द पु० [अ] नगद धन (२) वि० नगद (३) अ० रोकडेथी; नगद आपीने
नकद-दम अ० [अ.] एकलु
नकदी स्त्री० रोकडु नाणु (२) जेनु महेसूल रोकडमा आपवानु होय तेवी जमीन. 'जिनसी' थी ऊलटु
नकब स्त्री० [अ.] चोरे भींतमा पाडेलु खातर -देना, -लगाना=खातर पाडवु; (चोरनु) कोचवु
नकब-ज़न पु० [फा] खातर पाडनार. (नाम -नी स्त्री०)
नक-बेसर स्त्री० नकवेसर-नाकनी नथ
नकरा पु० [अ. नक्र] (-या) सामान्य नाम

नक़ल स्त्री० [अ] नकल (२) अनुकरण (३) चाळा पाडवा ते(४) हास्यरसनी आकृति के टुचको
नकलची पु० [फा] बहुरूपियो
नकलनवीस पु० [फा] नकलियो कारकुन
नक़ली वि० बनावटी; जूठु
नकश पु० जुओ 'नक्श'
नक़शा पु० [अ] जुओ 'नक्शा'
नकसीर स्त्री० नसकोरी. **–भी न फूटना** =जराय तकलीफ के हानि न थवी
नकाब स्त्री० [अ] मोढु ढाकवा माथे ओढातु (स्त्रीनु) कपडु (२) घूघट
नकार पु० नन्नो, इन्कार. **०ना** अ० क्रि० नकारवु; ना पाडवी [–रची'
नकारा,–रची पु० जुओ 'नक्कारा,
नक़ाश,–शी जुओ 'नक्काश, –शी'
नक़ाशना स० क्रि० नकशी करवी
नकियाना अ० क्रि० नाकमा बोलवु (२) नाकमा दम आववो (३) स० क्रि० नाकमा दम आणवो
नकीब पु० [अ] नकीब; छडीदार (२) भाट-चारण [कुलरहित
नकुल पु० [स] नोळियो (२) वि०
नकेल स्त्री० ऊटनी नाथ
नक्का पु० (सोधनु) नाकु [नगारखानु
नक़्क़ारखाना पु० [फा.] टकोरखानु;
नक़्क़ारची पु० [फा.] नगारु वजावनार
नक़्क़ारा पु० [फा] नगारु; नौबत
नक़्क़ाल पु० [अ] नकल करनार (२) भाड
नक़्क़ाश पु० [अ.] नकशी करनार
नक़्क़ाशी स्त्री० [अ] नकशी
नक्कू वि० लाबा नाकवाळु (२) सौथी ऊधु वर्तनार (३) पोताने मोटु माननार
नक़्द पु० [अ] जुओ 'नकद' –नगद

नक़्ल स्त्री० [अ] जुओ 'नकल'
नक़्श वि० [अ] चीतरेलु अकायेलु के लखायेलु (२) पु० चित्र (३) महोर; छाप (४) तावीज [(३) हाल; दशा
नक़्शा पु० [अ] नकशो (२) चित्र; आकृति
नक़्शी वि० नकशीदार
नक्षत्र पु० [स] तारो; तारानु नक्षत्र के अमुक मडळ
नख पु० [स] हाथपगना नख (२) स्त्री० [फा] पतगनो दोर
नखलिस्तान पु० [फा] जुओ 'नख़्लिस्तान'
नख़रा पु० [फा] नखरु (२) चचळता. **–रीला,–रेबाज़** वि० नखराखोर
नख़वत स्त्री० [अ] घमड, शेखी
नख़ास पु० [अ नख़्ख़ास] गुलाम के पशुओनु बजार
नखी पु० [स] नखवाळु हिंस्र प्राणी –वाघ चित्तो इ० [खारेकनु झाड
नख़्ल पु० [अ] झाड (२) खजूर–
नख़्लिस्तान पु० रणद्वीप (२) खजूरनु वन के बगीचो [नग; पर्वत
नग पु० [फा] नग; रत्न (२) [स]
नगण्य वि० [स] तुच्छ [स्त्री
नगनी स्त्री० नानी छोकरी (२) नागी
नगर पु० [स] मोटु गाम; शहेर
नगरी स्त्री० [स] नगर; शहेर (२) पु० नगरवासी
नगाड़ा(–रा) पु० नगारु
नगी(–गीं) [फा.] पुं० नग; रत्न; नगीनो
नगीच अ० नजदीक; नजीक
नगीना पु० [अ] नगीनो; रत्न (२) वि० ठीक जडेलु [गायन
नग़मा पु० [अ] मधुर स्वर (२) राग;
नग्न वि० [स] नागु; उघाडु

नचना अ०क्रि० (प.) नाचवुं (२)वि० नाचण; नाचनारुं
नचनि(-वै)या पु० नाचनार; नृत्यकार
नचाना स०क्रि० नचववु (२) ऊचुनीचु करवु; पजववु
नजदीक वि०[फा]नजदीक,नजीक,पासे
नज़दीकी वि० [फा.] नजीकनु (२) स्त्री० समीपता
नज़म स्त्री० [अ. नज़्म] कविता
नज़र स्त्री० [अ.] नजर; दृष्टि (२) खराब नजर (३) भेट; नजराणु. **–आना**=देखावु. **–उतारना**=नजर उतारवी **–पर चढ़ना**=नजरमा आववु, पसद के ठीक लागवु. **–पड़ना**= नजरे पडवु • **–लगना**=नजर लागवी
नज़र-अंदाज़ वि० [फा.] ध्यान के नजरमा नहि आवेलु; उपेक्षित
नज़रबंद वि० नजरकेदमा राखेलु (२) पु० नजरबधीनो खेल
नज़रबंदी स्त्री० नजरकेद(२)नजरबधी
नज़र-बाग़ पु० [अ.] मोटा मकान के महेलनी आसपास ने सामे रखातो – घर जोडेनो बाग [तपासी जवु ते
नज़र-सानी स्त्री० [अ.] फरीथी जोई के
नज़र-हाया वि० नजर लगाडनार
नज़राना अ०क्रि० नजर लागवी (२) स०क्रि० नजर लगाडवी (३) [अ.] नजराणु; भेट
नज़ला पु० [अ]नजलो-एक रोग;शरदी
नज़ाकत स्त्री० [फा]नाजुक्ता
नजात स्त्री० [अ] मुक्ति; छुटकारो
नज़ामत स्त्री० [अ.] जुओ 'निज़ामत'
नज़ारत स्त्री० [अ.] नाजरपणु
नज़ारा पु० [अ] दृश्य (२) नजर
नजासत स्त्री० [अ] मेल; गदकी (२) अपवित्रता
नजिकाना अ०क्रि०(प.) नजीक पहोचवुं
नजिस वि०[अ.]मेलु(२)अशुद्ध; अपवित्र
नजीक अ० (प) नजीक; पासे
नज़ीर स्त्री०[अ.] उदाहरण; दृष्टात
नजूम पु० [अ.] 'नुजूम'; जोश; ज्योतिष विद्या (२) 'नज्म'नु ब० व०
नजूमी पु० [फा.] जोषी; 'नुजूमी'
नज़ूल पु० [अ] सरकारी जमीन (२) 'नज़ला' रोग
नज्जार पु० [अ.] सुतार
नज्म स्त्री० [अ.] तारो [जुओ 'नज़म'
नज़्म स्त्री०[अ.] प्रबध; बदोबस्त (२)
नट पु० [स] नाचनार के नाटक करनार (२) अेक राग
नटखट वि० चचळ; उधमातियु (२) नटखट; धूर्त; पाकु [नटनी स्त्री
नटनी, नटिन(-नी), नटी स्त्री० नटी के
नत वि० [स]नमेलु(२)(प) जुओ 'नतु'
नतर(-रु), नतु अ० नहितर; नहि तो
नतिनी स्त्री०'नातिन';दीकरीनी दीकरी
नतीजा पु० [अ]नतीजो; फळ;परिणाम
नतु अ०(प.) नही तो; नीकर
नतैत पु० नातीलो; सगो
नत्थी स्त्री० पिन के दोराथी जोडेला कागळो (२) एकसाथे नाथेलु के जोडेलु ते
नथ,०नी स्त्री० नाकनी नथ
नथना पु० नसकोरु; नाकनो आगलो भाग (२) अ०क्रि० नथावु (३) एक साथे जोडावु के बधावु
नद पु०[स] मोटी नदी
नदामत स्त्री०[अ] शरम(२)पश्चात्ताप

नदारद स्त्री०[फा] गेब; अलोप
नदी स्त्री०[स] नदी. –नाव संयोग = नसीब जोगे मळी जवु ते [लोभी
नदीदा वि०[फा नादीद.]नहि देखेलु (२)
नधना अ०क्रि० जोडावु (बळद, घोडानु)
ननँद,ननद स्त्री० नणद (पु० ननदोई= नणदोई) [घर
ननसार स्त्री०, ननिहाल पु० नानानु
नन्हा वि०नानु, –सा = नानुशीक
नन्हाई स्त्री० (प) नानपण (२) नानम
नपाई स्त्री० मापवानु काम के तेनु महेनताणु
नपुंसक पु० [स] वायलो; हीजडो
नफ़ल पु० [अ.] आफरो
नफरपु०[अ]एक जण; व्यक्ति(२)नोकर
नफरत स्त्री० [अ.] घृणा. –आमेज वि० [अ.+फा.] घृणाजनक
नफरी स्त्री०[फा.]एक दिवसनी मजूरी (२) शाप; वददुवा
नफसानफसी स्त्री०जुओ 'नफ़्सानफ़्सी'
नफा पु० नफो; फायदो. –उठाना, –करना = नफो मेळववो के थवो
नफाक पु० जुओ 'निफाक'
नफासत स्त्री० [अ.] उत्तमता; 'नफ़ीस' होवु ते
नफी स्त्री० [अ] अभाव; न होवु ते (२) दूर करवु ते (३) नकार; इन्कार
नफीर वि० [अ.] नफरत–घृणा करनार (२) स्त्री० फरियाद; पोकार
नफीरी स्त्री० [अ.] एक वाद्य; नफेरी
नफीस वि० [अ.] उमदा (२) सुदर (३) स्वच्छ
नफ़्स पु०[अ] प्राण; आतमा (२) सत्त्व; तत्त्व (३) कामवासना (४) नफस; दम. ०कुश वि० सयमी; वासनात्यागी. ०परस्त वि० विषयी; भोगी
नफ़्सानफ़्सी स्त्री० स्वार्थ; पोतपोतानी चिता; 'आपाधापी'
नफ़्सानियत स्त्री० [फा] स्वार्थीपणु (२) इद्रियाराम; कामुकता
नफ़्सी वि० पोतानु; वैयक्तिक
नबात स्त्री० [अ] शाकभाजी
नबातात स्त्री० [अ] 'नबात' नु ब०व० लीलोतरी, शाकभाजी
नबी पु० [अ] ईश्वरनो दूत; पेगबर
नबेड़ना स०क्रि० निवेडो आणवो
नबेड़ा(–रा) पु० निवेडो; फेसलो
नब्ज़ स्त्री० [अ.] नब्झ; नाडी. –छूटना, –न रहना=नाडी बध थवी; मरी जवु
नब्बाज़ पु० [अ.] नाडी जोनार; वैद, हकीम
नब्बे वि० नेवु; ९० सख्या
नभ पु०[स.]नभ; आकाश (२) वादळ (३) वर्षा (४) पाणी
नम वि०[फा.](नाम, –मी स्त्री०) भीनु
नमक पु० [फा] निमक; लूण –अदा करना=उपकारनो बदलो चूकववो. –फूटकर निकलना = निमकहरामीनी शिक्षा मळवी –मिर्च मिलाना या लगाना=मीठु मरचु भभराववु
नमकख्वार वि० [फा] लूण खानार
नमकहराम वि० [फा] बेवफा; निमक-हराम; कृतघ्न [निमकहलाल
नमकहलाल वि०[फा]वफादार; कृतज्ञ;
नमकसार पु० [फा.] ज्या मीठु बने के नीकळे ते जगा
नमकीन वि० [फा] मीठावाळु के खारु (२) सुदर (३) पु० मीठावाळी वानी

नमदा पु० [फा] नमदो; दबावीने करेलु जाडु गरम कपडु
नमन पु० [स] नमवु ते; नमस्कार
नमना अ०क्रि० (प.) नमवु
नमस्कार पु० [स.] नमन; प्रणाम
नमस्ते=तमने नमु छु–प्रणाम
नमाज़ पु० [फा] नमाज (श. प्र **–अदा करना, –गुज़ारना, –पढ़ना**) **–कज़ा होना**=वखत परनी नमाज न पडवी
नमाज़ी पु० [फा] नियमथी नमाज पढनार(२)धार्मिक माणस(३)मुसल्लो
नमाज़े जनाज़ा, नमाज़े मैयत स्त्री० [फा] मरण वखते शब आगळ पढाती नमाज [ताबे करवु
नमाना स०क्रि० (प) नमाववु (२)
नमिश(–स) स्त्री० [फा. नमिश्क] दूधमांथी तैयार कराती एक वानी
नमी स्त्री० [फा] भीनाश
नमूद स्त्री० [फा] प्रगट थवु ते (२) निशान; चिह्न [उदय थयेलु
नमूदार वि० [फा.] प्रगट; जाहेर (२)
नमूना पु० [फा] नमूनो
नम्र वि० [स] नमेलु (२) नम्र; विनयी
नय पु० [स] नीति; न्याय (२) नम्रता (३) स्त्री० (प) नदी
नयन पु० [सं] नेत्र; आख. ०**पट** पु० आखनी पलक; पलकारो
नयना, –नी स्त्री० आखनी कीकी
नयनू पु० नवनीत; माखण (२) एक जातनु मलमल कपडु
नया वि० नव; नवीन
नयाबत स्त्री०[अ] नायबपणु; मददनीश के मुनीम होवु ते
नयाम पु० [फा] तलवारनु म्यान
नर पु० [स] पुरुष (२) वि० नरजातिनु
नरक पु० [स] नरक; दोजख (२) गदी जगा
नरकट पु० सरकट के वरु [गुलछडी ?
नरगिस स्त्री०; पु० [फा] एक फूलझाड;
नरद स्त्री० [फा नर्द] सोगटु के महोरु
नरदवाँ, नरदा पु० मेला पाणीनी मोरी
नरम वि० नरम; ढीलु (२) आळसु (३) कोमळ; मुलायम. (**–माई, –मी** स्त्री०)
नरमा पु० नरमो कपास; देवकपास
नरमाना स०क्रि० नरम करवु (२) शात के धीमु करवु (३) अ०क्रि० नरम के शात या धीमु थवु
नरमी स्त्री० जुओ 'नर्मी'
नरसिंगा,–घा पु० ततूडा जेवु वाजु
नरसो अ० जुओ 'अतरसो'
नरिया पु० नळियु
नरी स्त्री०वणाटना काठलानी कोकडी (२) [फा.] बकरीनु नरम चामडु
नरेली स्त्री० नारियेळनी काछली
नर्त्तक पु०[स] नट; नाचनार (२) चारण; वदीजन. **–की** स्त्री०
नर्द स्त्री० [फा.] जुओ 'नरद'
नर्म वि०[फा] जुओ 'नरम' (२) [स] पु० नर्म; विनोद; हास्य
नर्मी स्त्री० [फा.] नरमाश
नर्स स्त्री० [इ.] धाव (२) रोगीनी बरदास करनार [नळराजा
नल पु० [स] पाणी इ० नो नळ (२)
नला पु० पेढुमानी पेशाबनी नळी (२) हाथ के पगनु लाबु हाडकु (नळो)
नलिन पु०[स] कमळ (२) जळ
नलिनी स्त्री० [स] कमलिनी; कमळनु सरोवर (२) नदी

नली स्त्री० नळी; भूगळी
नलुआ पु० नानो नळ
नववर पु० नवेम्बर मास
नव वि०[स] नव; ९ सख्या (२) नवु
नवनीत पु० [स] माखण
नवमी स्त्री०[स] नोम
नवरात्र पु० [स] नोरता [स्वच्छ
नवल वि०[स] नवु (२) सुदर (३)
नवसप्त पु०[स] (९+७) सोळ शणगार
नवाई वि०(प.) नवीन (२) स्त्री० विनय; नम्रता
नवाज वि०[फा] कृपा करनार, दयाळु (समासमा). ०ना स०क्रि० दया करवी
नवाजिश स्त्री०[फा] नवाजिश; कृपा; वक्षिस
नवाना स०क्रि० नमाववु (२) नम्र करवु
नवान्न पु० [स] नवु अनाज के ते वापरवाना प्रारभनो उत्सव
नवाव पु०[अ] मुसलमान राजा के तेनो सूवो (२) अमीर (३) एक इलकाव
नवाला पु०[अ] नवालो; कोळियो
नवासा पु०[फा] (स्त्री०–सी) दौहित्र
नवासी वि० ८९; नव्यासी
नवाह पु०[स] नव दिननी के कोई सप्ताह (२) [अ] आसपासनो प्रदेश
नविश्त स्त्री०[फा] कागळ; लेख (२) दस्तावेज
नविश्ता वि० [फा.] लिखित (२) पु० निधि; भाग्य [मौलिक
नवीन वि० [स.] नवु (२) विचित्र (३)
नवीस पु०[फा] लखनार; लेखक. –सी स्त्री० 'नवीस' नु काम
नवेला वि०(स्त्री०–ली) नोजवान (२) नवु
नवोढ़ा स्त्री०[स.] नववधू; युवती

नशा पु० [अ नश्श] नशो के तेनी चीज –किरकिरा हो जाना=नशानी मजा वच्चे वगडवी (आँखोंमें) नशा छाना=नशो चडवो
नशा-खोर, नशा(–शे)वाज वि० [फा] नशो करवानी टेववाळु
नशापानी पु० नशो ने तेनी सामग्री
नशीन वि० [फा] वेसनार (समासमा उदा तख्तनशीन). –नी स्त्री०
नशीला वि० मादक (२) केफ चडेलु
नशेव पु० [फा. निशेव] नीचाण (२) नीची जगा के जमीन
नशोनुमा पु० [अ] 'नश्व'; चडती
नश्तर पु०[फा]नस्तर –देना, –लगाना =नस्तर मूकवु; वाढकाप करवो
नश्व पु० [अ] उन्नति; चडती; वृद्धि
नश्वर वि० [स] नाशवत
नष्ट वि० [सं] नाश पामेलु (२) दुष्ट; अधम [खानाखराव थयेलु
नष्टभ्रष्ट वि० [स] खतम; वरवाद;
नस स्त्री० नस; रग; रेसो
नसतालीक पु० जुओ 'नस्तालीक'
नसना अ०क्रि० नासवु (२) नाश पामवु
नसव पु० [अ] कुळ; खानदान (पितृपक्षनु) (२) वशावळी
नसर स्त्री० जुओ 'नस्र'
नसल स्त्री० जुओ 'नस्ल'
नसवार स्त्री० छीकणी
नसाना, नसावना अ०क्रि० नाश पामवु
नसी(–से)नी स्त्री० 'निसेनी'; निसरणी
नसीव पु० [अ] दैव; भाग्य. ०जला वि० फूटेला नसीववाळु
नसीववर वि० [अ] नसीवदार [हवा
नसीम स्त्री० [अ.] ठडी धीमी मजेदार

नसीहत स्त्री० [अ] नसियत; शिखामण; सारी सलाह
नसेनी स्त्री० जुओ 'नसीनी' [व्यवस्था
नस्क़ पु० [अ] दस्तूर; धारो (२)
नस्ख़ पु० [अ] नकल (२) अरबी लिपिनो एक मरोड
नस्ता स्त्री०[स] पशुना नाकनो वेध जेनाथी ते नथाय छे
नस्तालीक पु०[अ] उर्दू फारसी लिपिनो (हाथे लखातो) एक सुदर मरोड
नस्ति(-स्तो)त पु० [स] नाथवाळु-नाथेलु पशु [(झडो, तवु इ०) ते
नस्ब पु० [अ] रोपवु; खडु करवु
नस्य पु०[स] छीकणी (२)पशुनी नाथ
नस्योत पु० [स] जुओ 'नस्तित'
नस्र स्त्री० [अ.] गद्य लखाण
नस्ल स्त्री०[अ] नसल; वश; जाति (२) सतति; ओलाद
नस्सार पु० [अ] 'नस्र'-गद्य लेखक
नहँ,-ह पु० नख
नहछू पु० विवाहनो एक विधि
नहर स्त्री०[फा] नहेर
नहरनी स्त्री० [स. नखहरणी] नराणी
नहरी वि०[फा] नहेरनी (जमीन)
नहरुआ पु० नारु के वाळानो रोग
नहला पु० पत्तामा नव्वो के नेलो
नहलाना स०क्रि० नवडाववु
नहस वि०[अ] अशुभ; अपशुकनियाळ (२) पु० अपशुकन
नहान पु० स्नान के तेनु पर्व
नहाना अ०क्रि० नाहवु
नहार पु० [अ] दिवस (२) वि० निराहार; नयणा कोठावाळु **-तोड़ना** =नास्तो करवो
नहारी स्त्री० [फा] नास्तो
नही अ० ना; नहि. **०तो** अ० एम न होय के थाय तो; नहि तो; नीकर
नहीफ़ वि०[अ]सुकलकडी; दूबळु-पातळु
नहूसत स्त्री० [अ.] उदासीनता (२) अशुभता
नाँऊँ पु० नाम **०गाँऊँ** पु० नामठाम
नाँगा वि० नागु (२) पु० नागडो बावो
नाँघना स०क्रि० लघवु; ओळगवु
नाँठना अ०क्रि० नाश पामवु [निराय छे
नाँद स्त्री० माटीनु मोटु कूडु जेमा पशुने
नाँवँ पु० नाम
ना अ० ना; नही (२) (फा) 'अ' पेठे नकार सूचवतो उपसर्ग. जेम के नाउम्मेद इ०
नाइत्तिफ़ाकी स्त्री०[फा]विरोध;मतभेद
नाइन स्त्री० नाईनी स्त्री; वाळदण
नाइँ स्त्री० समानता (२) अ० बरोबर
नाई,-ऊ पु० नाई; हजाम
नाउम्मेद वि० [फा] नाउमेद; निराश. **-दी** स्त्री० निराशा [घोडो इ०)
नाकंद वि० नहि पलोटेलो (वेल,
नाक स्त्री० नाक (२) वि० [फा] पूर्ण अर्थमा समासने अते. उदा० दर्द-नाक (३) [स] पु० नाक; स्वर्ग. **-का बाल**=नजीकनो मित्र के सलाहकार. **-रगड़ना**=खूब दीन बनी आजीजी करवी **-सिनकना** = नाक नसीकवु **-सिकोड़ना** = नाक मरडवु **नाकों आना**=खूब हेरान थवु **नाको चने चबवाना** = खूब पजववु
नाकड़ा पु० नाकनो एक रोग
नाकदर, नाक़द्र वि०[फा] कदर वगरनु; अगुणज्ञ (नाम **-री, -द्री** स्त्री०)

नाका पु० नाकु; दरवाजो, चोकी (२) सोयनु नाकु. **–छेकना, –बांधना**= नाकु रोकवु

नाका(-के)बंदी स्त्री० [फा.] नाकु रोकवु ते;पहेरो(२)पु०नाकेदार सिपाई

ना-क़ाबिल वि०[फा]अयोग्य;नालायक

ना-काम वि० [फा.] नकामु; खराब

ना-क़ामयाब वि० [फा] अफळ; व्यर्थ

नाकारा वि० [फा] नकामु (२) अयोग्य

नाक़िस वि० [अ] अधूरु (२) खराब

नाकिह पु०[अ.] नेका–विवाह कराव नार – काजी

नाक़ूस पु० [अ] शख

नाकेबंदी स्त्री० जुओ 'नाकाबंदी'

ना-खलफ वि० [फा] खराब, नालायक (पुत्र; कपूत)

नाख़ुदा पु० [फा] नाखुदो; नाविक

नाख़ु(-ख़ू)न पु० [फा] नाखुन; नख (२) खरी

नाख़ुना पु० [फा] आखनो एक रोग (धोळा डोळामा लाल थाय छे)

नाख़ुश वि० [फा] नाराज; अप्रसन्न. **–शी** स्त्री०

नाग पु० [स] नाग; साप (२) हाथी. **–खेलना**=जीवना जोखमवाळु काम करवु

नागफनी स्त्री० फाफडा घाटनो थूवर

नागफेन पु० [स] अफीण

नागबेल स्त्री० नागरवेल

नागर वि० [स.] नगरनु; शहेरी (२) चतुर; कार्बेल (३) पु० नागरिक

नागरबेल स्त्री० नागरवेल

नागरमोथा पु० नागरमोथ घास

नागरिक वि० [स] नगरनु; शहेरी (२) पु० नगरवासी [शहेरी स्त्री

नागरी स्त्री० [स] देवनागरी लिपि (२)

नागवल्ली, –ल्लरी स्त्री० [स]नागरवेल

ना-गवार (-रा) वि० [फा] असह्य(२) अप्रिय (३) पचवामा भारे

नागहाँ अ० [फा] अचानक

नागहानी वि० [फा] आकस्मिक (२) स्त्री० अचानक होवु ते

नागा पु०[अ]वच्चे गेरहाजरी; नियमित कार्यमा भग; खाली गाळो

नागा पु० नागो बावो

नागाह अ० [फा] अचानक [नागण

नागिन स्त्री०नागण(२)पीठ पर वाळनी

नाच पु० नृत्य (२) खेल; क्रीडा. ०**कूद** स्त्री० खेलकूद; नाच तमासो

नाचना अ० क्रि० नाचवु

नाचाक वि० [फा.] नबळु; ढीलु; बीमार

नाचाकी स्त्री० [फा.] बीमारी (२) अणबनाव; वैमनस्य [लाचार; विवश

नाचार वि० [फा.] (नाम, –री स्त्री०)

नाचीज़ वि० [फा] तुच्छ; हीन

नाज पु० अनाज (२) खावानु

नाज़ पु० [फा] नखरा; हावभाव (२) नाज, लाड (३) गर्व [सुदर स्त्री

नाज़नीं(-नीन) स्त्री० [फा] नाजनीन;

नाज़रीन पु० जुओ 'नाज़िरीन'

नाज़ाँ वि० [फा.] 'नाज़' – गर्ववाळु

ना-जायज़ वि० [अ+फा] अनुचित

नाज़िम वि० [अ] प्रबध करनार (२) पु० राजव्यवस्थापक (मुसलमान काळमा)

नाज़िर पु० [अ] कोर्टनो नाजर (२) निरीक्षक (३) भडवो

नाज़िरीन पु० [अ 'नाज़िर' नु ब०व०] प्रेक्षकगण (२) भणनार [अवतरनारु
नाज़िल वि० [फा] नीचे ऊतरनारु-
नाज़ुक वि० [फा] नाजुक; कोमळ (२) पातळु; बारीक(३)सूक्ष्म(४) झट कथळे के तूटे एवु (५) जोखमवाळु; **०दिमाग़, ०मिज़ाज** वि० जरामा चिडाई जाय एवु
ना-ज़ेब(-बा) वि० [फा] बेडोळ (२) अयोग्य
नाटक पु० [स] नाटक; रूपक. **—किया, —की** पु० नट; नाटक करनार **—कीय** वि० नाटक सबधी
नाटना अ०क्रि० प्रतिज्ञाभग थवु; फरी जवु (२) स०क्रि० ना पाडवी; कबूल ना करवु
नाटा वि० नीचु; गट्टु [अभिनय
नाट्य पु० [स] नटविद्या; नृत्य अने
नाठना अ० क्रि० नासवु (२) जुओ 'नाँठना' (३) स०क्रि० नाश करवो
नाठा पु० वारस वगरनो माणस
नाड़ स्त्री० गरदन; नाड
नाड़ा पु० नाडु (घाघरा इ०नु के लाल)
नाड़ी स्त्री०[स] शरीरनी नाडी(२)नळी
नात पु० (प) नातो, सबध (२)सबधी
ना-तजरबाकार वि०[फा] विनअनुभवी
नातमाम वि० [अ+फा] अधूरु, अपूर्ण
नातर (—रि,—रु) अ० (प.) नहीतर; नही तो; 'नतर' [गमार
नातराश वि० [फा] असभ्य; अनघड;
नातवाँ वि०[फा] कमजोर; अशक्त;नातवान. **-वानी** स्त्री० अशक्ति; कमजोरी
नाता पु० नातो; सबध के सगाई
नाताकत वि० [फा] नातवान; ताकात वगरनु. **—ती** स्त्री० कमजोरी
नातिका पु० [अ] वाचा
नाती पु० (स्त्री०**नतिनी, नातिन**)पुत्रनो के पुत्रीनो पुत्र
नाते अ० सबधथी (२) माटे; वास्ते
नातेदार वि० सगु; सबधी
नाथ पु० [स] स्वामी; धणी; मालिक (२) स्त्री० ढोरनी नाथ
नाथना स० क्रि० नाथवु
नाद पु० [स] ध्वनि; अवाज
नादाँ,-दान वि०[फा]नादान; अणसमजु. **—दानी** स्त्री० अणसमज
नादार वि० [फा] गरीब; अकिंचन. **—री** स्त्री० गरीबाई
नादिम वि० [अ] शरमिंदु; लज्जित
नादिया पु० नदी; पोठियो [उत्तम
नादिर वि० [फा] अद्‌भुत; अद्वितीय;
नादिहंद वि० [फा] (नाम, **—दी** स्त्री०) लेणु न देनार—न चूकवनार [स्वस्थ
ना-दुरस्त वि० [फा] ठीक नहि एवु; अ-
नाधना स० क्रि० (बेल, घोडो) जोडवु; जोतरवु (२) शरू करवु
नान स्त्री० [फा] नान; रोटी
नानकीन पु०एक जातनु सुतराउ कापड
नान-खताई स्त्री० [फा] नानखटाई
नानपाव स्त्री० पाउरोटी
नानबाई पु० [फा नानबा] नान—रोटी बनावी वेचनार
नाना पु० नानो; मातामह (२) [अ] फुदीनो (३) अ० [स] नाना प्रकारनु (४) अनेक
नानिहाल पु०नाना, नानीनु घर के स्थान
नानी स्त्री० नानी; मातानी मा—दादी. **-याद आना, -मर जाना**=मोतिया मरी जवा; दु खमा के सकटमा फसावु

ना-नुकर पु० इन्कार; ना पाडवी ते
नान्ह, -न्हा वि० (प) नानु; छोटु (२) बारीक; पातळु (३) क्षुद्र; हलकु
नाप पु० माप (२) मापवु ते के तेनु परिमाण
नाप-जोख, नाप-तौल स्त्री० मापवु के जोखवु ते के तेनु परिमाण
नापना स० क्रि० मापवु
नापसंद वि० [फा.] अप्रिय; अणगमतु
नापाक वि० [फा] अपवित्र, गदु; मेलु -की स्त्री० अपवित्रता
ना-पायदार वि० [फा] पाया वगरनु; अध्धर; अस्थिर. -री स्त्री०
नापास वि० नापास; असफळ (२) अमान्य
नापित पु० [स] नापित, वाळंद
नापैद वि० [फा] पेदा न थयेलु (२) अलभ्य
नाफ स्त्री० [फा] नाभि
नाफ़रमाँ पु० [फा] नाफरमान; आज्ञा न माननार. -मानी स्त्री० न मानवु ते
नाफ़हम वि० [फा] नासमजु; मूरख. -मी स्त्री० नासमज; मूर्खता
नाफा पु० [फा.] कस्तूरी मृगनी नाभिनी कस्तूरीनी थेली (२) वि० [अ.] नफाकारक; लाभदायी
नाबदान पु०[फा] मोरी; गटर
नाबालिग़ वि० [अ.+फा] सगीर; 'नाबालिग'
ना-बीना वि०[फा] अंध
ना-बूद वि० [फा.] नष्ट; नाबूद
नाभि, -भी स्त्री० [स] दूंटी (२) पैडानी नाभि (३) कस्तूरी
ना-मंजूर वि० [फा.] नामंजूर, अस्वीकृत

नाम पु०[स] नाम (२) [फा] नामना; कीर्ति ०क वि० नामे (समासमां)
नाम-आवर वि०[फा] नामवर; प्रसिद्ध
नामए-ऐमाल पु० [फा.+अ] 'ऐमाल-नामा'; कारकिर्दी
नामक वि० [स] जुओ 'नाम' मां
नाम-जद वि० [फा] प्रसिद्ध (२) नाम जेनु दाखल कराय के देवाय होय एवु. (नाम ०गी स्त्री०)
नामदार वि०[फा] 'नामवर'; प्रसिद्ध
नामधराई स्त्री० बदनामी
नामधारी वि० [स] नामे; नामक
नामधेय पु० [स] नाम
नामनिशान पु० [फा] चिह्न; पत्तो; ठेकाणु [जगत
नामरूप पु० [स] नाम अने रूप; दृश्य
नामर्द वि० [फा] डरपोक; बायलुं. (नाम. -र्दी स्त्री०) [लेनार
नामलेवा पु० वारस; मरण पछी नाम
नामवर वि० [फा] प्रसिद्ध, नामी (नाम. -री स्त्री०)
नामशेष वि० [सं] गत; नष्ट; मृत
नामहदूद वि० [फा] बेहद
नामांक, -कित वि० [स] जेनी पर नाम लखायेलु के कोतरायेलु होय तेवु
नामा पु० [फा.] पत्र (२) ग्रंथ
ना-माकूल वि० [फा.+अ.] अयोग्य
नामा-निगार वि० [फा.] खबरपत्री
ना-मालूम वि० [फा.] अज्ञात; अजाण; मालूम न होय एवु
नामी वि० [फा.] नामीचुं; प्रसिद्ध;
नामी-गिरामी वि० [फा.] बहु प्रसिद्ध; नामांकित
ना-मुनासिब वि०[फा.] अयोग्य; अनुचित

ना-मुआफिक वि० [फा] माफक ना आवे एवु; प्रतिकूळ
नामुमकिन वि० [फा] असभव
ना-मुराद वि० [फा] निराश; निष्फळ
नामूस स्त्री० [फा] इज्जत (२) शील; स्त्रीनु शियळ (३) लज्जा
नामूसी स्त्री० [फा] नामोशी; बेआबरू
ना-मेहरबान वि०[फा] अकृपाळु; महेर वगरनु
नामो-निशान पु० [फा] नामनिशान
नामौजूं वि० [फा] अयोग्य; गेरवाजवी
नायक पु०[स]नेता; आगेवान; सरदार (२) अधिपति; मुख्य (३) कथा, काव्य वगेरेनु मुख्य पात्र [नायिका
नायका स्त्री० वेश्यानी मा, कूटणी (२)
नायन स्त्री०नाई स्त्री; वाळदण; 'नाइन'
नायब पु० (२) वि० [अ.] मददनीश; सहायक (नाम, ०त, -बी स्त्री०)
नायाव वि० [फा]अप्राप्य,दुर्लभ(२)श्रेष्ठ
नायिका स्त्री० [स] मुख्य स्त्री-पात्र (२) युवती [नारगी रगनु
नारंगी स्त्री० नारगी फळ (२) वि०
नारंजी वि० [फा] नारगी रगनु
नार स्त्री० गरदन (२) नारी (३) वणकरनो काठलो (४) पु० नाळु (५) नाडु (६) [अ.] अग्नि
नारा पु० नाडु (२) [अ] घोष;पोकार (३) विजयघोष
नाराज़ वि०[फा] गुस्से थयेलु; कफा(२) नाखुश (नाम ०गी स्त्री०) [हुक्को
नारियल पु०नारियेळ के काछलीनो
नारियली स्त्री० काछली के तेनो हुक्को
नारी वि० [अ.] 'नार'–अग्नि सबधी (२) स्त्री० [सं.] नारी; स्त्री
नारू पु० 'नहरुआ'; नारु
नाल स्त्री० [स] नाळ; दाडी के नळी; बदूकनी नाळ इ० (२) पु० बाळकनो नाळ (३) [अ.] घोडानो नाळ (४) अ० (प.) नजीक; पासे
नालकी स्त्री० पालखी [जडनार
नालबंद पु०[फा] जोडा के घोडाने नाळ
नालाँ वि० [फा] रोनार; रोईने फरियाद करतु (२) हेरान, 'तग'
नाला पु० पाणीनु नाळु (२) [फा] रोककळ (३) शोर; बुमराण [अधम
नालायक़ वि० [फा] अयोग्य (२) नीच;
नालिश स्त्री० [फा] फरियाद
नाली स्त्री० नीक (२) मोरी
नावँ पु० नाम
नाव स्त्री० होडी; नाव
नावक पु० (प) नाविक (२) [फा] एक खास तीर
ना-वक़्त वि० [फा.] कसमयनु
नावर,-रि स्त्री० (प) नावडी; होडी
नावाकिफ वि० [फा] अजाण; (नाम, नावाक़फियत स्त्री०)
ना-वाजिब वि०[फा.] गेरवाजवी; अयोग्य
नाश स्त्री० [अ नअश] लाश; शब (२) ठाठडी
नाश पु०[स] नाश; सहार ०क, ०कारी वि० नाश करे एवु
नाशपाती स्त्री० [तु] नासपाती
नाशाद वि०[फा.] दु खी; नाराज (२) कमनसीब
नाश्ता पु० [फा.] नास्तो; हाजरी
नास स्त्री० सूघीने लेवानी दवा (२) छीकणी
ना-सज़ा, ०वार वि० [फा.] अनुचित

नासदान पु० छीकणीनी डबी
नासमझ वि० (नाम, -झी स्त्री०) अणसमजु; मूर्ख
नास(-से)ह वि०[अ नासिह] नसियत देनार; सलाहकार; उपदेशक
नासा, -सिका स्त्री० [स] नाक
नासाज़ वि०[फा] विरोधी; प्रतिकूळ(२) बीमार (नाम,-ज़ी स्त्री०) [हराम
ना-सिपास वि० [फा] कृतघ्न; निमक-
नासूर पु० [अ] ऊडानु छिद्र; जेमाथी ऊडेथी परु नीकळ्या करे, -एवो रोग
नासेह वि० [अ] जुओ 'नासह'
नास्तिक वि० [स] ईश्वर इ०मा न माननार; अश्रद्धाळु [दुष्ट (३) नीच
नाहंजार वि० [फा] बदचालनु (२)
नाह पु० (प.) नाथ
नाहक वि० [फा] विना कारण; नकामु
नाहमवार वि०[फा.] असमान; ऊचुनीचु
नाहर पु० वाघ (२) सिंह
नाहरू पु० जुओ 'नारू'
नाहीं अ० नहि; ना
निंदक पु० [स] निंदा करनार
निंदना स० क्रि० निंदवु; निंदा करवी
निंदा स्त्री० [स] बदगोई; वगोवणी
निंदरिया स्त्री० (प) नींदर; ऊघ
निंदासा वि० ऊघ भरायेलु; 'उनींदा'
निंबू पु० 'नींबू'; लींबु
निंदित वि० [स] निंदायेलु; दूषित; बूरु
निंद्य वि० [स] निंदाने पात्र; खराब
निंब पु० [सं] लीमडो; 'नीम'
निःशंक वि०[स]शंका के डर वगर, बेशक
निःशेष वि० [स] पूरेपूरु; बधुय
निःश्रेयस पु० [स] मोक्ष; कल्याण
निःश्वास पु० [स.] निश्वास; निसासो

निःसंकोच वि० [स] वगर संकोच; वेधडक [नावारस
निःसंतान वि० [स] संतानरहित;
निःसंदेह, निःसंशय वि० [स] निःशक; बेशक
निःसीम वि० [स] असीम; बेहद; अपार
निःस्पृह वि० [स] निष्काम; निर्लोभ
निःस्वार्थ वि० [स] स्वार्थ वगरनु
निअमत स्त्री० [अ०] जुओ निआमत
निअर अ० (प) पासे (२) वि० समान
निअराना अ० क्रि० (प) नजीक आववु
निआमत स्त्री० [अ] दुर्लभ के कीमती वस्तु (२) स्वादिष्ट भोजन (३) धन-दोलत; सुख
निकदन पु० [स] नाश; संहार; 'खातमा'
निकट वि० [स] नजीकनु (२) अ० नजीक; पासे
निकम्मा, निकर्मा वि० नकामु(२)आळसु
निकर पु०[स] ढेर; समूह (२) पु०, स्त्री० [इ] जांघियो; चड्डी
निकलना अ०क्रि० नीकळवु
निकलवाना स०क्रि०'निकालना'नु प्रेरक
निकसना अ०क्रि० (प) नीकळवुं
निकाई स्त्री० भलाई (२) सुंदरता (३) जुओ 'निराई'; नीदामण
निकाज वि० नकामु (२) नवरुं; काम विनानु
निकाना स०क्रि० जुओ 'निराना'
निकाव स्त्री० जुओ 'नकाव'
निकालना स०क्रि० (बहार) काढवु (२) निकाल करवो
निकाला पु० निकाल; बहार काढवु ते
निकास पु० [सं] निकाल (२) मूळ; उद्गम (३) नीकळवानु द्वार

निकासी स्त्री० रवानगी; जवु ते (२) परदेशनी निकास (३) आय; लाभ; नफो (४) खपत; उपाड

निकाह पु०[अ] निका; लग्न —करना, पढ़ाना, बाँधना = लग्न करवु

निकुंज पु० [स] लतामंडप

निकृष्ट वि०[स] तुच्छ; हलकु; ऊतरतु

निकेत,०न पु०[स] स्थान; धाम; घर

निकौनी स्त्री० खेतर नीदवु ते, नीदामण

निक्षेप पु० [स] फेंकवु ते (२) छोडवु ते (३) थापण; न्यास

निखंड वि० मध्य; बरोबर वचलु

निखट्टू वि० ठेकाणा वगरनु; रखडेल (२) नकामु; आळसु

निखरना अ०क्रि० साफ थवु; नीखरावु

निखरी स्त्री० चोखडियात–घीनी रसोई

निखार पु० स्वच्छता; सफाई (२) सजावट [साफ के पवित्र करवु

निखारना स०क्रि० निखारवु; धोवु;

निखालिस वि० निखालस; शुद्ध

निखिल वि० [स] बधु; अखिल [घटवु

निखु(-खू)टना अ०क्रि० (प) खूटवु;

निखोट वि० खोटाई के दोष वगरनु (२) अ० वेलाशक; विना सकोच

निगंदना स०क्रि० गोदडा इ०मा दोरा नाखवा [नाखवा ते

निगदा पु० [फा.] वखियो (२) दोरा

निगड स्त्री० [स] निगड; बेडी (२) हाथीना पगनी स.कळ

निगम पु० [सं] वेद (२) मार्ग (३) बजार (४) वेपार रोजगार. —मागम पु० वेद वगेरे शास्त्रो [जोनार

निगरां वि० [फा] निरीक्षक (२) राह

निगरानी स्त्री०[फा] देखरेख; निरीक्षण

निगलना स० क्रि० गळवु (२) गटाप करी जवु

निग(-गा)ह स्त्री० जुओ 'निगाह'

निग(-गा)हबान पु० [फा] देखरेख राखनार; रक्षक

निगार पु० [फा] चित्र (२) भरतकाम

निगाली स्त्री० हूकानी नेह

निगाह स्त्री० [फा] नजर; दृष्टि (२) महेरबानी; कृपादृष्टि (३) ध्यान; देखरेख. ०बान वि० जुओ 'निगहबान'

निगुरा वि० नगरु; गुरुमंत्र वगरनु

निगूढ वि० [स] गूढ; अति गुप्त

निगोड़ा वि० अभागी; अनाथ (२) नघरोळ (३) दुष्ट

निग्रह पु० [स] रोकवु, अटकाववुं ते; दमन (२) बधन; सजा

निघरघट वि० नहि घरनुं के नहि घाटनु (२) निर्लज्ज —देना=निर्लज्ज थई खोटी सफाई करवी

निघरा वि० जुओ 'निगोडा'

निचय पु० [स] चय; समूह (२) निश्चय

निचला वि० नीचलु (२) निश्चल

निचाई स्त्री० नीचाण (२) नीचता

निचान स्त्री० नीचाण (२) ढाळ

निचिंत वि० निश्चित

निचुड़ना अ०क्रि० निचोवावु

निचोड़(–र) पु० निचोड; सार; तात्पर्य

निचोड(–र)ना, निचोना स० क्रि० निचोवयु

निचोल पु० [स] उपवस्त्र (२) ओढणी (२) घाघरो

निचौहा वि० नीचे नमेलु के करेलु. —हें अ० नीचे

निछक्का पु० एकात

निछावर स्त्री० माथे उतारीने दान कराती वस्तु (२) न्योछावर करेलु–बलिदान (कोई उपर) –होना=(कोईने माटे) बलिदान थवु – मरवु
निछोह(–ही) वि० प्रेमरहित (२) निर्दय
निज(-जी,०का) वि० निज, पोतानु (२) साचु; यथार्थ (३) खास; मुख्य. निज करके=अवश्य; जरूर
निजकारी स्त्री० भागमा खेडाती जमीन
निजा पु० [अ] झघडो; तकरार
निजाम पु०[अ] बदोबस्त (२) निझाम
निजी वि० जुओ 'निज'
निजु,–जू वि० (प) निज; खास पोतानु
निज्द अ० [फा] पासे (२) सामे
निझरना अ०क्रि० झुडाईने साफ थवु, बधु खरी पडवु
निठल्ला(–ल्लू) वि० ठालु; कामधधा वगरनु
निठाला पु० बेकारी; नवराश; ठालापणु
निठुर वि० निष्ठुर; निर्दय
निठौर पु० बूरी जगा; कथोल (२) दुर्दशा –पड़ना=हाल थवा
निडर वि० नीडर (२) साहसिक
निढाल वि० ढीलु; अशक्त (२) उत्साह-रहित; मद [(२) ढाळ
नितंब पु०[सं.] (स्त्रीनो) कूलो; थापो
नित अ० नित्य; रोज; सदा
नितराम् अ०[सं.] सदा सर्वदा; नक्की
नितांत वि०[सं] अतिशय; खूब (२) बिलकुल; तद्दन
नित्य वि० [सं] सनातन; अमर (२) अ० सदा. ०कर्म पु० रोजनुं काम के तेनो विधि. ०प्रति, ०श. अ० रोज
निथरना अ०क्रि० नीतरवु

निथार पु० नितार; नीतरेलु साफ प्रवाही के नीतरीने नीचे बेसे ते
निथारना अ०क्रि० नितारवु
निदरना स०क्रि०(प) निरादर करवो
निदर्शन पु०[सं] दृष्टांत; दाखलो (२) प्रदर्शन
निदाघ पु० [सं] उनाळो (२) ताप
निदान पु० [सं] कारण (२) रोगनु कारण के तेनी परख (३) अंत; छेडो (४) वि० नीचेनु; छेल्ली कोटिनु (५) अ० अंते; आखरे [चिंतन – ध्यान
निदिध्यासन पु० [सं.] निरंतर ऊंडु
निदेश पु० [सं] आदेश; आज्ञा
निद्रा स्त्री०[सं]ऊंघ ०लु वि० ऊंघणशी. –द्रित वि० ऊंघेलु
निधड़क अ० बेधडक
निधन पु० [सं] अंत, मरण
निधन(–नी) वि० निर्धन
निधान पु० [सं] आश्रय-स्थान; आधार (२) निधि; भंडार
निधि स्त्री० [सं.] भंडार; खजानो (२) समुद्र (३) कुबेरना नव रत्न (४) नवनी संख्या
निनरा वि० जुओ 'निनारा'
निनाद पु० [सं] नाद; अवाज
निनानबे वि० नव्वाणु; ९९ –के फेरमें आना या पड़ना=धननी धूनमा पडवु
निनार(–रा) वि० (प) निराळु, जुदु; अलग; न्यारु
निनावा पु० मों के जीभ आवी जवी ते; तेथी थता फोल्ला इ० (२) वि० जे वस्तुनु नाम लेवु खराब गणातु होय ते [ननिहाल'
निनौरा पु० नानीनु घर; मोसाळ;

निन्ना(-न्या)नबे वि० जुओ 'नितानवे'
निपजना अ०क्रि० नीपजवु; उत्पन्न थवु
निपजी स्त्री० (प) नीपज (२) लाभ
निपट अ० नीपट; केवळ; बिलकुल (२) खूब
निपटना अ०क्रि० जुओ 'निवटना'
निपटा(-टे)रा पु० जुओ 'निवटारा'
निपात पु० [स] पतन; पडती (२) मृत्यु; नाश
निपीड़न पु०[स]पीडवु-दुखी करवु ते
निपुण, -न (प) वि० [स] प्रवीण; कुशळ; चतुर [नि सतान
निपुत्र, निपूत(-ता) वि० अपुत्र;
निफरना अ०क्रि० आरपार नीकळवु (२) स्पष्ट थवु
निफल वि० (प) निष्फळ
निफाक पु [अ] विरोध (२) वेर (३) अणवनाव
निफोट वि० स्पष्ट; साफ [शरत
निबंध पु० [स] निबध; लेख (२) बधन;
निबंधन पु० [स] बधन (२) व्यवस्था; प्रबध; नियमन
निब स्त्री० [इ] अणियु (होल्डरनु)
निबकौरी स्त्री० लीबोळी; 'निबौरी'
निबटना अ०क्रि० छूटवु (२) पूरु थवु (३) निवेडो आववो (४) परवारवु (जेम के शौचादि) [आणवो
निबटाना स०क्रि० पूरु करवु के निवेडो
निबटा(-टे)रा, निबटाव पु० समाप्ति (२) निवेडो; फेंसलो
निबरना अ०क्रि० ऊगरवु; छूटवु; मुक्त थवु (२) पूरु थवु (३) ऊकलवु; निवेडो आववो
निबल्ल वि० (प) निर्बळ

निबह पु० समूह
निबहना अ०क्रि० पार पामवु (२)नभवु
निबहुर वि० (प) ज्या गये पाछु नथी अवातु एवी (जगा-यमद्वार)
निबाह पु० निभाव; गुजारो [चलाववु
निबाहना स०क्रि० 'निभाना'; नभाववु;
निबिड़ वि० [स] घन; गीच; घाडु
निबेड़(-र)ना स०क्रि० छोडाववु (२) निवेडो आणवो
निबेड़ा(-रा) पु० निवेडो; फेंसलो (२) अन्त; पार (३) मुक्ति
निबौरी(-ली) स्त्री० लीबोळी
निभना अ०क्रि० नभवु (प्रेरक निभाना)
निभृत वि० [स] अचळ; स्थिर (२) एकात; शात; निर्जन (३) गुप्त; सताडेलु (४) नम्र; धीर
निमंत्रण पु० [स] नोतरु [आमन्त्रित
निमंत्रित वि० [स] बोलावेलु; नोतरेलु;
निमकौड़ी स्त्री० जुओ 'निबकौरी'
निमग्न वि० [स] अदर डूबेलु; लीन; मग्न; तन्मय
निमज्जन पु० [स] डूबकु मारवु ते
निमाज स्त्री० नमाज; बदगी
निमाना वि० नीचु; ढळतु(२)नरम;भोळु
निमित्त पु० [स] कारण; हेतु (२) चिह्न; लक्षण (३) शुकन (४) अ० लीधे; माटे; सारु [(२)पळ;क्षण
निमि(-मे)ष पु०[स] आखनो पलकारो
निमीलन पु० [स] विडावु के सकोचावु ते (२) पलकारो (२) मरण
निमेष पु० जुओ 'निमिष' [एक वानी
निमोना पु० लीला चणा के वटाणानी
निम्न वि० [स] नीचेनु; नीचलु (२) नीचाणवाळु. ०गा स्त्री० नदी

नियंता पु० [स] नियामक. –त्रण पुं० नियमन; काबू [निश्चित

नियत त्रि० [सं] नक्की थयेलु के करेलु;

नियति स्त्री० [स] नियत थवु ते (२) भाग्य; नसीब [विधि

नियम पु० [सं] नियम; नियत व्यवस्था;

नियमन पु० [स] नियममा राखवु ते; काबू

नियमित त्रि०[स]नियमवाळु; नियमबद्ध

नियर, नियराना जुओ 'निअर' 'निअराना'

नियाज स्त्री०[फा] इच्छा (२) आजीजी (३) कृपा (४) भेट –हासिल करना = मोटानी सेवामा हाजर थवु

नियाज-नामा पु० [फा.] कृपापत्र (कागळमा वपराय छे) [प्रबधक

नियामक पु० [स] नियममा राखनार;

नियामत स्त्री० जुओ 'निआमत'

नियार पु०सोनीनी दुकाननो पूजो,कचरो

नियारा त्रि० न्यारु; अलग

नियारिया पु० धूळधोयो

नियुक्त वि० [स] नीमेलुं (२) नक्की करेलु; ठरावेलु. –क्ति स्त्री०निमणूक

नियोग पु० [स] नियुक्त करवु ते (२) प्रेरवु ते; आज्ञा

नियोजक पु० [सं] नियुक्त करनार. –न पु० नियुक्त करवु ते

निरंकुश वि०[स]काबू वहारनु;स्वच्छंदी

निरतर वि० (२) अ० [स.] सतत; लगातार (२) सदा

निरध वि० भारे अध (२) महामूर्ख

निरक्षर वि० [स] अभण

निरख पु० जुओ 'निर्ख'

निरखना स० क्रि० (प.) नीरखवु; जोवु

निरगुन वि० (प.) निर्गुण; गुणातीत (२) दुर्गुणी [निर्णय

निरजोस पु० [सं निर्यास] निचोड (२)

निरवार पु०(प.) नक्की ठराव; निश्चय. ०ना स० क्रि० निरधारवु

निरना, –न्न, –न्ना वि० नयणा कोठावाळु; उपवासी

निरपना वि० (प.) परायु

निरपराध वि० [स] निर्दोष; वेगुना

निरपवाद वि० [स] अपवाद रहित (२) निर्दोष [अलग; तटस्थ

निरपेक्ष वि० [स.] निःस्पृह (२) स्वतत्र;

निरम(-मा)ना स० क्रि० (प.) निर्माण करवु; बनाववु; रचवु

निरमोल, –लिक वि० (प) अमूल्य

निरर्थक वि० [स] नकामु

निरवद्य वि० [स] अनिद्य; निर्दोष

निरवधि वि० [स] अमर्याद; अपार

निरवयव वि० [स] निराकार (२) अवयव विनानु [उकेल; फेंसलो

निरवार पु० छुटकारो (२) बचाव (३)

निरस वि० [स] नीरस; रस विनानुं

निरसन पु० [स] दूर करवु के फेंकवु ते (२) उकेल; निराकरण (३) नाश

निरहकार,निरहम् वि०[स.]निरभिमानी; अहकाररहित; नम्र

निरा वि० (स्त्री०–री)शुद्ध; केवळ; नर्यु

निराई स्त्री० नींदामण

निराकरण पु० [स.] उकेल; फेंसलो (२) खडन; निरसन [ईश्वर; ब्रह्म

निराकार वि० [स] निराकार (२) पु०

निरादर पु० [स.] अनादर; अपमान

निराधार वि० [स.] आधार विनानु (२) पाया विनानु; खोटु

निराना स० क्रि० नीदवु; 'निकाना'
निरापद वि० [स] आपदा के पीडा विनानु; निर्विघ्न; सुरक्षित [परायु
निरापन वि० (प.) जुओ 'निरपना';
निरामय वि० [स] नीरोग; तदुरस्त
निरामिष वि० [स] मास रहित (२) शाकाहारी
निराला पु० एकात जगा (२) वि० एकात (३) निराळु (४) अजोड;उत्तम
निराश वि० [स] निराश; नाउमेद. **–शी,–स** वि०(प)निराश **–शा** स्त्री०
निराहार वि० [स] उपवासी; भूख्युं
निरिंद्रिय वि० [स] इद्रिय वगरनु
निरिच्छ वि०[स]इच्छा रहित; निस्पृह
निरीक्षक पु० [स] निरीक्षण – देखरेख राखनार
निरीक्षण पु० [स] देखरेख; तपास
निरीह वि०[स]निरिच्छ(२)उदासीन; शात
निरुत्तर वि० [स] उत्तर वगरनु; उत्तर न आपी शकाय एवु (२) उत्तर न आपी शकनारु; चूप थयेलु
निरुद्ध वि० [स] रोकेलु; बाधेलु
निरुपयोगी वि०[स]नकामु; खप वगरनुं
निरुपाय वि०[स]लाचार;उपाय वगरनु
निरूपण पु० [स] स्पष्ट रजू करवु ते; वर्णन (२) अवलोकन; तपास
निरोग, –गी वि० नीरोगी; तदुरस्त
निरोध पु०[स]रोकवु ते;प्रतिबध;निग्रह
निर्ख पु० [फा.] भाव; दर [करवो ते
निर्खबन्दी स्त्री० [फा] भाव नक्की
निर्गंध वि० [स.] गध वगरनु
निर्गम पु० [स.] बहार जवु ते; निकास
निर्गुण वि० [स] गुणातीत (२) खराब; दुर्गुणी. **–णिया** पु० निर्गुण ब्रह्मनो उपासक
निर्जन वि० [स] एकान्त; सूनु
निर्जल वि० [स] निर्जळ, पाणी विनानु
निर्जीव वि० [स] अचेतन; जीव वगरनु
निर्झर पु० [स] झरो
निर्णय पु० [स] निश्चय; ठराव; फेसलो
निर्णायक वि० [स] निर्णय करनारु
निर्णीत वि० [स] नक्की; नियत
निर्दय वि० [स] क्रूर; दयाहीन
निर्दिष्ट वि० [स] नक्की; निश्चित; बतावेलु [बताववु ते; वर्णन
निर्देश पु० [स] आज्ञा (२) उल्लेख;
निर्दोष वि० [स] दोषरहित; बेकसूर
निर्धन वि० [स] गरीब; अकिंचन
निर्धार पु० [स] निरधार, निश्चय. **०ना** स०क्रि० निरधारवु **–रित** वि० नक्की थयेलु के करेलु
निर्बल वि० [स] निर्बळ; नबळु
निर्बुद्धि वि० [स] मूर्ख; बुद्धि वगरनु
निर्बोध वि० [स] अज्ञान, अणसमजु
निर्भय वि० [स] नीडर
निर्भर वि० [स] भरपूर; भरेलु (२) आश्रित; अवलबित
निर्भीक वि० [स.] नीडर
निर्भ्रम वि० [स.] भ्रमरहित; निश्चित (२) अ० बेलाशक; विना सकोच
निर्भ्रान्त वि० [सं] भ्रम के सशय विनानु
निर्मम वि० [स] ममता वगरनु
निर्मल वि० [स] निर्मळ; स्वच्छ (२) पवित्र; निष्कलक
निर्मली स्त्री० अरीठीनु झाड के अरीठु
निर्माण पु० [सं] रचना; बनाववु ते
निर्माल्य पु० [स.] देवने चडावेली वस्तु

निर्मित वि०[स] निर्माण थयेलु के करेलु
निर्मूल वि० [स] निर्मूळ; मूळ,के आधार विनानु [चामडी
निर्मोक पु० [स] सापनी काचळी (२)
निर्मोह(–ही) वि० [स] मोहरहित
निर्यात पु० [स] निकास थतो माल
निर्यातन पु० [स.] बदलो; प्रतिकार
निर्यास पु० [स] वनस्पतिमाथी झरतो के कढातो रस (२) गुदर
निर्लज्ज वि० [स.] बेशरम; लाज वगरनु
निर्लिप्त वि० [स] लेपाया वगरनु; अनासक्त
निर्वंश वि० [स] निसंतान; उच्छेदियु
निर्वाचक पु०[स] चूटनार, मताधिकारी; मतदार
निर्वाचन पु० [स] चूटणी [आवेल
निर्वाचित वि० [स] चूटायेल; चूटणीमा
निर्वाण पु०[स] मुक्ति (२)अत; समाप्ति
निर्वासन पु० [स] देशनिकाल (२) नाश; वध
निर्वाह पु० [स.] निर्वाह; गुजारो (२) टकवु–नभवु ते; निभाव (३) पालन (४) समाप्ति
निर्विकार वि० [स] विकाररहित
निर्विघ्न वि० (२) अ०[स] विघ्न विनानु के विना
निर्विवाद वि० [स] बिनतकरारी
निर्वीर्य वि० [स] वीर्य के बळ वगरनु; निस्तेज
निर्वैर वि० [स] वेररहित
निर्व्याज वि० [स.] सरळ; निष्कपट
निलज,–ज्ज वि० (प) निर्लज्ज ०ई, ०ता स्त्री० (प) निर्लज्जता –जी वि० स्त्री० बेशरम (स्त्री)

निलय पु० [स] स्थान (२) रहेठाण; घर
निलाम पु० 'नीलाम'; लिलाम; हराजी
निलहा वि०नील – गळी साथे संबंध वाळु
निवर्तन पु० [स] निवारण (२) पाछु जवु ते
निवह पु० [स] समूह; झुड
निवाज वि० 'नवाज'; कृपाळु
निवाजना स०क्रि० निवाजवु; कृपा करवी
निवाजिश स्त्री० कृपा; दया
निवाड़(–र) स्त्री० खाटलानी पाटी (२) कूवानु चक्कर; 'जमवट'
निवाड़ा स्त्री० एक नानी होडी
निवार स्त्री० जुओ 'निवाड' (२) कूवानु चक्कर (३)पु० [स] मोरिया जेवु एक धान
निवारक वि० [स] निवारण करनार. –ण,–न पु०रोकवु के दूर करवु ते (२) छुटकारो. –ना स०क्रि० (प) निवारवु
निवाला पु० जुओ 'नवाला'; कोळियो
निवास पु० [स] रहेठाण (२) घर. –सी वि० रहेनारो [कूचु
निविड़ वि०[स] घन; गीच; घाडु (२)
निविष्ट वि० [स] एकाग्र (२) अंदर पेठेलु के स्थिर थयेलु; प्रविष्ट
निवृत्त वि० [स] छूटु के फारेग थयेलु (२) मुक्त. –त्ति स्त्री० छुटकारो; मुक्ति
निवेदक वि० [स] निवेदन के विनंति करनार [(२) समर्पण
निवेदन पु० [स] विनंती; नम्र रजूआत
निवेश पु० [स] पडाव; डेरो (२) घर (३) विवाह
निशंक वि० निःशंक; नीडर
निशा स्त्री० [स] रात
निशास्त स्त्री० [फा.] बेठक

निशा स्त्री० [स.] रात्रि. **०कर** पु० चद्र. **०चर** पु० राक्षस (२) शियाळ (३) भूतप्रेत (४) चोर

निशाखातिर स्त्री० सतोष; निरात

निशात वि० [स] धार काढेलु; तीक्ष्ण (२) स्त्री० [अ.] आनद; सुख; खुशी

निशान पु० [फा.] चिह्न (२) वावटो (३) लक्ष्य; ताकवानु नेम – एधाण

निशानची पु०[फा.] निशान–झडो लई चालनार; झडाधारी

निशान-देही,-दिही स्त्री०[फा] माणसनी निशानी आपवी–ओळखाववु ते के तेनी परेड

निशान-पट्टी स्त्री० चहेरा वगेरेनी ओळख के तेनी निशानीओ

निशान-बरदार पु० [फा.] निशानची

निशाना पु० [फा] ताकवानु निशान; एधाण. **–बाँधना, –साधना**=निशान ताकवुं. **–मारना, –लगाना**=निशान वींधवु

निशानी स्त्री० याद राखवानु चिह्न; स्मारक (२) चिह्न; निशान

निशास्ता पु० [फा] घउ पलाळी तेने वाटीने करातो एक वानी

निशित वि०[स] धारदार; तेज; तीक्ष्ण

निशिदिन, निशिवासर अ०[स] रात-दिवस; हमेश

निशीथ पु०, **–थिनी** स्त्री० [स] रात

निश्चय पु० [स] ठराव; निर्णय (२) दृढ विचार के सकल्प

निश्चल वि० [स] अचळ; स्थिर

निश्चित वि०[स] चिंता रहित; बेफिकर

निश्चित वि० [स] नक्की थयलु के करेलु

निश्चेष्ट वि०[स] चेष्टारहित; बेहोश; अचेत (२) स्थिर; निश्चल

निश्श्रेयस पु० निःश्रेयस; मोक्ष; परम [कल्याण

निश्वास पु०[स] श्वास बहार काढवो ते; निसासो

निश्शंक वि० [स] नक्की; शकारहित; [चोकस

निश्शेष वि०[स] पूरेपूरु; काई बाकी रह्या विनानु

निषंग पु० [स] तीरनो भाथो (२) [तलवार

निषाद पु० [स] भील के माछी जेवी एक प्राचीन जाति (२) 'नी' स्वर

निषिद्ध वि० [स] मना करायेलु (२) खराब; दूषित

निषेध पु० [स] मनाई; बाधा (२) इन्कार; ना पाडवी ते

निष्कपट वि० [स] कपटरहित; साचा [दिलनुं

निष्कर्ष पु० [स] निचोड; सार

निष्कलंक वि० [स] कलकरहित; शुद्ध

निष्काम वि० [स] कामनारहित; अनासक्त

निष्कारण वि० (२) अ० [स] अकारण; [व्यर्थ; नकामु

निष्क्रिय वि०[स] क्रियारहित; निश्चेष्ट

निष्ठा स्त्री०[स] श्रद्धा; विश्वास (२) वफादारी (३) स्थिरता; निश्चय

निष्ठुर वि०[स] कडक; कठोर (२) क्रूर

निष्णात वि० [स] प्रवीण, पारगत

निष्पक्ष वि० [स] पक्षरहित; तटस्थ

निष्पत्ति स्त्री०[स] अत; समाप्ति (२) सिद्धि; परिणाम

निष्पन्न वि० [स] समाप्त–पूरु थयेलु; [फलरूप

निष्पाप वि० [स] पापरहित

निष्प्रभ वि० [स] निस्तेज

निष्प्रयोजन वि०[स] प्रयोजन विनानु; हेतुरहित (२) व्यर्थ; नकामु

निष्प्राण वि०[प.] प्राणरहित; बळ के जीव वगरनु
निष्फल वि० [स] निष्फळ; व्यर्थ
निसवत स्त्री०[अ.] निस्बत; सबंध (२) विवाहनी वात; सगाई (३) तुलना
निसवती वि० सबधी
निसवती भाई पु० बनेवी के साळो
निसर्ग पु० [स] स्वभाव; प्रकृति (२) कुदरत; सृष्टि (३) दान [स्त्रीओ
निसवां स्त्री० [अ. 'निसा' नु ब० व०]
निसां(-सा)स पु० (प.) निसासो; लांबो श्वास
निसा स्त्री० (प.) निशा; रात्रि (२) सतोष; तृप्ति (३) पु० नशो
निसाव पु० [फा] पूजी; मूडी (२) अभ्यासक्रम
निसार पु०[अ] जुओ 'निछावर' (२) न्योछावर (३) वि० नि सार
निसास पु० (प.) निसासो (वि०-सी)
निसोठो वि० नि.सत्त्व; नीरस
निसे(-सं)नो स्त्री० निसरणी
निसोत वि० (प.) शुद्ध
निस्तत्त्व वि० [स] तत्त्व वगरनु
निस्तब्ध वि०[स] साव स्तब्ध; स्थिर
निस्तार पु०[स] पार ऊतरवुं ते (२) उद्धार; मोक्ष [मुक्त
निस्तीर्ण वि० [स] पार ऊतरेलु (२)
निस्तेज वि० [स] तेज वगरनुं; फीकु
निस्पंद वि० [स] स्पदरहित; स्थिर; अचल [वगरनु
निस्पृह वि० [सं.] स्पृहा-लोभलालच
निस्फ वि० [अ.] अर्धु
निस्फानिस्फ वि० [फा] अरधोअरध
निस्बत स्त्री० [अ.] जुओ 'निसबत'
निस्सदेह वि० [स] सदेह वगरनु; नक्की
निस्सार वि०[स] सार वगरनु; नि सत्त्व
निस्सीम वि० [स] असीम; अपार
निस्स्वार्थ वि० [स] स्वार्थरहित
निहंग वि० नि सग; एकाकी (२)एकल; नमारमूडु (३) पु० [फा] मगर; ग्राह. -लाड़ला वि० मावापना लाडथी वगडेलु (छोकरु)
निहत वि० [स] नष्ट; हणायेलु
निहत्था वि० शस्त्रहीन (२) गरीब
निहां वि० [फा.] छूपु; गुप्त
निहाई स्त्री०; निहाउ पु० एरण
निहायत वि० [अ] खूब; बेहद; अत्यत
निहार पु० [स] ओस; झाकळ
निहारना स०क्रि० (प.) निहाळवु
निहाल वि० [फा] न्याल; कृतकृत्य
निहाली स्त्री० [फा] गादी (२) 'निहाई'
निहित वि०[स] राखेलु; स्थापेलु(२)छूपु
निहोरना स०क्रि० (प.) वीनववु (२) मनाववु (३) कृतज्ञ थवुं
निहोरा पु० (प.) उपकार (२)विनति (३) आशरो; भरोसो
नींद, ०ड़ी(-री) (प.) स्त्री० निद्रा; ऊघ. -उचटना, -खुलना, -टूटना = ऊघ ऊडी जवी, जागवुं. -पड़ना = ऊंघ आववी. -लेना = सूवु; ऊघवु
नींदना स० क्रि० नींदवु (२) निंदवुं; निंदा करवी
नीक(-का), नीको [फा] वि० भलुं; अच्छु (२) सुदर
नीके अ० ठीक रीते; बरोबर
नीकोई स्त्री० [फा]भलाई(२)सुदरता
नीग्रो पु० [अ.] हबसी
नीच वि० [स] नीचु; अधम; हलकट

नीचा वि० (वि० स्त्री० **-ची**) नीचु; ढळतु. ०ई स्त्री० नीचाण. **-खाना**= नीचु जोवु – नीचु पडवु; हारवु; शरमावुं **-दिखाना**=नीचुं नमाववु; हराववु; मानभग करवु; नीचु जोवडाववु **-देखना**=जुओ 'नीचा खाना'

नीचा-ऊँचा वि० ऊचुनीचु(२)सारुनरसु (३) सुखदु ख (४) लीलीसूकी

नीचू वि० चूतु न होय एवु (२) नीचु

नीचे अ० नीचे; 'ऊपर' थी ऊलटु

नीज़ अ० [फा.] उपरातमा; पण; वळी

नीठि स्त्री० अरुचि, अनिच्छा (२) अ० जेम तेम करीने; मुश्केलीथी

नीड़ पु० [सं] पक्षीनो माळो

नीति स्त्री०[स] ढग; रीत (२) आचार के वर्तननो नियम; न्याय, कायदो

नीपजना अ०क्रि०(प)नीपजवु;पेदा थवु

नीवी स्त्री०(प)नीवी, नाडु; केडनो वध

नीबू पु० लीवु के लीवोई

नीबू-निचोड़ वि० भारे कजूस

नीम पु० लीमडो (२) वि० [फा] अडधु

नीमचा पु० [फा] खाडु; कटार

नीम-जाँ वि० [फा] अधमूउ; मृतप्राय

नीमटर वि० अधकचरु

नीम-रज़ा वि० थोडी-अर्धी रजा

नीम-रोज़ पु० [फा.] वपोर

नीम(-मा)स्तीन स्त्री० नीचे पहेरवानु अर्धी वायनु एक कुरतु के वडी

नीम-हकीम पु०[फा] अधकचरो वैद्य-हकीम

नीमा पु०[फा] नीमो – एक पहेरवेश

नीमास्तीन स्त्री० जुओ 'नीमस्तीन'

नीयत स्त्री०[अ] नैयत; भावना; दानत

नीर पु०[स]पाणी(२)फोल्ला इ०माथी नीकळतु प्रवाही. ०ज पु० कमळ (२) मोती [वगरनु

नीरद पु० [स] वादळ (२) वि० दात

नीरस वि०[स] रस वगरनु; फीकु (२) पु० दाडम

नीरोग वि० [स] नीरोगी; तदुरस्त

नील वि०[स] गळीना रगनु, नीलु (२) पु० गळीनो छोड (३) भूरा-काळा रंगनु चकामु – सोळु [पक्षी

नीलकंठ पु०[स] शिव(२) मोर(३)चास

नीलम पु० [फा]; **नीलमणि** पु० [स] लीलम रत्न

नीला वि० नीला रगनु

नीला-थोथा पु०[स नीलतुत्थ] मोरथूथु

नीलाम पु० लिलाम

नीलाम्बुज; नीलोत्पल [स], **नीलोफर** पु० [फा.] नील कमळ

नीवँ, नीव स्त्री० पायो. **-जमाना, डालना या देना**=पायो नाखवो

नीवि,-वी स्त्री०[स] नाडु (२) कमरना वधनी गाठ (३) मूडी, मुद्दल

नीहार पु० [स] जुओ 'निहार'

नुकता पु० [अ] टपकु; विंदु; नुक्तो

नुकता पु०[अ] सूक्ष्म वात (२) दोप (३) रहस्य ०ची वि० नुक्तेचीन, दोप शोधनार; छिद्र जोनार ०चीनी स्त्री० [फा.] नुक्तेचीनी [सफेद रग

नुकरा पु० [अ] चादी (२) घोडानो

नुकल पु० जुओ 'नुक्ल'

नुकसान पु०[अ.] नुकसान; कमी, खोट; घट. **-भरना**=नुकसान भरी आपवु

नुकीला वि० नोकदार; अणीदार (२) सुदर

नुक्कड़ पु० अणी (२) खूणो नीकळेलो होय ते; ढेको

नुक्का पु० 'नोक'; नोख; अणी नीकळतो छेडो. ०टोपी स्त्री० पातळी नोखवाळी एक जातनी टोपी

नुक्ल पुं० [अ] एक जातनी मीठाई (२) नशा पर खावानु ते (३) नास्तो

नुक्स पु० [अ] दोष; ऊणप

नुचना अ०क्रि० ऊखडवु (२) उझरडावु (प्रेरक–नुचवाना)

नुजूम पु० [अ.] नजूम; ज्योतिष

नुजूमी पु० [अ] नजूमी, जोशी

नुतफा, नुत्फा पु० [अ] वीर्य (२) औलाद –ठहरना = गर्भ रहेवो

नुनख(–खा)रा वि० मीठावाळुं; 'नमकीन'

नुनना स०क्रि० लणवुं; कापणी करवी

नुनेरा पु० जुओ 'नोनिया'

नुमा वि० [फा] 'देखातु', 'दर्शक' के 'समान' अर्थमा समासमा. उदा० 'राश-नुमा'

नुमाइन्दा पु० [फा] प्रतिनिधि. –न्दगी स्त्री० प्रतिनिधित्व

नुमाइश स्त्री० [फा.] प्रदर्शन (२) सजावट; ठाठमाठ [खाली देखावडु

नुमाइशी वि० [फा] देखाडा पूरतु;

नुमाई स्त्री० [फा.] देखाडवु ते

नुमायां वि० [फा.] जाहेर; प्रत्यक्ष

नुसखा पु० [अ] नुसखो. –बांधना = नुसखा प्रमाणे दवा आपवी

नूतन वि० [स] नवु (२) ताजु (३) अनोखु

नून पु० लूण, मीठु. –तेल = मीठु मरचु वगेरे घरनो सामान

नूपुर पु० [स] झांझर

नूर पु० [अ] तेज; प्रकाश; कांति. ०का तड़का पु० प्रातःकाळ. ०चश्म पु० प्यारो पुत्र. ०चश्मी स्त्री० प्यारी पुत्री. ०बाफ पु० वणकर

नूरानी वि० [अ] नूरवाळु; चमकदार (२) सुंदर [एक पेगंबर

नूह पु० [अ] (बाईबलमा बतावेला)

नृ पु० [स] नर; माणस

नृत्य पु० [स] नाच

नृदेव पु० [स] ब्राह्मण (२) राजा

नृप, ०ति, –पाल पु० [स] राजा

नृशंस वि० [स] दुष्ट, क्रूर; निर्दय

नेअमत स्त्री० [अ] जुओ 'निआमत'

नेईं(–ई) स्त्री० 'नीव', पायो

नेक वि० [फा.] नेक; भलु; शिष्ट (२) अ० थोडु; जरा

नेकचलन वि० सदाचारी (नाम, –नी स्त्री० सदाचार)

नेकनाम वि० [फा] प्रसिद्ध; प्रख्यात. (नाम, –मी स्त्री०)

नेकनिहाद वि० [फा.] सुशील; चारित्रवान

नेकनीयत [फा.] वि० नेक नैयतवाळु; उच्चाशयी. (नाम, –ती स्त्री०)

नेकबख्त वि० [फा] नसीबदार (२) सुशील. (नाम, –ख्ती स्त्री०)

नेकी स्त्री० भलाई; सज्जनता (२) उपकार; हित. ०बदी स्त्री० भलुं-बूरु; हिताहित. –और पूछ पूछ? = भलु करवामा पूछवु शु?

नेग पु० लग्न के उत्सवने अंगे सगांओ तथा नोकरोने आपवानु दापु के लागो

नेगचार, नेगजोग पु० 'नेग'नो रिवाज

नेगी पु० 'नेग'नु हकदार

नेगीजोगी पु० 'नेगी'; वसवाया

नेजा, [फा.] नेजाल पु० (प) नेजो, भालो (२) नेजु; निशान. ०बरदार पु० भालावाळो के राजानो निशानची
नेड़े (-रे) अ० (प.) नजीक; पासे
नेत पु० निरधार; ठराव (२) सकल्प (३) स्त्री० नैयत
नेता पु० [स] नायक; आगेवान
नेती स्त्री० वलोणानु नेतरु
नेत्र पु० [स] आख (२) नेतरु
नेनुआ (-वा) पु० एक शाक—गलकुं
नेपथ्य पु० [स] वेशभूषा (२) रगभूमिनो पाछळनो भाग [परोववानो
नेफा पु० [फा] लेघो इ०नो नेफो—नाडु
नेम पु० नियम (२) रिवाज (३) धर्मक्रिया
नेमत स्त्री० जुओ 'निआमत'
नेमधरम पु० पूजापाठ इ० धर्मविधि
नेमि स्त्री० [स] पैडानो घेराव; परिघ (२) कूआनो काठो (३) काठो, किनारो
नेमी वि० नेमथी रहेनार; नियम पाळनार ०धरमी वि० पूजापाठ वगेरे नियमथी करनार; 'नेमधरम'वाळु
नेरा, नेरे अ० (प) नेरु; पासे; 'नियर'
नेवग पु० (प) 'नेग'; दस्तूर; रिवाज
नेवज पु० नैवेद्य; भोग
नेवत (-ता) पु० 'न्योता'; नोतरुं
नेवतना स०क्रि० नोतरवु
नेवर पुं० नूपुर (२) वि० खराव; वूरु (३) स्त्री० घोडाना वे पग अयडाईने वागवु ते
नेवला पु० नोळियो
नेवाज वि० जुओ 'निवाज़' [(३) डंख
नेश पु० [फा.] नोक; अणी (२) काटो;
नेशकर पु० [फा] शेरडी
नेश्तर पु० [फा.] नस्तर
नेस्त वि० [फा.] अस्तित्व वगरनु. ०नाबूद वि० नष्टभ्रष्ट; खेदानमेदान
नेस्ती स्त्री० [फा] न होवु ते; अभाव (२) आळस (३) नाश [तेल घी इ०
नेह पु० (प) स्नेह; प्रेम (२) चीकट;
नै स्त्री० [फा.] वासनी नळी के वासळी (२) हूकानी नेह
नै स्त्री० (प) नदी (२) नीति; नय
नैचा पु० [फा] नेचो; हूकानो मेर. ०बंद पु० नेचो वनावनार. ०बंदी स्त्री० तेनु काम
नैतिक वि० [स] नीति सबधी
नैन पु० (प.) नयन
नैनसुक (-ख) पु० नेनसूक कपडु
नैनू पु० 'नयनू'; माखण
नैपुण्य पु० [स] निपुणता; कुशळता
नैमित्तिक वि० [स] निमित्तने लईने थतु के करातु; खास; विशेष
नैयर पु० [अ] खूब चळकतो तारो
नैयरे-असग़र पु० [अ] चद्रमा
नैयरे-आज़म पु० [अ] सूर्य
नैया स्त्री० (प.) नाव; होडी
नैयायिक पु० [सं] न्यायशास्त्री
नैरंग पु०, नैरंगी स्त्री० [फा] चालबाजी (२) जादु. —ए-ज़माना = जमानानो पलटो; समयनो खेल, पलटो के जादु
नैराश्य पु० [स] निराशा
नैर्ऋत, —त्य वि० [स] नैर्ऋत्य कोण संवधी —ती स्त्री० नैर्ऋत्य खूणो के दिशा
नैवेद्य पु० [स.] (देवनो) नैवेद
नै-शकर स्त्री० [फा] शेरडी
नैष्ठिक वि० [स.] निष्ठावाळु
नैसर्गिक वि० [स.] कुदरती; प्राकृतिक

नैसा वि० (प) 'अनैस'; अनिष्ट; खराब
नैहर पु० पियर [पग बाधवानी रसी
नोइनी, नोई स्त्री० दोहती वखते गायना
नोक स्त्री० [फा.] नोख; छेडो; अणी. ०झोंक स्त्री० ठाठमाठ; सजावट (२) व्यग; कटाक्ष (३) छेडछाड ०दार वि० नोखवाळु; अणीदार(२)शानदार. ०पलक स्त्री० चहेरानी सजावट. ०पान पु० जोडाना रूपरंग तथा मजबूती इ० —झोंकी स्त्री० जुओ 'नोकझोंक'. —की लेना=छाटवु; वेडशी हाकवी —दुम भागना=जीव लईने नासवु. —बनाना=सजावट करवी; मजवु —रह जाना=आबरू रहेवी [खेंची के झूटवी लेवु ते
नोच स्त्री० छीनवी के उखाडी या
नोच-खसोट स्त्री० छीनवी के झूटवी लेवु ते; लूट
नोचना स०क्रि० उखाडी नाखवु (२) उझरडवु (३) झूटवी लेवु
नोट पु० [इ] रूपियानी नोट (२) चिठ्ठी (३) नोध; टीपणी
नोटिस स्त्री० [इ.] सूचना; जाहेरात
नोन पु० लूण; 'नून'. ०चा पु० अथाणु (प्राय. केरीनु) (२) खारी जमीन
नोना पु० लूणो (२) वि० खारु (३) सुदर; सलूणु
नोनिया पु० खारी माटीमाथी मीठु बनावनार (२) स्त्री० लूणीनी भाजी
नोनी स्त्री० लूणीनी भाजी (२) खारी —लूणी माटी (३) वि० स्त्री० जुओ 'नोना'
नौ वि० नव; ९ (२) [फा] नवु (३) स्त्री० [अ.] रीत; प्रकार (४) [स] नौका. —दो ग्यारह होना=अगियारा गणी जवु
नौकर पु० [फा] (स्त्री० —रानी) नोकर, सेवक. ०शाही स्त्री० सरकारी नोकरोना दोरवाळु राज्यतत्र —री स्त्री० नोकरी, सेवा; चाकरी. —रीपेशा पु० नोकरियात माणस
नौका स्त्री० [स] होडी
नौज अ० 'न करे नारायण'—ए अर्थमा वपराय छे [—जी स्त्री०)
नौजवान वि० [फा] नवयुवक (नाम
नौजी स्त्री० लीची
नौता वि० नवु; नौतम (२) पु० 'न्योता'
नौना अ०क्रि० 'नवना'; नमवु
नौ-निहाल पु०[फा] नवो ऊगतो छोड (२) नवजुवान
नौबत स्त्री० [फा] नोबत (२) वारी; प्रसग (३) दशा. —आना=दशा आववी. —गुजरना=वखत वीतवो के मोको जतो रहेवो —झड़ना=नोबत वागवी —बजना =आनदउत्सव थवो (२) प्रताप के दोरनो डको वागवो. ०खाना पु० टकोरखानु. —ती, —तीदार पु० चोकीदार; द्वारपाळ (२) नोबतवाळो
नौ-बरार पु०[फा.] नदी हठवाथी मळती नवी जमीन, जे उपर पहेलु महेसूल लागे
नौमी स्त्री० नोम; नवमी
नौरोज पु०[फा.] नवरोज; पारसी बेसतु वर्ष (२) तहेवार
नौलखा पु० नवलखु; खूब कीमती
नौशा पु०[फा.] नोशाह; वरराजा. —शी स्त्री० नववधू
नौसत पु० जुओ 'नवसप्त'; सोळ शृगार
नौसरा पु० नवसरु हार

नौसरिया वि० धूर्त; चालबाज
नौसादर पु०[फा. नौशादर]नवसार;खार
नौसिख(-खिया, -खुआ) वि० शिखाउ; काचु, नवुसवु
नौसेना स्त्री० [स] नौकासैन्य
नौहा पु०[अ] 'मातम', मरणनो शोक
न्यग्रोध पु०[स] वड के शमीनु झाड
न्यस्त वि० [स] छोडेलु (२) न्यास करेलु; अनामत राखेलु
न्याति स्त्री० (प) ज्ञाति; जात; नात
न्यामत स्त्री० जुओ 'निआमत'
न्याय पु०[स] इनसाफ (२) न्यायशास्त्र (३) नीति; कायदो (४) धडारूप दृष्टांत
न्यायाधीश पु०[स] जज; न्याय करनार
न्यायालय पु० [स] अदालत; कचेरी
न्यायी वि० [स] न्यायथी वर्तनार
न्याय्य वि० [स] न्यायी; न्याययुक्त
न्यारा वि० न्यारु, जुदु (२) दूरनु (३) अनोखु; निराळु
न्यारिया पु० जुओ 'नियारिया'
न्यारे अ० न्यारु; अलग; दूर
न्याव पु० न्यायी वात (२) न्याय
न्यास पुं० [स] थापण; ट्रस्ट; अनामत (२) त्याग
न्यून वि० [स] कम; बाकी; खूटतु (२) नीच; हलकु
न्योछावर स्त्री० जुओ 'निछावर'; न्योछावर करवु के थवु ते
न्योतना स०क्रि० नोतरवु [भोजन
न्योतनी स्त्री० मगळ प्रसगे करातु
न्योतहरी पु० नोतरे आवेल; आमन्त्रित माणस
न्योता पु० नोतरु (२) चाल्लो (३) मिजबानी; भोजन
न्योला पु० 'नेवला'; नोळियो
न्योली स्त्री० हठयोगनी नौलीनी क्रिया
न्हान पु० (प) स्नान. -ना अ०क्रि० (प.) नाहवु

प

पक पु० [सं] कादव. ०ज पु० कमळ. -किल वि० कीचडवाळु
पक्ति स्त्री० [स] लीटी(२)हार; पगत
पंख पु० पाख (२) पीछु -जमना= वहेकवु;वठवु. -लगना=पाखो आववी; पक्षी जेम वेगवान थवु
पँख(-खु)ड़ी स्त्री० पाखडी
पंखा पु० पखो, वीजणो. -करना= पखो नाखवो. ०कुली पु० पखो खेचनार के नाखनार माणस
पंखी पु० पक्षी (२) पतगियु(३)स्त्री० नानो पखो
पँखुड़ा पु० खभा ने हाथनो साधो; पागोठु (?)
पँखुड़ी स्त्री० फूलनी पाखडी
पँखेरू पु० पखेरु; पक्षी [(२) अपंग
पंग, पंगा, पंगु [स] वि० पगु; लगडु;
पंगत(-ति) स्त्री० पक्ति(२)जमणवार के तेनी पगत; धाल (३) सभा
पंगा,-गु वि० जुओ 'पंग'. -गुल वि० पगु; लगडु
पंच वि० [स]पाच(२)पु० पच; लवाद
पंचक पु० [स] पाचनो समूह (२) पाच अशुभ नक्षत्रनु जूथ

पंचकी दुहाई = सौने अन्याय सामे के मदद माटे पोकार

पंचकी भीख = सौना आशीर्वाद

पंचता स्त्री०, –त्व पु० [स] मृत्यु

पचनामा पु० पचनामु

पंचम वि० [स] पाचमु (२) चतुर (३) सुदर (४) पु० 'प' स्वर. –मी स्त्री० पाचम (२) पाचमी विभक्ति

पंचमेल वि० पाच के अनेक वस्तुओना मेळवाळु; सेळभेळ

पंचरंग, –गा वि० पचरगी

पंचांग पु० [सं] टीपणु; करण, तिथि, नक्षत्र, योग अने वार ए बतावतु–पचाग (२) पाच अगवाळु काई पण

पंचानन पु० [स] सिंह (२) शिव

पचानवे वि० पचाणु; ९५

पंचायत स्त्री० पच (२) पचात; विवाद –ती वि० पंचनु के ते सबधी

पंछी पु० पखी; पक्षी

पंज वि० [फा.] पाच. ०गान, ०वक्ती पु० पाच वखतनी नमाज. ०रोजा वि० थोडा दिवसनु; अस्थायी. ०हजारी पु० पाच हजारनी सेनानो होद्दो (मुसलमान काळमा)

पंजर पु० [सं.] पाजरु (२) हाडपिंजर

पजरोजा, वि०, पजहजारी पु० जुओ 'पंज' मा

पंजा पु० पाचनो समूह (२) [फा.] हाथनो पंजो. –करना, –लड़ाना = हाथना पंजानी आंगळीओ मिलावीने जोर अजमावबु. पंजे झाड़कर पीछे पड़ना या चिमटना = केड बाधीने लागवु

पंजारा पु० पीजारो

पंजीरी स्त्री० पजरी; पंचाजीरी

पंजेरा पु० वासण साधनारो

पंडल वि० (प.) पडु; पीळु (२) पु० पिंड; शरीर

पंडवा पु० पाडो (बच्चु)–पाडु

पंडा पु० तीर्थनो पूजारी के ब्राह्मण

पंडाइन स्त्री० 'पडा' नी के 'पडा' जातनी स्त्री

पंडाल पु० मडप

पडित पु० [स] पडित; विद्वान

पडिताइन, पडितानी स्त्री० पडिताणी

पडिताऊ वि० पडितना जेवु; पडितियु

पंडुक पु० होलो पक्षी (स्त्री०, –की)

पंडुर पु० पाणीनु परडवु; डेडवु

पंतीजना स०क्रि० पीजवु

पंतीजी स्त्री० पीजण

पंथ पु० मार्ग; रस्तो (२) धर्मनो पथ –सप्रदाय –थी पु० पंथे जनार के पथनु अनुयायी

पंद स्त्री० [फा.] नसियत; उपदेश

पंदरह, पंद्रह वि० पदर; १५

पदार पु० [फा.] 'पद' लेनार (जुओ 'पंद')

पंप पु० [इ] पप; बंबो (२) पिचकारी

पंवरना अ०क्रि० तरवु (२) ताग काढवो; तपासी जोवु

पंवर, –रि स्त्री० (प) 'ड्योढी'; डेली; दरवाजो. –रिया पु० दरवान. –री स्त्री० 'ड्योढ़ी' (२) पावडी; चाखडी

पंवाड़ा, –र पु० [सं. प्रवाद] पवाडो; कीर्तिकथा; वीरगाथा [दूर करवु

पंवारना स०क्रि० हटावबु; फेंकी देवु;

पंसारी पु० मसालानो वेपारी; गांधी

पंसुरी, –ली स्त्री० पांसळी; 'पसली'

पंसेरी स्त्री० पांचसेरी

पकड़ स्त्री० पकडवु ते के तेनी क्रिया या रीत (२) ग्रहण (३) समज
पकड़-धकड़ स्त्री० धरपकड
पकड़ना स०क्रि० पकडवुं (२) रोकवु; थोभाववु
पकना अ०क्रि० पाकवु (२) सीझवु
पकवान पु० पाकी–तळीने करेली वानीओ
पकवाना स०क्रि० पकाववुं
पकाई स्त्री० पाकवु ते के पकाववानी मजूरी
पकाना स०क्रि० पकाववु; पाकवा मूकवु; पाकवा देवु [जेवी वानी
पकौड़ा पु० (स्त्री० **–ड़ी**) पकोडी; वडा
पक्का वि० पाकुं; पाकेलु- (२) पक्कुं (३) स्थिर; टकाउ **–खाना, पक्की रसोई**=घीमा करेली रसोई
पक्व वि० [स.] पाकेलु; पाकु. **–क्वान्न** पु० राधेलु अन्न (२) पकवान. **–क्वाशय** पु० होजरी
पक्ष पु० [स] पक्ष; बाजु; तरफ (२) पांख (३) पखवाडियु **०पात** पु० वग; तरफदारी
पक्षाघात पु० [स.] लकवो
पक्षी पु० [स] पखी (२) वि० –पक्षनु (समासमा)
पक्ष्म पु० [स.] पापण; 'बरुनी'
पख स्त्री० [फा.] शरत (२) पचात; लफरु (३) झघडो (४) दोष; भूल
पख स्त्री० जुओ 'पख' (२) पक्ष; 'पाख'; पखवाडियु
पखड़ी स्त्री० पाखडी; 'पँखुडी'
पखवाड़ा, –रा पु० पखवाडियुं
पखान पु० (प.) पापाण
पखाना पु० जुओ 'पाखाना' (२) (प) उपाख्यान; कथा
पखारना अ०क्रि० पखाळवु; धोवु
पखाल स्त्री० पाणीनी पखाल(२)धमण. **०पेटिया** पु० दुदाळो–बहु खानार माणस. **–ली** पु० पखाली; भिस्ती
पखावज स्त्री० पखवाज; पखाज **–जी** पु० ते वगाडनार
पखिया पु० झघडाळु, बखेडियु माणस
पँखुड़ी (-री) स्त्री० पाखडी [नजीक
पखुरा,–वा पु० बगलनो भाग (२) पास;
पखेरू पु० पखेरु; पक्षी
पग पु० पग; 'पाँव' (२) डगलु, पगलु. **०डंडी** स्त्री० पगदडी, पगथी; केडी
पगड़ी स्त्री० पाघडी **–उतारना**=बेइज्जत करवी (२) ठगवु. **(किसीके साथ) पगड़ी बदलना**=मैत्री करवी
पगना अ०क्रि० तरबोळ–रसबस थवु
पगरा पु० पगलु; डगलु (२) (प.) प्रभात
पगला वि० पागल; गाडु. **०ना** अ०क्रि० गाडु थवु. **–ली** वि० स्त्री०
पगहा पु० [स प्रग्रह] जुओ 'पघा'
पगा पु० दुपट्टो (२) पाग; पागडी (३) जुओ 'पघा'
पगार पु० चार तरफनी हद-दीवाल (प) (२) पग नीचेनी धूळ के कचरायेलु ते (३) पार कराय एवु जळाशय के नदी
पगाह स्त्री० [फा] सूरज नीकळवानो समय, सवार [करवु
पगुराना अ०क्रि० वागोळवु (२) हजम
पगोडा पु० बौद्ध मदिर
पघा पु० ढोर बाधवानु दोरडु
पच्च स्त्री० हठ; आग्रह (२) समासमा 'पाच' अर्थमा. जेम के, 'पचरगा'

पचड़ा पु० झझट; बखेडो
पचन पु०[सं.] पचवु–हजम थवु ते
पचना स०क्रि० पचवु; हजम थवु (२) थाकी जवु
पचपन वि० पचावन; ५५
पच मरना=काम करी करीने थाकी जवु
पचमेल वि० जुओ 'पँचमेल'; पंचराउ
पचरंग पु० चोक पूरवानी सामग्री
पचरंगा वि०पचरंगी(२)पु०पूरेलो चोक
पचहत्तर वि० ७५; पचोतेर
पचहरा वि० पाच-बेवडु
पचास वि० पचास; ५०
पचासा पु० पचास नगनो समूह
पचासी वि० पचासी; ८५
पचीस वि० पचीस; २५. –सी स्त्री० '२५'नो समूह; पचीसी
पचोतेर सो पु० एकसो पाच; १०५
पच्चड़(–र) स्त्री० साल के साधो ऊ० काई सखत करवा मराती फाचर
पच्ची स्त्री० 'पच्चर'; फाचर (२) जडवानी वस्तु
पच्चीकारी स्त्री० जडवानु काम
पच्छ(–च्छि)म पु० पश्चिम
पछड़ना अ०क्रि० पछडावु; पाछा पडवु
पछताना, पछतावना [प.] अ० क्रि० पस्तावु
पछतावा पु० पस्तावो
पछना पु० चीरवा फाडवानु अस्त्र
पछवाँ वि० पश्चिम बाजुनु; पश्चिमी
पछाँह पु० पश्चिम दिशा तरफनो देश
पछाँहिया, पछाँहो वि० पश्चिमनु; पाश्चात्य
पछाड़ स्त्री० बेहोश थईने पडवु ते. –खाना=बेहोश थईने पडवु

पछाड़ना स० क्रि० पछाडवु
पछिताना अ०क्रि० (प.) 'पछताना'; पस्तावु. –व पु० (प.) पस्तावो
पछीत स्त्री० घरनी पछीत–पाछलो भाग के त्यानी भीत
पछेवड़ा पु० पछेडो; मोटी चादर
पछोड़ना स०क्रि० ऊपणवु; झाटकवु
पजारना स०क्रि० (प.) प्रजाळवु; बाळवुं
पजावा पु० [फा] ईंटनो भठ्ठो
पज़ीर वि०[फा]पसंद, अनुकूल, कबूल; माननार–ए अर्थमा(समासमा). दा. त. दिल-पज़ीर=मनपसंद. इस्लाह्-पज़ीर =सुधाराने लायक
पजूसण पु० जैनोना पचूसण
पज़मुरदा वि० [फा.] करमायेलु
पट पु० पट; वस्त्र (२) कमाड (३) पडदो. –उघड़ना, खुलना=देवना दरवाजा ऊघडवा. –पड़ना=बीमु पडवुं; न चालवुं [फट दईने फाटवु
पटकना स०क्रि० पटकवु (२) अ०क्रि०
पटकनी(–निया), पटकान स्त्री० पटकवु ते; पटक [खेस
पटका पु० कमरे बाधवानो फटको के
पटतर पु० समानता (२) उपमा
पटतारना स०क्रि० सपाट–सरखु करवुं
पटना अ० क्रि० सरखुं–एकसमान थवु (२) बेने बनतु आववुं के सहमत थवु (३) चूकते थवु
पटपर वि० सपाट, सरखु
पटबीजना पु० आगियो
पटरा पु० चोरस घडेलु पाटियुं. –फेर देना=नाशी छूटी सपाट करी देवु (२) तमाम करी देवु
पटरानी स्त्री० पटराणी

पटरी स्त्री० पाटियुं (२) पगथी; फूटपाथ (३) लखवानु पाटियु. **–जमना या बैठना**=बेनु पाटियु बरोबर गोठवु; मन मळवु

पटल पुं० [स] पडदो; ढाकण (२) आखनु पडळ (३) समूह; टोळु

पटवा पु० पटवो (स्त्री० **पटइन**)

पटवारी पु० तलाटी (नाम, **पटवारगिरी**)

पटवास पुं० [स] तबू; डेरो (२) स्त्रीनी सूथणी

पटसन पु० शण

पटह पु० [स] दुदुभी; नगारु

पटा पु० पट्टो; सनद (२) सोदो

पटाना स०क्रि० पिटावी करी बरोबर कराववु (२) चूकते करवु (३) अ० क्रि० शात बेसवु

पटापट अ० पटोपट; लगातार; झटपट

पटाव पु० 'पाटना'–ए क्रिया (जुओ 'पाटना') [(२) पाटी; स्लेट

पटिया स्त्री० पथ्थरनो चोखडो टुकडो

पटीलना स०क्रि० पटाववु; समजावी लेवु (२) पूरु करवु

पटु वि०[स]प्रवीण; चालाक; होशियार

पटुआ(–वा) पुं० 'पटसन'; शण

पटुली स्त्री० हीचकानु पाटियु

पटुवा पु० जुओ 'पटुआ'

पटेबाज, पटैत पु० पटाबाज

पटे(–टै)ला पु० समार; 'हेगा' (२) कुस्तीनो एक दाव [भूगळ

पटैला पु० जुओ 'पटेला' (२) कमाडनी

पटोर पुं० पटोळु–रेशमी वस्त्र. **–री** स्त्री० रेशमी साडी

पट्ट पु०[स.] सिंहासन (२) पट्टी (३) ताम्रपट (४) वि० मुख्य

पट्टन पु० [स.] शहेर; मोटु–पाटनगर

पट्टा पु० पट्टो

पट्टी स्त्री० पाटी; स्लेट (२) पाठ; बोध (३) खाटलानी ईस (४) पट्टी (कपडा कागळ इ०नी) (५) पक्ति; हार (६) माथाना पटिया (७) 'पत्ती'; भाग

पट्टीदार पु० भागियो **–री** स्त्री० भाग; भागीदारी

पट्टू पु० एक गरम जाडु कपडु; पट्टु

पट्ठा पु० जुवान (२) पठ्ठो–लठ्ठ माणस (३) कूलो (४) स्नायु

पठन पु० [स] पढवु के भणवु ते

पठनेटा पु० पठाणनो छोकरो

पठान पु० पठाण. **–निन** स्त्री०पठाण स्त्री

पठाना स०क्रि० पाठववु; मोकलवु

पठानी स्त्री० पठाण स्त्री (२) पठाणपणु (३) वि० पठाणने लगतु

पठिया स्त्री० ['पट्ठा' नु स्त्री०] पठ्ठी; जुवान स्त्री

पड़छती(–त्ती) स्त्री० जुओ 'परछत्ती'

पड़त स्त्री०, **पड़ता** पु० पडतर किंमत

पड़ताल स्त्री० तपास. **०ना** स०क्रि० तपास करवी

पड़(–र)ती स्त्री० पडतर जमीन (२) अनाज वावलवा माटेनी चादर के कपडु. **–उठना**=पडतरनी खेती थवी. **–छोड़ना**=पडतर छोडवी. **–लेना**= 'पडती' थी वावलवु [पडया रहेवु

पड़ना अ०क्रि० पडवु. **पड़ा होना**=

पड़पड़ना अ०क्रि० मरचा इ० थी जीभ वळवी–चचरवी

पड़पोता पु० प्रपौत्र

पड़रा(–वा) पु० पाडु (नर)

पड़री स्त्री० 'पड़िया'; पाडी

पड़वा पु० जुओ 'पडरा' (२) स्त्री० पडवो तिथि
पड़िया स्त्री० पाडी ('पडवा'नु स्त्री०)
पड़ि(-रि)वा स्त्री० पडवो; 'पडवा'
पड़ोस पु०पडोश. -करना=पडोशी थवु
पड़ोसी पु० (स्त्री० -सिन) पडोशी
पढ़(-ढ़)त स्त्री० पढवु ते (२) जादुमंत्र
पढ़ना स० क्रि० भणवु (२) वाचवु (३) गोखवु [पद्धति
पढ़ाई स्त्री० भणतर (२) भणाववानी
पढ़ाना स०क्रि० भणाववु (२) शीखववुं; समजाववु (३) पक्षीने पढाववु
पढ़ा-लिखा वि० भणेलु; शिक्षित
पण पु० पण; प्रतिज्ञा (२) जुगटु; बाजी के तेमा मूकेली चीज (३) मूल्य; किम्मत (४) करार; शरत
पण्य पु० [स] दुकान (२) बजार (३) सोदो के तेनी चीज
पतग पु० [स] सूर्य (२) पक्षी (३) कनकवो (४) पतगियु
पतंगा पु० पतग (२) पतगियु
पत स्त्री०पत;आबरू,इज्जत. -उतारना, -लेना=लाज लेवी [ऋतु
पतझड़, पतझाड़(-र) स्त्री० पानखर
पतन पु० [स] पडवु ते (२) पडती; अधोगति (३) नाश
पत-पानी स्त्री० पत; प्रतिष्ठा; लाज
पतर वि० पातळु (२) पु० पत्र; पादडु (३) पतराळु
पतरी स्त्री० पतराळु
पतला वि० पातळु. -पड़ना=दुर्दशामां होवु. -हाल=दुर्दशा
पतलून [illegible] पाटलून
पतझार(-री, -न) [illegible]

पता पु० पत्तो (२) सरनामु. पतेकी बात=रहस्य खोलती वात. -निशान =नामनिशान
पताई स्त्री० खरेला पादडानो ढग
पताका स्त्री० [स] धजा; निशान
पतार, -ल पु० (प.) पाताळ
पतावर पु० सूका पादडा
पतिग पु० पतगियु
पति पु० [स] धणी, स्वामी
पतिआ(-या)ना स० क्रि० पतियार करवो; पतीजवु
पतिआ(-या)र पु० पतियार; विश्वास
पतित वि०[स]पडेलु; हारेलु; अधोगति पामेलु; भ्रष्ट. ०पावन वि० पतितने पावन करे एवु; पवित्र (२) पु० ईश्वर
पतियाना स०क्रि० जुओ 'पतिआना'
पतियार,-रा (प) पु० जुओ 'पतिआर'
पतिव्रत पु० पति प्रत्ये अनन्य प्रेम. -ता स्त्री० पतिव्रतवाळी स्त्री
पतीज(-न)ना स०क्रि० (प.) [illegible] 'पतिआना'
पतीरी स्त्री०एक जातनी [illegible]
पतील वि० पातळु [illegible]
पतीला पु० [illegible]
पतीली स्त्री० [illegible] हांडी
[illegible]

पत्ती स्त्री० नानु पान (२) पाखडी (३) भाग
पत्तीदार पु० हिस्सेदार
पत्थर पु० पथ्थर. **–की लकीर**=स्थिर; स्थायी. **–पर दूब जमना**=असभव काम बनवु. **–पड़ना**=नष्टभ्रष्ट थई जवु
पत्थर-चटा पु० कूपमडूक के कजूस माणस (२) एक जातनो साप
पत्थर-पानी पु० वसमो–तोफान के आंधीनो समय
पत्थर-फोड़ा पु० पथ्थर फोडनारो
पत्नी स्त्री०[स] भार्या; विवाहित स्त्री. **०व्रत** पु० पोतानी स्त्री पर अनन्य प्रेमनु व्रत
पत्र पु०[स] कागळपत्र (२) छापु (३) पादडु (४) पतरु (५) पानु; पृष्ठ
पत्रकार पु० [स.] छापु चलावनार; अखबार-नवीस
पत्रव्यवहार पु० [सं] चिठ्ठीपत्र
पत्रा पु० पंचाग, टीपणु (२) पृष्ठ
पत्रिका स्त्री० [स] पत्र (२) मासिक जेवु छापु; चोपानियु
पथ पु० [स] मार्ग; रस्तो
पथरना स०क्रि० पथ्थर पर घसी धार काढवी; पथरी पर चडाववु
पथराना अ०क्रि० पथ्थर जेवु (कठण के स्तब्ध) थई जवु
पथरी स्त्री० [स] पथ्थरियु–पथ्थरनु वासण, कटोरो इ० (२) पथरीनो रोग के धार काढवानी पथरी
पथरीला वि० (स्त्री० **–ली**) पथ्थरवाळु
पथरौटा पु०, **–टी** स्त्री० पथ्थरियु; 'पथरी'
पथिक, पथी पु०[स] वटेमार्गु; मुसाफर
पथेरा पु० ईंटो पाडनार; दलवाडी
पथ्य वि०[स] अनुकूल; हितकर (२) पु० कल्याण
पद पु०[स.] पग (२) पगलु, कदम (३) होद्दो (४) श्लोकनु चरण (५) शब्द (६) भजननुं पद
पदक पु०[स] चाद (२) देवनु पगलुं
पदवि,-वी स्त्री०[स] उपाधि; खिताब (२)होद्दो, दरज्जो (३)परिपाटी, पद्धति
पदाति,०क, –तीय पु०[स] पायदळनो सिपाही (२) पेदु (३) नोकर; अनुचर
पदाधिकारी पु०[स]अमलदार,ऑफिसर
पदाना स०क्रि० पदाववु; खूब पजववु के ठूस काढवी
पदार पु० [स] पगरज
पदार्थ पु०[स] चीज; वस्तु. **०विज्ञान** पु० 'फिजिक्स'. **०विद्या** स्त्री० पदार्थो विषे तत्त्वज्ञान
पदावली स्त्री० पदोनो–भजनोनो सग्रह
पदेन अ० [स] पदनी रूए
पद्धति स्त्री० [स] प्रथा, रीत; विधि
पद्म पु०[स.] कमळ (२) चिह्न **–पद्मिनी** स्त्री० कमळनु सरोवर (२) उत्तम स्त्रीनो एक प्रकार
पद्य पु० [स] छदमा लखाण; कविता
पधराना स०क्रि० पधराववु, पधारवा कहेवु [स्थापना
पधरावनी स्त्री० पधरामणी, मूर्तिनी
पधारना अ०क्रि० पधारवु; आदरथी आववु के जवु [पु०पण,प्रतिज्ञा
पन (प्रत्यय) पणु उदा० लडकपन (२)
पनकपड़ा पु० वाग्या पर बाधवानु भीनु कपडु
पनघट पु० पणघट; पाणीनो घाट

पनच स्त्री० पणछ
पनचक्की स्त्री० पाणीथी चालती चक्की
पनडुब्बा पु० मरजीवो (२) पाणीमा डूबी माछली पकडनार पक्षी
पनडुब्बी स्त्री० 'सब-मॅरीन' – पाणीनी अंदर चालती नाव (२) एक पक्षी
पनपना अ०क्रि० पाणी मळता फरी लीलु थवु (२) फरी साजु थवुं
पनभता पु० सादो भात
पनभरा पु० पाणी भरनारो, पाणियारो. –रिन स्त्री०
पनवाड़ी पु० पानवाळो; तबोळी
पनवारा पु० जुओ 'पत्तल'
पनस पु० [सं] फणस
पनसारी पु० जुओ 'पंसारी'
पनसाल स्त्री० पाणीनी परब
पनसेरी स्त्री० जुओ 'पसेरी'
पनह(–हा)रा पु० पाणियारो
पनहा पु० कापडानो पनो (२) मर्म; भेद
पनहाना स०क्रि० (आचळने) दूध दोहवा माटे शरूमा पपाळवो
पनहारा पु० (स्त्री० –रन, –रिन, –री) जुओ 'पनहरा'
पनही स्त्री० जोडा
पना पु० पनु; एक पेय
पनाती पु० प्रपौत्र, पौत्रनो पुत्र
पनार, –रा, –ला पु० जुओ 'परनाला'. –री, –ली स्त्री० नानी मोरी; नीक
पनाह स्त्री० [फा] रक्षा (२) शरण
पनिया वि० पाणीनु के तेमा थतु (२) पु० पाणी. ०ना स०क्रि० पाणी पावु; भींजवु. ०सोत स्त्री० झरण फूटे एवु; [illegible] [पाणी नथयी
पनिहा वि० पाणीनु के पाणीमानु के

पनीर पु० [फा.] फाडेला दूधनी एक वानी. –चटाना=खुशामत करीने काम काढवु –जमाना=आगळ पण फायदो रहे एवी रीते काम लेवु
पनीला वि० पाणीपोचु (२) फीकु (३) पाणीमा थतु के रहेतु
पन्नग पु० [सं] साप
पन्ना पु० एक जातनो हीरो
पन्नी स्त्री० पित्तळ के कलाईनो वरख, जे वस्तुनी उपर शोभा माटे चोटाडाय छे (२) पु० [फा.] एक जातनो पठाण. ०साज पु० 'पन्नी' बनावनारो
पपड़ा पु० पोपडो (स्त्री० –ड़ी) –छोड़ना =पोपडो वाझवो
पपीता पु० पपैयो के पपैयु
पपीहा पु० पपैयो, 'चातक
पपोटा पु० पोपचु
पबारना स०क्रि० (प.) फेंकवु
पब्लिक स्त्री० [इं] जनता; लोक (२) वि० आम; सार्वजनिक [वादळ
पय पु० [सं] पाणी (२) दूध. ०द पु०
पयना वि० जुओ 'पैना' [नदी
पयस्विनी स्त्री० [सं] गाय; बकरी (२)
पयादा पु० पायदळ सैनिक (२) वि० पगे चालतु; 'पैदल'
पयान पु० प्रयाण
पयाम पु० [फा.] पेगाम, संदेश
पयार, –ल पु० पराळ. –झाड़ना= नकामी माथाकूट करवी
पयोज पु० [सं] कमळ
पयोद पु० [सं.] वादळ
पयोधर पु० [सं.] वादळ (२) स्तन (३) जळाशय (४) पर्वत
पयो(नि०)धि पु० [सं.] समुद्र

परंच अ० [स] वळी; तथा (२) परतु
परंतु अ० [स] पण; किंतु; छतां
परंपरा स्त्री० [स] अनुक्रम; प्रणाली (२) सतति; वश
पर पु० [फा]पीछु के पांख (२) अ० पछी (३) परतु; पण (४) वि० [स] पारकु (५) उत्तम, परम [परोपकारी
परकाजी वि० परनु काज—काम करनार;
परकार, –ल पु० [फा.] कपास
परकाला पु० सीडी; जीनो (२) [फा.] टुकडो (३) चिनगारी
परकीय वि० [स] पारकु, परायु
परकोटा पु० कोट, किल्लो
परख स्त्री० पारख; परीक्षा, कसोटी
परखना स० क्रि० पारखवु (२) प्रतीक्षा के वाट जोवी
परगना पु० [फा] परगणु; अमुक गामडांनो भाग ०दार पु० परगणानो अमलदार [जवु (२) टेव पडवी
परचना अ०क्रि० परिचय थवो, हळी
परचा पु० परिचय (२) पारख; परीक्षा (३) पुरावो, साबिती (४) [फा] कागळनो ककडो (५) पत्र (६) प्रश्नपत्र
परचाना स०क्रि० परिचय करवो, हळतु करवु (२) टेव पाडवी
परचून पु० सीधुसामग्री
परचूनी पु० मोदी
परछत्ती स्त्री० अभराई (२) दीवाल जोडेनु एकढाळियु—छापरु [पोंकणु
परछन स्त्री० वरने पोंकवानी क्रिया;
परछना स०क्रि० पोंकवु
परछाईं स्त्री० पडछायो
परजा स्त्री० प्रजा (२) वसवाया (३) जमीनदारना वसावेला खेडूतो
परजाता पु० पारिजातक
परजौट पु० मकाननी जमीननु भाडु
परतत्र वि०[स] पारकाने ताबे, परवश
परत स्त्री० थर (२) गडी [पटो
परतला पु० तलवारनो के चपरासनो
परती स्त्री० जुओ 'पडती'
परतौ पु०[फा.] प्रकाशनु किरण (२) पडछायो
परथन पु० जुओ 'पलेथन'
परदा पु०[फा] पडदो (२) लाज; मर्यादा (३) छुपाववु ते,आड;ओझल(४) हार्मो-नियम इ०नो पडदो के स्वरनु स्थान
परदादा पु० दादानो बाप [रहेतु
परदानशीन वि०[फा]पडदा के ओझलमा
परदेश पु०[स] बीजो के पारको देश
परनाना पु० नानानो बाप [रेलो
परनाला पु० 'पनाला'; मोरी(२)धारा;
परपराना अ०क्रि० (जीभ पर) चचरवु; 'पडपडना'
परपाजा पु० दादानो पिता; प्रपितामह
परपोता पु० जुओ 'पड़पोता'
परब पु० पर्व; टाणु, तहेवार
परबाल पु० आखनी पापणनो रोग (२) प्रवाल
परम वि०[स]सौथी ऊचु; मुख्य; उत्तम
परमल पु० जुआर घउना दाणानु एक चवाणु
परमाणु पु० [स] अति नानो अणु
परमात्मा पु० [सं] ईश्वर
परमान्न पु० [स] खीर
परमायु स्त्री० [स.] आयुपनी अवधि
परमार्थ पु० [स] परम वस्तु (२) मोक्ष. –र्थी वि० मुमुक्षु
परमेश, –श्वर पु० [स] परमेश्वर; प्रभु

परला वि० (स्त्री० –ली) ते तरफनु. परले दरजे या सिरेका=हद पारनु; खूब (२) परम कोटिनु

परवर, –ल पु० जुओ 'परवल'

परवर वि० [फा](समासमा अंते)पालक

परवरदा वि० [फा.] पालित, पळायेलु

परवर-दिगार पु० [फा] पालनहार; प्रभु

परवरिश स्त्री० [फा] पालनपोषण; परवरश

परवल पु० परवळनु शाक के वेलो

परवश, –श्य वि० [स.] पराधीन, परतंत्र

परवस्ती स्त्री० परवरी; पालनपोषण

परवा स्त्री० पडवो (२) [फा] परवा; दरकार; चिंता; गरज

परवान पु० मडनो दाडो (२) (प.) प्रमाण –चढना=मोटु – उमर लायक थवु (२) सफळ थवु

परवानगी स्त्री० [फा] रजा; आज्ञा

परवाना पु० [फा] परवानो; आज्ञापत्र (२) पतंगियु

परवाह स्त्री० परवा; दरकार; चिंता

परशु पु० [स] फरसी

परस पु० (प.) स्पर्श (२) पारसमणि

परसना स० क्रि० स्पर्शवु (२) पीरसवु

परस पत्थर पु० (प) पारस पाषाण –स्पर्शमणि

परसा पु० जुओ 'परोसा'

परसाल अ० गये के आवते वर्षे

परसों अ० परम दिवसे

परस्त वि० [फा.] पूजक (समासने अंते उदा. बुतपरस्त)

परस्तिश स्त्री० [फा.] पूजा; उपासना

परस्पर अ० [स] आपसमां; अरसपरस

परहुमा पु० [फा] [illegible]

परहेज पु० [फा] परेज; चरी; बाधा (२) संयम; बूरा कर्मथी दूर रहेवु ते. –करना, –रखना=परेज राखवी

परहेजगार वि० [फा.] 'परहेज'वाळु – परेज राखनार (२) संयमी

परांठा पु० 'परोठा', चोपडु

परा स्त्री०[स] परा; वाणी (२) वि० स्त्री० परम; उत्तम

पराकाष्ठा स्त्री०[स] छेल्ली हद; आखर

पराक्रम पु० [स] बळ, बहादुरी (२) पुरुषार्थ; साहस. –मी वि०

परागंदा वि०[फा.]विखरायेलु(२)बेहाल

पराग पु०[स] फूलनी रज (२) धूळ (३) चंदन. ०केसर पु० फूलनु केसर– वचलो ततु

पराङ्मुख वि०[स] विमुख; प्रतिकूल

पराजय पु० [स] हार

पराजित वि०[स] हारेलु के हरावेलु

परात स्त्री०पराज,अमुक घाटनी कथरोट

परात्पर वि०[स] सौथी परम (२) पु० परमेश्वर

पराधीन वि० [स] परवश; परतंत्र

पराना अ०क्रि० (प.) पलायन करवु

परान्न पु०[स.] पारकु अन्न के भोजन

पराभव पुं०[स.] हार (२) तिरस्कार

पराभूत वि०[स] हारेलु (२) तिरस्कृत

परामर्श पु०[स] विचार (२) सलाह

परायण वि०[स] तल्लीन; तत्पर

पराया,–या वि० परायु (स्त्री० –ई)

परार वि० (प.) परायु (२) पु० पराळ; 'पयाल'

परावर्त(०न) पु०[स] पाछु फरवु ते (२) अदलोबदलो; विनिमय

परास्त वि०[स] हारेलु के हरावेलु

पराह्न पु० [स] तीजो पहोर; साज
परिंदा पुं० [फा.] परिंदु; पक्षी
परिकर पु० [स] कदोरो (२) समूह; वृंद (३) पलग (४) परिवार (५) नोकरचाकर
परिकरमा, परिक्रमा स्त्री० परकमा
परिक्रम,०ण पु०[स] फरवु ते (२) चारे तरफ फरवु ते; परिक्रमा
परिखा स्त्री०[सं.]कोटनी चोगरदम खाई
परिगणन पु०, **–ना** स्त्री० [स] पूरी गणतरी के अडसट्टो
परिगणित वि०[स] गणतरीमा आवेलु के लीधेलु; गणायेलु
परिग्रह पु०[सं.] ग्रहण करवु ते; अगीकार (२) धन वगेरेनो सग्रह (३) लग्न (४) पत्नी (५) परिवार
परिघ पु०[स] आगळो (२) भोगळ जेवु एक शस्त्र; गदा (३) घर; मकान (४) दरवाजो [(२) लक्षण
परिचय पु०[स] ओळखाण, जाणकारी
परिचर पु०[स] सेवक; अनुचर
परिचर्या, –रजा (प) स्त्री० [स.] सेवाचाकरी
परिचायक पु०[स] परिचय करावनार
परिचारक पु०[स] सेवक (२) देवनो पूजारी [पूजारण
परिचारिका स्त्री० [स] दासी (२)
परिचित वि०[स] जाणीतु, ओळखीतु
परिच्छद पु०[स] ढाकण; आच्छादन
परिच्छेद पु० [स] भाग; खड (२) प्रकरण (३) सीमा; हद
परिछन पु० जुओ 'परछन'
परिछाहीं पु० जुओ 'परछाइ'
परिजन पु०[स]परिवार(२)नोकरचाकर
परिज्ञात वि०[स] बरोबर जाणेलु. **–न** पु० पूरुं ज्ञान के जाण
परिणय पु०[स] विवाह; लग्न
परिणाम पु० [स] फळ (२) रूपातर (३) विकास (४) आखर; अत
परिणीत वि० [स] परणेलु
परिताप पु० [स] गरमी; ताप (२) दुःख; शोक; पस्तावो
परितुष्ट वि० [स] खूब तुष्ट–सतुष्ट (२) प्रसन्न; खुश. **–ष्टि** स्त्री० सतोष (२) प्रसन्नता [स्त्री० परितुष्टि
परितृप्त वि० [स] परितुष्ट **–प्ति**
परितोष पु० [स] परितुष्टि; सतोष
परित्यक्त वि० [स] त्यजायेलु; तरछोडायेलु. **–क्ता** वि०स्त्री० त्यजायेली (स्त्री)
परित्याग पु० [स] त्याग. **–गी** वि० त्यागी. **–ज्य** वि० तजवा योग्य
परित्राण पु०[स] बचाव, रक्षण (२) शरीर परना वाळ
परिध पु० परिधि; परिघ
परिधन (प.), **परिधान** पु०[स] पहेरवु ते (२) पोशाक (३) धोतियु इ० नीचे पहेरवानु वस्त्र
परिधि पु०[स] परिध (२) नियत मार्ग के कक्षा (३) पोशाक
परिपंथ,०क,**–थी** पु०[स] मार्गमा वच्चे पडनार; शत्रु
परिपक्व वि०[स] बरोबर पाकेलु–पाकुं (२) अनुभवी; प्रौढ; प्रवीण
परिपाक पु० [स] बरोबर पाकवु के तैयार थवु ते; पूर्णता (२) निपुणता (३) फळ, परिणाम [रीत; चाल
परिपाटी स्त्री०[स]क्रम,प्रणाली,पद्धति;

परिपालन पु० [सं] पालणपोषण (२) रक्षा (३) पाळवुं–अमलमां आणवुं ते

परिपुष्ट वि० [सं] खूब पुष्ट

परिपूर्ण वि० [सं] पूरेपूरुं; संपूर्ण

परिप्रश्न पु० [सं] जिज्ञासा, प्रश्न

परिभ(–भा)व पु०[सं]अनादर;अपमान

परिभाषा स्त्री०[सं] स्पष्ट कथन (२) लक्षण; व्याख्या (३) परिभाषा

परिभ्रमण पु०[सं] आम तेम फरवुं–टहेलवुं ते (२) परिधि (३) गोळ गोळ फरवुं ते

परिमल पु० [सं.] सुवास; सुगंध

परिमाण पु०[सं] माप, तोल; मात्रा

परिमार्जन पु० [सं] बरोबर धोवुं के मांजवुं ते (२) एक मीठाई

परिमित वि०[सं] मर्यादित,मिजाननर (२) अल्प

परिमिति स्त्री०[सं]माप, परिमाण(२) [सीमा; हद

परिया पु० दक्षिण भारतनी एक अस्पृश्य जात

परिरंभ,०ण पु०[सं]आलिंगन; भेटवुं ते

परिवर्तन पु०[सं] फेरफार (२) फेरो; चक्कर (३) अदलोबदलो, विनिमय

परिवा स्त्री० प्रतिपदा; पडवो, 'पडिवा'

परिवाद पु०[सं] निंदा, कूथली. –दी वि० निंदक

परिवार पु०[सं] आवरण; ढांकण (२) म्यान; तलवारनुं पड (३) कुटुंबकबीलो; बाळबच्चां (४) आश्रित नोकरचाकर वगेरे

परिवृत वि०[सं] चारे तरफ घेरायेलुं (२) ढंकायेलुं. –ति स्त्री०

परिवृद्ध वि० [सं] हृष्टपुष्ट (२) वधेलुं. –द्धि स्त्री०

परिवेष,०ण पु० [सं.] पीरसवुं ते(२)घेर; परिघ(३)कोट; किल्लो(४)प्रकाशनुं चकरडुं; 'हॅलो' [भ्रमण

परिव्रज्या स्त्री० [सं.] संन्यास (२) परि-

परिव्राज,०क,–ट पु० [सं] संन्यासी

परिशिष्ट वि०[सं] बाकी बचेलुं (२) पु० पुस्तकनुं परिशिष्ट

परिशीलन पु० [सं] अनुशीलन; ऊंडो विचार के अभ्यास

परिशोध,०न पु०[सं] पूर्ण शुद्धि (२) देवुं पूरुं के चूकते करवुं ते

परिश्रम पु० [सं] श्रम; महेनत (२) थाक –मी वि० महेनतु

परिश्रांत वि०[सं] थाकेलुं; ढीलुं; मांदुं

परिषद् स्त्री० [सं] सभा (२) समूह

परिष्कार पु०[सं] संस्कार; शुद्धि (२) सफाई; स्वच्छता (३) सजावट

परिस्तान पु० [फा.] परीओनो मुलक

परिस्थिति स्त्री० [सं] आसपासनी अवस्था, दशा

परिहरण पु०[सं] लई लेवुं ते (२) त्याग

परिहार पु० [सं] त्याग (२) उकेल; उपाय; निवारण (३) कर इ० नी माफी, छूट

परिहास पु०[सं] गम्मत; हांसी, मजाक

परी स्त्री०[फा] अप्सरा (२) सुंदर स्त्री

परीक्षा स्त्री० [सं] तपास; कसोटी. –क पु० तपासनार –ण पु० तपासवुं ते. –र्थी पु० परीक्षामां बेसनार

परीजाद, परीरू वि० [फा] अति सुंदर

परीशान वि०, –नी स्त्री० जुओ 'परेशान,–नी'

परुष वि०[सं] कठोर; कर्कश; रूक्ष; सूकुं (२) निष्ठुर, निर्दय

परे अ० पेले पार; पार (२) बाद; पछी (३) बहार; पर; अतीत **–कहना** = 'दूर हठो', 'खसो' एवु कहेवु. **–बिठाना** = हरावबु; मात करवु

परेई स्त्री० मादा पारेवु [जोवी

परेखना स०क्रि० (प) परीक्षवु (२) राह

परेग स्त्री० नानी खीली

परेट,–ड पु० सिपाहीनी परेड; कवायत

परेता पु० दोरो लपेटवानी फरकडी के फाळको

परेवा पु० पारेवु

परेशान वि० [फा] हेरान; दुःखी; व्याकुल. (नाम, **–नी** स्त्री०)

परों अ० जुओ 'परसों' [बहारनु

परोक्ष वि० [स] अज्ञात; छूपु; नजर

परोना स०क्रि० (प) परोववु; 'पिरोना'

परोपकार पु०[स] बीजानु भलु करवु ते; परहित. ०क,**–री** वि० परहितकारक

परोल पु० [इ] पेरोल; केद के पहेरामाथी छूट

परोसना स०क्रि० पीरसवु

परोसा पु० एक जणनु भाणु; पिरसण

परोहना पु० वाहन; सवारी

परोहा पु० कोस, 'चडस'

पर्चा पु० [फा] जुओ 'परचा'

पर्जन्य पु० [स] वरसाद

पर्ण पु० [स] पादडु; पान

पर्दा पु० जुओ 'परदा'

पर्पट पु० [स] पापड

पर्यंक पु० [स.] पलग

पर्यंत अ० [स] लगी, सुधी (२) पु० समीप; पास (३) अतिम सीमा

पर्यटन पु०[स] भ्रमण; आम तेम फरवुं ते

पर्यवसान पु० [सं] अत (२) निश्चय

पर्याप्त वि० [स] पूरतु; 'काफी' (२) समर्थ; सशक्त [(२) प्रकार

पर्याय पु० [स.] एज अर्थनो बीजो शब्द

पर्व पु० [स] अवसर (२) उत्सव (३) भाग; खड

पर्वत पु० [स] पहाड. **–ती** वि० पर्वतनु के त्या रहेतु, थतु के ते सबधी

पर्वरिश स्त्री० जुओ 'परवरिश'

पर्वा, ०ह स्त्री० जुओ 'परवाह'

पर्हेज़ पु०, **०गार** वि० जुओ 'परहेज, ०गार'

पलंग पु० पलंग; खाटलो. **–तोड़ना** = आळसु सूता पडचा रहेवु. **–लगाना** = खाटलो पाथरवो

पलंगपोश पु० पलगनी चादर

पलंगड़ी, पलंगिया स्त्री० नानो पलग –खाटलो

पल पु० [स] पळ, क्षण (२) पलक

पलक स्त्री० [फा.] पलक; क्षण (२) पोपचु. **–बिछाना** = प्रेमथी स्वागत करवु. **–मारना** = पोपचु पटपटाववु. **–लगना** = पलकवु (२) ऊघ आववी

पलक-दरिया (०व) वि० अति उदार; दानी [खूब भीड

पलटन स्त्री० लश्करनी पलटण (२)

पलटना स०क्रि० पलटवु; बदलवु

पलटा पु० पलटो; फेरफार (२) बदलो

पलटनिया पु० पलटणनो सिपाई

पलटे अ० बदले; अवेजमा [पालडु

पलड़ा (–रा) पु० त्राजवानु पल्लु–

पलथी स्त्री० 'पालथी'; पलाठी

पलना अ०क्रि० पालन थवु; पलवानु (२) हृष्टपुष्ट थवु

पलरा पु० जुओ 'पलड़ा'

पलवाना स०क्रि० पलवाववु;('पालना'नु प्रेरक)

पलवारी पु० नाविक; खलासी

पलस्तर पु० प्लास्टर. ०कारी स्त्री० प्लास्टर करवु ते. –ढीला होना, –बिगड़ना=बहु हेरान थवु

पला पु० पळ (२) पल्लुं

पलान पु० घोडा इ०नु पलाण. ०ना स०क्रि० पलाणवु

पलाना अ०क्रि० (२) स०क्रि० पलायन करवु के कराववु

पलायन पु० [स] नासवु–भागवु ते

पलित वि० [स] वृद्ध (२) धोळु (वाळ) (३) पु० पळियु

पली स्त्री० पळी

पलीता पु० [फा.] तावीज मतरेलो कागळ लपेटीने करातु मादळियु (२) पलीतो. –ती स्त्री० नानो पलीतो

पलीद वि० [फा] गदु (२) नापाक (३) पु० भूत; पलीत

पलुहना अ० क्रि० (प) पांगरवु; पल्लववु; 'पनपना'.(पलुहाना–प्रेरक)

पलेट स्त्री० प्लेट; टाको. –डालना= प्लेट मारवो–भरवो

पले(–लो)थन पु० अटामण –निकलना =खूब मार खावो के हेरान थवु; आटो नीकळवो

पलोटना स० क्रि० पग दाबवा (२) अ०क्रि० [illegible]

पलोथन पु० जुओ 'पलेथन'

पल्लव पु० [स.] कूंपळ (२) पालव (३) [illegible]. ०ना अ०क्रि० फूटवु; पांगरवु. –वित वि० पांगरेलु

पल्ला [illegible] (२) पु० पल्लो; छेडु

(३) त्राजवानुं पल्लु (४) कमाड (५) त्रण मण (६) [फा] पल्लो; पालव (७) वि० जुओ 'परला'. –छूटना= छुटकारो मळवो. –पसारना=पालव –झोळी पाथरवो; मागवु. पल्ले पड़ना =मळवु पल्ले बांधना=जवाबदारी सोंपवी

पल्ली स्त्री०[सं.]नानु गामडु (२)घरोळी

पल्लेदार पु० अनाज तोलनार के ते वही जनार

पवन पु० [स] वायु, हवा (२) श्वास. ०चक्की स्त्री० पवनथी चालती चक्की ०चक्र पु० वंटोळियो

पवनी स्त्री० वसवाया

पवाई स्त्री० जोडा के पावडीनी जोडीमानु एक (२) घंटीनु एक पड

पवाना स०क्रि० 'पाना'नुं प्रेरक

पवित्र वि० [स] निर्मळ; पुनित (२) पु० वर्षा, घी, मध, दर्भ इ० जे पवित्र गणाय छे. –त्रित वि० पवित्र थयेलु के करायेलु

पशम स्त्री० [फा] पशम ऊन (२) बहु तुच्छ वस्तु –मीना पु० पशमीनो कापड

पशु पु० [स] चोपगु; जानवर ०पति पु० शिव ०पाल(०क) पु० पशु पाळनार ०राज पु० सिंह

पशेमान वि० [फा.] पस्तायेलु (२) लज्जित (नाम, –नी स्त्री०)

पश्चात् अ० [स.] पछी; बाद (२) पश्चिममां

पश्चात्ताप पु० [स.] पस्तावो; [illegible]

पश्चिम पु० [स.] पश्चिम दिशा (२) वि० पछीनु. –मी वि० पश्चिमनु. –मोत्तर पु० वायव्य कोण

परे अ० पेले पार; पार (२) बाद; पछी (३) बहार; पर; अतीत **–कहना** ='दूर हठो', 'खसो' एवु कहेवु. **–बिठाना** = हराववु; मात करवु
परेई स्त्री० मादा पारेवु [जोवी
परेखना स०क्रि० (प.) परीक्षवु (२) राह
परेग स्त्री० नानी खीली
परेट,–ड पु० सिपाहीनी परेड; कवायत
परेता पु० दोरो लपेटवानी फरकडी के फाळको
परेवा पु० पारेवु
परेशान वि० [फा] हेरान; दु:खी; व्याकुल. (नाम, **–नी** स्त्री०)
परों अ० जुओ 'परसों' [बहारनु
परोक्ष वि० [स.] अज्ञात; छूपु; नजर
परोना स०क्रि० (प.) परोववु; 'पिरोना'
परोपकार पु०[स] बीजानु भलु करवु ते; परहित **०क,–री** वि० परहितकारक
परोल पु० [इ.] पेरोल; केद के पहेरामाथी छूट
परोसना स०क्रि० पीरसवु
परोसा पुं० एक जणनु भाणु; पिरसण
परोहना पु० वाहन; सवारी
परोहा पु० कोस, 'चडस'
पर्चा पु० [फा] जुओ 'परचा'
पर्जन्य पु० [स] वरसाद
पर्ण पु० [स] पादडु; पान
पर्दा पु० जुओ 'परदा'
पर्पट पु० [स] पापड
पर्यंक पु० [स] पलग
पर्यंत अ० [स] लगी, सुधी (२) पु० समीप; पास (३) अंतिम सीमा
पर्यटन पु०[स] भ्रमण; आम तेम फरवु ते
पर्यवसान पु० [स] अत (२) निश्चय
पर्याप्त वि० [स.] पूरतु; 'काफी' (२) समर्थ; सशक्त [(२) प्रकार
पर्याय पु० [स] ए ज अर्थनो बीजो शब्द
पर्व पु० [स] अवसर (२) उत्सव (३) भाग; खड
पर्वत पु० [स] पहाड **–ती** वि० पर्वतनु के त्या रहेतु, थतु के ते सबधी
पर्वरिश स्त्री० जुओ 'परवरिश'
पर्वा, ०ह स्त्री० जुओ 'परवाह'
पर्हेज पु०, **०गार** वि० जुओ 'परहेज़, ०गार'
पलंग पु० पलंग; खाटलो. **–तोड़ना** = आळसु सूता पड्या रहेवु **–लगाना** = खाटलो पाथरवो
पलंगपोश पु० पलगनी चादर
पलंगड़ी, पलंगिया स्त्री० नानो पलग –खाटलो
पल पु० [स] पळ; क्षण (२) पलक
पलक स्त्री० [फा] पलक; क्षण (२) पोपचु. **–बिछाना** = प्रेमथी स्वागत करवु. **–मारना** = पोपचु पटपटाववु. **–लगना** = पलकवु (२) ऊघ आववी
पलक-दरिया (०व) वि० अति उदार; दानी [खूब भीड
पलटन स्त्री० लश्करनी पलटण (२)
पलटना स०क्रि० पलटवु, बदलवु
पलटा पु० पलटो; फेरफार (२) बदलो
पलटनिया पु० पलटणनो सिपाई
पलटे अ० बदले; अवेजमा [पालडु
पलड़ा(–रा) पु० त्राजवानु पल्लु–
पलथी स्त्री० 'पालथी', पलाठी
पलना अ०क्रि० पालन थवु; पलवावु (२) हृष्टपुष्ट थवु
पलरा पु० जुओ 'पलड़ा'

पलवाना स०क्रि० पलवाववु;('पालना'नु प्रेरक)
पलवारी पु० नाविक; खलासी
पलस्तर पु० प्लास्टर ०कारी स्त्री० प्लास्टर करवु ते. –ढीला होना, –बिगड़ना=बहु हेरान थवु
पला पु० पळ (२) पल्लु
पलान पु० घोडा इ०नु पलाण. ०ना स०क्रि० पलाणवु
पलाना अ०क्रि० (२) स०क्रि० पलायन करवु के करावबु
पलायन पु० [स] नासवु–भागवु ते
पलित वि० [स] वृद्ध (२) धोळु (वाळ) (३) पु० पळियु
पली स्त्री० पळी
पलीता पु० [फा] तावीज मंतरेलो कागळ लपेटीने करातु मादळियु (२) पलीतो –ती स्त्री० नानो पलीतो
पलीद वि० [फा.] गंदु (२) नापाक (३) पुं० भूत; पलीत
पलुहना अ० क्रि० (प.) पांगरवु; पल्लववु; 'पनपना' (पलुहाना–प्रेरक)
पलेट स्त्री० प्लेट; टाको. –उलटना= प्लेट मारवो–भरवो
पले(–लो)थन पुं० अटामण. –निकलना =खूब मार खावो के हेरान थवु; आटो नीकळवो
पलोटना स० क्रि० पग दाबवा (२) अ०क्रि० [illegible] तरफडवु
पलोथन पु० जुओ 'पलेथन'
पल्लव पु० [स] कूंपळ (२) पालव (३) [illegible]; [illegible]. ०ना अ०क्रि० पल्लववु, पांगरवु. –वित वि० पांगरेलु
पल्ला अ० दूर (२) पु० पल्लो; छेडु (३) त्राजवानु पल्लु (४) कमाड (५) त्रण मण (६) [फा] पल्लो; पालव (७) वि० जुओ 'परला'. –छूटना= छुटकारो मळवो. –पसारना=पालव –खोळो पाथरवो; मागवु. पल्ले पड़ना =मळवु पल्ले बांधना=जवाबदारी सोंपवी
पल्ली स्त्री०[स]नानु गामडु (२)घरोळी
पल्लेदार पु० अनाज तोलनार के ते वही जनार
पवन पु० [स] वायु; हवा (२) श्वास. ०चक्की स्त्री० पवनथी चालती चक्की. ०चक्र पु० वंटोळियो
पवनी स्त्री० वसवाया
पवाई स्त्री० जोडा के पावडीनी जोडीमानु एक (२) घंटीनु एक पड
पवाना स०क्रि० 'पाना'नु प्रेरक
पवित्र वि० [स] निर्मळ; पुनित (२) पु० [illegible], घी, मध, दर्भ इ० जे पवित्र गणाय छे –त्रित वि० पवित्र थयेलु के करावेलु
पशम स्त्री० [फा] पशम ऊन (२) बहु तुच्छ वस्तु –मीना पु० पशमीनो कापड
पशु पु० [स] चोपगु; जानवर ०पति पु० शिव ०पाल(०क) पु० पशु पाळनार ०राज पुं० सिंह
पशेमान वि० [फा.] पस्तावेलु (२) लज्जित (नाम,–नी स्त्री०)
पश्चात् अ० [स.] पछी; बाद (२) पश्चिममा
पश्चाताप पु० [स] पस्तावो, अफसोस
पश्चिम पु० [स.] पश्चिम दिशा (२) वि० पछीनु. –मी वि० पश्चिमनु. –मोत्तर पु० वायव्य कोण

परे अ० पेले पार; पार (२) बाद; पछी (३) बहार; पर; अतीत –कहना ='दूर हठो', 'खसो' एवु कहेवु –बिठाना = हरावबु; मात करवु
परेई स्त्री० मादा पारेवु [जोवी
परेखना स०क्रि० (प.) परीक्षवु (२) राह
परेग स्त्री० नानी खीली
परेट,–ड पु० सिपाहीनी परेड; कवायत
परेता पु० दोरो लपेटवानी फरकडी के फाळको
परेवा पु० पारेवु
परेशान वि० [फा] हेरान; दुःखी; व्याकुल. (नाम, –नी स्त्री०)
परों अ० जुओ 'परसों' [बहारनु
परोक्ष वि० [स] अज्ञात; छूपु; नजर
परोना स०क्रि० (प) परोववु; 'पिरोना'
परोपकार पु०[स] बीजानु भलु करवु ते; परहित ०क,–री वि० परहितकारक
परोल पु० [इ.] पेरोल; केद के पहेरामाथी छूट
परोसना स०क्रि० पीरसवु
परोसा पु० एक जणनु भाणु; पिरसण
परोहना पु० वाहन, सवारी
परोहा पु० कोस; 'चडस'
पर्चा पु० [फा] जुओ 'परचा'
पर्जन्य पु० [स] वरसाद
पर्ण पु० [स] पादडु; पान
पर्दा पु० जुओ 'परदा'
पर्पट पु० [स] पापड
पर्यंक पु० [स] पलग
पर्यंत अ० [स] लगी; सुधी (२) पु० समीप; पास (३) अतिम सीमा
पर्यटन पु०[स] भ्रमण; आम तेम फरवु ते
पर्यवसान पु० [स] अत (२) निश्चय
पर्याप्त वि० [स.] पूरतु; 'काफी' (२) समर्थ; सशक्त [(२) प्रकार
पर्याय पु० [स.] एक ज अर्थनो बीजो शब्द
पर्व पु० [स] अवसर (२) उत्सव (३) भाग; खड
पर्वत पु० [स] पहाड. –ती वि० पर्वतनु के त्या रहेतु, थतु के ते सबधी
पर्वरिश स्त्री० जुओ 'परवरिश'
पर्वा, ०ह स्त्री० जुओ 'परवाह'
पर्हेज़ पु०, ०गार वि० जुओ 'परहेज़, ०गार'
पलंग पु० पलग; खाटलो. –तोड़ना = आळसु सूता पडचा रहेवु. –लगाना = खाटलो पाथरवो
पलंगपोश पु० पलगनी चादर
पलंगड़ी, पलंगिया स्त्री० नानो पलग –खाटलो
पल पु० [स] पळ, क्षण (२) पलक
पलक स्त्री० [फा.] पलक; क्षण (२) पोपचु. –बिछाना = प्रेमथी स्वागत करवु. –मारना = पोपचु पटपटाववु. –लगना = पलकवु (२) ऊघ आववी
पलक-दरिया (०व) वि० अति उदार; दानी [खूब भीड
पलटन स्त्री० लश्करनी पलटण (२)
पलटना स०क्रि० पलटवुं; बदलवु
पलटा पु० पलटो; फेरफार (२) बदलो
पलटनिया पु० पलटणनो सिपाई
पलटे अ० बदले; अवेजमा [पालडु
पलड़ा(–रा) पु० त्राजवानु पल्लु–
पलथी स्त्री० 'पालथी'; पलाठी
पलना अ०क्रि० पालन थवु; पलवावु (२) हृष्टपुष्ट थवु
पलरा पु० जुओ 'पलटा'

पलवाना स०क्रि० पलवाववु,('पालना'नु प्रेरक)

पलवारी पु० नाविक; खलासी

पलस्तर पु० प्लास्टर **०कारी** स्त्री० प्लास्टर करवु ते. **–ढीला होना, –बिगड़ना**=बहु हेरान थवु

पला पु० पळ (२) पल्लु

पलान पु० घोडा इ०नु पलाण. **०ना** स०क्रि० पलाणवु

पलाना अ०क्रि० (२) स०क्रि० पलायन करवु के करावबु

पलायन पु० [स] नासवु–भागवु ते

पलित वि० [स] वृद्ध (२) धोळु (वाळ) (३) पु० पळियु

पली स्त्री० पळी

पलीता पु० [फा] तावीज मतरेलो कागळ लपेटीने करातु मादळियु (२) पलीतो **–ती** स्त्री० नानो पलीतो

पलीद वि० [फा] गदु (२) नापाक (३) पु० भूत; पलीत

पलुहना अ० क्रि० (प) पागरवु; पल्लववु; 'पनपना'.(**पलुहाना**–प्रेरक)

पलेट स्त्री० प्लेट; टाको **–डालना**= प्लेट मारवो–भरवो

पले(–लो)थन पु०अटामण **–निकलना** =खूब मार खावो के हेरान थवु; आटो नीकळवो

पलोटना स० क्रि० पग दाववा (२) अ०क्रि० कष्टथी तडफडवु

पलोथन पु० जुओ 'पलेथन'

पल्लव पु० [स.] कूपळ (२) पालव (३) कडु; कंकण **०ना** अ०क्रि० पल्लववु, पागरवु. **–वित** वि० पागरेलु

पल्ला अ० दूर (२) पु० पल्लो; छेटु (३) त्राजवानु पल्लु (४) कमाड (५) त्रण मण (६) [फा.] पल्लो; पालव (७) वि० जुओ 'परला'. **–छूटना**= छुटकारो मळवो **–पसारना**=पालव –खोळो पाथरवो; मागवु. **पल्ले पड़ना** =मळवु. **पल्ले बाँधना**=जवाबदारी सोंपवी

पल्ली स्त्री०[स]नानु गामडु (२)घरोळी

पल्लेदार पु० अनाज तोलनार के ते वही जनार

पवन पु० [सं] वायु, हवा (२) श्वास **०चक्की** स्त्री० पवनथी चालती चक्की **०चक्र** पु० वटोळियो

पवनी स्त्री० वसवाया

पवाई स्त्री० जोडा के पावडीनी जोडीमानु एक (२) घटीनु एक पड

पवाना स०क्रि० 'पाना' नु प्रेरक

पवित्र वि० [स] निर्मळ; पुनित (२) पु० वर्षा, घी, मध, दर्भ इ० जे पवित्र गणाय छे **–त्रित** वि० पवित्र थयेलु के करायेलु

पशम स्त्री० [फा] पशम ऊन (२) बहु तुच्छ वस्तु **–मीना** पु० पशमीनो कापड

पशु पु० [स] चोपगु; जानवर **०पति** पु० शिव **०पाल(०क)** पु० पशु पाळनार **०राज** पु० सिंह

पशेमान वि० [फा] पस्तायेलु (२) लज्जित (नाम,**–नी** स्त्री०)

पश्चात् अ० [स.] पछी, बाद (२) पश्चिममा

पश्चात्ताप पु० [स] पस्तावो, अफसोस

पश्चिम पु० [स] पश्चिम दिशा (२) वि० पछीनुं. **–मी** वि० पश्चिमनु. **–मोत्तर** पु० वायव्य कोण

पश्तो स्त्री० [फा] पठाणोनी भाषा
पश्म स्त्री० [फा] जुओ 'पशम'
पश्मीना पु० [फा] पशमीनो
पषार(-ल)ना स०क्रि० (प.) पखाळवु, धोवु [वि० जराक
पसंग,-गा,-घा पु० 'पासग'; धडो (२)
पसंद वि० [फा.] गमतु; अनुकूल (२) स्त्री० पसदगी; रुचि. **-दा** पु० मासनी एक वानी. **-दीदा** वि० सारु; गमतु (२) पसद करेलु
पस अ० [फा.] पछी (२) अते (३) तेथी
पस-अंदाज पु० [फा.] सकट के घडपण माटेनो धनसग्रह
पसखुरदा पु० [फा.] एठवाड
पस-पा वि० [फा.] पाछु हठनार. ०ई स्त्री० पीछेहठ; हार
पसर पु० ढोरनु पसर–राते चरे ते (२) अर्धी पोश–पसलो
पसरना अ०क्रि० प्रसरवु, फेलावु
पसरहट्टा पु० हाट, बजार (गाधीओनु)
पसरू पु० [फा] नोकर; अनुचर
पसली स्त्री०पासळी. **-फड़कना**=मनमा जोश आववु; उत्साह होवो
पसाउ पु० (प.) प्रसाद; कृपा
पसाना स०क्रि० ओसावव [फेलावो
पसार(-रा) पु० प्रसरवु ते; प्रसार;
पसारना स०क्रि० प्रसारवु; फेलावव
पसारा पु० जुओ 'पसार'
पसारी पु० जुओ 'पसारी'
पसाव(०न) पु० ओसामण
पसिंजर पु० पेसेन्जर (उतारु के गाडी)
पसीजना अ०क्रि० झरवु (२) पीगळवु
पसीना पु० पसीनो,परसेवो. **पसीने पसीने होना**=परसेवाथी रेवझेब थई जवु
पसुरी,-ली स्त्री० पासळी
पसूजना स०क्रि० सीधा दोराथी सीववु
पसेरी स्त्री० पाचशेरी
पसेउ,-व पु० पसीनो; परसेवो
पसोपेश पु० [फा.पस-व-पेश]आघापाछी; दुविधा; आनाकानी (२) लाभालाभ
पस्त वि०[फा.] नीचु; नीचाणवाळु (२) थाकेलु (३) परास्त (४) नीच कोटिनु
पस्तकद वि० [फा] वामन, ठीगणु
पस्त-हिम्मत वि० [फा.] भीरु; डरपोक
पस्ती स्त्री०[फा.] नीचाण (२) नीचता (३) भीरुता
पहँ अ० (प) पासे, नजीक
पहँसुल स्त्री० दातरडा जेवी पाटिये जडेली शाक कापवानी बनावट
पहचान स्त्री० पिछान; ओळख
पहचानना स०क्रि० पिछानवु; ओळखवु
पहन पु० (प.) पहाणो; पथ्थर (२) [फा]पानो, प्रेमथी माने दूध छूटवु ते
पह(-हि)नना स०क्रि० पहेरवु. (**पहनवाना, पहनाना** स०क्रि० प्रेरक)
पह(-हि)नाव(-वा) पु० पहेरवेश (२) पोशाकनी भेट; पहेरामणी
पहपट पु० निंदा; कूथली (२) शोरबकोर (३) दगो; छळ (४) एक जातनु स्त्रीगीत ०बाज वि०'पहपट' मा कुशळ
पहर पु० प्रहर; पहोर
पहरना स०क्रि० पहेरवु
पहरा पु० पहेरो; चोकी. **-देना**=पहेरो भरवो, चोकी करवी **-पड़ना**=पहेरो के चोकी होवी. **-बैठना**=पहेरो बेसवो के लागवो
पहराना स०क्रि० पहेरावव. **-वा** पु० जुओ 'पहनावा'

पह(–हि)रावनी स्त्री० पोशाकनी भेट; पहेरामणी

पहरी,–रू,–रेदार पु० पहेरेदार

पहल पु० पहेल; बाजु; पासु (२) पहेल; प्रारभ **०दार** वि० पासादार. **–निकालना**=पासा पाडवा

पहलवान पु० [फा] पहेलवान

पहला वि० पहेलु (स्त्री० **–ली**) [रहस्य

पहलू पु० [फा] पहेल; पासु; पक्ष (२)

पहलू-तिही स्त्री० [फा] उपेक्षा

पहले अ० पहेला. **–पहल** अ० पहेल-वहेलु; सौथी शरूमा

पह(–हि)लौठा वि० (स्त्री० **–ठी**) पहेला खोळानु

पह(–हि)लौठी स्त्री० पहेली प्रसूति

पहाड़ पु० पर्वत. **–कटना**=भारे सकट दूर थवु **–टूटना**=भारे सकट आववं

पहाड़ा पु० आकनो पाडो

पहाड़ी वि० पहाडनु के ते सबघी (२) स्त्री० नानो पहाड (३) एक रागणी

पहिचान स्त्री०, **०ना** स० क्रि० जुओ 'पहचान, ०ना'

पहिन(–र)ना, पहिना(–रा)ना स० क्रि० जुओ 'पहनना, पहनाना'

पहिया पु० पैडु ['पहरना, पहराना'

पहिरना, पहिराना स० क्रि० जुओ

पहिरावनि,–नी स्त्री० जुओ 'पहरावनी'

पहिला वि० पहेलु (२) पहेला वेतरनु **–ले** अ० पहेला

पहिलौठा,–ठी जुओ 'पहलौठा, –ठी'

पहुँच स्त्री० पहोंच. **०ना** अ० क्रि० पहोचवु

पहुँचा पु० पहोंचो

पहुँचाना स०क्रि० पहोचाडवु

पहुँची स्त्री० पहोची

पहुना पु० परोणो; 'पाहुना'. **०ई** स्त्री० परोणाचाकरी

पहुप पु० (प) पुष्प, फूल; 'पुहुप'

पहुम,–मि,–मी स्त्री० पृथ्वी; 'पुहुमी'

पहेली स्त्री० समस्या; उखाणो. **–बुझाना** =समजाय नहि एम लाबु लावु कहेवु

पहलवी स्त्री० पहेलवी-भाषा

पाँ(०ई,०उँ) (प.),०व पु० पग; 'पाउँ'

पाँईबाग पु० मकान आसपासनो (खानगी) नानो बाग

पाँक पु० पक; कीचड

पाँख,०ड़ा पु० पक्षीनी पाख

पाँखड़ी स्त्री० (फूलनी) पाखडी

पाँखी पु० पक्षी; पखी (२) पतगियु

पाँखुरी स्त्री० पाखडी

पाँच वि० पाच; ५ **०वाँ** वि० पाचमु

पाँचा पु० खपाळी [जोडवी

पाँजना स०क्रि० रेणवु; धातुने रेणथी

पाँजर पु० पासु, पासळानो भाग (२) पासळी [सुकावी ते

पाँजी स्त्री० पार कराय एटली नदी

पांडित्य पु० [स] पडिताई, विद्वत्ता

पांडु पु०[स] पीळाश पडतो के सफेद रग. **०र** वि० पीळु के सफेद

पांडुलिपि स्त्री०, **पांडुलेख** पु० [स.] काचो खरडो

पाँति स्त्री० पक्ति (२) पगत

पांथ पु० [स.] पथिक; वटेमार्गु

पायँ पु० जुओ 'पायँ'. **०चा** पु० जुओ 'पायँचा' **०ता** पु० खाटलानी पागत; 'पायँता'

पाँव पु० 'पावँ'; पग

पाँवर वि० पामर; क्षुद्र

पांशु पु० [सं] धूळ; रज. **०ल** वि० धूळवाळु (२) व्यभिचारी
पाँस स्त्री० खेतरमा नाखवानु खातर. **०ना** स०क्रि० खातर नाखवु
पाँसा पु० [स पाशक] रमवानो पासो. **–उलटना**=बाजी फरी जवी
पा पु०[फा] पग (प्राय समासमां)
पा-अंदाज़ पु०- [फा.] पगलुछणियु
पाइप पु० [इ] पाईप; नळ [लीटी
पाई स्त्री० पाई नाणु (२) पाणनी ऊभी
पाउँ पु० पग; 'पाँव'
पाउंड पु०[इ] पाउड सिक्को के नाणु
पाउडर पु० [इ] पाउडर; भूको
पाक वि० [फा] पवित्र (२) निर्दोष (३) पु० [स] राधवु–पकववु ते. **–करना, –होना**=कोई अनिष्टमाथी मुक्त करवु के थवु [खिस्सु
पाक(–के)ट पु० पाकीट; थेली के
पाक-दामन वि० [फा] पतिव्रता; शीलवती (स्त्री)
पाकबाज़ वि०[फा] अति पाक–पवित्र
पाकर पु० पीपळनु (?) झाड
पाक-साफ़ वि० तद्दन पाक (२) तद्दन (कशाथी) अलग – सबध रहित
पाकी स्त्री०[फा] पाक के पवित्र होवु ते
पाकीज़ा वि०[फा.] पाक; पवित्र; शुद्ध (२) सुदर (३) निर्दोप
पाकेट पु० पाकीट; खिस्सु **–गरम करना**=लाच लेवी के आपवी
पाक्षिक वि०[स]पक्ष सबधी(२)पक्षपाती
पाखंड पु० वेद विरुद्ध आचार (२) ढोग **–डी** वि० पाखडवाळु
पाख पु० पक्ष; पखवाडियु (२) मकानना करानो उपलो त्रिकोण भाग
पाख़ाना पु०[फा] पायखानु (२) मळ. **–फिरना**=झाडे फरवु
पाग स्त्री० पाघडी (२) पु० चासणी. **०ना** स०क्रि० चासणीमा मूकवु
पागल वि०[स] पागल; गाडु. **०ख़ाना** पु० गाडानु दवाखानु
पागुर पु० वागोळवु ते; 'जुगाली'
पाचक वि०[स] पचावे एवु (२) पु० रसोइयो. **–न** पु० पचवु ते (२) पकाववु ते
पाछ स्त्री० चीरो, फाट
पाछना स०क्रि० चीरवु; फाट करवी, फाडवु
पाछल, पाछिल(-ला) वि० (प.) पाछलु
पाछी,–छू,–छे अ०(प) पछी; पाछळ
पा(०य)जामा पु० [फा] पायजामो; सूथणु
पाजी पु० दुष्ट; हलकु; खोटु
पा(०य)जेब स्त्री० [फा] नूपुर; झाझर
पाटबर पु० रेशमी वस्त्र
पाट पु० पहोळाई, जेम के धोतियानो पनो, नदीनो पट (२) चक्कीनु पडियु (३) रेशम (४) शण (५) राजपाट – सिंहासन (६) नदीनो पट (७) शिला के जाडु पाटियु, जेम के धोबीनु (८) कूवा परनु चोकठु
पाटन स्त्री० छत; गच्ची (२) पहेला माळ उपरनो मकाननो भाग (३) पाटण – गाम
पाटना स०क्रि० सपाट-समतल करवु (२) तृप्त करवु (३) खाडा परथी के अव्वर जवाने अव्वर पुल जेवी गोठवण करवी
पाटव पु० [स.] पटुता; चालाकी

पाटवी वि० पटराणीनो (पुत्र), युवराज (२) रेशमी
पाटसन पु० जुओ 'पटसन'
पाटा पु० पाटलो (२) खेडूतनो समार
पाटी स्त्री० परिपाटी, रीत (२) श्रेणी; पक्ति (३) पाटीगणित (४) पु० पाटी; स्लेट (५) खाटलानी ईस (६) लेसन
पाठ पु० [स] वाचवु ते के तेनो विषय (२) पाठ; बोध [(३) उपदेशक
पाठक पु० [स] वाचक (२) शिक्षक
पाठशाला स्त्री० [स] विद्यालय;निशाळ
पाठा वि० पठ्ठु; हृष्ट-पुष्ट
पाठी पु० [स] जुओ 'पाठक'
पाठ्य वि० [स] पठन करवा योग्य
पाड़ पु० किनार (२) माचडो (३) फासीनो माचडो (४) कूवा परनी जाळी
पाड़ा पु० पाडो; महोल्लो (२) भेंसनो पाडो
पाढ़ पु० सोनी इ०नी पाड (२) खेडूतनो चोकी करवा बेसवा माटेनो माळो
पाण पु० [स] वेपार (२) दाव; बाजी (३) पाणि; हाथ
पाणि पु० [स] हाथ ०**ग्रहण** पु० लग्न. ०**ज** पु० आंगळी (२) नख
पात पु० [स] पतन (२) नाश (३) (प.) पान, पत्र [पापी
पातक पुं० [स] पाप; गुनो. -**की** वि०
पातर,-ल स्त्री० पतराळु (२) वेश्या (३) वि० पातळु
पातशाह पु० पादशाह
पातावा पु० [फा.] पगना मोजा (२) जोडानी सखतळी
पाताल पुं० [स] पाताळ
पातिव्रत,-त्य पु० [स] पतिव्रतापणु
पाती स्त्री० (प) चिठ्ठीपत्र (२) झाडना पान (३) लाज; शरम
पातुर,०**नी** स्त्री० पातर; वेश्या
पात्र पु० [स] वासण (२) नदीनु पात्र -पट (३) नाटकनु पात्र (४) वि० (नाम साथे समासमा)-ने योग्य
पाथ पु० (प.) पथ; मार्ग [पीटवु
पाथना स०क्रि० घडवु (२) थापवु(३)
पाथर पु० (प.) पथ्थर
पाथेय पु० [स] भाथु, वटेसरी
पाद पु० [स] पग (२) चोथो भाग (३) खड; भाग (४) पु०, स्त्री० पादवु ते [करवी
पादना अ०क्रि० पादवु; वाछूट थवी के
पादप पु० [स.] झाड
पादरी पु० ख्रिस्ती धर्मगुरु; पादरी
पादशाह पु० [फा.] बादशाह; राजा
पादाति,०**क** पु० [स] पायदळ सैनिक
पादुका स्त्री० [स] पावडी (२) जोडा
पादोदक पु० [स] चरणामृत
पाद्य पु० [स] पग धोवा माटे पाणी
पाधा पु० उपाध्याय (२) पडित
पान पु० पान; पर्ण (२) खावानु पान (३) [स.] पीवु ते (४) पीणु-पाणी, दारू इ० (५) शस्त्रने पाणी चडाववु ते ०**गोष्ठी** स्त्री० दारू पीनारी मडळी. ०**दान** पु० पाननो डबो
पान-पत्ता पु० पानपट्टी (२) जुओ 'पानफूल' [पाखडी
पान-फूल पु० फूल नहि तो फूलनी
पाना स०क्रि० प्राप्त करवु, पामवु
पानी पु० पाणी. -**का बतासा** या **बुलबुला**=पाणीनाप रपोटा जेवु क्षण-भंगुर ते. -**छूना**=झाडे फरी पाणी

लेवु. **–टूटना** = पाणी खूब खूटवु. (जळाशयमा) **–देना** = पाणी पावु (२) पितृओने अजलि आपवी. **–पड़ना** = वरसाद पडवो (२) (किसी पर)**–पड़ना** = शर्मिंदु थवु **–पानी होना** = खूब शरमावु. **–मरना**=दोष के वाक होवो. **–लगना** = (पाणीनी के बीजी खराब) असर थवी; पाणी लागवु

पानीदार वि० पाणीदार

पानीदेवा वि० अजलि आपनार–तर्पण करनार वारस

पाप पु०[स.] पाप; कुकर्म **–कटना**=पाप टळवु – नाश थवु (२) झघडामाथी छूटवु **–पड़ना** = मुश्केल के कठण पडवु. **–मोल लेना**=जाणीजोईने कशा झघडामा पडवु

पापड़ पु० खावानो पापड (२) वि० पातळु **–वेलना**=खूब महेनत करवी

पापाचार पु०[स]पापी आचार; दुराचार

पापात्मा, पापिष्ठ, पापी वि० [स] पापी; दुराचारी

पा(०य)पोश पु० [फा.] जोडा

पाप्मा पु०[स] पाप (२) वि० पापी

पा-प्यादा अ० [फा] पगवाळु; 'पैदल'

पाबंद वि० [फा] (नाम, **–दी**) बद्ध; केद (२) नियमित (३) नियमवद्ध

पामर वि०[फा.] क्षुद्र; नीच (२) पापी

पा(०य)माल वि०[फा] (नाम, **–ली**) पायमाल; वरबाद

पायँ पु० (प.) पग. **०चा** पु० जुओ 'पायचा'. **०ता**, पु०, **०ती** स्त्री० खाटलानी पागत; 'पाँयँता'

पायंदाज़ पु० जुओ 'पा-अंदाज़'

पायखाना पु०[फा.] 'पाख़ाना'; जाजरू

पायचा पु० [फा] 'पायँचा'; लेघा के पायजामानी बाय

पायजामा पु० जुओ 'पाजामा'

पायज़ेब पु० जुओ 'पाज़ेब'

पायतख्त पु० [फा] राजधानी

पायताबा पु० [फा] पगनु मोजु

पायदार वि० [फा] टकाउ; मजबूत (नाम, **–री**)

पायपोश पु० जुओ 'पापोश'

पायबंद वि० [फा.] जुओ 'पाबद' (नाम, **–दी** स्त्री०)

पायमाल वि०, **–ली**, स्त्री० जुओ 'पामाल', '–ली'

पायल स्त्री० नूपुर (२) जनमता पहेला पग बहार आव्या होय तेवु बाळक

पायस स्त्री०, पु०[स] खीर; दूधपाक

पाया पु०[फा] खाटला इ० नो पायो (२) स्तभ (३) दरज्जो

पायाब वि० [फा] चालीने पार करी शकाय एवु छछरु (पाणी)

पारंगत वि० [स] निपुण; निष्णात

पार पु० [स] छेडो, अत (२) सामो किनारो

पारखी पु० पारेख; परखनार

पारचा पु०[फा] टुकडो (२) कपडु (३) कूवाना मो पर मुकातु लाकडानु चोकठु

पारतंत्र्य पु०[स] परतत्रता; गुलामी

पारद पु० [स] पारो

पारदर्शक वि० [स] आरपार जोई शकाय एवु

पारदर्शी वि० [स] दूरनु के छेवटनु जोनार; चतुर; दूरदर्शी

पारधी पु० शिकारी (२) हत्यारो

पारना स०क्रि० पाडवुं

पारमार्थिक वि० [स] परमार्थ सबधी; परम सत्य

पारलौकिक वि० [स] परलोक सबंधी

पारस पु० पारसमणि (२) ईरान देश (३) पतराळी–पतराळा पर पीरसेलु भोजन

पारसा वि० [फा.] सदाचारी; धर्मनिष्ठ

पारसाई स्त्री० साधुता; धर्मनिष्ठा

पारसी पु० पारसी लोक

पारसीक पु० पारस देश के तेनो निवासी

पारस्परिक वि०[स.]आपसनु, परस्परनु

पारा पु० पारो (२) [फा.] टुकडो

पारायण पु० [स] समाप्ति (२) कोई पाठनो पारायण

पारावत पु० [स] कबूतर; पारेवु (२) पर्वत (३) वानर

पारावार पु० [स] बेउ काठा (२) हद (३) समद्र

पारिजात, ०क पु० [स] पारिजातक फूलझाड

पारितोषिक पु० [स] इनाम (२) वि० सतोष के प्रसन्नता आपे एवुं

पारिभाषिक वि० [स] परिभाषावाळु; खास अर्थवाळु

पारिषद पु० [स] सभासद (२) पार्षद; अनुचर; गण

पारी स्त्री० पाळी; वारो

पार्थिव वि० [स] पृथ्वी संबंधी के तेमाथी थयेलु (२) पु० राजा

पार्ल(–र्ला)मेन्ट स्त्री० [इ] देशनी [illegible] धारासभा

पार्श्व पु० [स.] पासुं; बाजु (२) [illegible] (३) पास; समीपता

पार्षद पु० [स] पासे रहेनार मत्री के सेवक (२) सभासद

पार्सल पु० [इ] पारसल

पाल पु० सढनु कपडु (२) तबू (३) स्त्री० (पाणीनी) पाळ (४) फळ पकाववा नाखवा ते

पालक पु० [स] पालन करनार (२) अश्वपाल (३) दत्तक पुत्र (४) पालक भाजी [भाजी

पालकी स्त्री० पालखी (२) पालकनी

पालतू वि० पाळेलु; पोषेलु

पालथी स्त्री० 'पलथी'; पलाठी

पालन पु० [स] पाळवु के पोषवुं ते (२) गायनु करेटुं

पालना स०क्रि० पाळवु (२) पुं० [illegible]

पालव पु० पल्लव; कोमळ पान

पाला पु० झाकळ, हिम (२) [illegible] संबध; जोग (४) [illegible] –जाना=हिम पडवाथी [illegible] –पड़ना=पालो पडवो [illegible] वधावो. पाले पड़ना=[illegible] पडवुं

पालागन स्त्री० [illegible]

पालान पुं० [illegible]

पालित वि० [illegible]

पालिश [illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

[illegible]

पाव पुं० पा–चोथो भाग (२) पाशेर
पावक वि० [स.] शुद्ध के पवित्र करे एवु (२) पु० अग्नि (३) सदाचार (४) सूर्य
पावती स्त्री० पहोच; रसीद
पावदान पु० पग मूकवानी के चडवा माटे टेकववानी सवड के वस्तु
पावन वि० [स] पवित्र; पावक (२) पु० अग्नि (३) शुद्धि (४) पाणी
पावना स०क्रि० (प) जुओ 'पाना' (२) पु० लेणु
पावर पु० [इ.] बळ; शक्ति. **०स्टेशन, ०हाउस** पु० वीजळीघर
पावली स्त्री० चारआनी
पावा पु० पायो (खुरशी इ० नो)
पावस पु० वरसाद
पाश पु० [फा.] कपडु जरी जवु ते (२) टुकडो (३) [स.] वध; वधन (४) फासो (५) जाळ; फादो
पाशव वि० [स] पशु सबधी के तेनु के तेना जेवु
पाशा पु० तुर्की सरदारनो इलकाव
पाशुपत वि० [स] पशुपति–शिवनु; शैव [(२) पछीनु
पाश्चात्य वि० पश्चिमनु के त्या आवेलुं
पाषंड पु० [स] पाखड; मिथ्याधर्म; दभ. **–डी** वि० दभी; पाखडी
पाषाण पुं० [स.] पथ्थर
पासंग पु० [फा] धडो; पाशग. **(किसीका) पासंग भी न होना**= मुकावले वहु ऊतरतु होवु
पास पुं० पास; वाजु (२) समीपता (३) अ० पासे (४) पु० [फा.] पहेरो; चोकी (५) तरफदारी; शरम (६) ख्याल; 'लिहाज़'
पासना अ० क्रि० ढोरे पाहो मूकवो; 'पेन्हाना'
पास-पड़ोस पु० पासेनी जगा; पडोश
पासबान पु० [फा.] पहेरेगीर (२) स्त्री० रखात. **–नी** स्त्री० पहेरो, रक्षा; चोकी
पासा पु० पासो. **–उलटना, –पलटना** =वाजी वगडवी; कथळवु. **–पड़ना** =फाववु; पोबार पडवुं
पासी पु० [स पाशी] ताड छेदनारी एक अस्पृश्य गणाती जात (२) स्त्री० पाश
पाहँ अ० (प) जुओ 'पाहिँ'
पाहन पु० (प) पाषाण; पथ्थर
पाहरू पु० (प) पहेरेगीर; रक्षक
पाहिँ,–हों अ० (प) पासे (२) प्रत्ये
पाहि [स] 'रक्षण करो'; 'वचावो'
पाहुना पु० परोणो, महेमान (२)जमाई **–नी** स्त्री० स्त्री-महेमान (२) परोणागत
पाहुर पु० भेट; नजराणु (२) चाल्लो
पिंग वि० [स] लालाश पडतु पीळु (२) छीकणी रगनु (३) पुं० पाडो (२) कोळ; उदर
पिंगल वि० [स] 'पिंग'; पिंगळ (२) पु० कपि (२) नोळियो (३) पिंगळ; छदशास्त्र के तेना ऋषि
पिंगला स्त्री० एक नाडी (योगविद्या)
पिंजड़ा पु० पाजरु, पिंजर
पिंजन पु० [स] पीजण
पिंजर [स], **–रा** पु० पांजरु
पिंजरापोल पु० पाजरापोळ
पिंजिका स्त्री० [स.] पूणी
पिंजियारा पु० पीजारो

पिंड पु० [स] गोळ पिंड (२) देह; शरीर **–छोड़ना**=तग न करवु; न पजववु **–पड़ना**=पाछळ लागवु
पिंडज पु० [स] जरायुज जीव
पिंडरोग पु० [स] शरीरमा घर करीने लागेलो रोग (२) कोढ; पत [कपवु
पिंडली स्त्री० पिंडी **–हिलना**=भयथी
पिंडा पु० पिंड (२) देह (३) पिंडो. **–पानी देना**=सरावव्
पिंडारा,–री पु० पीढारो
पिंडालू स्त्री० एक कद [गोळी
पिंडी स्त्री० नानो पिंड के पिंडो; लोचो;
पिअ पु० (प) पियु; पति (२) वि० प्रिय
पिअ(–य)र वि० पीळु **–राई** स्त्री० पीळापणु
पिआ(–या)ज पु० प्याज, डुगळी
पिउ पु० (प) पियु, पति [कोयल
पिक पु० [स] कोकिल **–की** स्त्री०
पिघलना अ०क्रि० पीगळवु
पिघलाना अ०क्रि० पिगळाववु
पिचक स्त्री० पिचकारी **–का** पु० पिचकारो
पिचकना अ०क्रि० दबावु; गोबो पडवो; दवावाथी बेसी जवु. (प्रेरक **पिचकाना**)
पिचकारी, पिचकी स्त्री० पाणीनी सेड के ते मारवानु यत्र. **–छोड़ना**= पिचकारी मारवी
पिच्चित, पिच्ची वि० दवायेलु; वेठेलु
पिच्छ(–च्छि)ल वि० [स] चीकणु; लीसु
पिछड़ना अ०क्रि० पाछळ पडवु – रहेवु
पिछलगा,–ग्गू पु० अनुयायी (२) नोकर
पिछलगी स्त्री० अनुयायी के नोकर होवु ते
पिछला वि० पाछलु (२) गत
पिछवाड़ा पु० मकान पछवाडेनो भाग के जमीन; पछवाडुं
पिछाड़ी स्त्री० पछाडीनो भाग (२) घोडानी पछाडी – पगनु दोरडु
पिछौरा पु० पिछोडो, पछेडो
पिछौरी स्त्री० पिछोडी (२) स्त्रीओनु उपरणु
पिटत स्त्री० मारपीट
पिटना अ०क्रि० पिटावु, मार खावो (२) पु० थापडी (कडियानी) [मजूरी
पिटाई स्त्री० पीटवु के टीपवु ते के तेनी
पिटारा पु० (वास-नेतर इ० नी) पेटी
पिट्ठी,–ठी स्त्री० जुओ 'पीठी'
पिट्ठू पु० अनुगामी (२) खाधियो; मददगार (३) रमतनो भेरु [वडु
पिठौरी स्त्री० 'पीठी'–वाटेली दाळनु
पितर पु० मृत पूर्वज; पितृ
पितराई, –इँध स्त्री० पीतळनो काट
पितराना अ०क्रि० पीतळथी कटावु
पिता पु० [स] वाप. **०मह** पु० दादा
पितिया पु० काका **०नी** स्त्री० काकी **०ससुर** पु० काकोससरो **०सास** स्त्री० काकीसासु [पु० काका
पितृ पु० [स] पिता (२) पितर **०व्य**
पित्त पु० [स] (शरीरनु) पित्त **–उबलना या खौलना**=पित्तो जवो **–डालना** =ऊलटी थवी के करवी [पित्तळ
पित्तल वि० [स] पित्त करे एवु (२) पु०
पित्ता पु० पित्ताशय (२) साहस; हिंमत **– उबलना या खौलना**=पित्तो [illegible] ऊछळवो **–मारना**=[illegible]
पित्ताशय पु० [सं] [illegible] संग्रह शरीरना जे अगना [illegible] छे ते

पित्ती स्त्री० अळाई (२) एक पित्तरोग
पिदड़ी, पिद्दी स्त्री०, **पिद्दा** पु० एक पक्षी
पिधान पु० [स] ढाकण; आवरण(२) म्यान (३) कमाड
पिनकना अ०क्रि० ऊधथी के अफीणना नशाथी झोका खावा
पिनकी पु० अफीणियो
पिपासा स्त्री० [स] तरस (२) इच्छा; लालच. **–सित,–सी,–सु** वि० तरस्यु
पिपीलिका स्त्री० [स] कीडी [प्रिय
पिय(–या) पु० पियु, पति (२) वि०
पियक्कड़ वि० (दारू तमाकु इ०) खूब पीनार–व्यसनी [–राई
पियर वि०, **–राई** स्त्री० जुओ 'पिअर,
पिया पु० (प.) जुओ 'पिय'
पियाज पु० जुओ 'पिआज'
पियादा पु० [फा.] प्यादु–शेतरजनु (२) पेदल सिपाई (३) (अदालतनो)सिपाई
पियादा-पा अ० 'पदल'; पगपाळु
पियार पु० एक झाड (२) प्यार (३) वि० प्यारुं. **–रा** (प.) वि० प्यारु
पियाल पु० 'पियार' झाड
पिरकी स्त्री० फोल्ली
पिराना अ०क्रि० पीडावु; कष्टावुं
पिरोजा पु० पीरोज–एक रत्न
पिरोना स०क्रि० परोववु
पिलना अ०क्रि० एकसाथे कशा पर तूटी पडवुं (२) पिलावु
पिलपिला वि० अदरथी नरम ने भीनु
पिलपिलाना स०क्रि० दबाववु; घोळवु (जेम के केरी)
पिलाना स०क्रि० पिवडाववु (२) पीवाने माटे आपवु (३) अदर भरवु
पिल्ला पु० कुरकुरियु
पिल्लू पु० इयळ
पिव पु० (प.) पियु; पति
पिशवाज स्त्री० [फा.] नाचती वखते पहेराय छे एवो एक जातनो घाघरो
पिशाच पु०[स] भूतप्रेतनी एक योनि
पिशुन वि० [स.] चाडियु (२) नीच; दुष्ट
पिष्ट वि० [स] पीसेलु के पिसायेलु
पिष्टपेषण पु० [स.] तेनु ते फरी कह्या करवु ते [दळी खानारी स्त्री
पिसनहारी स्त्री० दळनार के दळणा
पिसना अ०क्रि० पिसावु; दळावु (२) थाकीने लोथ थई जवु
पिसर पु० [फा.] पुत्र
पिसवाना स०क्रि० पिसाववु
पिसाई स्त्री० पीसवु ते के तेनी मजूरी (२) कडी महेनत
पिसान पु० आटो, लोट
पिसौनी स्त्री० जुओ 'पिसाई'
पिस्तई वि० पिस्ताना रगनु
पिस्ता पु० [फा] पिस्तु
पिस्तौल स्त्री० पिस्तोल
पिस्सू पु० डास
पिहकना, पीकना अ०क्रि० टहुकवु
पिहित वि० [स] ढाकेलु; छूपु
पींजना स० क्रि० पीजवु
पीक स्त्री० पानवाळु थूक. **०दान** पु० पीकदानी
पीकना अ०क्रि० जुओ 'पिहकना'
पीका पु० कूपळ; नवु कोमळ पान
पीच स्त्री० भातनु ओसामण
पीछा पु० पाछलो भाग (२) पीछो (३) पछीनो समय **–करना**=केडे पडवु; पीछो पकडवो. **–पकड़ना**= पाछळ लागवुं; केडो पकडवो

पीछू (प.), **पीछे** अ० पाछळ (२) पछीथी. **पीछे छोड़ना, –डालना**=पाछळ मोकलवु (२) (धन) बचावी सघरवु
पीटना स०क्रि० पीटवु (२) टीपवु
पीठ पु० [स] आसन; स्थान (२) केन्द्र (३) स्त्री० शरीरनी पीठ **–ठोकना** =पीठ थाबडवी; शाबाशी के हिंमत आपवी. **–तोड़ना**=नाहिंमत करवु
पीठा पु० एक वानी
पीठी स्त्री० पलाळीने पीसेली दाळ
पीडक वि० [स] पीडा करनार; पीडनार **–न** पु० पीडवु ते (२) दबाववु ते
पीडा स्त्री० [स.] दु ख; व्यथा. **–ड़ित** वि० पीडायेलु, पीडामा आवेलु
पीढा पु० बेसवानो पाटलो
पीढ़ी स्त्री० पेढी (२) नानो पाटलो
पीत वि० [स] पीलु (२) पु० पीळो रग
पीतम पु० (प) प्रीतम, पति
पीतल पु० पित्तळ धातु
पीतांबर पु० [स] पीळु वस्त्र (२) रेशमी पीतावर (३) श्रीकृष्ण
पीदड़ी स्त्री० जुओ 'पिदडी'
पीन वि० [स] जाडु; हृष्टपुष्ट
पीनक स्त्री० अफीणियानु अडवडियु (२) झोका खावा ते [पीनस रोग
पीनस स्त्री० पालखी (२) पु० [स]
पीना स० क्रि० पीवु (२) दबाववु; रोकवु, अदर राखवु, जेम के वात, गुस्सो इ० (३) दारू पीवो
पीप(–व) स्त्री० परु [लीडी-पीपर
पीपर(–ल) पु० पीपळो (२) स्त्री०
पीपा पु० पीप (पाणी इ०नु)
पीब स्त्री० 'पीप'; परु
पीयूष पु० [स] अमृत (२) दूध
पीर स्त्री० (प.) पीडा; दु ख; दरद
पीर पु० [फा.] पीर; सिद्ध; महात्मा (२) वृद्ध, बुझुर्ग (३) सोमवार **०जादा** पु० पीरनु सतान **०नाबालिग** वि० साठे बुद्धि नाठी एवु वृद्ध. **०मुरशिद** पु० गुरुमहाराज, पूज्य गुरुजन
पीरी स्त्री० [फा.] पीरपणु (२) बुढापो (३) चेला मूडवानो धधो
पील पु० [फा] हाथी **०खाना** पु० हाथीखानु **०पाँव, ०पा** पु० हाथीपगो रोग **०बान,०वान** पु० महावत
पीलसोज पु० (प) दिवेट
पीला वि० पीळु (२) फीकु (३) पु० पीळो रग. **पीली चिट्ठी**=ककोतरी **पीली फटना**=पोह फाटवो, सवार थवु
पीलिया पु० कमळो
पीलू पु० एक काटाळु झाड (२) इयळ (३) एक राग ['पीवर'
पीव स्त्री० परु; पाच (२) जुओ वि०
पीवर वि० [स] जाडु, स्थूल; हृष्टपुष्ट
पीसना स० क्रि० पीसवु (२) कडी महेनत करवी (३) पु० दळणु
पीहर पु० पियेर; 'मैका'
पुंख पु० [स] तीरनो छेडानो पीछावाळो भाग. **–खित** वि० पीछावाळु (तीर)
पुंगव पु० [स] साढ (२) (समासना नामने अते) तेमा श्रेष्ठ, जेम के नरपुगव
पुंगीफल पु० [स] सोपारी
पुंछार पु० (प.) मोर
पुंछाला पु० जुओ 'पुछल्ला'
पुंज पु० [स.] राशि; ढगलो
पुंड पु० टीलु; तिलक

पुंडरीक पु० [स] धोळु कमळ (२) रेशमनो कीडो (३) टीलु; तिलक (४) खाड, साकर
पुंलिंग पु० [स] नरजाति (व्याकरण)
पुंश्चली स्त्री० [स] वेश्या
पुंस पु० (प.) पुरुष; नर [(२) दूध
पुंसवन पु० [स] सोळमानो एक सस्कार
पुंस्त्व पु० [स] पुरुषत्व (२) वीर्य
पुआ पु० मालपूडो
पुआल पु० 'पयाल'; पराळ
पुकार स्त्री० पोकार (बूम के फरियाद)
पुकारना स०क्रि० पोकारवु
पुखराज पु० पोखराज मणि [**पुख्तगी**)
पुख्ता वि० [फा] दृढ; मजबूत (नाम
पुचकार,-री स्त्री० बचकारो
पुचकारना स०क्रि० प्रेमथी बचकारवु
पुचारा पु० पोतु के कूचडो (२) भीनु पोतु फेरववु ते (३) पातळो लेप (४) खुशामत (५) उत्तेजन
पुच्छ पु० [स] पूछडी, 'दुम'
पुच्छल वि० पूछडियु, पूछडीवाळु **०तारा** पु० पूछडियो तारो
पुछल्ला पु० लावु पूछडु (२) पूछडा जेम साथे लागेलु ते (३) आश्रित
पुजना अ०क्रि० पूजावु; 'पूजना' नु कर्मणि
पुजवाना, पुजाना स०क्रि० पूजाववु
पुजाई स्त्री० पूजवु ते के तेनी मजूरी
पुजापा पु० पूजापो
पुजा(-जे)री, पुजैया पु० पूजारी
पुट पु० पट; पास (२) [स.] ढाकण (३) दडियो (४) औषधिनो सपुट
पुटकी स्त्री० पोटकी (२) अकस्मात् मृत्यु (३) शाकमा घलातो चणानो लोट **-पड़ना**=गजब थवो
पुटी स्त्री० नानो दडियो के कटोरी (२) पडीकी (३) लगोटी [माटे) लापी
पुटीन पु० (काच इ० बारणामा जडवा
पुट्ठा पु० थापानो उपरनो भाग (२) पुस्तकनी बाधणीनी पटी
पुठवार अ० पूठे, पाछळ
पुठवाल पु० मददगार, सागरीत
पुड़ा पु० पडो, मोटु पडीकु
पुड़िया स्त्री० पडीकु के पडीकी.**-बाँधना**=पडीकु वाळवु
पुण्य पु० [स] सुकृत; सारु काम के तेनु शुभफळ (२) वि० पवित्र; शुभ. **०वान** वि० पुण्यशाळी **०श्लोक** वि० पवित्र जीवनवाळु (२) पु० तेवो आदर्श पुरुष
पुण्याई स्त्री० पुण्यनु फळ के पुण्यता
पुण्यात्मा पु०[स] पवित्र पुरुष; धर्मात्मा
पुण्याह पु०[स] शुभ दिन; मगळ दिवस
पुतरा पु०, **-री** स्त्री० (प) जुओ 'पुतला,-ली'
पुतला पु० नर-पूतळी,ढीगलो (किसीका) **पुतला बाँधना**=बदनामी करवी
पुतली स्त्री० ढीगली **०घर** पु० कारखानु; मिल
पुताई स्त्री० 'पोतना' परथी नाम
पुत्तली,-लिका स्त्री० [स] पूतळी
पुत्र पु० [स] दीकरो **०वती** स्त्री० पुत्रवाळी स्त्री **०वधू** स्त्री० पुत्रनी वहु **-त्रिका,-त्री** स्त्री० दीकरी. **-त्रेष्टि** स्त्री० पुत्रप्राप्ति माटेनो यज्ञ
पुदीना पु० फुदीनो
पुनः अ० [स] फरी (२) उपरात
पुनरपि अ० [स] फरी पण [पुनर्जन्म
पुनरागमन पु०[स.] फरी आववु ते (२)

पुनरावृत्ति स्त्री० [स] फरी करवु के पढवु के आववु ते
पुनरुक्ति स्त्री० [स] फरी कहेवु ते
पुनर्जन्म पु० [स] फरी जनमवु ते
पुनर्निर्माण पु० [स] नवरचना
पुनर्भू स्त्री०[स] फरी परणेली विधवा
पुनि(–नी) अ० (प) पुन ; फरीथी
पुनीत वि० पवित्र; पुनित
पुर वि०[फा] पूर्ण, भरेलु (समासमा पहेला पद तरीके पण जेम के **पुर-असर** = असरकारक, **पुर-जोश** इ०) (२) पु० [स] नगर; गाम (३) देह (४) घर [(स्त्री०–**ख्रिन**)
पुरखा पु० पूर्वज (२) घरनो वृद्धजन
पुरचक स्त्री० 'पुचकार'; बचकारो (२) उत्तेजन(३)उश्केरणी (४) समर्थन, पक्ष
पुरजा पु० [फा] टुकडो (२) अवयव (३) अश; भाग (**चलता पुरजा**=चालाक पाको माणस) [पूर्वजन्मनु
पुरब(–बि,–बु)ला वि० पूर्वनु (२)
पुरबिया वि०पुरबियु; पूर्वनु(स्त्री० ०नी)
पुरबि(–बु)ला वि० जुओ 'पुरबला'
पुरवट पु० पाणीनो कोस
पुरवना स०क्रि० (प) पूरवु; भरवु; पूरु करवु (२) अ०क्रि० पूरु होवु (३) पूरतु के जोईतु होवु [पवन (३) कुलडी
पुरवा पु० नानु पुर – गाम (२) पूर्वनो
पुरवाई, पुरवैया स्त्री० पूर्वनो वायरो
पुरश्चरण पु० [स] कार्यसिद्धि माटे करातु अनुष्ठान के विधि इ०
पुरसाँ वि० [फा] पूछनार
पुरसा पु० माथोडु माप (२) [फा.] जुओ 'ताजियत'
पुरसिश स्त्री०[फा] पुरसीस; पूछपरछ
पुरस्कार पु० [स] इनाम; भेट
पुरा अ०[स] पहेलां, प्राचीन काळमा (२)स्त्री०पूर्व दिशा (३) नानु पुर; गाम
पुराण वि० [स] प्राचीन, जूनु (२) पु० पुराण ग्रथ [विद्या
पुरातत्त्व पु०[स] प्राचीन काळ सबधी
पुरातन वि० [स] प्राचीन; जूनु
पुराना वि० पुराणु(२)स०क्रि० पुराववु **–घाघ** = भारे चालाक, अनुभवी
पुरिखा,–षा पु० जुओ 'पुरखा'
पुरी स्त्री० [स] पुरी; नगरी (२) जगन्नाथ (३) [फा] पूर्णता, पूरवु के भरवु ते (समासमा)
पुरीष पु० [स] विष्टा; मळ
पुरुष पु०[स] नर; माणस (२) आत्मा
पुरुषार्थ पु०[स] पुरुषना उद्देश के ते अर्थेनो उद्यम (२) सामर्थ्य; बळ. **–र्थी** वि० उद्यमी; महेनतु
पुरोग,–गामी वि०[स] अग्रेसर; नायक
पुरोध,–धा,–हित पु०[स] गोर; कुलगुरु
पुरोहिताई स्त्री० पुरोहितनु काम
पुर्जा पु० जुओ 'पुरजा'
पुर्तगाल पु० पोर्टुगल देश
पुल पु०[फा] पुल; सेतु **–टूटना**=खूब वधवु. (किसी बातका) **–बाँधना**= अतिशयता करवी
पुलक पु०[स] अति आनंद; रोमाच **–कित** वि० रोमाचित
पुलटिस स्त्री० पोटीस
पुलपुला वि० अदरथी नरम ने पोचु
पुलपुलाना स०क्रि०नरम चीज दबाववी; घोळवु (२) घोळीने चूसवु
पुलसरात पु०[फा] बहिश्तमा जवानो बारीक पुल

पुलाव पु० मास साथे थती चोखानी एक वानी
पुलिंदा पु० वंडल; थोकडो
पुलिन पु० [स] रेताळ नदीकिनारो (२) पाणी हठीने थती कापवाळी जमीन
पुलिस स्त्री० [इं.] पोलीस. ०**मैन** पु० पोलीसनो सिपाई [परपरानी)
पुश्त स्त्री० [फा] पीठ (२) पेढी (वंश-
पुश्तक स्त्री० [फा.] घोडा गधेडानी पाछला पगनी लात
पुश्तनामा पु० [फा] वशावळी
पुश्त-पनाह पु० [फा] मददगार; टेको आपनार. —**ही** स्त्री० मदद; टेको
पुश्ता पु० [फा] पुस्तो; बांध (२) जुओ 'पुट्ठा' (२) [एटलो भार
पुश्तारा पु० [फा] पीठ पर लेवाय
पुश्ती स्त्री० [फा.] टेको (२) मदद (३) तरफदारी (४) तकियो
पुश्तैन स्त्री० वशपरपरा; पेढी दर पेढी
पुश्तैनी वि० [फा] वशपरपरा चालतु आवेलु के चालनारु
पुष्कर पु० [स] कमळ (२) तळाव (३) पाणी —**रिणी** स्त्री० तळावडी
पुष्कल वि० [स] पुष्कळ; खूब (२) उत्तम (३) परिपूर्ण; भरपूर
पुष्ट वि० [स] खाईपीने ताजुं माजु (२) पोपायेलु (३) दृढ; मजबूत
पुष्टई स्त्री० ताकात के पुष्टिनी दवा
पुष्टि स्त्री० [स] पोषण (२) पुष्ट थवु ते (३) दृढता (४) समर्थन
पुष्प पु० [स] फूल (२) आखमा फूल पडे ते (३) स्त्रीनी रज
पुसाना अ०क्रि० (प.) पूरु पडवु के ठीक लागवु; पोसावुं

पुस्तक स्त्री० [स.] चोपडी; 'किताब'. —**कालय** पु० ग्रथालय —**की, पुस्तिका** स्त्री० नानी चोपडी; चोपानियु
पुह(—हु)प पु० (प.) पुष्प
पुहुमी स्त्री० (प) पृथ्वी; भूमि
पूँछ स्त्री० पूछडी (२) पछवाडेनो भाग. ०**ड़ी** स्त्री० पूछडी
पूँजी स्त्री० पूजी; धन (२) मूडी ०**पति** पु० मूडीदार; धनवान. ०**वाद** पु० मूडीवाद
पूआ पु० पूडो के मालपूओ
पूग पु० [स] सोपारी के तेनु झाड (२) पुज; ढगलो (३) फणस के तेनु झाड. —**गी** स्त्री० सोपारी के तेनु झाड
पूछ स्त्री० पूछवु ते (२) तपास; खोळ (३) कोई पूछे ते; आदर; गणना
पूछता(—पा)छ स्त्री० पूछपरछ
पूछना स०क्रि० पूछवु ['पूछताछ'
पूछपाछ, पूछता(—पा)छी स्त्री० जुओ
पूजक पुं० [स] पूजा करनार
पूजन पु० [स.] पूजा; पूजवु ते
पूजना स०क्रि० पूजवु; सेवा करवी (२) लांच आपवी (३) अ०क्रि० पूरु थवु (४) भरावु; बरोबर थवु
पूजनीय वि० [स] पूज्य; पूजाने पात्र
पूजा स्त्री० [स] पूजा; उपासना; अर्चन (२) लांच (३) मार; मेथीपाक
पूज्य वि० [स] पूजनीय
पूड़ा पु० मालपूडो
पूड़ी स्त्री० पूरी
पूत वि० [स.] पवित्र; शुद्ध (२) पु० पुत्र
पूतड़ा पु० वळोतियु
पूति स्त्री० [स] पवित्रता (२) दुर्गंध
पूती स्त्री० गांठ (२) लसणनु जीडवुं

पूनी स्त्री० पूणी
पूनव, पूनिउँ, पूनो,-न्यो स्त्री० पूनम
पूप पु० [स] मालपूडो
पूय पु० [स] परु; पाच
पूर पु० पूर, भरती (२) पूरण (कचोरी इ० नु)
पूरक वि० [स] पूर्ति करनारु (२) पु० एक प्राणायाम [पूरवु ते
पूरण पु० [स] पूरु थवु के करवु ते;
पूरण,-न वि० (प) पूर्ण, पूरु
पूरनपूरी स्त्री० पूरणपोळी
पूरनमासी स्त्री० पूर्णिमा
पूरना स०क्रि० पूरवु, भरवु (२) पूरु करवु (३) अ०क्रि० पूरु थवु; भरावु
पूरब पु० (२) वि० पूर्व ०ल पु० (प.) पूर्वजन्म (२) प्राचीन जमानो ०ला वि० (प) प्राचीन; पुराणु (३) पूर्व-जन्मनु -बी वि० पूर्वनु
पूरा वि० पूरु; पूर्ण भरेलु (२) पूरतु; वधु
पूरी स्त्री० पूरी-एक वानी
पूर्ण वि० [स] पूरु (२) परितृप्त (३) भरपूर (४) वधु ०**मासी** स्त्री० पूर्णिमा; पूनम. ०**विराम** पु० वाक्यनु ( ) चिह्न
पूर्णाहुति स्त्री० [स] यज्ञनी पूर्णाहुति (२) समाप्ति
पूर्णिमा स्त्री० [सं] पूनम
पूर्ति स्त्री० [स.] पूरु थवु ते; समाप्ति (२) भरपाई; खूटतु पूरु करवु ते
पूर्व वि० [स] पहेलानु (२) पुराणु; जूनु (३) पूर्वनु (४) पु० पूर्वदिशा (५) अ० पूर्व; पहेला
पूर्वक वि० [स] ते साथे; सहित (नाम साथे समासमा) [मोटो भाई
पूर्वज पुं० [स] पूर्व पुरुष; वडवो (२)
पूर्वापर वि० [स] पूर्व अने अपर, आगळ पाछळनु (२) अ० आगळ पाछळ. (नाम,-र्य पु०). [पहेलो भाग
पूर्वाह्,-ह्ण पु० [स] दिवसनो पूर्व-
पूर्वी वि० पूर्वनु [अगाउ कहेलु
पूर्वोक्त वि० [स] पहेला-उपर के
पूला पु० पूळी (स्त्री० -ली)
पूस पु० पोष मास
पृच्छक वि० [स] पूछनार; जिज्ञासु
पृच्छा स्त्री० [स] प्रश्न, सवाल, जिज्ञासा
पृथक् वि० [स] जुदु; छूटु, अलग. -**क्करण** पु० अलग करवु के पाडवु ते
पृथिवी, पृथ्वी स्त्री० [स] धरती; दुनिया
पृथु वि० [स] मोटु; विशाळ, विस्तृत (२) अगणित
पृष्ठ पु० [स] पीठ (२) उपरनी सपाटी (३) पाछळनो भाग (४) चोपडीनु पानु
पेंग स्त्री० हीचकानो हेल्लो. -**मारना** =हीचकाने हेल्लो मारवो, हीचवु
पेंडुकी स्त्री० होलो (२) जुओ 'गुझिया'
पेंदा पु०, **पेंदी** स्त्री० तळियु
पेंशन स्त्री० [इ] पेनशन, निवृत्ति ०र पुं० निवृत्त थयेलो
पेंसिल स्त्री० [इ.] पेनसिल
पेखना स०क्रि० (प.) देखवु; जोवु
पेच पु० [फा] पेच (स्क्रू, आटो, युक्ति वगेरे). -**घुमाना** = पेच मरडवो; युक्ति करी पलटी नाखवु
पेचक स्त्री० [फा] दोरनी गूचळी (२) पु० [स] घुवड
पेचकश पु० [फा] पेचियु
पेचताब पु० [फा.] दाझ; मननो गुस्सो
पेचदार वि० जुओ 'पेचीदा'
पेचा पु० 'पेचक'; घुवड

पेचिश स्त्री० [फा.] मरडानो रोग
पेचीदा(-ला) वि० [फा] (नाम,**-दगी**) पेचवाळु (२) कठण; आटीघूटीवाळु
पेट पु० पेट (२) गर्भ (३) पेटु; अदरनो भाग (४) मन **-काटना**=बचत करवा ओछु खावु **-का पानी न पचना**= रही के रोकाई न शकावु.**-का हलका** =हलका पेटनु; क्षुद्र. **-गिरना**=गर्भपात थवो. **-चलना**=दस्त थवा. **-छूटना**= दस्त थवो (२) पूछडु छूटवु **-जलना** =भूख लागवी (२) गुस्सो आववो. **-जारी होना**=झाडा थवा **-देना**= मननी वात बताववी. **-पानी होना**= पातळो झाडो थवो (२) डरवु. **-पालना**=जेम तेम गुजारो चलाववो; पेटियु पूरु करवु. **-पीटना**=पेट कूटवु; बेचेन थवु. **-में चूहे कूदना या दौड़ना** = खूब भूख लागवी **-में दाढ़ी होना** =बचपनथी होशियार होवु. **-में पाँव होना**=पाकुं, पहोचेल होवु **-में पानी न पचना**=पेटमा वात न रहेवी **-में पानी होना**=गभरावु; चिंतामा पडवु. **-में बल पड़ना**=हसवाथी पेट दुखवु **-लगना** = भूखथी पेट चोटी जवु. **-से होना** = गर्भवती होवु
पेटक पु०[स] पेटी, पटारो (२) 'ढेर'
पेटल वि० मोटा पेटवाळु; दुदाळु
पेटवाली स्त्री० सगर्भा स्त्री
पेटा पु० पेटु; अदरनो भाग (२) नदीनो पट (३) हिसावनु पेटु (४)घेराव,सीमा
पेटार,-रा पु० पटारो
पेटार्थी,-र्थू वि० खाउधरु; पेटूडु
पेटी स्त्री० पटो (२) नानी पेटी
पेटू वि० जुओ 'पेटार्थी'
पेटेंट वि० [इ.] पेटट करावेलु (२) पु० कोई चीज इ० सरकारमा पेटंट करावबी ते
पेट्रन पु० [इ] सरक्षक; समर्थक
पेट्रोल पु० [इ] मोटरनु पेट्रोल
पेठा पु० भूराकोळु (२) तेनी एक मीठाई
पेड़ पु० झाड **-लगना** = झाड ऊगवु के थवु के रोपावु
पेड़ा पु० पेंडो (२) कणकनो लूओ
पेड़ी स्त्री० झाडनु थड (२) धड
पेड़ू पु० पेढु (२) गर्भाशय
पेन स्त्री० [इं] कलम
पेनी स्त्री० [इ] पेन्स
पेन्शन स्त्री०[इ] नोकरीमाथी निवृत्त थये मळतु वेतन ०र पु० ते पामनार
पेन्सिल स्त्री० [इ] सीसापेन
पेन्हाना अ०क्रि० पाहो मूकवो
पेय पु० [स] पीणु (२) पाणी (३) दूध (४) वि० पीवा योग्य
पेरना स०क्रि० पीलवु (२) पीडवु (३) प्रेरवु (४) मोकलवु
पेलना स०क्रि० घुसाडवु (२) धकेलवु
पेला पु० झघडो, तकरार (२) गुनो; कसूर (३) हल्लो; चडाई (४) घुसाडवु के धकेलवु ते
पेवस पु०, **-सी** स्त्री० करेंटु; तरतना वियायेला ढोरनु दूध
पेश अ०[फा] सामे, आगळ **-आना**= थवु; बनवु (२) व्यवहार के वर्तन करवु **-चलना, जाना** = जोर चालवु
पेश-कब्ज स्त्री० [फा] कटारी
पेश-कश स्त्री० [फा] भेट, बक्षिस
पेशकार पु०[फा.] अदालतनो शिरस्ते-दार. **-री** स्त्री० तेनु काम के पद

पेशख़ेमा पु०[फा] फोजनी आगळ जती टुकडी के आगळ रवाना थतो तेनो सामान

पेशगी स्त्री० [फा] कोई काम माटे अगाउथी अपाती रकम; बानु

पेशतर अ० [फा] पहेला

पेशबंद पु०[फा] घोडानी छाती परनो पटो, जेथी जीन पाछळ सरे नहि

पेशबंदी स्त्री०[फा] अगमचेती; पहेलेथी सावधानी [मदद करनार मजूर

पेशराज पु० पथ्थर लावी आपी कडियाने

पेशवा पु० [फा] नेता; सरदार (२) मराठा राज्यनो पेशवा ०ई स्त्री० तेनु पद के कार्य (२) जुओ 'अगवानी'

पेशवाज़ स्त्री०[फा] जुओ 'पिशवाज़'

पेशा पु० [फा.] पेशो; धधो

पेशानी स्त्री०[फा] माथु (२) कपाळ (३) नसीब **–पर बल लाना** = मगज गुमाववु, गुस्से थवु

पेशाब पु० पेशाब, मूत्र (२) वीर्य. **०ख़ाना** पु० मुतरडी

पेशावर पु०[फा] पेशावाळो; धंधादार

पेशी स्त्री०[फा] रजूआत (२) सुनावणी (३) [स] पेशी; 'टिश्यु'

पेशीन-गोई स्त्री० [फा] भविष्य कहेवु ते

पेश्तर अ० [फा] जुओ 'पेशतर'

पेंग स्त्री० जुओ 'पेंग'

पेंजना पु०, **–नी** स्त्री० पगनु एक घरेणु

पेंठ स्त्री० पेठ; बजार

पेंड़ पु० डगलु (२) रस्तो

पेंड़ा पु० रस्तो (२) तबेलो (३) प्रणाली

पेंत स्त्री० युक्ति; पेंतरो; दाव

पेंतालीस वि० पिस्ताळीस; ४५

पेंतीस वि० पात्रीस; ३५

पेंदा पु०, **–दी** स्त्री० जुओ 'पेदा,–दी'

पेंसठ वि० पासठ; ६५

पै प्रत्यय – (सातमीनो) उपर (२) (त्रीजीनो) द्वारा (३) अ० प्रति; तरफ (४) पासे (५) पछी (६) पण

पैक पु० [फा] खेपियो

पैकर स्त्री० [फा] चहेरो; सिकल

पैकार पु० [फा] फेरियो के परचूरण मालनो नानो वेपारी

पैख़ाना पु० पायखानु

पैग़म्बर पु० [फा.] पेगबर. **–री** वि० पेगबरनु (२) स्त्री० पेगबरनु कार्य

पैग पु० (प) पग; कदम

पैग़ाम पु०[फा] पेगाम, सदेशो **–मी** पु० दूत; सदेशवाहक

पैज स्त्री० (प.) प्रतिज्ञा; पण (२) होड

पैजामा पु० पायजामो

पैज़ार स्त्री० [फा.] पेजार; जोडा

पैठ स्त्री० पेस; प्रवेश (२) गति; पहोच

पैठना अ०क्रि० पेसवु

पैड़ी स्त्री० सीडी (२) कूवानु ओलण

पैंतरा पु० पेतरो; पवित्रा (२) पगलु

पैंत(–थ)ला वि० छछरु

पैतृक वि० [स] पितानु के तेमना सबवी

पै-दर-पै अ० [फा.] क्रमश· (२) लगातार

पैदल वि० (२) अ० पगे चालतु; पगपाळु (३) पु० पायदळ

पैदा वि० [फा] पेदा; उत्पन्न

पैदाइश स्त्री० [फा] पेदाश; उत्पत्ति; जन्म [स्वाभाविक

पैदाइशी वि० जनम साथेनु (२)

पैदावार,–री स्त्री०[फा] खेतीनी पेदाश

पैना वि० [स पैण] तीक्ष्ण; तेज (२) पु० बळद हाकवानो परोणो

पैनाना स०क्रि० धार काढवी [जमीन)
पैमाइश स्त्री० [फा] मापवु ते (जेम के
पैमाना पु० [फा] धोरण
पैयाँ स्त्री० पग
पैया पु० पोचो दाणो; खोखु
पैर पु० पेर; पग (२) पगलु (३) खळु.
–डालना=दखल करवी; हाथ घालवो.
–तोड़ना=टागा तोडवा; थाकवु. **–भर जाना**=पग भराई जवा – थाकवु
–भारी होना=गर्भ रहेवो **पैरों चलना** =पगे चालवु [साइकल
पैर-गाड़ी स्त्री० पगनी गाडी; जेवी के
पैरना अ०क्रि० तरवु
पैरवी स्त्री० [फा] अनुसरण (२) आज्ञापालन (३) पेरवी. **०कार** पु० 'पैरवी' करनार
पैरा पु० पगलु (२) पगनु एक घरेणु (३) [इ] पॅरो; फकरो
पैराई स्त्री० तरवु ते के तेनी कळा
पैराक पु० तारो; तरनारो
पैराव पु० तरीने जवाय एवु ऊडु पाणी
पैराशूट पु० [इ] ऊचेथी ऊतरवा विमानी छत्री
पैरी स्त्री० खळामा एकठा करेला डूडानो ढग के खळु करवु ते
पैरो वि० [फा.] अनुयायी
पैरोकार पु० जुओ 'पैरवीकार'
पैवंद पु० [फा.] थीगडु (२) झाडनी कलम (३) मित्र; सगो
पैवंदी वि० कलमी (२) वर्णसंकर
पैवस्त वि० [फा.] (प्रवाहीथी) तरबोळ
पैशाच,–चिक वि० [स] घोर; राक्षसी; पिशाच जेवु [चुगली; दुष्टता
पैशुन,–न्य पु० [स.] पिशुनता; चाडी-
पैसना अ०क्रि० (प.) पेसवु
पैसा पु० पैसो (२) धन
पैसेवाला पु० पैसादार (२) सराफ
पैसिंजर पु० [इ.] पेसेंजर; उतारु
पैहम अ० [फा] जुओ 'पै-दर-पै'
पैहारी वि० पय – दूध ज पीने रहेनार (साधु)
पो स्त्री० फूकानो के पादवानो अवाज.
–बोलना=हारी जवु (२) देवाळु काढवु
पोंकना अ०क्रि० छेरवु (२) डरवु (३) पु० छेरवानो (पशुनो) रोग
पोंगा पु० नळी (वास के धातुनी) (२) वि० पोलु (३) मूर्ख
पोंछ स्त्री० पूछ; पूछडी
पोंछना स० क्रि० घसवु; लोहवु (२) पु० तेने माटेनु कपडु
पोआ पु० सापनो कणो
पोइया स्त्री० [फा पोय] घोडानी जोरदार रवाल
पोइस स्त्री० सपाटाबध दोडवु ते (२) अ० पोईस; हठो; खसो
पोई स्त्री० पोईनी वेल (२) घउ बाजरी इ०नो नानो छोड (३) शेरडीनी आख
पोखर(–रा) पु० तळाव (स्त्री० **–री**)
पोच वि० [फा. पूच] तुच्छ (२)अशक्त
पोट स्त्री० पोटली (२) ढेर
पोटला पु० मोटु पोटलु
पोटली स्त्री० पोटली; नानु पोटलु
पोटा पु० पेट (२) आखनु (उपलु) पोपचु (३) छाती; जोर(४)(चकलीनो) पोटो–बच्चु
पोढ़ा वि० [स प्रौढ] दृढ (२) कठण
पोढ़ाना अ०क्रि० दृढ के कठण थवु (२) स०क्रि० दृढ के कठण करवु

पोत पु० जमीनमहेसूल; 'पोता' (२) [स] पशुपक्षीनु बच्चु (३) नानो छोड
पोतड़ा पु०'पूतडा', बळोतियु **पोतड़ोके अमीर या रईस**=अमीर खानदाननो; गर्भश्रीमत
पोतदार पु० महेसूल जमा राखनार (२) खजानामा रूपिया पारखनार
पोतना स०क्रि० धोळवु; लीपवु (२) पु० पोतु; कूचडो
पोतला पु० 'पराँठा'; चोपडु
पोता पु० पौत्र (२) महेसूल (३) पोतु
पोती स्त्री० पौत्री
पोथा पु० मोटु पोथु (२) कागळनी थोकडी. **–थी** स्त्री० चोपडी
पोदना पु० वामन (२) एक नानु पक्षी
पोदीना पु० [फा] फुदीनो
पोना स०क्रि० (रोटलो) हाथे घडवो (२) परोववु (३) गूथवु
पोप पु०[इं.] सौथी मोटो ख्रिस्ती धर्मगुरु
पोपला वि० दात वगरनु; बोखलु (२) पोपलु; पोचकण [के होवु
पोपलाना अ०क्रि० बोखु के पोपलु थवु
पोया पु० सापनु बच्चु; कणो (२) नानो छोड के बच्चु [(२) पेराई
पोर स्त्री० आगळ के आंगळीनो वेढो
पोल पु० पोलाण (२) अदरनु पोल
पोला वि० पोलु; खाली
पोश पु० [फा.] (समासमा) ढाकण. उदा. मेजपोश (२) पोशाक
पोशाक, पोशिश [फा] स्त्री० पोशाक; पहेरवेश. **पोशाक वढ़ाना**=कपडां उतारवा
पोशीदा वि०[फा.] गुप्त; ढकायेलु. **–दगी** स्त्री० गुप्तता; ढाकवु के छुपाववु ते
पोषक वि०[स] पोषनारु (२) सहायक
पोषण पु०[स]पोषवु ते,पालन,सहायता
पोष(-स)ना स०क्रि०पोषवु,पालन करवु
पोष्य वि० [स] पालनपोषण करवा योग्य ०**पुत्र** पु० दत्तक पुत्र
पोस पु० पालणपोषण करवा माटेनो आभार–कृतज्ञता. ०**पूत** पु० दत्तक पुत्र
पोसना स०क्रि० पोषवु; पाळवु
पोस्ट स्त्री०[इ] जगा,नोकरी (२) टपाल
पोस्ट आफिस पु० [इ] डाकघर
पोस्ट कार्ड पु०[इ] टपालनु पत्तु; कार्ड
पोस्ट मार्टम पु०[इ] मरण बाद कराती मडदानी चीरफाड के ते तपास
पोस्ट मास्तर पु०[इ] पोस्ट ऑफिसनो वडो
पोस्टमैन पु० [इ] टपाली
पोस्टर पु० [इ] जाहेरात माटे मोटो कागळ छपाय छे ते
पोस्टेज पु० [इ] टपालखर्च
पोस्त पु० [फा.] छोडु (२) पोस; अफीणनो दोडो (३) जुओ 'पोस्ता'
पोस्ता पु० अफीणनो छोड
पोस्ती पु०[फा] पोस्ती; पोस उकाळी पीनार (२) आळसु
पोस्तीन पु०[फा] चामडानो (रुवाटी-वाळो) कोट के अमुक पोशाक
पोहना स०क्रि० 'पिरोना' (२) छेदवु (३) अदर घूसवु
पौंडा, पौंड्रक पु०[स.] जाडी मोटी शेरडी
पौंरना अ०क्रि० 'पैरना'; तरवु
पौ स्त्री० परव (२) रमतनु पो (३) पोह; पो. **–बारह होना**=पो पडवु (२) लाभनो लाग मळवो
पौआ(–वा) पु० पाशेरो

पौगंड पु० [स] बाल्यावस्था (पाचथी दसेक वर्ष उमरनी)
पौडर स्त्री० पाउडर
पौढ़ना अ०क्रि० जुओ 'झूलना' (२) पोढवु, सूवु (प्रेरक **पौढ़ाना**)
पौत्र पु० [स] पुत्रनो पुत्र (२) वि० पुत्र सबधी. **–त्रिकेय** पु० पुत्रीनो पुत्र. **–त्री** स्त्री० पुत्रनी पुत्री
पौद स्त्री० छोड (२) धरु
पौदर स्त्री० पगदडी (२) रेंट के कोस या कोलुना बळदथी पडी जती वाट
पौदा,–धा पु० छोडवो
पौन वि० पोणु (२) पु०, स्त्री० पवन (३) प्राण (४) भूत **–चलाना** या **मारना** = जादु के टुचको करवो. **–बिठाना** = भूत वळगाडवु
पौना पु० पोणाना आक (२) झारो
पौनार,–रि स्त्री० कमळनी दाडी
पौनी स्त्री० वसवाया (२) नानो 'पौना' – झारो
पौने वि० पोणु [[स] पुरनु
पौर स्त्री० जुओ 'पौरि' (२) वि०
पौरा पु० पगलु; 'पैरा'
पौराणिक वि० [स] पुराणु (२) पुराणोनु के ते संवधी (३) पु० पुराणी; पुराणवेत्ता [(३) पावडी
पौरि,–री स्त्री० सीडी (२) डेली; खडकी
पौरि(–लि)या पु० पोळियो; द्वारपाळ
पौरुष पु० [स] पुरुषत्व (२) बळ, पराक्रम (३) उद्यम; पुरुषार्थ [तेनु करेलु
पौरुषेय वि० [स] पुरुषनु के ते सबधी के
पौर्णमासी स्त्री० [स] पूनम
पौल पु० पोळ, मोटो दरवाजो. **–लिया** पु० जुओ 'पौरिया'
पौली स्त्री० 'पौरी'; डेली (२) पगलु
पौवा पु० जुओ 'पौआ'
पौष पु० [स] पोष मास
पौष्टिक वि० [स] पुष्टि आपे एवु
पौसर(–रा,–ला) पु० परब
पौहारी वि० जुओ 'पैहारी'
प्याऊ पु० परब
प्याज पु० पियाज, डुगळी
प्याजी वि० प्याजना रगनु आछु गुलाबी
प्यादा पु० [फा] पायदळ सिपाई; प्यादु (२) दूत, खेपियो
प्यार पु० प्रेम, वहाल. **–रा** वि० प्यारु, वहालु
प्याला पु० [फा.] वाडको **–देना**=शराब पीवा आपवो. **–पीना** या **लेना**=शराब पीवो **–बहना**=गर्भपात थवो **–भरना** =आयुष पूरु थवु **–ली** स्त्री० वाडकी
प्यास स्त्री० तरस (२) प्रबल इच्छा. **–बुझाना**=तरस छिपाववी **–लगना** =तरस लागवी
प्यासा वि० तरस्यु, पिपासु
प्यून पु० [इ] पटावाळो, सिपाई
प्योसर पु० करेटु (गायनु)
प्योसार पु० (प) पियर
प्रक(–ग)ट वि० [स] प्रगट; प्रत्यक्ष; खुल्लु, जाहेर
प्रकरण पु० [स] पुस्तकनु प्रकरण; अध्याय (२) विषय, प्रसग (३) चर्चा, वृत्तात [जात; भेद
प्रकार पु० [स] रीत, तरेह (२)
प्रकाश पु० [स.] तेज, अजवाळु (२) विकास; स्फोट, साफ समज (३) प्रसिद्धि
प्रकाशक पु० [स.] प्रकाश करनार

प्रकीर्ण वि०[स] मिश्रित (२) छूटुछवायु (३) विविध; परचूरण (४) फेलायेलु; विस्तृत [प्राकृतिक; स्वाभाविक
प्रकृत वि० [स] असली, खरुं (२)
प्रकृति स्त्री० [स] स्वभाव, मिजाज (२) कुदरत; निसर्ग (३) जगतनी मूळ शक्ति; माया
प्रकोप पु० [स] अविक कोप (२) रोगनु के कोई वस्तुनु वधारेपडतु जोर थवु ते–अतिशयता
प्रकोष्ठ पु० [स] मुख्य दरवाजा पासेनी ओरडी (२) आगण, वाडो
प्रक्रिया स्त्री० [स] क्रिया के तेनी रीत–युक्ति, विधि
प्रक्षालन पु० [स.] धोवु ते
प्रक्षिप्त वि० [स.] फेकेलु (२) क्षेपक; पछीथी घुसाडेलु के नाखेलु
प्रक्षेप,०ण पु० [स] फेंकवु ते (२) प्रक्षिप्त होवु ते; क्षेपक (३) भागीदारे नाखेली मूडी
प्रखर वि० [स] उग्र; तीव्र; तीक्ष्ण
प्रख्यात वि० [सं.] प्रसिद्ध; मशहूर. –ति स्त्री० कीर्ति
प्रगट वि० जुओ 'प्रकट' ०ना अ०क्रि० प्रगट के जाहेर थवु
प्रगल्भ वि०[स.] प्रतिभावान; चतुर (२) साहसिक, निर्भय (३) उद्दड, अमर्याद
प्रगाढ़ वि० [स] वहु गाढु (२) खूव; वहु
प्रचड वि० [स] तेज; उग्र; प्रखर (२) प्रवळ; जोरदार (३) भयकर
प्रचलन पु० [स.] चलण; रिवाज; चाल
प्रचलित वि० [स] चालु; रिवाज पडेलु
प्रचार पु० [स.] फेलावो (२) चाल; रिवाज

हि–२२

प्रचारक वि० (२) पु० प्रचार करनार
प्रचारना स०क्रि० फेलाववु, प्रचार करवो
प्रचुर वि० [स] वहु; खूब
प्रच्छन्न वि० [स] छूपु; ढाकेलुं; गुप्त
प्रजनन पु० [स] प्रजोत्पत्ति (२) जणवु के जणाववु (दाईए) ते (३) पिता
प्रजा स्त्री० [स.] सतान; परिवार (२) रैयत
प्रजातंत्र पु० [स] प्रजा द्वारा–तेना प्रतिनिधिथी चालतु राज्यतत्र, लोकशाही राज्यव्यवस्था [(३) पिता
प्रजापति पु० [स] ब्रह्मा (२) राजा
प्रजावती स्त्री० [स] वहु प्रजावाळी स्त्री (२) सगर्भा (३) भाभी
प्रजासत्ता स्त्री० [स.]प्रजातंत्र. ०क वि०
प्रज्ञ वि० [स] विद्वान; जाणकार
प्रज्ञा स्त्री० [स.] वुद्धि; विवेकशक्ति. ०चक्षु वि० ज्ञानी (२) अंध
प्रज्वलन पु० [स.] वळवु के सळगवु ते
प्रज्वलित वि० [स.] वळतु, धगधगतु
प्रण पु० पण; प्रतिज्ञा
प्रणत वि० [स.] नमेलु के नमन करतु (२) नम्र (३) पु० दास; भक्त. ०पाल पु० दास के भक्तनो पाळनार
प्रणति स्त्री० [सं.] नमन; प्रणाम (२) नम्रता (३) विनती
प्रणय पु० [स.] प्रेम (२) प्रेमपूर्वक विनती (३) विश्वास, श्रद्धा (४) मोक्ष (५) प्रसव, छुटकारो
प्रणयन पु० [स.] रचना; निर्माण
प्रणयी वि० [स] प्रेमपात्र; प्रेमी (२) पु० पति (स्त्री० –यिनी)
प्रणव पु० [स] ओमकार (२) परमेश्वर
प्रणवना स०क्रि० प्रणामवु; नमवु

प्रणाम पु० [सं.] नमस्कार. **–मी** वि० प्रणाम करनार

प्रणाली स्त्री०[स]प्रथा; परपरा, रिवाज (२)शैली; रीत(३)पाणी जवानी नीक; 'नाली' [अर्पण; भक्ति

प्रणिधान पु० [सं.] एकाग्रता; ध्यान (२)

प्रणिपात पु० [स.] प्रणाम; पगे लागवु ते

प्रणीत वि० [स] रचित; बनावेलु (२) मतरेलु (३) पु० मतरेलु पाणी

प्रणेता पु० [सं.] रचनार; कर्ता

प्रताप पु० [स.] प्रभाव; तेज; बळ; वीरता **०वान,–पी** वि० प्रतापवाळुं

प्रतारक वि० [सं] ठगनार; छेतरनार

प्रतारण पु०, **–णा** स्त्री० ठगवु के छेतरवुं ते

प्रतिंचा स्त्री० धनुषनी प्रत्यचा

प्रति अ० [स.] भणी; तरफ (२) स्त्री० प्रत, नकल

प्रति(–ती)कार पु०[स]सामनो, वदलो (२) उपाय; इलाज [विरुद्ध

प्रतिकूल वि० [स] प्रतिकूळ; नामाफक;

प्रतिकृति स्त्री० [स] छबी; प्रतिमा (२) नकल (३) प्रतिबिंब (४) प्रतिकार; वदलो

प्रतिक्रिया स्त्री० [स] प्रतिकार (२) सामेथी परिणमती क्रिया; प्रत्याघात

प्रतिग्रह पु० [स.] ग्रहण करवु ते (२) पाणिग्रहण; विवाह (३) सामे थवु के जवाव आपवो ते [रुकावट

प्रतिघात पु० [स] प्रत्याघात (२) वाधा;

प्रतिच्छाया [स.], **प्रतिछाँई(–ह,–ही)**, **प्रतिछाया** स्त्री० पडछायो (२)प्रतिबिंब

प्रतिज्ञा स्त्री० [सं.] पण; वचन; शपथ; एकरार

प्रतिदान पु०[स]परत करवु ते(२)बदलो

प्रतिदिन अ० [स] रोज; नित्य

प्रतिद्वंद्वी पु० [सं] सामेवाळो, शत्रु (२) बरोबरियो **–द्विता** स्त्री० विरोध, सामनो

प्रतिध्वनि स्त्री० [स] पडघो

प्रतिनिधि पु० [स] प्रतिमा (२) -ने बदले काम करवाना अवेज-अधिकारवाळो

प्रतिपक्ष पु० [स] विरोधपक्ष (२) विरोधी; प्रतिवादी; शत्रु. **–क्षी** पु० विरोधी; शत्रु

प्रतिपत्ति स्त्री० [स] प्रतीति; ज्ञान (२) प्रतिपादन; समर्थन; निरूपण

प्रतिपदा स्त्री० [स] पडवो

प्रतिपन्न वि० [स.] प्रतीत; जाणेलु (२) साबित के नक्की थयेलु (३) शरणे आवेलुं

प्रतिपादन पु० [स.] प्रतिपत्ति; समज (२) समर्थन; साबित के सिद्ध करवु ते

प्रतिपालक पु० [स] पालक; रक्षक **–न** पु० पालन; रक्षण [परिणाम; फळ

प्रतिफल पु० [स] छाया; प्रतिबिंब (२)

प्रतिबंध पु०[स] मनाई (२) रुकावट; बाधा (३) प्रबध; बदोबस्त **०क** वि० प्रतिबध करनारु

प्रतिबंधु पु० [स] भाई समान ते

प्रतिबिंब पु०[स] पडछायो (२) प्रतिमा; छबी (३) अरीसो

प्रतिभा स्त्री०[स]असाधारण बुद्धिशक्ति

प्रतिभू पु० [स] जामिन

प्रतिमा स्त्री० [स] मूर्ति (२) प्रतिबिंब

प्रतियोगिता स्त्री०[स] हरीफाई; होड (२) विरोध [भागीदार

प्रतियोगी पु०[स.] शत्रु; हरीफ(२)साथी;

प्रतिलिपि स्त्री० [स] नकल; 'कॉपी'
प्रतिलोम वि० [स] ऊलटा क्रमवाळु (२) प्रतिकूळ (३) हलकु
प्रतिवाद पु० [स] सामे वाद–खडन के तेनी चर्चा या जवाव. **–दी** पु० प्रतिवाद करनार (२) प्रतिपक्षी
प्रतिवास पु०[स]पडोश **–सी** पु० पडोशी
प्रतिवेश पु०[स]पडोश **–शी** पु० पडोशी
प्रतिशब्द पु० [स] पडघो
प्रतिशोध पु० [स] वदलो; वेर
प्रतिषिद्ध वि०[स] निपिद्ध; मना; वर्ज्य
प्रतिषेध पु०[स] निषेध,मनाई (२)खडन
प्रतिष्ठा स्त्री०[स] स्थापना (२) मूर्तिनी स्थापना (३)यश;आवरू(४)स्थान,जगा
प्रतिष्ठान पु० [स] स्थापवु ते (२) देव इ० नी प्रतिष्ठा (३) स्थान; जगा
प्रतिष्ठित वि० [स] प्रतिष्ठा थयेलु के पामेलु [**–र्धी** पु० हरीफ
प्रतिस्पर्धा स्त्री० [स] स्पर्धा; हरीफाई.
प्रतिहत वि०[स] पाछु पडेलु; रोकायेलु (२) निराश [प्रतिहारी
प्रतिहार पु०[स] दरवाजो; द्वार (२)
प्रतिहारी पु० [स] द्वारपाळ
प्रतीक वि०[स] ऊलटु (२) विरुद्ध (३) पु० चिह्न (४)प्रतिरूप (५) अग,अवयव
प्रतीकार पु० [स] जुओ 'प्रतिकार'
प्रतीक्षा स्त्री० [स] राह; वाट (२) परिपालन; भरणपोषण
प्रतीची स्त्री०[स.] पश्चिम दिशा. **०न, –च्य** वि० पश्चिमनु
प्रतीत वि०[स]विदित; ज्ञात, समजायेलु **–ति** स्त्री० ज्ञान; समज (२) विश्वास
प्रतीप वि० [स] ऊलटु; सामेनु [पक्षी
प्रतुद पु० [स] चाचथी तोडीने खानार
प्रतोली स्त्री०[स.] नानी सडक; गली
प्रत्न वि० [स.] प्राचीन; पुराणु
प्रत्यंचा स्त्री० [स] धनुषनी दोरी
प्रत्यक्ष वि०[स] आखो सामेनु; उघाडु (२) पु० प्रत्यक्ष प्रमाण
प्रत्यय पु०[सं] प्रतीति; विश्वास (२) पतीज (३) व्याकरणनो प्रत्यय
प्रत्यागत वि०[स] पाछु आवेलु
प्रत्यागमन पु० [स.] पाछु आववु ते
प्रत्याघात पु० [स] प्रतिक्रिया; टक्कर
प्रत्यावर्तन पु०[स] पाछु आववु ते
प्रत्याशा स्त्री० [स] आशा; भरोसो
प्रत्युत अ० [स] वल्के; ऊलटु
प्रत्युत्तर पु०[स] उत्तरनो उत्तर; पड-उत्तर [उपकार
प्रत्युपकार पु० [स.] उपकार सामे
प्रत्यूष पु० [स] सवार (२) सूर्य
प्रत्येक वि० [स] दरेक
प्रथम वि०[स.] पहेलु (२) मुख्य. **०पुरुष** पु० पहेलो पुरुष (व्याकरणमा)
प्रथा स्त्री० [स] रिवाज; रीत
प्रदक्षिण पु०, **–णा** स्त्री०[स.] भक्तिथी चारे तरफ फरवु ते
प्रदर पु० [स.] एक स्त्री-रोग
प्रदर्शक पु०[स] देखाडनार (२) जोनार; प्रेक्षक. **–न** पु० देखाडवु ते (२) जुओ 'प्रदर्शनी'
प्रदर्शनी स्त्री० प्रदर्शन; 'नुमाइश'
प्रदान पु०[सं.] दान; भेट (२) विवाह
प्रदायक वि० [स] देनार; दाता
प्रदाह पु० [स] दाह; वळतरा
प्रदीप पु० [स] दीवो (२) प्रकाश
प्रदीप्त वि०[सं] प्रकाशित; उज्ज्वळ
प्रदीप्ति स्त्री० [स] प्रकाश (२) चमक

प्रदेश पु०[सं.] देशनो विभाग; प्रांत (२) स्थान (३) वेंत माप
प्रदोष पु० [स.] सूर्यास्त; सध्याकाळ
प्रद्योत पु०[स] किरण (२) दीप्ति, चमक
प्रधान वि०[सं.] मुख्य (२) उत्तम (३) पु० सचिव; वजीर (४) सृष्टिनु प्रधान के मूळतत्त्व
प्रध्वंस पु० [स.] ध्वंस; नाश
प्रपंच पु०[स.] सृष्टिनो विस्तार; जजाळ (२) झंझट; बखेडो (३) ढोंग; छळ —**ची** वि० प्रपचवाळु
प्रपत्ति स्त्री०[स.]अनन्य भक्ति(२)शरण लेवु ते [शरणागत
प्रपन्न वि० [स.] प्राप्त; पहोचेलु (२)
प्रपात पु०[स.] धोध (२) ऊभी भेखड
प्रपितामह पु०[स]पडदादा;दादाना पिता
प्रफुल्ल वि०[स.] खीलेलु (२) फूलेलु-फालेलु (३) प्रसन्न [निबध
प्रबंध पु०[सं.] व्यवस्था; बंदोबस्त (२)
प्रबल वि०[स.] प्रबळ; बळवान (२) उग्र; जोरदार [(३) प्रफुल्ल
प्रबुद्ध वि०[स] जागेलु, चेतेलु (२) ज्ञानी
प्रबोध,०**न** पु०[स.] ज्ञान; चेतना, जागृति (२) सात्वन; दिलासो (३) चेतवणी
प्रबोधना स०क्रि० (प.) जगाडवु; चेतववु (२) दिलासो आपवो [अगियारश
प्रबोध(-धि)नी स्त्री० [स.] देवऊठी
प्रभव पु०[सं] जन्म; उत्पत्ति (२) सृष्टि
प्रभा स्त्री० [सं.] तेज; चमक; प्रकाश
प्रभाकर पु०[स.] सूर्य, चद्र के अग्नि
प्रभाकीट पु० [सं.] आगियो
प्रभात पु० [स.] सवार. —**ती** स्त्री० प्रभातियु
प्रभाव पु० [स] महिमा; प्रताप (२) शक्ति (३) दोरदमाम (४) असर
प्रभावित वि० [स.] प्रभावमा आवेलु
प्रभास पु० [स] तेज; ज्योति
प्रभु पु० [स] स्वामी; अधिपति (२) परमेश्वर
प्रभृति अ० [स] वगेरे; इत्यादि
प्रमत्त वि०[स.] मस्त; नशामा चकचूर (२) पागल
प्रमदा स्त्री० [स.] युवती, प्रेमदा
प्रमाण पु० [स.] साचा ज्ञाननु साधन (२) पुरावो; साबिती (३) परिमाण; माप; मर्यादा
प्रमाणपत्र पु० [स] योग्यता इ०नु खातरीपत्रक [प्रमाणवाळु
प्रमाणित वि० [सं] साबित; सिद्ध;
प्रमाद पु० [स] सुस्ती; आळस (२) भूल; भ्राति; गफलत (३) मद; नशो. —**दी** वि० प्रमादवाळु
प्रमीला स्त्री०[सं.] तद्रा (२) शिथिलता
प्रमुख वि० [स] मुख्य; प्रधान (२) मान्य; अग्रेसर (३) अ० इत्यादि
प्रमेय वि०[स] जेनु ज्ञान के माप मळी शके एवु
प्रमेह पु० [स] एक मूत्ररोग
प्रमोद पु०[स.] मजा; आनद; मनोरजन
प्रयत्न पु० [स] महेनत; कोशिश
प्रयागवाल पु० प्रयागतीर्थनो पडो
प्रयाण पु०[स.] जवु के ऊपडवु ते (२) आक्रमण (३) आरंभ
प्रयास पु० [स.] प्रयत्न; महेनत
प्रयुक्त वि०[स.] जोडायेलु; लागेलु (२) काममा आणेलु; प्रयोजायेलु
प्रयुत वि०[सं.] सहित (२) मळेलु (३) पु० दस लाख; 'मिलियन'

प्रयोग पु०[स] काममा लेवु–वापरवु ते (२) अजमावी के वापरी जोवु ते (३) दाखलो; दृष्टांत (४) मत्रनो प्रयोग (५) व्याजे धीरवु ते
प्रयोजक पु०[स] प्रयोग करनार
प्रयोजन पु०[स] अर्थ; हेतु (२) मतलव; गरज (३) उपयोग
प्रलंब वि०[सं] अति लावु (२) लटकतु; टीगावेलु (३) सुस्त; ढीलु (४) पु० लटकवु ते (५) डाळी
प्रलय पु०[स] लय थवु ते (२) संसारनो सर्वनाश. **–यंकर** वि० प्रलयकारी
प्रलाप पु०[स] नकामो वकवाद; लवारो. **–पी** वि० ते करनार
प्रलेप,०न पु०[स.] लेप, मलम इ० के ते चोपडवु ते
प्रलोभ,०न पु० [सं.] लोभ; लालच
प्रवचना स्त्री० [स] वचना; ठगाई
प्रवचन पु० [सं] स्पष्ट निरूपण के विवरण(२)धर्म के नीति पर व्याख्यान
प्रवर वि०[स] श्रेष्ठ, मुख्य (२) पु० सतान (३) अगरवत्ती (४) गोत्रना प्रवर्तक मुनि
प्रवर्तक पु० [स] सचालक (२) प्रथम प्रवर्तावनार–चलावनार (३) मध्यस्थ; पच
प्रवर्तन पु०[स] प्रवर्तवु के प्रवर्तावावु ते
प्रवाद पु०[सं] वातचीत (२) कूथली; निंदा (३) अफवा; ऊडती वात
प्रवास पु०[स.] परदेश के त्या निवास. **–सी** वि० परदेशवासी. **–सित** वि० देशनिकाल थयेलु
प्रवाह पु० [स] (पाणी इ०) वहेवु ते; (२) वहेतु पाणी (३) क्रम; प्रघात
प्रवाही वि०[स.] वहेतु के वहे एवु (२) स्त्री० रेती
प्रविसना अ० क्रि० (प.) प्रवेशवु
प्रवीण वि० [स] कुशळ; होशियार
प्रवृत्त वि० [स] (काममा) लागेलु के लगाडेलु; रोकायेलु
प्रवृत्ति स्त्री०[स.] वलण; रुचि; झुकाव (२) कामकाज (३) ससारनु कामकाज के तेमा लागवु ते [पहोच
प्रवेश पु०[स] दाखल थवु ते (२) गति;
प्रव्रज्या स्त्री० [स] सन्यास
प्रशंसा स्त्री०[स.] वखाण; तारीफ **–सक** पु० वखाणनार (२) खुशामतियो. **–सनीय** वि० वखाणने पात्र
प्रशस्त वि०[स]वखणायेलु,उत्तम. **–स्ति** स्त्री० प्रशसा. **–स्य** वि० प्रशसनीय
प्रशाखा स्त्री० [स] शाखानी शाखा; डाळखी
प्रश्न पु० [स] सवाल. **–श्नोत्तर** पु० सवाल-जवाव (२) पूछपरछ
प्रश्रय पु० [स] आश्रय (२) टेको
प्रसंग पु०[स.] अवसर; मोको (२) मेळ; लाग (३) वनाव (४) प्रकरण, विपय
प्रसन्न वि०[स.] राजी, खुशी (२) स्वच्छ
प्रसव पु०[सं] जनमवु ते; प्रसूति (२) सतान के फलफूल
प्रसाद पु०[स] कृपा; महेरवानी (२) प्रसन्नता(३)निर्मळता (४)देवनो प्रसाद
प्रसादी स्त्री० प्रसाद (२) वि० कृपाळु (३) निर्मळ [सचार; गमन
प्रसार पु०[स.] पसारो; फेलावो (२)
प्रसिद्ध वि०[स.] जाणीतु (२) शणगारेलु **–द्धि** स्त्री० ख्याति (२) शणगार
प्रसुप्त वि०[सं] ऊघेलुं. **–प्ति** स्त्री० ऊघ

प्रसू स्त्री० [सं] जणनारी (२) माता
प्रसूत पु० प्रसूति बाद थतो स्त्री-रोग; सुवारोग (२) संतान, प्रजा (३) वि० प्रसवेलु [खाटलावश स्त्री
प्रसूता,-तिका स्त्री० [सं.] प्रसवथी
प्रसूति स्त्री०[सं.] जणवु ते; प्रसव (२) उत्पत्ति (३) संतान, प्रजा
प्रसून पु० [सं] फळ के फूल
प्रसेद पु० (प.) प्रस्वेद; परसेवो
प्रस्ताव पु० [सं.] प्रसंग, अवसर (२) चर्चा; प्रकरण; विषय (३) दरखास्त; चर्चा माटेनो ठराव (४) प्रस्तावना
प्रस्तावना स्त्री० [सं] आरंभ के ते माटेनु लखाण इ०, उपोद्घात
प्रस्तुत वि०[सं] प्रासंगिक; प्रसंगोचित; उपस्थित
प्रस्थ पु० [सं.] पहाड परनो सपाट प्रदेश; 'टेबल-लॅन्ड' (२) पहोळो विस्तार
प्रस्थान पु० [सं] जवु के ऊपडवु ते; प्रयाण (२) विजययात्रा
प्रस्वेद पु० [सं.] परसेवो [भाग
प्रहर पु० [सं] पहोर; दिवसनो ८ मो
प्रहरी पु० [सं.] दर पहोरे टकोरा मारनार चोकीदार; पहेरावाळो
प्रहसन पु० [सं] हासी; मश्करी (२) एक प्रकारनु नाटक
प्रहार पु० [सं.] घा; मार
प्रहारना स०क्रि० (प.) प्रहार करवो (२) अस्त्र फेंकवु [कोयडो; समस्या
प्रहेलिका स्त्री० [सं] जुओ 'पहेली';
प्रांगण(-न) पु० [सं] आंगणु; चोक
प्रांजल वि० [सं] सीधु; सरळ (२) साचु; प्रामाणिक; सालस [हाथवाळु
प्रांजलि वि० [सं] दीनतायी जोडेला
प्रांत पु० [सं.] प्रदेश; इलाको (२) सीमा (३) किनारो; छेडो
प्रांतर पु० [सं] बे स्थानो के वच्चेनो लांबो झाडपान वगरनो रस्तो के वेरान प्रदेश [तेने लगतु
प्रांतिक, प्रांतीय वि० [सं] प्रांतनु के
प्रांशु वि० [सं] ऊंचुं
प्राइवेट वि० [इं.] खानगी; निजी
प्राका(-चो)र पु० [सं] कोट, किल्लो
प्राकृत वि० [सं] स्वाभाविक (२) भौतिक; प्राकृतिक (३) सामान्य, लौकिक; मामूली (४) स्त्री० प्राकृत भाषा
प्राकृतिक वि० [सं] जुओ 'प्राकृत'
प्राक् वि० [सं] पहेलु; पूर्व
प्राक्कथन पु० [सं] शरूना बे बोल; प्रस्तावना
प्राक्तन पु० [सं.] नसीब (२) वि० प्राचीन; पहेलानु [मत-पद्धति
प्राक्सी स्त्री० [इं] प्रॉक्सी; अवेज-
प्राङ्मुख वि० [सं] पूर्वाभिमुख
प्राची स्त्री० [सं] पूर्व दिशा
प्राचीन वि० [सं] पुराणु; जूनु; पूर्वनुं
प्राचीर पु० [सं.] जुओ 'प्राकार'
प्राचुर्य पु० [सं] प्रचुरता; बाहुल्य; अधिकता
प्राच्य वि० [सं.] पूर्वनु; प्राचीन
प्राज्ञ वि० [सं] बुद्धिमान; विद्वान
प्राण पु० [सं.] वायु; हवा (२) जीव (३) शक्ति; बळ. ०दंड पु० मोतनी सजा. ०दान पु० जीवन आपवु ते (२) मोतथी कोईने बचाववु ते
प्राणांत पु० [सं.] मोत
प्राणी पु० [सं.] जीव (२) जंतु

प्रातः[स.],**प्रात** (प) पु० सवार (२) अ० सवारे [परवारवु ते
प्रातःकर्म पु० [स] सवारमा शौचादिथी
प्रातःकाल पु० [स] सवार
प्रातःस्मरण पु० [स] सवारनु ईश्वर-स्मरण **–णीय** वि० पूज्य [आदि
प्राथमिक वि० [स] प्रारभिक, शरूनु;
प्रादुर्भाव पु० [स.] अस्तित्वमा आववु के प्रगट थवु ते (२) उत्पत्ति
प्रादुर्भूत वि० [स] प्रगट थयेलु; हयातीमा आवेलु (२) उत्पन्न
प्रादेशिक वि० [स] प्रदेशनु के ते सबधी
प्राधान्य पु० [स] मुख्यत्व (२) श्रेष्ठता
प्रापना स०क्रि० (प) पामवु, प्राप्त थवु
प्राप्त वि० [स] मळेलु के मेळवेलु (२) पेदा थयेलु के आवी मळेलुं. ०**काल** पु० उचित समय (२) मरणकाळ
प्राप्तव्य, प्राप्य वि० [स.] मेळववा योग्य
प्राप्ति स्त्री० [स] प्राप्त थवु ते (२) आवक; मळतर (३) भाग्य
प्राबल्य पु० [स] प्रबळता; जोर
प्रामाणिक वि० [स] प्रमाणसिद्ध (२) मानवा जेवु (३) ठीक; साचु
प्रामिसरी नोट पु० [इ.] हूडी के चलणी नोट [घणु करीने
प्रायः अ० [स.] लगभग (२) बहुधा;
प्राय(–यो)द्वीप पु० [सं] द्वीपकल्प
प्रायशः अ० [स.] प्राय ; घणु करीने
प्रायश्चित्त पु० [सं] पाप धोवा करातु कर्म [सामान्य
प्रायिक वि० [स] प्राय थाय एवु;
प्रायोगिक वि० [स] नित्य प्रयोग के उपयोगमा आवतु
प्रायोद्वीप पु० [स.] जुओ 'प्रायद्वीप'
प्रायोपवेश, ०न पु० [स.] प्राणातक अनशनव्रत **–शी** वि० ते करनार
प्रारंभ पु०[स] शरूआत (२) उपाडेलु काम **–भिक** वि० शरूनु; आदि
प्रारब्ध पु०[स] नसीब (२) वि० शरू थयेलुं के करायेलु
प्रार्थना स्त्री०[स] विनती; नम्र निवेदन (२) याचना; मागणी (३) उपासना; ईश्वर-स्तुति (४) स० क्रि० (प) प्रार्थना करवी ०**पत्र** पु० निवेदन-पत्र; अरजी [याचनार, उमेदवार
प्रार्थी वि०[स]प्रार्थना करनार; इच्छुक;
प्रालेय पु० [स.] जुओ 'पाला'
प्राविट (प),**प्रावृट्,–ष्,–षा** [स] स्त्री० वर्षाऋतु
प्राशन पु० [स.] अशन; खावु ते
प्राशी वि०[स] खानार; प्राशन करनार
प्राश्निक पु०[स.] प्रश्नकार (२) सभानो सदस्य [लगतु के ते विषेनु
प्रासंगिक वि०[सं] प्रसग पूरतु के तेने
प्रासाद पु० [सं] महेल
प्रासादिक वि०[स] दयाळु; कृपाळु (२) सुदर; सरस, प्रसन्न
प्रासीक्यूटर पु०[इ] प्रोसिक्यूटर; केस कोर्ट आगळ मूकनार वकील
प्रास्पेक्टस पु०[इ] प्रॉस्पेक्टस; सस्था के मडळीनु निवेदन के बोधपत्र
प्राहुण,०क पु० [स] परोणो, महेमान
प्रिंटिंग स्त्री० [इ] छपाई, छापकाम. ०**प्रेस** पु० छापखानु ०**मशीन** स्त्री० छापवानु यत्र; प्रेस
प्रिंसिपल पु०[इ] प्रिन्सिपाल; आचार्य (२) मुद्दल
प्रियवद वि०[स.]प्रिय लागे एवु बोलनार

प्रिय वि०[सं] वहालु; प्यारु (२) पु० स्वामी (३) जमाई (४) भलु; हित
प्रिया स्त्री०[सं.] स्त्री (२) पत्नी (३) माशूक [स्त्री० प्रीति
प्रीत वि०[सं.] प्यारु; प्रिय (२) पु०,
प्रीतम पु० पति (२) वि० अति प्रिय
प्रीति स्त्री० [सं] प्रेम; स्नेह (२) खुशी; प्रसन्नता **०भोज** पु० प्रीति-भोजन; जमण [प्रूफ
प्रूफ पु० [इ] साबिती (२) छापखानानुं
प्रूम पु० दरियानी ऊंडाई मापवानी दोरीनो सीसानो गठ्ठो
प्रेक्षक पु० [सं] 'दर्शक'; जोनार
प्रेक्षण पु० [सं.] आंख (२) जोवु ते
प्रेक्षा स्त्री० [सं] जोवु ते (२) नजर (३) प्रज्ञा
प्रेत पु० [सं.] मरेलो जीव (२) भूत (३) पहोंचेल ने पूरो कजूस के स्वार्थी माणस
प्रेतकर्म पु० [सं] अंत्येष्टि; मरण पछीनो बधो विधि
प्रेतगृह पु० [सं.] श्मशान के कबरस्तान के दखमु इ०
प्रेतनी, प्रेता [सं] स्त्री० पिशाचणी; भूतडी
प्रेताशौच पु० [सं.] सूतक; शोक
प्रेती पु० प्रेतपूजक
प्रेम पु० [सं] प्रीति; वहाल; स्नेह
प्रेमिक वि० प्रेमी **–का** स्त्री० प्रिया; माशूक [(२) आशक
प्रेमी वि०[सं] प्रेम राखनार के करनार
प्रेय(०स्) वि० [सं] प्रिय; मनपसंद
प्रेयसी स्त्री०[सं.] प्यारी स्त्री; 'प्रेमिका'
प्रेरक पु० [सं] प्रेरनार; प्रेरणा देनार
प्रेरणा स्त्री०[सं.] कार्यमां लगाडवु ते (२) प्रोत्साहन; उत्तेजना; उश्केरणी (३) दबाण; धक्को
प्रेरित वि० [सं] प्रेरायेलु
प्रेषक पु०[सं] मोकलनार (२) प्रेरक
प्रेषण पु०[सं] मोकलवु ते (२) प्रेरणा
प्रेस पु० [इ] छापखानु के तेनु यंत्र
प्रेसिडेन्ट पु० [इ] प्रमुख; सभापति
प्रोक्त वि० [सं] कहेवायेलु; उक्त
प्रोग्राम पु०[इ] कार्यक्रम के तेनो पत्र
प्रोटेस्टन्ट पु० [इ] प्रोटेस्टन्ट ख्रिस्ती
प्रोत वि० [सं] ओतप्रोत (२) छुपायेलु
प्रोत्साह पु०[सं.] उत्साह, उमंग **०न** पु० उत्साह के उत्तेजना आपवा ते
प्रोफेसर पु० [इ] कॉलेजनो अध्यापक
प्रोबेशन पु० [इ] नोकरीनो हंगामो
प्रोमोशन पु० [इ] नोकरी के वर्गमां उपर चडवु ते
प्रोषित वि०[सं] 'प्रवासी'; परदेश गयेलु
प्रौढ़ वि० [सं] आवेड उमरनु, पीढ (२) परिपक्व, पूरु अनुभवी; समजु; ठरेल
प्लक्ष पु० [सं] पीपळानु झाड
प्लवंग,०म पु०[सं] वांदरु (२) हरण, मृग
प्लाट पु०[इ] प्लॉट, जमीननो टुकडो, (२) नाटकनु वस्तु
प्लान पु० [इ] नकशो; योजना
प्लावन पु० [सं] पाणीनी रेल (२) खूब धोवु ते (३) तरवु ते
प्लावित वि०[सं] तरबोळ (२) पु० रेल
प्लास्टर पु०[इ] मकाननु प्लास्टर (२) दाक्तरी प्लास्टर
प्लीडर पु० [इ] वकील
प्लीहा स्त्री० [सं] बरोळ; 'तिल्ली'

प्लुत पु० [स] 'पोई'; घोडानी एक रवाल (२) प्लुत स्वर (३) वि० प्लावित; तरबोळ

प्लेग पु० [इ] कोगळियु; प्लेग रोग

प्लॅटफार्म पु० [इ] प्लॅटफॉर्म; फलाट

प्लॅटिनम पु० [इं] एक कीमती धातु

फ

फंक स्त्री० फाक; चीरी

फंका पु० फाको (२) फाक; चीरी

फंकी स्त्री० फाकी

फंग (प), **फंद,-दा** पु० फद; बंधन; जाळ, कपट [फसावु

फंदना अ०क्रि० (प.) फदमा पडवु;

फंदवार वि० फदामा नाखनार

फंदा पु० जुओ 'फद' **-छुड़ाना**= फदामाथी मुक्त करवु. **-देना, -लगाना**=फंदामा फसाववु **-पड़ना, लगना**=फदामा पडवु के फसावु

फंदाना स०क्रि० फदमा नाखवु

फँसना अ०क्रि० फसावु (प्रेरक **फँसाना**)

फँसिहारा वि०फसावनार(स्त्री०,**-रिन**)

फ़क वि० [अ] फग; सफेद (२) विवर्ण

फक्किका स्त्री० [स] कोयडो; प्रश्न (२) फसामणी

फकत अ० [अ] फक्त; केवळ, मात्र

फकीर पु० [अ] फकीर; साधु (२) भिखारी (३) गरीब-निर्धन माणस. **-री** स्त्री० फकीरपणु

फक्र स्त्री० [अ] दीनता (२) फकीरी (३) जरूर पूरती ज कामना होवी ते

फख़र, फख़्र [फा.] पु० घमंड; शेखी

फख़ीर वि० [अ] घमडी; शेखी मारनार [अ० गर्वपूर्वक

फख़्र पु० [फा] जुओ 'फख़र'. **-िया**

फगुआ पु० होळी (२) फाग. **-खेलना** या **मनाना**=होळी रमवी. रग गुलाल वगेरे नाखवा

फगुहारा पु० फगवो; घेरैयो

फज(-जि)र स्त्री० [अ] सवार

फ़ज़ल पु० जुओ 'फज़्ल'

फ़ज़ा स्त्री० [अ] खुल्लु मेदान (२) शोभा

फजिर स्त्री० जुओ 'फजर'

फ़जिता पु०, **-ती** स्त्री० फजेतो; 'फज़ीहत'

फज़ीलत स्त्री० [अ.] मोटाई; श्रेष्ठता. **-की पगड़ी**=विद्वत्तानु आदरमान

फ़ज़ीहत,-ती स्त्री०[अ.] फजेती; दुर्दशा के बदनामी

फज़ूल वि० जुओ 'फुजूल' ०**ख़र्च** वि० उडाउ ०**ख़र्ची** स्त्री० अपव्यय; उडाउपणु

फ़ज़्ल पु०[अ.] अधिकता (२) कृपा; दया

फट(-टि)क पु० (प) स्फटिक (२) अ० फट दईने; झट

फटकन स्त्री० झटकामण; उपणामण

फटकना स०क्रि० झाटकवु, ऊपणवु **-पछोरना**=झाटकीने साफ करवु (२) बरोबर तपासीने जोवुं

फटका पु० पीजणनो धोको (२) फट अवाज करे एवु ते

फटकार स्त्री० वढवुं ते; झाटकणी; ठपको **–खाना**=तफडवु (२) ठपको खावो **–बताना**=ठपको आपवो

फटकारना स०क्रि० फटकारवु(२)झटको मारी खखेरवु (३) पटकी पछाडीने घोवु (४) मेळववु; काढी लेवु (५) झटका साथे दूर फेकवु (६) साफ साफ ने सखत वात कही चूप करवु; झाटकणी काढवी, ठपको आपवो

फटना अ०क्रि० फाटवु [पहोंचवु

फट पड़ना अ०क्रि० ओचितु आवी

फटफट स्त्री० फटफट अवाज(२)बकवाद. **–होना**=बोलावोली के तकरार थवी

फटफटाना स०क्रि० फडफडाववु (२) बकवाद करवो

फटसे अ० फट दईने; झट

फटिक पु० (प) स्फटिक (२) सगेमरमर

फटा पु० फाट; छेद (२) स्त्री० [स.] सापनी फणा (३) गर्व; शेखी (४) छळ, दगो **फटमें पाँव देना**=कोईना झघडामा वच्चे पडवु **फटे हालों रहना** = बूरी दशामा होवु

फट्टा,–ट्ठा पु० वासनु खपाटियु (२) टाटियु **–उलटना, –लौटना**=देवाळु नीकळवु

फड़ स्त्री० जुगारखानु (२) दाव (३) सोदा करवानु बजार के जगा

फड़ पु० जुगारनो अड्डो के तेनो दाव (२) दुकानदारनी बेठक

फड़कना अ०क्रि० फरकवु (२) थथरवु; ऊछळवु **फड़क उठना या जाना**=राजी राजी थई जवु

फड़नवीस पु० (मराठा काळमा) एक मोटो महेसूली के खजानानो अमलदार

फड़फड़ाना स० क्रि० फफडाववु (२) अ०क्रि० फफडवु; डरवु (३)आतुर होवु

फड़बाज़ पु० पोताने त्या बोलावी जुगार खेलावनार [फडियो; कणियो

फड़िया पु० जुओ 'फड़बाज़' (२)

फण पु०, **–णा** स्त्री० [स] सापनी फेण. ०**धर, –णी** पु० साप

फ़तवा पु० [अ] फतवो; धर्मनी आज्ञा

फ़त(–ते)ह स्त्री० [अ. फतह] फतेह

फतिगा पु० ऊडनारु जीवडु (२) पतगियु

फ़तीलसोज़ पु० [फा.] दीवी

फ़तीला पु० [अ] पलीतो

फ़तूर पु० 'फुतूर'; फितूर (२) विघ्न; बाधा (३) दोष; विकार

फ़तूरिया वि० फितूरी; उपद्रवी

फ़तूह स्त्री० [अ 'फतह' नु ब. व] फतेह

फ़तूही स्त्री० [अ] सदरो (२) लूट के लडाईनो माल

फ़ते, ०ह स्त्री० जुओ 'फतह'

फदकना अ०क्रि० फदफदवु; खदखदवु

फन पु० फणा; फेण

फ़न पु० [फा] खूबी (२) विद्या, कळा-कौशल्य (३) फद, छळ [सापनो)

फनकार स्त्री० फू अवाज (जेम के,

फनगना अ० क्रि० फणगो फूटवो

फनगा पु० फणगो; अकुर (२) जुओ 'फतिगा'

फनस पु० फणस फळ

फ़ना स्त्री० [अ] नाश; खुवारी (२) समाधिमा लीन थवु ते, तादात्म्य

फ़ना-फी-अल्लाह पु० [अ] ईश्वरमा तन्मय दशा

फ़नून पु० ब० व० जुओ 'फ़ुनून'

फन्नी स्त्री० फाचर (२) साळनी फणी

फफदना अ०क्रि० फदफदवु (२) जुओ 'फवकना'
फफसा पु० फेफसु (२) वि० खाली फूलेलु पण अदरथी पोलु (३) फीलु; स्वादहीन
फफूंदी स्त्री० फूग
फफोला पु० फोडलो; फफोलो
फवकना अ० क्रि० (झाड छोड इ०) खीलवु; फूटवु; वधवु
फवती स्त्री० समयने अनुकूळ वात (२) व्यग, कटाक्ष. **–उड़ाना**=हासी करवी **–कसना, –कहना**=कटाक्ष करवु
फवना अ०क्रि० शोभवु (नाम, **फवन** स्त्री०) [(नाम, **–ञी**)
फ़य्याज वि० [अ] उदार, दानी; दोलु
फ़र पु० [फा.] शोभा; सजावट
फ़रउन पु० [अ] मगर (२) मिसरनो एक अभिमानी नास्तिक वादशाह (३) अत्याचारी के घमंडी
फ़रउनी स्त्री० घमड के दुष्टता [फासलो
फरक पु० फरक, फेर (२) अतर;
फरक(०न) स्त्री० (अग) फरकवु ते
फरकना अ०क्रि० फरकवु (२) फरफरवु
फरजंद पु० [फा.] सतान; पुत्र. **–दी** स्त्री० पुत्रभाव
फरज पु० जुओ 'फर्ज'
फ़रज स्त्री० जुओ 'फर्ज'
फरजी पु० [फा] शेतरजनो वजीर (२) वि० जुओ 'फर्जी'
फरजीवंद पु०[फा]शेतरजमा वजीरथी मात करवानो एक दाव
फरद स्त्री० [अ फर्द] व्यक्ति; एक जण (२) यादी (३) खोळ, गलेफ जेवानु कोई एक वाजुनु कपडु (४) वि० अजोड; अद्वितीय
फ़रदा अ० [फा] आवती काले (२) स्त्री० कयामतनो दिन
फरफंद पु० दावपेच (२) फद; नखरा
फरफराना अ० क्रि० फरफरवु; लहेरवु
फ़रबा वि०[फा]जाडु; स्थूल शरीरवाळु (नाम, **–वही** स्त्री०) ['फरमाॅ-रवा'
फ़रमाँ-गुजार पु० [फा] वादशाह;
फ़रमाँ-बरदार वि० [फा] फरमान माननार [(२) वादशाह
फ़रमाँ-रवा पु० [फा.] फरमान करनार
फरमा पु० फरमो
फ़रमाइश स्त्री० [फा] फरमाश, आज्ञा
फ़रमाइशी वि०[फा]फरमाव्या प्रमाणेनु
फ़रमान पु० [फा] आज्ञा; हुकम के तेनी सनद [करवी
फरमाना स० क्रि० फरमाववु; आज्ञा
फरलांग पु० [इ] फर्लांग, माईलनो आठमो भाग
फरवरी पु० फेब्रुआरी
फरवार पु० खळु **–री** स्त्री० खळा-माथी वसवायाने अपातु अन्न
फरवी स्त्री० ममरा
फ़रश पु० [अ फर्श] विछानु (२) वेसवानी सपाट जमीन (३) फरसवधी के पाकी वनावेली जमीन
फरशवंद पु० जुओ 'फरश'
फ़रशी स्त्री० हूको (२) वि० फरसने लगतु
फरसा पु० फरशी; परशु
फरसूदा वि० [फा] जरी-पुराणु; रद्दी (२) थाकेलु (३) वेहाल [वुद्धिमत्ता
फ़रहग स्त्री० [फा] शब्दकोश (२)
फ़रह(०त) स्त्री०[अ.] आनद; खुशी
फरहद पु० एक झाड [फरफरवु
फरहर(-रा)ना अ० क्रि० फरकवु;

फरहरा पु० वावटो (२) वि० अलग; छूटु (३) शुद्ध, चोख्खु (४) खीलेलु
फ़रहाँ वि० [फा] खुश, आनंदी
फरहा पु० धजा; पताका
फ़रहाद पु०[फा] शिल्पी; पथ्थरफोडो (२) एक प्रसिद्ध प्रेमी व्यक्ति
फराक पु० मेदान; खुल्ली जगा (२) पहेरवानु फराक(३)वि०जुओ 'फराख़'
फराक्त वि०(प) जुओ 'फराख़' (२) स्त्री० जुओ 'फरागत'
फ़राख़ वि०[फा.] विस्तृत, लावु पहोळु; विशाळ [नहि–छूटा हाथवाळु
फ़राख़-दस्त वि० [फा] खर्चमां कजूस
फ़राख़ी स्त्री०[फा.] फेलावो; विस्तार (२) समृद्धि; वहुलता (३) घोडानो तग
फ़राग़त स्त्री० [अ] छुटकारो (२) निश्चितता (३) मळत्याग –जाना= शौच जवु –पाना, होना=निश्चित थवु
फरामोश वि०[फा] भुलायेलु, विस्मृत
फरायज़ पु० [अ. 'फर्ज़' नु व० व०] कर्तव्यकर्मो [नाठेलु
फरार(–री) वि० [अ. फिरार] भागेलु;
फरासीस पु०[फा] फ्रांस देश के तेनो निवासी. (वि०,–सी) [–सी=सग्रह)
फ़राहम वि०[फा] एकठु; जमा (नाम,
फरिया पु० एक जातनो लेघो
फरियाना स०क्रि० वस्तु प्रथम धोईने तारवी काढवी–चोख्खा पाणीमा फरी झबोळवी के धोवी (२) फेंसलो करवो; 'निवटना' (३) अ०क्रि० फेंसलो थवो (४) वस्तु तारवी कढावी
फरियाद स्त्री०[फा] अरजी (२) दावो (३) जुलम के अन्याय सामे पोकार. –दी पु० फरियाद करनार
फ़रिश्ता पु० [फा.] फिरस्तो; देवदूत
फरी स्त्री० ढाल
फ़रीक़ पु० [अ] टोळी, जथो (२) झघडानो कोई एक पक्ष ['मुद्दई'
फ़रीक-औवल पु० [अ.] केसनो वादी;
फ़रीक-बंदी स्त्री० [फा] तरफदारी
फ़रीक-सानी पु०[अ.] केसनो प्रतिवादी; 'मुद्दा-लेह'
फ़रीक़ैन पु० 'फरीक' नु ब० व०
फ़रीज़ा पु० [अ] खुदानी फरमायेली आज्ञा के फरज (नमाज, रोजा इ०)
फरुही स्त्री० नानो पावडो
फरेंद,–दा पु० पारस जावु
फ़रेफ़्ता वि०[फा] फरेवमा सपडायेलु (२) आसक्त
फ़रेब पु०[फा] फरेव; दगो; कपट (२) चालाकी ०कार,–बी वि० दगो देनार ०ख़ुर्दा वि० छेतरायेलु
फरो अ० [फा फिरो] नीचे, वशमा (२) वि० नीच (३) शात; दावमा आवेलु
फरोख़्त स्त्री० [फा फिरोख्त] वेचाण
फरोग़ पु० प्रकाश; चमक –पाना = नामना मळवी
फ़रो-गुज़ाश्त स्त्री० [फा.] उपेक्षा (२) आनाकानी (३) भूल; त्रुटी
फ़रोद अ०[फा.] नीचे (२) पु० ऊतरवु– मुकाम करवो ते [(नाम, –शी)
फरोश वि० [फा. फिरोश] वेचनार
फर्क पु० [अ] फरक [योनि
फर्ज स्त्री० [अ] चीरो; फाट (२) स्त्रीनी
फ़र्ज़ पु० [अ] फरज; कर्तव्य (२) मान्यता; कल्पना; धारणा –करना =मानवु; धारवु –पढ़ना=नमाज पढवी
फर्ज़न् अ० मानीने; मान्यतापूर्वक

फ़र्जन्द पु० [फा.] फरजद; सतान
फ़र्जन्दी स्त्री० [फा] पुत्रपणु; पुत्रभाव **–में लेना**=दत्तक लेवु (२) जमाई करवो
फर्जानगी स्त्री० [फा] बुद्धिमत्ता (२) विद्या (३) योग्यता; गुण
फर्जाना वि० [फा.] बुद्धिमान (२)पडित
फ़र्ज़ी वि० [फा] मानेलु; कल्पित (२) नामनु ['फरद'
फ़र्द स्त्री० (२) वि० [फा] जुओ
फ़र्दन्(०**फर्दन्**) अ० [फा] अलग अलग; दर माणसे
फर्राटा पु० वेग; तेजी
फर्रार वि० [अ] जोरथी दोडनारु
फ़र्राश पु० [अ] फरास (२) नोकर
फर्राश-खाना पु० [अ + फा] फरासखानु
फर्रुख वि० [फा] सुदर; मनोहर (२) सरस
फ़र्श पु० [अ] जुओ 'फरश'
फ़र्शी स्त्री०(२)वि०[फा] जुओ 'फरशी'
फ़र्शी-सलाम स्त्री० फरस सुधी नमीने करेली सलाम; कुर्निश [फळु
फल पु० [स] फळ (२)(हथियार इ० नु)
फ़लक पु० [अ] फलक; आकाश
फलका पु० फफोलो; छालु
फलदान पु०[स.] सगाई करवानो विधि
फलदार वि० फळवाळु (२) फळे एवु; फळाउ
फलन पु० [स.] फळवु ते
फलना वि० फळवु (२) फलदायी थवु **–फूलना**=फूलवुफालवु
फलश(-स) पु० [स] फणस
फलसफा पु०[अ] फिलसूफी; 'फल्सफा'
फ़लसफी पु० फिलसूफ; 'फल्सफी'
फ़लाँ,–लाना वि०[फा.] फलाणु; अमुक
फलाँग स्त्री० फलग (अ०क्रि०, ०ना)
फलाकत स्त्री०[अ.] गरीबी (२) कष्ट
फलातूँ,–तून पु० प्लेटो; अफलातून
फलाना वि० फलाणु, 'फलाँ'
फलार,–हार [स]पु० फलाहार; फराळ
फलाली(**–ले,–लै**)**न** पु०[इ] फलालीन –गरम कपडु
फलाहार पु० [स] जुओ 'फलार'
फलासिफ़ा पु० [अ] फिलसूफी
फ़लाह स्त्री०[अ] फतेह; सफळता (२) सुख (३) परोपकार; भलाई
फलाहत स्त्री० [अ] खेतीवाडी
फलित वि०[स] फळेलु; नीपजेलु (२) पु० फळझाड **–तार्थ** पु० सार; निचोड
फली स्त्री० फळी, सिंग
फ़लीता पु० पलीतो; 'फतीला'
फलेंदा, फलेंद्र [स] पु० जुओ 'फरेंदा'
फ़ल्सफा पु० [अ] फिलसूफी; तत्त्वज्ञान
फ़ल्सफी वि० फिलसूफ; तत्त्वज्ञानी
फ़वायद पु० [अ] 'फायदा' नु ब० व०
फव्वारा पु० फुवारो, 'फौव्वारा'
फ़सकड़ा पु० पलाठो **–मारना**=पलाठो मारवो, पलाठी वाळवी
फसकना अ०क्रि०(कपडु) फसकवु के बेसी जवु (२) वि० फसके के बेसी जाय एवु
फसद स्त्री० जुओ 'फस्द'
फसल स्त्री०, **फसली** वि० जुओ 'फस्ल, फस्ली' [(वि०,–दी)
फसाद पु०[अ] फिसाद; टंटो, तोफान
फ़साना पु०[फा] कल्पित कथा (२) विवरण ०**नवीस**, ०**निगार** पु० कथाकार [भापणनी शक्ति
फसाहत स्त्री० [अ] सुदर वर्णन के

फ़सील वि० [अ] नगरनो कोट
फ़सीह वि०[अ.] सुदर वक्ता के वर्णनकार
फ़सूँ पु० [अ] जतरमतर; 'टोटका'
फ़सूँगर पु०[फा] जादुगर (२) जतर-मतर करनार, भूवो
फ़स्ख पु०[अ] विचार बदलवो ते (२) तोडवु के रद करवु ते
फ़स्द स्त्री०[अ०] फस – नाडी खोलाववी ते **–खोलना,–लेना**=फस खोली लोही काढवु (२) गाडपणनी दवा करवी
फ़स्ल स्त्री० [अ] फसल (ऋतु) के खेतीनी ऊपज (२) ग्रथनु प्रकरण (३) फासलो (४) छळ; दगो
फ़स्ली वि०[अ] फसली; मोसमनु (२) पु० कॉलेरा **०कौआ** पु० एक पहाडी कागडो (२) वि० मतलबी, गरजन सगु **०बुख़ार** पु० मलेरिया **०सन, ०साल** पु० अकबरे चलावेली एक सन
फ़स्ले-गुल, फ़स्ले-बहार स्त्री० [फा] वसत ऋतु
फ़स्साद पु०[अ] फस खोलनार–तेमाथी लोही काढवा नस्तर मूकनार
फ़हम स्त्री०[अ.] ज्ञान; समज; विवेक
फ़हमाइश स्त्री०[फा] समजण; बोध; चेतवणी (२) आज्ञा [(वि०,**–दा**)
फ़हमीद स्त्री० [फा] समज; बुद्धि.
फहरना अ०क्रि० फरकवु; ऊडवु
फहरान स्त्री० फरकाववु ते **–ना** स०क्रि० फरकाववु, उडाडवु
फ़हरिस्त स्त्री० जुओ 'फेहरिस्त'
फहश वि०[अ फुह्श] अश्लील (२) फूवड
फहीम वि०[अ] 'फहमीदा'; समजदार
फाँक स्त्री० 'फक'; चीरी (२) ककडो
फाँकना स०क्रि० फाकवु; फाको मारवो
फाँका पु० फाको. **–की** स्त्री० फाकी
फांट पु० [स.] काढो
फाँट स्त्री० वहेचणी **०ना** स०क्रि० वहेंचवु (२) फाट के काढो बनाववो
फाँड़,–ड़ा पु० कमरनी ओटी; 'फेंट'. **–कसना, बाँधना**=कमर कसवी; काम माटे तैयार थवु. **–पकड़ना**=बरोबर पकडवु
फाँद स्त्री० उछाळो (२) पु०; स्त्री० फादो; जाळ; पाश **–मारना**=जाळ पाथरवी [कूदी जवु, ओळगवु
फाँदना अ०क्रि० ऊछळवु (२) स०क्रि०
फाँस स्त्री० फास (२) पास, जाळ, फासो
फाँसना स०क्रि० फसाववु
फाँसी स्त्री० पाश; फासो (२) फासी **–पड़ना, –पाना**=फासीनी सजा थवी; फासी मळवी
फाइल स्त्री०[इ] कागळो के सामयिकनी फाईल–एक साथे थयेलो सग्रह
फ़ाका पु०[अ.] फाका;उपवास(२)गरीबी
फ़ाका-कश वि० [अ.+फा] भूख्यु (२) निर्धन. (नाम, **–शी** स्त्री०)
फाक़ा(–के)मस्त वि० [अ.+फा] भूखे मरतु छता बेपरवा
फ़ाख़तई, फाख़्तई स्त्री० होला जेवो–आछो जावुडियो रग [होलो
फ़ाख़ता, फ़ाख़्ता स्त्री०[अ] एक पक्षी;
फाग पु० होळी के तेनु गीत
फागुन पु० फागण मास **–नी** वि० फागणनु [**–रा** वि० स्त्री०
फ़ाजिर वि०[अ.] व्यभिचारी; बदमाश
फ़ाज़िल वि० [अ] वधारेपडतु; फाजल (२) विद्वान. **०बाक़ी** स्त्री० हिसाबे नीकळतु लेणु के देणु

फाटक पु० मोटो दरवाजो (२) झाटकण; झटकामण

फाटका पु० सट्टो.–केबाज़ वि० सट्टाखोर

फाड़न स्त्री०, पु० फाडेलो टुकडो (२) फाडेला दूधनु पाणी [करवु

फाड़ना स०क्रि० फाडवु; चीरवु; अलग

फ़ातिहा पु०[अ] प्रार्थना (२) फातियो

फ़ानी वि० [अ] नाशवत, क्षणभगुर

फ़ानूस पु०[फा] फानस (२) दीवानु झाड

फ़ाम पु० [फा] रग, वर्ण

फ़ायदा पु०[अ] फायदो; लाभ; नफो. –देमंद वि० फायदावाळु; लाभनु

फ़ायल वि० [श. फाइल] (व्या.) कर्ता

फाया पु० जुओ 'फाहा' [फारगती

फारखती स्त्री० [फा फारिग+खती]

फारम पु० [इ] फॉर्म

फारमूला पु०[इ] सूत्र; गुरुसूत्र; नियम

फारस पु०[अ] ईरान; पारसदेश. –सी स्त्री० फारसी भाषा (२) वि० ईरानी

फ़ारिग़ वि० [अ] फारग; छूटु

फारिग़-उल्-बाल वि० [अ] सौ रीते सुखी; निश्चिंत

फ़ारूक वि० सारासारनु विवेकी

फाल स्त्री० हळनी कोस [स] (२) कापेली सोपारी (३) पु० फाळ; छलंग

फ़ाल स्त्री०[फा.]पासाथी जोश जोवा ते

फालतू वि० वधारानु, फालतु (२) नकामु

फालसई वि० फालसाना रगनु

फालसा पु०[फा] फालसी के फालसु

फालिज पु० [अ] लकवो; पक्षाघात

फ़ालूदा पु०[फा] एक ठडु मीठु पीणु

फाल्गुन पु० [सं] फागण मास –नी स्त्री० एक नक्षत्र [नानो पावडो

फावड़ा पु० पावडो –ड़ी स्त्री० पावडी;

फ़ाश वि०[फा] प्रगट; खुल्लु; जाणीतु

फासफरस पु० [इ] फॉस्फरस; एक मूळ पदार्थ [फासलो; अतर

फ़ास(–सि)ला पु० [अ फासिला]

फ़ासिद वि० [अ] फसाद करनार; 'फसादी' (२) खराब; दुष्ट

फास्ट वि० [इ] तेज; वेगवाळु

फाहा पु० घी तेल अत्तर इ०नु पूमडु

फ़ाहिश वि० [अ.] अनाचारी (२) गदु; अश्लील

फाहिशा स्त्री० छिनाळ [(३)टोणो

फ़िकरा पु० [अ] वाक्य (२) फकरो

फिकैत पु० ढाल लकडी चलावी जाणनार; 'फेकनैत' [धर्मशास्त्र

फ़िक़्का स्त्री० [अ फिक.] मुसलमाननु

फिक्र स्त्री०[अ]फिकर;चिंता, काळजी. ०मंद वि० चिंतातुर

फ़िगार वि० [फा] घायल

फिचकुर पु० मोमाथी नीकळतु फीण (जेम के, मूर्छामा)

फिज़ूल वि० जुओ 'फज़ूल' [शाप

फिटकार स्त्री० धिक्कार (२) वददुआ;

फिटकारना स० क्रि० फिटकारवु

फिटकिरी स्त्री० फटकडी

फिटन स्त्री० फेटन गाडी [कारीगर

फिटर पु० [इ.] यत्र फिट करनार

फिट्टा वि० फिटकार पामेलु

फिड्डा वि० एडीनो भाग वेठेलो (जोडो)

फितना पु० [अ.] झघडो; दंगो; फितनो

फितरत स्त्री० [अ.] स्वभाव; प्रकृति (२) धूर्तता, ० न् अ० स्वभावतः

फितरती वि० [फा] धूर्त, दगाबाज

फितरी वि० [फा.] स्वाभाविक; कुदरती

फितूर पु० जुओ 'फ़तूर'

फिदविया स्त्री० दासी; नोकरडी
फ़िदवी वि० [अ] आज्ञाकारी (२) पु० दास [आसक्त, मुग्ध
फिदा वि० [अ.] खूब खुश (२) गुलतान;
फ़िदाई पु० [अ] फिदवी; दास (२) प्रेमी [जतुनाशक दवा
फिनायल, फिनैल पु० [इ] फिनाईल
फ़िन्नार अ० [अ.] 'जा जहान्नममा'
फ़िरंग पु० चादीनो रोग (२) युरोप, गोरा फिरगीनो देश, 'फिरगिस्तान'
फ़िरंगी वि० गोराना देशनु (२) पु० तेनो वतनी, गोरो **-गिस्तान** पु० युरोप, गोराओनो मुलक [थयेलु
फिरंट वि० विरुद्ध (२) लडवा सामे
फिर अ० फरी (२) पछी (३) तो पछी
फ़िरका पु० [अ] फिरको, जमात; सप्रदाय. **०बंदी** स्त्री० दळवधी **०वार, ०वाराना** वि० जमातनु; साप्रदायिक
फिरकी स्त्री० फरकडी (२) फिरकी
फिरता पु० अस्वीकार (२) पाछु फेरववु ते (३) वि० पाछु फेरवेलु (स्त्री० **-ती**)
फ़िरदौस पु० [अ] बाग (२) स्वर्ग
फिरना अ०क्रि० फरवु (प्रेरक, **फिराना**)
फ़िरनी स्त्री० [फा] एक प्रकारनी चोखाना लोटनी खीर
फिरवाना स०क्रि० फेरवाववु
फिराक पु०[अ] वियोग (२) फिकर; चिंता (३) खोळ; शोध [सतोष
फ़िराग पु०[अ.] छुटकारो (२) खुशी (३)
फिरार पु० [अ] नासवु ते; पलायन. **-होना** = नासी जवु
फिरारी वि०[फा] जुओ 'फरार,-री'
फ़िरासत स्त्री० [अ] बुद्धिमत्ता
फ़िरिश्ता पु० [फा.] फिरस्तो; देवदूत
फिरोख्त स्त्री० जुओ 'फरोख्त'
फ़िर्क़ा पु० जुओ 'फिरका'
फ़िल-जुमला अ०[अ.] टूकमा; साराश के
फ़िलफिल स्त्री० मरी
फ़िल-फौर अ० [अ] तरत
फ़िल-वाक़ा -हकीकत अ०[अ] वस्तुत, हकीकतमा
फ़िलस्तीन पु० पेलेस्टाईन देश
फ़िल-हकीकत अ०[अ] हकीकत जोता; वस्तुत [अत्यारे
फ़िल-हाल अ०[अ] हमणा, आ वखते,
फिल्ली स्त्री० पगनी पिंडी
फिस अ० काई नही, मीडु; व्यर्थ
फिसड्डी वि० काममा मद; ढीलु
फिसलन स्त्री० लपसवु ते
फिसलना अ० क्रि० लपसवु, ढळी जवु
फ़िसाद पु० जुओ 'फसाद'
फ़िसाना पु० जुओ 'फ़साना'
फ़िहरिस्त स्त्री० [फा.] यादी, 'फेहरिस्त'
फ़ी अ० [अ] दर; प्रति एक. **०कस** अ० जण दीठ
फीका वि० फीकु; मोळु
फ़ी-ज़माना अ० [अ + फा] आजकाल; हालना समयमा
फीता पु० फीत; कोर (२) (मापवानी) पट्टी (३) कागळो इ० बाधवानी पट्टी; 'टेप'
फ़ीरनी स्त्री० जुओ 'फिरनी'
फ़ीरोज़ वि० [फा.] विजयी, सफळ. **-ज़ी** स्त्री० विजय
फ़ीरोज़ा पु० [फा.] पीरोज रग. (वि० **-ज़ी**) [हाथीखानु
फ़ील पु० [फा.] हाथी. **०ख़ाना** पु०

फ़ीलपा पु० [फा] हाथीपगो रोग
फ़ील-पाया पु० [फा] थाभलो
फ़ीलवान पु० [फा] हाथीनो महावत
फ़ीला पु० [फा] शेतरजनो हाथी
फीली स्त्री० जुओ 'फिल्ली' [त्रेसवी
फ़ीस स्त्री० [इ] फी. –लगना=फी
फ़ी-सदी अ० [अ +फा] सेंकडे
फी-साल अ० दर साल – वरसे
फुंकना अ० क्रि० 'फूंकना' नु कर्मणि; फूकावु (२) पु० फूकणी (३) फुक्को; मूत्राशय
फुंकनी स्त्री० फूकणी (२) धमण
फुंक(–का)रना अ० क्रि० फूफाडो मारवो; फू करवु (सापनु)
फुंका(–कवा)ना स० क्रि० फूकाववु
फुंकार पु० फूफाडो
फूंकारना स० क्रि० जुओ 'फुंकरना'
फुंदना पु०, **फुंदिया** स्त्री० फूमतु
फुंसी स्त्री० झीणी फोल्ली
फुआरा पु० फुवारो
फुकना अ०क्रि० (२) पु० जुओ 'फुंकना'
फुकनी स्त्री० जुओ 'फुंकनी'
फुचड़ा पु० कपडा इ०माथी नीकळतु रूछु, फूमतु
फ़ुज़ूल वि० [फा] जुओ 'फजल'
फुज़ूला पु० [अ] वस्तु काढी लेता रहेतो कचरो (२)शरीरमाथी नीकळतो थूक, गळफो, झाडो, पेशाब इ० मळ
फुट वि० एकाकी (२) अलग (३) पु० [इ] फूट – १२ इच
फुटकर,–ल वि० जुओ 'फुट' (२) फुटकळ; विविध (३) छूटक
फुटका पु० फोडलो [टिप्पणी
फुटनोट पु० [इ] पाना नीचे अपाती
फुटपाथ पु० [इ] पगथी; फूटपाथ
फुटबाल पु० [इ] फूटबॉल दडो
फुटमत पु० मतभेद
फुटेहरा पु० धाणी जेवा फूलेला शेकेला चणावटाणा [नसीवनु
फुट्टैल वि० जुओ 'फुट' (२) फूटेला
फ़ुतूर पु०[अ] फितूर; झघडो(२)खरावी
फुतूह स्त्री० [अ] जुओ 'फतूह'
फुत्कार पु० [स] फूफाडो [आववु
फुदकना अ०क्रि० ऊछळवु (२)उमगमा
फुदकी स्त्री० एक नानु पक्षी
फुनगी स्त्री० फणगो; अकुर
फुनून पु० [अ] 'फन' नु ब०व०
फुफंदी स्त्री० नाडु
फुफकार पु० फुफवाटो (अ०क्रि०–ना)
फुफू स्त्री० जुओ 'फूफी'
फुफेरा वि० फूआनु (स्त्री०–री)
फुप्फुस पु० [स] फेफसु
फुर वि० (प) साचु; सत्य
फ़ुरक़त स्त्री० [अ] वियोग
फुरती स्त्री० फूर्ति; स्फूर्ति; तेजी
फुरतीला वि० फूर्तिलु
फुरना अ०क्रि० (प) स्फुरवु (२) साचु सावित थवु; सफळ थवु
फुरफुराना अ०क्रि० फरफरवु (२) स०क्रि० फफडाववु. –हट स्त्री० फरफराट; फफडाट
फ़ुरसत स्त्री०[अ] फुरसद; नवराश (२) रोग मटवो ते, आराम
फुरेरी स्त्री० छेडे पूमडु लपेटेली सळी (२) रोमाच साथे कप. –आना,–लेना =थरथरवु; कापवु [०'ला'
फुर्ती, स्त्री० ०ला वि० जुओ 'फुरती'
फ़ुर्सत स्त्री० जुओ 'फुरसत'

फुलका पु० फफोलो (२) फूलको–रोटली. –**की** स्त्री० नानो फूलको
फुलझड़ी स्त्री० दारूखानानी फूलकणी के तारामडळ (२) पचातनी वात
फुलवर पु० फुलेवर रेशमी कापड
फुलवार वि० प्रफुल्ल, प्रसन्न
फुलवारी स्त्री० बगीचो (२) कागळनी फूलवाडी
फुलहारा पु० माळी
फ़ुलाँ वि० जुओ 'फलाँ'
फुलाना स० क्रि० फुलाववु
फुलाव पु० फूलवु के फुलाववु ते
फुलिया पु० कानमा पहेरवानु फूल-घरेणु
फुलिसकेप पु० फूल्सकॅप कागळ
फुलेरा पु० फूलोनी करेली छत्री
फुलेल पु० (फूलोनु) सुगधीदार तेल
फुलेली स्त्री० फुलेलनी शीशी
फुलौरी स्त्री० एक जातनु भजियु
फुल्ल वि० [स] खीलेलु, प्रफुल्ल
फुवा(–हा)र स्त्री० जुओ 'फुहार'
फुस स्त्री० फूस एवो धीमो अवाज ०**फुस** स्त्री० गुसपुस वात. ०**से** अ० धीरेथी; धीमेथी
फुसफुसा वि० फासफूसियु [बोलवु
फुसफुसाना अ॰ [illegible] धीमे धीमे
फुसलाना [illegible]
फ़ुहश वि० [illegible]
फुहार स्त्री॰ [illegible] ; फो[illegible]
[illegible] ० फु [illegible]
[illegible]

फूँका पु० ढोरनु दूध खेंची काढवानी एक क्रूर युक्ति के ते माटेनी नळी (२) फोल्लो
फूँद स्त्री०, –**दा** पु० 'फुंदिया'; फूमतु
फूँद-फूँदारा वि० फूमतावाळु
फूंदा पु० जुओ 'फूँद'
फूई स्त्री० जुओ 'फूँही'(२) फूग; 'फफुंदी'
फूट स्त्री० फूट; फूटवु ते (२) भेद, तड (३) एक जातनी काकडी
फूटना अ० क्रि० फूटवु. **फूट फूटकर रोना**=विलाप करवो. **फूटी आँखो न भाना**=बहु खराब देखावु–लागवु
फूत्कार पु० [स] फूफाडो
फूफा पु० फुओ (स्त्री० –**फी**)
फूल पु० पुष्प (२) अस्थि-फूल (३) फूल इ०नु भरतकाम. –**झड़ना**=मीठा शब्दो बोलवा. –**पड़ना**=बत्तीने मोगरो थवो
फूलगोभी स्त्री० फलावरनु शाक
फूलडोल पु० हीडोळानो उत्सव
फूलदान पु० फूलदानी
फूलदार वि० फूल इ०ना शणगारवाळुं; फूलवाळु
फूलना अ० क्रि० फूल आववा (२) खीलवु (३) फूलवु (४) प्रफुल्ल के गर्वित थवु (५) मो चडाववु; रिसावु. –**फलना**=खूब समृद्ध थवु; फूलवु फालवु. –**फालना**=खुश खुश थवु (०**फूला**)**फिरना** = फुलाई जवु; [illegible] के रहेवु (२) प्रसन्न न **समाना**=आनदनो
[illegible]
[illegible] पडतु फूल
[illegible]) छाजनु घास

फूहड़,-र वि० फूवड; ठेकाणा वगरनु (२) स्त्री० फवड स्त्री
फूही स्त्री० जुओ 'फूंही, फुहार'
फेंक स्त्री० फेकवु ते
फेंकना स०क्रि० फेकवु
फेंट स्त्री० कमरनी भेट के कमर (२) 'फेंटना' नी क्रिया
फेंटना स०क्रि० फीणवु; हलाववु
फेंटा पु० जुओ 'फेट' (२) फेटो
फेंटी स्त्री० सूतरनी आटी (अटेरण पर उतारेली)
फ़ेज़ पु० एक टोपी (तुर्की घाटनी)
फेन पु० [स] फीण
फेनी स्त्री० सूतरफेणी
फेफड़ा पु० फेफसु
फेफड़ी,-री स्त्री० तरस के गरमीथी होठ पर वळती पोपडी
फेर पु० फेर (चक्कर; तफावत) (२) दुविधा;मूझवण (३) सशय (४) फेरफार (५) उपाय, युक्ति (६) लेवडदेवड; फेरफार. **–खाना**=फेरावामा पडवु **–बांधना**=उपाय के तजवीज करवी. **–में आना या पड़ना**=गूचवावु **–में डालना**=गूचववु
फेरना स०क्रि० फेरववु (२) पाछु लेवु के करवु
फेर-पलटा पु० 'गौना'; आणु
फेरफार पु० फेरफार; परिवर्तन, फरक (२) आघुपाछु करवु ते
फेरबदल पु० फेरफार; बदलवु ते
फेरा पु० फेरो; आटो, चक्कर
फेराफेरी स्त्री० हेरफेर,आमतेम फेरफार
फेरी स्त्री० फेरी (वेचवा माटे) (२) फेरो; आटो. **०वाला** पु० फेरियो
फ़ेल पु०[अ] कार्य (२) दुष्कर्म; फेल (३) क्रियापद (४) वि० [इ] निष्फळ; नापास
फ़ेल-ज़ामिनी स्त्री० सारी चालनी जामीनगीरी
फ़ेलन् अ० [अ] कार्यरूपे [ढोगी
फेली वि०[अ] 'फेल' वाळु (२) फेलबाज;
फेहरिस्त स्त्री० यादी; 'फिहरिस्त'
फेकनैत पु० घा करवामा होशियार; 'फिकैत'
फ़ैक्टरी स्त्री०[इ] कोठी (२) कारखानु
फ़ैज़ पु०[अ] फायदो; हित (२) भलाई; परोपकार (३) फेज; परिणाम
फ़ैज़ेआम पु० [अ] लोकहित
फ़ैयाज़ वि० जुओ 'फय्याज़'
फ़ैयाज़ी स्त्री० जुओ 'फय्याज़ी'
फैर स्त्री० वदूकनो वार
फैलना अ०क्रि० फेलावु (प्रेरक **फैलाना**)
फ़ैलसूफ पु० [फा] फिलसूफ (२) 'फजूलखर्च'; उडाउ (३) दगलबाज
फ़ैलसूफी स्त्री० अपव्यय (२) दगलबाजी
फैलाव पु० फेलावो
फैशन पु० [इ] फॅशन; चाल; रीत
फैसल पु० [अ.] न्यायाधीश (२) न्याय; फेसलो
फैसला पु० [अ] फेंसलो
फोक पु० नकामो कूचो (२) नीरस चीज
फोकट वि० फोगट; तुच्छ; नकामु,मफत. **–का**=फोगटियु; मफतनु **–में**= मफतमा
फोकला पु० छोतरु; छोडु
फोकस पु० [इ] दूरबीन; कॅमेरा इ०नु खास अमुक केन्द्रबिंदु. **–लेना**=फोकस मेळववु

फुलका पु० फफोलो (२) फूलको-रोटली. **-की** स्त्री० नानो फूलको
फुलझड़ी स्त्री० दारूखानानी फूलकणी के तारामडळ (२) पचातनी वात
फुलवर पु० फुलेवर रेशमी कापड
फुलवार वि० प्रफुल्ल; प्रसन्न
फुलवारी स्त्री० बगीचो (२) कागळनी फूलवाडी
फुलहारा पु० माळी
फ़ुलाँ वि० जुओ 'फलाँ'
फुलाना स० क्रि० फुलाववु
फुलाव पु० फूलवु के फुलाववु ते
फुलिया पु० कानमा पहेरवानु फूल-घरेणु
फुलिसकेप पु० फूल्सकॅप कागळ
फुलेरा पु० फूलोनी करेली छत्री
फुलेल पु० (फूलोनु) सुगधीदार तेल
फुलेली स्त्री० फुलेलनी शीशी
फुलौरी स्त्री० एक जातनु भजियु
फुल्ल वि० [सं] खीलेलु, प्रफुल्ल
फुवा(-हा)र स्त्री० जुओ 'फुहार'
फुस स्त्री० फूस एवो धीमो अवाज ०**फुस** स्त्री० गुसपुस वात ०**से** अ० धीरेथी; धीमेथी
फुसफुसा वि० फासफूसियु [बोलवु
फुसफुसाना अ० क्रि० गुसपुस धीमे धीमे
फुसलाना स० क्रि० फोसलाववु
फुहश वि० [अ.] जुओ 'फहश'
फुहार स्त्री० पाणीनी झीणी छाट; फरफर; फोरु
फुहारा पु० फुवारो (२) झीणी छाट
फूँही स्त्री० जुओ 'फुहार'
फूँक स्त्री० फूक; श्वास; फूकवु ते. **-मारना**=फूकवु
फूँकना स०क्रि० फूंकवु (२) फूकी मारवु
फूँका पु० ढोरनु दूध खेंची काढवानी एक क्रूर युक्ति के ते माटेनी नळी (२) फोल्लो
फूँद स्त्री०, **-दा** पु० 'फुंदिया'; फूमतु
फूँद-फूँदारा वि० फूमतावाळु
फूँदा पु० जुओ 'फूँद'
फूई स्त्री० जुओ 'फूँही'(२) फूग; 'फफुंदी'
फूट स्त्री० फूट; फूटवु ते (२) भेद; तड (३) एक जातनी काकडी
फूटना अ० क्रि० फूटवु. **फूट फूटकर रोना**=विलाप करवो. **फूटी आँखों न भाना**=बहु खराब देखावु-लागवु
फूत्कार पु० [स] फूफाडो
फूफा पु० फुओ (स्त्री० **-फी**)
फूल पु० पुष्प (२) अस्थि-फूल (३) फूल इ०नु भरतकाम **-झड़ना**=मीठा शब्दो बोलवा **-पड़ना**=बत्तीने मोगरो थवो
फूलगोभी स्त्री० फलावरनु शाक
फूलडोल पु० हीडोळानो उत्सव
फूलदान पु० फूलदानी
फूलदार वि० फूल इ०ना शणगारवाळु; फूलवाळु
फूलना अ० क्रि० फूल आववा (२) खीलवु (३) फूलवु (४) प्रफुल्ल के गर्वित थवु (५) मो चडाववु; रिसावु. **-फलना**=खूब समृद्ध थवु; फूलवु फालवु. **-फालना**=खुश खुश थवु
फूला(०फूला)फिरना = फुलाई जवु, घमडमा फरवु के रहेवु (२) प्रसन्न थई फरवु. **फूला न समाना**=आनदनो पार न रहेवो
फूली स्त्री० आखमा पडतु फूल
फूस पु० सूकु घास, खड (२) छाजनु घास

फूहड़,–र वि० फूवड; ठेकाणा वगरनु (२) स्त्री० फवड स्त्री
फूही स्त्री० जुओ 'फूंही, फुहार'
फेंक स्त्री० फेकवु ते
फेंकना स०क्रि० फेकवु
फेंट स्त्री० कमरनी भेट के कमर (२) 'फेंटना' नी क्रिया
फेंटना स०क्रि० फीणवु, हलाववु
फेंटा पु० जुओ 'फेंट' (२) फेंटो
फेंटी स्त्री० सूतरनी आटी (अटेरण पर उतारेली)
फेज़ पु० एक टोपी (तुर्की घाटनी)
फेन पु० [स] फीण
फेनी स्त्री० सूतरफेणी
फेफड़ा पु० फेफसु
फेफड़ी,–री स्त्री० तरस के गरमीथी होठ पर वळती पोपडी
फेर पु० फेर (चक्कर; तफावत) (२) दुविधा;मूझवण (३) सशय (४) फेरफार (५) उपाय; युक्ति (६) लेवडदेवड, फेरफार. –खाना=फेरावामा पडवु –बांधना=उपाय के तजवीज करवी. –में आना या पड़ना=गूचवावु –में डालना=गूचववु
फेरना स०क्रि० फेरववु (२) पाछु लेवु के करवु
फेर-पलटा पु० 'गौना'; आणु
फेरफार पु० फेरफार, परिवर्तन; फरक (२) आघुपाछु करवु ते
फेरबदल पु० फेरफार; बदलवु ते
फेरा पु० फेरो; आटो; चक्कर
फेराफेरी स्त्री० हेरफेर,आमतेम फेरफार
फेरी स्त्री० फेरी (वेचवा माटे) (२) फेरो; आटो. ०वाला पु० फेरियो
फ़ेल पु०[अ] कार्य (२) दुष्कर्म; फेल (३) क्रियापद (४) वि० [इ] निष्फळ; नापास
फेल-ज़ामिनी स्त्री० सारी चालनी जामीनगीरी
फेलन् अ० [अ] कार्यरूपे [ढोंगी
फ़ेली वि०[अ] 'फेल' वाळु (२) फेलबाज;
फ़ेहरिस्त स्त्री० यादी; 'फिहरिस्त'
फैक़ैत पु० घा करवामा होशियार; 'फिकैत'
फैक्टरी स्त्री०[इ] कोठी (२) कारखानु
फ़ैज़ पु०[अ] फायदो, हित (२) भलाई; परोपकार (३) फेज; परिणाम
फैज़ेआम पु० [अ] लोकहित
फ़ैयाज़ वि० जुओ 'फय्याज़'
फैयाज़ी स्त्री० जुओ 'फय्याज़ी'
फैर स्त्री० बदूकनो वार
फैलना अ०क्रि० फेलावु (प्रेरक **फैलाना**)
फैलसूफ पु० [फा] फिलसूफ (२) 'फजूलखर्च'; उडाउ (३) दगलबाज
फ़ैलसूफी स्त्री० अपव्यय (२) दगलबाजी
फैलाव पु० फेलावो
फैशन पु० [इ] फॅशन, चाल; रीत
फैसल पु० [अ] न्यायाधीश (२) न्याय; फेसलो
फैसला पु० [अ] फेसलो
फोक पु० नकामो कूचो (२) नीरस चीज
फोकट वि० फोगट; तुच्छ; नकामु,मफत. –का=फोगटियु; मफतनु. –में= मफतमा
फोकला पु० छोतरु; छोडु
फोकस पु० [इ] दूरबीन; कॅमेरा इ०नु जान अमुक केन्द्रबिंदु –लेना=फोकस मेळववु

फ़ोटो, ०ग्राफ पु० [इ] फोटो; छबी. **०ग्राफर** पु० छबी पाडनार. **०ग्राफी** स्त्री० तेनी कळा के विद्या
फोड़ना स० क्रि० फोडवु
फोड़ा पु० फोडलो **–ड़िया** स्त्री० फोल्ली
फोता पु० [फा] थेली (२) अडकोष (३) महेसूल (४) खजानो; तिजोरी
फोतेदार पु०[फा]खजानची, 'रोकडिया'
फ़ोश वि० गदु; बीभत्स
फ़ौआ(–व्वा)रा पु० फुवारो
फ़ौक़ वि०[अ] उच्च; श्रेष्ठ (२) पु० उच्चता
फ़ौकियत स्त्री०[अ] श्रेष्ठता (२) उन्नति
फौज स्त्री० [अ] फोज; लश्कर
फ़ौजदार पु० [फा] सेनापति (२) फोजदार–अमलदार **–री** स्त्री० टटो; झघडो (२) फोजदारी अदालत
फ़ौजी वि० [फा] फोजने लगतु
फ़ौत वि० [अ.] गत; मृत (२) स्त्री० नाश (३) मृत्यु
फ़ौती स्त्री० [फा.] मृत्यु (२) वि० मृत्यु सबधी
फ़ौरन् अ० [अ] तरत
फ़ौरी वि०[अ] जलदीनु, तात्कालिक
फ़ौलाद पु०[फा.] पोलाद (वि० **–दी**)
फ़ौवा(–व्वा)रा पु० [अ फव्वार] फुवारो
फ्रांसीसी वि० फ्रासनु
फ्राक पु० [इ] पहेरवानु फराक
फ्रेम पु०[इ] चोकठु (२) छबीनी फ्रेम
फ्लूट पु०[इ] वासळी जेवु एक वाजु

ब

बंक वि० बंकु; वाकु (२) दुर्गम (३) पु० बॅन्क
बंकनाल स्त्री० सोनीनी फूकवानी नळी
बंगला वि० बगाळी (२) स्त्री० बगाळी भाषा (३) पु० बगलो
बंगाल पु० बगाळ देश. **–ली** वि० बगाळी (२) स्त्री० ते भाषा
बंचक पु० (प.) वचक; ठग. **–ना** स्त्री० ठगाई; वचना (२) स०क्रि० ठगवु
बंछना स०क्रि० (प) वाछवु; इच्छवु
बंजर पु० ऊसर जमीन
बँटना अ०क्रि० 'बाँटना' नु कर्मणि
बँटवारा पु० वहेचणी
बंटा पु० गोळ के चोखंडो नानो डबो
बँटाई स्त्री० बाटवु ते (२) भागनी खेती
बँटाना स० क्रि० 'बँटवाना'–वहेचाववु (२) मददमा लागवु हाथ **बँटाना**= हाथ देवो
बंडल पु० [इ] बडल, पोटकु
बंडा पु० एक कद, रताळु (?)
बँडेरी स्त्री० छापरानु मोभनु लाकडु
बंद पु० [फा] बधन; केद (२) बाध (३) अगरखा इ०नी कस (४) कागळनी लाबी पटी (५) छप्पा जेवी उर्दू कवितानु चरण (६) वि० बन्ध करेलु के थयेलु; रोकायेलु के रोकेलु; बद्ध
बंदगी स्त्री०[फा] गुलामी (२) प्रार्थना (३) सलाम
बंदगोभी स्त्री० करमकल्लो, कोबी
बंदनवार पु० तोरण

वंदना स० क्रि० वदवु (२) स्त्री० वदना
वंदर पु० वादरो (२) [फा] वन्दर. –घुड़की, –भवकी=खाली डरावबा माटे धमकाववु ते
वंदरगाह पु० [फा.] वन्दर
वंदा पु० [फा] दास, सेवक (स्त्री० –दी)
वंदा-नवाज़ वि० [फा] दास पर दया करनार; दीनदयाळ
वंदिश स्त्री० [फा] वाधवु ते (२) प्रवध (३) पेतरो
वंदी पु० [फा] केदी (२) भाट; चारण (३) स्त्री० वधी घरेणु (४) दासी (५) वधी; केद, वधन. ०खाना, ०घर पु० केदखानु; जेल ०वान पु० केदी. ०छोर पु० केदमाथी छोडावनार
वदूक स्त्री० [फा] वधूक. –चलाना, –छोड़ना, –मारना, –लगाना=वदूक फोडवी –भरना=वदूक भरवी. –छतियाना=वदूक फोडवा तैयार थवु ०ची पु० वदूकवाळो
वंदोवस्त पु० [फा.] वदोवस्त, प्रवध; व्यवस्था (२) महेसूलनी जमावधी
वंध पु० [स] वधन; वेडी, केद (२) पाणीनो वध, वाध (३) वाधण–रसी इ०
वधक पु० गीरो मूकेली वस्तु; 'रेहन'
वधन पु० [स] वाधवु ते (२) वध, वेडी, केद, रस्सी इ० [सावन
वधना अ० क्रि० वधावु (२) पु० वाधवानु
वधान पु० धारो, वधी, करार (२) पाणीनो वाध (३) सम ताल
वंधी स्त्री० नक्की प्रवंध के कार्यक्रम; 'वधेज'; वधावु ते [के स्वजन
वंधु पु० [स.] भाई; भाडु (२) भाईवध
वंधुआ, –वा पु० वधावेलो ते; केदी
वंधेज पु० कशु नियमित वाववु के वधावु ते; वधामणी; करार (२) वधी; प्रतिवध
वंपुलिस स्त्री० सार्वजनिक जाजरूनु स्थान
वंब स्त्री० वम वम ध्वनि (२) नगारु
वंबा [अ मवा] नवो (२) स्रोत; झरणु
वँबाना अ० क्रि० (ढोरनु) वाघडवु
वंसकपूर, वसलोचन पु० वासकपूर
वंसरी, वसी स्त्री० वासळी; वसी
वँहगी स्त्री० 'वहँगी', पाणीनो वागो; कावड
व [फा] पूर्वग; 'स' जेम, सहित एवा अर्थमा; उदा० वकील, वशर्त इ०
वईद अ० [अ] दूर
बक पु० [स] वगलो (२) वकासुर (३) स्त्री० वकवु ते; वकवाद; लवारो. ०झक, ०वक स्त्री० वकवाद
वक(–कु)चा पु० [तु. वुचक] जुओ 'वकुचा'; वचको
वकची स्त्री० 'वकुची'; वचकी
वकझक स्त्री० वकवाद; 'वक'
वक(–ख)तर पु० वख्तर; कवच
वकना स० क्रि० वकवु; वोलवु, वकवाद करवो –झकना=व्यर्थ वोलवु, वकवाद करवो
वकवक स्त्री० वकवाद; लवारो; 'वक'
वकर-ईद स्त्री० जुओ 'वक्र-ईद'
वकर-कसाव पु० वकरानु मास वेचनार
वकरना स० क्रि० एकला वकवु–ववडवु (२) पोते कवूल करी के कही देवु
वकरा पु० वकरो. –री स्त्री० वकरी
वकरीद स्त्री० जुओ 'वक्र-ईद'
वकलस [इ. वकल्स] वकल
वकला पु० वल्कल (२) फळनु छोडु

बकवाद,–स,–सी स्त्री० बकवाद; बकबक. **–दी** वि० बकवाद करनार
बकस पु० पेटी; 'बॉक्स'
बकसना स०क्रि० बक्षवु (२) माफ करवु (प्रेरक **बकसाना**)
बकसुआ(–वा) पु० 'बकलस'; बकल
बकायन स्त्री० एक झाड
बक़ाया पु० [अ] बाकी; बचत
बकारी स्त्री० बोल; शब्द; मोमाथी नीकळतो ध्वनि. **–फूटना**=बोल के शब्द नीकळवो
बकावल पु० [फा] बबरची
बकिया वि०[अ] शेष; बचेलु; परिशिष्ट
बकुचा पु० (स्त्री०**–ची**) बचको; पोटलु
बकेन(–ना) स्त्री० वाखडी गाय-भेंस
बकैयाँ पु० घूटणिये चालवु ते
बकोटना स०क्रि० नखथी उझरडो भरवो
ब-क़ौल अ० [अ] कोल प्रमाणे
बक्कल पु० [स वल्कल] 'बकला'; छाल (२) छोडु
बक़्क़ाल पु० [अ] बकाल; वाणियो
बक़्र-ईद स्त्री० [अ] बकरी-ईद
बक्स पु० 'बकस'; पेटी
बखतर पु० जुओ 'बकतर'
बख़रा पु० [फा] भाग; हिस्सो
बखरी स्त्री० रहेवा लायक (सारु) घर
बखशीश, बखसीस (प) स्त्री० जुओ 'बख़्शिश'
बखान पु० वर्णन (२) वखाण
बखानना स०क्रि० वर्णववु (२) वखाणवु (३) गाळो भांडवी
बखार पु० अनाजनो कोठार के वखार (स्त्री० **–री**=नानी वखार)
बख़िया पु० [फा] बखियो; सिलाईनो टाको. **–उधेड़ना**=सीवण खोलवु (२) वातनो भेद उघाडो करवो
बखियाना स०क्रि० बखिया दई सीववु
बखीर स्त्री० शेरडीना रसमां रांधेलो भात [**–ली** स्त्री०)
बख़ील वि०[अ] वखील; कजूस (नाम
ब-ख़ुद अ० [फा] जाते; पोते
बख़ूबी अ०[फा] खूबीथी; अच्छी तरेह
बखेड़ा पु० बखेडो; झघडो, (२) पचात; झझट **–ड़िया** वि० झघडाळु; बखेडो करनारु
बखेरना स०क्रि० विखेरवु
ब-ख़ैर अ० [फा.] बरोबर; खूबीथी
बख़्त पु० [फा] नसीब; भाग्य
बख़्तर पु० [फा] जुओ 'बकतर'
बख़्तावर, बख़्तियार वि० [फा.] भाग्यशाळी
बख़्शना स०क्रि० बक्षवु (२) त्यागवु (३) क्षमा करवी
बख़्शिश स्त्री० [फा.] बक्षिश (२) उदारता (३) क्षमा
बग पु० बगलो
बगई स्त्री० बगाई
बग-छुट, बगटुट अ० जोरथी; सडसडाट
बगदना अ०क्रि० बगडवु (२) भूलवु (३) भ्रष्ट थवु
बगमेल पु० बराबरी; स्पर्धा
बगर पु० महेल के मोटु मकान (२) घर (३) आगणु
बगर(–रा) ना अ०क्रि० (प) फेलावु; वीखरावु
बगराना अ०क्रि० जुओ 'बगरना' (२) स०क्रि० फेलाववु; विखेरवु
बगरी स्त्री० जुओ 'बखरी'

बग़ल स्त्री० [फा] बगल (२) पासु; पडखु (३) पासेनु स्थान. **–गरम करना** = सहवास करवो. **–में** = पासे (२) एक बाजु **–में ईमान दबाना** या **रखना** = बेईमानी करवी. **–में मुंह डालना** = शरमावु के शरमाववु **–सूंघना** = पस्तावु **–हो जाना**=बाजुए खसी जवु. **बगलें झांकना** = आम तेम भागवा मथवु (२) गल्लातल्ला करवा **बगले बजाना** = काखलियो कूटवी; राजी राजी थवु

बगलगध पु० बगलबामणी (२) बगलमा खराब पसीनो नीकळवानो रोग

बग़लबंदी स्त्री० बगलबडी

बग(–गु)ला पु० बगलो. (स्त्री०–ली)

बगला-भगत पु० बगभगत

बगलियाना अ०क्रि० बगलमा–पासे थईने नीकळी जवु (२) स०क्रि० अलग करवु (३) बगलमा मारवु

बगली स्त्री० बगलानी मादा

बग़ली वि० [फा] बगलनु (२) स्त्री० बगलनु कपडु (३) दरजीनी थेली

बगार स्त्री० गायनी गमाण

बगारना स०क्रि० (प) जुओ 'बगराना'

बगावत स्त्री०[अ] बळवो (२) राजद्रोह

बगिया स्त्री०, **बगीचा** पु०, बगीचो; नानो बाग

बगुला पु० बगलो

बगूला पु० वटोळियो

बगेरी स्त्री० एक नानु पक्षी

बग़ैर अ० [अ] वगर, विना

बग्गी,–घी स्त्री० बगी गाडी

बघंबर, बघछाला पु० व्याघ्रचर्म

बघनहां(–हियां) पु० वाघनख

बघार पु० वघार के तेनी महेक. **–आना, –उठना** = वघार बरोबर थवो **–देना** = वघार करवो; वधारवु

बघारना स०क्रि० वघारवु (२) योग्यता बहारनु बोलवु–छाटवु

बच स्त्री० वच औषधि (२) पु० (प) वचन [जेवु

बचकाना वि० बच्चाने योग्य के बच्चा

बचत स्त्री० बचाव, रक्षा (२) बचत; बचावेलु ते, शेष (३) नफो

बचन पु० वचन **–डालना** = मागवु, याचवु [बोलवु; कहेवु

बचना अ०क्रि० बचवु (२)(प) स०क्रि०

बचपन पु० बचपण; नानपण

बचा पु० (प) बचो, छोकरो

बचाना स०क्रि० बचाववु

बचाव पु० बचाव; रक्षण

बच्चा पु० [फा] बच्चु (२) बाळक (३) वि० नादान; बालिश

बच्चादान पु० [फा] गर्भाशय

बच्ची स्त्री० बची; छोकरी

बच्चेकच्चे पु० ब० व० बच्चाकच्चा; बाळबच्चा

बच्चेदानी स्त्री० जुओ 'बच्चादान'

बच्छ पु० (प.) वत्स; छोकरो (२)वाछडो

बच्छा,–छ,–छड़ा पु० वाछडो

बछड़ी, बछिया स्त्री० वाछडी

बछेड़ा पु० घोडानो वछेरो

बजनी पु०(बाजु) वगाडनार–बजावनार

बजना अ० क्रि० वागवु, बजवुं (२) (शस्त्र) चालवु [फीण आववु

बजबजाना अ०क्रि० सडाथी खदबदवु–

बजरंग वि० वज्र जेवा अंगवाळु (२) पु० हनुमान. **०बली** पु० हनुमान

बजरा पु० एक प्रकारनी मोटी नाव

बजरी स्त्री० काकरेट (२) कोटनो कागरो (३) बाजरी
बजा वि० [फा] उचित; ठीक; स्थाने. **–लाना** = बजाववु, करवु
बजा-आवरी स्त्री० [फा] कर्तव्य के आज्ञानु पालन
बजाज़ पु० [अ. बज्जाज़] कापडियो
बजाज़ा पु० [फा] बजाजोनु–कापडिया-ओनु बजार; कापड-बजार
बजाज़ी स्त्री० [फा] कापडनो वेपारधंधो
बजाय अ० [फा] बदले; अवेजमा
बजार पु० (प) जुओ 'बाज़ार'. **–री, –रू** वि० बजारु (२) सामान्य; मामूली
बज़ाहिर अ० [फा] देखवामा; उपरथी जोता, उघाडु
बजुज़ अ०[फा] सिवाय; (अमुक)छोडीने
बजे अ० वाग्ये
बज्म स्त्री० [फा.] सभा, मडळी
बझना अ०क्रि० (प) बधावु (२) फसावु; गूचवावु
बझाव पु०, **०ट** स्त्री० गूचवण; फसावु ते
बट पु० वट; वड (२) वडु (३) वजन; बाट (४) वळ (५) वाट, रस्तो
बटखरा पु० वजन; बाट
बटन स्त्री० आमळवु ते, वळ (२) पु० [इ] बटन [पु० उपटण
बटना स०क्रि० वळ देवो; आमळवु (२)
बट-परा,–पार,–मार पु० वाटपाडु, डाकु
बटला पु० मोटी वटलोई
बटली,–लोई स्त्री० वटलोई; तावडी
बटवार पु० नाकेदार (२) पहेरेगीर
बटवारा पु० वहेचणी, 'बँटवारा'
बटाई स्त्री० वहेचणी (२) भागे जमीन आपवी ते. **०दार** वि० भागे खेडनार
बटाऊ पु० वटेमार्गु; मुसाफर. **–होना** =चालवा माडवु
बटिया स्त्री० नानी गोळी
बटी स्त्री० गोळी
बटुआ(–वा) पु० जुओ 'बटुवा'
बटुरना अ०क्रि० टोळे वळवु; एकठु थवु
बटुवा पु० बाटवो (२) मोटी वटलोई
बटेर स्त्री० एक पक्षी **०बाज़** पु० तेने पाळनार
बटोर पु० टोळु (२) ढगलो
बटोरना स०क्रि० समेटवु; एकठु करवु
बटोही पु० मुसाफर, 'बटाऊ'
बट्टा पु० [स वार्त्त, प्रा वाट्ट] दलाली (२) तोटो; घट (३) खलनो बत्तो
बट्टा-खाता पु० डूबेली रकमनु खातु
बट्टाढाल वि० लीसु अने सपाट
बड़ स्त्री० बडबडाट; बकवाद; वेडशी (२) वडनु झाड (३) वि० 'बडा' नु समासमा आवतु रूप, जेम के 'बडभागी'
बड़कौला पु० वडनो टेटो
बड़प्पन पु० मोटाई; महत्ता
बड़बट्टा पु० वडनो टेटो
बड़बड़ स्त्री० बबडाट; बकवाद
बड़बड़ाना स० क्रि० बबडवु, बकवाद करवो
बड़बेरी स्त्री० 'झडबेरी'; जगली बोर
बड़बोल(–ला) वि० वडी वडी वातो हाकनार; बहुबोलु [भाग्यशाळी
बड़भाग(–गी) वि० वडभागी, महा
बड़वा स्त्री० वडवा, घोडी (२) वडवाग्नि
बड़वाग्नि,–नल पु० वडवानळ
बड़हन पु० एक जातनु अनाज
बड़हर,–ल पु० एक झाड
बड़हार पु० लग्न पछीनु महाभोजन

वड़ा पु० वड (२) वि० वड; मोटु (उमर, कद, गुण इ० मा)
वड़ाई स्त्री० वडाई; मोटाई, मान प्रतिष्ठा -देना=आदर करवो.-मारना =शेखी वकवी
वड़ा घर पु० केदखानु
वडा दिन पु० २५मी डिसेम्वर
वड़ा वोल पु० गर्वनो वोल (२) डिंग
वड़ी स्त्री० वडी (२) वि० स्त्री० मोटी. -वड़ी बातें करना=डिंग मारवी
वडी वात स्त्री० कठण के अघरु काम
वड़ी माता स्त्री० शीतळा; वळिया
वड़ेरा पु०, -री स्त्री० 'वँडेरी'; मोभ
वढई पु० सुतार ०गीरी स्त्री० सुतारी
वढती स्त्री० वृद्धि (२) चडती; उन्नति
वढ़ना अ०क्रि० वधवु (२) उन्नति थवी (३) दुकान इ० वंध थवु के दीवो वुझावो वढ़कर चलना=फुलावु; घमड करवो
वढ़नी स्त्री० सावरणी; वुहारी
वढ़ाव पु० वृद्धि (२) उन्नति
वढ़ावा पु० उत्तेजन (२) उश्केरणी
वढ़िया वि० उत्तम
वढ़ोतरी स्त्री० उत्तरोत्तर चडती (२) वेतनमा क्रमिक वधारो
वणिक,-ज पु० वणिक, वाणियो, वेपारी
वत [अ.], ०क(-ख) स्त्री० वतक
वत-कहाव पु०, वतकही स्त्री० वातचीत (२) वादविवाद
वतचल वि० वकवाद करनार
वतवढ़ाव पु० वात वधवी ते; झघडो
वतरस पु० वातचीतनो रस
वतलाना स०क्रि० 'वताना'; वतलाववु; देखाडवु
वताऊँ पु० वेगण; वताक
वताना स० क्रि० वताववु; जणाववु; कहेवु [(३) परपोटो
वताशा(-सा) पु० पतासु (२) फूलकणी
वतिया स्त्री० फळनो मरवो
वतियाना अ०क्रि० वातचीत करवी
वतियार स्त्री० वातचीत
वतीसी स्त्री० दातनी वत्रीसी -दिखाना= हसवु; दात काढवा -वजना=खूव टाढ वावी [रीत
वतोला पु० चालाकी के छेतरपिंडीनी
वतौर अ०[अ] रीत प्रमाणे; ढगथी
वत्तक(-ख) स्त्री० वतक; 'वतख'
वत्ति(-त्ती)स वि० वत्रीस, ३२
वत्ती स्त्री० वाट; दिवेट (२) दीवो (३) मीणवत्ती (४) पलीतो -दिखाना= दीवो वताववो -देना=पलीतो चापवो. -लगाना=लगाडवु
वत्तीस वि० जुओ 'वत्तिस'. -सी स्त्री० जुओ 'वतीसी'
वतन पु० [अ.] पेट (२) गर्भ
वथुआ पु० वथवो-एक भाजी
वद स्त्री० वदलो, अवेज (२) वद रोग (३) वि० [फा] खराव
वद-अमली स्त्री० अराजक; अव्यवस्था; अशांति [अव्यवस्था
वद-इतजामी स्त्री० खराव प्रवध;
वदकार वि० [फा] खराव, कुकर्मी, व्यभिचारी. -री स्त्री० दुराचार; व्यभिचार [न्सी०)
वद-किस्मत वि० [फा] अभागी (-ती
वद-खू वि० खोटी सो-टेव वाळु
वद-ख्वाह वि० [फा.] अशुभ चाहनार, 'खैर-ख्वाह' थी ऊलटु

बद-गुमान वि० [फा] शक के वहेमनी दृष्टिवाळु. (नाम, **–नी** स्त्री०)

बदगो वि०[फा.] निंदक, कूथली करनारुं. ०ई स्त्री० निंदा; कूथली

बद-चलन वि० खराब चालचलगतवाळु (नाम, **–नी** स्त्री०) [(**–नी** स्त्री०)

बद-ज़बान वि० [फा] गाळो बोलनारु.

बदज़ात वि० [फा] नीच; हलकुं

बदज़ेब वि० [फा] शोभारहित; कदरूपु

बद-तमीज़ वि० [फा] असभ्य; अशिष्ट. (**–ज़ी** स्त्री०) [वि० अति बूरु

बदतर वि० [फा] वधारे खराब **–रीन**

बद-तहज़ीब वि० [फा] 'बदतमीज'; असभ्य (नाम, **–बी** स्त्री०)

बद-दयानत वि० [फा] खराब दानत-वाळु (नाम, **–ती** स्त्री०)

बद-दुआ स्त्री० [फा] शाप

बदन पु० शरीर [फा.] (२) वदन; मुख. **–चुराना**=शरमथी शरीर संकोचवु. **–टूटना**=शरीर फाटवु. **–फलना**= गडगूमड थवा [स्त्री०)

बद-नसीब वि० [फा] कमनसीब (**–बी**

बदना स०क्रि० वदवु; कहेवु (२) ठरावव (३) शरत के होड वकवी (४) वदवु; गाठवु [(नाम, **–मी** स्त्री०)

बद-नाम वि० [फा] कलंकित; बेआबरू

बदनीयत वि० [फा] बददानतवाळु; बेईमान (नाम, **–ती** स्त्री०)

बद-नुमा वि० [फा.] कदरूपु; बेडोळ

बद-परहेज़ वि० [फा.] परेज न राखनारुं; अपथ्य करनारु (नाम, **–ज़ी** स्त्री०)

बदबख़्त वि० [अ.] कमनसीब; दुर्भागी. (नाम, **–ख़्ती** स्त्री०) [वि० गधातु

बदबू स्त्री० [फा.] बदबो; दुर्गंध. ०**दार**

बद-मआश [फा],**बदमाश** वि० बदमास; दुष्ट(२)लफगु,दुराचारी (**–शी** स्त्री०)

बद-मज़गी स्त्री० [फा] अणबनाव; कडवाश (२) बेस्वादपणु

बदमज़ा वि० [फा] फीकु; बेस्वाद, खराब (२) मजा विनानु

बद-मस्त वि० [फा] नशाथी चकचूर (२) लपट; कामी (नाम, **–स्ती** स्त्री०)

बद-माश वि० **–शी** स्त्री० अनुक्रमे जुओ 'बदमआश,–शी'

बद-मिज़ाज वि०[फा] चीडियु; खराब मिजाज के स्वभावनु (नाम,**–जी** स्त्री०)

बद-रंग वि० [फा] बूरा, बगडी के ऊडी गयेला रगनु (२) पु० पत्तामा ऊतरथी बीजो रग (नाम, **–गी** स्त्री०)

बदर पु० [स] बोर के बोरडी (२) कपास के कपासियो

बदर अ० [फा.] बहार. **–निकालना** =हिसाबमा कोईनी जमाबाकी काढवी

बदरनवीस पु० [फा] हिसाबनी भूलो काढनार (नाम, **–सी** स्त्री०)

बदर-रौ स्त्री० [फा] मोरी

बदरा पु० (प.) वादळ (२) स्त्री० [स] कपास; वेण

बद-राह वि० [फा] बदरस्ते चडेलु; बूरु

बदरि,०**का**,**–री** स्त्री० [स] बोरडी

बदरौंह वि० जुओ 'बदराह'

बदल(–ला) पु० [अ] बदलो (२) फेरफार (३) अवेज

बद-लगाम वि० [फा] बेलगाम; निरकुश

बदलना अ०क्रि० बदलावु, फरवु (२) स०क्रि० बदलवु; फेरववु (३) फेर-बदली के अदलोबदलो करवो

बदला पु० जुओ 'बदल'

वदली स्त्री० वादळानी घटा (२) वदली
वदलीवल स्त्री० अदलावदली
वद-वज्रा वि० [फा.] रीतभात के ढगधडा विनानु; कढगु
वद-शकल, वद-सूरत वि०[फा] कदरूनु
वद-शगून वि० अशुभ; अपशकनियु (नाम, -नी स्त्री०) [(-कगी स्त्री०)
वद-सलीक़ा वि० [फा.] कढगु; फूवड
वद-सलूकी स्त्री० [फा.] वूरो खोटो व्यवहार के वर्तन
व-दस्त अ० [फा] हाथे; द्वारा; मारफत
व-दस्तूर अ० [फा] दस्तूर मुजव; जेमनु तेम; यथापूर्व
वद-हज़मी स्त्री० [फा] अपचो; अजीरण
वद-हवास वि० [फा] वेवाकळु; विकळ (२) वेहोश [वेहाल
वद-हाल वि० [फा] वूरा हालवाळु;
वदा वि० नसीवमा लखायेलु; नियत
वदान स्त्री० वदवु ते (जुओ 'वदना')
वदावदी स्त्री० चडसाचडसी; होड
वदाम पु०,**-मी** वि० जुओ 'वादाम,-मी'
वदी स्त्री० वदि, कृष्णपक्ष (२) [फा] वदी; वूराई [-ने लईने
व-दौलत अ० [फा] कृपायी, कारणथी;
वद्दर(-ल) पु० वादळ
वद्द पु० वदमास; दुराचारी
वद्ध वि० [स] वाधेलु के वंधायेलु. ०कोष्ठ पु० वधकोश
वद्धी स्त्री० रसी; दोरी (२) एक घरेणु
वद्र पु० [फा] पूनमनो चादो
वध पु० वध
वधना स०क्रि वध करवो (२) पु० नाळचावाळु जळपात्र, जेवु के मुसल्मान प्राय: वापरे छे
वधाई स्त्री० वृद्धि (२) वधाई; वधामणी (३) आनदोत्सव (४) धन्यवाद
वधाया(-वा) पु० वधामणी
वधिक पु० वध करनार (२) जल्लाद (३) शिकारी
वधिया पु० खस्सी करेलु पशु
वधिर वि० [स] वहेरु
वधू स्त्री० वधू; वहु [(३) नववधू
वधूटी स्त्री० पुत्रवधू (२) सधवा स्त्री
वध्य वि० वध्य; वधने पात्र
वन पु० वन
वनकर पु० वननी पेदाश
वनजर स्त्री० जुओ 'वजर'
वनजारा पु० वणजारो (२) वेपारी. (-रन,-री स्त्री०)
वनत स्त्री० वनावट (२) मेळ; वनवु ते
वनना अ०क्रि० वनवु **वन आना, पड़ना** =सुयोग मळवो; लाग खाई जवो **वनकर**=वनीठनीने; वरोवर. **-ठनना, -सँवरना**=वनवुठनवु. **वना रहना** =कायम रहेवु (२) जीवतु रहेवु
वनफ़्शा पु० [फा] वनफशा, एक औषधिनी वनस्पति. **-फ़्शई** वि० वनफशाना रगनु
वनविलाव पु० रानी विलाडो
वनरा पु० वनडो (वर; लग्ननु गीत)
वनरी स्त्री० वनडी; कन्या
वनवारी पु० श्रीकृष्ण
वना पु० वनडो; वर [वनातनु
वनात स्त्री० वनात कपडु. **-ती** वि०
वनाना स०क्रि० वनाववु; रचवु इ० (२) वीणवु (३) समारवु
वनाव(-वन)त पु० सगाई करवा माटे जनमोतरी मळवी - वेसनी आववी ते

बनाम अ० [फा] नामथी (२) प्रति; विरुद्धमां
बनाय अ० पूरेपूरु; अच्छी तरेह
बनाव पु० बनावट; रचना (२) शणगार; बनवुठनवु ते (३) युक्ति
बनावट स्त्री० बनावट; रचना (२) आडंबर; देखाव. **–टी** वि० नकली; कृत्रिम
बनावन पु० विणामण
बनाव-सिंगार पु० बनवुठनवु ते
बनासपती स्त्री० (प) वनस्पति; शाक, घासपालो इ० ['बनजारा,–री'
बनिजारा पु०, **–रिन,–री** स्त्री० जुओ
बनिता स्त्री० वनिता; स्त्री
बनिया पु० वाणियो (२) मोदी
बनियाइन स्त्री० वाणियण (२) [इं. बॅनियन] गजीफराक [मुकाबले
बनिस्बत अ० [फा] सरखामणीमां;
बनी स्त्री० वनखड (२) बाग; नानु वन के वाटिका (३) नववधू (४) जुओ 'बन्नी' (५) पु० वनियो; वाणियो
बनौनी स्त्री० 'बनिया'नी स्त्री
बनैठी स्त्री० बनेटी
बनैला वि० वननु; जगली
बन्नात स्त्री० जुओ 'बनात'
बन्नी स्त्री० अनाजमा अपाती मजूरी
बपतिस्मा पु० [इ. बॅप्टिझम] जलदीक्षा
बप(–पु)मार वि० बापने मारनार (२) सौने दगो देनार
बपु पु० (प) वपु; शरीर
बपुरा वि० बापडु; बीचारु
बपौती स्त्री० बापीकी जायदाद–वारसो
बफारा पु० दवा नाखी बाफथी अपातो नास के ते दवा
बबकना अ०क्रि० भभूकी ऊठीने बोलवु
बबर पु० [अ.] सिंह
बबुआ पु० (स्त्री० **–ई**) पुत्र के जमाई माटे लाडनु संबोधन; बाबु; बचु
बबूल पु० [सं बब्बूर] बावळ
बबूला पु० जुओ 'बगूला' (२) परपोटो
बभूत स्त्री० भभूत; भस्म
बम पु० बॉम्ब (२) बम बम अवाज **–बोलना** या **बोल जाना**=ठठण गोपाळ थवु
बमकना अ०क्रि० शेखी मारवी; वडाई हाकवी (२) जुओ 'बबकना'
बमगोला पु० बॉम्बगोळो
बमचख स्त्री० शोरबकोर (२) झघडो
बमपुलिस पु० जुओ 'बपुलिस'
ब-मुकाबला अ० [फा.] समक्ष; सामे (२) विरुद्धमा (३) तुलनामा
बमूजिब अ० [फा.] मुजब; अनुसार
बयस स्त्री० वय; उमर
बयाज़ स्त्री० [अ.] नोध के तेनी चोपडी
बयान पु० [फा.] ब्यान; हेवाल; वर्णन
बयाना पु० [अ वैआन] बानु, 'पेशगी'
बयाबान पु० [फा] बियाबान; जगल
बयार,–रि,–री स्त्री० (प) हवा, पवन. **–करना**=पखो के पवन नाखवो
बर पु० वर (२) वरदान (३) बळ (४) वि० वर; श्रेष्ठ
बर अ० [फा.] उपर. **–आना,-पाना**= बर आववु, सफळ नीवडवु
बर-अक्स अ० [फा] ऊलटु
बर-आमद वि० [फा.] जुओ 'बरामद'
बरई पु० तबोळी (स्त्री० **–इन**)
बरकंदाज़ पु० [फा.] मोटी लाठी के बंदूकवाळो सिपाई; बदूकची

वरकत स्त्री० [अ] वरकत; आवादी (२) एक वे . . एम गणतरीमा एक माटे वपराय छे (३) समाप्ति (शुभ-सूचक अर्थमा) (४) कृपा. –उठना= वरकत न आववी; पडती थवी; घटवु. –देना=वरकत पूरवी. –होना=वरकत आववी
वरकती वि० वरकतवाळु
वरकना अ० क्रि० मटवु; टळवु(२) हठवु; दूर रहेवु
वर-करार वि० [फा.+अ.] कायम (२) मोजूद
वरकाज पु० विवाह
वरखास्त वि० [फा] (सभा) वीखरायेलु (२) (नोकरी के काममाथी) दूर करायेलु; वरतरफ (नाम, ०गी स्त्री०)
वरखिलाफ अ० [फा] प्रतिकूळ; विरुद्ध
वर-खुरदार पु० [फा] पुत्र (२) वि० खावेपीधे सुखी (नाम, –री स्त्री०)
वरगद पु० वडनु झाड
वरछा पु० वरछो; भालो
वरछैत पु० वरछो चलावी जाणनार
वरजना स०क्रि० रोकवु; मना करवी
वरजवान वि० [फा.] कठस्थ; याद
वर-जस्ता वि० [फा.] वरोवर; सचोट
वरजोर वि० जोरावर (२) अत्याचारी
वरजोरी अ० वळपूर्वक (२) स्त्री० जवरदस्ती
वरत पु० व्रत (२) वरत; दोरडु
वरतन पु० वासण (२) वर्तन; वर्ताव
वरतना अ०क्रि० वर्तवु (२) स०क्रि० वापरवु; काममा लेवु
वरतर वि० [फा] वहेतर, वधारे सारु
वरतरफ वि० [फा.] काढी मूकेलु (२) अ० एक तरफ; किनारे; अलग (नाम, –फी स्त्री०)
वरतरी स्त्री० [फा.] श्रेष्ठता; साराई
वरताना स०क्रि० वहेंचवु
वरताव पु० वर्ताव; वर्तन
वरतोर पु० वालतोड – फोल्लो
वरदा पु० [तु] दास; लडाईमा पकडेलो गुलाम
वरदा(–धा)ना स०क्रि० मादाने नर देखाडवो (२) अ०क्रि० मादा गाभणी थवी
वरदा-फरोश वि०[फा]गुलामनो वेपारी (नाम, –शी स्त्री० गुलामी वेपार)
वरदार वि० [फा] वही जनार
वरदाश्त स्त्री० [फा] खमवु ते; सहन करवु ते
वरधा पु० वळद ['वरदाना'
वरधाना स०क्रि० (२) अ०क्रि० जुओ
वरन पु० (प.) वर्ण; रग (२) अ० वलके
वरना स०क्रि० वरवु (२)अ०क्रि० वळवु
वरपा वि० [फा] खडु थयेलु; मचेलु
वरफ स्त्री० 'वर्फ'; वरफ –फानी वि० वरफनु; वरफवाळु
वरफी स्त्री० वरफी मीठाई
वरवर पु० वर्वर जातिनो माणस (२) स्त्री० वडवडाट, वकवक. –रियत स्त्री० वर्वरता; जगलीपणु
वरवस अ० वळपूर्वक (२) व्यर्थ
वरवाद वि० [फा] खुवार; तवाह; नष्ट. [नाम, –दी स्त्री०]
वर–मला अ०[अ.] खुल्लामा,सौनी सामे
वर-महल वि० [फा.] योग्य; मोका परनु (२) अ० वखत पर, 'वरवक्त'
वरमा पु० (स्त्री० –मी) शारडी

बरमी पु० बर्मी; ब्रह्मदेशवासी (२) स्त्री० ब्रह्मदेशनी भाषा (३) वि० तेने लगतु (४) स्त्री० नानी शारडी
बर-वक़्त अ० [फा.] बरोबर वखत पर; वखतसर
बरवट स्त्री० प्लीहानो रोग
बरस पु० वरस. ०**गाँठ** स्त्री० वर्षगाठ
बरसना अ०क्रि० वरसवु. **बरस पड़ना** =खूब गुस्से थई वढवु
बरसाइत स्त्री० वटसावित्री व्रत
बरसात स्त्री० वरसादनी ऋतु
बरसाती वि० वरसादने लगतु (२) पु० वरसादमा थतो एक जातनो फोल्लो (३) छत पर करातो अमुक ओरडो
बरसी स्त्री० वरसी; वार्षिक मृतक्रिया
बर-हक वि० [फा] हकनु (२) उचित (३) साचु [स्त्री०)
बरहना वि० [फा.] नागु (नाम, –नगी
बरहम वि० [फा] गुस्से थयेलु (२) चकित
बरहा पु० पाणीनो ढाळियो (२) वरत (कोसनी)
बरही पु० मोर; बर्ही (२) मरघो (३) स्त्री० जन्म पछी बारमा दिवसनी अमुक क्रिया (४) भारो बांधवानु दोरडु (५) लाकडानो भारो
बराडा पु० वरडो; 'बरामदा'
बराडी स्त्री० ब्रान्डी दारू
बरा पु० खावानु वडु
बराक पु० [स बराक] युद्ध (२) वि० कगाळ; गरीब; बापडु (३) नीच
बरात स्त्री० जान. **–ती** पु० जानैयो
बरानकोट पु० [इ ब्राउनकोट] बुरानकोट
बराना अ०क्रि० बचवु; अलग रहेवु (२) स०क्रि० वरवु; पसद करवु; चूटवु

बराबर वि० [फा] बराबर; समान (२) सरखु; सपाट (३) अ० लगातार; सतत (४) हमेश. **–करना**=पूरु करवु. **–से निकलना**=–नी पासेथी जवु
बराबरी स्त्री० [फा.] समानता (२) सरसाई, स्पर्धा, सामनो
बरामद वि० [फा] बहार के सामे आवेलु; उपस्थित (२) स्त्री० जुओ 'गगबरार; दियारा' (३) आमदानी
बरामदा पु० [फा.] वरडो (२) छजु
बरामीटर पु० बॅरोमीटर
बराय अ० [फा] वास्ते; माटे. ०**नाम** =नामनु; कहेवानु [लोढानु कडु
बरायन पु० विवाहमा वरने पहेरावातु
बराव पु० 'बराना'–बचवु ते; निवारण
बरास पु० एक जातनु कपूर
बराह पु० वराह (२) अ० [फा] तरीके (३) द्वारा; मारफत
बरी स्त्री० वडी (२) वरपक्ष कन्याने वस्त्र वगेरे (लग्नविधि बाद) आपे छे ते (३) वि० (प) बली; बळवान
बरी वि० [फा.] मुक्त; छूटु
बरु अ० (प.) भले; ठीक [उपनयन
बरुआ(–वा) पु० बडवो; बटुक (२)
बरु(–रौ)नी स्त्री० पापण के तेनो वाळ
बरेंडा पु० छापरानो मोभारो
बरेखी,–च्छा,–षी स्त्री० सगाई; विवाह-सबध ठराववो ते
बरोक पु० सगाई कर्यानो चाल्लो
बरोह स्त्री० वडवाई
बरौनी स्त्री० जुओ 'बरुनी' [तेज
बर्क़ स्त्री० [अ] वीजळी (२) वि० चपळ;
बर्कत स्त्री० जुओ 'बरकत'
बर्ख़ास्त वि० जुओ 'बरखास्त'

वर्ग पु० [फा] झाडनु पान
वर्छा पु० जुओ 'वरछा'
वर्जना स०क्रि० जुओ 'वरजना'
वर्तना अ०क्रि० जुओ 'वरतना'
वर्ताव पु० जुओ 'वरताव'
वर्दाश्त स्त्री० जुओ 'वरदाश्त'
वर्फ़ स्त्री० [फा] वरफ
वर्फानी, वर्फीला वि० [फा] वरफनु
वर्फिस्तान पु० [फा] वरफनो प्रदेश
वर्फ़ी स्त्री० जुओ 'वरफी'
वर्वर पु० [स] जुओ 'वरवर'
वर्र पु० [अ] स्थळ; जमीन (२) वन
वर्र-ए-आज़म पु० [अ.] महाद्वीप
वर्राक त्रि० [अ] चमकतु (२) 'वर्क'; तेज, चपळ
वर्राना अ०क्रि० वकवू(२)ववडवु; लवरी
वर्रे पु० 'तितैया'; भमरी
वलंद वि० [फा] वुलद (२) वहु ऊंचु; श्रेष्ठ (नाम, -दी स्त्री०)
वल पु० वळ; आमळ (२) आटो (३) आटी, गाठ (४) लचकवु-झूकवु ते (५) कमी, कसर (६) [स] वल; शक्ति. -खाना=वळ खावो, समावो (२) कसर के खोट खावी-खमवी (३) वकावु; 'ऐंठना'
वलकट वि० 'पेशगी'; अगाउथी अपातु
वलक(-ग)ना अ०क्रि० ऊकळवु (२) ऊमटवु
वलग़म पु० [अ] कफ (वि० -मी)
वलद पु०[सं.] वळद. -दिया पु० गाय-वळद चरावनार
वलना अ०क्रि० वळवु
वलवलाना अ०क्रि० ववडवु, व्यर्थ वकवु (२) ऊंटनु बोलवु (नाम,-हट स्त्री०)
वलभी स्त्री० छत परनी कोटडी; 'वरसाती'
वलवंत वि० (प) वळवान; जवरु
वलवा पु० [फा] वळवो
वलवाई पु० वळवाखोर
वला स्त्री०[अ] वला (२) दुःख; आफत (३) रोग -का=गजव, भारे
वलाक पु० [स] वगलो
वलागत स्त्री० [अ] प्रसगोचित वोलवु ते (२) जुवानी; उमरे पहोचवु ते
वलाढ्य वि०[सं] वळवान (२) पु० अडद
वलात्कार पु०[स] जवरदस्ती;अत्याचार
वलाय स्त्री० वला
वलि पु० [स] महेसूल; करभार (२) भेट (३) पूजापो (४) वळि, भोग (५) स्त्री० सखी -जाना=वारी जवु
वलिदान पु०[स] वलिनु अर्पण; त्याग; कुरवानी
वलि(-ली)वर्द पु० [स.] वळद
वलिष्ठ वि० [सं] खूव वळवान
वली त्रि० [स] वळियु (२) स्त्री० जुओ 'वली'
वलिहारी स्त्री० वारी जवु; कुरवान थवु ते. -जाना=वारी जवु. -लेना= प्रेम वताववो
वलीग़ पु० [अ.] सरस वक्ता
वलुआ वि० रेतीवाळु;रेताळ (स्त्री०-ई)
वलूत पु० [अ] एक झाड
वल्ले अ० [फा] हा; ठीक
वलैया स्त्री० वला. (किसीकी) वलैया लेना=धन्यवाद के शुभाशिष वताववी
वल्कि अ०[फा] वल्के (२) परतु, प्रत्युत
वल्गम पु० [अ] जुओ 'वलगम'
वल्लम पु० मोटो,दंडो (२)वरछी (३)छडी

बल्लमटेर पु० 'वॉलटियर'; स्वयसेवक
बल्लम-बर्दा(-रदा)र पु० अनुचर; छडीदार
बल्ला पु० सोटो; लाकडानो वळो (२) हलेसु (३) बॉलनु बॅट [हलेसु इ०
बल्ली स्त्री० नानो 'वल्ला'; वळी,
बवँड़ना अ०क्रि० भटकवु; रखडवु
बवडर पु० वटोळियो (२) आधी
बवना स० क्रि० (प.) वाववु; 'बोना' (२) विखेरवु
बवासीर स्त्री० [अ] हरसनो रोग
बशर पु० [अ] मनुष्य
बशारत पु० [अ] शुभ समाचार
बशाशत स्त्री० [अ] खुशी; प्रसन्नता
बशीर वि०[अ] 'बशारत', शुभ समाचार लावनार (२) सुदर
बश्शाश वि० [अ.] राजी; खुश
बसंत पु० वसत. -ती वि० वसतनु के ते सबधी
बसंदर पु० आग
बस अ० पूरतु; 'काफी' [फा] (२) पु० वश; काबू (३) स्त्री० [इ.] मोटर बस
बसन पु० 'वसन'; वस्त्र
बसना अ०क्रि० वसवु; रहेवु (२) पु० वासण (३) वासळी, थेली; काई लपेटीने राखवानु वस्त्र
बसर पु० [अ.] निर्वाह; गुजारो
बसरो-चश्म अ० [फा] राजीखुशीथी
बसवार पु० वघार
बसवास पु० वास; वसवाट
बसह पु० वृषभ, बेल
बसा-औकात अ० [फा] वारवार
बसारत स्त्री० [अ.] दृष्टि (२) समज
बसीक(-ग)त स्त्री० वस्ती(२)वसवाट
बसीठ पु० दूत. -ठी स्त्री० दूतकार्य
बसीना पु० (प.) वास; रहेठाण
बसीरत स्त्री० जुओ 'बसारत'
बसूला पु० वासलो (स्त्री० -ली)
बसेरा वि० वसनार (२) पु० निवास (३) उतारो -री वि० (प.)वसनार
बसैया वि० (प) वसनार
बसौंधी स्त्री० बासूदी; 'रवडी'
बस्ट पु० [इ] छाती सुधीनु बावलु
बस्ता पु० [फा.] कागळपत्र इ०बाधवानु कपडु [जगा
बस्ती स्त्री० वस्ती के तेना वसवाटनी
बहँगा पु० मोटो बागो; कावड (स्त्री० -गी)
बहकना अ० क्रि० वहेकवु; वठी जवु (२) फुलावु (३) बीजी वातमा पडी राजी थवु (बाळके) (प्रेरक, बहकाना)
बहत्तर वि० बोतेर; ७२
बहन स्त्री० बहेन (२) वहन; वहेवु ते
बहना अ०क्रि० वहेवु(२)वही-वहेकी जवु
बहनापा पु० बहेनपणा
बहनेली स्त्री० बहेनपणी
बहनोई पु० बनेवी [शुभ कार्य
बहबूदी स्त्री०[फा] भलाई; उपकार (२)
बहम अ०[फा.] साथे, जोडे (२) (प.) वहेम. -पहुँचाना = आणी आपवु
बहर अ० [फा] माटे; सारु (२) पु० [अ. बह्र] समुद्र [कोई रीते
बहर-हाल अ०[फा.] गमे तेम करीने;
बहरा वि० बहेरु (२) पु०[फा.] नसीब; (३) हिस्सो
बहराना स०क्रि० बहार काढवु (२) (प.) राजी करवु, दु.ख भूले एम करवु (३) फोसलाववु

वहरावर वि० [फा.] नसीवदार
वहरियाना स०क्रि० 'वहराना'; वहार काढवु
वहरी वि० स्त्री० [फा] वहेरी (२) स्त्री० वाज जेवु एक पक्षी (३) 'वहर'–समुद्र सवधी
वहरो वि० (प) वहेरो
वहल, –ली स्त्री० वहेल; रथ
वहलना अ०क्रि० चित्त प्रसन्न थवु
वहलाना स०क्रि० वहलाववु, 'वहकाना'; चित्त प्रसन्न करवु
वहलाव पु० वहलाववु ते; मनोरजन
वहली स्त्री० वहेल, 'वहल'
वहस स्त्री०[अ] वादविवाद; चर्चा, वोस
वहसना अ०क्रि० 'वहस'–चर्चा करवी
वहा पु० [फा] मूल्य; किंमत
वहादुर वि० [फा] शूरवीर, पराक्रमी; नीडर. –री स्त्री० शूरवीरता
वहाना स०क्रि० 'वहना'नु प्रेरक (२) पु०[फा] निमित्त, वहानु –वनाना= वहानु काढवु
वहार स्त्री० [फा.] वहार, भभको के आनद; मजा(२)वसत ऋतु(३)विकास. –पर आना, –पर होना = वहारमा आववु; खीलवु [प्रसन्न; स्वस्थ
वहाल वि० [फा.] कायम, पूर्ववत् (२)
वहाली स्त्री० [फा] वहाली; कायम राखवु ते (२) वहानु
वहाव पु० प्रवाह, वहेण ['वहनापा'
वहिन स्त्री० वहेन. –नापा पु० जुओ
वहिरग वि० [स] वहारनु
वहिर,–रा वि० (प) वधिर; वहेरु
वहिराना अ०क्रि० वहार होवु के थवु (२) स०क्रि० वहार काढवु
वहिला वि० वाझियु (ढोर)
वहिश्त पु० [फा.] वहिस्त; स्वर्ग
वहिश्ती पु० [फा] भिस्ती (२) स्वर्गमा रहेनार (३) वि० स्वर्ग सम्बन्धी
वहिष्कार पु० [स] वहार करवु के काढवु ते; 'वायकाट' [त्यक्त
वहिष्कृत वि० [स] वहिष्कार करायेलु;
वही स्त्री० वही; चोपडो
वहीर स्त्री० जनसमूह; भीड (२) फोज साथेनो मददनीश नोकर वगेरेनो वर्ग के तेमनी सामग्री
वहु वि० [स.] घणु; अनेक
वहुज्ञ वि० [स] जाणकार; तद्विद
वहुत वि० वहोत; घणु; अनेक. –करके =घणु करीने, प्राय· –कुछ=घणु; सारी पेठे –खूव=खूव सरस
वहुताई (–त,–यत) स्त्री० वहुता; अधिकता [रीते
वहुतेरा स्त्री० वहोत (२) अ० अनेक
वहुतेरे वि० सख्यामा वहु
वहुधा अ० [स] प्राय ; घणु करीने (२) अनेक रीते
वहुमत पु० [स] वहुमती (२) अनेक जुदा जुदा मत
वहुमूत्र पु० [स.] पेशावनो एक रोग
वहुमूल्य वि० [स] कीमती
वहुरना अ०क्रि० पाछु आववु (२) फरी मळवु [वधुमा
वहुरि अ० (प) फरी; पुन. (२)उपरात;
वहुरिया स्त्री० नववधू, कन्या
वहुरूपिया पु० वहुरूपी
वहुल वि० [स.] वहु; अधिक
वहुला,–ली स्त्री० [स.] इलायची
वहुश्रुत वि० [स.] विद्वान; कुशळ

बहू स्त्री० वहु (पत्नी के पुत्रवधू) (२) कन्या; वधू
बहेड़ा पु० बहेडानु झाड
बहेतू वि० भटकतु; रखडतु
बहेलिया पु० पारधी; शिकारी
बहोरि अ० (प) 'बहुरि'; फरी
बह्र पु० [अ] 'बहर'; समुद्र
बह्रे -रवाँ पु० [फा] जहाज; वहाण
बाँ पु० (प) वार; वेळा (२) अ० गाय बळदनो रव – बागरडवु ते
बाँक पु० वाक – एक घरेणु (२) वाकापणु; वळाक [(३) छेलबटाउ
बाँका वि० वाकु (२) बहादुर (३) बको,
बाँग स्त्री०[फा.] पोकार (२) नमाझनी बाग (३) कूकडानो अवाज
बाँगड़(-र) पु० वागड; ऊंचो प्रदेश, जेवो के पजाबनो हरियाना
बाँगड़ वि० मूर्ख; बेवकूफ
बाँगर पु० जुओ 'बाँगड़'
बाँगा पु० कपास
बाँगुर पु० जाळ; फादो [(३)वाकी रहेवु
बाँचना स० क्रि० (प.) वाचवु (२) वचवु
बाँझ स्त्री० वाझणी; वध्या
बाँट स्त्री० वहेंचणी (२) भाग
बाँटना स०क्रि० वहेंचवु(२)भाग पाडवा
बाँटा पु० जुओ 'बाँट' [असहाय
बाँडा वि० वाडु (पशु) (२) एकलु;
बाँद पु० [फा. वदा] सेवक; दास (स्त्री०–दी) [फणगो
बाँदा पु० वादो – झाडने थतो नकामो
बाँदी स्त्री० दासी; लूडी
बाँध पु० नदी इ० नो वध
बाँधना स०क्रि० वाववु(२) रोकवु (३) नक्की करवु
बाँधनूँ पु० पहेलेथी बाधेली अटकळ, मनसूबो (२) रगरेजनी बाधणी
बांधव पु० [स] बधु; भाई
बाँबी स्त्री० ऊधई के सापनु घर
बाँस पु० वास. **–पर चढना**=वदनाम के फजेत थवु **–बजना**=मारपीट थवी; लाकडीओ चालवी. **बाँसो उछलना**= खूब राजी थवु
बाँसली स्त्री०वासळी(वाद्य के रूपियानी)
बाँसुरी स्त्री० वासळी
बाँह स्त्री० बाय (हाथ; के कपडानी बाय). **–गहना या पकड़ना**=मदद करवी (२) परणवु. **–चढ़ाना**=वायो चडावीने लडवा तैयार थवु. **–टूटना**= खरी सहाय जवी **–देना**=मदद करवी **–बुलंद होना**=साहसिक के उदार होवु
बाँह-बोल पु० मदद के रक्षा करवानु वचन
बा अ० [फा] (पूर्वग) साथे; सहित. उदा० **बा-अदब**=विवेकपूर्वक. **बा-असर**=असरकारक; प्रभावशाळी
बाइबिल स्त्री० बाइवल
बाइस पु०[अ] कारण; सवव (२) वि० जुओ 'बाईस'
बाइसिकल स्त्री० [इ] साइकल
बाई स्त्री० वायु (२) वाई
बाईस वि० २२; बावीस. **–सी** स्त्री० बावीसी, बावीसनो समूह
बाउर वि० (प) बावरु; गांडु; मूर्ख
बाएँ अ० जुओ 'बाये'
बाक-चाल वि० बहुबोलु; वाचाळ
बाक़र पु०[अ] मोटो विद्वान के धनी
बाकर-खानी स्त्री०[अ]एक जातनी रोटी
बाकला पु० [अ] वटाणा जेवी एक फळी

बा-कायदा वि० [फा] नियम के कायदा मुजब; कायदेसर
बाकियात स्त्री० [अ.] बाकी रकमो
बाकिरा स्त्री० [अ.] कुमारी
बाकी वि० [अ.] बाकी (२) स्त्री० बादबाकी (३) अ० बाकी; नहि तो
बा-ख़बर वि० [फा] वाकेफ; 'जानकार'
बा-ख़ुदा वि० [फा] ईश्वरनु भक्त
बाग, बागडोर स्त्री० लगाम
बाग़ पु० [अ] बाग; बगीचो. बाग़ बाग़ होना=खुश खुश थई जवु
बागबा(-बा)न पु० [फा] माळी -नी स्त्री० माळीकाम
बागर पु० बागड; नदीकाठानो ऊंचो प्रदेश ज्यां कदी नदीनु पाणी न पहोंचतु होय
बा-ग़रज़ वि० [फा] गरजु; गरजवाळु
बागा पु० वाघो; जामो
बागाती स्त्री० [फा] बागायती जमीन
बाग़ी पु० [अ] राजद्रोही (२) वि० बाग संबंधी
बाग़ीचा पु० [फा] बगीचो; नानो बाग
बागुर पु० जाळ; फांदो
बाघंबर पु० वाघ-चामडु (२) एक जातनो कामळो
बाघ पु० वाघ
बाछ स्त्री० होठना बे छेडा बाछें खिल जाना=खड खड हसवु
बाछा पु० वाछडो (२) वत्स; छोकरो
बाज़ पु० [फा] बाज पक्षी (२) वि० नामने लागता, ते 'वाळु' के '-मा कुशळ' के 'शोखीन' अर्थ बतावतो प्रत्यय (३) वगरनु; वंचित; रहित (४) [अ. बअ्ज़] थोडुक; केटलुक; अमुक -आना=पाछु आववु (२) वगरनु थवु; खोवु (३) दूर रहेवु. -करना, -रखना=रोकवु; मना करवी
बाज़-गश्त वि०[फा] पाछु आवतु; ऊलटु
बाज़-गुज़ार पु० [फा.] कर भरनार
बाज़-दावा पु०[फा] दावा-अधिकारनो त्याग; फारगती
बाजन पु० बाजु; वाद्य
बाजना अ०क्रि० वागवु; बजवु (२) बाझवु; लडवु (३) जाहेर थवु (४) वागवु; लागवु
बाजरा पु० बाजरी
बाजा पु० वाजु. ०गाजा पु० वागतु गाजतु ते; अनेक वागता वाजानो समूह
बा-ज़ाब्ता अ०[फा.]जापतायी; नियमथी (२) वि० नियमवाळु; 'बाकायदा'
बाज़ार पु०[फा]बजार -करना=खरीदी करवा बजारमां जवु -गर्म होना= घराको खूब होवा (२) काम जोरथी चालवु
बाज़ारी(-रू) वि०[फा] बजार संबंधी (२) बजारु; सामान्य के अशिष्ट
बाज़िन्दा पु०[फा] खेलाडी (२) बाजदु- धूर्त (नाम, -न्दगी स्त्री०)
बाजि,-जी पु० [सं] घोडो; वाजी
बाज़ी स्त्री०[फा] बाजी; शरत; होड; दाव. -मारना=बाजी जीतवी. -ले जाना=फाववु; आगळ जवु
बाज़ीगर पु० [फा] जादुगर
बाज़ीचा पु० [फा] रमकडु
बाजु अ० (प.) 'बाज'; सिवाय; विना
बाज़ू पु० [फा] बाहु; हाथ (२) बाजु; तरफ (२) पक्षीनी पांख. ०बंद पु० एक घरेणु

बाट पु० वाट; रस्तो (२) तोलवानु बाट (३) वाटवानो बत्तो
बाटना स०क्रि० वाटवु (२) जुओ 'बटना'
बाटिका स्त्री० वाटिका; वाडी
बाटी स्त्री० बाटी–रोटी (२) गोळी
बाड़ स्त्री० वाड (२) धार
बाड़व, –वानल पु० वडवानळ
बाड़ा पु० वाडो (स्त्री० **–ड़ी**)
बाडिस स्त्री० [इ] विलायती चोळी; बॉडिस
बाडी स्त्री० वाडी; वाटिका
बाढ स्त्री० वृद्धि (२) रेल (३) लाभ; नफो (४) सतत शस्त्र चालवु ते (५) शस्त्रादिनी धार **–दगना**= सतत तोप छूटवी
बाढ़ी स्त्री० 'बाढ'; वृद्धि; लाभ
बाण पु० [स] तीर
बात स्त्री० वात (२) पु० वात, वायु **–का धनी, पक्का या पूरा**=प्रतिज्ञा के वचन पाळनार. **–का बतगड़ करना**=रजनु गज करवु **–खोना**= शाख बगाडवी **–पाना** = रहस्य समजी जवु **–बनाना**=जूठु बोलवु (२) बहानु काढवु
बातचीत स्त्री० वातचीत
बातिन पु० [अ] बातेन–अदरनो भाग (२) अंत करण
बातिनी वि० [अ] अदरनु (२) मननु
बातिल वि० [अ.] मिथ्या, जूठु, नकामु (२) बातल; रदबातल
बाती स्त्री० वत्ती, वाट
बातुल वि० [स वातुल] वायल; पागल
बातूनिया, बातूनी वि० वातोडियु
बाथ पु० बाथ, गोद

बाद पु० वाद; बोस (२) वाद; होड; शरत (३) अ० व्यर्थ, 'बादि' (४) वि० बाद, कम (५) पु० [फा] वात; हवा (६) अ० [अ] बाद; पछी
बाद-कश पु० [फा] धमण [झघडवु
बादना स०क्रि० (प) वादविवाद करवो,
बाद-नुमा पु० [फा] वायुनी दिशा बतावनारु यत्र [बकबक करनारु
बाद-फरोश पु० [फा] खुशामतियु (२)
बादबान पु० [फा] वहाणनो सढ
बादर, –ल पु० वादळ. **–उठना, चढ़ना** =वादळ चडी आववा
बादला पु० कसबनु बादलु
बादशाह पु० [फा] राजा; सुलतान **०त** स्त्री० बादशाही, राज्यकाळ **–ही** स्त्री० 'बादशाहत' (२) वि० बादशाहनु के तेने छाजे एवु [भारे कष्ट
बाद-सख्त स्त्री० [फा] आधी (२)
बाद-हवाई अ० [फा] व्यर्थ; 'फजूल'
बादाम पु० [फा] बदाम (वि०, **–मी**)
बादि अ० (प) व्यर्थ; नकामु
बादियान पु० [फा] वरियाळी
बादी वि० [फा] वायु सबधी (२) वायु करनारु (३) स्त्री० वातविकार
बादे-सबा स्त्री० [फा] पूर्वनी हवा
बाध पु० मुजनु दोरडु (२) [स] अडचण
बाधक वि० [स] बाध करे एवु
बाधना स०क्रि० (प) बाध नाखवो, रोकवु
बाधा स्त्री० [स] विघ्न; अडचण (२) सकट, भय **–डालना, –देना**=रोकवु, विघ्न आणवु **–पड़ना, –पहुँचना**= विघ्न आववु
बाधित वि० [स.] बाधमा नखायेलु; रोकायेलु (२) असगत (तर्क)

वाध्य वि० [स] लाचार; विवश; फरजियात
वान पु० वाण (२) वाण; दोरी (३) स्त्री० वान; वर्ण के वाधो के रचना (४) टेव; आदत
वानगी स्त्री० वानगी, नमूनो
वानवे वि० वाणु, ९२
वानर पु० वानर, वादरु
वा-नवा वि० [फा.] सारा अवाजवाळु (२) सपन्न (३) समर्थ
वाना पु० पहेरवेश, पोशाक (२) रीत; ढग (३) वणाट (४) वाणो (५) पतगनो दोर (६) भाला जेवु एक शस्त्र (७) स०क्रि० पहोळु करवु, खोलवु (जेम के मोढु)
वानिया पु० (प) 'वनिया'; वाणियो
वानिन स्त्री० वाणियण
वानी स्त्री० वाणी (२) प्रतिज्ञा (३) पु० वाणियो (४) [अ] प्रवर्तक; नेता
वानैत पु० 'वाना' शस्त्र के वाण चलावी जाणनार (२) योद्धो [वडवो
वाप पु० वाप, पिता. ०दादा पु० पूर्वज;
वापुरा वि० वापडु; वीचारु
वापू पु० वापु
वाफ स्त्री० वाफ; वराळ
वाफ्ता पु० [फा] एक जातनु रेशमी कपडु
वाव पु० [अ] प्रकरण; अध्याय
वावत स्त्री० [अ] विषय, सवध
वावरची पु० ववरची, 'वावर्ची'
वावरी स्त्री० वाळनी वावरी – लावा वाळनी जटा
वावा पु० [तु] वाप (२) दादा (३) साधु सन्यासी माटे आदरवाचक शब्द (४) वावो; छोकरो (लाडनो शब्द)
वावू पु० वावु, सद्गृहस्थ (आदरसूचक)
वाभन पु० वामण; ब्राह्मण
वाम वि० वाम, डावु (२) पु० [फा] घरनी मेडी के छत (३) स्त्री० एक जातनी माछली (४) वाम माप
वा-मजा वि० [फा] मजेदार, स्वादिष्ट
वा-मजाक वि० [फा] रसिक, विनोदी
वा-मुराद वि० [फा] सफळ; फळीभूत
वायँ वि० 'वायाँ', डावु (२) दाव के लक्ष्य चूकेलु
वायकाट पु० [इ] वॉयकोट, वहिष्कार
वायद अ० [फा] जेम जोईए एम –व शायद वि० आदर्श, उत्तम
वायन पु० 'वयाना'; वानु (२) 'वैना'; वायन, भेट
वायलर पु० [इ] वॉईलर
वायाँ वि० डावु (२) ऊलटु (३) विरुद्ध (४) पु० वायु तवलु –देना=वची जवु; सरकी जवु (२) जाणीने छोडवु
वायु पु० वायु
वायें अ० डावी वाजू (२) विपरीत –होना=विरुद्ध के नाराज थवु
वारवार अ० वारवार, फरी फरी
वार पु० [फा] भार, वोजो (२) परिणाम
वार पु० वार; द्वार (२) स्त्री० वार; वखत; फेरो (३) पुं० (प) 'वाल'; केश (४) वाळ; छोकरो [मकान
वार(–रि)क स्त्री० वराक; फोजनु
वारकश पु० [फा] वोजो लई जनार गाडी [(२) तवु
वारग(–गा)ह स्त्री० [फा.] दरवार
वारगीर पु० [फा.] वोजो उठावनार (२) वारगीर–घोडेसवार सैनिक

बारजा पु० खडकीनो मेडो के कठेरो –अटारी अथवा वरडो

बारतिय स्त्री० 'वारस्त्री'; वेश्या

बारदान,–ना पु० [फा] बारदान (२) फोजनु सीधुसामान

बारना स०क्रि० वारवु; रोकवु(२)वाळवु

बारनिश स्त्री० वार्निश; पालीस करवानो रोगान

बार-बरदार पु० [फा] बोजो लई जनार; मजूर. (नाम,–री)

बारवधू, बार-मुखी स्त्री० (प) वेश्या

बारयाब वि०[फा] मोटा माणस पासे जनार–पहोचनार –बी स्त्री० पहोच; प्रवेश; गति

बारह वि० बार; १२. –**बाट करना** या **घालना**=बारेवाट–छिन्नभिन्न करी नाखवु –**बाट जाना** या **होना**=छिन्न-भिन्न–रफेदफे थवु

बारहखड़ी स्त्री० बाराखडी

बारहदरी स्त्री० (मडप जेवी) चारे पास खुल्ली बेठक

बारहबान पु०खरुं उमदा सोनु. -**ना**,–**नी** वि० खरुं (सोनु)

बारहमासा पु० बार महिनानु गीत

बारहमासी वि० बारमासी (२) हमेश लीलु रहेनार

बारह-वफ़ात स्त्री० [फा.] बारेवफात; महमद पेगंबरना अतिम मादगीना बार दिवस

बारह-सिंगा पु० बारसीगु हरण

बारहां पु० बारमो दिवस (जन्म के मरणनो)

बारहा अ० [फा.] वारंवार (२) प्रायः; घणु करीने

बारहीं स्त्री० 'बरही'; बाळकना जन्म पछी बारमा दिवसनो उत्सव

बारॉं पु० [फा.] वरसाद

बारा वि० बाळ; नानु (२) पु० बाळक. –**रेतें**=बाळपणथी [के, बारेमें

बारा पु० [फा] विषय; बाबत. जेम

बारात स्त्री० 'बरात'; जान, वरयात्रा. –**उठना**=जान ऊठवी–चालवी

बारानी वि० [फा] वर्षा सबधी (२) स्त्री० चोमासु खेती कराती जमीन (३) वरसादथी बचवा पहेरातु कपडु

बारामीटर पु० बॅरोमीटर; 'बैरोमीटर'

बारिक स्त्री० जुओ 'बारक'; बराक

बारिश स्त्री०[फा] वरसाद (२) वर्षाऋतु

बारी स्त्री० वारी; पाळी (२) वाडी; बगीचो (३) वाड (४) किनार; धार (५) शस्त्रादिनी धार (६) घर; मकान (७) वहाणनु वारु (८) नादान छोकरी के युवती (९) पु० पडिया पतराळा बनावती एक जात. **बारीका** (ज्वर)= पाळीथी आवतो (ताव)

बारीक वि०[फा] झीणु; पातळु; सूक्ष्म; गूढ. –**की** स्त्री० बारीकाई

बारीक-बीं, –बीन वि० [फा] बारीकाई जोनार के समजनार.(नाम,–नी स्त्री०)

बारू स्त्री० रेती; धूळ; 'बालू'. ०**दानी** स्त्री० रेतदानी

बारूद स्त्री० [फा.] बारूत; फोडवानो दारू. ०**खाना** पु० दारूगोळानु गोदाम के भडार

बारे अ० [फा] अते; छवटे

बारेमें अ० सबधमा; विषे

बारोठा पु० द्वारपूजा; वर द्वारे आवता कराती क्रिया

वाल पु० [स] वाळ (२) वाळक (३) स्त्री० घउ इ०नु डूडु (४) पुं० [फा] पाख. –खिचड़ी होना=काळा करता धोळा वाळ थवु होवा –न वांकना = वाळ वाको न थवो –पकना वाळ धोळा थवा. –वालवचना = माड माड बचवु
वालक पु०[स]वाळक; छोकरु(२)नादान
वालटी स्त्री० डोल [फोल्लो
वाल-तोड़ पु० वालतोडो; एक जातनो
वालना स०क्रि० वाळवु; लगाडवु
वालवच्चे पु० वाळबच्चा; परिवार
वालवोध वि० वाळक समजे एवु; सरळ (२) स्त्री० वाळवोध लिपि
वालम पु० वहालम; पति; वल्लभ
वालम–खीरा पु० एक जातनी 'खीरा' –काकडी
वाल-विवाह पु० [सं] वाळलग्न
वाल-विधु पु० [स.] वीजनो चद्र
वाल-सूर्य पु० [स] ऊगतो सूरज
वाला स्त्री० [स.] वाळा; कन्या (२) नवयुवती (३) पत्नी
वाला अ० [फा] ऊचे; उपर (२) वि० उपरनु; उपलु. –वाला = वारोवार; उपर उपर
वालाई वि० [फा] उपरनु (२) स्त्री० दूधनी मलाई (३) ऊचाई
वालाखाना पु० [फा] मेडो
वालापन पु० वाळपण
वाला वाला अ० जुओ 'वाला' [फा] मा
वाला-भोला वि० भोळु भाळु, सीधु सादु
वालावर पु० [फा.] एक जातनु अगरखु
वालार्क पु० [सं.] वालसूर्य
वालिका स्त्री० [सं.] छोकरी; कन्या
वालिग पु० [अ] उमरे पहोंचेल जुवान
वालिश स्त्री० [फा] ओशीकु (२) वि० [स] अज्ञान, वेसमज
वालिश्त स्त्री० [फा] वेंत; 'वित्ता'
वालिस-ट्रेन स्त्री० वालास गाडी
वाली स्त्री० कानन‍ी वाळी–कडी (२) 'वाल'; डूडु (३) वालि वानर
वालीदगी स्त्री० [फा] वृद्धि; विकास
वालीन पु० [फा] ओशीकु
वालुका स्त्री०, वालू पु० रेती. –की भीत = क्षणभगुर वस्तु
वालू-दानी स्त्री० रेतदानी
वालूसा(–शा)ही स्त्री० एक मीठाई
वाल्य पु० [स] वाळपण
वाव पु० वायु (२) अपानवायु –गोला पु० गोळानो रोग
वा-वज्ञ वि० [फा] सभ्य; शिष्ट
वा-वजूद अ० [फा] तोपण
वा-वफा वि० [फा] वफादार
वावड़ी स्त्री० वाव
वावन वि० '५२'. –गजका = पाकुं; खधु. –तोळे पाव रत्ती = तद्दन ठीक. –वीर = वहादुर
वावन(–ना) वि० वामन; ठीगणु
वावर पु० [फा.] भरोसो; विश्वास
वावर(-रा,–ला)वि० वावरु,घेलु(२)मूर्ख
वावरची, वावर्ची पु० [तु] ववरची; रसोइयो. ०खाना पु० रसोडु
वावर,–रा,–ला वि० वावरु; गाडु (२) वायुना रोगवाळु
वावली स्त्री० वाव (२) ऊडी तलावडी
वावां वि० डावु; 'वायाँ' (२) प्रतिकूल
वाशिंदा पु० [फा] निवासी, रहीश
वाष्प पु० [सं.] वाफ, वराळ (२) आसु (३) लोढु

बास पु० वास, रहेठाण (२) वास, गध (३) कपडु (४) स्त्री० वासना (५) आग
बासठ वि० ६२; बासठ
बासन पु० वासण
बासना स्त्री० वासना, इच्छा (२) स०क्रि० (प) सुवासित करवु
बासमती पु० ए नामनी चोखानी जात
बासर पु० वासर; वार, दिवस(२)सवार
बासा पु० वीशी (२) वास; रहेठाण
बासिरा पु० [अ] दृष्टि; नजर
बासी वि० वासी **–कढ़ीमें उबाल आना**=घडपणमा जुवानीनो उमग थवो (२) कसमये कोई वासना ऊठवी
बासी ईद स्त्री० ईदनो बीजो दिवस
बासी-तिवासी वि० केटलाय दिवसनु (वासी)
बासी मुंह अ० नयणे कोठे, खाली पेटे
बाहना स०क्रि० वही लाववु (२) हाकवु (३) खेडवु (४) हथियार चलाववु
बाहम,-मी अ० [फा] आपसमा, अदरोअदर
बाहर अ० वहार (२) अलग; वेगळे **–करना**=दूर करवु
बाहरी वि० वहारनु (२) परायु (३) देखवामात्र, उपरनु
बाहिज अ० (प) बाह्यत, वहारथी
बाहु पु० [स] हाथ
बाहुल्य पु० [स] बहु होवु ते; अधिकता
बाह्य वि० [स] वहारनु
बिंग पु० जुओ 'व्यग्य', 'कटाक्ष'
बिंजन पु० (प) जुओ 'व्यजन'
बिंदा स्त्री० वृदा गोपी(२)मोटो चाल्लो
बिंदी स्त्री० बिंदु; मीडु (२) चाल्लो (३) टपकु
बिंदु पु० [सं] बिंदु; मीडु (२) टपकु
बिंधना अ०क्रि० वीधावु (२) फसावु
बिंब पु०[स] पडछायो; प्रतिबिंब (२) घिलोडु; बिंबफळ
बिंबा,-बी स्त्री० घिलोडीनो वेलो
बिआज पु० व्याज
बिआधि स्त्री० (प) व्याधि, पीडा
बिआना स०क्रि० वावु, जणवु(ढोर माटे)
बिओग पु० (प) जुओ 'वियोग'
बिकट वि० 'विकट'; विकराळ
बिकना अ०क्रि० वेचावु
बिकरार वि० विकराळ (२) विकळ; व्याकुळ; 'बेकरार'
बिकराल वि० 'विकराल', विकराळ
बिकल वि० जुओ 'विकल' **–लाई** स्त्री० विकलता **–लाना** अ०क्रि० अकळावु
बिकवाना स०क्रि० वेचाववु
बिक(-ग)सना अ०क्रि० विकसवु, खीलवु
बिकाऊ वि० वेचाउ, वेचवा माटेनु
बिकार पु० जुओ 'विकार'
बिकारी वि० जुओ 'विकारी' (२) स्त्री० रूपिया इ०नी निशानी
बिख,०म पु० वख; झेर
बिक्री स्त्री० वेचाण; वकरो
बिखरना अ०क्रि० वीखरावुं
बिखराना, बिखेरना स०क्रि० विखेरवु
बिगड़(-र)ना अ०क्रि० वगडवु (२) क्रोधे भरावु (३) सामे थवु के न बनवु
बिगडेदिल पु० वगडेला दिलनु; कुमार्गी (२) झघडाळु
बिगडैं(-राइ,-रैं)ल वि० झघडाळु (२) जिद्दी (३) वगडेलु
बिगर अ० (प) वगर, विना
बिगरना अ०क्रि० जुओ 'बिगडना'
बिगरैं(-राइ)ल वि० जुओ 'बिगडैल'

विगल पु० जुओ 'विगुल'
विगसना अ०क्रि० (प.) विकसवु; खीलवु
विगहा पु० वीघुं
विगाड़ पु० वगाड (२) खराबी; बूराई (३) अणबनाव. ०ना स०क्रि० वगाडवु
विगाना वि० जुओ 'बेगाना'
विगार पु० जुओ 'विगाड' (२) स्त्री० जुओ 'बेगार'
विगारी स्त्री० जुओ 'बेगारी'
विगुल पु० [इ.] ब्यूगल. ०र पु० ते वगाडनार; ब्यूगलवाळो
विगूचन स्त्री० गूचवण; मूझवण (२) मुश्केली
विगूचना अ०क्रि० गूचावु; मूझावु
विगोना स०क्रि० (प) वगाडवु (२) छुपाववु(३)वितावववु(४)भ्रममा नाखवु
विघन पु० (प) विघ्न
विच अ० जुओ 'बीच'
विचकना अ०क्रि० वचकवु (२) भडकवु
विचकाना अ०क्रि० वचकावु; चिडावु (२) मो मरडवु [ति; मध्यस्थी
विचविचाव पु० झघडामा वच्चे पडवु
विचरना अ०क्रि० विचरवु, फरवु
विचलना अ०क्रि० चळवु, डगवु (२) फरी जवु
विचला वि० वचलु
विचवई, विचवान(-नी) पु० झघडामा मध्यस्थ, वचलो माणस
विचारना स०क्रि० विचारवु (२) पूछवु
विचारा वि० बिचारु, 'बेचारा'
विचारी पु० विचारवान; विचारक
विचेत वि० अचेत; बेहोश
विच्छू पु० वींछी [कांणि
विछना अ०क्रि० बिछावावु; 'बिछाना'नु

विछलन स्त्री० 'फिसलन'; लपसवु के लोभावु ते [लपसवु
विछल(-ला)ना अ०क्रि० 'फिसलना';
विछा(०व)ना स० क्रि० बिछाववु; पाथरवु (२) मारीने जमीन पर सुवाडी देवु (३) विखेरवु
विछावन पु० बिछानु; 'बिछौना'
विछावना स०क्रि जुओ 'बिछाना'
विछिआ, -या पु० पगनो वीछियो
विछुआ(-वा) पु० वीछियो; पगनी आगळीनु घरेणु (२) चुरेतरु; सूडो
विछुडन स्त्री० वछूटवु ते; वियोग
विछुड(-र)ना अ० क्रि० वछोडावु, वछूटवु, विखूटु थवु
विछुवा पु० जुओ 'विछुआ'
विछोई वि० विरही, वियोगी
विछोड़ा पु० विरह(२)वछूटवु ते;वियोग
विछोय(-ह) पु० 'विछोडा'; वियोग
विछौना पु० बिछानु (२) पथारी
विजन वि० एकलु, निर्जन; एकांत
विजन(-ना) पु० वीझणो; पंखो
विजन पु० [फा.] कत्लेआम
विजली स्त्री० वीजळी. -कडकना = आकाश गर्जवु
विजाती वि० विजातीय; बीजी जातनु
विजान वि० (प).अज्ञान; अजाण
विजूका(-खा) पु० (खेतरमा मुकातो) चाडियो [वि० जार करलु
विजोरा पु० 'बिजौरा'; बिजोरु (२)
बिजौरा पु० बिजोरु
विज्जु स्त्री० वीजळी
विज्जू पु० रानी बिलाडा जेवु एक पशु
विट पु० विट, वैश्य (२) पक्षीना अघार; बीट

बिट्ठल पु० विठ्ठल; प्रभु
बिटारना स०क्रि० वटाळवु; गदु करवुं
बिटिया स्त्री० बेटी (लाडवाचक)
बिठाना स०क्रि० जुओ 'वैठाना'
बिड पु० 'बिट', अघार (२) बिड लवण–मीठु
बिडर वि० विखरायेलु (२) नीडर
बिडरना अ०क्रि० विखेराई जवु(२)डरवु
बिड़ाल पु० [स.] बिलाडी
बिढ़वना स०क्रि० वधारवु; संघरवु
बित पु० वित्त; धन (२) शक्ति (३) कद
बितरना स०क्रि० वहेचवु
बिताना स०क्रि० वितावबु; गुजारवु
बित्त पु० वित्त; धन-दोलत
बित्ता पु० वेंत
बिथकना अ० क्रि० चकित थवु (२)मोहवु
बिथरना अ० क्रि० (प) विखेरावु; छूटु छूटु थवु
बिथा स्त्री० (प.) व्यथा
बिदकना अ०क्रि० फाटवु; चिरावु (२) घायल थवु (३) डरवु
बिदकाना स० क्रि० 'बिदकना' नु प्रेरक
बिदर पु० विदर्भ देश (२) एक उपधातु
बिदरी स्त्री० 'बिदर'नु धातुकाम. ०साज पु० ते करनार कारीगर
बिदा स्त्री० [अ. विदाअ] विदाय; जवु ते
बिदाई स्त्री० विदाय थवु ते के तेनी आज्ञा के ते वेळा काई आपवु ते; विदायगीरी
बिदून अ० [फा.] विना; वगर
बिदेस पु० विदेश; परदेश
बिद्दत स्त्री० [अ. विदअत] खरावी (२) कष्ट (३) आफत (४) जुल्म (५) दुर्दशा
बिध स्त्री० रीत; प्रकार (२) विधि; ब्रह्मा (३) जमा उधारनो हिसाब. –मिलाना = हिसाब मेळववो
बिधना पु० विधाता; ब्रह्मा (२) अ०क्रि० (प) वीधावु; छेदावु
बिन अ० विना; विण (२) [अ] पु० पुत्र
बिनई वि० (प) विनयी; नम्र
बिनऊ स्त्री० (प) विनय
बिनती स्त्री० विनती; अरज
बिनन स्त्री० वणवु के वीणवु ते (२) वणाट के विणामण
बिनना स०क्रि० वीणवु (२) वणवु
बिनय स्त्री० विनय [पामवु
बिनस(-सा)ना अ०क्रि० (प) विनाश
बिनसाना स०क्रि० विनाश करवो (२) अ०क्रि० जुओ 'विनसना'
बिना अ० विना (२) [अ] स्त्री० पायो (२) जड; मूळ (३) आरभ
बिनाई स्त्री० 'बिनना' -वणवु के वीणवु ते
बिना-बर अ०[फा] आथी; आ वास्ते
बिनावट स्त्री० वणाट
बिनौला पु० कपासियो
बिपत(–त्ता,–त्ति,–द,–दा) स्त्री० विपत्ति; दु.ख
बिफरना अ०क्रि० वीफरवु
बिबर पु० विवर; काणु
बिबस वि० विवश
बिबा(–वा)ई स्त्री० पग फाटवा ते
बिबाक वि० जुओ 'बेबाक'
बिबाकी स्त्री० बाकी न रहेवु–चूकते करवु ते (२) समाप्ति
बिबि वि० (प.) द्वि; वे [मन विना
बिमन वि० उदास; दु.खी (२) अ०
बियर स्त्री० [इ.] 'बीर' दारू
बिया पु० वियु; बीज (२) वि० बीजु

वियाना स०क्रि० जुओ 'विआना'
वियावान पुं० [फा.] जुओ 'वयावान'
वियारी(-रू,-लू) स्त्री० (रातनु) वाळु
विरंग वि० रंगवेरंगी (२) रंग विनानु
विरज पु० [फा] विरज (२) पीतळ
विरंजी वि० [फा] पीतळनु
विरगिड स्त्री० 'व्रिगेड'; सेनानी पलटण
विर(-रि)छ पु० (प) वृक्ष
विरता पु० शक्ति; वळ; ताकात
विरथा अ० (प.) वृथा [प्रसिद्ध
विरद पु० नाम; यश -ईत वि० नामी;
विरध वि० (प) वृद्ध. -धाई स्त्री०, -धापन पु० घडपण
विरमना अ०क्रि० विरमवु; अटकवु (२) विराम करवो (३) मोहवु
विरयां वि० [फा] शेकेलु
विरयानी स्त्री० [फा.] मासनी एक वानी (चोखामा शेकेला मास साथे कराती)
विरला वि० विरल; कोक
विरवा पु० छोड (२) झाड
विरवाही स्त्री० वाग, वाडी
विरह पु० विरह; वियोग. -हा पु० विरह के तेनु एक गीत. -ही वि० विरही
विराजना अ०क्रि० विराजवु; वेसवु (२) शोभवु
विरादर पुं० [फा.] भाई (२) भाईवध. ०जादा पु० भत्रीजो. ०जादी स्त्री० भत्रीजी [विरादरीनु
विरादराना वि० [फा] भाई जेवु (२)
विरादरी स्त्री० [फा.] भाईचारो (२) एक जातिनो समूह; नात
विराना स०क्रि० चीडववु; सामे मांयो चाळा करवा (२) वि० जुओ 'वेगाना'
विरिया स्त्री० समय; वेळा(२)वार; फेरो

विलंद वि० वुलद; ऊचु; मोटु
विलंव पु० विलव; ढील ०ना अ०क्रि० विलव करवो; मोडु करवु
विल पु० [स] विवर; काणु (२)[इं] मालनु विल (३) कायदानु विल
विलकुल अ० [अ] तद्दन; पूरु; साव
विलखना अ० क्रि० विलाप करवो; रोवु (२) दुखी थवु (३) सकोचावु
विलग वि० अलग; जुदु (२) पु० 'विलगाव'; जुदाई
विलगाना अ० क्रि० अलग थवु (२) स० क्रि० अलग करवु
विलगाव पु० अलगपणु; जुदाई
विलटी स्त्री० रेलवे-रसीद
विलनी स्त्री० माटीना घरवाळी काळी भमरी (२) आखनी आजणी
विलपना अ० क्रि० विलाप करवो
विलफेल अ० [अ] हमणा; अत्यारे
विलविलाना अ० क्रि० कीडा सदवदवा (२) व्याकुळ थईने वकवु के रोवु
विलम पु० विलव; ढील
विलमना अ० क्रि० विलववु; रोकावु; थोभवु के मोडु करवु [विलवलवु
विललाना अ० क्रि० विलाप करवो;
विलल्ला वि० मूर्ख; गमार
विलवाना स० क्रि० नष्ट करवु; विलय करवु के करावववु (२) छुपाववु; सताडवु
विलसना अ० क्रि० विलसवु; झळकवु
विला अ० [अ] वगर; विना; उदा० विला-नागा=सतत; लगातार विला-शक=वेलाशक; जरूर. विला-शर्त= वगर शरते
विलाई स्त्री० विल्ली (२) कूवामा नाखवानी विलाई (३) वारणु वध करवानी आगळो

बिलाना अ० क्रि० विलय पामवु
बिला-नाग़ा अ० [अ] जुओ 'बिला'मा
बिलायत स्त्री० विलायत; परदेश
बिलार पु०बिलाडो **-री** स्त्री० बिलाडी
बिला-शक, बिला-शर्त अ [अ] जुओ 'बिला' मा
बिलियर्ड पु० [इ] एक विलायती रमत
बिलैया स्त्री० 'बिल्ली' (२) छीणी
बिलोड़ना स० क्रि० वलोववु (२) अस्तव्यस्त करवु
बिलोन वि० लावण्यरहित, कदरूपु
बिलोना स०क्रि० वलोववु (२) वि० जुओ 'बिलोन'
बिल् [अ] 'साथे, सहित' अर्थमा शब्दना पूर्वग तरीके उदा० बिलकुल
बिल्-अक्स अ० [अ] एथी विरुद्ध-ऊलटु
बिल्-इरादा अ० [अ] इरादापूर्वक; जाणी जोईने
बिल्-उमूम अ० [अ] साधारणत:
बिल्-जब्र अ० [अ] जबरदस्तीथी
बिल्-जरूर अ० [अ बिज़्ज़रूर] जरूर
बिल्-जुमला अ० [अ.] कुल मळीने
बिल्-फ़र्ज़ अ० [अ] धारो के; मानो के
बिल्-फ़ेल अ० [अ] आ समये; अत्यारे
बिल्-मुकाबिल अ० [अ] तुलनामां, मुकाबले
बिल्मुक्ता वि० [अ.] अचल; निश्चित (२) पु० कायमी महेसूल
बिल्ला पु० बिलाडो (२) बिल्लो, पदक
बिल्ली स्त्री० बिलाडी (२) बारणु खुल्लु राखवानी कडी के ठेस वगेरे
बिल्लौर पु० [फा] बिलोर (वि०-री)
बिवर(-रा)ना स०क्रि० वाळ ओळवा
बिवाई स्त्री० जुओ 'बिलाई'
बिस पु० विष; झेर
बिसंभर पु० (प) विश्वभर (२) वि० सभाळी न शकाय एवु
बिसखपरा पु० घो जेवु एक झेरी प्राणी
बिसन पु० (प)व्यसन **-नी** वि० व्यसनी
बिसमउ,-य,-व पु० (प) विस्मय; आश्चर्य [भूलवु
बिसमरना स०क्रि० (प.) विस्मरण थवु,
बिसमिल वि० जुओ 'बिस्मिल'
बिसमिल्ला(०ह) पु० जुओ 'बिस्मिल्ला'
बिसरना स०क्रि० वीसरवु, भूली जवु
बिसरात पु० (प) खच्चर
बिससना अ०क्रि० विश्वास करवो
बिस(-सा)हना स० क्रि० जुओ 'बिसाहना'
बिसाँयँध वि० सडेलानी गधवाळु (२) स्त्री० सडेलानी गध, बदबो
बिसात स्त्री० [अ] बिसात, गणतरी; शक्ति (२) शेतरज के बाजी रमवानु चीतरेलु कपडु (३) पाथरणु; जाजम (४) बिसात, पूजी **ख़ाना** पु० 'बिसाती'-नी दुकान [दुकानदार
बिसाती पु० [अ] फुटकळ चीजोनो
बिसारना स० क्रि० विसारवु; भूलवु
बिसारा वि० विषवाळु, झेरी
बिसास पु० (प) विश्वास **-सी** वि० विश्वासु
बिसाह पु० खरीदी [खरीदी; सोदो
बिसाहना स० क्रि० खरीदवु (२) पु०
बिसाहनी स्त्री०, **बिसाहा** पु० सोदो
बिसियार वि० [फा] खूब; अधिक
बिसुनना अ० क्रि० खावेलु नाकमा जवु
बिसु(-सू)रना अ० क्रि० (प) चिंता करवी (२) रोतल चहेरो करवो के धीमु रडवु (३) स्त्री० चिंता; फिकर

विसेसर पु० (प) विश्वेश्वर
विस्कुट पु० [इ] बिस्किट
विस्तर,–रा पु० पथारी; बिस्तरो
विस्तुइया स्त्री० घरोळी [माटे)
विस्मिल वि० [अ] घायल (प्राय: प्रेमी
विस्मिल्लाह पु० [अ] श्रीगणेश; आरभ
विस्वा पु० वसो; वीघानो वीसमो भाग
विस्वादार पु० भागियो (२) पेटा-जमीनदार
विस्वास पु० विश्वास
विहंग(०म) पु० विहगम; पक्षी
विहतर वि० [फा] वहेतर; सारु
विहतरी स्त्री० [फा] भलाई; हित
विहरना अ० क्रि० विहरवु; विचरवु
विहान पु० वहाणु; प्रभात (२) आवती काल
विहाना अ० क्रि० (प) वहेवु, वीतवु (२) स० क्रि० छोडवु; त्यागवु
विहाल वि० वेहाल
विहिश्त पु० [फा] वेहेस्त; स्वर्ग –का जानवर=मोर –का मेवा=अनार; दाडम –की हवा=ठडी सुगधी हवा
विही स्त्री० [फा] एक झाड ०दाना पु० 'विही' ना फळना दाणा
विहीन, विहून (प.) वि० विहीन; रहित
वींड़ी स्त्री० उढाणी (२) वेलगाडीमा आगळ जोडातो त्रीजो बळद के तेनु दोरडु
वींधना स० क्रि० वींधवु; छेद पाडवो
वी स्त्री० वीवी; स्त्री
वीका वि० वांकु; 'बांका'
वीघा पु० वीघु
वीच पु० वच; मध्य (२) आंतरो; फरक (३) अ० वच्चे; अंदर –खेत=खुल्लेखुल्लु (२) अवश्य. –बीचमें=वच्चे वच्चे

वीच-बचाव पु० जुओ 'विचविचाव'
वीचि स्त्री० वीचि; लहेर; मोजु
वीचोवीच अ० वच्चोवच्च
वीछना स०क्रि० वीणवु; चूटवु
वीछी, –छू पु० वीछी
वीज पु० [सं] वी (२) मूळ (३) कारण; हेतु (४) वीर्य; शुक्र [(३) बिजोरुं
वीजक पु० [स] सूचि; यादी (२) वी
वीजन, –ना पु० वीजणो
वीजरी स्त्री० (प) वीजळी
वीजा पु० वीज (२) वि० (प) वीजु
वीजी स्त्री० गोटली, मींज
वीजु(०री) स्त्री० वीजळी
वीजू वि० वीज वाव्ये थतु; 'कलमी' थी ऊलटु (२) पु० 'विज्जु', वीजळी
वीट स्त्री० अघार; पक्षीनी विष्टा
वीड़ स्त्री० रूपियानी थोकडी
वीडा पु० पाननु वीडु –उठाना=वीडु झडपवु -डालना,-रखना=वीडु फेरववु
वीड़ी स्त्री० पाननी के पीवानी बीडी (२) दातनी ममी
वीतना अ०क्रि० वीतवु; गुजरवु
वीता पु० जुओ 'वित्ता'; वेत
वीती स्त्री० वीतेलु ते; वीतक
वीधना अ० क्रि० 'विंधना'; वींधावुं (२) स०क्रि० 'वींधना'; वींधवु [वाजु
वीन स्त्री० वीन वाजु (२) मदारीनु
वीनना स०क्रि० वीणवु (२) वणवु
वीनाई स्त्री० [फा] जोवानी शक्ति, दृष्टि
वीनी स्त्री० [फा] नाक
वीफै पु० गुरुवार
वीवी स्त्री० [फा] कुलीन स्त्री (२) पत्नी (३) 'सन्नारी' एवु संबोधन
वीभत्स वि० [सं.] गंदु, घृणित; खराब

बीमा पु० [फा] वीमो. ०**कराई** स्त्री० वीमानु प्रिमियम. ०**दार** पु० वीमो उतारवनार. –**करना** = वीमो उतारवो
बीमार वि० [फा] बीमार; मांदु
बीमारदार वि० [फा] बीमारनी बरदास करनार (नाम, –**री** स्त्री०)
बीमार–पुरसी स्त्री० [फा] बीमारनी खबर पूछवी ते
बीमारी स्त्री० [फा] बीमारी; मादगी
बीर पु० वीरो; भाई (२) वीर पुरुष (३) स्त्री० (प) साहेबी
बीरन पु० वीरो; भाई
बीरबहूटी स्त्री० इद्रगोप जीवडु
बील वि० पोलु (२) पु० नीचाणवाळी भूमि
बीवी स्त्री० जुओ 'बीबी'
बीस वि० २०; वीस –**बिस्वे**=वीस वसा; घणु करीने; नक्की
बीसी स्त्री० वीसनो समूह; वीसी; कोडी
बीहड़ वि० असमान; ऊचुनीचु (२) विकट
बुंद स्त्री० वुद; टीपु; 'बूंद'
बुंदकी स्त्री० टपकु; 'बिंदी' (२) डाघो
बुंदिया, बुंदौरी स्त्री० 'बूंदी'; एक मीठाई
बुंदीदार वि० टपकावाळु [बोली
बुंदेली स्त्री० बुदेलखडनी (हिंदीनी एक)
बुआ स्त्री० जुओ 'बूआ'
बुक स्त्री० चोपडी [इ] (२) एक जातनु कापड ०**सेलर** चोपडीओ वेचनार
बुक(–ग)चा पु०[तु] वचको; गासडी; पोटलु –**ची** स्त्री० वचकी, पोटली
बुकनी स्त्री० वूकणी; भूकी; चूर्ण
बुक्का स्त्री० [स] हृदय
बुखार पु० [अ] ताव (२) वाफ; वराळ (३) शोकक्रोधादिनो आवेग
बुख़ारात पु० ब. व [अ] बाफ; वराळ
बुख्ल स्त्री० [अ.] कजूसाई; वखीलता
बुगचा,–ची जुओ 'बुकचा,–ची'
बुग़दा पु० [फा.] कसाईनो छरो
बुग्ज पु० [अ] द्वेष; कीनो; वेर
बुज स्त्री० [फा.] बकरी. ०**कसाब** पु० कसाई [डर; भीरुता
बुज़दिल वि०[फा.] डरपोक. –**ली** स्त्री०
बुज़ुर्ग पु० [फा] बुजरग; वयोवृद्ध (२) वडवो, पूर्वज (३) पूज्य व्यक्ति
बुज़ुर्गवार वि० [फा] वयोवृद्ध
बुज़ुर्गाना वि० [फा] वयोवृद्ध वडील के जेवु के तेने योग्य
बुज़ुर्गी स्त्री० बुजरगी (जुओ 'बुज़ुर्ग')
बुझ(–त)ना अ०क्रि० बुझावु; ओलावु
बुझा(–ता)ना स०क्रि० बूझववु (२) बुझवाववु
बुझारत स्त्री० हिसाबकिताबनी समज
बुड़ना अ०क्रि० बूडवु; डूबवु
बुड़बुड़ाना अ०क्रि० मनमा बडबडवु
बुड्ढा, बूढ़ा वि० बुढ्ढु; वृद्ध (नाम, **बुढ़ाई** स्त्री०,–**पा** पु० घडपण)
बुढ़ाना अ०क्रि० वूढु थवु
बुत पु०[फा.] मूर्ति; प्रतिमा (२) प्रियतम; माशूक. ०**खाना** पु० मदिर. ०**परस्त** वि० मूर्तिपूजक. ०**परस्ती** स्त्री० मूर्तिपूजा. ०**शिकन** वि०[फा] मूर्तिभजक
बुतना अ०क्रि०, **बुताना** स०क्रि० जुओ अनुक्रमे 'बुझना, बुझाना'
बुताम पु० बटन; वोरियु
बुत्ता पु० दगो (२) वहानु
बुदबुद(–दा) पु० परपोटो
बुद्ध वि० [सं.] जाग्रत थयेलु (२) ज्ञानी (३) पु० भगवान बुद्ध

वुद्धि स्त्री०[स.] अकल; समज ०मत्ता, ०मानी स्त्री० समज
वुद्धू वि० मूर्ख, वाघडु [ग्रह के वार
वुध पु० [सं.] वुद्धिमान; विद्वान (२) एक
वुनकर पु० वणकर
वुनना स०क्रि० वणवु (२) गूथवु; भरवु
वुनाई स्त्री० वणाट के वणकरी
वुनावट स्त्री० वणाटनो प्रकार
वुनियाद स्त्री०[फा] जड; पायो (२) असल वात; वास्तविकता
वुनियादी वि०[फा] पायानु; आधाररूप; मूळ; असल [रोवु
वुवुकना अ०क्रि० जोरथी डसका भरीने
वुवुकारी स्त्री० जोरथी रडवानो अवाज
वुभुक्षा स्त्री०[सं.] भूख
वुभुक्षित, वुभुक्षु वि० [स] भूख्यु
वुयाम पु० चीनी माटीनी वरणी
वुरकना स०क्रि० भभराववु
वुरका पु० वुरखो
वुरा वि० वूरु, खराव -भला=भलुवूरु
वुराई स्त्री० वूरापणु (२) अवगुण (३) निंदा ०भलाई स्त्री० भलुवूरु काम
वुराक पु० [अ] कल्पित घोडो (एम मनाय छ के एनी पर वेसी पेगंवर साहेव आकाशमा गया हता)
वुरादा पु० [फा] लाकडानो वेर
वुरुश पु० व्रश; पीछी के कूचडो इ०
वुर्का पु० [अ] जुओ 'वुरका'
वुर्ज पु० [अ.] मकान किल्ला इ०नो वुरज (२) राशि; नक्षत्र
वुर्द स्त्री०[फा] नफो; लाभ (२) होड; शरत (३) शेतरजमा फक्त राजा रहे एवी वाजी. -देना=खोवु; गुमाववु. -मारना=मफतनी रकम लेवी
वुर्दवार वि०[फा] सहनशील (२) सुशील. (नाम -री स्त्री०)
वुर्राक वि० जुओ 'वर्राक' [महान
वुलद वि० (नाम,-दी) वुलद; ऊचु (२)
वुलवुल स्त्री० [अ] वुलवुल पक्षी
वुलवुला पु० वुद्वुद; परपोटो
वुलाक स्त्री०[तु] वुलाख-नथनु एक मोती
वुलाना स०क्रि० वोलाववु
वुला(-लौ)वा पु० नोतरु
वुलूग पु० [अ] 'वालिग' थवु ते; उमरे पहोचवु ते
वुल्ला पु० परपोटो
वुस पु० अनाजनु भूसु; 'भूसी'
वुहारना स०क्रि० वहोरवु; वाळवु
वुहारा पु० सावरणो
वुहारी स्त्री० सावरणी
वूंद स्त्री० वुद; टीपु
वूंदावांदी स्त्री० झरमर वरसतो-छाटा जेवो वरसाद; फरफर [टीपु
वूंदी स्त्री० कळी मीठाई (२) 'वूंद';
वू स्त्री० [फा] वास; गध
वूआ स्त्री० फोई (२) मोटी वहेन
वूकना स० क्रि० पीसवु; दळवु (२) छाटवु; वेडशी हाकवी
वूचड़ पु० कसाई ०खाना पुं०कसाईवाडो
वूचा वि० कान वगरनु (२) वूठु; कदरूपु
वूजना पु० [फा] वादर
वूझ स्त्री० वूज; समज [(२) पूछवु
वूझना स०क्रि० वूझवु; समजवु, जाणवु
वूट पु० चणानो छोड के लीलो दाणो; पोपटो (२) [इं] वूट; जोडा
वूटा पु० छोड (२) फूलवेल इ० वेलवुट्टो
वूटी स्त्री० जडी वुट्टी (२) भाग (३) दाणो वेलवुट्टो

बूड़ना अ०क्रि० बूडवु; डूबवु

बूढ़ा वि०घरडु,वृद्ध **–ढ़ी** स्त्री०बुड्ढी स्त्री

बूढ़ा, -फूँ(-फू)स वि० अतिवृद्ध

बूत, बूता पु० बळ, शक्ति

बूदो-बाश स्त्री० [फा.] रहेठाण; निवास

बूम पु० [अ.] घुवड (२) स्त्री० [फा.] जमीन

बूर स्त्री० लोटनु चाळण–भूसु. **–के लड्डू**=छेतरपिंडी; दगो

बूरा पु० खाडनु बूरु

बृहत् वि० [स] मोटु, विशाळ

बेंग पु० देडको

बेंच स्त्री० [इ.] बेन्च, पाटली (२) न्यायासननी –न्यायाधीशोनी बेन्च

बेंचना स०क्रि० वेचवु, 'बेचना'

बेंट(–ठ) स्त्री० दस्तो, हाथो; मूठ

बेंत पु० नेतर के तेनी सोटी, 'वेत'

बेंदा पु० माथानु एक घरेणु (२) तिलक; चाल्लो

बेंदी स्त्री० माथानु एक घरेणु

बेंवड़ा पु० वारणानी भूगळ

बे अ० [फा] 'विना' ना अर्थनो पूर्वग उदा० बेईमान

बे-अंत वि० अनत; बेहद

बे-अक़ल वि० [फा] अकल वगरनु; अणसमजु, मूर्ख **–ली** स्त्री० मूर्खता

बे-अदब वि० [फा] असभ्य, अविनयी; उद्धत **–बी** स्त्री० अविनय

बे-असल वि० [फा] निराधार (२) जूठु

बे-आब वि० [फा] पाणी वगरनु; निस्तेज

बे-आबरू वि० [फा] अप्रतिष्ठित,आबरू वगरनु. ०ई स्त्री० बेआबरू, शरम

बे-इंतहा वि० [फा.] असीम, अपार

बे-इंसाफ वि० [फा] अन्यायी **–फी** स्त्री० अन्याय; गेर-इन्साफ

बे-इज़्ज़त वि०[फा] 'बेआबरू'; अपमान पामेलु. **–ती** स्त्री० अप्रतिष्ठा; अपमान

बे-इल्म वि० [फा] अभण **–ल्मी** स्त्री० अभणता

बे-ईमान वि० [फा.] अधर्मी (२) अप्रामाणिक; बददानतवाळु, दगाबाज. **–नी** स्त्री० अधर्मिता (२) दगो, जूठ; बददानत

बे-उज्र वि० [फा] काई करवामा खटको के बहानु जेने न नडे एवु

बे-क़द्र, –दर वि० [फा] बेआबरू (२) कृतघ्न [**–री** स्त्री०

बे-क़रार वि० [फा] बेचेन; अशात.

बेकल वि० विकल, व्याकुळ (नाम,**–ली**)

बेकस वि०[फा] एकलु; असहाय (२) गरीब; कगाळ (नाम, **–सी** स्त्री०)

बे-क़सूर वि० जुओ 'बे-कुसूर'

बेकहा वि० कह्यु न माननार

बे-क़ानूनी वि० गेरकायदेसर

बेकाबू वि० [फा] काबू खोई बेठेल; विवश (२) काबूमा न आवे एवु

बेकाम, बेकार वि० नवरु(२)नकामु, रद्दी

बेकायदा वि०[फा] अनियमित, कायदा विरुद्ध (नाम, **–दगी** स्त्री०)

बेकार वि०[फा] काम वगरनु, नवरु (२) व्यर्थ, नकामु **–री** स्त्री०

बे-कुसूर वि०[फा] निर्दोष; निरपराध

बेख़ स्त्री०[फा] जड; मूळ **–व बुनियाद** =जडमूळ

बेखटक,–के वि०(२)अ० खटका–सकोच वगरनु, बेधडक

बेख़तर वि० [फा.] निर्भय; नीडर

बेख़ता वि० बेकसूर, बेगुना; निर्दोष

बेख़बर वि०[फा] अजाण (२) बेपरवा (३) भान वगरनु; बेहोश (नाम, –री स्त्री०)
बेख़ुद वि०[फा] बेहोश, बेभान; नशामा चकचूर (नाम, –दी स्त्री०)
बेख़ौफ वि०[फा] नीडर; खोफ वगरनु
बे-ख़्वाबी स्त्री० [फा] अनिद्रा
बेग पु० बेग (२) [तु] बेग, अमीर (३) [इ] बॅग; थेली इ०
बेगम स्त्री०[तु.]बेगम; राणी, महाराणी. –मी वि० बेगम संबंधी (२) उमदा
बे-ग़म वि० [फा.] गम वगरनु
बेग़रज़ वि०[फा] गरज वगरनु; बेपरवा (२) व्यर्थ [(नाम, –ज़ी स्त्री०)
बेगाना वि० [फा] परायु (२) अजाण्यु
बेगार स्त्री० [फा] वेठ. –टालना = वेठ उतारवी [करनार
बेगारी स्त्री०[फा] वेठियो; वेठे काम
बेगि अ० (प) वेगथी; जलदी
बे-गुनाह वि० [फा] वगर गुनानु; निरपराध; निर्दोष (नाम,–ही स्त्री०)
बे-घर(–रा) वि० घरबार विनानु
बेचक पु० वेचनार
बेचना स०क्रि० वेचवु
बेचवाना, बेचाना स०क्रि० वेचाववु
बेचारगी स्त्री० [फा] बीचारापणु; लाचारी; दीनता
बेचारा वि० [फा] बीचारु; असहाय,दीन
बे-चिराग वि० [फा] दीवा वगरनु; उज्जड (२) अपुत्र [स्त्री०)
बेचैन वि० बेचेन; व्याकुळ (नाम, –नी
बेजड़ वि० जड–मूळ वगरनु; नापायादार
बेज़बान वि० [फा.] मूक (२) दीन
बेजा वि० [फा] ठेकाणा वगरनु (२) अनुचित (३) खराब; बूरु
बेजान वि० जान वगरनु; मृत (२)निर्बळ
बेज़ाब्ता वि० [फा] बेकायदा; नियम विरुद्ध (नाम, –ब्तगी स्त्री०)
बेज़ार वि० [फा] नाराज (२) दुःखी. –री स्त्री०
बेजोड़ वि० अखंड (२) अजोड
बेटा पु० बेटो; पुत्र –बनाना = छोकरो दत्तक लेवो
बेटा-बेटी स्त्री० बाळ-बच्चा; संतान
बेटी स्त्री० बेटी; दीकरी. ०व्यवहार पु० विवाहसंबंध
बेठन पु० लपेटवा माटेनु कपडु; वेष्टन
बेठिकाने वि० ठेकाणा वगरनु (२) व्यर्थ
बेड़ा पु० तरापो (२) वहाणोनो समूह
बेड़ी स्त्री० बेडी; जंजीर (२) नानी होडी के तरापो
बेडौल वि० बेडोळ; कदरूपु
बेढंग, –गा वि० कढंगु; कदरूपु
बेढ़ना स०क्रि० खेतर, छोड इ० ने वाड वाडोलियु करवु (२) ढोर हाकी जवा
बेढब वि० कढंगु, ढब वगरनु
बेत पु० नेतर
बे-तकल्लुफ वि० [फा] सरळ; चोख्खा-बोलु; निर्व्याज (२) अ० साफसाफ; बेधडक (नाम, –फी स्त्री०)
बे-तक़सीर वि० [फा] बेगुना; निरपराध
बे-तमीज़ वि० [फा] अविवेकी; बेअदबी
बे-तरतीब वि० [फा] अव्यवस्थित; क्रम रहित (२) अस्तव्यस्त (नाम, –बी स्त्री०)
बे-तरह अ० [फा.] बूरी तरेहथी (२) असाधारण रीते (३) खूब; बेहद
बे-तरीक़ा वि० (२) अ० [फा] अनुचित; नियम विरुद्ध
बे-तलब अ० [फा] विना मांग्ये के कह्ये

बे-तहाशा अ० [फा.] उतावळथी (२) अधीराईथी (३) विना समज्ये
बेताब वि० [फा] दुर्बळ (२) बेचेन (नाम, -बी स्त्री०)
बेतार वि० तार विनानु
बेतारका तार पु० 'वायरलेस' तार
बेताल पु० वैताल (२) भाट; चारण (३) वि० ताल वगरनु; 'बेताला'
बेतुक,-का वि० मेळ के ढग वगरनु; कढगु; 'बेढब'
बे-तौर अ०[फा] जुओ 'बेतरह'; कढगु
बेद स्त्री० 'बेंत'; नेतर [फा.](२)पु० वेद
बेदखल वि० [फा] कबजो के अधिकार रहित (नाम,-ली स्त्री०)
बेदन,-ना स्त्री० वेदना; पीडा
बेदम वि०[फा] मरेलु (२) अधमूउ (३) दम वगरनु
बेद-मुश्क पु० [फा] एक फूलझाड
बेदरद, बेदर्द वि०[फा] कठोर हृदयनु; निष्ठुर (नाम, -र्दी स्त्री०)
बेदाग़ वि० [फा] डाघ वगरनु (२) निष्कलंक
बेदाना पु० सरस काबुली अनार (२) बेदाणा औषधि (३) वि० [फा] मूर्ख; बेवकूफ [बदाम
बे-दाम वि० वगर पैसे; मफत (२) पु०
बेदार वि० जागतु; जाग्रत (नाम, -री)
बेध पु० वेध; काणु
बेधड़क वि० (२) अ० नि सकोच (२) नीडर (३) नि.शक
बेधना स०क्रि० वीधवु
बेधर्म,-रम वि० धर्मभ्रष्ट
बे-नज़ीर वि० [फा] अनुपम; अजोड
बेनट स्त्री० बॅयोनेट; सगीन
बे-नमक वि०[फा] फीकु; लूण वगरनु
बे-नमूना वि० [फा] बेनमून; अजोड
बे-नवा वि०[फा] गरीब (२) फकीर
बे-नसीब वि०[फा] कमनसीब, अभागी
बेना पु० वासनो पखो
बेनागा अ० सतत; लगातार
बे-नियाज़ वि० [फा] सौथी पर (२) बेपरवा (नाम, -ज़ी स्त्री०)
बेनी स्त्री० वेणी (२) त्रिवेणी
बेनुली स्त्री० घटीनी माकडी
बेपरद, बेपर्द वि०[फा] पडदा वगरनु; खुल्लु (२) नग्न (नाम, बेपर्दगी)
बे-परवा(०ह) वि० [फा] बेपरवा; बेफिकर (२) अति उदार (नाम, ०ई, ०ही स्त्री०)
बेपार पु० वेपार. -री पु० वेपारी
बेपीर वि० बीजानी पीड न समजनारुं; निष्ठुर; निर्दय (२) [फा] पीर के गुरु वगरनु; नगरु
बेपेंदी वि० तळिया वगरनु -का लोटा =ढोचका जेम अस्थिर के गबडता विचारनु [नकामु
बेफ़ायदा वि० (२) अ० [फा.] व्यर्थ;
बेफिक्र वि० [फा.] बेफिकर (नाम, -क्री स्त्री०) [निर्भेळ
बे-बदल वि० [फा] अफर; नक्की (२)
बे-बरकत वि० [फा] बरकत वगरनु. -ती स्त्री० [स्त्री०)
बेबस वि० लाचार; विवश (नाम, -सी
बेबहा वि० [फा] भारे किंमतनु; अमूल्य
बेबाक वि० [फा.] चूकते थयेलु (ऋण) (नाम, -की स्त्री०)
बे-बाक वि० निर्भय; नीडर (२) चूकते; बाकी वगरनु. -की स्त्री० नीडरता

बे-बुनियाद वि० [फा.] पाया वगरनु; निर्मूळ
बे-ब्याहा वि० कुवारु
बेभान वि० बेभान; अचेत
बेभाव अ० बेहद; बेशुमार. –की पड़ना =खूब मार पडवो [वगरनु
बे-मज़ा वि० [फा.] स्वाद के मजा
बे-मन वि० मन विनानु
बे-मरम्मत वि० [फा] जीर्ण; मरामत वगरनु, तूटचुफूटचु (नाम, –ती स्त्री०)
बे-महल वि० [अ] कवखतनु
बे-मालूम वि० [फा] अज्ञात; गुप्त
बे-मिलावट वि० भेळसेळ विनानु; शुद्ध
बे-मिस्ल वि० अजोड; अद्वितीय; बेनमून
बे-मुनासिब वि० [फा] अयोग्य; अनुचित
बे-मुरव्वत वि० [फा] बेशरम; अविनयी (नाम, –ती स्त्री०)
बे-मेल वि० मेळ वगरनु
बेमौक़ा वि० कवखतनु (२) पु० मोको न होवो ते; कवखत
बे-मौक़े अ० कवखते
बे-मौत अ० कमोते
बेर पु० बोर (२) स्त्री० वार, फेरो
बेरस वि० रस के मजा विनानु; नीरस
बेरहम वि० [फा.] निर्दय (नाम, –मी स्त्री०)
बेरा पु० वेळा; समय (२) सवार (३) फेरो; वार (४) 'बॅरर'; चपरासी (५) बेडो; जुओ 'बेड़ा'
बे-राह वि० [फा.] आडे रस्ते गयेलुं; कुमार्गी (नाम –ही स्त्री०)
बेरुख़ वि० [फा] काम पडे त्यारे मों फेरवी लेनार (२) गुस्से थयेलु
बेरोक (०टोक) वि० रोक वगर; निर्विघ्न
बे-रोज़गार वि० [फा] बेकार; नवरु (नाम, –री स्त्री०)
बे-रौनक वि० [फा] रोनक के शोभा वगरनु (नाम, –की स्त्री०)
बेल पु० बीली के बीलु (२) स्त्री० वेल; वेलो [निरकुश
बे-लगाम वि० [फा.] काबू वगरनु;
बेलचा पु० [फा] एक जातनी कोदाळी के पावडो [या मजा वगरनु
बे-लज्ज़त वि० [फा] लहेजत के स्वाद
बेलदार पु० [फा.] पावडो चलावनार मजूर –री स्त्री० तेनु काम
बेलन पु० रोलर (रस्ता माटे के कोई यत्रनो) (२) पीजणनो गोटीलो (३) वेलण [इ० वणवु
बेलना पु० वेलण (२) स०क्रि० रोटली
बेलपत्र पु० बिल्व - बीलीपत्र [वखत
बेला पु० मोगरानु फूलझाड (२) वेळा;
बेलाग वि० बिलकुल अलग – नहि लागेलु (२) स्वतंत्र; निष्पक्ष (३) साफ; चोख्खु (४) पवित्र
बेलौस वि० [फा] साचु; खरु. (नाम, –सी स्त्री०) [–री स्त्री०
बे-वकर वि० [फा] वक्कर वगरनु; तुच्छ.
बे-वक़ूफ़ वि० [फा.] अणसमजु; मूर्ख. –फी स्त्री० [परदेशी
बे-वतन वि० [फा.] घरबार विनानु;
बेवक्त अ० [फा] कवखते
बेवफ़ा वि० [फा.] बेवफादार; कृतघ्न; दगाबाज. ०ई स्त्री०
बेवरेवार वि० तफसीलवार; विस्तृत
बेवा स्त्री० [फा.] विधवा
बेश वि० [फा] वधारे (२) श्रेष्ठ –शी स्त्री० अधिकता (२) श्रेष्ठता

बेशऊर वि० [अ] मूर्ख; अणसमजु (नाम, **–री**)
बेशक अ०[फा] बेशक; जरूर; नि सदेह
बे-शरम,–शर्म वि० [फा] बेशरम; निर्लज्ज **–र्मी** स्त्री०
बेशी स्त्री० [फा] जुओ 'बेश' मा
बे-शुमार वि०[फा.] खूब; शुमार विनानु
बेस पु० वेश; 'भेस'
बेसन पु० चणानो लोट **–नी** वि० 'बेसन' नु (२) स्त्री० 'बेसन' नी पूरी
बेसबब वि०[फा] विना सबब; अकारण
बेसबरा, बेसब्र[फा] वि० बेसबूर; अधीरु
बेसब्री (**–बरी**) स्त्री० [फा] बेसबूरी; अधीरता
बेसबूरी स्त्री० जुओ 'बेसबरी'
बेसमझ वि० समज वगरनु; नादान; मूर्ख. **–झी** स्त्री०
बेसर पु० खच्चर (२) वेसर; नथ
बेसरोसामान वि०[फा] गरीब; कगाळ
बे-सलीका वि० [फा] अशिष्ट, असभ्य
बेसवा, बेसा स्त्री० वेश्या; रंडी
बेसाख़्ता वि० [फा] सहज; कुदरती, अकृत्रिम [खरीदवु
बेसाहना स०क्रि० जुओ 'बिसाहना';
बे-सिलसिला वि० [फा.] क्रमरहित; अव्यवस्थित **–ले** अ०
बे-सुध वि० बेहोश; बेभान **–धी** स्त्री०
बेसूर(–रा) वि० बेसूरु (२) कवखतनु
बेसूद वि०[फा] व्यर्थ; फायदा वगरनु
बेस्वाद वि० स्वाद विनानु; खराब
बेहंगम वि० कढंगु; बेडोळ [सारु
बेह पु० वेह; छिद्र (२) वि०[फा] भलु;
बेहतर वि०[फा]बहेतर(२)अ० ठीक;भले
बेहतरी स्त्री०[फा] उत्तमता (२) भलाई
बेहद वि० [फा] अपार; असीम
बेहना पु० पीजारो
बेहमिय्यत वि० [फा] बेहया; बेशरम
बेहया वि०[फा] बेशरम; निर्लज्ज; ०ई स्त्री० [हालवाळु. **–ली** स्त्री०
बेहाल वि०[फा] बेचेन; व्याकुळ; खराब
बेहिजाब वि०[फा] निर्लज्ज **–बी** स्त्री०
बेहिम्मत वि० नाहिंमत; डरपोक
बेहिस वि० [फा] निश्चेष्ट
बेहिसाब वि० [फा] बेहद; असंख्य
बेहुनर,–रा वि० हुन्नर कसब वगरनु
बेहुरमत वि०[फा.]बेआबरू; अप्रतिष्ठित. **–ती** स्त्री०
बेहूदगी स्त्री० [फा] बेहूदापणु
बेहूदा वि०[फा] बेहूदु; अशिष्ट; असभ्य
बेहौफ वि०[फा] बेफिकर; चिंतारहित
बेहोश वि०[फा]बेभान,बेसूध **–शी** स्त्री०
बैंक पु० [इ] बॅन्क
बैंगन पु० वेगण; वताक
बैंग(–ज)नी वि० वेगणना रंगनु
बैंड पु० [इ] बॅन्ड; वाजावाळा
बै स्त्री० [अ] वेचाण
बैआना पु० [अ] बानु; 'बयाना'
बैकल वि० पागल; गांडु
बैग पु० [इ] बॅग; थेली
बैगन पु० जुओ 'बैंगन'
बैज(–जय)ती स्त्री० वैजयंतीमाळा
बैज पु० [इ] 'बेज'; बिल्लो [अडकोश
बैज 'बैज़ा' नु पु० ब०व० [अ] ईंडा(२)
बैज़वी वि० [फा] अडाकार
बैज़ा पु० [फा] ईंडु (२) अडकोश
बैट पु० [इ] रमवानु बॅट
बैटरी स्त्री०[इ] वीजळीनी बॅटरी (२) तोपखानु
बैठक स्त्री० बेठक

बैठका पु० बेठक; दीवानखानु
बैठकी स्त्री० बेठकनी कसरत
बैठन स्त्री० बेसवु ते के तेनो ढग
बैठना अ०क्रि० बेसवु
बैठे बैठे, बैठे बैठाए अकारण(२)अचानक
बैत स्त्री०[अ] बेत; श्लोक (२) पु० (समासमा) घर; स्थान
बैत-उल्-इल्म पु०[अ]विद्यामदिर;शाळा
बैत-उल्-खला, बैतुलखला पु० [अ] पायखानु; जाजरू
बैत-उल्-माल, बैतुलमाल पु० [अ.] सरकारी खजानो (२) विनवारसी माल
बैत-उल्-मुकद्दस, बैतुलमुकद्दस पु०[अ] जेरुसलेम [मक्का
बैत-उल्-हराम्, बैतुलहराम पु० [अ]
बैत-उल्ला, बैतुल्लाह पु० [अ.] काबा; खुदानु घर
बैतबाजी स्त्री०[फा] अतकडीनी रमत
बैद पु० (स्त्री० –दिन) वैद ०ई, –वाई स्त्री० वैदु
बैन अ० [अ.] वच्चे; मध्ये
बैना पु० विवाह वगेरे शुभ निमित्ते मित्रादिने मोकलातो मीठाई इ० भेट
बै-नामा पु० [अ] वेचाणखत
बैपार पु० वेपार. –री पु० वेपारी
बैरंग वि० 'बॅरर' नु; लेनारे नाणा आपवाना करीने मोकलेलु (पार्सल इ०)
बैर पु० वेर; शत्रुता [[इ] बराक
बैरक(–स) पु० [अ] लश्करी झंडो (२)
बैरा पु० [इं बेरर] चाकर; दास
बैरासी स्त्री० स्त्रीनु हाथनुं एक घरेणु
बैराग पु० वैराग्य. –गी पु० एक जातनो (वैष्णव) साधु
बैरिस्टर पु० [इं] बॅरिस्टर –री स्त्री०

बैरी वि० वेरी; विरोधी
बैरूँ अ० [फा. बेरूँ] बहार
बैरूनी वि० [फा. बेरूनी] बहारनु
बैरोमीटर पु० [इ] बॅरोमीटर
बैल पु० बेल; बळद (२) मूर्ख. ०गाड़ी स्त्री० बळदगाडी
बैलर पु० जुओ 'बायलर'; बॉइलर
बैलून पु० [इ.] बलून; गुबारो
बैसंत(–द)र पु० (प) वैश्वानर अग्नि
बैस स्त्री० (प) वय; आयु; उमर; जवानी (२) पु० वैश्य (३) एक क्षत्रिय जाति
बैसना अ०क्रि० (प.) बेसवुं
बैसर स्त्री० फणी
बैसाख पु० वैशाख
बैसाखी स्त्री० लगडानी लाकडी (बगलमा राखी चालवानी)
बैसा(०र)ना स०क्रि० (प) बेसाडवु
बोक(०रा) पु० बोकडो; बकरो
बोआई स्त्री० वावणी के तेनी मजूरी
बोआना स०क्रि० ववडाववु
बोझ पु० बोजो
बोझना स०क्रि० बोजो लादवो
बोझ(–झि)ल वि० वजनदार; भारे
बोझा पु० 'बोझ'; बोजो. ०ई स्त्री० लादवु ते के तेनी मजूरी. –झिल वि० जुओ 'बोझल'
बोट स्त्री० [इ.] होडी (२) आगबोट
बोटी स्त्री० मासनो टुकडो
बोतल स्त्री० (मोटी) बाटली
बोदा वि० मूर्ख (२) जड; मंद (३) बोदु; कानफूटियु [नामर्द; नपुंसक
बोध पु० [सं] जाणवु ते; ज्ञान (२)
बोधक वि० [सं.] बोध करावनार

बोधि, ०तरु, ०द्रुम, ०वृक्ष पु० [स.] (गयानु) पीपळानु—बोधिवृक्ष
बोना स०क्रि० वाववु [गासडी
बोवा पु० (स्त्री०, —बी) स्तन (२)
बोय स्त्री० बू; गध
बोरना स०क्रि० बोळवु
बोरसी स्त्री० माटीनी सगडी
बोरा पु० थेलो; कोथळो; बोरो
बोरिया पु०[फा] सादडी (२) बिस्त्रो
बोरी स्त्री० नानो कोथळो; थेली
बोर्ड पु०[इ] नामनु पाटियु (२) बोर्ड; समिति; मडळ
बोल पु० बोल; वचन
बोलचाल स्त्री० वातचीत; बोलवु चालवु ते, के तेवो सबध(२)बोलाचाली;झघडो
बोलता पु० प्राण; जीव (२) वि० वाचाळ
बोलती स्त्री० बोलवानी शक्ति; वाचा
बोलना स०क्रि० बोलवु **बोल जाना**= खतम थवु; हारवु [चलण होवु ते
बोलवाला पु० ख्याति; प्रसिद्धि (२)
बोलवाना स०क्रि० बोलाववु
बोलसर पु० बोरसळीनु झाड
बोलावा पु० 'बुलावा'; नोतरु
बोली स्त्री० बोली; वाणी (२) हराजीनी मागणीनो बोल (३) मजाक
बोली-ठोली स्त्री० मश्करी; मजाक
बोलीदार पु० गणोत के काई लख्या वगर मोढाना बोलथी जमीन खेडनार
बोवना स०क्रि० 'बोना'; वाववु
बोवाई स्त्री० जुओ 'बोआई'
बोवाना स०क्रि० जुओ 'बोआना'
बोश पु० [अ] दबदबो; दमाम
बोसा पु० [फा.] बोसो; चुंबन [पुराणु
बोसीदा वि० [फा] दम वगरनु; जरी
बोसो-कनार पु०[फा] चूमवु ने भेटवु ते
बोह स्त्री० डूबकी —**लेना**=डूबकी मारवी
बोहतान पु०[अ] खोटो आरोप; आक्षेप. —**जोड़ना**=कलक लगाडवु
बोहनी स्त्री० बोणी; पहेलो सोदो
बोहित पु० (प) नाव; होडी
बौंड़ स्त्री० (प) लाबी गयेली शाखा के लता. ०**ना** अ०क्रि० 'बौंड' पेठे वधवु
बौंड़ी स्त्री० छोड के वेलानु काचु फल
बौखल वि० पागल; गाडु; बेबाकळु
बौखलाना अ०क्रि० गभराई जवु; गांडा जेवु थवु
बौछाड़(-र) स्त्री० पाणी, वायु के कशानी झडी (२) टाणो; कटाक्ष
बौड़म,-हा वि० गाडु; धूनी
बौद्ध पु०[स.] बुद्धधर्मी (२) वि० बुद्ध विषेनु
बौना पु० वामन—ठीगणो माणस
बौर पु० आबानो मोर
बौरना अ०क्रि० मोरवु; मोर आववो
बौरहा, बौरा वि० बावरुं; पागल
बौराना अ०क्रि० बावरु—गाडु थवुं
बौलाना अ०क्रि० जुओ 'बौखलाना'
ब्यवहर पु० करज; देवु. —**रिया** पु० शराफ; साहुकार
ब्याज पु० व्याज. —**जू** वि० व्याजूकु
ब्याना स०क्रि० वियावु; जणवु
ब्यापना अ०क्रि० व्यापवु
ब्यारी स्त्री०, **ब्यालू** पु० वाळु
ब्याल पु० व्याळ; साप —**ली** स्त्री० सापण (२) वि० सापवाळो
ब्याह पु० विवाह; लग्न
ब्याहता वि० विवाहित
ब्याहना स०क्रि० विवाह करवो

ब्योत स्त्री० वेत; व्यवस्था; वेतरण
ब्योतना स०क्रि० (कपडु) वेतरवु
ब्योपार पु० वेपार –री पु० वेपारी
ब्योरना स०क्रि० (प) वाळ ओळवा
ब्योरा पु० विवरण; वर्णन –रेवार अ० सविस्तर; विगतवार
ब्योहर पु० व्याजवटावनो व्यवहार
ब्योहरिया पु० व्याजवटु करनार
ब्यो(–ब्यौ)हार पु० व्यवहार
ब्रज पु० व्रज
ब्रह्म पु० [स] मूळ सत्य; परमात्मा
ब्रह्मचर्य पु०[स.] ब्रह्मचारीनु व्रत; पूरो इंद्रियनिग्रह
ब्रह्मचारी पु० [स] कुवारो; ब्रह्मचर्य पाळनारो; प्रथम आश्रममा रहेनार–विद्यार्थी
ब्रह्मभोज पु० ब्राह्मणोने अपातु भोजन
ब्रह्मर्षि पु०[स.] ब्राह्मण ऋषि (उत्तम कोटिनो)
ब्रह्मसमाज पु० (राजा राममोहन राये चलावेलो) एक नवो सप्रदाय
ब्रह्मांड पु०[स] विश्व; आखी सृष्टिनो गोळो
ब्रह्मास्त्र पु० [स.] एक अमोघ अस्त्र
ब्राह्म वि० [सं] ब्रह्म सबधी
ब्राह्मण पुं०[स] चारमानो पहेलो वर्ण
ब्रिगेड पु०[इ] सेनानी अमुक सख्यानी पलटण
ब्रिटिश वि०[इ] ब्रिटन देशनु के ते सबधी
ब्रुश पु० [इ] ब्रश [चावी
ब्रेक पु० [इ] गाडीनी ब्रेक – रोकवानी
ब्लाक पु० [इ] ब्लॉक

भ

भंग पु० [स.] भागवु तूटवु ते (२) नाश; पराजय (३) टुकडो; भाग (४) बाधा; हरकत (५) तरग (६) स्त्री० भाग
भंगड वि० भागनो व्यसनी; 'भँगेड़ी'
भँगरा पु० भागरो
भँगार पु० कूवो खोदवा करेलो खाडो (२) घास इ० कचरो
भंगी पु० भगी – एक नात के तेनो माणस (२) वि० भागवाळो
भंगुर वि० [स] भागी जाय एवु (२) नाशवत (३) वाकु; वळाक्वाळु
भँगेड़ी वि० भागनो व्यसनी [नाश
भंजन पु० [स.] भागवु ते (२) ध्वस;
भँजना अ०क्रि० भगावु; तूटवु (२) नोटो सिक्को वटाववो (३) भागवु; वळ देवो
भँटा पु० भट्टो; गोळ मोटु वेगण
भंड पु० [स] भाड (२) वि० पाखडी
भँड़फोड़ पु० भागफोड [हाटियु
भडरिया स्त्री० दीवालनु भडारियु–
भडा पु० भाड; वासण (२) मर्म; भेद. –फूटना = भेद खुल्वो; घडो फूटवो
भंडार पु० [स] भडार; कोठार (२) पेट (३) रसोडु (४) खजानो
भँडारा पु० भडारो (साधुनो) (२) भडार (३) समूह (४) पेट
भंडारी पु० भडारी; कोठारी (२) खजानची (३) रसोइयो (४) स्त्री० नानु भडारियु – हाटियु

भँड़ौआ पु० भांड भवैयानु गीत के तेवी कविता
भँभाना अ०क्रि० (ढोर–गाय भेंसनु) बांगरडवु; आरडवु
भँवना अ०क्रि० भमवु; फरवु; रखडवु
भँवर पु० भमरो (जतु के पाणीनो)
भँवरजाल पु० भ्रमजाळ; ससारचक्र
भँवरभीख स्त्री० भीख मागवा फरवु ते
भँवरी स्त्री० पाणीनो भमरो (२) शरीर परना वाळनो भमरो (३) फेरी
भइया पु० भाई
भउजाई स्त्री० भोजाई; भाभी
भकभक अ० भगभग **–काना** अ०क्रि० भगभग थवु
भकुआ(–वा) वि० मूर्ख; अणसमजु
भकुआना अ०क्रि० गभरावु (२) बनवु (३) स०क्रि० गभरावबु के बनाववु
भकोसना स०क्रि० गळचवु, ठासवु; खावु
भक्त वि० [स] भागेलु (२) वहेंचेलु (३) अलग भागे करेलु (४) भक्तिवाळु (५) पु० भगत
भक्ति स्त्री० [स.] भागवु, वहेचवु ते (२) भाग; अग (३) सेवापूजा (४) श्रद्धा; विश्वास; प्रेमभाव
भक्ष पु० [सं] भक्षण; खोराक; आहार
भक्षक वि० [स] भक्ष करनार; खानार
भक्षण पु० [स] खावु ते (२) आहार
भक्ष(–ख)ना स०क्रि० (प) भक्षवु; खावु
भक्ष्य वि० [स] खावा जेवु; खाद्य (२) पु० खोराक
भख पु० (प) भक्ष; खोराक
भखना अ०क्रि० (प) भक्षवु; खावु
भगदर पु० [स] भगदर रोग
भग पु० [सं.] भाग्य (२) ऐश्वर्य (३) स्त्रीयोनि [भूवो
भगत पु० भक्त; सेवक; उपासक (२)
भगदड़(–र) स्त्री० भागवु–नासवु ते
भगना अ०क्रि० भागवु; नासवुं (२) पु० भाणेज
भगवंत पु० (प) भगवान
भगवती स्त्री० [सं] देवी (२) स्त्री (आदरसूचक)
भगवान पु० भगवान; प्रभु
भगाना स०क्रि० भगाडवु(२)हरण करवु
भगिनी स्त्री०[स] बहेन **०य** पु० भाणेज
भगीरथ वि०[स] अति भारे के कठण (२) पु० राजा भगीरथ
भगेड़ू(–लु), भगोड़ा, भग्गू वि० भागेलुं (२) कायर
भगौती स्त्री० (प) जुओ 'भगवती'
भगौहाँ वि० जुओ 'भगेड़ू' (२) भगवु; गेरवु
भग्गू वि० जुओ 'भगेड़ू'
भग्न वि०[स] भागेलु (२) हारेलु; निराश
भचक स्त्री० लगडाश; खोडगावु ते
भचकना अ०क्रि० लगडावु;पग लहेकावो (२) चकित थवु [तिनी कविता
भजन पु०[स] नामस्मरण; कीर्तन (२)
भजना स०क्रि० भजवु; स्तुति करवी (२) अ०क्रि० (प.) भागवु
भजनी पु० भजनिक
भट पु० [स] भट्ट; योद्धो
भटकना अ०क्रि० भटकवु; रखडवु (२) रस्तो भूलवो; भूलु पडवु
भटई स्त्री० भाटाई; खोटी खुशामत
भटा पु० 'भटा'; भट्टो [अली; सखी
भटू स्त्री० स्त्री माटे एक सबोधन (२)

भट्ठा पु० ईंट इ० नो भठ्ठो
भट्ठी स्त्री० (दारू दवा इ०नी) भठ्ठी
भठियारा पु० धर्मशाळानो व्यवस्थापक (२) मुसलमानोनु राधनार–भठियारो
भठियाल पु० समुद्रनी ओट; 'भाटा'
भड़क स्त्री० चमक (२) भडक; बीक
भड़कदार, भड़कीला वि० चमकतु (२) भडकामणु
भड़कना अ०क्रि० भडकवु (२) भडको थवो; भभकवु (३) गुस्से थवु
भड़भड स्त्री० भड भड अवाज (२) वड वड वातो [करवो
भड़भडाना अ०क्रि० भड भड अवाज
भड़भडिया वि० गप्पी
भड़भूंजा पु० भाडभूजो
भड़ी स्त्री० खोटी उश्केरणी
भड़ुआ पु० भडवो
भणना स०क्रि० (प) भणवु; कहेवु
भतीजा पु० (स्त्री० –जी) भत्रीजो
भत्ता पु० भथ्थु
भदई स्त्री० भादरवानी फसल
भदेस,–सिल,भद्दा वि० कुरूप; कढंगु
भद्र वि०[सं] सभ्य (२) सारु; भलु (३) पु० कल्याण [ऊडती वात
भनक स्त्री० भणकारो; धीमो अवाज (२)
भनभनाना अ०क्रि० गुंजारव करवो; गणगणवु. –हट स्त्री० गुंजारव; गणगणाट
भन्नाना अ०क्रि० क्रोधथी भभूकवु
भपका पु० अर्क काढवानु वासण
भभ(–भ)क स्त्री० गोट; धपकधपका
भभक स्त्री० उभरो; उछाळो
भभकना अ०क्रि० उछळवु; उछाळो मारवा (२) भभकवु
भभकी स्त्री० खाली धमकी
भभरना अ०क्रि० (प.) डरवु; गभरावु (२) भ्रममा पडवु; भरमावु
भभूका पु० ज्वाळा; झोळ
भभूत स्त्री० भभूती; भस्म
भयंकर वि० [स] भयानक
भय पु० [स] डर; बीक (२) शका. –खाना = डरवु
भयभीत वि० [स] डरेलु
भयाना अ०क्रि० (प) भय पामवु; बीवु (२) स०क्रि० डराववु
भया क्रि० (प) 'हुआ'; थयु; बन्यु (स्त्री० भई,–यी)
भयानक, भयावन (–ना), भयावह [स.] वि० भयामणु; भयकर
भर वि० पूरु; बरोबर उदा० शेरभर (२) पु० भार. –पाना = भरपाई थवी (२) तग थवु; थाकवु [वितन
भरण पु० [स] भरवु–पोषवु ते (२)
भरत पु० कासु (२) कसारो
भरता पु० भरतनु शाक
भरतार पु० भरथार; पति
भरती स्त्री० भरावु के उमेरावु ते (२) दाखल थवु ते. –होना = दाखल थवु
भरना स०क्रि० भरवु; पूरवु (२) अ०क्रि० भरावु; पूरु थवु
भरनी स्त्री० 'ढरकी'; माळनो काठलो
भरपाई अ० बरोबर; पूरेपूरु (२) स्त्री० भरपाई; बाकी पूरी चूकते करवी ते
भरपूर वि० परिपूर्ण (२) अ० बरोबर; पूरी रीते
भरपेट अ० पेट भरीने
भरम पु० वहेम (२) भेद; रहस्य. –गँवाना = भेद खोलवो

भरमाना स० क्रि० भरमाववु (२) भमाववु; रखडाववु (३) अ०क्रि० चकित थवु
भरमार स्त्री० खूब होवु ते
भरराना अ०क्रि० भडक दईने ओचिंतु तूटी पडवु
भरसक अ० यथाशक्ति; बने तेटलु
भरसाई पु० भाडभूंजानी भठ्ठी; 'भाड़'
भरा वि० 'भर'; भरेलु; पूरु
भराई स्त्री० भरवानी क्रिया के तेनु महेनताणु
भरापूरा पु० भर्युंभादर्यु; सपन्न
भराव पु० भरावो; जमाव (२) भरवु ते
भरी स्त्री० तोलो; रूपियाभार
भरोसा पु० भरोसो; विश्वास (२) आशा (३) आशरो
भर्त्ता(०र) पु० [सं.] पति; स्वामी
भर्त्सना स्त्री० [स.] निंदा; तिरस्कार; फिटकार [स्त्री० भलमनसाई
भलमनसत, भलमनसाहत, भलमनसी
भला वि० भलु; सारुं (२) पु० कल्याण
भले अ० ठीक; सारी रीते. **–ही** =भलेने; छोने
भल्लु(-ल्लू)क पु० [सं.] रीछ
भव पु०[स] जन्म (२) संसार (३) शिव
भवदीय वि० [सं] आपनु
भवन पु०[सं] घर; मकान (२) महेल; मोटु मकान
भवनीय वि०[स] थनारुं; वननारुं
भवितव्य पु०[स] अवश्य थनारुं; नसीव
भविष्य वि०[सं] 'भवनीय'; थनारु (२) पु० भविष्यकाळ
भव्य वि० [सं] सुदर; शानदार; भारे शोभावाळु (२) भावी (३) सत्य
भसना अ०क्रि० पाणी पर तरवु के तेमा डूबवु
भसम पु० भस्म; राख
भसमा पु० काळो कलप (२) लोट
भसुंड पु० हाथी
भसुर पु० स्त्रीनो जेठ
भसूंड़ पु० हाथीनी सूढ
भस्त्रा,०का,–स्त्रिका स्त्री०[सं] धमण
भस्म पु० [स] भस्म; राख
भहराना अ०क्रि० ढसडाई पडवु; एका-एक तूटवु
भांग स्त्री० भाग – एक केफी पदार्थ
भांज स्त्री० भागवु ते (२) सिक्का के नोटनु परचूरण
भाँजना स०क्रि० भागवु; तोडवु
भाँजी स्त्री० काममा फास मारवी ते
भाँटा पु० भट्टो; वेगण
भाँड़ पु० भाडभवैयो(२)मश्करो;विदूषक
भाँड़ा पु० भाड; वासण. **भांडे भरना**= पस्ताववु [खजानो
भांडागार, भांडार पु० [सं] भंडार;
भाँत, भाँति स्त्री० रीत; प्रकार
भाँपना स०त्रि० ओळखवु; पारखवु
भायँ भायँ पु० शून्यकारनो ध्वनि
भाँवर स्त्री० परिकम्मा (२) लग्ननी चोरीमा वरकन्या फेरो फरे ते
भा अ० (प) या; अथवा (२) स्त्री० [स] तेज
भाइ पु० (प) भाव; प्रेम (२) स्त्री० 'भाँति'; प्रकार
भाइप पु० (प.) भाईचारो; भाईवधी
भाई पु० भाई. **०चारा** पु० भाईचारो; दोस्ती
भाई-दूज स्त्री० भाईवीज

भाईवंद पु० सगोसबंधी; नातभाई (२) भाईबंध; मित्र

भाई-बिरादर पु० नातभाई. –री स्त्री० नात के स्वजननो समूह

भाउ,–ऊ पु० (प) भाव; हेत; प्रेम

भाखना स०क्रि० (प) भाखवु; कहेवु

भाखा स्त्री० (प) भाषा

भाग पु०[सं] भाग, हिस्सो (२) भागाकार

भाग पु० (प.) भाग्य (२) कपाळ (३) सवार; प्रात काल

भागड़, भागदौड़ स्त्री० भागवु ते; भगाण; 'भगदर'

भागना अ०क्रि० भागवु; दोडवु; नासवु

भागनेय, भागिनेय पु० [सं.] भाणो

भागी पु०[सं] भागियो; भागीदार (२) –नो हकदार; अधिकारी

भाग्य पु० [सं.] नसीब [संख्या

भाजक पु० [सं] भागाकारमां भाजक

भाजन पु० [सं.] वासण; पात्र (२) –ने योग्य; पात्र (समासमां)

भाज्य पु० [सं] भागवानी रकम (२) वि० भागवा योग्य

भाजी स्त्री० शाकभाजी; तरकारी

भाट पु० भाट; चारण (२) खुशामतियो (३) स्त्री० नदीनु भाठु के किनारो के तेनो पट

भाटा पु० ओट; भरतीथी ऊलट्

भाड़ पु० भाडभूजानी भठ्ठी. –झोंकना =नकामा के तुच्छ कामगां वखत काढवो [(२) नकामु

भाड़ा पु० भाडु. भाडेका टट्टू=क्षणिक

भात पु० रांधेलो–रापेलो भात

भाथा पु० तीरनो भाथो

भाथी स्त्री० धमण

भादो, –दों, –द्र, –द्रपद [सं.] पु० भादरवो महिनो

भान पु० भानु; भाण; सूर्य (२) [सं] प्रकाश (३) भान; खबर; प्रतीति

भानजा पु० (स्त्री० –जी) भाणेज

भानमती स्त्री० जादुगर स्त्री. –का पिटारा=नकामी भरकूस

भाना अ०क्रि० भाववु; गमवु (२) मालूम पडवु; लागवु (३) शोभवु

भानु पु० [सं] सूर्य

भाप,–फ स्त्री० वराळ; बाष्प

भाभी स्त्री० भाभी; भोजाई

भामा,–मिनी स्त्री० [सं.] स्त्री (२) क्रोधी स्वभावनी स्त्री [मूल्य

भाय पु० (प) भाई (२) भाव; वृत्ति;

भायप पु० भाईचारो

भाया वि० प्रिय; प्यारु

भार पु० [सं.] बोजो; वजन (२) जवाबदारी

भारत पु० [सं] महाभारत ग्रंथ (२) हिंद देश. –ती स्त्री० वाणी; भाषा. –तीय वि० भारत देशनु के संबंधी

भारी वि० भारे. –भरकम=मोटु ने भारे; भारेखम

भार्या,–र्य्या स्त्री० [सं] स्त्री; पत्नी

भाल पु० [सं] कपाळ (२) (प) भालो (३) 'भालू'; रींछ

भालना स०क्रि० भाळवु; बरोबर जोवु; तपासवु ('देखना' साथे प्राय वपराय छे.) [भालाथी लागनार

भाला पुं० भालो. ०बरदार पु० भालो

भाली स्त्री० भालानु फळ; भालोडियु (२) शूळ; कांटो

भालु(०क),–लू,–लूक पु० रींछ

भाव पु० [सं.] होवु ते; हस्ती (२) मननो भाव–ख्याल, विचार, अभिप्राय मतलब (३) भाव; दर; किंमत (४) हेत; स्नेह; आदरमान
भावज स्त्री० भाभी
भावताव पु० भावताल
भावना स्त्री० [स] भाव; विचार; ख्याल (२) इच्छा (३) (प.) अ०क्रि० भाववु; गमवु, फाववु; 'भाना'
भावार्थ पु० [स] सार; मतलब
भाविक वि० [स] भावनाप्रधान; भावुक
भावी स्त्री० [सं] भविष्य काळ (२) नसीब (३) वि० थनारु
भावुक वि० [स] जुओ 'भाविक'
भाषण पु० [स] व्याख्यान (२) वातचीत; बोलवु ते
भाषांतर पु० [स] अनुवाद; तरजुमो
भाषा स्त्री० [स] बोली; वाणी. –षी वि० बोलनार (समासने अते)
भाष्य पु० [सं.] विस्तृत विवरण के समजूती [कल्पना
भास पु० [स.] प्रकाश (२) ख्याल;
भासना अ०क्रि० भासवु; लागवु; देखावु (२) प्रकाशवु
भास्कर पु० [स] सूर्य (२) अग्नि (३) दिवस (४) वि० प्रकाशतु
भिंगा(–जा)ना स०क्रि०जुओ 'भिगाना'
भिंडी स्त्री० भीडो–शाक
भिक्षा स्त्री० [सं.] भीख. ०र्थी पु० भिखारी. –क्षु(०क) पु० भिखारी (२) संन्यासी
भिखमंगा पु० भिखारी; भीख मागनार
भिखार, –री पु० भिखारी. –रिणी, –रिन स्त्री० भिखारण
भिगा(–गो)ना, भिजवना स० क्रि० भिजाववु; पलाळवु
भिजवाना स०क्रि० मोकलाववु
भिजा(–जो)ना स०क्रि०जुओ 'भिगाना'
भिड़ स्त्री० भमरी; 'बरें'
भिड़ना अ०क्रि० टक्कर खावी (२)लडवु (३) भिडावु; साथे साथे लागी जवु
भितरिया पु० भितरियो(वैष्णव मदिरनो)
भितल्ला वि० भीतरनु (२) पु० अस्तर
भित्ति स्त्री० [स] भीत (२) भूमिका
भिदना अ०क्रि० भेदावु; छेदावु; घायल थवु (२) घूसी जवु
भिनकना अ०क्रि० बमणवु; गगणवु (२) घृणा थवी [बमणवु
भिनभिनाना अ० क्रि० 'भिनकना';
भिन(–नु)सार पु० प्रभात; सवार
भिनही अ० सवारे [अलग
भिन्न पु०[सं.] अपूर्णांक (२) वि० जुदु;
भियना अ०क्रि० (प) भय पामवु; डरवु
भिलनी स्त्री० भीलडी; भील स्त्री
भिलवाँ पु० भिलामु
भिल्ल पु० [स] भील
भिश्त(–स्त) स्त्री० वेहेस्त; स्वर्ग
भिश्ती,–स्ती पु० भिश्ती
भिषक् पु० [स.] वैद
भिस्त स्त्री० जुओ 'भिश्त'
भिस्ती पु० जुओ 'भिश्ती'
भींग(–ज)ना अ०क्रि० जुओ 'भीगना'
भी अ० पण. जेम के, 'मैं भी'=हुय, हु पण (२) स्त्री० [स] भय
भीख स्त्री० भीख; मागवु ते
भीग(–ज)ना अ०क्रि० भीजावु; पलळवु
भीटा पु० ऊची टेकराळी जमीन
भीड़ स्त्री० भीड; गिरदी (२) सकट

भीड़भड़क्का पु०, भीड़भाड़ स्त्री० भीड; गिरदी
भीत स्त्री० भीत; दीवाल –में दौड़ना =गजा उपरवटनु काम करवु
भीत वि० [सं] डरेलु; बीनेलु. –ति स्त्री० डर; बीक
भीतर अ० अंदर (२) पु० अंत:करण (३) जनानखानु
भीतरका, भीतरी वि० अंदरनु; गुप्त
भीति स्त्री० [स] जुओ 'भीत' मा
भीनना अ०क्रि० तरबोळ थवु; भींजवु; भीनु थवु
भीना पु० बनेवी (२) वि० भीनु (३) आछु; हलकुं (रंग के वास)
भीम वि०[स] मोटु; प्रचंड(२)भयानक
भीर स्त्री० (प) जुओ 'भीड' (२) वि० भीरु; डरपोक
भीरु वि०[सं] डरपोक; कायर. ०ता [स], ०ताई (प) स्त्री० कायरता
भील पु० भील जातिनो माणस
भीलनी स्त्री० 'भिल्नी'; भीलडी
भीषण, भीष्म वि०[स.] उग्र; घोर (२) भयानक
भुंई स्त्री० (प) भोंय; भूमि; 'भुइँ'
भुंइध(-ह)रा पु० भोंयरु
भुंजना अ०क्रि० भूंजावु; शेकावु
भुंडा वि० शींगडा विनानु (पशु) (२) (प) भूंडु; खराब
भुअंग(०म) पु० (प.) भुजंग; साप
भुअन पु० (प.) भुवन
भुआर(–ल) पु० (प) भूपाल
भुई स्त्री० (प) जुओ 'भुंई'. ०कंप, ०चाल, ०डोल पु० भूकंप
भुक्खड़ वि० भूख्यु के भूखाळवु (२) दरिद्र

भुक्त वि०[स] भोगवेलु (२) खाधेलु –क्ति स्त्री० भोजन (२) उपभोग
भुखमरा वि० भूखे मरतु. –री स्त्री० भूखमरो
भुगतना स०क्रि० भोगववु; सहवु (२) अ०क्रि० चूकते के पूरु थवु (३) वीतवु
भुगतान पु० चुकादो; फेंसलो; पतावट
भुच्च(०ड़) वि० मूर्ख
भुजंग पु० [स] साप
भुज पु० [स] हाथ; भुजा. ०ग पु० साप
भुजा स्त्री० [स] हाथ; बाहु
भुजाली स्त्री० छरो; कुकरी
भुजिया पु० उकाळेली डांगरना चोखा (२) भजियु; तळेलु शाक
भुजी स्त्री० भाजीनु तैयार शाक
भुट्टा पु० भुट्टो (२) जुवार बाजरीनु डूंडु
भुनगा पु० पतंगियु
भुनना अ०क्रि० भूंजावु; शेकावु (२) मोटो सिक्को के नोट वटाववी
भुनभुनाना अ०क्रि० (मनमां चिडाई) गणगणवु; बबडवु
भुनाना स० क्रि० (मोटो सिक्को) वटाववो; परचूरण करवु
भुरकना अ०क्रि० सुकाईने छूटु पडी जवु – भभरु थई जवु
भुरक(–कु)स पु० भूको; चूर्ण. –निकलना = आदो नीकळवो (२) नाश पामवु [= खूब मारवु, पीटवु
भुरता पु० जुओ 'भरता' –कर देना
भुरभुरा वि० भभरु; कण कण छूटा पडी जाय एवु [अ०क्रि० भभरावु
भुरभुराना अ०क्रि० जुओ 'भुरकना' (२)
भुलक्कड़ वि० भूलकणु
भुलवाना, भुलाना स०क्रि० भूलाववु

भुलावा पु० भुलावो; भ्रम; भूलमा नाखे एवी युक्ति. –देना = भुलावामा नाखवु
भुवंग(०म) पु० (प.) भुजग; साप
भुव स्त्री० (प.) भू; पृथ्वी
भुवन पु० [स] जगत; लोक
भुवार(–ल) पु० (प.) भूपाल
भुस पु०, –सी (प.) स्त्री० जुओ 'भूसा'
भूँकना अ०क्रि० (कूतरानु) भसवु (२) व्यर्थ बकवु
भूँचाल, भूँडोल पु० भूकप
भूँजना स०क्रि० शेकवु (२) तळवु (३) सतावव; दुख देवु
भूँसना अ०क्रि० (प) भसवु
भू स्त्री० [सं] भूमि; जमीन
भूआ(–वा) पु० रू (शीमळानु)
भूकंप पु० [स.] धरतीकंप
भूक,–ख स्त्री० भूख (२) इच्छा (३) ताण; तंगी. –मरना, भूखो मरना = भूखे मरवु
भूखण,–न पु० (प.) भूषण
भूखा वि० भूख्यु [भूस्तर
भूगर्भ पु० [स] पृथ्वीनो अंदरनो भाग;
भूगोल पु० [स] पृथ्वीनो गोळो के तेनी विद्या–भूगोळ
भूचाल, भूडोल पु० भूकप
भूत वि० [स.] थई गयेलु (२) पुं० पचमहाभूत (३) प्राणी (४) भूतप्रेत (५) भूतकाळ
भूतल पु० [स] पृथ्वीनी सपाटी; भूतळ
भूति स्त्री० [स] थवु ते; उत्पत्ति (२) वैभव (३) भभूति; राख
भूतिनी स्त्री० भूतडी
भूदेव पु० [सं.] ब्राह्मण [भगवान
भूधर पु० [सं.] पहाड (२) राजा (३)
भूनना स०क्रि० भूंजवु; शेकवु (२) तळवु
भूप,०ति,–पाल पु० [स.] राजा
भूभल, भूभुरि (प.) स्त्री० भरसाडना जेवी गरम राख, रेती, धूळ वगेरे
भूमि स्त्री० [स.] जमीन. ०का स्त्री० आमुख; प्रस्तावना (२) पार्श्वभूमि. ०जीवी पु० खेडूत
भूमिया पु० जमीनदार (२) ग्रामदेवता
भूमिहार पु० उत्तर हिंदनी एक जात
भूय(–र)सी दक्षिणा स्त्री० भूरसी दक्षिणा [(प.)
भूर वि० भूरि; बहु ०पूर वि० भरपूर
भूरा वि० कथ्थई के छीकणीना रगने मळतु; 'ब्राउन'
भूरि वि० [स] बहु; खूब
भूर्जपत्र पु० [स] भोजपत्र
भूल,०चूक स्त्री० खामी; चूक
भूलना स०क्रि० भूलवु; वीसरवु (२) भूल खावी; भुलावामा पडवु
भूलभुलैयाँ स्त्री० भुलभुलामणी (२) बहु गूंचवाडावाळी वात के घटना
भूलोक पु० [स] पृथ्वी
भूवा पु० (प) जुओ 'भूआ'
भूषण पु० [स.] शणगार; घरेणु
भूषा स्त्री०[स.] शणगार;सजावट. –षित वि० सज्ज; शणगारेलु
भूसा पु० भूसुं; घउ, जुवार इ०नां डूडा के ढूणसानु गोतु; कुशका
भूसी स्त्री० जुओ 'भूसा' (२) कुशकी
भृंग पु०[सं] भमरो. –गी स्त्री० भमरी
भृकुटी स्त्री० [स.] आखनी भमर
भृत्य पु० [सं.] सेवक; नोकर; दास
भेंगा वि० वाडु
भेंट स्त्री० भेट (मुलाकात के उपहार)

भोरा वि० (प) भोळु; 'भोर'
भोला वि० भोळु; सरळ (२) मूर्ख
भोलाभाला वि० भोळुभाळु; साव भोळु
भौं स्त्री० जुओ 'भौह' (२) अ० कूतरानो अवाज
भौंकना अ०क्रि० जुओ 'भूंकना'; भसवु (२) बक बक करवु
भौंतुवा पु० एक जीवडु (२) हाथनो एक रोग (३) घाणीनो बेल
भौंर पु० भमरो (२) पाणीनो भमरो
भौंरा पु० भमरो (२) एक रमकडु (३) भरवाडनो कूतरो (४) भोयरु
भौंरी स्त्री० 'भॉवर';चोरीमा वरकन्यानो फेरो (२) वाळनो के पाणीनो भमरो
भौंह स्त्री० भमर; भृकुटी **–चढ़ाना, –तानना**=भमरो चडाववी, गुस्से थवु. **–जोहना**=खुशामत करवी
भौंहरा पु० (प) भोयरु
भौगोलिक वि० [स] भूगोल विषेनु
भौचक वि० स्तभित; चकित
भौज, भौजाई स्त्री० भोजाई, भाभी
भौतिक वि०[स] पचभूत सबधी, जड; पार्थिव (२) भूतप्रेत सबधी
भौम वि०[स.] भूमि सबधी; पार्थिव. **०वार** पु० मगळवार
भौमिक पु०[स] भूमिपति; जमीनदार (२) वि० भूमि सबधी
भ्रंश(–स) पु० [स] पतन; नाश
भ्रम पु०[स]भ्राति, सदेह; खोटो आभास
भ्रमण[स],–न (प) पु० भमवु–फरवु ते
भ्रमना अ०क्रि० (प) भ्रममा के भुलावामा पडवु (२) भमवु
भ्रमर पु० [स] भमरो
भ्रमी वि०[स] भ्रमित (२) चकित (३) भमतु
भ्रष्ट वि० [स] पतित, खराब
भ्रांत वि०[स] भ्रममा पडेलु; भूलेलु (२) गभरायेलु
भ्राति स्त्री०[स]भ्रम;सदेह (२)भूल;मोह
भ्रात (प), –ता [स] पु० भाई
भ्रामक वि० [स] भ्रम करावे एवु
भ्रामर पु० [स] मध
भ्रुकुटि,–टी स्त्री० भ्रूकुटी, भमर; भवु
भ्रू स्त्री० [स] आखनी भमर. **०कुटि (–टी)** स्त्री० भवु
भ्रूण पु० गर्भमानु बाळक

म

मंगता(–न) पु० मागण; भिखारी
मँगनी स्त्री० उछीनु लेवु ते (२) मागु
मंगल पु० [स] कल्याण; शुभ (२) मगळ ग्रह के वार (३) वि० शुभ
मंगलसूत्र पु० [स] मगळनु काडे बधातु नाडु (२) स्त्रीनु मगळसूत्र
मंगलाचरण पु० [स] आरभे मगळ करवा गवातु गीत के स्तुति
मगलामुखी स्त्री० वेश्या
मगली वि० मगळ ग्रहनी कुडळीवाळु
मँगवाना, मँगाना स०क्रि० मगाववु
मँगेतर वि० जेनु कोईने माटे मागु थयु होय तेवु; मागु करायेलु
मंगोल पु० (उत्तर एशियानी) मॉगोल जाति
मच,०क पु० मच; व्यासपीठ

मंजन पुं० दतमजन (२) (प) स्नान; मज्जन
मँजना अ०क्रि० मजावु (२) अभ्यास होवो
मंजना स०क्रि० (प) मांजवु
मंज़र पु० [अ] दृश्य [माजर
मंजरी स्त्री० [स.] कूपळ (२) मोर;
मँजाई स्त्री० माजवु ते [माजारी
मंजार पु० विलाडो. –री स्त्री० विलाडी;
मंज़िल स्त्री० [अ] मजल; उतारो; पडाव (२) मकाननो खड –मारना=दूर मजल करवी (२) भारे मोटु काम करवु; मुश्केली पार करवी
मज़िलत स्त्री० [अ] पद; होद्दो
मजिष्ठा स्त्री० [स] मजीठ; एक औषधि
मंजीर पु० [सं] झाझर; नूपुर
मजु,०ल वि० [स.] सुदर; रम्य
मंजूर वि० [अ] स्वीकारेलु; मजूर. –री स्त्री० मजूरी; समति
मंजूषा स्त्री० [सं] पेटी; डब्बो (२) मजीठ
मँझधार स्त्री० जुओ 'मझधार'
मँझला वि० मझलु; वच्चेनु
मँझा पु० 'मांझा', माजो (२) वि० मध्यनु –देना=दोर पावो
मँझा(–झिया)ना स०क्रि० चालीने नदी पार करवी
मँझार(–रि) अ०(प) वचमा, मोझार
मँझियाना स०क्रि० जुओ 'मँझाना'
मंड पु० [सं] भातनु ओसामण; 'मांड'
मडन पु० [स.] माडवु, सजीने गोठववु ते ('खडन'थी ऊलटु)
मंडप पु० [स] मडप; माडवो
मडर पु० (प) जुओ 'मडल'
मँडरना स०क्रि० (प) चारे बाजुथी घेरवु
मँडरा(–ला)ना अ०क्रि० चक्कर चक्कर फरवु (२) चोतरफ फरवु

मंडल पु० [स.] मडळ; गोळ; चक्र (२) मडळी; समूह. –लाकार वि० गोळ
मँडलाना अ०क्रि० जुओ 'मँडराना'
मंडली स्त्री० मडळी; टोळी (२) पु० वडनु झाड (३) सूर्य
मडलीक पु० माडळिक; राजा
मँडवा पु० माडवो; मडप
मडित वि० [स] सज्ज; शणगारेलुं
मंडी स्त्री० हाट; मोटु बजार. –लगना = बजार भरावु
मँडुआ पु० एक जातनु धान
मडूक पु० [स] देडको; 'मेंढक'
मंत पु० (प.) मत्रणा; सलाह (२) मत्र
मतव्य पु० [स.] मत; विचार; मान्यता
मतिक पु० [अ] तर्कशास्त्र
मंत्र पु० [स] मत्रणा; सलाह (२) मत्र (जपनो, वेदनो इ०)
मंत्रणा स्त्री० [स] सलाह; मसलत
मंत्री पु० [स] सलाहकार; मसलत करनार (२) सचिव; प्रधान ०मंडल पु० प्रधान-मडळ; कॅबिनेट
मंथन पु० [स] वलोववु ते (२) ऊंडी विचारणा के चितन
मंथर वि० [स] मद, सुस्त; जड (२) पु० माखण (३) दूत
मद वि० [स] धीमु (२) ढीलु (३) ओछु; नबळु (४) [फा.] '–वाळु' अर्थनो प्रत्यय, जेम के अकलमद [एक बाजु
मँदरा, –ला वि० ठीगणु; गट्टु (२) पु०
मंदा वि० मद; धीमु के ढीलु (२) सस्तु (३) हलकी जातनु [आकाशगगा
मदाकिनी स्त्री० [स.] एक नदी (२)
मदाग्नि स्त्री० [स.] मद पाचनशक्ति
मदिर पु० [सं.] घर (२) देवमंदिर

मंदी स्त्री० भावतालनी मदी; सस्ताई
मंद्र पु० [स] त्रण स्वर–सप्तकमांनु पहेलु सप्तक (२) वि० गभीर (ध्वनि)
मंशा पु०[अ] मनीषा; इच्छा (२) आशय
मंसब पु०[अ.] पद; होद्दो (२) कार्य
मंसा स्त्री० जुओ 'मंशा'
मंसूख वि०[अ] रद करेलु; बातल
मअदिन पु० [अ] धातुनी खाण
मअदिनियात स्त्री०[अ] खनिज; धातु
मअबूद पु० [अ] आराध्य; ईश्वर
मअरूज़ वि०[अ.] अरज करेलु; निवेदित
मअलूल वि० [अ] तर्कसिद्ध (२) पु० निष्कर्ष; सार [रक्षा करे
मआज़-अल्लाह श०प्र० [अ] ईश्वर
मआनी पु०[अ.] मायनो; अर्थ; उद्देश
मआश स्त्री०[अ] आजीविका; निर्वाह
मआशरत स्त्री० [अ] समूहजीवन
मई स्त्री० मे महिनो
मक(–का)ई स्त्री० मकाई
मकड़ा पु० मोटी 'मकडी'
मकड़ी स्त्री० करोळियो
मकतब पु० [अ.] मदरेसा; निशाळ
मकतल पु० [अ.] कतलनु स्थान
मकता पु० [अ०] मकतो; गझलनी छेल्ली कडी [लखेलु
मकतूब पु० [अ.] पत्र; लेख (२) वि०
मकतूल वि० [अ] कतल करायेलु (२) प्रेमी [प्रदेश
मकदूनिया पु०(सिकदरनो मेसिडोनिया)
मकदूर पु० [अ.] मगदूर; शक्ति
मकनातीस पु० [अ] चुवक पथ्थर
मकफूल वि० [अ.] गीरो राखेलु
मक़बरा पु० [अ.] मकबरो; रोजो
मकबूज़ा वि० [अ.] कवजे करायेलु; वश

मकबूल वि० [अ] कबूलेलु; मानेलु (२) सरस; प्रिय; पसद करायेलु. –लियत स्त्री० लोकप्रियता
मकरंद पु० [स.] पराग; फूलनु केसर –मध (२) भ्रमर
मकर पु० [स.] मगर के ते राशि (२) माछली (३) [फा.] जुओ 'मक्र'. ०ध्वज पु०कामदेव.०संक्रांति स्त्री० उतराण
मकरूज़ वि० [अ.] करजदार
मकरूह वि० [अ] घृणापात्र; गदु ने खराब; नापाक
मक़बूब वि० [अ.] ऊधु; ऊलटुं
मक़सद पु० [अ.] मकसद; मुराद; आशय
मकसूद वि० [अ.] धारेलु; अभिप्रेत
मकसूम वि० [अ.] विभक्त; वहेंचायेलु (२) पु० तगदीर
मकाद स्त्री० [अ.] पूछडु; गुदा
मकान पु० [अ.] रहेवानु घर (२) इमारत –नात पु० व०व० [अ.]
मकाम पु० [अ] मुकाम; स्थान
मकाफ़ात स्त्री० [अ.] पापनु फळ (२) बदलो [करारनामु
मकाला पु० [अ.] ग्रथ (२) प्रकरण (३)
मकु अ० (प.) भले; चाहे
मकुना पु० दात वगरनो हाथी (२) मूछ वगरनो–वडमूछो माणस
मकूला पु० [अ.] कहेवत; उखाणो
मकोड़ा पु० मकोडो
मकोय स्त्री० एक औषधि
मक्कर पु० जुओ 'मकर, मक्र'; दगो
मक्का पु० मकाई (२) मक्का नगरी
मक्कार वि०[अ] फरेबी; दगाबाज; मक्करबाज. (नाम, –री स्त्री०)
मक्खन पु० माखण

मक्खी स्त्री० माखी ०कागज़ पु० माखो मारवानो एक कागळ ०चूस वि० कजूस –छोड़ना हाथी निगलना= नानी भूलथी बचवु पण क्याक मोटी करी बेसवु. –मारना=माखो मारवी; नवरा बेसी रहेवु

मक्र पु० [अ] 'मकर'; फरेब; दगो

मक्षिका स्त्री० [सं.] माखी

मख पु० [सं.] यज्ञ

मख़ज़न पु०[अ] खजानो (२) शब्दकोष

मख़तूल पु० काळु रेशम. –ली वि० तेनु बनेलु

मख़दूम पु० [अ.] शेठ; स्वामी; सेव्य

मख़दूश वि० [अ] जोखम भरेलु

मखन पु० (प) माखण. –निया पु० माखण वेचनार (२) वि० माखण काढी लीधेलु (दूध)

मखफी वि० जुओ 'मख़्फ़ी'

मख़मल स्त्री०[अ] मखमल कपडु –ली तेनु बनेलु के तेना जेवु

मख़मसा पु०[अ] प्रश्न के प्रसंग; झघडो

मख़मूर वि० [अ] नशामा चकचूर

मख़रज पु०[अ.] मूळ; ऊगम (२) शब्दनी व्युत्पत्ति (३) मो [सृष्टि

मख़लूक वि०[अ] रचेलु; सृष्ट (२) स्त्री०

मख़लूकात स्त्री०[अ] सृष्टिना जीवजंतु

मख़लूत वि० [अ.] मिश्र

मख़सूस वि० [अ] खास; विशेष

मख़ौल पु० मश्करी; ठठ्ठो

मख़ौलिया पु० मश्करो

मख़्फ़ी वि० [अ] छूपु; गुप्त

मग पु० (प) मार्ग; रस्तो

मग़ज़ पु० मगज (भेजु; फळनो गर); –खाना, –चाटना = मगज खावु; भेजु पकववु. ०चट वि० मगज खानारु; बोली बोलीने हेरान करनारु ०चट्टी, ०पच्ची स्त्री० मगजमारी; मायाकूट

मग़ज़ी स्त्री० मुगजी; गोट [लाडु

मगदल पु० मगदळ; मगनो के अडदनो

मगन वि० मग्न; लीन; डूबेलु (२) खुश; राजी

मग़फ़रत स्त्री० [अ] क्षमा; माफी

मग़फ़ूर वि० [अ] मृत; स्वर्गस्थ

मग़मूम वि० [अ.] दुःखी; व्यथित; उदास

मगर पु० मगर प्राणी ०मच्छ पु० मगर (२) मोटो मच्छ

मगर अ० [फा.] पण; परंतु

मग़रिब पु० [अ] पश्चिम दिशा. –की नमाज़=साजनी नमाज. –बी वि० पश्चिमनु

मगरूर वि० [अ.] मगरूर; अभिमानी (नाम, –री)

मग़लूब वि० पराजित; हारेलु; दबायेलु

मगस स्त्री० [अ.] माखी (२) मधमाख

मगस(–सि)र पु० मागशर मास

मग्ज़ पु० [अ.] मगज; भेजु. ०चट्टी, ०पच्ची स्त्री० मगजमारी. ०रोशन स्त्री० छीकणी

मग्ज़ी स्त्री० जुओ 'मग़ज़ी'

मग्न वि० [सं.] तन्मय; लीन (२) डूबेलु

मघवा पु० [सं.] इंद्र [पीडा

मचक स्त्री० दबाववु ते के तेथी थती

मचकना स०क्रि० जोरथी हलाववु के दबाववु जेथी 'मच मच' थाय

मचना अ०क्रि० शोरबकोरवाळु काम शरू थवु (२) फेलावु; मचवु; जामवु

मचल स्त्री० हठ

मचलना अ०क्रि० हठ करवी

मचला वि० जिद्दी (२) जाणीबूजीने न बोले एवु; मीढु

मचलाना अ०क्रि० ऊलटी थवा जेवु लागवु (२) स०क्रि० 'मचलना'नु प्रेरक

मचवा पु० खाटलो के तेनो पायो (२) मछवो; नाव

मचान स्त्री० शिकारनी माची के खेतरनो माळो

मचाना स०क्रि० मचाववु; जमाववु (कर्मणि, **मचना**)

मचिया स्त्री० पलगडी

मच्छ पु० मच्छ; मोटु माछलु

मच्छड़(-र) पु० मच्छर. **०दानी** स्त्री० 'मसहरी'; मच्छरदानी

मच्छी, मछली स्त्री० माछली

मच्छी(-छली)मार पु० माछी

मछवा पु० माछीनो मछवो-होडी

मछुआ(-वा), मछेरा पु० माछी

मज़कूर(-रा), मज़कूर ए बाला वि० [अ] उपरोक्त; आगळ कहेलु; मजकूर

मज़कूरी पु० [फा] समन्स बजावनार पटावाळो के बेलीफ (२) गामनी सामान्य सहियारी जमीन

मज़दूर पु० [फा] मजूर. **०नी,-रिनी** स्त्री० मजूरण. **-री** स्त्री० मजूरी

मजनूं वि० [अ] मजनू; प्रेमघेलु (२) दूबळा शरीरनु [वधस्थान

मजबह पु० [अ] झबे करवानी जगा;

मज़बूत वि० [अ.] दृढ; मजबूत (२) हृष्टपुष्ट; बळवान; तगडु. **-ती** स्त्री०

मजबूर वि०[अ.] लाचार; अवश. **०न्** अ०[अ] लाचारीथी; नछूटके. **-री** स्त्री० लाचारी; नाछूटको

मजमा पु०[अ] भीड के भीडनी जगा

मजमूआ पु० [अ.] संग्रह (२) वि० सघरेलु. **०जाबिता दीवानी** पु० दीवानी केसना विधिनो कायदो; 'सिविल प्रोसीजर कोड'. **०जाबिता फ़ौजदारी** पु० फोजदारी कामोना विधिनो कायदो; 'क्रिमिनल प्रोसीजर कोड'

मजमूई वि० [अ] कुल; बधु

मज़मून पु०[अ] लेख के तेनो विषय. **-बाँधना** = गद्यपद्यमा नवु लखवु. **-मिलना, -लड़ना** = बे जणनी कृतिना भाव मळता आववा

मज़रअ पु० [अ] खेतर (२) गाम

मजरिया वि० चालु; जारी

मज़रूआ वि०[अ] खेडीने वावेलु (खेतर)

मज़रूह वि० [अ.] घायल; जखमी

मजल स्त्री० जुओ 'मंज़िल'; पडाव. **-मारना**=लांबु चालवु (२) भारे काम करी पाडवु

मजलिस स्त्री०[अ] सभा; मडळी (२) नाचनो जलसो (३) मिजलस. **-सी** वि० सभा सबधी (२) पु० सभासद

मज़लूम वि०[अ] जुलमनु भोग बनेलु

मज़हका पु० [अ] मजाक, हासी

मज़हब पु० [अ.] धर्म, सप्रदाय

मज़हबी वि० [अ] धार्मिक (२) पु० भगीकाम करनार शीख

मज़हूल वि०[अ]सुस्त;आळसु(२)थाकेलु (३) अप्रसिद्ध (४) [व्या.] सह्य (भेद)

मज़ा पु०[फा.] स्वाद (२) आनद; सुख (३) मजाक. **-चखाना** = गुना बदल सजा करवी [स्वाद

मज़ाक पु० [अ] मजाक (२) रुचि;

मज़ाक़न् अ० [अ.] मजाकमा; हासीमा

मज़ाकिया वि० [अ.] मजाकी; मश्करं

मजाज़ वि० [अ] बनावटी (२) पु० अधिकार; हक [प्रमाणे
मजाज़न् अ० [अ] नियमसर; कायदा
मजाज़ी वि० [अ.] बनावटी (२) सांसारिक
मज़ार पु० [अ.] कबर; समाधि के मकबरो
मजारि, –री स्त्री० (प.) माजारी; बिलाडी [बळ, मगदूर
मजाल स्त्री० [अ] मजाल; ताकत;
मज़ाहिब पु० [अ] 'मज़हब' नु ब०व०
मजिस्टर, मजिस्ट्रेट पु० [इ] मॅजिस्ट्रेट
मजिस्ट्रेटी स्त्री० मॅजिस्ट्रेटनु पद के तेनी कचेरी
मजीठ स्त्री० मजीठ; एक ओषधि. –ठी वि० मजीठियु; लाल
मजीद वि० [अ.] पवित्र (२) वडु (३) पु० कुरान [अधिक
मज़ीद पु० [अ.] अधिकता (२) वि०
मजीरा पु० मजीरो [–री'
मजूर पु०, –री स्त्री० जुओ 'मजदूर,
मज़ेदार वि० [फा] मजानु (२)स्वादिष्ट (३) सरस –री स्त्री० स्वाद; मजा
मज्जन पु० [स] स्नान [मज्जा
मज्जा स्त्री० [स.] हाडकानी अदरनी
मझधार स्त्री० (नदीनो) मध्य धारा (२) मध्य; वच
मझला वि० मझलु; वच्चेनु
मझाना अ०क्रि० दाखल थवु; पेसवु
मझार अ० (प.) मोझार; मध्ये
मझियारा वि० (प) मझलु; वचलु
मझोला वि० मझलु; वचलु (२) मध्यम कदनु
मझोली स्त्री० एक जातनी बळदगाडी

मटक स्त्री० चाल; गति (२) मटको; लटकमटक
मटकना अ०क्रि० मटको करीने चालवु (२) आख मटमटाववी
मटका पु० मटकु; माटलुं
मटकी स्त्री० मटकी; माटली (२) मटको; चाळो
मटकीला वि० लटकमटकवाळु
मटमँगरा पु० वरघ जेवो एक लग्नविधि
मटमैला वि० माटीना रगनु
मटर पु० वटाणा
मटरगश्त पु०, –श्ती स्त्री० महेल-सपाटो (२) फरवु ते; सहेल
मटियाना स०क्रि० माटीथी माजवु (२) माटीथी ढाकवु (३) वात टाळवी; ध्यान पर न लेवी
मटियाफूस वि० साव फूस – नबळु
मटियामसान,मटियामेट वि० सत्यानाश; नष्टप्राय, 'मलियामेट'
मटियाला, मटीला वि० जुओ 'मटमैला'
मटुका पु० मटकु. –किया,–की स्त्री० मटकी
मट्टी स्त्री० 'मिट्टी'; माटी
मट्ठर वि० सुस्त; जड
मट्ठा, मठा पु० छास [धाम
मठ पु०[स] साधु सन्यासीनो निवास-
मठरना पु० सोनी कसारानु एक ओजार
मठा पु० जुओ 'मट्ठा'
मठाधीश पु०[सं.] मठनो मुख्य – महंत
मठिया स्त्री० नानो मठ; 'मढी' (२) एक जातनी चूडी
मठी स्त्री० नानो मठ (२) पु० मठाधीश
मठोर स्त्री० वलोणानी गोळी
मड़ई स्त्री० नानो मांडवो; झूंपडी

मड़वा पु० 'मँडवा'; माडवो
मड़ुआ पु० जुओ 'मँडुआ'
मड़ैया स्त्री० जुओ 'मड़ई'
मढ़ वि० अडियल (२) पु० मठ
मढ़ना स०क्रि० मढवु
मढ़वाना, मढ़ाना स०क्रि० 'मढ़ना' नु [प्रेरक
मढ़ाई स्त्री० मढामण
मढ़ी स्त्री० मढी; झूपडी (२) नानो मठ
मणि स्त्री०[स.] मणि; रत्न. ०धर पु० साप. ०बंध पु० कांडु
मतंग पु०[स] हाथी (२) वादळ. -गी पु० हाथीनो सवार
मत पु०[स.] मत; अभिप्राय (२) सप्रदाय; [पथ
मत अ० ना; नहि (२) स्त्री० (प.) जुओ 'मति'
मतन पु० [अ.] मध्य भाग (२) वि० [दृढ; पाकु
मतबख़ पु० [अ] रसोडु
मतबा पु० [अ] छापखानु
मतब्ब पु० [अ] दवाखानु
मतरूक वि० [अ.] छोडायेलु; त्यक्त
मतलब पु०[अ.] मतलब; आशय (२) अर्थ (३) स्वार्थ (४) सबंध; लेवादेवा. -गाँठना,-निकालना=मतलब काढवी, ते सरे एम करवु. -हो जाना=मतलब सरवो (२) बूरा हाल थवा (३) खतम थई जवु. -बी वि० स्वार्थी
मतला पु०[अ] पूर्व दिशा (२) गजलनी पहेली बे कडी. -साफ होना=आकाश चोख्खु थवु (२) मुश्केली दूर थवी
मतली स्त्री० ऊलटी थाय एवु थवुं ते
मतलूब वि०[अ.] चाहेलु; इष्ट; अभिप्रेत. -बा वि०स्त्री० माशूक
मतवार(-रा) (प), -ला वि० मदमस्त; केफथी चकचूर (२) पागल
मतांतर पु० [सं.] बीजो मत; मतभेद
मताधिकार पु० [स] मत आपवानो हक. -री पु० मतदार
मतानत स्त्री० [अ.] दृढता; मजबूती
मतालिब पु० 'मतलब' नु ब० व०
मति स्त्री० [सं.] बुद्धि (२) सलाह (३) इच्छा
मति, -ती अ० (प) 'मत'; ना
मतीन वि० [अ] दृढ; पाकु
मतीरा पु० तडबूच
मतेई स्त्री० (प.) सावकी मा
मत्कुण पु० [सं] माकण
मत्त वि० [सं.] मस्त; मदवाळु, छकेल (२) प्रसन्न; खुश [नमवु
मत्था पु० माथु. -टेकना=माथु नमाववु;
मत्सर पु० [स] दाझ; ईर्षा (२) क्रोध. -री वि० ईर्षाळु
मत्स्य पु० [स] माछलु
मथन पु० [स] मंथन; मथवु ते
मथना स०क्रि० मथवु; वलोववु (२) नाश करवो (३) श्रमपूर्वक काई करवु
मथनी स्त्री० वलोणानी गोळी (२) वलोववु ते के तेनु साधन-वास
मथवाह पु० हाथीनो महावत
मथानी स्त्री० वलोववानो वास. -पड़ना, -बहना=खळभळाट मचवो
मद स्त्री० [अ] विभाग (२) खातु (३) पु० [सं] मद (४) वि० मत्त; मदवाळु
मदक स्त्री० अफीणना सत्त्वनो चलममा पीवानो एक पदार्थ
मदकची पु० मदक पीनार
मदक(-ग)ल वि०[सं] मत्त; 'मतवारा'
मदख़ल वि०[अ.] दाखल के जमा करेलु
मदख़ूला स्त्री० [अ] रखात

मदद स्त्री० [अ०] मदद; सहाय ०गार वि० सहायक
मदन पु० [सं] कामदेव
मदफन पु० [अ] कबर के कबरस्तान
मदफून वि० [अ] दाटेलु; दफनावेलु
मद(-दी)यून वि०[अ] देवादार; ऋणी
मदरसा पु० मदरेसा; शाळा
मदह स्त्री० [अ.] प्रशसा; तारीफ
मद-होश वि० मदमत्त (नाम, -शी)
मदाखिल स्त्री० [अ] आमदानी
मदाखिलत स्त्री०[अ.]अधिकार जमाववो ते (२) दखल करवी के रोकवु ते. ०बेजा स्त्री० अनधिकार प्रवेश के दखल
मदार पु० आकडो (२) [अ] मदार; आधार (३) एक पीरनु नाम
मदारात स्त्री० [अ] 'मदार' नु ब०व०
मदारी पुं० रीछ वानर इ०नो (सापनो नहि) खेल करनार; मदारी
मदिरा स्त्री० [स.] दारू
मदीय वि० [स.] मारु
मदीयून पु० जुओ 'मदयून'
मदीला वि० नशो चडे एवु; केफी
मदोन्मत्त वि०[स.] मदथी भरेलु; मदाध
मद्द पुं०[अ]भरती(२)स्त्री० 'मद'; खातु; विभाग ०व जजर पु० भरतीओट
मद्देनजर वि० [फा] नजर सामे होय तेवु; लक्षमा लीधेलु
मज्झिम वि० मध्यम; नाराथी ऊतरतु
मझे अ० मध्ये; वचमा (२) (ते) विषे; बाबतमा, माटे
मद्य पु०[स.] दारू ०प पु० दारूडियो
मद्रसा पु० [अ] जुओ 'मदरसा'
मधु पु०[स.] मध (२) दारू (३) वि० मीठु; मधुर. ०कर पु० भमरो. ०करी स्त्री० भमरी (२) भिक्षा. ०प पु० भमरो. ०पर्क पु० पंचामृत ०मक्खी, ०मक्षिका स्त्री० मधमाख. ०र वि० मीठु (२) सुदर; रुचिर (३) शात; धीमु; मद. ०राज पु० भमरो
मधुरिमा स्त्री० [स] मधुरता
मधूक पु० [स] महुडो के महुडु
मध्य पु०[स] वच (२) वि० वचलु. ०म वि० वचलु (२) पु० म स्वर (सगीत). ०मा स्त्री० वचली आगळी ०वर्ती वि० वचलु; केन्द्रीय ०स्थ पु० तटस्थ; पंच (२) वि० मध्यमा आवेलु
मध्याह्न पु० [स] बपोर
मध्ये अ० [स] जुओ 'मझे'
मन पु० मन; चित्त (२) मण (३) (प) मणि (४) स्त्री० कूवानी फरती पाळ
मनका पु० मणको (२)गरदननु कंठनी तरत ज उपरनु हाडकु
मनकूला वि०स्त्री०[अ] जगम(मिल्कत)
मनकूहा वि० [अ] परणेतर (स्त्री)
मन-गढ़त वि० कपोल-कल्पित, कल्पी ज लीधेलु (२) स्त्री० कल्पना ज मात्र
मनचला वि० हिमतवान; नीडर (२) रसिक [दृष्ट
मनचाहा, मनचीता वि० मनवाछित;
मनजर पु० [अ] दृश्य; देखाव
मनन पु० [स] चितन; ऊडो विचार
मनफी वि०[अ] कमी के बाद करेलु (२) (व्या) नकारवाचक [गमतु; प्रिय
मनभाया,-वता,-वन वि० (प) मनने
मनमाना,-नता वि० मनगमतु; धार्यु (२) मनमान्यु; खूब
मनमुटाव पु० अणबनाव; वैमनस्य
मनमौजी वि० मोजी; लहेरी

मनशा स्त्री० [अ.] जुओ 'मशा'
मनसब पु०[अ.] पद; होद्दो (२) अधिकार ०**दार** पु० अधिकारी. -**बी** वि० पद संबंधी
[अ० [स] मनथी
मनसा स्त्री० जुओ 'मनशा'; इच्छा (२)
मनसिज पु० [स] कामदेव
मनसूख़ वि० [अ] खोटु ठरावेलु; रद करेलु (२) त्यक्त; छोडेलु (नाम, -**ख़ी**)
मनसूबा पु०[अ.] युक्ति (२) मनसूबो; इरादो. -**बाँधना** = युक्ति विचारी राखवी; मनमा गोठवी राखवी
मनस्वी वि०[स] सारा मन के बुद्धिवाळु (२) मक्कम मनवाळु (३) मोजीलु; 'मनमौजी'
मनहर वि० मनोहर; सुदर
मनहुँ अ० (प.) मानो के; जेम के
मनहूस वि०[अ] अशुभ; अपशुकनियाळ (२) उदास; खिन्न. -**सी** स्त्री०
मना वि० [अ] मना करेलु; निषिद्ध. ०**ई**, ०**ही** स्त्री० मनाई
मनाक्(-ग्) वि० [स] थोडु
मनादी स्त्री० जुओ 'मुनादी'
मनाना स०क्रि० मनाववु (२) स्वीकाराववु
मनावन पु० मनामणी, रूठेलाने मनाववु ते
मनाही स्त्री० [अ] मनाई; निषेध
मनिहार पु० चुडगर. ०**न**, -**रिन**, -**री** स्त्री० चुडगर स्त्री
मनी स्त्री०[अ.] वीर्य (२) (प.) मान; अहकार (३) मणि
मनी आर्डर पु० [इ] मनी ऑर्डर
मनीषा स्त्री०[स] बुद्धि (२) इच्छा. -**षी** पु० बुद्धिमान; पंडित
मनुआँ(-वाँ) पु० मन (२) मनुष्य
मनुज,-**ष्य** पु० [स] माणस
मनुसाई स्त्री०(प.) माणसाई, पुरुषार्थ
मनुहार स्त्री० विनती; प्रार्थना (२) मनाववु-राजी करवु ते (३) खुशामत
मनेजर पु० [इ] मॅनेजर; व्यवस्थापक
मनोकामना स्त्री०[स] इच्छा, मछा
मनोगत वि०[स] मननु; दिलमा आवेलु (२) पु० इच्छा; विचार (३) कामदेव
मनोज पु० [स] कामदेव
मनोज्ञ वि० [स] मनोहर; सुदर
मनोनीत वि०[स] पसद करेलु; चूटेलु; 'निर्वाचित'
मनोरजक वि०[स] मनने राजी करे एवु -**न** पु० विनोद; मननो राजीपो
मनोरथ पु० [स] मनसूबो, इच्छा
मनोरम वि० [स] रम्य; सुदर
मनोरा पु० गोबरना भीत-चित्र जेने शणगारी दिवाळी बाद स्त्रीओ त्या गीत गाय छे ने खेले छे ०**झूमक** पु० एक प्रकारनु गीत
मनोविकार पु० [स] मननो भाव के वृत्ति या आवेग
मनोविज्ञान पु० [स] मानसशास्त्र
मनोविश्लेषण पु० [स] चित्तना भावोनी समीक्षा; 'साइको-एनेलिसिस'
मनोवृत्ति स्त्री० [स] मननी के चित्तनी वृत्ति-भाव
मनोव्यापार पु० [स] चित्तनु कामकाज
मनोहर, **मनोहारी** वि० [स] मनहर; सुदर; आकर्षक
मनौती, **मन्नत** स्त्री० मानता, बाधा. -**उतारना** या **बढाना** = मानता पूरी करवी -**मानना** = मानता मानवी के राखवी
मन्ज़र पु० [अ] जुओ 'मनज़र'

मन्नत स्त्री० जुओ 'मनौती'
मन्वंतर पु० [स] एक मनुनो अधिकार-काल (२) दुकाळ
मन्सूख वि० [अ.] जुओ 'मनसूख'
मन्सूब वि० [अ.] सबबवाळु (२) जेनु मागु थयु होय तेवु
मन्सूबा पु० [अ.] जुओ 'मनसूबा'
मफरूर वि० [अ] 'फरारी'; नासी के भागी गयेलो (गुनेगार)
मफहूम पु० [अ.] मुद्दो; वस्तु
मम स० [स] मारु. ०कार पु० पोतानी मालमता. ०ता स्त्री०, ०त्व पु० मारापणु; अहकार (२) भाव, हेत (३) मोह
ममनून वि० [अ] कृतज्ञ; आभारी; 'मश्कूर'
ममियाना अ०क्रि०(बकरीनु) वें वें करवु
ममिया ससुर पु० मामोससरो
ममिया सास स्त्री० मामीसासु
ममियौरा पु० मोसाळ
ममेरा भाई पु० मामानो दीकरो
मम्बा पु० [अ] झरणु (२) ऊगम
मयंक पु० मृगांक; चद्र
मयद पु० मृगेंद्र, सिंह
मय अ० [अ] जुओ 'मैं'; साथे (२) स्त्री० [फा.] दारू. ०कदा, ०खाना पु० दारूनु पीठु
मयगल पु० (प.) मेगळ, मदगळतो हाथी
मयस्सर वि० [अ] मळेलु; प्राप्त
मया स्त्री० (प) माया
मयार वि० (प) मायाळु; दयाळु
मयूख पु० [स.] किरण (२) प्रकाश
मयूर पु० [स] मोर
मरंद पु० मकरंद; पराग

मरकज़ पु० [अ] केन्द्र; मध्यस्थान. -ज़ी वि० केन्द्रीय; मध्यस्थ; मुख्य
मरकत पु० [सं.] एक जातनो हीरो
मरकद पु०[अ.] सूवानो ओरडो(२)कबर
मरकना अ०क्रि० दबावु; दबाईने तूटवु
मरकहा वि० मारकणु (ढोर-पशु)
मरकूम(-मा) वि० [अ] लखेलु
मर(-ल)गजा वि० मेलु; गदु; चूथायेलु (२) झाखु
मरगूब वि० [अ] प्रिय (२) सुदर
मरगोल(-ला) पु० [फा.] सगीतनी गिटकीडी
मरघट पु० समशान [कुटेव
मरज़ पु० [अ मर्ज़] मरज; रोग (२)
मरजिया, मरजीवा पु० मरजीवो (२) वि० मृतप्राय; अधमूउ (३) मरतु बचेलु
मरज़ी स्त्री०[अ] मरजी; खुशी (२) आज्ञा (३) स्वीकार
मरण,-न पु० [स] मोत; मृत्यु
मरतबा पु०[अ] मरतबो; मोभो (२) वारो; फेरो
मरतूब वि० [अ.] भीनु
मरद पु०(प.) मर्द; पुरुष. ०ई,-दानगी पौरुष. -दाना वि० मरद सबधी
मरदुम पु०[फा] माणस ०शुमारी स्त्री० वस्तीगणतरी. -मी स्त्री० मरदानगी
मरदूद वि० [अ.] नीच; तिरस्कृत
मरना अ०क्रि० मरवु
मरन पु०, मरनी स्त्री० मरण
मरनी-करनी स्त्री० अंत्येष्टि क्रिया
मरफा पु० [फा] ढोल; नगारो
मरभुक्खा वि० जुओ 'भुखाउ'
मरम पु० मर्म, रहस्य
मरमर पु०[यू]संगेमरमर, आरसपहाण

मरम्मत स्त्री०[अ.]मरामत; समारकाम. –करना = ठोकवु; मारवु
मरसा पु० एक शाक–भाजी
मरसिया पु०[अ] मरसियो; राजियो (२) मरणशोक
मरहट पु० (प.) 'मरघट'; स्मशान
मरहटा(–ठा) पु० (स्त्री० –ठिन) मराठो; महाराष्ट्री. –ठी स्त्री० मराठी भाषा (२) वि० मराठा सबधी
मरहवा अ० [अ] शाबाश; वाह वाह
मर(–ल)हम स्त्री० [अ.] मलम
मरहला पु० [अ.] जुओ 'मज़िल'. –तय करना = कठण काम पूरु करवु
मरहून वि० [अ.] गीरो मूकेलु
मरहूम वि० [अ०] स्वर्गस्थ
मराठा पु० मराठो; महाराष्ट्री –ठी स्त्री० मराठी भाषा
मरात स्त्री० [अ] स्त्री
मरातिब पु० [अ] 'मरतबा' नु ब०व० (२) क्रमिक अवस्थाओ; पगला
मराल पु० [स] हंस
मरिच पु० [स] काळु मरी. –चा पु० लाल मरचु [मा
मरियम स्त्री० [अ.] कुमारी (२) ईशुनी
मरियल वि० खूब दुर्बळ
मरी स्त्री० महामारी
मरीचि स्त्री०[स] किरण (२) पु० एक ऋषि. ०का स्त्री० मृगजळ –ची पु० सूर्य (२) चद्र
मरीज पु० [अ] बीमार; मादो
मरीना पु० मरीनो कापड
मरु पु० [स] रणभूमि [मोभारो
मरुआ(–वा) पु० डमरो (२) छापरानो
मरुत् पु० [स.] वायु
मरुद्विप पु० [स] ऊंट
मरुद्वीप पु० [स] रणद्वीप
मरुधर पु० मारवाड [भूमि; रण
मरुभूमि, मरुस्थ(–थ)ल पु० [स] मरु-
मरोड़ पु० पेटमा मरडावानी पीडा (२) मरडावु ते (३) क्रोध (४) गर्व. –खाना = चक्कर खावु (२) गूचवणमा पडवु –गहना = क्रोध करवो
मरोड़ना स०क्रि० मरडवु; आमळवु (२) दुःख देवु; पीडवु
मरोड़ा पु० मरोड; वळ (२) चूक; मरडो
मर्कट पु० [स] माकडु; वादरु –टी स्त्री० वांदरी
मर्ग पु० [फा] मरण
मर्गजार पु० [फा] लीलु मेदान
मर्ज़ पु० [अ] रोग; बीमारी
मर्ज़ी स्त्री० [अ] 'मरज़ी'
मर्तबा पु० [अ] जुओ 'मरतवा'
मर्तबान पु० अथाणा इ० नी बरणी; 'अमृतवान' [माणस (३) पृथ्वी
मर्त्य वि० [स] मरणधर्मी (२) पु०
मर्द पु० [फा.] मरद; पुरुष, ०क पु० मरद (तुच्छकारवाचक) –र्दानगी स्त्री० मरदानगी –र्दाना वि० मरद विषेनु. –र्दी स्त्री० मरदानगी
मर्दन पु० [स] चोळवु, मालिस करवु ते (२) ध्वस; नाश
मर्दानगी, मर्दाना, मर्दी जुओ 'मर्द' मा
मर्दुम पुं०[फा] माणस ०शुमारी स्त्री० [फा.] वस्तीगणतरी
मर्दुमी स्त्री० [फा.] मरदानगी
मर्म पु०[स.] रहस्य; भेद (२) शरीरनो नाजुक भाग. ०ज्ञ वि० मर्म जाणनार
मर्मर पु० जुओ 'मरमर'

मर्मवचन पु०[स] गूढ वचन (२) मर्ममा वागे एवु वचन
मर्मी वि० मर्मज्ञ; मर्म जाणनार
मर्या(-र्य्या)द (प.), -दा [स] स्त्री० हद, सीमा (२) आवरू; रीत
मलग पु० [फा.] एक जातनो फकीर
मल पु० [स] मळ; मेल; विकार
मलऊन वि० [अ.] निंद्य, शापित
मलक पु० [अ] देवदूत; फिरस्तो
मलका पु०[अ] प्रतिभा (२) दक्षता (३) स्त्री० महाराणी; बेगम; मलिका
मलखंभ, मलखम पु० मलखम(कसरतनो)
मलगजा वि० जुओ 'मरगजा'
मल(-ला)गिरी पु० आछो कथ्थई रंग
मलगोबा पु० [तुर्की] गदकी; मळ; मेल (२) कचरापटी
मलजूम वि० [अ] आवश्यक; जरूरी
मलना स०क्रि० मसळवु, मर्दन करवु; घसवु
मलफूज पु० [अ] सतमहात्मा के धर्माचार्यनु वचन
मलबा पु० कचरापटी (२) रोडा मटोडु वगेरे (भागेला मकाननो) काटरडो
मलबूस पु० [अ] पहेरवेश; पोशाक
मलमल स्त्री० मलमल वस्त्र
मलमास पु० [स.] अधिकमास
मलय पु० [सं.] चदन (२) केरळ के मलबार देश. ०ज पु० चदन -यानिल पु० मलयगिरिनो सुगंधी पवन
मलवाना स०क्रि० चोळावबु; घसावबु
मलहम पु० जुओ 'मरहम'; मलम
मलाई स्त्री० दूधनी मलाई (२) मार; [illegible] (३) 'मलना' परथी नाम
मलाट पु० आछो पूठानो (ब्राउन) कागळ

मलामत स्त्री० [अ] वडवु ते (२) गदगी; कचरो
मलार पु० मल्हार राग
मलाल पु०[अ] दुख (२) उदासीनता
मलाह पु० (प.) 'मल्लाह'; नाविक
मलाहत स्त्री० [अ] शामळापणु (२) चहेरानी कान्ति
मलिंद पु० (प) भमरो
मलिक पु० [अ] राजा (स्त्री० -का)
मलिन वि० [स] मेलु; गदु (२) पापी (३) धीमु; म्लान
मलियामेट पु० सत्यानाश, खुवारी
मलीदा पु०[फा] मलीदो; चूरमु (२) मुलायम ऊननु एक कापड
मलीन वि० (प) मलिन
मलूल वि०[अ] दुखी; शोकातुर, खिन्न (२) मादु; बीमार (३) थाकेलु
मलेरिया पु० [इ.] टाढियो ताव
मलोला पु० दुख (२) चिंता मलोले आना = दुख के पस्तावो थवो. -खाना = सहवु; खमवु
मल्ल पु०[स]मल; कुस्तीबाज पहेलवान. ०भूमि, ०शाला स्त्री० अखाडो. ०युद्ध पु० कुस्ती
मल्लार पु० [स] मल्हार राग
मल्लाह पु०[अ] माछी के होडीवाळो. -हिन स्त्री० माछण -ही स्त्री० माछीनो धधो (२) वि० माछी विषेनु
मल्हराना, मल्हाना, मल्हारना स०क्रि० मलावबु, लाड [illegible]
मवस्किल पु० [अ मुवक्किल] असील
मवाजिब पु० [अ] [illegible]
-[illegible], [illegible]
मवाज्ञी वि० [अ. मुवाज़ी] [illegible]

मवाद पु० [अ] पाच, परु (२) रद्दी के गदो भाग

मवास पु०[स] आश्रय के रक्षानु स्थान (२) किल्लो; गढ [किल्लेदार

मवासी स्त्री० नानो गढ (२) पु०

मवेशी पु० [अ] ढोर; जानवर

मवेशीखाना पु० ढोरनो तबेलो

मशक पु०[स] मच्छर (२) स्त्री०[फा] पाणीनी मशक ०**कुटी** स्त्री० मच्छर माटेनी चमरी ०**हरी** स्त्री०मच्छरदानी

मशकूक वि०[अ] शकवाळु; सदिग्ध

मशकूर वि०[अ] कृतज्ञ, 'मश्कूर'

मशक्कत स्त्री० [अ] महेनत, मजूरी; तकलीफ; मशागत

मशगला पु० [अ] विनोद; मनरजन

मशगूल वि० [अ] मशगूल; काममां रोकायेलु–मग्न (नाम, –**ली** स्त्री०)

मशरफ पु० [अ] ऊचु प्रतिष्ठानु स्थान

मशरिक पु० [अ] पूर्व दिशा (वि० –**की**)

मशरू पु० एक जातनु कपडु

मशवरत स्त्री० **मशव(–वि)रा** पु० [अ] सलाह; मसलत

मशहूर वि० [अ.] जाणीतु; प्रसिद्ध

मशा(–सा)न पु० मसाण; स्मशान

मशाल स्त्री० [अ] मशाल. ०**ची** पु० मशालवाळो [शेखी; गर्व

मशीखत स्त्री० [अ] वडीलपणु (२)

मशीन स्त्री० [इ] यत्र; 'कल'

मशीर पु० [अ] सलाहकार

मश्क स्त्री० [फा] मशक; पखाल

मश्क स्त्री० [अ] महावरो; अभ्यास

मश्कूर वि० [अ] कृतज्ञ; आभारी; 'ममनून' [के अभ्यासवाळु

मश्शाक वि० [अ] कुशळ (२) महावरा

मस पु० मच्छर (२) [अ] स्पर्श (३) स्त्री० ऊगती मूछ. –**भींजना**=मूछनो वाळ फूटवो

मसक पु० (२) स्त्री० जुओ 'मशक' (३) स्त्री० फसकी के फाटी जवु ते

मसकना स०क्रि० जोरथी दबाववु जेथी वस्तु फसकी–फाटी जाय (२) अ०क्रि० फसकी जवु; फाटवु

मसकरा पु० मश्करो; 'मस्खरा'

मसकला पु० –**ली** स्त्री० मसकलो; 'मिस्कला'

मसका पु० [फा.] मसको; माखण (२) ताजु घी (३) दहीनु पाणी

मसकीन वि० (प) जुओ 'मिसकीन'

मसखरा पु० जुओ 'मस्खरा' –**री** स्त्री० मश्करी

मसजिद स्त्री० [अ] मस्जिद

मसनद स्त्री० [अ] मोटो तकियो (२) (अमीरनी) गादी [चीज

मसनूअ पु० [अ] कारीगरीनी बनावेली

मसनूई वि० [अ] बनावटी; नकली

मसदर पु० [अ] मूळ; ऊगम (२) क्रियापदनो धातु

मसरफ पु० [अ] उपयोगिता

मसरूका वि० [अ.] चोरीनु; चोरेलु

मसरूफ़ वि०[अ.]मशगूल;काममां लागेलु

मसरूर वि० [अ] प्रसन्न; खुश

मसल स्त्री० [अ] कहेवत; लोकोक्ति

मसलख पु० [अ] कतलखानु

मसलन् अ० [अ] दाखला तरीके

मसलना स०क्रि० मसळवु (२) गूदवु

मसलहत स्त्री०[अ] मसलत; सतलस; गुप्त सलाह करवी ते

मसलहतन् अ०[अ] सलाहभेर; समजीने

मसला पु०[अ]विचारवानो विषय; प्रश्न
मसविदा पु० मसूदो; खरडो; 'मसौदा'. -बांधना=युक्ति के उपाय रचवो
मसहरी स्त्री० मच्छरदानी
मसा पु० मसो (२) मच्छर
मसाइब पु० [अ] 'मुसीबत' नु ब०व०
मसान पु० मसाण; श्मशान (२) भूत-पिशाच. -जगाना=स्मशानमा शवनो विधि करवो. -पडना=शून्यकार थवु
मसाना पु० [अ] मूत्राशय
मसानिया पु० मशाणियो; चंडाळ
मसानी स्त्री० डाकण
मसाफ पु०[अ] युद्ध (२) रणक्षेत्र
मसाफत स्त्री०[अ] अंतर; फासलो (२) श्रम [रोमकूप
मसाम पु० [अ] चामडी परनु छिद्र;
मसायल पु० [अ] 'मसला' नु ब०व०; प्रश्नो; समस्याओ
मसाल्हत स्त्री० मेळ के संधि करवी ते
मसाला पु० [फा] साधनसामग्री (२) मसालो. -लेदार वि० मसालावाळु; स्वादिष्ट [मापणी (२) मापवु ते
मसाहत स्त्री० [अ.] मसात; जमीन-
मसि स्त्री० [स] शाही (२) काजळ; मेंश. ०दानी स्त्री०, ०पात्र पु०शाहीनो खडियो. ०बिंदु पु० नजर न लागे ते माटे करातु मेंशनु टपकु
मसिय(-या)र पु० (प.) मशाल. -रा पु० मशालची
मसीत(-द) स्त्री० मसीद
मसीह(-हा) पु० [अ] ईशु ख्रिस्त (२) जीवनदाता ['मसीह' नु पद के कार्य
मसीहाई, मसीही पु० ख्रिस्ती (२) स्त्री०
मसूड़ा(-रा) पु० दांतनु पेढु

मसूर पु०, मसूरा स्त्री० [स] मसूरनी दाळ [ओरी
मसूरी(-रिका,-रिया) स्त्री० बळिया;
मसूस, ०न (प.) स्त्री० व्यथा; पीडा
मसू(-सो)सना अ०क्रि०मनमा पीडावु; अन्दर व्यथा थवी (२) अमळावु (३) स०क्रि० आमळवुं (४) निचोववु
मसौदा पु० मसूदो; खरडो. -गांठना, -बांधना=कोई काम करवानी युक्ति के योजना विचारवी
मसौदेबाज पु० युक्तिबाज; चालाक
मस्कन पु० [अ] मकान; घर
मस्करा (प), मस्खरा पु० [अ] मश्करो
मस्त वि० [फा.] मग्न, खुश, प्रसन्न (२) मदथी मस्त
मस्तक पु० [स] माथु
मस्तगी स्त्री० [अ.] एक जातनो गुंदर
मस्ताना अ०क्रि० (२) स०क्रि० मस्त थवु के करवु (३) वि० [फा.] मस्तानु
मस्तिष्क पु० [स] भेजु; मगज
मस्ती स्त्री० [फा.] मस्त थवु के होवु ते; मद (२) पशु के वनस्पतिमांथी अमुक जे स्राव थाय छे ते
मस्तूर वि० [अ] गुप्त; छूपु
मस्तूरात स्त्री०[अ]स्त्रीओ(२)सन्नारीओ
मस्तूल पु०[पो] वहाणनो कूवास्तंभ; मुख्य स्तंभ
मस्सा पु० मसो के मसानो रोग
महँ(-हुँ) अ० (प) मां, मही
महँगा वि० मोंघु (नाम, -गाई स्त्री०)
महँगी स्त्री० मोंघवारी (२) दुकाळ
महंत पु० मठाधीश (२) वि० श्रेष्ठ. -ती स्त्री० महंतनु पद
मह वि०(प) महा (२) अ० जुओ 'महँ'

महक स्त्री० महेक; वास (अ०क्रि० महकना; वि० महकदार, महकीला)
महकमा पु० [अ.] खातु; विभाग
महकीला वि० महेकवाळु [आधीन
महकूम(–मा) वि०[अ]हुकममा आवतु;
महज़ वि०[अ]शुद्ध(२)अ० मात्र;केवळ
महज़-कैद स्त्री० [अ.] सादी सजा; आसान केद
महज़र पु० [अ] सूचनापत्र; नोटिस
महत् वि० [स] मोटु; महान
महता पु० गामनो मुखी (२) महेतो; मुनशी; लखनार
महताब स्त्री०[फा]चादनी(२)पु० चंद्र
महताबी स्त्री० [फा] महताब; एक दारूखानु (२) चादनीमा बेसवा जेवो चोतरो (बाग के तळाव पासेनो)
महतारी स्त्री० माता
महत्त्व पु०, **–त्ता** स्त्री० मोटाई; श्रेष्ठता
महदी पु० [अ] मार्गदर्शक (ईमाम)
महदूद वि०[अ] हद बाधेलु; मर्यादित
महफिल [अ.] महेफिल; जलसो
महफूज वि० [अ] सुरक्षित
महबस पु० [अ] जेल; केदखानु
महबूब वि०[अ] महेबूब; प्यारुं. (**–बा** वि०स्त्री० नाम, **–बियत,–बी** स्त्री०)
महमह अ० मघमघ. **–हाना** अ०क्रि० मघमघवु; महेकवु **–हा** वि० मघमघतु
महमूद वि० [अ.] स्तुति पामेलु; प्रशस्त. **–दी** स्त्री० एक जातनु मलमल कपडु (२) एक जूनो सिक्को
महमेज़ स्त्री० [फा मिहमेज़] मिहमेज; घोडेसवारनी एडीनी लोढानी रेख
महर पु० मुखी; मोटा (आदरवाचक शब्द) (२) [अ.] मुसलमानोमा वर कन्याने आपे ते देज के पल्लु (३) वि० (प.) महेकतु; मघमघतु
महरम पु० [अ.] नजीकनो सगो के मित्र (२) विवाहसबध न थई शके एवु सगु (३) स्त्री० स्त्रीना कबजानो छातीनो भाग
महरा पु० कहार; पालखी ऊचकनार (२) वि० मुख्य; प्रधान
महराज, –जा पु० महाराज, –जा
महराब स्त्री० महेराव; कमान
महरी स्त्री० 'महरा' नु स्त्री०
महरू वि० [फा.] चद्रवदन
महरूम वि० [अ] वचित (२) कमनसीब. **–मी** स्त्री०
महर्षि पु० [स.] मोटा ऋषि
महल पु० [अ] महेल (२) अतःपुर (३) मोटो ओरडो (४) अवसर; मोको (५) पत्नी, बेगम
महलसरा स्त्री० [अ.+फा] जनानखानुं
महली पु० [अ.] अतःपुरनो चोकीदार; व्यढळ
महल्ला पु० [अ.] महेल्लो
महशर पु० [अ] कयामतनो दिवस. **–बरपा करना**=भारे आंदोलन करवु
महसूल पु० [अ.] जमीन महेसूल (२) कर (३) भाडु [पडेलु
महसूस वि० [अ.] अनुभवेलु; मालूम
महसूसात स्त्री० व०व० [अ.] जाणी के अनुभवी शकाय एवा पदार्थो
महा वि० मोटु; महान; श्रेष्ठ
महाजन पुं०[सं.] महापुरुष (२) धनवान (३) शराफ (४) वाणियो
महाजनी स्त्री० शराफनो धधो (२) शराफना चोपडानी एक लिपि

महात्मा पु०[स] महा मोटो साधु पुरुष (२) सन्यासी
महान वि० [स] मोटु; विशाळ
महानिद्रा स्त्री० [सं] मोत; मृत्यु
महानिशा स्त्री० [सं] मधरात (२) प्रलयरात्रि
महानुभाव पु०[स] महापुरुष; महाशय
महापथ पु०[स] राजमार्ग (२) मरण
महाप्रसाद पु०[स] जगन्नाथनो प्रसाद– भात (२) मास [गाळवो ते
महाप्रस्थान पु०[स] मरण (२) हिमाळो
महाबत पु० [अ.] भय; डर
महाभारत पु०[स] महाभारत के तेवो कोई मोटो ग्रथ (२) महान युद्ध
महाभूत पु० [स] पच भूत
महामना वि० [स.] मोटा मनवाळु; महानुभाव
महामास पु०[स.]गाय के मनुष्यनु मास
महामारी स्त्री० कोगळियु, प्लेग इ० जेवो मोटो रोग
महायात्रा स्त्री० [स.] मरण
महार स्त्री० [फा] ऊटनी नाथ
महारत स्त्री०[अ] अभ्यास; महावरो (२) दक्षता
महारथ,–थी पु० [स] महान योद्धो
महाराज पु०[स] मोटो राजा (२) साधु सत ब्राह्मण इ० माटे आदरनो शब्द. –जी,–नी स्त्री० महाराणी
महारोग पु०[स] कोढ इ० जेवो भारे के असाध्य रोग –गी पु० तेनो दरदी
महार्घ वि० [स] मोघु
महाल पु०[अ. 'महल'नु ब०व०] महेल्लो (२) महाल; परगणु (३) भाग (४) मधपूडो
महावट स्त्री० महा महिनानु मावठु
महावत पु० हाथीनो महावत
महावर पु० अळतो (पगे चोपडवानो)
महावरा पु० जुओ 'मुहावरा'
महावरी स्त्री० 'महावर'नी गोटी
महाशय पु०[स] महानुभाव; सज्जन; 'जनाब'
महि स्त्री०[स] मही; पृथ्वी(२)महिमा
महिमा स्त्री० [स] महिमा; मोटाई; माहात्म्य
महिला स्त्री० [स] स्त्री
महिष पु०[स] पाडो (२) महिषासुर. –षी स्त्री० भेंस (२) राणी
मही स्त्री०[स] पृथ्वी (२) देश; स्थान (३) नदी (४) (प) छाश
महीधर पु० [स] पर्वत (२) शेषनाग
महीन वि० पातळु; बारीक; झीणु (२) कोमळ, धीमु (अवाज माटे)
महीना पु० महिनो (२) मासिक पगार (३) रजोधर्म. महीनेसे होना=स्त्रीने वेगळु बेसवु
महीप,०ति,–पाल पु० [स] राजा
महुँ अ० (प.) 'महँ'; मह्यँ
महुअर पु० [स. मधुकर] महुवर के ते वजावी करातो एक खेल (२) स्त्री० एक जातनु घेटु
महुआ,–वा पु० महुडो. ०री स्त्री० महुडानु जगल
महुवरि पु० जुओ 'महुअर'
महुवा पु० जुओ 'महुआ'
महूरत, –ति पु० (प) मुहूर्त
महेंद्र पु० [सं.] विष्णु (२) इद्र
महेर पु० अडचण; पनात
महेर,–रा पु० जुओ 'महेरी'

महेरी स्त्री० दही के छाशमा रांधेला अनाजनी एक वानी (२) वि० अडचण नाखनारु

महेश [सं.] ,–स (प.)पु०शिव; महादेव

महोक, –ख, –खा पु० एक पक्षी

महोगनी पु० [इं] एक झाड के तेनुं लाकडु [समारभ

महोत्सव पु० [स] मोटो उत्सव–

महोदधि पु० [स] मोटो समुद्र

महोदय वि० [स] महाशय, 'जनाब'

महोला पु० (प.) वहानु (२) दगो

मह्व वि० [अ.] लीन; गुलतान, गरक (२) नष्ट

मह्वर पु० [अ. मिह्वर] धरी (पैडा इत्यादिनी)

माँ स्त्री० मा. ०**जाई** स्त्री० सगी वहेन. ०**जाया** पु० सगो भाई

माँखी स्त्री० माखी; 'मक्खी'

माँग स्त्री० माग; मागणी (२) वाळनी पाती; सेंथो. **–कोखसे सुखी रहना**=सौभाग्यवती ने सतानवाळी रहेवु. **–पट्टी करना**=सेंथो पाडवो; ओळवु

माँगटीका पु० सेंथा परनु एक घरेणु

माँगन पु० मागवु ते, भीख (२) मागण; भिखारी

माँगना स०क्रि० मागवु

मांगलिक वि० [स] मगळ; शुभ

मांगल्य पु० [स.] शुभ; कल्याण

माँजना स०क्रि० माजवु (२) पतगनी दोरी पावी

माँझ अ० (प) मां; अदर; मोझार (२) पुं० अतर; आतरो; गाळो

माँझा पु० माजो के तेनी लूगदी (२) नदी वच्चेनो टापु (३) झाडनु थड

माँझी पु० मांजी; होडीवाळो (२) मध्यस्थ; झघडो पतवनार

माँट, –ठ पु० (प) माटलु

माँड पु० भातनु ओसामण; मड

माँडना स०क्रि० (प.) मसळवु; गूदवु (२) लेप करवो

मांडलिक पु० [स] मडळनो राजा

माँडव पु० माडवो; मंडप

माँड़ा पु० आंखनो एक रोग; मोतियो (२) जुओ 'पराँठा' (३) माडवो

माँडी स्त्री० भातनु ओसामण (२) कपडाने करातो आर

माँत वि० (प) मातु, मत्त (२) मात थयेलु, हारेलु ०**ना** अ०क्रि० मातवु **–ता** वि० मातेलु, मत्त

मांत्रिक पु० [स] मत्रवाळो; मतरनार

माँद स्त्री० वखोल, वोड (२) वि० मद; हलकु; ऊतरतु (३) पराजित

माँदगी स्त्री० [फा] वीमारी (२) थाक

माँदा वि०[फा] मादु, वीमार (२) मद; ढीलु (३) थाकेलु

मांद्य पु० [स] मदता

मांस पु० [स] मासमट्टी; गोस ०**ल** वि० मास-भरेलु; तगडु **–साहारी** वि० मांस खानार [मा

माँह,–हा,–हि,–हों,–है अ० (प) माही;

मा स्त्री०[स] मा (२) पु०[अ] पाणी (३) प्रवाही

माइका पु० पियर; 'नैहर'

माई स्त्री० मा (२) मोटी स्त्री माटे आदरवाचक **–का लाल**=उदार; दानी (२) वहादुर [पौष्टिक सेरवो

मा-उल्-लहम पु० [अ.] मासनो एक

मा-कबल अ० [अ.] आनी पहेला

माक़ूल वि० [अ.] सयुक्तिक; उचित; योग्य (२) अच्छु (३) समजदार (४) वादविवादमा निरुत्तर के अनुकूल थयेलु के मानी लेनारुं

माकूस वि० [अ] ऊलटु; ऊधु

माखन पु० माखण; 'मक्खन'

माखी स्त्री०(प) माखी (२) सोनामुखी

माख़ूज़ वि० [अ] दोषित; आरोपी

माखूलिया पु० [फा] गाडपण

माघ पु०[स] माह महिनो –घी वि० ते मासनु

माछ पु० (प) माछली

माछी स्त्री० माखी [प्रसग

माजरा पु०[अ] हाल; वृत्तात (२) वनाव;

माजिद पु० [अ] वुजरग; वडील

माजिया अ० [अ] पछीथी, आगळथी

माजिरत स्त्री० [अ] वहानु, उजर

माजी वि० [अ] माजी; थयेलु; भूतपूर्व (२) पु० भूतकाळ

माजून स्त्री०[अ] (शक्तिनी दवावाळो) मीठो अवलेह (२) भागवाळी चासणीनु चकतु

माज़ूर वि०[अ.] नकामु (२) असमर्थ

माज़ूल वि०[अ.] रद करेलु (२) पदभ्रष्ट

माट पु० मोटु कूडु (रगनु) (२) माटलु

माटा पु० लाल मकोडो

माटी स्त्री० (प) 'मिट्टी'; माटी

माणिक,–क्य पु० [स] माणेक

मातग पु० [स.] हाथी

मात स्त्री०[अ] मात थवु ते; हार (२) वि० मात; हारेलु. –करना, देना = मात करवु, –खाना = हारवु

मातदिल वि० [अ मअतदिल] न बहु गरम के ठडु; समशीतोष्ण [illegible]

मातना अ०क्रि० मातवु (जुओ 'माता'मा)

मातवर वि० [अ मुअतबर] साचु; विश्वासपात्र; इतवार लायक –री स्त्री० विश्वासपात्रता [रोवु वगेरे

मातम पु० [अ] मरणनो शोक के

मातमदारी स्त्री० शोक पाळवो ते

मातमपुर्सी स्त्री० [फा] शोकमा सात्वन देवु ते; दिलासो; खरखरो

मातमी वि० [फा] शोकसूचक

मातहत वि० [अ] अधीन; तावानु

मातहती स्त्री० [फा] अधीनता; तावो

माता स्त्री० मा. (२) वि० मातु; मस्त (अ०क्रि० मातना) [मामी

मातुल पु० [स] मामा –ली स्त्री०

मातृ स्त्री० स] माता ०का स्त्री० मा (२) धाव; आया (३) सावकी मा. ०भाषा स्त्री० स्वभाषा; मादरी जबान

मात्र अ० [स] केवळ; फक्त

मात्रा स्त्री० [स] माप; प्रमाण (२) स्वर के सूरनी मात्रा

मात्सर्य पु० [स.] मत्सर; द्वेष

माथा पु० माथु –टेकना=माथु नमाववुं; प्रणाम करवा –ठनकना=कोई तरात्र वनावनी आगळथी शका जवी ०पच्ची, ०पिट्टन स्त्री०माथा फोड, मगजमारी.

माथे अ० माथा उपर (२) आशरे; भरोसे –पर बल आना, पडना=चहेरा पर क्रोधनी के दुःख इ०नी करचली पडवी –ते देखाबा –मानना = स्वीकारवु; माथे चडावबु; अगीकार करवो –मारना=[illegible] मथवु

मादक वि० [स] केफी; नशाकारक

मादन पु० [स.], –निग्रात [illegible] जुओ 'मजदन', –'निमात'

मादर स्त्री० [फा] मा. ०ज़ाद वि० [फा] सहोदर (२) नग्न (३) जन्मनु
मादरी वि० माता सबधी –ज़बान= मातृभाषा
मादा, मादीन स्त्री० [फा] मादा; स्त्री जातिनु प्राणी
मादूम वि० [अ] नष्ट, हयाती वगरनु
माद्दा पु० [अ] मूळतत्त्व (२) योग्यता (३) परु; पाच
माद्दी वि० [अ] तात्त्विक(२)स्वाभाविक
माधव पु०[स] विष्णु (२) वैशाख मास (३) वसतऋतु –वी स्त्री० एक फूलवेल
माधुरी स्त्री०[स] मीठाश; मधुरता (२) शोभा (३) शराब
माधुर्य पु० [स] मधुरता (२) सुदरता
माधो,–धौ पु० (प) माधव
माध्यम वि०[स] वचलु (२) पु० वाहन; साधन –मिक वि० मध्यनु
माध्याकर्षण पु० [स] गुरुत्वाकर्षण
माध्वी स्त्री० [स] शराब
मान पु०[स] तोल, माप (२) अभिमान (३) प्रतिष्ठा; आबरू (४) क्रोध; रोष
मानअ पु० [अ.] मनाई (२) आपत्ति
मानचित्र पु० [स] नकशो
मानता स्त्री० 'मनौती'; बाधा; मानता
मानदंड पु० [स] मापवानो गज
मानना स०क्रि० मानवु
माननीय वि०[स] मानने पात्र;आदरपात्र
मानमंदिर पु० [स] कोपभवन (२) वेधशाळा [मनामणु
मान-मनौती स्त्री० मानता(२)रिसामणु-
मानव पु० [स] माणस ०ता स्त्री० माणसाई. ०शास्त्र पु० मानव विषेनु शास्त्र; 'ॲन्थ्रोपोलॉजी'
मानवी स्त्री०[स] नारी (२) वि० मानव सबधी (३) [अ] मायना के अर्थ सबधी (४) अदरनु
मानस पु०[स] मन; चित्त (२) मान-सरोवर (३) वि० मानसिक ०शास्त्र पु० मनोविज्ञान [सरोवर
मानसर,–रोवर पु० हिमालयन् जाणीतु
मानसिक वि० [स] मानस सबंधी
मानसी स्त्री० मानस पूजा (२) वि० मानसिक
मानसून पु०[इ] चोमासु दरियाई हवा, जे वरसाद लावे छे
मानहुँ अ० (प) मानो; समजो; जाणो
मानिंद वि० [फा] समान; बरोबर
मानिक पु० माणेक [सोपारी
मानिकचंदी स्त्री० एक जातनी नानी
मानित वि० [स] आदरमान पामेलु; मानवतु [मानवती (स्त्री)
मानिनी वि०स्त्री०[स] अभिमानवाळी–
मानी स्त्री०[अ] अर्थ; मायनो; मतलब (२) वि०[स] मानी; अभिमानी (३) समानित
मानुष वि०[स] मनुष्य सबधी (२) पु० माणस. –षिक वि० मानुष –षी वि० मानुष (२) स्त्री० स्त्री
मानूस वि०[अ] हळी गयेलु; प्रिय
माने पु० [अ] 'मानी'; अर्थ
मानो,–नों,–नौं (प) अ० मानो के; जाणो के; जेम के
मान्य वि०[स] माननीय; आदरपात्र
माप स्त्री० माप; प्रमाण
मापना स०क्रि० मापवु; 'नापना'
माफ वि० [अ. मुआफ] क्षमा करायेलु; जतु करेलु (नाम, –फ़ी स्त्री०)

माफ(-फि)कत स्त्री० माफक होवु ते; अनुकूलता (२) मेळ, मैत्री [प्रमाणे

माफिक वि० [अ मुवाफिक] माफक;

माफी स्त्री० माफी; क्षमा (२) महेसूल माफ करेली जमीन [होय ते

माफीदार पु० माफी जमीन जेने मळी

मा-बका वि०[अ] बचेलु; अवशिष्ट

मा-बाद अ०[अ] (कशानी) पछी; बाद

माबूद पु० जुओ 'मअबूद'

मा-बैन अ० [अ] दरमियान

मामलत स्त्री० [अ मुआमलत] मामलो; झघडो (२) मुद्दो; चर्चानो विषय. ०दार पु० 'तहसीलदार'

मामला पु० [अ मुआमला] कामधधो (२) व्यवहार के तेनो झघडो (३) विवादनो प्रश्न (४) मुकद्दमो –करना =सोदो के फेंसलो करवो; वात पाकी करवी (२) अदालतमा केस करवो

मामा पु० मामो (२) स्त्री० [फा] माता (३) नोकरडी, दासी (४) रसोइयण

मामाग(-गी)री स्त्री० [फा.] 'मामा' –दासीनु काम के पद

मामी स्त्री० मामी (२) दोष विषे मा मा–ना कहेवु–ते ना मानवो –पीना=पोतानी भूल ध्यानमा न लेवी

मामूं पु० मामा [मुकरर

मामूर वि० [अ.] पूर्ण (२) नियुक्त;

मामूल पु० [अ] रीत; रिवाज

मामूली वि० [अ] साधारण; सामान्य (२) निमनसरनु

मायका पु० पियर [निश्चित

मायल वि० [अ] चढेलु; झुकेलु (२)

मायह स्त्री० [फा] धन; पूंजी; मिलकत

माया स्त्री० [स] माया; लीला (२) धन (३) मोह; भ्रम. ०विनी स्त्री०, ०वी पु० बहु चालाक के ठगारु; मायावाळु [(२) बनावटी

मायिक वि० [स] मायावी; भ्रामक

मायूब वि० [अ] ऐबवाळु (२) खराब

मायूस वि० [अ] निराश (नाम, –सी)

मार स्त्री० मार; मारवु ते (२) पु० [स] मार; सेतान ०क वि० मारे एवु; घातक [मोटी घटना

मारका पु० [अ] लडाई (२) भारे

मारका पु० मारको; निशान. मारकेका =महत्त्वपूर्ण

मारकाट स्त्री० लडाई; खूनरेजी

मारकीन पु० नानकीन कपडु

मारखोर पु० [फा] एक जातनी बकरी

मारग पु० (प) मार्ग; रस्तो –मारना =वाट पाडवी; लूटवु (रस्ते जता)

मारण पु० [स] मारवु ते (२) तत्र-विद्यानो एक प्रयोग

मारतौल पु० हथोडो

मारना स०क्रि० मारवु

मारपेच पु० पेच; युक्ति; चालबाजी

मार(-रि)फत अ० (२) स्त्री० जुओ 'मारिफत' [मारामारी

मारामार अ० जलदीथी (२) स्त्री०

मारिफत स्त्री० [अ] ईश्वरनु ज्ञान (२) परिचय; ओळखाण (३) साधन; 'जरिया' (४) अ० मारफत; द्वारा

मारी स्त्री० महामारी

मारुत पु० [स] वायु, पवन; प्राण

मारू पु० मारू राग (२) युद्धनु नगारु (३) वि० मारक; मारनार (४) हृदयभेदी; कातिल

मारूफ़ वि०[अ] जाणीतु; प्रसिद्ध (२) (व्या) मूळ (भेद)
मारे अ० -नु मार्युं; कारणथी
मार्का पु० 'मारका'; मारको; चिह्न
मार्केट पु० [इं.] बजार
मार्ग पु० [स.] रस्तो [मास
मार्गशिर, मार्गशीर्ष [स] पु० मागशर
मार्च पु०[इ] मार्च महिनो (२) सेनानी कूच [स्त्री० सावरणी
मार्जन पु०[स.] माजवु ते; सफाई. **-नी**
मार्जार पु० [स.] बिलाडी
मार्तंड पु० [स] सूर्य
मार्दव पु०[स.] मृदुता; नम्रता; कोमळता
मार्फत अ० 'मारफत'; द्वारा [मर्मज्ञ
मार्मिक वि०[स] मर्मवाळु; मर्मवेधी (२)
माल स्त्री० माळा (२) रेंटियानी माळ (३) पु०[अ] माल; धनमाल; साधन-सामग्री (४) मालमलीदा (५) महेसूल. **०अदालत** स्त्री० महेसूली अदालत. **०असबाब** पु० सरसामान [माल
माल-ए-मुफ़्त पु० [अ+फा] मफतियो
मालकँगनी स्त्री० मालकागणी
मालकियत स्त्री० [अ] मालकी
मालख़ाना पु०[फा] वखार; गोदाम; भडार
मालगाड़ी स्त्री० भारखानु
मालगुज़ार पु० [अ+फा] जमीनदार. **-री** स्त्री० महेसूल
माल-गोदाम पु० स्टेशननी गोदी
मालदार वि० [फा] मालदार; धनिक
मालन स्त्री० माळण
मालपु(-पू)आ, मालपूवा पु० मालपूडो
मालमताअ पु०[अ.]मालमता;धनदोलत
माला स्त्री० [स] माळा
मालामाल वि० खूब मालदार; अमीर
मालिक पु०[अ.] मालिक; धणी; स्वामी (२) प्रभु (३) [स] माळी (४) धोबी. **-का** स्त्री० माळण (२) माळा; हार
मालिकाना पु० [फा] मालकीहक (२) वि० मालिकनु
मालिकी स्त्री० मालकी; 'मालकियत'
मालिनी स्त्री०[स] माळण (२) एक छद
मालिन्य पु० [स] मलिनता; मेलापणु
मालियत स्त्री०[अ] सपत्ति; पूजी (२) किंमत (३) कीमती चीज
मालिया पु० [फा] महेसूल [चोळवु ते
मालिश स्त्री० [फा] मालिस; मर्दन;
माली पु० (स्त्री० **-लिन, -लिनी**) माळी (२) वि० [फा] माल सबधी; आर्थिक
मालीदा पु० [फा.] जुओ 'मलीदा'
मालूम वि० [अ] मालूम; जाणेलु
मावस स्त्री० 'अमावस'; अमास
मावा पु० सत्त्व (२) मड (३) मावो. **-निकालना** = खूब मारवु
माश(-ष) पु० माष; अडद **-मारना** = अडद मतरी कोई पर नाखवा
माशा(-सा) पु० मासो; आठ रती
माशा अल्लाह श०प्र० [अ] ईश्वर बूरी नजरथी बचावो
माशूक पु० [अ] प्रेमपात्र व्यक्ति. **-क़ा** स्त्री० माशूक स्त्री. **-की** स्त्री० माशूकनो भाव **-के हक़ीकी** पु० अल्ला; प्रभु
माश्की पु० मशकवाळो, भिस्ती
मास पु० [स] महिनो [कहेलु
मा-सबक वि० [अ] पूर्वोक्त; पहेला
मा-सलफ वि० [अ.] थई गयेलु, विगत
मासा पु० जुओ 'माशा'

मासिक वि० महिनानु (२) पु० मासिक पत्र [ते (२) गुनो
मासियत स्त्री० [अ] आज्ञा न मानवी
मा-सिवा अ० [अ] सिवाय
मासी स्त्री० मासी; 'मौसी'
मासूम वि० [अ] निरपराध (नाम, –मियत स्त्री०)
मास्टर पु० [इ] मास्तर; महेताजी –री स्त्री० तेनु काम के पद
माह पु० [फा.] चांदो (२) माह; महिनो
माहजर वि० [अ] मोजूद; वर्तमान
माहत स्त्री० महत्ता; मोटाई
माहताब पु० [फा] 'महताब'; चन्द्र के चांदनी –बी स्त्री० जुओ 'महताबी'
माहर वि० जुओ 'माहिर'
माह-रू, माह-लका वि० [फा] चंद्रमुखी
माहली पु० जुओ 'महली'
माहवार अ०(२)वि० मासिक; माहवारी
माहवारी स्त्री० [फा] मासिक पगार (२) वि० मासिक [(३) परिणाम
माहसल पु० [अ.] ऊपज (२) प्राप्ति
माहात्म्य पु० [सं.] महिमा; गौरव
माहि(–हीं) अ० (प.) माही, मा; अंदर
माहि(–ही)यत स्त्री० [अ] कोई वस्तुनु असली तत्त्व [वार, –री'
माहियाना वि० (२) पु० जुओ 'माह-
माहिर वि० [अ] माहेर; माहितगार
माहिला पु० (प) जुओ 'मल्लाह'
माहीं अ० (प.) जुओ 'माहिं' [मासिक
माही स्त्री०[फा] माछली (२) वि०
माही-ख़्वार पु० [फा.] [illegible]
माहीगीर पु० [फा.] माछी
माही-मरातिब पु० [फा.] [illegible] [illegible] पर [illegible] मान [illegible]

माहीयत स्त्री० जुओ 'माहियत'
माहुर पु० विष; झेर
माहौल पु० वातावरण; 'वायुमंडल'
मिंबर पु० [अ.] मसीदमा ज्या मुल्ला बेसीने उपदेश करे छे ते जगा
मिअयार पुं०[अ] कसोटीनो पथ्थर (२) सोनाचांदी तोलवानो कांटो (३) धोरण
मिकदार स्त्री० [अ] परिमाण; माप
मिकनातीस पुं०[फा.] जुओ 'मकनातीस'
मिकाडो पु० जापाननो राजा
मिचकना अ०क्रि० आंखो पलकवी–मटमटाववी [मिचावु
मिचना अ०क्रि० ['मीचना'नु कर्मणि]
मिचलाना अ०क्रि० 'मचलाना'; ऊलटी थवा जेवु थवु
मिजराब स्त्री० [अ] मिजराफ; नखी
मिज़ाज पु०[अ] प्रकृति; स्वभाव (२) शरीर के मननी दशा (३) अभिमान. –आली, –शरीफ=मजामा छो? एवो कुशळ प्रश्न –खराब होना, बिगड़ना =मनमा क्रोध, नाराजी, के अस्वस्थता इ० उत्पन्न थवु –न मिलना=अभि-मानने लईने कोई साथे बोलवु नहि. –पाना=स्वभावथी परिचित होवु. –पूछना=तबियतनी खबर पूछवी
मिज़ाजदार, मिज़ाजी वि० मिजाजी; भारे अभिमानी
मिज़गाँ स्त्री० [फा] 'मिज़ह'नु ब०व०
मिज़ह स्त्री० [फा] [illegible]
मिटना अ०क्रि० मटवु; रद [illegible] नाश पामवु के हयात न [illegible]
मिटाना स०क्रि० 'मिटना'नु प्रेरक
मिट्टी स्त्री० [illegible] (२) माटी; धूळ (३) [illegible] (४) [illegible]; [illegible] –[illegible]

=माटी भेगु–धूळधाणी करवु –के मोल = पाणीने भावे; खूब सस्तु –देना = दफनाववु –पलीद या बरबाद करना = दुर्दशा करवी
मिट्टीका तेल पु० ग्यासतेल
मिट्ठी स्त्री० मीठी; चुबन [बोलनार
मिट्ठू पु० पोपट (२) मीठु – मधुर
मिठबोला वि० मीठाबोलु
मिठलोना वि० कम मीठावाळु
मिठाई स्त्री० मीठाई (२) मीठाश
मिठास स्त्री० मीठाश
मिडिल वि० [इ] माध्यमिक (शाळा)
मिडिलची पु० 'मिडिल' पास थयेलो
मित वि० [स] परिमित; हदनी अदरनु (२) थोडु ०भाषी वि० थोडाबोलु. –ति स्त्री० माप; सीमा
मिती स्त्री० मिति; देशी तारीख
मित्र पु० [स] भाईबध (२) सूर्य
मिथुन पु० [स] जोडु; युगल (२) मैथुन; सभोग (३) एक राशि
मिथ्या अ० [स] फोगट; व्यर्थ (२) असत्य; नाशवत
मिनकार पु० [अ] चाच (२) सारडी
मिन-जानिब अ० [अ] तरफथी; बाजुथी
मिन-जुमला अ० [अ] कुल; बधामाथी
मिनट पु० [इ] मिनिट समय
मिनती स्त्री० जुओ 'मिन्नत'; विनती
मिनमिन अ० गूगणाते के धीमे अवाजे. –नाना अ०क्रि० तेवे अवाजे बोलवु (२) सुस्तीथी काम करवु
मिनवाल पु० [अ] वणायेलु कपडु लपेटवानो साळनो भाग; तर
मिनहा वि० [अ.] कापी लीधेलु; घटाडलु
मिन्नत स्त्री०[अ] मिन्नतजारी;आजीजी. –मानना = बाधा राखवी [बोलवु
मिमियाना अ०क्रि० बकराघेटानु बें बें
मियाँ पु०[फा] स्वामी; शेठ के पति (२) महाशय (सबोधन)(३)मियां;मुसलमान
मियाँ मिट्ठू पु० जुओ 'मिट्ठू' (२) मूर्ख
मियाद स्त्री० जुओ 'मीआद'
मियान पु०[फा] मध्य भाग (२) कमर (३) स्त्री० म्यान
मियाना वि०[फा] मध्यम कदनु (२) पु० म्यानो [भाग
मियानी स्त्री०[फा]पायजामानो वच्चेनो
मिरगी स्त्री० [स मृगी] वायुथी मूर्छा आववानो एक रोग; अपस्मार
मिरचा पु० मरचु; 'मिर्च' [डगलु
मिरजई स्त्री० एक जातनु अदर पहेरातु
मिरज़ा पु० [फा.] अमीर-जादो (२) राजकुवर (३) एक उपाधि
मिरात स्त्री० [अ.] दर्पण
मिर्च स्त्री० मरचु (२) मरियु
मिर्रीख़ पु० [अ] मगळ ग्रह
मिल स्त्री० [इ] कारखानु
मिलन पु० [स] मळवु ते [स्त्री०
मिलनसार वि० मळतावडु; सुशील –री
मिलना स०क्रि० मळवु (प्रेरक मिलाना)
मिलना-जुलना स०क्रि० मळता रहेवु
मिलनी स्त्री० लग्नमा बेउ पक्षना लोके मळवानो एक विधि
मिला-जुला वि० मिश्रित
मिलान पु० मळवु के मेळववु ते; मेळाप; मिलन (२) मळतापणु; मुकाबलो (३) मेळवी के बरोबर छे के केम ते तपासी लेवु ते
मिलाना स०क्रि० मिलाववु; मेळववु

मिलाप पु० मेळाप; मळवु ते (२)मित्रता
मिलाव पु०, ०ट स्त्री० भेळसेळ; भेग
मिलिंद पु० [स] भमरो [मळतियापणु
मिली भगत स्त्री० छूपी सतलस के
मिल्क स्त्री० [अ] जागीर(२)जमीनदारी
मिल्कियत स्त्री० [अ] 'मिल्क' (२) मिल्कत
मिल्की पु० [अ] 'मिल्क' वाळो (जुओ 'मिल्क')
मिल्लत स्त्री० मेळ (२) मिलनसारपणु (३) [अ] पथ; सप्रदाय
मिशन पु० [इ] उच्च उद्देश के ते साधनारु मडळ ०री पु० पादरी
मिश्क पु० [फा] मुश्क; कस्तूरी
मिश्र वि० [स] भेगु; सेळभेळ
मिश्रण पु० [स] मिश्र करवु के करेलु ते
मिश्रित वि० [स] भेळवेलु; भेगवाळु
मिष पु० [स] बहानु (२) छळकपट (३) दाझ (४) होड; शरत
मिष्ट वि० [स] मीठु; मधुर
मिष्टान्न पु० [स] मीठाई; मिष्ट भोजन
मिस पु० 'मिष;' बहानु [–नी स्त्री०
मिसकीन वि० मिस्कीन, गरीबडु; निर्धन
मिसरा पु० [अ.] मिसरो, तूक; चरण
मिसरी स्त्री० साकर (२)मिसरनी भाषा (३)वि० मिसरनु (४) पु० मिसरवासी
मिस(–सि)ल स्त्री० तुमार; फाईल
मिसवाक स्त्री० [अ] दातण
मिसाल स्त्री० [अ] उपमा (२) उदाहरण (३) कहेवत
मिसिल स्त्री० जुओ 'मिसल'
मिस्काल(–ला) पु० [अ.] सनकडो – [illegible] ओजार
मिस्कीन वि० [अ.] जुओ 'मिसकीन'
मिस्तर पु० [अ] लखवामा लीटी सीधी रहे ते सारु कागळ नीचे राखातु आकेलु साधन [कडियो
मिस्तरी पु० मिस्त्री; कारीगर–सुतार,
मिस्र पु० [अ] मिसर; इजिप्त –स्री स्त्री० (२) वि० जुओ 'मिसरी' (२ थी ४ अर्थ) [फाईल
मिस्ल वि० [अ] बरोबर; समान (२)
मिस्सी स्त्री० दात रगवानु एक काळु मजन [सामग्री
मिस्सी-काजल पु० सधवानी शृगार-
मिहनत स्त्री० [अ] महेनत
मिहना पु० जुओ 'मेहना'; महेणु
मिहराब स्त्री० [अ] जुओ 'मेहराब'
मिहिर पु० [स] सूर्य
मींगी स्त्री० बीनो अदरनो गर, मीज
मींज(–ड़)ना स०क्रि० मसळवु; गूदवु
मीआ(–या)द स्त्री० [अ] हद, अवधि. (वि०, –दी)
मीज़ान स्त्री०[अ] सरवाळो (२) ताजवु
मीटर पु० [इ] मापवानो मीटर
मीठा वि० मीठु; मधुर
मीठा तेल पु० तलनु तेल
मीठा पानी पु० पीवानो 'लेमन'
मीठी छुरी स्त्री० विश्वासघातक (२) कपटी [तेवो मूढ मार
मीठी मार स्त्री० उपरथी जणाय नहि
मीत पु० (प) मित्र
मीन पु०[स] माछली (२) मत्स्य राशि.
–मेख निकालना = दोष काढवा
मीना पु० [फा] मीनो; मीनाकारी
मीनाकार पु०[फा] मीनानो कारीगर
–री स्त्री० तेनो कारीगरी [बजार
मीना बाजार पु० [illegible]

मीमांसक पु० [स.] मीमांसानो पडित
मीमांसा स्त्री० [स.] एक दर्शन (२) गंभीर मनन ने विवेचन
मीनार स्त्री० [अ. मनार] मिनारो
मीयाद,–दी स्त्री० जुओ 'मीआद,–दी'
मीर पु०[फा] अमीर (२) धर्माचार्य (३) समासमा 'सौथी मोटु, वडु' ए अर्थमां. उदा० **–अदल** पु० वडो न्यायाधीश(४) शरतमा–हरीफाईमा पहेलो आवनार (५) पत्तामा राजा
मीरास स्त्री०[अ] वारसो (वि०,**–सी**)
मीरी स्त्री० अमीरी (२) पु० जुओ 'मीर'
मील पु० माईल
मुंगरा पु० मोगरो – मोटी मोगरी
मुंगरी स्त्री० ठोकवानी मोगरी
मुंड पु०[स] माथु (२) वि० मूडेलुं; बोडु (३) नीच; अधम [फकीर
मुंड़चिरा पु० पोता पर घा करी मागतो
मुंडन पु० [स] माथु मूडावु ते
मुंड़ना अ०क्रि० माथु मूडावु (२) लूटावु के ठगावु
मुंडा पु० तालियो; वोडियो (२) मूडाईने चेलो थयेलो ते; मूडियो (३) वि० बोडु काई ते; जेम के, मुडा (शीगडा वगरनो) बैल, (डाळ पान वगरनु) वृक्ष, इ०
मुंडाई स्त्री० मूडामण
मुंडिया पु० मूडियो, साधु
मुंडी स्त्री० बोडी स्त्री; विधवा (२) [स] पु० मूडियो (३) हजाम
मुंडेर स्त्री०, **–रा** पु० मकाननी छतनी सौथी उपरनी धारनी दीवाल
मुंतकिल वि० जुओ 'मुन्तकिल'
मुंतखिव वि० जुओ 'मुन्तखिव'
मुंतज़िम वि० जुओ 'मुन्तज़िम'
मुंतज़िर वि० जुओ 'मुन्तज़िर'
मुंतही वि० जुओ 'मुन्तही'
मुंदना अ०क्रि० बुरावु, ढकावु; बध थवु
मुंशियाना वि०[फा] मुनशीना जेवु
मुंशी पु० [अ] मुनशी; लखनार
मुंसरिम पु० [अ] (दफतरनो) मुख्य कामदार; व्यवस्थापक. **–मी** स्त्री० तेनु काम के पद
मुंसलिक वि०[अ] साथे जोडेलु के बीडेलु
मुसिफ़ पु०[अ] न्यायाधीश, मुनसफ (२) क्रिकेटनो 'अपायर'. **–फ़ाना** वि० न्याययुक्त [कचेरी
मुंसिफ़ी स्त्री० मुनसफनु काम, पद के
मुंह पु० मो. **–छूना** = उपर उपरथी, विवेकनु कहेवु **–दर मुंह**=सामे; रूबरू. **–देखेका** = उपर उपरनु; देखाव पूरतु. **–धो रखना, लेना**=आशा छोडवी. **–निकल आना**=चहेरो ऊतरी–पडी जवो (रोग कमजोरी के शरमथी) **–पड़ना** = (कहेवा) हिंमत होवी **–पर पानी फिर जाना** = चहेरा पर पाणी आववु–खुश थवु. **–पर रखना** = चाखवु (२) तमाचो मारवो **–पर लाना** = मुखथी कहेवु – वर्णववु. **–पाना** = रूख–मरजी जोवी **–पेट चलना** = झाडा ऊलटी थवा **–फैलाना**= (लोभथी) घणु मागवु, लेवु. **–भरके** = मनमान्यु; खूब **–भरना** = लाच आपवी **–मुलाहज़ेका** = परिचित **–में थूंक बिलोना** = खाली थूक उडाडवु **–लगना** = माथे चडी लागवु; मोढे चडवु **–लगाना** = मोढे चडाववु
मुंह-अंधेरे,–उजाले अ० भरभाखळु थये; परोढिये

मुंह-अखरी वि० (प) मौखिक
मुंहकाला वि० काळुं मो करेलु; बेआबरू
मुंह-छुट वि० जुओ 'मुंह-फट'. (नाम, -टाई स्त्री०) [-री स्त्री०
मुंहज़ोर वि० बहुबोलु (२) आपबोलु
मुंहतोड़ वि० जडबातोड (उत्तर)
मुंहदिखाई स्त्री० नवी वहुनु मो जोवानी रीत के त्यारे तेने अपातु धन
मुंहदेखा वि० देखाडा पूरतु, कृत्रिम
मुंहफट वि० आखाबोलु
मुंहबंधा पु० जैन साधु (मो पर पट्टी बाधे ते परथी) [णवु (सगु)
मुंहबोला वि० कहेवानु, खरेखर नहि
मुंहभर अ० सारी पेठे; धराईने
मुंहभराई स्त्री० लाच
मुंहमांगा वि० मोमाग्यु
मुंहामुंह अ० छलोछल; मो सुधी
मुंहामुंही स्त्री० बोलाबोली; तकरार
मुंहासा पु० जुवानीमा थतो खील
मुअज्ज़(-ज़्ज़ि)न पु० मसीदनो अज़ान पोकारनार [(माणस)
मुअज़्ज़म वि० [अ] प्रतिष्ठित, मोटु
मुअज़्ज़िज़ वि० [अ] इज्जतदार; प्रतिष्ठित
मुअज़्ज़िन पु० [अ.] जुओ 'मुअज़्ज़न'
मुअतदिल वि० [अ] जुओ 'मातदिल'
मुअतबर वि० [अ] जुओ 'मातबर'
मुअत्तल वि० [अ] (हंगामी) अमुक मुदत कामथी बरतरफ करायेलु
मुअद्दिब वि० [अ] अदबवाळु; विनयी
मुअद्दिब पु० [अ] अदब शीखवनार
मुअ[illegible] पु० [अ.] [illegible] (२) [illegible]
मुअम्मा पु० [अ] भेद; [illegible] (२) [illegible]

मुअय्यन वि०[अ.]नक्की करेलु; निश्चित
मुअल्लक़ वि० [अ.] लटकतु
मुअल्ला वि० [अ.] सर्वोच्च (२) मान्य
मुअल्लिम वि० [अ] 'इल्म' - ज्ञान देनार; शिक्षक. -मा स्त्री० शिक्षिका. -मी स्त्री० शिक्षकनो धंधो
मुअस्सिर वि० [अ] असरकारक; प्रभावयुक्त
मुआफ वि०[अ]माफ (नाम,-फी स्त्री०)
मुआफ़िक़ वि० [अ] माफक; अनुकूल (२) सरखु; बरोबर; जेवु; मळतु. ०त स्त्री० माफक होवु ते
मुआफ़ी स्त्री० [अ.] माफी
मुआमलत स्त्री० [अ] जुओ 'मामलत'
मुआमला पु० [अ.] जुओ 'मामला'
मुआयना पु० [अ] तपास; निरीक्षण
मुआलिज पु० [अ] इलाज करनार
मुआलिजा पु० [अ] इलाज; चिकित्सा
मुआवज़ा पु० [अ] मुआवेज; बदलो के महेनताणु या वळतर
मुआहदा पु० [अ] निश्चय; करार
मुकत्ता वि० [अ] कापी कापीने ठीक करेलु (२) नम्र; शिष्ट
मुकद(-द्द)मा पु० [अ. मुकद्दमा] मुकदमो; दावो. -बाज़ वि० दावा लडवानु शोखीन. -बाज़ी स्त्री०
मुकद्दम वि० [अ] पहेलु; प्राचीन; पुराणु (२) जरूरी (३) पु० मुखी; नेता
मुकद्दमा पु० [अ] जुओ 'मुकदमा'
मुकद्दर वि० [अ] [illegible] (२) [illegible]
मुकद्दर पु० [अ] नसीब
मुकद्दस वि० [अ] पाक; पवित्र
मुकम्मल वि० [अ] पूर्ण

मुकरना अ०क्रि० मुकरी जवु; कहीने फरी जवु

मुकर्रब पु० घनिष्ठ मित्र [-मा)

मुकर्रम वि० [अ] समान्य; पूज्य (स्त्री०

मुकर्रर अ० [अ.] बीजी वार; फरीथी

मुकर्रर वि० [अ] मुकरर; नक्की थयेलु (२) नियुक्त (नाम, -री स्त्री०)

मुकर्रिर वि० [अ] वक्ता; 'तकरीर' के व्याख्यान करनार

मुकव्वियात स्त्री० [अ] पौष्टिक दवाओ

मुकव्वी वि० [अ] पौष्टिक

मुक़ाबला पु०[अ] सामसामा आवी जवु ते;'मुठभेड' (२)हरीफाई (३)मुकावलो; तुलना (४) विरोध

मुक़ाबिल पु०[अ] हरीफ (२) विरोधी; शत्रु (३) अ० सामे; आगळ

मुकाम पु० [अ. मकाम] जगा; मुकाम; उतारो (२) स्थान; अवसर

मुकामी वि० स्थानिक (२) कायम

मुकिर वि०[अ] एकरार करनार; साख (२) दस्तावेज लखनार

मुकुट पु० [स] मुगट; ताज

मुकुर पु० [स.] दर्पण

मुकुल पु० [स] कळी. -लित वि० कळीवाळु (२) अर्ध खीलेलु (३) पलकतु (नेत्र)

मुकैयद वि० [अ] केद करायेलु

मुक्का पु० मुक्को; घुम्मो -क्की स्त्री० मुक्केबाजी, मुक्कामुक्कीनी लडाई (२) धीमी मुक्कीथी शरीरनी चपी

मुक्त वि०[स] छूटेलु; छूटु; बंधनरहित

मुक्ता स्त्री०, ०फल पु०[सं] मोती

मुक्ति स्त्री०[स] छूट; छुटकारो, मोक्ष

मख पु० [स] मोढु

मुखड़ा पु० मुखडु; चहेरो

मुख़तार पु०[अ]मुखत्यार,एलची;वकील

मुख़तार-ए-आम पु० [अ.] मुखत्यार-नामावाळो; प्रतिनिधि

मुख़तारनामा [अ +फा]पु०मुखत्यारनामु

मुख़तारी स्त्री०[फा] 'मुख़तार' नु काम के पद

मुख़न्नस वि० [अ] नपुसक [सक्षेप

मुख़फ़्फ़फ वि०[अ] सक्षिप्त (२) पु०

मुखबंध पु० [स] प्रस्तावना (ग्रथनी)

मुख़बिर पु०[अ] जासूस. -री स्त्री० जासूसी

मुखर वि०[स] बोलकणु (२) कडवाबोलु

मुख़लिस वि०[अ] एकलु(२)अविवाहित

मुख़लिसी स्त्री०[अ] छुटकारो; मुक्ति

मुखशुद्धि स्त्री०[स] मुखवास (२) मो दात इ० साफ करवु ते [करेलु

मुखस्थ, मुखाग्र वि०[स] कठस्थ, मोढे

मुख़ातिब वि०[अ.] कहेवा के साभळवा प्रवृत्त थनार; सन्मुख थनार

मुखापेक्षा स्त्री०[स] कोईना मो सामे ताकवु ते; आश्रितता

मुखापेक्षी पु० आश्रित; मुखापेक्षावाळो

मुख़ालिफ वि०[अ] विरोधी (२) शत्रु (३) ऊलटु ०त स्त्री० विरोध; शत्रुता

मुख़ासमत स्त्री० [अ] शत्रुता

मुखिया पु० मुखी; नायक

मुखिल वि० [अ] खलेल पाडनारु; विघ्नकर [(२) भिन्न

मुख़्तलिफ वि०[अ] जुदु जुदु; विविध

मुख़्तसर वि०[अ] मुख़्तेसर; टूकु (२) थोडु; अल्प. ०न् अ० टूकामा

मुख़्तार पु० [अ] जुओ 'मुख़तार'

मुख्य वि०[स] प्रधान,मौथी आगळनु,वडु

मुगदर पु० [स. मुद्गर] मगदळियो
मुग़ल पु०[फा.] मोगलनो वतनी (२) मोगल जाति. ०ई वि० मोगलाई
मुग़लाई वि० (२) स्त्री० मोगलाई
मुग़लानी स्त्री० मोगल स्त्री (२) दासी (३) कपडा सीवनार स्त्री
मुग़ालता पु०[अ.] छळ; कपट; दगो (२) भूल; भ्रम
मुग़ीस वि० [अ] (दावामां) वादी
मुग्घम वि० मोघम; अस्पष्ट –रहना= चूप रहेवु (व्यक्तिए) (२) स्पष्ट न थवु
मुग्ध वि० [स] मोहित (२) भोळु
मुचलका पु०[तु] मुचरको; जामिनखत
मुछंदर पु० मोटो मुछाळो (२) कुरूप ने मूर्ख माणस
मुजक्कर पु० [अ] पुल्लिंग (२) नर
मुज़तर(०ब) वि०[अ] बेचेन; व्याकुळ
मुजदा स्त्री० जुओ 'मुझदा'
मुज़फ़्फ़र वि० [अ.] विजयी
मुज़बज़ब वि०[अ.] गोटाळामां पडेलु; अनिश्चित; अस्थिर
मुज़म्मत स्त्री०[अ मज़म्मत] बूराई;निंदा
मुजरा पु० [अ] जारी करेलु ते (२) मुजरे के मजरे करवु ते; मजरो (३) मजरो; सलाम (४) वेश्यानु नाच वगरनु गादे गायन
मुजरिम पु० [अ] आरोपी, गुनेगार
मुज़र्रत स्त्री०[अ मज़र्रत] हानि,नुकसान
मुजर्रद वि०[अ] कुंवारु (२) एकलु
मुजर्रब वि० [अ] अजमावेलु; अनुभवेलु
मुजलिद वि० [अ] 'मजलिद'–पुस्तकनां [illegible] [illegible]
मुज़ल्लम(–ल्लिम) वि० [अ] [illegible]
मुज़ाइक वि० [अ] [illegible]
मुज़ायका पु० [अ] वांधो; हरकत; नुकसान
मुज़ारा वि० [अ] समान, बराबर
मुजाव–(वि)र पु०[अ मुजावर] 'मजार'–कबर जेवा स्थाननो रखवाळ के पूजारी
मुजाहिद पु० [अ] जेहाद करनार
मुजिब अ० मुजब; प्रमाणे (२) पु० कारण; हेतु
मुज़िर वि० [अ] हानिकारक, नुकसानकारक
मुझ स० 'मैं'नु १ली तथा ६ठ्ठी विनानी विभक्तिओमां थतु रूप उदा० 'मुझको'
मुझदा स्त्री० [अ] शुभ खबर
मुझे स० मने ('मैं'नु ४थी, ४थीनु रूप)
मुटका पु० मुकटो; रेशमी अबोटियु
मुटाई स्त्री० स्थूलता, जाडापण (२) मोटाई; अभिमान
मुटाना अ०क्रि० 'मोटा' (शरीरे जाडा के अभिमानी) थई जवु
मुटासा वि० बेपरवा ने घमंडी
मुटिया पु० मजूर; हेलकरी
मुट्ठा पु० मुट्ठो (२) मूठ; हाथो
मुट्ठी स्त्री० मुठ्ठी (२)चंपी –भरना= पग दाबवा; चंपी करवी
मुठभेड़ स्त्री० झपाझपी; लडाई, सामनो
मुठिया स्त्री० दस्तो, हाथो (२) मुट्ठी
मुड़ना अ०क्रि० मोडावु; वळवु; पाछु फरवु
मुड़हर पु० [illegible]
मुड़िया पु० [illegible]
मुतअद्दद वि० [अ] [illegible]
मुतअल्लिक वि० [अ] [illegible] (–का) [illegible]
मुतअस्सिब वि० [अ] [illegible]
[illegible]

मुतअल्लिकीन पु० [अ] सबधी लोको; सगासबधी; आश्रित लोको
मुतकल्लिम वि० [अ] (व्या) बोलनार –पहेलो पुरुष [धूर्त
मुतफ़न्नी वि० [अ] पहोचेल; चालाक;
मुतफ़र्रिक वि० [अ] तफरके–अस्तव्यस्त थयेलु (२) विविध; तरेहवार
मुतबन्ना पु० [अ] दत्तक पुत्र
मुतबर्र(–र्रि)क वि० [अ. मुतवर्रक] मुवारक (२) पवित्र
मुतमइन वि० [अ.] सतुष्ट (२) शात
मुतमौवल वि० [अ. मुतमव्विल] धनी; अमीर [वादक; तरजुमो करनार
मुतरज्जिम वि० [अ. मुतरजिम] अनु-
मुतरिब पु० [अ] गायक (नाम, –बी)
मुतलक अ० [अ] जरा पण; मुतलग
मुतलाशी वि० [अ] तलाश करनार
मुतवज्जह वि० [अ] ध्यान देनार
मुतवातिर अ० [अ] सतत; लगातार
मुतसद्दी पु०[अ] मुत्सद्दी; मुनशी; महेतो के प्रबध करनार [सहनशील
मुतहम्म(–म्मि)ल वि०[अ] सहिष्णु;
मुतहैयर वि० [अ] आश्चर्यचकित
मुताबिक अ०[अ] अनुसार; प्रमाणे (२) वि० अनुकूल (नाम, **मुताबिकत** स्त्री०)
मुतालबा पु०[अ] वाकी मागती रकम–लेणु [स्वाध्याय
मुताला पु० [अ.] भणवु ते; अभ्यास;
मुतास्सिब वि० [अ] कट्टर; चुस्त
मुतास्सिर वि०[अ.] असर तळे आवेलु
मुताह पु०[अ] शिया मुसलमानोमा थतो अमुक अस्थायी विवाह [रखात
मुताही स्त्री० 'मुताह' करेली स्त्री (२)
मुत्तफ़िक वि०[अ] सहमत; एकतावाळु
मुत्तसिल वि० [अ] पासेनु; सबद्ध
मुत्तह(–हि)द वि०[अ.] जोडे मळेलु; सयुक्त
मुद पु० [स] हर्ष; आनद
मुदब्बिर पु०[अ] सलाहकार; अमात्य
मुदम्मिग़ वि० [अ] अभिमानी
मुदर्रिस पु०[अ] शिक्षक. **–सी** स्त्री० शिक्षकनु काम
मुदल्लल वि०[अ.] दलीलवाळु; तर्कसिद्ध
मुदल्लिल वि० [अ] दलील करनार
मुदाख़लत स्त्री०[अ.] जुओ 'मदाखिलत'
मुदाम अ० [अ] सदा (२) सतत
मुदामी वि० सदा हयात
मुदारात स्त्री० [अ] आगतास्वागता
मुदित वि० [स.] राजी थयेलु; प्रसन्न
मुद्गर पु० [स.] मगदळ
मुद्दआ पु० [अ] मुद्दो; अभिप्राय; मतलब
मुद्दई पु० [अ] दावो करनार; वादी (२) शत्रु; मूदई (स्त्री० **मुद्दैया**)
मुद्दत स्त्री० [अ] मुदत; अवधि (२) समय; अरसो
मुद्दा-अलेह, मुद्दालेह पु० [अ.] प्रतिवादी
मुद्दैया स्त्री० [अ.] जुओ 'मुद्दई' मा
मुद्रक पु० [स.] छापनार
मुद्रण पु० [स] छापवु ते
मुद्रणालय पु० [स] छापखानु
मुद्रा स्त्री० [स] छाप; महोर (२) वीटी (३) टाईप; वीबु (४) अभिनयनी मुद्रा
मुद्राक्षर पु० [स] छापवाना अक्षर; वीबु
मुद्रायत्र पु० [स] छापखानानु यत्र
मुद्रिक,–का स्त्री० [स.] वीटी
मुद्रित वि० [स] छापेलु (२) सीलबध
मुधा अ० [स] वृथा (२) वि० व्यर्थ (३) असत्य

मुम्तहिन पु० [अ] परीक्षक
मुरकना अ०क्रि० मरडावु, वळवु; झूकवु (नाम, मुरक स्त्री०)
मुरग़ा पु० [फा मुर्ग़] (स्त्री०–ग़ी) मुरघो
मुरग़ाबी स्त्री० मुरघाबी; जळकूकडी
मुरचंग पु० मोरचग; मोथी बजाववानु एक वाद्य
मुरज पु० [स] मृदग
मुरझाना अ०क्रि० करमावु (२) सुस्त के खिन्न थवु
मुरतकिब पु० जुओ 'मुर्तकिब'
मुरतहिन पु० जुओ 'मुर्तहिन'
मुरतिद पु०[अ] इस्लाम छोडी देनार
मुरत्तब वि० [अ] क्रमबद्ध
मुरत्तिब पु० [अ] क्रममा गोठवनार
मुरदन पु० जुओ 'मुर्दन'
मुरदनी स्त्री० जुओ 'मुर्दनी'
मुरदा पु० जुओ 'मुर्दा'
मुरदार वि० [फा] मुडदाल; मृत (२) अपवित्र (३) पु० लाश; मडदु
मुरब्बा पु० [अ.] मुरब्बो (२) समचोरस (३) वि० वर्ग (सख्यानो)
मुरब्बी पु० [अ] वाली; वडील
मुरमुराना अ०क्रि० चूरेचूरा थई जवु
मुरली,–लिका [स], –लिया (प) स्त्री० मोरली, वसी
मुरव्वज वि०[अ]रिवाज पडेलु, प्रचलित
मुरव्वत स्त्री० [अ] सज्जनता, शील; सारमाणसाई (२) जुओ 'लिहाज़'
मुरशिद पु० [अ] गुरु (२) पूज्य व्यक्ति
मुरस्सा वि० [अ] जडाउ; नग जडेलु. ०कार पु० नग जडनार कारीगर
मुर(–ल)हा वि० मूल नक्षत्रमा जन्मेलु (२) तोफानी (३) अनाथ
मुराद स्त्री० [अ.] इच्छा; अभिलाषा. –पाना=मुराद बर आववी –माँगना= मुराद पूरी करवा प्रार्थना करवी
मुरादी वि० [अ] मुरादवाळु
मुराफ़ा पु० [अ] अपील (अदालतमा)
मुरासला पु०[अ. मुरासिल] पत्र, कागळ
मुरासलात पु० [अ] 'मुरासला' नु व व. (२) पत्रव्यवहार
मुरीद पु० [अ.] चेलो; शिष्य
मुरेठा पु० फेटो; साफो
मुरौवज वि० जुओ 'मुरव्वज'
मुरौवत स्त्री० जुओ 'मुरव्वत'
मुर्ग़ पु० [फा] मुरघो –ग़ी स्त्री० मुरघी
मुर्तकिब पु० [अ] अपराधी; गुनेगार
मुर्तहन वि० [अ] गीरो राखेलु
मुर्तहिन पु० [अ] गीरो राखनार
मुर्दन पु० [फा.] मरण
मुर्दनी स्त्री० [फा] मरणनां (मुख परना) चिह्न (२) मरणयात्रा के तेमा जवु ते
मुर्दा पु० [फा] मडदु
मुर्रा पु० मरडो
मुर्री स्त्री० दोरानी एक सांधं (२) कपडानी कल्ली करी टगावता पहेला वळ आपे छे ते (३) आमळीने करेली दिवेट के ओटी
मुर्शिद पु० [अ] जुओ 'मुरशिद'
मुलक पु० जुओ 'मुल्क'
मुलकना अ०क्रि० (प) मलकवु; धीमेथी [हसवु
मुलकी वि० जुओ 'मुल्की'
मुलज़िम वि० [अ] आरोपी; अपराधी
मुलतवी वि० [अ] जुओ 'मुल्तवी'
मुलमची पु० गिलेट चडावनार
मुलम्मा पु०[अ] गिलेट; ढोळ. ०गर, ०साज़ पु० गिलेट करनार

मुश्तहर वि० [अ] प्रसिद्ध; प्रकाशित
मुश्तहिर वि०[अ] प्रकाशक; प्रसिद्धकर्ता
मुश्ताक वि० [अ] मुस्ताक; इच्छुक; आतुर; भारे कामनावाळु (२) शोखवाळु (३) आशक; प्रेमी
मुषल पु० जुओ 'मुशल' [मूठ
मुष्टि स्त्री०[स] मूठी (२) मुक्को (३)
मुसकराना अ०क्रि० मुस्कावु; मद हसवु
मुसकराहट स्त्री० स्मित; मुस्कावु ते
मुसकाना अ०क्रि० मुस्कावु; मलकावु
मुसजर पु० (प) जुओ 'मुशज्जर'
मुसद्दका वि०[अ] तपासेलु; प्रमाणित
मुसद्दस पु० [अ] षट्कोण (२) छप्पो
मुसद्दिक पु० [अ] तपासनार
मुसना अ०क्रि० चोरावु
मुसन्ना पु० [अ] नकल के पहोचनु अडधियु [लेखिका
मुसन्निफ पु०[अ] लेखक. –फ़ा स्त्री०
मुसफ़्फ़ा वि० [अ] शुद्ध; साफ
मुसव्बर पु० [अ] एक दवा
मुसम्मन वि० (२) पु०[अ] अष्टकोण
मुसम्मम वि० [अ] पाकु, दृढ
मुसम्मा वि० [अ] नामी; नामवाळु
मुसम्मात स्त्री०[अ] श्रीमतीनी माफक स्त्रीओना नामनी साथे जोडाय छे उदा० मुसम्मात हमीदा (२) स्त्री
मुसरिफ वि० [अ] खर्चाळ, उडाउ
मुसर्रत स्त्री० [अ] खुशी; आनद
मुसलमान पु०[फा]इस्लामनो अनुयायी. –नी वि० ते सबधी (२) स्त्री० सुन्नत (३) मुस्लिम स्त्री [मुसलमान
मुसलमीन पु० ['मुस्लिम'नु ब०व०]
मुसलसल वि० [अ] क्रमबद्ध; क्रमिक
मुसलाधार अ० मूसळधार
मुसलिम पु० जुओ 'मुस्लिम'. ०ली स्त्री० ए नामनी सस्था ०लीगी पु ते सस्थानो सभ्य
मुसलि(–ले)ह वि० [अ] सुधारक
मुसल्लम वि० [फा] मान्य; मजूर (२) साबूत; अखड (३) पूरु; कुल
मुसल्लस पु० [अ] त्रिकोण
मुसल्लह वि० [अ] सशस्त्र
मुसल्ला पु० [अ] नमाजनो मुसल्लो
मुसव्दा पु० 'मसविदा'; मुसद्दो
मुसव्विर पु० [अ] चित्रकार. –री स्त्री० चित्रकळा
मुसहर पु० एक जगली जातनो माणस –रिन स्त्री० तेनी स्त्री
मुसहिल वि० [अ] रेचक
मुसाफहा पु० [अ] मळती वखते मित्र जोडे हाथ मेळववो ते
मुसाफ़िर पु० [अ] मुसाफर ०खाना पु० धरमशाळा ०गाडी स्त्री० रेलवे ट्रेन ०त,–री स्त्री० [अ] मुसाफरी
मुसालहत स्त्री० [अ] जुओ 'मसालहत'
मुसावात स्त्री० [अ] बराबरी; समानता
मुसावी वि० [अ] बरोबर; तुल्य (२) समातर (लीटी)
मुसाह(–हि)ब पु०[अ] साथी; हजूरमा रहेनार ०त,–बी स्त्री० सग; साथ
मुसीबत स्त्री० [अ] मुश्केली, कष्ट
मुस्कराना अ०क्रि० जुओ 'मुसकराना'. –हट स्त्री० जुओ 'मुसकराहट'
मुस्किरात पु० [अ] मादक पदार्थो
मुस्तडा वि० हृष्टपुष्ट (२) बदमाश
मुस्तअफी वि० [अ] 'इस्तीफा'–राजीनामु देनार
मुस्तकबिल पु० [अ.] भविष्यकाळ

मुस्तक़िल वि० [अ] दृढ; स्थिर (२) मुस्ताक; मजबूत

मुस्तकीम वि० [अ.] सीधु; टटार

मुस्तग़ीस पु०[अ] दावेदार; फरियादी

मुस्ततील पु० [अ.] लंबचोरस

मुस्तनद वि० [अ.] प्रमाणभूत

मुस्तफा वि०[अ.] शुद्ध (२) पु० शुद्ध दुर्गुणरहित पुरुष [आशावाळु

मुस्तफीज़ वि०[अ.] लाभ के उपकारनी

मुस्तफीद वि० [अ.] फायदो चाहतु

मुस्तवी वि० [अ.] समतल; सपाट

मुस्तस्ना वि०[अ.] अलग पडेलु; जुदु (२) अपवादरूप [पात्र

मुस्तहक़ वि०[अ] अधिकारी; हकदार;

मुस्तहकम वि० [अ] दृढ (२) वाजबी

मुस्तैमल वि०[अ.] उपयोगमां आवतु–वपरातु [–दी स्त्री०

मुस्तैद वि० [अ.] तत्पर (२) चालाक.

मुस्तौजिर पु०[अ] ठेकेदार; इजारदार. –री स्त्री० ठेको; इजारो

मुस्तौफी पु०[अ.] अन्वेषक; 'ऑडिटर'

मुस्बत वि०[अ.] प्रमाणित; सिद्ध (२) (व्या.) हकारवाचक

मुहकम वि० [अ] दृढ; पाकु

मुहकमा पु० [अ] 'महकमा'; खातु; विभाग [ठीक; भाग

मुहक्कक वि०[अ] अजमावी जोयेलु (२)

मुहक्किक वि०[अ] परीक्षक, अजमावनार

मुहज्जब वि० [अ] शिष्ट; सभ्य

मुहतमिम पु० [अ.] व्यवस्थापक

मुहताज वि० [अ] गरीब; कंगाळ (२) आश्रित (नाम,–जी स्त्री०) [आपनार

मुहद्दिस पु० [अ] 'हदीस'–धर्मशास्त्र

मुह[illegible] पु० [अ] [illegible]

मुहब्बत स्त्री० [अ] महोबत; प्रेम; चाह; दोस्ती –ती वि० प्रेमी

मुहम्मद पु० [अ] महम्मद पेगंबर (२) वि० जेनी प्रशंसा पामेलु –दी वि० पेगंबरने लगतु (२) मुस्लिम

मुहय्या वि० जुओ 'मुहैया'

मुहर स्त्री० महोर; छाप; सील –करना =महोर मारवी

मुहरा पु० सामेनो–मोरनो भाग (२) [फा] शेतरंजनु महोरु. –लेना=सामे आवीने लडवु

मुहर्रम पु० [अ.] मोहरम; अरबी वर्षनो पहेलो मास. –की पैदाइश=रोनार के शोकातुर चहेरानु माणस

मुहर्रमी वि० मोहरम अंगेनु के लगतु (२) शोकदर्शक; दुःखी. ०सूरत पु० जुओ 'मुहर्रमकी पैदाइश'

मुहर्रिक वि० [अ] चलावनार (२) नेता

मुहर्रिर पु० [अ.] मुनशी; महेतो; कारकुन; लहियो (नाम, –री)

मुहलत स्त्री० [अ] फुरसद (२) छुट्टी (३) अवधि; मोहलत

मुहल्ला पु० [अ.] महोल्लो

मुहसिन वि० [अ] उपकार करनार

मुहस्सिल वि० उघरावनार; वसूल करनार (२) पु० [illegible] सैनिक

मुहाजरत स्त्री० [अ] जुदा थवु ते (२) हिजरत करवी ते

मुहाफज़त स्त्री० [अ] 'हिफाजत'; रखवाळी, रक्षा

मुहाफा पु० [अ.] [illegible]

मुहाफ़िज़ वि०[अ.] [illegible]

राखवानु स्थान ०त स्त्री० रक्षा; सभाळ. ०दफ़्तर पु० दफतरी; 'रेकर्डकीपर'
मुहार स्त्री० [फा.] ऊटनी नकेल–नाथ
मुहाल वि० [अ.] असभव; अघरुं
मुहावरा पु० [अ] महावरो; आदत (२) भाषानो रूढिप्रयोग; कहेवत
मुहासरा पु० [अ.] घेरो
मुहासिब [अ] हिसाबनीस (२) अन्वेषक (३) गणिती
मुहासिरा पु० जुओ 'मुहासरा'
मुहासिल पु० [फा.] आवक (सरकारी अने बीजी) (२) नफो
मुहिब्ब पु० [अ.] दोस्त
मुहिम स्त्री० [अ] भारे काम (२) लडाई (३) चडाई; आक्रमण
मुहीत वि० [अ] घेरो घालनारु (२) पु० घेरो
मुहीब वि० [अ महीब] डरामणु; भयानक
मुहूर्त पु० [स] शुभ घडी; महुरत (२) अमुक समय – दिवसनो ३० मो भाग
मुहैया वि० [अ] तैयार; हाजर
मूँग स्त्री० पु० मग
मूँगफली स्त्री० मगफळी
मूँगा पु० परवाळु; एक लाल रत्न
मूँछ स्त्री० मूछ **–उखाड़ना** = अभिमान उतारवु. **मूँछें नीची होना**=मूछ नीची थवी; पाछा पडवु; आवरू जवी **मूँछो पर ताव देना** = मूछ पर ताल देवो; मूछ मरडवी
मूँज स्त्री०; मुज घास
मूँड पु० मुड; माथु **–चढ़ाना** = मोढे चडाववु. **–मारना**=माथाझीक करवी. **–मुँडाना** = सन्यासी थवु
मूँड़न पु० मुडन; मूडाववु ते
मूँड़ना स०क्रि० मूडवु
मूँड़ी स्त्री० माथु ०**काटा** पु० 'मूओ' अर्थनो स्त्रीओनो पुरुष माटे प्रयोग
मूँदना स०क्रि० ढाकवु
मू, मूए पु० [फा] मुवाळो; वाळ
मूक वि० [स] मूगु (२) विवश; लाचार
मूकना स०क्रि० (प) मूकवु; छोडवु
मूका पु० मुक्को
मूछ स्त्री० 'मूँछ', मूछ
मूजिद वि० [अ] शोधक; 'ईजाद' करनार
मूजिब पु० [अ] कारण
मूज़ी वि० [अ] दुष्ट; पीडा करनार
मूठ (–ठि,–ठी) स्त्री० मूठी (२) दस्तो; हाथो (३) मूठनो मत्रतत्र
मूड़ पु० मुड; माथु
मूढ़ वि० [स] मूर्ख; जड (२) शूढमूढ
मूढ़गर्भ पु० [स] गर्भमा बगाड–विक्रिया
मूत पु० मूत्र; मूतर
मूतना अ०क्रि० मूतरवु
मूत्र पु० [स] मूतर; पेशाब
मूत्राशय पु० [स] फुक्को; शरीरनी मूतरनी कोथळी
मूनिस पु० [अ] मित्र (२) मददगार
मू–ब–मू अ० [अ] वारीकाईथी (२) सौ वातोमा [(२) जडीबुट्टी
मूर पु०, **मूरि** (–री) स्त्री० मूळी; मूळ
मूरख पु० (प.) मूर्ख, अज्ञान
मूरत स्त्री० (प) मूर्ति
मूरि, –री स्त्री० जुओ 'मूर'
मूरिस पु० [अ.] मृत पूर्वज; वारसो मूकी जनार
मूर्ख पु० [स] अज्ञान; वेवकूफ
मूर्च्छा, –र्छा स्त्री० [स] वेभान; वेहोशी
मूर्च्छि(–र्छि)त वि० [स] मूर्छा पामेलु

मूर्त वि० [स] मूर्त; साकार; नक्कर
मूर्त्ति स्त्री० [स] मूर्ति; आकृति (२) शरीर (३) नक्करपणु
मूर्त्तिमान वि० [स.] साक्षात् (२)साकार
मूर्द्ध, –र्द्धा पु० [स.] माथु
मूल पु० [स] मूळ (२) पायो (३) मुद्दल मूडी (४) एक नक्षत्र
मूल धन पु० [स] रोकाण; वेपारनी मूळ मूडी (२) रोकड धन; पूंजी
मूली स्त्री० मूळो. –गाजर समझना = भाजीमूळा समजवु; तुच्छ लेखवु
मूल्य पु० [स] मूल; किंमत
मूल्यवान वि० [स] कीमती
मूष(०क) [स], –स पु० 'मूसा'; उंदर
मूसदानी स्त्री० उंदरियु
मूसना स०क्रि० चोरवु
मूसर(–ल) पु० मुसळ, सांबेलु
मूसलचंद पु० गमार; मूर्ख
मूसल(–ला)धार अ० मुसळधार (वर्षा)
मूसा पु० उंदर (२) [अ.] मूसा पेगंबर ०ई पु० मूसानो अनुयायी, यहूदी
मूसीकी स्त्री० [अ.] संगीतशास्त्र
मृग पु०[सं] मृग; हरण (२) जंगली कोई पशु
मृगचर्म पु० [स] हरणनु चामडु
मृगजल पु० [स], मृगतृषा,–ष्णा स्त्री० [स] मृगजळनो आभास; झांझवाना जळ
मृगनाभि, मृगमद पु०, मृगमदा स्त्री० [स] कस्तूरी
मृगमरीचिका स्त्री० [स] मृगतृष्णा
मृगया पु० [स.] शिकार
मृगारि पु० [स] वाघ
मृगी स्त्री० [स] हरणी (२) 'मिरगी'
मृणा [illegible] [स] [illegible]

मृणालिनी स्त्री०[स.] कमळनु सरोवर
मृण्म(–न्म)य वि०[स.] माटीनु बनेलु
मृत वि०[स] मरेलु. ०क पु० मरेलु– मडदु (२) सूतक
मृत्तिका स्त्री० [स.] माटी
मृत्यु स्त्री० [स] मरण
मृदंग पु० [स.] मृदंग ढोल
मृदु वि०[स]मुलायम;कोमळ; (२)प्रिय; मधुर (३) नरम
मृन्मय वि० [स] जुओ 'मृण्मय'
मृषा अ० [स] व्यर्थ; नकामु (२) मिथ्या
में 'मां'; सातमीनो प्रत्यय (२) प० बकरीनु 'में' बोलवु ते
मेंगनी स्त्री० लींडी
मेंड स्त्री० जुओ 'मेड'
मेंडक पु० जुओ 'मेढक'
मेंधी,–धिका स्त्री० [स] मेंदी
मेंबर पु० [इं.] सभासद; सभ्य
मेअराज पु० [अ.] [illegible]
मेख स्त्री०[फा.]मेख; खीली –मारना= मेख मारवी (२) [illegible]
मेखला स्त्री० [स] कंदोरो
मेगझीन पु० [इं] सामयिक पत्र (२) 'बारूदखाना', [illegible]
मेघ पु० [स] वादळ
मेघाडंबर पु०[स] [illegible]; [illegible] (२) [illegible]
मेचक पु०[स] [illegible] (२) [illegible]
मेज स्त्री० [फा] मेज; टेबल
मेजबान पु० [फा.] [illegible]; [illegible] [illegible] –नी स्त्री० [illegible]
मेट पु० [इं] मजूरोनो [illegible]
मेटना स०क्रि० [illegible]
मेड़ [illegible]

मेडल पु० [इं] चाद; चद्रक
मेड़िया स्त्री० मढी; नानु घर
मेढक पु० मेंडक; देडको
मेढ़ा पु० मेंढो; घेटो
मेढ़ी स्त्री० त्रण लटमा गूथेली वेणी
मेथी स्त्री० [स.] मेथी भाजी
मेथौरी स्त्री० मेथीनी भाजीनु वडु
मेद पु० [स.] चरबी
मेदा स्त्री०[सं] एक औषधि–मूळियु (२) [अ. मेअद] पेट; जठर
मेदिनी स्त्री० [स.] पृथ्वी
मेध पु० [स] यज्ञ
मेधा स्त्री० [स.] बुद्धि; याददास्त
मेधावी वि० [स] बुद्धिशाळी
मेना स०क्रि० मोवु; करमोववु
मेम स्त्री० मडम; गोरी (२) गजीफानी राणी. ०**साहबा** स्त्री० मडम साहेव
मेमना पु० घेटानु बच्चु
मेमार पु०[अ]कडियो (नाम,–री स्त्री०)
मेमो,०रॅन्डम पु०[इ] हकीकतनु टाचण (याद राखवा) [नामु; अरजीपत्र
मेमोरियल पु०[इ]स्मारक (२) हकीकत-
मेय वि० [स] मापी शकाय एवु
मेयर पु०[इ.] मोटा शहेरनी सुधराईनो प्रमुख [मिश्रित करवु
मेरवना स०क्रि० (प) मेळववु; भेगु–
मेरा स० मारु (स्त्री० –री)
मेराउ(–व) पु० (प) मेळाप
मेराज स्त्री० [अ] (स्वर्गनी) सीडी
मेराव पु० जुओ 'मेराउ'
मेरी स० मारी (२) स्त्री० अहकार
मेरुदंड पु० [स.] करोडरज्जु
मेरे स० 'मेरा' साथे व०व० शब्द के विभक्तिवाळो शब्द आवता थतु रूप
मेल स्त्री०[इ] टपाल (२) मेल गाडी
मेल पु०[स] मेळ; मळवु ते (२) एकता; मेळ के बनतु होवु ते (३) मळतु होवु के आववु ते; बराबरी (४) प्रकार; तरेह (५) मिश्रण; मेळववु ते –**खाना**, –**बैठना**, –**मिलना**=मेळ खावो; वनवु ०**जोल**, ०**मिलाप** पु० हेतसबध; प्रीति
मेला पु० भीड; जमावट (२) मेळो. ०**ठेला**, ०**तमाशा** पु० मेळो. –**लगना** = मेळो भरावो
मेली पु० साथी (२) वि० मळतावडु
मेव पु० एक मुसलमान जाति–जाट
मेवा पु० [फा] सूको मेवो. ०**फ़रोश** पु० मेवो वेचनार
मेष पु० [स] घेटु (२) एक राशि
मेशीन,०री स्त्री० [इ] मशीन; यत्र
मेहँदी स्त्री० मेंदी [मेघ; वादळ
मेह पु० [स.] प्रमेह रोग (२)वरसाद (३)
मेहतर पु०[फा.] महापुरुष (२) नायक (३) महेतर; भगी (स्त्री० –रानी)
मेहनत स्त्री० [अ] महेनत
मेहनताना पु० [अ+फा] महेनताणु
मेहनती वि० महेनतु
मेहमान पु० [फा] महेमान; परोणो ०**दार** पु० परोणागत करनार. ०**दारी**, –**नी** स्त्री० परोणागत
मेहर स्त्री० महेर; कृपा. ०**वान** वि० महेरवान; कृपाळु; [के दया
मेहरवानी स्त्री०[फा.] महेरवानी; कृपा
मेहरा पु० स्त्री जेवो माणस; वायलो
मेहराव स्त्री० [अ.] महेराव; कमान. ०**दार,–बी** वि० कमानवाळु; कमान आकारनु [ओरत (२) पत्नी
मेहरारू, मेहरिया, मेहरी स्त्री० स्त्री;

मेह् स्त्री० [फा.] महेर; कृपा (२) सहानुभूति (३) पुं० सूरज. ०बान वि०, ०बानी जुओ अनुक्रमे 'मेहरबान–नी'
मैं स० हुं
मै स्त्री० [फा.] दारू (२) अ० [अ] साथे
मै-कश वि० [फा] दारूडियो. –शी स्त्री० शराबखोरी
मै-कदा, मै-खाना पु० [फा] दारूनु पीठु
मैका पु० 'मायका', पियर
मै-ख्वार पु० [फा.] दारूडियो –री स्त्री० शराबखोरी [मदगळ
मैगल पु० मेगळ; मस्त हाथी (२) वि०
मैच पु० [इं] मॅच (जेम के क्रिकेटनी)
मैटर पु० [इं] पदार्थ (२) छापवानु लखाण
मैत्री स्त्री० [सं.] दोस्ती [भाषा
मैथिली स्त्री० [सं] सीता (२) मैथिली
मैथुन पु० [सं] संभोग
मैदा पु० [फा.] मेंदो
मैदान पु० [फा.] मेदान. –छोड़ना = रणमांथी नासवु –जाना = जंगल जवु. –जीतना, –मारना = जीतवु; फावचु. –में आना = लडवा सामे आवी जवु
मैदानी वि० मेदाननु के मेदान जेवु सपाट
मैन पु० मीण (२) (प) मदन, कामदेव. ०फल पु० मींढळ
मैनसिल पु० एक धातु (रंगाना काममां)
मैना स्त्री० [सं मदना] मेना, सारिका
मैनेजर पु० [इं] मॅनेजर; व्यवस्थापक
मैयत स्त्री० [अ] मोत (२) मडदु
मैया स्त्री० माता
मैयार पु० [अ] माप, कसोटी; धोरण (२) [illegible]
मैर स्त्री० (प) सापना झेरनु घेन

मैल स्त्री० [सं. मलिन, प्रा. मइल] मेल; गदकी (२) दोष; विकार
मैल पु० [अ.] मननु वलण; झोक (२) चाह; प्रेम (३) सुरमो आजवानी सळी
मैलखोरा वि० मेलखाउ [मिलु; गू
मैला वि० मेलु; गदु; अस्वच्छ (२) पु०
मैला-कुचैला वि० बहु मेलु [रुचि
मैलान पु० [अ] 'मैल'; मननु वलण;
मैहर पु० (प.) पियेर; महियर
मो अ० (प) मां; अंदर (२) स० 'मैं'–हु अर्थमां ('मोको, मोरे, मोरा' जेवा रूपोमां)
मोछ स्त्री० मूछ
मोढ़ा पु० मूढो; नरकट इ०नु गोळ आसन (२) [illegible]
मो स० (प) मारु (२) जुओ 'मो' २ अर्थ
मोकल(–ला) वि० (प) मोकळु; छूट-थाळु, छूटु
मोक्ष [सं], –ष पु० (प) मुक्ति
मोखा पु० (प.) नानी बारी के जाळियु
मोगरा पु० मोगरो (फूल)
मोगल पु० जुओ 'मुगल'
मोघ वि० [सं.] अफळ; व्यर्थ
मोच स्त्री० शरीरना अंगनी मचकोड
मोचन पु० [सं] छोडवु ते; छुटकारो
मोचना स०क्रि० (प) छोडवु
मोची पु० (जोडा सीवनार) मोची
मोठ स्त्री० मूठ (२) पु० (प.) साथ
मोज(–जि)जा पु० [अ मुअजिज़ह] मोजजो; अद्भुत करामत; चमत्कार
मोजा पु० [फा.] पगनु मोजु
मोजिया पु० जुओ 'मोजड़ा' [illegible]
मोट स्त्री० पोटली (२) पु० [illegible]
मोटर,०कार स्त्री० [इं] मोटर गाडी

मोटरख़ाना पु० मोटरनु 'गॅरेज'
मोटरी स्त्री० (प) मोटली; पोटली
मोटा वि० जाडु; स्थूळ (कद के दळमा). **–असामी** = मालदार माणस. **–झोटा**= जाडु खद्दड (कपडु) **–ताजा** = जाडु; हृष्टपुष्ट; स्थूल. **मोटी बात**=साधारण के सामान्य वात. **मोटे तौर पर**= साधारणत **मोटे हिसाबसे** =अदाजथी
मोटाई स्त्री० जुओ 'मुटाई'; मोटापणुं (२) गर्व; शेखी (३) दुष्टता. **–चढ़ना** =वदमाश के गर्विष्ठ थवु
मोटाना अ०क्रि० जुओ 'मुटाना' (२) स०क्रि० जाडु करवु (बीजाने)
मोटिया पु० जाडु खद्दड कपडु (२) मोटियो; कूली
मोठ स्त्री० मठ अनाज
मोड़ पु० वळवु ते के वळांक
मोड़ना स०क्रि० फेरववु; वाळवु (२) मोडवु, मरडवु के (धार) कुठित करवी
मोड़ी स्त्री० (मराठीनी) एक लिपि
मोतकिद वि० [अ. मुअतकिद] विश्वास करनार (२) कोई धर्मनो अनयायी
मोतदिल वि० [अ.] (गुणमां) न गरम न ठडु (दवा विषे), मध्यम
मोतबर, मोतमद वि०[अ.] विश्वासपात्र
मोतमिद वि० [अ] विश्वास करनार
मोताद स्त्री० [अ. मुअताद] (दवानी) मात्रा; प्रमाण
मोतिया वि० मोती सबंधी के तेना जेवु (२)पु० एक जातनो मोगरो;'मोती-वेल'
मोतियाबिंद पु० आखनो मोतियो
मोती पु० मोती; मुक्ता. **–ढलकना**= रडवु **–पिरोना**=सुदर वोलवु (२)सुदर अक्षरे लखवु (३) रडवु **–रोलना**=वगर महेनते वहु कमावु. **मोतियोंसे मुंह भरना** =राजी थईने न्याल करवु
मोतीचूर पु० कळी के तेनो लाडु
मोतीझ(–झि)रा पु० छातीए मोती जेवी फोल्ली थाय छे एवो ताव [वेल
मोती-बेल स्त्री० 'मोतिया'– मोगरानी
मोती-सिरी स्त्री० मोतीनी माळा
मोथा पु० नागरमोथ औषधि
मोद पु०[स] खुशी, आनद (२) सुगध
मोदक पु० [स] लाडु
मोदना अ०क्रि० (प.) राजी थवु (२) महेकवु (३) स०क्रि० राजी करवु
मोदी पु० मोदी वाणियो. **०ख़ाना** पु० मोदीखानु; कोठार
मोना स०क्रि० (प.) मोवु; –थी तर करवु (२) पु० करडियो
मोम पु०[फा] मीण **–की नाक**=अस्थिर मतिनु; ढोचका जेवु **–की मरियम** = कोमळ सुकुमार स्त्री
मोमजामा पु०[फा] मीण-कपड; मीणियु
मोमबत्ती स्त्री० मीणबत्ती
मोमिन पु० [अ] आस्तिक, ईमानदार मुसलमान (२) मुसलमान वणकरनी जात (मोमनो ?)
मोमिया स्त्री० [फा] ममी; दवाओ भरीने राखेलु मडदु
मोमियाई स्त्री०[फा] नकली शिलाजित **–निकालना** = ठूस काढवी (२) खूब ठोकवु
मोमी वि० [फा] मीणनु
मोयन पु० मोण. **०दार** वि० (वरावर) मोण नाखेलु; मोणवाळु
मोर पु० मयूर (२) [अ] कीडी (३) स० (प.) मारु; मोरु

मौख पु० एक मसालो (२) [स.] मुखथी थतु पाप – जूठ इ०

मौखिक वि०[सं.] मोढेथी थतु; 'ज़बानी' (२) मौखिक परीक्षा – 'ओरल'

मौज स्त्री०[अ] मोज; मजा (२) मोजु (वि० **–जी**) [मोजो

मौज़ा पु०[अ.] गाम (२) खेतर; वाटो;

मौजी वि० मोजी; मनस्वी; आनदी

मौज़ूँ वि०[अ]तोल करेलुं(२)योग्य, ठीक

मौजूद वि०[अ] मोजूद; हयात; हाजर; तैयार. **०गी** स्त्री० मौजूद होवु ते

मौजूदा वि०[अ.] वर्तमानकाळनु; प्रस्तुत

मौजूदात स्त्री० [अ.] समस्त सृष्टि

मौत स्त्री० [अ.] मोत; मरण **–का तमाचा**=मोत याद करावे एवु काम के घटना; मोतनो खेल. **–के दिन पूरे करना**=वगर मोते वहु दु खमा दहाडा काढवा **(अपनी) मौत मरना**=मोते मरवु; स्वाभाविक मरण थवु

मौताद स्त्री० जुओ 'मोताद'

मौन पु०[स.] मौन; चूपकी; मुनिव्रत (२) वि० मौनी; चूप

मौना पु० 'मोना'; करडियो

मौनी वि० मौनवाळु (२) पु० मुनि (३) नानो 'मौना'-करडियो

मौर पु० [स मुकुट, प्रा. मउड़] लग्ननो मोड (२) शिरोमणि; सरदार (३) [सं मुकुल, प्रा मउल] मोर; मजरी

मौरना स०क्रि० मोर आववो; मोरवु

मौरूसी वि० [अ.] वारसानु; पैतृक

मौर्ख्य पु० [सं] मूर्खता

मौर्वी स्त्री० [सं.] धनुपनी प्रत्यचा

मौलवी पु० [अ] मोलवी; मुल्लां (२) अरवी फारसीनो पडित **०गिरी** स्त्री० मोलवीनु काम

मौलसिरी स्त्री० बोरसळी; बकुल

मौला पु० [अ] मित्र (२) धणी (३) ईश्वर [मोलवी

मौलाना पु० [अ] मौलाना; मोटो

मौलि स्त्री०[स]जटा (२)माथु (३)मुगट

मौलिक वि० [स] मूलगत; असली (२) मूळ सबधी (३) साव नवीन

मौली पु० [स] मुगटधारी

मौलूद पु० [अ] जन्मेलु बालक (२) महमद पेगवरनो जन्मोत्सव

मौस(–सि)म पु० जुओ 'मोसिम'

मौसा पु० मासो; मासीनो पति

मौसिम पु० [अ.] मोसम; ऋतु (२) योग्य समय **०गुल**, **०बहार** पु० वसत ऋतु **मौसिमे ख़िज़ाँ** पु० पानखर ऋतु

मौसिमी वि० [अ] मोसमनु

मौसिया वि० मासी जेवु (२) पु० 'मौसा'; मासा **०ससुर** पु० मासोससरो. **०सास** स्त्री० मासीसासु

मौसी स्त्री० मासी

मौसूफ वि० [अ] वर्णवेलु; उल्लेखेलु

मौसूम वि० [अ] नामवाळु; नामे (वि० स्त्री० **–मा**)

मौसूल वि० [अ] मळेलु; प्राप्त

मौसेरा वि० मसियाई; मासीने लगतु

म्याँवँ, –व अ० म्याउ

म्यान पु० [फा] तलवार वगेरेनु म्यान

म्युनिसिपैल्टी स्त्री० म्युनिसिपालिटी

म्यूज़ियम पु० [इ] सग्रहस्थान

म्यों अ० जुओ 'म्याँवँ'

म्योंड़ी स्त्री० एक झाड [स्त्री०

म्लान वि०[स]करमायेलु (२)मेलु **–नि**

म्लेच्छ पु० [स] म्लेच्छ जातिनु माणस (२) वि० नीच; पापी

म्हारा स० (प) अमारं

यत्र अ० [स] ज्या
यथा अ० [स] जेम; जेवी रीते [तेम ज
यथातथ्य अ०[स.] आबेहूब; बरोबर
यथापूर्व अ०[स] जेमनु तेम; पहेला पेठे
यथायोग्य अ०[स] घटारत; जेवु घटे तेम
यथार्थ वि०[स] साचु;वाजबी (२) उचित
यथावत् अ० [स] योग्य रीते (२) जेमनु तेम
यथाविधि अ० [स] विधिपूर्वक
यथाशक्ति, यथाशक्य अ० [स] बने तेटलु; शक्ति मुजब
यथासंभव अ० [स] बने त्या सुधी
यथेच्छ, यथेष्ट अ०[स] इच्छा मुजब; मनमान्यु
यथोक्त वि० [स] कह्या प्रमाणेनु
यथोचित वि० [स] योग्य; घटित
यदा अ०[स] ज्यारे. ०**कदा** अ० कदी कदी; क्यारेक [‘यद्यपि’; जोके
यदि अ० [स] जो ०**च**, ०**चेत्** अ०
यदृच्छा स्त्री०[स] स्वेच्छा (२) सहज के अकस्मात बनवु ते
यद्यपि अ० [स] जोके
यम पु० [स.] निग्रह; काबू (२) जम
यमज, यमल पु०[स] जोडका बाळक
यमी स्त्री०[स] यमनी बहेन—यमुना नदी
यमीन वि०[अ] जमणु (२) पु० जमणो हाथ (३) कसम; सोगन (४) कस; बळ
यरकाना पु०[अ] कमळो; पाडुरोग
यलगार स्त्री० [तु] हुमलो; चडाई
यलदा स्त्री०[फा] लावी अधारी रात
यव पु० [स] जव धान्य
यवन पु०[स] यूनान—ग्रीसनो वतनी (२) आर्येतर जातिनो माणस; म्लेच्छ
यवनिका स्त्री०[स] जवनिका; पडदो
यवास पु० जवासो
यश पु० [स] जश; कीर्ति
यशब, -म पु०[अ.] एक जातनो पथ्थर; ‘सगे-यशब’ [फतेहमद
यशस्वी वि०[स] यशवाळु (२) सफळ;
यशी, ०**ल** वि० (प) यशस्वी
यष्टि, ०**का** स्त्री० [सं] लाकडी
यसार पु० [अ] डाबो हाथ (२) खूब सपत्ति (३) वि० डाबु
यह स० आ (विभक्तिना रूपमा ‘इस’ थाय छे उदा० ‘इसको’ व्रजभाषामा ‘या’ थाय छे ‘याको’)
यहाँ अ० अही
यही स० ‘यह + ही’; आ ज
यहूद पु० पॅलेस्टाईन देश **-दिन** स्त्री० यहूदी स्त्री **-दी** पु० ‘यहूद’ नो वतनी
याँचना स०क्रि० (प.) याचवु; मागवु
या अ० [फा] वा; अथवा (२) हे !
याकूत पु० [अ] एक जातनो मणि
याग पु० [स] यज्ञ
याचक पु० [स] मागनार
याचना स०क्रि० मागवु; याचवु (२) स्त्री० [स] मागवु ते, मागणी
यातना स्त्री० [स] पीडा; कष्ट
याता स्त्री० देराणी के जेठाणी
यातायात पु० [स] आवागमन
यात्रा स्त्री० [स] प्रवास; सफर (२) जात्रा; तीर्थाटन
यात्रावाल पु० तीर्थनो पडो
यात्री पु० [स] यात्राळु; मुसाफर
याथातथ्य, याथार्थ्य पु० [स] यथार्थता; सत्य
याद स्त्री० [स] स्मृति; स्मरण
यादगार स्त्री०[फा]स्मारक; स्मृतिचिह्न

ये स० ('यह' नु ब०व०) आ बधा
येई स० (प) जुओ 'यही'
येऊ, –हू स० (प) आ पण; 'यह भी'
येतो वि० (प) जुओ 'एतो'; 'इतना'
यो अ० आम; आ प्रमाणे
योंही अ० आम ज (२) व्यर्थ; विना खास प्रयोजन
योग पु० [स] मेळाप (२) योग दर्शन
योगरूढ़ि स्त्री० [स] खास अर्थमा प्रचलित समास. उदा० चद्रभाल
योगी पु० [स] योग साधनार; जोगी
योग्य वि० [स] उचित; वाजवी
योजन पु० [स] योजवु ते; (२) चार गाउ
योजना स्त्री० [स] गोठवण; व्यवस्था; आयोजन
योद्धा पु० [स] योद्धो
योनि स्त्री० [सं] देव, पशु इ० जाति (२) उत्पत्तिनु स्थान (३) स्त्रीनी योनि
योम पु० जुओ 'यौम'
यौं अ० (प.) आम; आ रीते
यौत(–तु)क पु० [स.] लग्ननी पहेरामणी, देज पैठण इ०
यौन वि० [स] योनि सबंधी
यौम पु० [अ] दिवस
यौमिया पु० [अ] रोजी (२) वि० रोजनु (३) अ० रोज
यौवन पु० [स.] जुवानी

र

रंक वि० [सं.] गरीब; निर्धन (२) कजूस
रंग पु० [स.] कलाई; 'राग' (२) रगभूमि (३) रग (वर्ण वगेरे अर्थमा) [फा पण] **–चूना या टपकना**=भरजुवानीमा होवु **–निखरना**=चहेरो साफ ने चमकतो होवो. **–मारना**=जीतवु **–रलना**=लहेर करवी. **–लाना**=प्रभाव के गुण देखाडवो
रगढंग पु० हाल; दशा, स्थिति (२) वर्तन
रंगत स्त्री० रग (२) मजा, आनद (३) दशा
रगतरा पु० संतरु
रँगना स०क्रि० रगवु
रंगविरंगा वि० रगवेरगी
रंगभवन पु० [स] जुओ 'रगमहल'
रंगभूमि स्त्री० [स] नाटकशाळा, अखाडो के युद्धक्षेत्र (२) मच [जगा
रंगमहल पु० आनद उल्लास माणवानी
रंगर(–रे)ली स्त्री० मजा; लहेर, रगरस
रँगरूट पु० लश्करमां दाखल थनार
रँगरेज़ पु० [फा] रगरेज (स्त्री० **–जिन**)
रंगरेली स्त्री० जुओ 'रगरली'
रंगशाला स्त्री० [स] नाटकशाळा
रंगसाज़ पु० [फा] रगारो (मकान इ०नो) (२) रग बनावनार **–ज़ी** स्त्री० तेनो धधो के काम [मजूरी
रँगाई, –वट स्त्री० रगवानु काम के तेनी
रंगारंग वि० [फा] रगबेरगी
रँगि(–गै)या पु० 'रगसाज'; रगारो
रंगी वि० [सं] रगीलु; मोजीलु
रंगीन वि० [फा] रगवाळु; रगित (२) रगीलु (३) मजेदार; रसिक **–नी** स्त्री० 'रगीन' होवु ते (२) सजावट; शणगार

रक्तस्राव पु० [स] लोही वहेवु–नीकळवु ते
रक्तार्श पु० दूझता हरस
रक्तालु पु० [स.] रताळु
रक्ति स्त्री० [स.] प्रेम; अनुराग (२) रती; 'रक्तिका'
रक्तिका [स] रती वजन
रक्ष पु०[स] रक्षा (२) रक्षक (३) राक्षस
रक्षक पु०[स]रक्षा करनार (२) रखेवाळ
रक्षण पु०, **रक्षा** स्त्री०[स] बचाववु ते; पालन
रक्षागृह पु० [स] प्रसूतिगृह (२) चोकी
रक्षित वि०[स]रक्षा पामेलु (२) आश्रित
रक़्स पु०[अ] नृत्य **रक़्से ताउस**=मोर जेवो नाच
रखना स०क्रि० राखवु **रख छोड़ना**= राखी मूकवु [एब, दोष
रख़ना पु०[फा] बारी (२) खलेल (३)
रख़ना-अंदाज़ वि०[फा]विघ्न नाखनारु; अडचणकर्ता (नाम, **–ज़ी** स्त्री०)
रख़नी स्त्री० रखात
रखला पु० जुओ 'रहँकला'
रखवाई,–ली स्त्री० रखेवाळी
रखवार,–ला पु० रखेवाळ
रखवाली, रखाई स्त्री० जुओ 'रखवाई'
रखाना स०क्रि० रखाववु (२) रक्षा करवी
रखे(–खैं)ली स्त्री० रखात
रग स्त्री० [फा] रग; नस (शरीर के पाननी) **–उतरना**=जिद के क्रोध ऊतरवो **–चढ़ना**=जिदे के क्रोधे चडवु (२) रग चडवी–आघी पाछी थवी **–दबना**=दबावु; मानवु; कह्यामा के प्रभाव तळे आववु. **–फड़कना**= आख फरकवी; अनिष्ट थवानी बीक थवी [नस
रगज़ाँ स्त्री० [फा] सौथी मोटी–धोरी
रगड़ स्त्री० रगडव्, घूटवु के घसवु ते (२) रगड; भारे महेनत (३) रगडो, झघडो; पचात (४) घसावाथी थतु चिह्न, उझरडो **–खाना**=धक्का खावा; रगडपट्टी थवी **–देना**=तग करवु. **–पड़ना**=खूब महेनत पडवी
रगड़ना स० क्रि० रगडवु; घसवु के घूटवु (२) खूब महेनतपूर्वक करवु (३) हेरान करवु (४) अ० क्रि० खूब महेनत करवी
रगड़ा पु० जुओ 'रगड' ०**झगड़ा** पु० लडाई; टटो **–देना**=रगडवु, घसवु
रगड़ान स्त्री० 'रगडा'; रगडवु ते
रगदना स०क्रि० खदेडवु, दोडाववु
रगबत स्त्री० [अ] रुचि; चाह; इच्छा
रग-रेशा पु० पादडानी नसो (२) शरीरनी रगेरग–अदरना बधा अग
रचना स०क्रि० रचवु (२) स्त्री० [स] रचवु के रचायेलु ते; बनावट; कृति
रचनात्मक वि० [स] रचनाने लगतु; जेमा रचवानु -करवानु होय एवु; अमली
रचयिता पु० [स] रचनार; निर्माता
रचित वि० [स] रचेलु; बनावेलु
रज़ पु० [फा] अगूर
रज पु० [स] रजोगुण (२) स्त्रीनो मासिक अटकाव (३) पराग (४) स्त्री० रज; धूळनो कण
रजक पु० [स] धोबी. **–की** स्त्री० धोवण
रजत स्त्री० [स] चादी (२) वि० धोळु

रजनी स्त्री० [सं.] रात्री (२) हळदर
रजवाड़ा पु० रजवाडो; देशी राज्य
रजस्वला वि० स्त्री० [सं] वेगळी बेठेली (स्त्री) [(२) अनुमति
रजा स्त्री० [अ] रजा (मजूरी; छूटी)
रजाइ स्त्री० (प.) आज्ञा; हुकम
रजाई स्त्री० [फा.] ओढवानी रजाई
रजाकार पु० [फा] स्वयंसेवक [स्त्री०)
रजामंद वि० [फा] सहमत (नाम,–दी
रजिस्टर पु० [इं] नोंधपत्रक
रजिस्ट्री स्त्री० रजिस्टर कराववु ते
रजील वि० [अ] रजाळु; नीच; हलकट
रजोगुण पु० [सं] राजस; प्रकृतिनो एक गुण [ऋतुधर्म–अटकाव
रजोदर्शन, रजोधर्म पु० [सं] स्त्रीनो
रज्जाक पु० [अ] रोजी आपनार
रज्जु स्त्री० [सं.] दोरडी; रस्सी (२) लगाम
रज्म स्त्री० [फा.] युद्ध
रट स्त्री० रटवु ते; रटण (२) गोखण
रटना स०क्रि० रटवु (२) गोखवु
रण पु० [सं] युद्ध; जंग
रणसिंघा पु० रणशिंग
रत वि०[सं] लीन, आसक्त (२) पु० मैथुन
रतजगा पु० जागरण (उत्सवादिनु)
रतन पु० रत्न
रतनार(–रा) वि० रतूमडु
रतन्‍ स्त्री०[सं] सगाइनी प्रथा (२) [illegible]
रतालू पु० रतालु
रति स्त्री०[सं] राग; आसक्ति (२) मोह [illegible]
रतूबत स्त्री० [अ] भेज; भीनाश
रतौंधा [illegible] –धी स्त्री० [illegible] [illegible] –धिया [illegible]

रत्ती स्त्री० रती वजन (२) रती, चणोठी
रत्तीभर वि० रतीभार, बहु थोडं
रत्थी स्त्री० ठाठडी
रत्न पु० [सं] रत्न; मणि
रत्नाकर पु० [सं] समुद्र
रथ पु०[सं] रथ गाडी –थी पु० रथमां बेसी लडनार योद्धो
रद पु० दांत [सं] (२) वि० 'रद्द'
रदच्छद, रदछद (प.), रदपट [सं] पु० होठ
रदीफ स्त्री० [अ] गजलमां काफिया बाद वारंवार आवतो शब्द
रदीफवार वि० [अ+फा] अक्षरक्रमना आधारे
रद्द वि०[अ] रद करेलु (२) नकामु; 'रद्दी' (३) स्त्री० उलटी
रद्द-बदल पु० [अ] रदबदल; फेरफार
रद्दा पु० [फा] थर; पड –जमाना = आरोप मूकवो –रखना = आरोप मूकवो (२) थर उपर थर चणवुं (३) [illegible]
रद्दी वि० 'रद्द'(२) स्त्री० नकामो पस्ती
रनथंबा, रनथंकुरा पु० [illegible]
रन(–नि)वास पु० [illegible]
रपट स्त्री० रपटवु ते (२) [illegible] (३) [illegible] (४) [illegible]; [illegible]
रपटना अ०क्रि० [illegible] (२) [illegible] –[illegible]
रपट्टा पु० [illegible] (२) [illegible]
रफ वि० [इं] [illegible] (२) [illegible] [illegible]
रफअ [illegible]
रफा, [illegible] (२) [illegible]

रफ़ाह स्त्री० [अ] सुख; आराम (२) परोपकार
रफ़ीक पु० [अ] साथी; सहायक; मित्र
रफ़ू पु० [अ] कपडु तूणवु ते
रफ़ूगर पु० तूणनार; तूणियो **-री** स्त्री० तेनु काम [भागी गयेलु
रफ़ू-चक्कर वि० रफुचक्कर; गेब;
रफ़्त वि० [फा] गयेलु; गत
रफ़्तनी स्त्री० [फा] बहार जवु ते (२) मालनी निकास
रफ़्तार स्त्री० [फा] चाल; गति
रफ़्ता रफ़्ता अ० [फा] रफते रफते; धीरे धीरे; क्रमश
रब पु०[अ]पालनपोषण करनार; ईश्वर
रबड़(-र) पु० [इ] रबर
रबड़ना स०क्रि० घुमाववु; चलाववु (२) प्रवाहीने घुमरडी खवडाववी (३) अ०क्रि० रवडवु; रखडवु
रबड़ी स्त्री० बासूदी
रबदा पु० चालवानो थाक (२) कीचड. **-पड़ना** = खूब वरसाद थवो
रबा(-वा)ब पु० [अ] सारगी जेवु एक वाद्य. **-बिया** पु० ते वगाडी जाणनार
रबी स्त्री० [अ रबीअ] वसत के ते ऋतुनी फसल - रवी पाक
रबी-उल्-अव्वल पु० [अ] अरबी वर्षनो त्रीजो मास
रबी-उल्-आख़िर, रबी-उस्सानी पु० [अ] अरबी वर्षनो चोथो मास
रबीब पु० [अ] आगळियो पुत्र (२) पालक-पितानो पुत्र
रब्त पु०[अ] रफ्त; महावरो (२) मेळ; सबध **०ज़ब्त** पु० मेळ; खूब सबध. **-डालना** = महावरो पाडवो; टेवावु
रब्बाब पु० जुओ 'रबाब'
रमक पु० प्रेमी; यार [स] (२) स्त्री० लहेर; तरग
रमक़ स्त्री०[अ.]अतिम श्वास (२) थोडो भाग (३) नशानी थोडी असर के रमकझमक (४) वि० थोडुक; जराक
रमकना अ०क्रि० हीडोळा पर झूलवु (२) डोलती चाले चालवु
रमज़ान पु०[अ.] हिजरी सननो नवमो - रोजानो मास
रमज़ानी वि० रमजानने लगतु के ते मासमा जन्मेलु (२) भुखाळवु
रमण पु०[स] क्रीडा (२) सभोग (३) कामदेव (४) पति (५) वि० रमण करनार (६) प्रिय; सुदर
रमणी स्त्री० [स] (सुदर) स्त्री
रमणीक,-य वि०[स] सुदर; मनोहर
रमद पु० [अ] आख लाल थई जवानी एक बीमारी
रमना अ०क्रि० रमवु; आनद के भोग-विलास करवो (२) घूमवु; विचरवु (३) पु० रमणु; चोगान के चरो (४) बाग के तेवु रम्य स्थान [एक विद्या
रमल पु०[अ.]पासा नाखी जोष जोवानी
रमा स्त्री० [स] लक्ष्मी
रमाना स०क्रि० रमाडवु (२) मोहित करवु; लोभाववु
रमीदगी स्त्री० [फा] घृणा; नफरत
रमीम वि० [अ] जीर्ण; जरीपुराणु
रमूज़ स्त्री० [अ. 'रम्ज़' नु ब०व०] आखनो इसारो (२) रहस्य; झीणी वात
रमैती स्त्री० खेतीमा सूढलनी रीत के तेनो दिवस
रमैया पु० (प) राम; ईश्वर

रसा स्त्री० [स] रसना (२) पृथ्वी (३) पु० रसो (४) वि० [फा] पहोचनार
रसाई स्त्री० [फा] पहोचवु ते(२) पहोच; प्रवेश (३) ओळख (४) धीरज; सबूरी
रसादार वि० रसावाळु (शाक)
रसायन पु० [स] रसायण शास्त्र (२) भस्मवाळी औषधि
रसाल पु० [स] शेरडी (२) आंबो (३) वि० रसाळ; मीठु के सुंदर
रसाला पु० जुओ 'रिसाला' (२) स्त्री० [स] दहींनी एक वानी; 'सिखरन' (३) द्राक्ष (४) जीभ
रसाव पु० झमवु के चूवु–'रसना'–ते
रसावर(–ल) पु० जुओ 'रसौर'–'बखीर'
रसिक वि० [स] रस पडे एवु; रसयुक्त (२) रसज्ञ; रसियु (३) प्रेमी; विलासी
रसिया पु० रसियो (२) फागणमा गवातु एक प्रकारनु गायन
रसीद स्त्री०[फा] पहोचवु ते के तेनी पावती –करना = पहोचतु करवु (२) दई देवु, मारवु –काटना = रसीद फाडवी के आपवी
रसील (प), –ला वि० रसीलु (२) स्वादिष्ट (३) रसियु (४)छवीलु; सुंदर
रसु(–सो)न पु० लसण; 'लहसुन'
रसूम पु० [अ 'रस्म' नु ब०व०] नियम; धारो (२) धारा प्रमाणे आपवाना लागानु धन उदा० रसूम अदालत= अदालतमा केस करवा आपवु पडतु धन; कोर्ट-फी
रसूल पु०[अ] पेगंबर; ईश्वरनो दूत. –ली वि० रसूल संबंधी
रसोइया पु० रसोइयो; महाराज
रसोई स्त्री० रसोई (२) रसोडुं
रसोईख़ाना, रसोई-घर पु० रसोडु
रसोईदार पु० रसोइयो –री स्त्री० तेनु काम
रसोन पु० [स] जुओ 'रसुन'
रसौत स्त्री० एक दवा
रसौता पु०, –ती स्त्री० वरसाद थता पहेला कराती वावणी
रसौर पु० जुओ 'बखीर'
रसौली स्त्री० रसोळी
रस्ता पु० जुओ 'रास्ता'
रस्म स्त्री०[अ] 'रसम'; रिवाज (२) वर्तन; व्यवहार
रस्म-उल्-ख़त पु० [अ] लिपि
रस्सा पु० रसो; जाडु दोरडु
रस्सी स्त्री० रसी; दोरडी
रहँकला पु० रेंकडी के तेवी (तोप लादवानी) नानी गाडी
रहँ(–ह)चटा पु० चसको; लालसा
रहँट पु० [स आरघट्ट] रहेंट
रहँटा पु० (प) रेटियो
रहँटी स्त्री० लोढवानो चरखो (२) दर महिने अमुक हपते आपवाना करीने अपातु उधार
रह स्त्री० 'राह' नु समासमा आवतु रूप दा० त० रहगुज़ार, रहज़न इ०
रहचटा स्त्री० जुओ 'रहँचटा'
रहज़न पु०[फा] जुओ 'राहज़न'. –नी स्त्री० डकाटी; लूट
रहन,–नि,–नी स्त्री० रहेणी के रहेवु ते
रहन-सहन स्त्री० रहेणीकरणी
रहना अ०क्रि० रहेवु रहा जाना= रहेवावु (प्राय आ प्रयोग नकार साथे). रहा-सहा = थोडुघणु बचेलु; रह्युंसह्यु

राज पु० राज्य (२) राजा (३) कडियो
राज़ पु० [फा.] रहस्य; मर्म
राजकर पु० [स.] जुओ 'राजस्व'
राजकाज पु० राज्यव्यवस्था; राज्यनु कामकाज, नीति इ० [सबंधी
राजकीय वि० [स] राजा के राज्य
राजकुँअर (प), राजकुमार [स.] पु० राजकुवर; राजपुत्र
राजगद्दी स्त्री० राजगादी; राजपाट
राजगीर पु० 'राज'; कडियो –री स्त्री०
राजत पु० [स.] रजत; चांदी (२) वि० चादीनु [तिनी सजा
राजदंड पु० [सं.] राज्यनु शासन के
राजदूत पु० [स] एलची
राजद्रोह पु० [स.] राज्य के राजा सामे काम करवु ते
राजधानी स्त्री० [स.] राज्यनु पाटनगर
राजना अ०क्रि० (प) राजवु; शोभवु (२) बिराजवु [रायणनु झाड
राजन्य पु० [स] राजा (२) क्षत्रिय (३)
राजपथ पु० [स] धोरी रस्तो; राजमार्ग
राजपूत पु० राजपुत्र; रजपूत –ताना पु० रजपूताना प्रदेश
राजबाहा पु० सौथी मोटी–मुख्य नहेर, जेमाथी नानी फूटती जाय
राजभक्त पु० [स] राजा के राज्यनु भक्त, वफादार –क्ति स्त्री०वफादारी
राजभवन पु० [स.] राजानो महेल
राजभोग पु० एक अनाज (२) वपोरनु (ठाकोरजीने धरातु) नैवेद्य
राजमहल पु० राजमहेल
राजमार्ग पु० [स] जुओ 'राजपथ'
राजरोग पु० [स.] क्षय
राजर्षि पु० [स.] क्षत्रिय ऋषि
राजश्री स्त्री०[स.] राज्यलक्ष्मी; राजानी विभूति
राजस वि० [स] रजोगुणी (२) पु० क्रोध; जुस्सो [सत्ता
राजसत्ता स्त्री० [स.] राजा के राज्यनी
राजसभा स्त्री० [स] राजानी सभा; दरबार (२) राज्यनी सभा–ससद
राजसूय पु० [स] (सम्राटनो) एक प्रकारनो यज्ञ
राजस्व पु० [स] राजाने आपवानो कर
राजहंस पु० [स] एक प्रकारनो हस
राजा पु० [स] राजा; नृप. ०धिराज पु० महाराजा; सम्राट [(२) राई
राजि (–जी) स्त्री० [स.] पक्ति; हार
राजिक पु० [अ] अन्नदाता (२) ईश्वर
राजिका स्त्री० [स] जुओ 'राजि' (२) अळाई [शोभतु
राजित वि० [स.] विराजेलु (२) राजतु,
राजी स्त्री० [स] जुओ 'राजि'
राज़ी वि० [अ.] राजी; समत (२) नीरोग (३) राजी, खुश (४) सुखी (५) स्त्री० 'रज़ामदी'; सहमती ०ख़ुशी स्त्री० क्षेमकुशळ
राज़ीनामा पु०[फा] (वादी प्रतिवादीना) झघडानी पतावटनु सुलेहनामु
राजीव पु० [सं.] कमळ
राज्ञी स्त्री० [स.] राणी
राज्य पु०[स] राजानो देश (२) शासन; हकूमत; सत्ता
राज्यतंत्र पु०[स]राज्यनु तत्र;शासनप्रथा
राज्यपाल पु०[स] राज्यप्रदेशनो गवर्नर
राज्यव्यवस्था स्त्री०[स] राजकारभार
राज्याभिषेक पु० [स] राजगादी पर बेसाडवु ते के तेनो विधि

राष्ट्रपति पु० [स] देशना राज्यनो अध्यक्ष

राष्ट्रभाषा स्त्री० [स] आखा राष्ट्रनी चालु एक भाषा

राष्ट्रीय वि०[स] राष्ट्रनुं के तेने लगतु

रास पु० [अ] भूशिर (२) पशुओनी सख्या जोडे वपराय छे उदा० 'चालीस रास बैल'=चालीस बळद (३) स्त्री० लगाम (४) वि० [फा रास्त] अनुकूळ; ठीक [(२) रासमडळी

रास पु०[स] रासक्रीडा के तेनु गीत

रास स्त्री० राशि; ढग (२) नक्षत्र राशि (३) दत्तक (४) व्याज. **०नशीन** वि० दत्तक लीघेलु

रासना पु० जुओ 'रास्ना'

रासभ पुं०[स.]गधेडो **-भी** स्त्री० गधेडी

रासायन,-निक वि०[स] रसायन संबधी

रासिख़ वि० [अ] दृढ; पक्कु

रासो पु० रासो-वीररसनु एक काव्य

रास्त वि०[फा.] ठीक; साचु; वाजबी (२) सीधु; सरळ (३) अनुकूळ

रास्तगो वि० [फा] साचु कहेनार

रास्तबाज़ वि० [फा.] साचु; ईमानदार **-ज़ी** स्त्री० सच्चाई; ईमानदारी

रास्ता पु० [फा] रस्तो (२) उपाय (३) प्रथा; चाल **-कटना**=रस्तो कपावो **-काटना**=चालवामा कोईनी आडे ऊतरवु **-देखना**=वाट जोवी. **-बताना**=रस्ते पडवानु-जवानु कहेवु (२) दोरवु; मार्गदर्शन करवु

रास्ना पु० [स] एक औषधि

राह स्त्री०[फा] राह; रस्तो **-ताकना, -देखना**=वाट जोवी **-पड़ना**=रस्तो पडवो (२) जवु; रस्ते पडवु (३) (प.) लूटवु; वाट पाडवी. **-लगना**=रस्तो पकडीने के केडे केडे चालवु (२) थाक लागवो

राहख़र्च पु० [फा.] वाटखरची

राहगीर पु० [फा.] वटेमार्गु; मुसाफर

राहगुज़र पु० [फा] सडक; रस्तो

राहचलता पु० 'राहगीर'(२)रस्ते जतो-आहित माणस

राहज़न पु०[फा] लूटारो; डाकु; वाटपाडु

राहज़नी स्त्री० [फा.] लूट; धाड

राहत स्त्री० [अ] सुख; आराम

राहदार पु०[फा] नाकु लेनार; नाकेदार

राहदारी स्त्री० [फा] रस्तानो कर; नाकु

राहबर पु० [फा.] मार्गदर्शक; भोमियो **-री** स्त्री० मार्गदर्शन

राह व रब्त, राह व रस्म स्त्री० [फा +अ] मेळ; बनाव

राह-रस्म पु०, **राह-रीति** स्त्री० लेण-देण; व्यवहार; सबध

राहिन पु० [अ] गीरो राखनार

राहिब पु० [अ] एकातवासी; त्यागी

राही पु० [फा] वटेमार्गु

राहोरब्त, राहोरस्म पु० जुओ 'राह व रब्त', 'राह व रस्म'

रिंगना अ०क्रि० जुओ 'रेंगना'

रिंद पु०[फा] नास्तिक (२) स्वच्छन्दी (३) वि० मस्त; मदमस्त

रिंदा वि० निरकुश; उद्दाम

रिआ(-या)यत स्त्री० [अ] नरम के दयाभर्यो व्यवहार (२) कमी; छूटछाट (३) ख्याल; विचार

रिआयती वि० [अ] 'रिआयत' वाळु

रिआया स्त्री० [अ] रैयत

रिकशा पु० [इ.] रिक्षागाडी

रिकाब स्त्री० जुओ 'रकाब'

रीस स्त्री० 'रिस'; क्रोध (२) ईर्ष्या; दाझ (३) स्पर्धा; बराबरी. **–करना**= बराबरी करवी; स्पर्धवु
रीसना अ०क्रि० रिसावु; गुस्से थवु
रीह स्त्री० [अ] अपानवायु (२) वा; वायु
रुंज पु० एक वाद्य
रुंड पु० [स] धड
रुँदवाना स०क्रि० 'रौदना' नु प्रेरक
रुंधना अ०क्रि० रूधावु ('रूँधना' नु कर्मणि)
रुअब पु० जुओ 'रोआब'
रुआ पु० (प) 'रोआँ'; रूवु; रोम
रुआ(–वा)ब पु० जुओ 'रोआब'
रुकना अ०क्रि० रोकावु; अटकवु
रुकाव पु०, **०ट** स्त्री० रोकाण; बाधा; अंतराय; विघ्न
रुक़्क़ा पु० [अ] रुक्को; चिठ्ठी
रुक्न पु० [अ] स्तभ
रुक्म पु० [स] सोनु
रुक्ष वि०[स] लूखु; शुष्क (२) कठोर
रुख़ पुं० [फा] गाल (२) मो (३) मो पर जणाती मननी इच्छा (४) कृपादृष्टि (५) शेतरजनु महोरु – हाथी (६) अ० तरफ; बाजूए
रुख़दार वि०[फा] पडतो; घटतो (भाव)
रुख़सत स्त्री०[अ] आज्ञा (२) रवानगी (३) छुट्टी; रजा [अपातु धन
रुख़सताना पु०[फा] विदाय देती वेळा
रुख़सती स्त्री०[अ] विदाय; वळाववु ते
रुख़सार पु० [फा] गाल; कपोल
रुखाई स्त्री० रूक्षपणु; शुष्कता (२) कठोरता
रुखानी स्त्री० सुतारनी फरसी
रुग्ण वि० [स] मादु; बीमार
रुचना अ०क्रि० रुचवु; गमवु
रुचि स्त्री०[स] इच्छा; भाव (२) भूख
रुचिकर वि० [स] सुदर; प्रिय (२) भूख उघाडे एवु [पीडा
रुज पु०, **रुजा** स्त्री० [स] भाग (२) रोग;
रुजी वि० बीमार; रोगी [लागेलु
रुजू वि०[अ] कशामा प्रवृत्त थयेलु–
रुठ पु० क्रोध; गुस्सो
रुठना अ०क्रि० 'रूठना'; रूठवु
रुठाना स०क्रि० रूठववु; नाराज करवु
रुतबा पु०[अ] होद्दो; पद (२) प्रतिष्ठा
रुदन पु० [स] रोवु ते
रुद्ध वि०[स] रोकायेलु; बध; घेरायेलु
रुद्र वि० [स] भयानक (२) पु० शकर के तेना गण [(जेनी माळा बने छे)
रुद्राक्ष पु० [स] एक वृक्ष के तेनु बीज
रुद्राणी स्त्री० [स] पार्वती
रुद्री स्त्री० शिवनी स्तुतिनु एक स्तोत्र
रुधिर पु० [स] लोही [झणकार
रुनझुन, रुनुकझुनुक स्त्री० रूमझूम करतो
रुपना अ०क्रि० रोपावु; 'रोपना'नु कर्मणि
रुप(–पै)या पु० रूपियो (२) धन; संपत्ति **०पैसा** पु० धन; सपत्ति
रुपहरा, -ला वि० रूपेरी; चादी जेवु
रुबा वि० [अ] चोथा भागनु
रुबाई स्त्री०[अ] रुवायत; एक चरण
रुमाल पु० जुओ 'रूमाल'
रुमाली स्त्री० पट्टीवाळो त्रिकोणाकार लगोट (२) मगदळनो एक दाव
रुरुआ पु० एक जातनो मोटो घुवड
रुलाई स्त्री० रोवु ते; रुदन
रुलाना स०क्रि० रडाववु (२) रोवडाववु; नष्ट के खराब करवु
रुवा पु० शीमळानु रू

रूबरू अ० [फा.] मोढामोढ; प्रत्यक्ष; समक्ष

रूबाह स्त्री० [फा.] शियाळ **०बाजी** स्त्री० लुच्चाई; धूर्तता [ओरडी

रूम पु०[फा] तुर्कस्तान (२) [इ] रूम;

रूमाल पु० [फा] मोनो रूमाल (२) (माथे के केडे बधातो) रूमाल

रूमाली स्त्री० जुओ 'रुमाली'

रूमी वि० [फा] 'रूम'–तुर्कस्ताननु

रूरा वि० रूडु; सरस; सुदर

रू-रिआ(-या)यत स्त्री० [फा +अ] पक्षपात; तरफदारी

रूल पु० [इ] नियम (२) लीटी (३) आकणी; 'रूलर' स्त्री०)]

रू-शनास वि०[फा]परिचित (नाम,**–सी**

रूस पु० [फा] रशिया (वि०, **–सी**)

रूसना अ०क्रि० रूठवु; रोषावु

रू-सफेद वि०[फा.] गोरु (२) खूबसूरत (३)आबरूदार(४)निर्दोष [घास

रूसा पु० अरडूसो (२) एक सुगधीदार

रूसियाह वि० [फा.] काळा मोनु (२) पापी (३) बदनाम (नाम, **–ही** स्त्री०)

रूसी स्त्री० रशियन भाषा (२) माथानो खोडो (३) वि० रशियानु

रूसे अ० रूए (जुओ 'रू' मा)

रूह स्त्री०[अ] आत्मा (२) सत्त्व; सार

रूहानी वि० [अ] आत्मानु के ते सबधी; आध्यात्मिक

रेंकना अ०क्रि० भूकवु

रेंगटा पु० खोलकु

रेंगना अ०क्रि० धीरे धीरे, कीडीनी जेम, चालवु (२) पेटे चालवु

रेंट पु० लीट; शेडा

रेंड़ पु० एरडो. **–ड़ी** स्त्री० एरंडी

रेंरें अ० ऊ ऊ करतो रोवानो अवाज

रे अ० ए! ओ! (नाना माटे सबोधन)

रेख स्त्री० रेखा; लीटी (२) निशानी (३) नवी फूटती मूछ **–आना,–भींजना** या **भीनना**=मूछ फूटवी; मूछ आववी

रेख़ता पु०[फा] रेखतो; एक प्रकारनी गजल के काव्यनो ढाळ

रेखा स्त्री० [स] लीटी (२) आकार. **०गणित** पु० भूमिति **०चित्र** पु० 'स्केच'

रेग स्त्री० [फा] रेती

रेगज़ार पु०[फा.] रण, रेतीनु मेदान

रेगमाल पु० [फा] रेतियो कागळ

रेगिस्तान पु० [फा] रेतीनु रण

रेचक वि०[स] रेच करे एवु (२) पु० एक प्राणायाम

रेचन पु०[स.] रेच; जुलाब के तेनी दवा

रेज़गारी, रेज़गी स्त्री० आनी बेआनी वगेरे परचूरण; खुरदो

रेज़ा पु०[फा] नानो टुकडो (२) कडिया-कामनो मजूर (३) रेजो; सोनीनी धातु गाळवानी नळी

रेज़िश स्त्री०[फा] शरदी; सळेखम

रेजीमेन्ट स्त्री० [इ] पलटन; सेनानो एक भाग

रेट पु०[इ] भाव; दर (२) गति; चाल

रेडियम पु० [इ] एक कीमती धातु

रेडियो पु०[इ] रेडियो यन्त्र के तेनु काम

रेणु,०का स्त्री० [स] रज (२) धूळ (३) रेती

रेत स्त्री० रेती (२) रेतीनु मेदान (३) पु० [स] वीर्य (४) पारो

रेतना स०क्रि० रेतडीथी घसवु

रेता पु० रेती के रेतीनु मेदान (२) माटी

रोज़ीना पु० [फा] दिवस के मासनी मजूरी; रोजी के पगार
रोट पु० जाडो मोटो रोटलो–भाखरो
रोटी स्त्री० रोटली (२) रसोई. **–दाल चलना** = निर्वाह थवो [विघ्न पाडवु
रोड़ा पु० रोडु. **–अटकाना, –डालना**=
रोदसी पु० [स.] स्वर्ग (२) पृथ्वी
रोदा पु० धनुष्यनी दोरी (२) [फा] आतरडु के (आतरडानी बनेली) तात
रोना अ०क्रि० रोवु; रडवु (२) चिडावु के दुःख मानवु (३) वि० रोतल (स्त्री० **–नी**) (४) पु० दुःख; खेद. **–पड़ना** = शोक फेलावो; ककळाट थई जवो **–पीटना**=खूब रडवु;छाती कूटवी
रोनी-धोनी स्त्री० रोवु ते; दुःखशोक
रोपना स०क्रि० रोपवु; वाववु
रोपनी, रोपाई स्त्री० रोपणी
रोब पु० रुआब; रोफ. **–जमाना** = (कोई पर) रोफ मारवो के पाडवो **–में आना** = प्रभाव के भीतिमा आवी जवु
रोब-दाब पु० [अ] प्रभाव; रोफ
रोबदार वि० प्रभाव–रोफवाळु
रोम पु० [स] रूवु [के ते पथ
रोमन कैथलिक पु०[इ] रोमन कॅथलिक
रोमपाट पु० [स] ऊननु कपडु
रोमराजी, रोमलता स्त्री०[स] रोमनी हार (खास करीने पेट परनी)
रोमहर्ष(०ण), रोमांच पु०[स.] रूवा खडा थई जवा ते के तेवी ऊर्मि
रोमांचित वि०[स] रोमांच अनुभवतु; पुलकित ['रोमराजी'
रोमावलि,–ली स्त्री० [सं] जुओ
रोयाँ पु० रूवु; रोम. **–खड़ा होना** = रोमांचित थवु. **–टेढ़ा न होना** = वाळ वाको न थवो **-पसीजना**=दया आववी
रोर,–ल स्त्री० रोळ; कळाहोळ (२) धमाल; आंदोलन
रोला पु० रोळ; शोरबकोर (२) घमसाण
रोली स्त्री० कंकु
रोवनी-धोवनी स्त्री० जुओ 'रोनी-धोनी'
रोवासा वि०(स्त्री० **–सी**)रडु रडु थयेलु
रोशन वि० [फा] प्रकाशमान (२) प्रसिद्ध (३) जाहेर; प्रगट
रोशन-चौकी स्त्री० शरणाई
रोशन-दान पु०[फा] प्रकाश आववानी बारी
रोशन-दिमाग़ पु०[फा.] उत्तम दिमाग-वाळो (२) छीकणी
रोश(-स)नाई स्त्री० [फा.] रुशनाई; शाही (२) जुओ 'रोशनी'
रोश(-स)नी स्त्री० [फा] अजवाळु; प्रकाश. (२) दीवो के तेनो प्रकाश. **–का मीनार** = दीवादांडी
रोष(-स) पु० [स] गुस्सो; चीड
रोसनाई, रोसनी जुओ अनुक्रमे 'रोशनाई, रोशनी'
रोह पु०[स]चडवु ते(२)अंकुर(३)कळी
रोहण पु०[स] चडवु ते (२) ऊगवु के अंकुर फूटवा ते
रोहिणी स्त्री०[स] गाय (२) एक नक्षत्र
रोहित वि० (२) पु० [स] लाल रंग
रौंद स्त्री० कचडवु ते (२) 'राउन्ड'; चक्कर
रौंदना स०क्रि० पगथी कचडवु
रौ स्त्री० गति; चाल (२) वेग (३) पाणीनो प्रवाह (४) धून (कशी वातनी)
रौग़न पु०[फा] रोगान; पोलिश. **–नी** वि० रोगान करेलु

लंबा वि० लाबु (२) ऊंचु (माणस). **–करना**=(माणसने) रवाना करवु (२) जमीन पर लाबु करी देवु
लंबाई(–न) स्त्री० लबाई; लबाण
लंबा-चौड़ा वि० लाबुपहोळु; विस्तृत
लंबाना स०क्रि० लबाववु
लंबी वि० स्त्री० लांबी **–चौड़ी हाँकना** =गप मारवी **–तानकर सोना,–तानना** =निराते लाबा थईने बेफिकर बनीने सूवु **–साँस भरना, लेना**=निसासो नाखवो
लबू वि० लबूश (लाबो माणस)
लबोतरा वि० वधारे लाबु–लबायेलु
लबोदर पु० [स] गणपति
लंबोष्ठ पु०[स] ऊंट (२) वि० लाबा ओठवाळु
लअन-तअन स्त्री०[अ] गाळो ने टोणा
लऊक पु० [अ] अवलेह; चाटवानी दवा
लकड़बग्गा पु० जरख प्राणी
लकड़हारा पु० कठियारो
लकड़ा पु० लाकडानु डीमचु
लकड़ी स्त्री० लाकडु (२) बळतण; इंधण(३)लाकडी **–चलना**=लाकडीनी मारामारी थवी. **–देना**=मडदु बाळवु. **–सा**=लाकडा जेवु पातळु, दूबळु; सुकलकडी **–होना**=लाकडा जेवु सुकु थई जवु
लकदक पु०[फा] साफ (घास के झाड-पान विनानु) वेरान मेदान
लकब पु० [अ] इलकाब; पदवी
लकलक पु०[अ] सारस पक्षी; लगभग (२) वि० बहु दूबळु पातळु; नाजुक
लकलका पु०[फा] वारवार जीभ काढी हलाववी ते (२) महाकाक्षा (३) दमाम; रोब (४) सारसनी बोली
लक्क-व-दक्क पु०[अ.] उज्जड वेरान मेदान
लकवा पु०[फा] लकवो रोग. **–मारना** =लकवो थवो
लकसी स्त्री० जुओ 'लग्गा'
लक्का पु० [अ] चहेरो (२) एक पक्षी
लकीर स्त्री०लीटी **–का फकीर**=विना समज्ये जूनाने वळगी रहेनार; चीलेचलु **–पर चलना**=जूनाने वळगीने चालवु. **–पीटना**=वगर समज्ये रूढिने वळगवु ['बडहर'
लकुच,–ट पु० एक झाड के तेनु फळ;
लकुट(–टी) स्त्री० लाकडी
लक्कड़ पु० लाकडानु मोटु डीमचु; 'लकडा'
लक्का पु०[अ] 'लका'; एक पक्षी; लक्की
लक्खी वि० लाखी; लाखना रंगनु (२) पु० लखपति
लक्त वि० [स] लाल [लक्षण; चिह्न
लक्ष वि०[स] लाख (२) पु० लक्ष्य (३)
लक्षण पु०[स] गुण; धर्म (२) चिह्न; निशानी (३) व्याख्या (४) लक्षण; आचरण [शब्दशक्ति
लक्षणा स्त्री० [स] लक्ष्यार्थ बतावती
लक्षित वि०[स] लक्षमा आवेलु (२) चिह्नित (३) धारेलु के कल्पेलु
लक्ष्मी स्त्री०[स] धन (२) लक्ष्मीदेवी
लक्ष्य पु०[स] उद्देश; हेतु (२) निशान
लखन पु० (प) लक्ष्मण
लखपति,–ती पु० लक्षाधिपति
लख़लख़ा पु०[फा] मूर्छा दूर करनार एक सुगंधी वस्तु
लखलुट वि० उडाउ; अपव्ययी (आदमी)

लच्छा पु० दोरनो लच्छो (२) हाथ के पगनु एक घरेणु [लाख
लच्छि स्त्री० (प) लक्ष्मी (२) पु० लक्ष;
लच्छी स्त्री० दोरीनी लच्छी (२) (प) लक्ष्मी [लच्छावाळी (वात्ती)
लच्छेदार वि० मजेदार (वात) (२)
लछमन पु० लक्ष्मण
लजना अ०क्रि० 'लजाना'; लाजवु
लजाना अ०क्रि० लाजवु; शरमावु (२) स०क्रि० लजववु
लजारू (–लू) पु० लजामणीनो छोड
लज़ीज़ वि० [अ] लहेजतदार; स्वादिष्ट
लजीला, लजोहा, लजौहाँ वि० लज्जाळु
लज़्ज़त स्त्री० [अ] लहेजत; मजा; स्वादनो आनंद [लाज; मर्यादा
लज्जा स्त्री० [स] शरम; सकोच (२)
लज्जालु पु० [स] लजामणी; 'लजालू' (२) वि० लज्जाळु
लट स्त्री० माथानी लट (२) गूचवायेलां लटिया (३) अग्निनी झोळ **–पड़ना** =वाळ गूचावा [(२) लटको
लटक स्त्री०, **०न** पु० लटकवुं ते; लचक
लटकना अ०क्रि० लटकवु; लवडवु (२) लचकवु; नमवु; झूकवु
लटका पु० चाल; हीडछा (२) लटको (३) बोलवामा लहेको इ० करवु ते–तेवी कृत्रिमता (४) नानो मत्रोपचार के नुसखो
लटकीला वि० लटकावाळु; लचकतु
लटकौआ (-वा) वि० लटकतु
लटना अ०क्रि० थाक के कमजोरीथी लटी जवु; नरम पडवु (२) (प.) लोभावु; लट्टु थई जवु
लटपट, –टा वि० लपटु; ढीलु (२) भांग्युतूटयु (शब्द माटे) (३) थाकेलु (४) अस्तव्यस्त
लटपटाना अ०क्रि० (नाम, **लटापटी, लटपटान**) लथडावु के अडबडियां खावा (२) लपटावु [शण; 'पटसन'
लटिया स्त्री० सूतरनी आटी **०सन** पु०
लटी स्त्री० जूठी वात; गप (२) वेश्या
लटूरी स्त्री० वाळनी लट
लट्टू पु० भमरडो **–होना**=(कोई पर) लट्टु थवु; लोभावु के आसक्त थवु
लट्ठ पु० लठ्ठ; मोटी लाठी **०बाज़** वि० लाठी चलावी जाणनार. **–लिये फिरना**=लठ्ठ लईने फरी वळवु; सखत विरोध करवो
लट्ठमार वि० लठ मारनार (२) अप्रिय ने कठोर (वात के वचन)
लट्ठा पु० जाडु मोटु लाकडानु डीमचु के पाटडो के थाभलो (२) एक जातनु जाडु कपडु (३) ५।। वारनु जमीननु एक माप
लठैत पु० लाठी चलावी जाणनार
लड़ंत स्त्री० लडाई; सामनो
लड़ स्त्री० लटी; सेर; माळा; लट
लड़क (–का) ई स्त्री० छोकरवाद
लडक-खेल पु० छोकरानो खेल; सहेलु के साधारण काम
लड़क-बुद्धि स्त्री० नादानी; छोकरमत
लड़का पु० छोकरो (२) पुत्र
लड़का-वाला पु० सतान, परिवार
लड़की स्त्री० छोकरी (२) पुत्री
लड़को (-कौ) री वि० स्त्री० धावणा छोकरावाळी (स्त्री)
लडखड़ाना अ०क्रि० लथडावु; लडथडावु
लड़ना अ०क्रि० लडवु

लच्छा पु० दोरनो लच्छो (२) हाथ के पगनु एक घरेणु [लाख
लच्छि स्त्री० (प) लक्ष्मी (२)पु० लक्ष;
लच्छी स्त्री० दोरीनी लच्छी (२) (प) लक्ष्मी [लच्छावाळी (वानी)
लच्छेदार वि० मजेदार (वात) (२)
लछमन पु० लक्ष्मण
लजना अ०क्रि० 'लजाना'; लाजवु
लजाना अ०क्रि० लाजवु; शरमावु (२) स०क्रि० लजववु
लजारू(-लू) पु० लजामणीनो छोड
लज़ीज वि०[अ] लहेजतदार; स्वादिष्ट
लजीला, लजोहा, लजौहाँ वि० लज्जाळु
लज़्ज़त स्त्री० [अ] लहेजत; मजा; स्वादनो आनद [लाज; मर्यादा
लज्जा स्त्री०[स] शरम; सकोच (२)
लज्जालु पु०[स.] लजामणी; 'लजालू' (२) वि० लज्जाळु
लट स्त्री० माथानी लट (२) गूचवायेलां लटिया (३) अग्निनी झोळ. **-पड़ना** =वाळ गूचावा [(२) लटको
लटक स्त्री०,**०न** पु० लटकवु ते; लचक
लटकना अ०क्रि० लटकवु; लबडवु (२) लचकवु; नमवु; झूकवु
लटका पु० चाल; हीडछा (२) लटको (३) बोलवामा लहेको इ० करवुं ते–तेवी कृत्रिमता (४) नानो मंत्रोपचार के नुसखो
लटकीला वि० लटकावाळु; लचकतु
लटकौआ(-वा) वि० लटकतु
लटना अ०क्रि० थाक के कमजोरीथी लटी जवु; नरम पडवु (२) (प) लोभावु; लट्टु थई जवु
लटपट,-टा वि० लपटु; ढीलु (२) भांग्युतूटयु (शब्द माटे) (३) थाकेलु (४) अस्तव्यस्त
लटपटाना अ०क्रि० (नाम, लटापटी, लटपटान)लथडावु के अडवडिया खावा (२) लपटावु [शण; 'पटसन'
लटिया स्त्री० सूतरनी आटी. **०सन** पु०
लटी स्त्री० जूठी वात; गप (२) वेश्या
लटूरी स्त्री० वाळनी लट
लट्टू पु० भमरडो **-होना**=(कोई पर) लट्टु थवु; लोभावु के आसक्त थवु
लट्ठ पु० लठ्ठ; मोटी लाठी. **०बाज़** वि० लाठी चलावी जाणनार **-लिये फिरना**=लठ्ठ लईने फरी वळवु; सखत विरोध करवो
लट्ठमार वि० लठ मारनार (२) अप्रिय ने कठोर (वात के वचन)
लट्ठा पु० जाडु मोटुं लाकडानु ढीमचु के पाटडो के थांभलो (२) एक जातनु जाडु कपडुं (३) ५॥ वारनु जमीननु एक माप
लठैत पु० लाठी चलावी जाणनार
लड़ंत स्त्री० लडाई; सामनो
लड़ स्त्री० लटी; सेर; माळा; लट
लड़क(-का)ई स्त्री० छोकरवाद
लड़क-खेल पु० छोकरानो खेल; सहेलु के साधारण काम
लड़क-बुद्धि स्त्री० नादानी; छोकरमत
लड़का पु० छोकरो (२) पुत्र
लड़का-वाला पु० सतान, परिवार
लड़की स्त्री० छोकरी (२) पुत्री
लड़को(-कौ)री वि० स्त्री० धावणा छोकरावाळी (स्त्री)
लड़खड़ाना अ०क्रि० लथडावु; लडथडावु
लड़ना अ०क्रि० लडवु

ड़ाई स्त्री० लडाई; झघडो (२) बोला-
ीोली; अणबनाव [लडकणु
ड़ाका वि० लडनार (२) लडाकु;
ड़ाकू वि० लडवामा काम लागनार
(२) लडाकु [लडाववा
ड़ाना स०क्रि० लडाववु (२) लाड
ड़ी स्त्री० लडी; माळा
डुआ(–वा) पु० लाडवो; लड्डु
ड़ैता वि० लाडकु; 'लाडला' (२)
ळडनार
ड्डू पु० लाडवो; लड्डु (मनके)
ळड्डू खाना या फोड़ना=खाली तरंग
करवा (शेखचल्ली जेवा)
ढ़िया स्त्री० वेलगाडी
त स्त्री० खराब–बूरी टेव के व्यसन
तखोर(–रा) वि० लात खातु (२)
नीच; क्षुद्र (३) पु० पगलुछणियु
तर स्त्री० लता; वेल
तहा वि० लात मारे एवु
ता स्त्री० [स] वेल
ता(-था)ड स्त्री० जुओ 'लथाड'
ता(–था)ड़ना स०क्रि० गूदवु; कचडवु
(२) लताडवु; हेरान करवु
तापता स्त्री० झाडपान (२) जडीबुट्टी
ताफत स्त्री०[अ] सूक्ष्मता, कोमळता
(२) स्वाद (३) उत्तमता
तिका स्त्री० [स] नानी लता–वेल
तियर,–ल वि० जुओ 'लतखोर'
तियाना स०क्रि० लाताटवु
तीफ वि०[अ] मजेदार; स्वादिष्ट (२)
उत्तम (३) सूक्ष्म; कोमळ
तीफा पु० [अ] लतीफो; टुचको;
मजेदार के गमतनी वात
त्ता पु० चीथरु (२) कपडानो टुकडो

लत्ती स्त्री० (पशुनी) लात (२) धजा
(३) पतगनु पूछडु
लथपथ वि० लदबद; तरबोळ
लथाड़ स्त्री० जमीन पर पटकी बरोबर
रगडवु ते; पछाड (२) हार. **–खाना, –पड़ना**=पटकावु; पछडावु
लथा(–थे)ड़ना स०क्रि० रगदोळवु (२)
जमीन पर पटकी रगडवु (३) लताडवु;
हेरान करवु (४) वढवु
लदना अ०क्रि० लदावु
लदाव पु० लादवु ते (२) बोजो
लदुवा, लद्दू वि० बोजो उठावनारु
लद्धड़ वि० सुस्त; आळसु
लप पु० पोश, अजलि
लपक स्त्री० आगनी ज्वाळा (२) चमक
(३) वेग; तेजी [पडवु
लपकना अ०क्रि० वेगथी धसवु; कूदी
लपट स्त्री० ज्वाळा (२) आच (३) महेक
लपटना अ०क्रि० 'लिपटना'; लपटावु
लपटा पु० लही के लापसी जेवी वस्तु
लपलपाना स०क्रि० (२) अ०क्रि० लप
लप करवु के थवु (जीभ) (२) चावुक
फटफट करवी के थवी (३) चाकु इ०
चमकवु के चमकाववु
लपसी स्त्री० लापसी (२) राब
लपेट(०न) स्त्री० लपेटवु ते (२) लपेटो;
लपेटवानु चक्कर (३) घेराव (४)
लपटामण; पचात
लपेटना स०क्रि० लपेटवु; वाळवु, वीटवु
लफंग(–गा) वि० [फा] लफगु; लपट
लफ़्ज़ पु०[अ.] शब्द (२) वात; बोल
लफ़्ज़ी वि०[अ] शाब्दिक **०मानी** पु०
शब्दार्थ
लफ़्फ़ाज़ वि० शेखी मारनार (नाम,–ज़ी)

लब पु० [फा] होठ (२) थूक; लाळ (३) किनारो
लबड़-धोधों स्त्री० नकामी धमाल (२) गोटाळो, अधेर (३) लवाडीपणु
लबरेज अ० [फा] जुओ 'लबालब'
लबलबी स्त्री० बदूकनो घोडो
लब व लहजा पु०[फा] बोलवानी रीत
लबादा पु०[फा.] एक लांबो रुयेल डगलो
लबार वि० लबाड; जूठो (२) गप्पी
लबारी वि० लबाडी(२)स्त्री०लबाडीपणु
लबालब अ०[फा] ठेठ काना सुधी—छलोछल (भरेलु)
लबी स्त्री० शेरडीना रसनी राब
लबे-गोर वि०[फा]घोर नजीक पहोचेलु; मरणने काठे आवेलु
लबेद पु० वेदमा नहि एवु पण लोकाचारनु वचन
लबेदा पु० डगोरो
लब्ध वि०[स] प्राप्त, मळेलु के मेळवेलु
लब्ध-प्रतिष्ठ वि०[स] प्रतिष्ठा पामेलु; प्रतिष्ठित
लब्धि स्त्री०[स] प्राप्ति (२) भागाकार
लब्बैक अ०[अ] लब्बेक, 'सेवामा हाजर छु' एवो उद्गार
लभ्य वि०[स] मेळववा जेवु के मळे एवु
लमतड़ंग वि० जुओ 'लबतडग'
लमधी पु० वेवाईनो बाप
लमहा पु० [अ] क्षण; जरा वार
लय पु०[स] लीन थवु ते (२) विनाश (३) स्त्री० सगीतनो लय
लरजना अ०क्रि० कपवु; हालवु(२)डरवु
लरजा पु० [फा.] कप (२) भूकप
ललक स्त्री० प्रबळ के ऊडी इच्छा;लालच
ललकना अ०क्रि० ललचावु
ललकार स्त्री० पडकार; आह्वान
ललकारना स०क्रि० पडकारवु
ललचना अ०क्रि० ललचावु
ललचाना स०क्रि० ललचाववु
ललन पु०[स]'लला';प्रिय बाळक के पति
ललना स्त्री० [स] स्त्री (२) जीभ
लला पु० प्रिय पुत्र के नायक या पति (सबोधन) (स्त्री०, –ली)
ललाई स्त्री० लाली
ललाट पु० [स] कपाळ
ललाना अ०क्रि० इच्छा के लालच करवी; मेळववा आतुर बनवु
ललाम वि०[स] सुदर (२) लाल (३) पु० रत्न
ललामी स्त्री० सुदरता (२) लाली
ललित वि०[स] सुदर; मनोहर (२) प्रिय
लली स्त्री० 'लला' नु स्त्री०
लल्ला पु० जुओ 'लला'
लल्लो पु० जीभनो लोलो—जीभ
लल्लो-चप्पो,–पत्तो स्त्री० खुशामत
लवंग पु० [स] लविंग
लव पु०[स] अल्प प्रमाण (२) 'लवा' पक्षी (३) लविंग; जायफळ [सुदर
लवण पु०[स] मीठु (२) वि० खारु (३)
लवन पु० [स] लणणी; कापणी
लवना स०क्रि० लणवु; कापवु (२) वि० (प) जुओ 'लोना'
लवनि(–नी) स्त्री० लणणी (२) माखण
लवलीन वि० तल्लीन; मग्न
लवलेश(–स) पु० [स] जरा पण सबध के अग
लवा पु० एक पक्षी (२) 'लावा'; धाणी
लवाई स्त्री० जुओ 'लुनाई' (२) (प) तरत वियायेली गाय

लवाजमा, लवाज़िम(–मा,–मात) [अ] पु० साथेनो रसालो के सरसामान (२) जरूरी सामग्री
लवारा पु० वाछडु
लवाहक़ पु०[अ] सगो सत्रधी (२) नोकर
लशकर पु०[फा] लश्कर (२) छावणी (३) खलासीओनी टुकडी **–री** वि० फोजी (२) पु० सिपाई; सैनिक (३) खलासी
लशु(–सु)न पु० [स] लसण
लश्कर,–री जुओ 'लशकर,–री'
लस पु०[स] चीकाश के चीकणी वस्तु (२) आकर्षण **०दार** वि० चीकणु
लसना स०क्रि० चोटाडवु; चिपकाववु (२) अ०क्रि० लसवु, शोभवु; चळकवु
लसम वि० खोटु; जूठु; दूषित
लसलस वि० चीकणु
लसी स्त्री० जुओ 'लस' (२) लोभ; फायदानी नजर (३) सबंध (४) दूध पाणीनु शरबत
लसीला वि० चीकणु (२) रसीलु; सुदर
लसुन पु० जुओ 'लशुन'
लसुनिया पु० लसणियो हीरो
लस्टम-पस्टम अ० गमे तेम करीने
लस्त वि० थाकेलु (२) अशक्त
लस्सान वि०[अ] वातोडियु [छाश
लस्सी स्त्री० चीकाश; 'लसी' (२) जाडी
लहँगा पु० घेरदार घाघरो
लहक स्त्री० लहेकवु ते (२) लळक,चमक
लहकना अ०क्रि० लहेकवु (२) चमकवु
लहकौर(–रि) स्त्री० वरकन्या अरस-परस खवडावे ते विधि
लहजा पु०[अ] गावा बोलवामा लहेको–आरोहअवरोह
लहज़ा पु० [अ] लहेजो; पळ; क्षण
लहज़ा ब लहज़ा अ० प्रतिपळ; क्षणे क्षणे
लहद स्त्री० [फा] कबर; घोर
लहनदार वि० लेणदार
लहना स०क्रि० लहेवु; मेळववु (२) पु० लेणु
लहबर पु० एक जातनो मोटो चोगो–अगरखु (२) झडो
लहमा पु० 'लहज़ा'; क्षण
लहर स्त्री० लहेर, तरग (२) मजा; उमग (३) वाकीचूकी चाल (४) चसक के झेर पेठे चडवु ते **–देना, –मारना** =चसको मारीने पीडा थवी (२) वाकुचूकु चालवु **–लेना**=समुद्रनी लहेरोमा नाहवु [खातु डोलवु
लहर(–रा)ना अ०क्रि० लहेरवु; लहेरो
लहर-पटोर पु०, **–री** स्त्री० रेशमी वस्त्र
लहरा पु० लहेर; मोजु के मजा
लहराना अ०क्रि० जुओ 'लहरना' (२) स०क्रि० लहेराववु
लहरि,–री स्त्री० लहेरी, मोजु. **–रिया** पु० लहेरियु वस्त्र
लहलहा वि० भर्युंभादर्युं (२) प्रफुल्ल; फूल्युफाल्यु (अ०क्रि०, **०ना**)
लहसुन पु० [स लशुन] लसण
लहालोट वि० आनदमग्न (२) मुग्ध; लट्टु थयेलु [(भाई माटे)
लहुरा वि० (स्त्री० **–री**) लघु; नानु
लहू पु० लोही. **०लुहान** वि० लोहीलुहाण
लहेरा पु० रगरेज (रेशमनो)
लाँक स्त्री० (प) 'लक'; कटि; कमर
लाँग स्त्री० काछडी [वादरो
लांगु(–गू)ल पु० [स] पूछडी. **–ली** पु०
लाँघना स०क्रि० ओळगी जवु; लघवु

लाँच स्त्री० लांच; 'घूस' [निशानी
लांछन पु० [स] कलक; डाघो (२)
ला अ० [अ] नकार दर्शावतो पूर्वग. उदा० लाचार, ला-इलाज
लाइ पु० लाय; अग्नि
लाइ(-य)क वि० लायक; योग्य; उचित
लाइ(-य)ची स्त्री० इलायची
लाइन स्त्री० [इ] लीटी (२) हार
लाइब्रेरी स्त्री० [इ] पुस्तकालय
ला-इलाज वि०[फा.] असाध्य, निरुपाय; लाचार
ला-इल्म वि० [फा.] अज्ञान; अभण
लाइसेन्स पु० [इ] परवानो
लाई स्त्री० जुओ 'लावा' (२) [फा.] एक रेशमी वस्त्र (३) धावळी जेवु एक जातनु गरम वस्त्र
लाई-लुतरी स्त्री० चाडीचुगली (२) चुगलीखोर स्त्री
ला-उबाली वि० [फा] स्वच्छदी (२) वेफिकर (३) भमतु; रखडतुं
ला-कलाम वि०[अ] निस्सदेह; निश्चित
लाक्षणिक वि०[स] लक्षणवाळु के लक्षण सवधी
लाक्षा स्त्री० [स] लाख; 'लाह'
लाख वि० (२) पु० लाख सख्या (३) स्त्री० लाख. -टकेकी बात=खूब महत्त्वनी वात [रगनु
लाखी पु०(२)वि० लाखनो रग के ते
लाग स्त्री० सवध (२) लाग; आधार (३) प्रेम (४) लाग; युक्ति (५) विवाहनु दापु (६) जुओ 'लाग-डाँट'
लाग-डाँट स्त्री० शत्रुता (२) प्रतिस्पर्धा
लागत स्त्री० पडतर खर्च
लाग़र वि०[फा.]दूवळु,सूकलु(नाम,-री)
लागि,-गे अ० (प) लईने; लीधे; कारणथी (२) लगी; सुधी (३) वास्ते; माटे
लागू वि० लागु; लागे एवु; लागु पडतु
लाघव पु० [सं] लघुता; अल्पता; हलकापणु
लाचार वि० [फा] विवश; निरुपाय -री स्त्री०
लाज स्त्री० शरम (२) पु०[स] जुओ 'लाजा' (३) खस; वीरणनो वाळो
लाजवर्द पु०[फा.] एक जातनो नील-भूरो हीरो (वि० -र्दी)
ला-जवाब वि०[फा] अनुपम(२)निरुत्तर
ला-ज़वाल वि०[अ] अविनाशी; नित्य
लाजा स्त्री०[स] चोखा (शेकेला) (२) धाणी
लाज़िम वि०[अ] जरूरी; अनिवार्य (२) लाजम; योग्य (३) (व्या) अकर्मक (क्रि०) (४) पु० फरज; कर्तव्य
लाज़िमा पु० जुओ 'लवाज़मा'
लाज़िमी वि० [अ.] आवश्यक; जरूरी
लाट(-ठ) स्त्री० मोटो ऊचो थाभलो (२) पु० लॉट; जथ्थो (३) लाट साहेब
लाटी स्त्री० (प.) होठ जीभनु सुकावु ते -लगना=तेवु थवु
लाठी स्त्री० लाकडी; डडो -चलना= लाठी चालवी; मारपीट थवी -बाँधना =जोडे लाठी लेवी
लाड़ पु० लाड; लालन; वहाल; -करना, -लड़ाना=लाड लडाववा
लाड़-चाव पु० प्यार; वहाल
लाड़लड़ैता, लाड़ला वि० लाडीलु; प्यारु
लाड़ा पु० वर -ड़ी स्त्री० लाडी; वधू
लाडू पु० लाडु; लाडवो

लात स्त्री० पग के तेनी लात; पाटु. **–जाना**=दूझणा ढोरे लात मारी दूध न देवु **–मारना**=(लात मारी) दूर करवु; छोडवु

लातर स्त्री० जूनु जूतियु

लातीनी स्त्री० [अ] लॅटिन भाषा

ला-तादाद वि०[फा] बेशुमार; असख्य

लाद स्त्री० लादवु ते (२) पेट (३) आतरडु

लादना स०क्रि० लादवु; (वजन) भरवु; खडकवु [नथी एवु

लादवा वि०[अ] लाइलाज; जेनी दवा

लादी स्त्री० लादेडो; लादवानो भार. **–दिया** पु० जेनी उपर लदाय ते (ढोर)

लान,०तान पु०, **०त, ०त-मलामत** स्त्री० [अ लअनत] ल्यानत; धिक्कार; तुच्छकार

लानती वि० [फा] ल्यानतने पात्र

लाना स०क्रि० लाववु; लई आववु (२) सामे राखवु; रजू करवु

ला-पता वि० पत्ता वगरनु; गुम; गेब

लापरवा(०ह) वि० [फा] बेदरकार

लापरवाई,–ही स्त्री० [फा] बेदरकारी

लाफ स्त्री० [अ] आत्मस्तुति; शेखी; डिंग **०जन** वि० शेखी मारनार **०जनी** स्त्री० [फा] शेखी मारवी ते

लाबत स्त्री० [अ] लावा रस

लाबुद्द वि०[अ] जरूरी, आवश्यक (२) निश्चित; नक्की (३) लाचारीथी; न चाल्ये

लाभ पु०[स] प्राप्ति (२) फायदो, नफो

लाम पु० [फा] सेना; लश्कर

ला-मकान वि० [फा.] मकान के स्थान वगरनु (२) पु० ईश्वरनु स्थान; स्वर्ग

लाम-काफ पु० [फा] मम्मोचच्चो; अपशब्द

लामज,–ज्जक [स.] पु० खस; वीरण

ला-मजहब वि०[फा]धर्मरहित,नास्तिक. **–बी** स्त्री०

लामज्जक पु० [स] जुओ 'लामज'

लामा पु० तिबेटनो लामा–सौथी मोटो धर्मगुरु

ला-मानी वि० [फा] निरर्थक; व्यर्थ

ला-मिसाल वि०[फा] अजोड; अद्वितीय

लाय स्त्री० (प.) झोळ (२) लाय; अग्नि

लायक वि०[अ] लायक, योग्य; गुणवान. **–की** स्त्री० लायकात

लायची स्त्री० जुओ 'लाइची'

लार स्त्री० लाळ (२) लार;हार; 'कतार'. **–आना,–टपकना**=मोमा पाणी आववु; लालच थवी **–लगाना**=मधलाळ लगाडवी

लारी स्त्री० मोटर-बस के लारी (मालगाडी)

लार्ड पु० [इ.] लॉर्ड; अमीर

लाल वि० लाल, रातु (२) क्रोधथी लाल (३) पु० वहालु बाळक के माणस; 'लला' (४) पुत्र (५) स्त्री० लाळ; 'लार' (६) (प) लालच (७) पु० लाल, माणेक (८) एक पक्षी

लालच पु० लालसा; लोभ; इच्छा

लालची वि० लालचु; लोभी

लालटेन स्त्री० दीवो; फानस

लालड़ी,(–री) स्त्री०, पु० (नथमा होतु) एक लाल नग

लालन पु०[स.] लाड लडाववा ते (२) प्यारु बाळक

लालना स०क्रि० (प) लाड लडाववा

लाल परी स्त्री०, लाल पानी पु० शराब; दारू [काढनार
लालबुझक्कड पु० वातनो उटपटाग अर्थ
लाल मिर्च स्त्री० लाल मरचु
लालमी पु० खडबूचु
लालसा स्त्री०[स] लोभ; लालच; इच्छा
लाला पु०[फा] एक लाल रगनु फूल (२) स्त्री० [स] लाळ
लाला पु० मानवाचक शब्द, जेम के लाला लजपतराय (२) बाळक माटे प्रेमनु संबोधन [लाडियु
लालायित वि० [स] ललचायेलु (२)
लालित वि०[स] प्यारु (२)पाळेलु;पोषेलु
लालित्य पु० [स.] ललितता; सुदरता
लालिमा स्त्री० [सं.] लाली; लालाश
लाली स्त्री० लालाश (२) आबरू
लाले पु० लालसा –पड़ना=(कोई चीजनी) लालसा थवी–तरसवु
लाव पु० 'लवा' पक्षी (२) आड राखी अपातु ऋण (३) स्त्री० आग; आच (४) दोरडु; वरत –चलाना=कोस चलावी पाणी पावु
लावक पु० कोस के ते खेंचवानो (एक वार) समय (२) [स.] 'लाव' पक्षी
लावण वि०[स] खारु (२) पु० छीकणी
लावण्य पु० [स] सुदरता; मनोहरता (२) खाराश
लावदार वि० पलीतो चापवाने तैयार (२) पु० तोपची [ललणी
लावनी स्त्री० लावणी छद (२) लाणी;
ला-वबाली वि० जुओ 'ला-उवाली' (२) पु० तेवो माणस (३) स्त्री० वेपरवाई; स्वच्छद [सामग्री इ०
लाव-लश्कर पु०सेना ने तेनी जोडे रहेती

लावल्द वि०[अ] नि संतान(नाम,–ल्दी)
लावा पु० 'लाजा'; धाणी (२) [इ] लावा रस
लावा-परछन पु० विवाहनो एक विधि (कन्यानो भाई तेमा होय छे)
ला-वारिस पु० [अ] वारस वगरनु माणस (वि० –सी)
लाश स्त्री० [फा] मडदु; शब
ला-शरीक वि०[अ] एक अद्वितीय (प्रभु)
लासा पु० 'लस'; गुदर के एवो चीकणो पदार्थ
ला-सानी वि०[अ] अद्वितीय; अजोड
लास्य पु० [स] नृत्य; नाच
लाह स्त्री० लाख (२) पु० (प) लाभ; फायदो [निर्भर; आश्रित
लाहक वि०[अ] जोडायेलु; सबद्ध (२)
ला-हल वि० [अ] हल न थाय एवु; कठण; दु साध्य
ला-हासिल वि०[अ] निरर्थक; नकामु
लाहु पु० (प) जुओ 'लाह'
लाहौल पु०[अ] भूतप्रेतादिने भगाडवा बोलाता अरबी वाक्यनो पहेलो शब्द. –पढ़ना, –भेजना=ए मंत्र भणवो
लिंग पु०[स] चिह्न (२) जाति (३) पुरुषनु लिंग (४) शिवलिंग
लिंगायत पु० एक शैव पथ के तेनो अनुयायी
लिंगी पु० चिह्नवाळो (२) आडवरी
लिंट पु० [इ] घा पर बाधवानु एक जातनु कपडु
लिए अ० माटे; वास्ते
लिक्खाड़ पु० भारे मोटो लेखक (व्यगमा)
लिक्षा स्त्री० [स] लीख
लिखत स्त्री० लिखित; लेख

लिखना स०क्रि० लखवु (प्रेरक, **लिखाना**)
लिखाई स्त्री० लखवु ते के तेनी ढब के मजूरी (२) लेख
लिखापढ़ी स्त्री० लखापट्टी; पत्रव्यवहार (२) कशाने लखी लई नक्की करवु ते
लिखावट स्त्री० लखवानी रीत(२)लिपि
लिखित वि० [स] लखेलु; लेखी (२) पु० लखत; लखाण
लिटाना स०क्रि० 'लेटना' नु प्रेरक
लिट्ट पु०वाटी; (सीधो आग पर शेकेलो) भाखरो
लिथड़ना अ०क्रि० लदबद थवु;रगदोळावु
लिपटना अ०क्रि० लपटावु (२) गळे वळगवु (३) तन्मय थईने कोई काममा पडवु (प्रेरक, **लिपटाना** स०क्रि०)
लिपना अ०क्रि० लीपावु; धोळावु के रगावु; 'लीपना' नु कर्मणि
लिपाई स्त्री० लीपवु ते के तेनी मजूरी
लिपाना स०क्रि० 'लीपना' नु प्रेरक
लिपि स्त्री०[स] अक्षरोना चिह्न के ते लखवानी रीत. **०बद्ध** वि०[स] लखेलु
लिप्त वि०[स] लीपेलु (२) लेपायेलु; आसक्त
लिप्सा स्त्री० [स] लोभ; लालच
लिफाफा पु०[अ] परबीडियु (२) उपरनो आडबर (३) देखावडो पहेरवेश **–खुल जाना**=भेद उघाडो पडवो **–बनाना**= ठाठ के आडबर करवो
लिफाफिया वि० आडबरी
लिबड़ी स्त्री० कपडालत्ता **०बरतना, ०बारदाना** पु०निर्वाहनी साधनसामग्री
लियास पु० [अ] लेबास; पोशाक
लियाक़त स्त्री०[अ]लायकात; 'लायकी'
लिल्लाह अ०[अ] ईश्वरना नामथी
लिवाना स०क्रि०लवडाववु(२)लेवडाववु
लिवाल पु० खरीदनार के लेनार; लेवाल करनार
लिहाज़ पु०[अ]ख्याल,कोई वातनु ध्यान (२) विवेकमर्यादा; अदब
लिहाज़ा अ०[अ] एटला वास्ते; माटे
लिहाडा वि० नीच (२) खराब
लिहाडी स्त्री० निंदा; हासी [रजाई
लिहाफ पु० [अ] ओढवानु गोदडु के
लीक स्त्री० लीक (रेखा के हद) (२) चीलो(३)पडेली प्रथा, रूढि. **–खिचना** =अटल के दृढ निश्चय करवो (२) मर्यादा बाधवी **–खींचकर**=नक्की (२) जोर दईने **–पीटना**=रूढि प्रमाणे चालवु; चीले चालवु
लीख स्त्री० (माथानी) लीख
लीचड वि० नकामु; 'बेकाम' (२) लेण-देणमा ठीक न होय एवु
लीची स्त्री० एक झाड के तेनु फळ
लीझी स्त्री० कूचो (२) वि० नकामु; निस्सार
लीडर पु० [इ] नेता
लीतड़ा(-रा) पु० जूनो फाटेलो जोडो
लीथो,०ग्राफ पु० [इ.] शिलाछाप
लीद स्त्री० (पशुनी) लाद
लीन वि० [स] गरक; तल्लीन
लीपना स०क्रि० लीपवु **–पोतना**= लीपवु गूपवु **लीप पोतकर बराबर करना**=सत्यानाश वाळवु
लीमू पु० लीबु; 'नीमू'
लील वि० नील; भूरु
लीलना स०क्रि० गळवु; गळे उतारवु
लीला स्त्री०[स] खेल; क्रीडा; नाटक (२) वि० नील; भूरु

लुँगाड़ा पु० लफंगो
लुंगी स्त्री० पहेरवानी लुंगी (२)हजामनो रूमाल जे पग पर रखाय छे (३) स्त्री० एक पक्षी
लुंचन पु० [स] वाळ टूपी काढवा ते
लुंज,०पुंज वि० हाथपग वगरनु (२) ठूठु (झाड)
लुंड पु० धड; कबन्ध
लुंडमुंड वि० हाथपग के माथा वगरनु (२) पान वगरनु; ठूठु
लुंडा वि० पाख के पूछडी वगरनु (पशु, पक्षी) (२) पु० सूतरनो पिंडो के कोकडी [उवाडियु
लुआठा पु०, –ठी स्त्री० खोरियु;
लुआब पु०[अ] जुओ 'लासा' (२) थूक
लुक स्त्री० 'लूक'; झोळ (२) पु० (माटीना वासण पर कराती) पॉलिश; वार्निश. ०दार वि० 'लुक'-पॉलिशवाळु
लुकठी स्त्री० जुओ 'लुआठा'
लुकनत स्त्री० [अ] तोतडापणु
लुकना अ०क्रि० सतावु; छूपवु
लुक़मा पु० [अ] कोळियो –करना= खाई जवु
लुकसाज पु० पॉलिश करेलु चामडु
लुकाना अ०क्रि० जुओ 'लुकना' (२) स०क्रि० तेनु प्रेरक
लुगड़ा(–रा) पु० लूगडु; कपडु
लुगडी(–री) स्त्री० जुओ 'लुगरी'
लुग़त स्त्री० [अ] भाषा; वोली (२) शब्दकोश
लुगदी स्त्री० लूगदी, पिंडो
लुगरा पु० जुओ 'लुगडा' (२) वि० चुगलीखोर; निंदक [निंदा; चुगली
लुगरी स्त्री० जूनी फाटेली साडी (२)
लुगाई स्त्री० स्त्री; ओरत
लुग़ात स्त्री०['लुगत' नु ब०व०]शब्दकोश
लुग़वी वि० [अ] शाब्दिक
लुच्चा वि० दुराचारी; लफंगु, बदमाश
लुटना अ०क्रि० लूटावु (२) बरबाद थवु
लुटिया स्त्री० नानी लोटी –डुबाना= जुओ 'लोटा डुबाना'
लुटेरा पु० लुटारो [लुढकाना)
लुढ़कना अ० क्रि० गबडवु (प्रेरक,
लुतरा वि० चुगलीखोर; निंदक
लुत्फ पु०[अ] मजा; आनद (२) रुचि; स्वाद (३) दया; कृपा
लुनना स०क्रि० लणवु [लावण्य
लुनाई स्त्री० लणणी के तेनी मजूरी (२)
लुनेरा पु० लणनार [पामेलु
लुप्त वि०[स] गुप्त; गेब; अदृश्य; लोप
लुबरी स्त्री० प्रवाही नीचे ठरतो कचरो
लुब्ध वि०[स] लोभायेलु (२) मोहित (३) पु० लुब्धक
लुब्धक पु० [स] व्याध; शिकारी
लुब्बे-लुबाब पु० [अ] सार; सत्त्व
लुभाना अ०क्रि० लोभावु; ललचावु के मोहावु (२) स०क्रि० लोभाववु
लुरकी स्त्री० काननी वाळी
लुरी स्त्री० तरतनी वियायेली गाय
लुहार पु० 'लोहार', लोढानो कारीगर
लुहारिन स्त्री० लुहारण
लुहारी स्त्री० लुहारण (२) लुहार-काम
लू स्त्री० तापनी लू –चलना,–वहना= लू वावी –मारना, लगना=लू लागवी
लूक स्त्री० अग्निनी झोळ (२) लू (३) खरतो तारो –लगाना=आग लगाडवी
लूका स्त्री० आगनी झोळ (२) खोरियु –की स्त्री० तणखी, चिनगारी

लूगड़ पु० लूगडु (२) चादर
लूगा पुं० लूगडु, वस्त्र
लूट स्त्री० लूट ०खसोट, ०खूँद, ०पाट, ०मार स्त्री० लूटफाट; डाको
लूटना स०क्रि० लूटवु लूट खाना=लूटी खावु लूट पाटना, लूट मारना=लूट-फाट करवी
लूत,-ता [स] स्त्री० करोळियो
लून पु० लूण; 'लोन'; मीठु
लूनना स०क्रि० 'लुनना'; लणवु
लूला वि० ठूठु, हाथ वगरनु
लूलू पु० [फा] हाउ (२) मूर्ख
लेंड़ पु० लीडु; बाधेलो नीकळतो मळ
लेंड़ी स्त्री० [स लेंड] लोडी के लीडु
लेंहड (-ड़ा) पु० समूह, लगर (पशु माटे)
ले अ० लईने, शरू करीने; 'लेकर'
लेइ अ० सुधी; लगी
लेई स्त्री० लाही ०पूंजी स्त्री० सर्वस्व
लेकिन अ० [अ] पण, परतु
लेक्चर पु०[इ] भाषण ०बाजी स्त्री० भाषण झूडवु ते (२) खूब बोलवु ते; बकवाद -झाड़ना=भाषण झूडवु
लेख पु०[स] लिपि (२) लखाण (३) हिसाब; नामु
लेखक पु० [स] लखनार
लेखन पु०[स] लखवु ते (२) हिसाब करवो ते (३) आलेखन
लेखनी स्त्री० [स] कलम, लेखण
लेखा पु० हिसाब; नामु (२) स्त्री०[स] रेखा (३) लिपि (४) लेखु; समज; गणतरी ०पत्तर पु०, ०बही स्त्री० हिसाबनो चोपडो -डेवढ़ करना= हिसाब बरोबर के चूकते करवो (२) नाश करवु -पूरा या साफ़ करना=हिसाब पूरो के चूकते करवो
लेखिका स्त्री० [स] स्त्री-लेखक
लेखित वि० [स.] लेखी, लखायेलु
लेख्य वि० [स] लखवा जेवु (२) पु० लेख (३) दस्तावेज
लेज़(-ज़ि)म स्त्री० [फा] लेजीम
लेटना अ०क्रि० लेटवु; सूवु (प्रेरक, लेटाना)
लेटर पु०[इ] पत्र ०बक्स पु० टपालपेटी
लेन पु० लेवु ते (२) लेणु ०दार पु० लेणदार
लेनदेन पु० लेणदेण
लेना स०क्रि० लेवु (आडे) हाथो लेना= छूपो टोणो मारी शरमाववु-झखवाणु पाडवु (कानमें) लेना=साभळवु लेना एक न देना दो=कशी लेवादेवा नथी लेनेके देने पडना=लेवाने बदले देवु पडवु, लाभने बदले हानि थवी
लेप पु०[स] लेप, चोपडवानो मलम
लेपन पु० [स] लेप करवो ते
लेपना स०क्रि० लीपवु; लेपन करवु
ले-पालक पु० दत्तक पुत्र
लेफ़्टिनेन्ट पु०[इ] मददनीश (२) एक लश्करी होद्दार
लेबुल पु०[इ] लेबल; नामठामनी चिठ्ठी
लेबोरेटरी स्त्री० [इ] प्रयोगशाळा
लेमनेड पु० [इ] लेमननु पीणु
लेरुआ,-वा पु० वाछडु [माटी
लेव पु० लेप (२) कटेवाळो (३) गार
लेवा पु० जुओ 'लेव' (२) कादव (३) ढोरनु बावलु (४) वि० (समासने अते)-लेनार जेम के, 'नामलेवा'
लेवा-देई स्त्री० लेणदेण
लेवाल पु० जुओ 'लिवाल'

लेश वि० [स] जरा; अल्प (२) पु० निशान (३) अणु; सूक्ष्म अश

लेसना स०क्रि० लगाडवु; वाळवु (२) लेप करवो, 'पोतना' (३) चोटाडवु (४) अहीनु तही कहीने लडाडवु; चुगली करवी

लेहड़ा पु० लार; लांबी हार

लेहन पु० [स] चाटवु ते

लेहाजा अ० जुओ 'लिहाज़ा'

लेहाफ पु० जुओ 'लिहाफ'

लेह्य वि०[स] चाटवा जेवु (२) पु० चाटण; अवलेह

लैंप पु० [इ] 'लॅम्प'; दीवो

लैं अ० (प) सुधी; लगी; पर्यन्त

लैटिन स्त्री०[इ] लॅटिन भाषा;'लातीनी'

लैत व लअल, लैतोलाल पु०[अ] वहानु; (वात के काई) टाळवु ते

लैन स्त्री० [इ लाईन] लीटी (२) हार (३) सिपाईओनी रहेवानी वराक

लैल स्त्री० [अ] रात्रि [रातदिन

लैल व नहार, लैलोनिहार पु० [अ.]

लैसंस पु० [इ] लाइसन्स; परवानो

लैस वि० [इ ?] तैयार; कटिवद्ध (२) पु० किनार (कपडा पर लगाववानी)

लो अ० (प) जुओ 'लौं'

लोदा पु० लोदो, लचको

लोई स्त्री० कणकनो लूओ (२) एक जातनी कामळी (३) पु० (प.) लोक

लोकंदा पु० कन्याने पहेली वळावता साथे दासी जाय ते **–दी** स्त्री० तेम जनारी दासी

लोक पु०[स] विश्वनो भाग–भुवन (२) ससार; पृथ्वी (३) लोको; जनता

लोकना स०क्रि० झीलवु (२) अध्धर उठावी लेवु; वच्चेथी ज उठाववु

लोकमत पु० [स] लोकोनो मत

लोकसभा स्त्री० [स] लोकोना प्रतिनिधिनी सभा [मृत

लोकांतर पु०[स] परलोक **–रित** वि०

लोकाचार पु०[स] लोक-व्यवहार के रूढि–चाल

लोकाट पु० एक फळ के तेनो छोड

लोकापवाद पु०[स] बदनामी; अपकीर्ति

लोकायत पु०[स] चार्वाक दर्शन (२) आ लोकमा ज माननार

लोकैषणा स्त्री०[स] स्वर्ग के कीर्तिनी वासना

लोकोक्ति स्त्री० [स] कहेवत

लोकोत्तर वि०[स]अलौकिक;असाधारण

लोखर पु० हजाम के लुहारना ओजार

लोग पु०ब०व० लोको

लोगाई स्त्री० (प) जुओ 'लुगाई'

लोच स्त्री० लचक (२) कोमळता (३) पु० अभिलाषा (४) वाळनु लुचन

लोचन पु० [स.] आख **–भर आना**= आसु आवी जवा

लोट स्त्री० लोटवु–आळोटवु ते

लोटना अ०क्रि० लोटवु; आळोटवु (२) सूवु; 'लेटना'; आराम करवो. **लोट जाना**=बेहोश थवु(२)मरी जवु **लोट-पोट करना**='लेटना'; आराम करवो. **लोट हो जाना, होना**=गाडु थई जवु (२) मोही पडवु; आशक होवु

लोटा पु० लोटो **–डुबाना**=बधु बगाडी मूकवु (२) वट्टो लगाडवो

लोटिया, लोटी स्त्री० नानो लोटो; लोटी

लोढना स०क्रि० लोढवु (२) चूटवु; तोडवु

लोढा पु० निशातरो; वाटवानो पथ्थर **–डालना**=बरोबर सरखु करवु
लोढ़ाढाल वि० खतम; सत्यानाश
लोढिया पु० नानो 'लोढा'
लोथ स्त्री० लोथ, लाश **–गिरना**=लोथ थईने थाकीने के मरीने पडवु, मरवु **–डालना**=लोथ पाडवी, मारी नाखवु
लोथड़ा पु० मासनो लोचो
लोथपोथ वि० थाकीने लोथ थई गयेलु
लोथि स्त्री० (प) 'लोथ'
लोद(–ध) स्त्री० एक झाड
लोन पु० लूण; मीठु (२) लावण्य
लोना वि० मीठावाळु, खारु (२) लवण, सुदर (३) पु० दीवालनो लूणो (४) खारी माटी
लोनार पु० मीठानो अगर
लोनिया पु० अगरियो
लोनी स्त्री० लोणीनी भाजी
लोप पु०[स] लोपावु ते (२) नाश; क्षय
लोबत स्त्री०[अ] पूतळी, ढीगली (२) चित्र **०बाज़** पु० कठपूतळीना नाचनो तमाशो करनार
लोबान पु० [अ] लोबान; धूप
लोबिया पु०[फा] शाकनी एक फळी
लोभ पु० [स.] लालच
लोभना अ०क्रि०(प) लोभावु; ललचावु
लोभित वि० [स] लोभायेलु, लुब्ध
लोभी वि० [स] लोभवाळु; लालचु
लोम पु० [स] वाळ (२) रोम, रूवु
लोमड़ी स्त्री० लोकडी; शियाळ
लोय पु० (प) 'लोई', लोक (२) स्त्री० झोळ; आच
लोय(०न) पु० (प.) लोचन, आख
लोरी स्त्री० हालरडु

लोल वि०[स] चचळ; चपळ(२)अस्थिर; क्षणिक (३) लटकतु; डोलतु, झूलतु (४) आतुर; उत्सुक [लोळियु
लोलक पु०[स] लटकतु ते (२) काननु
लोला स्त्री०[स] जीभ (२) पु० एक रमकडु [अति उत्सुक
लोलुप वि० [स] लोभी; लालचु (२)
लोवा स्त्री० लोकडी (२) 'लवा' पक्षी
लोष्ट पु० [स] ढेफु (२) पथ्थर
लोहँडा पु० लोढानु एक पात्र **–डी** स्त्री० लोढी जेवु पात्र
लोह पु०[स] लोखंड **०कार** पु० लुहार
लोहा पु० लोह, लोढु (२) हथियार (३) लोढानु ओजार **–बजना**=युद्ध थवु (किसीका) **–मानना**=हारवु (किसीने) **–लेना**=लडवु
लोहाना अ०क्रि० लोढानो पास लागवो
लोहार पु० लुहार **–रिन** स्त्री०
लोहार(–रि)न स्त्री० लुहारण
लोहारी स्त्री० 'लुहारी'; लुहारकाम
लोहित वि०[स] लाल (२) पु० लोही (३) मगळ ग्रह
लोहिया पु० लोढानो वेपारी (२) मारवाडीनी एक जात
लोहू पु० लोही
लौं अ० (प) लगी; सुधी
लौंग पु० लविंग
लौंडा पु० छोकरो (२) वि० नादान (स्त्री०, **–डी,–डिया**)
लौंडी स्त्री० लूडी (२) छोकरी
लौंद पु० अधिक मास
लौंदा पु० लोदो, 'लोदा'
लौ स्त्री० आगनी झोळ (२) दीवानी शग (३) लगनी; चाह (४) आशा.

–उठना=झोळो नीकळवी **–लगना**= लगनी लागवी
लौआ पु० जुओ 'कद्दू'
लौकिक वि०[स]लोक सबधी,सासारिक
लौकी स्त्री० दूधी
लौज पु०[फा] बदाम के तेनी बरफी. **–जात, –जियात** स्त्री० बदामनो हलवो **–जीना** पु० बदाम पिस्तां-वाळी एक मीठाई
लौट स्त्री० पाछु आववु ते
लौटना अ०क्रि० पाछु आववु (२) ऊलटु थवु (नाम, **लौट** स्त्री०)
लौट-पौट स्त्री० ऊलट सूलट करवु ते (२) बेउ वाजू सरखु छापकाम
लौट-फेर पु० फेरफार; परिवर्तन
लौटाना स०क्रि० पाछु आपवु (२) उलटाववु; फेरववु
लौटानी अ० पाछा फरती वखते
लौना पु० 'लौनी'; लाणी (२) ढोरना आगळ पाछळना पग बांधती रसी (३) (प) वि० लवण; सुदर
लौनी स्त्री० लणणी; कापणी (२)(प) माखण
लौलीन वि० (प) जुओ 'लवलीन'
लौस पु०[अ] सबध (२) मेल (३) कलक
लौह पु०[स]लोह(२)स्त्री०[अ]लाकडानु पाटियु (३) पुस्तकनु मुखपृष्ठ
ल्यारी पु० वरु; 'भेडिया'

व

वंक वि०[स] वाकु (२)पु० नदीनो वाक
वकट वि० वाकु (२) विकट
वंकनाल पु०, **–ली** स्त्री० सुषुम्णा नाडी
वंकिम वि० [स] वाकु
वग पु०[स] वग; वगाळ (२) सीसु (३) वेगण (४) कपास
वचक वि० [स] धूर्त; ठगारु
वंचन पु०, **–ना** स्त्री० [स] ठगाई; छेतरवु ते
वचना स०क्रि० वाचवु (२) छेतरवु (३) स्त्री० जुओ 'वचन' मा
वञ्चित वि०[स.] छेतरायेलु (२) रहित; विनानु [लागतो प्रत्यय
वद [फा] 'वाळु' ए अर्थमा शब्दने अते
वंदन पु०, **–ना** स्त्री०[स.] प्रणाम (२) स्तुति (३) पूजन
वदनीय, वंद्य वि०[स] वदनने योग्य; पूज्य
वंदीगृह पु० ब्रदीगृह; जेल
वंदीजन पु० [स] वदीजन
वंद्य वि० [स] जुओ 'वदनीय'
वंश पु० [स] वास (२) कुल; जाति
वशज, वंशधर पु०[स] सतान; ओलाद
वंशलोचन पु०[स] वासलोचन औषधि
वंशावली स्त्री०[स] वशनी सूचि
वंशी स्त्री०[स] वसी; वासळी
वंशीवट पु०[सं] वृदावननो वसीवट
व अ० [फा] अने ['वरना'
व-इल्ला अ०[अ] नही तो; अगर तो;
वक पु० [स] वक; वगलो
वकअत स्त्री०[अ] ताकात (२) शाख; आवरू (३) किमत, महत्त्व

वकाया पु० ब०व० [अ] बनावो के तेनी खबरो [मननी स्थिरता
वकार पु० [अ] शील; चारित्र्य (२)
वकालत स्त्री०[अ] वकीलात; वकीली (२) प्रतिनिधित्व
वकालतन् अ० [अ] वकील द्वारा
वकालतनामा पु०[फा] वकीलातनामु
वक़ीअ वि०[अ] आबरूदार (२) ऊचु; बुलद
वकील पु०[अ] वकील (२) राजदूत
वकुल पु० [स] वकुलनु झाड
वकूअ (-आ) पु०[अ.] घटना, बनाव
वकूफ पु० [अ] ज्ञान, समज
वक़्त पु० [अ] वखत
वक़्तन्-फवक्तन्, वक़्त-बवक़्त अ० [अ.] कोई कोई वार; वखते वखते
वक्तव्य पु०[स]जाहेर निवेदन,'स्टेटमेन्ट' (२) वि० निंद्य; टीकापात्र; कहेवा जेवु
वक्ता पु०[स] बोलनार, व्याख्याता
वक्तृता स्त्री०, **-त्व** पु०[स.] भाषण के तेनी छटा
वक्त्र पु० [स] मों
वक़्फ पु० [अ] वकफ-धर्मादा माल-मिलकत **०नामा** पु० दानपत्र
वक़्फा पु० [अ] छुट्टी, आराम
वक्र वि०[स]वाकु (२)पु० नदीनो वाक
वक्रोक्ति स्त्री० [स] एक अलकार; व्यग; टोणो
वक्ष, -क्षःस्थल पु० [स] छाती
वगर अ० 'अगर'; यदि; जो
वगर-ना अ० नही तो; अगर तो
वग़ैरह, वग़ैरा अ०[अ] वगेरे; इत्यादि
वचन पु० [स] बोल; कथन (२) व्याकरणनु वचन
वजद पु० [अ वज्द] अति हर्षनी मस्त दशा [वजनवाळु
वज़न पु०[अ] वजन; भार **०दार** वि०
वज़नी वि० [फा] वजनदार, भारे
वजह स्त्री०[अ]कारण; हेतु(२)ढग; रीत
वजा पु० [अ.] पीडा; दरद
वज़ा स्त्री०[अ] बनावट, रचना (२) दशा; हाल (३) ढग; नीति (४) प्रसव; जणवु ते
वज़ादार वि०[फा.] सरस रचनावाळु; सुदर (२) फॅशनवाळु (३) नीति-रीतिमा मक्कम
वज़ादारी स्त्री० [फा] सुदरता (२) फॅशन (३) नीतिरीतिमा मक्कमता
वज़ारत स्त्री०[अ] वजीरपदु के तेनी कचेरी
वजाहत स्त्री०[अ] सुदरता (२) भव्यता (३) मोटाई, आबरू [कहेवु ते
वज़ाहत स्त्री० [अ] विस्तार करीने
वज़ीफ़ा पु० [अ] वजीफो; विद्वान, विद्यार्थी के त्यागी वगेरेने दानमा अपाती वृत्ति (२) जप के पाठ
वज़ीर पु०[अ] वजीर; प्रधान (नाम,**-री**)
वज़ू पु० [अ वुज़ू] वजू; नमाज पहेला कराती शौचविधि
वजूद पु०[अ वुजूद] सिद्धि, सफळता (२) अस्तित्व; हयाती (३) देह; शरीर **-पाना**=स्थपावु; हयातीमा आववु **-में लाना**=हयातीमा आणवु; स्थापवु
वजूहात स्त्री० ['वजह'नु ब०व०] कारणो
वज्द पु० [अ] जुओ 'वजद'
वज्र पु० [स] इद्रनु अस्त्र (२) वि० अति कठण के मजबूत
वट पु० [स] वड; 'बरगद'

वटी,–टिका स्त्री० [स] गोळी
वटु,०क पु० [स] बटुक, छोकरो
वणिक पु० [स] वाणियो
वतन पु०[अ] पोतानु स्थान–जन्मभूमि
वतन-परस्ती स्त्री० [फा] देशभक्ति
वतनी वि० [फा] स्वदेशनु
वतीरा पु० [अ.] रगढग, पद्धति
वत्स पु० [स] वाछडो (२) छोकरो
वत्सर पु० [स] वरस; साल
वत्सल वि० [स] वत्स प्रत्ये वहालवाळु
वदंती स्त्री० [स] वात, कथा
वदतोव्याघात पु० [स] कहेली वातथी विरुद्ध पाछु कहेवु ते
वदन पु० [स] मुख
वदान्य वि० [स] भारे दानी, उदार
वदि [स], **–दी** अ० वद; कृष्ण पक्षमा
वदीअत स्त्री० [अ] अनामत
वध पु० [स] हत्या; कतल; नाश
वधू,०टी स्त्री० [स] कन्या (२) वहु (३) पुत्रवधू
वध्य वि० [स] वधने पात्र
वन पु० [स.] जगल
वनचर, वनचरी पु०[स] वनमा फरनार (२) जगली पशु के माणस
वनमाला स्त्री० [स] वनना फूलोनी माळा **–ली** पु० कृष्ण
वनराज पु० [स] सिंह
वनराजि,–जी स्त्री०[स] वन के वृक्षोनो समूह (२) वननी पगदडी
वनवास पु० [स] वस्ती छोडी वनमा रहेवा जवु ते **–सी** पु० वनवास करनार
वनस्पति स्त्री० [सं.] झाडपान इ०
वनिता स्त्री० [सं] स्त्री
वनी स्त्री० [स] नानु वन
वनेचर पु० जुओ 'वनचर' [बुट्टी
वनौषध,–धि स्त्री० [स] जगली जडी-
वन्य वि०[स]वननु, तेमा थतु (२)जगली
वपन पु० [स.] वाववु ते (२) मूडवु–वतु करवु ते
वपु पु० [स] शरीर, देह
वफ़ा स्त्री० [अ] वफा; प्रामाणिकता; ईमानदारी (२) सुशीलता **०दार** वि० प्रामाणिक, ईमानदार (२)स्वामी-भक्त (३) राजभक्त **०दारी** स्त्री०
वफात स्त्री० [अ] मरण
वफ़्द पु०[अ]प्रतिनिधिमडळ, डेप्युटेशन
वबा स्त्री० [अ] कॉलेरा, प्लेग जेवी महामारी [(३) ईश्वरी कोप
वबाल पु० [अ.] भार; बोजो (२) आफत
वमन पु० [स] ऊलटी
वमनी स्त्री० [स] जळो
वमि स्त्री० [स] ऊलटीनो एक रोग
वय.क्रम पु० [स] वय; उमर
वय.संधि स्त्री०[स] बाळपण ने जवानी वच्चेनो काळ
वय,०स् [स] पु० उमर
वयस्क वि०[स] उमरनु (समासमा) (२) उमरे पहोचेलु; सगीर मटेलु
वयस्य पु० [स] सखा; मित्र (२) वि० समान वयनु; लगोटियो
वयोवृद्ध वि० [स] घरडु
वरच अ० [स] बल्के (२) परतु
वर [फा] वि० 'वाळु' ए अर्थनो प्रत्यय उदा० 'हुनरवर' (२) पु० [स] वर, पति (३) वरदान (४) वि० उत्तम
वरक पु०[अ] सोनाचादीनो वरख (२) पुस्तकनु पानु. **०साज** पु० वरख बनावनार **–की** वि० वरखनु; वरखवाळु

वरगलाना स०क्रि० बहेकाववु; फटववु (२) उश्केरवु [-शी वि० कसरती
वरजिश स्त्री०[फा] व्यायाम; कसरत
वरण पु०[स] वरवु के पसद करवु ते (२) मगळकार्यमा होता व० ने देवातु दान
वरद,-दाता वि० [स] वर देनारु
वरदान पु० [स] वरनु-इष्ट वस्तुनु दान. **-नी** वि० वरदाता
वरदी स्त्री० [अ] अमलदार वगेरेनो खास पोशाक, 'युनिफॉर्म'
वरन् अ० बल्के
वरना अ० [अ] नही तो; अगर तो
वरम पु० [अ] सोजो
वरयात्रा स्त्री०[स] वरघोडो (२) जान
वरसा पु० [अ वर्स] वारस
वरांगना, वरानना स्त्री०[स] सुदर स्त्री
वरासत स्त्री० [अ] वारसो के वारस होवु ते. ०**न्** अ० वारसाहकथी
वराह पु०[स] भूड;सूवर (२)एक अवतार
वरिष्ठ वि० [स] सर्वोत्तम; श्रेष्ठ
वरुण पु०[स] एक देव (२) एक ग्रह-'नेप्च्यून'
वरुणालय पु० [स] समुद्र
वर्ग पु०[स] श्रेणी (२) विभाग (३) गणितनो वर्ग-घात (४) चोरस
वर्ग़लाना स०क्रि० जुओ 'वरगलाना'
वर्गीकरण पु०[स]वर्गवार तफा पाडवा ते
वर्चस् पु० [स] तेज; वर्चस्व [निषेध
वर्जन पु०[स] वर्जवु ते; त्याग (२) मनाई;
वर्जित वि० [स] छोडेलु; त्यक्त (२) निषिद्ध; मना करायेलु
वर्जिश स्त्री० [फा] जुओ 'वरजिश'
वर्ज्य वि०[स] त्याज्य (२) मना; निषिद्ध
वर्ण पु०[स] रग (२) जाति (३) अक्षर
वर्णन पु० [स] वर्णववु ते; बयान
वर्तन पु०[स] वर्तव् ते; व्यवहार (२) 'बरतन', वासण
वर्तमान वि० [स] चालु; मौजूद
वर्तुल वि०[स] गोळ (२) पु० गोळ; वृत्त (३) गाजर (४) वटाणा
वर्त्म पु० [स] रस्तो; मार्ग (२) चीलो
वर्दी स्त्री० जुओ 'वरदी'
वर्द्ध(-र्ध)क वि० [स] वधारनारु (२) पु० सुथार [वृद्धि
वर्द्ध(-र्ध)न पु० [स] वधवु ते; वधारो;
वर्द्ध(-र्ध)मान वि०[स] वधतु जतु (२) पु० महावीर स्वामी
वर्द्धि(-र्धि)त वि० [स] वधेलु
वर्म पु० [स] कवच, बखतर [अते)
वर्य,-र्य्य वि०[स] वर; श्रेष्ठ (समासने
वर्ष पु० [स] वरस; साल (२) वर्षा. ०**गाँठ** स्त्री० जन्मगाठ; जयती ०**फल** पु० वर्षफळ (जोशी काढे ते)
वर्षा स्त्री० [स] वरसाद; वृष्टि (२) चोमासु
वर्ही पु० [स] मोर; मयूर [विचलन
वलन पु० [स] ग्रह आदिनी वक्रगति;
वलय पु०[स.] ककण, कडु (२) घेरो
वलवला पु० [अ] शोर (२) उत्साह (३) आवेश
वलादत स्त्री० [अ विलादत] प्रसव
वलाहक पु० [स] वादळ (२) पर्वत
वलि(-ली) पु० [स] रेखा, करचली
वली पु० [अ] मालिक (२) वाली; सरक्षक (३) पीर; फकीर ०**अल्लाह** पु० मोटो फकीर. ०**अहद** पु० युवराज ०**अहदी** स्त्री० युवराजपद
वले,०क, ०किन अ० [अ] परतु; पण

वल्कल पु०[स] झाडनी छाल के तेनु वस्त्र —ली पु० ते पहेरनार
वल्द पु० [अ.] पुत्र ('वलदे, बिन' ए अर्थमा दस्तावेजमा वपराय छे)
वल्दियत स्त्री० बापनु नाम दई परिचय आपवो ते—ज्ञानदान
वल्मीक पु० [स] ऊधईनो राफडो
वल्लभ वि०[स] अति प्रिय (२) पुं० पति (३) प्रिय जन —भा स्त्री० पत्नी (२) प्यारी स्त्री
वल्लरि, —री स्त्री० [स] वेल; लता
वल्लाह अ० [अ] ईश्वरना सोगन; खरेखर [जाणे
वल्लाह-आलम [अ] दैव जाणे; कोण
वल्ली स्त्री० [स] वेल; लता
वश पु०[स] कावू; अधिकार; प्रभुत्व (२) इच्छा. ०वर्ती वि० वशमा रहेनारु
वशा स्त्री०[स] स्त्री (२) गाय (३) वध्या स्त्री के गाय (४) नणद
वशिता स्त्री०, —त्व पु० [स] वश; अधीनता [तेनो मत्र के जादू इ०
वशीकरण पु० [स] वशमां आणवु ते के
वश्य वि० [स] परवश; आधीन
वसंत पु०[स] वसंत ऋतु —ती वि० आछा पीळा रगनु
वसअ, ०त स्त्री०[अ] विस्तार; फेलावो (२) क्षेत्रफळ (३) वसात; सामर्थ्य
वसति, —ती स्त्री०[स] वास; रहेठाण; घर (२) वस्ती (३) रात्रि
वसन पु० [स] वस्त्र (२) वसवु ते
वसमा पु०[अ] वाळनो कलफ —करना = कलफ लगाववो
वसवास पु०[अ]वसवसो; भ्रम; आशका; सदेह. —सी वि० शकावाळ; सशयात्मा
वसह पु० (प) वृषभ; बेल
वसी पु०[अ] वारस; जेने नामे वसियत करी होय ते
वसीअ वि० [अ.] विस्तृत; चोडु
वसीअ(-य)त स्त्री० [अ] वसियत; वारसा-व्यवस्था ०नामा पु० वारसा-खत
वसीक वि० [अ] दृढ; मजबूत; टकाउ
वसीका पु० [अ] वकफनो दस्तावेज
वसीला पु०[अ.] वसीलो; सबब; सहाय के आशरो (२) रस्तो; कार्यसिद्धिनो मार्ग
वसुंधरा स्त्री० [सं] पृथ्वी
वसु पु०[स] धन (२) रत्न के सोनु (३) (आठ) वसु देव. ०दा, ०धा पृथ्वी
वसूल वि० [अ] मळेलु; प्राप्त; चूकते करेलु —पाना=मेळववानु मळवु
वसूली स्त्री० वसूलात; वसूल करवु के करवानु ते; प्राप्ति
वस्त पु०[अ] मध्यभाग (२) [अ०] वच्चे (वि० —स्ती)
वस्ति स्त्री० [सं] वस्ति; पेडु
वस्तु स्त्री०[स] वस्तु; चीज, पदार्थ ०तः अ० खरेखर; साचु जोता
वस्त्र पु० [स] कपडु
वस्फ पु० [अ] गुण; विशेषता; खूबी
वस्ल पु० [अ] मिलन (२) मृत्यु
वस्साफ वि०[अ] प्रशसक; वखाणनार
वह स० ते (२) वि० पेलु
वहदत स्त्री० [अ] एकता
वहदानियत स्त्री० [अ] एकता (२) अद्वितीयता
वहन पु०[स] वही जवु—लई जवु ते
वहम पु० [अ] वहेम; शका (वि० —मी)
वहश पु० [अ] जगली जानवर

वहशत स्त्री०[अ] जगलीपणु; असभ्यता (२) गाडपण (३) चचळता; अधीराई (४) डर; भय; भयकरता
वहशी वि०[अ] जगली; असभ्य (२) अधीर; चचळ
वहाँ अ० त्यां [तेनो अनुयायी
वहाबी पु० एक मुसलमान सप्रदाय के
वहीं अ० त्या ज
वही स० [वह ही] ते ज (व्यक्ति) (२) स्त्री० [अ] खुदानो पेगाम
वहीद वि० [अ.] अनुपम; अजोड
वह्नि पु० [स] अग्नि
वाछनीय वि० [स] इच्छवा योग्य
वाछा स्त्री० [स] इच्छा; कामना
वांछित वि० [स.] इच्छेलु [ऊलटी
वात वि०[स] ऊलटी थयेलु (२) पु०
वांति स्त्री० [स] ऊलटी
वा अ०[स] अथवा; या (२) [अ] हाय; हा (३) स० (प) 'वह' नु व्रज भाषानु रूप जेम के 'वाको' 'वाने'
वाइज़ पु० [अ] धर्मोपदेशक; वायेज
वाइदा पु० [अ] वायदो; 'वादा'
वाक् स्त्री० [स] वाचा; वाणी
वाकअ वि०[अ] वननारु; थनारु (२) आवेलु, स्थित
वाकई वि० [अ.] यथार्थ; साचु (२) अ० खरेखर; साचे; वस्तुत.
वाकफियत स्त्री०[अ] वाकेफगारी;जाण (२) परिचय [समाचार
वाकया पु० [अ वाकिअ] वनाव (२)
वाका वि० जुओ 'वाकअ' –होना=वनवु
वाकिफ वि० [अ] वाकेफ
वाकिफकार वि० वाकेफगार; प्रवीण
वाकियात स्त्री०[अ] 'वाकया' नु व०व०
वाक़िफ़यत स्त्री०[अ]जुओ 'वाकफियत'
वाक्य पु० [स] वचन; वाक्य
वागीश पु०[स]ब्रह्मा(२)कवि(३)वक्ता
वागीश्वरी स्त्री० [स] सरस्वती
वागुरा स्त्री०[स] जाळ; फादो [वडा
वाग्जाल पु०[स] वातोनी जाळ; वातना
वाग्दत्त वि०[स] जेने आपवानी वात थई होय एवु [वचन
वाग्दान पु०[स] कन्यानी सगाई करवानु
वाग्दोष पु०[स] बोलवामा भूल (२) गाळ; निंदा [बृहस्पति (३) पडित
वाग्मी पु० [स] अच्छु बोलनार (२)
वाग्विलास पु० [स] वातोनो आनंद
वाङ्मय पु० [स.] साहित्य (२) वि० वाचा सवधी
वाच्, –चा स्त्री० [स.] वाणी [बोलनार
वाचक वि०[स] सूचक (२)पु० शब्द (३)
वाचन पु० [स.] वाचवु ते [जगा
वाचनालय पु० [स] छापा वाचवानी
वाचा स्त्री० [स] वाणी ०बद्ध वि० वचनथी वधायेलु [बोलनारु
वाचाट, –ल वि० [स] वाचाळ; अति
वाच्य वि०[स] कहेवा जेवु(२) वाचकथी वतावाय एवु
वाच्यार्थ पु० [स.] शब्दार्थ
वाज़ पु०[अ] उपदेश (२) धार्मिक कथा
वाज़ा वि० [अ] वनावनार
वाजिब वि०[अ] योग्य; वाजवी (२) पु० वृत्ति; वेतन [कार्यो
वाजिबात स्त्री० व०व० [अ] आवश्यक
वाजिबी वि० [अ] वाजवी; योग्य
वाज़िह वि० [अ.] मालूम; प्रतीन (२) खुल्लु; स्पष्ट –होना = मालूम पडवु; विदित थवु

वाजी पु० [स.] घोडो
वाजीकरण पु० [सं.] दवाथी शक्ति वधारवी ते – तेवो प्रयोग
वाट पु० [स] वाट; रस्तो (२) वाडो
वाटिका स्त्री० [स] वाडी; वगीचो
वाडव,–वाग्नि,–वानल पु० [स] वडवानल
वाणिज्य पु० [स.] वेपार
वाणी स्त्री० [सं] बोल; वचन; वाचा
वात पु० [स] वायु
वातायन पु० [स.] बारी (२) झरूखो
वातावरण पु० [स] पृथ्वीनी चोमेर हवानो पट छे ते (२)आसपासनी स्थिति
वातुल वि० [स] गाडु; पागल
वात्सल्य पु० [स] वहाल; स्नेह
वाद पु०[स] शास्त्रीय कोई दलील के मान्यता; 'इझम'
वादन पु०[स] वाजु के ते वगाडवु ते
वादा पु०[अ] वायदो; करार; वचन –खिलाफी करना=वायदाथी विरुद्ध करवु –वफाई करना=वायदो पूरो करवो
वादित्र पु० [स] वाजु; वाजित्र
वादी स्त्री०[अ.] पहाडो वच्चेनी खीण (२)[स] (अदालतमा) वादी; फरियादी
वाद्य पु० [स.] वाजु [आश्रम
वानप्रस्थ पु० [स] निवृत्तिनो – त्रीजो
वानर पु०[स] वादर –री स्त्री० वादरी
वापस वि०[फा.] पाछु –करना=पाछु आपवु –होना=पाछु फरवु (२) पाछु अपावु [पाछु फरवु ते
वापसी वि० पाछु फरतु–वळतु(२)स्त्री०
वापी,–पिका स्त्री० [स.] वाव
वाफिर वि० [अ.] खूब; पुष्कळ
वाफी वि०[अ] पूरतु; जोईए तेटलु
वाबस्ता पु०[फा] वावस्तु; सगु; सबधी
वाम वि०[स] डाबु (२) ऊलटु; विरुद्ध (३) वाकु; खराब (४) सुदर; प्रिय
वामन वि०[स] गट्टु (२) पु० गट्टो
वामा स्त्री० [स] स्त्री
वाय अ०[फा] 'हाय' अर्थनो उद्‌गार
वायव्य वि०[स] वायु सबधी (२) पु० उत्तर-पश्चिम खूणो [कागडी
वायस पु०[स] कागडो –सी स्त्री०
वायु पु०[स] पवन; हवा ०कोण पु० वायव्य खूणो ०मंडल पु० वातावरण. ०यान पु० ॲरोप्लेन
वारंट पु० [इ] वॉरंट; हुकमनामु ०गिरफ्तारी पु० पकडवानु वॉरंट. ०तलाशी पु० जगा तपासवानु वॉरंट ०रिहाई स्त्री० छोडवानु वॉरंट
वारंवार अ० [स] फरी फरी
वार पु०[स] दिवस (२) वखत; वेळा; वारो (३) वारण; रोकवु ते (४) नदीनो किनारो
वार पु० वार; हल्लो; चोट (२) वि० [फा] अनुक्रम सूचक प्रत्यय जेम के माहवार (३) तेवु के ते वाळु सूचवतो प्रत्यय जेम के सजावार
वारण पु०[स.] वारवु ते(२)मनाई; निषेध (३) हाथ [फिसाद; मारामारी
वारदात स्त्री०[अ] दुर्घटना (२) दगो-
वारना स०क्रि० ओवारवु (२) पु० ओवारणु वारने जाना=वारी जवु
वारनिश स्त्री० [इ] वार्निश; रोगान
वारपार पु० (नदीनो) आ पारथी ते पार; पूरो विस्तार (२) अ० पारोपार
वारफेर स्त्री० बलि; न्योछावर करेलु ते

वारफ़्ता वि० [फा.] 'बेखुद'; मस्त; आत्मामा लीन **–फ़्तगी** स्त्री० 'बेखुदी'
वारमुखी, वारवधू, वारस्त्री, वारवनिता, वारागना स्त्री०[स] वेश्या
वारा पु० करकसर (२) लाभ (३) वि० सस्तु (४) (व्रजमा)-वाळु, 'वाला' ए अर्थनो प्रत्यय(५)वारी गयेलु,न्योछावर
वारा-न्यारा पु० फेसलो, निवेडो
वारि पु०[स] पाणी **०ज** पु० कमळ
वारित वि०[स] वारेलु; रोकेलु; मना करायेलु
वारिद वि० [अ] आवनार (२) पु० महेमान (३) दूत (४) [स] वादळ
वारिधि पु० [स] समुद्र
वारियां स्त्री० वारी जवु ते; न्योछावर
वारिस पु० [अ] वारस
वारीफेरी स्त्री० बाधा के अशुभ दूर करवा माथे फेरवीने उतारवु ते
वारुणी स्त्री० [स] दारू
वारे-न्यारे होना = खूब फायदो थवो
वार्ड पु० [इ] वॉर्ड, विभाग; लत्तो
वार्डर पु० [इ] (जेलनो) वॉर्डर
वार्ता,-र्त्ता स्त्री०[स] वात; खबर (२) अफवा (३)विषय;प्रकरण(४)वातचीत
वार्ता(-र्त्ता)लाप पु० [स] वातचीत
वार्द्धक्य पु० [स] घडपण (२) वृद्धि
वार्षिक वि०[स] वर्षनु के तेने लगतु (२) दरेक वर्षनु (३) वर्षा ऋतुनु
वाला 'वाळु' अर्थनो प्रत्यय (स्त्री०वाली)
वाला वि० [फा] उच्च; श्रेष्ठ
वालिद पु० [अ] पिता
वालिदा स्त्री० [अ.] माता
वालिदैन पु० ब० व० [अ.] मावाप
वालुका स्त्री० [स.] रेती
वावैला पु०[अ] रोककळ (२)शोरबकोर
वाष्प पु०[स] बाष्प; वराळ (२) आसु
वासती स्त्री० [स] जूई वेल
वास पु०[स] वास; घर के रहेठाण (२) सुवास; सुगध
वासक पु०, **–का** स्त्री०[स] अरडूसी
वासकेट पु०,स्त्री०[इ] जुओ 'वास्कट'
वासना स्त्री०[स] इच्छा; आशा; चाह
वासर पु० [स] वार; दिवस
वासव पु० [स] इद्र
वासा स्त्री० [स] जुओ 'वासका'
वासिक़ वि० [अ] दृढ; पाकु
वासिल वि०[अ] वसूल थयेलु, मळेलु. **०बाकी** स्त्री० [अ] वसूल बाकी **०नवीस** पु० वसूल बाकीनो हिसाबनीस; वसूलदार
वासिलात स्त्री० कुल वसूल
वास्कट पु०; स्त्री० [इ] वासकोट
वास्तव वि० [स] वास्तविक; खरु; यथार्थ (२) पु० वस्तुता; यथार्थ तत्त्व **०में** अ० खरु जोता
वास्तविक वि० [स] वास्तव; खरु
वास्ता पु०[अ] सबध;लेवादेवा **–पड़ना** = काम पडवु, सबधमा आववु
वास्तु पु०[स] घर; मकान (२) तेने योग्य जगा
वास्तुविद्या स्त्री०[स] मकान करवानी [विद्या–इजनेरी
वास्ते अ० [अ] माटे; सारु
वाह अ० [फा] वाह! उद्गार
वाहक पु० [स] वहन करनार
वाहन पु०[स] 'सवारी'; गाडी इ०साधन
वाहवाही स्त्री० वाहवाह; प्रशसा
वाहिद वि० [अ] एकमात्र (२) पु० ईश्वर (३) (व्या) एकवचन

वाहिनी स्त्री० [स.] सेना (२) नदी
वाहिब वि० [अ] क्षमाशील; दयाळु
वाहिम वि० [अ] वहेम के कल्पना करनारु; कल्पनाशील
वाहिमा स्त्री० [अ.] कल्पनाशक्ति
वाहियात वि० वाहियाद; नकामु (२) खराब; बूरु
वाही वि०[अ.] नवरु; नकामु (२) सुस्त; ढीलु (३) मूर्ख (४) बेहूदु (५) [स.] वही–लई जनारु; वाहक
वाही-तबाही वि० बेहूदु (२) ढगधडा वगरनु (३) स्त्री० तेवी वातो
विकट वि० [सं.] कठण; मुश्केल (२) वाकु (३) भयकर
विकराल वि०[स.] विकराळ; भयंकर
विकल वि०[स] व्याकुळ; बेचेन (२) कलारहित (३) व्यग; खडित
विकलित वि०[स] व्याकुळ (२) दु खी
विकल्प पु०[स] भ्राति (२) ऊलटी–विपरीत कल्पना (३) विविध कल्पना
विकसना अ०क्रि० विकसवु; खीलवु
विकार पु०[स] बदलावु के बगडवु ते (२) रोग; दोष (३) वासना
विकास पु० [स.] खिलवणी; फेलावो
विकीर्ण वि०[सं.]वीखरायेलु(२)विख्यात
विकृत वि०[स.] विकारवाळु; वगडेलु; रोगित –**ति** स्त्री० विकार; दोष
विकेट पु० [इ.] क्रिकेटनी विकेट
विक्टोरिया स्त्री०[इ] चार पैडानी एक जातनी वगी
विक्रम पु०[स] ताकात; वळ. –**मी** वि० वळवान (२) विक्रमने लगतु
विक्रय पुं० [सं.] वेचाण
विक्रांत वि० [स.] पराक्रमी; वीर
विक्री स्त्री० वेचाण (२) वकरो
विक्रेता पुं० [स] वेचनार
विक्षिप्त वि०[सं]फेंकेलु(२)व्यग्र; विह्वळ
विक्षुब्ध वि०[स.] क्षोभ पामेलु; अशात
विक्षेप पु०[स] फेकवु ते (२) व्यग्रता (३) विघ्न
विक्षोभ पु०[स] क्षोभ; अशातता; उद्वेग
विख पु० (प.) वख; झेर (२) वि० [स.] नकटु; नाक विनानु
विख्यात वि०[सं] जाणीतु; प्रसिद्ध. –**ति** स्त्री० प्रसिद्धि
विगंध वि० [स.] निर्गंध (२) गधातु
विगत वि०[स] गयेलु; वीतेलु; पहेलानु
विगति स्त्री० [स] दुर्गति; खराबी [(२) खराब
विगर्हण पु०, –**णा** स्त्री० [स] निंदा; तुच्छकार
विगर्हित वि०[सं] निंदित; तुच्छकारायेलु
विगलित वि०[स] पीगळेलु; ढीलु पडेलु
विगुण वि० [स.] गुणहीन
विग्रह पु०[स] शरीर (२) युद्ध; झघडो
विघटन पु०[स] विगठन; सगठन मटी जवु ते
विघ्न पु० [सं] अडचण; खलेल
विचक्षण वि०[स] चतुर; बुद्धिमान (२) निपुण; प्रवीण
विचरना अ०क्रि० विचरवु; हरवु-फरवु
विचल,–लित वि०[स] अस्थिर; चलित
विचार पु०[सं] ख्याल; समज; मननो निश्चय [(२) न्यायाधीश
विचारक पु०[स] विचार करी जाणनार
विचारणा स्त्री० [स] विचारवु ते
विचारणीय वि०[स.] विचारवा योग्य के तेम करवानी जरूरवाळुं
विचारना स०क्रि० विचारवु

विचारालय पु० [स] न्यायाधीशनी कचेरी; अदालत
विचिकित्सा स्त्री० [स] शक; सदेह
विचित्र वि० [स] अद्‌भुत; आश्चर्यकारक (२) सुदर (३) चित्रविचित्र
विच्छिन्न वि०[स] छेदाईने छूटु पडेलु (२) छूटु; भिन्न; अलग; जुदु
विच्छेद,०न पु० [स] कापवु के अलग करवू के थवु ते
विछलना अ० क्रि० चळवु, 'फिसलना'
विछोह पु० वियोग; विच्छेद (वि०-ही)
विजन वि० [स] एकात; निर्जन (२) पु० वीजणो।
विजना पु० (प) 'विजन'; वीजणो
विजय स्त्री० [स] फतेह; जीत
विजया स्त्री० भाग (२) विजयादशमी
विजयी वि० [स] जीतनार
विजात वि० [स] कुजात, वर्णसकर; जारज [जातिनु
विजाति, -तीय वि० [स] जुदी-भिन्न
विजारत स्त्री० [अ] जुओ 'वजारत'
विजिगीषा स्त्री० [स] जीतनी इच्छा. -षु वि० ते इच्छावाळु
विज़िट स्त्री० [इ] मुलाकात
विजित वि० [स] जितायेलु
विजेता पु० [स] जीतनार
विजोग पु० (प) वियोग
विजोर वि० कमजोर (२) पु० बिजोरु
विज्जु स्त्री० वीजळी
विज्ञप्ति स्त्री०[स.] विनती (२) जाहेरात (३) नोटिस; सूचना
विज्ञान पु०[स] कोई विषयनु खास ज्ञान के शास्त्र. -नी पु० तेनो जाणकार
विज्ञापन पु० [स] जुओ 'विज्ञप्ति'
विट पु०[स] लपट (२) लुच्चो; धूर्त
विटप पु० [स] झाड के तेनी शाखा
विडबना स्त्री०[स] मश्करी (२) नकल; अनुकरण [करवु (२) भगाडवु
विडारना स०क्रि० वेरणछेरण,नष्ट-भ्रष्ट
विडाल पु०[स] बिलाडी -ली स्त्री०
वितंडा स्त्री०[स] नकामी-खोटी दलील के वाद
वितत वि० [स.] फेलायेलु, विस्तृत
वितथ,-थ्य वि०[स] असत्य; जूठु, मिथ्या
वितरण पु० [स] दान (२) वहेचणी
वितरना स०क्रि० (प.) वहेचवु
वितरेक, वितरिक्त अ० (प) सिवाय; 'व्यतिरिक्त' [शका
वितर्क पु०[स] विशेष के वधु तर्क (२)
वितल पु० [स] एक पाताळ
वितान पु० [स] फेलावो, विस्तार
वितुंड पु० [स] हाथी
वित्त पु० [स] धन, सपत्ति
विथकना अ०क्रि० (प) थाकवु; ढीलु थवु (२) मोह के आश्चर्यथी चूप थई जवु
विथकित वि० (प) थाकेलु
विथराना, विथारना स०क्रि० (प) वधे पाथरवु-फेलाववु [व्यथित
विथा स्त्री० (प.) व्यथा. -थित वि०
विथारना स०क्रि० जुओ 'विथराना'
विदग्ध वि० [स] कावेल; चतुर; होशियार (२) दाझेलु
विदरना अ०क्रि० फाटवु; चिरावु (२) स०क्रि० फाडवु; विदारवु
विदा स्त्री० [अ] विदाय
विदाई स्त्री० विदाय (२) विदायगीरी के त्यारे अपातु धन
विदारण पु० [स] विदारवु-चीरवु ते

विदारना स०क्रि० विदारवु; चीरवु
विदारी स्त्री० एक कठरोग (२) एक जातनु कद (३) वि०[स] विदारे-फाडे एवु
विदाही वि० [स] दाही; दाहक
विदित वि० [स] ज्ञात, जाणेलु
विदिश्,-शा स्त्री०[स] बे दिशा वच्चेनो खूणो [नष्ट
विदीर्ण वि० [स] फाटेलु; चीरेलु (२)
विदुर वि०[स] चतुर; दक्ष (२) पु० तेवो पुरुष
विदुषी स्त्री० [स.] विद्वान स्त्री
विदूर वि० [स] घणु दूर
विदूषक पु०[स] अति विपयी माणस (२) मश्करो
विदूषना स०क्रि० दोष देवो (२) सतावबु (३) अ०क्रि० दु खी, थवु
विदेश पु० [स] परदेश [जनक राजा
विदेह वि० [स] देह वगरनु (२) पु०
विद्ध वि० [स] वीधायेलु
विद्यमान वि० [सं] हयात; मोजूद
विद्या स्त्री० [स] (कोई खास) ज्ञान; जाणकारी
विद्यार्थी पु०[स] विद्या भणनार; छात्र
विद्यालय पु० [स] शाळा
विद्युत् स्त्री०[स.] वीजळी (२) सध्या. ०मापक पु० वीजळी मापवानु यत्र
विद्रुम पु० [स] कूपळ (२) परवाळु
विद्रोह पु०[स.] वळवो; सामे थवु ते
विद्वत्ता स्त्री० [स] पडिताई
विद्वान् पु० [स] पडित; ज्ञानी [वेरी
विद्वेष पु०[स]द्वेष; वेर -षी,-ष्टा वि०
विधना स०क्रि० मेळववु (२) पु० विधि; भावी

विधर्म(-र्म्म) पु० परधर्म (२) वि० धर्म के गुण विनानु; खोटु -र्मी वि० परधर्मी (२) धर्मभ्रष्ट
विधवा स्त्री० [स] राडेली स्त्री
विधाता पु०[स]ब्रह्मा (२) व्यवस्थापक; प्रबधक
विधान पु० [स] विधि; क्रिया (२) कथन; उक्ति (३) नियम; कायदो. ०परिषद् स्त्री० उपली धारासभा. ०सभा स्त्री० नीचली धारासभा
विधायक वि० [स] विधान करनार; रचनार; नियामक
विधि स्त्री० [स] रीत; ढग (२) शास्त्रोक्त व्यवहार (३) पु० ब्रह्मा (४) दैव. -बैठना = मेळ खावो; फाववु
विधु पु० [स] चद्र (२) ब्रह्मा
विधुर वि० [स.] दु खी; व्याकुळ (२) पु० राडेलो [योग्य
विधेय वि० [स] कहेवा के करवा
विध्वंस पु० [स] नाश (२) घृणा; अनादर (३) शत्रुता; वेर. -सी पु० नाश करनार
विध्वस्त वि० [स] नाश थयेलु
विनत वि० [स] वळेलु; वाकुं (२) विनीत, नम्र (३) शिष्ट
विनति,-ती,-तड़ी स्त्री० विनती (२) नमवु-झूकवु ते
विनम्र वि० [स.] अति नम्र; विनयी
विनय स्त्री० [स] नम्रता; सभ्यता; शिष्टता (२) शिक्षण (३) विनती; अनुनय -यी वि० विनयवाळु
विनश(-स)ना अ०क्रि० (प) वणसवु; नाश पामवु
विनश्वर वि० [स.] नाशवत

विनष्ट वि०[स] नाश पामेलु; मृत; भ्रष्ट
विनसना अ०क्रि०(प) जुओ 'विनशना'
विनसाना अ०क्रि०(प) 'विनसना' (२) स०क्रि० वणसाडवु
विना अ० [स] वगर; सिवाय
विनाथ वि० [स] अनाथ [बरबादी
विनाश पु०[स] खुवारी, नाश; हानि;
विनासना स०क्रि०(प) जुओ 'विनसाना'
विनिमय पु०[स] बदलो,आप-ले(२)गीरो
विनियोग पु० [स] उपयोग; खपमा लेवु ते (२) प्रवेश [सुशील
विनीत वि०[स] विनयी; सभ्य; नम्र;
विनु अ० (प) विना
विनोद पु०[स] कौतुक,गमत;हासी-खेल. **–दी** वि० विनोदवाळु [गोठवणी
विन्यास पु० [स] रचना; सजावट;
विपक्ष पु० [स] सामेनो–विरुद्ध पक्ष (२) वि० सामेनु; विरुद्ध **–क्षी** पु० सामावाळियो
विपत्ति स्त्री०[स] सकट; आफत (२) दु खदशा (३) मुश्केली; पचात **–ढहना** =दु ख आवी पडवु
विपथ पु० [स] कुमार्ग; आडो रस्तो
विपद,–दा स्त्री०[स] विपत्ति; आफत
विपन्न वि०[स] दु खी; विपत्तिमा आवेलु
विपरीत वि०[स] ऊलटु; ऊधु; अवळु; प्रतिकूल
विपर्यय, विपर्यास पु०[स] ऊलटु; अवळु-सवळु थवु ते (२) भ्रम [अस्तव्यस्त
विपर्यस्त वि०[स] विपर्यय पामेलु (२)
विपाक पु०[स] परिपक्व दशा; फळ (२) दुर्दशा (३) स्वाद
विपात पु० [स] विनिपात; नाश
विपादिका स्त्री०[स] पगनो एक रोग
विपिन पु० [स] वन; जगल (२) उपवन; बाग
विपुल वि०[स] खूब, पुष्कळ(२)अगाध
विपुला स्त्री० [स] धरती, पृथ्वी
विप्र पु० [स] ब्राह्मण
विप्रलभ पु०[स] वियोग (२) छळ; धोखो
विप्लव पु० [स] वळवो, उत्पात (२) पाणीनी रेल (३) नाश
विफल वि०[स] फळरहित, व्यर्थ; नकामु
विबुध पु०[स] विद्वान (२) चद्र (३) देव
विबोध पु०[स] जागरण (२) होशमा आववु ते, सावधानी (३) ज्ञान; बोध
विभक्त वि० [स] छूटु, भाग पाडेलु के वहेंचेलु
विभक्ति स्त्री० [स] वहेंचणी; विभाजन (२) व्या०नी विभक्ति; कारक
विभव पु०[स] वैभव, साहेबी; ऐश्वर्य (२) मुक्ति [राजा
विभाकर पु०[स] सूर्य (२) अग्नि (३)
विभाग पु०[स] हिस्सो; खड (२) खातु
विभाजन पु०[स] विभाग करवा ते (२) वहेंचणी (३) भाजन, पात्र
विभात पु० [स] प्रभात; सवार
विभाति स्त्री० [स] शोभा; प्रभा
विभावरी स्त्री०[स] रात (२) खराब स्त्री
विभिन्न वि०[स] भिन्न; जुदु (२) विविध
विभु वि०[स] सर्वव्यापक (२) पु० प्रभु
विभूति स्त्री०[स] ऐश्वर्य; वैभव; समृद्धि
विभूषण पु०[स] भूषण; शणगार; शोभा
विभेद पु० [स] भेद; अतर; फरक (२) छेद; काणु
विभ्रम पु०[स] भ्रम; सदेह (२) गभराट (३) भ्रमण; चक्कर
विभ्राट् पु० [स] बखेडो; झघडो

विमत पु०, –ति स्त्री०[स] विरुद्ध मत (२) असमति [खिन्न
विमन,०स्क वि०[स] अनमनु; उदास;
विमर्श,०न पु० [सं] विचार; विवेचन; समीक्षा
विमल वि० [सं.] निर्मळ; स्वच्छ
विमाता स्त्री० [स] सावकी मा
विमान पु०[सं.] हवाई वाहन (२) रथ
विमुक्त वि०[स] मुक्त; स्वतत्र; छूटु (२) रहित
विमुक्ति स्त्री० [स.] मुक्ति; स्वतत्रता
विमुख वि०[स]विरुद्ध; सामेनु; प्रतिकूळ
विमुद वि० [स] अप्रसन्न; उदास
विमूढ़ वि० [स] मूढ; अति मोहमा पडेलु; जड [(२) रहित
वियुक्त वि०[स] विखूटु; छूटु; अलग
वियोग पु०[स] छूटु पडवु ते (२) विरह
वियोगान्त वि०[स] अशुभान्त (नाटक इ०) [रगोनु
विरंग वि०[स.] खराव रगनु (२) विविध
विरंचि पु० [सं.] ब्रह्मा
विरक्त वि० [स.] वैराग्यवाळु; निवृत्त (२) विमुख; अलग
विरक्ति स्त्री०[स] वैराग्य, उदासीनता
विरचित वि०[स] रचायेलु; बनेलु
विरत वि०[स.] विशेष रत–लीन (२) विरतिवाळु; विरक्त
विरद पु० [सं. विरु] विरद; ख्याति
विरदावली स्त्री० विरुदावली; यशोगान
विरल वि०[स] अलग अलग; छूटु (२) दुर्लभ (३) अल्प
विरस वि० नीरस; फीकु; अप्रिय
विरसा पु० 'वारसा'; वारसो
विरह पु०[स] जुदाई; वियोग के तेनु दु ख –हिणी स्त्री० विरहवाळी स्त्री –ही पु० विरहवाळो
विराग पु०[स] वैराग्य –गी वि० वेरागी
विराजमान वि०[स] शोभीतु(२)हयात
विराजना अ०क्रि० विराजवु; शोभवु (२) विराजवु; बेसवु (३) हाजर होवु
विराट वि० [स] बहु मोटु (२) पु० विश्वरूप; विभु [आराम
विराम पु०[स] विरमवु, थोभवु ते;
विरासत स्त्री०[अ] जुओ 'वरासत'
विरुद पु० [स] ख्याति; प्रशस्ति
विरुदावली स्त्री०[स] जुओ 'विरदावली'
विरुद्ध वि० [स] सामे; प्रतिकूळ
विरूप वि०[स] ऊलटु (२) कदरूपु
विरेचक वि०[स] रेचक; 'दस्तावर' –न पु० रेच के तेनी दवा
विरोचन पु०[स] सूर्य (२) चंद्र (३) अग्नि (४) प्रकाश; चमक
विरोध पु०[स] अणबनाव; प्रतिकूळता (२) सामे होवु के थवु ते; शत्रुता
विरोधाभास पु०[स] विरोधनो आभास; एक अर्थालंकार [सामेवाळु; शत्रु
विरोधी वि०[स] सामेनु; प्रतिकूळ (२)
विर्द स्त्री०[अ]नित्यनु कार्य; दैनिक कार्य
विलंब पु०[स] ढील, मोडु थवु ते (२) लटकवु ते [लटकवु
विलंबना अ०क्रि० विलब करवो (२)
विलंबित वि०[स] लटकतु (२) ढीलमा पडतु; विलबवाळु
विलक्षण वि० [स] अपूर्व; असाधारण
विलखना अ०क्रि० जुओ 'बिलखना'
विलग वि० (२) पु० जुओ 'बिलग'
विलगाना अ०क्रि० (२) स०क्रि० जुओ 'बिलगाना'

विलपना अ०क्रि० विलाप करवो;विलपवु
विलाप पु० [स] रोवु ककळवु ते
विलायत पु०; स्त्री० [अ] पारको के दूरनो देश –ती वि० परदेशी
विलायती बेंगन पु० टोमेटो
विलास पु० [स] लहेर; मजा (२) एशआराम; सुखभोग (३) शृगारना हावभाव के चेष्टा [(२) वेश्या
विलासिनी स्त्री०[स] युवती; कामिनी
विलासी वि०[स] विलासप्रिय; कामी; एशआरामी
विलीन वि०[स] लीन; अलोप थयेलु (जेम के ओगळीने के मळी जईने)
विलेप,०न पु०[स] लेप के ते करवो ते
विलोकन पु० [स] जोवु, तपासवु के निहाळवु ते
विलोचन पु० [स] आख [(२) विघ्न
विलोप,०न पु०[स] लोप करवु ते; नाश
विलोम वि०[स] ऊलटु; सामेनु (२) पु० साप
विलोल वि०[स] लोल; अस्थिर; चचळ
विल्व पु०[स] विल्व, बीलु के बीली ०पत्र पु० बिल्वपत्र
विवक्षा स्त्री०[स] बोलवानी इच्छा (२) अर्थ, मतलब; आशय
विवक्षित वि०[स] अभिप्रेत, अपेक्षित (२) पु० प्रयोजन; उद्देश, आशय
विवर पु०[स] काणु (२) गुफा (३) बोड
विवरण पु०[स] विस्तारथी कहेवु ते; वर्णन; बयान [रहित
विवर्ण वि० [स] वर्ण (रग के जाति)
विवर्त पु०[स]आकाश(२)समूह(३)भ्रम
विवश(–स) वि०[सं] लाचार; अवश
विवस्त्र वि० [स] वस्त्ररहित; नागु
विवाद पु०[स] वाग्युद्ध (२) सामो वाद के मत (३) झघडो
विवाह पु०[स] लग्न –हित वि० परणेलु
विवाहना स०क्रि० परणवु, 'ब्याहना'
विविक्त वि०[स] एकलु, एकात (२) शुद्ध; पवित्र
विविध वि० [स] अनेक जातनु
विवृत वि०[स] खुल्लु; पहोळु, विस्तृत
विवेक पु०[स] सारानरसानी समज के तेनी शक्ति –की वि० विवेकवाळु
विवेचन पु०[स] अवलोकन, परीक्षा, के मीमासा; सारासारनु निरूपण
विशद वि० [स] स्पष्ट, साफ (२) चोख्खु, स्वच्छ (३) सफेद
विशारद वि०[स] प्रवीण; दक्ष; कुशळ
विशाल वि० [स] विशाळ, मोटु
विशिष्ट वि० [स] विशेष, खास; असाधारण
विशुद्ध वि०[स] शुद्ध; निर्मळ, चोख्खु; पवित्र –द्धि स्त्री० शुद्धता; पवित्रता
विशूचिका स्त्री० [स] कॉलेरा रोग
विशृंखल वि० [स] क्रम के बधन विनानु
विशेष वि०[स] वधु (२) खास (३) असाधारण (४) पु० भेद; तफावत (५) अधिकता; वधारो (६) खास गुण
विशेषज्ञ वि०[स] खास जाणनार; तज्ज्ञ
विशोक वि०[स] शोकरहित (२) पु० अशोक वृक्ष
विश्रभ पु० [स] विश्वास (२) प्रेम
विश्राति स्त्री०, विश्राम पु०[स] आराम; थाक [स्त्री० प्रख्याति
विश्रुत वि०[स] विख्यात; प्रसिद्ध. –ति
विश्लिष्ट वि० [स] पृथक्; छूटु (२) खीलेलु (३) ढीलु

विश्लेषण पु० [स] छूटु करवु ते; पृथक्करण

विश्वंभर पु० [स] भगवान; प्रभु

विश्व पु० [स] सृष्टि; ब्रह्माड

विश्वविद्यालय पु०युनिवर्सिटी;विद्यापीठ

विश्वसनीय, विश्वस्त वि०[स] विश्वास-पात्र [ब्रह्म

विश्वात्मा, विश्वाधार पु०[स] ईश्वर;

विश्वास पु०[स.] भरोसो; श्रद्धा; यकीन –जमाना,दिलाना=विश्वास पेदा करवो

विश्वासघात पु० [स] दगो; धोखो

विश्वासी पु०[स] विश्वास करनार (२) विश्वासपात्र

विश्वेदेव पु० [स.] अग्नि

विश्वेश,–श्वर पु० [स] ईश्वर

विश्वकोश पु०[स]'एन्साइक्लोपीडिया'; सर्वसग्रह

विष पु० [स] वख; झेर **–की गांठ** =उपद्रवकारी के पचातनु घर

विषण्ण वि० [स] खिन्न; दु खी

विषधर पु० [स] साप

विषमंत्र पु०[स] झेर उतारवानो मत्र

विषम वि०[स] असमान (२) कठण; मुश्केल (३) पु० सकट [वासना

विषय पु० [स.] वावत; वस्तु (२) काम-

विषयक वि० [स] (समासमा) अमुक विपय सवधी

विषयी वि०[स] कामी; भोग-विलासी

विषाक्त वि० [स] विषयुक्त

विषाण पु०[स] शीगडु (२) हाथीदात

विषाद पु० [स] शोक; खेद; दु ख

विषालु वि० [स] झेरी

विषुव,०त् पु०[स] रात दिवस बरोवर होय ते समय

विषुव(०त्)रेखा पु०[स] विपुववृत्त

विषैला वि० झेरी

विष्टा,–ष्ठा स्त्री० [स] गू

विष्टि स्त्री० [स] वेठ (२) मजूरी

विष्ठा स्त्री० जुओ 'विष्टा'

विष्णु पु० [स] एक हिंदु देव **०पदी** स्त्री० गगा नदी [(२) दगो

विसवाद पु० [स] असगतता; विरोध

विसदृश वि०[स] असमान; ऊलटु; जुदु

विसर्ग पु०[स] त्याग (२) दान (३) शौच, मळत्याग (४) मोक्ष (५) लिपिनो (ः) विसर्ग

विसर्जन पु०[स] छोडवु ते (२) वरखास्त करवु ते; अत

विसर्प पु०[स] एक जातनो ताव (खस खूजली साथे)

विसर्पी वि० [स] चेपी [मृत्यु

विसाल पु०[अ] सयोग (२) सभोग (३)

विसूचिका स्त्री० [स] कॉलेरा

विस्तार पु० [स] फेलावो

विस्तीर्ण, विस्तृत वि०[स] फेलायेलु; विस्तारवाळु [फोल्लो

विस्फोट पु०[स] फूटवु ते (२) झेरी

विस्फोटक वि०[स] फूटे एवु (२) पु० तेवो पदार्थ

विस्मय पु० [स] आश्चर्य; अचबो

विस्मरण पु० [स] वीसरवु ते

विस्मित वि०[स] आश्चर्ययुक्त; चकित

विस्मृत वि० [स.] वीसरायेलु. **–ति** स्त्री० विस्मरण

विहंग(०म), विहग पु० [स] पक्षी

विहान पु० सवार; प्रभात

विहार पु०[स] विचरवु–फरवु ते (२) रति-क्रीडा (३) बौद्ध विहार – मठ

वेशभूषा स्त्री० [स] पहेरवेश
वेश्म पु० [स] घर; मकान
वेश्या स्त्री० [स] गुणका; रडी
वेष्टन पु० [स] लपेटवानु–बाधवानु कपडु; वाधण (२) पाघडी, फेंटो
वैकल्पिक वि० [स.] अनिश्चित (२) आ के ते विकल्पवाळु, मरजियात
वैकुंठ पु० [स] विष्णुलोक, स्वर्ग
वैगन पु० [इ] भारखानानो डबो
वैचित्र्य पु० [स] विचित्रता
वैज्ञानिक वि०[स] विज्ञान सबधी (२) पु० विज्ञानवेत्ता
वैतनिक पु० [स] पगारदार; नोकर
वैताल,–लिक पु०[स.] बदीजन; स्तुति करनार
वैद पु० वैद्य (२) [स] विद्वान
वैदक पु० आयुर्वेद; वैदु–वैदनी विद्या
वैदग्ध्य पु० [स] विदग्धता; चातुरी
वैद्य पु० [स] वैद; वैदु करनार. ०क पु० जुओ 'वैदक' [ठीक; रीतसरनु
वैध वि०[स] विधि के कानून मुजवनु;
वैधव्य पु० [स] रडापो
वैनतेय पु० [स] गरुड (२) अरुण
वैपार पु० वेपार –री पु० वेपारी
वैभव पु० [स] ऐश्वर्य; महिमा (२) धनदोलत [शत्रुता
वैमनस्य पु०[स] अणवनाव (२) वेर;
वैमात्र(-त्रेय) वि०[स] सावकु; 'सौतेला'
वैर पु० [स] वेर; झेर, द्वेष [वदलो
वैरशुद्धि स्त्री०[स] वेर लेवु ते; वेरनो
वैयाकरण पु०[स] व्याकरण-शास्त्री
वैरागी पु० वैराग्यवाळो (२) एक जातनो साधु
वैराग्य पु० [स] वैराग; विरक्ति
वैरि,–री पु० [स] वैरी; शत्रु
वैवाहिक वि०[स] विवाह सबधी (२) पु० ससरो
वैशाख पु० [स] वैशाख मास
वैशेषिक पु०[स] छमानु एक दर्शनशास्त्र
वैश्य पु० [स] चारमानो एक वर्ण
वैश्वानर पु० [स.] अग्नि
वैषम्य पु० [स] विषमता; असमानता
वैष्णव पु० [स] विष्णुपथी
वैसा वि० तेवु; ते जातनु –से अ० तेम; ते रीते [मतदार
वोट पु० [इ] मत ०दाता, ०र पु०
व्यंग,–ग्य पु० [स] कटाक्ष
व्यजन पु०[स] क, ख इ० अक्षर (२) निशानी (३) खानपाननी वानी के शाक अथाणु चटणी इ०
व्यजना स्त्री०[स] प्रगट करवानी शक्ति
व्यक्त वि० [स] प्रगट
व्यक्ति पु० [स] जण; कोई एक (२) कोई व्यक्त पदार्थ [लीन; उद्यमी
व्यग्र वि० [स] व्याकुल (२) काममा
व्यजन पु० [स] वीजणो; पखो
व्यतिक्रम पु०[स] ऊलटो क्रम (२) विघ्न
व्यतिरिक्त अ० सिवाय, 'अलावा' (२) वि० [स] भिन्न; सिवायनु
व्यतिरेक पु०[स] अतिरेक, वृद्धि (२) भेद; जुदाई; ऊलटापणु
व्यतीत वि० [स] वीतेलु; गत
व्यतीपात पु० [स] भारे उत्पात (२) ज्योतिषमा एक खास योग
व्यथा स्त्री० [स] पीडा; दु ख
व्यथित वि०[स] दु खी; व्यथा पामेलु
व्यभिचार पु०[स] दुराचार; छिनाळवु. –री वि० व्यभिचार करनार

व्यय पु० [स] खपत; खर्च
व्यर्थ वि० [स] नकामु; फोगट
व्यलीक वि० [स] अप्रिय (२) दु खद (३) पु० अपराध (४) दु ख
व्यवधान पु०[स] आतरो; पडदो (२) अलग पडवु ते; विच्छेद (३) अत
व्यवसाय पु०[स] धधो, रोजगार (२) अभिप्राय;मतलब **–यी** वि० धधावाळु
व्यवस्था स्त्री०[स] प्रबध, गोठवण (२) नियम [करनार, मॅनेजर
व्यवस्थापक पु० [स] व्यवस्थानु काम
व्यवस्थित वि० [स] व्यवस्थावाळु; नियमित
व्यवहार पु० [स] वर्तन (२) धधो रोजगार (३) प्रथा, रिवाज (४) केस; मुकद्दमो [समष्टि)
व्यष्टि स्त्री०[स] एकल व्यक्ति (ऊलटु–
व्यसन पु०[स] दु ख; विपत्ति (२) टेव; शोख (३) कुटेव (४) विषयासक्ति. **–नी** वि० व्यसनवाळु
व्यस्त वि० [स] जुओ 'व्यग्र'
व्याकरण पु० [स] भाषाना शब्दो वगेरेना नियमनी विद्या
व्याकुल वि० [स] व्यग्र; गभरायेलु
व्याख्या स्त्री०[स] स्पष्टीकरण; टीका
व्याख्याता पुं०[स] व्याख्यान करनार
व्याख्यान पु० [स] भाषण; विवेचन
व्याघात पु०[स] विघ्न (२) घा; प्रहार
व्याघ्र पु० [स] वाघ
व्याज पु० [स] छळ, कपट (२) ढील; वार (२) मूडीनु व्याज
व्याध पु०[सं] शिकारी (२) वि० दुष्ट
व्याधि स्त्री०[स] रोग; बीमारी (२) पचात; झझट
व्यापक वि० [स] फेलायेलु
व्यापना स०क्रि० व्यापवु; प्रसरवु; फेलावु
व्यापार पु० [स] काम; धधो (२) वेपार, रोजगार
व्यापारी पु०[स] वेपारी; सोदागर (२) वि० व्यापार सबधी
व्याप्त वि०[स] व्यापेलु, प्रसरेलु **–प्ति** स्त्री० प्रसार; फेलावु ते
व्यायाम पु० [स] कसरत [दुष्ट
व्याल पु०[स] साप (२) वाघ (३) वि०
व्यालू स्त्री०; पु० वाळु
व्यावहारिक वि० [स] व्यवहारनु के ते विषेनु (२) वहेवारु
व्यासंग पु० [स] अति सग; व्यसन
व्याहार पु० [स] वाक्य
व्युत्पत्ति स्त्री० [स] भाषाना शब्दोनो ऊगम के तेनी विद्या
व्युत्पन्न वि० [स] विद्वान; पडित
व्यूह पु०[स] वृद; समूह (२) सेनानी खास रचना–मोरचो (३) परिणाम
व्योम पु० [स] आकाश (२) वादळ
व्रज पु०[स] जवु ते (२) समूह; टोळु (३) व्रज प्रदेश [(३) हुमलो
व्रज्या स्त्री०[स] फरवु ते (२) रणभूमि
व्रण पु० [स] घा; जखम [उपवास
व्रत पु० [स] आचारनो नियम (२)
व्रतिक, व्रती, व्रत्य पु० [स] व्रतवाळो; व्रतधारी (२) ब्रह्मचारी
व्रीड़ा स्त्री० [स] लज्जा; शरम
व्रीहि स्त्री० [सं.] चोखा; डागर

श

शंकना अ०क्रि० (प) शका करवी
शंकर पु० [स] महादेव; शिव
शका स्त्री० [स] सशय; डर -कित वि० शकावाळु
शंकु पु०[न] खीली; खूटी (२) शंकु आकार
शंख पु० [न] शखलो -फूँकना= जाहेर करवु -बजना=जीत थवी. -बजाना=राजी थवु (फाववाथी)
शंजरफ पु०[फा] 'शिगरफ'; हिंगळोक
शंठ पु० शढ; हीजडो (२) बेवकूफ
शंड(-ढ) पु०[म] शढ, नपुसक(२)साढ
शंबर पु० [म] युद्ध
शंभु पु० [न] शिव [मास
शअबान पु०[अ] शाबान, अरबी ८मो
शऊर पु०[अ] शहूर, अकल; आवडत (२) काम करवानी रीत, पहोच
शऊरदार वि० शहूरवाळु; कावेल
शकट पु०[म.] गाडु (२) भार; बोजो
शकर स्त्री० [फा] 'शक्कर'; खाड
शकरकंद पु० शकरियु
शकरपारा, -ला पु० शकरपारो, एक वानी (२) एक फळ [कलह
शकररजी स्त्री० मीठो झघडो; प्रेम-
शकल स्त्री० [अ शक्ल] सिकल; चहेरो; रूप (२) उपाय; रस्तो
शकाब्द पु० [म] शालिवाहननो शक नवत [सिकलवाळु
शकील वि० [फा] रूपाळु; सुदर
शकुंत पु० [म] पक्षी
शकुन पु०[म]शुकन; शुभ घडी(२)पक्षी -देखना, -विचारना=शुकन जोवा
शकुनि पु०[म]पक्षी(२)दुर्योधननो मामो
शक़्क पु० [अ] चीरो; फाट
शक्कर स्त्री० खाड
शक्की वि० शकवाळु; शकाशील
शक्त पु० [स.] सशक्त; समर्थ
शक्ति स्त्री०[स] बळ; ताकात (२) देवी
शक्तु पु० [स] सक्तु; साथवो
शक्य वि०[स.] बनी शके एवु; सभवित
शक्र पु० [स] इद्र
शक्ल स्त्री० [अ०] जुओ 'शकल'
शख़्स पु०[अ] शखस; माणस, व्यक्ति
शख़्सियत स्त्री० [अ] व्यक्तित्व
शख़्सी वि०[अ] एक जणनु; व्यक्तिगत
शग़्ल पु० [अ. शग़्ल] वेपार; कामधधो (२) विनोद; मनोरजन
शगाल पु० [अ] शृगाल; शियाळ
शगुन पु० शुकन (२) सगाई थयानो चाल्लो इ० करवानो विधि. -लेना =शुकन जोवा
शगुनियाँ पु० शुकन जोई खानार साधारण जोषी
शगुफ्ता वि० [फा.] खीलेलु; प्रफुल्ल (नाम, -फ़्तगी)
शगून, शगूनियाँ जुओ 'शगुन, शगुनियाँ'
शगूफा पु० कळी (२) फूल (३) विलक्षण कोई नवी घटना
शचि, -ची स्त्री० [म.] इद्राणी
शजर(-रा) पु० [अ] वृक्ष; झाड

शजरा पु० [अ] वृक्ष (२) वशवृक्ष (३) तलाटीनो खेतरोनो नकशो
शठ पु०[स] पाको, खधो लुच्चो माणस
शण(-न) पु० शण; 'सन'
शत वि० [स] सो; १०० [(२) सैकु
शतक पु० [स] सोनो समूह; सेंकडो
शतधा अ०[स] सो रीते; सेकडो प्रकारे
शतरज स्त्री० [फा] शेतरंज
शतरजी स्त्री० [फा.] शेतरजी (२) शेतरंज रमवाना खानानु कपडु (३)पु० सरस शेतरज रमी जाणनार
शताब्दी स्त्री०[स] सैकु; सो वरस
शतायु वि०[स] सो वरसनु; चिरजीव
शतावधान पु० [स] सो अवधान के तेनी शक्तिवाळो माणस -नी पु० तेवो माणस (२) स्त्री० शतावधाननु काम के शक्ति
शत्रु पु० [स] दुश्मन, सामेवाळो
शदीद वि० [अ] भारे; खूब; सखत
शद्द पु०[अ] जोर, भार (२) 'तशदीद'- अक्षरनु द्वित्व ०व मद, -द्दो मद पु० ठाठमाठ; धामधूम
शद्दा पु० [अ] तावूतनो झडो
शनवा वि०[फा] साभळनार; सुणनार ०ई स्त्री० सुनावणी [परिचय
शनास्त स्त्री० [फा शिनास्त] पिछान;
शनास वि० [फा. शिनास] पिछाननार (समासनेअते) -सा वि० पिछाननार. -साई स्त्री० पिछान
शनि पु०[स] एक ग्रह (२) एक वार के दिवस (३) कमनसीब
शनैः अ० [स] धीमे
शपथ पु० [स] सोगन
शफक स्त्री० [अ] सध्या के उषानी लाली. -का टुकडा=खूब सुदर. -फूलना=ए लाली फेलावी
शफकत स्त्री० [अ] कृपा; महेरबानी
शफा स्त्री० [अ शिफा] तदुरस्ती; आरोग्य. ०खाना पु० दवाखानु
शफी वि० [अ शफीअ] वच्चे पडी पतावट करनार
शफीक वि० [अ] दयाळु, महेरबान
शफ्फाक वि०[अ] स्वच्छ (२) पारदर्शक
शब स्त्री० [फा] रात [-री)
शब-कोर वि० [फा] रताधळु (नाम,
शबनम स्त्री०[फा] झाकळ; ओस (२) पातळा वारीक मलमलनी एक जात
शबनमी स्त्री० [फा] मच्छरदानी
शब-बरात स्त्री० [फा] एक इस्लामी तहेवार [खूबसूरती
शबाब पु० [अ] यौवन, जुवानी (२)
शबाहत स्त्री० [अ] सूरत; सिकल
शबिस्तान पु० [फा] सूवानो ओरडो; अत पुर
शबीना वि०[फा] रातनु; वासी (२) पु० रातमा पूरु करवानु काम, दा०त० कुराननो पाठ
शबीह स्त्री० [अ] चित्र; छवी
शबेकद्र स्त्री० [फा +अ] रमजान मासनी २७मी तारीखनी रात (एम मनाय छे के त्यारे खुदा जुए छे के कोण मारी बंदगी करे छे)
शबे-तार, शबे-तारीक स्त्री० [फा] अधारी रात [चादनी रात
शबे-माह, शबे-माहताब स्त्री० [फा]
शबोरोज अ०[फा] रातदिवस; हरदम
शब्द पु०[स] अवाज; ध्वनि (२) शब्द; वचन; बोल; वाणी

श

शंकना अ०क्रि० (प) शका करवी
शंकर पु० [स] महादेव; शिव
शंका स्त्री० [स] सशय; डर –कित वि० शकावाळु
शंकु पु०[म] खीली; खूटी (२) शकु आकार
शंख पु० [त] शखलो –फूँकना = जाहेर करवु –बजना = जीत थवी. –बजाना = राजी थवु (फाववाथी)
शंगरफ पु०[फा] 'शिगरफ'; हिंगळोक
शंठ पु० शढ; हीजडो (२) बेवकूफ
शंड(–ढ) पु०[स] शढ, नपुसक(२)साढ
शंबर पु० [म] युद्ध
शंभु पु० [त] शिव [मास
शअबान पु०[अ] शाबान, अरबी ८मो
शऊर पु०[अ] शहूर, अकल; आवडत (२) काम करवानी रीत, पहोच
शऊरदार वि० शहूरवाळु; कावेल
शकट पु०[म.] गाडु (२) भार; बोजो
शकर स्त्री० [फा] 'शक्कर'; खाड
शकरकंद पु० शकरियु
शकरपारा, –ला पु० शकरपारो, एक वानी (२) एक फळ [कलह
शकररजी स्त्री० मीठो झघडो; प्रेम-
शकल स्त्री० [अ शक्ल] सिकल; चहेरो; रूप (२) उपाय; रस्तो
शकाब्द पु० [सं] शालिवाहननो शक सवत [सिकलवाळु
शकील वि० [फा] रूपाळु; सुदर
शकुत पु० [सं] पक्षी
शकुन पु०[स] शुकन; शुभ घडी(२)पक्षी –देखना, –विचारना = शुकन जोवा
शकुनि पु०[म]पक्षी(२)दुर्योधननो मामो
शक्क पु० [अ] चीरो; फाट
शक्कर स्त्री० खाड
शक्की वि० शकवाळु; शकाशील
शक्त पु० [स] सशक्त; समर्थ
शक्ति स्त्री०[स] बळ; ताकात (२) देवी
शक्तु पु० [स] सक्तु; साथवो
शक्य वि०[स] बनी शके एवु; सभवित
शक्र पु० [स.] इद्र
शक्ल स्त्री० [अ०] जुओ 'शकल'
शख्स पु०[अ.] शखस; माणस, व्यक्ति
शख्सियत स्त्री० [अ] व्यक्तित्व
शख्सी वि०[अ.] एक जणनु; व्यक्तिगत
शगल पु० [अ शग्ल] वेपार; कामधधो (२) विनोद, मनोरजन
शगाल पु० [अ] शृगाल; शियाळ
शगुन पु० शुकन (२) सगाई थयानो चाल्लो इ० करवानो विधि –लेना = शुकन जोवा
शगुनियाँ पु० शुकन जोई खानार साधारण जोषी
शगुफ्ता वि० [फा] खीलेलु; प्रफुल्ल (नाम, –फ़्तगी)
शगून, शगूनियाँ जुओ 'शगुन, शगुनियाँ'
शगूफा पु० कळी (२) फूल (३) विलक्षण कोई नवी घटना
शचि, –ची स्त्री० [म.] इद्राणी
शजर(–रा) पु० [अ] वृक्ष; झाड

पु० [अ] वृक्ष (२) वशवृक्ष
तलाटीनो खेतरोनो नकशो
०[म] पाको, खधो लुच्चो माणस
-न) पु० शण; 'सन'
वि० [स] सो; १०० [(२) सैकु
पु० [न] सोनो समूह; सैंकडो
अ०[स] सो रीते; सेंकडो प्रकारे
त स्त्री० [फा] शेतरंज
ी स्त्री० [फा] शेतरजी (२)
ज रमवाना खानानु कपडु (३)पु०
शेतरज रमी जाणनार
दी स्त्री०[स] सैकु; सो वरस
वि०[स] सो वरसनु; चिरजीव
धान पु० [म] सो अवधान के
शक्तिवाळो माणस. -नी पु०
माणस (२) स्त्री० शतावधाननु
के शक्ति
ु० [स] दुश्मन; सामेवाळो
वि० [अ] भारे; खूब, सखत
ु०[अ] जोर, भार (२) 'तशदीद'-
रनु द्वित्व ०व मद, -द्दो मद पु०
माठ; धामधूम
पु० [अ] ताबूतनो झडो
वि०[फा] साभळनार; सुणनार
स्त्री० सुनावणी [परिचय
त स्त्री० [फा. शिनाख्त] पिछान;
त वि० [फा. शिनास] पिछाननार
ासनेअते) -सा वि० पिछाननार.
ाई स्त्री० पिछान
पु०[स] एक ग्रह (२) एक वार
दिवस (३) कमनसीब
अ० [स] धीमे
पु० [म] सोगन
स्त्री० [अ] सध्या के उषानी

लाली. -का टुकडा = खूब सुदर.
-फूलना = ए लाली फेलावी
शफ़क़त स्त्री० [अ] कृपा; महेरवानी
शफा स्त्री० [अ शिफा] तदुरस्ती;
आरोग्य. ०ख़ाना पु० दवाखानु
शफ़ी वि० [अ शफीअ] वच्चे पडी
पतावट करनार
शफीक वि० [अ] दयाळु; महेरवान
शफ़्फ़ाक वि०[अ] स्वच्छ (२) पारदर्शक
शब स्त्री० [फा] रात [-री)
शब-कोर वि० [फा] रताधळु (नाम,
शबनम स्त्री०[फा] झाकळ; ओस (२)
पातळा बारीक मलमलनी एक जात
शबनमी स्त्री० [फा] मच्छरदानी
शब-बरात स्त्री० [फा] एक इस्लामी
तहेवार [खूबसूरती
शबाब पु० [अ] यौवन; जुवानी (२)
शबाहत स्त्री० [अ] सूरत; सिकल
शबिस्तान पु० [फा] सूवानो ओरडो;
अत पुर
शबीना वि०[फा.] रातनु; वासी (२)
पु० रातमा पूरु करवानु काम, दा०त०
कुराननो पाठ
शबीह स्त्री० [अ.] चित्र; छवी
शबेकद्र स्त्री० [फा +अ] रमजान मासनी
२७मी तारीखनी रात (एम मनाय छे
के त्यारे खुदा जुए छे के कोण मारी
बंदगी करे छे)
शबे-तार, शबे-तारीक स्त्री० [फा.]
अधारी रात [चादनी रात
शबे-माह, शबे-माहताब स्त्री० [फा.]
शबोरोज़ अ०[फा] रातदिवस; हरदम
शब्द पु०[स] अवाज; ध्वनि (२) शब्द;
वचन; बोल; वाणी

शब्बीर वि० [फा. ?] नेक; भलु (२) सुदर; खूबसूरत
शम पु०[स] शाति; शमवु के शमाववु ते (२) मननो संयम
शमन पु० [स] शमवु–शमाववु ते
शमबा पु० जुओ 'शम्बा'
शमला पु०[अ] पाघडी के फेंटानो तलो
शमशेर स्त्री० [फा.] तलवार
शमस पु० जुओ 'शम्स' –सी वि० जुओ 'शम्सी'
शमा स्त्री० [अ शमअ] मीणवत्ती (२) दीवो ०दान पु० दीवी
शमी स्त्री० [स] समडानु झाड
शम्बा पु० [फा] शनिवार
शम्मा वि० [अ.] जराक, 'तनिक' (२) पु० मृदु-जरा सुवास
शम्स पु०[अ] सूर्य –म्सी वि० सौर; सूर्य सबंधी [जुओ 'शैतानी'
शयतान पु० जुओ 'शैतान' –नी वि०
शयन पु०[स.] सूवु ते (२) शय्या; पथारी
शय्या स्त्री० [सं] पथारी (२) पलग
शर पु०; स्त्री० [अ] दुष्टता (२) पु० [स.] बाण
शरअ स्त्री०[अ.] शर; कुराननी आज्ञा (२) मुसलमाननु धर्मशास्त्र (३) दीन; मजहब
शरई वि०[अ] शर–धर्मशास्त्र प्रमाणेनु (२) धर्मने अनुसरी चालनार
शरकी वि० जुओ 'शर्की'
शरण स्त्री०[स] आशरो; ओथ; शरण
शरणागत वि० [स] शरणे आवेलु
शरणार्थी वि० [स] शरण चाहतु
शरण्य वि० [स] शरणदाता
शरत्, –द् स्त्री० [स.] शरद ऋतु
शरफ़ पु०[अ] मोटाई (२) उत्तमता (३) मान; महत्ता
शरबत पु०[अ.] ठडु मीठु एक पीणु
शरबती वि० आछा पीळा रगनु (२) रसदार (३) पु० एक जातनु लीबु के मलमल
शरम स्त्री०[फा] 'शर्म'; लाज; मर्यादा –से गडना या पानी पानी हो जाना= शरमना मार्या मरी जवु; खूब शरमावु
शरमसार वि०[फा] शरमाळ; शर्मिदु
शरमाऊ(-लू) वि० शरमाळ
शरमाना अ०क्रि० शरमावु; सकोच पामवु (२) स०क्रि० शरमाववु
शरमाशरमी अ० शरमे शरमे, शरमथी
शर्मिदा वि०[फा] शर्मिदु; शरमायेलु –दगी स्त्री० शरमाळपणु; लाज
शरमीला वि० शरमाळु
शरर पु० [अ] चिनगारी
शरह स्त्री०[अ] टीका; भाष्य; स्पष्टीकरण (२) भाव; दर
शरह-लगान स्त्री० 'लगान' नो दर; विघोटी
शराकत स्त्री० [फा.] शरीक थवु ते; हिस्सेदारी; सामेलगीरी; सहयोग
शरा(-र्रा)टा पु० सुसवाट (हवानो) (२) मोटो अवाज
शराफ़त स्त्री० [अ.] शरीफपणु; भलमनसाई; सुजनता
शराब स्त्री० [अ] दारू –खींचना, –डालना, –पीना=दारू ढीचवो–पीवो
शराबखाना पु० [फा.] दारूनु पीठु
शराबखोर, शराबख्वार, शराबी पु० दारूडियो [दारूनी लत
शराबखोरी, शराबख्वारी स्त्री० [फा.]

शराबोर वि०[फा] तरबोळ, विलकुल पलळीने लदबद थयेलु
शरायत स्त्री०[अ. शर्तनु ब०व०] शरतो
शरार पु० [अ.] 'शरर'; चिनगारी
शरारत स्त्री० [अ] दुष्टता, 'शर'
शरारतन् अ० [अ] दुष्टताथी
शरारा पु० [अ.] चिनगारी
शरासन पु० [स] धनुष
शरीअत स्त्री० [अ] शरियत; 'शरअ'
शरीक वि० [अ.] सामेल (२) पु० भागीदार (३) मददगार
शरीफ़ पुं० [अ] खानदान के भलो माणस (२) वि० पवित्र (माणस)
शरीफा पु० सीताफळ के सीताफळी
शरीर वि० [अ] दुष्ट, शरारतवाळु (२) पु० [स] शरीर; देह [शरीरधारी
शरीरी पु० [स] देही, आत्मा (२) वि०
शर्क पु०[अ] सूर्योदय (२) पूर्व दिशा
शर्करा स्त्री० [स] साकर
शर्की वि० [फा] पूर्वनु
शर्ट स्त्री० [इ] खमीश
शर्त स्त्री०[अ] शरत, होड. –बदना, –बांधना = शरत मारवी
शर्तबंद वि० [फा.] शरतथी बधायेलु
शर्तिया अ० [अ] शरत साथे; नक्की (२) वि० निश्चित
शर्ती वि० शरती, शरतवाळु
शर्फ पु० [अ] जुओ 'शरफ'
शर्बत,–ती जुओ अनुक्रमे 'शरबत,–ती'
शर्म स्त्री० [फा] जुओ 'शरम'
शर्मसार वि० [फा] शरमाळ (२)शरमिंदु
शर्माऊ,–लू वि० जुओ 'शरमाऊ,–लू'
शर्माशर्मी अ० जुओ 'शरमाशरमी'
शर्मिंदा वि०, –दगी स्त्री० जुओ अनुक्रमे 'शरमिंदा,–दगी'
शर्मीला वि० जुओ 'शरमीला'
शर्राटा पु० जुओ 'शराटा'
शर्व पु० [स] शिव के विष्णु
शर्वरी स्त्री० [स] रात्रि (२) साज (३) स्त्री
शलगम, शलजम पु० [फा] सलगम; गाजर जेवु एक कद
शलभ पु० [स] तीड (२) पतगियु
शलाका स्त्री०[स] सळियो (२) तीर (३) हाडकु [जातनो कबजो
शलूका पु० [फा] (स्त्रीओनो) एक
शल्य पु० [स] नस्तर; वाढकाप (२) एक जातनु बाण
शव पु० [स] शब, मडदु [छ, ६
शश पु०[स] ससलु (२) वि० [फा.]
शशक पु० [स] शश, ससलु
शशदर पु०[फा] छ बाजूओ (२) वि० चकित, दिग
शशधर पु० [स] चद्र
शश-माही वि० [फा] छमासिक
शश-व-पंज पु०[फा] जुओ 'शशो-पज'
शशांक पु० [स] चद्रमा
शशा पु० शश; ससलु
शशि,–शी पु० [स] चद्र
शशो-पंज पु०[फा] 'शश-व-पज', छक्को-पजो, जूगटु (२) गडमथल; विमासण
शस्त स्त्री० जुओ 'शिस्त'
शस्त्र पु०[स] हथियार. ०क्रिया स्त्री० वाढकाप, नस्तर [जगा
शस्त्रागार पु० [स] शस्त्रो राखवानी
शस्य पु० [स] घास, फळ, फूल इ० (२) अनाज (३) फसल; पाक
शहंशाह पु० [फा.] शहेनशाह

शह पु० [फा] शाह; बादशाह (२) वरराजा (३) वि० श्रेष्ठ; उत्तम (४) स्त्री० शेह; प्रभाव
शहजादा पु०[फा.] शाहजादो; राजकुंवर
शहज़ोर वि० [फा] बळवान
शहतीर पु० [फा] लाबो पाटडो
शहतूत पु०[फा] एक फळझाड—शेतूर
शहद पु०[अ] मध —लगाकर चाटना = मध मूकीने चाटवु
शहना पु० [अ] कोटवाळ (२) खेती-वाडीनो रखेवाळ
शहनाई स्त्री० [फा] शरणाई; नफेरी
शहबाला पु० [फा] वर जोडे जतो नानो छोकरो
शहमात स्त्री०[फा] शेहमात करवु ते
शहर पु० [फा] शहेर; नगर
शहर-पनाह स्त्री०[फा] कोट; शहेर-कोट
शहर-ब्रदर वि० [फा] शहेर बहार काढेलु; वहिष्कृत
शहरयार पु०[फा] एक मोटो बादशाह (२) शहेरनो रक्षक ने सहायक
शहराती वि० शहेरी [शहेरीपणु
शहरियत स्त्री० [फा] नागरिकता;
शहरी वि० [फा] शहेरी; नागरिक
शहवत स्त्री०[अ] शहेवत; कामातुरता
शहादत स्त्री०[अ] साक्षी (२) साबिती (३) साक्षी थवु ते (४) शहीदी
शहाना वि०[फा.] शाही; राजवी (२) उत्तम (३) पु० एक राग
शहाब पु० [फा] एक जातनो घेरो लाल रग (वि० —बी)
शहीद पु०[अ] धर्म अर्थे प्राण आपनार
शाकर वि०[मं] शकर सबधी
शात वि०[स] चूप, मूगु (२) स्थिर; अचचल (३) ढीलु; थाकेलु (४) तृप्त; सतुष्ट; ठडी प्रकृतिवाळु
शांति स्त्री० [स] शातता
शाइस्तगी स्त्री० [फा] शिष्टता; सभ्यता (२) सारमाणसाई
शाइस्ता वि०[फा] शिष्ट; सभ्य (२) भलु; नम्र
शाक पु० [स] 'साग'; शाकभाजी
शाक़(—का) वि०[अ] कठण; मुश्केल (२) असह्य [एक शाखा
शाकल पु०[स] टुकडो (२) ऋग्वेदनी
शाकाहार पु० [स] मासनो नहि, शाकपान अनाजनो आहार —री वि० ते ज आहार करनार के ते विषेनु
शाकिर वि०[अ] कृतज्ञ (२) सतोषी
शाकी वि०[अ]फरियादी(२)चुगलीखोर
शाक्त वि० [स] शक्ति सबधी (२) पु० शक्ति-पूजक
शाख स्त्री० [फा] शाखा (२) शीग. —निकालना = दोष काढवो (२) एक-माथी बीजु काम काढवु
शाखदार वि०[फा] शाखा के शीगवाळु
शाख-साना पु० अणबनाव के झघडो या पचात (२) शक; सदेह (३) कलक; एब
शाखा स्त्री० [स] डाळी (२) अग; विभाग; फाटो
शाखामृग पु० [स] वानर
शाखी पु०[स] झाड (२) वि० शाखा-वाळु; शाखानु [—र्दी स्त्री०)
शागिर्द पु०[फा.] शिष्य; चेलो (नाम,
शाज वि० [अ] विलक्षण; अनोखु
शाज-व-नादिर अ० [अ] कदी कदी; क्यारेक क्यारेक [कसोटीनो पथ्थर
शाण पु०[स] जुओ 'सान'; सल्ली (२)

शातिर वि० [अ] दक्ष; निपुण (२) पु० शेतरज रमी जाणनार
शाद वि०[फा.] खुश; राजी (२) पूर्ण; भरेलु [शाबाश
शाद-बाश अ० [फा] राजी रहो (२)
शादमान वि० [फा] राजी, खुश
शादाब वि० [फा] भर्युंभादर्युं
शादियाना पु० [फा] खुशीना वाजा वागे ते (२) मुबारकबादी के तेने अगे अपाती भेट [लग्न
शादी स्त्री० [फा.] खुशी, आनद (२)
शाद्वल वि०[स] हरियाळु; लीलु (२) पु० लीलु घास
शान स्त्री०[अ] ठाठमाठ; भपको, छटा (२) भव्यता (३) शक्ति; वैभव (४) प्रतिष्ठा. (किसीकी) **शानमें** = कोई मोटाना सबधमा
शानदार वि० [फा] भव्य, भभकदार 'शान'वाळु [भपको; ठाठ
शान-शौकत स्त्री० [अ] शानसोगात;
शाना पु०[फा.] कधो;खभो (२) कासकी
शाप पु० [स] श्राप; वददुवा
शापित वि० [स] शाप पामेलु
शाफ़ा पु० [फा] दवावाळी दिवेट के बत्ती, घामा मुकाय छे ते
शाफी वि० [फा] 'शफा'–आरोग्य आपनारु [आधेड वयनो पुरुष
शाब पु० [अ] २४थी ४० उमरनो–
शाबाश अ० [फा] धन्य ! वाह !
शाब्द,–ब्दिक,–ब्दी वि० [स] शब्द सबधी (२) शब्दोमा कहेलु; मौखिक
शाम स्त्री०[फा.] साज (२) अतकाळ (३) पु० सीरिया देश. **–का फूलना** = संध्यानी लाली फेलावी. **–की सुबह करना** = आखी रात जागवु **–सुबह करना** = सवारनी साज करवी–टाळवु; ढील करवी
शामत स्त्री०[अ] कमनसीब (२)दुर्दशा (३) आफत; विपत्ति. **–का घेरा या मारा** = दुर्दशामा सपडानार–आवेलु
शामत-ज़दा वि० [फा] कमनसीब; अभागियु
शामती वि० कमनसीब [तबू
शामियाना पु०[फा] शमियानो; मोटो
शामिल वि० [फा] सामेल, साथे मळेलु **०हाल** वि० सुखदु खनु साथी
शामी स्त्री० दस्ता के हाथाने छेडे पहेरावाती खोळी (२) वि० सीरिया देशनु **०कबाब** एक जातनो कबाब–मासनी वानी
शाम्मा पु० [अ.] सूघवानी शक्ति
शायक पु०[स]सायक; बाण(२)तलवार
शायक वि० [अ] शोखीन
शायद अ० [फा] कदाच
शायर पु० [अ. शाइर]कवि **–रा** स्त्री० स्त्री-कवि. **–री** स्त्री० कविता
शाया वि० [अ] प्रगट; जाहेर (२) छपावेलु; प्रकाशित [पोढनार
शायी वि०[स] (समासमा अते) सूनार;
शारंग पु० [स] सारग
शारंगी स्त्री० [स] सारगी
शारद वि० [स] शरद ऋतु सबधी (२) पु० वर्ष (३) वादळ
शारदा स्त्री०[स] विद्यादेवी; सरस्वती
शारदी,०य वि० [स] शरद सबंधी
शारिका स्त्री० [स] मेना
शारीर,–रिक वि०[स] शरीर सबंधी
शार्दूल पु० [स] सिंह (२) वाघ

शाल पु० [सं] सालनु झाड (२) स्त्री० [फा.] ओढवानी शाल [करनार
शालदोज़ पु०[फा.] शाल पर भरतकाम
शालबाफ़ पु०[फा] शाल वणनार (२) एक जातनु रेशमी वस्त्र. –फी स्त्री० शालनु वणाटकाम [स्थान; जगा
शाला स्त्री०[स] शाळा; निशाळ (२)
शालि पु० [स.] डागर [सदाचारी
शालीन वि०[स] नम्र,विवेकी(२)शिष्ट;
शावक पु० [सं] पशुनु बच्चु
शाश्वत वि० [स] नित्य; सनातन
शासक पु० [स] हाकेम; राज्यकर्ता
शासन पु० [स] राज्य, हकूमत (२) शास्त्र; आज्ञा (३) दड; सजा
शासित वि० [स] शासन पामेलु
शास्ति स्त्री० [स] शासन (२) शिक्षा
शास्त्र पु० [स] धर्मशास्त्र (२) कोई विपयनु प्रमाणवद्ध ज्ञान
शास्त्री पु० [स] शास्त्र जाणनार
शास्त्रीय वि०[स] शास्त्र सबघी (२) शास्त्रशुद्ध
शाहंशाह, शाहन्शाह पु०[फा]शहेनशाह
शाहंशाही स्त्री० शहेनशाहपणु (२) शाहवट; चोख्खो वहेवार [वहु मोटु
शाह पु०[फा] राजा; वादशाह (२)वि०
शाहज़ादा पु०[फा.] शाहजादो; राजकुवर –दी स्त्री० राजकुवरी
शाहराह पु० [फा.] राजमार्ग
शाहाना वि० (२) पु० जुओ 'शहाना'
शाहिद पु०[अ]शाहेद,साक्षी(नाम,–दी)
शाही वि०[फा] वादशाही, वादशाहने लगतु
शिंगरफ पु० हिंगळोक (वि० –फी)
शिंवी स्त्री० [प] शिंग; फळी
शिवी धान्य पु० [स] द्विदळ, दाळ
शिकंजा पु० [फा] सकजो. शिकंजेमें खिंचवाना = खूब कष्ट देवडाववु
शिकन स्त्री०[फा] दबावाथी के बीजी रीते पडती गडी
शिकम पु०[फा] पेट (२) अदरनो भाग
शिकमी वि० [फा.] पेटनु (२) पेटा; अदरनु ०काश्तकार पु०[फा]साथियो
शिकरा पु० [फा.] शकरो बाज
शिकवा पु० [अ] शिकायत; फरियाद
शिकस्त स्त्री० [फा] हार; पराजय –खाना = हार खावी; हारवु –देना = हरावबु
शिकस्ता वि०[फा.] तूटचु-फूटचु; भागलु (२) घसडी नाखेलु (लखाण) –स्तगी स्त्री० तूटचु-फूटचु होवु ते
शिकायत स्त्री० [अ.] फरियाद (२) चाडीचुगली (३) रोग; बीमारी
शिकायती वि० 'शिकायत' करनार (२) जेमा 'शिकायत' होय तेवु
शिकार पु० [फा] पशुपखी खेलमा मारवा ते, मृगया (२) शिकारनु पशुपखी (३) भक्ष; भोग
शिकारी पु०; वि० शिकार करनार
शिकेब पु० [फा] सतोष
शिक्षक पु० [स] भणावनार; मास्तर
शिक्षण पु०[स] भणतर; केळवणी (२) भणाववु ते; अध्यापन [पाठ; सजा
शिक्षा स्त्री० [स] शिक्षण (२) वोध;
शिक्षार्थी पु० [स] विद्यार्थी
शिक्षित वि० [स] केळवायेलु; भणेलु
शिखंड पु०[स] मोरनु पीछु (२) शिखा
शिखंडी पु० [स] मोर (२) वाण
शिखर पु० [स] टोच, शृग

शिखरन स्त्री० दही खाड इ०नु एक पेय
शिखा स्त्री० [स] चोटली; 'शिखड'
शिखी पु० [स] जुओ 'शिखडी'
शिगाफ पु० [फा] चीरो; नस्तर (२) फाट (३) काणु; छेद
शिगुफ़्ता वि०, शिगूफा पु० जुओ अनुक्रमे 'शगुफ़्ता', 'शगूफा'
शित वि० [स] क्षीण, दूबळु (२) धारदार; तेज [तरत
शिताब अ० [फा] सिताबीथी; जलदी;
शिताबदार वि० उतावळु
शितावी स्त्री० [फा] उतावळ
शिथिल वि०[स] ढीलु; पोचु (२) धीमु; मद (३) आळसु (४) थाकेलु
शिद्दत स्त्री० [अ] तेजी, जोर (२) अधिकता [पारख
शिनाख़्त स्त्री०[फा.] जुओ 'शनाख़्त';
शिनास(-सा) वि०[फा] जुओ 'शनास'
शिफर पु० [फा सिपर] ढाल
शिर पु०[स] माथु (२) मथाळु (३) शिखर ['शराकत'; भागीदारी
शिरकत, शिराकत स्त्री० [अ] जुओ
शिरहन पु० ओशीकु
शिरा स्त्री०[स.] लोहीनी नस, नाडी
शिराकत स्त्री० जुओ 'शिरकत'
शिरीष पु०[स] एक वृक्ष के तेनु फूल
शिरोधार्य वि०[स] माथे चडाववा जेवु; पूज्य; मान्य
शिरोमणि पु० [स.] श्रेष्ठ व्यक्ति
शिरोज,-रुह पु० [स.] माथाना वाळ
शिर्क पु० [अ.] ईश्वर जेवु बीजाने मानवु ए पाप (इस्लाममा)
शिला स्त्री०[स] पथ्थरनी छाट; पथरो
शिलाजित पु०,स्त्री० शिलाजित औषधि
शिलालेख पु०[स] पथ्थर पर कोतरेलो लेख [एक सिक्को
शिलिंग पु० [इ] विलायती नाणानो
शिलीमुख पु० [स] भमरो (२) बाण (३) मूर्ख (४) युद्ध
शिल्प पु० [स] हुन्नरकळा, कारीगरी. ०कार, -ल्पी पु० कारीगर
शिव पु०[स] भलु, कल्याण (२) शकर
शिवरानी, शिवा, शिवानी स्त्री० पार्वती
शिवालय, शिवाला पु० शिवालय; महादेव (२) मदिर
शिविका स्त्री० [स] डोळी, पालखी
शिविर पु०[स] शिबिर, छावणी; डेरो (२) कोट, किल्लो
शिशिर पु० [स] ठडी के तेनी ऋतु; शियाळो ०कर पु० चद्रमा
शिशु पु० [स] बाळक, बच्चु
शिश्न पु० [स] पुरुषनी गुह्येंद्रिय
शिष्ट वि०[सं] सभ्य; सुशील ०मंडल पु० प्रतिनिधि-मडळ, डेप्युटेशन
शिष्टाचार पु० [स] शिष्ट ने उचित के सभ्य गणातो आचार
शिष्य पु० [स] चेलो (२) विद्यार्थी
शिस्त पु० नियमबद्ध वर्तन,'डिसिप्लिन'
शिस्त स्त्री०[फा] माछली पकडवानो काटो (२) निशान; लक्ष्य
शिहाब पु०[अ] ज्वाळा(२)खरतो तारो
शीआ(-या) पु० [अ] मुसलमानोनो शिया सप्रदाय
शीकर पु०[स] सीकर; पाणीनी फरफर
शीघ्र वि० [स.] तरत; जलदी; झडपी
शीत वि०[स] ठडु (२) पु० शियाळो ०कर पु० चद्र
शीतल वि० [स] शीतळ; ठडु

शीतला स्त्री० [स] शीतळा; बळिया
शीर पु०[फा] दूध; क्षीर. -व-शकर= दूध अने साकर पेठे खूब मळेलु
शीर-ख़िश्त स्त्री० [फा] एक युनानी दवा-रेच
शीरखोर(-रा), शीरख़्वार [फा] वि० दूध पीतु-धावणु (बाळक)
शीर-गर्म वि० [फा] साधारण गरम; कोकरवायु
शीर-बिरंज स्त्री०[फा] खीर; दूधपाक
शीरमाल स्त्री० [फा] एक जातनी खमीरनी रोटी
शीरा पु०[फा.] शरवत (२) चासणी
शीराज़ा पु०[फा.] पुस्तकनी बाधणीनी पट्टी के त्यानु सीवण(२)व्यवस्था; प्रबंध
शीरीं वि०[फा] शीरीन; मीठु (२) प्यारु
शीरीनी स्त्री०[फा] मीठाश (२) मीठाई
शीर्ण वि० [स] तूटेलु फूटेलु; जीर्ण
शीर्ष पु० [स] शिर; माथु
शीर्षक पु० [स] मथाळु (२) माथु
शील पु० [स] वर्तन; चारित्र्य (२) स्वभाव; प्रकृति
शीश पु० माथु
शीशम पु० [फा] सीसम
शीशमहल पु० [फा] काचथी जडेलो महेल. -का कुत्ता=पागल; गाडु
शीशा पु०[फा] काच (२) दर्पण (३) काचनी बनेली वस्तु; शीशो ०बाशा वि० अति कोमळ, नाजुक
शीशी स्त्री० शीशी, वाटली -सुंघाना= क्लॉरोफॉर्म आपवु
शुंठि-ठी स्त्री० [स] सूठ [मद
शुंड पु० [स] हाथीनी सूढ के तेने गळतो
शुंडा स्त्री० [स] सूढ (२) शराब
शुंडी पु० [स] हाथी (२) दारूवाळो
शुआअ स्त्री० [अ] सूर्यकिरण
शुक पु०[स] पोपट. -की स्त्री० मेना
शुकराना पु०[फा] शुक्राना; कृतज्ञता; आभार
शुकी स्त्री० [स] मेना
शुकोह पु० [अ.] दबदबो; प्रताप
शुक़्क़ा पु० [अ] शाही फरमान
शुक्ति स्त्री० [स] छीप
शुक्र पु० [स] शुक्र तारो के वार (२) वीर्य
शुक्र(-क्रिया) पु० [फा] आभार; 'धन्यवाद' [-री)
शुक्रगुज़ार वि० आभारी; कृतज्ञ (नाम,
शुक्रिया पु० जुओ 'शुक्र' -अदा करना =आभार मानवो
शुक्ल वि०[स] धोळु; ऊजळु (२) पु० अजवाळियु (३) चादी (४) माखण
शुग़ल पु० [अ] जुओ 'शगल'
शुगु(-गू)न पु० शुकन
शुग़्ल पु० [अ] जुओ 'शुगल', 'शगल'
शुचि वि० [स] शुद्ध; पवित्र (२) साफ; चोख्खु
शुजा,०अ वि० [अ] वीर; बहादुर
शुजाअत स्त्री० [अ] वीरता
शुतुर पु० [फा.] उष्ट्र; ऊट
शुदनी स्त्री०[फा] भविष्यनी वात; भावी
शुदबुद स्त्री०[फा] कोई विषयनु थोडुक ज्ञान के समज-सूझबूझ
शुदा वि०[फा.] थई चूकेलु; गयुगुजर्यु (२) थयेलु (समासमा) उदा० 'तयशुदा'
शुद्ध वि० [स] चोख्खु; साफ; निर्दोष
शुद्धि स्त्री० [स] चोख्खाई (२) साफ के पवित्र थवु ते
शुफा पु० [अ] पडोस

शुबहा पु० [अ] शक (२) वहेम; भ्रम
शुभ वि०(२)पु०[स] सारु; भलु; कल्याण
शुभा पु० जुओ 'शुबहा' (२) स्त्री०[स.] शोभा
शुभ्र वि० [स] सफेद; धोळु
शुमार पु०[फा] गणतरी, लेखु; हिसाब (२) सख्या (३) शुमार; अदाज
शुमाल स्त्री०; पु०[अ] उत्तर दिशा. **–ली** वि० उत्तरनु
शुमूल वि० [अ] पूरु; कुल; बधु
शुरू पु० [अ] शरूआत;आरंभ(२)ऊगम
शुल्क पु० [स] मूल्य; फी
शुश्रूषा स्त्री०[स] सेवाचाकरी; बरदास
शुष्क वि० [स] सूकु; नीरस; लूखु
शुस्त-व-शू स्त्री०[फा] नाहवुधोवु ते (२) धोई करी शुद्ध करवु ते
शुस्ता वि० [फा] धोयेलु (२) स्वच्छ
शुहदा पु० [अ] बदमाश (२) गुडो
शुहरत स्त्री० [अ], **शुहरा** पु० जुओ 'शोहरत', 'शोहरा'
शूकर पु०[स] सूवर; भूड; वराह
शूद्र पु०[स] चोथो वर्ण के तेनो माणस
शून्य पु०[स] मीडु (२) आकाश (३) वि० खाली
शूप पु० [स शूर्प] सूपडु; 'सूप'
शूम वि० [अ] खराब (२) अभागी (३) सूम; कजूस
शूर,०वीर वि०[स] बहादुर; वीर
शूल पु०[स] शूळ; काटो (२) शूळी (३) पीडा; चूक (४) त्रिशूळ
शूलपाणि पु० [स] शिव
शूली पु०[स] शिव (२) स्त्री० शूळी (३) शूळ; पीडा [(२) क्रम; श्रेणी
शृखल पु०, **–ला** स्त्री० [स] साकळ,वेडी
शृग पु०[स] टोच; शिखर (२) शीगडु
शृगार पु० [स] शणगार; सजावट
शृगारना स०क्रि० शणगारवु; सजवु
शृंगारहाट स्त्री० वेश्यावाडो
शृगारित वि०[स]शणगारेलु; शृंगारवाळु
शृगारिया पु० देवना शणगार सजनार (२) बहुरूपियो
शृगाल पु० [सं] शियाळ
शेख़ पु० मुसलमाननी एक जात (२) पीर; इस्लामनो धर्माचार्य
शेख़चिल्ली पु० [फा.] शेखचल्ली; मूर्ख
शेखर पु०[स] शिखर, टोच (२) शीश; माथु (३) मुगट
शेख़ी स्त्री० [फा.] बडाई; अभिमान; घमड **–बघारना, –मारना, –हाँकना** =शेखी मारवी [गप्पी
शेख़ीख़ोर, शेख़ीबाज़ वि०[फा] घमडी;
शेफ़्ता वि० [फा] आसक्त; आशक (नाम, –फ़्तगी)
शेयर पु० [इ] शॅर (कपनीनो)
शेर पु० [फा] वाघ (२) भारे बहादुर; साहसिक माणस. **०दिल** पु० बहादुर
शेरनी स्त्री० वाघण
शेरपंजा पु० वाघनखनु शस्त्र
शेर-बबर पु० [फा] सिंह
शेरवानी स्त्री० उत्तर हिंदनी अमुक ढबनो कोट
शेवा पु०[फा.] रीत; ढग (२) दस्तूर; प्रथा
शेवाल पु० सेवाळ; 'सेवार'
शेष पु०[स] बाकी; वचत (२) शेषनाग (३) वि० बाकी रहेलु
शै स्त्री०[अ] चीज; वस्तु (२) भूतप्रेत
शैख़ पु० [अ] जुओ 'शेख़' (२) सरदार
शैतनत स्त्री० [अ] शेतानियत

शैतान पु० [अ.] शेतान (२) भूतप्रेत (३) दुष्ट माणस (४) क्रोध, खोटाई इ० दुर्गुण **–का बच्चा**=नीच दुष्ट माणस. **–की आंत**=बहु लाबी वस्तु (नाम के वि०, **–नी**)
शैथिल्य पु० [स] शिथिलता; ढीलाश
शैदा वि० [फा] शयदा; आशक
शैल पु०[स] पर्वत (२) वि० पथ्थरनु (३) कठण **०जा** स्त्री० पार्वती
शैली स्त्री० [स] ढब; रीत
शैलेन्द्र पु० [स] हिमालय
शैलेय वि० [स] पथ्थरनु (२) पहाडी
शैव वि०[स] शिव विषेनु (२) पु० शिवनो भक्त के तेना धर्मनो अनुयायी
शैवलिनी स्त्री० [स] नदी
शैवाल पु० [प] सेवाळ
शैशव पु० [स] बाळपण
शोक पु० [स] खेद, दुःख
शोख वि०[फा] धीट, धृष्ट(२) नटखट (३) चपळ (४) (रगमा) चटकदार (नाम, **–खी**) [शोक
शोच पु०[स]चिंता; विमासण (२) दुःख;
शोचनीय वि०[स] दुःखद; चिंताजनक
शोण वि०[स] लाल (२) पु० लाल रग
शोणित पु० [स] लोही
शोथ पु० [स] सोजो
शोध पु० [स] शुद्धि (२) दुरस्ती (३) पतावट; अदा करवु ते (४) शोध; तपास; खोळ
शोधक पु०[स] शोधनार(२)सुधारनार
शोधन पु०[स] शुद्ध–साफ करवु ते (२) शोधवु ते, तपास, खोळ (३) विरेचन
शोधना स०क्रि० शुद्ध करवु (२) शोधवु
शोब पु०[फा] धोवु ते के तेनी मजूरी
शोबदा पु० [अ. शअबद] जादु (२) दगोफटको
शोबा पु० [अ. शुअब] खातु, शाखा
शोभन वि० [स.] शोभतु; सुदर (२) शुभ, मगळ [(प) शोभवु
शोभना स्त्री०[स] सुदरी (२) अ०क्रि०
शोभा स्त्री० [स] काति; सुदरता
शोभायमान वि० [स] शोभीतु; सुदर
शोभित वि० [स] शोभावाळु; सुदर
शोर पु०[फा] क्षार (२) शोरबकोर. **०गुल** पु० शोरबकोर; घोघाट
शोरबा पु० [फा] सेरवो
शोरा पु० एक खार (सूरोखार) **शोरेकी पुतली**=बहु गोरी स्त्री
शोरापुश्त वि० [फा] झघडाळु
शोरिश स्त्री० [फा] शोरबकोर (२) झघडो (३) खळभळाट
शोरीदा वि० [फा] व्याकुळ; विकळ
शोरीदा–सर वि० [फा] पागल
शोला पु० [अ] आगनी झाळ; शोलो
शोला–खू वि० उग्र स्वभावनु
शोला–रू वि० बहु सुदर
शोशा पु० [फा] अद्भुत वात (२) व्यग्य **–छोड़ना**=झघडो खडो करे एवी वात करवी
शोष पु० [स] सोस; तरस
शोषण पु० [स] शोषवु ते
शोहदा पु० व्यभिचारी; लफगो (२) गुडो
शोहरत स्त्री०[अ], **शोहरा** पु० ख्याति; प्रसिद्धि (२) अफवा [शौक
शौक पु०[अ] शोख; होस (२) वलण;
शौकत स्त्री० [अ] शान; ठाठ (२) ताकत (३) रोफ; प्रभाव
शौक़िया वि० शोखवाळु (२) अ०शोखथी

शौक़ीन वि० शोखीन (नाम,**–नी** स्त्री०)
शौच पु० [प] शुद्धता; पवित्रता (२) जगल जवु ते, प्रात कर्म [स्त्री
शौत स्त्री० 'सौत'; शोक; पतिनी बीजी
शौर्य पु० [स] शूरवीरता
शौहर पु० [फा] स्वामी, मालिक
श्मशान पु० [स] मसाण
श्मश्रु पु० [स] दाढी मूछ
श्याम वि०[स] काळु (२) पु० श्रीकृष्ण
श्यामल वि० [स] काळु; शामळु
श्यामा स्त्री० [स] युवती (२) कोयल (३) अधारी रात [बनेवी
श्याल पु० शियाळ (२) [स] साळो के
श्येन पु० [स] बाज पक्षी [आस्था
श्रद्धा स्त्री० [स] नि ठा, विश्वास,
श्रद्धालु वि० [स] श्रद्धाळु
श्रद्धेय वि० [स.] पूज्य, श्रद्धापात्र
श्रम पु० [स] महेनत (२) थाक
श्रम-कण पु० [स] परसेवानु टीपु
श्रमजल पु० [स] परसेवो
श्रमजीवी वि० [स.] महेनत मजूरी करीने जीवनार (२) पु० मजूर
श्रमण पु० [स] बौद्ध साधु; यति
श्रमित वि० [स] थाकेलु
श्रमी वि०[स] महेनतु (२) श्रमजीवी
श्रवण पु०[स], **–न** पु० (प.) कान (२) साभळवु ते
श्रव्य वि० [स] साभळवा योग्य
श्रात वि०[स] थाकेलु (२) शात; सयमी
श्राति स्त्री०[स] थाक; विश्राम
श्राद्ध पु० [स] पितृओनु तर्पण
श्राप पु० शाप
श्रावक पु०[स] जैन के बौद्ध धर्मी (२) वि० साभळनार
श्रावण पु० [स] श्रावण मास. **–णी** स्त्री० बळेव
श्राव्य वि०[स] श्रव्य; साभळवा योग्य
श्री स्त्री०[स] लक्ष्मी (२) शोभा (३) विभूति, ऐश्वर्य
श्रीखंड पु० [स] चदन (२) शिखड
श्रीफल पु०[स]नारियेळ [आभूषण
श्रीमंत वि० धनिक (२) पु० माथानु एक
श्रुत वि० [स] साभळेलु
श्रुति स्त्री० [स] वेद (२) कान
श्रेणी स्त्री० [स] पक्ति; हार(२)परपरा
श्रेय पु०(२)वि० [स] भलु, कल्याण
श्रेयस्कर वि०[स] भलु करे एवु, शुभ
श्रेष्ठ वि० [स] उत्तम
श्रेष्ठी पु० [स] शेठ
श्रोता पु० [स] साभळनार
श्रोत्र पु० [स] कान (२) वेद
श्रौत वि० [स] श्रुति सबधी
श्लथ वि० [स] ढीलु, नरम
श्लाघा स्त्री० [स] तारीफ
श्लील वि० [स] सारु; शुभ
श्लेष पु० [स] सयोग (२) आलिंगन (३) एक अलकार–द्विअर्थी शब्दप्रयोग
श्लेष्मा पु० [स] श्लेष्म, कफ
श्लोक पु० [स] सस्कृत पद्यनी कडी (२) कीर्ति; प्रशसा
श्वपच पु० [स] चडाळ
श्वशुर पु० [स] ससरो
श्वश्रू स्त्री० [स] सासु
श्वान पुं० [स] कूतरो
श्वास स्त्री० [स] श्वास; दम (२) प्राण
श्वासकास पु० [स] दम अने खासी
श्वेत वि०[स] सफेद (२) पु० सफेद रग (३) चादी

ष

षड,-ढ पु० [स] षढ; हीजडो
षट् वि० [स] ६; छ सख्या
षट्क पु० [सं] छकडु; छनो समूह
षट्कर्म पु०[स] खटकर्म (ब्राह्मणोना)
षट्चक्र पु०[स] शरीरना छ चक्र (२) षड्यत्र; कावतरु
षट्तिला स्त्री०[स] महा वद एकादशी
षट्पद पु० [स] भमरो. -दी स्त्री० भमरी (२) छप्पो; छ चरणनु पद
षड् वि० [स] छ (समासमा)
षडंग पु० [स] वेदना छ अग
षड्ज पु० [स] सगीतनो 'स' स्वर
षड्दर्शन पु० [स] छ शास्त्र (साख्य, योग, न्याय इ०)
षड्यंत्र पु० [स] कावतरु (२) जाळ; फादो
षड्रस पु०[स] खाटु, खारु इ० छ रस
षड्रिपु पु० [स] काम, क्रोध, लोभ, मोह, मद, मत्सर ए छ शत्रुओ
षडानन पु० [स] कार्तिकेय
षष्टि वि० [स] ६०; साठ
षष्ठ वि०[स] छठ्ठु. -ष्ठी स्त्री० छठ (२) जन्म पछी छठ्ठो दिवस (३) छठ्ठी विभक्ति
षाण्मासिक वि० [स.] छमासिक
षोडश वि०[स.] सोळमु (२) सोळ; १६
ष्ठीवन पु०[स.] थूकवु ते (२) थूक

स

सँइतना स०क्रि० लीपवु; अवोट करवो
संकट पु०[स] दुख, विपत्ति, आफत (२) खीणनो के साकडो रस्तो
संकर पु० [स] भेळसेळ; मिश्रण
सँकरा वि० साकडु (२) पु० साकड; कष्ट
सँकराना स०क्रि० सकडाववु
संकल स्त्री० साकळ के साकळी
संकलन पु०[स] सग्रह; एकठु करवु ते
संकलित वि० [स] एकठु करेलु
संकल्प पु०[स] इरादो, निश्चय; ठराव
संकीर्ण वि०[स] सकुचित (२) सकीर्ण; मिश्र (३) क्षुद्र (४) पु० मिश्र राग (५) सकट
संकीर्तन पु०[स.] गुणगान (२) वर्णववु ते
सँकुचना अ०क्रि० सकोचाववु
संकुचित वि०[स] सकोच पामेलु (२) साकडु; नानु; क्षुद्र
संकुल वि०[स] परिपूर्ण; भरपूर (२) पु० समूह
संकेत पु० [स] इशारो (२) चेष्टा (३) चिह्न
सँकेलना स०क्रि० सकेलवु; समेटवु
संकोच पु०[स] अचकावु ते; लज्जा, शरम
सँकोचना स०क्रि० सकोचवु
संकोची वि० [स] सकोचायेलु (२) सकोचवाळु; शरमाळ

संक्रमण पु० [स] एकमाथी बीजामा जवु ते, प्रवेश, गमन
संक्रांति स्त्री० [स] (एकमाथी बीजी राशिमां) प्रवेश, गमन
संक्रामक वि० [स] चेपी (रोग)
संक्षिप्त वि०[स] टूकु; सारभूत. ०लिपि स्त्री० लघुलिपि
संक्षेप पु० [स] टूकाण; सार
संखिया पु० सोमल के तेनी भस्म
संख्या स्त्री० [स] आकडो; गणतरी
संग अ० साथे; सगाथे (२) पु०[फा.] पथ्थर (३) [प] सोबत, मिलन
संगठन पु० अलग होय तेने एकत्र बाधवु ते के तेम करी तैयार करातु तत्र
संगठित वि० सगठन करायेलु, एकत्रित करीने रचायेलु [साधुनो मठ
संगत स्त्री० सग; सगति (२) उदासी
संगतरा पु० सतरं
संग-तराश पु० [फा] पथ्थरफोडो
संगति स्त्री० [स] सग; सोबत
संगतिया, संगती पु० गवैयानो साजिदो –साथी
संग-दिल वि० [फा] कठण दिलनु; क्रूर; कठोर (नाम, –ली स्त्री०)
संग-पुश्त पु० [फा] काचबो
संगम पु० [स] मळवु ते; मिलन
संग-मर्मर पु० [फा.] सगेमरमर; आरसपहाण
संगमूसा पु०[फा] एक जातनो काळो लीसो कीमती पथ्थर [पथ्थर
संग-यशब पु०[फा] एक लीलो कीमती
संगरेजा पु०[फा.] नानो पथ्थरो; रोडु
संग-लाख पु०[फा] पहाडी स्थान (२) वि० कठण; कठोर
संग-साज़ पु० [फा] लीथोना पथ्थरने ठीक करनार
संग-सार पु०, –री स्त्री० [फा] 'सगसारी'–पचईंटाळीनी सजा
संग-सुरमा पु०[फा] सुरमो बनाववानो पथ्थर
संगाती पु० सगाथी (२) दोस्त
संगी पु० साथी, सोबती (२) स्त्री० एक जातनु कपडु (३) वि० [फा.] पथ्थरनु; सगीन
संगीत पु० [स] गायन, वादन इ०
संगीन वि०[फा] (नाम,–नी) पथ्थरनु (२) सगीन, मजबूत; टकाउ (३) विकट; अटपटु (४) पु० बदूकनु सगीन
संगृहीत वि० [स] सघरायेलु
संगे-असवद पु० [फा+अ.] काबानो पवित्र काळो पथ्थर
संगे-पारस पु० पारसमणि
संग्रह पु० [स] सघरो; सचय
संग्रहणी स्त्री० [स] एक रोग
संग्रहालय पु० [स] सग्रहस्थान
संग्राम पु० [स] युद्ध, लडाई
संघ पु० [स] समूह, जूथ (२) मडळ
संघटन पु० सगठन (२) [स] मेळाप; सयोग [सहारवु
संघ(–घा)रना स०क्रि० (प) सघारवु;
संघर्ष,०ण पु०[स] झपाझपी, अथडामण
संघात पु०[स] समूह (२) सघ; जूथ (३) आघात
संघाती पु० [स] साथी
संघार पु० (प) सहार
संघारना स०क्रि०(प.) जुओ 'सघरना'
संघाराम पु०[स] बौद्ध मठ के बिहार
संचय पु०[स] ढेर; ढगलो (२) सग्रह

संचरना अ०क्रि० (प.) जवु; नीकळवु
सचार पु० [स] जवु ते; गति; प्रवेश
संचालक पु० [स] संचालन करनार; नियामक [प्रबंध; व्यवस्था
संचालन पु० [स] चलाववु ते (२)
संचित वि०[स] एकठु थयेलु के करेलु
संजात वि० [स] पेदा थयेलु; जन्मेलु
संजाफ स्त्री०[फा], **संजाब** पु० सजाप; झूल, कोर (२) मगजी, गोट. **–फ़ी** वि० कोर के गोटवाळु
संजीदा वि०[फा] गभीर, धीर; शात (२) समजु (नाम,**–दगी**)
संजीवन पु०[स] फरी जीवतु थवु के करवु ते **–नी** स्त्री० तेम करे एवी एक औपधि
सँजोइल वि० सुसज्ज (२) एकत्रित
सँजोउ, संजोग पु० (प.) सयोग
संज्ञा स्त्री०[स] नाम (२) चेतना, होश
संझा स्त्री० सध्या [खूब जाडु
संड पु० साढ. ०**मुसंड** वि० साढ जेवु,
सँड़सा पु० साणसो (स्त्री०, **–सी**)
संडा वि० जुओ 'सड-मुसड'
संडास पु० डटणजाजरू
संत पु० साधु पुरुष; महात्मा
संतत वि० [स] फेलायेलु (२) अ० सतत, लगातार (३) स्त्री० (प) सतति
संतति स्त्री० [स] सतान; बाळबच्चा
संतप्त वि०[सं] खूब तपेलु (२) दुखी
संतरा पु० सतरु, नारगी
सतरी पु० संत्री, पहेरेगीर [वंश
संतान पु०; स्त्री० [स] संतति; औलाद;
संताप पु०[स.] पीडा; कष्ट (मानसिक)
संतापना स०क्रि० पीडवु; सतावबु
संती अ० (प.) बदले; वती
संतुष्ट वि०[स] सतोष पामेलु; धरायेलु; राजी
संतोष पु० [स] तृप्ति; धरपत. **–षी** वि० सतोषवाळु
संत्री पु० जुओ 'सतरी'
संथा स्त्री० पाठ; लेसन
संदर्भ पु० [स] निबध; लेख; कृति
संदल पु० [फा] चदन
संदली वि० चदनना रगनु, आछु पीळु
संदिग्ध वि० [स] सदेह के शकावाळु
संदीपन पु० [स.] उद्दीपन, उत्तेजित करवु ते (२) वि० उत्तेजक
संदूक पु० [अ] सदूक; पेटी
संदूक़चा पु०, **संदूकची(–ड़ी)** स्त्री० नानी पेटी
संदूर पु० सिंदूर
संदेश पु०[स] सदेशो (२) एक बगाळी मी ाई. **–शा** पु० सदेशो
सँदेसा पु० सदेशो, कहेवडावेली खबर
सँदेसी पु० सदेशो लई जनार, दूत
संदेह प० [स] शंका; सशय
संदेह-दोल(–ला) पु० संशयनो हीडोळो, दुविधा
संदोह पु० [सं] समूह, टोळु
संधना अ०क्रि० सधावु; जोडावु
संधान पु०[स] साधवु ते; सधाण (२) खोज; तपास
संधानना स०क्रि० (बाण) साधवु
संधाना पु० सधानु; अथाणु
संधि स्त्री०[स] जोडावु के जोडवु ते (२) कोलकरार [सध्यापूजा
संध्या स्त्री०[स.] साज, सायकाळ (२)
सन्यास पु० [स.] संसारत्याग. **–सी** पु० त्यागी; वेरागी; बावो

संपत्ति स्त्री० [स] धनदोलत (२) ऐश्वर्य (३) पूर्णता
संपद्,–दा स्त्री० [स] सपत्ति; वैभव
संपन्न वि० [स] –वाळु; युक्त (२) सपत्तिवाळु (३) सिद्ध, पूर्ण
संपर्क पु०[स] स्पर्श; सबध (२) ससर्ग; मिलाप (३) मिश्रण
संपा स्त्री० [स] वीजळी
संपात पु०[स] एकसाथे के उपराउपर पडवु ते; संगम; ससर्ग
संपादक पु० [स] छापानो तत्री (२) मेळवनार के तैयार या पेदा करनार
संपादन पु०[स] छापु चलाववु ते (२) करवु ते; प्राप्ति [करेलु
संपादित वि० [स.] सपादन थयेलु के
संपुट पु० [स.] पात्राकार वस्तु (२) पडियो (३) डब्बो (४) खोबो, अजलि (५) फूलनी पादडी वच्चेनो पात्राकार भाग (६) बे शकोरानो सपुट
संपूर्ण वि०[स.] बधु, पूरेपूरु (२) पूरु, समाप्त. ०तः, ०तया अ० बरोबर; पूरेपूरी रीते [–रिन)
सँपेरा पु० सापनो मदारी (स्त्री०,
सँपोला पु० सापोलियु. –लिया पु० 'सँपेरा'; मदारी
संप्रति अ० [स] अत्यारे; हालमा
संप्रदान पु० [स] आपवु ते, दान, भेट, दीक्षा (२) (व्या०मा) चोथी कारक विभक्ति
संप्रदाय पु० [स.] पथ, धर्म (२) रीत; चाल; प्रथा
संप्राप्त वि०[स] ठीक मेळवेलु के मळेलु
संबंध पु०[स] नातो, सपर्क, जोडाण (२) संयोग, मेळ (३) सगाई; सगपण
संबंधी वि०[स] सबधवाळु, विषेनु (२) पु० सगु
संबत् पु० सवत; साल [सयक्त
संबद्ध वि०[स] सबधवाळु; जोडायेलु;
संबल पु० वटेशरी [स] (२) सोमल
संबोधन पु०[स] सबोधवु–जगाडवु के पोकारवु ते के तेनी उक्ति (२) (व्या०)आठमी विभक्ति [कर्मणि
संभर(–ल)ना अ०क्रि० 'सँभालना' नु
संभव पु०[स] शक्यता (२) जन्म ०तः अ० कदाच [शक्य होवु
संभवना अ०क्रि० (प.) सभववु; बनवु;
संभार पु०[सं] सचय; ढेर (२) साज; सामग्री [जाळवणी
सँभार पु० (प) सभाळ; देखरेख;
सँभारना स०क्रि० जुओ 'सँभालना' (२) सभारवु; याद करवु
सँभाल स्त्री० सभाळ, देखरेख
सँभालना स०क्रि० भार उपाडवो (२) पडतु रोकवु, टेकववु (३) सभाळवु
संभावना स्त्री० [स] सभव; शक्यता (२) आदरभाव
संभावित वि० [स] सन्मानित (२) कल्पेलु, विचारेलु; अनुमान करेलु
संभाषण पु०[स] वार्तालाप; वातचीत
संभूय अ० [स] साथे; भागमा
संभूय-समुत्थान पु० [स] भागीदारीथी थतु काम
संभोग पु०[स] उपभोग (२) मैथुन
संभ्रम पु०[स] गभराट (२) भ्रम; भूल
संभ्रांत वि०[स] गभरायेलु (२) भ्रममा पडेलु [मतवाळु
संमत वि० [स] अनुकूळ, साथमा
संमति स्त्री०[स] अनुकूळ मत; मजूरी

संमान पु० [स] आदर; मान
संमेलन पु० भेगा मळवु ते; सभा
संयत वि० [स] काबू के सयममा राखेलु (२) सयमी
संयम पु० [स] काबू, वश; दमन
संयमी वि० [म] सयम राखनारु, सयमवाळु
संयुक्त,-त वि० [स] जोडायेलु (२) सहित; समन्वित [जोग; लाग
संयोग पु० [स] मेळ; मिलाप (२)
संयोजक पु०[स] जोडनार (२) (सभा इ० नु) आयोजन करनार, प्रबधक
संयोजन पु० [स] जोडवु ते (२) आयोजन; प्रबध
संरक्षक पु०[स] रक्षण करनार; वाली
संरक्षण पु०[स] रक्षा; सभाळ; देखरेख
संरक्षित वि० [स] सभाळेलु; रक्षामां लीधेलु के राखेलु
संलग्न वि० [स] साथे लागेलु; सबद्ध
संलाप पु० [स] वार्तालाप; 'सभाषण'
संवत्, संवत्सर पु० [स] वर्ष; साल
सँवरना अ०क्रि० 'सँवारना' नु कर्मणि
सँवरिया वि० (प) शामळु; कृष्ण
संवर्द्ध(-र्ध)क वि० [स] वधारे एवु
संवर्द्ध(-र्ध)न पु० [स] वधारो; वृद्धि
संवाद पु० [स] वातचीत (२) खबर; समाचार ०**दाता** पु० खबरपत्री
संवादी वि० [स] मेळवाळु; मळतु (संगीतमा)
सँवारना स०क्रि० सजवु (२) समारवु; ठीक करवु (३) बरोबर क्रमथी राखवु
संवाहन पु०[स]वही जवु के पहोचाडवु ते
संविदा स्त्री० [स] ठेको; कट्राक्ट
संविधान पु०[स] व्यवस्था; प्रबध (२) रचना (३) बधारण. ०**सभा** स्त्री० बधारणसभा
संवेद,०न पु० [स] सुखदु.ख इ० नो अनुभव (२) ज्ञान; प्रतीति
संशय पु० [स] शका, सदेह
संशयालु वि०[स] शकाशील; वहेमीलु
संशयित वि०[स] शकावाळु, सदिग्ध
संशयी वि० [स] शका करनारु
संशोधन पु० [स] शुद्धि; सफाई (२) सुधारो (जेम के ठरावमा) (३) (ऋण आदि) अदा करवु ते
संशोधित वि० [स] सुधारेलु
संशोधी वि० [स] सुधारनारु
संश्रय पु०[स] आश्रय; शरण; सहाय
संस,०इ,०य, ससा पु० (प.) सशय
संसर्ग पु० [स.] स्पर्श; सबध, सग
संसा पु० जुओ 'सस'; संशय
संसार पु० [स] दुनिया; जगत (२) घरससार (३) प्रपच; माया
संसारी वि० [म] ससारनु के तेने लगतु; लौकिक [मरणना फेरा
संसृति स्त्री० [स] ससारचक्र; जन्म-
संसृष्ट वि०[स] साथेनु; मिश्रित (२) सबद्ध (३) सामेल
संस्करण पु० [स] सुधारवु के ठीक करवु ते (२) पुस्तकनी आवृत्ति
संस्कार पु०[स] मन पर पडती छाप के असर के ते द्वारा थती केळवणी (२) शुद्धि; सुधारो (३) (सोळ) धार्मिक आचार [केळवायेलु
संस्कारी वि० [म] सस्कारवाळु,
संस्कृत वि०[म] सस्कार पामेलु; शुद्ध (२) स्त्री० सस्कृत भाषा
संस्कृति स्त्री० [स.] सुधारो; सभ्यता

संस्था स्त्री०[सं.] स्थिति (२) व्यवस्था (३) मंडळ; तंत्र
संस्थान पुं० [सं.] स्थिति; मुकाम; निवास (२) हयाती [प्रवर्तक
संस्थापक पुं० [सं.] स्थापना करनार;
संस्थापन पुं० [सं] स्थापवुं ते
संस्मरण पुं० [सं] संभारणुं
संहत वि० [सं.] संयुक्त; एकठुं (२) संपवाळु
संहति स्त्री०[सं.] समूह (२) संप; मेळ
संहरना अ०क्रि० नाश थवु (२) स०क्रि० संहारवु
संहार पुं० [सं] नाश; वध; अंत
संहारक वि० [सं.] संहार करनार
संहारना स०क्रि० संहारवुं; नाश करवो
संहिता स्त्री० [सं] वेद संहिता (२) संग्रह (३) संहति; संप
सआदत स्त्री० [अ] सद्भाग्य
सई स्त्री० [अ] प्रयत्न
सईद वि० [अ] शुभ; सारु
सऊबत स्त्री० [अ] मुश्केली; आफत
सकट पुं० शकट; गाडी
सकता पुं०[अ] मूर्छानो रोग; मृगी (२) कवितामां यतिभंग. –**पड़ना**=यतिभंग थवो
सकना अ०क्रि० शकवु
सकपकाना अ०क्रि० अचरज पामवु (२) अचकावु (३) शरमावु
सकरकंदी स्त्री०, **सकरकंद** पुं० शक्करियु; सकरकंद
सकरना अ०क्रि० 'सकारना' नु कर्मणि
सकरपाला पुं० सकरपारो
सकरिया पुं० शक्करियु
सकल वि० [सं] सकळ; बधु
सकलात पुं० रजाई (२) भेट
सकाना अ०क्रि० (प.) शंका आणवी; वहेमावु (२) संकोच के डरमां पडवुं
सकाम वि० [सं.] कामनावाळुं
सकारना स०क्रि० स्वीकारवुं (२) शिकारवुं [दलाली
सकारा पुं० हुंडीनी शिकारणी–तेनी
सकारे अ० सवारे ['सक़ील'
सकालत स्त्री० [अ.] भारेपणुं (जुओ
सकिलना अ०क्रि० सरकवुं; लपसवुं (२) सकडावु; संकोचावु (३) थवु; बनवु
सक़ील वि०[अ.] पचवामां भारे (२) वजनदार (नाम, सकालत)
सकुच,–चाई स्त्री० संकोच; शरम
सकुचना अ०क्रि० संकोच करवो; शरमावु
सकुचाई स्त्री० संकोच; शरम
सकुन पुं० शकन (२) पक्षी
सकुनी स्त्री० पक्षी
सकून पुं० जुओ 'सुकून' [निवास
सकूनत स्त्री०[अ] 'सुकूनत'; रहेठाण;
सकृत् अ० [सं.] एक वार (२) सदा; सर्वदा (३) तरत
सकेलना स०क्रि० एकत्र करवु, संकेलवुं
सकोरा पुं० शकोरु; 'कसोरा'
सक़्क़ा पुं० [अ.] भिस्ती
सक्त वि०[सं] आसक्त (२) संलग्न
सक्ति स्त्री० (प.) शक्ति; बळ
सक्तु,०क पुं० सत्तु
सक़्फ़ पुं० [अ.] मकाननी छत
सक्रिय वि० [सं] क्रियावाळुं
सखरा पुं०, **सखरी** स्त्री० सखडी; बोटाय एवी रसोई दाळभात जेवी
सखा पुं० [सं.] मित्र

सखावत स्त्री०[अ] दान (२) उदारता
सखी स्त्री० [स] साहेली
सख़ी वि० [अ] सखी; दानी; उदार
सखुआ पु० शाल वृक्ष; 'साखू'
सख़ुन पु० [फा] वातचीत (२) बोल, वचन, सुखन (३) काव्य
सख़ुन-चीन वि० [फा.] चुगलीखोर
सख़ुन-तकिया पु०[फा] जुओ 'तकिया कलाम' [-दानी)
सख़ुन-दाँ वि० काव्यरसिक (नाम,
सख़ुन-परवर वि०[फा] वचन पाळनार (२) हठीलु, मूढाग्रही
सख़ुन-शनास, सख़ुन-संज पु० [फा] 'सख़ुन'-काव्य के वातचीतनो मर्म समजनार; मर्मज्ञ
सख़ुन-साज़ पु० [फा] काव्य रचनार (२) वनावीने जूठी वात कहेनार. (नाम, -ज़ी स्त्री०) [कठण
सख़्त वि०[अ] सखत; कडक, कठोर;
सख़्ती स्त्री० सखताई, कडकाई (२) तगी (३) जुलम
सख्य पु० [स] मैत्री, दोस्ती
सग पु० [फा] कूतरो
सगडी स्त्री० नानी गाडी
सग(-गा)पन पु० सगपण, सगा होवु ते
सगपहती स्त्री० शाकपादडु नाखीने करेली दाळ
सगवग वि० (प) लथपथ, तरवोळ
सगवगाना अ०क्रि० तरवोळ थवु (२) गभरावु
सगरा,-ऱा,-ला वि० (प) सघळु
सगर्भ वि० [सं] सगु, सहोदर (२) पु० सगो भाई [वहेन
सगर्भा स्त्री० वेजीव स्त्री (२) सगी
सगल,-ला वि० (प.) सघळु; वधु
सगा वि० सगु; सबधी (२) सहोदर
सगाई स्त्री० सगाई, वेविशाळ (२) सगानो सबध (३) नातरा जेवु ऊतरतु मनातु लग्न
सग़ीर वि० [अ] नानु. **सग़ीर-सिन**= सगीर, नानी उंमरनु
सगुण वि० [स] गुणियल (२) पु० साकार (ब्रह्म)
सगुन पु० (प.) शुकन (२) सगुण
सगुनिया पु० शुकन जोनार-जोशी
सगुनौती स्त्री० शुकन जोवा ते
सगोत,-ती, सगोत्र [स.] पु० एक गोत्रनु (२) सगु
सग्गड़ पु० भार खेचवानु गाडु
सघन वि० घन, गीच
सच वि० साचु (नाम, -चाई)
सचमुच अ० खरेखर; साचे, साचमाच
सचराचर वि०[स] स्थावर अने जगम; वधु (२) पु० विश्व
सचाई स्त्री० सच्चाई, सत्यता
सचान पु० सीचाणो, वाज
सचित वि०[स] चिंतावाळु,फिकर करतु
सचिक्कण वि० खूव चीकणु
सचिव पु०[स] मित्र (२) मत्री (३) अमात्य; प्रधान, वजीर
सचिवालय पु०[स] सचिवनु दफतर-कार्यालय [खवरदार
सचेत वि० जीवतु जागतु (२) सावध;
सचेतन वि० [स] चेतनवतु, जीवतु
सच्चा वि० साचु (२) साचु वोलनार; ०ई स्त्री० सत्य, 'सचाई'
सच्चिदानंद पु० [स] सत्, चित्, आनद रूप परमात्मा

सज स्त्री० सजावट (२) शोभा
सजग वि० सावधान, जाग्रत, सचेत
सजदार वि० सुंदर
सजधज स्त्री० सजावट; ठाठमाठ
सजन पु० स्वजन (२) प्रीतम, पति
सजना अ०क्रि० सजावु; शणगारवु (२) शोभवु (३) स० क्रि० सजवु
सजनी स्त्री० सखी (२) प्रिया
सजल वि० [स] जळ सहित; भीनु (आसुथी)
सजवाई स्त्री० सजाई, सजवु सजाववु ते [के तेनी मजूरी
सजा [फा], **सजाइ** स्त्री० सजा; शिक्षा
सजाति,–तीय वि० [स] एक जातिनु
सजाना स०क्रि० सजाववु, बरोबर ठीक करीने गोठववु
सजायाफ्ता वि० [फा] सजा पामेलु
सजायाब वि० [फा] सजापात्र (२) सजा पामेलु
सजाव पु० खूब उकाळेला दूधनु दही (२) सजावट, सजाववु ते
सजावट स्त्री० सजावट, शोभा (२) सज्जता; तैयारी
सजावल पु० [तु सजावुल] कलेक्टर; कर उघरावनार अमलदार
सजावर वि०[फा] सजावर; योग्य (२) सजावार; सजापात्र
सजीला वि० छेलबटाउ (२) सुंदर
सजीव वि० [सं] जीवतु (२) पु० जीव; प्राणी
सजीवन पु०, **–नी** स्त्री० सजीवनी
सजूरी स्त्री० एक मीठाई
सज्ज वि० [स] सज्ज, तैयार
सज्जन पु० [स] सारो माणस
सज्जा स्त्री० शय्या (२) सजावट
सज्जादा पु० [अ] मुसल्लो, नमाजनी चटाई (२) फकीरनो तकियो
सज्जित वि०[स]सज्ज थयेलु के करायेलु
सज्जी स्त्री०, **०खार** पु० साजीखार
सज्ञान वि०[स] समजणु (२) बुद्धिमान
सटक स्त्री० सटकी जवु ते, छटक (२) लाबी वळी शके तेवी हूकानी नेह (३) चावुक जेवी पातळी सोटी, साटको
सटकना अ०क्रि० सटकवु; छटकी जवु
सटका पु० साटको, चाबुक
सटकाना स०क्रि० सटकाववु, सोटी के 'सटका' (साटका) थी मारवु
सटकारा वि० लाबा सुवाळा (वाळ)
सटकारी स्त्री० पातळी सोटी, साटको
सटक्का पु० साटको (२) सपाटो; झपट. **–मारना**=झपाटो मारवो
सटना अ०क्रि० बे चीजोना पडखा बरोबर साथे बधबेसवा के गोठवावा
सटपट स्त्री० दुविधा,गूचवण,सपटामणी
सटपटाना अ०क्रि० गूचवावु, सपटावु
सटर-पटर वि० तुच्छ, मामूली (२) स्त्री० सटरपटरियु के नकामु काम
सटसट अ० झट झट; चप चप
सटाना स०क्रि० जोटवु; [illegible]
सटीक वि० टीका सहित [सं] (२) बरोबर ठीक
सटोरिया पु० [illegible]
सट्टा पु० सट्टो (२) [illegible]
सट्टा-बट्टा पु० [illegible] (२) [illegible]
सट्टी स्त्री० [illegible] **–मचाना**= [illegible] **–[illegible]ना**= [illegible]
सट्टेबाज [illegible]
सठ [illegible]

सठियाना अ०क्रि० साठ वर्षना थवु (२) साठे बुद्धि नासवी
सठेरा पु० साठी; 'सठी'
सड़क स्त्री० सडक; रस्तो
सड़न स्त्री० सडवु ते, सडो
सड़ना अ०क्रि० सडवु, बगडवु
सड़सठ वि० सडसठ, ६७
सड़ाई(-यँ)ध स्त्री० सडेलानी दुर्गंध
सड़ासड़ अ० सडासड; उपराछापरी
सड़ियल वि० सडेलु (२) रद्दी (३) तुच्छ
सत वि० (प) शत, सो
सत पु० सच्चाई **-पर चढ़ना**=सती थवु. **-पर रहना**=पतिव्रता रहेवु
सतत वि० [स] चालु; लगातार
सतनजा पु० सात अनाजनो खीचडो
सतप(-पु)तिया स्त्री० एक शाक के तेनो वेलो
सतफेरा पु०, **सतपदी, सतभौंरी** स्त्री० सप्तपदी, विवाहना सात फेरा
सतमासा पु०गर्भाधानने सातमे मासे थतो विधि (२) सातमे महिने अवतरेलो ते
सतरज स्त्री० शेतरज रमत
सतरजी स्त्री० शेतरजी
सतर स्त्री०[अ] लीटी (२) हार; कतार (३) वि०[सं] वाकु (४) क्रोधे भरायेलु
सत(-त्त)रह वि० सत्तर; १७
सतराना अ०क्रि० चिडावु; गुस्से थवु
सतर्क वि०[स]सावध,जाग्रत(२)तर्कयुक्त
सतसई स्त्री० सतसाई; सप्तशती
सतह स्त्री०[अ] सपाटी, तल; क्षेत्रफळ
सतहत्तर वि० सित्तोतेर, ७७
सतही वि० [फा] 'सतह'नु; सपाट
सताइश स्त्री० [फा सिताइश] प्रशसा
सता(०व)ना स०क्रि० सतावचु; पजववु
सता(-त्ता)सी वि० ८७, जुओ 'सत्तासी'
सती स्त्री० [स] सती स्त्री (२) मृत पति साथे सती थनारी स्त्री
सतुआ पु० सत्तु; साथवो
सतून पु० [फा] स्तभ, थाभलो
सतोगुण पु० सत्त्वगुण
सत् पु० [स] सत्य; ब्रह्म (२) वि० सत्य; नित्य (३) सारु
सत्कर्म पु० सारु पुण्य काम
सत्कार पु० [स] सन्मान; आदर
सत्त पु० सत्त्व, सार
सत्तर वि० सित्तेर; ७०
सत्तरह वि० सत्तर; १७
सत्ता स्त्री०[स] हयाती (२) अधिकार (३) पु० गजीफानो सत्तो
सत्ताईस वि० सत्तावीस, २७
सत्तानवे वि० सत्ताणु; ९७
सत्तार पु० [अ] ईश्वर
सत्तावन वि० ५७
सत्तासी वि० सित्यासी; ८७
सत्तू पु० सत्तु, साथवो **-बाधकर पीछे पड़ना**=कशा पाछळ लागी जवु-मडवु
सत्त्व पु० [स] सत्त्व; सार
सत्य पु० [स] साच (२) वि० साचु
सत्यवाद पु०[स] साचु बोलवु के तेने वळगीने चालवु ते. **-दी** वि० सत्यवादी, साचु
सत्यसंध वि० [स] सत्य-वचनी
सत्याग्रह पु०[स] सत्यने खातर आग्रह राखी झूझवु ते
सत्यानास पु० सत्यानाश; खवारी
सत्यानासी वि० सत्यानाश करनार
सत्र पु० [स] यज्ञ (२) अन्नक्षेत्र (३) टर्म; भणतरनु सत्र

सत्रह वि० 'सतरह'; सत्तर; १७
सत्वर वि० [स] जलदी; तरत
सत्सग पु० [स] सारी के साधुजननी सोबत
सथरी स्त्री० साथरो; घासनी पथारी
सथिया पु० साथियो (२) शस्त्रवैद
सद वि० (प.) ताजु (२) अ० सद्य; तरत (३) स्त्री० आदत; टेव
सद वि० [फा] सो, शत; १००
सदका पु०[अ] दान (२) कोईने माथे उतारीने रस्ते मुकाय ते; उतार. **–उतारना, –करना**=(दाणा इ०)माथे उतारवु. **सदके जाना**=वारी जवु; कुरबान थवु
सदन पु० [स] धाम, स्थळ; घर
सदफ स्त्री० [अ] मोतीनी छीप
सदमा पु० [अ] आघात; धक्को (२) दु:ख **–उठाना**=दु:खनो घा वेठवो. **–पहुँचना**=आघात लागवो
सदय वि० [स] दया सहित; दयाळु
सदर वि०[अ सद्र]प्रधान, मुख्य; प्रमुख (२)पु० केन्द्रस्थान(३)कशानो आगलो भाग (४) सभानो प्रमुख **०आला** पु० नानो न्यायाधीश. **०दरवाजा** पु० खास दरवाजो **०नशीन** पु० सभापति. **०बाजार** पु० मोटु के खास बजार
सदरी स्त्री० [अ] सदरो, बंडी
सदसत्,–द् वि०[स] सत्य असत्य, सारु नरसु के साचु जूठु
सदस्य पु० [स] सभ्य; सभासद
सदहा वि० [फा] सेंकडो; अनेक
सदा स्त्री०[अ] प्रतिध्वनि, पडघो (२) अवाज; शब्द (३) पोकारनो शब्द
सदा अ० [स] हमेश
सदाक़त स्त्री० [अ] सत्य
सदाचरण, सदाचार पु०[स] सारु शुभ वर्तन [धर्मिष्ठ
सदाचारी वि० [स] सारा वर्तनवाळु;
सदाफर,–ल वि० सदा फळतु (२) पु० उमरडो (३) नारियेळी (४) बीली
सदाबरत, सदावर्त पु० सदाव्रत, अन्नक्षेत्र
सदा-बहार वि० हमेश खीलेलु रहे एवु (२) सदा लीलु रहेतु
सदारत स्त्री०[अ]सदरपणु; सभापतित्व
सदावर्त पु० सदाव्रत; अन्नक्षेत्र
सदाशय वि० [स] शुभ आशयवाळु
सदा-सुहागिन स्त्री० वेश्या (व्यग्य)
सदी स्त्री० [फा] सैकु, शताब्दी
सदृश वि०[स] मळतु, जेवु; समान
सदेह वि० [स] देह सहित
सदैव अ० [स] सदाय, हमेश
सदोष वि०[स] दोषवाळु (२) गुनेगार
सद्गति स्त्री०[स]शुभ गति(मरण बाद)
सद्गुण पु०[स] सारो गुण के लक्षण
सद्द अ० (प.) सद्य, तरत; हमणा (२) स्त्री० [अ] आड; दीवाल
सद्धर्म पु०[स] सारो धर्म (२) बौद्ध के जैन धर्म [अस्तित्व
सद्भाव पु०[स]सारो भाव; मेळ (२)
सद्य अ० [स] हमणा; तरत
सद्र पु० [अ] जुओ 'सदर'
सधना अ०क्रि० सधावु (प्रेरक **सधाना**)
सधर्म वि०[स] समान धर्म के गुणवाळु
सधवा स्त्री० [स] सौभाग्यवती स्त्री
सन पु० शण (२) वि० स्तब्ध; सूम (३) [अ] सन; साल
सनअत स्त्री० [अ] कारीगरी; कळा-कौशल्य (२) उद्योग; धधो

सनक स्त्री० धून; मननु घेलु (२) झनून. **–चढ़ना, –सवार होना**=धून आववी; घेलु लागवु

सनकना अ०क्रि० पागल थवु [करवो

सनकारना स०क्रि० सनकारवु; इशारो

सनद स्त्री०[अ] प्रमाणपत्र के प्रमाण. **–दी** वि० प्रमाणवाळु [प्रमाणित

सनद-याफ़्ता वि०[फा] सनद पामेलु;

सनदी वि० [फा] सनदवाळु

सनना अ० क्रि० पलळीने एक सरखु थवु (जेम के, आटो) (२) कशामा मळी के लीन थई जवु; तरबोळ थवु (३) गदु थवु

सनम पु०[अ] मूर्ति (२) प्रिय पुरुष

सनसनाना अ०क्रि० सणसणवु; सणसण अवाज करवो ['सनसनी'

सनसनाहट पु० सणसणाट (२) जुओ

सनसनी स्त्री० झझणाट (२) सनसनाटी

सनहकी स्त्री०[अ सनहक](मुसलमानोमा प्राय: वपरातु) माटीनु एक वासण

सना स्त्री० [अ] वखाण; स्तुति (२) जुओ 'सनाय'

सनाअत स्त्री० जुओ 'सनअत'

सनातन वि०[स]हमेशनु, चिरतन. **–नी** पु० सनातन धर्मनो माणस

सनाथ वि० [स] साधार; नाथ के धणीवाळु

सनाय स्त्री० सोनामुखी

सनाह पु० कवच; बखतर

सनीचर पु० शनिश्चर; शनिवार

सनीचरी स्त्री० शनिनी दशा

सनेह पु० (प) स्नेह; प्रेम; हेत. **–ही** वि० स्नेही [मरुनु झाड

सनोवर पु० [अ] सनूवर; चीडनु के

सन्न वि० सूम; शून्य; 'सन'

सन्नाटा पु० शून्यता, नीरवता (२) एकात (३) स्तब्धता (४) हवानो सणसणाट (५) वि० नीरव (६) एकात **–खींचना या मारना**=एकदम चूप थई जवु **सन्नाटेमें आना**=स्तब्ध थई जवु [पासे होवु ते

सन्निधि स्त्री० [स] पडोश; निकटता,

सन्निपात पु०[स] एकसाथे पडवु के अफळावु ते (२) त्रिदोष रोग

सन्निविष्ट वि०[स] साथे बेठेलु; एकठु (२) स्थापेलु (३) दाखल थयेलु

सन्निवेश पु०[स] सनिवेश; समीप (२) आसन, जगा

सन्निहित वि० [स] पासेनु (२) पासे राखेलु (३) तत्पर; तैयार

सन्मान पु० [स] आदर-सत्कार

सन्मुख वि० [स] सामे; मोढामोढ

सपक्ष वि० [स] पक्षनु; सहायक (२) पु० मित्र [पत्नी सहित

सपत्नी स्त्री० [स] शोक (स्त्री) ०क वि०

सपथ पु० शपथ; सोगन [थवु

सपन,–ना पु० स्वप्नु **–होना**=दुर्लभ

सप(–फ)रदाई पु० नाचनारी साथेना साजनो माणस; साजिदो

सपरना अ०क्रि० पूरु थई शकवु

सपराना स०क्रि० पूरु करवु; आटोपवु

सपरिकर वि० [स] अनुचरो इ० ना ठाठ साथे

सपाट वि० सपाट; एकसरखु

सपाटा पु० सपाटो; झपाटो

सपिंड वि० [स] एक गोत्रनु–सगोत्र

सपुर्द स्त्री० [फा सिपुर्द] सुपरत; सोपण

सपुर्दगी स्त्री० सोपवु ते; सुपरत करवु ते

सबील स्त्री० [अ] सडक; रस्तो (२) उपाय; युक्ति (३) परब
सबू पु० [फा] माटीनो घडो
सबूचा पु० [फा] नानो 'सबू'
सबूत पु० [अ] साबूती; सगीनता; दृढता (२) साबिती, प्रमाण
सबेरा पु० जुओ 'सवेरा'
सब्ज वि०[फा] काचु ताजु (फळफूल इ०) (२) लीलु. **–बाग दिखलाना**= पोतानु काम काढी लेवा मोटी मोटी आशाओ देखाडवी
सब्ज-कदम वि० अपशुकनियाळ पगलांवाळु **–मी** स्त्री०
सब्ज-पा वि० अभागी
सब्ज-बख्त वि० सद्भागी **–ती** स्त्री०
सब्जा पु०[फा] हरियाळी (२) सबजी; भाग [जगा
सब्जा-जार पु० खूब लीलोतरीवाळी
सब्जी स्त्री०[फा] जुओ 'सब्जा' (२) लीलु शाक [लखवु
सब्त पु०[अ] लेख; खरडो. **–करना**=
सब्बल पु० कोश, नराज
सब्र पु० [अ] सबर, धीरज. **–आना, –करना**=धीरज धरवी, खामोश रहेवु. **–देना**=धीरज आपवी (किसीका) **–पड़ना**=कोकने कष्ट दीधानां फळ मळवां. **–रखना**=खामोशी राखवी
सभा स्त्री० [सं] मेळावडो; समेलन. **०गृह** पु० सभानु स्थान **०पति** पु० सभानो प्रमुख. **०सद** पु० सभ्य
सभ्य वि०[सं] सभा सबंधी (२) शिष्ट; सस्कारी (३) पु० सभासद **०ता** स्त्री० शिष्टता (२) सुधारो; सस्कारिता
समंजस वि० [स.] उचित; ठीक
समंत पु०[स] सीमा; हद (२) वि० समस्त; बधु
समंद पु० [फा] एक उमदा जातनो घोडो
समं(–मुं)दर पु० समुद्र
सम वि०[स] समान; सरखु (२) पु० सगीतनो सम ताल (३)[अ सम्म] झेर
समअ पु० [अ] कान
समअ-ख़राशी स्त्री० [फा] नकामी वातोथी कान फोडवा के माथु खावु ते
समकक्ष वि० [स] समान कक्षानु; बराबरियु
समकालीन वि०[स] एक ज समयनु
समकोण पु०[स] काटखूणो (२) वि० सरखा खूणावाळु
समक्ष अ० [स] सामे; रूबरू
समग्र वि० [स] कुल; बधु
समझ स्त्री० समज; बुद्धि **०दार** वि० समजणु **–पर पत्थर पड़ना**= समजमा ना ऊतरवु – ना समजवु
समझना स०क्रि० समजवु
समझाना स०क्रि० समजाववु
समझाव,–वा पु० समजण
समझौता पु० समजूती; आपसमा समजीने आणेलो निकाल
समतल वि० [स] सपाट
समता स्त्री० [स] समानता
समदना अ०क्रि० (प) प्रेमथी मळवु; भेटवु (२) भेट करवु; आपवु
समधियाना पु० पुत्र के पुत्रीनु सासरु
समधी पु० पुत्र के पुत्रीनो ससरो; वेवाई
समन पु० [अ.] मूल्य; किमत (२) [इ] अदालतनो समन्स (३) स्त्री० [फा] चमेली [एकीकरण
समन्वय पु० [स.] सयोग; मिलन;

समन्वित वि० [स] सयुक्त; भेगु
समय पु० [स] काळ, वखत (२) युग; जमानो
समर पु० [स] युद्ध
समर(–रा) पु० [अ] परिणाम; फळ (२) लाभ; बदलो
समर्थ वि०[स]बळवान; सशक्त(२)योग्य
समर्थक वि० समर्थन के टेको आपनार
समर्थन पु० [स] टेको; पुष्टि
समर्पण पु०[स] आपवु के सोपी देवु ते
समर्पित वि०[स] निवेदित,समर्पण थयेलु
समवाय पु० [स] निकट सबध (२) समूह; टोळु
समवेत वि०[स] एकठु थयेलु, एकत्रित
समष्टि स्त्री० [स] कुल समूह
समसाम स्त्री० [अ] नागी तलवार
समस्त वि०[स] बधु; कुल (२) सयुक्त
समस्या स्त्री०[म] कोयडो, मुश्केल प्रश्न (२) काव्यपूर्ति माटेनी छेल्ली कडी
समाँ पु० समय, समो; जमानो; ऋतु. **–बँधना**=(सगीत वगेरे) एवु थवु के लोक छक थई जाय
समा पु०[अ] आसमान; आकाश (२) जुओ 'समाँ' (३) स्त्री० [स] साल
समाअत स्त्री० [अ] साभळवु ते
समाई स्त्री० समावेश; गुजाश (२) वि० [अ] साभळेलु; कोईनु कहेलु
समागत वि० [स] आवेलु; पधारेलु; एकठु मळेलु
समागम पु०[स] मळवु ते; भेट; साथ
समाचार पु० [स] खबर **०पत्र** पु० वर्तमानपत्र, छापु
समाज पु०[स] समुदाय (२) मडळ; सघ
समादर पु० [स] आदरमान
समाधान पु० [स] निवेडो, पतावट (२) शाति; सतोष
समाधि स्त्री० [स] तल्लीनता (२) योगनु एक अग (३) अतिम क्रियानी जगा पर करातु स्मारक मकान, रोजो
समान वि०[स] सरखु; बरोबर (२) पु० शरीरना पाच वायुमानो एक
समाना अ०क्रि० समावु (२) स०क्रि० समाववु; भरवु
समापक वि०[स] समाप्त–पूरु करनार
समापन पु० [स] समाप्त के पूरु करवु ते
समाप्त वि० [स.] पूरु; खतम **–प्ति** [स्त्री० अत
समारंभ पु० [स] (धामधूम साथे) आरभ; उत्सव
समारोह पु० [स] समारभ
समालोचक पु०[स] गुणदोषनी समीक्षा करनार, अवलोकनकार **–न** पु०, **–ना** स्त्री० समीक्षा, अवलोकन
समावर्तन पु० [स] परवारीने पाछु फरवु ते जेम के, विद्या पूरी करीने
समाविष्ट वि० [स] समावायेलु
समावी वि०[अ] आसमानी, आकाशीय
समावेश पु० [स] अदर समाववु ते; समास [शब्दोनो समास
समास पु०[स] सग्रह, भेगु थवु ते (२)
समाहार पु०[स] समूह, ढग (२) मिलन
समिति स्त्री० [स] कमिटी, नानु मडळ के सभा
समिध,–धा स्त्री० [स] (यज्ञनु) ईंधण
समीकरण पु० [स] समान करवु ते (२) गणितनु समीकरण [विवेचन
समीक्षा स्त्री०[स] समालोचना; सम्यक्
समीचीन वि० [स] योग्य, ठीक

सबील स्त्री० [अ] सडक; रस्तो (२) उपाय; युक्ति (३) परब
सबू पु० [फा] माटीनो घडो
सबूचा पु० [फा] नानो 'सबू'
सबूत पु० [अ] साबूती; सगीनता; दृढता (२) साबिती, प्रमाण
सबेरा पु० जुओ 'सवेरा'
सब्ज़ वि०[फा] काचु ताजु (फळफूल इ०) (२) लीलु. **–बाग़ दिखलाना**= पोतानु काम काढी लेवा मोटी मोटी आशाओ देखाडवी
सब्ज़-कदम वि० अपशुकनियाळ पगलावाळु **–मी** स्त्री०
सब्ज़-पा वि० अभागी
सब्ज़-बख़्त वि० सद्भागी **–ती** स्त्री०
सब्ज़ा पु०[फा] हरियाळी (२) सबजी; भाग [जगा
सब्ज़ा-ज़ार पु० खूब लीलोतरीवाळी
सब्ज़ी स्त्री०[फा] जुओ 'सब्ज़ा' (२) लीलु शाक [लखवु
सब्त पु०[अ] लेख; खरडो **–करना**=
सब्बल पु० कोश; नराज
सब्र पु० [अ] सबर; धीरज. **–आना, –करना**=धीरज धरवी, खामोश रहेवु. **–देना**=धीरज आपवी. (किसीका) **–पड़ना**=कोकने कष्ट दीधाना फळ मळवा. **–रखना**=खामोशी राखवी
सभा स्त्री० [स] मेळावडो; समेलन. **०गृह** पु० सभानु स्थान. **०पति** पु० सभानो प्रमुख. **०सद** पु० सभ्य
सभ्य वि०[सं.] सभा सबधी (२) शिष्ट; सस्कारी (३) पु० सभासद **०ता** स्त्री० शिष्टता (२) सुधारो, सस्कारिता
समंजस वि० [स] उचित; ठीक
समंत पु०[स] सीमा; हद (२) वि० समस्त; बधु
समंद पु० [फा] एक उमदा जातनो घोडो
समं(–मुं)दर पु० समुद्र
सम वि०[स] समान; सरखु (२) पु० सगीतनो सम ताल (३)[अ सम्म] झेर
समअ पु० [अ] कान
समअ-ख़राशी स्त्री० [फा] नकामी वातोथी कान फोडवा के माथु खावु ते
समकक्ष वि० [स] समान कक्षानु; बराबरियु
समकालीन वि०[स] एक ज समयनु
समकोण पु०[स] काटखूणो (२) वि० सरखा खूणावाळु
समक्ष अ० [स] सामे; रूबरू
समग्र वि० [स] कुल; बधु
समझ स्त्री० समज; बुद्धि **०दार** वि० समजणु **–पर पत्थर पडना**= समजमा ना ऊतरवु –ना समजवु
समझना स०क्रि० समजवु
समझाना स०क्रि० समजाववु
समझाव,–वा पु० समजण
समझौता पु० समजूती; आपसमा समजीने आणेलो निकाल
समतल वि० [स] सपाट
समता स्त्री० [स] समानता
समदना अ०क्रि० (प) प्रेमथी मळवु; भेटवु (२) भेट करवु; आपवु
समधियाना पु० पुत्र के पुत्रीनु सासरु
समधी पु० पुत्र के पुत्रीनो ससरो; वेवाई
समन पु० [अ] मूल्य, किंमत (२) [इ] अदालतनो समन्स (३) स्त्री० [फा] चमेली [एकीकरण
समन्वय पु० [स.] सयोग; मिलन;

सरग पु० (प.) स्वर्ग
सरगना पु० [फा] नेता, आगेवान
सरगम पु० संगीतनी सारीगम
सरगरदाँ वि०[फा] गभरायेलु; हेरान
सरगरम, सरगर्म वि० [फा] जोशीलु (२) उत्साही (३) तत्पर, चालाक. (नाम, **–मी, –र्मी** स्त्री०)
सरगश्ता वि०[फा] दुर्दशामां सपडायेलु; बेहाल (**नाम, –श्तगी**)
सर-गुजश्त स्त्री०[फा] आपवीती (२) वर्णन (३) जीवनचरित
सर-गोशी स्त्री० [फा] कानफूसिया
सरघा स्त्री० [स] मधमाख
सर-चश्मा पु०[फा] नदीनो उगम (२) पाणीनो झरो
सरजद वि० प्रगट, जाहेर
सर-जमीन स्त्री०[फा] देश (२) जमीन
सरजा पु० सिंह (२) सरदार
सरजोर वि० [फा] जबरु (२) शिरजोर (३) जुओ 'सरकश' (नाम, **–री**)
सरणी स्त्री० [स] रस्तो (२) पगदंडी
सरताज पु०[फा] सर्वश्रेष्ठ; शिरताज
सरतान पु० [अ] करचलो
सर-ता-पा अ० [फा] माथाथी पग लगी, आदिथी अंत लगी
सरता-बरता पु० वहेंचणी. **–करना**= सहकारथी काम करवु
सरद वि० जुओ 'सर्द'
सरदई वि० जुओ 'सर्दई'
सर-दर अ० सरासरी (२) एक छेडेथी
सर-दर्द पु० माथानु दरद, पीडा
सरदा पु०[फा] एक जातनु खडबूचुं
सरदार पु० [फा] नायक (२) अमीर (३) शीख माटे मानवाचक शब्द. **–री** स्त्री० सरदारपणु
सरदी स्त्री० जुओ 'सर्दी'
सरन पु० (प) शरण, आशरो
सर-नविश्त स्त्री०[फा] नसीब, तकदीर
सरना अ०क्रि० सरवु, चालवु (२) निपटवु (३) नभवु, चाली जवु
सरनाम वि० [फा] नामीचु; प्रख्यात
सरनामा पु० [फा] (लेखनु) मथाळु; शीर्षक (२) सरनामु
सरपंच पु० पंचायतनो प्रमुख
सरपट अ० पूरपाट, पुरजोश
सरपत(–ता) पु० [स शरपत्र] सरपट; कुश जेवु छाजनु घास
सरपरस्त वि०[फा] संरक्षक (नाम**–स्ती**)
सरपें(–पे)च पु० शिरपेच, कलगी, तोरो
सरपोश पु०[फा] थाळी इ० ढांकवानो रूमाल के ढांकणु [(नाम, **–शी**)
सर-फराज वि०[फा] प्रतिष्ठित, मोटु.
सरफा पु० जुओ 'सर्फा'
सरबधी पु० वाणावळी
सर-बराह(०कार) पु०[फा] सरभरा करनार; व्यवस्थापक (२) मुकादम
सर-बराही स्त्री०[फा]सरभरा, बंदोबस्त
सरबस पु० (प.) सर्वस्व, बधु
सर-ब-सर अ० [फा] पूरु; आद्यन्त
सर-बस्ता वि० [फा] छूपु; गुप्त
सर-बाज वि०[फा] जानना जोखमथी वर्तनार, वीर, बहादुर [नसीबदार
सर-बुलंद वि० [फा] प्रतिष्ठित (२)
सरमद वि० [अ] शाश्वत; नित्य
सरमस्त वि० [फा] मस्त, मदमत्त
सरमा स्त्री०[स] देवनी कूतरी (वेदोमां) (२) कूतरी (३) पु० [फा] शियाळो

समीप अ० [स] पासे; निकट ०**वर्ती** वि० पासेनु
समीर,०ण पु० [स] वायु, पवन
समुंदर पु० समुद्र; 'समदर'
समुचित वि० [स] वाजबी, योग्य
समुच्चय पु० [स] ढग; समूह
समुझ स्त्री० (प) समज ०**ना** स०क्रि० (प) समजवु
समुदाय पु० [स] समूह; जथो
समुद्र पु०[स] दरियो ०**गा** स्त्री० नदी
समुहा वि० सामेनु (२) अ० सामे; सन्मुख [थवु
समुहाना अ०क्रि० सामे आववु; सन्मुख
समूचा वि० समूचु, बधु
समूम स्त्री० [अ] लू, ऊनो-गरम वा
समूर पु०[स] साबर हरण (२) [अ] शियाळ जेवु एक पशु के तेनु रुवाटीदार चामडु [सकारण
समूल वि०[स] मूळ साथे, समूळगु (२)
समूह पु०[स] टोळु, समुदाय (२) ढगलो
समृद्ध वि०[स] मातवर, मालदार (२) भर्युंभादर्युं. -**द्धि** स्त्री० सपत्ति
समेटना स०क्रि० समेटवु, एकठु करवु
समेत अ० [स] सहित; साथे
समै(०या),-मो पु० (प) समय
समोना स०क्रि० पाणी समोववु
समौरिया वि० समोवडियु; समान उमरनु [समति
सम्मत वि० [स] समत. -**ति** स्त्री०
सम्मान पु० [स] सन्मान, आदर
सम्मिलन पु० [स] समिलन; मेळाप
सम्मिश्रण पु० [सं] संमिश्रण; भेगु करवु ते
सम्मुख अ० [स] सन्मुख; सामे
सम्मेलन पु० [स] समेलन; मेळावडो
सम्मोह पु० [स] समोह; मोह; भ्रम
सम्यक् वि० [स] बरोबर, योग्य
सम्राज्ञी स्त्री०[स] सम्राटनी महाराणी
सम्राट पु०[स] चक्रवर्ती राजा; बादशाह
सयानपत स्त्री०, सयानप, ०न पु० शाणपण (जुओ 'सयाना')
सयाना वि० शाणु, समजु; चतुर (२) चालाक, पहोचेल (३) उमरे पहोचेलु
सरंजाम पु०[फा] प्रबध, तैयारी (२) सामान; असबाब (३) छेवट; अजाम
सर पु०[फा]शिर (२) टोच (३) पत्तानो सर (४) वि० सर-ताबे करेलु; पराजित (५) अ० उपर (६) सामे
सर-अंजाम पु०[फा] जुओ 'सरजाम'
सरकंडा पु० सरपट जेवी एक वनस्पति; सरकट [दारूनो नशो
सरक स्त्री० 'सरकना'-परथी नाम (२)
सरकना अ०क्रि० सरकवु; खसवु (२) नियत समयथी मोडु थवु-मुहूर्त खसवु (३) काम नभवु के चालवु [एवु
सरकश वि० [फा.] उद्धत (२) सामे थाय
सरका पु० [अ] चोरी, तफडची. ०**बिलजब्र** पु० डकाटी
सरकार स्त्री०[फा] राजसत्ता, हकूमत (२) पु० सूबो, जिल्लो (३) मालिक. -**करना, -चढ़ना**=कोरट कचेरीए चडवु ने फरियाद करवी
सरकारी वि० सरकारनु के तेने लगतु
सरकारी कागज़ पु० सरकारी कागळिया (२) पैसानी नोट [(२) शिक्षा, दड
सरकोबी स्त्री० [फा सर+कोब] दमन
सरखत पु० [फा] भाडाचिठ्ठी (२) ऋण चूकते कर्यानी पहोच

सरासरी स्त्री०[फा] जलदी, उतावळ (२) सरेराश; अदाज (३) अ० जलदी (४) सरासरी; अदाजथी
सराह स्त्री० (प) स्तुति, प्रशसा
सराहत स्त्री०[अ] टीका (२) स्पष्टता
सराहना स्त्री० सराह; स्तुति (२) स०क्रि० सराहवु; वखाणवु. **–नीय** वि० स्तुतिपात्र
सरि वि० सरखु; समान (२) स्त्री० [स] झरणु (३) नदी; सरिता [समुद्र
सरित्,–ता स्त्री० [स] नदी. **–त्पति** पु०
सरियाना स०क्रि० ठीकठाक करीने एकठु करवु; 'समेटना'
सरिश्त स्त्री०[फा] स्वभाव (२) गुण (३) वि० निश्चित
सरिश्ता पु० [फा सरेरिश्त] कचेरी (२) कार्यालयनु खातु; दफतर
सरिश्तेदार पु० शिरस्तेदार (२) खातानो मोटो अमलदार **–री** स्त्री० तेनु काम
सरिस वि० (प) सदृश; समान
सरीअ वि०[अ] जलदी करनार;उतावळु
सरीखा वि० सरखु; समान
सरीफा पु० जुओ 'शरीफा' [गादी
सरीर पु० (प) शरीर (२) [अ] तख्त;
सरीह वि० [अ] स्पष्ट; खुल्लु
सरीहन् अ०[अ] सरेतोरे; जाहेर, छचोक
सरुज वि० [स] रोगी
सरुष वि० [स] रोषमा आवेलु
सरूप वि०[स] साकार (२) रूपवान
सरूर पु० जुओ 'सुरूर' [सरियाम
सरेआम अ०[फा] जाहेर; खुल्लखुल्ला;
सरेख,–खा वि०(प) लायक; समजणु
सरे-दस्त अ०[फा] हमणा ज; अबघडी (२) हाल पूरतु; 'फिलहाल'
सरे-नौ अ० [फा] तद्दन शरूआतथी
सरे-बाज़ार अ०[फा] छडेचोक; सरेतोरे
सरेराह पु० [फा] धोरी रस्तो (२) अ० रस्ता उपर [एक झाड
सरो पु० [फा] बागमा शोभा माटे होतु
सरोकार पु० [फा] सबध; लेवादेवा
सरोज पु० [स.] कमळ
सरोजना स०क्रि० (प) प्राप्त करवु
सरोद पु० [फा] एक ततुवाद्य (२) गानतान
सरोरुह पु० [स] कमळ
सरोवर पु० [स] तळाव
सरोश पु० [फा] पेगबर, फिरस्तो
सरोष वि० [स] जुओ 'सरुष'
सरो-सामान पु० सरसामान
सरौता पु० सरोतो, सूडी
सर्कस पु० [इ] सरकस खेल
सर्का पु० [अ.] जुओ 'सरका'
सर्किट-हाउस पु०[इ] सरकारी उतारो
सर्किल पु०[इ] गामोनु मडळ, 'सर्कल'
सर्क्यूलर पु० [इ] परिपत्र
सर्ग पु० [स] अध्याय; प्रकरण (२) सर्जन; सृष्टि (३) त्याग (४) (प.) स्वर्ग
सर्गुन वि० (प) सगुण [शस्त्रवैद
सर्जन पु०[स] निर्माण, उत्पत्ति (२) [इ.]
सर्जन्ट, सर्जेन्ट पु०[इ] सारजट पोलीस
सर्जरी स्त्री० [इ] शस्त्रवैदु
सर्टिफिकेट पु० [इ] प्रमाणपत्र
सर्द वि०[फा] ठडु, शीतळ (२) ढीलु; मद (३) नामरद; निर्वीर्य
सर्द-मिज़ाज वि० ठडु; उत्साह वगरनु (२) शुष्क; सहानुभूति वगरनु
सर्दी स्त्री०[फा.] 'सर्द' परथी नाम (२) शरदी; सळेखम (३) शियाळो

सरमाया पु०[फा]मूडी(२)सपत्ति. ०**दार** पु० मूडीवाळो. ०**दारी** स्त्री० मूडीवाद
सरल वि० [स] सरळ; सीधु; सहेलु
सरवत स्त्री० [अ] समृद्धि, वैभव
सरवर पु० सरदार [फा] (२) (प.) सरोवर (३) तुलना
सरवरि स्त्री० (प) तुलना
सरवरी स्त्री० [फा] सरदारी
सरवरे-कायनात पु० [फा] सृष्टिनो सरवर–नेता (२) महमद पेगवरनो एक इलकाव
सरवाक पु० कोडियु; शकोरु
सरवान पु० तवू
सरविस स्त्री० [इ] नोकरी (२) सेवा
सरवे पु० [इ] जमीननी मापणी
सरशार वि० [फा] नशाथी चकचूर (२) मदमत्त (नाम, –री)
सरस वि०[स] रसवाळु (२) भीनु (३) सारु; सुदर (४) रसिक; मजेदार
सरसई स्त्री० मरवा जेम वेसतु नानु फळ (२) (प.) सरसता; सौंदर्य (३) सरस्वती नदी
सरसठ वि० सडसठ, ६७
सरसना अ०क्रि० लीलु थवु; फूटवु
सरसब्ज वि०[फा] हरियाळु; भर्युंभादर्यु
सरसर पु० सरसर गतिनो ध्वनि (जेम के हवा, साप इ० नो)
सरसराना अ०क्रि० सरसर जवु के वहेवु. –**हट** स्त्री० तेनी क्रिया
सरसरी अ० सरसर; झटझट
सरसाई स्त्री० सरसता; सुदरता (२) सरसाई; चडियातापणु
सरसाम पु० [फा] सन्निपात; मूझारो
सरसार वि० मग्न (२) चकचूर
सरसिज,–रुह पु० [स] कमळ
सरसी स्त्री० [स] तळावडी
सरसेटना स०क्रि० वढवु; झाटकवु
सरसों स्त्री० सरसव
सरस्वती स्त्री०[स]विद्यादेवी(२)वाणी
सरह पु० तीड (२) पतगियु
सरहग पु० सैनिक (२) सेनापति (३) कोटवाळ (४) वि० उद्दड
सरहज स्त्री० साळावेली
सरहटी स्त्री० एक छोड
सरहद स्त्री० [फा+अ] सरहद, सीमा. –**दी** वि० सरहदनु के ते सबधी
सरहरी स्त्री० एक छोड [चिता
सरा स्त्री० 'सराय', धर्मशाळा (२) (प.)
सराई स्त्री० शकोरु
सराध पु० श्राद्ध
सराप पु० शाप. ०**ना** स०क्रि० शाप देवो
सरापा अ० [फा] जुओ 'सर-ता-पा'
सराफ पु०[अ सर्राफ]शराफ, नाणावटी (२) सोना चादीनो वेपारी. ०**खाना** पु० वॅन्क [(३) वॅन्क
सराफा पु० सराफी (२) सराफ-बजार
सराफी स्त्री० सराफनो धधो, व्याजवट
सराब पु० [अ] मृगजळ
सराबोर वि० तरबोळ; साव पलळेलु
सराय स्त्री० [फा] सराई, धर्मशाळा. –**ए-फानी** स्त्री० फानी दुनिया. –**का कुत्ता**=मतलवी,स्वार्थी. –**की भठियारी** =झघडाळु–वेशरम स्त्री
सरायत स्त्री० घूसवु ते; प्रवेश (२) असर; प्रभाव
सराव पु० शकोरु
सरावग(–गी) पु० श्रावक; जैन
सरासर अ०[फा.]सरार; सराधरा, हरार

सलीम वि० [अ] ठीक; सारु (२) तदुरस्त (३) साफ दिलनु (४) शात; धीर
सलीम-उत्तबा वि०[अ] कोमळ दिलनु (२) धीर; गभीर (३) बुद्धिमान
सलीस वि० [अ.] सुगम; सरळ
सलूक पु०[अ] वर्तन; रीतभात (२) मेळ (३) भलाई; नेकी
सलोतर पु० सालोत्रीनी विद्या, ढोर-वैदु
सलोतरी पु० सालोत्री [सुदर
सलोना वि० लूण–मीठावाळु(२) सलूणु;
सलोनो पु० बळेव; रक्षाबधननो तहेवार
सल्ख स्त्री० [अ] सुद बीज
सल्तनत स्त्री० जुओ 'सलतनत'
सल्ब वि० [अ] जुओ 'सलब'
सल्लम पु० जाडु कपडु–गजियु
सवत(–ति) स्त्री० 'सौत'; शोक, सपत्नी
सवन पु० [स] प्रसव [उमरनु
सवयस,–स्क वि०[स] समवयस्क, सरखी
सवया स्त्री० [स] सखी; साहेली
सवर्ण वि०[स] सरखा वर्ण के जातिनु
सवा वि० एक उपर पा
सवाई वि० सवायु (२) स्त्री० सवाया व्याजनो दर
सवाद पु० (प) स्वाद
सवाब पु० [अ] पुण्य (२) भलाई
सवार पु०[फा] घोडेसवार (२) वि० आरूढ; उपर चडेलु
सवारी स्त्री०[फा] सवार थवु ते के तेनु वाहन (२) वरघोडो (३) वाहनमा बेसनार व्यक्ति
सवाल पु० [अ] प्रश्न (२) मागणी. **–लात** पु० ब०व० [अ] सवालो
सवाली पु० [फा] मागणी करनार
सविकल्प वि०[स] सशय के दुविधावाळु
सविता पु० [स] सूर्य [कानूनभग
सविनय अवज्ञा स्त्री० [स] सविनय
सवेरा पु० सवार, प्रभात
सवैया पु० सवा शेरनु वजन(२) सवाना आक (३) सवैया छद
सव्य वि०[स] डाबु (२) जमणु (३) विरुद्ध
सशंक वि० [स] साशक
ससि,०धर पु० (प) शशी, चद्र
ससुर पु० ससरो
ससुराल स्त्री० सासरी
सस्ता वि० सस्तु **सस्ते छूटना**=थोडामां के थोडी महेनते पतवु [सस्तु करवु
सस्ताना अ०क्रि० सस्तु थवु(२) स०क्रि०
सस्ती स्त्री० सस्तापणु
सस्त्रीक वि० [स] साथे पत्नी के स्त्रीवाळु
सस्य पु० [स] धान्य, अन्न
सहँगा वि० (प) सोंघु; सस्तु
सह वि० [स] साथे, सहित
सहकार पु०[स] आबो (२) साथे मळी काम करवु ते, साथ (३) मददगार
सहकारी पु० [स] साथी, मददनीश **–रिता** स्त्री० साथ, मदद [थवु ते
सहगमन पु० [स] साथे जवु ते (२) सती
सहगामिनी स्त्री०[स] सती थनार स्त्री
सहगामी पु० [स] साथे जनार; अनुयायी
सहगौन पु० (प) सहगमन
सहचर पु०[स] साथी; मित्र (२) सेवक
सहचरी स्त्री०[स] सखी (२) पत्नी
सहज वि०[स] स्वाभाविक (२) सहेलु (३) पु० सगो भाई; सहोदर
सहत पु० 'शहद', मध
सहदानी स्त्री० (प) निशानी; चिह्न
सहधर्मिणी स्त्री० [स] पत्नी [आगणु
सहन पु०[स] सहेवु ते (२) [अ] चोक;

सर्प पु०[म] साप. ०**काल** पु० गरुड
सर्पिणी स्त्री०[स] सापण (२) एक वेल
सर्पि,०स् पु० [स] घी
सर्फ़ पु०[अ] व्यय; खरच (२) व्याकरण
सर्फा पु० [अ] खरच, वापर; व्यय
सर्फी वि० [अ.] वैयाकरणी
सर्बस वि० (प) सर्वस्व
सर्राफ पु० [अ] जुओ 'सराफ'
सर्राफा पु० जुओ 'सराफा'
सर्व वि० [स] बधु
सर्वकाम पु०[स] सौ कामनाओ पूरी करनार (२) शिव
सर्वग्रास पु० [स] खग्रास ग्रहण
सर्वजनीन वि० [स] सार्वजनिक
सर्वज्ञ वि० [स] बधु जाणनार (२) पु० प्रभु
सर्वतंत्र वि०[स] बधा शास्त्रोने मान्य
सर्वतः अ०[स] बधी तरफथी के रीते
सर्वतोभाव,–वेन अ०[स] 'भली भाँति'; सौ रीते, बरोबर
सर्वत्र अ० [स] बधे
सर्वथा अ० [स] बधी रीते
सर्वदा अ० [स] सदा
सर्वरी स्त्री० (प) शर्वरी; रात्रि
सर्वशः अ० [स] बधी – पूर्ण रीते
सर्वस्व पु०[स] बधु; कुल मालमत्ता
सर्षप पु० [स] सरसव
सर्सों पु० 'सरसो'; सरसव
सलई स्त्री० चीडनु झाड के तेनो गुदर
सलग(–ज)म पु० जुओ 'शलगम'
सलज्ज वि० [स] लज्जावाळु
सलतनत स्त्री०[अ] सल्तनत (२) प्रबंध; गोठवण (३) आराम, निरात
सलना अ०क्रि० साल पडवु; वींधावु
सलफ वि० [अ] गत; व्यतीत
सलब वि० [अ सल्व] बरबाद; नष्ट
सलमा पु० सोनाचादीनो तार
सलवात स्त्री० [अ] रहेम; शुभेच्छा (२) गाळ [पायजामो
सलवार स्त्री० [फा] एक जातनो
सलहज स्त्री० जुओ 'सरहज'
सला स्त्री० [अ] नोतरु; आमंत्रण
सलाई स्त्री० पातळो सळियो (२) दीवासळी
सलाख स्त्री० सळियो [एक भाजी
सलाद पु०[इ] कचुबर तरीके खवाती
सलाबत स्त्री० [अ] दृढता, मजबूती
सलाम पु०[अ] सलाम; वंदन **–देना**= सलाम करवी **–लेना**=सामे सलाम करवी, सलाम झीलवी [रक्षा
सलामत वि० [अ] सुरक्षित **–ती** स्त्री०
सलामत-रवी स्त्री० [अ+फा] मध्यम मार्ग (२) मापसर खरच
सलामी स्त्री० सलामनी रीत, सलाम करवी ते
सलार पु० एक पक्षी
सलाह स्त्री०[अ] भलाई; सदाचार (२) सलाह सूचना (३) इच्छा; विचार. ०**कार,–ही** पु० सलाह आपनार **–हि(-ही)यत** स्त्री० भलाई, योग्यता
सलिल पु० [स] पाणी
सलीका पु० [अ] ढग; रीत (२) कुशळता; होशियारी (३) सभ्यता (४) वर्तन; रीतभात ०**दार,** ०**मद** वि० 'सलीका'वाळु
सलीता पु० एक जातनु गजिया जेवु कपडु
सलीपर पु० स्लीपर जोडा
सलीब स्त्री०[अ.] शूळी (२) ख्रिस्ती क्रॉस

सह्य वि० [स] सही शकाय एवु
सह्वन् अ० [अ] भूलथी
साँई पु० स्वामी (२) प्रभु (३) फकीर
साँकड़ पु० साकळ (२) साकळु (३) वि० साकडु; तग
साँकड़ा पु० पगनु साकळु
साँकर,–ल स्त्री० साकळ
साग वि० [स] अग सहित
साँग स्त्री० बरछी जेवु एक शस्त्र
साँगी स्त्री० जुओ 'साँग' (२) गाडीना हाकनारने वेसवानी जगा के तेनी नीचे काई मूकवा रखाती झोळी
सागोपांग वि० [स] पूरेपूरु
साँच वि० साच, सत्य
साँचला वि० साचकलु; सत्यवादी
साँचा पु० साचो; बीवु, फरमो, **साँचेमें ढालना**=बहु सुदर बनाववु
साँची पु० पोथी आकारनी छपाई
साँझ स्त्री० (प) साज; सध्या
साँझला पु० एक हळे साज सुधीमा खेडी शकाय एटली जमीन
साँझी स्त्री० देवमदिरमा कराती फूलनी सजावट
साँट स्त्री० सोटी के कोयडो या तेनो सोळ
साँटा पु० सोटो (२) साठो (शेरडीनो)
साँटिया पु० ढोल पीटनार
साँटी स्त्री० सोटी (२) मेळ (३) बदलो
साँठ पु० साठो (२) पगनु साकळु
साँठ-गाँठ स्त्री० गाठ; मेळाप (२) अनुचित गुप्त सबध
साँड पु० साढ; गोधो
साँड़नी स्त्री० साढणी
साँड़ा पु० साढो [सवार
साँड़िया पु० वेगवाळु ऊट (२) साढणीनो
सांत्वन पु०, **–ना** स्त्री० [स.] दिलासो; सतोष; शाति [साधवु (३) साधवु
साँधना स०क्रि० (प) निशानी करवी (२)
साँप पु० साप (स्त्री० **साँपिन**) **–उतारना** =सापनु झेर उतारवु **कलेजे पर साँप लोटना**=भारे दुख थवु **–का पाँव देखना**=अशक्य माटे मथवु **–के मुँहमें** =जोखम के खतरामा **–सूँघ जाना**= मरी जवु (साप करडवाथी)
साप्रत अ० [स] अत्यारे, हमणा (२) वि० अर्वाचीन; अत्यारनु
साप्रदायिक वि०[स] सप्रदायनु के ते सबधी
साबरी स्त्री० जादूगरी
साँभर पु० साभर सरोवर के तेमाथी पकवातु मीठु (२) वटेसरी, भायु
साँमुहे अ० सामे
साँवत पु० (प) सामत; योद्धो
सांवत्सरी स्त्री० [स] सवत्सरी; वार्षिक मरणतिथि
साँवर वि० (प) शामळु
साँवला,–लिया वि० शामळु; काळाश पडतु (२) पु० श्रीकृष्ण
साँवाँ पु० सामो धान्य
साँस स्त्री० सास, श्वास (२) दमनो रोग. **–उखड़ना, –टूटना**=श्वास ऊपडवो के तूटवो (मरती वेळा) **–चढ़ना, –फूलना**=श्वास चडवो **–लेना**= सास खावो, विराम लेवो
साँसत स्त्री० श्वास लेवानी मुश्केली (२) सासता; सासा, मुश्केली
साँसत-घर पु० जेलनी काळी कोटडी; अधेरी [पीडवु
साँसना स०क्रि० (प) शासन करवु;

सहना स०क्रि० सहवु; वेठवु; भोगववु
सहनीय वि० [स] सह्य
सहपाठी पु० [स] सहाध्यायी
सहभोज,०न पु० सहभोजन
सहभोजी पु० सहभोजन करनार
सहम पु०[फा] भय; डर (२) सकोच. ०नाक वि० भयानक
सहमत वि०[स] समत; सरखा मतवाळु
सहमना अ०क्रि० डरवु (प्रेरक **सहमाना**)
सहयोग पु० [स] सहकार
सहर पु० [अ] सवार; प्रभात (२) [अ सिह्] जादु (३) अ० धीमे धीमे; मद गतिए
सहर-खेज वि०[अ+फा] चोर;उठावगीर
सहर-गही स्त्री० 'सहरी'; सरगी
सहरा पु० [अ] खाली मेदान (२) जगल (३) रण ०ई वि० जगली
सहरी स्त्री० शफरी माछली (२) सरगी; रोजामा करातो मळसकानो नास्तो
सहल वि० [अ] सहेलु
सहलाना स०क्रि० थाबडवु; धीरेथी पंपाळवु या घसवु के हाथ फेरववो (२) गलीपची करवी (३) अ०क्रि० गली थवी के वलूर आववी
सहवास पु०[स] साथे रहेवु ते (२) मैथुन
सहस,–स्र वि० [स] हजार
सहसा अ० [स] एकदम
सहस्र वि० [स] हजार
सहाइ(–ई,–उ) पु० सहाय; मददगार
सहाध्यायी पु० [स] साथे भणनार
सहानुभूति स्त्री०[स] हमदर्दी; सामाना दु खथी दु खी थवु ते
सहाब पु० [अ] वादळ
सहाबा पु० [अ] मित्र; दोस्त
सहाय पु० [स] मदद (२) सहायक
सहायक वि०[स] सहाय के मदद करनार
सहायता स्त्री० [स] मदद
सहायी वि० [स] सहायक
सहार पु० सहन (२) सहनशीलता
सहारना स०क्रि० सहवु; खमवु
सहारा पु० सहाय; मदद (२)आशरो, हूफ
सहालग पु० लगनगाळो
सहावल पु० 'साहुल'; ओळबो
सहिजन पु० [स शोभाजन] सरगवो
सहित अ० [स] साथे [निशानी
सहिदान,–नी स्त्री० (प) 'सहदानी';
सहिष्णु वि० [स] सहनशील, वेठी जाणे एवु [शुद्ध (२) स्त्री० सही, दस्कत
सही वि० [अ सहीह] साचु, प्रामाणिक;
सही भरना=मानी लेवु
सहीफा पु०[अ] पुस्तक (२) सामयिक
सही-सलामत वि०[अ] सारी हालत-वाळु; स्वस्थ; नीरोग [सलामत
सही-सालिम वि० बरोबर, पूरु(२) सही-
सहीह वि० [अ] स्वस्थ; दुरस्त
सहूलत [अ], **सहूलियत** स्त्री० सहेलाई (२) अदब, विनय; विवेक
सहृदय वि० [स] भली लागणीवाळु; दयाळु; हमदर्द
सहेजना स०क्रि० सभाळीने तपासवु के जोई लेवु (२) कही समजावीने सोपवु
सहेट,–त पु० प्रेमीओने मळवानु सकेत-स्थान
सहेतुक वि० [स] हेतुयुक्त
सहेली,–लरी स्त्री० (प) साहेली, सखी
सहैया वि० सहनार (२) पु०(प) सहायक
सहो पु० [अ. सह्व] भूल; चूक
सहोदर पु० [स] सगो भाई

साजिंदा पु०[फा] साजिंदो, 'सपरदाई'
साजिश स्त्री० [फा.] मेळ; सप (२) दावपेच, षड्यत्र
साझा पु० भाग, हिस्सो
साझी, साझेदार पु० भागियो; हिस्सेदार
साट पु० जुओ 'साँट'
साटन पु० साटीन कपडु
साटना स०क्रि० जुओ 'सटाना'
साटमार पु० हाथीनी साठमारी करावनार
साठ वि० ६० सख्या
साठा पु० साठो (२) वि० साठ उमरनु
साठी पु० एक धान
साड़ी स्त्री० साल्लो
साढ़े(–ढ़े)साती स्त्री० साडा सात वर्ष, मास के दिवसनी (अशुभ) दशा
साढ़ी स्त्री० अषाढनु वावेतर (२) दूधनी कावरी (३) साडी
साढ़ पु० साढु, साळीनो वर
साढ़े वि० साडा उदा० साढेचार
साढेसाती स्त्री० जुओ 'साढसाती'
सात वि० ७ **–परदेमें रखना**=खूब सभाळीने के सताडीने राखवु **–पाँच** =चालाकी; धूर्तता **–राजाओंकी साक्षी देना**=कोई वातनी सत्यता पर खूब जोर देवु **– समुद्र पार**=अति दूर **सातो भूल जाना**=होशकोश न रहेवा, बेभान थवु
सात-फेरी स्त्री० लग्नना सात फेरा
सातला पु० एक जातनो थुवेर
सात्त्विक वि० [स] सत्त्व गुण सबधी (२) सत्य (३) पवित्र
साथ पु० साथ; सघात (२) मेळ; सबध (३) अ० साथे **–ही**=एनी साथे; उपरात **–ही साथ**=साथे साथे

हिं–३४

साथरा पु० साथरो; सादडी
साथी पु० सोबती; मित्र (स्त्री० **–थिन**)
सादगी स्त्री०[फा] सादाई (२) सरळता, निष्कपटता
सादा वि० [फा] सादु (२) एकलु; निर्भेळ (३) सरळ सादीसीधी रचना के बनावटनु (४) निष्कपट (५) भोळु, मूर्ख
सादिक वि०[अ] साचु (२) सत्यनिष्ठ **–आना**=साबित थवु [नीकळनारु
सादिर वि०[अ] जारी, चालु होनारु (२)
सादृश्य पु० [स] समानता; बराबरी
साध पु० साधु (२) सज्जन (३) स्त्री० इच्छा
साधक पु०[स] साधना करनार, योगी, तपस्वी(२)मत्रतत्र करी जाणनार, भूवो
साधन पु०[स] ओजार, उपकरण (२) उपाय (३) साधवु ते
साधना स्त्री०[स] साधवु ते(२)आराधना (३) स०क्रि० साधवु [ओजार
साधनी स्त्री० सपाटी जोवानु 'लेवल'
साधारण वि० [स] सामान्य (२) सहेलु; मामूली
साधु वि०[स] सारु (२)पु० सत, सज्जन; भलो माणस (३) बावो; मुनि
साधुवाद पु० [स] 'साधु साधु' कही शाबाशी आपवी ते
साधू पु० जुओ 'साधु'
साध्य वि०[स] साधी शकाय के सधे एवु
साध्वी स्त्री० [स] साधु स्त्री
सानद वि० [स] आनदपूर्वक
सान पु० सल्ली, अस्त्रो घसवानी पथरी **–देना, धरना**=पथरी पर अस्त्रो चडाववो, धार काढवी ['सनना')
सानना स०क्रि० 'सनना'नु प्रेरक (जुओ

साँसा पु० सास; दम (२) प्राण; जिंदगी (३) सशय, सासो (४) डर; दहेशत **–चढ़ना**=फिकर थवी **–पड़ना**=शक जवो. **–रहना**=अदेशो होवो

सांसारिक वि०[स]ससार सबधी; ऐहिक

सांस्कारिक वि० [स] सस्कार सबधी

सांस्कृतिक वि०[स] सस्कृति के सुधारा सबधी

सा वि० पु० जेवु, समान उदा 'चाँदसा'

साअ(–इ)त स्त्री० [अ] एक कलाक (२) पळ (३) महुरत

साइक़ा स्त्री० [अ] वीजळी

साइकिल स्त्री० [इ] बाइसिकल

साइनबोर्ड पु० [इ] नामनु पाटियु

साइन्स स्त्री० [इ] विज्ञान, शास्त्र

साइयाँ पु० (प) साई, स्वामी, प्रभु

साइ(–य)र पु० [अ] जुओ 'सायर'

साइँ पु० जुओ 'साँई'

साई स्त्री० वानु, 'पेशगी'

साईस पु० [फा] सईस, रावत **–सी** स्त्री० तेनु काम के धधो

साक(–ग) पु० शाक [थड

साक स्त्री० [अ] पगनी पिंडी (२) झाडनु

साकचेरि स्त्री० मेंदी

साकट,–त पु० शाक्तपथी (२) छाटको के दुष्ट नगरो माणस [स्मारक

साका पु० शक, सवत (२) कीर्ति के तेनु

साकार वि० [स] मूर्त; स्थूल (२)रूपवान

साकिन वि० [अ] निवासी, रहेवासी (२) खोडो अक्षर, जेम के 'द्'

साक़ी पु० [अ] दारू पानार (२) प्रेमीनु सबोधन (स्त्री० साक़िन)

साकेत,०न पु० [स] अयोध्या

साक्षर वि० [स] भणेलु

साक्षात् अ० [स] प्रत्यक्ष

साक्षात्कार पु०[स] भेट; मुलाकात (२) प्रत्यक्ष ज्ञान [शाहेदी

साक्षी [स] शाहेद (२) प्रेक्षक (३) स्त्री०

साक्ष्य पु० [स] साक्षी; शाहेदी

साख पु० साक्षी, शाहेद (२)साख, आबरू

साखना स०क्रि० (प) साख पूरवी

साखा स्त्री० (प) शाखा (२) घटीनो खीलडो

साखी पु० साक्षी देनार (२) स्त्री० साक्षी (३) साखी काव्य **–पुकारना**=साक्षी आपवी

साखू पु० शाल वृक्ष [वात

साख़्त स्त्री० [फा] बनावट (२) कल्पित

साग पु० तैयार करेलु शाक (२) भाजीपालो

सागपात पु० लूखुसूकु भोजन

सागर पु० [स] दरियो

साग़र पु० [अ] प्यालो (शराबनो) **०कश** वि० दारू पीनार

सागवन पु० साग, 'सागौन'

सागू(–गो) पु० एक झाड जेमाथी सागुचोखा बनावाय छे

सागूदाना पु० सागुचोखा, साबुदाणा

सागो पु० जुओ 'सागू'

सागौन पु० साग; 'सागवन'

साज पु० [फा] साज; सजावटनी सामग्री **०गार** वि० ठीक, अनुकूळ **०सामान** पु० जुओ 'साज-व-सामान'

साजन पु० स्वामी (२) ईश्वर (३) सज्जन

साजना स०क्रि० (प) सजावु [सबध

साज-बाज पु० तैयारी (२) मेळ, खूब

साज-व-सामान पु०[फा.] साजसरजाम; सामग्री (२) ठाठमाठ

सायुज्य पु० [स] एक–विलीन थई जवु ते, तेवु जोडाण

सारग पु०[स] मृग (२) एक राग (३) एक धनुष्य (४) कमळ (५) वि० (प) सरस; सुदर

सारंगिया पु० सारगीवाळो

सारंगी स्त्री० एक ततुवाद्य

सार पु०[स] निचोड; सत्त्व (२) वि० सारवाळु, मुख्य [जमादार

सारजं(–जें)ट पु०[इ] (गोरो) पोलीस

सारटिफिकट पु० [इ] प्रमाणपत्र

सारथि पु० [स] रथनो हाकेडु

सारना स०क्रि० (प) सारवु, साधवु; पूरु करवु (२) शोभाववु; सजवु

सारबान पु० [फा] ऊट पर बेसनार

सारभाटा पु० ओट (समुद्रना पाणीनी)

सारमेय पु० [स] कूतरो

सारल्य पु० [स] सरळता

सारस पु०[स] एक पक्षी (२) कमळ **–सी** स्त्री० सारसनी मादा

सारस्वत वि० [स] सरस्वती सबधी

साराश पु० [स] सार; निचोड

सारा वि० सारु, बधु; पूरु (स्त्री० **–री**)

सारिका स्त्री० [स.] मेना पक्षी

सारूप्य पु० [स.] एकरूपता

सार्जन्ट पु० [इ] जुओ 'सारजट'

सार्टिफिकेट पु० [इ] सर्टिफिकेट

सार्थ वि०[स] अर्थवाळु [गुणकारी

सार्थक वि०[स] सार्थ (२) सफळ (३)

सार्द्र वि० [स] आर्द्र; भीनु

सार्वजनिक वि०[स] सौ कोईनु; जाहेर

सार्वत्रिक वि० [स] सर्वत्र होय एवु

सार्वभौम पु०[स] चक्रवर्ती राजा (२) वि० बधी भूमिने लगतु

सार्वराष्ट्रीय वि० [स] अनेक राष्ट्रो साथे सबधवाळु; आतरराष्ट्रीय

साल स्त्री० वींधवु ते (२) साल, छेद (३) सालवु ते, पीडा (४) पु० [फा] साल, वर्ष

सालक वि० साले एवु, पीडक

सालखुर्दा वि०[फा] पुराणु, जूनु(२)घरडु

साल-गिरह स्त्री० [फा] सालगरेह, वर्षगाठ [स्त्री० वार्षिक हेवाल

साल-तमाम पु०[फा] वर्षनो अत **–मी**

सालन पु० मसालेदार शाक (मासवाळु)

सालना अ०क्रि० सालवु (२) स०क्रि० साले तेम करवु (३) सालववु

साल-नामा पु०[फा] पत्रनो वार्षिक अक

साल-ब-साल अ० [फा] हर साल

सालरस पु० [स] राळ

सालस पु० [अ] 'सालिस'; पच (२) वि० [स] आळसु

सालसी स्त्री० लवादी, पचायत

सालहा-साल अ० [फा] वर्षो सुधी, घणा वखत सुधी [स्त्री० शाळा

साला पु० साळो (२) सालो (गाळ) (३)

साला(–लिया)ना वि० [फा.] वार्षिक

सालार पु०[फा]नेता **०जंग** पु० सेनापति

सालिक पु० [अ] यात्राळु (२) धर्मिष्ठ माणस

सालिम वि० [अ] सपूर्ण; पूरु(२) तदुरस्त

सालियाना वि० जुओ 'सालाना'

सालिस वि०[अ] त्रीजु (२) पु० पच; मध्यस्थ, 'सालस'

साली स्त्री० साळी(२)दर साल गणोतथी अपाती जमीन (३) दर साल अपातो अमुक लागो [वपरातु)

सालू पु० एक लाल वस्त्र (मगळ कार्यमा

सानिअ पु०[अ] रचनार (२) कारीगर
सानिहा पु०[अ] दुर्घटना; माठो बनाव
सानी स्त्री० पाणीमा पलाळी पशुने अपातु खाण(२)वि०[अ] बीजु, 'दूसरा' (३) जोडियु, समान; साथी
सानु पु०[स] शिखर, टोच (२) अत
सान्निध्य पु० [स] पासे होवु ते; निकटता
साप पु० (प) शाप [निर्दोष
साफ़ वि० [अ] चोख्खु (२) स्पष्ट (३)
साफल्य पु० [स] सफळता; कृतार्थता
साफा पु० [अ] साफो, फेटो (२) पाघडी (३) पहेरवाना कपडा धोवा ते **-देना**=भूख्यु राखवु (कोई हेतुने लईने पशुने)
साफी स्त्री० [अ] हाथरूमाल (२) साफी; चलम पीवानो कपडानो ककडो (३) भाग गाळवानो रूमाल
साबका पु० जुओ 'साबिका'
साबत वि० साबूत
साबिक़ वि० [अ] पूर्वनु, पुराणु
साबिक-दस्तूर अ० पूर्ववत्; यथापूर्वम्
साबिक़ा पु०[अ] पिछान (२) लेवादेवा; सबध (३) वि० जुओ 'साबिक' **-पड़ना**=सबधमा आववु
साबित वि० [अ] साबूत; आखु पूरु (२) ठीक; बरोबर (३) [फा] साबित
साबिर वि०[अ] सबूर करनार, खामोश
साबु(-बू)न पु० [अ] साबु
साबूत वि० [फा] अखंड; पूरेपूरु (२) स्थिर, कायम
साबूदाना पु० साबुचोखा
साबून पु० जुओ 'साबुन' **०साजी** स्त्री० साबुकाम–तेनो धधो [मेळ
सामंजस्य पु०[सं] योग्यता; औचित्य(२)
सामंत पु०[स] सरदार, माडळिक (२) योद्धो [मननो एक–समजावट
साम पु० [स] सामवेद (२) चार उपाय-
सामग्री स्त्री० [स] सरसामान (२)साधन
सामना पु० सन्मुख थवु के आववु ते(२) सामनो, सामे थवु ते (३) सामेनो भाग
सामने अ० सामे, सन्मुख
सामयिक वि० [स] समयसरनु (२) समय सबधी के अमुक समयनु
सामर्थ्य पु०[स] समर्थता, शक्ति, ताकत
सामा पु० [अ] श्रोता
सामाजिक वि० [स] समाज विषेनु
सामान पु०[फा] सामान, साधनसामग्री **-करना**=तैयारी करवी **-बनना**= तैयारी थवी [पु० समानता
सामान्य वि०[स] साधारण, मामूली(२)
सामिष वि०[स] आमिष–मास साथेनु
सामीप्य पु० [स] समीपता; निकटता
सामुदायिक वि०[स] समुदाय–समूहने के तेने लगतु
सामुहाँ,-हें अ० (प) सामे; सन्मुख
सामूहिक वि० [स] समूहने लगतु
साम्य पु० [स] समता, सरखापणु
साम्राज्य पु०[स] शहेनशाही; सल्तनत
सायंकाल पु० [स] साज, सध्या
सायक पु० [स] बाण (२) तलवार
सायत पु० जुओ 'साअत' [वाछटियु
सायदान पु० [फा साय'बान] सायबान,
सायर वि० [अ साइर] बधु; कुल (२) अवशिष्ट; बाकी (३) पु० जकात
सायल पु०[अ] प्रश्नकर्ता (२) मागण
साया पु०[फा] छाया; छायडो (२) भूत-प्रेत (३) असर; छाया (४) [इ. शेमीझ] स्त्रीओनु घाघरा जेवु एक वस्त्र

सिंघाड़ा पु० [स शृंगाटक] शिंगोडु. **–ड़ी** स्त्री० शिंगोडीनु तळाव
सिंचन पु०[स] पाणी छाटवु के पावु ते
सिंचाई स्त्री० खेतरने पाणी पावु ते
सिंचाना स०क्रि० खेतर पवडाववु
सिंजाफ़ पु० [फा. सजाफ] सजाप, कपडानो गोट, ओटेली किनार
सिंदूर पु०[स] कंकु जेवो लाल भूको **०दान** पु० लग्नविधिनी एक रीत **–रिया,–री** वि० सिंदूरना रंगनु
सिंदो(–धो)रा पु० जुओ 'सिंधोरा'
सिंधी स्त्री० सिंधनी भाषा (२) वि० सिंधनु (३) पु० सिंधनो वतनी
सिंधु पु० [स] दरियो
सिंधुर पु० [स.] हाथी
सिंधूरा पु० सिंधुडो राग
सिंधोरा पु० (सिंदूर राखवानी) कंकावटी
सिंबी स्त्री० [स] 'छीमीं', फळी
सिंह पु०[स] केसरी (२) एक राशि **०द्वार** पु० मुख्य दरवाजो **०नी, –ही** स्त्री० सिंहण
सिंहल पु० [स] लंका **–ली** स्त्री० लंकानी भाषा (२) वि० लंका विषेनु
सिंहावलोकन पु० [स] साराशनी समालोचना [आसन
सिंहासन पु०[स] तख्त; देव के राजानु
सिंही स्त्री० [स] सिंहण
सिअरा वि० (प) शीतळ (२) पु० छायो (३) शियाळ ['सिलाना'
सिआ(–या)ना स०क्रि०(प)सिवडाववु,
सिआ(–या)र पु० शियाळ (स्त्री० **–री**)
सिकंजबीन स्त्री० [फा] लीबु के सरकानु एक शरबत
सिकंदरा पु० रेलवेनो हाथ; सिग्नल
सिकड़ी स्त्री० बारणानी साकळ (२) गळानी साकळी – एक घरेणु
सिकता स्त्री०[स] रेती के रेताळ जमीन
सिकत्तर पु० सेक्रेटरी, मंत्री
सिकली स्त्री० [अ सैकल] सराणियानु काम **०गर** पु० सराणियो
सिकहर पु० [स शिक्य+घर] शीकु
सिकुड़न स्त्री० सकडावु ते; सकोच (२) गडी, 'शिकन'
सिकुड़(–र)ना अ०क्रि०सकडावु; सकोचावु (२) गडी पडवी [सकडाववु
सिकोड़ना स०क्रि० तग के भेगु करवु,
सिकोरा पु० 'सकोरा'; शकोरु
सिकोली स्त्री० टोपली
सिकोही वि० पराक्रमी; वीर
सिक्का पु० [अ] सिक्को **०जन** पु० सिक्का पाडनार कारीगर **–जमना या बैठना**=अधिकार स्थापित थवो (२) रोफ पडवो
सिक्ख, सिख स्त्री० शीख; 'सीख' (२) पु० शिष्य (३) शीख, नानकपंथी
सिक्त वि० [स] भीनु, भीजायेलु
सिख पु० (२) स्त्री० जुओ 'सिक्ख'
सिखरन स्त्री० 'शिखरन', दही खाडनी एक मीठी प्रवाही वानी
सिखलाना, सिखाना स०क्रि० शिखवाडवु
सिखावन पु० शिखामण, शीख
सिखी पु० (प) 'शिखी', मोर
सिगड़ी स्त्री० सगडी (२) चूलो
सिगनल पु० [इ] 'सिग्नल'; हाथ
सिगरा(–रो) वि० (प.) सघळु; वधु (स्त्री० **–री**)
सिगरेट पु० [इ] विलायती बीडी
सिगरो वि० (प.) सघळु

सालेह वि० [अ सालिह] नेक, भलु (२) सदाचारी (३) नसीबदार (स्त्री० **–हा**)
सालोक्य पु० [स] एक लोकमा साथे रहेवु तेवी एक प्रकारनी मुक्ति
सावंत पु० सामत
साव पु० जुओ 'साहु'
सावकाश वि० [स] अवकाश सहित (२) पु० अवकाश; फुरसद (३) अवसर
सावचेत वि० सावध, खबरदार **–ती** स्त्री० सावधानी
सावधान वि० [स] सावचेत, होशियार; [खबरदार
सावन पु० श्रावण (वि० **–नी**)
साष्टाग वि० [स] आठे अग सहित
सास स्त्री० सासु
सासनलेट पु० एक जातनु कपड्
सासा स्त्री० (प) सशय (२) श्वास
सासु स्त्री० (प) जुओ 'सास'
सासुर पु० ससरो (२) सासरी
साह पु० शाह; शेठ (२) 'साहु'
साहचर्य पु० [स] साथ, सोबत
साह(–हि)नी स्त्री० (प) सेना (२) साथी
साह(–हि)ब पु० मित्र (स्त्री० **साहिबा**) (२) मालिक (३) ईश्वर (४) साहेब, गोरो (५) सन्माननु सबोधन
साहब-सलामत स्त्री० [स] सामसामे जय जय – प्रणाम
साहबी वि० साहेबनु (२) स्त्री० साहेबी
साहस पु० [स] हिंमत (२) उतावळ करीने कूदी पडवु ते, 'जल्दबाजी' (३) व्यभिचार, लूट जेवु कुकर्म **–सिक, –सी** वि० साहस करे एवु
साहा पु० लग्नमुहूर्त के तेनी पत्रिका
साहाय्य पु० [स] सहाय; मदद
साहित्य पु० [स.] वाङ्मय (२) मिलन ०**कार** पु० साहित्य रचनार **–त्यिक** वि० साहित्य सबधी
साहिनी स्त्री० जुओ 'साहनी'
साहिब पु० [अ] जुओ 'साहब'
साहिर पु० [अ] जादुगर
साहिल पु० [अ] किनारो; तट
साही स्त्री० साहुडी
साहु,–हू पु० साधुपुरुष (२) साहुकार
साहुल पु० ओळबो; 'सहावल'
साहू पु० जुओ 'साहु'
साहूकार पु० साहुकार; मोटो वेपारी
साहूकारा पु० साहुकारी, शराफी (२) साहुकारोनु बजार
साहेब पु० जुओ 'साहब'
सिंकना अ०क्रि० सेकावु
सिंकोना पु० [इ] एक वृक्ष (जेमाथी क्विनाईन बने छे)
सिंगड़ा पु० फोडवानो दारू राखवानु [सिंगडानु पात्र
सिंगरफ पु० हिंगळोक **–फी** वि० तेना रगनु
सिंगल पु० रेलवेनो हाथ, 'सिगनल'
सिंगा पु० रणशिंगु
सिंगार पु० शृगार (२) शणगार (३) शोभा
सिंगारना स०क्रि० (प) शणगारवु
सिंगारदान पु० शणगार सजवानी वस्तुओनी पेटी
सिंगार-हाट पु० वेश्यावाडो
सिंगारिया, सिंगारी पु० देवना शणगार सजनार; पूजारी
सिंगिया पु० एक झेरी मूळियु
सिंगी पु० जुओ 'सिंगा' (२) स्त्री० खराब लोही चूसीने खेचवानी नळी
सिंगोटी स्त्री० जुओ 'सिंगारदान'
सिंघ पु० (प) सिंह

सिन-रसीदा वि० [फा] वृद्ध, घरडु
सिनान पु० [फा] भालो, तीर इ० नी अणी [मडळ
सिनेट स्त्री०[इ] युनिवर्सिटीनु नियामक
सिनेमा पु० [इ] चलचित्र
सिन्नी स्त्री० मीठाई (प्राय: खुशीमा के देवना प्रसाद तरीके वहेचाय ते)
सिपर स्त्री० [फा] आड; ओथ (२) ढाल ०**दारी** स्त्री० रक्षण
सिप(-पा)ह स्त्री० [फा.] सेना
सिप(-पा)हगरी स्त्री०[फा] सिपाईगीरी
सिपह-सालार पु० [फा] सेनापति
सिपाई,-ही पु० [फा] सैनिक (२) चपरासी (३) पोलीस
सिपारस स्त्री०, **-सी** वि० जुओ अनुक्रमे 'सिफारश,-शी' [अध्याय के खड
सिपारा पु० [फा सीपार] कुराननो
सिपा(-फ़ा)रिश स्त्री० सिफारस
सिपास स्त्री०[फा] धन्यवाद; आभार
सिपाह,०गरी स्त्री०[फा] जुओ अनुक्रमे 'सिपह,०गरी'
सिपाहियाना वि० [फा] सिपाही जेवु
सिपाही पु० [फा] जुओ 'सिपाई'
सिपुर्द वि० [फा] सोपेलु ०**गी** स्त्री० सुपरत, हवालो ०**नामा** पु० तेनु खत
सिप्पा पु० युक्ति; उपाय (२) प्रभाव. **-भिड़ाना, लड़ाना**=युक्ति लगाववी
सिप्रा स्त्री० [स] भेस (२) एक नदी
सिफत स्त्री०[अ] विशेषता (२) लक्षण, गुण, स्वभाव (३) (व्या०मा) विशेषण
सिफर पु० [इ साइफर] शून्य, मींडु
सिफलगी स्त्री०[फा] 'सिफला' मा जुओ
सिफला,-ली वि०[अ] सिफलु; हलकु; क्षुद्र (२) छीछरु (नाम, **-लगी**)
सिफा स्त्री० 'शिफा', आरोग्य
सिफारत स्त्री०[फा] 'सफीर'-राजदूतनु काम
सिफ़ारिश स्त्री० [फा] सिफारस
सिफारिशी वि० सिफारसवाळु (२) जेनी सिफारस करी होय तेने लगतु ०**टट्टू** पु० सिफारसथी ज पद पर पहोचेल माणस
सिम(-मि)टना अ० क्रि० समेटावु; निपटावु (२) सकडावु, सकोचावु (३) गडी के करचोली पडवी
सिमरन पु० (प) स्मरण
सिमरना स०क्रि०(प)समरवु, 'सुमिरना'
सिमिटना अ०क्रि० जुओ 'सिमटना'
सिमेन्ट पु० [इ] (चणवानो) सिमेंट
सिम्त स्त्री० [अ] दिशा; बाजू
सिय,-या स्त्री० (प) सीता
सियरा वि० (प) शीतळ (वि० स्त्री०, **-री** नाम, **-राई** स्त्री०)
सिया स्त्री० (प) सीता
सियादत स्त्री०[अ] सरदारी, आगेवानी (२) हकूमत
सियाना वि० शाणु; समजणु (२) स०क्रि० जुओ 'सिआना'
सियापा पु० स्त्रीओनु रोवु कूटवु ते
सियार(-ल) पु० शियाळ (स्त्री० **-रिन,-री**)
सियाला पु० शियाळो
सियासत स्त्री० [अ] राजव्यवस्था
सियासी वि० राजद्वारी; राजकीय
सियाह वि० [फा] काळु (२) अशुभ. ०**कार** वि० बदकार, खराब, दुराचारी. ०**कारी** स्त्री० दुराचार; पाप
सियाहत स्त्री० [अ] सफर; मुसाफरी

सिगार पु०[इ] विलायती मोटी बीडी; 'चिरूट'
सिचान पु० (प) शकरोबाज
सिजदा पु०[अ] सिजदो; प्रणाम; वदन
सिजल वि० सुदर, देखावडु
सिझना अ०क्रि० सीझवु; चडवु; पाकवु
सिझाना स०क्रि० सीझववु; चडववु, राधवु [इस्टापडी
सिटकिनी स्त्री० कमाड बारीनी
सिटपिटाना अ०क्रि० सपटावु; दबावु (२) घीमु पडवु (३) मूझावु; सपटावु
सिट्टा पु० जुवारनु डूडु
सिट्टी स्त्री० वाचाळपणु **–भूलना**= सपटावु; गभरावु
सिठनी स्त्री० लग्ननु फटाणु
सिठाई स्त्री० फीकापणु, 'सीठापन'
सिड़ स्त्री०, **०पन(–ना)** पु० गाडपण; उन्माद(२)धून **०बिल्ला** वि० गाडु(२) मूर्ख **सिड़ सवार होना**=गाडपण थावु
सिड़ी वि०पागल(२)धूनी(स्त्री० **–ड़िन**)
सितंबर पु० सप्टेम्बर मास
सित वि०[स] श्वेत, धोळु (२)पु० शुक्ल पक्ष (३) चादी (४) खाड
सितम पु० [फा] जुलम, अत्याचार. **०गर** पु० जुलमी; सितम गुजारनार. **०कश, ०जदा, ०रसीदा** वि० [फा] सितमनु भोग बनेलु **सितम ढाना, तोड़ना**=जुलम करवो
सिताइश स्त्री०[फा] धन्यवाद, शाबाशी (२) आभार; 'शुक्रिया'
सिताब अ० [फा शिताब] जलदी; झट **–बी** स्त्री० शीघ्रता
सितार पु० सतार वाद्य **०बाज** पु० सितारियो **०बाजी** स्त्री० तेनी विद्या के कळा
सितारा पु०[फा] सितारो, तारो (२) सोनाचादीनी बिंदी-टीलडी(३)नसीब; भाग्य **–चमकना, –बुलंद होना**= नसीब ऊघडवु **–भारी होना**=दशा बेसवी
सितारा-दाँ पु० [फा] जोशी
सितारिया पु० सितारियो, सतार वगाडी जाणनार
सितुई,–ही स्त्री० छीप; सीप
सितून पु० [फा] स्तभ (२) मिनारो
सिदका पु० जुओ 'सदका'; खेरात
सिदरी स्त्री० त्रण दरवाजा के कमान-वाळो ओरडो के वरडो
सिदिक् वि० जुओ 'सिद्दीक'
सिद्क पु० [अ] सत्यता
सिद्दीक वि० [अ] सत्यनिष्ठ
सिद्ध वि० [स] सधायेलु, सफळ (२) पुरवार के साबित थयेलु; पाकु (३) साधनानु फळ पामेलु [एवु स्थान
सिद्ध-पीठ पु०[स] ज्या साधना झट फळे
सिद्धरस पु० [स] पारो
सिद्धांत पु०[स] सिद्ध – पाकी प्रमाणित वात, वस्तु के निर्णय
सिद्धाई स्त्री० सिद्ध होवु ते; सिद्ध दशा
सिद्धि स्त्री० [स] सिद्धता; साधना फळवी ते
सिधाई स्त्री० सीधापणु [मरवु
सिधारना अ०क्रि० सिधाववु; जवु (२)
सिन पु० [अ.] उमर; अवस्था (२) साल (३)[स] शरीर (४) पोशाक (५) वि० सफेद (६) काणु
सिनक स्त्री० लीट; नाकनो मेल
सिनकना अ०क्रि० नाक नसीकवु
सिन-बुलूगत पु० [अ] उमरे पहोचवु ते (२) युवानी

सिन-रसीदा वि० [फा.] वृद्ध, घरडु
सिनान पु० [फा] भालो, तीर इ० नी अणी [मडळ
सिनेट स्त्री०[इ] युनिवर्सिटीनु नियामक
सिनेमा पु० [इ] चलचित्र
सिन्नी स्त्री० मीठाई (प्राय खुशीमा के देवना प्रसाद तरीके वहेचाय ते)
सिपर स्त्री० [फा] आड, ओथ (२) ढाल ०**दारी** स्त्री० रक्षण
सिप(-पा)ह स्त्री० [फा] सेना
सिप(-पा)हगरी स्त्री०[फा] सिपाईगीरी
सिपह-सालार पु० [फा] सेनापति
सिपाई,-ही पु० [फा] सैनिक (२) चपरासी (३) पोलीस
सिपारस स्त्री०, **-सी** वि० जुओ अनुक्रमे 'सिफारश,-शी' [अध्याय के खड
सिपारा पु० [फा सीपार] कुराननो
सिपा(-फ़ा)रिश स्त्री० सिफारस
सिपास स्त्री०[फा] धन्यवाद, आभार
सिपाह,०**गरी** स्त्री०[फा] जुओ अनुक्रमे 'सिपह,०गरी'
सिपाहियाना वि० [फा] सिपाही जेवु
सिपाही पु० [फा] जुओ 'सिपाई'
सिपुर्द वि० [फा] सोपेलु ०**गी** स्त्री० सुपरत, हवालो ०**नामा** पु० तेनु खत
सिप्पा पु० युक्ति, उपाय (२) प्रभाव **-भिड़ाना, लड़ाना**=युक्ति लगाववी
सिप्रा स्त्री० [स] भेंस (२) एक नदी
सिफत स्त्री०[अ] विशेषता (२) लक्षण, गुण, स्वभाव (३) (व्या०मा) विशेषण
सिफ़र पु० [इ साइफर] शून्य, मींडु
सिफलगी स्त्री०[फा] 'सिफला' मा जुओ
सिफला,-ली वि०[अ] सिफलु, हलकु; क्षुद्र (२) छीछरु (नाम, **-लगी**)
सिफा स्त्री० 'शिफा'; आरोग्य
सिफारत स्त्री०[फा] 'सफीर'-राजदूतनु काम
सिफ़ारिश स्त्री० [फा] सिफारस
सिफ़ारिशी वि० सिफारसवाळु (२) जेनी सिफारस करी होय तेने लगतु. ०**टट्टू** पु० सिफारसथी ज पद पर पहोचेल माणस
सिम(-मि)टना अ० क्रि० समेटावु; निपटावु (२) सकडावु, सकोचावु (३) गडी के करचोली पडवी
सिमरन पु० (प) स्मरण
सिमरना स०क्रि०(प)समरवु; 'सुमिरना'
सिमिटना अ०क्रि० जुओ 'सिमटना'
सिमेन्ट पु० [इ] (चणवानो) सिमेंट
सिम्त स्त्री० [अ] दिशा; बाजू
सिय,-या स्त्री० (प) सीता
सियरा वि० (प) शीतळ (वि० स्त्री०, **-री** नाम, **-राई** स्त्री०)
सिया स्त्री० (प) सीता
सियादत स्त्री०[अ] सरदारी, आगेवानी (२) हकूमत
सियाना वि० शाणु, समजणु (२) स०क्रि० जुओ 'सिआना'
सियापा पु० स्त्रीओनु रोवु कूटवु ते
सियार(-ल) पु० शियाळ (स्त्री० **-रिन,-री**)
सियाला पु० शियाळो
सियासत स्त्री० [अ] राजव्यवस्था
सियासी वि० राजद्वारी; राजकीय
सियाह वि० [फा] काळु (२) अशुभ. ०**कार** वि० बदकार; खराब, दुराचारी. ०**कारी** स्त्री० दुराचार; पाप
सियाहत स्त्री० [अ] सफर; मुसाफरी

सियाहा पु० [फा] हिसाबनो चोपडो; रजिस्टर (गणोत इ० नु) **०नवीस** पु० ते लखनार के राखनार [काळापणु

सियाही स्त्री० शाही, रोशनाई (२)

सिर पु० शिर, माथु **–आँखो पर बैठाना** = आदर करवो **–आँखो पर होना** = माथे चडाववु, मानवु **–आना** = भूत आववु **–ओखलीमें देना** = मुश्केलीमा पडवु **–करना, बाँधना** = (स्त्रीन्) माथु ओळवु **–के बल जाना** = आदरथी कोई पासे जवु **–खपाना** = खूब महेनत – माथाझीक करवी **–खाना** = माथु खावु, खाली माथाकूट कराववी **–खाली करना** = खाली नकामी माथाकूट करवी **–जोड़ना** = एक बनवु, सप करवो **–थोपना** = माथे मारवु के ओढाडवु **–नंगा करना** = बेआबरू करवु **–पर छप्पर रखना** = माथे बाबरी वधारवी (२) माथे बोजो–जवाबदारी नाखवी **–पर पाँव रखकर भागना** = जीव लईने नासवु **–पर पाँव रखना** = उद्धत बनवु **–पर हाथ फेरना** = वश करवु. **–मुँड़ाते ही ओले पड़ना** = प्रारभमा ज विघ्न नडवु **–से कफन बाँधना** = जान हथेळीमा लेवो **–से खेलना** = जुओ 'सिर आना' **–से पानी गुजरना** = मुसीबतनी – सहवानी हद आववी **–होना** = पीछो पकडवो

सिरकटा वि० शिर कपायेलु के कापनारु

सिरका पु० [फा] सरको

सिरकी स्त्री० सरकटनी सोटी के तेनी बनेली सादडी के छाज

सिरजनहार पु० सर्जनहार, प्रभु

सिरजना स०क्रि० (प) सर्जवु; रचवु

सिरताज पु० मुगट (२) सरदार; शिरोमणि

सिरतान पु० जमीनदार

सिर-ता-पा अ० जुओ 'सर-ता-पा'

सिरदार पु०(प) सरदार **–री** स्त्री० सरदारी

सिरधरा(–रू) पु० आगेवान, नायक

सिरनामा पु० जुओ 'सरनामा'

सिरनेत पु० पाघडी (२) कलगी

सिरपाव पु० सरपाव; भेट अपातो पोशाक

सिरपें(–पे)च पु० पाघडी

सिरपोश पु० माथानु ढांकण–टोप इ०

सिरफूल पु० माथानु एक घरेणु

सिरबंद पु० साफो, फेटो

सिरबंदी स्त्री० माथानु एक घरेणु

सिरमौर पु० जुओ 'सिरताज'

सिरवा पु० खळामा वावलवा माटेनु वस्त्र **–मारना** = ते वडे वावलवु

सिरस पु० एक झाड

सिरहाना पु० पथारीनो माथानो भाग

सिरा पु० छेडो, अत (२) (शरूना के अतना) छेडानो भाग (३) अणी (४) शिरा, नाडी(५)पाणीनो ढाळियो **सिरेका** = अवल दरज्जानु

सिरा(०व)ना स०क्रि० ठडु करवु (२) व्यतीत करवु (३) अ०क्रि० ठडु के निरुत्साह थवु (४) वीतवु; पसार थवु

सिरावन पु० (खेडूतनो) समार

सिरावना स०क्रि० (२) अ०क्रि० (प) 'सिराना'

सिरिश्ता, सिरिश्तेदार जुओ 'सरिश्ता, सरिश्तेदार'

सिरोपाउ (प), **–व** पु० जुओ 'सिरपाव'

सिरोही पु० शिरोही प्रदेश (२) तलवार (३) स्त्री० एक पक्षी
सिर्का पु० जुओ 'सिरका' [एकलु
सिर्फ अ० [अ.] फक्त, केवळ (२) वि०
सिल स्त्री० शिला, पथ्थर (२) निशातरो (३) पु० शिलोछ, खेतरमा वेरायेला दाणा वीणी निर्वाह करवो ते (४) [अ] क्षयरोग
सिलगना अ०क्रि० सळगवु
सिलपट वि० बरोबर, सपाट (२) 'चौपट', सत्यानाश
सिलफ(-ब)ची स्त्री० हाथमो धोवानु वासण, 'चिलमची' [पथ्थर
सिलबट्टा पु० निशातरो ने वाटवानो
सिलवट स्त्री० गडी, 'सिकुडन'
सिलवाना स०क्रि०सिवडाववु,'सिलाना'
सिलसिला पु० [अ] सिलसिलो, क्रम, परपरा (२) साकळ (३) व्यवस्था (४) वशपरपरा (५) वि० भीनु (६) लपसणु
सिलसिलेवार वि० क्रमिक, क्रम प्रमाणे, सिलसिलाबध, व्यवस्थित
सिल(-ला)ह पु० [अ] हथियार. ०खाना पु० शिलेखानु, शस्त्रागार ०पोश, ०बद वि० शस्त्रसज्ज
सिलहार,-रा पु० शिलोछ वृत्तिवाळो
सिलहिला वि० 'सिलसिला', लपसणु; चीकणु कादववाळु [शिलोछ;
सिला स्त्री० शिला (२) पु० 'सिल',
सिला पु०[अ] बदलो; अवेज (२) इनाम
सिलाई स्त्री० सीवणकाम के तेनी ढब के मजूरी
सिलाना स०क्रि० जुओ 'सिलवाना'
सिलावट पु० सलाट [जुओ 'सिलह'
सिलाह,०खाना,०पोश,०बद पु० [अ]
सिलाहबाज पु०[फा]हथियार बनावनार
सिलाही पु० [अ] सैनिक; सिपाही
सिलि(-ली)पट पु० (रेलनो) सलेपाट
सिलिया स्त्री० एक जातनो इमारती पथ्थर
सिलेट स्त्री० स्लेट, पाटी
सिलौट(-टा) पु० 'सिल', निशातरो. **-टी** स्त्री० नानो निशातरो
सिल्ली स्त्री० सल्ली, अस्त्रानी पथरी
सिवई स्त्री० घउनी सेव, 'सिवैयाँ'
सिवा(०इ,०य) अ० [अ] सिवाय
सिवान पु० हद, सीमा (२) भागोळ
सिवार स्त्री० शेवाल, लील
सिवाल पु०, स्त्री० 'सिवार'; सेवाळ
सिवाला पु० शिवालय, महादेव
सिविल वि०[इ] मुलकी (२) नागरिक सबधी (३) सभ्य **-लियन** पु० मोटो मुल्की अमलदार, 'आइ सी एस'
सिसकना अ०क्रि० डूसका भरवा (२) छाती धडकवी, जीव गभरावो (३) कशा माटे तलसवु [सीत्कारवु
सिसकारना अ०क्रि० सिसकारो भरवो,
सिसकारी,सिसकी स्त्री० डूसकु (२) सिसकारो **-भरना, -लेना**=डूसकुं भरवु
सिहर(-रा)ना अ०क्रि० थथरवु (डर के ठडीथी) (२) रूवा खडा थवा
सिहरी स्त्री० ध्रुजारी, कप (२) रोमाच
सिहाना अ० क्रि० ईर्षा करवी (२) हरीफाई करवी (३) स० क्रि० आतुर भावे जोवु; लालच करवी
सींक स्त्री० ताड मुज वगेरेनु सकतु के पातळी डूख के सळेखडु (२) नाकनु एक घरेणु

सींका पु० पातळी सळी जेवी डूख

सींकिया वि० सळेखडा जेवु पातळु,सूकलु (२) पु० एक जातनु बारीक कपडु

सींग पु० शिंगडु **–कटाकर बछड़ोंमें मिलना**=मोटा छता बाळकोमा भळवु. **–समाना**=ठेकाणे पडवु

सींगरी स्त्री० (शाकनी) एक फळी

सींगी स्त्री० शिंगडु वाद्य (२) खराब लोही चूसवानी भूंगळी(३)एक माछली

सींच स्त्री० सींचवु ते

सींचना स०क्रि० पाणी पावु (२) सिंचवु

सींचाई स्त्री० (झाड इ० ने) पाणी पावु ते [=जोर बतावतु

सींवँ, सींव पु० (प) सीमा; हद **–चरना**

सी वि०स्त्री० 'सा' नु स्त्री०; जेवी

सीकर पु० [स] छांटो; फरफर

सीकल स्त्री० जुओ 'सैकल' (२) पु० आंबा पर पाकेली केरी, साख

सीकस पु० ऊषर; खारी जमीन

सीकाकाई स्त्री० शिकाकईनु झाड

सीकुर पु० घउ मकाई वगेरेना डूंडाने छेडे होय छे ते फूमताना रेषा

सीख स्त्री० शीख, सलाह; शिखामण **–लेना**=शीखवु [पातळो सळियो

सीख स्त्री० [फा] लोढानी शीख–

सीखचा पु० [फा] सळियो

सीखना स०क्रि० शीखवु [पुरुष

सीग़ा पु० [अ] भाग; खातु (२) (व्या)

सीज(–झ) स्त्री० सीझवु ते (जुओ 'सीजना') [(२) सधावु

सीज(–झ)ना अ०क्रि० सीझवु; चडवु

सीट स्त्री० गप्पु मारवु ते (२) [इ] बेठक

सीटना स०क्रि० गप्पु मारवु; ठोकवु

सीटपटांग स्त्री० गप; डिंग

सीटी स्त्री० सिसोटी. **–देना**=सीटी वगाडवी

सीठना पु०, **सीठनी** स्त्री० फटाणु

सीठा वि० फीकु, नीरस

सीठी स्त्री० कूचो, रस काढ्या पछीनो रहेतो डूचो, निःसत्त्व चीज

सीड़ स्त्री० भीनाश के भीनाशभूमि

सीढ़ी स्त्री० सीडी; निसरणी

सीतलपाटी स्त्री० एक उमदा जातनी सुवाळी चटाई (२) एक जातनु कपडु

सीतल बुकनी स्त्री० सत्तु (२) सतवाणी

सीताफल पु०[स] सीताफळ, 'शरीफा'

सीत्कार पु० [स] सिसकारो

सीथ पु० (प) भातनो दाणो

सीद पु०[स] व्याज खावु ते, व्याजवटु

सीदना अ०क्रि० दुःखी थवु

सीध स्त्री० सीधु होवु ते (२) निशानी

सीधा वि०(२)पु० सीधु. **सीधी उँगलियाँ घी नहीं निकलता**=ढीलाशथी काम नथी सरतु **सीधी सुनाना**=सीधेसीधु –रोकडु सभळाववु

सीधा-सादा वि० भोळु, सरळ

सीधे अ० सीधी रीते; सीधु

सीन पु०[इ]दृश्य ०**सीनरी** स्त्री० नाटकनी रंगभूमिनो शणगार, सजावट इ०

सीना स०क्रि० सीववु **–पिरोना**= सिलाई के भरतकाम वगेरे करवु

सीना पु० [फा] सीनो; छाती

सीना-ज़ोर वि० [फा] शिरजोर, जबरदस्त (नाम, –री)

सीना–बंद पु० [फा] स्त्रीनी चोळी

सीना–सिपर अ०[फा] सामी छातीए

सीनियर वि० [इ] मोटु; उपरनु (दरज्जा के वयमा)

सीनी स्त्री० [फा] थाळी; तासक
सीप पु० छीप के तेनी अदर रहेतो जतु
सीप-सुत, सीपिज पु० मोती
सीपी स्त्री० सीप; छीप
सीमंत पु०[स] स्त्रीनो सेथो, पाती (२) अघरणी (३) सीमानी लीटी (४) शरीरना हाडकानो साधो **–तिनी** स्त्री० स्त्री; नारी [धनदोलत
सीम स्त्री० [फा] रूपु, चादी (३)
सीम,–मा स्त्री० सीमा, हद **–काँड़ना, –चरना,–चाँपना** = पारकानी जमीननु दवाण करवु
सीमाब पु० [फा] पारो
सीमित वि० सीमावाळु, मर्यादित
सीमी वि० [फा.] 'सीम'–चादीनु
सीमोल्लघन पु० [स] सीमा के हद ओळगवी ते
सीय स्त्री० 'सिय', सीता
सीर स्त्री० सहियारी के जेमा जमीनदार पोते जाते खेती करतो होय एवी जमीन (२) रक्तशिरा (३) पु० [स] हळ **–में** = एकसाथे मळीने
सीरत स्त्री०[अ] प्रकृति, टेव (२) गुण; विशेषता ०न् अ० स्वभाव के गुणथी
सीरनी स्त्री० 'शीरीनी'; मीठाई
सीरा पु० [फा शीर] चासणी (२) शीरो
सील स्त्री० 'सीड'; जमीननी भीनाश (२) पु० [इ] सील; महोर
सीला पु० 'सिला', शिलोछ(२)वि० भीनु
सीवक पु० [स] सीवनार, सई
सीवन पु०,स्त्री०[स] सीववु ते, सिलाई
सीवनी स्त्री० [स] सोय
सीस पु० शीश, माथु (२) [स] सीसु
सीस(०क) [स], **सीसा** पु० सीसु वातु
सीसम पु० शीशम लाकडु
सीसमहल पु० जुओ 'शीशमहल'
सीसा पु० सीसु (२) (प) 'शीशा', काच
सीसी स्त्री० सीसको
सीसो पु० 'सीसम', शीशम
सीह पु० जुओ 'साही' [प्रत्यय
सुँ (प) 'सो', ३जी के ५मी विभक्तिनो
सुँघनी स्त्री० छीकणी [प्रेरक
सुँघाना स०क्रि० सूघाडवु; 'सूँघना'नु
सुंडभुसुंड पु० (प) हाथी
सुंडा स्त्री० सूढ ०ल पु० हाथी
सुंदर वि० [स] रूपाळु (२) सारु **–री** स्त्री० सुदर स्त्री
सुंधिया स्त्री० सूढियु जार
सुबा पु० वादळी (२) तोपनी नळी पर वीटाळातु कपडु (३) लोढामा काणु पाडवानु ओजार
सुअ(–व)न पु० (प) सुत; पुत्र
सुअर पु० 'सूअर'; सूवर, भूड
सुआ पु० 'सूआ', सूडो पोपट (२) सोयो, मोटी सोय
सुआमी पु० (प) स्वामी
सुआ(–वा)र पु० (प) रसोइयो
सुआसिन(–नी) स्त्री० (प) सुवासण
सुई स्त्री० 'सूई'; सोय
सुकड़ना अ०क्रि० जुओ 'सिकुडना'
सुकर वि० [स] सहेलु, सुसाध्य
सुकरात पु० सॉक्रेटीस
सुकूत पु० [अ] मौन, खामोशी(२)शाति
सुकून पु० [अ] स्थिरता(२)मननी शाति
सुकूनत स्त्री० [अ] जुओ 'सकूनत'
सुकृत,–त्य पु० **–ति** स्त्री० [स] पुण्य; शुभ कर्म
सुक्कान पु० [अ] सुकान, 'पतवार'

सुखंडी वि० सुकलकडी (२) पु० जेमा बाळक सुकाई जाय एवो एक बाळरोग
सुख पु० [स.] सुख, चेन, आराम. ०कर, ०द वि० सुख करे के आपे एवु
सुखदास पु० एक अनाज
सुख(-खु)न पु० जुओ 'सखुन'
सुखमन स्त्री० (प) सुषुम्णा नाडी
सुखलाना, सुखाना स०क्रि० सुकाववु
सुखारा,-री वि० (प) सुखी
सुखाला वि० (प) सुखदायी
सुखावह वि० [स] सुखद
सुखिआ, -या, सुखी वि० सुखियु
सुखुन पु० जुओ 'सखुन'
सुगंध पु० [स] सुवास, खुशबो
सुगंधि,-धी पु० [स] सुगध (२) वि० सुगधीदार
सुगंधित वि० [स] सुगधीदार
सुगंधी वि० (२) पु० जुओ 'सुगधि'
सुगत पु० [स] बुद्ध भगवान
सुगति स्त्री० [स] सारी शुभ गति
सुगना, सुग्गा पु० तोतो, पोपट
सुगम वि० [स] सहेलु, आसान
सुगुरा पु० सद्‌गुरु पासेथी मत्र पामेल
सुग्गा पु० पोपट, शुक [सुसाध्य
सुघट वि० [स] सुदर (२) सुकर,
सुघटित वि० [स] सुदर, सुघड
सुघड़(-र) वि० सुघड, सुदर (२) निपुण ०ता स्त्री०
सुघडा(-रा)ई, स्त्री० **सुघड़ापा** पु० सुघडता; सुदरता (२) निपुणता
सुचाना स०क्रि० ('सोचना' नु प्रेरक) विचारवा प्रेरवु (२) सूचववु
सुचाल स्त्री० सदाचार (वि०, -ली)
सुचित (प), **-त्त** [स] वि० निश्चित, शात (२) निरातवाळु (३) एकाग्र
सुचेत वि० सचेत, सावध
सुजन पु०[स] सज्जन (२) (प) स्वजन
सुजनी स्त्री० [फा सोज़नी] एक जातनु बिछानु
सुजातिया वि० (प) स्वजातिनु
सुजान वि० सुजाण, शाणु (२) पु० (प) प्रभु (२) पति के प्रेमी
सुज्ञ वि० [स] समजणु (२) विद्वान
सुझाना स०क्रि० सुझाडवु, बताववु
सुझाव पु० सुझाडवु ते; सूचना, सलाह
सुठ,-ठार,-ठि वि० (प) सुष्ठु; सुदर
सुडकना अ०क्रि० सड अवाजनी साथे खेंचवु, लेवु, पीवु वगेरे
सुड़सुड़ाना अ०क्रि० सड सड करवु (जेम के नाकनु के हूकानु)
सुडौल वि० सुदर, सुघटित
सुढंग पु० सारो ढग (२) वि० 'सुढग'-वाळु; ढगीलु
सुढर वि० (प) दयाळु (२) सुदर
सुढार,-रु वि० (प) सुदर, सुघड
सुत पु० [स] पुत्र
सुतरा अ० [स] तेथी (२) अति, खूब
सुतरी(-ली) स्त्री० सूतळी, दोरी
सुत(-तु)ही स्त्री० जुओ 'सुतुही'
सुता स्त्री० [स] पुत्री
सुतार पु० सुथार (२) सगवड (३) वि० अच्छु; उत्तम [सुतारकाम
सुतारी स्त्री० मोचीनो सोयो (२)
सुतुही स्त्री० सीप
सुतून पु० स्तभ, थाभलो
सुथना पु०, **सुथनी** स्त्री० जुओ 'सूथन'
सुथरा वि० सूथरु; स्वच्छ, साफ

सुदर्शन पु० [स] सुदर्शन चक्र (२) वि० सुदर
सुदि,-दी स्त्री० अजवाळियु
सुदूर वि० [स] घणु दूर
सुद्दा पु०, **सुद्दी** स्त्री० [अ सुद्द.] पेटनो जूनो सूको मळ
सुद्धा(-द्धा) अ० सुध्धा; समेत, साथे
सुध स्त्री० सूध. **सुधबुध**=सूधबूध, भान
सुधरना अ०क्रि० सुधरवु
सुधराई स्त्री० सुधरवु ते, सुधारो (२) सुधारवानी मजूरी [धार्मिक
सुधर्मा,-र्मी वि० [स] धर्मपरायण;
सुधवाना अ०क्रि० सुधरावबु
सुधा स्त्री०[स] अमृत (२) पाणी (३) पृथ्वी (४) दूध (५) पुत्री के पुत्रवधू (६) घर (७) मध (८) चूनो
सुधाई स्त्री० सीधापणु
सुधाकर पु० [स] चद्र [छोनार)
सुधाकार पु० [स] कडियो (चूनाथी
सुधार पु० सुधारो. ०**क** पु० सुधारो करनार [(प) सुधारनार
सुधारना स०क्रि० सुधारवु (२) वि०
सुधारा वि० (प) सीधु; निष्कपट
सुधी पु० [स] विद्वान; पडित
सुन वि० जुओ 'सुन्न' [मर्म; भेद
सुन-गुन स्त्री० ऊडती वात, अफवा (२)
सुनति स्त्री० (प.) सुन्नत
सुनना स०क्रि० सुणवु, साभळवु
सुनवहरी स्त्री० हाथीपगानो रोग
सुनवाई स्त्री० साभळवु ते (२) सुनावणी
सुन(-न्न)सान वि० सूमसाम, निर्जन के उज्जड (२) पु० 'सन्नाटा'; सूमसाम
सुनहरा(-री,-ला) वि० सोनेरी
सुनहा पु० (प.) श्वान; कूतरो
सुनाई स्त्री० जुओ 'सुनवाई'
सुनाना स०क्रि० सभळाववु
सुनार पु० सोनी (स्त्री० **-रिन,-री**)
सुनारी स्त्री० सोनारण (२) सोनीकाम (३) [स] सारी सुदर स्त्री
सुनावनी स्त्री० मृत्युनी खबर आववी ते के ते आव्ये करातु सनान
सुन्न पु० शून्य; मीडु (२) वि० निश्चेष्ट, अचेत [धर्मक्रिया
सुन्नत स्त्री० [अ.] एक मुसलमानी
सुन्नसान वि० जुओ 'सुनसान'
सुन्ना पु० शून्य, मीडु [सप्रदाय
सुन्नी पु० [अ] एक मुसलमान धर्म-
सुपक वि० (प) जुओ 'सुपक्व'
सुपक्व वि० [स] सारी रीते पक्व (२) पु० पाकी केरी
सुपच पु० (प) श्वपच, चाडाळ
सुपत वि०(प) सारी पतवाळु, प्रतिष्ठित
सुपथ पु० [स] सारो रस्तो, सदाचार
सुपन(-ना) पु०सपनु **-नाना** अ०क्रि० (प) स्वप्नु आववु
सुपरडंट, सुपरिंटेंडेंट [इ] पु० कचेरी के खातानो अध्यक्ष अमलदार
सुपात्र पु० [स] योग्य व्यक्ति
सुपारी स्त्री० सोपारी
सुपास पु० आराम, सुख, निरात
सुपुत्र पु० [स] (सारो) पुत्र, सपूत (२) वि० सुपुत्रवाळु
सुपुर्द, सुपुर्दगी जुओ 'सपुर्द, सपुर्दगी'
सुपूत पु० सपूत. **-ती** स्त्री० सपूत होवु ते (२) सपूतवाळी स्त्री
सुपेत,-द वि० सफेद **-ती,-दी** स्त्री० सफदी
सुपैदा पु० सफेदो

सुप्त वि० [स] सूतेलु, ऊंघेलु **–प्ति** स्त्री० ऊंघ, शयन
सुफरा पु० [अ.] दसतरखान (२) 'ट्रे'; मोटी परात ['सुपेद, –दी'
सुफेद वि०, **–दी** स्त्री० जुओ अनुक्रमे
सुफ़ूफ़ पु० [अ.] जुओ 'सफूफ', चूर्ण
सुबह स्त्री० [अ] सवार; प्रात काळ. ०दम, ०सवेरे, ०सुबह अ० वहेली सवारे
सुबहा स्त्री० जपमाळा
सुबहान वि० [अ] पवित्र. **–अल्ला, –तेरी कुदरत**=हर्ष के अचबो प्रगट करनारु सबोधन – वाह ! धन्य !
सुबास(०ना) स्त्री० सुवास, सुगध
सुबि(–वि)धा स्त्री० सगवड,अनुकूळता
सुबिस्ता, सुबीता पु० जुओ 'सुभीता'
सुबुक वि० [फा] हलकु, कम वजननु (२) सुन्दर, रूपाळु
सुबुक-दस्त वि० [फा] फूर्तिलु; चपळ
सुबुकी स्त्री० [फा] हलकापणु (२) अपमान, तुच्छकार [घडो (शरावनो)
सुबू स्त्री० जुओ 'सुबह' (२) पु०[फा]
सुबूत पु० जुओ 'सबूत'
सुबोध वि० [स] सुबुद्धिवाळु (२) समजवु सहेलु (३) पु० सारो बोध के समज
सुभग वि० [स] सुदर, मनोरम (२) भाग्यवान (३) सुखद
सुभट पु० [स] मोटो योद्धो
सुभाइ(-उ,-य,-व) पु० (प) स्वभाव
सुभाग,–गी,–ग्य [सं] सारा भाग्यवाळु; नसीबदार
सुभान, ०अल्ला जुओ 'सुबहान,०अल्ला'
सुभाय,–व पु० (प.) स्वभाव
सुभाष,–षी वि०[स] सारु मीठु बोलनार
सुभाषित पु०[स] सारो बोल के वचन
सुभिक्ष पु० [स] सुकाळ
सुभीता पु० सरळता, सहेलाई (२) सुयोग, सवड, अनुकूळता
सुम पु० [फा] पशुनी खरी, 'टाप'
सुमति स्त्री० [स] सारी बुद्धि
सुमन पु० [स] फूल
सुम(–मि)रन पु० (प) स्मरण
सुम(–मि)रना स०क्रि० (प.) स्मरवु
सुम(–मि)रनी स्त्री० नानी (२७ दाणानी) जपमाळा
सुयश पु० [स] सारी कीर्ति, नामना
सुयोग पु० [स] सारो मोको, लाग
सुरंग वि० [स] सुदर, सारा रगवाळु (२) पु० सारो रग (३) हिंगळोक (४) स्त्री० फूटती के फोडवानी सुरग (५) चोरनु खातर
सुर पु० [स] देव
सुर पु० सूर; अवाज **–में सुर मिलाना**= हाजी हा करवु, गायु गावु
सुरअत स्त्री०[अ] तेजी, स्फूर्ति, जल्दी
सुरकना स०क्रि० सीसका साथे खेचवु
सुरख,–खा वि० जुओ 'सुर्ख'
सुरख़ाब पु० [फा] 'चकवा', चातक. **–का पर लगना**=विशेषता होवी
सुरखी स्त्री० ईंटनो चूरो – झिकाळो (२) जुओ 'सुर्खी'
सुरज पु० (प) सूरज, सूर्य
सुरत पु० [स] रतिक्रीडा
सुरत(–ता) स्त्री० ध्यान, सरत
सुरती स्त्री० खावानो जरदो – तमाकु
सुरदार वि० सुरीलु; सुस्वर
सुरधुनी स्त्री० सुरनदी; गगा
सुरना पु०; स्त्री० [फा.] नफेरी

सुरपुर पु० [स] देवलोक, स्वर्ग
सुरबहार पु० एक ततुवाद्य
सुरभि पु० [स] वसत ऋतु (२) स्त्री० गाय (३) सुगध (४) वि० सुवासित (५) सुदर ०त वि० सुगधीदार
सुरभी स्त्री० [स] सुगध (२) गाय
सुरमई वि० [फा] सुरमाना रगनु, भूखरु, नील (२) स्त्री० एक पक्षी (३) पु० 'सुरमई' रग
सुरमचू पु० सुरमो आजवानी सळी
सुरमा पु० [फा] आखनो सुरमो. **–देना,–लगाना**=सुरमो आजवो
सुरमादानी स्त्री० सुरमो राखवानी शीशी के तेनु पात्र
सुर(०व)स पु० ताणो करवानी पातळी लाकडी (जेनार्थी जोग नखाय छे)
सुरसती स्त्री० (प) सरस्वती
सुरसरि, ०त, ०ता, **–री** स्त्री० गगानदी
सुरसुराना अ०क्रि० सरसर (इयळ इ० पेठे) चालवु (२) खजवाळ आववी. (नाम, **–हट** स्त्री०)
सुरा स्त्री० [स] मद्य, दारू **०कर** पु० दारूनी भठ्ठी. **०कार** पु० दारू गाळनार; कलाल
सुराख पु० छेद, काणु
सुराग पु० [तु] भाळ; पत्तो
सुराग-रसाँ वि० भाळ काढनार
सुराज,–ज्य पु० [स] सारु राज्य (२) स्वराज्य
सुराप,–पी वि० दारू पीनार
सुराही स्त्री० [अ.] भोटवो, सुराई. **०दार** वि० सुराईना घाटनु
सुरीला वि० सुरीलु; मधुर
सुरुख वि० प्रसन्न; राजी (२) 'सुर्ख़'
सुरुखरू वि० जुओ 'सुर्ख़रू'
सुरूर पु० [फा] आनद (२) नशानी आछी लहेर–लहेजत
सुरैत(–तिन) स्त्री० रखात
सुर्ख़ वि० पु० [फा] लाल (२) लाल रग (३) रती [सफळ (३) प्रतिष्ठित
सुर्ख़रू वि०[फा] तेजस्वी (२) यशस्वी,
सुर्ख़ी स्त्री० [फा] लाली (२) लेख वगेरेनु मथाळु (३) लोही
सुर्ता वि० समजु; होशियार
सुलग अ० पासे [सुलगाना)
सुलगना अ० क्रि० सळगवु, लागवु (प्रेरक
सुलझन स्त्री० सूझ, उकेल (गूचनो)
सुलझना अ०क्रि० रस्तो सूझवो, गूच ऊकलवी (प्रेरक **सुलझाना**)
सुलझाव पु० जुओ 'सुलझन'
सुलटा वि० सूलटु
सुलतान पु० [अ] महाराजा; बादशाह. **–ना** स्त्री० सुलताननी बेगम के माता **–नी** वि० सुलताननु (२) स्त्री० बादशाही (३) एक रेशमी वस्त्र
सुलफ वि० नरम, मुलायम, 'लचीला'
सुलफा पु० [फा] सुल्फो, नशावाळी तमाकु (२) चडस
सुलफेबाज वि० गाजो या चडस पीनार
सुलभ वि० [स] सहेलाईथी मळे एवु (२) सुगम, सरळ
सुलह स्त्री०[अ] सुलेह; सधि **०नामा** पु० सुलेहनामु; कोलकरार
सुलाना स० क्रि० 'सोना'नु प्रेरक; सुवडाववु
सुलेमान पु० [अ] यहूदीओनो प्रसिद्ध राजा सॉलोमन **–नी** वि० सुलेमान सबधी (२) पु० एक जातनो घोडो

सुवन,-नारा पु० (प) जुओ 'सुअन'
सुवर्ण पु० [स] सोनु (२) वि० सारा के सोनेरी रगनु
सुवा पु० सूडो; पोपट
सुवार पु० (प) जुओ 'सुआर'
सुवास पु०[स] सुगध (२) सुदर घर
सुवासित वि० [स] सुगधीदार
सुवासिनी स्त्री० सुवासण स्त्री (२) पियेर रहेती युवती स्त्री
सुविधा स्त्री० जुओ 'सुबिधा'
सुशील वि०[स] शीलवान,चारित्र्यवान
सुश्रूषा स्त्री० [स] सेवाचाकरी
सुषमना,-नि स्त्री०(प) सुषुम्णा नाडी
सुषमा स्त्री० [स] परम शोभा
सुषुप्ति स्त्री० [स] निद्रानी दशा
सुषुम्ना स्त्री० [स] एक नाडी (योगमा)
सुष्ट वि० दुष्ट नहि एवु, भलु, नेक
सुष्ठु अ० [स] ठीक, सारी रीते
सुसंग पु० [स] सत्सग; सारी सोबत
सुसंगत वि० [स] बरोबर सगत, सयुक्तिक **-ति** स्त्री० सारी सोबत (२) सगतता
सुस,-सा स्त्री० (प) वहेन
सुसकना अ०क्रि०(प) जुओ 'सिसकना'
सुसताना अ०क्रि० श्वास के थाक खावो; आराम करवो
सुसर(-रा) पु० ससरो
सुसराल स्त्री० 'ससुराल'; सासरी
सुसा स्त्री० जुओ 'सुस'
सुस्त वि०[फा] कमजोर; दुर्बळ (२) मद, आळसु, ढीलु
सुस्ताना अ०क्रि० जुओ 'सुसताना'
सुस्ती स्त्री० [फा] सुस्तपणु
सुस्थ वि०[स] स्वस्थ; तदुरस्त (२) सुखी
सुहँगा वि० सोंघु; सस्तु
सुहबत स्त्री० सोबत; 'सोहबत'
सुहबती पु० सोबती; मित्र
सुहाग पु० सुहाग, सौभाग्य (२) लग्न प्रसगनु वरनु वस्त्र के वरपक्षनी स्त्रीओनु गीत **-उतरना**=सौभाग्य टळवु; विधवा थवु
सुहाग(-गि)न स्त्री० सुहागण, सौभाग्यवती
सुहागा पु० टकणखार (२) 'सोहागा', समार
सुहागिन(-नी) जुओ 'सुहागन'
सुहाता वि० खमाय एवु, सह्य (२) मजेदार (३) कोकरवरणु (पाणी)
सुहाना अ०क्रि० सोहावु, शोभवु (२) फाववु; सारु लागवु
सुहाया वि० (प) सोहीतु; शोभीतु
सुहारी स्त्री० पूरी
सुहाल पु० एक पकवान
सुहावना वि० सोहामणु, सुदर (२) अ०क्रि० जुओ 'सुहाना'
सुहृद् पु० [स] मित्र
सुहेला वि० सोह्यलु; शोभीतु; सारु
सूँघना स०क्रि० सूघवु
सूँघा पु० पाणी-सूघो, सूघीने जमीननु पाणी बतावनार (२) जासूस
सूँठ स्त्री० 'सोंठ'; सूठ
सूँड़ स्त्री० हाथीनी सूढ
सूँस स्त्री० जुओ 'सूस'
सू अ० [फा.] तरफ; भणी, बाजु
सूअर पु० सूवर, शूकर; भूड **०नी**, **-री** स्त्री० तेनी मादा; भूडण
सूआ पु० सोयो (२) शूक; सूडो

सूई स्त्री० सोय (२) घडियाळना जेवो कोई पण काटो **–का फावड़ा या भाला बनाना**=रजनु गज करवु **सूइयों नाज पिरोना**=बहु कजूसी करवी
सूकर पु० [स] सूअर; भूड **–री** स्त्री०
सूका पु० पावली (२) वि० सूकु **–की** स्त्री० लाच
सूक्त पु० [स] वेदनु सूक्त – मन्त्रोनु जूथ (२) सुवाक्य (३) वि० सारी रीते कहेलु
सूक्ति स्त्री० [स] सुवाक्य; सारो बोल
सूक्ष्म वि० [स.] बारीक, झीणु. **०दर्शक यंत्र** पु० सूक्ष्म पदार्थ जोवानु यंत्र. **०दर्शी** वि० तीणु जोई शकनार, कुशाग्रबुद्धि
सूखना अ०क्रि० सुकावु
सूखा वि० सूकु; शुष्क; लूखु (२) पु० सुकवणु; दुकाळ (३) सूको; जरदो (४) पाणी वगरनी सूकी जगा
सूचक वि० [स] सूचवतु, बतावतु (२) पु० सोय (३) दरजी [चितवणी
सूचना स्त्री० [स] सूचववु ते, नोटिस;
सूचि स्त्री० [स] सोय (२) इस्टापडी; कडी (३) यादी [सूढ
सूचिका स्त्री० [स] सोय (२) हाथीनी
सूचित वि० [स] सूचवायेलु
सूची पु० [स] चाडियो के गुप्तचर (२) स्त्री० सोय (३) यादी
सूच्यार्थ पु० [स] व्यंग्यार्थ
सूजन(–नी) स्त्री० सूज, सोजो. **–ना** अ०क्रि० सूजवु; फूलवु
सूजा पु० 'सूआ'; सोयो
सूजाक पु० [फा] एक मूत्ररोग
सूजी स्त्री० रवो; जाडो लोट (२) सोय (३) पु० दरजी
सूझ-बूझ स्त्री० समज; सूझ
सूझना अ०क्रि० सूझवु; देखावु
सूट पु० [इ] पहेरवानु 'सूट' – कोटपाटलून
सूत पु० सूतर (२) दोरो
सूतक पु० [स] प्रसव; जन्म (२) अशौच (जन्म-मरणनु). **–की** वि० सूतकवाळु
सूतना अ०क्रि० (प.) सूवु
सूता पु० 'सूत'; सूतर (२) स्त्री० [सं.] प्रसूता स्त्री
सूतिका स्त्री० [सं] सुवावडी. **०गार, ०गृह, ०भवन** पु० प्रसूतिगृह
सूती वि० सूतरनु (२) स्त्री० सीप
सूत्र पु० [स] सूतर; दोरो (२) टूक वचन के वाक्य (३) तंत्र; व्यवस्था
सूत्रकार पु० [सं.] सूत्र रचनार (२) सुथार (३) वणकर [मुख्य नट
सूत्रधार पु० [सं.] नाटकनो नायक;
सूत्रपात पु० [स] शरूआत
सूथन(–नी) स्त्री० स्त्रीओनी सूथणी
सूथार पु० सुथार
सूद पु० [फा] लाभ (२) व्याज. **–दर सूद**=व्याजनु व्याज
सूदी वि० व्याजुकु
सूधा वि० (प) सीधु
सूधे अ० (प) जुओ 'सीधे'
सून पु० [स] प्रसव (२) पुत्र, फळ, कळी इ० (३) (प) शून्य (४) वि० सूनु **०सान** वि० जुओ 'सुनसान'
सूना वि० सूनु (२) पु० एकात जगा (३) स्त्री० [स] पुत्री
सूप पु० सूपडु (२) [स] सूप – एक पेय वानी **०क, ०कार** पु० रसोइयो. **०ड़ा** पु० सूपडु
सूफ़ पु० [अ] ऊन के गरम कपडु (२) काळी शाहीना खडियामा रखातु कपडु

सूफ़ियाना वि०[फा.] जुओ 'सोफियाना'
सूफ़ी पु० [अ] सूफीवादी माणस (२) सादो साधु माणस
सूबा पु०[फा] प्रांत; देशनो भाग (२) सूबो; सूबेदार. **–बेदार** पु० सूबो (२) अमुक दरज्जानो पोलीस के सैनिक
सूम,०ड़ा वि० कंजूस
सूर पु० सूरदास (२) वि० शूर (प.) (३) पु० सूवर (४) [अ.] क्यामतने दिवसे वागनारु एक वाजु (५) [फा] खुशी; आनंद (६) लाल रंग
सूरज पु० सूर्य **०मुखी** पु० एक फूल (२) एक जातनु दारूखानु **–को दीपक दिखाना**=स्वयं जे प्रसिद्ध के गुणी होय तेनो परिचय कराववो. **–पर थूकना या धूल फेंकना**=निर्दोष के पवित्रने लांछन लगाडवु
सूरत स्त्री० [अ] शिकल; रूप (२) रस्तो; उपाय (३) हाल; दशा **–दिखाना**=मो बतावबु; सामे आववु. **–बनाना**=रूप काढवु; वेश बदलवो (२) मो मरडवु **–बिगड़ना**=चहेरो फीको पडवो; निस्तेज थवु [बाह्यत.
सूरतन् अ० [अ] देखवामा; उपरथी;
सूरत-परस्त वि० [फा] सौंदर्य-पूजक(२) बुत-परस्त [पण उपरथी देखावडु
सूरत-हराम वि० [फा.] अंदरथी निस्सार
सूरति स्त्री० (प) सूरत (२) स्मृति
सूरन पु० सूरण
सूरमा(–वाँ) पु० शूर; वीर; योद्धो
सूरा पु० सूरदास; अंध (२) अनाजमा पडतु एक जीवडु (३) [अ.] कुराननु प्रकरण
सूराख पुं० [फा.] सुराख; छिद्र
सूर्य पु०[स] सूरज. **–र्यास्त** पु० सूर्य आथमे ते **–र्योदय** पु० सूर्य ऊगे ते
सूल पु० शूळ; सूळ
सूली स्त्री० शूळी (२) फासी
सूस(०मार) पु० 'सूंस'; एक जलचर
सूहा पु० एक जातनो लाल रंग (२) एक संकर राग (३) वि० लाल
सृगाल पु० [स] शियाळ (२) डरपोक के दुष्ट माणस
सृजक वि० (प.) सर्जक; पेदा करनार
सृजन पु० (प) सृष्टि; सर्जन **०हार** पु० सर्जनहार
सृजना स०क्रि०(प) सरजवु, पेदा करवु
सृष्ट वि०[स] सरजेलु; रचेलु (२)त्यजेलु
सृष्टि स्त्री० [स] जगत, विश्व (२) सर्जन (३) त्याग
सेंक स्त्री० शेक; शेकवु ते
सेंकना स०क्रि० शेकवु
सेंगर पु० शाकनी एक फळी के तेनो एक छोड (२) बावळनो परडो (३) एक अनाज (४) एक रजपूत जात
सेंत स्त्री० खर्च वगर – मफत थवु ते
सेंतमें, सेंत-मेंत अ० मफत (२) व्यर्थ
सेंदुरा वि० सिंदूरियु (२) पु० सिंदूरनी डबी [फूल झाड
सेंदुरिया वि० सिंदूरियु (२) पु० एक
सेंदूर पु० सिंदूर. **–चढ़ना**=स्त्रीए परणवु
सेंध स्त्री० दीवालमा खातर पडे ते; बाकु **–लगाना**=कोचीने खातर पाडवु
सेंधना अ०क्रि० भीतमा खातर पाडवु
सेंधा पु० सिंधव
सेंधिया वि० खातर-पाडु (चोर) (२) पु० ग्वालियरनो सिंधिया

सेँवई स्त्री० घउंनी शेव
सेँहुड़ पु० जुओ 'सेहुँड'
सेकंड पु०[इ] पळ; मिनिटनो ६०मो भाग
सेक पु० [स] सीचवु – छाटवु ते
सेक्रेटरी पु० [इ] मत्री [कचेरी
सेक्रेटेरियेट पु०[इ.] सरकारी मत्रीओनी
सेख पु० (प) शेष (२) शेख
सेगा पु० 'सीगा'; विभाग
सेज,–ज्या स्त्री० (प.) शय्या; पथारी
सेजपाल पु० शयनगृहनो रक्षक
सेटना स०क्रि० गणतरीमां लेवु; मानवु
सेठ पु० शेठ (स्त्री० **–ठानी**)
सेढ़ पु० (वहाणनु) सढ
सेढ़ा पु० शेडा; लीट
सेतु पु० [स] पुल; बध
सेन पु० श्येन; बाज (२) स्त्री० (प.) सैन्य
सेना स्त्री० [स] सैन्य **०नी, ०पति** पु० सेनाधिपति
सेना स०क्रि० (प.) सेववु
सेनी स्त्री०[फा] अमुक थाळी के रकाबी
सेनी स्त्री०(प) वाजनी मादा (२) श्रेणी
सेनेट स्त्री० [इ] जुओ 'सिनेट'
सेफ पु० [इ] तिजोरी
सेब पु० [फा] सेप; सफरजन, 'सेव'
सेम पु० पापडी के वालोळ
सेमई स्त्री० 'सेँवई'; सेव (घउंनी) (२) वि० आछा लीला रगनु
सेमर पु० कळण भूमि (२) (प.) जुओ 'सेमल'
सेमल पु० शाल्मली झाड
सेमा पु० मोटी पापडी के वालोळ
सेर पु० शेर (वजन) (२) शेर; सिंह (३) वि० [फा.] तृप्त; सतुष्ट
सेरवा पु० 'सेरा'–खाटलानु नानु लाकडु
सेरा पु० खाटलानु माथा आगळनु लाकडु (२) पायेली जमीन
सेराना अ०क्रि० (प.) ठडु थवु; ठरवु (२) मरवु
सेराब वि० [फा] पाणीथी तरबोळ; पाणी पीधेलु
सेरी पु० (प) शेरी; रस्तो (२) स्त्री० [फा] तृप्ति; सतोष
सेल पु० बरछो; भालो
सेला पु० सेलु; शेलु
सेली स्त्री० नानो 'सेल'–भालो (२) योगी साधु इ नी गळानी एक माळा
सेव पु० चणानी सेव(२)'सेब'; सफरजन (३) स्त्री० (प) सेवा
सेवई स्त्री० जुओ 'सेँवई'
सेवक पु० [स] सेवा करनार
सेवकाई स्त्री० सेवा
सेवती स्त्री० [स] धोळा गुलाबनो छोड
सेवन पु० [स] सेववु – सेवा करवी ते
सेवा स्त्री० [स] चाकरी (२) पूजा
सेवा-टहल स्त्री०सेवा; चाकरी; खिदमत
सेवाधारी पु० पूजारी
सेवा-बंदगी स्त्री० पूजापाठ; सेवापूजा
सेवार(–ल) स्त्री० शेवाळ
सेविंग(–ग्स) बेंक पु० [इं.] बचत राखवानी बॅन्क
सेविका स्त्री० [स] सेवक स्त्री
सेवी वि० [स] सेवन करनार
सेवैंयां स्त्री० सेवोनो दूधपाक
सेव्य वि० [सं.] सेवापात्र
सेशन पु० [इ.] अधिवेशन; बेठक (२) सत्र (३) सेशन कोरट–कचेरी
सेसर पु० पत्तानी एक बाजी (२) जाळ
सेसरिया पु० जाळमा फसावनार; कपटी

सेह वि० [फा] त्रण (प्रायः समासमां.) **०ख़ाना** पु० त्रण माळनु मकान. **०पाई** स्त्री०, **०पाया** पु० तिपाई

सेहत स्त्री० [अ.] आरोग्य (२) रोगमाथी मुक्ति (३) सुखचेन; राहत (४) (भूलोनी) शुद्धि

सेहत-ख़ाना पु० पायखानु

सेहत-नामा पु० शुद्धिपत्रक

सेह-माही वि० त्रैमासिक

सेहर पु० [अ सिह्र] जादु; इद्रजाळ

सेहरा पु० वरराजानो खूप. **–रे जलवेकी** वि० परणेतर

सेहशबा पु० [फा. सिहशब] मगळवार

सेही स्त्री० [स सेधा] 'साही'; साहुडी

सेहुँड़ पु०, **सेहुँडा** स्त्री० 'सेंहुड'; थोर

सेहुआँ पु० एक चर्मरोग; करोळिया

सैंगर पु० बावळनो परडो

सैंतना स०क्रि० (खतथी) एकठु करवु

सैंतालि(–ली)स वि० सुडताळीस; ४७

सैंति(–तीं)स वि० साडत्रीस; ३७

सैंदूर वि० [स] सिंदूरना रगनु

सैंधव पु० [स] सिंधव (२) सिंधनो निवासी के घोडो (३) वि० सिंधनु के सिंधु–समुद्रनु

सै पु० [स शत, प्रा सय] गुजराती 'सें' –सो जेम वपराय छे उदा 'सोरह सै इकतीस'

सैकड़ा पु० सेंकडो; सैको

सैकड़े अ० सेंकडे; 'प्रति शत'

सैकडो वि० सेंकडो; अनेक सो (२) घणु

सैकत वि०[स] रेताळ; रेतीनु [काम

सैकल पु० [अ] सिकलीगर–सराणियानु

सैक़लगर पु० [अ,]सराणियो; सिकलीगर

सैथी स्त्री० बरछी; भालो

सैद पु० शिकार (२) [अ.] सैयद

सैदानी स्त्री० सैयद स्त्री

सैन स्त्री० (प.) इशारो (२) सैन्य (३) श्येन; बाज

सैनभोग पु० मदिरोनो शयनभोग

सैनासैनी स्त्री० सामसामे इशारा करवा ते

सैनिक पु० [सं] योद्धो; सिपाही (२) वि० सेना विषेनु [(प) सैन्य

सैनी पु० 'नाई'; वाळद (२) स्त्री०

सैनू पु० एक जातनु कपडु

सैन्य पु० [स] सेना; फोज

सैफ़ स्त्री० [अ] तलवार

सैफा पु० [फा] कागदीनु एक ओजार

सैयद पु० [अ] नेता; सरदार (२) पेगबरनो वशज; ते जातिनो माणस. **–दा, –दानी** स्त्री० सैयद स्त्री

सैयाँ पु० स्वामी

सैयाद पु० [अ] शिकारी [करनारो

सैयार पु० [फा] खूब सेर–सहेल

सैयारा पु० [अ] (आकाशनो) ग्रह

सैयाल वि० [अ] प्रवाही; पाणी जेवु

सैयाह वि० [अ] यात्री; सफर करनार

सैयाही स्त्री० [अ] सफर; यात्रा

सैर स्त्री० [फा] सेर, मोज खातर फरवु ते; सहेल (२) मजा; आनद (३) मोज खातर पर्यटने जवु ते

सैरगाह पु०; स्त्री० सहेल करवानी मजानी सुदर जगा

सैर-सपाटा पु० सहेलसपाटा

सैल पु०; स्त्री० [अ] प्रवाह; वहेण

सैला पु० फाचरो (२) फाचर के चीर (३) दडो; दस्तो

सैलानी वि० सहेलाणी; लहेरी

सैलाब पु० [फा] रेल (पाणीनी)
सैलाबा पु० पाणीमा डूबी गयेलो पाक
सैलाबी स्त्री० [फा] भीनाश (२) नदीनी रेलथी सीचाती जमीन (३) रेल (४) वि० रेल सबधी
सैली स्त्री० नानो 'सैला' (जुओ 'सैला')
सों प्रत्यय 'सें' या 'से'नु पद्यनु रूप
सोंचर-नमक पु० सचळ [छडीदार
सोंटा पु० सोटो; लाठी **०बरदार** पु०
सोंठ स्त्री० सूठ **–ठौरा** पु० सुवावडमा खवाती सूठ वसाणानी एक वानी
सोंध (–धा) वि० सुगधीदार (२) पु० एक सुगधी पदार्थ (तेलमा नखातो)
सोंपना स०क्रि० सोंपवु; 'सौपना'
सो स० ते (२) अ० तेथी; अतः
सोआ(–या,–वा) पु० एक शाक; सुवा
सोई स० (प) 'वही'; ते ज; 'सोय'
सोखना स०क्रि० शोषी लेवु; चूसवुं
सोख्तनी स्त्री० [फा] सूकु लाकडु
सोख्ता पु०[फा] शाहीचूस कागळ (२) वि० [फा.] बळेलु; दग्ध
सोगंद स्त्री० जुओ 'सौगद'
सोग पु०(प) शोक **–गी** वि० शोकमा पडेलु; शोकवाळु (स्त्री० **–गिनी**)
सोच पु० विचारवु ते (२) चिंता (३) शोक, पस्तावो
सोचना अ०क्रि० विचारवु ते (२) चिंता करवी (३) खेद करवो
सोचविचार पु० 'समझ-बूझ'; बधी रीतनो–पूरो विचार
सोज पु० [फा.] वळतरा (२) दुःख
सोज स्त्री० सोज; सोजो
सोजन स्त्री० [फा] सोय
सोजाँ वि० [फा] दुःखद; करुण
सोजिश स्त्री०[फा] सोजो (२) जुओ 'सोज़'
सोझ(–झा) वि० (प) सीधु; सरळ
सोडा पु०[इ.] सोडा क्षार. **०वाटर** पु० सोडानु एक पेय
सोढर वि० मूर्ख; ढ
सोत(ता) पु० स्रोत; झरणु
सोदर वि०(२)पु० [स] सहोदर (भाई)
सोध,०न पु० (प) शोध; तपास (२) चूकते, अदा थवु ते
सोन पु० (प) सोनु (२) शोण नदी
सोनकेला पु० सोनेरी केळु
सोनचिरी स्त्री० नटी; नर्तकी
सोनहरा(–ला) वि० सोनेरी
सोना पु० सोनु (२) अ०क्रि० सूवु;ऊघवु (३) अगे झराणी चडवी. **सोनेका घर मिट्टी होना**=खेदानमेदान थई जवु. **सोनेकी चिड़िया**=धनिक; मालदार. **सोनेमें घुन लगना**=असभव वस्तु बनवी **सोनेमें सुगंध**=उत्तम चीजमा वळी उत्तमता [माक्षिक
सोनामक्खी स्त्री० एक उपधातु–सुवर्ण-
सोनार, सोनी पु० 'सुनार'; सोनी
सोपान पु० [स] सीडी
सोपारी स्त्री० जुओ 'सुपारी'
सोफता पु० एकात; अलग जगा (२) फुरसद [कि आसन
सोफा पु०[इ] गादीवाळी एक खुरशी
सोफियाना वि० सुफी सवंधी (२) सादु पण सारु लागतु; सुफियाणु
सोम पु० [स.] चद्र (२) सोमवार (३) सोमरसनी वेल (४) अमृत (५) पाणी
सोमवारी वि० सोमवारनु (२) स्त्री० सोमवती अमास

सोय स० (प) 'वही'; 'सोई' (२) 'सो'; ते
सोयम वि० [फा] त्रीजु
सोया, –वा पु० 'सोआ'; सवा
सोर पु० (प) शोर; कोलाहल (२) स्त्री० जड; मूळ [राग
सोरठा पु० सोरठो छंद **–ठी** स्त्री० एक
सोरनी स्त्री० सावरणी
सोरह वि० (प.) 'सोलह', सोळ
सोर(–ल)ही स्त्री० सोळ कोडीथी रमाती एक बाजी–जुगार
सोलह वि० सोळ; १६ **–ही** स्त्री० जुओ 'सोरही' **सोलहो आने**=सोळे आना; पूरेपूरु [टोपीमा वपराय छे ते
सोला पु० जे झाडना छोडा सोला
सोलाना स०क्रि० 'सुलाना'; सुवाडवु
सोलिसिटर पु० [इ] अमुक काम माटेनो एक वकील
सोवड़ पु० सुवावडनी ओरडी; प्रसूतिगृह
सोवना अ०क्रि० (प.) 'सोना'; सूवु
सोवा पु० जुओ 'सोआ'
सोसनी वि० (प) जावुडियु
सोसाइ(–य)टी स्त्री० [इ] समाज (२) सोबत; संग [सौभाग्यनी चीजो
सोहगी स्त्री० लग्ननी एक रीत (२)
सोहन वि० शोभीतु; सुन्दर (स्त्री० **–नी**) **०पपड़ी** स्त्री० एक मीठाई **०हलवा** पु० एक जातनो हलवो
सोहना अ०क्रि० सोहवु, शोभवु (२) नीदवु
सोहनी स्त्री० झाडु; सावरणी (२) नीदामण (३) वि० स्त्री० सुन्दर
सोहबत स्त्री० [अ.] सोबत (२) संभोग
सोहबती पु० [फा.] सोबती; साथी
सोह(–हि)ला पु० मंगळ गीत
सोहाई स्त्री० नीदामण
सोहाग पु० जुओ 'सुहाग'
सोहागा पु० जुओ 'सुहागा' (२) खेडूतनो समार
सोहागिन, –नी, –ल स्त्री० जुओ 'सुहागिन'
सोहाता (–या) वि० सुंदर; सोहातु
सोहा(०व)ना स०क्रि० (प) सोहावबु; शोभाववु
सोहाया वि० जुओ 'सोहाता'
सोहारी स्त्री० पूरी
सोहावना स०क्रि० जुओ 'सोहाना'
सोहिल पु० अगस्त्य तारो
सोहिला पु० जुओ 'सोहला'
सोहीं, –हैं अ० (प) सामे; आगळ
सौंचना स० क्रि० शौच जवु के जईने धोवु के त्यार बाद हाथपग धोवा
सौंचर, ०नमक पु० संचळ; 'सोचर-नमक'
सौंचाना स०क्रि० 'सौंचना'नु प्रेरक
सौंड़, –ड़ा पु० रजाई इ० जेवु ओढवानु ते
सौंदन स्त्री० खारमा मेला कपडा धोबी पलाळे छे ते **–ना** स०क्रि० तेम कपडा पलाळवा
सौंदर्य पु० [सं] सुदरता
सौंध स्त्री० सुगंध (२) पु० महेल; 'सौध'
सौंपना स०क्रि० सोंपवु
सौंफ स्त्री० वरियाळी **–फिया, –फ़ी** वि० वरियाळीवाळु (२) स्त्री० तेवु पेय (दारू इ०) [सन्मुख
सौंह स्त्री० (प) सोगन (२) अ० सामे;
सौ वि० सो; १०० **–बातकी एक बात**=साराश; टूंकमा; तात्पर्य के
सौक(०न) स्त्री० 'सौत'; शोक; सपत्नी
सौख, सौख्य पु० [सं] सुख
सौगंद(–ध) स्त्री० [फा] सोगंद; कसम

सौगंध पु० [स] अत्तरियो (२) सुगध (३) वि० सुगधीदार (४) स्त्री० जुओ 'सौगद'
सौगात स्त्री० [तु] सोगात, भेट
सौगाती वि० भेट तरीके शोभे एवु; उत्तम, नमूनेदार; विरल
सौघा वि० (प.) सोघु, सस्तु
सौच पु० (प) शौच
सौचि,०क पु० [स] दरजी
सौज स्त्री० (प) साज; सामग्री
सौजन्य पु०[स] सज्जनता; भलमनसाई
सौजा पु० शिकारनु प्राणी, शिकार
सौड़ पु० जुओ 'सौड़'
सौत(०न,०नि,–तिन) स्त्री० सपत्नी; शोक, 'सवत'; 'सौक'
सौतिया डाह स्त्री० शोको वच्चेनी ईर्षा (२) भारे ईर्षा
सौतेला वि० सावकु, शोकनु; शोक सबधी (स्त्री० –ली)
सौदा पु० [अ] सोदो (२) सोदानी चीज; माल (३) वेपार (४) पागलपणु, गाडपण (५) धून (६) वि० काळु
सौदाई पु० पागल, गाडो, धूनी
सौदागर पु० [फा] सोदागर वेपारी (नाम, –री)
सौदाम(–मि)नी स्त्री० [स] वीजळी
सौदा-सुलुफ,–सुल्फ पु० सोदो करवानी चीजो
सौदा-सूत पु० व्यवहार
सौध पु० [स] महेल, भवन (२) चादी
सौनन पु० जुओ 'सौंदन'
सौभग पु० [स] सद्भाग्य (२) सुख (३) धनदोलत (४) सौंदर्य
सौभागिनी स्त्री० [स] सौभाग्यवती
सौभाग्य पु० [स] सद्भाग्य (२) सधवापणु (३) शुभ; भलु. **०वती** स्त्री० सधवा [(३) चाद्र
सौम्य वि० [स]सुदर (२) कोमळ, मृदु
सौर वि० [स] सूर्य सबधी (२) पु० [अ] बळद के साढ (३) स्त्री० (प) सोड; चादर [वि० सुगधीदार
सौरभ पु० [स.] सुगध (२) केरी (३)
सौरी स्त्री० प्रसूतिघर; प्रसवस्थान
सौरीय, सौर्य वि० [स] सूर्य सबधी; सूर्यनु
सौवर्चल पु०[स] सचळ, 'सोचर-नमक'
सौष्ठव पु० [स] उत्तमता (२) सुदरता (३) चातुर्य
सौसन पु० [फा.] एक फूलझाड
सौसनी वि० [फा] 'सोसनी', जाबुडिया रगनु
सौहँ स्त्री० (प) सोगन (२) अ० सामे; सन्मुख, 'सौंह'
सौहार्द, –र्द्य पु० [स] मित्रता; दोस्ती
सौहीं अ० (प) 'सौहँ'; सामे
सौहृद पु० [स] मित्रता (२) सुहृद
स्कंध पु० [स] खभो (२) थड (३) अध्याय; खड (ग्रथनो) (४) समूह; जूथ
स्कंभ पु० [स] थभ (२) प्रभु
स्कालर पु० [इ] छात्र; विद्यार्थी
स्कीम स्त्री० [इ] योजना
स्कूल पु०[इ] शाळा –ली वि० शाळानु के ते सबधी
स्क्रू पु० [इ] पेचवाळो खीलो
स्खलित वि० [स] पडेलु (२) पतित
स्टांप पु० [इ] स्टॅम्प, टिकिट (२) छाप; महोर
स्टाक पु० [इ] स्टॉक; मालनो जथो (२) शेरनी मूडी (३) भडार; गोदाम

स्टाफ पु० [इ] सस्था के संगठनमां काम करतो कुल सेवक समूह
स्टीमर पु० [इ] आगबोट
स्टेज पु० [इ] रगभूमि [इ० नु)
स्टेशन पु० [इ.] मथक (रेल, मोटर
स्तंभ पु० [सं] थभ (२) थड
स्तनंधय वि० (२) पु० [स] धावतु, धावणु (बाळक के वाछडु)
स्तन पु० [स] धाई **-पीना**=धाववु
स्तन्य पु० [स] दूध [मद, धीमु
स्तब्ध वि० [स] स्थिर; जड; निश्चल(२)
स्तर पु० [स] थर; पड (२) सेज; पथारी
स्तव, ०न पु० [स] स्तुति (२) स्तोत्र
स्तुति स्त्री० [स] प्रशसा; गुणगान (२) स्तोत्र [प्रशसनीय
स्तुत्य वि० [स] स्तुतिने लायक;
स्तूप पु० [स] ढेर; ढगलो (२) बौद्ध स्तूप–स्मारक इमारत
स्तेन पु० [स] चोर
स्तेय पु० [स] चोरी
स्तोक पु० [स] बुद; बिंदु (२) वि० थोडु
स्तोत्र पु० [स.] स्तुतिनु गीत के ग्रथ
स्त्री स्त्री० [स] नारी (२) पत्नी
स्त्रीव्रत पु० पत्नीव्रत; अव्यभिचार
स्त्रैण वि० [स] स्त्री सबधी (२) पु० स्त्रीत्व; स्त्री जेवी कोमळता
स्थगन पु० [स] स्थगित करवु के ढाकवु छुपाववु ते
स्थगित वि० [स] ढाकेलु (२) रोकेलु
स्थल पु० [स.] स्थळ; जगा; स्थान **०चर, ०चारी** वि० थळचर (प्राणी)
स्थलांतर पु० [स] वीजी जगा
स्थला,-ली स्त्री० [स] सूकी ऊची जमीन
स्थविर वि० [स] स्थिर; दृढ (२) वयोवृद्ध; घरडु [(३) शिव
स्थाणु वि० [स] स्थिर, दृढ (२) पु० स्तभ
स्थान पु० [स] जगा; स्थळ; ठाम (२) पवित्र स्थान; मदिर, धाम
स्थानापन्न वि० [स] अवेजी, कामचलाउ
स्थानिक, स्थानीय वि० [स] स्थानने लगतु; 'लोकल'
स्थापक वि० [स] स्थापनार
स्थापत्य पु० [स] शिल्पकळा; बाध-कामनी विद्या
स्थापन पु०, **-ना** स्त्री० स्थापवु ते
स्थापित वि० [स] स्थपायेलु, जमावेलु
स्थायी वि० [स] स्थिर; कायम
स्थाली स्त्री० [स] थाळी (माटीनी) (२) हाल्ली
स्थावर वि० [स] स्थिर; अचळ (२) पु० पर्वत (३) स्थावर मिलकत
स्थित वि० [स] ऊभेलु (२) स्थिर (३) बेठेलु [ति (२) दशा; अवस्था
स्थिति स्त्री० [स] रहेवु; टकवु के होवु
स्थिर वि० [स] दृढ; अडग; अचळ (२) कायम, नक्की [भारे
स्थूल वि० [स] स्थूळ; जड (२) जाडु,
स्नातक ु० [स] ग्रॅज्युएट
स्नान पु० [स] नाहवु ते
स्नायु स्त्री० [सं] नस; रग
स्निग्ध वि० [स] चीकणु; चीकटवाळु (२) सुदर; प्रिय
स्नेह पु० [स] प्रेम (२) चीकट पदार्थ
स्नेही वि० [स] स्नेहवाळु (२) पु० मित्र
स्पंद, ०न पु० [स] कपवु, हालवु के धडकवु ते [(वि०, -र्द्धी)
स्पर्द्धा स्त्री० [स] स्पर्धा; हरीफाई

स्पर्श पु० [स] अडकवु ते; सपर्क
स्पर्शी वि० [स] स्पर्शनार
स्पष्ट वि० [स] साफ; चोख्खु; उघाडु **–ष्टीकरण** पु० चोखवट
स्पीकर पु० [इ] वक्ता (२) पार्लमेन्टनो [अध्यक्ष
स्पृश्य वि० [स] अडकी शकाय एवु
स्पृष्ट वि० [स] स्पर्शायेलु
स्पृहणीय वि० [स] स्पृहा करवा जेवु
स्पृहा स्त्री० [स] इच्छा; कामना
स्पृही वि० [सं] स्पृहा करनारु
स्प्रिग स्त्री० [इं.] कमान **०दार** वि० कमानवाळु
स्फटिक पु० [स] बिलोरी काच (२) एक जातनो मणि (३) फटकडी
स्फुट वि०[स] खीलेलु (२) स्पष्ट; खुल्लु (३) फुटकळ
स्फुर, ०ण पु०, **०णा** स्त्री० [स] कपवु [के स्फुरवु ते
स्फुलिंग पु० [स] तणखो; चिनगारी
***स्फूर्ति** स्त्री० [स] स्फुरवु ते (२) उत्साह; आवेग
स्फोट पु० [स] स्फुट थवु ते; खुलासो [(२) फूटवु ते (३) फोल्लो
स्फोटक पु० [स] फोल्लो
स्फोटन पु० [स] फूटवु के फाटवु ते (२) स्फूट करवु ते
स्मरण पु० [स] याददास्त (२) स्मरवु [ति; जप
स्मरणीय वि० [स] याद करवा जेवु
स्मशा(–सा)न पु० मशाण; स्मशान
स्मारक वि०[स] याद करावतु (२) पु० तेवी वस्तु
स्मार्त वि० [स] स्मृतिशास्त्र संबधी के [तेनु अनुयायी
स्मित पु० [सं] मद हास्य
स्मृत वि० [सं] स्मरण करेलु (२) पु० [याद
स्मृति स्त्री० [स.] स्मरण (२) स्मृतिशास्त्र

स्यंदन पु० [स] रथ (२) वि० वहेतु; सरकतु
स्यात् अ० [स] कदाच; 'शायद'
स्यानप(०न) पु० शाणपण; डहापण
स्याना वि० शाणु; डाह्यु (२) उमरे पहोचेलु; 'वयस्क'
स्यापा पु० जुओ 'सियापा' **–पड़ना** = रडवु कूटवु (२) सूमसान थई जवु
स्याम वि० (प) श्याम; काळु (२) पु० सियाम देश **०ल** वि० शामळु **०लिया** पु० शामळियो; कृष्ण
स्यार(-ल) पु० शियाळ; 'सियार'
स्याल पु० जुओ 'श्याल' (२) [स] साळो. **–ली** स्त्री० साळी
स्याह वि० जुओ 'सियाह'
स्याही स्त्री० शाही (२) श्यामता
स्यों, स्यो अ० (प) साथे; जोडे
स्रक,–ग,–ज पु०; स्त्री० फूलमाळा
स्रव,०ण पु०[स] स्रववु–झरवु के चूवु के टपकवु ते
स्रष्टा पु० [स] सर्जनहार; प्रभु
स्राप पु० (प.) शराप; शाप
स्राव पु० [स] स्रववु के स्रवे ते (२) [गर्भपात
स्रावक, स्रावी वि०[स] स्रव करावनारु
स्रोत पु० [स] प्रवाह; धारा. **०स्वती, ०स्विनी** स्त्री० नदी
स्लीपर पु०[इ] सलेपाट(२) अमुक जोडा
स्लेट स्त्री० [इ] पथ्थरपाटी
स्व वि०[स] पोतानु (२) पु० मिलकत
स्वक,–कीय वि०[सं] पोतानु (२) पु० मिलकत (३) मित्र; सगु
स्वच्छ वि० [स] चोख्खु; साफ
स्वजन पु०[स] पोतानु, सगु के सबधी माणस

स्वतंत्र वि० [स] स्वाधीन; मुक्त
स्वतः अ० [स.] आपमेळे; स्वयम्
स्वतोविरोधी पु० [सं] पोते ज पोतानी वस्तुनो विरोध करनार; वदतो-व्याघातवाळु
स्वप्न पु० [स] स्वप्नु (२) सूवु ते
स्वभाव पु० [स] प्रकृति; तासीर
स्वयं अ० [स] जाते; पोते
स्वयंभू पु० [स] जाते थनार (प्रभु, कामदेव, ब्रह्मा इ०)
स्वयंवर पु०[स] इच्छापूर्वक परणवु ते; लग्ननो एक प्रकार [स्त्री
स्वयंवरा स्त्री०[स] स्वयवरथी परणनार
स्वयंसिद्ध वि० [स] आपमेळे सिद्ध
स्वयंसेवक पु० [स] स्वेच्छाए-खुशीथी सेवा करनार
स्वर पु०[सं] सूर; अवाज (२) अक्षरनो एक प्रकार
स्वराज्य पु० [स] स्वराज
स्वरित वि० [स] स्वरयुक्त (२) पु० त्रणमाथी वचला उच्चारनो स्वर
स्वरूप पु०[स] आकार; रूप (२) आत्मा
स्वरोद पु० एक ततुवाद्य
स्वर्ग पु० [स] देवलोक **०वास** पु० मरण **०वासी** वि० मृत; मरहूम **-र्गीय** वि० स्वर्गवासी (२) स्वर्ग जेवु-उत्तम
स्वर्ण पु०[स] सोनु **०कार** पु० सोनी
स्वर्धुनी स्त्री० [स] गगा नदी
स्वल्प वि० [स] अति थोडु
स्वसा स्त्री० [स] वहेन
स्वसुर पु० ससरो **-राल** स्त्री० सासरी
स्वस्ति अ० [म] 'भलु थाओ' एवु आशीर्वचन
स्वस्तिक पु० [स] साथियो
स्वस्थ वि०[स.] तदुरस्त (२) शात; स्थिर
स्वाँग पु० स्वाग; बनावटी वेश (२) तमाशो, खेल **-बनाना, -भरना, -लाना**=वेश लेवो
स्वाँगी पु० बहुरूपी, स्वाग काढी पेट भरनारो
स्वांत पु० [स] अत करण (२) मरण
स्वागत पु० [स] आवकार
स्वातंत्र्य पु० [स] आझादी; स्वतत्रता
स्वाति,-ती स्त्री० [स] एक नक्षत्र
स्वाद पु०[स] जीभनो रस (२) लहेजत; मजा (३)(प) इच्छा **-दिष्ट, -दिष्ठ** वि० अति स्वादवाळु
स्वादी वि०[स] स्वाद माणनारु, रसिक
स्वादु वि० [स] स्वादवाळु
स्वाधीन वि० [स] पोताना काबुनु; स्वतत्र, स्वायत्त
स्वाध्याय पु० [स] अभ्यास, मनन
स्वान पु० (प) श्वान, कूतरु (२) [स] अवाज
स्वाप पु० [स] ऊघ
स्वापन पु०[स] ऊघाडवु ते (२) तेवु एक अस्त्र [कुदरती
स्वाभाविक वि०[स] स्वभाव मुजबनु;
स्वामित्व पु० [स] धणीपणु; मालकी
स्वामिनी स्त्री० [स] धणियाणी
स्वामी पु० [स] धणी; मालिक, पति
स्वायत्त वि० [स] स्ववश, स्वतत्र **०शासन** पु० स्थानिक स्वराज
स्वार्थ पु०[स] वाच्यार्थ (२) पोतानी मतलव के गरज के हेतु (२) वि० स्वार्थी. **-र्थी** वि० [मननी)
स्वास्थ्य पु०[स] स्वस्थता (तन के

स्वाहा अ०[स] हवन करवानो उद्‌गार (२) स्त्री० अग्निनी पत्नी
स्वीकार पु०[स] अगीकार; मानवु के कबूल करवु–स्वीकारवु ते. –र्य वि० स्वीकारवा जेवु [स्वीकार
स्वीकृत वि०[स] स्वीकारेलु –ति स्त्री०
स्वेच्छा स्त्री० [स] मरजी, पोतानी इच्छा ०चार पु० स्वच्छद ०सेवक पुं० स्वयसेवक
स्वेद पु०[स] परसेवो [(२) स्वच्छदी
स्वैर वि० [स] मनमोजीलु; मनपसद
स्वैरिणी स्त्री० [स] कुलटा स्त्री
स्वैरी वि० [स] स्वैराचारी, स्वच्छदी. –रिता स्त्री० स्वच्छदता

ह

हँक स्त्री० हाक; पोकार [बोलवु
हँकड(–र)ना अ०क्रि० पडकारीने
हँकराव,–वा पु० होकारो, पोकारीने–हाक मारीने बोऊावबु ते (२) नोतरु
हँकवा पु० वाघने हाकाहाक करी शिकारी पासे लाववो ते
हँकाई स्त्री० हाकवु ते के तेनी मजूरी
हँकाना स०क्रि० हाक मारवी (२) हाकवु
हँकार स्त्री० होकारो, ताणीने बोलाववु ते, बूम. –पड़ना=होकारो पडवो; हाक वागवी [पडकार
हकार पु० (प.) अहकार (२) हुकार;
हँकारना स०क्रि० जोरथी बोलाववु, पोकारवु (२) आह्वान करवु
हकारना अ०क्रि० होकारो करवो; गर्जवु
हकारा पु० होकारो (२) नोतरु, आमत्रण
हगाम पु० [फा] वखत, मोसम (२) जुओ 'हगामा' [(२) भीड
हगामा पु०[फा] हगामो; हल्लो, तोफान
हंजार पु० [फा] मार्ग (२) ढग; रीत
हंटर पु० [इ] एक जातनी चाबुक. (–जमाना, –मारना, –लगाना)
हंडल पु० 'हॅन्डल'; हाथो
हंडा पु० हाडो, देगडो
हँड़िया, हंडी स्त्री० हाडी, हाल्ली
हंत अ०[स] खेद, अफसोसनो उद्‌गार
हंता पु० [स] हणनार [खावो
हँफनि स्त्री० हाफ –मिटाना=थाक
हंस पु०[स] हस पक्षी (२) सूर्य (३) जीवात्मा
हँसतामुखी पु० हसमुखो आदमी
हँसन् स्त्री० हसवु ते, हास्य
हँसना अ०क्रि० (२) स०क्रि० हसवु
हँसनि स्त्री० (प) हसवु ते
हसनी स्त्री० हसणी, हस मादा
हँसमुख वि० हसमुखु (२) विनोदी, टीखळी [हाडकु के घरेणु
हँसली स्त्री० गळानी हासडी–ते नामनु
हँसाई(–य) स्त्री० हसवु ते (२) हासी
हँसाना स०क्रि० हसाववु
हँसाय स्त्री० (प) जुओ 'हँसाई'
हंसिनी स्त्री० हसणी, हसी
हँसिया स्त्री० दातरडु
हंसी स्त्री० [स] हस मादा
हँसी स्त्री० हास्य (२) हांसी. –छूटना=हसवु आववु

हँसुआ(-वा) पु० जुओ 'हँसिया'
हँसोड़(-र) वि० हासीखोर; मजाकी
हँसो(-सौ)हाँ वि० हसमुखु (२) हासीखोर
हक पु० हृदय धडकवु ते. ०दक वि० चकित ०बक वि० 'हक्का-बक्का'
हक़(-क़्क़) वि० [अ] हक; योग्य; वाजबी (२) साचु (३) पु० अधिकार (४) फरज (५) न्यायी के वाजबी वात के पक्ष (६) खुदा
हक़तलफ़ी स्त्री० [अ] अन्याय
हकताला पु० [अ] परमेश्वर; खुदा
हकदक वि० जुओ 'हक' मा
हक़दार वि० [फा] हकवाळु; अधिकारी
हकनाहक अ० हकनाक; नाहक; वगर-फासु (२) फरजियात; बळजोरीथी (३) पु० न्यायान्याय; सत्यासत्य
हकबक वि० जुओ 'हक' मा
हकबकाना अ०क्रि० गभरावु
हकला(०हा) वि० तोतडु बोलतु
हकलाना अ०क्रि० तोतडावु
हकलाहा वि० जुओ 'हकला'
हकश(-शु)फा पु० [अ] कोई जमीन जायदाद वेचाण पर होय तो तेने खरीदवानो पहेलो हक कोईने होवो ते
हक-शिनासी वि० [फा] कदरदान (२) न्यायी (३) आस्तिक (नाम, -सी)
हक़शुफा पु० [अ] जुओ 'हकशफा'
हकारत स्त्री० [अ.] घृणा (२) वेआवरू
हक़ीकत स्त्री० [अ] हकीकत; असल के साची वात; तथ्य
हकीकतन् [अ], हक़ीक़तमें अ० वस्तुताए; खरु जोता [सगु, पोतानु
हकीकी वि० [अ] असली; मूळ (२)
हकीम पु० [अ.] विद्वान; ज्ञानी (२) तबीब; युनानी वैद. -मी स्त्री० हकीमनु काम के विद्या
हकीयत स्त्री० जुओ 'हक्कियत'
हक़ीर वि० [अ] दूबळु (२) तुच्छ
हकूक़ पु० ब० व० [अ.] हको; अधिकारो
हकूमत स्त्री० जुओ 'हुकूमत'
हक़्क़ पु० जुओ 'हक'
हक़्क़ा अ० [अ] ईश्वरना सोगन
हक़्क़ाक़ पु० [अ] हीरा पर जडावकाम करनार
हक़्क़ानी वि० [अ] ईश्वर सबधी (२) खुदा परस्त. -नि(-नी)यत स्त्री० अध्यात्म
हक्का-बक्का वि० गभरायेलु; चकित
हक़्क़ियत स्त्री० [अ] हकदारी; हक-अधिकार होवो ते
हक़्क़े-तस्नीफ पु०[अ +फा] 'कॉपीराईट'; लेखकनो अधिकार
हगना अ०क्रि० अघवु; झाडे फरवु
हगास स्त्री० अघवानी हाजत, अघण. -लगना = हाजत थवी
हगोड़ा वि० वारे वारे अघतु
हचकना अ०क्रि० आचको, उछाळो, हेल्लो इ० लागवु
हचका, हचकोला पु० आचको; धक्को; उछाळो (गाडी खाटलो वगेरेमा बेसता लागे छे ते)
हज प० मक्कानी हज
हज़ पु०[अ] सद्भाग्य (२) खुशी (३) मजा; लहेजत
हजम पु० (२) वि० जुओ 'हज़्म'
हजर पु० [अ] पथ्थर

हज़रत पु०[अ.] महात्मा के महापुरुष माटे संबोधन (२) (व्यंग्यमा) दुष्ट के पाजी माणस. ०**सलामत** पु०[अ.] बादशाहनु 'हुज़ूर' जेवु संबोधन
हजरे-असवद पु०[अ] काबानो पथ्थर
हज़ा स० [अ] आ; 'यह'
हजाब पु० जुओ 'हिजाब'
हजा(-ज्जा)म पु० जुओ 'हज्जाम'
हजामत स्त्री०[अ] मूंडावबु ते **-बनाना** हजामत करवी (२) [ला] लूंटवु (३) मारवु झूडवु
हज़ार वि०[फा.] हजार; १००० (२) हजारो, अनेक (३) अ० गमे तेटलु
हज़ार-पा पु० [फा] कानखजूरो
हज़ारहा वि० [फा.] हजारो; बहु ज
हज़ारा पु०[फा.]हजारीगोटो (२) फुवारो
हज़ारी पु० [फा] हजार सिपाईनो नायक-सरदार. ०**बज़ारी** वि० सर्व-साधारण; मामूली
हज़ीमत स्त्री० [अ.] हार; पराजय
हजूम पु० जुओ 'हुजूम'
हज़ूर पु० हजूर (जुओ 'हुज़ूर')
हज़ूरी पु० हजूरियो; अनुचर (२) वि० हजूर-दरबारने लगतु
हजो स्त्री० [अ.] निंदा
हज्ज पुं० [अ] हज; मक्कानी यात्रा
हज्जाम पु० [अ.] हजाम (नाम, **-मी**)
हज़्म वि० [अ] हजम; पचेलु (२) पु० पाचन; हजमियत
हट(-ठ) स्त्री० हठ; जिद्द
हटक, ०**न** स्त्री० मनाई; रुकावट
हटकना स० क्रि० अटकाववु; रोकवु; मना करवी
हट(-ड़)ताल स्त्री० हडताल; पाकी
हटना अ०क्रि० हठवु; खसवु
हटवा पु० हाटवाळो; दुकानदार
हटवाई स्त्री० (प.)दुकानदारी
हटवार पु० (प.) दुकानदार
हटाना स०क्रि० हठाववु
हट्ट पु० [स] हाट; बजार
हट्टा-कट्टा वि० हृष्टपुष्ट; स्थूल
हट्टी स्त्री० दुकान
हठ पु० [स] हठ, जिद्द
हठना अ०क्रि० (प.) हठ करवी (२) दृढ प्रतिज्ञा लेवी
हठी(०ला) वि० हठीलु; जिद्दी (२) दृढप्रतिज्ञ; टेकीलु
हड़ स्त्री० हरड
हड़कंप पु० खळभळाट
हड़क स्त्री० हडकवा (वि० **-हड़काया**) **-उठना**=हडकवा लागवो
हड़कना अ० क्रि० हडकवा लागवो; कशा माटे खूब तलसवु
हड़काना स०क्रि० हडकायु के रघवायु के आतुर करवु; तरसाववु
हड़गाया वि० हडकायु [एक पक्षी
हड़गिल्ल, हड़गीला पु० (बगला जेवु)
हड़ताल स्त्री० पाकी
हड़प वि० गब दईने खाधेलु के गेब करेलु. **-करना**=हजम करी जवु; उडावी जवु [करना'
हड़पना स०क्रि० हप करी जवु; 'हडप
हड़फूटन स्त्री० हाडकामा थतु कळतर
हड़बड़ स्त्री० उतावळनो रघवाट
हड़बड़ाना अ०क्रि० हडबडवु; उतावळ करवी; रघवावु (२) स०क्रि० उतावळ करवा कहेवु
हड़बड़िया वि० उतावळियु; रघवाटियुं

हड़बड़ी स्त्री० जुओ 'हडबड'
हड़ावरि,–ल स्त्री० (प) हाडकानी माळा के माळखु
हड्डा पु० भमरी, 'बर्र'
हड्डी स्त्री० हाडकु (२) (ला) कुळ; खानदान. –उखड़ना=हाडकु ऊतरी जवु
हत वि० [स] हणायेलु; घायल
हतक, हतक-इज्जती स्त्री० बेआबरू; मानभग; बदनक्षी
हतना स०क्रि० (प) हणवु; मारवु
हता अ०क्रि०(प.)हतु('होना'नो भूतकाळ)
हताश वि० [स] निराश; नाउमेद
हत्ता अ०[अ] त्या सुधी; एटली हदे के
हत्थ पु० (प) हाथ
हत्था पु० हाथो; दस्तो (२) केळानु घोड. –मारना=हाथ मारवो; चोरवु
हत्थि पु० (प) हाथी
हत्थी स्त्री० हाथो; दस्तो
हत्थे अ० हाथमा. –चढ़ना=हाथमा आववु, हाथे चढवु [पचात; झघडो
हत्या स्त्री०[स] खून, घात, वध (२)
हत्यारा पु० हत्यारो [घातकी
हत्यारी स्त्री० हत्यानु पाप(२)वि०स्त्री०
हथ पु० समासमा वपरातु 'हाथ'नु रूप
हथउधार पु० जुओ 'हथफेर' अर्थ ३
हथकंडा पु० हाथचालाकी
हथकड़ी स्त्री० हाथकडी [एवु
हथछूट वि० हाथनु छूटु–झट मारी बेसे
हथनाल स्त्री० हाथी पर रखाती तोप
हथनी स्त्री० हाथणी
हथफेर पु० वहालमा हाथ फेरववो–पपाळवु ते (२) हाथ मारी जवानी चालाकी (३) थोडा दिवस माटे उचक लेवाती के देवाती रकम
हथलेवा पु० लग्ननो हस्तमेळाप
हथवाँस पु० नाव चलाववानो बधो सरसामान
हथवाँसना स०क्रि० कोई चीजनो प्रथम वापर शरू करवो
हथसार स्त्री० हाथीखानु; हस्तीशाळा
हथिनी स्त्री० हाथणी
हथिया पु० हाथियो; हस्त नक्षत्र
हथियाना स०क्रि० हाथमा–कबजामा लेवु (२) हाथ मारी जवु; उडावी लेवु
हथियार पु० शस्त्र (२) ओजार. ०बद वि० हथियार बध; सशस्त्र
हथेरी(–ली) स्त्री० हथेळी (२) रेंटियानो हाथो
हथौटी स्त्री० हथोटी; हस्तकौशल्य (२) कशामा हाथ नाखवो ते
हथौड़ा पु० हथोडो (स्त्री० हथौड़ी)
हद स्त्री० [अ] सीमा (२) अत ०समाअत स्त्री० जुओ 'हद्दे समाअत'
हदफ पु० [अ] निशान; लक्ष्य
हदिया पु० [अ] भेट; उपहार
हदीस स्त्री० [अ] हजरत महमदना वचनो तथा कार्यनो सग्रह –खींचना= सोगन खावा
हदूद स्त्री० [अ] 'हद्द'नु ब०व०
हद्द स्त्री० [अ] हद; सीमा
हद्दे समाअत स्त्री० [अ] कचेरीमा दावो दाखल करी देवानी नक्की अवधि
हद्दे सियासत स्त्री० [अ] न्यायाधीशना अधिकारनी हद
हनन पु० [स] हणवु ते; वध
हनना स०क्रि० (प) हणवु; मारवु
हनु स्त्री० [स] दाढी; हडपची
हनोज अ० [फा] अत्यार सुधी

हफ़-नज़र [फा] श० प्र० = ईश्वर करे ने नजर न लागे
हफ़्त वि० [फा] सप्त; सात
हफ़्त-इकलीम [फा. + अ] स्त्री० साते देश; आखो ससार [शनिवार
हफ़्ता पु० [फा] हफ्तो; सप्ताह (२)
हफ़्ताद वि० [फा.] सत्तर, १७
हबकना अ०क्रि० करडवा के बचकु भरवा मो फाडवु (२) स०क्रि० करडवु
हबन्नक़ वि० [अ] मूर्ख; बेवकूफ
हबर-द(-ह)बर अ० झटझट; जलदी
हबश,-शा पु० जुओ 'हब्श' **-शी** पु० जुओ 'हब्शी'
हबीब पु० [अ] मित्र (२) प्रियजन
हबूब पु०ब०व० [अ] दाणा (२) गोळीओ
हब्बा पु० [अ] अनाजनो दाणो; कण (२) दाणा जेटलु जराक; चपटी
हब्बा-डब्बा पु० उटाटियु—एक बाळरोग
हब्श पु० [अ] आबिसीनिया देश
हब्शी पु०[अ] 'हब्श' देशनो रहेवासी; हबसी [होवाथी थतो घाम
हब्स पु० [अ] केद; बन्धन (२) पवन न
हम स० अमे (२) आपणे (३) पु० हमडी; अहता (४) अ० [फा] साथे (५) समान (समासमा उदा० हमदर्दी; हमदीन)
हम-असर वि० [फा] समकालीन
हम-आहंग वि०[फा] एकसाथे बधानी जोडे बोलनार (नाम, **-गी**)
हम-उम्र वि० [फा] समान उमरनु
हम-कदम वि०[फा] साथे चालनार; साथी
हम-कलामी स्त्री० [फा] वातचीत
हम-चश्म वि०[फा] सरखा दरज्जावाळु
हमजिन्स वि० [फा] सजातीय
हम-जुल्फ पु० [फा.] साढु
हमजोली पु० समोवडियो; साथी
हमदम पु०[फा] दिलोजान, घनिष्ठ मित्र
हमदर्द पु० [फा] सहानुभूति राखनार **-र्दी** स्त्री० सहानुभूति
हम-नफ़स, हम-नशीन वि०[फा] साथी
हम-निवाला वि०[फा] साथे खानार-पीनार [जोडीदार
हम-पल्ला वि० [फा] बरोबरियु;
हम-पाया वि०[फा] बरोबरियु; सरखा पदवाळु
हम-पियाला वि० [फा] एक प्याले पीनार; साथे खानारपीनार
हम-पेशा वि० [फा] एक धधावाळु
हम-मकतब वि० [फा] सहाध्यायी
हमराह अ० [फा] साथे; सगाथे
हमल पु० [अ] हमेल; गर्भ
हमला पु० [अ] हुमलो (२) आघात; प्रहार
हमला-आवर वि०[फा] हुमलो करनार; आक्रमणकारक
हमवतन पु० [फा.] देशबधु, देशभाई
हमवार वि० [फा] सपाट; समतल
हमशीर(-रा) स्त्री० [फा] बहेन
हम-सबक़ पु० [फा.] सहाध्यायी
हमसर वि० [फा] समान, जोडीदार; बरोबरियु (नाम, **-री**)
हम-साज़ पु० [फा] मित्र
हमसायगी स्त्री०[फा] पडोशी होवु ते
हमसाया पु० [फा] पाडोशी
हमसिन वि० [फा.] समोवडियु
हमहमी स्त्री० जुओ 'हमाहमी'
हमा वि० [फा.] कुल, बधु, पूरु
हमाकत स्त्री० [अ.] मूर्खता; अणसमज

हमा-त्तन अ० पगथी माथा सुधी (२) आखु; बधु
हमाम पु० जुओ 'हम्माम' [पराई
हमाम-दस्ता पु० हमामदस्तो, खाडणी-
हमारा स० अमारु (२) आपणु
हमाल पु० जुओ 'हम्माल'
हमा-शुमा वि० [फा] मारा तमारा जेवा सामान्य (लोक)
हमाहमी स्त्री० पोतपोताना स्वार्थनी खेंचताण; अहमहमिका
हमें स० 'हमको'; अमने (२) आपणने
हमेल स्त्री० जुओ 'हुमेल'
हमेव पु० (प) अहम, अहता
हमेशा अ० [फा] हमेशा (नाम, **हमेशगी**)
हम्द स्त्री० [अ] ईश्वरस्तुति
हम्माम पु० [अ] 'हमाम'; स्नानगृह; नावणियु (२) गरम पाणीनो बबो
हम्माल पु० [अ] 'हमाल'; कुली
हय पु० [स] घोडो [करवो
हयना स०क्रि० (प) वध करवो; नाश
हया स्त्री० [अ] लाज; शरम
हयात स्त्री० [अ] हयाती (२) जिंदगी
हयादार, हयामंद वि० [फा] शरमवाळु; लज्जाळु
हर पु० [स] शिव (२) वि० (समासने अते) हरनारु (३) [फा] दरेक
हरकत स्त्री० [अ.] गति (२) चेष्टा; वर्तन; व्यवहार (प्राय. अनिष्ट) (३) स्वर के तेना झवर, झेर, पेश इ० चिह्न
हरकारा पु० [फा] हलकारो; कासद (२) टपाली
हरख पु० (प.) हर्ष; आनद. ०ना अ०क्रि० हरखावु -खाना अ०क्रि० हरखावुं (२) स०क्रि० हरखावvu

हरगिज़ अ०[फा]कदी; कदापि; हरगिज
हरचंद अ० [फा] जोके; यद्यपि (२) अनेक वार
हरज(-जा) पु० जुओ 'हर्ज'
हरजाई वि० [फा] ज्या त्या भटकतु (२) स्त्री० कुलटा; भटकण स्त्री
हरजाना पु०[फा.] नुकसाननी भरपाई
हरण पु०[स] हरवु-लई लेवु ते (२) (गणितमा)भागाकार
हरता-धरता पु० कर्ताहर्ता; पूर्ण अधिकारी
हरताल स्त्री० एक उपधातु **-फेरना, -लगाना**=खतम करवु; बगाडी नाखवु
हरद,-दी स्त्री० हळदळ; 'हल्दी'
हर-दिल-अज़ीज़ वि०[फा] हरेकने प्रिय; सर्वप्रिय; लोकप्रिय
हरना स०क्रि० हरवु; लई लेवु (२) पु० (प.) हरणु; 'हिरन'
हरनी स्त्री० हरणी; मृगली
हरफ पु० 'हर्फ'. (किसी पर)-**आना**=(कोई पर) एक अक्षर पण आववो; कसूर नीकळवी **-उठाना**= अक्षर वाचता आवडवु. **-बनाना**= सरस अक्षर काढवा (२) दस्तावेजमा कपटथी फेरफार करवो **-बैठाना**= बीबा गोठववा
हरफगीर पु० टीकाखोर; दोषदृष्टिवाळु
हरफगीरी स्त्री० खणखोद; टीकाखोरी; दोष देख्या करवा ते
हरफ़त स्त्री० जओ 'हिरफत'
हर-फन-मौला पुं० हरेक काममा आवडतवाळो-होशियार [फळ
हरफा रेवढी स्त्री० एक झाड के तेनु
हरबराना अ०क्रि० जुओ 'हडबडाना'

हरबा पु०[अ] हथियार; शस्त्रास्त्र (२) चडाई, हुमलो [पु० अधेर; अराजक
हरबोंग वि० गमार (२) मूर्ख, जडसु (३)
हरम पु० [अ] जनानो; अत.पुर (२) स्त्री० रखात (३) लूडी; दासी ०खाना पु० जुओ 'हरमसरा'
हरमजदगी स्त्री० हरामजादापणु; दुष्टता; बदमाशी [खानु
हरमसरा स्त्री० [अ] अत पुर; जनान-
हरवल स्त्री० खेडूतने उधार के उछीनी अपाती रकम (२) (प) पु० जुओ 'हरावल'
हरवली स्त्री० सेनानी आगेवानी
हरवाह(-हा) पु० खेडूत; 'हलवाह'. -ही स्त्री० तेनु काम के मजूरी
हरसिंगार ु० पारिजातकनु झाड
हरहट, हरहा वि० हरायु
हरहाई वि० स्त्री० हराई (गाय)
हरा वि० लीलु (२) ताजु (३) काचु (फळ, दाणो इ०) (४) पु० लीलो रग -बाग=खोटी आशा आपती-खाली वात [हारवु ते
हराई स्त्री० हळनो चास (२) हार;
हराभरा वि० लीलु, ताजु (२) हरियाळु
हराम वि० [अ] हराम, निषिद्ध (२) पु० निषिद्ध वस्तु (३) अधर्म; पाप (४) व्यभिचार -करना=कशु करवानु कठण करी मूकवु -होना=मुश्केल थवु [करनार (२) व्यभिचारी
हरामकार वि० [फा] हराम काम
हरामखोर वि० [फा] आळसु; हरामनु खानार (२) कृतघ्न
हराम-ज़ादा पु० वर्णसंकर (२) हरामी; बदमास (स्त्री० -दी)
हरामी वि० व्यभिचारथी उत्पन्न (२) हरामी; बदमास
हरारत स्त्री० [अ.] गरमी (२) धीकडी; जीर्ण ज्वर [आगलो भाग
हरावल पु० [तु] 'हरोल'; सेनानो
हरास पु० [फा हिरास] डर; आशंका (२) खेद; दु:ख (३) निराशा
हरासत स्त्री० जुओ 'हिरासत'
हरासाँ वि० जुओ 'हिरासाँ' [लीलु
हरि पु०[स.] विष्णु (२) वांदरो (३) वि०
हरिआ(-या)ली स्त्री० हरियाळी (२) झाड, छोड इ० लीलोतरीनो विस्तृत समूह. -सूझना=बधे आनद आनंद देखावो
हरिजन पु० [स] प्रभुभक्त (२) अस्पृश्य मनाती एवी जातिनो माणस
हरिण(-न) पु० [स] हरण. -णी (-नी) स्त्री० हरणी
हरित वि० [स] लीलु (२) पु० लीलो रंग
हरिद्रा स्त्री० [स] हळदर
हरिन पु०, -नी स्त्री० जुओ अनुक्रमे 'हरिण, -णी'
हरियाली स्त्री० जुओ 'हरिआली'
हरिवासर पु० [स.] रविवार (२) एकादशी
हरि(-री)स स्त्री० [स. हलीषा] हळनु लाबु लाकडु जेणे धूसरी बधाय छे
हरीकेन पु० [इं] एक जातनु फानस
हरीतकी स्त्री० [स] हरडे
हरीफ पु० [अ.] शत्रु; सामावाडियो
हरीरा पु० [अ.] रावडी जेवु एक पेय
हरीस स्त्री० जुओ 'हरिस' (२) वि० [अ] लालचु (३) ईर्षाळु
हरुअ(-आ) वि० (प.) हलकुं

हरुए अ० (प.) हळवे; धीमेथी के चुपचाप [हरफो
हरूफ पु० [अ. 'हर्फ' नु ब० व०] अक्षरो;
हरें,–रे अ० (प.) 'हरुए'; हळवे; धीमे
हरेक वि० 'हरएक'; दरेक
हरो(–रौ)ल पु० हरोल; जुओ 'हरावल'
हर्ज पु० [अ] अडचण; विघ्न (२) हानि; नुकसान
हर्जाना पु० जुओ 'हरजाना'
हर्ता पु० [स.] हरनार [अव्यय
हर्फ़ पु०[अ] हरफ; अक्षर (२) नामयोगी
हर्फ़गीर वि० दोषदर्शी [अक्षर
हर्फ़-ब-हर्फ़ अ० [अ.] अक्षरशः; अक्षरे-
हर्ब स्त्री० [अ] लडाई
हर्र(–र्रे) स्त्री० हरड
हर्रा पु० मोटी हरड
हर्राफ़ वि०[अ] पाकु; चालाक; पहोंचेल
हर्रे स्त्री० हरडे [हरखायेलु; राजी
हर्ष पु०[सं] आनद; हरख **–र्षित** वि०
हल पु० [स] हल
हल पु०[अ] उकेल, फेंसलो **–करना**= फेंसलो करवो; उकेलवु (२) भळे के मळी जाय एम करवु. **–होना**= उकेलावु (२) भळवु; मळी जवु
हलकंप पु० हिलचाल; आदोलन (२) खळभळाट
हलक़ पु० हलक; कठ; गळु. **–के नीचे उतरना**=पेटमा जवु (२) गळे ऊतरवु; समजावु
हलकई स्त्री० हलकाश; हलकापणु (२) वि० नीचापणु; वट के शोभाने हानि
हलकना अ०क्रि० हेलारे चडवु; लहेरो खावी [हलकु पाडवु; अपमानवु
हलका वि० हलकु (२) नीचु **–करना**=
हलक़ा पु० [अ.] गोळाकार; वृत्त (२) परिघ (३) मडळ; समूह (४) गामोना खास समूह; गोळ [कटाळेलु
हलकान वि० जुओ 'हैरान'; हलाक;
हलकाना स०क्रि० हेल्ले चडाववु (२) अ०क्रि० हलकुं थवु
हल्कारा पु० जुओ 'हरकारा'
हलकोरा पु० हेलकारो; तरग
हलचल स्त्री० खळभळ; उपद्रव. **–पड़ना, –मचना**=धाधळ मचवी; खळभळवु
हलद-हात स्त्री० पीठी चोळवानो विवाहनो विधि
हलदिया पु० कमळानो रोग
हलदी स्त्री० हळदर **–उठना, –चढ़ना**=पीठी चढवी **–लगना**=विवाह थवो. **–लगे न फिटकरी**=मफत; वगर खरचे
हलफ पु० [अ] कसम; सोगन **–उठाना**=सोगन खावा
हलफन् अ० [अ] सोगनथी
हलफा पु० लहेर; मोजु; हेलारो
हलफी वि० [फा] सोगनपूर्वक
हलब(–भ)ल स्त्री० जुओ 'हलचल'
हलराना स०क्रि० (बाळकने) हाथ पर लई झुलाववु
हलवा पु० [अ] शीरो. **हलवे माँडेसे काम**=केवळ पोतानो मतलब
हलवाई पु० [अ.] कदोई (स्त्री० **–इन**)
हलवाह(–हा) पु० [स] हळजोडु; खेडूत
हलहलाना स०क्रि० जोरथी हलाववु; हचमचाववु
हलाक वि० [अ] मरेलु (२) थाकेलु (३) नाश पामेलु [नाश
हलाकत, हलाकी स्त्री०[अ] मोत (२)
हलाकान वि० जुओ 'हलकान'

हलाकानी स्त्री० हेरानगत; 'परेशानी'
हलाकी(-कू) वि० मारो; घातक; अत्याचारी
हला-भला पु० तोड; निकाल
हलाल वि०[अ] कुरानथी विहित (२) पु० खावा माटे विहित पशु (३) बीजनो चन्द्र **-करना**=झबे करवु; हणवु
हलाल का वि० 'हरामनु' थी ऊलटु; वाजवी रीते मेळवेलु के मळेलु
हलालखोर पु० प्रामाणिकताथी महेनत-मजूरी करनार (२) भंगी
हलीम वि०[अ] सहनशील; शांत (२) पु० मोहरममा करातु एक मासनु भोजन
हली(-ले)सा पु० हलेसु; 'चप्पू'
हलूक स्त्री० 'हुलकी'; ऊलक
हलोरना स०क्रि० हेलारे चडाववु (२) ऊपणवु (३) सघरवु; एकठु करवु
हलोरा पु० हेलारो; मोजु; 'हिलोरा'
हल्क़ पु० [अ] गळु; (२) गरदन
हल्द,-ल्दी स्त्री० जुओ 'हलदी' **०हात** स्त्री० जुओ 'हलद-हात'
हल्ला पु० शोर; कोलाहल (२) लडाईनी हाक (३) हल्लो; हुमलो
हवन पु० [स] होम; यज्ञ
हवन्नक़ वि० जुओ 'हबन्नक'
हवलदार पु० हवालदार [तृष्णा
हवस स्त्री०[फा] लालच (२) इच्छा;
हवा स्त्री०[अ] हवा; वायु (२) भूतप्रेत (३) आट; शाख (४) इच्छा; चाह (५) वासना **-उखड़ना**=शाख जवी **-उड़ना**=खवर फेलावी **-करना**= पंखो नाखवो. **-बँधना**=नामना थवी (२) शाख होवी. **-बताना**=उडावी देवु; टाळवु; डिंगो बतावबो **-बिगड़ना**=चेपी रोग फेलावो (२) चाल बगडवो के खराब विचार फेलावा. (किसीकी) **-लगना**=संगनो प्रभाव पडवो. **-हो जाना**=झट जता रहेवु; ऊडी जवु
हवाई वि० हवानु, हवा सबधी (२) तरगी, अध्धर (३) स्त्री० एक दारू-खानु (मुँह पर) **हवाइयाँ उड़ना**= चहेरो फीको पडी जवो
हवाई अड्डा पु० विमानमथक; ॲरोड्रोम
हवाई जहाज़ पु० विमान; ॲरोप्लेन
हवाख़ोरी स्त्री० हवा खावा जवु ते; सहेल
हवागीर पु० दारूखानु बनावनार
हवाचक्की स्त्री० पवनचक्की
हवादान पु० हवा आववा रखाती जाळी
हवादार वि० [फा] हवावाळु; खुल्लु (२) इच्छावाळु (३) प्रेमी
हवापरस्त वि० [अ+फा] इद्रियारामी
हवापानी पु० आबोहवा
हवारी पु० [अ.] ईशुना (बार) साथी
हवाल पु० हाल; दशा (२) खबर; हेवाल
हवालदार पु० (अमुक दरज्जानो) फोजी के पोलीस सिपाई
हवाला पु०[अ] साबिती; प्रमाण (२) उदाहरण; दाखलो (३) हवालो; सुपरत
हवालात स्त्री० [अ] हवाले करवु ते (२) काची केद; हाजतमा राखवु ते के तेनी जेल
हवाली स्त्री० [अ] आसपासनी जगा
हवास पु०[अ] इद्रियो (२) होश; भान **-गुम होना**=होशकोश ऊडी जवा
हवास-बाख़्ता वि० [अ.+फा] जुओ 'हक्कावक्का'
हवि पु० [सं] यज्ञनी-हवननी सामग्री

स्थित (२)
ा) बीजो
ाम, –बी)
ारजवावी.
२) बपोरनी
[आवेल
र के करी
के दुकान.
(२) वजार

वि० सोनेरी

डो; आगणु
ा (४) वि०
दूर करेलु
ादमी (२)
ताई के तेना
[(३) हाथो
ाव(रमतनो)
कथी गभरावु
–एक घरेणु
ी थाणो
० हायपगयी

ायी

रोग

(२) जोत-
दरगान करवु
ा.

हादी पु० [अ] नेता; मार्गदर्शक
हानि स्त्री० [स] नुकसान (२) नाश
हाफ़िज़ पु० [अ] कुरान कठस्थ होय एवो मुसलमान
हाफ़िज़ा पु० [अ] स्मरणशक्ति
हामिद वि० [अ] प्रशसक; गुणगान करनार
हामिल वि० [अ.] हमाल; बोजो ऊचकनार के वही जनार [वती
हामिला वि०[अ] स्त्री० भारेवाई; गर्भ-
हामी स्त्री० हा; स्वीकार (२) वि० [अ] हिमायती; समर्थक **–भरना** = हा पाडवी; स्वीकारवु
हाय स्त्री० दु ख के पीडा (२) अ० तेनो उद्गार [**–देना** = हराववु
हार स्त्री० पराजय. **–खाना** = हारवु.
हारना अ० क्रि० हारवु; पाछु पडवु
हारमोनियम पु० [इ.] पेटीवाजु
हारसिंगार पु० जुओ 'हरसिंगार'
हारे दर्जे अ० विवश–लाचार थईने
हार्द पु० [स.] प्रेम; दया (२) मर्म (३) वि० हृदय सबंधी
हार्दिक वि० [स.] हृदय सबधी; दिली
हाल स्त्री० हालवु ते; हलन (२) पु० पैडानी लोढानी वाट (३) [इ.] हॉल
हाल पु०[अ.] हाल; दशा (२) खबर; समाचार (३) विवरण; वर्णन (४) कथा; चरित्र (५) (व्या) वर्तमान काळ (६) ईश्वरमा तल्लीनता (७) अ० हाल; हमणा
हालका वि० नवु; ताजु; हाल्नु
हालडोल पु० हालवु ते (२) हिलचाल

हवेली स्त्री०[अ] हवेली (२) स्त्री; पत्नी
हव्वा स्त्री० [अ] बावा आदमनी स्त्री; 'Eve' (२) पु० हाउ [वैभव
हशमत स्त्री०[अ] गौरव; मोटाई (२)
हशर पु० जुओ 'हश्र'
हश्त वि० अष्ट; आठ
हश्तुम वि० आठमु
हश्र पु० [अ] कयामतनो दिन; हशर (२) शोक; आक्रंद (३) शोरबकोर
हश्शाश वि० [अ] खूब प्रसन्न; राजी. –बश्शाश = खूब खुश
हसद पु० [अ] ईर्षा; झेर
हसन पु०[स] हसवु ते (२) हासी; विनोद
हसब पु० [अ] 'नसब'थी ऊलटु (मातृ-पक्षनु) कुळ; वंश [खानदान
हसब-नसब पु० [अ] माबापनु कुळ–
हसरत स्त्री० जुओ 'हस्रत'
हसीन वि० [अ] सुदर; खूबसूरत
हसूल पु० जुओ 'हुसूल'
हस्त पु० [स.] हाथ (२) सूढ (३) एक नक्षत्र [(२) जिंदगी
हस्त(–स्ती) स्त्री० [फा.] हस्ती; हयाती
हस्तक्षेप पु० [सं.] दखल
हस्तगत वि०[स] हाथमा आवेलु; मळेलु
हस्ताक्षर पु० [स] दस्कत; सही
हस्तामलक पु० [स] मेळववु; हस्तगत करवु सहेलु ते
हस्ती स्त्री० [फा.] जुओ 'हस्त' (२) पु० [स] हाथी
हस्ते अ० द्वारा; मारफत
हस्ब अ० [अ] अनुसार; प्रमाणे
हस्रत स्त्री० [अ] हसरत; शोक; अप्राप्तिनु दुःख (२) कामना; लालच
हहर स्त्री० कपारी (२) डर
हहरना अ० क्रि० कापवु; थथरवु (२) डरवु (३) चोकवु (४) अदेखाई करवी
हाँ अ० हा –करना = हा कहेवी (२) समत थवु. –में हाँ मिलाना = हाजियो भणवो; हाजी हा करवु
हाँक स्त्री० हाक; बोलाववा माटे बूम. –देना, मारना, लगाना = हाक मारवी. –पुकार कर कहना = बधा सामे भय सकोच वगर कहेवु
हाँकना स०क्रि० हाकवु (२) हाक मारवी
हाँगा पु० हाजा; शरीरनी ताकात (२) जबरदस्ती –छूटना = हाजा वछूटवा, कमजोर के नाहिमत थई जवु
हाँगी स्त्री० 'हामी'; हा; समति –भरना = हा पाडवी
हाँड़ी स्त्री० हाल्ली (२) दीवानी हाडी
हाँप(–फ)ना अ०क्रि० हाफवु
हाँफा पु०, –फी स्त्री० हाफ
हाँसी स्त्री० 'हँसी'; हास्य (२) हासी
हाइड्रोजन पु० [इ.] एक वायु
हाइफन पु०[इ] एक विरामचिह्न (-)
हाई स्त्री० दशा; हाल (२) ढग, रीत (३) वि०[इ] ऊचु; मोटु. (दा० त० हाई कोर्ट पु०, –स्कूल पु०)
हाऊ पु० हाउ; 'हौवा'
हाकिम पु० [अ] हाकेम; अमलदार
हाकिमी वि०(२)स्त्री० हाकेमी; हकूमत
हाजत स्त्री०[अ] हाजत; जरूर; (२) चाह (३) पहेरो; केद; 'हवालात'. –में देना या रखना = पहेरामा राखवु
हाजती स्त्री० पेशाबपाणी माटे रोगी पासे रखातु वासण (२) वि० हाजतवाळु [पाचनक्रिया
हाजमा पु० [अ] पाचनशक्ति के

हाजा स० [अ] आ; 'यह'
हाजिम वि०[अ] पाचक; पचावे एवु
हाज़िर वि०[अ.] हाजर; उपस्थित (२) हयात; विद्यमान (३) (व्या) बीजो (पुरुष) [(नाम, –री)
हाज़िर-जवाब वि०[अ] हाजरजवाबी.
हाज़िरी स्त्री०[अ] हाजरी (२) बपोरनी हाजरी – नास्तो [आवेल
हाजी पु०[फा] हज करनार के करी
हाट स्त्री० हाट; बजार के दुकान –**करना**=दुकान काढवी (२) बजार करवा जेवु
हाटक पु०[स] सोनु (२) वि० सोनेरी
हाड़ पु० हाडकुं
हाता पु० [अ. इहात.] वाडो, आगणु (२) प्रात; 'सूबा' (३) सीमा (४) वि० (स्त्री० –**ती**) (प) अलग; दूर करेलु
हातिम पु० [अ] चतुर आदमी (२) उस्ताद; तज्ज्ञ (३) हातिमताई के तेना जेवो दानी [(३) हाथो
हाथ पु० शरीरनो हाथ(२)दाव(रमतनो)
हाथपांव फूलना=डर के शोकथी गभरावु
हाथपान पु० हाथपहोचियु–एक घरेणु
हाथा पु० हाथो (२) हाथनो थापो
हाथापाई, हाथाबाँही स्त्री० हाथपगथी मारामारी; धोलधापट
हाथी पु० गज; हस्ती; हाथी
हाथीखाना पु० हाथीखानु
हाथीपाँव पु० हाथीपगानो रोग
हाथीवान पु० महावत
हाथोहाथ अ० हाथोहाथ (२) जोतजोतामा. –**लेना**=बहु आदरमान करवु
हाद(–दि)सा पु० [अ हादिसा] दुर्घटना; आपत्ति (२) अकस्मात
हादिस वि० [अ.] नवु (२) नश्वर
हादिसा पु० [अ] जुओ 'हादसा'
हादी पु० [अ] नेता; मार्गदर्शक
हानि स्त्री० [स] नुकसान (२) नाश
हाफ़िज़ पु० [अ] कुरान कठस्थ होय एवो मुसलमान
हाफ़िज़ा पु० [अ] स्मरणशक्ति
हामिद वि० [अ] प्रशसक; गुणगान करनार
हामिल वि० [अ] हमाल, बोजो ऊचकनार के वही जनार [वती
हामिला वि०[अ] स्त्री० भारेवाई; गर्भ-
हामी स्त्री० हा, स्वीकार (२) वि० [अ] हिमायती, समर्थक –**भरना** = हा पाडवी; स्वीकारवु
हाय स्त्री० दु.ख के पीडा (२) अ० तेनो उद्गार [–**देना** = हरावबु
हार स्त्री० पराजय. –**खाना** = हारवु.
हारना अ० क्रि० हारवु; पाछु पडवु
हारमोनियम पु० [इ] पेटीवाजु
हारसिंगार पु० जुओ 'हरसिंगार'
हारे दर्जे अ० विवश–लाचार थईने
हार्द पु० [स] प्रेम; दया (२) मर्म (३) वि० हृदय सबधी
हार्दिक वि० [स] हृदय सबधी; दिली
हाल स्त्री० हालवु ते; हलन (२) पु० पैडानी लोढानी वाट (३) [इं.] हॉल
हाल पु०[अ] हाल; दशा (२) खबर; समाचार (३) विवरण; वर्णन (४) कथा; चरित्र (५) (व्या) वर्तमान काळ (६) ईश्वरमा तल्लीनता (७) अ० हाल; हमणा
हालका वि० नवु; ताजु; हालनुं
हालडोल पु० हालवु ते (२) हिलचाल

हवेली स्त्री०[अ.] हवेली (२) स्त्री; पत्नी
हव्वा स्त्री० [अ] बावा आदमनी स्त्री; 'Eve' (२) पु० हाउ
हशमत स्त्री०[अ] गौरव; मोटाई (२) [वैभव
हशर पु० जुओ 'हश्र'
हश्त वि० अष्ट; आठ
हश्तुम वि० आठमु
हश्र पु० [अ] कयामतनो दिन; हशर (२) शोक; आक्रंद (३) शोरबकोर
हश्शाश वि० [अ.] खूब प्रसन्न; राजी. **–बश्शाश** = खूब खुश
हसद पु० [अ] ईर्षा; झेर
हसन पु०[स] हसवु ते (२) हासी; विनोद
हसब पु० [अ] 'नसब'थी ऊलटु (मातृ-पक्षनु) कुळ; वंश [खानदान
हसब-नसब पु० [अ] माबापनु कुळ–
हसरत स्त्री० जुओ 'हस्रत'
हसीन वि० [अ] सुदर; खूबसूरत
हसूल पु० जुओ 'हुसूल'
हस्त पु० [स] हाथ (२) सूढ (३) एक नक्षत्र [(२) जिंदगी
हस्त(–स्ती) स्त्री० [फा.] हस्ती; हयाती
हस्तक्षेप पु० [स] दखल
हस्तगत वि०[स] हाथमा आवेलु; मळेलु
हस्ताक्षर पु० [स] दस्कत; सही
हस्तामलक पु० [स] मेळववु; हस्तगत करवु सहेलु ते
हस्ती स्त्री० [फा] जुओ 'हस्त' (२) पु० [स] हाथी
हस्ते अ० द्वारा; मारफत
हस्ब अ० [अ] अनुसार; प्रमाणे
हस्रत स्त्री० [अ.] हसरत; शोक; अप्राप्तिनु दु.ख (२) कामना; लालच
हहर स्त्री० कंपारी (२) डर

हहरना अ० क्रि० कापवु; थथरवु (२) डरवु (३) चोंकवु (४) अदेखाई करवी
हाँ अ० हा **–करना** = हा कहेवी (२) समत थवु. **–में हाँ मिलाना** = हाजियो भणवो; हाजी हा करवु
हाँक स्त्री० हाक; बोलाववा माटे बूम **–देना, मारना, लगाना** = हाक मारवी. **–पुकार कर कहना** = बधा सामे भय सकोच वगर कहेवु
हाँकना स०क्रि० हाकवु (२) हाक मारवी
हाँगा पु० हाजा, शरीरनी ताकात (२) जबरदस्ती **–छूटना** = हाजा वछूटवा; कमजोर के नाहिंमत थई जवु
हाँगी स्त्री० 'हामी'; हा; समति **–भरना** = हा पाडवी
हाँडी स्त्री० हाल्ली (२) दीवानी हाडी
हाँप(–फ)ना अ०क्रि० हाफवु
हाँफा पु०, **–फी** स्त्री० हाफ
हाँसी स्त्री० 'हँसी'; हास्य (२) हासी
हाइड्रोजन पु० [इ] एक वायु
हाइफन पु०[इ] एक विरामचिह्न (-)
हाई स्त्री० दशा; हाल (२) ढग, रीत (३) वि०[इ] ऊचु, मोटु. (दा० त० हाई कोर्ट पु०, –स्कूल पु०)
हाऊ पु० हाउ; 'हौवा'
हाकिम पु० [अ] हाकेम; अमलदार
हाकिमी वि०(२)स्त्री० हाकेमी; हकूमत
हाजत स्त्री०[अ] हाजत; जरूर; (२) चाह (३) पहेरो; केद; 'हवालात' **–में देना या रखना** = पहेरामा राखवु
हाजती स्त्री० पेशावपाणी माटे रोगी पासे रखातु वासण (२) वि० हाजतवाळु [पाचनक्रिया
हाजमा पुं० [अ] पाचनशक्ति के

हाजा स० [अ] आ; 'यह'
हाजिम वि०[अ] पाचक; पचावे एवु
हाजिर वि०[अ] हाजर; उपस्थित (२) हयात; विद्यमान (३) (व्या) बीजो (पुरुष) [(नाम, –री)
हाजिर-जवाब वि०[अ.] हाजरजवाबी.
हाजिरी स्त्री०[अ] हाजरी (२) बपोरनी हाजरी – नास्तो [आवेल
हाजी पु०[फा] हज करनार के करी
हाट स्त्री० हाट; बजार के दुकान. –**करना**=दुकान काढवी (२) बजार करवा जेवु
हाटक पु०[स] सोनु (२) वि० सोनेरी
हाड़ पु० हाडकु
हाता पु० [अ. इहात] वाडो, आगणु (२) प्रात; 'सूबा' (३) सीमा (४) वि० (स्त्री० –**ती**) (प) अलग; दूर करेलु
हातिम पु० [अ] चतुर आदमी (२) उस्ताद, तज्ज्ञ (३) हातिमताई के तेना जेवो दानी [(३) हाथो
हाथ पु० शरीरनो हाथ(२)दाव(रमतनो)
हाथपाँव फूलना=डर के शोकथी गभरावु
हाथपान पु० हाथपहोच्चियु–एक घरेणु
हाथा पु० हाथो (२) हाथनो थापो
हाथापाई, हाथाबाँही स्त्री० हाथपगथी मारामारी; धोलधापट
हाथी पु० गज; हस्ती; हाथी
हाथीखाना पु० हाथीखानु
हाथीपांव पु० हाथीपगानो रोग
हाथीवान पु० महावत
हाथोहाथ अ० हाथोहाथ (२) जोत-जोतामा. –**लेना**=वहु आदरमान करवु
हाव(–दि)सा पु० [अ हादिसा] दुर्घटना; आपत्ति (२) अकस्मात
हादिस वि० [अ] नवु (२) नश्वर
हादिसा पु० [अ] जुओ 'हादसा'
हादी पु० [अ.] नेता, मार्गदर्शक
हानि स्त्री० [स.] नुकसान (२) नाश
हाफ़िज़ पु० [अ] कुरान कठस्थ होय एवो मुसलमान
हाफ़िज़ा पु० [अ] स्मरणशक्ति
हामिद वि० [अ] प्रशसक, गुणगान करनार
हामिल वि० [अ] हमाल, बोजो ऊचकनार के वही जनार [वती
हामिला वि०[अ] स्त्री० भारेवाई; गर्भ-
हामी स्त्री० हा, स्वीकार (२) वि० [अ] हिमायती; समर्थक –**भरना** = हा पाडवी; स्वीकारवु
हाय स्त्री० दु:ख के पीडा (२) अ० तेनो उद्गार [–**देना** = हरावबु
हार स्त्री० पराजय. –**खाना** = हारवु.
हारना अ० क्रि० हारवु; पाछु पडवु
हारमोनियम पु० [इ] पेटीवाजु
हारसिंगार पु० जुओ 'हरसिंगार'
हारे दर्जे अ० विवश–लाचार थईने
हार्द पु० [स] प्रेम; दया (२) मर्म (३) वि० हृदय सवधी
हार्दिक वि० [स] हृदय सवधी; दिली
हाल स्त्री० हालवु ते; हलन (२) पु० पैडानी लोढानी वाट (३) [इ] हॉल
हाल पुं०[अ] हाल; दशा (२) खवर; समाचार (३) विवरण; वर्णन (४) कथा; चरित्र (५) (व्या) वर्तमान काळ (६) ईश्वरमा तल्लीनता (७) अ० हाल; हमणा
हालका वि० नवु; ताजु; हालनु
हालडोल पु० हालवु ते (२) हिलचाल

हालत स्त्री०[अ] दशा;हालत;परिस्थिति
हालमें अ० थोडा वखतथी; हालमां
हालरा पु० हीचोळो के हीचको
हालांकि अ० [फा.] जोके; यद्यपि
हाला पु०[अ] कुंडळ; वर्तुल (२) चद्रनी चारेकोर देखातो गोळ (३) स्त्री० [स.] दारू [समाचार
हालात पु० [अ] 'हाल' नु ब०व०;
हालाहल पु० हळाहळ; झेर
हाली अ०[अ.] जलदी; तरत (२) वि० हालनु; वर्तमान (३) पु० चलणी नाणु
हाव पु०[स] चेष्टा; नखरु (शृगारनु)
हावन स्त्री० [फा] लोढानी खाडणी
हावन-दस्ता पु० [फा] खाडणी पराई; 'हमामदस्ता'
हाव-भाव पु० [स] चेष्टा; नखरा
हावला-बावला वि० हावरु बावरु; घेलु
हावी वि०[अ] कुशळ; दक्ष (२) बधी तरफथी वशमा राखनारु
हाशिया पु०[अ] कोर, धार (२) गोट; मगजी (३) हासियामा करेली नोध **—चढ़ाना**=मरचु मीठु भभराववु; रसिक करवा वातने वधारवी
हास पु०[स] हास्य (२) उपहास; मजाक
हासिद वि०[अ] 'हसद'—ईर्षा करनारु
हासिल वि० (२) पु० [अ] हासल; मळेलु; लाभ (३) वद्दी (गणितमा)
हासिल-कलाम अ० [अ.] साराश के; तात्पर्य के
हासिल-जमा पु० [अ] सरवाळो
हासिल-ज़र्ब पु०[अ] गुणाकार; गुणनफल
हासिल-तकसीम पु० [अ] भागाकार
हास्य पु० [स] हसवु ते (२) मजाक (३) वि० हसवा जेवु; हास्यजनक
हाहाकार पु० [स] (शोक, जुलम इ० नी लागणीथी) हाहा करवु ते
हाहाठीठी, हाहाहीही स्त्री० हाहाहीही
हाही स्त्री० काई मेळववा हाय हाय करवु ते **—पड़ना**=हाय हाय थवी
हाहू पु० हाहो; शोर
हिंकरना अ० क्रि० हणहणवु
हिंकार पु० वाछडाने बोलाववा गाय बागरडे ते के वाघनो अवाज
हिंग, —गु [स] पु० हीग के तेनु झाड
हिंडोरा (प), **—ल, —ला** पु० हिंडोळो (२) पारणु (३) चगडोळ
हिंदवाना पु० तडबूच
हिंदवी स्त्री० [फा] हिंदीभाषा
हिंदसा पु० [अ] गणित (२) रेखागणित (३) रकम; संख्या (४) (ब०व०) आक
हिंदी वि० [फा] हिंदनु के तेने लगतु (२) पु० हिंदनो वतनी (३) स्त्री० हिंदी भाषा
हिन्दुस्तानी वि० [फा] जुओ 'हिंदी'
हिंदू पु० हिंदु
हिंदोल पु० [स] हिंडोळो (२) एक राग
हिंदोस्तान पु० [फा] हिंदुस्तान
हिंमत स्त्री० 'हिम्मत'; बहादुरी; धैर्य. **—पड़ना**=हिंमत होवी
हिंमती वि० हिंमतवान
हिंयां अ० (प) अही; 'यहाँ'
हिंव,—वार पु० हिम; बरफ
हिंस स्त्री० (प.) घोडानो हणहणाट
हिंसक वि० [सं.] घातक; हिंसावाळु
हिंसना अ०क्रि० (प) हणहणवु (२) स०क्रि० हिंसा करवी; मारवु
हिंसा स्त्री० [स] घात; वध; नाश
हिंस्र वि० [सं] हिंसक

हिअ(-आ) पु० 'हिय'; हृदय
हिकमत स्त्री० [अ.] विद्या; कळा (२) हिकमत;युक्ति(३)हकीमी;युनानीवैदक
हिकमत-अमली स्त्री० [अ] चालाकी; होशियारी (२) कूटनीति
हिकमती वि० हिकमतवाळु
हिकायत स्त्री० [अ] कहाणी; वात
हिक़ारत स्त्री० जुओ 'हकारत'
हिक्का स्त्री० [स] हेडकी
हिचक स्त्री० आनाकानी, घडभाज; खमचावु ते
हिचकना, हिचकिचाना अ० क्रि० अचकावु; आनाकानी करवी (२) हेडकी आववी
हिचकिचाहट स्त्री० जुओ 'हिचक'
हिचकी स्त्री० हेडकी
हिजडा,-रा पु० हीजडो
हिजराँ पु० [अ+फा] वियोग; 'हिज्र'
हिजरी पु० [अ] मुसलमानी सवत
हिजाब पु० [अ] पडदो (२) शरम
हिज्जे पु० [अ] जोडणी **-करना**= वादविवाद के नुक्तेचीनी करवी. **-पकडना**=भूल काढवी
हिज्र पु० [अ] वियोग
हिज्र(-जर)त स्त्री० [अ] हिजरत
हित पु०[स.] लाभ; फायदो (२) भलु (३) मित्र (४) हेत (५) अ० -ने माटे; सारु [हितकारी होवु
हितवना अ०क्रि० (प) हेत होवु;
हिताई स्त्री० नातो, सवंध
हिताना अ०क्रि०(प) जुओ 'हितवना'
हितेच्छु, हितैषी वि०[सं.] हित चाहनार; 'हिती' [मित्र (३) संवधी
हिती(-तु,-तू) पु० हितेच्छु (२) स्नेही;
हिदायत स्त्री० [अ] शिखामण (२) आदेश; आज्ञा
हिनहिनाना अ०क्रि० हणहणवु
हिना स्त्री० [अ] मेंदी
हिनाई वि० [अ] हिनाना-मेंदीना रगनु; लाल (२) मेंदीवाळु [देखरेख
हिफाजत स्त्री०[अ] जाळवणी; सभाळ;
हिफ़्ज अ०[अ] कठस्थ, मोढे (२) पु० हिफाजत; सभाळ (२) अदब
हिफ़्जे-सेहत पु० [अ] स्वास्थ्यनी रक्षा
हिब्बा पु० [अ] इनाम (२) दान
हिम पु०[स] बरफ (२) ठडी के तेनी ऋतु (३) चद्र (४) चदन **०उपल, ०कण** पु० करा [राखवानी वासळी
हिमयानी स्त्री०[अ]रूपिया कमरे बाधी
हिमाकत स्त्री० [अ] मूर्खता; बेवकूफी
हिमाद्रि पु० [स] हिमालय
हिमामदस्ता पु० हमामदस्तो; खाडणी-पराई; 'हावनदस्ता'
हिमायत स्त्री० [अ] तरफदारी; पक्ष करवो ते (२) रक्षण; वालीपणु; देखरेख (वि० **-ती**) [-ती'
हिम्मत स्त्री०, **-ती** वि० जुओ 'हिंमत,
हिय(-या,०रा) पु० हृदय; हैयु (२) छाती. **-हारना**=हिंमत हारवु **हियेका अंधा**=हैयाफूटु; मूर्ख; अज्ञान
हियाँ अ० जुओ 'हियाँ'
हिया,०व पु० हिंमत; छाती
हिरण्य स्त्री० [स.] सोनु [जवु
हिरन पु० हरण **-हो जाना**=नासी
हिरनौटा पु० हरणनु बच्चु
हिरफत स्त्री० [अ.] हाथकारीगरी (२) हुन्नरकळा (३) धधोरोजगार (४) चालाकी (५) चालबाजी

हिरमजी स्त्री० [अ] लाल माटी; रगी
हिराना अ०क्रि० गेब थवु; खोवावु (२) मटवु; टळवु (३) स०क्रि० भूली जवु
हिरास स्त्री० [फा.] जुओ 'हरास'
हिरासत स्त्री० [अ] चोकी, पहेरो (२) नजरकेद
हिरासाँ वि० [फा] भयभीत (२) निराश
हिर्फत स्त्री० जुओ 'हिरफत'
हिर्स स्त्री० [अ] लालच; लोभ (२) इच्छानो आवेग (३) स्पर्धा **-करना, -छूटना** = ललचावु
हिर्साहा वि० लालचु [चडी जईने
हिर्साहिर्सी अ० देखादेखी; स्पर्धा पर
हिर्सी वि० [फा] लालचु [मोजु
हिलकोर (-रा) पु० हेलकारो; हेलारो;
हिल्कोरना स०क्रि० हेलकारो मारवो
हिलग स्त्री० सवध (२) ओळख (३) प्रेम; मेळ
हिलगना अ०क्रि० टगावु, लागी रहेवु (२) फसावु; वाझवु (३) हळी जवु, ओळखावु (प्रेरक **हिलगाना**)
हिलना अ० क्रि० हालवु (२) हळवु, गोठवु. **-मिलना** = हळवुमळवु
हिलाना स०क्रि० हलाववु; डोलाववु
हिलाल पु० [अ] बीजनो चद्र
हिलोर,-रा,-ल पु० हिलोळो; हेलारो **-लेना** = हेलारा खावा [चडाववु
हिलोरना स०क्रि० हिलोळवु; हिलोळे
हिलो (-ल्लो) ल पु० जुओ 'हिलोर'
हिल्म पु०[अ] सहनशीलता (२) नम्रता
हिल्लोल पुं० [स] जुओ 'हिलोर,-ल'
हिवंचल, हिवर पु० 'हिंवार'; बरफ
हिस स्त्री० [अ] होश; भान (२) गति; चेष्टा
हिसका पु० ईर्षा (२) देखादेखी इच्छा थवी ते; स्पर्धा
हिसका-हिसकी स्त्री० स्पर्धा
हिसाब पु०[अ] गणना (२) गणितनो दाखलो (३) नामु (४) रीत; ढग (५) लेखु; ख्याल
हिसाब-किताब पु०[अ] हिसाबकिताब, आवक खरचनो हिसाब (२) ढग; चाल; वर्तन
हिसाब-बही स्त्री० नामानो चोपडो
हिसाबी वि० हिसाबवाळु (२) हिसाब राखीने चालनारु [किल्लो, गढ
हिसार पु० [अ] शहेरनो कोट (२)
हिस्सा पु०[अ] हिस्सो; भाग; अग; अश
हिस्सा-रसद अ० [फा] हिस्सा प्रमाणे
हिस्सेदार पु०[फा] भागियो; भागीदार
हिहिनाना अ०क्रि० जुओ 'हिनहिनाना'
हींग स्त्री० हिंग
हींस स्त्री० हिसारव, हीसारव, हणहणाट
हींसना अ०क्रि० हीसारवु; हणहणवु
ही अ० ज (२) (प) अ०क्रि० 'होना' नु भूतकाळ स्त्री० रूप (व्रज भाषा)
हीक स्त्री० हेडकी (२) सूक्ष्म दुर्गंध
हीठना अ०क्रि० (प) पासे जवु (२) पहोचवु
हीन वि०[स] हीणु, नीचु, हलकु (२) रहित; विनानु (३) त्यक्त
हीन पु० [अ] समय; वखत
हीन-हयात अ०[अ] आजन्म; उमरभर (२) स्त्री० जीवनकाल [०रा-या'
हीय,०रा,-या पु० (प) जुओ 'हिय,
हीर पु० हीरो [स] (२) हीर; सत्त्व, सार
हीरा पु० हीरो
हीरा-कसीस पु० हीराकसी

हीलतन् अ०[अ] युक्तियी; बहानाथी; छेतरीने
हीला पु०[अ] बहानु; मिष (२) निमित्त, कारण. ०हवाला पु० बहानु
हीला-गर,-बाज़,-साज़ वि० चालाक; फरेबी, बहानु काढनार
हीला-हवाला पु० [अ] बहानु
हुंकार पु० हुकारो; पडकार; गर्जना
हुंकारना अ०क्रि० होकाटवु, ठपको देवो (२) हुकारो करवो; गर्जवु
हुँकारी स्त्री० हकारो, हा कहेवु ते
हुंडा भाड़ा पु० महेसूल इ० बधु आपीने माल पहोंचाडवानो ठेको
हुँड़ार पु० वरु
हुंडा(-डिया)वन स्त्री० हूंडियामण
हुंडी स्त्री० हूंडी -करना=हूंडी लखवी
हु अ० (प) 'भी'; पण, सौ जेम के राम हु=राम पण
हुआना अ०क्रि० शियाळनु बोलवु
हुकुम पु० हुकम
हुक़ूक पु०[अ] 'हक' नु ब०व०, जुओ 'हक़ूक'
हुकूमत स्त्री०[अ] हकूमत, सत्ता; शासन
हुक़्क़ा पु०[अ] हूको (तमाकुनो) ०पानी हूकापाणीनो वहेवार; सबध
हुक्काम पु० [अ 'हाकिम' नु ब०व०] हाकेम-अमलदार-वर्ग
हुक्म पु० [अ.] हुकम
हुक्म-उदूली स्त्री० [अ] हुकमनी अवगणना [फरमान
हुक्म-नामा पु० [अ+फा] हुकमनामु,
हुक्म-बरदार वि० [अ+फा] आज्ञाकारी
हुक्म-रां वि० [अ+फा] हुकम देनार; शासक
हुक्मी वि० [अ] अचूक; अटल (२) आज्ञाकारी (३) अ० सदा
हुचकी स्त्री० हेडकी; 'हिचकी'
हुजरा पु० [अ] हुजरो; ओरडी (२) मसीदनी एकात ध्यान माटेनी ओरडी
हुजूम पु० [अ] 'हजूम', भीड; 'मजमा'
हुज़ूर पु० [अ] 'हजूर'-एवु सबोधन (२) हजूर; हाजरी, समक्षता (३) दरबार; कचेरी
हुज़ूर-वाला पु० [अ] जनाब; श्रीमान
हुज़ूरी पु० [अ] हजूरियो; नोकर (२) दरबारी (३) वि० सरकारी; हजूरनु
हुज्जत स्त्री० [अ] खाली तर्कबाजी; दलीलबाजी (२) झघडो, तकरार (वि० -ती)
हुड़कना अ०क्रि० टळवळवु, दुखी थवु; बीवु (बाळक एकलु पडे तेथी)
हुड़दग पु० धमाचकडी; धावल
हुत अ०क्रि० (प) हतु (२) वि० [स] होमायेलु
हुताशन पु० [स] अग्नि
हुति(-ते) अ० (प) द्वारा; थी (२) तरफथी (त्रीजी ने पाचमी विभक्तिना अर्थमा)
हुदहुद पु० [अ] एक पक्षी
हुदूद स्त्री० [अ] 'हुदूद'; 'हद'नु ब० व०
हुदूद-अरबा स्त्री० [अ] चतुःसीमा; चारे बाजूनी हद
हुन पु० [स हून] सोनामहोर (२) सोनु
हुनर पु० [फा] हुन्नर; कारीगरी (२) कौशल, चातुरी (३) गुण [कुशळ
हुनर-मंद वि० [फा] हुन्नरी; कसबी;
हुनूद पु०[अ]'हिंदू' नु ब०व० [मरजी
हुब स्त्री० प्रेम (२) दोस्ती (३) इच्छा;

हुबाब पु० [अ] 'हबूब'; परकोटो
हुब्ब पु० [फा.] प्रेम; मैत्री; 'हुब'
हुब्बुलवतन, हुब्बे-वतन स्त्री० [अ.] देशप्रेम
हुमक(-ग)ना अ०क्रि० ऊछळवु (२) छलग मारवा पग पर जोर देवु
हुमा स्त्री० [फा] हुमा नामनु एक काल्पनिक पक्षी [हुमायु बादशाह
हुमायूं वि०[फा] शुभ; मुबारक (२)पु०
हुमेल स्त्री० [अ हमाइल] 'हमेल'; सिक्का वगेरेनी गळानी एक माळा
हुरदंग(-गा) पु० जुओ 'हुडदंग'
हुरमत स्त्री० [अ] मान; आबरू
हुलकना अ०क्रि० ऊलक थवी; ओकवु
हुलकी स्त्री० ऊलक (२) कॉलेरा
हुलसना अ०क्रि० हूलवु; उल्लसवु (२) ऊलसवु; ऊभरावु; ऊमटवु
हुलसी स्त्री० 'हुलास'; उल्लास; उमग
हुलास पु० उल्लास (२) ऊलट (३) स्त्री० छीकणी
हुलिया पु० [अ] चहेरो; रूप; आकार के तेनु वर्णन **-कराना, -लिखाना** = पोलीसमा माणसनी ओळख माटे तेनु वर्णन आपवु [दगो
हुल्लड़ पु० हल्लो; होहा (२) तोफान;
हुवैदा वि० [फा] स्पष्ट; जाहेर; 'रोशन'
हुश अ० चूप करवा माटेनो एक उद्गार
हुस्न पु० [अ] उत्तमता; खूबी (२) हुसन; काति; खूबसूरती
हुस्ने-महफिल पु० एक जातनो हुक्को
हूं अ० हा (२) अ०क्रि० छु; 'होना' नु पहेला पुरुषनु ए० व० नु रूप
हूंकना अ०क्रि० हुकारो करवो; गर्जवु (२) डूसकु भरवु
हूंठा पु० [हि. हूंठ=साडा त्रण] ऊठाना आंक [ते (३) गोद; टोक्या करवु ते
हूंस स्त्री० ईर्षा (२) बूरी नजर लागवी
हूंसना स०क्रि० नजर लागे एम करवु; टोकवु (२) टोकवु; 'कोसना'
हूक स्त्री० हृदयनी पीडा; शूळ
हूकना अ०क्रि० दुखवु (२) शूळ जेवी पीडाथी चोकवु
हूठा पु० डिगो; टिक्को **-देना** = डिगो करवो; टिक्को बताववो
हूदा वि० [फा] वाजबी; ठीक
हूबहू अ०[अ] आबेहूब; बिलकुल मळतु
हूर स्त्री०[अ.] हूरी; अप्सरा (२) वि० खूब सुदर
हूल स्त्री० अणीदार कशु भोंकवु-हुलावी देवु ते (२) शूळ; पीडा
हूलना स०क्रि० हुलावी देवु; खोसवु
हूश वि० असभ्य; जगली
हूहा स्त्री० होहा; शोरबकोर
हृत वि० [स] हरायेलु; लई लीधेलु
हृदय पु० [स] शरीरनु हृदय (२) अत:करण; दिल
हृद्य वि०[स] प्रिय; गमतु (२) हार्दिक; दिली [जाडु; लठ्ठ
हृष्ट वि०[स] खुश; राजी. ०पुष्ट वि०
हू हू पु० आग भडभड बळे तेनो अवाज
हेंगा पु० 'पाटा'; समार (खेतीनो)
हे अ० [स.] हे एवो उद्गार
हेकड़ वि० हृष्टपुष्ट; स्थूल (२) जबरु (३) 'उद्दड; उजड्ड' (नाम -ड़ी)
हेच वि० [फा.] नजीवु; पामर (२) नकामु; असार (३) हिचकारु
हेचकारा वि० [फा] नकामु; निरर्थक
हेठा वि० हेठु; तुच्छ के नीचु

हेठी स्त्री० हेठु पडवु ते; मानहानि
हेतु पु० [स] इरादो; प्रयोजन (२)कारण. **०वाद** पु० तर्कविद्या (२) नास्तिकवाद
हेत्वाभास पु० [स.] तर्कदोष
हेमंत पु० [स] छमानी एक ऋतु
हेम पु० [स] सोनु (२) हिम; बरफ
हेय वि० [स] त्याज्य, खोटु; खराब
हेरंब पु० [स] गणपति
हेरना स०क्रि० (प) ढूढवु; खोळवु (२) हेरवु; निहाळवु (३) समजवु; विचारवु
हेरना-फेरना स०क्रि० हेरफेर करवी, बदलवु के अहीनु तही करवु
हेरफेर पु० चक्कर (२)वात लावी लावी करवी ते (३) दावपेच (४) हेरफेर; फेरफार (अने आपले वेउ अर्थमा)
हेराना स०क्रि० 'हेरना'नु प्रेरक (२) अ०क्रि० गेब थवु; न रहेवु; अभाव होवो के नष्ट थवु (३) फीकु के मद पडवु (४) लीन – तन्मय थवु
हेराफेरी स्त्री० हेरफेर; अदलबदल
हेल पु० छाणा वगेरेनी हेल
हेलना अ०क्रि० हासीखेल करवा (२) स०क्रि० हेलवु; अवगणवु
हेलमेल पु० मेळ; मित्राचारी (२) सग; साथ (३) परिचय
हेला पु० हल्लो; चडाई (२)हेल्लो; धक्को (३) एक वार लई जवाय एटली खेप (४) भगी (५) स्त्री० [स.] अवज्ञा (६) केलि; खेल
हेलिन,–नी स्त्री० भगी स्त्री
हेली स्त्री० (प) हे अली ! (सखी)
हें अ० हे ! (२) अ०क्रि० 'होना' नु ब० व०, वर्तमानकाळनु रूप
हेंडिल पु० [इं] 'हॅन्डल'; हाथो
है अ०क्रि० 'होना' नु ए० व०, वर्तमानकाळनु रूप
हैकड़ वि० जुओ 'हेकड'
हैकल स्त्री०[अ] घोडाना गळानी माळा (२) तावीज (३) जुओ 'हुमेल' (४) चहेरो; सिकल
हैज पु० [अ] स्त्रीनो रजोधर्म
हैज़ा पु० [अ] कॉलेरा
हैफ़ अ० [अ] हाय, अफसोस
हैबत स्त्री०[अ] हेबत; हबक; धास्ती
हैबत-ज़दा वि० [फा] हेबताई गयेलु
हैबत-नाक वि० [फा.] भयकर; भीषण
हैम वि० [स] सोनेरी; सोनानु के ते सबधी (२) बरफवाळु **०वती** स्त्री० पार्वती (२) गगा
हैयत स्त्री० [अ] खगोळविद्या
हैरत स्त्री० [अ] हेरत; अचबो
हैरत-अंगेज़ वि० [फा.] आश्चर्यकारक
हैरान वि०[अ.] हेरान; 'परेशान' (२) आश्चर्यचकित (नाम, –नी)
हैवान पु०[अ] हेवान; पशु (२) गमार
हैवानियत स्त्री०[अ] हेवानियत; पशुता
हैवानी वि० हेवान; पशु जेवु, पाशव
हैसबैस पु०[अ] 'बहस'; विवाद; चर्चा
हैसियत स्त्री०[अ] हेसियत; योग्यता; शक्ति (२) आर्थिक दशा; धनसपत्ति (३) दरज्जो, कक्षा
हो अ०क्रि० 'होना' नु ब०व०, विध्यर्थ
होंठ पु० होठ –**काटना**, –**चबाना** = होठ करडवा; क्रोध प्रगट करवो
हो अ० हे, अहो (२) अ०क्रि० होत, 'होना' नु बीजो पुरुष, विध्यर्थ, के बीजो पुरुष, ब०व०, वर्तमानकाळनु रूप

होटल पु० [इ] होटेल; वीशी के नास्तापाणीनी दुकान
होड़ स्त्री० होड; शरत (२) स्पर्धा (३) हठ. **-बदना, -लगना**=होड बकवी
होड़ाबादी, होड़ाहोड़ी स्त्री० चडसा-चडसी, होड
होतब(-व्य) पु०, **-व्यता** स्त्री० (प.) थनारु, भावी; 'होनहार'
होता पु०[स] हवन करनार; पुरोहित
होनहार वि० होनार; भावी (२) श्रेष्ठ नीवडनारु; सारा लक्षणवाळु (३) पु० भावी; नियत
होना अ०क्रि०होवु; थवु **होकर रहना**= जरूर थवु **हो बैठना**=थई पडवु; बनी वेसवु (२) स्त्रीनु दूर बेसवु
होनी स्त्री० पेदाश, उत्पत्ति (२) हाल; वृत्तांत (३) भावी के संभवित घटना
होम पुं० [स] हवन; यज्ञ
होमना स०क्रि० होमवु; यज्ञमा नाखवु
होरसा पु० ओरसियो
होरहा पु० चणानो छोड के पोपटो
होरा(-ला) पु० [स होलक] चणानो ओळो (२) 'होरहा'; पोपटो
होरिल पु० तरत जन्मेलु बाळक
होरी,-ली स्त्री० जुओ 'होली'
होला स्त्री० (शीखोनी) होळी (२) पु० जुओ 'होरा'
होली,-लिका [स] स्त्री० होळी के तेनु गीत
होल्ड-ऑल पु०[इ] 'होल्डॉल'-विस्तरो
होल्डर पु० [इ.] कलम
होश पु०[फा] होश; चेतन (२) याद; सूधबूध (३) समज **-की दवा करना** =होश ठेकाणे आणवा **-दंग होना**= आश्चर्यथी दंग थवु. **-दिलाना**=याद देवडाववु
होशमंद वि० [फा] समजदार
होश(०व)हवास पु० [फा.+अ] होशकोश
होशियार वि० [अ] समजु; चालाक; अकलवाळु (२) सावध; सजाग (नाम, -री स्त्री०)
होस्टल पु० [इ] 'हॉस्टेल'; छात्रालय
हौं अ०क्रि० छु, 'होना' नु पहेलो पुरुष, ए० व०, वर्तमानकाळनु रूप (२) स० (व्रज) हु
हौ अ०क्रि० छे; 'होना' नु बीजो पुरुष, ए० व०, वर्तमानकाळनु रूप
हौआ(-वा) पु० हाउ; 'हव्वा'
हौज(-द) पु० [अ. हौज़] होज
हौदा पु० होद्दो; अंबाडी
हौल पु० [अ] डर, दहेशत. **-पैठना, -बैठना**=दहेशत लागवी; डर पेसवो
हौलजौल पु० उतावळ के तेथी थतो रघवाट के गभराट
हौल-दिल पु० [फा] दिल धडकवु ते के तेनो रोग (२) वि० डरी गयेलु के डरपोक (३) गभरायेलु; व्याकुळ
हौल-दिला वि० 'हौलदिल'; डरपोक के गभरायेलु
हौलनाक वि० [फा] भयानक
हौली स्त्री० दारूनी दुकान [एवु
हौलू वि० 'हौलदिल'; डरपोक; झट डरे
हौले अ० धीरेथी; आस्ते (२) हलके हाथे
हौवा स्त्री० जुओ 'हव्वा'
हौस स्त्री० [अ. हवस] प्रबळ इच्छा (२) होंस; उमंग; उत्साह
हौसला पु०[अ] होंस; उत्साह; उमंग (२) साहस; हिंमत **-निकालना**=

होंस पूरी थवी –पस्त होना=होस शमी जवी; जोर ठडु पडवु

हौसला-मंद वि०[फा] होसीलु; उत्साही के साहसी, उमगी

ह्रद पु०[स.] तळाव के सरोवर(२)ध्वनि

ह्रदिनी स्त्री० [स] नदी

ह्रस्व पु०[स] वामन; ठीगणो (२) वि० लघु; टूकु

ह्रास पु० [स] क्षय; पडती (२) कमी, न्यूनता

ह्री स्त्री० [स] शरम; लज्जा

ह्लाद,०न पु० [स] आह्लाद; आनद

ह्वाँ अ० (प) 'वहाँ'; त्या

ह्विस्की स्त्री० [इ] 'विस्की' दारू

ह्वेल पु० [इ] वहेल माछली

हमारी परीक्षोपयोगी पुस्तके

हिन्दी बालकहानियां

नौ सुन्दर और शिक्षाप्रद बालकहानियोका सग्रह ।

की० ०—४—० डाकखर्च ०—२—०

हिन्दी बालपाठावली

सरल और सुबोध भाषामें छपी बालोपयोगी पुस्तक। अन्तमे कठिन शब्दोंके गुजराती, मराठी व बगलामें अर्थ दिये गये हैं।

की० ०—६—० डाकखर्च ०—२—०

बातचीत——१

लेखक : गिरिराजकिशोर

अिस पुस्तिकाका अुद्देश्य हिन्दी सीखनेवालोंके सामने बोलचालकी हिन्दी भाषा रखना है। अिसके अन्तमें रोज अुपयोगमें आनेवाले हिन्दी शब्दोंके गुजराती पर्याय भी दिये गये है।

की० ०—४—० डाकखर्च ०—२—०

बातचीत——२

लेखक : गिरिराजकिशोर

अिस पुस्तकका अुद्देश्य पाठकोंके सामने बोलचालकी सीधी-सादी लेकिन मुहावरेदार हिन्दी भाषा रखना है। अिसके अन्तमें हिन्दी शब्दोंके गुजराती पर्याय भी दिये गये हैं।

की० ०—४—० डाकखर्च ०—२—०

संवाद

लेखक गिरिराजकिशोर

अिसका अुद्देश्य भी पाठकोंके सामने वोलचालकी हिन्दी रखना है। लेकिन यह पुस्तक विपय और वाक्यरचनाकी दृष्टिसे 'वातचीत — २' से आगे वढी हुअी है।

की० ०—६—० डाकखर्च ०—२—०

हिन्दी पाठावली——पहली किताब

वालोपयोगी गद्य-पद्य-सग्रह । अिसमें भी अन्तमें कठिन शब्दोंके अर्थ गुजराती, मराठी व वगलामें दिये गये हैं।

की० ०—९—० डाकखर्च ०—३—०

हिन्दी पाठावली — दूसरी किताब

सपा० गिरिराजकिशोर, नरेन्द्र अजारिया

यह सग्रह हिन्दीकी तीसरी परीक्षाके लिअे है। अिसमें पाठो और काव्योकी पसन्दगीमे भाषाकी सरलता और चलतेपनका खास खयाल रखा गया है।

की० १–४–० डाकखर्च ०–५–०

हिन्दी पाठावली — तीसरी किताब

सपा० गिरिराजकिशोर, नानुभाअी बारोट

हिन्दी भाषाका अच्छा अभ्यास करनेवालोंके लिअे यह गद्य-पद्य-सग्रह बडा अुपयोगी सिद्ध होगा। अिसमें हिन्दी-भाषी और अहिन्दी-भाषी दोनो लेखको और कवियोकी हिन्दी रचनाअें दी गअी हैं।

की० १–८–० डाकखर्च ०–६–०

गद्य-संग्रह

संपा० गिरिराजकिशोर, अम्बाशकर नागर

यह संग्रह 'हिन्दी सेवक' की परीक्षाके लिअे तैयार किया गया है। हिन्दीके प्रसिद्ध लेखकोंके सिवा गुजराती और मराठी-भाषी लेखको और विचारकोंके लेख भी अिसमें शामिल किये गये हैं।

की० २–८–० डाकखर्च ०–१३–०

हिन्दी कहानी संग्रह — भाग १

सपादक · गिरिराजकिशोर

चुनी हुअी आठ कहानियोका सग्रह, कठिन शब्दोंके अर्थके साथ।

की० ०–४–० डाकखर्च ०–२–०

हिन्दी कहानी संग्रह — भाग २

सपा० गिरिराजकिशोर, नरेन्द्र अंजारिया

हिन्दीकी सात सुन्दर कहानियोका सग्रह, कठिन शब्दोंके अर्थके साथ।

की० ०–९–० डाकखर्च ०–३–०

हिन्दी कहानी संग्रह — भाग ३

सपा० गिरिराजकिशोर, नरेन्द्र अंजारिया

यह सग्रह हिन्दी विनीत परीक्षाके लिअे है। अिसमें छ प्रसिद्ध कहानी-लेखकोंकी अुत्तम रचनाये ली गअी हैं।

की० ०–१०–० डाकखर्च ०–४–०

नाटक खेलें

सपा० गिरिराजकिशोर, नरेन्द्र अंजारिया

ये अेकांकी नाटक पाठकोंको हिन्दी सीखनेमें बडे मददगार होंगे। अिनकी भाषामें प्रवाह और चलतापन है। सरलता अिनका खास गुण है।

की० ०–६–० डाकखर्च ०–२–०

मुनाजाते बेवा

संपा० गिरिराजकिशोर

यह अुर्दूके प्रसिद्ध कवि मौलाना अल्ताफहुसेन हालीके काव्यका नागरी रूपान्तर है। अिसमे भारतीय विधवाकी व्यथाका अितना सच्चा और मार्मिक चित्रण है, मानो किसी विधवाने ही अिसे लिखा हो।

की० ०—५—० डाकखर्च ०—२—०

चुपकी दाद

सपा० गिरिराजकिशोर

यह मौलाना हालीकी दूसरी सुन्दर पुस्तक है। अिसमे अुन्होने लोगोको समझाया है कि स्त्रियोका समाजमे क्या स्थान है, अुनकी कितनी वडी जिम्मेदारिया हैं और अिन्हे वे पूरा कर सके अिसके लिअे अुन्हे शिक्षा देना कितना जरूरी है।

की० ०—३—० डाकखर्च ०—२—०

आधुनिक हिन्दी कविता

सपा० नानुभाअी बारोट, गिरिराजकिशोर

अिस पुस्तकमें नागरी और अुर्दू लिपिमें लिखी गअी 'खडी बोली'की आधुनिक कविताओका सग्रह किया गया है। हिन्दी-अुर्दूकी मिलीजुली आसान शैलीमें लिखनेवाले आधुनिक युगके लगभग सभी प्रतिनिधि कवियोकी रचनाओके नमूने अिसमें आ गये हैं।

की० १—०—० डाकखर्च ०—४—०

प्राचीन हिन्दी कविता

सपा० — गिरिराजकिशोर, अम्बाशंकर नागर

यह सग्रह राष्ट्रभाषाके अभ्यासके खयालसे तैयार किया गया है। कवियो और अुनकी रचनाओके चुनावमें यह बात ध्यानमें रखी गअी है कि अैसे कवियो और काव्योंको लिया जाय जो समाज पर अपना असर छोड गये है। कुछ प्रसिद्ध अहिन्दी-भाषी सन्तोकी रचनाये भी अिसमें ली गअी है।

की० १—१०—० डाकखर्च ०—५—०

भूल-सुधार

लेखक गिरिराजकिशोर, अम्बाशकर नागर

अिस पुस्तकके नामसे ही पता चलता है कि यह गुजरातमें हिन्दी सीखनेवालोको बोलने और लिखनेकी भूलोसे बचानेके लिअे तैयार की गअी है। भाषाशास्त्रकी दृष्टिसे अिसका लाभ गुजरातीके सिवा अन्य भाषा-भाषियोंको भी मिलेगा।

की० १—०—० डाकखर्च ०—४—०

प्राप्तिस्थान — नवजीवन कार्यालय, अहमदाबाद—१४